ДРЕВНЕ-СЛАВЯНСКАЯ КОРМЧАЯ

XIV ТИТУЛОВЪ БЕЗЪ ТОЛКОВАНІЙ.

Трудъ

В. Н. Бенешевича.

ТОМЪ ПЕРВЫЙ.

ВЫП. 3.

ИЗДАНІЕ
ОТДѢЛЕНІЯ РУССКАГО ЯЗЫКА И СЛОВЕСНОСТИ ИМПЕРАТОРСКОЙ АКАДЕМІИ НАУКЪ.

САНКТПЕТЕРБУРГЪ.
ТИПОГРАФІЯ ИМПЕРАТОРСКОЙ АКАДЕМІИ НАУКЪ.
Вас. Остр., 9 лин., № 12.
1907.

SYNTAGMA XIV TITULORUM SINE SCHOLIIS

SECUNDUM VERSIONEM PALAEO-SLOVENICAM,

ADJECTO TEXTU GRAECO

E VETUSTISSIMIS CODICIBUS MANUSCRIPTIS EXARATO.

CONSILIO ET AUCTORITATE ACADEMIAE SCIENTIARUM IMPERIALIS PETROPOLITANAE

EDIDIT

V. N. Beneševič.

TOMUS PRIMUS.

Fasc. 3.

PETROPOLI.

TYPIS ACADEMIAE SCIENTIARUM IMPERIALIS PETROPOLITANAE.

W. O., L. 9, № 12.

1907.

Дополненія, поправки и опечатки.

(Большая арабская цыфра обозначаетъ страницу, маленькая внизу — строку, вверху — примѣчаніе; измѣненія въ примѣчаніяхъ, зависящія отъ исправленій, указаны только тогда, когда они не вытекаютъ прямо изъ общаго правила).

Въ объясненіи сокращеній добавить къ греческимъ рукописямъ:

P_2 = Petropol. 208,
B_1 = Barocc. 173 (Bodl. 173),
B_2 = Barocc. 185 (Bodl. 185).

Сдѣлать измѣненія (скобкой] отдѣлено то, что подлежитъ измѣненію)

а) въ славянскомъ текстѣ *:

6 3 гла] гла̑ 6 16 нианѣ] нианѣ 7 8 гла] гла̑ 9 21 оустнианѣ] оустниданѣ 10 6 сщенію] сщенію 14 1 ꙗ] ꙗ̑ 16 13 Гла] Гла̑ 16 14 дни] дн̑и 17 10 просвѣщеный] просвѣщеный̑ 18 20 Гла] Гла̑ 20 6 Гла] Гла̑ 20 19 Гла] Гла̑ 20 24 іг] і̑г 21 4 Гла] Гла̑ 21 11 Гла] гла̑ 31 15 кн] к̑н 44 18 Главизна] | Главизна *и in т. л.* 8 b. 46 6 съдѣяная] | съдѣяная *и in т. л.* 9 a 46 14 іа] і̑а 47 23 аг-] | аг- *и in т. л.* 9 b. 63 1 Єпоъ] Єпо̑ъ 63 21 не] нє 71 2 цркѣнааго] цр̑кѣнааго [18] *и въ примѣч.:* 18) цркѣнааго *cod.* 71 3 честънъіа] ч[ь]стънъіа 78 8 нань] на нь 83 1 СТЫХЪ] С҃ТЫХЪ 88 28 кесприиосница] кес прииосница 104 14 правомоудроваша] право моудроваша 105 29 къданаҳаснємъ] къдана ҳаснємъ 111 5 родивъшаго⟨н⟩· и о житіа] родивъшаго ⟨и⟩· и ожитіа 126 10 рече но] речено 126 17—18 дѣяніи] дѣяніи 127 2 мѣстоу хранителє] мѣстоу̑ хранителє 127 17 правьдьномъ] правьдьномъ 133 27 правлєніе] правлєніе 140 16 дъвѣюстьствьнѣи] дъвѣ юстьствьнѣи 140 17 юди-] юди- 150 22 творити] творити 152 1 мъ] мъі 156 3 іже по | ставі [1] намъ [2] потрѣбѣ] іже по|ставі [1] намъ [2] по трѣбѣ 147 7 немощьно къіти презвү·] не мощьно къіти презвү· 166 32 нѣкъіа] нѣкъіа 194 28 пълъ къіа] пълъ̑къіа 240 26 не къли] некъли 273 28 ходящій] ходящіи 355 22—23 окиталищи ихъ] окиталищиихъ 381 3 к апищи ихъ] капищиихъ· 183 24 или къствьникъ] и ликъствьникъ 601 24 л. 233 a] л. 233 b

41 [4] каноу̑ *УН*] каноу̑ м̑ *УН* 46 [23—27] *должны носить нумерацію 22—26 и на эту же стр. 46 должно быть перенесено прим. 1 со стр. 47, какъ 27-е* 47 [2—26] *должны носить нумерацію* 1—25, 137 [7] сподобоу̑] сподобоу̑ *C.*

---

* Необходимо вездѣ имѣть въ виду, что ни въ одной рукописи не встрѣчается з, а вездѣ ꙁ.

b) въ греческомъ текстѣ *:

3 12 тіνα] тіνα 4 21 ὅπερ] (ὅπερ 4 22 γεγένηται·] γεγένηται) 9 12 Σινόδου] Συνόδου 9 18 Συνόδου] [Συνόδου 9 27 ἤ] [ἤ 16 1 θυσί[αν] θυσί[αν] 19 27 Γαγρῶν] Γαγγρῶν 27 26 ἀπὸ] ὑπὸ 31 5 Γαγρῶν] Γαγγρῶν 53 19 Γαγρῶν] Γαγγρῶν 65 4–5 ἀπέλθῃ... διατρίβῃ] ἀπέλθοι... διατρίβοι 66 25 μόνους] μόνον 67 17 κληρικοὶ καὶ [7] ὅσοι] κληρικοὶ ὅσοι 68 17 τὰ χρείας] τὰ πρὸς τὰς χρειας 71 1 Προστάττομεν] Προστάττομεν τὸν 72 18 ψευδ' ἱερέων] ψευδιερέων 72 26 ἀλλ'] ἀλλ' ἤ 73 6 ἀλλά.] ἀλλά· 75 4 προαγέσθω] προαγέσθω [10] *и въ примѣч.*: 10) между о и α cod. выскобл. σ. 79 6–7 γινέσθω] γινέσθω [6] *и въ примѣч.* 6) cod. ι по скобл. изъ ε (было γενέσθω) 24 πρεσβύτερον [7] *и въ примѣч.*: 7) ἢ διάκονον вставл. cod. рукой X в. 81 19 μυστικά] μυστικά [16] *и въ примѣч.*: 16) cod. переправл. изъ μυστήρια по скобл. 96 7, 8 εἴτουν] ἢτ' οὖν cod., но оба придыханія выскобл. 75 9 δὲ καὶ [4] τὸ] δὲ τὸ 75 22 θῃ] θοι 75 28 ἀποκτείνει] ἀποκτείνῃ 72 29 εἰ] ἐὰν 76 23 νηστεύοι] νηστεύει 77 28 ἀπαντήσῃ καὶ ὁμολογήσῃ] ἀπαντήσοι καὶ ὁμολογήσοι 78 2 [ἐαν] ἐὰν 3 ὑπακούσῃ] ὑπακούσοι 5 αὐτόν·]] αὐτόν· 6 ὑπαντήσῃ] ὑπαντήσοι 81 17 δεῖ] χρὴ 83 5 λαμπροτάτων ὑπάρχων] λαμπροτάτων 84 3 ἔδοξεν ἔχειν] ἔχειν ἔδοξε 23 κλήρῳ ἐξεῖναι] κλήρω [ἐξεῖναι] 85 8 γενομένων] γινομένων 86 12 ἐν τῇ [2] Ῥώμῃ] ἐν [2] Ῥώμῃ 86 31 τοῦ ἀξιώματος] τοῦ οἰκείου ἀξιώματος 92 17 καθῆσθαι] καθῆσθαι [13] *и въ примѣч.*: 13) cod. переправл. рукой X в. изъ κάθεσθαι. 87 29 ἐπινοήσει] ἐπινοήσοι 88 4 ἢ] καὶ 89 21 αὐτοῖς] ἑαυτοῖς 22 ἐπιστρόφειαν] ἐπιστρέφειαν 92 9 ἅπαντα] πάντα 93 8 δὲ] δὲ τῶν 95 5 ἐπιφανείσας] ἐπιφυείσας 98 12 ἀποκλείειν] ἀποκλείειν [6] *и въ примѣч.*: 6) cod. переправл. изъ ἀποκ. λει. (ἀποκαλεῖν? ἀποκωλύειν?) 99 28 ἐπαρχιώτας] ἐπαρχεώτας [5] *и въ примѣч.*: 5) cod. переправл. изъ ἐπαρχιώτας. 100 2 ἐνίστασθαι] ἐνίστασθαι [6] *и въ примѣч.*: 6) cod. переправл. въ ἀνίστασθαι 100 4 σθαι] σθαι [7] *и въ примѣч.*: 7) cod. переправл. рукой X в. въ ἐπιτιμήσασθαι 100 10 δικασσήρια] δικαστήρια 10–11 σινοδον] σύνοδον 107 14 βλάβην] πλάνην 110 4 *выбросить* δὲ 112 5 ΑΥΓΟΥΣΙΟΥ] ΑΥΓΟΥΣΤΟΥ 112 7 ΝΩΕΜΒΡΙΩΝ] ΝΟΕΜΒΡΙΩΝ 124 26 ἰδίου] οἰκείου 130 5 ΠΑΤΕΡΩΝ] ΠΑΤΕΡΩΝ 133 32 πραγμάτων] πταισμάτων 134 5 βασιλίδα [1] καὶ θεοφύλακτον] θεοφύλακτον καὶ βασιλίδα 134 10 τοῦ *выбросить* 134 12 διατρανώσασαι] διατρανῶσαι [5] *и въ примѣч.*: 5) διατρανώσασαι PV (и cod. рукой X в.) 135 11–12 Οἱ ζητοῦντες τὸν κύριον εὑρήσουσι [2]] Ὁ ζητῶν τὸν κύριον εὑρήσει 137 25 θεολόγους [5]] θεολόγους περὶ τοῦ ἁγίου πνεύματος [5] 139 20 μεθ'] ὑφ' 150 *нумерація примѣчаній* 1, 2, 1–4 *должна быть, конечно*, 1, 2, 3–6 151 22 τοιούτοις] τούτοις 152 8 ὠφέλειαν] πρὸς ὠφέλειαν 153 3 ἱερῶν] ἱερατικῶν 153 7 αὐτοὺς *выбросить* 155 5 καταστάσει ἱερατικῇ] ἱερατικῇ καταστάσει 157 9 ἐκκλησίας] ἐκκλησίαις 163 16 τοιαύτῃ] αὐτῇ 164 3 οἰονδήτινα] οἰονδήποτε 166 18 ὡς] ὡς καὶ 166 23 μιγνὺς] μὴ μιγνὺς 167 7 δοκιμάζοντες] δοκιμάζοντας 171 22 τούτῳ] τούτων [7] *и въ примѣч.*: 7) cod. конечное ν выскобл.; τούτῳ PV 174 19–20 τῶν βιωτικῶν πραγμάτων ζάλην ἀποθεμένῳ] ζάλην τῶν βιωτικῶν πραγμάτων ἀποθέμενον 174 22 καὶ] ἂν 175 4 τοὺς κανόνας] τὸν κανόνα 175 23 βεβαιώσασαν] βεβαιοῦσαν 177 13 φανῇ, [5] καὶ 6] φανῇ [5] [6] 185 3 νων ἐν [1]] νων [1] 185 24 ἐπιχειροῦσι] ἐπιληροῦσι 195 22 προσκλαίεν] προσκλαίειν 195 23 *выбросить* καὶ 198 23 ἀφορισμὸν] τὸν ἀφορισμόν 199 8 *выбросить* τε 205 17 δηλονότι] δῆλον 605 1 243[b]] 245[b]

22 [3] ξενοδοχείων по] ξενοδοχείων, но 29 [8] κδ'] κδ'; 31 [8] Ἰουστυνιανοῦ] Ἰουστινιανοῦ 40 [8] 8)] 9) 9 9)] 8) [15] 15)] 11) 73 [3] PV] PV (и cod. рукой X в.) 80 [11] Ναϋί] Ναΰί; 85 [9] *добавить:* σύνοδον cod. рукой X в. 85 [11] *добавить:* (было ὁμολογούμενοι?) 96 [6] *добавить:* (и cod., переправл. рукой X в.) 97 6 PV] PV (и cod., переправл. рукой X в.) 107 [2] *добавить:* и cod. вставл. σ рукой X в. 89 [3] буквы)] буквы: было πρέπουσαν?) 128 [4] еще.] еще: 133 9 9) ὅπου] 9) cod. εἰ и ο по скобл. 10) ὅπου

Ноябрь 1907 г.
С.-Петербургъ.

---

* Мелкія неисправности греческаго текста въ большихъ буквахъ, удареніяхъ, придыханіяхъ и знакахъ препинанія (главнымъ образомъ на стр. 1—200) каждый легко исправитъ самъ при чтеніи.

аще и кто есть отъ нихъ приимъ приходящаго къ цр҃кви крьщати· аще оубо хощеть быти вьсемоу съмотрению[1] пакость· се бы пакы обычаимь добрѣишиимь и съмотривъшиимь[2] ꙗко же на насъ оц҃емь[3] въслѣдьнѥѥ съмо|троу бо да не когда ꙗко же хощемъ· сътворити ꙗ лѣпшѥы· о крьщении· пакость сътворимъ· съпасающемъсѧ·[4] въстанию ради люгаго· аще ли они съхранять наше крьщение· тогда оумолить ны·[5] неповиньни бо есмъ· противоуздати имъ бл҃годать· нъ работати изв҃ѣщениемь канонъ·[6] вьсѧцѣмь же словъмь да оуставлено боудеть надъ приходящими къ крьщению онѣхъ· помазъватисѧ ꙗко же и вѣрьнъіи· швѣ ꙗко и тако приходити къ таинъиимъ· вѣмь же ꙗко братию иже изон и[7] саторинииѣ·[8] отъ того соуща чина· приꙗхомъ· на сѣдалици епископьскоѥ· ꙗко съвъкоупивъшихъсѧ съ тѣми[9] чинъми·[10] оуже не можемъ расоужати отъ цр҃кве· ꙗкы[11] канонъ нѣкакъ обьщению ихъ заповѣдавъше приꙗти ради е҃пъ·[12]

κἂν τις ᾖ παρ' αὐτῶν εἰλικρινῶς, προσιόντα τῇ ἐκκλησίᾳ βαπτίζειν.[1] ἐὰν μέντοι μέλλοι τῇ καθόλου (л. 189b) οἰκονομίᾳ ἐμπόδιον ἔσεσθαι, τούτῳ[2] πάλιν τῷ ἔθει χρηστέον καὶ τοῖς οἰκονομήσασι τὰ καθ' ἡμᾶς πατράσιν ἀκολουθητέον· ὑφορῶμαι γὰρ μή ποτε, ὡς л. 180 a.
βουλόμεθα[3] ὀκνηροὺς αὐτοὺς περὶ τὸ βαπτίζειν ποιῆσαι, ἐμποδίσομεν[4] τοῖς σῳζομένοις διὰ τὸ τῆς προτάσεως αὐστηρόν. εἰ δὲ ἐκεῖνοι φυλάσσουσιν τὸ ἡμέτερον βάπτισμα, τοῦτο ἡμᾶς μὴ δυσωπείτω· οὐ γὰρ ἀντιδιδόναι αὐτοῖς ὑπεύθυνοι χάριν ἐσμέν, ἀλλὰ δουλεύειν ἀκριβείᾳ κανόνων. παντὶ δὲ λόγῳ τυπωθήτω τοὺς ἐπὶ τῶν βαπτισμῶν[5] ἐκείνων προσερχομένους χρίεσθαι, ἐπὶ τῶν πιστῶν δηλονότι, καὶ οὕτως προσίεναι τοῖς μυστηρίοις. οἶδα δέ, ὅτι τοὺς ἀδελφοὺς τοὺς περὶ Ἰζώην[6] καὶ Σατορνῖνον ἀπ' ἐκείνης ὄντας τῆς τάξεως προσεδεξάμεθα εἰς τὴν καθέδραν τῶν ἐπισκόπων·[7] ὥστε τοὺς τῷ τάγματι ἐκείνων[8] συνημμένους οὐκέτι δυνάμεθα διακρίνειν ἀπὸ τῆς ἐκκλησίας, οἷον κανόνα τινὰ τῆς πρὸς αὐτοὺς κοινωνίας ἐκθέμενοι διὰ τῆς τῶν ἐπισκόπων παραδοχῆς.

---

1) гы *C.* 2) сомотринмъ *C.* 3) оц҃ъ *C.* 4) спасающимсѧ *II.* 5) ныи *II.* 6) канонѡ *C.* 7) и *пров. II.* 8) саторийнѣ *II.* 9) тѣмь *II.* 10) чиномь *II.* 11) *cod. переправл. изъ* ꙗко. 12) епископъ *II.*

1) τοῦτον ἀναβαπτίζειν V (вм. βαπτίζειν). 2) τοῦτο V. 3) βουλώμεθα cod. 4) ἐμποδίσομεν cod. 5) ἀπὸ τοῦ βαπτισμοῦ V; ἐπὶ τὸν βαπτισμόν CP (но Patm. 173 in m. добавл. ὅρα μὴ ἀπὸ τοῦ βαπτισμοῦ εἴχεν). 6) Εὐζώϊον V; Ἰζόϊον C. 7) cod. противъ προσεδεξάμεθα εἰς τὴν καθέδραν τῶν ἐπισκόπων добавл. in m. τοὺς ἐξ αἱρέσεως ὄντας ἐπισκόπους λέγω ποῦ δέχεται δεξάμενος. 8) ἐκείνῳ V.

в. [1] о растлѣвъшихъ въ зачинание младенца.

Растлѣвъшиа [2] въ зачинание въ оубиства [3] мѣсто имать. изъвѣстословию ѡ въображенаго. и невъображенаго оу насъ нѣсть. сьде бо отъмьщаѥтьсѧ. не тъчию бываюшеѥ нъ и тъ помъсливъши на сѧ зане не на мъногѣ оумирають таковъшимь начина[и]шемь женъ. къ семоу же
л. 180 b. шемоу | и растлѣнше [4] и младенцѧ. дроугоѥ [5] оубиство по къзни же ихъ си дьрзаюшихъ подобаѥть оубо не до исхода простирати ихъ исповѣданиѥ. нъ приимати оубо число. г. лѣ. повелѣвати же не лѣтомь нъ образъмь покаанша. [6] ищѣлениа.

г. [7] Дьакон по дьаконьствѣ влоудъ сътворивъши отъвьржен [8] оубо дьаконьства боудеть. въ людьскоѥ же отъриновен мѣсто. отъ обыщениа не възбранѥнъ боудеть. имьже дрѣвлыни ѥсть канонъ. отъ чиноу [9] отъпадъшаѧ. тѣмь ѥдинѣмь образъмь. въ моученше къллагати. [10] послѣдовавъшемъ [11] ако же мьнѡ. иже искони. [12] законоу ономоу. ѥже

β'. Περὶ τῆς φθειράσης κατ' ἐπιτήδευσιν τὸ βρέφος. [1]

Ἡ φθείρασα [2] κατ' ἐπιτήδευσιν φόνου δίκην ὑπέχει· ἀκριβολογία [3] ἐκμεμορφωμένου καὶ ἀνεξεικονίστου παρ' ἡμῖν οὐκ ἔστιν· ἐνταῦθα γὰρ ἐκδικεῖται οὐ μόνον τὸ γενησόμενον, [4] ἀλλὰ καὶ αὐτὸς ὁ ἑαυτῷ [5] ἐπιβουλεύσας, [6] διότι ὡς ἐπὶ τὸ πολὺ ἐναποθνήσκουσι ταῖς τοιαύταις ἐπιχειρήσεσιν αἱ γυναῖκες. πρόσεστι δὲ τούτῳ καὶ ἡ φθορὰ τοῦ ἐμβρύου, ἕτερος φόνος κατά γε τὴν ἐπίνοιαν τῶν ταῦτα τολμώντων. δεῖ μέντοι μὴ μέχρι τῆς ἐξόδου παρατείνειν αὐτῶν τὴν ἐξομολόγησιν, ἀλλὰ δέχεσθαι μὲν τὸ μέτρον τῶν ι' ἐτῶν, ὁρίζειν δὲ μὴ χρόνῳ, ἀλλὰ τρόπῳ τῆς μετανοίας τὴν θεραπείαν.

γ'. [7] Διάκονος μετὰ τὴν διακονίαν πορνεύσας ἀπόβλητος μὲν τῆς διακονίας ἔσται, εἰς δὲ τὸν τῶν λαϊκῶν ἀπωσθεὶς τόπον τῆς κοινωνίας οὐκ εἰρχθήσεται· [8] διότι ἀρχαῖός ἐστιν κανὼν τοὺς ἀπὸ βαθμοῦ πεπτωκότας τούτῳ μόνῳ τῷ τρόπῳ τῆς κολάσεως ὑποβάλλεσθαι, ἀκολουθησάντων, ὡς οἶμαι, τῶν ἐξ ἀρχῆς τῷ νόμῳ ἐκείνῳ τῷ, [9]

---

1) в *проп. II.* 2) Растлѣвшее *II.* 3) мѣ *вставл. У.* 4) растлѣнїа *II.* 5) дроугоѥ *У.* 6) *cod. переправл. здѣсь и послѣ* а *изъ* и. 7) г *проп. II.* 8) ѿверженъ *C*; отържен *У.* 9) чинѣ *У.* 10) къллагатїи *II.* 11) послѣдовавшимъ *II.* 12) и *вставл. У.*

1) V и Patm. 173 (in m.): Περὶ τῆς κατ' ἐπιτήδευσιν φθειράσης τὸ κατὰ γαστρός. Въ Patm. 172 нѣтъ никакого заглавія. 2) φθαρεῖσα Patm. 172. 3) δὲ вставл. P; γὰρ вставл. V. 4) надъ слогомъ νη cod. рукой X в. надпис. ν. 5) cod. переправл. рукой X в. въ ἑαυτόν. 6) αὐτὴ ἡ ἑαυτὴν ἐπιβουλεύσασα V. 7) V и Patm. 173 (in m.) съ заглавіемъ: Περὶ διακόνου πορνεύσαντος. 8) οὐχ εἰρχθήσεται V. 9) τὸ cod.

не отъмьстиши дъвократию въкоупь·[1] иною же ради винѣ· ако соущен въ простѣишѣхъ чиноу изверженїи[2] отъ мѣста вѣркнѣишѣхъ· пакъ въ тоѥ же мѣсто· из негоже испадоша· да въспрїимати[3] боудоуть дїаконъ[4] же единою имать· довълѣнѣ соудъ отъвьрженїа· ако же оубо не отъданоу емоу дїаконьствоу·[5] на тои поставиша единои мьсти· сиѫ оубо образъ[6] въсоудѣ же истиньнѣ[7] есть ищѣлениѥ грѣховьное отълоучениѥ· ако отъвьргъши плътьскъша ради сла|сти бл҃годать съкроушенимь плъти· и всѣкъимь поравоцениимь подвижению·[8] отъпоустивъ[9] сласти имиже разврати сѧ· съвьршеноѥ намъ подасть ищѣлениа его показание· ово[10] оубо вѣдѣти намъ подобаѥть· и ѩже о извѣщении обычаи въслѣдовати же къ непринимъшимъ конѣца· прѣда[11]оуоумоу образоу·

д҃· О[11] трьженитѣ҆ѣишѣхъ и мъногожентвьнѣишѣхъ·[12] тъи же заповѣдаша[13] канонъ·[14] иже и на дъвоженьца по единомоу словоу· лѣто оубо[15] дъвоженьца·[16] дроузи[17] же и[18] дъвѣ лѣтѣ· трьженьца же трьми[19] и

Οὐκ ἐκδικήσεις[1] δὶς ἐπὶ τὸ αὐτό·[2] καὶ δι' ἑτέραν δὲ αἰτίαν, ὅτι οἱ μὲν ἐν τῷ λαϊκῷ ὄντες τάγματι, ἐκβεβλημένοι τοῦ τόπου τῶν πιστῶν, πάλιν εἰς τὸν ἀφ' οὗ ἐξέπεσον τόπον ἀναλαμβάνονται· ὁ δὲ διάκονος ἅπαξ ἔχει διαρκῆ τὴν δίκην τῆς καθαιρέσεως.[3] ὡς οὖν οὐκ ἀποδιδομένης αὐτῷ τῆς διακονίας, ἐπὶ ταύτης ἔστησαν μόνης τῆς ἐκδικήσεως. Ταῦτα μὲν οὖν τὰ ἐκ τῶν τύπων. καθόλου δὲ ἀληθέστερόν ἐστιν ἅμα ἡ τῆς ἁμαρτίας ἀναχώρησις· ὥστε ὁ διὰ σαρκὸς ἡδονὴν ἀθετήσας τὴν χάριν, διὰ τοῦ συντριμμοῦ[4] τῆς σαρκὸς καὶ πάσης δου- л. 181 a.
λαγωγίας τῆς[5] κατ' ἐγκράτειαν ἀποστὰς τῶν ἡδονῶν, ὑφ' ὧν κατεστράφη, τελείαν ἡμῖν παρέξει τῆς ἰατρεύσεως αὐτοῦ τὴν ἀπόδειξιν. ἀμφότερα τοίνυν εἰδέναι ἡμᾶς δεῖ, καὶ τὰ τῆς ἀκριβείας καὶ ⟨τὰ⟩ τῆς συνηθείας, ἕπεσθαι δὲ ἐπὶ τῶν μὴ καταδεξαμένων τὴν ἀκρότητα τῷ παραδοθέντι τύπῳ.

δ'.[6] Περὶ τριγάμων καὶ πολυγάμωντόν αὐτὸν ὥρισαν κανόνα, ὃν καὶ ἐπὶ τῶν δις γάμων ἀναλόγως· ἐνιαυτὸν μὲν γὰρ[7] ἐπὶ τῶν δις γάμων, ἄλλοι δὲ δύο ἔτη· τοὺς δὲ τριγάμους ἐν τρισὶ καὶ

1) къкоупѣ *У*. 2) изкраженѣ *II*. 3) къприимати *У*. 4) дїаконоу *У*. 5) дїаньствѣ *II*. 6) къ *вставл. II*. 7) истиныи *II*. 8) повъздвижению *УП*. 9) отъстоупивъ *УП*. 10) wко *II*; обоѥ *У*. 11) О *проп. II*. 12) мъногожетвеный *С*. 13) заповѣдааше *II*. 14) каконъ *С*. 15) нъ *вставл. II*. 16) женьца *У*; вдоженца *С*. 17) дроузи *II*. 18) и *проп. II*. 19) трьми же *У*.

1) cod. переправл. рукой X в. изъ ἐκδίκησις. 2) cod. переправл. изъ τῷ αὐτῷ. 3) καθάρσεως P. 4) συντρίμματος V. 5) это τῆς cod. допис. рукой X в. 6) V съ заглавіемъ: Περὶ τριγάμων καὶ πολυγάμων. 7) V было первонач. только μὲν, гдѣ затѣмъ подскобл. ν и вмѣсто него (схоліастомъ?) поставл. ν γὰρ сжатымъ шрифтомъ.

четъірьми[1] лѣтъı многашьдъı отълоучаютъ· именоуютъ же таковоѥ· не бракъ мъногъıѭ женитвъı· паче ѥже блоудъ[2] моученъ· тѣмь и г҃ъ къ самарѧнъıни· ѕ҃· моужь имѣвъшиѥгоже нъıнѣ речѣ имаши нѣстъ ти моужь· ꙗко оуже недостоиномъ отъпадъшимъ· чисмене дъвоженьцѧ· моужьньмь или женьскъмь· паритати[3] гл҃ъмь· объıчаи же прихомъ на трьженьцѧ пати[4] лѣтъ отълоучение· не отъ канонъ· отъ послѣдованиѧ прѣжде приимъшихъ·[5] подобаѥтъ же не отиноудь възбранити имъ отъ цр҃кве·[6] нъ вънѣ цр҃кве[7]
л. 181 b. | въ притворѣ[8] съподобляти ѧ[9] стоѧщѧ· въ дъвѣ же или въ три лѣта· и по сихъ повелѣвати въноутрь стоѧти[10] ѥмоу· обѣщениѧ же бл҃га оудалѧтисѧ· и тако показавъшемъ[11] плодъ нѣкакъ[12] покаанию· поставлѧти на мѣстѣ обѣщению·

ѕ҃· Кающихъсѧ о исходѣ еретикъ подобаѥтъ приимати· приимати же ѧвѣ ꙗко не[13] отълоучьно· нъ искоушающе· ѧще истиньноѥ показаютъ покаание· и ѧще[14] плодъı· имѣютъ съвѣдѣтельствоующе·[15] къ[16] тъщанию на сп҃сение·

τέτρασι πολλάκις ἔτεσιν ἀφορίζουσιν, ὀνομάζουσι δὲ τὸ τοιοῦτον οὐκέτι γάμον, ἀλλὰ πολυγαμίαν, μᾶλλον δὲ πορνείαν κεκολασμένην· δι' ὃ[1] καὶ ὁ κύριος τῇ Σαμαρείτιδι πέντε ἄνδρας διαμειψάσῃ,[2] Ὃν νῦν, φησίν, ἔχεις, οὐκ ἔστιν σοι[3] ἀνήρ, ὡς οὐκέτι ἀξίων ὄντων τῶν ὑπερεκπεσόντων τοῦ μέτρου τῆς διγαμίας τῷ[4] τοῦ ἀνδρὸς ἢ τῆς γυναικὸς καλεῖσθαι προσρήματι. συνήθειαν δὲ κατελάβομεν ἐπὶ τῶν τριγάμων πενταετίας ἀφορισμὸν οὐκ ἀπὸ κανόνος, ἀλλ' ἀπὸ τῆς τῶν προειληφότων ἀκολουθίας. δεῖ δὲ μὴ πάντῃ αὐτοὺς ἀπείργειν τῆς ἐκκλησίας, ἀλλ' ἀκροάσεως αὐτοὺς ἀξιοῦν ἐν δύο που[5] ἔτεσιν ἢ τρισίν, καὶ μετὰ ταῦτα ἐπιτρέπειν συστήκειν μέν, τῆς δὲ κοινωνίας τοῦ ἁγαθοῦ ἀπέχεσθαι, καὶ οὕτως ἐπιδειξαμένους καρπόν τινα μετανοίας ἀποκαθιστᾶν τῷ τόπῳ τῆς κοινωνίας.

ε'.[6] Τοὺς δὲ ἐπὶ ἐξόδῳ μετανοοῦντας τῶν αἱρετικῶν[7] δέχεσθαι χρή· δέχεσθαι δὲ δηλονότι οὐκ ἀκρίτως, ἀλλὰ δοκιμάζοντας, εἰ ἀληθινὴν ἐπιδείκνυνται τὴν μετάνοιαν καὶ εἰ τοὺς καρποὺς ἔχουσι μαρτυροῦντας τῇ πρὸς τὸ σωθῆναι σπουδῇ.

---

1) четъıри *У.* 2) плодъ *У.* 3) нарицати *У.* 4) пать *У.* 5) пр҃иимшїимъ *С.* 6) цр҃квь *У.* 7) цр҃квь *У.* 8) прѣторѣ *У.* 9) и *вставл. С.* 10) стати *П.* 11) показавши *П.* 12) *cod. ставитъ здѣсь въ концѣ надъ* к *знакъ* ⫫. 13) не *проп. С.* 14) и *вставл. П.* 15) съвѣдѣтельствоующе *У.* 15) тъ *С.*

1) διὸ PV. 2) ἀμειψάσῃ V. 3) σου PCV (cod. переправл. рукой X в.). 4) τὸ cod.; V добавл. это τῶι между строкъ рукой схоліаста. 5) ποῦ C. 6) V съ заглавіемъ: Πῶς δεῖ δέχεσθαι τοὺς ἐν ἐξόδῳ αἱρετικούς. 7) τοὺς αἱρετικοὺς V.

ѕ· Ѯапрѣщанъныхъ[1] въ[2] блоужениа въ бракъ не причитати· нъ въсацѣмь образъмь· отътъргати ихъ съчетание· цр҃кви на оутвьрженіе польза ѥсть· и еретикомъ не дасть на нъı вины· ако волиа ради съгрѣшение съвъкоуплаюцимъсм[3] къ себѣ·

ѕ· Моужьска пола[4] блоудьници· и скотоблоудьници и оубицм· и чародѣицм· и любодѣици· и идолослоужьници·[5] того же осоужениа соуть съподобленни·[6] ако иже имаши[7] на инѣхъ образъ· и на тѣхъ съхрани· си же въ· л҃· л҃ѣ· покаıвъшиихъсм· о нечистотѣ юже невѣжьствъмь съдѣıша· не подобаıть невѣровати намъ· подобьнаго на приıманіе·[8] или невѣжьство ѕво отъпоущениа·[9] съподобляıть творити ı· и вольное исповѣданіе· и простъреніе въ толицѣ лѣтъ· бъıвающее просто бо весь родъ чл҃вчь продаша[10] сотонѣ· да накажани[11] боудоуть не[12] вестоудьствовати· ако повелѣниа неотъложьно приıати· паче же аще и[13] сльзъı имоуть молящесм· мл҃рдиıю твоемоу· житіе покажаютъ[14] достоино отъпоущениа·

ς'.[1] Τῶν κανονικῶν τὰς πορνείας εἰς γάμον μὴ καταλογίζεσθαι, ἀλλὰ παντὶ τρόπῳ διασπᾶν αὐτῶν τὴν συνάφειαν· τοῦτο γὰρ καὶ τῇ ἐκκλησίᾳ πρὸς ἀσφάλειαν λυσιτελὲς καὶ τοῖς αἱρετικοῖς οὐ δώσει καθ' ἡμῶν λαβήν,[2] ὡς διὰ τὴν τοῦ ἁμαρτάνειν ἄδειαν ἐπισπωμένων πρὸς ἑαυτούς.

ζ'.[3] Ἀρρενοφθόροι, καὶ ζωοφθόροι, καὶ φονεῖς, καὶ φαρμακοί,[4] καὶ μοιχοί, καὶ εἰδωλολάτραι, τῆς αὐτῆς καταδίκης εἰσὶν ἠξιωμένοι· ὥστε ὃν ἔχεις ἐπὶ τῶν ἄλλων τύπον,[5] καὶ ἐπὶ τούτων φύλαξον. τοὺς δὲ ἐν λ' ἔτεσιν μετανοήσαντας ἐπὶ τῇ ἀκαθαρσίᾳ, ἣν ἐν ἀγνοίᾳ ἔπραξαν, οὐ δεῖ[6] ἀμφιβάλλειν ἡμᾶς προσῆκεν εἰς τὸ παραδέξασθαι· ἡ[7] τε γὰρ ἄγνοια συγγνώμης αὐτοὺς ἀξίους ποιεῖ καὶ л. 182 a.
τὸ ἑκούσιον τῆς ἐξαγορεύσεως καὶ ἡ παράτασις[8] ἐν τοσούτῳ χρόνῳ γενομένη·[9] σχεδὸν γὰρ ὅλην γενεὰν ἀνθρώπου παρεδόθησαν τῷ σατανᾷ, ἵνα παιδευθῶσιν μὴ ἀσχημονεῖν. ὥστε κέλευσον αὐτοὺς ἤδη[10] ἀνυπερθέτως δεχθῆναι, μάλιστα δὲ[11] εἰ καὶ δάκρυα ἔχουσιν δυσωποῦντά σου τὴν εὐσπλαγχνίαν καὶ βίον ἐπιδείκνυνται ἄξιον συμπαθείας.

---

1) *cod. переправл. здѣсь* а *посль* ц *изъ* с. 2) въ *проп. У.* 3) съкоуплаюцимъсм У. 4) пол*ѕ С.* 5) идолосл*ѕ*жьници *П.* 6) сподобленіи *СП.* 7) имати *П.* 8) приманиа *У.* 9) *В* поцениа *С; или* невѣжьство *ѕво* отъпоущениа *проп. У.* 10) пр*ѣ*даша *У.* 11) наказанїи *П.* 12) не *проп. П.* 13) и *проп. У.* 14) показоуютъ *У.*

1) V съ заглавіемъ: Περὶ κανονικῶν πορνευουσῶν ἤγουν τὸ δοκεῖν νομίμως ζευγνομένων. 2) cod. ἡ по скобл. рукой X в (было λαβεῖν?). 3) V съ заглавіемъ: Περὶ ἀρρενοφθόρων καὶ λοιπῶν χαλεπωτάτων ἁμαρτημάτων. 4) φαρμάκοι cod. P. 5) cod. переправл. изъ τύπων. 6) вм. οὐ δεῖ: V οὐδὲ, C οὐδ', P οὐκ. 7) εἴ C. 8) ἡ вставл. CV. 9) γινομένη C. 10) ἤδη проп. V. 11) δὲ проп. CPV.

И· Ѳекъроюоудариѵъши гнѣѵъмь своѥ подроужик[1] оубиица ѥсть· добрѣ же ми ѵъспомѧноу· и достоино своѥго разоума рѣци· о томь пространѣѥ· имьже многа вольнъıихъ и невольнъıихъ[2] различиа· невольноѥ[3] бо ѥсть отънюдь·[4] и далече отъ начьнъшааго·[5] врьгъшааго каменьмь на пьса· или дрѣво· и чл҃ка оуполоучить· и стрьмлѥниа оубо бѣ звѣри въздранити· или плодъ потрасти· съключи же сѧ особь· ѩзвꙋ̀ лимоходи нанести· ѩко таковоѥ невольноѥ·[6] невольноѥ же оубо и иже кто хоцеть обранити кого ременьмь[7] или жьзлъмь· еда[8] не жестоко бикть оумьреть же бикмъıи· прѣдъложениѥ тамо съмотритьсѧ· ѩко оуразоумити[9] хотѧше съгрѣшающааго а не оубити·[10] и невольнъıихъ[11] ѥсть и то ѥже помагающю[12] нѣкомоу въ которѣ·[13] дрѣвъмь | или роукою ве цадѣниа·[14] оударениѥмь ѩзвоу нанести· ѩко озълобити а не отиноудь[15] оубити· нъ то оубо абие приближаѥть къ вольномоу· оударивъши оубо толицѣмь образъмь на моучениѥ· или не ѩвлѥнъı[16] ѩзвоу наведъши· ѩвѣ ѥсть ѯане оудьржаноу бъıти

η'.[1] Ὁ ἀξίνῃ παρὰ τὸν θυμὸν κατὰ τῆς ἑαυτοῦ γαμετῆς χρησάμενος φονεύς ἐστιν. καλῶς δέ με ὑπέμνησας καὶ ἀξίως τῆς ἑαυτοῦ[2] συνέσεως εἰπεῖν περὶ τούτου[3] πλατύτερον, διότι πολλαὶ ἐν τοῖς ἑκουσίοις διαφοραί. ἀκούσιον μὲν γάρ ἐστιν παντελῶς καὶ πόρρω τοῦ κατάρξαντος τὸν[4] ἀκοντίσαντα λίθον ἐπὶ κύνα ἢ δένδρον ἀνθρώπου τυχεῖν· ἡ μὲν γὰρ ὁρμὴ ἦν τὸ θηρίον ἀμύνασθαι ἢ τὸν καρπὸν κατασεῖσαι, ὑπέβη δὲ αὐτομάτως τῇ πληγῇ κατὰ πάροδον ὁ[5] παραπεσών· ὥστε τὸ τοιοῦτον ἀκούσιον. ἀκούσιον μέντοι καὶ εἴ τις βουλόμενος ἐπιστρέψαι τινὰ ἱμάντι[6] ἢ ῥάβδῳ μὴ σκληρᾷ[7] τύπτοι, ἀποθάνοι δὲ ὁ τυπτόμενος· ἡ γὰρ πρόθεσις ἐνταῦθα σκοπεῖται, ὅτι βελτιῶσαι ἠβούλετο τὸν ἁμαρτάνοντα, οὐκ ἀνελεῖν. ἐν τοῖς ἀκουσίοις ἔστι[9] κἀκεῖνο,[10] τὸ ἀμυνόμενόν τινα ἐν μάχῃ ξύλῳ ἢ χειρὶ ἀφειδῶς ἐπὶ τὰ καίρια[11] τὴν πληγὴν ἐνεγκεῖν, ὥστε κακῶσαι αὐτόν, οὐχ ὥστε παντελῶς ἀνελεῖν· ἀλλὰ τοῦτο ἤδη προσεγγίζει τῷ ἑκουσίῳ· ὁ γὰρ τοσούτῳ[12] χρησάμενος ὀργάνῳ πρὸς ἄμυναν, ἢ ὁ μὴ πεφεισμένως τὴν πληγὴν ἐπαγαγών, δῆλός ἐστιν διὰ τὸ κεκρατῆσθαι

л. 182 b.

1) подрѣжениѥ *C*. 2) и невольнъıихъ *прот. C*. 3) невольно *У*. 4) Ѳнюдж *П*; отиноудь *У*. 5) нанъшаго *У*. 6) невольное *C*. 7) ремень *У*. 8) ѣда *П*. 9) ѕразѣмѣти *СП*. 10) а *У*. 11) невольнъı *У*. 12) помагѣющѣ *C*. 13) готорѣ *У*. 14) и *вставл. У*. 15) Ѳнѣдѣ *П*. 16) явлениѥ *C*; явленыа *П*.

1) V съ заглавіемъ: Τί ἑκούσιον ἁμάρτημα καὶ τί ἀκούσιον. 2) σεαυτοῦ P. 3) τούτων PCV. 4) τοῖς проп. Patm. 172. 5) τὸ CP. 6) cod. переправл. рукой X в. изъ ἵμαντι. 7) cod. переправл. изъ σκληρῷ; V σκληρῶς. 8) ὁ cod. рукой X в. 9) ἐστὶ PV. 10) ὁμοίως вставл. P. 11) V переправл. изъ ἔπειτα καιρίαι. 12) τοιούτῳ P.

отъ страсти· нецадѣнно[1] чл҃вка· тако же иже дрѣвъмь и каменьмь[2] большимь· силою чл҃вчею [вьргъ][3] въ невольныихъ·[4] причитаѥтьсѧ· нно бо изволивъ· нно же нѣчьто сътворивъ отъ ꙗрости бо таковоую изнесе[5] ꙗзвоу ꙗко оубити оуꙗзвенлаго· и тъцанию бо вѣ ємоу· съкроушити полоучьно нежели отънюдь[6] оумьртвити· мечьмь же оубо[7] оударивъш· или инѣмь чимь[8] таковъимь· ни єдиного же имать отъречениꙗ· и паче секырою[9] вьргли·[10] и ни издроучь ꙗвлѧѥтьсѧ поразивъш· ꙗко мѣрѣ ꙗзвы на немь бъти· нъ вьрже ꙗко тѧжестью желѣзною· и остротою и стрьмлениемь большимь· пагоубьнѣ ноуждьно ꙗзвѣ бъти· вольное же отиноудь·[11] и ни єдиного же невѣриꙗ имѣꙗ· ꙗко же есть разбоиньихъ· и ратьньихъ нашьствие· си оубо имѣниꙗ[12] ради оубиваютъ· обличениꙗ ѡбѣглаѥ|ще[13] или на бранѣхъ на оубинства градоуть· ни оустрашити ни оуцѣломоудрьствавати·[14] нъ оубити[15] противьнъꙗ· ꙗвѣ изволивъше ибо[16] аще и[17] иноꙗ ради винъı·

ὑπὸ τοῦ πάθους ἀφειδῶν[1] τοῦ ἀνθρώπου. ὁμοίως καὶ ὁ ξύλῳ βαρεῖ καὶ ὁ[2] λίθῳ μείζονι τῆς δυνάμεως τῆς ἀνθρωπίνης χρησάμενος τοῖς ἀκουσίοις ἐναριθμεῖται, ἄλλο μέν τι προελόμενος, ἄλλο δέ τι ποιήσας· ὑπὸ γὰρ τοῦ θυμοῦ τοιαύτην ἤνεγκεν[3] πληγήν, ὥστε ἀνελεῖν τὸν πληγέντα,[4] καίτοι ἡ σπουδὴ ἦν αὐτῷ συντρίψαι τυχόν, οὐχὶ δὲ παντελῶς καὶ[5] θανατῶσαι. ὁ[6] μέντοι ξίφει χρησάμενος ἢ ὡτινισοῦν[7] τοιούτῳ, οὐδεμίαν ἔχει παραίτησιν, καὶ μάλιστα ὁ τὴν ἀξίνην ἀκοντίσας· καὶ γὰρ οὐδὲ ἀπὸ χειρὸς φαίνεται πλήξας, ὥστε τὸ μέτρον τῆς πληγῆς ἐπ' αὐτῷ εἶναι, ἀλλ' ἠκόντισεν, ὥστε καὶ τῷ βάρει[8] τοῦ σιδήρου καὶ τῇ ἀκμῇ καὶ τῇ διὰ πλείστου φορᾷ ὀλεθρίαν ἀναγκαίως τὴν πληγὴν γενέσθαι. ἑκούσιον δὲ πάλιν παντελῶς[9] καὶ οὐδεμίαν ἀμφιβολίαν ἔχον, οἷόν ἐστι τὸ τῶν λῃστῶν καὶ τὸ τῶν πολεμικῶν ἐφόδων·[10] οὗτοι μὲν γὰρ διὰ χρήματα ἀναιροῦσιν τὸν ἔλεγχον ἀποφεύγοντες, οἵ τε ἐν τοῖς πολέμοις[11] л. 183 а. ἐπὶ φόνους ἔρχονται, οὔτε φοβῆσαι οὔτε σωφρονίσαι, ἀλλ'[12] ἀνελεῖν τοὺς ἐναντιουμένους[13] ἐκ τοῦ φανεροῦ προαιρούμενοι. καὶ μέντοι, κἂν δι' ἄλλην τινὰ αἰτίαν

1) нецадно *C.* 2) каменнюмь *У.* 3) *вставка изъ УП.* 4) неволевольныхъ *У.* 5) изнесеть *У.* 6) Шнюдю *П*; отиноудь *У.* 7) оубо *проп. П.* 8) чимь *проп. У.* 9) и *вставл. П.* 10) *cod.* а *здѣсь по скобл. (вѣроятно, вм.* ъ); вргли *У.* 11) Штиндъ *П.* 12) имѣа *C.* 13) отвѣглаюцѣ *У.* 14) оуцѣломоудрьствовати *УПС.* 15) Sбити *C.* 16) и *C.* 17) и *проп. У.*

1) ἀφειδῶς C. 2) ὁ проп. V. 3) τὴν вставл. CPV. 4) ἐξ ἧς τέθνηκεν ὁ πληγείς V (вм. ὥστε ἀνελεῖν τὸν πληγέντα). 5) καὶ проп V. 6) V со словъ Ὁ μέντοι ξίφει... начин. новое правило съ заглавіемъ: θ'. Περὶ ἑκουσίων φόνων. 7) ὥτινι V. 8) βαρεῖ Patm. 172. 9) τέλος C. 10) cod. переправл. изъ ἔφοδον. 11) cod. между μ и ο выскобл. двѣ буквы и надъ ι выскобл. облеченное удареніе (было πολεμικοῖς?). 12) ἀλλὰ V. 13) cod. рукой X в. переправл. изъ ἐναντιωμένους

прѣлъстьноє чарованиє къто въмѣситъ· оубиѥтъ[1] же вольноє полагающѣмъ и[2] таковоє· ѩко творѧтъ женъı многашьдъı· пагоубьницамъ нѣкъıимъ и оузъницамъ·[3] на свою любъвь· навести искоушающаса·[4] и припадающе[5] имъ· чарованиа[6] омрачениє творѧща[7] съмъıслоу· таковъıа оубивающа· аще ино произволивъше· а ино сътвориша обаче за прѣлъстьноє и отъреченоє· ѕачинание въ[8] вольноє[9] оубивающихъ причитаютьса и даютьса оубо чарованиє изврагомъ· оубица соуть и прикмлющаа младеньць пагоубъı·[10] сиа оубо на толикъ·

ϑ· Гдьниє же осоужениє по послѣдованию[11] съмъıсла· равьно· и моужемъ и женамъ подобаѥтъ· ѩко не подобаѥтъ женитвъı разлоучати·[12] развѣ слова блоудьнааго· обычаи же не тако имать· къ женахъ оубомного обрѣтаѥмъ извѣстословиє· аплоу во гл҃ющю· ѩко прилѣплѧѥмса[13] блоудьнїци ѥдино тѣло ѥсть· еремии л. 183 b. же гл҃ющю· ѩко ащє боудеть жена моужю дроугоуоумоу· не обратитьса къ моужю своємоу· нъ осквьрнѧѥма осквьрнена[14] боудеть· и

περίεργον φάρμακόν τις ἐγκεράσῃ, ἀνέλῃ δέ, ἑκούσιον τιθέμεθα τὸ τοιοῦτον, οἷον ποιοῦσιν αἱ γυναῖκες πολλάκις, ἐπαοιδαῖς τισιν καὶ καταδέσμοις πρὸς τὸ ἑαυτῶν φίλτρον ἐπάγεσθαι πειρώμεναι καὶ προσδιδοῦσαι[1] αὐταῖς[2] φάρμακα σκότωσιν ἐμποιοῦντα ταῖς διανοίαις· αἱ τοιαῦται[3] ἀνελοῦσαι, εἰ καὶ ἄλλο προελόμεναι ἄλλο ἐποίησαν, ὅμως διὰ τὸ περίεργον καὶ ἀπηγορευμένον τῆς ἐπιτηδεύσεως ἐν τοῖς ἑκουσίως[4] φονεύουσι καταλογίζονται. καὶ αἱ τοίνυν τὰ ἀμβλωθρίδια διδοῦσαι φάρμακα φονεύτριαί εἰσιν καὶ αὗται[5] καὶ αἱ δεχόμεναι τὰ ἐμβρυοκτόνα[6] δηλητήρια. Ταῦτα μὲν εἰς τοσοῦτον.[7]

ϑ'.[8] Ἡ δὲ τοῦ κυρίου ἀπόφασις κατὰ μὲν τὴν τῆς ἐννοίας[9] ἀκολουθίαν ἐξ ἴσου καὶ ἀνδράσι καὶ γυναιξὶν ἁρμόζει, περὶ τοῦ μὴ ἐξεῖναι γάμου ἐξίστασθαι παρεκτὸς λόγου πορνείας· ἡ δὲ συνήθεια οὐχ οὕτως ἔχει· ἀλλ' ἐπὶ μὲν τῶν γυναικῶν πολλὴν εὑρίσκομεν τὴν[10] ἀκριβολογίαν, τοῦ μὲν ἀποστόλου λέγοντος, ὅτι· Ὁ κολλώμενος τῇ πόρνῃ ἓν σῶμα ἐστίν· τοῦ δὲ Ἱερεμίου ὅτι· Ἂν[11] γένηται γυνὴ ἀνδρὶ ἑτέρῳ, οὐκ ἐπιστρέψει πρὸς τὸν ἄνδρα αὐτῆς, ἀλλὰ μιαινομένη μιανθήσεται. καὶ

1) оубиѥ У. 2) и *проп.* У. 3) оузълнїцамъ УП. 4) искоушающеса У. 5) придающе УП. 6) и *вставл.* П. 7) *cod.* конечное а *переправл. изъ* ѣ; творща У. 8) къ *проп.* С. 9) и *вставл.* У. 10) пагоубьıи П. 11) *cod.* конечное ю *переправл. изъ* ѭ; послѣдованиє У. 12) разлѣчити С. 13) приплѧѥмса У. 14) осквьрнена *cod.*

1) προδιδοῦσαι Patm. 172. 2) αὐτοῖς CPV. 3) τοίνυν вставл. V. 4) cod. переправл. рукой X в. изъ ἀκουσίως. 5) αὐταὶ CV Patm. 173. 6) cod. переправл. рукой X в. изъ ἐμβρυόκτονα. 7) Ταῦτα μὲν εἰς τοσοῦτον V Patm. 173 относятъ къ началу слѣдующаго правила. 8) V съ заглавіемъ: Περὶ μοιχευόντων καὶ μοιχευουσῶν. 9) ἐκκλησίας V. 10) τὴν проп. V. 11) Ἐὰν CPV.

пакъı имѣıи[1] прѣлюбодѣицю· безоумьнъ[2] и[3] нечьстивъ· обычаиноє[4] и любодѣющаıа[5] моужа· и въ блоужении соущаıа· объдьржимомъ бъıти· отъ женъ[6] повелѣваєтъ· ıако живоущиıа[7] съ отълоученъıимь[8] моужьмъ· не вѣмь аще можетъ прѣлюбодѣица[9] бъıти· прѣгрѣшениє бо сьде поустивъши моужа прикасаєтьсѧ· по коєи винѣ отъстоупи[10] брака· или биєниıа ради не търпѧщи ранъ· търпѣти[11] подобаıаше паче или съчетаниѧ[12] ради съ иною живоущаıаго· или[13] имѣниıа ради тъщетъı не търпѧщи· ни сь[14] извѣтъ достословьсьнъ·[15] аще ли въ блоужении кмоужити[16] не имамъ[17] того въ цьркъвьнѣмь отъречении· нъ и отъ[18] невѣрьıаıаго моужа отълоучитисѧ не повелѣно єсть женѣ· нъ жьдати неıавлıаıаго ради съключениıа· чьто бо вѣси жено· аще моуже[19] спсеши· ıако оставъшиıа прѣлюбодѣица· или къ иномоу пришьдъши[20] моужю· остаıвлıнъıи же отъпоущенъ· и живоущиıа съ таковъıимь не осоудитьсѧ· аще оубо моужь отъстоупивъ[21] | женъı къ дроузѣи[22] прииде· и

πάλιν· Ὁ ἔχων μοιχαλίδα,[1] ἄφρων καὶ ἀσεβής· ἡ δὲ συνήθεια καὶ μοιχεύοντας ἄνδρας καὶ ἐν πορνείαις ὄντας κατέχεσθαι ὑπὸ[2] γυναικῶν προστάττει·[3] ὥστε ἡ τῷ ἀφειμένῳ[4] ἀνδρὶ συνοικοῦσα οὐκ οἶδα εἰ δύναται μοιχαλὶς[5] χρηματίζειν· τὸ γὰρ ἔγκλημα ἐνταῦθα τῆς ἀπολυσάσης τὸν ἄνδρα ἅπτεται, κατὰ ποίαν αἰτίαν ἀπέστη τοῦ γάμου· εἴτε γὰρ τυπτομένη, μὴ φέρουσα τὰς πληγάς, ὑπομένειν ἐχρῆν μᾶλλον ἢ διαζευχθῆναι τοῦ συνοικοῦντος· εἴτε τὴν εἰς χρήματα ζημίαν μὴ φέρουσα, οὐδὲ αὕτη ἡ πρόφασις ἀξιόλογος·[6] εἰ δὲ διὰ τὸ ἐν πορνείᾳ αὐτὸν ζῆν, οὐκ ἔσχομεν[7] τοῦτο ἐν τῇ συνηθείᾳ τῇ ἐκκλησιαστικῇ τὸ παρατήρημα. ἀλλὰ καὶ ἀπίστου ἀνδρὸς χωρίζεσθαι οὐ προσετάχθη[8] γυνή, ἀλλὰ παραμένειν διὰ τὸ ἄδηλον τῆς ἐκβάσεως· Τί γὰρ οἶδας, γύναι, εἰ τὸν ἄνδρα σώσεις;[9] ὥστε ἡ καταλιποῦσα, μοιχαλίς,[10] εἰ ἐπ' ἄλλον ἦλθεν ἄνδρα· ὁ δὲ καταλειφθεὶς συγγνωστός,[11] καὶ ἡ συνοικοῦσα τῷ τοιούτῳ οὐ κατακρίνεται. εἰ μέντοι ὁ ἀνὴρ[12] ἀποστὰς τῆς γυναικὸς ἐπ' ἄλλην ἦλθεν, καὶ

κ. 184 а.

1) имѣı У. 2) безѹмныи С; безоумьнъи У. 3) и *проп.* С. 4) обычаи иноє У. 5) любодѣющıа У. 6) нъже С. 7) живоущıаа П. 8) отълоученъıимь У. 9) бы *вставл.* П 10) Востоупити С. 11) не *вставл.* С. 12) съчетании У; сочетанıе С. 13) нлѣ С. 14) сьи П. 15) *cod.* ь *посль* в *переправл. изъ* ѣ *и надъ* сь *ставитъ* +; достословенъ ПУ. 16) житıи С. 17) имъ С; имамо У. 18) отъ *проп.* С. 19) мѣжа С; моужа У. 20) *cod. переправл. конечное* и *изъ* ю. 21) отъпоустивъ У. 22) дроузѣ У; дрѣзи П.

1) μοιχαλλίδα cod. C. 2) τῶν вставл. P. 3) προστάσσει CP. 4) cod. ει по скобл. рукой X вѣка, вм. одной буквы (ι?), а за ει выскобл. три буквы (было ἀφισταμένῳ?). 5) μοιχαλλὶς cod. C (и V первонач., но одно λ выскобл.). 6) ἀξιολόγος C. 7) ἔχομεν V. 8) προσετάγη ἡ V. 9) σώσης cod. 10) μοιχαλλὶς cod. 11) σύγγνωστος PV. 12) ὁ вставл. P.

тъ[1] прѣлюбодѣица· ѕаконе творитъ ю[2] прѣлюбодѣиствовати· и живоущиа съ нимь прѣлюбодѣица· ѕаконе чюжего[3] моужа къ себѣ приставі·

Г· Ротающеисѧ не прикмлѣте[4] поставленіа·[5] ротивъшеисѧ[6] да не коудатьсѧ клатисѧ· аще бо и мьнитьсѧ нѣкыи бъіти канонъ· даіи[7] таковъімь· нъ искоушеніемь оувѣдѣхомъ· ꙗко не поспѣшаютъ кльноущеисѧ· смотрити же и образа клатвъі· и гл҃ъ и ѕавѣтъ отъ нюгоже клашасѧ· и по тѣнъкоу[8] въ гл҃ѣхъ[9] приложеніа· ꙗко аще ни єдиного же боудетъ никъде же[10] оутѣшеніа· подобаѥтъ отънюдъ[11] оставлаіти таковъімъ· вѣщь оубо иже на севира·[12] рекъше поставленаго имь прозвутера·[13] таковое нѣкако ми мьнитьсѧ оутѣшеніе имѣти· аще и тебѣ мьнитьсѧ село оно подълежащеѥ оброученіемь ємоуже проповѣдасѧ чл҃вкъ· повели съвьршити· тако бо и онъ не кльнетьсѧ· не отъходѧ отъ мѣста· и ломъдинъ имѣа цр҃квь съ собою· не ѕапоустѣѥтъ цр҃квь

αὐτὸς μοιχός, διότι ποιεῖ αὐτὴν μοιχευθῆναι, καὶ ἡ συνοικοῦσα αὐτῷ μοιχαλίς,[1] διότι ἀλλότριον ἄνδρα πρὸς ἑαυτὴν μετέστησεν.

ι΄.[2] Οἱ ὀμνύοντες μὴ καταδέχεσθαι τὴν χειροτονίαν, ἐξομνύμενοι, μὴ ἀναγκαζέσθωσαν ἐπιορκεῖν· εἰ γὰρ καὶ δοκεῖ τις εἶναι κανὼν ὁ συγχωρῶν τοῖς τοιούτοις, ἀλλὰ πεῖρα ἐγνώκαμεν, ὅτι οὐκ εὐοδοῦνται οἱ παρορκήσαντες.[3] σκοπεῖν δὲ δεῖ[4] καὶ τὸ εἶδος τοῦ ὅρκου καὶ τὰ ῥήματα καὶ τὴν διάθεσιν ἀφ' ἧς ὀμωμόκασιν, καὶ τὰς κατὰ λεπτὸν ἐν τοῖς ῥήμασιν προσθήκας· ὡς ἐὰν μηδεμία ᾖ μηδαμόθεν παραμυθία, χρὴ παντελῶς ἐᾶν τοὺς τοιούτους. τὸ μέντοι κατὰ Σεύηρον[5] πρᾶγμα, ἤτοι τὸν ὑπὸ τούτου χειροτονηθέντα πρεσβύτερον, τοιαύτην τινά μοι δοκεῖ παραμυθίαν ἔχειν, εἰ καὶ σοι συνδοκεῖ. τὸν ἀγρὸν ἐκεῖνον τὸν ὑποκείμενον τῇ μνηστείᾳ,[6] ᾧ ἐπεκηρύχθη ὁ ἄνθρωπος, κέλευσον Οὐασόδοις[7] ἐπιτελεῖν·[8] οὕτω γὰρ κἀκεῖνος οὐ παρορκήσει μὴ ἀναχωρῶν τοῦ τόπου, καὶ ὁ Λογγῖνος ἔχων τὸν Κυριακὸν μεθ' ἑαυτοῦ οὐκ ἐρημώσει[9] τὴν ἐκκλησίαν,

1) тѧн *II.* 2) прѣлюбодѣица· ѕаконе творитъ ю *прот. C.* 3) чюжаго *C.* 4) прїемлите *II*; прикмлѣтѣ *У.* 5) поставленнии *cod.* 6) родившеисѧ *C.* 7) даи *У.* 8) *cod. переправл.* ъ *после* н *изъ* о; понтъкѕ *C* (*вм.* потънъкоу). 9) гл҃ѣхъ *У.* 10) боудетъ никъде же *прот. C.* 11) отинудь *У*; ѿнюдѫ *II.* 12) *cod. переправл.* е *после* с *по скобл. изъ какой-то буквы* (ѣ *или* ъ). 13) позвѣтера *C*; прозвютера *У.*

1) μοιχαλλὶς cod. C (и V первонач., но одно λ выскобл.). 2) ια΄. Περὶ ἐπιορκούντων V. 3) ἐπιορκήσαντες V. 4) δεῖ cod. in m. рукой X в. 5) Σευῆρον CP (и cod. переправл. рукой X в.). 6) въ слогѣ μνη cod. пишетъ ι рукой X в. по скобл. вмѣсто νη; CPV Μιστείᾳ. 7) Οὐασάδοις V; οὖν ασόδοις C. 8) ὑποτελεῖν CPV (и cod. переправл. рукой X в.). 9) ἐρημώση C; ἔτι μωμήσει V (вм. ἐρημώσει).

ни своєѭ дш҃ѫ праздьньствъмь бо осоудитъ· и мъı мьнимъ не чресъ канонъı творити чьто· съподви|зающесѧ къ цр҃кви[1] родивъшюоумоусѧ· съпрѣбъıвати съ минъданъı[2] приимъшю же приложение·[3] възвращение бо стража ѥсть клѧтвъı· а ѥже покоритисѧ ѥмоу съмотрению· на клѧтвоу ѥмоу не мьнитьсѧ зане не прилежати ѥмоу клѧтвѣ ни въ малѣ отъходити минъдань[4] жьдати на прочеѥ· севироу же изв҃стоующю забъвение· мъı отъдамъ рекъша· ако таинаѧ вѣдаи· не прѣзьритъ своєѭ цр҃къве·[5] отъ таковааго гъıбноущю·[6] творѧщюю бо неправьдьно[7] искони· заповѣдию же съвазающе· чресъ евг҃лие· прѣкъı же[8] клѧтисѧ оучащааго· имиже прѣложи[9] лъжюцюоумоу же· нъıнѣ имиже забъвениемь прѣльщаѥтьсѧ понѥже бо нѣсмь ср҃дьцьмь соудии· нъ отъ нихъже слъıшимъ соудимъ· дадимъ гв҃и отъмьщение· сами же неотълоучьно приимѣмъ и отъпоущение дающе чл҃вчьскѣи[10] страсти[11] забъвениемь·

ıа҃· Невольное же сътворивъ[12] оубиство· довъльное испълни соудъ

οὐδὲ τὴν ἑαυτοῦ ψυχὴν διὰ τῆς ἀργίας καταδικάσει,[1] καὶ ἡμεῖς δόξομεν[2] μὴ παρὰ κανόνας ποιεῖν τι συμπεριφερόμενοι л. 184 b.
τῷ Κυριακῷ, ὁμόσαντι μὲν[3] συμπαραμένειν Μινδάνοις, καταδεξαμένῳ δὲ τὴν μετάθεσιν· ἡ γὰρ ἐπάνοδος φυλακὴ ἔσται τοῦ ὅρκου· τὸ δὲ εἶξαι αὐτὸν τῇ οἰκονομίᾳ εἰς ἐπιορκίαν αὐτῷ οὐ λογισθήσεται, διὰ τὸ μὴ προσκεῖσθαι[4] τῷ ὅρκῳ, μηδὲ πρὸς βραχὺ ἀναχωρήσειν[5] Μινδάνων, ἀλλὰ παραμένειν εἰς τὸ ἐφεξῆς. Σευήρῳ δὲ προφασιζομένῳ τὴν λήθην ἡμεῖς συγχωρήσομεν,[6] εἰπόντες ὅτι ὁ τῶν κρυπτῶν γνώστης οὐ περιόψεται τὴν ἑαυτοῦ[7] ἐκκλησίαν ὑπὸ τοιούτου λυμαινομένην, ποιοῦντος μὲν ἀκανονίστως τὸ[8] ἐξ ἀρχῆς, ὅρκῳ δὲ καταδεσμοῦντος παρὰ τὰ εὐαγγέλια, παρορκεῖν δὲ διδάσκοντος[9] δι' ὧν μετετέθη, ψευδομένῳ δὲ νῦν δι' ὧν[10] τὴν λήθην σχηματίζεται. ἐπειδὴ δὲ οὐκ ἐσμὲν καρδιῶν[11] κριταί, ἀλλ' ἐξ ὧν ἀκούομεν κρίνομεν, δῶμεν τῷ κυρίῳ τὴν ἐκδίκησιν, αὐτοὶ δὲ ἀδιακρίτως αὐτὸν δεξώμεθα, συγγνώμην δόντες ἀνθρωπίνῳ πάθει τῇ λήθῃ·[12]

ια΄.[13] Ὁ δὲ τὸν ἀκούσιον ποιήσας φόνον ἀρκούντως ἐξεπλήρωσεν τὴν δίκην

---

1) и *вставл. П.* 2) и *вставл. П.* 3) прѣложение *УП.* 4) нъ *вставл. УП.* 5) цр҃ковь *У.* 6) *cod. переправл.* о *послѣ* и *изъ* к; погыбноущю *У.* 7) неправильно *УП.* 8) иже *П.* 9) приложи *П*; прилоложи *С.* 10) чл҃вчьстѣи *У.* 11) страстїи *П.* 12) сътворивъıи *УП.*

1) καταδικάσῃ C Patm. 172. 2) δόξωμεν cod. 3) μὲν cod. надъ строкой рукой X в. 4) πρόσκεισθαι C. 5) ἀναχωρῆσαι V. 6) συγχωρήσωμεν CPV. 7) cod. переправл. рукой X в. изъ αὐτοῦ. 8) τῷ cod. 9) cod. переправл. изъ διδάσκοντας. 10) δι' ὧν проп. V. 11) καρδίων P. 12) V переправл. изъ τῆς λήθης. 13) ιβ΄. Περὶ τῶν ἀκουσίως φονευσάντων V.

въ ѥдиномь на десѧте лѣтѣ· ѥвѣ бо· ѩко при оубивенъıихъ [1] ѩже при моисѣи съблюдѣмъ· низъложенлаго оубо ранами ѩже
л. 185 а. 5 прим· шьдъша | же пакъı жьзлъмь своимь· не мьнимъ [2] оубивъша· ѧще ли и не въста по ранахъ· нъ оубо ѥже не произволити ѥмоу оубити· [3] бивъıи [4] оубинца оубо· нъ
10 невольнъıи за прѣдъложение [5]

ѳ҃в· Дъвоженьца· отиноудь [6] канонъ· отъ слжжениѧ заключаѥть· [7]

ѳ҃г· Ратьнъıихъ оубиствъ [8] оц҃и наши въ оубиствѣхъ не мьнѣша·
15 мънѣ же мьнитьсѧ проценик давъше· паче ц҃ѣломоудриѧ· и бл҃гочьстьıа· помагающиимъ· [9] некъли добрѣ имать съвѣщавати· ѩко роуками нечистъı· [10] г҃· лѣ҃· [11] отъ обьщениѧ оу-
20 далитисѧ·

ѳ҃д· Лихвоу прикмлаи· ѧще изволитъ неправьдьнок приобрѣтение· оубогъıимъ расточити· и прочеѥ отъ недоуга срѣбролюбиѧ измѣнитисѧ· [12]
25 прилтьнъ ѥсть въ чистительство·

ѳ҃е· [13] Чюжюсѧ твоѥмоу кънижьноуоумоу извѣщению· къ написанию отъдающю и не помъıшлающю· ѩко

ἐν τοῖς ἑνδεκα ἔτεσιν· δῆλον γὰρ ὅτι ἐπὶ τῶν πληγέντων τὰ Μωσέως [1] παρατηρήσωμεν· [2] καὶ τὸν κατακλιθέντα μὲν ἐπὶ τῶν πληγῶν ἃς [3] ἔλαβεν, βαδίσαντα δὲ πάλιν ἐπὶ τῇ ῥάβδῳ ἑαυτοῦ, [4] οὐ λογισόμεθα [5] πεφονεῦσθαι· εἰ δὲ καὶ οὐκ ἐξανέστη μετὰ τὰς πληγάς, ἀλλ' οὖν τὸ [6] μὴ προελέσθαι αὐτὸν ἀνελεῖν, ὁ τυπτήσας φονευτὴς μὲν, ἀλλ' ἀκούσιος διὰ τὴν πρόθεσιν.

ιβ'. [7] Τοὺς διγάμους παντελῶς ὁ κανὼν τῆς ὑπηρεσίας ἀπέκλεισεν.

ιγ'. [8] Τοὺς ἐν πολέμοις φόνους οἱ πατέρες ἡμῶν ἐν τοῖς φόνοις οὐκ ἐλογίσαντο, ἐμοὶ [9] δοκεῖν [10] συγγνώμην δόντες [11] τοῖς ὑπὲρ σωφροσύνης καὶ εὐσεβείας ἀμυνομένοις. τάχα δὲ καλῶς ἔχει συμβουλεύειν, ὡς τὰς χεῖρας μὴ καθαρούς, τριῶν ἐτῶν τῆς κοινωνίας μόνης [12] ἀπέχεσθαι.

ιδ'. [13] Ὁ τόκους λαμβάνων, ἐὰν καταδέξηται τὸ ἄδικον κέρδος εἰς τοὺς [14] πτωχοὺς ἀναλῶσαι καὶ τοῦ λοιποῦ τοῦ νοσήματος τῆς φιλοχρηματίας ἀπαλλαγῆναι, δεκτός ἐστιν εἰς [15] ἱερωσύνην.

ιε'. [16] Θαυμάζω δέ σου τὴν γραμματικὴν ἀκρίβειαν ἐπὶ τῆς γραφῆς ἀπαιτοῦντος καὶ μὴ λογιζομένου, ὅτι

---

1) оубенъıихъ *У.* 2) мнитъ *С.* 3) бити *У.* 4) бивъı *П.* 5) прѣложенїе *С.* 6) ѳнюдѯ *П.* 7) заключаютъ *П.* 8) оубинство *П.* 9) помогающимъ *П.* 10) нечистъıм *П.* 11) лѣта *У.* 12) извѣнитисѧ *С.* 13) *У прот. все правило 15.*

1) Μωυσέως V. 2) παρατηρήσομεν P. 3) ὧν V. 4) αὐτοῦ P. 5) λογισώμεθα V. 6) τῷ CPatm. 173. 7) ιγ'. Περὶ διγάμων V. 8) ιδ'. Περὶ τῶν ἐν πολέμοις φονενόντων V. 9) cod. выскобл. двѣ буквы (δὲ?) передъ ἐμοὶ. 10) δοκεῖ P. 11) cod. выскобл. δι передъ δόντες. 12) μόνης cod. in m. рукой X в. 13) ιε'. Περὶ τῶν λαμβανόντων τόκους V. 14) τοὺς проп. CPV. 15) τὴν вставл. Patm. 172. 16) ις'. Περὶ τῶν ζητημάτων V.

ноуждьна кєсть рѣчь [1] съказанїа· своє ꙗсно отъдающю· не въ рѣснотоу· отъ жидовьскаго гласа· назнаменоваємо [2] прѣложи· понєже во подобаєть· непраздьно прѣнити· | гаданиє же отъ моужа· възискълива· подвижющесѧ пътиць нєбєснъıѧ· и рꙑбъı морьскъıѧ· и въ мори творєниє· [3] тоє же приꙗша бꙑтиє· отъ водъ бо изнесено бꙑсть обоє бꙑтиє· вина же ꙗко то же кєсть въ обоєю оусобьство· ово [4] бо плаваютъ въ водѣ· овъı же парѧть по въздоухоу [5] сего ради оубо обьцеихъ подобаєть· маноу· образъ же слова· ꙗко къ рꙑбамъ оубо неподобьно данъı· ꙗко же къ вєсѣмъ въ водѣ прѣбъıвающимъ· и ꙁѣло своимъ· птицѧ бо нєбєснъıѧ покарающесѧ чл҃вкоу· и рꙑбъı морьскъıѧ· и не ти єдини· нъ и вьса ходѧщаѧ по стъꙁѣмъ морьскъıимъ· ни водьноє бо· ащє чьто· и рꙑба кєсть·

ἠναγκασμένη ἐστὶν ἡ λέξις, τῆς ἑρμηνείας τὸ ἑαυτῆς εὔσημον ἐκδιδούσης, οὐ τὸ κυρίως ὑπὸ τῆς Ἑβραϊκῆς φωνῆς σημαινόμενον μετατιθείσης. ἐπεὶ [1] δὲ δεῖ μὴ ἀργῶς [2] παρελθεῖν τὸ ὑπ' ἀνδρὸς л. 185 b.
ζητητικοῦ κινηθὲν πρόβλημα, τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ καὶ οἱ ἰχθύες τῆς θαλάσσης καὶ ἐν τῇ κοσμοποιΐᾳ τὴν αὐτὴν ἔλαχον γένεσιν· ἐκ τῶν ὑδάτων γὰρ ἐξηνέχθη [4] ἀμφότερα τὰ γένη. τὸ δὲ αἴτιον, ὅτι ταὐτόν ἐστιν ἐν ἑκατέροις ἰδίωμα· τὰ μὲν γὰρ διανήχεται τὸ ὕδωρ, τὰ δὲ ἐπινήχεται τῷ ἀέρι· διὰ τοῦτο μὲν οὖν [5] κοινῇ αὐτῶν ἐπεμνησθη. τὸ δὲ σχῆμα τοῦ λόγου ὡς μὲν πρὸς [6] τοὺς ἰχθύας ἀκαταλλήλως ἀποδοθέν, ὡς δὲ πρὸς πάντα τὰ ἐν ὕδασιν διαιτώμενα καὶ πάνυ οἰκείως· τὰ γὰρ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ [7] ὑποτέτακται τῷ ἀνθρώπῳ καὶ οἱ ἰχθύες τῆς θαλάσσης· καὶ οὐκ αὐτοὶ μόνον, ἀλλὰ καὶ πάντα τὰ διαπορευόμενα τρίβους θαλασσῶν· οὐ γὰρ εἴ τι ἔνυδρον, καὶ ἰχθύς ἐστιν, ὡς τὰ κητώδη, φάλλαιναι [8] καὶ ζύγαιναι, [9] καὶ δελφῖνες καὶ φῶκαι, καὶ προσέτι ἵπποι καὶ κύνες, καὶ πρίονες καὶ ξιφίαι καὶ οἱ θαλάσσιοι βοῦς, [10] εἰ δὲ βούλει, [11] καὶ ἀκαληφαὶ [12] καὶ κτένες καὶ τὰ ὀστρακόρινα [13] πάντα, ὧν [14] οὐδέν ἐστιν ἰχθύς,

1) рѣчи *П.* 2) назнаменовано *С.* 3) мироворенїе *П* (*вм.* мори творение). 4) wвы *П.* 5) къздоухъ *П.*

1) ἐπειδὴ V (и cod. первонач., но δὴ выскобл.). 2) cod. переправл. изъ ἀργο[ὺ?]ς. 3) ὑπὸ CPV. 4) ἐξήχθη CP (и cod. in m. рукой X в.). 5) οὖν проп. Patm. 172. 6) πρὸς μὲν P (но Patm. 172 in m. ὡς μὲν πρὸς τοὺς ἰχθύας). 7) οἰκείως τὰ γὰρ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ проп. C. 8) φάλλεναι cod.; φάλαιναι P; φάλεναι V. 9) ζύγεναι V. 10) βόες V. 11) βούλῃ V. 12) ἀκαλῆφαι CPV. 13) ὀστρακώδη V. 14) ὧν проп. V.

и вьсѧ градоуть по стьзамъ морьскъимъ· ꙗко же бъıти[1] трьми[2] бъıтии·[3] пътицѧ небесьнъıѧ· и ръıбъı морьскъıѧ· и клико водьнъıихъ· ръıбамъ противоуростоѧщиихъсѧ· ходать и ти по стьзамъ морьскъıимъ·

ıꙋ·[4] Неимамъ[5] же не велии прѣдъ гм҃ь· нъ и прѣдъ гдⷭинъмь своимь· рекъши·[6] прѣдъ вельможами вѣ цр҃ѧ[7] асоурииского· вънемлї оубо извѣсто· писанию· и тоу обращеши раздрѣшениѥ възискаѧаго·[8]

καὶ πάντα διαπορεύεται[1] τρίβους θαλασσῶν,[2] ὡς εἶναι τρία τῷ γένει, πετεινὰ οὐρανοῦ, ἰχθύας[3] τῆς θαλάσσης καὶ ὅσα τῶν ἐνύδρων τοῖς ἰχθῦσιν ἀντιδιαστελλόμενα διαπορεύεται καὶ αὐτὰ[4] τριβους θαλασσῶν.

ις΄.[6] Ὁ δὲ Νεεμὰν[7] οὐχὶ μέγας παρὰ κυρίῳ, ἀλλὰ παρὰ τῷ κυρίῳ αὐτοῦ, τουτέστιν τῶν παραδυναστευόντων[8] ἦν τῷ βασιλεῖ τῶν Σύρων. πρόσεχε οὖν ἀκριβῶς τῇ γραφῇ καὶ αὐτόθεν εὑρήσεις τὴν λύσιν τοῦ ζητήματος.

---

1) бъıти *П.* 2) трьми *П.* 3) бъıти *П.* 4) *У проп. все правило 16.* 5) Неиман' *П.* 6) рекше *С.* 7) цр҃ѧ *ПС.* 8) възиского *П.*

1) διαρεύονται V. 2) все слѣдующее далѣе окончаніе правила въ cod. дописано рукой X в. 3) ἰχθύες V. 4) τῆς проп. P. 5) τὰς вставл. P. 6) ις΄ проп. V. 7) Ναιμὰν P. 8) παρὰ τῶν δυναστευόντων V Patm. 172 (вм. τῶν παραδυναστευόντων).

| сто[1] василиа ѡ канонѣхъ·

Дрѣвлѥ къ простьрѥнъıимъ намъ отъ бл҃говол҃ѧзньства твоѥго· въпросомъ отъвѣщавъ не посълахъ писанıа· ово оубо отъ недоугa дългаго· и бѣдьнаго прилежавъ· ово же отъ неимѣнıа слоужащıихъ· мало бо ихъ въ насъ· и поути неискоусьни[2] ни съвьршени·[3] къ таковъıимъ слоужьбамъ ꙗко оувѣдѣвъ виноуѕамоуждениа даждь намъ простъıню· чюдихомъ же сѧ твоѥмоу навъıчению въкоупѣ и съмѣреноу[4] съмъıслоу·[5] ꙗко наоучатисѧ прıѥмлюшı· оученıа чинъ пороученъıи· и навъıкати отъ насъ· въ нихъже ничьто же велиа прилежитъ на разоумъ· нъ обаче понѥже прıѥмлюшı· страха ради бж҃ıа творити вещь· неоудобь отъ иного бъıвающюю· подобаѥтъ намъ оусьрдиѥмь твоимь· и бл҃гъıимь тъщанıѥмь съвъпрашатисѧ и паче силъı·[6]

канонъ· ı҃ѕ·[7] Въпросилъ нъı[8] ѥси· о виѳронѣ прозвитерѣ· аще прıатьнъ ѥстъ въ клиросъ клятвъı ради· азъ же абıѥ нѣкоую обıчаю заповѣдь·

(л. 195[a]—199[b]) ΤΩι ΑΥΤΩι ΠΕΡΙ ΚΑΝΟΝΩΝ.[1] л. 186 a.

Πάλαι πρὸς τὰς παρὰ τῆς εὐλαβείας σου προταθείσας[2] ἡμῖν ἐπερωτήσεις[3] ἀποκρινάμενος οὐκ ἀπέστειλα[4] τὸ γράμμα, τοῦτο μὲν ὑπὸ τῆς ἀῤῥωστίας τῆς μακρᾶς καὶ ἐπικινδύνου ἀσχοληθείς, τοῦτο δὲ ὑπὸ τῆς ἀπορίας[5] τῶν διακονουμένων·[6] ὀλίγοι γὰρ καὶ[7] παρ' ἡμῖν καὶ ὁδοῦ[8] ἔμπειροι καὶ παρεσκευασμένοι πρὸς τὰς τοιαύτας ὑπηρεσίας· ὥστε μαθὼν τὰς αἰτίας τῆς βραδυτῆτος,[9] δὸς ἡμῖν τὴν συγγνώμην. ἐθαυμάσαμεν δέ σου τὴν[10] φιλομαθίαν ὁμοῦ καὶ τὴν ταπεινοφροσύνην, ὅτι καὶ μαθεῖν καταδέχῃ,[11] τὴν τοῦ διδάσκειν[12] τάξιν πεπιστευμένος, καὶ μανθάνειν[13] παρ' ἡμῶν, οἷς οὐδὲν μέγα πρόσεστιν εἰς γνῶσιν. ἀλλ' ὅμως, ἐπειδὴ καταδέχῃ διὰ τὸν φόβον τοῦ θεοῦ ποιεῖν πρᾶγμα οὐ ῥᾳδίως παρ' ἑτέρου γινόμενον, χρὴ καὶ ἡμᾶς τῇ προθυμίᾳ σου καὶ τῇ ἀγαθῇ σπουδῇ συναίρεσθαι, καὶ ὑπὲρ δύναμιν.

α'.[14] Ἠρώτησας ἡμᾶς περὶ Βιάνορος τοῦ πρεσβυτέρου, εἰ δεκτός ἐστιν εἰς τὸν κλῆρον διὰ τὸν ὅρκον· ἐγὼ δὲ ἤδη τινὰ καὶ κοινὸν ὅρον

---

1) *У проп. все это предисловіе.* 2) неискоусньıи *П.* 3) съвръшеньıи *П.* 4) смѣрень *П.* 5) смъıслень *П.* 6) силны ѥси *С.* 7) *У проп. все правило 17.* 8) и *вставл. П.*

1) ἐπιστολὴ δευτέρα добавл. VP. 2) προτεθείσας P. 3) ἐρωτήσεις PV. 4) οὐ κατέστειλα Patm. 172. 5) ἀπειρίας V. 6) διακουμένων V. 7) καὶ проп. PV. 8) ὁδῶν V. 9) βραδύτητος PV. 10) cod. выскобл. τε послѣ τὴν. 11) κατεδεηθης V. 12) διδασκάλου V. 13) cod. переправл. изъ μαθεῖν. 14) ιζ' PV.

о вьсѣхъ въкоупѣ· по сихъ ротивъшиихъсѧ· иже по антиохии клирикомъ· вѣмъ проповѣданоѥ· ꙗко людьскъıихъ оубо· оудалаѥтьсѧ съборищь· кдинѣмь же дѣтельствовати· иже прозвитеръмь· то же самоѥ· | и къ слоужению его· волю емоу подлати· ꙗкоже не въ антиохии ѥсть чистительство· нъ въ иконии[1] бѣ ꙗко же самъ посълалъ ѥси намъ· антиохиѥ· въ селение измѣни· ѥсть оубо приятьнъ моужь тъ· испъıтаваѥмъ· отъ бл҃говолꙗньства твоего· раскаитисѧ о оудобью[2] клятвъı· ѥюже при невѣрьнѣмь моужи клясѧ· понести сътоужение· малъıи оноу бѣдъı не въꙁмогъ·

л. 186 b.

҃ıи· О[3] отъпадающиихъ дв҃ъ· исповѣдавъшиихъ въ чистотѣ жити гв҃и·[4] по семь ꙗкоже въпасти въ плътьскъıа страсти· отъмѣтающиимъ своıа ꙁавѣтъı· оц҃и оубо просто и кротъко съподвигающесѧ· немощьми поплъꙁающесѧ· ꙗконъ положьше[5] приятьнамъ[6] имъ бъıти· по кдиномь лѣтѣ· по подобию дъвоженьць· повелѣвъша· мънѣ же мьнитьсѧ· понѥже бж҃ию бл҃годатию· происходящи[7] цр҃кви· крѣпѣиши бъıваѥть·

περὶ πάντων ὁμοῦ τῶν μετὰ ταῦτα[1] ὁμωμοκότων, τοῖς κατὰ Ἀντιόχειαν κληρικοῖς οἶδα ἐκτεθεικώς· ὥστε τῶν μὲν δημοσίων αὐτοὺς ἀπέχεσθαι[2] συλλόγων, ἰδίᾳ δὲ ἐνεργεῖν τὰ τῶν πρεσβυτέρων· τὸ δὲ αὐτὸ τοῦτο καὶ πρὸς τὴν[3] αὐτοῦ ὑπηρεσίαν ἄδειαν αὐτῷ παρέχειν,[4] διότι οὐκ ἐν Ἀντιοχείᾳ ἐστὶν[5] ἱερωσύνη, ἀλλ' ἐν Ἰκονίῳ, ἣν, ὡς αὐτὸς[6] ἐπέστειλας ἡμῖν, τῆς Ἀντιοχείας εἰς οἴκησιν ἀντηλλάξατο. ἔστιν οὖν δεκτὸς ὁ ἀνὴρ ἐκεῖνος, ἀπαιτούμενος παρὰ τῆς εὐλαβείας σου μεταμελεῖσθαι[7] ἐπὶ τῇ εὐκολίᾳ τοῦ ὅρκου, ὃν ἐπὶ τοῦ ἀπίστου ἀνδρὸς ἐξωμόσατο, βαστάξαι[8] τὴν ἐνόχλησιν[9] τοῦ μικροῦ ἐκείνου κινδύνου μὴ δυνηθείς.

β'.[10] Περὶ τῶν ἐκπιπτουσῶν[11] παρθένων, τῶν καθομολογησαμένων τὸν ἐν σεμνότητι βίον τῷ κυρίῳ, εἶτα διὰ τὸ ὑποπεσεῖν τοῖς πάθεσιν τῆς σαρκὸς ἀθετουσῶν τὰς ἑαυτῶν συνθήκας, οἱ μὲν πατέρες ἡμῶν ἁπλῶς καὶ πράως συμπεριφερόμενοι ταῖς ἀσθενείαις τῶν κατολισθαινόντων ἐνομοθέτησαν δεκτὰς εἶναι μετὰ τὸν ἐνιαυτόν, καθ' ὁμοιότητα τῶν διγάμων διαταξάμενοι. ἐμοὶ δὲ δοκεῖ, ἐπειδὴ τῇ τοῦ θεοῦ χάριτι προϊοῦσα ἡ ἐκκλησία κραταιοτέρα γίνεται

1) инонiи *П.* 2) оругдью *С* (*вм.* о оудобью). 3) О *проп. У.* 4) гѣови *У.* 5) намъ *вставл. П.* 6) пр҃іатъ *П.* 7) происходящи *С.*

1) μετ' αὐτοῦ PV. 2) "ἀπέχεσθαι 'αὐτοὺς cod. 3) cod. послѣ τὴν выскобл., кажется, 3 буквы (τοῦ?). 4) παρέχει PV. 5) ἡ вставл. PV. 6) cod. переправл. изъ ὡσαύτως. 7) μεταμέλεσθαι P. 8) βαστάσαι P. 9) ὄχλησιν V. 10) ιη' P; ιη'. Περὶ παρθένων ἐκπεσουσῶν V. 11) ἐκπεσουσῶν PV (и cod. переправл. рукой X в.).

и оумножаѥтьсѧ нъıнѣ чинъ дв҃чьскъıи[1] въıнимати извѣстъно· шавлюции же· по оумоу вещи· и[2] писанша съмъıслъмь· имьже моцьно изобрѣсти· отъ подобьнаго· объдовѣние во дѣвичьства мьнѥ· то не въдовиць[3] ли съгрѣшение· болѥ въторое ѥсть дѣвъ· видѣхомъ[4] оубо чьто писано ѥсть тимофѣю· отъ павьла·[5] оуѥ|шиихъ | же въдовиць отърицаисѧ·[6] ѥгда бо порогаѥтьсѧ х҃оу· посагноути хотѧть· имоуще осоуждение· шко пьрвоую вѣроу отъвьргоша· аще оубо въдовиць· по соудоу повинъна ѥсть тѫжькомоу· шко въ х҃а отъвьргъши вѣроу· чьто подобаѥть намъ непьщевати· о дѣвѣ невѣста ѥсть х҃ва·[7] и съсоудъ чистъ прѣдъложенъ владъıцѣ· велии оубо грѣхъ и рабъıни таиномоу бракоу давъши себе· тьма напълнити домъ· и ржгатисѧ лоукавъıимь житиѥмь съзьдавъшюоумоу· болѥ же[8] оубо нѣкъде лютѣе· невѣстѣ прѣлюводѣици[9] бъıти· и къ съмѣшению жениха· вещьствовавъшю[10] сластьмъ нечистъıимъ себѣ прѣдати· оуто не въдовиць ли· шко рабъıни растьлѣна осоужаѥтьсѧ· а дѣва осоужению любодѣиства·[11] повинъна ѥсть· шко же бо чюжаго съ чюжею женою· прѣлюводѣица

καὶ πληθύνεται νῦν τὸ τάγμα τῶν παρθένων, προσέχειν ἀκριβῶς τῷ τε[1] κατ' ἔννοιαν φαινομένῳ πράγματι καὶ τῇ τῆς γραφῆς διανοίᾳ, ἣν δυνατὸν ἐξευρεῖν ἀπὸ τοῦ ἀκολούθου· χηρεία γὰρ παρθενίας ἐλάττων,[2] οὐκοῦν καὶ τὸ τῶν χηρῶν ἁμάρτημα πολλῷ δεύτερόν ἐστιν τοῦ τῶν παρθένων. ἴδωμεν[3] τοίνυν τί γέγραπται Τιμοθέῳ παρὰ τῷ[4] Παύλῳ·[5] Νεωτέρας δὲ χήρας[6] παραιτοῦ· ὅταν л. 187 а.
γὰρ καταστρηνιάσωσιν τοῦ Χριστοῦ, γαμεῖν θέλουσιν, ἔχουσαι κρίμα, ὅτι τὴν πρώτην πίστιν ἠθέτησαν. εἰ τοίνυν ἡ[7] χήρα κρίματι ὑπόκειται βαρυτάτῳ, ὡς τὴν εἰς Χριστὸν ἀθετήσασα πίστιν, τί χρὴ λογίζεσθαι ἡμᾶς περὶ τῆς παρθένου, ἥτις νύμφη ἐστὶν τοῦ Χριστοῦ καὶ σκεῦος ἱερὸν ἀνατεθὲν τῷ δεσπότῃ; μέγα μὲν ἁμάρτημα καὶ δούλην λαθραίοις γάμοις[8] ἑαυτὴν ἐπιδιδοῦσαν[9] φθορᾶς ἀναπλῆσαι τὸν οἶκον καὶ καθυβρίζειν διὰ τοῦ πονηροῦ βίου τὸν κεκτημένον· πολλῷ δὲ δήπου χαλεπώτερον τὴν νύμφην μοιχαλίδα[10] γενέσθαι καὶ τὴν πρὸς τὸν νυμφίον ἕνωσιν ἀτιμάσασαν ἡδοναῖς ἀκολάστοις ἑαυτὴν ἐπιδοῦναι. οὐκοῦν ἡ μὲν χήρα ὡς δούλη διεφθαρμένη καταδικάζεται, ἡ δὲ παρθένος τῷ κρίματι τῆς μοιχαλίδος[11] ὑπόκειται. ὥσπερ οὖν τὸν ἀλλοτρίᾳ γυναικὶ συνιόντα μοιχὸν

1) дѣчь *C.* 2) и *пропущено У.* 3) довиче *У.* 4) кѣдѣхомъ *C.* 5) вала *У.* 6) отъричаисѧ *У.* 7) христосова *У.* 8) же *пропущено C.* 9) прѣлюводѣицѣ *У.* 10) вещьствовати *У.* 6) любодѣиствова *У.*

1) те пропущено P. 2) ἐλάττω V. 3) ἴδομεν cod. 4) τῷ пропущено V. 5) τοῦ Παύλου P. 6) cod. переправл. изъ χειρας. 7) ἡ пропущено P. 8) γάμοις пропущено V. 9) ἐπιδοῦσαν V. 10) μοιχαλλίδα cod. V. 11) μοιχαλλίδος cod. V.

именоуємъ· не първѣѥ приимъше въ
обѣщеніѥ· прѣже даже не прѣстаноу-
щемъ отъ грѣха· тако ѩвѣ· ѩко и
на имоущаѩ дв҃ы полагаѥмъ· оно бо
нѣша прѣжде исповѣдати намъ поу-
ждьно· ѩко дѣва именоуѥтьсѧ· волею
себе приведъшиѩ гв҃и· и отъвьргъ-
шисѧ брака· и въ осв҃ященіи жити[1]
произволивъши исповѣданиѩ же
л. 187 b. тогда[2] изв҃ираѥмъ· отъ|нѣлѣ же
оубо[3] въздрастъ· съконьчаніѥ слова[4]
имать· не дѣтьскыѩ бо гласы·
вьсако рѣснотивьнъı· оу таковъıихъ
мънѣти·[5] подобаше· нъ въıвъшюю·
въıше шести на десѧте· или· і҃з҃· лѣ·
госпожю соущю помъıсломъ· расмо-
ц҃реноу[6] наипаче· по семь прѣвъıвъшю
и молѧщюсѧ мольбами· на приѧтіѥ
тогда причетатисѧ къ дѣвамъ· и
исповѣданіѥ таковъıѩ оутвьржающе·
и отъвьрженіѥ ѩ҃ бо отъречениѩ
моучити· многъı бо родители при-
водать и братиѩ· и отъ подобьнъı-
ихъ нѣціи· не въ своихъ оустрьмль-
шиихъсѧ· къ непосаганію· нъ нѣчьто
житиское себе примъıшлаѩюще· ихъ-
же не оудобь приимати подобаѥтъ·
донъдеже ѩвѣ своихъ испътати ѩ
разоумъ·

ὀνομάζομεν, οὐ πρότερον παραδεξάμενοι[1]
εἰς κοινωνίαν, πρὶν ἢ παύσασθαι τῆς
ἁμαρτίας, οὕτω δηλονότι καὶ ἐπὶ τοῦ
τὴν παρθένον ἔχοντος διατεθησόμεθα.
ἐκεῖνο δὲ νῦν προδιομολογεῖσθαι[2] ἡμῖν
ἀναγκαῖον, ὅτι παρθένος ὀνομάζεται ἡ
ἑκουσίως ἑαυτὴν προσαγαγοῦσα τῷ κυ-
ρίῳ καὶ ἀποταξαμένη τῷ γάμῳ καὶ
τὸν ἐν ἁγιασμῷ βίον προτιμήσασα· τὰς
δὲ ὁμολογίας τότε ἐγκρίνομεν, ἀφ' οὗπερ
ἂν ἡ ἡλικία τὴν τοῦ λόγου συμπλήρω-
σιν ἔχῃ·[3] οὐ γὰρ τὰς παιδικὰς φωνὰς
πάντως κυρίας ἐπὶ τῶν τοιούτων ἡγεῖ-
σθαι προσῆκεν, ἀλλὰ τὴν ὑπὲρ τὰ ις΄ ἢ
ιζ΄[4] γενομένην ἔτη, κυρίαν οὖσαν τῶν
λογισμῶν, ἀνακριθεῖσαν ἐπὶ πλεῖον, εἶτα
παραμείνασαν καὶ λιπαροῦσαν διὰ ἱκε-
σιῶν πρὸς τὸ παραδεχθῆναι, τότε ἐγκα-
ταλέγεσθαι χρὴ ταῖς παρθένοις καὶ τὴν
ὁμολογίαν τῆς τοιαύτης κυροῦν[5] καὶ
τὴν ἀθέτησιν αὐτῆς ἀπαραιτήτως κολά-
ζειν. πολλὰς γὰρ γονεῖς προσάγουσιν
καὶ ἀδελφοὶ καὶ τῶν προσηκόντων
τινὲς πρὸ τῆς ἡλικίας,[6] οὐκ οἴκοθεν προσορμηθείσας[7] πρὸς ἀγαμίαν,
ἀλλά τι βιωτικὸν ἑαυτοῖς διοικούμε-
νοι· ἃς οὐ ῥᾳδίως προσδέχεσθαι δεῖ,
ἕως ἂν φανερῶς τὴν ἰδίαν αὐτῶν ἐρευ-
νήσωμεν γνώμην.

---

1) житіи *II.* 2) и *вставл. C.* 3) оуко *проп. У.* 4) слава *У.* 5) мнити *У.* 6) расмотренъ *C.*

1) παραδεξόμενοι PV. 2) προδιωμολογῆσθαι P. 3) ἔχει V (и cod. первонач.). 4) δέκα καὶ ἑπτὰ PV. 5) cod. выскобл. послѣ κυροῦν три буквы (τες?). 6) πρὸ τῆς ἡλικίας cod. in m. рукой X в. 7) cod. здѣсь надъ προσ ставитъ точки (рукой X в.?).

ѳ҃. Моужии же исповѣдании не познахомъ· обаче не аще нѣции себе въ чинъ· инокъиихъ причьтоша· мълчанииемь мьнатьсѧ 5 приимати· неженитвоу обаче и на тѣхъ оно мьню съказати· подобаѥть въпрашати ѩ· и приимати отъ нихъ исповѣданиѥ ѩвѣ· ꙗко понѥже прилагаютьсѧ· къ 10 плътолюбивомоу· и сластьномоу житию· вести ѩ въ блоудьнъиихъ запрѣщенна·

і҃. [1] Ѩлико женъ въ кресн соуще· дѣвьство испо|вѣдаша по семь· бракъ 15 въспрнаша· не мьню подобати осоужждати ѩ· ѩлико бо законъ гл҃ѥть· законьнъиимъ гл҃ѥть· не приимъшиимъ же еще ига хв҃а· ни законоположенна вѣдоущиимъ влд҃чьна· ꙗко 20 прнатьни [2] соуть къ цр҃кви съ вьсѣмь· и отъпоущенне на тѣхъ имоуще отъ вѣкъı иже въ хр҃а· и по вьсемоу въ оглашенѣмь жи[ти]и [3] бъıвающа· въ исправлѥ- 25 ниѥ не пр҃водатьсѧ· сихъ же ѩвѣ ꙗко развѣ [кре]щенна· [4] цр҃къı не приемлѥть· ꙗко ноужьдьшими· надъ тѣми чьтемъ рожьства·

ік҃а· Аще моужь съ женою живаи понѥже [5] не довълънъ бъıкъ· [6]

γ'. [1] Ἀνδρῶν δὲ ὁμολογίας οὐκ ἔγνωμεν, πλὴν εἰ μή τινες ἑαυτοὺς τῷ τάγματι τῶν μοναζόντων ἐγκατηρίθμησαν, οἱ κατὰ τὸ σιωπώμενον δοκοῦσι παραδέχεσθαι τὴν ἀγαμίαν. πλὴν καὶ ἐπ' ἐκείνων ἐκεῖνο ἡγοῦμαι προηγεῖσθαι προσήκειν, ἐρωτᾶσθαι αὐτοὺς καὶ λαμβάνεσθαι τὴν παρ' αὐτῶν ὁμολογίαν ἐναργῆ, ὥστε, ἐπειδὰν μετατίθενται πρὸς τὸν φιλόσαρκον καὶ ἡδονικὸν βίον, ὑπάγειν αὐτοὺς τῷ τῶν πορνευόντων ἐπιτιμίῳ.

δ'. [2] Ὅσαι γυναῖκες ἐν αἱρέσει οὖσαι παρθενίαν ὡμολόγησαν, εἶτα μετὰ ταῦτα γάμον ἀνθείλοντο, [3] οὐχ ἡγοῦμαι χρῆναι καταδικάζεσθαι ταύτας· ὅσα γὰρ ὁ νόμος λαλεῖ, τοῖς ἐν τῷ νόμῳ λαλεῖ. αἱ δὲ μήπω ὑπελθοῦσαι τὸν ζυγὸν τοῦ Χριστοῦ, οὐδὲ τὴν νομοθεσίαν ἐπιγινώσκουσιν τοῦ δεσπότου· ὥστε δεκταί εἰσιν τῇ ἐκκλησίᾳ, μετὰ πάντων καὶ τὴν ἐπὶ τούτοις ἄφεσιν ἔχουσαι ἐκ τῆς πίστεως τῆς εἰς Χριστόν. καὶ καθόλου τὰ [4] ἐν τῷ κατηχουμένῳ βίῳ γενόμενα [5] εἰς εὐθύνας οὐκ ἄγεται· τούτους δὲ δηλονότι ἄνευ βαπτίσματος ἡ ἐκκλησία οὐ παραδέχεται· ὥστε ἀναγκαιότατα ἐπὶ τούτοις τὰ πρεσβεῖα τῆς γενέσεως. л. 188 a.

ε'. [6] Εἰ ἀνὴρ γυναικὶ συνοικῶν, ἐπειδὰν μὴ ἀρκεσθεὶς

---

1) *У проп. все правило 20.* 2) пріатнїи *П.* 3) *исправл. по П.* 4) *исправл. по П.* 5) пожє *У.* 6) бъı *У.*

1) ιθ' P; ιθ'. Περὶ μοναχῶν V. 2) κ' PV. 3) ἀνθείλαντο Patm. 172, но надъ α послѣ λ надпис. ο. 4) конечное α cod. здѣсь по скобл. вмѣсто двухъ буквъ (было τῶν?). 5) γινόμενα V. 6) κα' PV.

бракъмь· въ блоудъ въпадеть блоудьника соудимъ таковаго· и паче простираемъ емоу[1] въ запрѣщенихъ·[2] не оубо имамъ же канона· 5 къ прѣлюбодѣинъіа[3] его въвести прѣгрѣшение·[4] аще на свободьноую брака грѣхъ[5] боудеть· зане прѣлюбодѣица оубо· осквьрнаемма рече осквьрнена боудеть· и не възвратитъся[6] къ моужю своемоу· и имѣти прѣлюбодѣиницю·[7] несъмъысленъ и нечьстивъ· блоудивъши же оубо· не затворенъ боудеть отъ съвъкоупленіа къ женѣ своеи· ако жена оубо· л. 188 b. 15 отъ блоуженіа възвраща|ющася моужа своего· паки въсприметь· моужь же осквьрненоую поустить из домоу своего· и си же слово не оудобьно а обычаи сице оудьржа·

20 кв· Имѣющихъ отъ въсхъщенна женъı·[8] аще инѣмъ боудоуть оброученъı и отълажченъı· не първѣе[9] подобаеть приимати· прѣже даже не отълоучать[10] отъ нихъ· и обла- 25 стию из начала оброучивъшихъ·

τῷ γάμῳ εἰς πορνείαν ἐκπέσῃ,[1] πόρνον κρίνομεν[2] τὸν τοιοῦτον καὶ πλεῖον αὐτὸν παρατείνομεν ἐν τοῖς ἐπιτιμίοις. οὐ μέντοι ἔχομεν κανόνα τῷ τῆς μοιχείας αὐτὸν ὑπαγαγεῖν[3] ἐγκλήματι, ἐὰν εἰς ἐλευθέραν γάμου ἡ ἁμαρτία γένηται· διότι ἡ μοιχαλὶς[4] μὲν μιαινομένη,[5] φησίν, μιανθήσεται καὶ οὐκ ἀναστρέφει[6] πρὸς τὸν ἄνδρα αὐτῆς, καὶ ὁ κατέχων μοιχαλίδα[7] ἄφρων καὶ ἀσεβής. ὁ μέντοι πορνεύσας οὐκ ἀποκλεισθήσεται τῆς πρὸς τὴν γυναῖκα ἑαυτοῦ[8] συνοικήσεως. ὥστε ἡ μὲν γυνὴ ἀπὸ πορνείας ἐπανιόντα τὸν ἄνδρα αὐτῆς παραδέξεται, ὁ δὲ ἀνὴρ τὴν μιανθεῖσαν τῶν οἴκων ἑαυτοῦ ἀποπέμψει· καὶ[9] τούτων δὲ ὁ λόγος οὐ ῥᾴδιος,[10] ἡ δὲ συνήθεια οὕτως κεκράτηκεν.

ς΄.[11] Τοὺς ἐξ ἁρπαγῆς ἔχοντας γυναῖκας, εἰ μὲν ἄλλοις προμεμνηστευμένας εἶεν ἀφῃρημένοι, οὐ πρότερον χρὴ παραδέχεσθαι, πρὶν ἢ ἀφελέσθαι[12] αὐτῶν[13] καὶ ἐπ' ἐξουσίᾳ τῶν ἐξ ἀρχῆς μνηστευσαμένων

---

1) емоу *проп.* *У.* 2) запрѣщнихъ *У.* 3) прѣлюбодѣнъıа *У.* 4) прѣшение *У.* 5) грѣха *У.* 6) възвратится *П.* 7) прѣлюбодѣицю *УП.* 8) жены *П.* 9) първѣе *У.* 10) олоучать *У.*

1) ἐμπέσῃ V. 2) cod. переправл. изъ κρινόμενον. 3) ὑπάγειν V. 4) μοιχαλλὶς cod. 5) cod. μεμιαινομένη, но рука X в. вставл. ν между ε и μ. 6) ἀναστρέψει PV. 7) μοιχαλλίδα cod. 8) cod. переправл. рукой X в. изъ αὐτοῦ. 9) καὶ проп. P. 10) cod. переправл. изъ ραδίως. 11) κβ΄ V. 12) αὐτὰς ἀπ' вставл. V. 13) въ Patm. 173 л. 188b оканчивается слогомъ αὐ и дальше вырванъ 1 листъ, на которомъ было окончаніе слова и правила и текстъ всѣхъ дальнѣйшихъ правилъ до словъ μέντοι προσχήματι правила 29 включит.

сътворить· или хотѧть пріѧти ѥ· или остоупити·[1] аще ли прилежащюю[2] къто поиметь· отѧти оубо подобаѥть·[3] и въ своихъ поставити· повелѣвати же разоумъ своихъ·[4] аще ли родители боудоуть· или братиѧ или нѣціи· стоѧщеи за отроковицею· и аще хотѧть ємоу прѣдати то[5] поставити съчетаніе· аще ли помаваютъ ноужда[6] не сътворити·[7] имоущюоумоу оубо женоу отъ растлѣніѧ· или таинаго или[8] ноуждьнаго· ноужда[9] блоудьноє· познати запрѣщеніе· ѥсть же въ четъірьхъ лѣтѣхъ· заповѣданоє блоудящихъ запрѣщеніе· подобаѥть оубо въ пьрьвоє изгънати из молитвъı· плакати· имъ прѣдъ двьрьми цр҃квьнъıими· вътороє же пріѧти къ цр҃кви къ[10] третиѥ же на по|каданіе· въ четвьртоє въ оглашеніе съ людьми· и оу҃далающіемъсѧ приношенія·[11] по семь повелѣвати· обыщеніѧ бл҃гаго пр҃ѧти·

к҃г· О поимающихъ[12] дъвѣ сестрѣниц· или за дъва брата посагающимъ· посъланъıѧ намъ·[13] възглашено бъıсть· ѥгоже въсписаніе посълахомъ твоємоу бл҃гобоѧзньствѣ·

ποιῆσαι, εἴτε βούλοιντο λαβεῖν αὐτὰς εἴτε ἀποστῆναι. εἰ δὲ σχολάζουσάν τις λάβοι, ἀφαιρεῖσθαι μὲν[1] δεῖ καὶ τοῖς οἰκείοις ἀποκαθιστᾶν, ἐπιτρέπειν δὲ τῇ γνώμῃ τῶν οἰκείων, εἴτε γονεῖς εἶεν, εἴτε ἀδελφοί, εἴτε οἱτινεσοῦν προεστῶτες τῆς κόρης· κἂν μὲν ἕλωνται αὐτῷ παραδοῦναι, ἵστασθαι τὸ συνοικέσιον· ἐὰν δὲ ἀνανεύωσιν,[2] μὴ βιάζεσθαι. τὸν μέντοι ἐκ διαφορᾶς[3] εἴτε λαθραίας, εἴτε βιαιοτέρας,[4] γυναῖκα ἔχοντα, ἀνάγκη τὸ τῆς πορνείας ἐπιγνῶναι ἐπιτίμιον. ἔστι δὲ ἐν τέσσαρσιν[5] ἔτεσιν ὡρισμένη τοῖς πορνεύουσιν ἡ ἐπιτίμησις· χρὴ τῷ πρώτῳ[6] ἐκβάλλεσθαι τῶν προσευχῶν καὶ προσκλαίειν αὐτοὺς τῇ θύρᾳ τῆς ἐκκλησίας, τῷ δευτέρῳ δεχθῆναι εἰς ἀκρόασιν, τῷ τρίτῳ εἰς μετάνοιαν, τῷ τετάρτῳ εἰς σύστασιν μετὰ τοῦ λαοῦ ἀπεχομένους τῆς προσφορᾶς, εἶτα αὐτοὺς[7] ἐπιτρέπεσθαι τὴν κοινωνίαν τοῦ ἁγαθοῦ. л. 189 a.

ζ΄.[8] Περὶ δὲ τῶν δύο ἀδελφὰς γαμούντων ἢ ἀδελφοῖς δυσὶ γαμουμένων ἐπιστολίδιον ἡμῖν ἐκπεφώνηται, οὗ τὸ ἀντίγραφον ἀπεστείλαμέν σου τῇ εὐλαβείᾳ.

---

1) ѳстѣпити *C.* 2) прилежащю *У.* 3) подобаѥть оубо *У,* 4) ихъ *C.* 5) то *проп. C.* 6) ноужа *У.* 7) и *вставл. У.* 8) ли *У.* 9) ноужа *У.* 10) *это* къ *cod. допис. подъ строкой.* 11) прошенїа *C;* приношенїю *П.* 12) понимающихъсѧ *C.* 13) посъланъıѧ намъ *проп. C.*

1) въ ἀφαιρεῖσθαι μὲν буквы σθαι μ. V пишетъ по скобл. рукой схоліаста. 2) ἀνανεύσωσιν PV. 3) διαφθορᾶς PV. 4) cod. βιοτέρας, но рукой X в. надпис. αι надъ ο. 5) въ δὲ ἐν τέσσαρσιν буквы δὲ ἐν τεσ V по скобл. рукой схоліаста. 6) ἔτει вставл. V. 7) V перенравл. въ αὐτοῖς. 8) κγ΄ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило.

кд· Приимъıи же брата своєго женоу· не пьрвѣıе приатъ боудетъ· прѣже даже не остоупитъ отъ нєѭ·

кє·[1] Вѣдовицю не причѣтеноую въ число дѣвиць·[2] рекъше слоужьбьницы въ цр҃кви· изволи апл҃ъ посылающа· неврѣцы· моужю же обѣдовѣвъшю· ни єдинъ же прилежитъ законъ· нъ довѣлно таковоуоумоу дъвоженьцѣ запрѣщєніє· аще бо вѣдовица шестидесатъ лѣтъ бывъши· аще изволитъ пакы съ моужьмь жити· не съподобитьса бл҃гаго обѣщєнїа· донъдеже отъ страсти нечистыıа прѣстанетъ· аще бо прѣже шестидесатъ лѣтъ причѣтемъ[3] ю· наше прѣгрѣшєніє а не женьскоє·

кѕ· Растлѣноую собою· въ женоу имѣти· запрѣщєніє оубо· о растлѣнии· подъиметь· женоу же имѣти подастьса емоу·

кз· Блоужєніє нѣстъ бракъ· нъ ни брака же начала· ако аще єсть моцьно· съчетаваюци|имъса по блоужєнию л. 189 b.
раслоучитиса· се оубо єсть· аще ли любатъ отъ вьсакого образа· съвъкоупльєніє· запрѣщєніє оубо блоужєнїа да познаютъ· оставлаємли же да соутъ· да не горе чьто[4] боудетъ·

η΄.[1] Ὁ δὲ ἀδελφοῦ ἰδίου γυναῖκα λαβὼν οὐ πρότερον δεχθήσεται πρὶν ἀποστῆναι αὐτῆς.

Χήραν,[2] τὴν καταλεγεῖσαν εἰς τὸν ἀριθμὸν τῶν χηρῶν, τουτέστιν τὴν διακονουμένην ὑπὸ τῆς ἐκκλησίας, ἔκρινεν[3] ὁ ἀπόστολος γαμουμένην παροράσθαι. ἀνδρὶ δὲ χηρεύσαντι οὐδεὶς ἐπίκειται νόμος, ἀλλ' ἱκανὸν τῷ τοιούτῳ τὸ τῶν διγάμων ἐπιτίμιον. ἡ μέντοι χήρα ἑξηκονταετὴς[4] γεγονυῖα, ἐὰν ἕληται πάλιν ἀνδρὶ συνοικεῖν, οὐ καταξιωθήσεται[5] τῆς τοῦ ἀγαθοῦ κοινωνίας, ἕως ἂν τοῦ πάθους τῆς ἀκαθαρσίας παύσηται. ἐὰν μέντοι πρὸ[6] ἑξήκοντα ἐτῶν ἀριθμήσωμεν αὐτήν, ἡμέτερον τὸ ἔγκλημα, οὐ τοῦ γυναίου.

θ΄.[7] Ὁ τὴν διεφθαρμένην ὑφ' ἑαυτοῦ εἰς γυναῖκα κατέχων τὸ μὲν ἐπὶ τῇ φθορᾷ ἐπιτίμιον ὑποστήσεται, τὴν δὲ γυναῖκα ἔχειν συγχωρηθήσεται.

ι΄.[8] Ἡ πορνεία γάμος οὐκ ἔστιν, ἀλλ' οὐδὲ γάμου ἀρχή· ὥστε, ἐὰν ᾖ δυνατὸν τοὺς κατὰ πορνείαν συναπτομένους χωρίζεσθαι, τοῦτο κράτιστον· ἐὰν δὲ στέργωσιν ἐκ παντὸς τρόπου τὸ συνοικέσιον, τὸ μὲν τῆς πορνείας ἐπιτίμιον γνωριζέτωσαν, ἀφιέσθωσαν δέ, ἵνα μὴ χεῖρόν τι γένηται.

---

1) кі *προπ. C.* 2) вѣдовицъ *У.* 3) причтеномъ *C.* 4) до него речено *У* (*вм.* да не горе чьто).

1) η΄ προπ. V Patm. 172. 2) со словъ Χήραν начин. новое правило κδ΄ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило. 3) V переправл. изъ ἔκκρινεν. 4) ἑξηκονταέτης V. 5) καταξιοῦται V. 6) cod. προ и выскобл. еще одна буква (σ?). 7) κε΄ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило. 8) κϛ΄ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило.

кѕ· о попѣ прѣльщьшиимьсѧ· По невѣжьствоу безаконьнъимь бракъмь· заповѣда иже подобалше· сѣдалище оубо имѣти· прочиихъ же дѣтелии огрѣбатисѧ· довълъно оубо таковоуоумоу прощению· бл҃гословлати[1] же иного неподобьно· своимъ прилежати дължьна соущиа строупомъ· бл҃гословлениѥ во ст҃ъиѣ· поданиѥ ѥсть· того же не имѣвши за съблажнениѥ[2] невѣжьства· како иномоу подасть ни въ людьхъ оубо ни[3] єдинъ да не бл҃гѣть·[4] ни тѣлесе хр҃а иѣмъ да не[5] подаѥть· ни инако како да не слоужить не подобьнъ[6] съ·[7] намѣстьиемь да плачетьсѧ къ г҃и· отъпоустити ємоу отъ невѣжьствьа безаконие·[8]

ки· Оно бо ми оубо смѣхъ швиѣа·[9] иже молитисѧ комоу· свинъихъ мясъ не ѣсти·[10] шко съводоби[11] оучити ш· отъ ненаказанъихъ молитвъ· и обѣщании оудалатисѧ· приниманиѥ оубо неразличьно соуще прости· ничьто же бо тварь б҃жиа· отъвьржено съ похвалою приимаѥмо· шко молитвѣ поспѣшьнѣ бъıти· а не огрѣбание ноужьдьноѥ·

кѳ· Къıназемъ оубо ротитисѧ· на зълотворение обладаѥмъıимъ· и

ια΄.[1] Περὶ τοῦ πρεσβυτέρου, τοῦ κατὰ ἄγνοιαν ἀθέσμῳ γάμῳ περιπαρέντος, ὥρισα ἃ ἐχρῆν· καθέδρας μὲν μετέχειν, τῶν δὲ λοιπῶν ἐνεργειῶν ἀπέχεσθαι· ἀρκετὸν γὰρ τῷ τοιούτῳ ἡ συγγνώμη. εὐλογεῖν δὲ ἕτερον τὸν τὰ οἰκεῖα τημελεῖν ὀφείλοντα τραύματα ἀνακόλουθον· εὐλογία γὰρ ἁγιασμοῦ μετάδοσίς ἐστιν, ὁ δὲ μὴ τοῦτο[2] ἔχων διὰ τὸ ἐκ[3] τῆς ἀγνοίας παράπτωμα, πῶς ἑτέρῳ μεταδώσει; μήτε τοίνυν δημοσίᾳ μήτε ἰδίᾳ εὐλογείτω, μήτε τὸ σῶμα τοῦ Χριστοῦ κατανεμέτω ἑτέροις, μήτε τι ἄλλο λειτουργείτω, ἀλλὰ ἀρκούμενος τῇ προεδρίᾳ προσκλαιέτω τῷ κυρίῳ συγχωρηθῆναι αὐτῷ τὸ ἐκ τῆς ἀγνοίας ἀνόμημα.

ιβ΄.[4] Ἐκεῖνό γε μὴν γελοῖόν μοι κατεφάνη, τὸ εὔξασθαί τινα[5] ὑείων ἀπέχεσθαι κρεῶν. ὥστε καταξίωσον διδάσκειν αὐτοὺς τῶν ἀπαιδεύτων προσευχῶν καὶ ἐπαγγελιῶν ἀπέχεσθαι, τὴν μέντοι χρῆσιν ἀδιάφορον εἶναι συγχώρησον· οὐδὲν γὰρ κτίσμα θεοῦ ἀπόβλητον μετ' εὐχαριστίας λαμβανόμενον· ὥστε ἡ εὐχὴ καταγέλαστος, οὐχ ἡ л. 190 а.
ἀποχὴ ἀναγκαία.

ιγ΄.[6] Ἄρχοντας μέντοι ὀμνύειν ἐπὶ τὸ κακοποιεῖν τοὺς ἀρχομένους καὶ

---

1) благословити *У.* 2) блажениѥ *У.* 3) ни *проп. С.* 4) бл҃гословать *П.* 5) не *проп. У.* 6) довольнъ *УП.* 7) съ *П.* 8) незаконии *У.* 9) швити *П.* 10) шсти *УП.* 11) съподоби *УПС.*

1) кζ΄ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило. 2) τοῦτο μὴ V Patm. 172. 3) ἐκ проп. V. 4) κη΄ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило. 5) τινας V. 6) κθ΄ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырвано начало до словъ μέντοι προσχήματι (стр. 488 в).

ѕѣло оугаждати подобаше оугождение бо сихъ дѣвок· єдино оубо не ротитисѧ оучитисѧ[1] имъ· абие дроугое же· не прѣбъıвати въ лоукавъıихъ· ѩко клѧтвою[2] обѧтъ къто на ѕълотворение иного· покаѧние оубо о мьрѣзости клѧтвъı да покажеть да не извѣщаѥть оубо· извѣтъмь бгобоѩзньства лоукавьства своего· ни иродоу[3] бо подобаше довръ клънъıшюсѧ· иже да[4] не клѧлъсѧ[5] бъı· оубиицѧ оубо абие бъıсть прⷪка· єдиною оубо клѧтва отъречена бъıсть· мъноѕѣмъ же нѣкъде въправьдоу на ѕълѣ бъıвающеѥ[6] осоудитисѧ· ѩко съмъıслити подобаѥть клъноущюоумоусѧ· а не тъщатисѧ своего извѣщати неподобие· испъıтаи бо пространѣѥ ѕъловъı· аще къто клънетьсѧ извьртѣти[7] очи братоу· аще добро таковое· на дѣло извести имоу· иже оубиѥть аще къто вьсѧкого клѧтвою· заповѣдь нѣкакоу[8] прѣстоупить· клѧхъ[sо] сѧ и поставихъ· не грѣхъ· нъ съхранити соудьбъı правьдъı твоѧ· ѩко же заповѣдь· непрѣложьнъıими соудьбами· подобаше извѣщати такъ грѣхъ· | отъноудь[9] подобаѥть· разарати[10] и погоублѧти· л. 190 b.

1) оучити *У.* 2) *cod. переправл. здѣсь начальное* к *изъ* т. 3) родѕ *П.* 4) не кла *вставл. С.* 5) клѧхсѧ *С.* 6) бъıвающею *У.* 7) извьрти *У.* 8) вьсѧкою клѧтвою· заповѣдь нѣкакоу *проп. У.* 9) ѿнѣдѕ *П.* 10) разарѧтїи *П.*

πάνυ θεραπεύεσθαι[1] προσῆκεν. θεραπεία δὲ τούτων διττή, μία[2] μὲν μὴ ὀμνύειν αὐτοὺς διδάσκεσθαι προχείρως, ἑτέρα δὲ μὴ ἐπιμένειν ἐν ταῖς πονηραῖς κρίσεσιν. ὥστε ὅρκῳ προληφθείς τις εἰς κακοποιίαν ἑτέρου, τὴν μὲν ἐπὶ τῇ προπετείᾳ τοῦ ὅρκου μετάνοιαν ἐπιδεικνύσθω, μὴ μέντοι προσχήματι εὐλαβείας τὴν πονηρίαν ἑαυτοῦ διαβεβαιούτω·[3] οὐδὲ γὰρ Ἡρῴδῃ συνήνεγκεν εὐορκήσαντι, ὅς, ἵνα μὴ ἐπιορκήσῃ δῆθεν, φονεὺς ἐγένετο τοῦ προφήτου. ἅπαξ μὲν ὁ ὅρκος ἀπηγόρευται, πολλῷ δὲ δήπου[4] εἰκὸς τὸν[5] ἐπὶ κακῷ[6] γινόμενον κατακεκρίσθαι. ὥστε μεταφρονεῖν χρὴ τὸν ὀμνύοντα, οὐχὶ σπουδάζειν ἑαυτοῦ βεβαιοῦν[7] τὸ ἀνόσιον. ἐξέτασον[8] γὰρ πλατύτερον τὴν ἀτοπίαν· εἴ τις ὀμόσειεν ἐξορύξειν τοὺς ὀφθαλμοὺς τοῦ ἀδελφοῦ, εἰ καλὸν τὸ τοιοῦτον[9] εἰς ἔργον ἀγαγεῖν αὐτῷ;[10] εἴ[11] τις φονεύσειεν;[12] εἴ[13] τις ὅλως δι' ὅρκου ἐντολήν τινα παραβήσεσθαι. ὤμοσα γὰρ καὶ ἔστησα οὐχὶ τὴν ἁμαρτίαν, ἀλλὰ τοῦ[14] φυλάξασθαι τὰ κρίματα τῆς δικαιοσύνης σου. ὥσπερ δὲ τὴν ἐντολὴν ἀμεταθέτοις κρίμασιν προσῆκεν βεβαιοῦσθαι, οὕτω τὴν ἁμαρτίαν παντοίως καθήκει[15] ἀκυροῦσθαι καὶ ἀφανίζεσθαι.

1) ἤ γ' οὖν διορθοῦσθαι διὰ νουθεσίας вставл. V. 2) ἡ V, но впереди ἡ выскобл. одна буква. 3) βέβαιούτω V Patm. 172. 4) που VP. 5) τὸ V. 6) κακοῦ V. 7) βεβαιοῦν ἑαυτοῦ VP. 8) ἐξετάσον P. 9) τῷ τοιούτῳ P. 10) αὐτόν V; αὐτὸ P. 11) ἤ P. 12) PV (и cod. переправл. въ) φονεύσειν. 13) ἤ P. 14) V переправл. τοῦ въ τὸ 15) καθήκειν PV, но V выскобл. ν.

л҃. О въсхытающихъ·[1] канона ветъхаго не имамъ· свои же разоумъ сътворихомъ· г҃· лѣ҃· и тѣмъ·[2] и съвъсхытающими съ тѣми· въненѣ мл҃твъ бывати· ово оубо подобаетъ[3] поущдьно бывающее· неповинно есть когда не тьма боудеть ни окраденіе· мьнимое вещи самовластьна же въдовицѣ· и на нюи иже послѣдовати· ꙗко образъ намъ не печи҃·[4]

ла҃· Ѩще ошьдъшю[5] моужю и без вѣсти бывъшю· прѣже оуслъшати о съмьрти его· за иного шьдъшима[6] прѣлювы[7] сътворить·[8]

лв҃· Съгрѣшающии къ съмьрти клирици· отъ чина своего отъводѧтьсѧ· отъ обычениѧ же· простыихъ не възбранени[9] боудѧть· не отъмьстиши бо дъвократъ въкоупь·

лг҃· Жена рожьшиѧ и небрѣгъши рожденаго· въ прѣгрѣшеніе оубиства· да въложена боудеть·[10]

лд҃· Прѣлюбодѣюща женъı·[11] испов҃дающасѧ· бл҃говоѕньства ради· ни како оубо ѡбличаемъı обличати· не повелѣша оц҃и наши· да не съмьртьноую вины· подамъ обличенъıимъ·

ιϑ΄.[1] Περὶ τῶν ἁρπαζόντων κανόνα μὲν παλαιὸν οὐκ ἔχομεν, ἰδίαν δὲ γνώμην ἐποιησάμεθα τρία ἔτη καὶ αὐτοὺς καὶ τοὺς συναρπάζοντας αὐτοῖς ἔξω τῶν εὐχῶν γίνεσθαι. τὸ δὲ[2] μὴ[3] βιαίως γινόμενον ἀνεύθυνόν ἐστιν, ὅταν μὴ φθορὰ ᾖ μηδὲ κλοπὴ ἡγουμένη τοῦ πράγματος. αὐτεξουσία δὲ ἡ χήρα[4] καὶ ἐπ' αὐτῇ τὸ ἀκολουθῆσαι· ὥστε τῶν σχημάτων[5] ἡμῖν οὐ φροντιστέον.

ιε΄.[6] Ἡ ἀναχωρήσαντος τοῦ ἀνδρὸς καὶ ἀφανοῦς ὄντος πρὸ τοῦ πεισθῆναι περὶ τοῦ θανάτου αὐτοῦ ἑτέρῳ συνοικήσασα μοιχᾶται.

ις΄.[7] Οἱ τὴν πρὸς θάνατον ἁμαρτίαν ἁμαρτάνοντες κληρικοὶ τοῦ βαθμοῦ[8] κατάγονται, τῆς κοινωνίας δὲ τῶν λαϊκῶν οὐκ ἐξείργονται· Οὐδὲ[9] γὰρ ἐκδικήσεις δὶς ἐπὶ τὸ αὐτό.

ιζ΄.[10] Ἡ γυνὴ[11] κυήσασα καὶ ἀμελήσασα τοῦ κυήματος τῷ τοῦ φόνου ἐγκλήματι ὑποκείσθω.

ιη΄.[12] Τὰς μοιχευθείσας γυναῖκας καὶ ἐξαγορευούσας δι' εὐλάβειαν, ἢ ὁπωσοῦν ἐλεγχομένας, δημοσιεύειν οὐκ ἐκέλευσαν[13] οἱ πατέρες ἡμῶν, ἵνα μὴ θανάτου αἰτίαν παράσχωμεν[14] ἐλεγχθείσαις·

---

1) въсхыщающихъ *C.* 2) г҃· лѣ҃· и тѣмъ *прот. У.* 3) *cod. переправл. здѣсь* д *изъ* к. 4) попещисѧ *У (вм.* не печи҃). 5) ѠшѢшю *П.* 6) шьдъши *У.* 7) и *вставл. П.* 8) сътвори *УП.* 9) възбранени҃ *C.* 10) коуд҃ *П.* 11) и *вставл. У.*

1) λ΄ PV. 2) δε cod., при чемъ δ по скобл. рукой X в. (вм. γ?). 3) cod. здѣсь μ по скобл. рукой X в. (вм. δ?). 4) χαρὰ P. 5) σχισμάτων P. 6) λα΄ PV. 7) λβ΄ PV. 8) μὲν вставл. PV. 9) Οὐ PV. 10) λγ΄ PV. 11) ἡ διὰ τῆς ὁδοῦ вставл. P (и cod. in m. рукой X в.). 12) λδ΄ PV. 13) μὲν ἐκώλυσαν V (вм. οὐκ ἐκέλευσαν). 14) cod. переправл. изъ παρασχῶμεν.

поставлати же и безъ wбѣщенїа по-
л. 191 a. вел҃ѣша· до съконьчанїа | лѣтоу по-
каанїа· [1]

л҃е· На оставленѣмь· виноу подо-
5 баѥть смотрїти· оставленїа· и аще
швитьсѧ бесловесьно· отъшьдъшїа·
овъ оубо прощенїа ѥсть достоинъ·
она же ѯапрѣщенїа· прощенїе же
томоу· къ обѣщенїю цр҃кви по-
10 дастьсѧ· [2]

л҃ѕ· Воинъшихъ женъı моужемъ
ищезъшемъ бъıвъшемъ· посагъшїа·
въ то же вълагаютьсѧ слово· ꙗко же
бо не жьдавъшїа· wшьствїа [3] ради
15 моужь възвращенїа обаче имать·
нѣкоуцю [4] простъıню [5] вещь· сьде
ѯаніе паче къ съмьрти бъıти помъı-
шленїю·

л҃ѕ· По отълоученїи· [6] чюжою по-
20 имъıи при пьрвѣмь прилюбодѣанїи [7]
прѣгрѣшитъ при въторѣмь же непо-
виненъ боудеть·

л҃и· Дѣвъı чрѣсъ ра҃зоумъ
оч҃ь· въслѣдовавъша блоудать·

ἵστασθαι δὲ αὐτὰς ἄνευ κοινωνίας προσέταξαν μέχρι τοῦ συμπληροῦσθαι τὸν χρόνον τῆς μετανοίας.

ιθ΄. [1] Ἐπὶ δὲ τοῦ ἐγκαταλειφθέντος [2] τὴν αἰτίαν χρὴ σκοπεῖν τῆς ἐγκαταλείψεως· κἂν φανῇ ἀλόγως ἀναχωρήσασα, ὁ μὲν συγγνώμης ἐστὶν [3] ἄξιος, ἡ δὲ ἐπιτιμίου· ἡ δὲ συγγνώμη τούτῳ πρὸς τὸ [4] κοινωνεῖν τῇ ἐκκλησίᾳ δοθήσεται.

κ΄. [5] Στρατιώτιδες, αἱ τῶν ἀνδρῶν ἀφανῶν ὄντων γαμηθεῖσαι, τῷ αὐτῷ ὑπόκεινται λόγῳ, ὥσπερ [6] καὶ αἱ [7] διὰ τὴν ἀποδημίαν τῶν ἀνδρῶν μὴ ἀναμείνασαι τὴν ἐπάνοδον. πλὴν ἔχει τινὰ [8] συγγνώμην τὸ πρᾶγμα ἐνταῦθα διὰ τὸ μᾶλλον πρὸς θάνατον εἶναι τὴν ὑπόνοιαν.

λζ΄. Μετὰ τὸ ἀφαιρεθῆναι τὴν ἀλλοτρίαν ὁ γαμήσας ἐπὶ μὲν τῇ πρώτῃ μοιχείᾳ [9] ἐγκληθήσεται, ἐπὶ δὲ τῇ δευτέρᾳ ἀνεύθυνος ἔσται.

λη΄. Αἱ κόραι, αἱ παρὰ γνώμην πατρὸς ἀκολουθήσασαι, πορνεύουσιν·

---

1) покаанїа *У*. 2) подастъ *У*. 3) Wшествїа *П*. 4) нѣкоую *УП*. 5) *cod. пишетъ конечное* ю *такъ:* ъ. 6) отълоуɯнїи *У*. 7) прѣлюбодѣанїи *УП*.

1) λε΄ V Patm. 173; нумерацію проп. Patm. 172. 2) καταλειφθέντος PV; ἀνδρὸς ὑπὸ τῆς γυναικὸς вставл. V. 3) ἔστιν Patm. 172. 4) буквы ος τὸ въ V по скобл., вѣроятно, вмѣсто ος. 5) λς΄ PV. 6) ὥπερ P (и V переправл. схоліастомъ изъ ὥσπερ). 7) αἱ проп. P. 8) въ cod. вырваны послѣ л. 199 и вслѣдствіе этого пропалъ текстъ, какъ слѣдующаго далѣе окончанія правила 20 (36) такъ и всѣхъ правилъ до начала 53 (69); недостающее дописано на лл. 200ª—203ᵇ рукой XV—XVI в., но для изданія оно восполнено не съ лл. 200—203, а изъ Patm. 172, безъ помощи текста на лл. 200—203. 9) μοιχείαν V, но ν добавл. схоліастомъ.

съмирьшемъ[1] же[2] родителемъ· мьнитьсѧ въгодие[3] приимати бывъшее· не двие же въ обьщение поставлати ѧ[4] нъ запрѣщенъı боудоуть три лѣта·

к҃д· Съ любодѣицею живоущиѧ· прѣлюбодѣиць҃ѧ есть въ вьсе лѣто[5] свое·

к҃а· Чрѣсъ разоумъ господина· моужю сѧ въдавъшиѧ блоудъ сътвори· по сихъ же· дьрзъıи бракъ приимъши· посагноу оубо блоу|жение·[6] се же бракъ·[7] закѣти бо иже по<дъ>[8] властию· ничьсо же имоуть[9] извѣсто·

к҃ѳ· Въ обьдовѣнии· власть имоущиѧ[10] съ[11] собою· жити съ моужьмь безгрѣшьно· аще нѣкъто есть отътъргна[12] съкоуплениѧ· аплу[13] бо рекъшю· аще оумьреть моужь· свободьна есть за негоже хощеть посагноути· тъкъмо о гд҃ѣ·

л҃· Развѣ дьржащиихъ· браци блоужениѧ соуть· ни вл҃дъıкъı разоумѣвающе неповиньни соуть· ꙗко аще повелать господие· съчетание тогда прииемлють брака извѣстоу·

διαλλαγέντων δὲ τῶν γονέων, δοκεῖ θεραπείαν λαμβάνειν τὸ γεγονός. οὐκ εὐθὺς δὲ εἰς τὴν κοινωνίαν ἀποκαθίστανται, ἀλλ᾽ ἐπιτιμηθήσονται τρία ἔτη.

λθ′. Ἡ τῷ μοιχῷ συζῶσα μοιχαλίς ἐστι πάντα τὸν χρόνον.

μ′. Ἡ παρὰ γνώμην τοῦ δεσπότου ἀνδρὶ ἑαυτὴν ἐκδοῦσα[1] ἐπόρνευσεν· ἡ δὲ μετὰ ταῦτα πεπαρρησιασμένῳ γάμῳ χρησαμένη ἐγήματο· ὥστε ἐκεῖνο μὲν л. 191 b.
πορνεία, τοῦτο δὲ γάμος· αἱ γὰρ συνθῆκαι τῶν ὑπεξουσιῶν[2] οὐδὲν ἔχουσι βέβαιον.

μα′. Ἡ ἐν τῇ χηρείᾳ ἐξουσίαν ἑαυτῆς[3] ἔχουσα[4] συνοικεῖν ἀνέγκλητος, εἰ μηδείς ἐστιν ὁ διασπῶν τὸ συνοικέσιον, τοῦ ἀποστόλου εἰπόντος· Ἐὰν δὲ ἀποθάνῃ ὁ ἀνήρ, ἐλευθέρα ἐστὶν ᾧ θέλει γαμηθῆναι, μόνον ἐν κυρίῳ.

μβ′. Οἱ ἄνευ τῶν κρατούντων γάμοι πορνεῖαι εἰσίν. οὔτε οὖν πατρὸς ζῶντος, οὔτε δεσπότου, οἱ συνιόντες[5] ἀνεύθυνοι εἰσίν· ὡς,[6] ἐὰν ἐπινεύσωσιν οἱ κύριοι τὴν συνοίκησιν, τότε λαμβάνει[7] τὸ τοῦ γάμου[8] βέβαιον.

---

1) съмирьше *У.* 2) сѧ *вставл. У.* 3) въгодное *С.* 4) сѧ *С.* 5) тѣло *С.* 6) блоужение *П.* 7) крак҃ъ *С, но позднѣйшая рука переправл. начальное* к *въ* б. 8) *С надписыв. другой рукой* д *надъ* по. 9) и *вставл. У.* 10) имоущиаа *П.* 11) съ *проп. ПУ.* 12) отъвьргъна *У.* 13) *cod. переправл. здѣсь* л *изъ* п.

1) ἐκδιδοῦσα V. 2) ὑπεξουσιων Patm. 173. 3) ἑαυτὴν V. 4) ἀνδρὶ вставл. V. 5) συναινοῦντες V. 6) ὥστε V. 7) γίνεται V. 8) τοῦ γάμου проп. V.

м҃г· Иже съмьртьною ѩзвою ближьнѧаго оубдари· оубиица ѥсть· или нача[1] ѩзвоу или поможе·

м҃д·[2] Слоужьбьници· блоудивъшиа съ ѥлинъмь· прѣтьна ѥсть въ обѣщеніе· въ приношеніе же прѣта воутьть·[3] въ семоѥ лѣто· ѩвѣ ако въ чистотѣ живоущи· по вѣрѣ же пакы ѥлинъ на свѧщеноокраденіе пришьдъ·[4] на блъвотины възвратитьсѧ· мы же[5] слоужьбьница[6] тѣлесе· ако освѧщено оуже не повелѣваѥмо· на приниманіе бъıти плътьскоѥ·

м҃ѥ·[7] Иже аще къто има принимъ хрьстьıаньства роугаѥтьсѧ хоу· ѥсть пользъı ѥмоу отъ нареченаа·[8]

л. 192 а. | м҃ѕ· Зане поущенаго къ врѣмени отъ женъı· по невѣжьствоу посагъшиа· по семь поущена бъıвъши· зане възвратитисѧ къ ѥмоу пьрвѣи· блоудъ[9] оубо[10] сътвори· невѣжьствъмь же отъ брака оубо не възвратитьсѧ·[11] оуніе же аще прѣвоудеть тако·

м҃з·[12] Възьдьржателіе· и врѣтиценосьци· и отъроčьници· томоу же подълежать словоу· имьже и

μγ΄. Ὁς θανάτου πληγὴν τῷ πλησίον ἔδωκεν, φονεύς ἐστιν, εἴτε ἦρξεν τῆς πληγῆς, εἴτε ἡμύνατο.[1]

μδ΄. Ἡ διάκονος ἡ τῷ Ἕλληνι συμπορνεύσασα, δεκτή ἐστιν εἰς τὴν[2] κοινωνίαν,[3] εἰς δὲ τὴν προσφορὰν δεχθήσεται τῷ ἑβδόμῳ ἔτει, δηλονότι ἐν ἁγνείᾳ ζῶσα. ὁ δὲ μετὰ τὴν πίστιν Ἕλλην, πάλιν τῇ[4] ἱεροσυλίᾳ προσιών, ἐπὶ τὸν[5] ἔμετον ὑποστρέψει.[6] ἡμεῖς δὲ τῆς διακόνου τὸ σῶμα ὡς καθιερωμένον οὐκ ἔτι ἐπιτρέπομεν ἐν χρήσει εἶναι σαρκικῇ.

με΄. Ὃς ἐάν τις τὸ ὄνομα τοῦ χριστιανισμοῦ λαβὼν[7] ἐνυβρίζῃ τὸν Χριστόν, οὐδὲν ὄφελος αὐτῷ ἀπὸ τῆς προσηγορίας.

μς΄. Ἡ δὲ τῷ[8] καταλειφθέντι πρὸς καιρὸν παρὰ τῆς γυναικὸς κατὰ ἄγνοιαν γημαμένη, εἶτα ἀφεθεῖσα διὰ τὸ ἐπανελθεῖν πρὸς αὐτὸν τὴν προτέραν, ἐπόρνευσε μέν, ἐν ἁγνοίᾳ δέ. γάμου οὖν[9] οὐκ εἰρχθήσεται, κάλλιον δέ, ἐὰν μείνῃ οὕτως.

μζ΄.[10] Ἐγκρατῖται[11] καὶ Σακκοφόροι καὶ Ἀποτακτῖται τῷ αὐτῷ ὑπόκεινται λόγῳ, ᾧ καὶ

---

1) чл У. 2) *У проп. все правило 44.* 3) вѣдѣть *СП.* 4) прѣше *С.* 5) слоуже *вставл. П.* 6) слажьбьница *П.* 7) ме *cod.* 8) нареченіи *У.* 9) блоу *У.* 10) бо *У.* 11) възбранитьсѧ *УП.* 12) *У проп. все правило 47.*

1) ἀντημύνατο V. 2) начало правила 44 до τὴν включ. въ Patm. 173 оборвано вверху л. 191ª. 3) μετάνοιαν V; cod. διακονίαν, но обводитъ это слово точками и надписываетъ κοινωνίαν. 4) τῇ cod. προπ. 5) ἴδιον вставл. V. 6) ἐπιστρέψει V. 7) λαβὼν τοῦ χριστιανισμοῦ V Patm. 173. 8) το Patm. 173. 9) V выскобл. послѣ οὖν двѣ буквы. 10) V съ заглавіемъ: Περὶ Ἐγκρατιτῶν. 11) Ἐγκρατηταὶ V.

наватиане ꙗко о тѣхъ оубо· аще възглашено бысть различно· на сиѫ же помълчано бысть· мы оубо единѣмь словомь· 5 второе крьщаемъ[1] таковыѭ· отъ васъ же речено бысть· второе не крьщати· ꙗко же оубо и отъ римлѧнъ· съмотрениа нѣкоего дѣла· отъмѣтати крⷭщениа ради ихъ· наше слово да оукрѣплѧѥтьсѧ· ꙗко понеже маркиѡнѧнъ есть прозѧбение· и[2] иже на нихъ ереси· гноушающемъсѧ[3] брака· и отъкрѧщающемъсѧ[4] вина· и тварь бжиѭ осквьрненоу соущю оглаѭщинихъ· не приемлемъ ихъ въ цр҃квь· аще не крьстѧтьсѧ въ наше крьщение·[5] еда глаѭть ꙗко въ оц҃а и сн҃а и ст҃го дх҃а крьстихомъсѧ· зълъимъ творьца 20 полагающе ба· подобьно маркиѡноу и прочимъ ересьмъ· ꙗко аще въгодьно боудеть се· подобаѥть множаишемъ еп҃помъ·[6] въкоупь быти· и тако заповѣдати канонъ· | да сътворьшюоумоу невѣдьно боудеть· и отъвѣтаѭи достовѣрьное имать· въ отъвѣтѣ о[7] таковыихъ·

м҃и· Поущенаѭ же отъ моужа своего по моемоу[8] разоумоу прѣвъывати подобаѥть· аще бо г҃ъ рече· ꙗко аще къто оставить женоу· развѣ

Ναυατιανοί, ὅτι περὶ μὲν ἐκείνων κανὼν ἐξεφωνήθη, εἰ καὶ διάφορος, τὰ δὲ κατὰ τούτους ἀποσεσιώπηται. ἡμεῖς μέντοι ἐνὶ λόγῳ ἀναβαπτίζομεν τοὺς τοιούτους· εἰ δὲ παρ' ὑμῖν ἀπηγόρευται[1] τὸ τοῦ ἀναβαπτισμοῦ, ὥσπερ οὖν καὶ παρὰ Ῥωμαίοις, οἰκονομίας τινὸς ἕνεκεν ἀθετεῖσθαι διὰ τὸ βάπτισμα αὐτῶν,[2] ὁ ἡμέτερος λόγος ἰσχὺν ἐχέτω, ὅτι, ἐπειδὴ ὥσπερ Μαρκιωνιστῶν ἐστιν αὐτοβλάστημα ἡ[3] κατ' αὐτοὺς αἵρεσις,[4] βδελυσσομένων τὸν γάμον καὶ ἀποστρεφομένων τὸν οἶνον καὶ τὴν κτίσιν[5] τοῦ θεοῦ μεμιασμένην εἶναι λεγόντων, οὐ δεχόμεθα[6] οὖν αὐτοὺς εἰς τὴν ἐκκλησίαν, ἐὰν μὴ βαπτισθῶσιν εἰς τὸ ἡμέτερον βάπτισμα· μὴ γὰρ λεγέτωσαν, ὅτι εἰς πατέρα καὶ υἱὸν καὶ ἅγιον πνεῦμα ἐβαπτίσθημεν, οἵ γε κακὸν[7] ποιητὴν ὑποτιθέμενοι τὸν θεὸν ἐφαμίλλως τῷ Μαρκίωνι καὶ ταῖς λοιπαῖς αἱρέσεσιν. ὥστε, ἐὰν ἀρέσῃ τοῦτο, δεῖ πλείονας ἐπισκόπους ἐνταυτῷ[8] γενέσθαι, καὶ οὕτως ἐκθέσθαι τὸν κανόνα, ἵνα καὶ τῷ л. 192 b.
ποιήσαντι τὸ ἀκίνδυνον ᾖ, καὶ ὁ ἀποκρινόμενος τὸ ἀξιόπιστον ἔχῃ ἐν τῇ περὶ τῶν τοιούτων ἀποκρίσει.

μή'. Ἡ δὲ ἐγκαταλειφθεῖσα παρὰ τοῦ ἀνδρὸς κατὰ τὴν ἐμὴν γνώμην μένειν ὀφείλει· εἰ γὰρ ὁ κύριος εἶπεν, ὅτι,[9] Ἐάν τις καταλείπῃ τὴν[10] γυναῖκα ἐκτὸς

1) крⷭщамъ *C.* 2) и *проп. II.* 3) гноушающемъсѧ *II.* 4) ѿвращающимсѧ *II.* 5) и сⷭщенїѧ *C (вм.* крⷭщение*).* 6) епископоумъ *II.* 7) ѿ *II.* 8) емоу *У.*

1) τοῦτο вставл. V. 2) ἀλλ' V, вм. ἀθετεῖσθαι διὰ τὸ βάπτισμα αὐτῶν. 3) ἡ проп. V. 4) κατὰ τὴν αὐτῶν αἵρεσιν V. 5) κτῆσιν cod. 6) οὖν вставл. V. 7) κακῶν V. 8) ἐνταυτὸ V. 9) ὅτι проп. V. 10) τὴν проп. V.

словесе блоудьна· творити[1] ю прѣлюбодѣыти· отъ прѣлюбодѣыника[2] нарещи[3] ю· затвори ю къ иного общенію· како бо можьть моужь повиньнъ бъıти· ако прѣлюбодѣыника повиньнъ а жена негрѣшьна[4] бъıти прѣлюбодѣица отъ г҃а· общенїа ради къ иномоу нарекъшисѧ·

м҃д· Иже къ моужди бъıваюцаа тълѣнїа· неповиньна да[5] боудоуть· ако аще и[6] рабъıни приноужена боудеть· отъ своего господина неповиньна есть·

п҃· [7] Трьженитвьıа нѣсть законъ· ако законъмь бракъ третїи не приводитьсѧ·[8] таковаа бо ако скверьны цр҃квьныа видимъ· людьскаа же осоужденїа не въıлагаемъ[9] ако оставленоугомоу блоужению[10] похоть-

λόγου πορνείας, ποιεῖ αὐτὴν μοιχᾶσθαι, ἐκ τοῦ μοιχαλίδα αὐτὴν ὀνομάσαι, ἀπέκλεισεν αὐτὴν τῆς πρὸς ἕτερον κοινωνίας. πῶς γὰρ δύναται ὁ μὲν ἀνὴρ ὑπεύθυνος εἶναι, ὡς μοιχείας αἴτιος, ἡ δὲ γυνὴ ἀνέγκλητος εἶναι, ἡ μοιχαλὶς παρὰ κυρίου[1] διὰ τὴν πρὸς ἕτερον ἄνδρα κοινωνίαν προσαγορευθεῖσα;

μθ′. Αἱ πρὸς ἀνάγκην γενόμεναι[2] φθοραὶ ἀνεύθυνοι ἔστωσαν· ὥστε καὶ ἡ δούλη, εἰ ἐβιάσθη παρὰ τοῦ ἰδίου δεσπότου, ἀνεύθυνος ἐστίν.[3]

ν′. Τριγαμίας νόμος οὐκ ἔστιν· ὥστε νόμῳ γάμος τρίτος οὐκ ἄγεται. τὰ μέντοι τοιαῦτα ὡς ῥυπάσματα τῆς ἐκκλησίας ὁρῶμεν, δημοσίαις δὲ καταδίκαις οὐχ ὑποβάλλομεν, ὡς τῆς ἀνειμένης πορνείας αἱρετώτερα.[4]

---

1) творитъ *УП.* 2) прѣлюбодѣиницю *У.* 3) рещи *У.* 4) нарещи ю затвори ю къ иного общенїю· како бо можетъ мѫжь повиненъ *С* (*см.* повиньнъ а жена негрѣшьна). 5) да *проп. У.* 6) и *проп. С.* 7) п҃ *С.* 8) проводитьсѧ *У.* 9) *cod.* переправл. конечное ъ изъ о. 10) блаженїю *С.*

1) схоліастъ V переправляетъ первоначальное κῡ въ τȣ̃ κῡ. 2) γινόμεναι V. 3) cod. ἐσται, но надъ αι надпис. ιν. 4) αἱρετωτέρα V.

того же о канонѣхъ.[1]

Съ поути далече възвращьсѧ· бѣхъ бо до понъта· цр҃кѣнъихъ потрѣвъ ради· и по посѣщению готовъихъ· и тѣло свое съкроушено възведъ· и дш҃ю немалъı озълоби·[2] по|нѣже писанїе бл҃говоѕньства твоего· на роуцѣ прилѧхъ всѣхъ авїе ѕабъıхъ· и гласа· всѣхъ мънѣ сладъкааго· и роукъı любъѕнъı[3] въспримъ образа· колико оубо отъ пїсанїи· таковъıихъ сладъкъı·[4] въобразити дължънъ кси колика достоѧнїа· твори бесѣдоу твою юже промъıслитъ ст҃ъı[5] бъıти· идеже непрѣльстьно кестъ· и тъ нъı призоветъ· ибо не люто ми· аще постигнеши домъ· иже къ похвалѣнию бъıти· въкоупѣ сьде сътоуженъıихъ· бѣгающюоумоу и не къ лицемѣрнѣи любъви[6] твоеи идоущю· некъли же ми инако ноужденъı творитъ· до нонѣ ѕиѧ ѕа поутъ· напрасное боголюбивааго[7] григорїа епп҃а ошьствие·[8] съ коею виною бъıвъшее· невѣдомо до нънѣ· чл҃вкъ же о нелѣпже аѕъ вѣхъ гл҃авъıи· къ съвършению твоемоу· и самъ нънѣ оупъвалъ· и кси

* ΤΩι ΑΥΤΩι ΠΕΡΙ ΚΑΝΟΝΩΝ ’ΕΠΙΣΤΟΛΗ Γ′.[1]

Ἀπὸ ὁδοῦ μακρᾶς ἐπανελθὼν (ἐγενόμην γὰρ μέχρι τοῦ Πόντου ἐκκλησιαστικῶν ἕνεκεν χρειῶν καὶ κατ’ ἐπίσκεψιν τῶν ἐπιτηδείων) καὶ τὸ σῶμά μου συντετριμμένον ἐπαναγαγών, καὶ τὴν ψυχήν μου μετρίως κεκακωμένος, ἐπειδὴ τὸ л. 193 a.
γράμμα τῆς εὐλαβείας σου εἰς χεῖρας ἔλαβον, πάντων ἀθρόως ἐπελαθόμην καὶ τῆς φωνῆς τῆς πασῶν ἐμοὶ ἡδίστης καὶ χειρὸς τῆς φιλτάτης ὑποδεξάμενος σύμβολα. ὡς[2] οὖν ἐκ τῶν γραμμάτων οὕτως ἐγενόμην ἡδίων, εἰκάζειν ὀφείλεις πόσου ἄξιον ποιοῦμαι τὴν συντυχίαν σου, ἣν οἰκονομήσειεν ὁ ἅγιος γενέσθαι, ὅπου ἂν ἐπαχθὲς ἦ καὶ αὐτὸς ἡμᾶς προσκαλέσῃ· καὶ γὰρ οὐ χαλεπόν μοι, εἰ καταλάβοις τὸν οἶκον τὸν ἐπὶ τῆς Εὐφημιάδος γενέσθαι ὁμοῦ, τά τε ὠδε ὀχληρὰ διαφεύγοντι καὶ πρὸς τὴν ἀνυπόκριτόν σου ἀγάπην ἐπειγομένῳ. τάχα δέ μοι καὶ ἄλλως ἀναγκαίαν ποιεῖ τὴν μέχρι Ναζιανζοῦ ὁδὸν ἡ ἀθρόα τοῦ θεοφιλεστάτου ἐπισκόπου Γρηγορίου ἀναχώρησις,[3] μετὰ ποίας αἰτίας γενομένη ἀγνοουμένη μέχρι τοῦ νῦν. ὁ δὲ ἄνθρωπος, περὶ οὗ κἀγὼ ἤμην διαλεχθεὶς τῇ τελειότητί σου καὶ αὐτὸς νῦν ἤλπισας

---

1) *У проп. и это заглавіе и все предисловіе (стр.* 495 1—496 20). 2) о3злоби *C.* 3) люкезныи *П.* 4) сл҃акыи *П.* 5) ст҃ыи *П.* 6) *cod. переправл. здѣсь* ю *изъ* и. 7) бл҃голюбиваго *C.* 8) шьствїе *П.*

* Такъ какъ въ Vallicell. F 47 вырв. листы (смотр. выше стр 490 15), то до стр. 501 14 весь слѣдующій текстъ печатается тоже по Patm. 172.

1) V заглавіе иначе: Τῷ αὐτῷ ἐπιστολὴ κανονικὴ γ′; послѣ этого заглавія сразу идетъ текстъ правилъ, такъ какъ предисловіе (стр. 495 3—496 20) пропущено. 2) ὃς Patm. 173. 3) ἀναχωρησεις Patm. 173.

готовъ ємоу бъıти· вѣжь ѡко
въ дълъгъ недоугъ въпадъ· и
стражь прочее о тѣхъ образѣхъ·
отъ дрѣвьнıѧ страсти· и отъ прѣже
малаго ємоу съключьшаагосѧ не-
доуга· вьсако неключимо· къ по-
лоучивъшимъсѧ дѣтьмъ оста· инъ
же нѣсть оу насъ· ѡко оунъшıю
аще и намъ повелѣ вещь· нъ
оубо о тѣхъ самѣхъ· коего изве-
сти· ибо мънѣти подобаѥть· си
л. 193 b. оубо и[ж]ждьıи[1] соу|ть гл҃и· дш҃ıо
же ихъ оного хотѣти· иже из начала
възискаша·[2] своємоу бъıти наставь-
никоу· аще ли ѥсть както отъ ново-
просвѣщенъıихъ· аще ли мъниться
македонъ· и аще онъ изведенъ боу-
детъ· въобразиши же и на подобьноѥ
въ вьсѣхъ поспѣшающи ти г҃и· и на
то бл҃годать подающю·

ѱа· Ѥже на клирикъı неразлоучьно
канонъı заповѣдаша· повелѣвъше
единo· въ падъшиихъсѧ заповѣдати
томлѥнıе·[3] отъпаденıе слоужења·
или въ чиноу боудоуть·[4] или въ
нероукоположенѣ слоужьбѣ прибѣ-
гающе·[5]

ѱв· Небрѣгъши рожденаго на
поути· аще оубо могоуци·
съхранити прѣобидѣ· или по-
кръıти грѣхъ отъмъııати· или
вьсако звѣринъмь и нечл҃вчьмь

ἕτοιμον εἶναι, γίνωσκε, ὅτι μακρᾷ
ἀῤῥωστίᾳ περιπεσὼν καὶ κάμνων
λοιπὸν περὶ αὐτὰς τὰς ὄψεις ἐκ
τοῦ παλαιοῦ πάθους καὶ ἐκ τῆς
ἔναγχος[1] αὐτῷ ἐπισυμβάσης νόσου
παντελῶς ἄχρηστος πρὸς τὰς τυ-
χούσας ἐνεργείας ἀπέμεινεν, ἄλλος δὲ
οὐκ ἔστιν παρ' ἡμῖν. ὥστε βέλτιον, εἰ
καὶ ἡμῖν ἐπέτρεψαν τὸ πρᾶγμα· ἀλλ'
οὖν ἐξ αὐτῶν τινα προβληθῆναι· καὶ γὰρ
ἡγεῖσθαι χρὴ ταῦτα μὲν τῆς ἀνάγκης
εἶναι τὰ ῥήματα, τὴν δὲ ψυχὴν αὐτῶν
ἐκεῖνο βούλεσθαι, ὅπερ ἐξ ἀρχῆς ἐπεζήτησαν οἰκεῖον εἶναι τὸν καθηγούμενον.
εἰ δέ ἐστίν τις τῶν νεοφωτίστων, κἂν
δοκῇ τῷ Μακεδονίῳ κἂν μή, ἐκεῖνος
προβληθήτω· τυπώσῃς[2] δὲ αὐτὸν πρὸς
τὸ δέον τοῦ ἐν πᾶσι συνεργοῦντός σοι
κυρίου καὶ τὴν εἰς τοῦτο χάριν παρεχομένου.

να΄. Τὸ κατὰ τοὺς κληρικοὺς
ἀδιορίστως οἱ κανόνες ἐξέθεντο, κε-
λεύσαντες μίαν ἐπὶ τοῖς παραπεσοῦσιν
ὁρίζεσθαι τιμωρίαν, τὴν ἔκπτωσιν τῆς
ὑπηρεσίας, εἴτε ἐν βαθμῷ τυγχάνοιεν, εἴτε καὶ ἀχειροθέτῳ ὑπηρεσίᾳ
προσκαρτεροῖεν.

νβ΄. Ἡ τοῦ κυήματος κατὰ τὴν ὁδὸν
ἀμελήσασα, εἰ μὲν οὖν[3] δυναμένη περισώσασθαι κατεφρόνησεν, ἢ συγκαλύψειν[4] τὴν ἁμαρτίαν ἐντεῦθεν νομίζουσα,
ἢ ὅλως[5] θηριώδει καὶ ἀπανθρώπῳ

---

1) *исправл. по П; cod.* нжⷣьıи. 2) ѧзıскати *П.* 3) томлѥнıе *У.* 4) коудеть *У.* 5) прѣкъıвающе *УП.*

1) ἐνάγχως cod. 2) τυπώσεις Patm. 173. 3) οὖν выскобл. V. 4) συγκαλύψαι cod., но надъ αι надпис. ειν. 5) ὅλως проп. V.

помъıслъмь приимъши· акъı при оубııствѣ да осоудитьсѧ·[1] аще[2] ли не възможе покръıти· и поустъıня ради недомъıшленıа ноуждънъıихъ· растьли роженоıе· процена боудеть мати·

ѯг· Въдовица рабъıни· некли[3] вельми съгрѣши· въсхотѣвъши вътороугоумоу бракоу въ образъ въсхъщенıа· ıако ничьсо же того ради повѣдати подобаıетъ· не образи бо соудитьсѧ нъ изволенıе· ıавѣ ıако дъвоженьца· ожидаıетъ ıа запрѣщенıе·

ѯд·[4] Невольнъıихъ оубııствъ[5] различıа· прѣже врѣмене вѣмь· посъıлавъ блгочьстıю твоıемоу· ıелико же ми посъıлаıеши· и болѣ тѣхъ ничьсо[6] могоу рещи· твоıего разоугма ıесть по своıствоу скърви· простирати запрѣщенıа· или отъдаıати·

ѯе· Къ разбоıникомъ противоу исходащемъ· вънѣ прѣбъıвающе· обıщенıа блгааго· въздранıени боудоуть· клирици же соуще отъ чина[7] отълоучатьсѧ·[8] въсѧкъ бо рече приимъıи ножь отъ ножа оумьретъ·

ѯѕ· Волıю оубивъıи· и по семь раскаıавъсѧ· к· лѣ· отълоученъ боудеть отъ обıщенıа свѧщенъıихъ· дъва десате же лѣтъ тако

λογισμῷ χρησαμένη, ὡς ἐπὶ φόνῳ κρινέσθω· εἰ δὲ οὐκ ἠδυνήθη περιστεῖλαι, καὶ[1] δι' ἐρημίαν καὶ ἀπορίαν τῶν ἀναγκαίων[2] διεφθάρη τὸ γεννηθέν, συγγνωστὴ[3] ἡ μήτηρ.

νγ'. Ἡ χήρα δούλη τάχα οὐ μέγα ἔπταισεν ἑλομένη δεύτερον γάμον ἐν σχήματι ἁρπαγῆς· ὥστε οὐδὲν τούτου ἕνεκεν ἐγκαλεῖσθαι χρή· οὐ γὰρ τὰ σχήματα κρίνεται, ἀλλ' ἡ προαίρεσις. δῆλον δέ, ὅτι τὸ τῆς διγαμίας μένει αὐτῇ[4] ἐπιτίμιον.

νδ'. Τὰς τῶν ἀκουσίων φόνων διαφορὰς πρὸ χρόνου οἶδα ἐπιστείλας τῇ θεοσεβείᾳ σου κατὰ τὸ ἐμοὶ δυνατόν, καὶ πλέον ἐκείνων οὐδὲν εἰπεῖν δύναμαι· τῆς δὲ σῆς[5] συνέσεώς ἐστι κατὰ τὸ ἰδίωμα τῆς περιστάσεως ἐπιτείνειν τὰ ἐπιτίμια[6] καὶ ὑφεῖναι.[7] л. 194 a.

νε'. Οἱ τοῖς λησταῖς ἀντεπεξιόντες, ἔξω μὲν ὄντες[8] τῆς κοινωνίας εἴργονται[9] τῆς κοινωνίας τοῦ ἀγαθοῦ· κληρικοὶ δὲ ὄντες, τοῦ βαθμοῦ καθαιροῦνται· Πᾶς γάρ, φησίν, ὁ λαβὼν μάχαιραν ἐν μαχαίρᾳ ἀποθανεῖται.

νς'. Ὁ ἑκουσίως φονεύσας καὶ[10] μετὰ[11] τοῦτο μεταμεληθεὶς εἴκοσιν ἔτεσιν ἀκοινώνητος ἔσται τοῖς ἁγιάσμασιν· τὰ δὲ εἴκοσιν ἔτη οὕτως

1) сѣдитсѧ *C.* 2) акъı при оубııствѣ да осоудитьсѧ· аще *пропуск. У.* 3) не *вставл. ПУ.* 4) мѣ *C.* 5) оубııство *П.* 6) же *вставл. ПУ.* 7) чиноу *У.* 8) отълоучаıотьсѧ *У.*

1) καὶ *пропуск.* V. 2) καὶ τούτου χάριν *вставл.* V. 3) συγγνώστη V. 4) αὐτὴν V. 5) σῆς δὲ V. 6) ἡ *вставл.* V Patm. 173. 7) ὑφεῖλαι V. 8) μένοντες V (вм. μὲν ὄντες). 9) εἴργωνται V. 10) καὶ *пропуск.* V. 11) δὲ *вставл.* V.

съмотритьсѧ[1] на нємь· д҃· лѣ҃· плакатисѧ подобаєть· вънѣ двьрии[2] стоѧще[3] цр҃квьнаго храма· и вълазѧщиихъ вѣрьныихъ· трѣбоуѭ мл҃твоу за нѭ[4] творити·[5] исповѣдаѭ своє безакониѥ· по четърьхъ же лѣтѣхъ· въ оглашенъіѭ приѭтъ боудеть въ притворѣ[6] цр҃квьнѣмь стоѧ· послоушаѭи[7] писанига да иждениетьсѧ· и[8] не причаститьсѧ молитвъı и до пѧти лѣтъ съ ними исходитъ· семь же лѣтъ съ приходѧщиими· да въноутрь[9] цр҃кве станеть· и съ оглашенъıими исходить·[10] за четъри же лѣта съ вѣрьныими стаѥть·[11] и не
л. 194 b. исходить съ оглашенъıими· | приношениа же не причаститьсѧ· коньчавъшемъ же[12] тѣмъ· тъгда причаститьсѧ свѧщенъıихъ·

ѯ҃з· Неволею оубивъıи· г҃· лѣ҃· безъ обѣщениа бѫдеть сѣщнъıихъ· смотрить же сѧ· г҃· лѣ҃· сице· дъвѣ лѣтѣ оубо плачетьсѧ вънѣ цьркъве[13] стоѧ· три же лѣта въ притворѣ съ ѡглашенъıими да исходить· д҃· лѣ҃· въноутрь цр҃кве да стаѥть·[14] и изълазить· и лѣто съ вѣрьныими да стаѥть[15] тъкмо· и прочее къ свѧщенъıимъ приѭтъ боудеть·

οἰκονομηθήσεται ἐπ' αὐτῷ· ἐν τέσσαρσιν ἔτεσιν προσκλαίειν ὀφείλει, ἔξω τῆς θύρας ἑστὼς τοῦ εὐκτηρίου οἴκου καὶ τῶν εἰσιόντων πιστῶν δεόμενος εὐχὴν ὑπὲρ αὐτοῦ ποιεῖσθαι καὶ ἐξαγορεύων τὴν ἰδίαν παρανομίαν· μετὰ δὲ τὰ [1] τέσσαρα ἔτη εἰς τοὺς ἀκροωμένους δεχθήσεται καὶ ἐν πέντε ἔτεσι μετ' αὐτῶν ἐξελεύσεται· ἐν δὲ [2] ἑπτὰ ἔτεσιν μετὰ τῶν ἐν ὑποπτώσει προσευχόμενος ἐξελεύσεται· ἐν τέσσαρσιν συστήσεται μόνον τοῖς πιστοῖς, προσφορᾶς δὲ οὐ μεταλήψεται· πληρωθέντων δὲ τούτων μεθέξει τῶν ἁγιασμάτων.

νζ'. Ὁ ἀκουσίως φονεύσας ἐν δέκα ἔτεσιν ἀκοινώνητος ἔσται τῶν ἁγιασμάτων· οἰκονομηθήσεται δὲ τὰ δέκα ἔτη ἐπ' αὐτῷ οὕτως· δύο μὲν ἔτη προσκλαύσει, τρία δὲ ἔτη ἐν ἀκροωμένοις διατελέσει, ἐν τέσσαρσιν ὑποπίπτων, καὶ ἐν ἐνιαυτῷ συσταθήσεται μόνον καὶ τῷ ἑξῆς εἰς τὰ ἅγια δεχθήσεται.

---

1) *cod. переправл. здѣсь* ѥ *посл* т *изъ* н. 2) двьри *У.* 3) стоѧще *проп. У.* 4) нѭ *УП.* 5) творить *У.* 6) притворь *У.* 7) послSшаи *С*; послоушаи *У.* 8) и *проп. П.* 9) вътрь *У.* 10) исходить *С.* 11) стане *П.* 12) сѧ *вставл. У*; кончавшимсѧ *П (вм.* коньчавъшемъ же*)*. 13) цьркъве *проп. П.* 14) станеть *У.* 15) стонть *У.*

1) τὰ проп. V. 2) δὲ проп. V.

ѳ҃· Прѣлюбодѣйство[1] сътворивъıи·[2] десать[3] и пать лѣтъ безъ обыщенїа боудеть свщенъıихъ· четъıри лѣта оубо плачаса[4] вънѣ црькъве· стоа· пать же лѣ̃ въ притворѣ послоушаа съ оглашенъıими исход[ить]·[5] в҃·[6] безъ обыщенїа·

і҃д·[7] Блоудьникъ· ѕ҃· лѣ̃· безъ обыщенїа боудеть сѵ̃нъıихъ· в҃· лѣ̃·[8] оубо плачаса вънѣ цр҃кве и в҃· лѣ̃· въ[9] притворѣ послоушаа и съ оглашенъıми исхода· в҃· въноутрь цр҃кве съ вѣрънъıми стоа и едино лѣ̃ прѣбъıвъ тъкмо въ·[10] и҃·[11] приатъ боудеть въ обыщение·

ѯ҃· Дѣъство исповѣдавъшиа· и отъпадъши обѣщанїа·[12] лѣто испълнить прѣлюбодѣйства грѣха· въ смотрение же на нюю живота· тое же на мънишьство обѣщавъшиихъса и[13] отъпадающиихъ·

ѯа· Оукрадъи аще о себѣ раскаѥтъса· и повѣдавъıи на са· лѣто тъкмо възбранѥнъ боудеть· обыщенїа сѵ̃тъıихъ· аще ли обличенъ боудеть на дъвѣ лѣтѣ раздѣлить же са ѥ|моу врѣма·

νη΄. Ὁ μοιχεύσας ἐν δέκα καὶ[1] πέντε ἔτεσιν ἀκοινώνητος ἔσται τῶν ἁγιασμάτων, ἐν τέσσαρσι μὲν προσκλαίων ἔτεσιν, ἐν πέντε δὲ ἀκροώμενος, ἐν τέσσαρσιν ὑποπίπτων, ἐν δυσὶ συνεστὼς ἄνευ κοινωνίας.

νθ΄. Ὁ πόρνος ἐν ἑπτὰ ἔτεσιν ἀκοινώνητος ἔσται τῶν ἁγιασμάτων, δύο προσκλαίων καὶ δύο ἀκροώμενος, καὶ δύο ὑποπίπτων καὶ ἑνὶ συνεστὼς μόνον, τῷ ὀγδόῳ δὲ[2] δεχθήσεται εἰς τὴν κοινωνίαν.

ξ΄. Ἡ παρθενίαν ὁμολογήσασα καὶ ἐκπεσοῦσα τῆς ἐπαγγελίας τὸν χρόνον τοῦ ἐπὶ[3] τῆς μοιχείας ἁμαρτήματος[4] ἐν τῇ οἰκονομίᾳ[5] τῆς καθ' ἑαυτὴν ζωῆς πληρώσει. τὸ αὐτὸ καὶ ἐπὶ τῶν[6] βίον μοναζόντων ἐπαγγειλαμένων καὶ ἐκπιπτόντων.

ξα΄. Ὁ κλέψας, εἰ μὲν ἀφ' ἑαυτοῦ μεταμεληθεὶς κατηγορήσειεν[7] ἑαυτοῦ, ἐνιαυτὸν κωλυθήσεται μόνον τῆς κοινωνίας τῶν ἁγιασμάτων· εἰ δὲ ἐλεγχθείη, ἐν δυσὶν ἔτεσιν· μερισθήσεται δὲ αὐτῷ ὁ χρόνος л. 195 а.

---

1) Прѣлюбодѣйство *II.* 2) рнѣын *У.* 3) деть *У.* 4) плачаша *С.* 5) *исправл. по УП*; исході *cod.*; исходи *С.* 6) дъвѣ же *УП* (*вм.* в҃). 7) *cod. против начала правила* іп *т.* кла3. 8) *cod. переправл.* л *изъ* т. 9) *cod. дописыв. всю слѣдующую далѣе вторую половину правила* іп *т.* 10) *cod. переправл.* ъ *изъ* о. 11) осмоѥ лѣто *У* (*вм.* и҃). 12) обыщанны *У.* 13) и *проп. С.*

1) καὶ проп. V. 2) δὲ проп. V. 3) ἐπιτιμίου V. 4) ἁμαρτήματος проп. V. 5) κοινωνίᾳ V. 6) τὸν cod. 7) κατηγορήσει V.

съ оглашенъными въходѧщю въ цр҃квь· и съ вѣрныими стоѧтъ· и не излазитъ съ оглашенъными· и тъгда съподобитьсѧ обыщенїѧ·

ѯѳ· Бестоудникъ[1] съ моужьскъмь[2] полъмь· показавъıи лѣто въ[3] прѣлюбодѣѧнии безаконьства да исъпълънитъ·[4]

ѯг· Исповѣдаıи въ бесловесьныихъ своє вѣрьстье тое же лѣто исповѣдаıсѧ съхранитъ·

ѯд· Клатвьникъ· т· лѣ· безъ обыщенїѧ да боудетъ· дъвѣ лѣтѣ плачасѧ въпѣ цр҃кве· г· лѣта съ оглашенъными въ притворъ въласѧ ї исходѧ съ оглашенъными· д·[5] въласѧ въноутрь цр҃кве· и съ оглашенъными изласѧ· съ оглашенъными·[6] и тъгда обыщенїѧ съподобитьсѧ·

ѯе· Гоубительство и потворъı исповѣдаıа· оубиıцѧ лѣто исповѣстьсıа· тако съмотрьно· ıако же и въ ономь грѣсѣ себе· обличивъıи·

ѯѕ· Гробьныи възгрѣватель· т· лѣтъ безъ обыщенїѧ боудетъ· дъвѣ лѣтѣ плачасѧ въпѣ цьркъве· три съ оглашенъными въ притворѣ изласѧ·

εἰς ὑπόπτωσιν καὶ σύστασιν, καὶ τότε ἀξιούσθω τῆς κοινωνίας.

ξβ΄.[1] Ὁ τὴν ἀσχημοσύνην ἐν τοῖς ἄῤῥεσιν ἐπιδεικνύμενος τὸν χρόνον τοῦ ἐν τῇ μοιχείᾳ παρανομοῦντος οἰκονομηθήσεται.

ξγ΄.[2] Ὁ ἐν ἀλόγοις τὴν ἑαυτοῦ ἀσέβειαν ἐξαγορεύων τὸν αὐτὸν χρόνον ἐξομολογούμενος παραφυλάξεται.

ξδ΄.[3] Ὁ ἐπίορκος ἐν δέκα ἔτεσιν ἀκοινώνητος ἔσται,[4] δυσὶν ἔτεσιν προσκλαίων, τρισὶν ἀκροώμενος, τέσσαρσιν ὑποπίπτων, ἐνιαυτὸν συνεστὼς μόνον, καὶ τότε τῆς κοινωνίας ἀξιούμενος.

ξε΄.[5] Ὁ γοητείαν ἢ φαρμακείαν ἐξαγορεύων τὸν τοῦ φονέως χρόνον ἐξομολογήσεται, οὕτως οἰκονομούμενος, ὡς ὁ ἐν ἐκείνῳ τῷ ἁμαρτήματι ἑαυτὸν ἐλέγξας.

ξς΄.[6] Ὁ τυμβωρύχος ἐν δέκα ἔτεσιν ἀκοινώνητος ἔσται, ἐν δυσὶ προσκλαίων, ἐν τρισὶν ἀκροώμενος,

---

1) Бестоудьство сътворивъıи *У* (*см.* Бестоудніе). 2) моужемьскомь *П.* 3) въ *проп. У.* 4) сѧ *добавл. У.* 5) лѣта *вставл. У.* 6) изласѧ съ оглашенъными *проп. У.*

1) въ Patm. 173 вырв. 1 листъ между лл. 194 и 195 и потому текстъ правилъ 62—72 пропалъ. 2) въ Patm. 173 вырв. это правило. 3) ξς΄ V; въ Patm. 173 вырв. это правило. 4) ἔστω ἐν V. 5) ξδ΄ V; въ Patm. 173 вырв. это правило. 6) ξε΄ V; въ Patm. 173 вырв. это правило.

четъıри же въноутрь цр҃кве[1] и[2] излазѧ съ оглашенъıими· єдино же съ вѣрънъıими стои· и не излазѧ съ оглашенъıими· и тъгда приатъ боудеть·

ξ҃ζ· Братосъмѣшение· оубиицѧ лѣто исповѣстьсѧ·

ξ҃и· Отъреченаго родьıа[3] на женитвоу чл҃вкъ стоѧние·[4] аще обличено боудеть· въ грѣсѣ бъıвъшее прѣлюбодѣицѧ ѕапрѣщение приметь·

ξ҃д· Чьтьць аще съ своею оброученицею[5] прѣже брака съвъкоупитьсѧ· лѣто праздьнъ бъıвъ·[6] на почитание приатъ боудеть· прѣбъıвала безъ[7] оуспѣха· окрадъıи же бракъ· безъ оброучениа прѣстанеть[8] отъ слоужениа· тоє же и слоуга·

ο҃· Дьıконъ оустьнама осквьрнивъıисѧ·[9] и до того съгрѣшити[10] исповѣдавъ· слоужение въсприметь· причащениа же[11] ос҃ценъıихъ· съ дьıконъı съподобитьсѧ· тоє же и попъ· аще ли къто паче того· облицен҃ъ боудеть съгрѣшивъ· въ нємьже аще чиноу єсть· отълоученъ боудеть·

οα҃· Отъпоустивъıи комоужьдо прѣже реченъıихъ съгрѣшениихъ· и

ἐν τέσσαρσιν ὑποπίπτων, ἑνὶ δὲ συνεστὼς καὶ τότε δεχθησόμενος.[1]

ξζ΄. Ἀδελφομιξία τὸν τοῦ φονέως χρόνον ἐξομολογήσεται.

ξη΄.[2] Ἡ τῆς ἀπειρημένης συγγενείας εἰς γάμον ἀνθρώπων στάσις, εἰ φωραθείη ἐν ἁμαρτήμασιν γεγενημένη, τὰ τῶν μοιχῶν ἐπιτίμια δέξεται. л. 195 b.

ξθ΄.[3] Ἀναγνώστης, εἰ τῇ ἑαυτοῦ μνηστῇ[4] πρὸ γάμου συναλλάξειεν, ἑνιαυτὸν ἀργήσας εἰς τὸ ἀνα- [5] (л. 204a—206b) γινώσκειν δεχθήσεται, μένων ἀπρόκοπος· κλεψιγαμήσας δὲ ἄνευ μνηστείας, παυθήσεται τῆς ὑπηρεσίας. τὸ δὲ αὐτὸ καὶ ὑπηρέτης.

νδ΄.[6] Διάκονος ἐν χείλεσιν μιανθεὶς καὶ μέχρι τούτου ἡμαρτηκέναι ὁμολογήσας τῆς λειτουργίας ἐπισχεθήσεται, τοῦ δὲ μετέχειν τῶν ἁγιασμάτων μετὰ τῶν διακόνων ἀξιωθήσεται· τὸ δὲ αὐτὸ καὶ πρεσβύτερος. εἰ δέ τι πλεῖον τούτου[7] φωραθείη τις ἡμαρτηκώς, ἐν οἵῳ ἂν ᾖ[8] βαθμῷ,[9] καθαιρεθήσεται.

νε΄.[10] Ὁ συνεγνωκὼς ἑκάστῳ τῶν προειρημένων ἁμαρτημάτων καὶ

1) вънѣтрь *II* (*вм.* цр҃кве), *по зачеркив. киноварю.* 2) и *проп. II.* 3) сѫродиа *УП.* 4) стоѧние *У.* 5) оброученичею *У.* 6) прѣбъıвъ *II;* прѣбъıваѥть *У.* 7) вѣ *II.* 8) прѣдъстанеть *У.* 9) осквьрнивъıсѧ *У.* 10) съгрѣши *У.* 11) и *вставл. II.*

1) δεχθήσεται V. 2) ξθ΄ V; въ Patm. 173 вырв. это правило. 3) ξη΄ V; въ Patm. 173 вырв. это правило. 4) μνήστῃ cod. 5) дальнѣйшій текстъ всѣхъ правилъ есть въ Vallicell. F 47. 6) ο΄ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило. 7) τούτου πλεῖον V. 8) εἴη V. 9) ἀριθμῷ V. 10) οα΄ V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило.

не исповѣдавъ· нъ обличенъ· толика лѣта·[1] въ нѣмьже дѣлатель зълыихъ запрѣщенъ бъıти· и тъ да боудеть въ запрѣщении·[2]

5 ѳв· Вълъшьбьникомъ себе давъ имъ· или кънимъ таковъıимъ· лѣта оубонникъ и[3] тъ да испълнитъ·

ѳг· Отъвьргъıйсѧ хса· и прѣстоупивъ[4] танноу спсенїа въ вьсѧ лѣта 10 живота своєго· плакатисѧ подобаєтъ·
л. 196 a. и исповѣдатисѧ дължь|нъ естъ· въ врѣмѧ въ нєже отъходитъ житиа· стъıнѧ съподобитьсѧ вѣрою· къ члвколюбьцю[5] отъ ба·

ѳд· Аще оубо кънижьдо· въ прѣже писанъıихъ[6] грѣсѣхъ бъıвъшиихъ· тъщанъıнъ боудеть исповѣдаѧ· пороученъıи отъ члвколюбиа· раздрѣшати и вя- 20 зати· ащє члвколюбьнѣи боудеть· больше исповѣданиє видѧ съгрѣшьшааго· на оумьнєниє лѣта запрѣщениє· нѣстъ осоужениа достоинъ·[7] подобию въ 25 списании[8] съказающю намъ· съ[9] большею болѣзнию исповѣдающюмоусѧ· скоро члвколюбиє постигати·

ѳе· Съ сестрою своєю· ѡ ощѧ· или отъ мтре съосквьрньсѧ· въ домъ мтвъı да не повелѣваемъ боудеть

μὴ ὁμολογήσας, ἀλλ' ἐλεγχθείς, τοῦ τοσούτου χρόνου, εἰς ὃν ὁ ἐργάτης τῶν κακῶν ἐπιτετίμηται, καὶ αὐτὸς ἔσται ἐν ἐπιτιμίῳ.

νς'.[1] Ὁ μάντεσιν ἑαυτὸν ἐπιδιδοὺς[2] ἤ τισι τοιούτοις, τὸν χρόνον τῶν φονέων καὶ αὐτὸς οἰκονομηθήσεται.

νζ'.[3] Ὁ τὸν Χριστὸν ἀρνησάμενος καὶ παραβὰς τὸ τῆς σωτηρίας μυστήριον ἐν παντὶ τῷ χρόνῳ τῆς ζωῆς αὐτοῦ προσκλαίειν ὀφείλει καὶ ἐξομολογεῖσθαι χρεωστεῖ, ἐν τῷ καιρῷ, ᾧ ἐκβαίνει τοῦ βίου, τοῦ ἁγιάσματος ἀξιούμενος, πίστει τῆς παρὰ[4] θεοῦ φιλανθρωπίας.

νη'.[5] Ἐὰν μέντοι[6] ἕκαστος τῶν ἐν τοῖς προγεγραμμένοις ἁμαρτήμασιν γεγενημένων[7] σπουδαῖος γένηται ἐξομολογούμενος, ὁ πιστευθεὶς παρὰ τῆς τοῦ θεοῦ φιλανθρωπίας λύειν καὶ δεσμεῖν, εἰ φιλανθρωπότερος γένοιτο, τὸ ὑπερβάλλον τῆς ἐξομολογήσεως ὁρῶν τοῦ ἡμαρτηκότος εἰς τὸ ἐλαττῶσαι τὸν χρόνον τῶν ἐπιτιμίων, οὐκ ἔσται καταγνώσεως ἄξιος· τῆς ἐν ταῖς γραφαῖς ἱστορίας[8] γνωριζούσης ἡμῖν τοὺς μετὰ μείζονος πόνου ἐξομολογουμένους ταχέως τὴν τοῦ θεοῦ φιλανθρωπίαν καταλαμβάνειν.

νθ'.[9] Ὁ ἀδελφῇ ἰδίᾳ ἐκ πατρὸς ἢ ἐκ μητρὸς συμμιανθεὶς εἰς οἶκον προσευχῆς μὴ ἐπιτρεπέσθω

---

1) мѣта *C.* 2) прощенїи *C.* 3) и *прот. C.* 4) пристоупивъ *УС.* 5) члвколюбьцю *cod.* 6) прѣписанъıихъ *У.* 7) достоинъ *C.* 8) писании *У.* 9) во *C.*

1) οβ' V Patm. 172; въ Patm. 173 вырв. это правило. 2) ἐπιδοὺς V Patm. 172. 3) ογ' VP. 4) τοῦ вставл. Patm. 172. 5) οδ' PV. 6) γε вставл. V. 7) γενομένων PV. 8) cod. переправл. изъ ἱστορίαις. 9) οε' PV.

вънити· донъдеже отъстоупитъ безаконьнааго· и неправьдьнааго дѣанїа· по пришьствии же· въ чювьство страшьнааго грѣха· г· лѣта да плачетьсѧ прѣдъ двьрьми цр҃квьнъıими· прѣстоѧ и молѧсѧ· людьмъ въходѧщемъ на молитвоу· ако кокмоужьдо съ мл҃стию на[1] нь· прилѣжьнъıѧ къ гу҃[2] творити мл҃твъı· по семь дроугаѧ три лѣта· въ послоушанїе тъкъмо прїатоу бъıти· и послоушании[3] писании оу҃ченїа· да иждененетьсѧ· и не съподобитьсѧ мл҃твъı· по семь аще съ сльзами въ|зищетъ кго· и припадетъ къ гу҃[4] съкроушенъмь срдцьмь· и[5] съмѣренїемь[6] крѣпъкомь·[7] да подастьсѧ кмоу· въходъı[8] съмѣренъıими[9] въ цр҃кве въ дроугаѧ· г· лѣта· | и тако аще плодъı покаанїа[10] покажетъ· въ десатоѥ лѣто въ мл҃твоу вѣрьнъıихъ прїатъ боудетъ· вес приношенїа· и дъвѣ лѣтѣ станетъ съ вѣрьнъıими на мл҃твѣ· не исходѧ съ оглашенъıими· и[11] тако прочеѥ да съподобитьсѧ бл҃аааго wбщенїа·

| ѳг· Тъıи же образъ и надъ понимающиими[12] снѣхъı своѧ·

παρεῖναι, ἕως ἂν ἀποστῇ τῆς παρανόμου καὶ ἀθεμίτου πράξεως· μετὰ δὲ τὸ ἐλθεῖν εἰς συναίσθησιν τῆς φοβερᾶς ἁμαρτίας, τριετίαν προσκλαιέτω, τῇ θύρᾳ τῶν εὐκτηρίων οἴκων παρεστηκὼς καὶ δεόμενος τοῦ λαοῦ εἰσιόντος ἐπὶ τὴν προσευχήν, ὥστε ἕκαστον μετὰ συμπαθείας ὑπὲρ αὐτοῦ ἐκτενεῖς ποιεῖσθαι πρὸς κύριον τὰς δεήσεις· μετὰ δὲ τοῦτο ἄλλην τριετίαν εἰς ἀκρόασιν μόνην παραδεχθήτω,[1] καὶ ἀκούων τῶν γραφῶν καὶ τῆς διδασκαλίας ἐκβαλλέσθω καὶ μὴ καταξιούσθω προσευχῆς. ἔπειτα, εἴπερ μετὰ δακρύων ἐξεζήτησεν αὐτὸν καὶ προσέπεσεν τῷ κυρίῳ μετὰ συντριμμοῦ καρδίας καὶ ταπεινώσεως ἰσχυρᾶς, διδόσθω αὐτῷ ἡ ὑπόπτωσις ἐν ἄλλοις τρισὶν ἔτεσιν· καὶ οὕτως, ἐπειδὰν τοὺς καρποὺς τῆς μετανοίας[2] ἐπιδείξηται, τῷ δεκάτῳ ἔτει εἰς τὴν τῶν πιστῶν εὐχὴν δεχθήτω χωρὶς προσφορᾶς· καὶ δύο ἔτη[3] συστὰς εἰς τὴν εὐχὴν[4] τοῖς πιστοῖς, οὕτως λοιπὸν καταξιούσθω τῆς τοῦ ἀγαθοῦ κοινωνίας. л. 196 b.

ξ'.[5] Ὁ αὐτὸς τύπος καὶ ἐπὶ[6] τῶν τὰς νύμφας ἑαυτῶν λαμβανόντων.

---

1) за *ПУ*. 2) ѕѕ *С*. 3) послоушаи *У*. 4) ѕѕ *С*. 5) и *проп. С*. 6) съмирьмиреніемь *С*. 7) крѣпкыи *П*. 8) въходъ *У*; и *вставл. П*. 9) съ вѣрьнъıими *УП* (*вм.* съмѣренъıими). 10) кока^{a}ніа *С*. 11) и *проп. П*. 12) понмающинихъ *У*.

1) προσδεχθήτω V. 2) ἀξίους вставл. PV. 3) ἔτει cod., но надъ ει надпис. η. 4) слова δεχθήτω χωρὶς προσφορᾶς καὶ δύο ἔτη συστὰς εἰς τὴν εὐχήν Patm. 172 напис. два раза (въ концѣ л. 207^{b} и въ нач. л. 208^{a}) и потому въ первомъ случаѣ (т. е. на л. 207) обведены точками. 5) ος' P; ξς' V. 6) περὶ P (и cod. добавл. in m. рукой X в.).

ѯ҃. Оставлшіи оубо законьно съчетавъшюсѧ съ нимь женоу· и иноу приведъ· и по гн҃ю осоужению· прѣлюбодѣиника повиненъ ѥсть соудоу· оуправлено же бъсть[1] ѿ оц҃ь нашихъ таковъіимъ·[2] лѣто плакатисѧ къпѣ цр҃кве· дъвѣ лѣтѣ послоушати въ притворѣ цр҃квьнѣмь· и исходити съ оглашенъіими· три лѣта въноутрь цр҃кве въходити и съ оглашенъіими исходити· въ семоѥ же стати съ вѣрьнъіими· и тако приношенія съподобитьсѧ· аще съ сльзами поклетьсѧ·

ѳ҃и· Тъіи же да оутвьрдитьсѧ образъ·[3] и надъ поимающіими· дъвѣ сестрѣници· на съчетание· аще и по различьнаѧ[4] лѣта·

ѳ҃д· Осквьрнающіи[5] же своѧ мачехъі· томоу | же повинъни соуть каноноу· ако же съ своими сестрами осквьрнающеисѧ·[6]

| п҃· Мъногъіѧ же женъі оц҃и наши отъвьргоша· ако скотьскъіѧ· и отиноудь[7] чюже рода человѣчьскаго· намъ же прѣстоить болѥ нѣчьтоблоужениѧ бъіти съгрѣшению· тѣмь подобаѥть таковъіѧ вълагати въ канонъі ѩвѣ ако ѥдино лѣто· плакавъшемъсѧ вънѣ цр҃кве·

л. 197 a.

ξα΄. [1] Ὁ μέντοι καταλιμπάνων τὴν νομίμως αὐτῷ συναφθεῖσαν [2] γυναῖκα καὶ ἑτέραν ἀγόμενος [3] κατὰ τὴν τοῦ κυρίου ἀπόφασιν τῷ τῆς μοιχείας ὑπόκειται κρίματι. κεκανόνισται δὲ παρὰ τῶν πατέρων ἡμῶν τοὺς τοιούτους [4] ἐνιαυτὸν προσκλαίειν, διετίαν ἐπακροᾶσθαι, τριετίαν ὑποπίπτειν, τῷ ἑβδόμῳ συνίστασθαι τοῖς πιστοῖς, καὶ οὕτω τῆς προσφορᾶς καταξιοῦσθαι, ἐὰν μετὰ δακρύων μετανοήσωσιν.

ξβ΄. [5] Ὁ αὐτὸς δὲ κρατείτω τύπος καὶ ἐπὶ τῶν δύο ἀδελφὰς λαμβανόντων εἰς συνοικέσιον, εἰ καὶ κατὰ διαφόρους χρόνους.

ξγ΄. [6] Οἱ δὲ ταῖς μητρυιαῖς [7] ἑαυτῶν ἐπιμαινόμενοι τῷ αὐτῷ ὑπόκεινται κανόνι, ᾧ καὶ οἱ ταῖς ἑαυτῶν ἀδελφαῖς ἐπιμαινόμενοι.

ξδ΄. [8] Τὴν δὲ [9] πολυγαμίαν οἱ πατέρες ἀπεσιώπησαν, ὡς κτηνώδη καὶ παντελῶς [10] ἀλλοτρίαν τοῦ γένους τῶν ἀνθρώπων· ἡμῖν [11] δὲ παρίσταται πλέον τι πορνείας εἶναι τὸ ἁμάρτημα. διὸ εὔλογον τοὺς τοιούτους ὑποβάλλεσθαι τοῖς κανόσιν, δηλονότι ἐνιαυτὸν προσκλαύσαντας,

---

1) бысть *ПС.* 2) таковый *П.* 3) образъ да оутвьрдитьсѧ *У.* 4) разлицьнаѧ *У.* 5) *cod. переправл.* ѥ *изъ* и. 6) осквьрнающесѧ *С.* 7) ѿнюдь *П.*

1) οζ΄ P; ξζ΄ V. 2) συναφθεῖσαν αὐτῷ PV. 3) ἀγαγόμενος Patm. 172. 4) τοῖς τοιούτοις V. 5) ξη΄ V; οη΄ V. 6) οϑ΄ P; ξϑ΄ V. 7) μητρύαις cod. 8) π΄ PV. 9) δὲ προπ. V. 10) cod. переправл. изъ παντελ[ῆ?]. 11) cod. переправл. изъ ἡμ[εῖς?].

и три лѣта въноутрь цр҃кве· и исходити съ оглашенъıими· тако приатъномъ бъıти·

п҃а· Понѣже мъногы погань скъıихъ нападениемь[1] прѣстоупиша вѣроу иже къ бо҃у· клятвъı поганъıихъ· съвьрши вѣше· и безаконьнъıихъ нѣкъıихъ вькоусивъше иже въ идолѣхъ· вълъшвьнъıими принесеномъ къ нимъ· си по каноному отъ оц҃ъ нашихъ· проповѣданъıимъ авие· ови бо ноужду лютоу· отъ моукъ подъимъше и не търпяще болѣзни· и моучени[2] бъıвъше на отъвьржение· г҃· лѣта неприатомъ имъ бъıти· в҃· лѣтѣ послоушати въ притворѣ съ оглашенъıими· и три въноутрь цр҃кве· и исходити съ оглашенъıими· тако приатомъ[3] бъıти на обьщение· прѣдавъшеи же разѣ ноужда[4] велика· бж҃ию вѣроу· и прикосноувъшиисѧ[5] къ трапезѣ бѣсьнъıихъ· и клънъшеисѧ[6] клятвами[7] елиньскаıми· изгънати оубо на три лѣта· и въ дъвѣ[8] послоушати въ притворѣ съ оглашенъıими·[9] въноутрь[10] же цр҃кве· помоливъшемъсѧ·[11] г҃· лѣ҃· съ оглашенъıими исходити· и въ дроугаа· г҃·

καὶ ἐν[1] τρισὶν[2] ὑποπεσόντας, οὕτως δεκτοὺς εἶναι.

ξε΄.[3] Ἐπειδὴ δὲ πολλοὶ ἐν τῇ τῶν βαρβάρων καταδρομῇ παρέβησαν τὴν εἰς τὸν θεὸν πίστιν, ὅρκους ἐθνικοὺς τελέσαντες καὶ ἀθεμίτων τινῶν γευσάμενοι τῶν ἐν τοῖς εἰδώλοις τοῖς μαγικοῖς προσενεχθέντων αὐτοῖς, οὗτοι κατὰ τοὺς ἤδη παρὰ τῶν πατέρων ἡμῶν ἐξενεχθέντας κανόνας· οἱ μὲν γὰρ[4] ἀνάγκην χαλεπὴν ἐκ βασάνων ὑπομείναντες καὶ μὴ φέροντες τοὺς πόνους καὶ αἰχισθέντες πρὸς τὴν ἄρνησιν, ἐν τρισὶν ἔτεσιν ἀδέκτους εἶναι, καὶ ἐν δυσὶν ἀκροᾶσθαι, καὶ ἐν τρισὶν ὑποπεσόντας, οὕτως δεκτοὺς γενέσθαι εἰς τὴν κοινωνίαν. οἱ δὲ ἄνευ ἀνάγκης μεγάλης προδόντες τὴν εἰς θεὸν πίστιν καὶ ἀψάμενοι τῆς τραπέζης τῶν δαι- л. 197 b.
μονίων[5] καὶ ὀμόσαντες ὅρκους ἑλληνικούς, ἐκβάλλεσθαι μὲν ἐν τρισὶν ἔτεσιν καὶ ἐν δυσὶν ἀκροᾶσθαι, ἐν ὑποπτώσει δὲ εὐξαμένους ἐν τρισὶν ἔτεσιν καὶ ἐν ἄλλοις τρισὶν

1) нападанiемь *У*. 2) моученiи *П*. 3) приатъномъ *УП*. 4) нѣждьна *С*. 5) прикоснѣвшисѧ *П*; прикосноувъшесѧ *У*. 6) клѣнишисѧ *П*; къ трапезѣ бесьнъıихъ· и клънъшеисѧ *прот. С*. 7) кнатвамя *У*. 8) лѣте *вставл. У*. 9) съ оглашенъıими въ притворѣ *У*. 10) къноутри *У*. 11) помолившимѣ *П*.

1) ἐν προπ. V. 2) ἀκροασαμένους καὶ τρισὶν ὑ допис. схоліастъ V вм. выскобленной буквы ὑ слѣдующаго слова (т. е. ὑποπεσόντας). 3) πα΄ PV. 4) γὰρ выскобл. cod. и рукой X в. поставл. δι; V проп. γὰρ. 5) δαιμόνων P.

стоѭти съ вѣрьнъıими· и[1] не исходити съ оглашенъıими· ти тако приатьномъ бъıти къ бгомоу[2] обьщению·

пв· И о кльнъшихъсѧ аще по ноужи и по бѣдѣ прѣстоупиша[3] клатвъı· въ лежѣиша въложити ꙁапрѣщениа· ѩко по шести лѣтъ· бъıти имъ приатьномъ· аще ли кромѣ ноужа прѣвъıвъше[4] свою вѣроу· дъвѣ лѣтѣ плакати[5] вънѣ цр҃кве· и дъвѣ послоушавъшемъ[6] въ притворѣ съ оглашенъıими исходити· и пать да въноутрь[7] двьрии цр҃квьнъıихъ стоѭщемъ съ оглашенъıими исходити· и въ дъвѣ дроузѣи лѣтѣ· бес приношениа въ обьщение мт҃въı[8] приатьномъ бъıти· тако конечьнюю[9] достословие· ѩкѣ покаание показавъше·[10] поставлени[11] боудоуть[12] въ обьщение телесе христосова·[13]

пг· Вълъшьствоующеи· и обычаѥмь поганъıихъ въслѣдоующеи· или въводѧще нѣкъıѧ въ своѧ домъı· на обрѣтение потворомъ· и потреблению отъ канона· да ꙁапрѣщени боудоуть· лѣто плакати[14] вънѣ цр҃кве· и лѣто послоушати въ притворѣ цр҃квьнѣ|мь· съ оглашенъıми[15] да исходѧть· и три лѣта

л. 198 а.

συστάντας τοῖς πιστοῖς εἰς τὴν δέησιν, οὕτω δεκτοὺς εἶναι τῇ τοῦ ἁγαθοῦ κοινωνίᾳ.

ξς΄.[1] Καὶ περὶ τῶν ἐπιορκησάντων, εἰ μὲν ἐκ βίας καὶ ἀνάγκης παρέβησαν τοὺς ὅρκους, κουφοτέροις ὑπόκεινται τοῖς ἐπιτιμίοις, ὥστε μετὰ ς΄ ἔτη[2] εἶναι αὐτοὺς[3] δεκτούς. εἰ δὲ ἄνευ ἀνάγκης προδόντες τὴν ἑαυτῶν πίστιν, ἐν δυσὶν ἔτεσιν προσκλαύσαντες, καὶ ἐν δυσὶν ἀκροασάμενοι, καὶ ἐν πέντε ἐν ὑποπτώσει εὐξάμενοι, καὶ ἐν δυσὶν ἄλλοις ἄνευ προσφορᾶς εἰς τὴν κοινωνίαν τῆς προσευχῆς παραδεχθέντες, οὕτω τελευταῖον ἀξιόλογον δηλαδὴ τὴν μετάνοιαν ἐπιδειξάμενοι, ἀποκατασταθήσονται εἰς τὴν κοινωνίαν τοῦ σώματος τοῦ Χριστοῦ.[4]

ξζ΄.[5] Οἱ καταμαντευόμενοι καὶ ταῖς συνηθείαις τῶν ἐθνῶν ἐξακολουθοῦντες, ἢ εἰσάγοντές τινας εἰς τοὺς ἑαυτῶν οἴκους ἐπὶ ἀνευρέσει φαρμακειῶν καὶ καθάρσει, ὑπὸ τὸν κανόνα πιπτέτωσαν τῆς ἐξαετίας· ἐνιαυτὸν προσκλαύσαντες, καὶ ἐνιαυτὸν ἀκροασάμενοι, καὶ ἐν τρισὶν ἔτεσιν[6]

---

1) и *проп. П.* 2) бгомж *П.* 3) пристоупиша *У.* 4) прѣвъıвъше *У.* 5) плакатисѧ *У.* 6) послѣшавшимь *П.* 7) вънотрь *У.* 8) мтвъı *cod.* 9) конечное *П.* 10) *cod. переправл.* конечное *из* изъ и; по ѩкѣ *С.* 11) пѡставлени *П.* 12) *cod. переправл.* д *изъ* т. 13) христова *П.* 14) пл^{а}ти *П.* 15) и *вставл. У.*

1) πβ΄ PV. 2) ἐνιαυτούς V. 3) αὐτοὺς προπ. V. 4) τοῦ σώματος τοῦ Χριστοῦ προπ. V. 5) πγ΄ PV. 6) ἔτεσιν προπ. V.

въноутрь двьрии [1] цр҃квьнъıихъ [2] стоѭще· съ оглашенъıими исходити· и лѣто съ вѣрьнъıими да стаютъ· не исходѧще съ оглашенъıими· и тако прıѧти да [3] боудоутъ·

пд҃· Вьса же си пишемъ· ıако плодъı искоушати покаанıа· не вьсѣко бо лѣтъмь осоуждаемъ таковъıхъ· нъ образъмь покаанıа вънемлемъ· аще ли неотътърѣжьно имоутъ своихъ обычаи· и сластьмъ плътьскъıимъ· паче работати хотятъ нежели гв҃и· и жизни по евнг҃лию не прıемлютъ· ни єдино же намъ обѣщıе къ нимъ слово· мъı бо людьмъ непокоривъıимъ· и прѣкословивъıимъ· наоучıхомъсѧ [4] слоушати· [5] ıако сп҃са сп҃си свою дш҃ю· не прıимѣмъ оубо· погъıбноути съ таковъıими· нъ оубоıвъшесѧ тѧжькаго [6] соуда· и страшьнъıи дн҃ь отъданıа гн҃а· [7] прѣдъ очима прıимъше· не въсхощѣмъ съ грѣхъı чюжıими погъıбноути· [8] ащє бо не накаꙁала [9] нъı бъıша страшьнаа гн҃а· [10] ни толикъı ꙁвъı въ чюжьство нъı привелъı [11] бъıша· ıако беꙁаконıа ради нашего остави насъ гс҃ь· [12] и прѣда въ роуцѣ поганъıихъ· и ведени бъıша плѣнєнıи людıє въ ратьнъıа· и прѣдани бъıша расѣıанию·

ὑποπίπτοντες, καὶ [1] ἐνιαυτῷ συστάντες τοῖς πιστοῖς, οὕτω δεχθήτωσαν.

ξη΄. [2] Πάντα δὲ ταῦτα γράφομεν, ὥστε τοὺς καρποὺς δοκιμάζεσθαι τῆς μετανοίας· οὐ γὰρ πάντως τῷ χρόνῳ κρίνομεν τὰ τοιαῦτα, ἀλλὰ τῷ τρόπῳ τῆς μετανοίας προσέχομεν. ἐὰν δὲ δυσαποσπάστως ἔχωσιν τῶν ἰδίων ἐθῶν καὶ ταῖς ἡδοναῖς τῆς σαρκὸς μᾶλλον δουλεύειν θέλωσιν, [3] ἢ τῷ κυρίῳ, καὶ τὴν κατὰ τὸ εὐαγγέλιον ζωὴν μὴ καταδέχωνται, οὐδεὶς ἡμῖν κοινὸς πρὸς αὐτοὺς [4] λόγος. ἡμεῖς γὰρ [5] λαῷ ἀπειθεῖ καὶ ἀντιλέγοντι δεδιδάγμεθα ἀκούειν, ὅτι, Σώζων σῶζε τὴν σεαυτοῦ [6] ψυχήν. Μὴ τοίνυν καταδεξώμεθα συναπόλλυσθαι τοῖς τοιούτοις, ἀλλὰ φοβηθέντες τὸ βαρὺ κρῖμα καὶ τὴν φοβερὰν ἡμέραν τῆς ἀνταποδόσεως τοῦ κυρίου πρὸ ὀφθαλμῶν λαβόντες, μὴ θελήσωμεν ἀλλοτρίαις ἁμαρτίαις συναπόλλυσθαι. εἰ γὰρ μὴ ἐπαίδευσεν ἡμᾶς τὰ φοβερὰ τοῦ κυρίου, μηδὲ [7] τηλικαῦται πληγαὶ εἰς αἴσθησιν ἡμᾶς ἤγαγον, ὅτι διὰ τὴν ἀνομίαν ἡμῶν ἐγκατέλιπεν ἡμᾶς ὁ κύριος καὶ παρέδωκεν εἰς χεῖρας βαρβάρων, καὶ ἀπήχθη αἰχμάλωτος ὁ λαὸς εἰς τοὺς πολεμίους [8] καὶ παρεδόθη τῇ διασπορᾷ,

1) двери *П.* 2) цркьнъıихъ двьрии *У.* 3) да прıати *У.* 4) наоуıхомъсѧ *У.* 5) *cod. переправл.* л *изъ* а. 6) тѧжькако *У.* 7) гн҃а *С.* 8) погъıбнити *П.* 9) напала *П.* 10) гн҃а *С.* 11) привелы *С.* 12) гн҃ *У.*

1) ἐν вставл. Р. 2) πδ΄ PV. 3) ἐθέλωσιν Р. 4) πρὸς αὐτοὺς κοινὸς Р. 5) ἐν вставл. PV и cod. надпис. надъ строкой рукой X в. 6) ἑαυτοῦ V. 7) αἱ вставл. PV и cod. надпис. рукой X в. 8) εἰς τοὺς πολεμίους ὁ λαὸς Р; εἰς τοὺς πολεμίους προπ. V.

имьже сиⷯ дьрзаахоу· носяще [1]
л. 198 b. имя хⷴо· яще | не познали бъіша
ни разоумѣли· ꙗко сихъ ради
приде на нъі гнѣвъ бжіи· кое
намъ обьщеѥ къ тѣмъ слово· нъ
съвѣдѣтельствовати имъ· и ноще и
въ дⷩе· [2] и прѣдъ людьми и єдинѣмь
дължьни есмъ· прѣльщати же ся
лоукавьствъмь ихъ· не приемлемъ
молящеся паче оубо· [3] приобрѣсти [4]
ꙗ· [5] и изѧти и сѣти [6] лоукаваго· яще
же сего не възможемъ· потъщи-
имъся [7] оубо· понѣ своя [8] дша вѣчь-
нааго осоужениа сⷭпсти·

διότι ταῦτα ἐτόλμων οἱ τὸ ὄνομα τοῦ Χριστοῦ περιφέροντες, εἰ μὴ ἔγνωσαν μηδὲ συνῆκαν, ὅτι διὰ ταῦτα ἦλθεν ἐφ' ἡμᾶς ἡ ὀργὴ τοῦ θεοῦ, [1] τίς ἡμῖν κοινὸς πρὸς τούτους λόγος; [2] ἀλλὰ διαμαρτύρασθαι αὐτοῖς καὶ νυκτὸς καὶ ἡμέρας καὶ δημοσίᾳ [3] καὶ ἰδίᾳ ὀφείλομεν, συναπάγεσθαι δὲ αὐτῶν ταῖς πονηρίαις μὴ καταδεχώμεθα, προσευχόμενοι μάλιστα μὲν κερδῆσαι αὐτοὺς καὶ ἐξελέσθαι τῆς παγίδος τοῦ πονηροῦ· ἐὰν δὲ τοῦτο μὴ δυνηθῶμεν, σπουδάσωμεν τὰς γοῦν ἑαυτῶν ψυχὰς τῆς αἰωνίου κατακρίσεως περισώσασθαι.

---

1) ноще *II*. 2) дⷩь *У*. 3) над *У*. 4) прїобрѣ *С*. 5) и *прот. У*. 6) тн *У*. 7) пⷪтщимсѧ *II*; пⷪщимъсѧ *С*. 8) своꙗ *У*.

1) ἡ ὀργὴ τοῦ θεοῦ ἐφ' ἡμᾶς V. 2) λόγος πρὸς αὐτούς V. 3) V выскобл. какое-то слово въ 6—7 буквъ послѣ δημοσίᾳ.

того[1] же къ соущимъ подъ нимь єп҃пмъ[2] ѥко не поставлѧти на имѣнии·

Вѣщи[3] зълоѥ· о нѥмьже пишю· чьсо ради оубо· вьсѣмъ видѣно бъıсть· и гл҃ано· болѣзни напълни ми дш҃ю· обаче же и ѥви ми сѧ невѣрьно· писаниѥ оубо о нѥмь· процѣнъıи же себѣ да прииметь ѥко ицѣлениѥ· а непроцѣнъıи же ѥко хранилище· ово неразлоучьно·[4] ѥгоже отърѣкаюсѧ на[5] васъ обрѣстисѧ· ѥко съвѣдѣтельства ради· чьто же ѥсть ѥже гл҃ю· рѣша нѣции нѣкъıимъ васъ отъ поставлѧѥмъıихъ приимати имѣниѥ· въображати же именьмь бл҃говѣзньства· се[6] же горесть ѧце бо къто зълоѥ извѣтъмь благаго творить· соугоубь моученика[7] ѥсть достоинъ· имьже не бл҃го дѣлаѥть·[8] и прииметь на съвьршениѥ грѣхъ· ѥко же ѧце къто рече|ть[9] доброугумоу поспѣшьникоу· сиѫ ѧце тако соуть· прочеѥ да не боудеть· нъ да исправитьсѧ понѥже ноужда гл҃ати къ приимающимъ сребро· ѥже речено ѥсть отъ ап҃лъ· хотѧщюугмоу дати· да ст҃го дх҃а причастиѥ коупить· сребро твоѥ да боудѣ съ тобою въ погыбѣль· лыжѣи бо иже имѣниа ради

(л. 206[b]—207[b]). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΠΡΟΣ ΤΟΥΣ 'ΥΦ' 'ΕΑΥΤΟΝ 'ΕΠΙΣΚΟΠΟΥΣ, ᾿ΩΣΤΕ ΜΗ ΧΕΙΡΟΤΟΝΕΙΝ 'ΕΠΙ ΧΡΗΜΑΣΙΝ.

Τὸ τοῦ πράγματος ἄτοπον, περὶ οὗ γράφω,[1] διὰ τί[2] μὲν ὅλως ὑπωπτεύθη καὶ ἐλαλήθη, ὀδύνης ἐπλήρωσέν μου τὴν ψυχήν· τέως δὲ ἐφάνη μοι ἄπιστον. τὸ οὖν περὶ αὐτοῦ γράμμα ὁ μὲν συνεγνωκὼς ἑαυτῷ δεξάσθω ὡς ἴαμα, ὁ δὲ μὴ συνεγνωκὼς ὡς προφυλακτήριον, ὁ δὲ ἀδιάφορος, ὅπερ ἀπεύχομαι ἐφ' ὑμῖν εὑρεθῆναι, ὡς διαμαρτυρίαν.

Τί δέ ἐστιν ὃ λέγω; φασί τινές τινας ὑμῶν παρὰ τῶν χειροτονουμένων λαμβάνειν χρήματα, ἐπισκιάζειν δὲ ὀνόματι[3] εὐλαβείας·[4] τοῦτο δὲ χεῖρόν ἐστιν· ἐὰν γάρ τις τὸ κακὸν ἐν προσχήματι τοῦ ἀγαθοῦ ποιῇ, διπλασίονος τιμωρίας ἐστὶν ἄξιος· διότι αὐτό τε τὸ οὐκ ἀγαθὸν ἐργάζεται καὶ κέχρηται εἰς τὸ τελέσαι τὴν ἁμαρτίαν, ὡς ἂν εἴποι τις, τῷ καλῷ συνεργῷ. ταῦτα, εἰ οὕτως л. 199 a.
ἔχει, τοῦ λοιποῦ μὴ γινέσθω, ἀλλὰ διορθωθήτω, ἐπεὶ ἀνάγκη (л. 207[a]) λέγειν πρὸς τὸν δεχόμενον τὸ ἀργύριον,[5] ὅπερ ἐῤῥέθη παρὰ τῶν ἀποστόλων πρὸς τὸν θέλοντα δοῦναι, ἵνα πνεύματος ἁγίου μετουσίαν ὠνήσηται· Τὸ ἀργύριόν σου σὺν σοὶ εἴη εἰς ἀπώλειαν. κουφότερος γὰρ ὁ δι'[6] ἀπειρίαν

1) Тако *У.* 2) епископомъ *П.* 3) на *вставл. УП.* 4) неразлично *П;* неразлоучьно *У.* 5) ни *П.* 6) ѥ *У.* 7) моученика *У.* 8) дѣлатель *С.* 9) ретъ *У.*

1) μὲν вставл. cod., но обводитъ точками. 2) V переправл. въ τὶ. 3) V переправл. изъ ὄνομα τι. 4) εὐσεβείας PV. 5) αὐτοῦ вставл. cod., но обводитъ точками. 6) διὰ V.

коупити хота· нежели продаѭ бжіи даръ· проданиѥ бо бысть· и иже тъı тоуѥ приалъ иси· аще продакши· ꙗко проданъ сотонѣ· отълоучишисѧ дара· лоукавьство бо въводиши къ дх҃вьнъıимъ·[1] и цр҃кви[2] идеже[3] бысть пороучено тѣло и кръвь хва· симъ тако бъıвати не подобакть· иже бо ксть къзнь· глю· мьнятъ не съгрѣшати· иже не въкоупь прѣжеварати[4] нъ по поставлении приимати· коупьно прѣждеварати· приати же ксть игда къгда оубо[5] приати·[6] молисѧ оубо то приимание· паче же принесениѥ иже къ геонѣ отъложити· а не роуцѣ осквьрнивъши[7] таковъıими приобрѣтении·[8] себе недостоина сътворити·[9] съвьршати сты҃а та[и]нъı· отъпоустити же ми пьрвѣѥ оубо невѣровавъшю· по семь же ꙗко оувѣривъсѧ прѣцю· аще къто по семь посълании моемь сътворитъ чьто таково· отъ олтара оубо сего отъидеть· възиметь же идеⷭ бжіи даръ
л. 199 b. коупа продати можеⷮ· мъı бо въ цр҃кви бжіии· таковаго обычая[10] не имамъ· єдино же приложивъ прѣстаноу срѣволюбиа ради· бъıваютъ си· срѣволюбиѥ же[11] корень вьсѣмъ зълъıимъ ксть· именоуѥтьсѧ

ὠνήσασθαι θέλων, ἢ ὁ πιπράσκων τὴν τοῦ θεοῦ δωρεάν· πᾶσις γὰρ ἐγένετο, καὶ ὃ σὺ δωρεὰν ἔλαβες, ἐὰν πωλῇς, ὡσανεὶ πεπραμένος τῷ σατανᾷ ἀφαιρεθήσῃ τοῦ χαρίσματος· καπηλείαν γὰρ ἐπεισάγεις τοῖς πνευματικοῖς καὶ τῇ ἐκκλησίᾳ, ἔνθα πεπιστεύμεθα σῶμα καὶ αἷμα Χριστοῦ. Ταῦτα οὕτως γίνεσθαι οὐ χρή· ὃ δέ ἐστι, τὸ τέχνασμα λέγω. νομίζουσι μὴ ἁμαρτάνειν τῷ[1] μὴ ἅμα[2] προλαμβάνειν, ἀλλὰ μετὰ τὴν χειροτονίαν λαμβάνειν· λαβεῖν δέ ἐστιν ὁτεδήποτε τὸ λαβεῖν. Παρακαλῶ οὖν ταύτην τὴν πρόσοδον, μᾶλλον δὲ τὴν προσαγωγὴν τὴν ἐπὶ γέενναν, ἀποθέσθαι[3] καὶ μὴ τὰς χεῖρας μολύναντες τοιούτοις λήμμασιν ἀξίους[4] ποιήσητε[5] τοῦ ἐπιτελεῖν ἅγια μυστήρια. σύγγνωτε δέ μοι· πρῶτον μὲν ὡς ἀπιστήσας, εἶτα δὲ ὡς πεισθεὶς ἀπειλῶ. εἴ τις μετὰ ταύτην μου τὴν ἐπιστολὴν πράξειέν τι τοιοῦτον, τῶν μὲν ἐνταῦθα θυσιαστηρίων ἀναχωρήσει,[6] ζητήσει[7] δὲ ἔνθα τὴν τοῦ θεοῦ δωρεὰν ἀγοράζων μεταπωλεῖν δύναται· ἡμεῖς γὰρ καὶ αἱ ἐκκλησίαι τοῦ θεοῦ τοιαύτην συνήθειαν οὐκ ἔχομεν. ἐν δὲ προσθεὶς παύσομαι. (л. 207[b]) διὰ φιλαργυρίαν γίνεται ταῦτα· ἡ δὲ φιλαργυρία καὶ ῥίζα πάντων τῶν κακῶν ἐστιν καὶ ὀνομάζεται

1) дх҃овнѣмь *C.* 2) цр҃кве *C.* 3) иде *У.* 4) прѣжеварити *C.* 5) оубо *прол. У.* 6) же есть игда когда оубо прiати *вставл. П.* 7) осквьрнивъше *У.* 8) приобрѣтение *У.* 9) *cod. конечное* и *переправл. изъ* ь. 10) wбычаи *П.* 11) бо *У.*

1) τὸ V Patm. 172. 2) ἢ вставл. V. 3) ἀπόθεσθε P; cod. переправл. рукой X в. изъ ἀποθέσθε. 4) ἑαυτοὺς ἀναξίους PV (вм. ἀξίους). 5) ποιήσηται cod. 6) ἀναχωρήσῃ V. 7) ζητήσῃ V.

коумирослоужение· [1] не изволите оубо прѣже хс̃а· коумиръ малаго ради срѣбра· ни пакы июдѣ оуподобитесѧ· на приобрѣтение [2] продавъше· вътороѥ единою за ны распѧтъшааго сѧ· понѥже и села и роуцѣ плодъ тъı прииемлющиихъ· акельдама нарекоутьсѧ·

εἰδωλολατρεία. μὴ οὖν τοῦ Χριστοῦ προτιμήσητε [1] τὰ εἴδωλα διὰ μικρὸν ἀργύριον, μηδὲ πάλιν τὸν Ἰούδαν μιμήσησθε, [2] θελήματι [3] προδιδόντες δεύτερον τὸν ἅπαξ ὑπὲρ ἡμῶν σταυρωθέντα, ἐπεὶ καὶ τὰ χωρία καὶ αἱ χεῖρες τῶν τοὺς καρποὺς τούτους [4] δεχομένων ἀκελδαμὰ κληθήσονται.

1) коурослоуженіѣ *II*. 2) прѣтение *У*.

1) cod. переправл. рукой X в. изъ προτημήσηται. 2) cod. переправл. рукой X в. изъ μιμήσησθαι. 3) λήμματι PV. 4) τούτων V.

того же къ страньскъимъ сельнъимъ еп҃омъ·[1] ꙗко не бъивати[2] разѣ его слоугамъ по каноноу·

Ꙁѣло мѧ҆ оскърбляѥтъ· ꙗко оставлени бъіша прочее о҆҃чьскии[3] канони· и вьсе изв҃ѣщение цр҃кви изгънано бъістъ· и боюсѧ да не по малоу· невр҃ѣжениꙗ того на поуть исходѧщю· на вьсе съмоущение придоуть цр҃квьнъіѣ[4] вещи· слоужащаѧ цр҃кви· древле бж҃ним цр҃квамъ· живоущии объичаи· съ вьсѣмь изв҃ѣщениѥмь приимаашє· нъ на мъноꙁѣ испытаѥмо бъіваашє вьсе житие ихъ· аще не клѣветьници боудоуть· аще[5] не пьꙗници аще не готови на[6] скаръі· аще наказаютъ свою оуность· ꙗко исправити могоущю[7] свою с҃тъıню· беж[8] неѩже никъто же оуꙁьрить г҃а·
л. 200 а. и то испъітоваахоу[9] оубо попове | и диꙗкони живоущии съ ними· възношаахоу[10] же сельнъимъ еп҃омъ· иже отъ съвѣдѣтельствоующихъ истиньно· приимъше причьтъі· и въспоминоувъше еп҃оу· тако причитаахоу слоужьбьника въ чинъ чистїтельнъихъ· нъıнѣ же пьрвѣѥ нъı отъвьргъше· и ничьто же възносити

1) епискжпомъ *П*. 2) къıти *С*. 3) о҆҃чьстии *У*. 4) *cod. переправл. начальное* ц *изъ* к. 5) а *С*. 6) того вина *П* (*вм.* готови на). 7) мощю *ПУ*. 8) кез *С*. 9) испытаваахѕ *П*. 10) възношахо *С*.

(л. 207[b]—208[b]). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΧΩΡΕΠΙΣΚΟΠΟΙΣ,[1] ϑ΄ΩΣΤΕ ΜΗ ΓΙΝΕΣΘΑΙ ΧΩΡΙΣ ΑΥΤΟΥ ϒΠΗΡΕΤΑΣ ΚΑΤΑ[2] ΤΟΥΣ ΚΑΝΟΝΑΣ.

Πάνυ με λυπεῖ, ὅτι ἐπιλελοίπασιν λοιπὸν οἱ τῶν πατέρων κανόνες καὶ πᾶσα ἀκρίβεια τῶν ἐκκλησιῶν ἀπελήλαται, καὶ φοβοῦμαι, μὴ κατὰ μικρὸν τῆς ἀδιαφορίας ταύτης ὁδῷ προϊούσης εἰς παντελῆ σύγχυσιν ἔλθῃ τὰ τῆς ἐκκλησίας πράγματα. τοὺς ὑπηρετοῦντας τῇ ἐκκλησίᾳ[3] πάλαι ταῖς τοῦ θεοῦ ἐκκλησίαις ἐμπολιτευομένη συνήθεια μετὰ πάσης ἀκριβείας δοκιμάζουσα παρεδέχετο καὶ ἐπολυπραγμονεῖτο πᾶσα αὐτῶν ἡ ἀναστροφή, εἰ μὴ λοίδοροί εἰσιν, εἰ μὴ μέθυσοι, εἰ μὴ πρόχειροι πρὸς τὰς μάχας, εἰ παιδαγωγοῦσιν ἑαυτῶν[4] τὴν νεότητα, ὥστε κατορθοῦν δύνασθαι τὸν ἁγιασμόν, οὗ χωρὶς οὐδεὶς ὄψεται τὸν κύριον. καὶ τοῦτο ἐξήταζον μὲν πρεσβύτεροι καὶ διάκονοι οἱ συνοικοῦντες αὐτοῖς, ἐπανέφερον δὲ τοῖς χωρεπισκόποις, οἳ τὰς παρὰ τῶν ἀληθινῶς[5] μαρτυρούντων δεξάμενοι ψήφους, καὶ ὑπομνήσαντες (л. 208[a]) τὸν ἐπίσκοπον, οὕτως ἐνηρίθμουν τὸν ὑπηρέτην τῷ τάγματι[6] τῶν ἱερατικῶν. νῦν δὲ πρῶτον[7] ἡμᾶς παρωσάμενοι καὶ μηδὲν[8] ἐπαναφέρειν

1) V заглавіе начинается иначе: послѣ киноварнаго Ἐπιστολαὶ τῶν ἁγίων πατέρων κανονικαί слѣдуетъ Τοῦ ἁγίου Βασιλείου πρὸς χωρεπισκόπους. 2) παρὰ P. 3) ἡ V вставл. схоліастъ. 4) αὐτῶν V. 5) V переправл. изъ ἀληθινῶν. 6) τῷ τάγματι τὸν ὑπηρέτην Patm. 172. 7) μὲν вставл. PV и допис. cod. in m. рукой X в. 8) μηδὲ PV.

намъ приимающе· вьсю поставили
есть[1] область· по семь лѣпящеся о
вещи· попомъ и дїакономъ повелѣсте· ихъже аще въсхотять отъ
неиспытана[2] житїа· по ѡпоущенїю[3]
или отъ ближикъ· или отъ иноа коеа
любъве· въводити къ цр҃кви[4] недостоинъша·[5] тѣмь мъногы оубо
слоужьбьници причитаютьсѧ въ вьсѧкои вьси· достоинъ же олтарю[6] слоужениа· ни єдинъ же ꙗко же вы сами[7]
съвѣдѣтельствоуете· недомъıслящеся моужь въ причѣтоносии· понѣже оубо вижю[8] вещь· прочее на
нѣицѣльное исходящюю· паче нъıна
болшинъхъ страхъмь· ноужьно придохъ на обновлениє· оч҃ескъıихъ канонъ· и посълаю вамъ· посълаите
ми въсписаниє· коеажьдо вьси·
слоужащиихъ· и отъ коего въведенъ
есть къжьдо· и въ коемь житии
есть· имѣите же и сами оу себе
въсписаниє· ꙗко соудити нашимъ·
соущимъ написаниємь ваша· и ни
єди|номоу же подобаєть себѣ єгда
хощеть· неправьдьно написати тако
оубо пьрвоуоумоу строєнию· тако
оубо нѣции· отъ поповъ въведени
бъıша· въ простъıа· да отъвьржени
боудоуть· въıше же ихъ боудеть[9] отъ насъ испытаниє· и
аще достоини соуть· вашимь

ἡμῖν καταδεχόμενοι, εἰς ἑαυτοὺς τὴν ὅλην περιεστήσατε αὐθεντίαν. ἔπειτα[1] καταρᾳθυμοῦντες τοῦ πράγματος, πρεσβυτέροις καὶ διακόνοις ἐπετρέψατε, οὓς ἂν ἐθέλωσιν ἀπὸ ἀνεξετάστου βίου κατὰ προσπάθειαν, ἢ τὴν ἀπὸ συγγενείας, ἢ τὴν ἐξ ἄλλης τινὸς φιλίας, ἐπεισάγειν τῇ ἐκκλησίᾳ τοὺς ἀναξίους. διὸ πολλοὶ μὲν ὑπηρέται ἀριθμοῦνται καθ' ἑκάστην κώμην, ἄξιος δὲ λειτουργίας θυσιαστηρίου οὐδείς, ὡς ὑμεῖς αὐτοὶ μαρτυρεῖτε, ἀποροῦντες ἀνδρῶν ἐν ταῖς ψηφοφορίαις. Ἐπεὶ οὖν ὁρῶ τὸ πρᾶγμα λοιπὸν εἰς ἀνήκεστον προϊόν, μάλιστα νῦν τῶν πλείστων φόβῳ τῆς στρατολογίας εἰσποιούντων ἑαυτοὺς τῇ ὑπηρεσίᾳ, ἀναγκαίως ἦλθον εἰς τὸ ἀνανεώσασθαι τοὺς τῶν πατέρων κανόνας, καὶ ἐπιστέλλω ὑμῖν ἀποστεῖλαί μοι τὴν ἀναγραφὴν ἑκάστης κώμης τῶν ὑπηρετούντων καὶ ὑπὸ τίνος εἰσῆκται ἕκαστος καὶ ἐν ποίῳ βίῳ ἐστίν. ἔχετε δὲ καὶ αὐτοὶ παρ' ἑαυτοῖς τὴν ἀναγραφήν, ὥστε συγκρίνεσθαι
τοῖς παρ' ἡμῖν ἀποκειμένοις γράμμασιν л. 200 b.
τὰ ὑμέτερα καὶ μηδενὶ ἐξεῖναι ἑαυτὸν ὅτε βούλεται παρεγγράφειν. οὕτω μέντοι μετὰ τὴν πρώτην ἐπινέμησιν, εἴ[1] τινες ὑπὸ πρεσβυτέρων εἰσήχθησαν, ἐπὶ τοὺς λαϊκοὺς ἀποῤῥιφῶσιν, ἄνωθεν δὲ γένηται αὐτῶν παρ' ὑμῶν ἐξέτασις· κἂν μὲν ἄξιοι ὦσι, τῇ ὑμετέρᾳ

1) ѥсте *УП.* 2) неиспытана *П.* 3) ѲпоущенІю *ПС.* 4) *cod. переправл.* і *по скобл.* (*изъ* ь?); цр҃кве *П.* 5) *cod. переправл.* є *послѣ* н *изъ* о. 6) олътаря *У.* 7) сами *проп. У.* 8) вижю *проп. У.* 9) боудоуть *П.*

1) καὶ вставл. V. 2) οἵ V.

причьтъмь·[1] да приати боудоуть· понѣже очистите цр҃квь·[2] недостоинъıа отъ нея отъгонѧще· и прочее испъıтаите· оубо достоинъıа приимаите· не причитаите же прѣже даже къ вамъ изнести· ли вѣстеıко простьць боудеть· без вашего разоума слоужениа приатъ·

ψήφῳ παραδεχθήτωσαν· ἐπεὶ καθαρίσατε τὴν ἐκκλησίαν τοὺς ἀναξίους αὐτῆς ἀπελαύνοντες. καὶ τοῦ λοιποῦ ἐξετάζετε[1] μὲν τοὺς ἀξίους καὶ παραδέχεσθε,[2] μὴ ἀριθμῆτε[3] δὲ πρὶν εἰς ἡμᾶς ἐπανενεγκεῖν,[4] ἢ γινώσκετε, ὅτι λαϊκὸς ἔσται ὁ ἄνευ ἡμετέρας γνώμης εἰς ὑπηρεσίαν παραδεχθείς.

1) прицьтъмь *У.* 2) и *вставл. П.*

1) cod. переправл. рукой X в. изъ ἐξετάζεται. 2) παραδέχεσθαι cod. 3) cod. переправл. рукой X в. изъ ἀριθμῆται; PV ἀριθμεῖτε. 4) ἀνενεγκεῖν V.

того [1] же григорию прозвутероу ѩко разлоучити живоущаѩ съ нимь женъı·

Бесѣдовахомъ [2] твоемоу пьсанию· съ вьсѣмь трьпѣниемь· и чюдихъсѧ како мога намъ· скоро и оудобьно· отъвѣщати вещьми оглаголающимъ оубо· ожидати приимаюши· [3] словъı же [4] дългъı цѣлити начинаюши· неицѣлимое· и пьрвии· ни єдини ѿ григории· възаконихомъ женъı [5] съ моужеженъı не жити· нъ почьти канонъ изнесенъıи отъ сто̃ıихъ оц̃ъ нашихъ· въ съборѣ никѣискѣмь [6] иже ѩвѣ отъвьрже· съ чюжими не бъıти· неженьении· [7] иже въ семь имать чистое· [8] вънигда разлоучити ти [9] сѧ прѣ|бъıванию съ женою· ѩко аще изъвѣщаѩ къто имени дѣлъмь· живоущихъ съ женами творить ѩвленъ есть· дѣвьства оубо [10] чистое· въ наречении гоня· нелѣпааго же по сласти [11] не отъстоупаѩ· толицѣмь оубо· паче подобаше ти повиноутисѧ нашемоу съподобленню· елишьдъı гл̃ѣши· свободьнъ бъıти· вьсѧкоѩ плътьскъıѩ страсти· не [12] семидесѧтьна бо лѣтъı [13] бъıвъша· [14] повиноутисѧ страстьною ти женою· ни ѩко о бъıвъшимь

(л. 208[b] — 209[a]). * ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΠΡΟΣ ΓΡΗΓΟΡΙΟΝ ΠΡΕΣΒΥΤΕΡΟΝ, ᾽ΩΣΤΕ ΧΩΡΙΣΘΗΝΑΙ ΑΥΤΟΝ ΤΟΥ ΣΥΝΟΙΚΟΥ ΓΥΝΑΙΟΥ.

Ἐνέτυχόν σου τοῖς γράμμασιν μετὰ πάσης μακροθυμίας καὶ ἐθαύμασα, πῶς δυνάμενος ἡμῖν συντόμως καὶ εὐκόλως ἀπολογήσασθαι διὰ τῶν πραγμάτων, τοῖς μὲν κατηγορουμένοις ἐπιμένειν καταδέχῃ, λόγοις δὲ μακροῖς θεραπεύειν ἐπιχειρεῖς τὰ ἀνίατα. οὔτε πρῶτοι οὔτε μόνοι, ὦ Γρηγόριε, ἐνομοθετήσαμεν γυναῖκας ἀνδράσι μὴ συνοικεῖν· ἀλλ᾽ ἀνάγνωθι τὸν κανόνα τὸν ἐξενεχθέντα παρὰ τῶν ἁγίων πατέρων ἡμῶν ἐν τῇ συνόδῳ Νικαίας, ὃς [1] φανερῶς ἀπηγόρευσεν συνεισάκτους μὴ εἶναι. ἁγαμία δὲ ἐν τούτῳ ἔχει τὸ σεμνόν, ἐν τῷ κεχωρίσθαι τῆς μετὰ γυναικῶν διαγωγῆς· ὡς ἐὰν ἐπαγγελλόμενός τις τῷ ὀνόματι ἔργῳ τὰ τῶν ταῖς γυναιξὶ συνοικούντων ποιῇ, [2] δῆλός ἐστιν τὸ μὲν τῆς παρθενίας σεμνὸν ἐν τῇ προσηγορίᾳ διώκων, τοῦ δὲ καθ᾽ ἡδονὴν ἀπρεποῦς μὴ ἀφιστάμενος. τοσούτῳ οὖν μᾶλλον ἐχρῆν σε εὐκόλως [3] εἶξαι ἡμῶν τῇ ἀξιώσει, ὅσῳ περ λέγεις ἐλεύθερος εἶναι παντὸς σωματικοῦ πάθους· οὔτε γὰρ τὸν ἑβδομηκονταετῆ γεγονότα πείθομαι ἀπαθῶς [4] συνοικεῖν γυναικί, οὔτε ὡς ἐπὶ [5] γενομένῃ

л. 201 a.

---

1) Тако У. 2) Бесѣдовахъ УП. 3) начинаюши У. 4) иже П. 5) cod. надъ ъı ставитъ +. 6) нѣискѣмь П. 7) неженни У. 8) чисто ти П. 9) ти проп. С. 10) оу У. 11) слати УПС. 12) не проп. С. 13) лѣть П. 14) бъıша У.

* Въ V отсутствуетъ (вырвано?) посланіе къ Григорію пресвитеру.

1) ὡς P. 2) ποιεῖ cod. 3) εὐκόλως cod. in. m. рукой X в. 4) ἐμπαθῶς P; cod. пишетъ начальное α по скобл. вмѣсто двухъ буквъ (ἐμ?). 5) ἐπι cod.

нѣкоемь зълѣмь[1] дѣлании· заповѣдахомъ ѥже и заповѣдахомъ· нъ понѥже наоучихомѣсѧ отъ а҃пла· не полагати[2] прѣтъıканиѧ братоу въ съблазнъ· вѣдомо же ѥко отъ нѣкъıихъ· съдравѣ бъıваюци· инѣмъ вина къ грѣхоу боудетъ· того ради повелѣхомъ· въслѣдоующе заповѣданию с҃тъıихъ о҃ц҃ъ· разлоучити тѧ отъ женъı· чьто оубо[3] повѣдаѥши сельномоу[4] е҃ппоу[5] ї дрѣвьнюю[6] вражьдоу поминаѥши· чьто же насъ порѣкаѥши· ѥко оудобьнъ[7] слоухъ имоущихъ· на облъганиѥ приимати· и не себе тьрпѧщю остоупити·[8] обычаѧ и женѣ· иждени ю оубо ѿ домоу своего· и постави ю въ манастъıри да боудетъ тѧ съ дѣвами· а тъı слоужи подъ моужи· да не хоулимо[9] боудетъ има бж҃ие насъ ради· донъдеже си твориши· бецисльнаѧ ѥже пишеши посълания | ти не оусп҃ѣютъ·[10] и съконьчаѥшисѧ[11] праздьноуѧ· и[12] даси гв҃и слово о[13] своемь праздьньствѣ· аще ли дьрзнеши не исправити[14] въ себе· въсприяти чистителъство· проклятъ боудеши вьсѣмъ людьмъ· и приѥмлющии тѧ отъвьржени по вьсѧкои цр҃кви боудоутъ·[15]

τινὶ ἀτόπῳ πράξει ὡρίσαμεν ἃ καὶ ὡρίσαμεν. ἀλλ' ἐπειδὴ ἐδιδάχθημεν παρὰ τοῦ ἀποστόλου μὴ τιθέναι πρόσκομμα τῷ ἀδελφῷ ἢ σκάνδαλον, οἴδαμεν δέ, ὅτι τὸ παρά τινων ὑγιῶς γινόμενον[1] ἄλλοις ἀφορμὴ πρὸς ἁμαρτίαν ὑπάρξει, τούτου ἕνεκεν προσετάξαμεν, ἑπόμενοι τῇ διαταγῇ τῶν ἁγίων πατέρων, χωρισθῆναί σε τοῦ γυναίου. Τί οὖν ἐγκαλεῖς τῷ χωρεπισκόπῳ καὶ παλαιᾶς ἔχθρας μέμνησαι; τί δὲ ἡμᾶς καταμέμφῃ, ὡς εὐκόλους ἀκοὰς ἔχοντας εἰς τὸ τὰς διαβολὰς προσίεσθαι, ἀλλ' οὐχὶ σεαυτῷ μὴ ἀνεχομένῳ ἀποστῆναι τῆς πρὸς τὴν γυναῖκα συνηθείας; Ἔκβαλε τοίνυν αὐτὴν ἀπὸ τοῦ οἴκου σου καὶ κατάστησον αὐτὴν ἐν μοναστηρίῳ. ἔστω ἐκείνη μετὰ παρθένων, καὶ σὺ ὑπηρετοῦ[2] ὑπὸ ἀνδρῶν, ἵνα μὴ τὸ ὄνομα τοῦ θεοῦ δι' ἡμᾶς βλασφημῆται. ἕως[3] ἂν ταῦτα ποιῇς, αἱ μυριάδες, ἅσπερ συγγράφεις διὰ τῶν ἐπιστολῶν, οὐδὲν ὠφελήσουσίν σε, ἀλλὰ τελευτήσεις ἀργῶν καὶ δώσεις τῷ κυρίῳ λόγον τῆς ἑαυτοῦ ἀργίας. ἐὰν δὲ τολμήσῃς μὴ διορθωσάμενος σεαυτὸν ἀντέχεσθαι τῆς[4] ἱερωσύνης, ἀνάθεμα ἔσῃ παντὶ τῷ λαῷ, καὶ οἱ δεχόμενοί σε ἐκκήρυκτοι κατὰ πᾶσαν ἐκκλησίαν[5] γενήσονται.

---

1) зломъ *C.* 2) *cod. переправл.* л *изъ* г. 3) оу *У.* 4) сельноу *У.* 5) *cod. надъ* у *ставитъ* +. 6) дрѣвлюю *П.* 7) оудобно *П.* 8) Встоупити *П.* 9) хоулими *П.* 10) оусп҃ѣютъ *П.* 11) съконьчаюшин *У.* 12) и *проп. У.* 13) о *проп. С.* 14) исправи *У.* 15) боудѣтъ *У.*

1) ι послѣ γ cod. пишетъ рукой X в. по скобл. вм. одной буквы (ε?). 2) ὑπηρέτου Patm. 172. 3) δ' вставл. P. 4) τῆς cod. in m. рукой X в. 5) cod. переправл. рукой X в. изъ πάσης ἐκκλησίας.

того[1] же къ діодороу тарсѧниноу· на поимающихъ[2] дъвѣ сестрѣници· или за дъва брата дъвѣма посагающема сестрѣницама·

Приниде намъ написаниѥ· написаниѥ[3] имѣꙗ діодорово· прочеѥ же иного нѣкоѥго подобиѥ соуще паче· и ѥже лидорово· мьнить во ми сѧ нѣкоѥго отъ хытрьць· къ твоѥмоу лицю пришьдъ· тако себе достовѣрьна въсхотѣ сътворити послоушающимъ· иже въпросивъ отъ коѥго· аще правьдьно ѥсть· приводити· на женитвоу женъı оумьрѣшюю сестроу· не оустрашисѧ въпрошениꙗ· нъ кротъко изнеси чисто желаниѥ зѣло доблѥ и подвижьно съ нимь съдѣꙗ· аще оубо пришьло бъı ми писаниѥ· то посълалъ ѥ[4] бъıхъ и довъльно тебѣ же помощи истинѣ· понѥже показавъıи пакъı отъıꙗ· и ꙗко нѣкако побѣдоу на нъı ношалаше· въздраньшихъ испьрва написаниѥ имѣти· гл҃а область[5] посълахъ ти нъıнѣ· ꙗко соугоубою роугою[6] намъ приꙗти· на блоудьнъıи онъ помъıслъ· и ни єдиноꙗ ємоу крѣпости оставити· да не имать[7] врѣждати оудобьно соущихъ· пьрвоѥ оубо ѥже велиѥ на таковъıихъ ѥсть· оу насъ объıчаи иже имамъ прѣдъложити· закона силоу имѣю·

1) *У проп. все посланіе Діодору.* 2) понмащихъ *C.* 3) написанїа *C.* 4) єсн *II*; *сод. пишетъ буквы* лъ ѥ *и начало слѣдующ. слова* бъ *по скобл.* 5) обр҃а[3] *C.* 6) роуꙗ *II.* 7) имамъ *C.*

(л. 209[a]—212[a]). * ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΠΡΟΣ ΔΙΟΛΩΡΟΝ ΤΟΝ ΤΑΡΣΟΥ ΚΑΤΑ ΤΩΝ ΔΥΟ ἈΔΕΛΦΑΣ ΓΑΜΟΥΝΤΩΝ ΤΗ ἈΔΕΛΦΟΙΣ ΔΥΣΙ ΓΑΜΟΥΜΕΝΩΝ.

(л. 209[b]) Ἀφίκετο ἡμῖν γράμματα τὴν ἐπιγραφὴν ἔχοντα Διοδώρου, τὰ δὲ ἐφεξῆς ἄλλου τινὸς πρέποντα εἶναι μᾶλλον ἢ Διοδώρου· δοκεῖ γάρ μοί τις τῶν τεχνιτῶν[1] τὸ σὸν πρόσωπον ὑποδὺς οὕτως ἑαυτὸν ἀξιόπιστον ἐθελῆσαι ποιῆσαι τοῖς ἀκροωμένοις· ὅς γε ἐρωτηθεὶς ὑπό τινος, εἰ θεμιτὸν αὐτὸν ἄγεσθαι πρὸς γάμον[2] τῆς γυναικὸς τελευτησάσης τὴν ἀδελφήν, οὐκ ἔφριξεν τὴν ἐρώτησιν, ἀλλὰ[3] πρᾴως ἤνεγκεν τὴν ἀκοὴν καὶ τὸ ἀσελγὲς ἐπιθύμημα πάνυ γενναίως αὐτῷ καὶ ἀγωνιστικῶς συγκατέπραξεν. Εἰ μὲν οὖν παρῆν μοι τὸ γράμμα, αὐτὸ ἂν ἀπέστειλα καὶ ἐξήρκεις σαυτῷ τε ἀμῦναι καὶ τῇ ἀληθείᾳ. ἐπεὶ δὲ ὁ δείξας πάλιν ἀφείλετο καὶ ὥσπερ τι τρόπαιον καθ' ἡμῶν περιέφερεν κεκωλυκότων τὸ ἐξ ἀρχῆς ἔγγραφον ἔχειν λέγων τὴν ἐξουσίαν, ἐπέστειλα νῦν σοι, ὥστε διπλῇ τῇ χειρὶ ἡμᾶς ἐλθεῖν ἐπὶ τὸν νόθον ἐκεῖνον λογισμὸν[4] καὶ μηδεμίαν αὐτῷ ἰσχὺν καταλιπεῖν, ἵνα μὴ ἔχῃ βλάπτειν ῥᾳδίως τοὺς ἐντυγχάνοντας. л. 202 a.

Πρῶτον μὲν οὖν, ὃ μέγιστον ἐπὶ τῶν τοιούτων ἐστίν, τὸ παρ' ἡμῖν ἔθος, ὃ ἔχομεν προβάλλειν, νόμου δύναμιν ἔχον

* Въ V отсутствуетъ (вырв.?) посланіе къ Діодору.

1) τεχνικῶν P. 2) πρὸς γάμον ἀγαγέσθαι P. 3) καὶ вставл. P. 4) λόγον P.

ꙁаніе отъ сѫтыихъ моужь· оуставъмъ намъ прѣданомъ бъıти· се же таково ѥсть· аще къто страстию нечистотъı оудьржанъ бъıвъ къгда· отъпадеть къ обыщению беꙁаконьномъ· къ дъвѣма сестрѣницама·[1] ни брака того имѣти· ни вьсако на цр҃квьное испълнѥние принимати· пьрвѣѥ или раꙁдрѣшити дроугъ отъ дроугa· ꙗко аще и ничьто[2] же иного рещи не бѣ· довълꙗаше обычаи· къ стражи ꙁълоу· понѥже посъланиѥ написавъıи· начатиѥмь любодѣꙗнию ꙁъло толико по· коусиса на житиѥ навести· ноужи ничѥмоу же насъ· отъ помъıслъ по· моущи оумалити· ибо на ꙗвльнъıихъ ꙁѣло больше ѥсть слово отъ ко· ѥгожьдо прияти· писано бо ѥсть рече въ левгитьскъıихъ кънигахъ· женъı на сестроу ѥꙗ[3] не приимеши проти· воу· рѣвьно[4] отъкръıти стоудъ ѥꙗ· на ѥи ѥще[5] живѣ соущи ѥи· ꙗвѣ же оубо отъ того бъıти рече· ꙗко по· дастьса поимати оумьръıши ѥи· къ томоу оубо пьрвѣѥ оно рекоу· ꙗко ѥлико ꙁаконъ гл҃ѥть· ꙁаконьнъıимъ гл҃ѥть· понѥже тако же· обрѣꙁани[6] соуботѣ· и оу|далѥнию брашьнъ· по· винѣмъ же сѧ· не подобаѥть бо аще нѣчьто обращемъ· съриющеса на наша сласти· игъмь работъı· ꙁаконоу себе поработимъ· аще ли чьто

διὰ τὸ ὑφ' ἁγίων ἀνδρῶν τοὺς θεσμοὺς ἡμῖν παραδοθῆναι· τοῦτο δὲ τοιοῦτόν ἐστιν. ἐάν τις πάθει ἀκαθαρσίας ποτὲ κρατηθεὶς ἐκπέσῃ πρὸς δυσὶν[1] ἀδελφῶν ἄθεσμον κοινωνίαν, μήτε γάμον ἡγεῖσθαι τοῦτον μηδόλως[2] εἰς ἐκκλησίας πλήρωμα παραδέχεσθαι πρότερον, ἢ διαλῦσαι αὐτοὺς (л. 210ᵃ) ἀπ' ἀλλήλων· ὥστε, εἰ καὶ μηδὲν ἕτερον εἰπεῖν ἦν, ἐξήρκει τὸ ἔθος πρὸς τὴν τοῦ κακοῦ φυλακήν. Ἐπεὶ δὲ ὁ τὴν ἐπιστολὴν γράψας ἐπιχειρήματι κιβδήλῳ κακὸν τοσοῦτον ἐπειράθη τῷ βίῳ ἐπαγαγεῖν, ἀνάγκη μηδὲν ἡμᾶς τῆς ἐκ τῶν λογισμῶν βοηθείας ὑφέσθαι, καίτοι γε ἐπὶ τῶν σφόδρα ἐναργῶν μείζων[3] ἐστὶν τοῦ λόγου ἡ παρ' ἑκάστῳ πρόληψις. γέγραπται, φησίν, ἐν τῷ Λευϊτικῷ· Γυναῖκα ἐπ' ἀδελφῇ αὐτῆς οὐ λήψῃ ἀντίζηλον ἀποκαλύψαι τὴν ἀσχημοσύνην αὐτῆς ἐπ' αὐτῇ, ἔτι ζώσης αὐτῆς. δῆλον δὲ οὖν[4] ἐκ τούτου εἶναί φησιν, ὅτι συγχωρεῖται λαμβάνειν τελευτησάσης. πρὸς δὴ τοῦτο πρῶτον μὲν ἐκεῖνο ἐρῶ, ὅτι ὅσα ὁ νόμος λέγει, τοῖς ἐν τῷ νόμῳ λέγει· ἐπεὶ οὕτω γε[5] περιτομῇ καὶ σαββάτῳ καὶ ἀποχῇ βρωμάτων ὑποκεισόμεθα. οὐ γὰρ δή, ἐὰν μέν τι εὕρωμεν συντρέχον ἡμῶν ταῖς ἡδοναῖς, τῷ ζυγῷ τῆς δουλείας τοῦ νόμου ἑαυτοὺς ὑποθήσομεν,[6] ἐὰν δέ τι

л. 202 b.

1) сестрѣницами *П.* 2) ничесо *П.* 3) ѥи *прот. С.* 4) рѣвно *С.* 5) ще *С.* 6) обрѣзанїи *С.*

1) προσ δυεῖν cod. 2) μήθ' ὅλως P. 3) cod. конечное ν допис. рукой X в. 4) Patm. 173 переправл. изъ ὅτι. 5) καὶ вставл. P. 6) ὑποθήσωμεν cod.

ꙗвитьсѧ· тѫжько отъ ꙁаконьныихъ· тогда[1] къ своꙋженію ѡ х҃ѣ отиндемъ· въпрошени бꙑхомъ·[2] аще писано[3] ѥсть поимати женоу· на сестроу рѣ-
ꙁхомъ ѥже твьрдо намъ и[4] истиньно· ꙗко не писано ѥсть· ѧже ѡ осоу·женіиа подобьнаго мълчаливоѥ· съпомꙑшлѧти ꙁаконъ полагаюіаго ѥсть· не ꙁаконьнаѧ гл҃ющаго· понѥже оубо тако подобаѥть· хотѧщюоумоу дьрꙁноути аще живѣ соущи женѣ· поѧти сестроу то же въ озълобленіиѥ· и на[5] шного подобаѥть· писано бо ѥсть рече· ꙗко не приимеши противоу-
ръѣвноую·[6] ꙗко тоѧ оубо вънѣ ръѣвности[7] поѧти не въꙁбрани· ꙁастоупаѧ же страстию· нерьѣвноу бꙑти· раꙁдѣла обꙑчаѧ сестрѣницю· отъѧтѣ оубо винѣ· ѥѧже ради отърече
съвъкоуплѥніиа обою· чьто въꙁбраняѧ боуѧ[ет]ѣ· поимати сестрѣници· нъ не писана бꙑша рѣчемъ· нъ ни она ꙁаповѣдана бꙑша· оумъ же послѣ-дованиѧ·[8] тако же обоимъ власть да-
ѥть· подобаашѳ же[9] мало на ꙁаждь·[10] ꙁаконоположенііа въшьдъша· оупо-добі же·[11] не вьсѧкъ образъ грѣховъ оволимати[12] ꙁаконоположьникꙑ· нъ ѥдинѣмь отърѣкатисѧ· егоуптѧнъ·
тѣмь въꙁмсѧ ижль· и хананьскꙑихъ·[13] къ нимъѧже прѣстависѧ имать

φανῇ βαρὺ τῶν νομίμων, τότε πρὸς τὴν ἐν Χριστῷ ἐλευθερίαν ἀποδραμούμεθα. Ἠρωτήθημεν, εἰ γέγραπται λαμβάνειν γυναῖκα ἐπ' ἀδελφῇ· εἴπομεν, ὅπερ ἀσφαλὲς ἡμῖν καὶ ἀληθές, ὅτι οὐ γέγραπται· τὸ δὲ ἐκ τῆς τοῦ ἀκολούθου ἐπιφορᾶς τὸ σιωπηθὲν συλλογίζεσθαι νομοθετοῦντός ἐστιν, οὐ τὰ τοῦ νόμου λέγοντος· ἐπεὶ οὕτω γε ἐξέσται[1] τῷ βουλομένῳ κατατολμῆσαι καὶ ἔτι ζώσης τῆς γυναικὸς λαμ(л. 210ᵇ)βάνειν τὴν ἀδελφήν· τὸ γὰρ αὐτὸ τοῦτο σόφισμα καὶ ἐπ' ἐκείνου ἁρμόζει· γέγραπται γάρ, φησίν, ὅτι,[2] Οὐ λήψῃ ἀντίζηλον, ὡς τήν γε ἔξω τοῦ ζήλου λαβεῖν οὐκ ἐκώλυσεν. ὁ δὴ συνηγορῶν τῷ πάθει ἀζηλότυπον εἶναι διορίζεται τὸ ἦθος τῶν ἀδελφῶν. Ἀνῃρημένης οὖν τῆς αἰτίας, δι' ἣν ἀπηγόρευσεν τὴν ἀμφοτέρων συνοίκησιν, τί τὸ κωλύον ἔσται λαμβάνειν τὰς ἀδελφάς; ἀλλ' οὐ γέγραπται ταῦτα, φήσομεν, ἀλλ' οὐδὲ ἐκεῖνα ὥρισται, ἡ δὲ ἔννοια τοῦ ἀκολούθου ὁμοίως ἀμφοτέροις τὴν ἄδειαν δίδωσιν. ἔδει δὲ μικρὸν ἐπὶ τὰ κατόπιν τῆς νομοθεσίας ἐπαναδραμόντα ἀπηλλάχθαι πραγμάτων. ἔοικεν γὰρ οὐ πᾶν εἶδος ἁμαρτημάτων περιλαμβάνειν[3] ὁ νομοθέτης, ἀλλ' ἰδίως ἀπαγορεύειν τὰ τῶν Αἰγυπτίων, ὅθεν л. 203 a.
ἀπῆρεν ὁ Ἰσραήλ, καὶ τὰ τῶν Χαναναίων, πρὸς οὓς μεθίσταται· ἔχει

1) *cod. первонач. была вм.* т *какая-то другая буква (*ж*? или* к*?) съ* + *наверху, но подскобл.* 2) ꙑхомъ *C.* 3) писано *C*; писано *П.* 4) и *проп. C.* 5) и *вставл. П.* 6) противѣврѣнѣю *C.* 7) рѣности *C.* 8) послѣдонїа *C.* 9) же *проп. C.* 10) насаждь *C.* 11) сѧ *вставл. П.* 12) оубо имати *П.* 13) хананьскый *П.*

1) ἔξεσται cod. 2) ὅτι προπ. P. 3) παραλαμβάνειν P.

бо сице рѣчь·[1] по начинанию егюпьтьскъихъ· въ немьже обитасте· отъ того не сътворите и по законоу ихъ не поидете·[2] ако се въправьдоу нѣкъде образъ грѣха· не жити[3] томоу съ поганъими· тѣмь ни стража ихъ· трѣбовати законоположьнъихъ·[4] нъ довольноу бъıти· неоучень҃имь обычаимь·[5] въ облъганию скверньı· како оубо больше отъвьргъ мьньшее прѣмълча· ако чаѧше многъı плътолюбьца· на съкоуплюние живама сестрѣницама· притъчю видѣти патриаршю·[6] намъ же чьто подобаѥть творити· писанию[7] ли гл҃ати· или мълчаливаѧ дѣлати·[8] абие же не подобаѥть единои и дроугѣи поѧти оц҃а и сн҃а· въ законѣ бо семь не писано ксть· отъ пр҃рка же велию гл҃анию съподовисѧ· сн҃ъ бо рече и оц҃ь· къ тои же рабичьнѣ въхождаста· колико же оубо нечистъıихъ страсти· ово бѣсовъ оучение изобрѣте· бж҃ьствьное же писание оумълче· чистою свою въ срамьнъıихъ наричание·[9] осквьрньıати не хотѧ· нъ

γὰρ οὕτως ἡ λέξις· Κατὰ τὰ ἐπιτηδεύματα τῆς Αἰγύπτου, ἐν ᾗ παρῳκήσατε, ἐπ' αὐτῆς οὐ ποιήσετε·[1] καὶ κατὰ τὰ ἐπιτηδεύματα γῆς Χαναάν, εἰς ἣν ἐγὼ εἰσάξω ὑμᾶς ἐκεῖ, οὐ ποιήσετε[1] καὶ τοῖς νομίμοις αὐτῶν οὐ πορεύσεσθε·[1] ὥστε τοῦτο εἰκός που τὸ εἶδος τῆς ἁμαρτίας μὴ ἐμπολιτεύεσθαι τότε[2] παρὰ τοῖς ἔθνεσιν. δι' ὃ μηδὲ τῆς ἑαυτῶν[3] φυλακῆς προσδεηθῆναι τὸν νομοθέτην, ἀλλ' ἀρκεσθῆναι τῷ ἀδιδάκτῳ ἔθει πρὸς τὴν τοῦ μύσους διαβολήν. πῶς οὖν τὸ μεῖζον (л. 211[a]) ἀπαγορεύσας, τὸ ἔλαττον ἐσιώπησεν; ὅτι ἐδόκει πολλοὺς τῶν φιλοσάρκων πρὸς τὸ ζῶσαις ἀδελφαῖς συνοικεῖν τὸ ὑπόδειγμα βλέπειν[4] τοῦ πατριάρχου. ἡμᾶς δὲ τί χρὴ ποιεῖν, τὰ γεγραμμένα λέγειν, ἢ τὰ σιωπηθέντα προσεξεργάζεσθαι;[5] αὐτίκα τὸ μὴ δεῖν μιᾷ[6] ἑταίρᾳ κεχρῆσθαι πατέρα καὶ υἱὸν ἐν μὲν τοῖς νόμοις τούτοις οὐ γέγραπται, παρὰ δὲ τῷ προφήτῃ μεγίστης κατηγορίας ἠξίωται· Υἱὸς γάρ, φησίν, καὶ πατὴρ πρὸς τὴν αὐτὴν παιδίσκην εἰσεπορεύοντο. πόσα δὲ δὴ[7] τῶν ἀκαθάρτων παθῶν τὸ μὲν τῶν δαιμόνων διδασκαλεῖον[8] ἐξεῦρεν, ἡ δὲ θεία γραφὴ ἀπεσιώπησεν, τὸ σεμνὸν ἑαυτῆς ταῖς τῶν αἰσχρῶν ὀνομασίαις[9] καταῤῥυπαίνειν οὐχ αἱρουμένη, ἀλλὰ

1) рѣче *П.* 2) пондеть *П.* 3) жити *П.* 4) законоположьнонъ *С.* 5) обычаемъ *С.* 6) партіаршю *С.* 7) писанда *П.* 8) дѣати *С.* 9) наричаніе *П.*

1) cod. конечное ε переправл. рукой X в. изъ αι. 2) cod. переправл. изъ τοῦτο. 3) ἐπ' αὐτῷ P (вм. ἑαυτῶν). 4) βλάπτειν P. 5) προσεργάζεσθαι P. 6) μία cod. 7) εἴδη P (и cod., но начальное ει вставл. рукой X в.); ἄλλα вставл. P. 8) διδασκάλιον Patm. 172. 9) ὀνομάτωνσίαις cod., но των и удареніе надъ α выскобл.

доблиими именъı· нечистотъı низъ-
ложи· ѩко же и апл҃ъ павьлъ
рече· блоужение же и нечистота
вьсѧ· да не именоуѥтьсѧ въ
васъ· ѩко же подобаѥтъ ст҃ъı-
имъ· и|менемь нечистотъı· и
срамотворениа моужьска пола· и
женьска пола обоуимаа· ѩко не
вьсако мълчание властьно сице
сластолюбивъıимъ· азъ же ни
мълчати часто[1] того реко҃у· нъ
зѣло и отърещисѧ законополо-
жьникоу· иже бо не вънидеши
къ вьсѧкомоу плъти
твоеѧ[2] отъкръıти стоудъ ихъ·
лише ѥсть и того образа свои-
ство· чьто бо аще боудеть
своинѣѥ моужю своеѧ женъı· паче
же и своеѧ плъти· нѣста бо
дъва нъ плъть ѥдина· ѩко женъı
ради сестра къ своиству мѫжа[3]
приходитъ· ѩко мт҃ре женьна не
поиметь· ни дъчере женьна· имьже
ни своеѧ мт҃ре· ни своеѧ дъчере·
тако ни сестръı женьна· имьже
ни сестръı своеѧ· и се пакъı
подобаѥтъ· ни женѣ съ своими·
моужа примѣшатисѧ· обыча бо на
обоихъ съродиа правьда· азъ же
вьсѧкомоу ѿ брацѣ хотѧщоумоу
съвѣдѣтельствоую· ѩко прѣходитъ[4]
образъ мира сего· и врѣмѧ

γενικοῖς ὀνόμασιν τὰς ἀκαθαρσίας διέβα-
λεν, ὡς καὶ ὁ ἀπόστολος Παῦλός φησιν·
Πορνεία δὲ καὶ ἀκαθαρσία πᾶσα μηδὲ
ὀνομαζέσθω ἐν ὑμῖν, καθὼς πρέπει
ἁγίοις· τῷ τῆς ἀκαθαρσίας ὀνόματι τάς
τε τῶν ἀῤῥένων ἀῤῥητοποιΐας καὶ τὰς л. 203 b.
τῶν θηλειῶν περιλαμβάνων· ὥστε οὐ
πάντως ἡ σιωπὴ ἄδειαν φέρει τοῖς φιλη-
δόνοις. ἐγὼ δὲ οὐδὲ σεσιωπῆσθαι τὸ μέ-
ρος τοῦτο φημί, ἀλλὰ καὶ πάνυ σφοδρῶς
ἀπηγορευκέναι τὸν νομοθέτην· τὸ[1] γάρ,
Οὐκ εἰσελεύσῃ πρὸς πάντα οἰκεῖον[2]
σαρκός σου ἀποκαλύψαι ἀσχημοσύνην
αὐτῶν, ἐμπεριεκτικόν ἐστιν καὶ τούτου
τοῦ εἴδους τῆς οἰκειότητος. τί γὰρ ἂν
γένοιτο οἰ(л. 211[b])κειότερον ἀνδρὶ τῆς
ἑαυτοῦ γυναικός, μᾶλλον δὲ τῆς ἑαυτοῦ
σαρκός; οὐ γὰρ ἔτι εἰσὶ δύο, ἀλλὰ σὰρξ
μία· ὥστε διὰ τῆς γυναικὸς ἡ ἀδελφὴ
πρὸς τὴν τοῦ ἀνδρὸς οἰκειότητα μετα-
βαίνει. ὡς γὰρ μητέρα γυναικὸς οὐ λήψεται, οὐδὲ θυγατέρα τῆς γυναικός,
διότι μηδὲ τὴν ἑαυτοῦ μητέρα, μηδὲ τὴν
ἑαυτοῦ θυγατέρα, οὕτως οὐδ' ἀδελφὴν
γυναικός, διότι μηδ' ἀδελφὴν ἑαυτοῦ.
καὶ τοῦτο ἀνάπαλιν, οὐδὲ τῇ γυναικὶ
ἐξέσται[3] τοῖς[4] οἰκείοις τοῦ ἀνδρὸς συ-
νοικεῖν· κοινὰ γὰρ ἐπ' ἀμφοτέρων
τῆς συγγενείας τὰ δίκαια. ἐγὼ δὲ
παντὶ τῷ περὶ γάμου βουλευομένῳ
διαμαρτύρομαι, ὅτι παράγει τὸ σχῆμα
τοῦ κόσμου τούτου καὶ ὁ καιρὸς

1) частн *II.* 2) *cod. переправл.* ѥ *изъ* ѧ. 3) *это* мѫжа *cod. добавл. in t., поставивши въ текстѣ на мѣстѣ пропуска знакъ* +. 4) прихоудитъ *C.*

1) cod. переправл. по скобл. изъ тоῦто. 2) cod. переправл. рукой X в. изъ οἶκον. 3) ἔξεσται cod. 4) cod. τῶς, а ι вставл. рукой X в.

оустрашьно ѥсть· да имоущіи[1] женъı· ꙗко не имоущіи[2] боудоуть· ащє же ми почитаѥть ѥже раститесѧ и оумножите· смѣюсѧ законоположению· врѣменъ не расматрающа·го· блоужениꙗ оутѣшениѥ· въторъıи бракъ не подобиѥ ли на нечистотоу· ащє не въздьржатьсѧ да женѧтьсѧ рече· и женѧщеисѧ да не безаконе[3] безаконьствоуютъ·
л. 204 a. не възиираю|щеи же къ ѥствоу· иже дш҃ю гоубѧщє страстию вещьствꙗ· дрѣвлѥ разлоучьшюю· нарецениꙗ родъ отъ кокго сърод[и]ꙗ· рожьшьıисѧ наричють братью ихъ дроугъ дроугꙋ· или сестричича наричють· обоѥ бо имъ причетаѥть съмоущениꙗ ради не сътвори о чл҃вче· тетъкъı мачехъı[4] младеньцемъ· ни въ матерьнь чинъ съгрѣховати хотащю· симь въороужїши некротъкъıми рьвьнии помъıсла тъкъмо бо ненавидитъ мачехъı и по съмьрти гонитъ вражьдоу· паче же ови инако[5] ратьници· оумьръшимъ[6] жьроутъ· мачехъı же ненависть· по съмьрти начинаютъ·

συνεσταλμένος ἐστίν, ἵνα καὶ οἱ ἔχοντες γυναῖκας ὡς μὴ ἔχοντες ὦσιν. Ἐὰν δέ μοι παραναγινώσκῃ τό, Αὐξάνεσθε[1] καὶ πληθύνεσθε, καταγελῶ τοῦ τῶν νομοθεσιῶν τοὺς καιροὺς μὴ διακρίνοντος. πορνείας παραμυθία ὁ δεύτερος γάμος, οὐχὶ ἐφόδιον εἰς ἀσέλγειαν. Εἰ οὐκ ἐγκρατεύονται, γαμείτωσαν,[2] φησίν, οὐχὶ δὲ καὶ γαμοῦντες παρανομείτωσαν. οἳ δὲ οὐ[3] πρὸς τὴν φύσιν ἀποβλέπουσιν, οἱ τὴν ψυχὴν λημῶντες τῷ πάθει τῆς ἀτιμίας, πάλαι διακρίνασαν τὰς τοῦ γένους προσηγορίας, ἐκ ποίας[4] συγγενείας τοὺς γεννηθέντας προσαγορεύουσιν;[5] ἀδελφοὺς αὐτῶν[6] ἀλλήλων, ἢ ἀνεψιοὺς προσεροῦσιν; ἀμφότερα γὰρ αὐτοῖς προσαρμόσει διὰ τὴν σύγχυ(л. 212a)σιν. μὴ ποιήσῃς, ὦ ἄνθρωπε, τὴν θείαν μητρυιὰν[7] τῶν νηπίων, μήτε[8] δὲ τὴν ἐν μητρὸς τάξει θάλπειν ὀφείλουσαν ταύτην ἐφοπλίσῃς[9] ταῖς ἀμειλίκτοις ζηλοτυπίαις· μόνον γὰρ τὸ μῖσος τῶν μητρυιῶν[10] καὶ μετὰ θάνατον ἐλαύνει τὴν ἔχθραν· μᾶλλον δὲ οἱ μὲν ἄλλως πολέμιοι τοῖς τεθνηκόσι σπένδονται, αἱ δὲ μητρυιαὶ[11] τοῦ μίσους μετὰ τὸν θάνατον ἄρχονται.

---

1) *cod. выскобл. бывшая вмѣсто* щ *другая буква* (ж?) *съ* + *наверху.* 2) *cod. переправл.* щ *изъ* ж. 3) безаконе *проп. П.* 4) мачехъ *П.* 5) нако *П.* 6) оумержимъ *С.*

1) конечное ε cod. переправл. изъ αι рукой X в. 2) γαμησάτωσαν P. 3) οὐδὲ P. 4) γὰρ вставл. P. 5) προσαγορεύσουσιν Patm. 173. 6) Patm. 172 надпис. οὺς надъ конечн. ῶν; Patm. 173 αὐτοὺς, но буквы οὺ по скобл.; cod. рука X в. выскобл. правую сторону ω и букву ν, но не поставила ясно другихъ буквъ. 7) μητρυὰν cod. 8) μὴ P. 9) ἐφοπλίσεις cod. 10) μητρυῶν cod. 11) μητρυαὶ cod.

глава же реченъıихъ· аще законъмь
оброучаıетьсѧ на бракъ· отъвьрзесѧ
вьсѧ вьселєнаѧ· аще ли страстьно
имъ кєсть· тъщаниє того ради и
паче да затворитьсѧ· да оувѣєсть
свои съсоудъ притѧжати сто̄стью·
не страстью похоти· большю ми
глати оустрьмлıшюсѧ· мѣроу приıметь посъланиѧ· молю же изволє-
ниє ваше[1] крѣплѣ страсти швити· или
не принти къ вашеи нечистотѣ сеи-
нъ въ нихъже аще дьрзноу мѣ-
стѣхъ прѣвъıвати·

Κεφάλαιον δὲ τῶν εἰρημένων, εἰ μὲν
νόμῳ ὁρμᾶται πρὸς τὸν γάμον, ἤνοικται
πᾶσα ἡ οἰκουμένη· εἰ[1] δὲ ἐμπαθὴς
αὐτοῖς[2] ἡ σπουδή, διὰ τοῦτο καὶ
πλέον ἀποκλεισθήτω, ἵνα μάθῃ τὸ ἑαυ-
τοῦ σκεῦος κτᾶσθαι ἐν ἁγιασμῷ, μὴ ἐν
πάθει ἐπιθυμίας. πλείονά με λέγειν
ὡρμημένον τὸ μέτρον ἐπέχει τῆς ἐπι-
στολῆς. εὔχομαι δὲ ἢ τὴν παραίνεσιν
ἡμῶν[3] ἰσχυροτέραν τοῦ πάθους ἀποδει-
χθῆναι, ἢ μὴ ἐπιδημῆσαι τῇ ἡμετέρᾳ
τὸ ἅγος τοῦτο, ἀλλ' ἐν οἷς ἂν ἐτολμήθη
τόποις ἐναπομεῖναι.

1) *cod. надъ* к *ставитъ* +; наше *II.*

1) ἡ cod. 2) αὐτῷ P. 3) υμῶν Patm. 172, но надъ υ надпис. η.

того же отъ написаннаго посланиа· къ блаженоуоумоу амфилохию· ѩко не невѣдати г҃а· дн҃е· коньца и часа·

г҃е· Глаголемъ же въздьржателюмъ· на чистоѥ ихъ | гаданиѥ· л. 204 b.
чьсо ради и мы не вьсе[1] ѩмъ· оно да гл҃ютьсѧ· ѩко и останъкъ нашихъ гноушаѥмъсѧ· по достоанию же оубо· зелиѥ травы намъ соуть мѧса· по расмотрению же пользьнъихъ· ѩко и въ зелии врѣжающаго подобьнаго ѿлоучаюмъсѧ· тако и въ мясѣхъ добрѣишаго врѣжденоѥ расматрюмъ· понѥже зелиѥ ѥсть и беленъ ѩко же мѧса соуть· нъ обаче· не ѩсть никъто же· оумъ имѣа ни пьса прикоснетьсѧ· не соущи величѣ ноужди находащи· ѩко единѣмь[2] беззаконьнова·

(л. 212[a—b]). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ’ΕΚ ΤΗΣ ΠΡΟΣ[1] ΤΟΝ[2] ΜΑΚΑΡΙΟΝ ’ΑΜΦΙΛΟΧΙΟΝ ΓΡΑΦΕΙΣΗΣ ’ΕΠΙΣΤΟΛΗΣ ΠΕΡΙ ΤΟΥ ΜΗ ’ΑΓΝΟΕΙΝ ΤΟΝ ΚΥΡΙΟΝ ΤΗΝ ῾ΗΜΕΡΑΝ ΤΟΥ ΤΕΛΟΥΣ ΚΑΙ ΤΗΝ ῾ΩΡΑΝ.

πε΄. Τοῖς δὲ κομψοῖς ’Εγκρατίταις[3] πρὸς τὸ σεμνὸν αὐτῶν πρόβλημα, διά τί καὶ ἡμεῖς οὐχὶ πάντα ἐσθίομεν, ἐκεῖνο λεγέσθω, ὅτι καὶ τὰ περιττώματα ἡμῶν βδελυσσόμεθα· κατὰ μὲν γὰρ τὴν ἀξίαν λάχανα χόρτου ἡμῖν ἐστιν τὰ κρέα, κατὰ δὲ τὴν τῶν συμφερόντων διάκρισιν, ὡς καὶ ἐν λαχάνοις τὸ βλαβερὸν τοῦ καταλλήλου χωρίζομεν, οὕτω καὶ ἐν τοῖς κρέασι τοῦ χρησίμου τὸ βλαβερὸν διακρίνομεν. ἐπεὶ λάχανόν ἐστιν καὶ τὸ κώνειον, ὥσπερ κρέας[4] ἐστὶν καὶ τὸ γύπειον· ἀλλ’ ὅμως οὔτε ὑοσκύαμον[5] φάγοι ἄν τις νοῦν ἔχων, οὔτε κυνὸς ἅψαιτο, μὴ μεγάλης ἀνάγκης κατεπειγούσης· ὡς ὅ γε φαγὼν οὐκ ἠνόμησεν.[6]

1) всего *П.* 2) единъ *С.*

1) αὐτὸν вставл. V. 2) αὐτὸν вставл. P. 3) ’Εγκρατιταῖς V. 4) κρέα V. 5) υἱοσκύαμον cod. 6) V добавл. киноварью: τοῦ μεγάλου Βασιλείου ἐπιστολαὶ κανονικαί.

того [1] же отъ дѣвадесатисемаго слова· о сѣмъ дсѣ· къ амфилохию написанъıихъ·

Съхранкнъıихъ въ цр҃кви· повелѣнии проповѣдании· [2] ова оубо ѿ ненаписанаго оучениа имамъ· ова же отъ прѣдании [3] апл҃ъ подана намъ въ [4] таинѣ прѣхомъ· [5] иже обоа тоую же крѣпость имоуть· къ бл҃очьстию· и тѣмь ни єдинъ наречеть противоу· иже бо аще и по малоу оуставъ цр҃квьнъıихъ искоушаѣть· аще бо начьнемъ ненаписанъıихъ обычаи· ако не [6] великоу.[7] имоуща силоу отърицатиса· оутаимъ оубо [8] и [9] въ тѣхъ [10] извѣстьнъıихъ· отъпоущение ѣванг҃лиа· паче же има наго поставлающе· проповѣданиѥ ако се първаго· и обыцаго първѣѥ поманоу образъмь кр҃ста· въ има г҃а нашего і҃с [11] х҃а· оупъвающиихъ назна|менаватиса· [12] къто написаниемь [13] наоучивъıи [14] иже на въстокъ обращатиса на м҃твоу· коѥ нъı наоучи писание· цр҃квьнъıа гл҃ы· на показание хлѣба· похвалъı [15] и чаша бл҃ословлениѥ· къто отъ сѣтъıихъ

(л. 212[b]—214[b]). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ’ΕΚ ΤΟΥ ΚΖ΄ ΛΟΓΟΥ [1] ΤΩΝ ΠΕΡΙ ΤΟΥ ’ΑΓΙΟΥ ΠΝΕΥΜΑΤΟΣ ΠΡΟΣ [2] ’ΑΜΦΙΛΟΧΙΟΝ ΓΕΓΡΑΜΜΕΝΩΝ.

Τῶν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ πεφυλαγμένων δογμάτων καὶ κηρυγμάτων, τὰ μὲν ἐκ τῆς ἀγράφου [3] διδασκαλίας ἔχομεν, τὰ δὲ ἐκ τῆς τῶν ἀποστόλων παραδόσεως διαδοθέντα ἡμῖν ἐν μυστηρίῳ παρεδεξάμεθα· ἅπερ ἀμφότερα τὴν αὐτὴν ἰσχὺν ἔχει πρὸς τὴν εὐσέβειαν· καὶ τούτοις οὐδεὶς ἀντερεῖ, ὅστις γε [4] κἂν κατὰ μικρὸν γοῦν θεσμῶν ἐκκλησιαστικῶν πεπείραται. εἰ γὰρ ἐπιχειρήσαιμεν τὰ ἄγραφα τῶν ἐθῶν, ὡς μὴ μεγάλην ἔχοντα τὴν δύναμιν, παραιτεῖσθαι, λάθοιμεν ἂν εἰς αὐτὰ τὰ καίρια ζημιοῦντες τὸ εὐαγγέλιον, μᾶλλον δὲ εἰς ὄνομα ψιλὸν περιϊστῶντες τὸ κήρυγμα. οἷον (ἵνα τοῦ πρώτου καὶ κοινοτάτου πρῶτον μνησθῶ) τῷ τύπῳ τοῦ σταυροῦ τοὺς εἰς τὸ ὄνομα τοῦ κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ ἠλπικότας κατασημαίνεσθαι τίς ὁ διὰ γραμμάτων [5] διδάξας; τὸ πρὸς ἀνατολὰς [6] τετράφθαι κατὰ τὴν προσευχὴν ποῖον ἡμᾶς ἐδίδαξεν γράμμα; τὰ τῆς ἐκκλησίας [7] ῥήματα ἐπὶ τῇ ἀναδείξει τοῦ ἄρτου τῆς εὐχαριστίας καὶ τοῦ ποτηρίου τῆς (л. 213[a]) εὐλογίας τίς τῶν ἁγίων л. 205 a.

1) *У проп. все это посланіе.* 2) проповѣданіи *П.* 3) прѣданіа *П.* 4) вон *П.* 5) прѣхомъ *СП.* 6) не *проп. П.* 7) *cod. конечныя буквы оу вязью, переправл. изъ а.* 8) *cod. переправл. оу по скобл. изъ н.* 9) и *проп. П.* 10) во тыи *П.* 11) іс *cod.* 12) назнаменоватиса *П.* 13) написаніемь *С.* 14) наоучивы *С.* 15) похвалы *П.*

1) κεφαλαίου PV. 2) τὸν μακάριον вставл. PV. 3) ἐγγράφου PV. 4) γε проп. V. 5) γράμματος PV. 6) εὔχεσθαι вставл. cod., но обводитъ точками. 7) ἐπικλήσεως PV.

написано намъ остави· не тѣми бо довѣльни ксмъ· ихъже апл҃ъ или евангліе помяноу· нъ и прѣже гл҃емь· [1] и избираемъ дроугаа· ꙗко великꙋ имоуще· къ таинѣ крѣпость отъ ненаписана оучениа· приимъше бл҃гословлениемь [2] же водоу крщениа· и масло помазаниа· и къ симъ и [3] еще самого крьстимааго· не отъ мълчаливааго· и таиноаго прѣданиа· чьто же масла того маханиѥ· [4] коѥ слово написано наоучи· а еже тришьдъı крщати чл҃вка отъкоудѣ· ина же клико о крщении· отъвръщисѧ сотонъı· и съ анг҃лъı [5] его· отъ коего [6] ксть написаниа· не отъ [7] ѡбличеналаго того и [8] неизглеченьнааго оучениа· еже нелюбопъıтанъıими· ни прѣльстьнъıимь мълчаниемь· оц҃и наши съхраниша· добрѣ они наоучени таинъ· чьстьнаа мълчаниемь съпасати· ихъже бо ни видѣти [9] подобаше· невѣждамъ тѣхъ како оубо бѣ достоино· [10] оучениѥ обличати писаниемь·

се слово написани прѣданиа· ꙗко не облѣньшююсѧ повелѣнии разоумоу· оудобь-
л. 205 b. прѣобидимоу бъı⟨ти⟩ | многъıимъ·

---

1) гл҃емь *П.* 2) *cod. конечное* ъ *переправл. изъ* ъ; бл҃гословлѣ҃ *П.* 3) и *проп. П.* 4) помазаніе *С.* 5) анг҃лы *П.* 6) его *П.* 7) отъ *проп. П.* 8) и *проп. С.* 9) вѣдити *П.* 10) *cod. переправл. конечное* о *по скобл. изъ* ъ

ἐγγράφως ἡμῖν καταλέλοιπεν; οὐ γὰρ δὴ [1] τούτοις ἀρκούμεθα, ὧν ὁ ἀπόστολος ἦ [2] τὸ εὐαγγέλιον ἐπεμνήσθη, ἀλλὰ καὶ προλέγομεν καὶ ἐπιλέγομεν ἕτερα, ὡς μεγάλην ἔχοντα πρὸς τὸ μυστήριον τὴν ἰσχύν, ἐκ τῆς ἀγράφου διδασκαλίας παραλαβόντες. εὐλογοῦμεν δὲ τὸ ὕδωρ τοῦ βαπτίσματος καὶ τὸ ἔλαιον τῆς χρίσεως, καὶ προσέτι αὐτὸν τὸν βαπτιζόμενον [3] οὐκ ἀπὸ τῆς σιωπωμένης καὶ μυστικῆς παραδόσεως; τί [4] δέ; αὐτὴν τοῦ ἐλαίου τὴν χρίσιν τίς λόγος γεγραμμένος ἐδίδαξεν; τὸ δὲ τρὶς βαπτίζεσθαι τὸν ἄνθρωπον πόθεν; ἄλλα δὲ ὅσα περὶ τὸ βάπτισμα, ἀποτάσσεσθαι τῷ σατανᾷ καὶ τοῖς ἀγγέλοις αὐτοῦ, ἐκ ποίας ἐστὶ γραφῆς; οὐκ ἐκ τῆς ἀδημοσιεύτου ταύτης καὶ ἀπορρήτου διδασκαλίας, ἣν ἐν ἀπολυπραγμονήτῳ καὶ ἀπεριεργάστῳ σιωπῇ [5] οἱ πατέρες ἡμῶν ἐφύλαξαν, καλῶς ἐκεῖνοι [6] δεδιδαγμένοι, τῶν μυστηρίων τὰ σεμνὰ σιωπῇ διασώζεσθαι; ἃ γὰρ οὐδὲ ἐποπτεύειν ἔξεστιν τοῖς ἀμυήτοις, τούτων πῶς ἂν ἦν εἰκὸς τὴν διδασκαλίαν θριαμβεύειν ἐν γράμμασιν;

Καὶ μεθ' ἕτερα·

Οὗτος ὁ λόγος τῆς τῶν γραφῶν [7] παραδόσεως, ὡς μὴ καταμεληθεῖσαν [8] τῶν δογμάτων τὴν γνῶσιν, εὐκαταφρόνητον τοῖς πολλοῖς γενέσθαι

---

1) δὴ προπ. V. 2) καὶ V. 3) ἀπὸ ποίων ἐγγράφων вставл. PV и допис. cod. рукой X в. 4) τὴν Patm. 172; τη Patm. 173. 5) σιγῇ PV. 6) ἐκείνοις cod. 7) ἀγράφων P. 8) καταμελετηθεῖσαν PV.

ино бо повелѣние ино же проповѣдание· повелѣнiа оубо мълчать· проповѣданiа же обличена соуть· мълчанiа же wбразъ· и непщевание· имьже прiемлють писанiе· неоудобьвидимъ строга оумъ· на оуспѣхъ соущимъ· того же ради вьси оубо видимъ· на въстокъ къ мѣтвамъ· мало же насъ вѣсть wко дрѣвьнааго оц҃ьства възискаемъ· раи wгоже насади б҃ъ въ едемѣ на въстокъ· и прости оубо испълнiаемъ молитвы· въ единоу недѣлю· словесе же не вьси вѣмъ· не тъчию бо wко въскрьсъше[1] съ христосъмь·[2] и въшьниихъ искати дължьни соуще· въ[3] въскрѣсьнъiи д҃нь· подаванiе намъ бл҃годати· стоанiа ради въ мѣтвѣ· сами себе въспоминаемъ· нъ wко мьнитьсѧ како чаемаго вѣка· бъiти образоу· тѣмь начало сан д҃нь҃мъ· не пьрвъiи отъ мосѣа[4] нареченъ бъiсть· нъ единъ· бъiсть бо рече вечеръ· и бъiсть оутро д҃нь одинъ·[5] wко томоу wбиходящю мъногашьдъi· и единъ оубо тъ же· и семъiи единъiи въистиноу тъ·[6] и истиньнъiи[7] осмъiи· егоже и пьсалъмъ въ трьхъ писменьхъ·[8] пьсалъмъмь помѧноу· о себѣ wвлѧѧ διὰ συνήθειαν. ἄλλο γὰρ (л. 213ᵇ) δόγμα καὶ ἄλλο κήρυγμα· τὰ μὲν γὰρ δόγματα σιωπᾶται, τὰ δὲ κηρύγματα δημοσιεύεται. σιωπῆς δὲ εἶδος καὶ ἡ ἀσάφεια, ᾗ χρῆται[1] ἡ γραφή, δυσθεώρητον κατασκευάζουσα τῶν δογμάτων τὸν νοῦν πρὸς τὸ τῶν ἐντυγχανόντων λυσιτελές. τούτου χάριν πάντες μὲν[2] ὁρῶμεν κατ'[3] ἀνατολὰς ἐπὶ τῶν προσευχῶν, ὀλίγοι δὲ ἴσμεν, ὅτι τὴν ἀρχαίαν ἐπιζητοῦμεν πατρίδα, τὸν παράδεισον, ὃν ἐφύτευσεν ὁ θεὸς ἐν Ἐδὲμ κατ'[4] ἀνατολάς. καὶ ὀρθοὶ μὲν πληροῦμεν τὰς εὐχὰς ἐν τῇ μιᾷ τοῦ σαββάτου, τὸν δὲ λόγον οὐ πάντες οἴδαμεν· οὐ γὰρ μόνον ὡς συναναστάντες Χριστῷ καὶ τὰ ἄνω ζητεῖν ὀφείλοντες, ἐν τῇ ἀναστασίμῳ ἡμέρα τῆς δεδομένης ἡμῖν χάριτος διὰ τῆς κατὰ τὴν προσευχὴν στάσεως ἑαυτοὺς[5] ὑπομιμνήσκομεν, ἀλλ' ὅτι[6] δοκεῖ πως τοῦ προσδοκωμένου αἰῶνος[7] εἶναι εἰκών. διὸ καὶ ἀρχὴ οὖσα ἡμερῶν, οὐχὶ πρώτη παρὰ Μωσέως,[8] ἀλλὰ μία ὠνόμασται· Ἐγένετο γάρ, φησίν, ἑσπέρα[9] καὶ ἐγένετο πρωὶ ἡμέρα μία, ὡς τῆς αὐτῆς ἀνακυκλουμένης πολλάκις. καὶ μία τοίνυν ἡ αὐτὴ καὶ ὀγδόη, τὴν μίαν ὄντως ἐκείνην καὶ ἀληθινὴν ὀγδόην, ἧς καὶ ὁ ψαλμῳδὸς ἐν τρισὶν[10] ἐπιγραφαῖς τῶν ψαλμῶν ἐπεμνήσθη, δι' ἑαυτῆς ἐμφανίζουσα

1) въскрѣсшю *П.* 2) христомь *П.* 3) въ *проп. П.* 4) моѣсѣа *С.* 5) *сод. буквы* дни *по скобл.* 6) и *проп. С.* 7) и *вставл. П.* 8) писмѣ *П.*

1) κέχρηται P. 2) μὲν προπ. Patm. 172. 3) κατὰ V. 4) κατὰ V. 5) cod. переправл. рукой X в. изъ ἑαυτοῖς. 6) cod. переправл. изъ ἀλλὰ τι. 7) μόνος Patm. 172; μῶνος Patm. 173. 8) Μωυσέως PV. 9) Ἔσπέρα φησὶν cod. 10) τισιν PV.

по оустроєнии лѣта сего· непрѣстанъныи дн҃ь невечерьнии·[1] неизмѣнимъыи· неконьчьнии онъ· и нестарѣющиисѧ[2] вѣкъ· ноу|ждьно оубо· ѩже
л. 206 a. въ нѣ мц҃ѣвъı· стоѩщемъ[3] испълнити въслѣдьникомъ кго· цр҃кы[4] наказаєть· да частъıимь въспоминаниємь[5] бесконьчьнаго житиѧ· къ прѣставлєнию онѣхъ шьствиє· не лѣнимъсѧ и вьсака же пантикости· чаємаго въскрѣшєниѧ· въ вѣцѣ єсть въспоминаниє·[6] єдинъıи бо тъ и пьрвъıи дьнь· семь кратъı·[7] семь семь семию· въıвъши семи недѣль· сѧ҃тънѧ пантикости съвьршаєть· отъ пьрваго бо начинаємъ· въ тъıи же конъчаваєть· подобьнъıими на срѣдѣ раздѣлающисѧ· н҃· кратъı· тѣмь и вѣкоу подобитьсѧ подражениємь·[8] ѩко же въ окроужьнѣмь подвижении· отъ тѣхъ[9] самѣхъ начинающи-ихъсѧ· и въ та конъчавающисѧ· въ нєиже правъıи образъ молитвъı· чистии оу҃стави цр҃квьнии насъ наказаша· отъ ѩвленнаго въспоминанию· акъı прѣводѧще нашь оумъ· отъ нънѣшьнихъ на боудоущаѧ· и на вьсако колѣнопоклонѣниє· и въстанию ради дѣлъмь показаємъ·[10] ѩко и грѣха ради въ землю сънидохомъ·

τὴν μετὰ τὸν χρόνον τοῦτον κατάστασιν, τὴν ἄπαυστον ἡμέραν, τὴν (л. 214a) ἀνέσπερον, τὴν ἀδιάδοχον, τὸν[1] ἄληκτον ἐκεῖνον καὶ ἀγήρω[2] αἰῶνα. ἀναγκαίως οὖν τὰς ἐν αὐτῇ προσευχὰς ἑστῶτας ἀποπληροῦν[3] τοὺς ἑαυτῆς τροφίμους ἡ ἐκκλησία παιδεύει, ἵνα τῇ συνεχεῖ ὑπομνήσει τῆς ἀτελευτήτου[4] ζωῆς τῶν πρὸς τὴν μετάστασιν ἐκείνην[5] ἐφοδίων μὴ ἀμελῶμεν. καὶ πᾶσα δὲ ἡ πεντηκοστὴ τῆς ἐν τῷ αἰῶνι προσδοκωμένης ἀναστάσεώς ἐστιν ὑπόμνημα· ἡ γὰρ μία ἐκείνη καὶ πρώτη ἡμέρα, ἑπτάκις ἑπταπλασιασθεῖσα, τὰς ἑπτὰ τῆς ἱερᾶς πεντηκοστῆς ἑβδομάδας ἀποτελεῖ· ἐκ πρώτης γὰρ ἀρχομένη εἰς τὴν αὐτὴν καταλήγει, δι' ὁμοίων τῶν ἐν τῷ μέσῳ ἐξελιττομένη πεντηκοντάκις. δι' ὃ καὶ αἰῶνα μιμεῖται τῇ ὁμοιότητι, ὥσπερ ἐν κυκλικῇ[6] κινήσει[7] ἀπὸ τῶν αὐτῶν ἀρχομένη[8] καὶ εἰς τὰ αὐτὰ καταλήγουσα· ἐν ᾗ τὸ ὀρθιον σχῆμα τῆς προσευχῆς προτιμᾶν οἱ θεσμοὶ τῆς ἐκκλησίας ἡμᾶς ἐξεπαίδευσαν, ἐκ τῆς ἐναργοῦς ὑπομνήσεως οἱονεὶ μετοικίζοντες ἡμῶν τὸν νοῦν ἀπὸ τῶν παρόντων ἐπὶ τὰ μέλλοντα. καὶ καθ' ἑκάστην δὲ γονυκλισίαν καὶ διανάστασιν ἔργῳ δείκνυμεν, ὅτι καὶ διὰ τῆς ἁμαρτίας εἰς γῆν κατερρύημεν,

1) нечернїи *П.* 2) нестарѣющиисѧ *П.* 3) стоѩщимъ *П.* 4) цр҃кви *П.* 5) въспоминаємь *П.* 6) въспиминанїе *П.* 7) кратыи *П.* 8) подражанїемь *СП.* 9) ѿхъ *С* (*вм.* отъ тѣхъ). 10) показанїемь *П.*

1) cod. переправл. рукой X в. изъ т[ѣи?]. 2) ἀγήρων P. 3) ἀναπληροῦν V. 4) ἀτελέστου V. 5) cod. η здѣсь напис. рукой X в. по скобл. 6) cod. ῆ здѣсь по скобл. рукой X в. 7) κινήσει вставл. V. 8) σημείων вставл. PV и допис. cod. in m. рукой X в.

и чл҃вколюбіа ради съзьдавъшаго
ны· на нб҃о призъвани въıхомъ·
постигнетъ ма дн҃ь· неписанъıа [1]
цр҃квьнъıа таинъı· повѣдающю ю [2]
оставлаю и на то же исповѣданіе
вѣръı· вѣровати въ оц҃а и сн҃а и
ст҃аго дх҃а· отъ коего писанıа
и|мамъ· | и аще отъ крьщенıа [3]
прѣданіе [4] послѣдованію бл҃гочьстıа·
ıако же крьстимъсѧ· тако и вѣро-
вати дължьни есмъ· подобьное крьщенію исповѣданіе полагаемъ· да отъпоустатъ намъ· отъ
того же въслѣдованıа· подобьноую
вѣрѣ [5] славоу отъдаıати· аще ли
образа славословıа· ıако ненаписана
отърицаютьсѧ· да дадатъ намъ по
вѣрѣ исповѣданıа· и прочаıа ıже [6]
ищьтохомъ· написанаıа по[ка]занıа· | по
семь толицѣмъ соущемъ· [7] ненапи-
саномъ· [8] и толикоу имоущемъ [9]
крѣпость· въ бл҃гочьстıа таиноу·
кдиноıа рѣци [10] намъ отъ оц҃ь· къ
намъ пришьдъши не подадатъ· юже
мъı отъ него готова обычаı· не-
обращающıимъсѧ [11] цр҃къвъ· оставъ-
шюю обращемъ· не мало слово имоу-
щюю· ни кратъко съконьчанıе въ
силоу таинъı приносимоую·

καὶ διὰ τῆς φιλανθρωπίας τοῦ κτίσαντος ἡμᾶς εἰς οὐρανὸν ἀνεκλήθημεν.

Ἐπιλείψει με ἡ ἡμέρα, τὰ ἄγραφα τῆς ἐκκλησίας μυστήρια διηγούμενον. ἐῶ τὰ ἄλλα· αὐτὴν δὲ τὴν (л. 214[b]) ὁμολογίαν τῆς πίστεως, πιστεύειν εἰς πατέρα καὶ υἱὸν καὶ ἅγιον πνεῦμα, ἐκ ποίων γραμμάτων ἔχομεν; εἰ μὲν γὰρ [1] л. 206 b.
ἐκ τῆς τοῦ βαπτίσματος παραδόσεως, κατὰ τὸ τῆς εὐσεβείας ἀκόλουθον, ὡς βαπτιζόμεθα οὕτω καὶ πιστεύειν ὀφείλοντες, ὁμοίαν τῷ βαπτίσματι τὴν ὁμολογίαν κατατιθέμεθα, συγχωρησάτωσαν ἡμῖν ἐκ τῆς αὐτῆς ἀκολουθίας [2] ὁμοίαν τῇ πίστει τὴν δόξαν ἀποδιδόναι. εἰ δὲ τὸν τρόπον τῆς δοξολογίας ὡς ἄγραφον παραιτοῦνται, δότωσαν ἡμῖν τῆς τε κατὰ τὴν πίστιν ὁμολογίας καὶ τῶν λοιπῶν, ὧν ἀπηριθμησάμεθα, ἐγγράφους τὰς ἀποδείξεις. εἶτα τοσούτων ὄντων ἀγράφων [3] καὶ τοσαύτην ἐχόντων ἰσχὺν εἰς τὸ τῆς εὐσεβείας μυστήριον, μίαν λέξιν ἡμιν ἐκ πατέρων εἰς ἡμᾶς ἐλθοῦσαν οὐ συγχωρήσουσιν, ἣν ἡμεῖς ἐκ τῆς ἀνεπιτηδεύτου συνηθείας ταῖς ἀδιαστρόφοις τῶν ἐκκλησιῶν ἐναπομείναsαν εὕρομεν, οὐ μικρὸν τὸν λόγον ἔχουσαν, οὐδὲ βραχεῖαν συντέλειαν εἰς τὴν τοῦ μυστηρίου δύναμιν εἰσφερομένην;

---

1) непписаны *C.* 2) ю *проп. П.* 3) *cod.* кр *по скобл., вмѣсто двухъ буквъ, надъ которыми стоялъ* +. 4) *cod. конечное* е *по скобл.* 5) *cod. конечное* ѣ *по скобл., вм.* оу; вѣроу *П.* 6) же *C.* 7) сѫщимъ *П.* 8) *cod. переправл. конечное* ъ *изъ* о. 9) имоущимъ *П.* 10) рѣчи *П.* 11) въ *вставл. C.*

1) cod. гàр рукой X в. 2) ὁμολογίας Patm. 172, но обводитъ точками и in m. добавл. ἀκολουθίας. 3) γραφῶν Patm. 172.

того [1] же отъ дѣвадесати· девѧтыѧ главы того же строкниѧ· [2]

Къ несъвѣдѣтельноуоумоу же оубо· и ненаписаномоу· быти иже съ дх҃ъмь славословлкнию· [3] ино гл҃емъ· ѩко аще ничьто же ино· ненаписано· ни се да приѧто боудеть· аще ли съ больши̑ми та[и]нъıхъ· ненаписано намъ прѣвъıваѥть· съ многъıми инѣ̑ми и се приимѣмъ· апл҃ьскоѥ
л. 207 а. же мьню· иже | въ ненаписанъıхъ· [4] прѣданиихъ [5] прѣвъıвати· хвалю во въı рече· ѩко вьсьгда мѧ помьнитѥ· [6] и ѩко же прѣдахъ вамъ прѣданиѧ· дьржите и дьржитесѧ прѣдании ѩже [7] приѧсте· или словъмь или посъланикмь· ихъже паче кдино кесть и [8] пришьствиѥ се· иже испьрва повелѣвъıше прѣдающе· прочимъ съпроисходѧщю присно лѣтъмь приманию· дългъıимь обычаимь· въ цр҃квахъ оутвьрдиша· еда [9] оубо аще ѩко соудищю· ли къто написанъıихъ ради показании [10] недомъıслѧщесѧ· съвѣдѣтель вамъ мъножьство прѣдъставихомъ· аще не

(л. 214[b]—219[a]). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ’ΕΚ ΤΟΥ ΚΘ′ ΚΕΦΑΛΑΙΟΥ ΤΗΣ ΑΥΤΗΣ ΠΡΑΓΜΑΤΕΙΑΣ.

Πρός γε μὴν τὸ ἀμάρτυρον καὶ ἄγραφον εἶναι τὴν σὺν τῷ πνεύματι δοξολογίαν, ἐκεῖνο λέγομεν, ὅτι, εἰ μὲν [1] μηδὲν ἕτερον ἄγραφον, μηδὲ τοῦτο παραδεχθήτω· εἰ δὲ τὰ πλεῖστα τῶν μυστικῶν ἀγράφως ἡμῖν ἐμπολιτεύεται, μετὰ πολλῶν ἑτέρων καὶ τοῦτο καταδεξώμεθα. ἀποστολικὸν δὲ εἶμαι καὶ τὸ [2] ταῖς ἀγράφοις παραδόσεσιν παραμένειν· Ἐπαινῶ γάρ, φησίν, ὑμᾶς, ὅτι πάντα μου μέμνησθε [3] καὶ καθὼς παρέδωκα ὑμῖν τὰς παραδόσεις κατέχετε. [3] καὶ· [4] Κρατεῖτε [3] τὰς παραδόσεις, ἃς παρελάβετε [3] εἴτε διὰ λόγου εἴτε δι’ ἐπιστολῆς. ὧν μάλιστα μία ἐστὶ καὶ ἡ παροῦσα αὕτη, ἣν οἱ ἐξ ἀρχῆς διαταξάμενοι παραδιδόντες τοῖς ἐφεξῆς, συμπροϊούσης ἀεὶ τῷ χρόνῳ τῆς χρήσεως, διὰ μακρᾶς τῆς συνηθείας ταῖς ἐκκλησίαις ἐγκατερρίζωσαν. ἆρ’ οὖν, εἰ ὡς [5] δικαστηρίῳ τις [6] διὰ [7] τῶν ἐγγράφων [8] ἀποδείξεων [9] ἀποροῦντες, μαρτύρων ὑμῖν [10] πλῆθος παρεστησάμεθα, οὐκ ἂν

1) У *проп все это посланіе.* 2) *cod.* ѥ (*посль* о) *по скобл.* 3) славословію *C.* 4) неписаный *П.* 5) прѣданыихъ *C.* 6) *cod. конечное* ѥ *переправл. изъ* н. 7) прѣданїа же *П.* 8) и *проп. П.* 9) ѥгда *П.* 10) показаніе и *П.*

1) μὲν проп. V. 2) τὸ проп. V. 3) cod. переправл. ε рукой X в. изъ окончанія αι. 4) τὸ вставл. PV. 5) ἐν вставл. PV. 6) τῆς P (и cod. переправл. рукой X в.). 7) διὰ проп. Patm. 172. 8) ἀγράφων Patm. 172. 9) ἀποδείξεως P; cod. конечное ν переправл. въ ς рукой X в. 10) cod. начальное ὑ подскобл. изъ ἡ.

оставлѥнааго оу насъ причьта полоучили бѣхомъ· азъ оубо тако мьню· при оустѣхъ бо дъвоу или трии съвѣдѣтелю станеть вьсѧкъ глъ· аще ли и многоѥ лѣто· къ намъ соущеѥ швѣ вамъ показали[1] бѣхомъ· то не мьнѣли бѣхомъ вамъ· лѣпааго глати· не бъıти на насъ соудоу· на подвижаниѥ· се мольбьнъıи бо вьсѧко· ветъхъıѧ[2] заповѣди· акъı сѣдинъı·[3] дрѣвьниимъ[4] доброѥ имоущаѧ нъıнѧ и присно и въ вѣкъı вѣкомъ аминь·

τῆς ἀφιείσης παρ' ἡμῶν[1] ψήφου τύχοιμεν; ἐγὼ μὲν οὕτως οἶμαι· Ἐπὶ στόματος γὰρ δύο καὶ τριῶν μαρτύρων σταθήσεται πᾶν ῥῆμα. εἰ δὲ καὶ τὸν πολὺν χρόνον πρὸς ἡμῶν ὄντα ἐναργῶς ὑμῖν ἐπεδείκνυμεν, οὐκ ἂν ἐδόξαμεν ὑμῖν εἰκότα λέγειν, μὴ εἶναι καθ' ἡμῶν τὴν δίκην εἰσαγώγιμον ταύτην; δυσωπητικὰ[2] γὰρ πάντως[3] τὰ παλαιὰ τῶν δογμάτων, οἱονεὶ πολιᾷ[4] τῇ ἀρχαιότητι τὸ[5] αἰδέσιμον ἔχοντα.

1) покази *П.* 2) ветхыѧ *П.* 3) и *вставл. П.* 4) идрѣмь *С.*

1) ὑμῶν PV. 2) δυσωπήθητι καὶ V (вм. δυσωπητικὰ). 3) πως PV. 4) τινι вставл. PV. 5) V выскобл. ν послѣ ὸ.

ѳеодила архиепа·[1] александрьскаго
бгоявлениемъ[2] наставъшемъ[3] въ не-
дѣлю·[4] провъзглашеніе·[5]

5 И обычаи [и][6] лѣпоѥ намъ
л. 207 b. отъдаѥть вьсакоую· | недѣлю чи-
сти· и въ тоу праздьновати·[7]
понѥже бо въ ню гь нашь ісоу
хсъ· изъ мьртвъıихъ въскрьсеніе
10 дарова· и тѣмь въ свѧщенъıихъ[8]
писаніихъ· пьрваꙗ наречесѧ· ꙗко
начало живота намъ соущи· и
осмаꙗ еще[9] же[10] прѣвъшьдъ-
шиꙗ·[11] июденскоѥ праздьньство·
15 понѥже и съключисѧ въ стаꙗ
бгоявлениꙗ· поустоу[12] бъıти въ днь
тъ промъıслимъ· и на коѥжьдо
хътрѣ въмѣстимъ· да прие-
млюще[13] малъıихъ финикъ· рекъше
20 овощьнаго плода·[14] оуклонимъсѧ
коупьно ереси не чьтоущиꙗ въскрѣсь-
наго днѣ га нашего исоусъ[15] ха·
и дълажьноѥ постьноуоумоу дни·
отъдамъ ожидающе· вечерьняаго
25 съньма· иже сьде бу хотащю
съвьршатьсѧ· съньмемъсѧ оубо
отъ часа деватаго въкоупь·[16]

(л. 215[b]). * ΘΕΟΦΙΛΟΥ[1] ’ΑΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ’ΑΛΕΞΑΝΔΡΕΙΑΣ ΤΩΝ ΘΕΟΦΑΝΕΙΩΝ ’ΕΠΙΣΤΑΝΤΩΝ ’ΕΝ ΚΥΡΙΑΚΗ ΠΡΟΣΦΩΝΗΣΙΣ.[2]

Καὶ τὸ ἔθος καὶ τὸ πρέπον ἡμᾶς ἀπαιτεῖ πᾶσαν κυριακὴν τιμᾶν καὶ ἐν ταύτῃ[3] πανηγυρίζειν, ἐπείπερ[4] ἐν ταύτῃ[5] ὁ κύριος ἡμῶν Ἰησοῦς[6] Χριστὸς τὴν ἐκ νεκρῶν[7] ἀνάστασιν ἐπρυτάνευσεν· δι’ ὃ[8] ἐν ταῖς ἱεραῖς γραφαῖς καὶ πρώτη κέκληται, ὡς ἀρχὴ ζωῆς ἡμῖν[9] ὑπάρχουσα, καὶ ὀγδόη, ἅτε δὴ ὑπεραναβεβηκυῖα τὸν τῶν Ἰουδαίων σαββατισμόν. ἐπεὶ καὶ[10] συνέβη τὴν τῶν ἁγίων θεοφανείων νήστιμον ἡμέραν ταύτην εἶναι, οἰκονομήσομεν[11] καὶ πρὸς ἑκάτερον ἐπιστημόνως χωρήσομεν,[12] ἵνα μεταλαμβάνοντες ὀλίγων φοινίκων ἐκκλίνωμεν ἅμα καὶ τὰς αἱρέσεις τὰς μὴ τιμώσας τὴν ἀνάστασιν[13] τοῦ κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ ἡμέραν, καὶ τὸ ὀφειλόμενον τῇ νηστίμῳ ἡμέρᾳ ἀποδώσομεν,[14] περιμένοντες τὴν ἑσπερινὴν σύναξιν, ἥτις ἐνταῦθα, θεοῦ θέλοντος, ἐπιτελεῖται. συναχθῶμεν τοίνυν ἀπὸ ὥρας ἐννάτης ἐνταῦθα.

---

1) архиепнскꙗа *II.* 2) бгоявленнемъ *cod.* 3) наставлаемъ *У*; наставшїй *II.* 4) к *вставл. С.* 5) *С in m. rec.* 6) *вставка изъ II.* 7) праздьнъıствовати *УII.* 8) *cod.* свѧщенныхъ, *но к первой палочкѣ и (после н) вверху приставлено т.* 9) ѥ *С.* 10) же *проп. С.* 11) приводъшеѥшїа *С.* 12) постоу *УII.* 13) приемлюще *УСII.* 14) прода *С, но друг. рукой переправл.* ρ въ л. 15) гса *У.* 16) къкѹпь *С.*

---

* Въ V отсутствуетъ (вырв.?) всѣ посланія Ѳеофила Александр. Ко всѣмъ посланіямъ Ѳеофила Алекс. приведены варіанты изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 169[b]—171[a] (=Vind.).

1) τοῦ ἁγιωτάτου вставл. P. 2) cod. in m. рукой XIII в. ιζ′. 3) αὐτῇ Patm. 172. 4) ἐπειδήπερ P. 5) αὐτῇ Patm. 172. 6) ὁ вставл. Patm. 172. 7) ἡμῖν вставл. P. 8) διὸ Vind. 9) ἡμῖν ζωῆς P. 10) καὶ проп. Vind.; οὖν P (вставл. и Vind. рукой XIII в.). 11) οἰκονομήσωμεν P Vind. 12) χωρήσωμεν P Vind. 13) ἀναστάσιμον P Vind. 14) ἀποδῶμεν P.

того [1] же въспоманованиѥ· [2] ѥже [3] прија амонъ· [4] ликопольскаго ради града·

а̄· О правивъшихъ· [5] ариномъ· [6] и до [7] нъıнѣ цьркъви дьржащихъ· ıако же обычаи да боудетъ· тако оубо ıако инъı поставити· послоушьствоующа въ правовѣрьи· и онъı изгънати· сице съмотрившемъ· [8] и тѣхъ ıако же и в ъıнѣхъ [9] градѣхъ сътвориша· въ фиваидѣ правовѣрьнии еп̃пи· [10] поставлѥни отъ аполоса еп̃па· [11] и приобьщившесѧ къ имоущиимъ цр̃кви· ариномъ· да ꙁапрѣщени бъıвають· и аще раꙁоумъ|мь своимь сътвориша се· аще ли послоушьливи бъıша [12] своѥмоу еп̃поу· [13] да отъпоущени боудоутъ· ıако не познавъше подобьнаго· и аще вьси людиѥ съ ними съ инѣми дроуꙁии да поставлѥни [14] боудоутъ· аще ли противоутворатъ имъ· съ онѣми имьже приобьщишасѧ того· и ти да искоушени боудоутъ· обычаимь имьже прише въ диваидѣ вьси вѣрьнии епископи·

(л. 215[b]—217[b]). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ῾ΥΠΟΜΝΗΣΤΙΚΟΝ, ᾽ΟΠΕΡ ᾽ΕΛΑΒΕΝ ᾽ΑΜΜΩΝ ΔΙΑ ΤΗΝ ΛΥΚΩ.

α′. [1] Περὶ τῶν κοινωνησάντων τοῖς ᾽Αρειανοῖς καὶ μέχρι [2] νῦν τὰς ἐκκλησίας κατεχόντων ὡς ἔχει τὸ ἔθος γινέσθω, οὕτω μέντοι, ὥστε ἑτέρους καταστῆναι [3] μαρτυρουμένους ἐν ὀρθοδοξίᾳ κἀκείνους ἀλίζεσθαι, οὕτως οἰκονομουμένων καὶ τούτων, ὥσπερ καὶ ἐν ταῖς ἄλλαις πόλεσιν πεποιήκασιν οἱ ἐν [4] Θηβαΐδι ὀρθόδοξοι ἐπίσκοποι οἱ καταστάντες παρὰ ᾽Απόλλωνος [5] τοῦ ἐπισκόπου καὶ κοινωνήσαντες τοῖς ἔχουσι τὰς ἐκκλησίας ᾽Αρειανοῖς· ἐπιτιμάσθωσαν, εἴ γε γνώμῃ ἑαυτῶν πεποιήκασιν τοῦτο. εἰ δὲ ὑπήκοοι γεγόνασιν τῷ οἰκείῳ ἐπισκόπῳ, ἀλιζέσθωσαν ὡς μὴ ἐπεγνωκότες τὸ [6] εὔλογον. καὶ εἰ μὲν πάντες οἱ λαοὶ τούτοις [7] ἀποποιοῦνται μετὰ τῶν ἄλλων, ἕτεροι χειροτονείσθωσαν· εἰ δὲ ἀντιποιοῦνται αὐτῶν μετ᾽ ἐκείνων, οἷς καὶ [8] κεκοινωνήκασιν, ταύτης καὶ οὗτοι ἀποπειράσθωσαν τῆς συνηθείας, ᾗ ἐχρήσαντο οἱ ἐν Θηβαΐδι πάντες [9] ὀρθόδοξοι ἐπίσκοποι. л. 208 a.

---

1) *У проп. все «воспоминовеніе» Ѳеофила.* 2) *сод. переправл.* о *передъ* ѥ *изъ* и. 3) ѥ *C.* 4) аманъ *C.* 5) привившихъ *C.* 6) *сод. переправл. конечное* ъ *изъ* о. 7) но *C.* 8) смотрившимь *П.* 9) онѣхъ *C;* инѣ *П.* 10) епискп̃и *П.* 11) епископа *П, гдѣ затѣмъ вставл. лишніе слоги въ концѣ лѣваго столбца л. 183[a] и прн.* 12) къı *C.* 13) епископ̃ *П.* 14) поставлѥнїи *П.*

1) κεφάλαιον α′ P; Vind. нумерацію правилъ добавл. рукой XIII в. 2) τοῦ вставл. P Vind. 3) καταστῆσαι Vind. 4) τῇ вставл. P. 5) ᾽Απολλῶ Vind. 6) τὸ проп. Patm. 172. 7) τούτους P Vind. 8) καὶ проп. Vind. 9) πάντες οἱ ἐν Θηβαΐδι Patm. 172.

в҃· ѡ витѣ ставъшиимь въ ереви· Възискати· и аще отъвьргъшююсѧ нѣкоꙋю живоу соущю моужю· приноуди да не прощенъ боудеть· прозвютеръ идеже ѥако и простьць· подобьнъ ѥсть събиратисѧ цр҃кьвьнъи обычаи имоуща· таковъıа отълоучати· не приносить бо сѧ се осоужение епп҃оу[1] аполоноу· аще невѣжьствиемь ѥго поставить· сто҃оумоу съвороу повелѣвъшю· недостоинъıа по поставлѣнии обличаемъıа при грѣсѣхъ изгонити·

г҃· О соурѣ же· понѥже епп҃ъ[2] аполонъ· извѣстова· и посълати того· и цюжего отъ клироса[3] сътворити да боудеть тако ѥако же осоуди епп҃ъ·[4] приимъшю ономоу· своими правословии·[5] аще бо хощеть· опорѣкаѥть осоуждение аполона епп҃а·[6]

д҃· О паноуфѣ же ставъшиимь диѧконѣ въ люки· възискати и аще обращеться тако· ѥще оглашаемъ съı· сестричьноу свою на[7] бракъ·
л. 208 b. | боудеть· ѡбьщениа приимъ· по крьщении же въ клиросъ·[8] приведенъ бъıсть·[9] да прѣвъıваѥть въ клиросѣ·[10]

β′. Περὶ Βίτου[1] καταστάντος ἐν Ἐρεβί.[2] Ζητητέον· καὶ εἰ μὲν ἀποταξαμένην τινὰ ζῶντος τοῦ ἀνδρὸς ἐβιάσατο, μὴ συγχωρείσθω ἡ[3] πρεσβύτερος, ὅπου γε οὐδὲ ὡς λαϊκὸς ὀφείλει συνάγεσθαι, τῆς ἐκκλησίας εἰωθυίας τοῖς τοιούτοις[4] χωρίζειν· οὐ φέρει γὰρ τοῦτο πρόκριμα τῷ ἐπισκόπῳ Ἀπόλλωνι, εἰ[5] ἐξ ἀγνοίας αὐτὸν κατέστησεν, τῆς ἁγίας συνόδου κελευσάσης τοὺς ἀναξίους μετὰ τὴν χειροτονίαν ἐλεγχομένους ἐπὶ ἐγκλήμασιν ἐκβάλλεσθαι.

γ′. Περὶ δὲ Σούρ, ἐπειδὴ ὁ ἐπίσκοπος Ἀπόλλων[6] διεβεβαιώσατο καὶ ἀπεσταλκέναι τοῦτον καὶ ἀλλότριον τοῦ κλήρου πεποιηκέναι, ἔστω οὕτως ὡς ἀπεφήνατο ὁ ἐπίσκοπος, χρωμένου ἐκείνου ταῖς οἰκείαις δικαιολογίαις, εἴ γε βούλεται καὶ μέμφεται τὴν ἀπόφασιν Ἀπόλλωνος[7] τοῦ ἐπισκόπου.

δ′. Περὶ δὲ Πανούφ, τοῦ καταστάντος διακόνου ἐν τῇ Λυκῷ,[8] ζητῆσαι· καὶ εἰ μὲν εὑρεθείη[9] οὗτος, ἔτι κατηχούμενος τυγχάνων, τὴν ἀδελφιδῆν[10] ἑαυτοῦ πρὸς γάμου κοινωνίαν δεξάμενος, μετὰ δὲ τὸ βάπτισμα εἰς κλῆρον ἀχθείς, μενέτω ἐν τῷ κλήρῳ,

---

1) епископоу *II.* 2) епископъ *II.* 3) клироса *C.* 4) епископъ *II.* 5) православіи *C.* 6) епископа *II.* 7) на *прот. C.* 8) клиросѣ *C.* 9) бъıвъ *C.* 10) *cod. л по скобл., вм.* ✝ р.

1) Βήστου Vind. P. 2) Ἐρέβη P; слова Περὶ Βίτου... Ἐρεβί только cod. ставитъ въ видѣ заглавія и съ ζητητέον начинаетъ текстъ правила: въ P Vind. все идетъ подрядъ. 3) εἶναι P Vind. 4) τοὺς τοιούτους P Vind. 5) ἤ cod. 6) Ἀπολλῶς Vind. 7) Ἀπολλῶ Vind. 8) Λύχω P. 9) εὑρεθῇ Vind. 10) ἀδελφίδην P.

аще почи она и по крьщении не приобьщисѧ ки· и аще ли вѣрьнъ сѫтоую же сестричьноу· свою на бракъ обьщениа[1] приатъ да боудеть чюжь[2] клироса не приносить бо wсоужениа еп҃поу[3] аполоноу· аще невѣжьствиемь[4] постави кго·

ѕ· О иѡковѣ възискати· аще цѣтьчь[5] бъівъ· прѣгрѣшениемь блоудъ да повиньнъ бъівъ· и отъ попова изгънанъ бъість· тъ да[6] изгънанъ боудеть· извѣсто испытанию бъівъшю· и не тъкмо отъ шьпътании· или зълословии· обличиа на немь бъівъшимъ· аще ли не обрѧщетьсѧ повиньнъ· да прѣбоудеть въ клиросѣ· не подобаѥть бо соуѥтьнъіимъ wблъганиемь вънимати·

ѕ· Хотѧщиихъ поставлѧти· тако да боудеть wбразъ· ѥко вьсѧкое чистительство съвѣщати· въсхотѣти тъгда еп҃поу[7] искоушати· и съпохвалью емоу· чистительство· поставлѧти· посрѣдѣ цр҃кве пришьдъшемъ и людьмъ· и провъзглашью еп҃поу· аще людиѥ могоуть съвѣдѣтельствовати· поставлениѥ же тои да не бъіваѥть· цр҃кви бо миръ имоущи· подобаѥть вьсѣмъ

εἴ γε κεκοίμηται[1] ἐκείνη, καὶ μετὰ τὸ βάπτισμα οὐ κεκοινώνηκεν αὐτῇ. εἰ δὲ πιστὸς τυγχάνων τὴν αὐτὴν ἀδελφιδῆν ἑαυτοῦ πρὸς γάμου κοινωνίαν ἐδέξατο, ἔστω τοῦ κλήρου ἀλλότριος· οὐ γὰρ πρόκριμα τῷ ἐπισκόπῳ φέρει Ἀπόλλωνι,[2] εἰ ἐξ ἀγνοίας κατέστησεν αὐτόν.

ε΄. Περὶ Ἰακὼβ ζητῆσαι· εἰ ἀναγνώστης ὢν ἐγκλήματι πορνείας ὑπεύθυνος ἐδείχθη καὶ παρὰ τῶν πρεσβυτέρων ἐξεβλήθη, εἶτα κεχειροτόνηται, οὗτος ἐκβαλλέσθω, ἀκριβοῦς ἐξετάσεως γινομένης καὶ μὴ μόνον ἐκ ψιθυρισμῶν[3] ἢ κακολογιῶν[4] ὑποψίας εἰς αὐτὸν γινομένης.[5] εἰ δὲ μὴ εὑρεθείη ὑπεύθυνος, μενέτω ἐν τῷ κλήρῳ· οὐ γὰρ δεῖ[6] ταῖς ματαίαις διαβολαῖς προσέχειν.

ς΄. Περὶ τῶν ὀφειλόντων χειροτονεῖσθαι οὗτος ἔστω τύπος, ὥστε πᾶν τὸ ἱερατεῖον συμφωνεῖν καὶ αἱρεῖσθαι[7] τότε τὸν ἐπίσκοπον δοκιμάζειν καί, συναινοῦντος αὐτοῦ[8] τοῦ ἱερατείου, χειροτονεῖν ἐν μέσῃ τῇ ἐκκλησίᾳ, παρόντος καὶ[9] τοῦ λαοῦ καὶ προσφωνοῦντος τοῦ ἐπισκόπου, εἰ καὶ ὁ λαὸς δύναται αὐτῷ μαρτυρεῖν. χειροτονία δὲ λαθραίως μὴ γινέσθω· τῆς γὰρ ἐκκλησίας εἰρήνην ἐχούσης, πρέπει παρόντων

1) wщениѣ *II*. 2) *cod. переправл.* ь *изъ* ѥ. 3) епископоу *II*. 4) неповѣжествіемь *II*. 5) четець *CII*. 6) и тъгда *II* (*вм.* тъ да). 7) епископж *II*.

1) κεκαίμηται cod. 2) Ἀπολλῶ Vind. 3) надъ ψιθυρισμῶν Vind. рукой XIII в. надпис. λαθραίας καταλαλιᾶς. 4) надъ κακολογιῶν Vind. рукой XIII в. надпис. λοιδοριῶν φανερῶν διαβολῶν. 5) γενομένης Vind. 6) δὴ cod. 7) καὶ вставл. P Vind. 8) αὐτῷ P Vind. 9) καὶ проп. P Vind.

стѣимъ поставлениемъ[1] въ цр҃кви
л. 209 a. бывати· въ области же аще | приобыцивъшеса· соуть нѣцин· приобыцивъшимъса къ разоумоу·
да не ими поставлаютъ· нъ въистиноу правовѣрнъимъ клирикомъ· искоушающемъ·[2] пришьдъшю пакы е҃п҃оу·[3] и провъз[г]лашьшю·[4] пришьдъшемъ[5] и людьмъ· тъкъмо
да не боудетъ· нѣкоего прѣсилїа·

ѕ· Приносима· на слово жьртвъ· подражании въ таинахъ· потрѣбоу клирици· да подаютъ· да ни оглашенъıи отъ нихъ ѥстъ и пиютъ· нъ паче клирици·[6] и съ ними вѣрнаа братиа·

и· Понѣже нѣкъсъ· оного ѥко о блоудѣ облъгаема· не подобаютъ въ клиросѣ бъıти· е҃п҃ъ[7] же аполъ·[8] изѵ҃стоваше·[9] тъгда[10] ни єдиномоу гл҃ьникоу· на срѣдоу прити на нь· да испъıтаютъ и тъ· и аще гл҃ьникъ ѥвлаѥтьса вѣрнъ и достоинъ· и прѣгрѣшениє показаютъ· носащемъ[11] съвѣдѣтелємъ· достоиновѣрномъ· ис цр҃кве да изгънанъ[12] боудетъ· аще ли клироса достоинъ боудетъ· и о цѣломоудрии послоушьствоуютъ· да прѣбоудетъ въ нємь·

τῶν ἁγίων τὰς χειροτονίας ἐπὶ τῆς ἐκκλησίας γίνεσθαι. ἐν δὲ τῇ ἐνορίᾳ, εἰ μὲν κοινωνήσαντές[1] εἰσί τινες ταῖς τῶν κοινωνησάντων[2] γνώμαις, μὴ ἄλλοι[3] χειροτονείσθωσαν, ἀλλὰ τῶν ἀληθῶς ὀρθοδόξων κληρικῶν δοκιμαζόντων, παρόντος πάλιν τοῦ ἐπισκόπου καὶ προσφωνοῦντος παρόντος τοῦ λαοῦ, μόνον ἵνα μὴ περιδρομή[4] τις γένηται.

ζ'. Τὰ προσφερόμενα εἰς λόγον θυσίας μετὰ τὰ ἀναλισκόμενα εἰς τὴν τῶν μυστηρίων χρείαν οἱ κληρικοὶ διανεμέσθωσαν, καὶ μήτε κατηχούμενος ἑαυτῶν[5] ἐσθιέτω ἢ πινέτω, ἀλλὰ μᾶλλον οἱ κληρικοὶ καὶ οἱ σὺν αὐτοῖς πιστοὶ ἀδελφοί.

η'. Ἐπειδὴ Ἱέραξ τόνδε, ὡσανεὶ ἐπὶ πορνείᾳ διαβαλλόμενον, οὐκ ὀφείλειν ἐν τῷ κλήρῳ εἶναι,[6] ὁ δὲ ἐπίσκοπος Ἀπολλῶ[7] διϊσχυρίσατο τὸ τηνικαῦτα μηδένα κατήγορον ἐν μέσῳ ἐληλυθέναι κατ' αὐτοῦ, ἐξεταζέσθω καὶ οὗτος· καὶ εἰ μὲν κατήγορός τις ἀναφύεται πιστὸς[8] ἄξιος καὶ τὸ ἔγκλημα ἀποδείκνυται, φερομένων μαρτύρων ἀξιοπίστων, τῆς ἐκκλησίας ἐκβαλλέσθω· εἰ δὲ τοῦ κλήρου ἄξιός ἐστιν καὶ ἐπὶ σωφροσύνῃ μαρτυρεῖται, μενέτω ἐν τούτῳ.

---

1) поставлениемъ *C.* 2) искоушающій *II.* 3) епископъ *II.* 4) *исправл. по II.* 5) пришѣшимъ *II.* 6) клирика *C.* 7) епископъ *II.* 8) аполонъ *C.* 9) и *вставл. II.* 10) нъгда *C.* 11) носящимъ *II.* 12) изгнать *C.*

1) Vind. рукой XIII в. надъ κοινωνήσαντες надпис. συναινέσαντες συγκαταβάντες. 2) Vind. рукой XIII в. надъ κοινωνησάντων надпис. τοῖς αἱρετικοῖς δηλαδή. 3) ἄλλως Vind. 4) Vind. рукой XIII в. надъ περιδρομὴ надпис. ἀπάτη. συναρπαγή. ῥαδιουργία. 5) ἐκ τούτων P Vind. (вм. ἑαυτῶν). 6) εἶναι ἐν τῷ κλήρῳ Vind. 7) Ἀπόλλων P; Ἀπολλῶς Vind. 8) πίστεως Vind.

ϑ. Ико разоумѣмъ всего чистителъства· икономa съмотрителѧ· ивити иного· на немьже съвѣщаетьсѧ· и[1] епп҃оу[2] аполоноу· на подобьное цр҃кве оутвьрженіе· [3]

ι. Вѣдовицѧ и оубози приходѧщеи странънии· всѧкого покоѧ да наслаждаетьсѧ· да никъто же цр҃квьнъıхъ своихъ твори· [4] несрѣбролюбьникоу бъıти подобаетъ слоужителю бж҃ию·

ϑ′. Ὥστε γνώμῃ παντὸς τοῦ ἱερατείου οἰκονόμον ἀποδειχθῆναι ἕτερον, ἐφ' ᾧ συντέθειται καὶ ὁ ἐπίσκοπος Ἀπολλῶ,[1] πρὸς τὸ[2] τὰ τῆς ἐκκλησίας εἰς δέον ἀναλίσκεσθαι.

ι′. Αἱ χῆραι καὶ οἱ πένητες καὶ οἱ παρεπιδημοῦντες ξένοι πάσης ἀναπαύσεως ἀπολαυέτωσαν, καὶ μή τις τὰ τῆς ἐκκλησίας ἰδιοποιείσθω. [3]

л. 209 b.

1) и *прот. С.* 2) епископоу *П.* 3) оудрѫжаніе *П.* 4) творити *С.*

1) Ἀπόλλων P; Ἀπολλῶς Vind. 2) τὸ προπ. P. 3) ἀφιλάργυρον γὰρ εἶναι δεῖ τὸν λειτουργὸν τοῦ θεοῦ добавл. P.

того[1] же афюгию· о гл҃емыихъ чистъıихъ·

Ѡви ми твоѥ бл҃гобоѧзньство· ѩко нѣцин именоующесѧ чистин· пристоупити хотѧть[2] къ цр҃кви· ельма же оубо великъıи съборъ бъıвъшии въ никѣи· отъ бл҃женъıихъ оц҃ъ нашихъ заповѣда· ѩко поставлѧти приходѧщѧ въсхощи по образоу томоу· хотѧщиихъ прити къ цр҃кви поставлѧти· аще житиѥ ихъ право ѥсть· и ничьто же имъ противитьсѧ·[3]

(л. 217[b]). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ἈΦΥΓΓΙΩι ΠΕΡΙ ΤΩΝ ΛΕΓΟΜΕΝΩΝ ΚΑΘΑΡΩΝ.

ια΄. Δεδήλωκέν μοι ἡ σὴ εὐλάβεια, ὡς τινες τῶν ὀνομαζόντων ἑαυτοὺς Καθαροὺς προσελθεῖν βούλονται τῇ ἐκκλησίᾳ. ἐπειδὴ τοίνυν ἡ μεγάλη σύνοδος ἡ γενομένη[1] ἐν Νικαίᾳ παρὰ τῶν μακαρίων πατέρων ἡμῶν ὥρισεν, ὥστε χειροτονεῖσθαι τοὺς προσερχομένους, θέλησον κατὰ τὸν τύπον τοῦτον τοὺς ἐθέλοντας προσέρχεσθαι τῇ ἐκκλησίᾳ χειροτονεῖν, εἴ γε ὁ βίος αὐτῶν ὀρθός ἐστιν καὶ μηδὲν τούτοις ἀντίκειται.

1) *У проп. посланіе къ Афигію.* 2) хотѧ *C.* 3) притивитсѧ *П.*

1) γεναμένη Patm. 172.

того[1] же агафоноу епп҃оу·[2]

Недовѣда цр҃кьнааго закона· максима· съ безаконьнъимь подроужиемь· съчетатиса· и поиеже плицюють на нь· иже несъчетаньноу имоу бъıти извѣстиельма же невѣжьствъмь· безаконьноє сътвори· отъ съвѣщанна· они любащи се· аще оубо искоусиши· ѩко се твориτа· отъ съвѣщанна· и не прѣльщаютеса[3] поиеже десатьно есть лѣто· а⟨ще⟩ съмотриши съ оглашенъıими[4] имать съкоуплатиса· обаче тако строи· аще ли видиши ѩко прѣльстити хощеть· и подобаτь на нѭ наказаниє· иже ѿъ въспомаиеть[5] ти то сътвори вьсьдена имоущеє наставлаюемъ· при мѣстѣхъ бо съı· разоумъ[6] ею[7] паче вѣдѣти можеши·

(л. 217[b]—218[a]). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΑΓΑΘΩι[1] ΕΠΙΣΚΟΠΩι.[2]

Ἀγνοῶν τοὺς τῆς ἐκκλησίας νόμους[3] Μάξιμος διϊσχυρίσατο παρανόμῳ[4] συμβιώσει συνῆφθαι. καὶ ἐπειδὴ θορυβεῖ αὐτὸν τὸ ἀσύντακτον[5] εἶναι, διεβεβαιώσατο, ἐπειδὴ ἀγνοίᾳ[6] τὸ παράνομον ἔδρασεν, ἐκ συμφωνίας ἀπέχεσθαι τῆς παρανόμου συμβιώσεως, ἐκείνης ἀγαπώσης καὶ[7] τοῦτο. ἐὰν τοίνυν δοκιμάσῃς, ὅτι τοῦτο ποιοῦσιν ἐκ συμφωνίας καὶ μὴ ἀπατῶσιν,[8] ἐπειδὴ δεκαετής[9] ἐστιν χρόνος, εἰ σκοπεῖς μετὰ κατηχουμένων αὐτοὺς συνάγεσθαι τέως, οὕτω διοίκησον. εἰ δὲ συνορᾷς, ὅτι ἀπατῆσαι βεβούληνται καὶ δεῖται τὰ κατ' αὐτοὺς ἔτι στύψεως,[10] ὅπερ ὁ θεὸς ὑποβάλλει[11] σοι, τοῦτο ποίησον, πανταχοῦ πρὸς τὸ ἐπέχον[12] ὁδηγούμενος· ἐπὶ γὰρ τῶν τόπων τυγχάνων τὰς γνώμας αὐτῶν μαλλον εἰδέναι δύνασαι.

---

1) *У проп. посланіе къ Агаѳону.* 2) епискѳпѣ *П.* 3) прѣлщаетса *П.* 4) оглашеныимы *П.* 5) въспомать *С.* 6) разѣмѣ *С.* 7) емѣ *С.*

1) Ἀγάθῳ cod. Vind.; Ἀγαθῷ P. 2) Vind. in m. рукой XIII в. α′ и подъ нимъ ιβ′. 3) ὁ вставл. Vind. 4) παρὰ νόμῳ cod. 5) ἀσύναχτον P Vind. 6) ἀγνοια cod. 7) καὶ проп. Vind. 8) ἀπατώσειν cod. 9) δεκαέτης P Vind. 10) Vind. рукой XIII в. надъ στύψεως надпис. αὐστηρῶν ἐπιτιμίων. 11) ὑποβάλῃ Vind. 12) Vind. рукой XIII в. надъ τὸ ἐπέχον надпис. τὸ ἐπικρατοῦν. τὸ κατεπεῖγον.

того[1] же минѣ єпп҃оу·

Ꙁаконьноу вещь сътвориша·
л. 210 a. попове· въ геминѣ|и вьси· аще
истиньствоуѥть· приносѧще[2] писанию· евъстадиа гл҃ѥть бо· ꙗко гд҃ичьноу обидимоу и не хотѧщю поставити неправьдъı· отълоучи съньмища· понѥже оубо обрѣтоша· ꙗко своѥ ꙁълоѥ ицѣлѣвъше· хочеть съньтисѧ· въсхощи оустрои ити ю· отъложити пьрвѣѥ неправьдоу·[3] и покоритисѧ[4] покаꙗти· да аще тако оуꙁьриши· ꙗко къ
Ꙁаконоу бж҃ию приходить· съньмища желающи· повелиши ли[5] ки· съ людьми събиратиса·

(л. 218a). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΜΗΝΑ ’ΕΠΙΣΚΟΠΟΥ.[1]

Νόμιμον πρᾶγμα πεποιήκασιν οἱ πρεσβύτεροι οἱ ἐν Γεμίνῳ τῇ κώμῃ, εἰ ἀληθεύει ἡ κομίζουσα τὸ γράμμα Εὐσταθία· φάσκει γάρ, ὅτι Κυράδιον ἀδικοῦσαν καὶ μὴ βουλομένην ἀναστεῖλαι τὴν ἀδικίαν ἐχώρισεν[2] τῆς συνάξεως. ’Επειδὴ τοίνυν εὗρον, ὡς τὸ ἑαυτῆς[3] κακὸν θεραπεύσασα βούλεται συναχθῆναι, θέλησον παρασκευάσαι αὐτὴν ἀποθέσθαι πρῶτον τὴν ἀδικίαν καὶ πεῖσαι μετανοῆσαι, ἵν’ οὕτως, εἰ συνίδοις,[4] ὅτι νόμος[5] θεοῦ προσέρχεται τῆς συνάξεως ὀρεγομένη, ἐπιτρέψῃς[6] αὐτὴν μετὰ τῶν λαῶν συνάγεσθαι.

---

1) У *проп. посланіе къ Минѣ.* 2) приносѧщимъ *П.* 3) *cod.* оу *по скобл., вм.* ъ. 4) покорити *С.* 5) ли *проп. П.*

1) Μηνᾶ ἐπισκόπῳ P и Vind., гдѣ рукой XIII в. in m. ιγ′. 2) ἐχώρισαν P Vind. 3) cod. переправл. конечное σ изъ ν. 4) συνείδοις Vind. 5) νόμῳ P Vind. 6) ἐπιτρέψεις cod.; ἐπιστρέψῃς Patm. 172.

отъвѣти правилнии· тимоѳѣа прⷭталаго архиепⷭа· александрьскаго·[1] кдиного ѿ съта· и пѧтидесатъ стыихъ[2] оц̃ь· иже въ костѧнтини градѣ· къ изнесенъıимъ кмоу отъвѣтомъ отъ нѣкъıихъ ⷭпⷭъ и клирикъ·[3]

ѳ̄·[4] Ѧще дѣтищь оглашенъ· ѕ̄· лѣ· рекъше члвкъ съвьршенъ· въ подобьно врѣмѧ· къде приношению бъıвающю· и невѣда причаститьсѧ· чьто подобаѥть бъıти о нѥмь·

ѯ̄ка·[5] Просвѣтити и подобаѥть отъ ва̄ бо призъванъ ѥсть·

ѱ̄·[6] Ѧще къто вѣрьнъ бѣситьсѧ· или подобаѥть приимати стыихъ таинъ или ни·

отъвѣ̄· Ѧще не исповѣсть таинъıи· ни инако како хоулить· да прииѥмлѥть не вьсьгда оубодовълѣѥть бо кмоу· по всѧ недѣлѧ тъкмо·

ѳ̄·[7] Ѧще къто бѣсѧсѧ оглашенъ· и Ѧще хощеть сѧ|мъ или

(л. 218ᵃ—220ᵃ). * ΑΠΟΚΡΙΣΕΙΣ ΚΑΝΟΝΙΚΑΙ ΤΙΜΟΘΕΟΥ ΤΟΥ ΑΓΙΩΤΑΤΟΥ ΑΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ΑΛΕΞΑΝΔΡΕΙΑΣ, ΕΝΟΣ ΤΩΝ ΡΝ' ΑΓΙΩΝ ΠΑΤΕΡΩΝ[1] ΤΩΝ ΕΝ ΚΩΝΣΤΑΝΤΙΝΟΥΠΟΛΕΙ, ΠΡΟΣ ΤΑΣ ΠΡΟΕΝΕΧΘΕΙΣΑΣ[2] ΑΥΤΩι ΕΠΕΡΩΤΗΣΕΙΣ ΠΑΡΑ ΤΙΝΩΝ ΕΠΙΣΚΟΠΩΝ ΚΑΙ ΚΛΗΡΙΚΩΝ.[3]

α'.[4] Ἐὰν παιδίον κατηχούμενον[5] ἐτῶν ἑπτά, ἤγουν ἄνθρωπος τέλειος, εὐκαιρήσει[6] που προσφορᾶς γινομένης, καὶ ἀγνοῶν μεταλάβοι, τί ὀφείλει γενέσθαι περὶ αὐτοῦ;

Ἀπόκρισις. Φωτισθῆναι ὀφείλει· παρὰ γὰρ θεοῦ[7] κέκληται.

β'.[8] Ἐὰν τις πιστὸς[9] δαιμονίζεται,[10] εἰ ὀφείλει μεταλαμβάνειν τῶν ἁγίων μυστηρίων, ἢ οὔ;

Ἀπόκρισις. Ἐὰν μὴ ἐξαγορεύῃ[11] τὸ μυστήριον, μήτε ἄλλως πως βλασφημῇ,[12] μεταλαμβανέτω, μὴ μέντοι καθ' ἑκάστην· ἀρκεῖ γὰρ αὐτῷ κατὰ κυριακὴν μόνον.

γ'.[13] Ἐὰν δαιμονιζόμενός τις[14] κατηχούμενος ᾖ[15] καὶ θέλῃ[16] αὐτὸς ἢ л. 210 b.

1) *У здѣсь кончаетъ заглавіе, къ которому in m.* ѳ̄. 2) о стыхъ *C.* 3) ⸸клирикъ *cod.*; *C in m.* ѕ̄. 4) ѳ̄ *прол. П.* 5) сказаніе *СП.* 6) ѱ̄ *прол. П.* 7) ѳ̄ *прол. П.*

* Въ V отсутствуютъ (вырв.?) отвѣты Тимоѳея Александр. Къ отвѣтамъ Тимоѳея Александр. приведены варіанты изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 171ᵃ—172ᵃ (=Vind.).

1) τῶν πατέρων τῶν ρν' ἁγίων P. 2) προσενεχθείσας PVind. 3) cod. in m. рукой XIII в. ιη'. 4) ἐρώτησις α' P; нумерація отвѣтовъ добавл. въ Vind. рукой XIII в. 5) ὡς вставл. P Vind. 6) εὐκαιρήσῃ P Vind. 7) θεοῦ γὰρ P Vind. 8) γ' P Vind. 9) ὢν вставл. P Vind. 10) δαιμονίζηται P Vind. 11) ἐξαγορεύσῃ P. 12) βλασφημεῖ cod. 13) β' P Vind. 14) τις прол. Vind. 15) ᾖ cod. 16) θέλει Patm. 173 θέλοι Vind.

свои ємоу[1] да приметь сто̑є крьщение· аще подобаєть приати или ни· и паче аще при съмьрти· єсть·

Ѿвѣтъ· Аще вѣсмисѧ не оцистить сѧ·[2] отъ нечистаго дха̑[3] не можеть приати сто̑го крьщениа· къ исходоу же да[4] крьститьсѧ·

д· Аще както оглашенъ съи·[5] немощьнъ боудеть·[6] несъмъисльнъ· ти не можеть самъ исповѣдати вѣрьи и молить[a] свои ємоу·[7] да приметь сто̑є крьщение·[8] донъдеже живъ есть· подобаєть ли ємоу приати или ни·

Ѿвѣтъ· Подобаєть приати аще не отъ дха̑ нечиста искоушаєтьсѧ·

е· Аще жена боудеть съ моужьмь ноч҃ь·[9] рекъше моужь съ женою· и бываєть съньмъ· аще подобаєть има приимати сто̑є обьщение или ни·

Ѿвѣтъ· Не подобаєть· апло̑у въпиющю· не лишаитесѧ сами себе· аще не нѣчьто отъ съвѣщанаго врѣмене· да прѣбоудета въ мт̑вѣ и пакы въкоупь да съходитасѧ· да не искоушаєть вас҃ сотона· невъздьржания ради ваю·

ѕ· Аще жена оглашена въда има своє· да просвѣтитесѧ·[10]

οἱ ἴδιοι αὐτοῦ, ἵνα λάβῃ τὸ ἅγιον βάπτισμα, εἰ[1] ὀφείλει λαβεῖν, ἢ οὔ, καὶ μάλιστα ἐὰν περὶ τὸν θάνατον ἐστίν;

Ἀπόκρισις. Ἐὰν ὁ δαιμονιζόμενος μὴ καθαρισθῇ ἀπὸ τοῦ ἀκαθάρτου πνεύματος, οὐ δύναται λαβεῖν τὸ ἅγιον βάπτισμα· περὶ δὲ τὴν ἔξοδον βαπτίζεται.

δ΄. Ἐάν τις κατηχούμενος ὢν ἀσθενῶν γένηται ἐκφρενὴς καὶ μὴ δύναται[2] αὐτὸς[3] . ὁμολογῆσαι τὴν πίστιν, καὶ παρακαλῶσιν[4] οἱ ἴδιοι αὐτοῦ, ἵνα λάβῃ τὸ ἅγιον βάπτισμα ἕως[5] ζῇ,[6] ὀφείλει λαβεῖν, ἢ οὔ;

Ἀπόκρισις. Ὀφείλει λαβεῖν, ἐὰν μὴ ὑπὸ πνεύματος ἀκαθάρτου πειράζεται.[7]

ε΄. Ἐὰν γυνὴ συγγένηται μετὰ τοῦ ἀνδρὸς αὐτῆς τὴν νύκτα, ἤγουν[8] ὁ[9] ἀνὴρ μετὰ τῆς γυναικός, καὶ γίνεται[10] σύναξις, εἰ ὀφείλουσι μεταλαμβάνειν,[11] ἢ οὔ;

Ἀπόκρισις. Οὐκ ὀφείλουσιν παραυτά, τοῦ ἀποστόλου βοῶντος· Μὴ ἀποστερεῖτε[12] ἀλλήλους, εἰ μή τι ἂν ἐκ συμφώνου πρὸς καιρόν, ἵνα σχολάσητε[12] τῇ προσευχῇ, καὶ πάλιν ἐπὶ τὸ αὐτὸ συνέρχεσθε,[12] ἵνα μὴ πειράζῃ ὑμᾶς ὁ σατανᾶς διὰ τὴν ἀκρασίαν ὑμῶν.

ς΄. Ἐὰν γυνὴ κατηχουμένη δέδωκεν τὸ ὄνομα αὐτῆς, ἵνα φωτισθῇ,

---

1) своємоу *У (вм.* свои ємоу). 2) wчистится *П*; чиститьсѧ *У*. 3) дха *cod.* 4) не *вставл. С.* 5) wглашенъı сыи *П.* 6) и *вставл. У.* 7) своємѣ *П (вм.* свои ємоу*); cod. переправл.* о *изъ* ъ. 8) крьщение *У.* 9) ноць *У.* 10) *cod. переправл.* ѥ *изъ* и; просвѣтитьсѧ *УП.*

1) εἰ проп. Р. 2) δύνηται Р. 3) ἑαυτῷ Р Vind. 4) παρακαλοῦσιν Р. 5) ὡς Р Vind. 6) εἰ вставл. Р Vind. 7) πειράζηται Р Vind. 8) ἠτοῦν Р. 9) ὁ проп. Р Vind. 10) γένηται Р Vind. 11) μεταλαβεῖν Р. 12) cod. окончаніе αι (вм. ε).

и при дн҃е крщенїа бъıсть ки иже по обычаю[1] женьскъıихъ· аще подобаѥть крщена[2] бъıти въ тъ дьнь или ни·

Ѿвѣтъ· | Не подобаѥть оубо донъдеже очиститьсѧ· л. 211 a.

з҃· Жена аще оузърить по обычаю женьскъıихъ и аще подобаѥть пристоупити[3] къ обѣщению таинъıихъ· въ тъ дн҃ь или ни·

Ѿвѣтъ· Никако же подобаѥть до очищенїа·

и҃· Жена аще родить въ сто҃ую пасхоу· аще подобаѥть поститисѧ· и не пити вина· или отъпоущаѥтьсѧ поста· или пити вино рожденїа ка·

ѡтъвѣтъ· Постъ разоумѣнъ бъıсть съмѣренїа ради тѣлесе· аще оубо тѣло въ съмѣрении ѥсть· и паче въ немощи ѥсть· подобаѥть приимати· клико же можеть понести и пища и пива·[4]

к҃· Аще подобаѥть клирикоу мт҃воу творити пришьдъшемъ[5] арианомъ· или инѣмъ еретикомъ· аще ли ничьсо[6] же ѥго не врѣдѧть· ѥгда творить мт҃воу· рекъше приношении·[7]

Ѿвѣтъ· Бж҃ьствьнѣмь приношении· диаконъ провъзглашаѥть·

καὶ περὶ τὴν ἡμέραν τοῦ βαπτίσματος γέγονεν αὐτῇ τὸ κατ' ἔθος τῶν γυναικείων,[1] εἰ ὀφείλει βαπτισθῆναι[2] αὐτῇ τῇ ἡμέρᾳ, ἢ ὑπερθέσθαι, καὶ πόσον ὑπερθέσθαι;

Ἀπόκρισις. Ὑπερθέσθαι ὀφείλει, ἕως ἂν καθαρισθῇ.

ζ'. Ἐὰν γυνὴ ἴδῃ τὸ κατ' ἔθος τῶν γυναικείων αὐτῆς, εἰ ὀφείλει προσέρχεσθαι τοῖς μυστηρίοις αὐτῇ τῇ ἡμέρᾳ, ἢ οὔ;

Ἀπόκρισις. Οὐκ ὀφείλει, ἕως ἂν καθαρισθῇ.

η'. Γυνὴ ἐὰν γεννήσῃ τὸ ἅγιον[3] πάσχα, εἰ ὀφείλει νηστεῦσαι καὶ μὴ πιεῖν οἶνον,[4] ἢ ἀπολύεται τῆς νηστείας ἢ[5] τοῦ[6] πίνειν[7] οἶνον διὰ τοῦ[8] γεννῆσαι;

Ἀπόκρισις. Ἡ νηστεία ἐπενοήθη διὰ τὸ τὸ σῶμα ταπεινῶσαι. εἰ οὖν τὸ σῶμα ἐν ταπεινώσει ἐστὶν καὶ ἐν ἀσθενείᾳ τυγχάνει,[9] ὀφείλει μεταλαμβάνειν,[10] καθὸ δύναται βαστάξαι, καὶ τροφῆς καὶ ποτοῦ.

θ'. Εἰ ὀφείλει κληρικὸς εὔχεσθαι παρόντων Ἀρειανῶν, ἢ ἄλλων αἱρετικῶν, εἰ[11] οὐδὲν αὐτὸν βλάπτει,[12] ὁπόταν αὐτὸς ποιῇ τὴν εὐχήν, ἡγοῦν[13] τὴν προσφοράν;

Ἀπόκρισις. Ἐν τῇ θείᾳ ἀναφορᾷ ὁ διάκονος προσφωνεῖ[14]

---

1) ѡбычанїю *П.* 2) крещенїа *П*;крьшена *У.* 3) пристоупати *У П.* 4) вина *С.* 5) пришѣшимь *П.* 6) ничьсо *У*; ничто *С.* 7) приношенїю *П.*

1) γυναικῶν P Vind. 2) φωτισθῆναι P Vind. 3) τῷ ἁγίῳ P Vind. 4) οἴνου Patm. 172. 5) καὶ P Vind. 6) μὴ вставл. P. 7) πιεῖν P. 8) τὸ P Vind. 9) τυγχάνοι Vind. 10) μεταλαβεῖν P Vind. 11) ἢ PVind. 12) βλάπτη cod. 13) ἠτοῦν Patm. 172. 14) προφωνεῖ Vind.

неприобьщении изидѣте· ꙗко не подобьни[1] соуть· принти· аще не извѣщаютъ[2] покаꙗтисѧ[3] и вѣгати[4] ереси·

ѓ· Аще кто боудеть немощьнъ· и[5] источено ꙁѣло тѣло ѿ многыѭ немощи· и приидеть сѧ҃ꙗ пасха· аще всѧко подобаѥть ємоу поститисѧ· или отъпоустити ємоу клирикъ·[6] 10 приꙗти ѥже или масло или вино· мно-
л. 211 b. гыѭ ради | немощи или ни·

Ѿвѣтъ· Отъпоущенъ бъıти подобаѥть· и[7] приимати пища и пива· немощьноѥ ꙗко же можеть понести· 15 ѥже бо приимати масла· єдиною источеномоу[8] правьдьно ѥсть·

ѕ҃· Аще къто призоветъ клирика на съчетание брака· оуслъıшитъ же бракъ беꙁаконьнъ·[9] или братопои-20 маніе· рекъше сестроу оумьршии женѣ· хотѧщюю· съчетатисѧ· аще подобаѥть въслѣдовати клирикъ·[10] или приношение сътворити·

Ѿвѣтъ· Ѥдиною речено ѥсть· 25 аще оуслъıшитъ клирикъ бракъ беꙁаконьнъ· оуще[11] оубо бракъ беꙁаконьнъ ѥсть· не подобаѥть клирикоу приобщатисѧ· къ грѣхомъ чюжимъ·[12]

πρὸ τοῦ ἀσπασμοῦ· Οἱ ἀκοινώνητοι περιπατήσατε· οὐκ ὀφείλουσι[1] παρεῖναι, εἰ μὴ ἐὰν[2] ἐπαγγέλλωνται[3] μετανοεῖν καὶ ἐκφεύγειν τὴν αἵρεσιν.

ι΄. Ἐάν τις ᾖ ἀσθενῶν καὶ ἐκτακεὶς πάνυ ἀπὸ τῆς πολλῆς ἀσθενείας, καὶ ἔλθοι τὸ ἅγιον πάσχα, εἰ πάντως ὀφείλει νηστεῦσαι, ἢ ἀπολύει αὐτὸν ὁ κληρικὸς λαμβάνειν ὃ δύναται, ἢ καὶ ἔλαιον καὶ οἶνον, διὰ τὴν πολλὴν αὐτοῦ ἀσθένειαν;

Ἀπόκρισις. Ἀπολύεσθαι ὀφείλει καὶ[4] μεταλαμβάνειν καὶ τῶν τροφῶν καὶ τοῦ ποτοῦ ὁ ἀσθενῶν, πρὸς ὃ δύναται βαστάσαι· τὸ γὰρ μεταλαμβάνειν ἐλαίου τὸν ἅπαξ ἐκτακέντα δίκαιόν ἐστιν.

ια΄. Ἐάν τις καλέσῃ κληρικὸν εἰς τὸ ζεῦξαι γάμον, ἀκούσῃ δὲ τὸν γάμον παράνομον, ἢ θειογαμίαν, ἤγουν ἀδελφὴν τελευτησάσης γυναικὸς τὴν μέλλουσαν ζεύγνυσθαι, εἰ ὀφείλει ἀκολουθῆσαι ὁ κληρικὸς ἢ προσφορὰν ποιῆσαι;

Ἀπόκρισις. Ἅπαξ εἴπατε· ἐὰν ἀκούσῃ ὁ κληρικὸς τὸν γάμον παράνομον. εἰ οὖν ὁ γάμος παράνομός ἐστιν, οὐκ ὀφείλει ὁ κληρικὸς κοινωνεῖν ἁμαρτίαις[5] ἀλλοτρίαις.

---

1) подобнїи *П.* 2) сѧ *вставл. У.* 3) какатисѧ *С.* 4) вѣгатѣ *П.* 5) и *проп. П.* 6) клирикъ *проп. У.* 7) и *проп. П.* 8) источеномѫ *С.* 9) *слѣдующія далѣе слова* (стр. 544 19—26) или братопониманіе... беꙁаконьнъ *проп. П.* 10) клирикоу *У.* 11) аще *У.* 12) *cod. переправл.* ю *изъ* н.

1) οὖν вставл. PVind. 2) ἂν P Vind. 3) ἐπαγγέλλονται cod. 4) καὶ проп. P Vind. 5) ἁμαρτίας cod., но между α и ς надпис. ι.

ī҃в· Аще въ сънѣ блоудъ сътворить простьць· въпросить[1] клирикаще подобаѥть ємоу приобьщитисѧ[2] или нѣ·

Ѿвѣтъ· Аще въležить[3] желаниѥ женъı не подобаѥть аще ли сотона искоушаѥть и· да тои ради винъı· чюжь боудеть обьщениѧ божествьнъıихъ таинъ· подобаѥть приобьщитисѧ[4] понеже не прѣстанеть искоушенъ·[5] въ то врѣмѧ· ѥгда подобаѥть приобьщитисѧ прилагаѧ ємоу·[6]

ī҃г· Съчетаваюшимъсѧ на бракъ обьщениѧ· въ къıѧ дн҃и· нед҃ѣла подобаѥть· оудалѧтисѧ къ собѣ обьщениѧ· и коѥѧ имѣти власти·

отъвѣтъ· Ѥже[7] прѣже рекохъ и нъıнѣ гл҃ю апл҃ъ гл҃ѥть не лишаитесѧ сами себе· аще оубо не нѣчьто[8] Ѿ съвѣщанию къ врѣмени да прѣбъıваѥть[9] въ мт҃вѣ· и пакъı въкоупь съходитасѧ· да не искоушаѥть васъ сотона· невъздьржанию ради вашего· по ноужи бо въ соуботоу и въ недѣлю· оудалѧитесѧ жанѣ въ та дн҃и· дх҃вьноую жьртвоу възносити къ бг҃у·

ιβ΄. Ἐὰν ὀνειρασθεὶς λαϊκὸς ἐρωτήσῃ[1] κληρικόν, εἰ ὀφείλει αὐτῷ ἐπιτρέψαι[2] κοινωνῆσαι, ἢ οὔ;

Ἀπόκρισις.[3] Εἰ μὲν ὑπόκειται ἐπιθυμία γυναικός, οὐκ ὀφείλει· εἰ δὲ ὁ σατανᾶς πειράζει αὐτόν, ἵνα διὰ τῆς προφάσεως ταύτης ἀλλοτριοῦται[4] τῆς κοινωνίας τῶν θείων μυστηρίων, ὀφείλει κοινωνῆσαι, ἐπεὶ οὐ παύσεται[5] ὁ πειράζων κατ' ἐκεῖνον τὸν καιρόν, ὅτε ὀφείλει κοινωνεῖν, ἐπιτιθέμενος αὐτῷ.[6]

ιγ΄. Τοῖς ζευγνυμένοις εἰς γάμου κοινωνίαν περὶ ποίων ἡμερῶν τῆς ἑβδομάδος παρατίθεσθαι χρὴ ἀπέχεσθαι τῆς л. 212 а.
πρὸς ἀλλήλους κοινωνίας, καὶ ποίας ἔχειν ἐξουσίαν;[7]

Ἀπόκρισις. Ὁ προείρηκα καὶ νῦν λέγω. ὁ ἀπόστολος λέγει· Μὴ ἀποστερεῖτε[8] ἀλλήλους, εἰ μή τι ἂν ἐκ συμφώνου πρὸς καιρόν, ἵνα σχολάζητε[9] τῇ προσευχῇ, καὶ πάλιν ἐπὶ τὸ αὐτὸ συνέρχεσθε,[10] ἵνα μὴ πειράζῃ ὑμᾶς ὁ σατανᾶς διὰ τὴν ἀκρασίαν ὑμῶν. ἐξ ἀνάγκης δὲ τὸ σάββατον καὶ τὴν κυριακὴν ἀπέχεσθαι,[11] διὰ τὸ[12] ἐν αὐταῖς τὴν πνευματικὴν θυσίαν ἀναφέρεσθαι τῷ θεῷ.

---

1) въспросить *C.* 2) пришьствитисѧ *У.* 3) въжелить *C.* 4) пришьствитисѧ *У.* 5) искоунъ *У.* 6) прилагаемоу *П.* 7) Иже *П.* 8) что *П.* 9) прибъıваѥть *У.*

1) ἐρωτήσει cod. 2) αὐτῷ ἐπιτρέψαι Patm. 173 Vind. 3) Ἀπόκρισις προπ. Vind. 4) ἀλλοτριῶται Vind. 5) παύεται PVind. 6) ἐπιτίθεσθαι Vind. (вм. ἐπιτιθέμενος αὐτῷ). 7) ἐπ' ἐξουσίας PVind. (вм. ἐξουσίαν). 8) ἀποστερεῖται cod. 9) σχολάζηται cod.; σχολάσητε P Vind. 10) συνέρχεσθαι cod.; ἦτε PVind. 11) δεῖ вставл. P Vind. 12) ατὸ cod., но α между точками.

ід. Аще кто себе исказить· не имѣя съмысла· или въ пропасть въвьржетьсѧ· бываѥть ли приношеник за нь·

Ѿвѣтъ· Расматрати подобаѥть клирикоу· аще въистиноу несъмысленъ съı· сътвори то· многашьдъı во приносѧщеи· пострадавъшюоумоу хотѧщеи[1] полоучити[2] приношеник ѥже за нь·[3] лъжють· и глють ꙗко не имѣ себѣ съмысла· въмѣни же сѧ отъ искоушенига[4] чл҃вкъ· или инако како· отъ прѣнемаганига[5] сътвори то· и не подобаѥть приношению надъ нимь бъıвати·[6] самооубиица во ксть самъ себѣ· подобаѥть оубо вьсако клирикоу съ извѣщеникмь[7] испъıтати· да не ѿсоужение[8] боудеть·

іе· Аще кокго жена· дх҃ъ нечистъ[9] имать· и желѣза носить· моужь же ѥѩ глѥть· ꙗко не могоу въздьржатисѧ· и хощьть поѩти иноу· подобаѥть[10] ли поѩти иноу или и[11] ни·

ѳ҃вѣтъ· | Прѣлюбодѣиство одьржить вещь сию· и о томь чьто отъвѣщати не обрѣтаю·

ιδ΄. Ἐρώτησις.[1] Ἐάν τις μὴ ἔχων[2] ἑαυτὸν χειρώσηται,[3] ἢ κρεμνήσει,[4] εἰ γίνεται προσφορὰ ὑπὲρ αὐτοῦ;[5]

Ἀπόκρισις. Διακρίνειν[6] ὀφείλει ὁ κληρικός, εἰ τὸ ἀληθὲς ἐκφρενὴς ὢν πεποίηκεν τοῦτο· πολλάκις γὰρ οἱ διαφέροντες τῷ πεπονθότι, θέλοντες ἐπιτυχεῖν τῆς προσφορᾶς τῆς ὑπὲρ αὐτοῦ, καταψεύδονται καὶ λέγουσιν, ὅτι οὐκ εἶχεν ἑαυτόν. ἐνίοτε δὲ ἀπὸ ἐπηρείας ἀνθρώπων, ἢ ἄλλως πως ἀπὸ ὀλιγωρίας πεποίηκεν τοῦτο, καὶ οὐ χρὴ προσφορὰν ἐπάνω αὐτοῦ γίνεσθαι·[7] αὐτοφονευτὴς γὰρ ἑαυτοῦ ἐστιν. δεῖ οὖν πάντως τὸν κληρικὸν μετὰ ἀκριβείας ἀνερευνῆσαι,[8] ἵνα μὴ ὑπὸ κρῖμα πέσῃ.

ιε΄. Ἐρώτησις.[9] Ἐάν τινος γυνὴ πνεῦμα ἔχει καὶ[10] σίδηρα φορεῖν,[11] ὁ ἀνὴρ δὲ[12] λέγει, ὅτι οὐ δύναμαι ἐγκρατεύσασθαι,[13] καὶ θέλει[14] λαβεῖν ἄλλην, εἰ ὀφείλει λαβεῖν ἄλλην,[15] ἢ οὔ;

Ἀπόκρισις. Μοιχείᾳ μεσολαβεῖ τὸ πρᾶγμα,[16] καὶ περὶ τούτου[17] ἀποκρίνασθαι οὐχ εὑρίσκω.

---

1) хотѧще *У*; хотѧщюмѕ и *П.* 2) полоучити *У.* 3) намъ *С* (*вм.* за нь). 4) искѣщенїа *С.* 5) прѣмоганїа *С.* 6) *cod.* ва *по скобл.*; бъıти *У.* 7) извѣщанїемь *У.* 8) *cod.* ѿ *по скобл.* 9) нецистъ *У.* 10) подобаѥти *У.* 10) и *проп. СП.*

1) Ἐρώτησις проп. P Vind. 2) φρένα вставл. Vind. 3) χειρίσηται ἑαυτὸν Vind. 4) κρημνίσῃ P Vind. 5) ἢ οὔ вставл. P Vind. 6) Διακρίνει cod.; Διακρίναι P. 7) γενέσθαι P Vind. 8) ἐρευνῆσαι Vind. 9) Ἐρώτησις проп. P Vind. 10) πνευματικὸν πάνυ ὥστε P (вм. πνεῦμα ἔχει καὶ). 11) φορῇ Vind. 12) δὲ ἀνὴρ P Vind. 13) ἐγκρατεύεσθαι Vind. 14) θέλῃ P Vind. 15) ἄλλην проп. Patm. 172; ἑτέραν Vind. 16) τί вставл. P Vind.

сѵ̑таго аѳанасиа посъланиѥ· къ амонѣ мьнiхѣ·

Вьсѧ оубо добра и чиста бж̑ия сътворениа· ничьсо[1] же бо не неключьно[2] или нечисто[3] сътвори бж̑иѥ слово·[4] хѵ̑о бо бл̑гоꙋханиѥ[5] иесмь·[6] въ сп̑сающихъсѧ[7] по апл̑оу· понѣже бо различьнъı[8] и[9] многообразьнъı[10] диаволя стрѣлъı· и неизвѣстѣишихъ[11] разоумъмь·[12] оустрашаѥть масти ѩ· възбранѧѥть же обычьнааго· обоучениа[13] братиѥ· сѣѧ имъ помъıшлениа нечистотъı·[14] и осквьрнениа принеси· малъıихъ ради· и лоукаваго льсть иждеземъ· сп̑са нашего бл̑годатию· и простѣишихъ разоумъ оутвьрдимъ· вьсѧ бо чиста чистъımъ· нечистъıихъ[15] же и съвѣсть· и вьсѧ осквьрнена[16] соуть· чюжю же сѧ диаволи къзни ѩко бо[17] тъıла и пагоуба[18] соущи· помъıслъı вълагаѥть· иже мьнѣти оубо чистотъı·[19] есть же бъıвающиѥ· ловлениѥ паче иже искоушениѥ· да ѩко же оубоу[20] прѣже рекохъ· прилежить постьникомъ обычьнааго[21] и[22] сп̑сьнааго оучениа·

(л. 220ᵃ—223ᵃ). * ΤΟΥ ̔ΑΓΙΟΥ ̓ΑΘΑΝΑΣΙΟΥ ̓ΕΠΙΣΤΟΛΗ ΠΡΟΣ ̓ΑΜΟΥΝ[1] ΜΟΝΑΖΟΝΤΑ.[2]

Παντα μὲν καλὰ καὶ καθαρὰ τὰ τοῦ θεοῦ ποιή(л. 220ᵇ)ματα· οὐδὲν γὰρ ἄχρηστον ἢ ἀκάθαρτον ὁ τοῦ θεοῦ πεποίηκεν λόγος· Χριστοῦ γὰρ εὐωδία ἐσμὲν ἐν τοῖς σωζομένοις, κατὰ τὸν ἀπόστολον· ἐπειδὴ δὲ ποικίλα καὶ πολύτροπα τὰ τοῦ διαβόλου βέλη καὶ τοὺς ἀκεραιοτέρους τῇ γνώμῃ[3] παρασκευάζει ταράττεσθαι, κωλύει τε τῆς συνήθους[4] γυμνασίας τοὺς ἀδελφούς, ὑποσπείρων αὐτοῖς λογισμοὺς ἀκαθαρσίας καὶ μολυσμοῦ, φέρε διὰ βραχέων καὶ τὴν τοῦ πονηροῦ πλάνην ἀπελάσωμεν[5] τῇ τοῦ σωτῆρος ἡμῶν χάριτι καὶ τὴν τῶν ἁπλουστέρων γνώμην στηρίξωμεν.[6] πάντα μὲν γὰρ[7] καθαρὰ τοῖς καθαροῖς· τῶν δὲ ἀκαθάρτων καὶ ἡ συνείδησις καὶ τὰ πάντα μεμόλυνται. ἄγαμαι δὲ τοῦ διαβόλου τὸ σόφισμα, ὅτι περ φθορὰ καὶ λύμη ὑπάρχων λογισμοὺς ὑποβάλλει, τὸ[8] δοκεῖν μὲν καθαρότητος, ἔστι δὲ τὸ γιγνόμενον ἐνέδρα μᾶλλον ἢ δοκιμασία· ἵνα γάρ, ὡς προεῖπον, ἀπασχολήσῃ[9] τοὺς ἀσκητὰς τῆς ἐθίμου καὶ σωτηριώδους μελέτης

---

1) ницьсо У. 2) неклюцьно У. 3) нецисто У. 4) слово бж̑иѥ У. 5) бл̑гоꙋхани УС. 6) иесмь У. 7) сп̑сающихъсѧ П. 8) различьны У. 9) имь П. 10) многообразныи П. 11) неизвѣстѣишихъ У. 12) разомемь У; не *вставл.* П. 13) оброученим УП. 14) цистотъı У; ничистоты П. 15) циста цистъımъ нецистъıихъ У. 16) оцвѣрнена У. 17) бо *проп.* С; и *вставл.* У. 18) пагоупа П. 19) цистотъı У. 20) оубо ПСУ. 21) обыцьнааго У. 22) и *проп.* С.

* Въ V отсутствуетъ (вырвано?) посланіе Аѳанасія Александр. къ Амуну. Къ тексту этого посланія приведены варіанты изъ Vindob. hist. gr. 56 (= Vind.), при чемъ л. 172ᵃ—173ᵇ = Vind$_1$ а л. 147ᵃ—149ᵃ = Vind$_2$.

1) ̓Αμμοῦν Vind. 2) cod. рукой XIII в. in m. ιθ'. 3) τὴν γνώμην Vind$_1$. 4) συνήθου cod. 5) ἀπελάσομεν cod. 6) στηρίξομεν cod. 7) γὰρ проп. Vind$_2$. 8) τῷ P Vind. 9) ἀπασχολῇ Vind$_1$.

и мьнитьсѧ дьржати на то· таковъіа нѣкъіа движеть· паоучинъı· [1] ихъ-
же оубо принести къ житию· ничьсо же неключимо· [2] тъщаіа же възиска-
л. 213 a. 5 нiа· и блаⷭдьства· ихъ|же [3] подо-
бають отърицатисѧ· [4] чьто бо рьци
ми о възлюблѥне· и бл҃говоѭзнивѥ·
имоуть съгрѣшенiа· или нечисто [5]
ѥстьствьно· нѣкоѥ изъвьранiе· [6] ꙗко
10 же аще кто хощеть· сътворити прѣ-
грѣшенiе· и ѥже из ноздрию испоу-
ꙗемоѥ исѧкновенiе· из оустъ
пльванiа· ѥще же и сихъ имамъ
глати· вольнъıихъ· ꙗже иⷨрѣва исхо-
15 дать· [7] ѥже животьномоу на животъ
поуждьнаіа бъıша· ѥще [8] бж҃ию роукѫ
дѣло бъıти вѣроуѥмъ чл҃вкъ· по
бж҃ьствьноуоумоу писанию· како [9]
можаше отъ чистъıіа [10] силъı· дѣло
20 бъıти осквьрьно и аще родъ бж҃ии
ѥсмъ по бж҃ьствьнъıимъ дѣланiемъ
апл҃ъ· ничьсо [11] же не [12] имамъ въ
себѣ нечисталго· [13] тъгда бо тъкмо
ѿскверьнѥмъсѧ· ѥгда зълосмрадь-
25 нъıи грѣхъ съдѣловаѥмъ· ѥгда же
ѥстьствьноѥ и нѣкоѥ невольноѥ·
боудеть изволѥнiе тъгда ѥстьства
поуждa съ инѣми ꙗко же [14] прѣже
рекохъ· и се прѣтърпѣваѥмъ·

καὶ δόξῃ [1] κρατεῖν κατὰ τοῦτο,
τοιαῦτά τινα κινεῖ βομβύκια, [2]
ἅτινα φέρει μὲν οὐδὲν τῷ βίῳ
χρήσιμον, κενὰς δὲ ζητήσεις καὶ
φλυαρίας, ἃς δεῖ παραιτεῖσθαι· τί
γάρ, εἰπέ μοι, ὦ ἀγαπητὲ καὶ εὐλα-
βέστατε, ἔχει ἁμαρτήματα [3] (л. 221ª)
ἢ ἀκάθαρτον φυσικὴ τις ἔκκρισις;
ὡς εἴ τις ἐθέλοι ποιεῖσθαι ἔγκλημα
καὶ τὰς διὰ ῥινῶν ἐπιπεμπομένας [4]
μύξας καὶ τὰ διὰ στόματος
πτύσματα· ἔτι δὲ καὶ τούτων ἔχομεν
λέγειν πλείονα, τὰς διὰ γαστέρων
ἐκκρίσεις, ἅσπερ [5] τῷ ζώῳ πρὸς
τὸ ζῆν ἀναγκαῖα καθέστηκεν. ἔτι
καὶ [6] τῶν τοῦ θεοῦ χειρῶν
ἔργον εἶναι πιστεύομεν τὸν ἄνθρω-
πον κατὰ τὰς θείας γραφάς· πῶς
ἠδύνατο [7] ἐκ καθαρᾶς δυνάμεως
ἔργον τι γενέσθαι [8] μεμολυσμένον;
καὶ εἰ γένος τοῦ θείου [9] ὑπάρχο-
μεν, κατὰ τὰς θείας τῶν ἀποστόλων
Πράξεις, οὐδὲν ἔχομεν ἐν ἑαυτοῖς ἀκά-
θαρτον· τότε γὰρ μόνον μεμολύσμεθα,
ὅτε τὴν δυσωδεστάτην ἁμαρτίαν ἐργα-
ζόμεθα. ὅτε δὲ φυσική τις ἀβούλη-
τος [10] ἔκκρισις γίνεται, τότε [11] τῆς
φύσεως ἀνάγκῃ μετὰ τῶν ἄλλων, ὡς
προείπομεν, καὶ τοῦτο ὑπομένομεν.

---

1) паоучинъı *У.* 2) ничьсо же неключимо *У.* 3) и *С.* 4) отъричатисѧ *У.* 5) нецисто *У.* 6) изѣранiе *У.* 7) *cod.* ѧ *по скобл*; исходить *С.* 8) же *вставл. У.* 9) бо *вставл. У.* 10) цистъıа *У.* 11) ничьсо *У.* 12) не *проп. С.* 13) нечистота *С*; ничесо же не имамъ въ *вставл. П, по вычерк. киноварью.* 14) же *проп. У.*

1) δόξει cod. 2) βομβύκινα было въ Vind$_2$, но ν выскобл. 3) ἁμάρτημα PVind. 4) ἐκπεμπομένας P Vind$_2$. 5) ἅπερ PVind. 6) τε εἰ P Vind. (вм. καὶ), при чемъ Vind$_1$ по скобл. рукой XIII в. 7) ἐδύνατο Vind$_1$. 8) γίνεσθαι P Vind. 9) θεοῦ PVind. 10) ἀβουλήτως P Vind. 11) τῇ вставл. PVind$_2$.

и понѣже бо хотѧщеи[1] тъкъмо противоу глати· глаголющимъ правопаче отъ ѿ сътворенъıимъ· въносѧть ѥвлѥное ѥвангльское·[2] ꙗко не въходѧщаѧ[3] осквръняють чл҃ка· нъ исходѧщаѧ[4] ноужьдьно оубо и се бесловесıе ихъ· не ꙗко же оубо речемъ възысканıе[5] ѡбличимъ·[6] пьрвѣе оубо писанıа· по своемоу ненавъıченıю· неоутвьржено соуще ноудѧ|тьсѧ· имать же бж҃ьственое сице[7] слово· нѣкъıмъ бо пакъı тако же· къ тѣмъ сильно имоущемъ·[8] о брашьнѣхъ· самъ раздроушаѧ ихъ невѣжьство· рекъше прѣльсть·[9] обличаѧ рече· не въходѧщаѧ осквръняють чл҃ка нъ исходѧщаѧ·[10] [по семь наводить и ѡкоудꙋ исходать][11] ѩвѣ ꙗко[12] ѿ сръдца· онѣмъ бо бъıти лоукавъıа съкровища сквьрньıихъ помъıшлен҃ıи· ньıхъ грѣховъ съвѣсть скорѣе[13] же апл҃а то наоученъ·

и ѧце къто нъıня оудобьно речеть· ествьственое изволен҃ıе· насъ не поставить къ моучен҃ıю·

ἀλλ' ἐπειδήπερ οἱ θέλοντες μόνον ἀντιλέγειν τοῖς ὀρθῶς λεγομένοις, μᾶλλον δὲ παρὰ θεοῦ πεποιημένοις, παραφέρουσι καὶ ῥητὸν εὐαγγελικόν, ὡς ὅτι οὐ τὰ εἰσερχόμενα κοινοῖ τὸν ἄνθρωπον, ἀλλὰ τὰ ἐξερχόμενα, ἀναγκαίως οὖν[1] καὶ ταύτην τὴν ἀλογίαν[2] (οὐ γὰρ ἂν εἴποιμεν ζήτησιν) ἐλέγξωμεν.[3] πρῶτον μὲν γὰρ τὰς γραφὰς κατὰ τὰς ἰδίας ἀμαθίας (л. 221[b]) ἀστήρικτοι ὄντες βιάζονται. ἔχει δὲ τὸ θεῖον л. 213 b.
οὕτω λόγιον· Τινῶν γὰρ πάλιν τούτοις ὁμοίως ἐνδοιαστῶς[4] ἐχόντων περὶ βρωμάτων, αὐτὸς λύων αὐτῶν τὴν ἄγνοιαν, ἤγουν τὴν ἀπάτην δημοσιεύων, φησίν· Μὴ τὰ εἰσερχόμενα κοινοῖ[5] τὸν ἄνθρωπον, ἀλλὰ τὰ ἐξερχόμενα. εἶτα ἐπάγει καὶ πόθεν ἐξερχόμενα· τὰ ἀπὸ[7] καρδίας· ἐκεῖ γὰρ εἶναι τοὺς πονηροὺς θησαυροὺς τῶν βεβήλων λογισμῶν καὶ τῶν ἄλλων ἁμαρτημάτων γινώσκει. συντομώτερον δὲ ὁ ἀπόστολος αὐτὸ δεδιδαγμένος,[8] φησί· Βρῶμα δὲ ὑμᾶς[9] οὐ παραστήσει[10] τῷ θεῷ. φαίη δ' ἄν τις καὶ νῦν εὐλόγως, φυσική τις ἔκκρισις ἡμᾶς οὐ παραστήσει[11] πρὸς τιμωρίαν.

---

1) хощеть и *П.* 2) ев҃алиѣское *С.* 3) къходѧщаѧ *П.* 4) сходѧщаѧ *У*; осквръняють чл҃ка· нъ исходѧщаѧ *прот. П.* 5) възниканıе *У.* 6) ѡбличимъ *У.* 7) сиче *У.* 8) имоущимъ *П.* 9) прильсть *С.* 10) исхощаѧ *П.* 11) *вставка изъ УП.* 12) ко *У.* 13) *cod. переправл. т изъ о.*

1) αὐτῶν PVind., a cod. зачеркив. οὖν и ставитъ впереди его значекъ ˅, подъ которымъ in m. дописыв. αὐτῶν (слогъ τῶν срѣзанъ переплетчикомъ p—си). 8) ἀναλογίαν Patm. 172; αὐτῶν вставл. Vind$_1$. 9) ἐλέγξομεν Vind. Patm. 173; ἐλεγξομεν Patm. 172, но надъ ο надпис. ω. 4) ἐνδοιάστως Vind. 5) κοινοῦν Vind$_1$. 6) δηλονότι вставл. Vind$_1$. 7) τῆς вставл. Vind$_1$. 8) δεδιδαγμένως cod. 9) ἡμᾶς P Vind. 10) παρίστησι Vind. Patm. 172 (Vind$_2$ рукой XIII в. переправл. изъ παραστήσει). 11) παρίστησι Vind$_1$.

нєкъли же и дѣти врачевъ· да аще и[1] изѣноу[2] оумолєни боудоуть· за нь отъвѣтъ дати· ꙗко животоу· дани вѣша нѣціи· ноужьдьни исходи·[3] по оудесомъ въ насъ комоужьдо питаюцємъ·[4] ѿблишиє[5] отъпоущати· ꙗко се главъı облишиє[6] власи и ꙗже отъ главъı[7] водьнаꙗ·[8] испоущєниа· и чрѣва въмѣщєниа· и[9] сѣмєнєнъıихъ поути· оно облишиє· къıи оубо єсть[10] къ бо̀у о старьче любивъı·[11] грѣхъ самомоу съзьдавъшюмоу· животъноє· вл̀дцѣ въсхотѣвъшю и сътворьшю· сиа оудеса· таковъıа имѣти исходъı поніже[12] подобаєть прѣжеварѧти· лоукавъıихъ противлєниє· рєклъ бо бъı оубо оуто нѣсть грѣхъ·[13] ни истиньноє приманиє· или съставъмь· отъ съдѣтєлиа съзьданомъ бъıти· на се
л. 214 a. въпросьнѣє прѣставимъ ꙗ·[14] гл̀ю|цєкоє гл̀ѣши приманиє· законьноє· ѥже и бъ повелѣ· раститесѧ гл̀а и оумножанте[15] и испълните землю· ѥже и ап̀лъ приимъ рече· чьстьна[16] женитва и ложе нєскврьньно·

τάχα δὲ καὶ παῖδες ἰατρῶν (ἵνα κἂν[1] τῶν[2] ἔξωθεν δυσωπηθῶσιν) ὑπὲρ αὐτοῦ[3] ἀπολογήσονται, ὅτι τῷ ζῴῳ δέδονται τινες ἀναγκαῖαι διέξοδοι κατὰ τῶν ἐν ἡμῖν ἑκάστῳ μελῶν τρεφομένων τὸ περιττὸν ἀποπέμπειν, οἷον κεφαλῆς περιττώματα[4] τρίχες καὶ τὰ ἀπὸ κεφαλῆς ὑδατώδη πεμπόμενα, καὶ γαστρὸς διαχωρήματα· καὶ τοίνυν τῶν σπερματικῶν πόρων ἐκεῖνο περίττωμα.[5] ποία τοίνυν ἐστὶν πρὸς θεόν,[6] ὦ πρεσβύτα θεοφιλέστατε, ἁμαρτία, αὐτοῦ τοῦ πλάσαντος τὸ ζῷον[7] δεσπότου θελήσαντος καὶ ποιήσαντος ταῦτα τὰ μέλη τοιαύτας ἔχειν διεξόδους; ἐπει(л. 222a)δὴ δὲ[8] δεῖ προσλαμβάνειν[9] τὰ τῶν πονηρῶν ἐναντιώματα (εἴποιεν γὰρ ἄν· οὐκοῦν οὐκ ἔστιν ἁμαρτία οὐδὲ ἡ ἀληθὴς χρῆσις, εἰ[10] τὰ ὄργανα παρὰ τοῦ δημιουργοῦ διαπέπλασται), πρὸς τοῦτο ἐρωτηματικῶς[11] αὐτοὺς παύσομεν[12] φάσκοντες· ποίων[13] λέγεις χρῆσιν; τὴν ἔννομον; ἣν καὶ ὁ θεὸς ἐπέτρεψεν, Αὐξάνεσθε,[14] λέγων, καὶ πληθύνεσθε[14] καὶ πληρώσατε τὴν γῆν.[15] Τίμιος ὁ γάμος καὶ ἡ κοίτη ἀμίαντος.

---

1) и *проп. У.* 2) изѣноу *У.* 3) исходнмъ *П.* 4) питаюшнмъ *П.* 5) облишнѣ *С.* 6) облишнѣ *С.* 7) облишнѣ власи и ѥже отъ главъı *проп. П.* 8) *cod. и в и а по скобл.* 9) и *проп. П.* 10) ѥвко ѣ *У (вм.* єсть). 11) любивъı *С.* 12) бо *вставл. УП.* 13) *cod.* ъ *по скобл.* 14) ꙗ *проп. У.* 15) множите *У.* 16) чєстана *У.*

1) ἐκ вставл. P $Vind_2$. 2) τοὺς $Vind_1$. 3) τούτου P $Vind_2$. 4) περίττωμα $Vind_2$. 5) ἐκεῖνα περιττώματα $Vind_1$. 6) πρὸς τοῦ (τοῦ проп. $Vind_2$) θεοῦ Vind. ($Vind_1$ рукой XIII в. переправл. изъ τὸν θεὸν). 7) ζῶιον cod. 8) δὲ проп. $Vind_2$, но рука XIII в. переправл. предыдущее δὴ въ δὲ. 9) προλαμβάνειν Vind. (но $Vind_2$ выскобл. σ передъ λ). 10) ἡ cod. 11) τε вставл. $Vind_1$. 12) παύσωμεν $Vind_2$. 13) ποίαν P Vind. 14) cod. окончаніе αι вм. ε. 15) ἣν ὁ ἀπόστολος ἀπεδέξατο εἰπὼν вставл. P Vind.

нежели людьскоую· тои и прѣлюбодѣиньноу· [1] творимое· [2] понеже инѣхъ· иже въ житии бывающиихъ· обращемъ различиа· [3] по нѣчемоу бывающа· [4] ꙗко се оубивати не достоитъ· нъ [5] на браньхъ· оубивати противьнъıа· и законьно· и похвалениа достоино [6] тако бо и [7] чести· и [8] великъıихъ на рати [9] доблѣвавъше съподобляютьсѧ и образи тѣхъ въздвизаютьсѧ· проповѣдающе исправлениа· ꙗко то[и же] [10] по нѣчьемоу оубо· и по всѧ врѣмена не достоитъ· по нѣчьсомоу [11] же врѣмена желаютъ· [12] и въмѣщаютьсѧ· тои же оубо [13] слово и [о] [14] съмѣшении· блаженъ иже въ оуности· съпражение имѣа· [15] свободьно естьствъмь· на дѣтотворение приемлютъ· аще ли къ нечистотѣ· блоудьникъ и прѣлюбодѣиць· [16] отъ апла написаное моучение жьдетъ· дъвѣма боу [17] соущема поутьма въ житии [18] о сихъ· единомоу съмѣренѣишю житию· женитьваномоу глю· дроугоуоумоу же англьскоуоумоу· и прѣвеликомоу дѣвьства· аще къто оубо мирьскомоу· [19] рекъше женитвью прииметъ пороучениа оу нѣ [20] имать ἢ τὴν δημώδη μέν, λαθραίως δὲ καὶ μοιχικῶς ἐπιτελουμένην; ἐπεὶ καὶ τῶν ἄλλων τῶν ἐν τῷ βίῳ γινομένων εὑρήσομεν τὰς διαφορὰς κατά τι γινομένας· οἷον φονεύειν οὐκ ἔξεστιν, ἀλλ' ἐν πολέμοις [1] ἀναιρεῖν τοὺς ἀντιπάλους καὶ ἔννομον καὶ ἐπαίνου ἄξιον. οὕτω γοῦν καὶ τιμῶν μεγάλων οἱ κατὰ πόλεμον ἀριστεύσαντες ἀξιοῦνται, καὶ στῆλαι τούτων ἐγείρονται κηρύττουσαι τὰ κατορθώματα· ὥστε τὸ αὐτὸ κατά τι μὲν καὶ κατὰ καιρὸν οὐκ ἔξεστιν, κατά τι δὲ καιρὸς ἐφίεται [2] καὶ συγχεχώρηται. ὁ αὐτὸς τοίνυν λόγος καὶ περὶ τῆς μίξεως· μακάριος ὃς ἐν νεότητι ζυγὸν ἔχων ἐλεύθερον τῇ φύσει πρὸς παιδοποιΐαν κέχρηται· εἰ [3] δὲ πρὸς ἀσέλγειαν, πόρνους καὶ μοιχοὺς ἡ παρὰ τῶν [4] τοῦ ἀποστόλου [5] γραφεῖσα τιμωρία ἐκδέξεται. δύο γὰρ οὐσῶν ὁδῶν ἐν τῷ βίῳ περὶ τούτων, μιᾶς μὲν μετριω-(л. 222ᵇ)τέρας [6] βιωτικῆς, τοῦ γάμου λέγω, τῆς δὲ ἑτέρας ἀγγελικῆς καὶ ἀνυπερβλήτου τῆς παρθενίας, εἰ μέν τις τὴν κοσμικήν, τουτέστιν τὸν γάμον ἕλοιτο, μέμψιν [7] μὲν οὐκ ἔχει,

1) *cod. переправл.* о послѣ и *изъ* ъ. 2) и *вставл. II.* 3) разлицим У. 4) *cod. конечное* а *по скобл.* 5) на *C.* 6) і *вставл. У.* 7) и *проп. У.* 8) чьстии *C* (*вм.* чьсти. и). 9) рити *У.* 10) *вставл. изъ УП.* 11) цьсомоу *У.* 12) жалаютъ *У.* 13) оубо *проп. У.* 14) *вставл. изъ УП.* 15) имѣа *проп. C.* 16) прѣлюбодѣиць *C.* 17) бо *УП.* 18) възитіи *C* (*вм.* въ житии). 19) и прѣвеликомоу дѣвьства· аще къто оубо мирьскомоу *проп. У.* 20) нѣ *вставл. У.*

1) πολεμῶ Patm. 172. 2) вм. καιρὸς ἐφίεται: P Vind$_2$ καὶ εὐκαίρως ἀφίεται (P ἐφίεται), Vind$_1$ καὶ κατὰ καιρὸν ἐφεῖται. 3) ἡ cod. 4) τῶν проп. P Vind. 5) τῷ ἀποστόλῳ P Vind$_2$. 6) καὶ вставл. P Vind$_2$. 7) μέμψειν cod.

л. 214 b. | толицѣхъ [1] же даровъ не приметь· приимоуть бо понѣже приносить· и тъ плодъ· л· аще ли чистоѥ же и прѣоукрашеноѥ приметь· аще и стрѣпѣтѣнъ паче пьрваго и неисправлѥнъ поуть· обаче имать дары [2] чюдьнѣиша· сътворенъіи бо плодъ· съто въздрасти· ѩко же нечиста ихъ· и лоукава възисканиа· раздрѣшениа своѩ имаахоу и отъ бжьствьнъіихъ писании [3] дрѣвлѥ прѣдъложенъіихъ· оутвьрди оубо оче· ѩже подъ собою стадо· отъ апльскъіихъ оутѣшаѩ отъ евнгльскъіихъ оувѣщаваѩ· отъ пьсалъмъ съвѣщаваѩ· живи ма по словеси твоѥмоу· слово же ѥгоже отъ чиста срдца· слоужити ѥмоу· се бо вѣдъіи тъ же прркъ· акъі самъ са прѣдълагаѥть гла· срдце чисто съзижи въ мънѣ бе· да не помъісли мене скверньнии съматоуть· акъі двдъ и [4] дхмь влдчньмь оутвьрди ма·

ѥже степень въіваѥть· самъ оубо

τοσαῦτα [1] δὲ χαρίσματα οὐ λήψεται· [2] λήψονται γάρ, ἐπείπερ φέρει καὶ αὐτὸς καρπὸν τὸν [3] λ΄· εἰ δὲ τὴν ἀγνήν τε [4] καὶ ὑπερκόσμιον ἀσπάσοιτο, εἰ καὶ τραχεῖα παρὰ τὴν πρώτην καὶ δυσκατόρθωτος ἡ ὁδός, ὅμως ἔχει χαρίσματα θαυμασιώτερα· τὸν γὰρ τέλειον καρπὸν τὴν ἑκατοντάδα ἐβλάστησεν. ὥστε τὰ ἀκάθαρτα αὐτῶν καὶ πονηρὰ ζητήματα λύσεις ἰδίας ἔσχεν καὶ παρὰ τῶν θείων γραφῶν πάλαι προβληθείσας. [5] ὑποστήριζε τοίνυν, ὦ πάτερ, τὰς ὑπὸ σαυτὸν ἀγέλας, ἐκ τῶν ἀποστολικῶν [6] παρακαλῶν, ἐκ τῶν εὐαγγελικῶν ψυχαγωγῶν, ἐκ τῶν ψαλμῶν συμβουλεύων, Ζῆσόν με, λέγων, [7] κατὰ τὸ λόγιόν σου· λόγιον δὲ αὐτοῦ τὸ ἐκ καθαρᾶς καρδίας λατρεύειν αὐτῷ· τοῦτο γὰρ εἰδὼς ὁ αὐτὸς προφήτης, ὥσπερ ἑαυτὸν μεταφράζει, λέγων· [8] Καρδίαν καθαρὰν κτίσον ἐν ἐμοὶ ὁ θεός, ἵνα μή με [9] ῥυπώδεις λογισμοὶ ταράξωσιν. πάλιν Δαβίδ· Καὶ πνεύματι ἡγεμονικῷ στήριξόν με, ἵνα, κἂν ποτε λογισμοὶ [10] θορυβήσωσιν, ἰσχυρά τις παρὰ σοῦ δύναμις στηρίξῃ με, [11] ὅπερ [12] κρηπὶς τυγχάνουσα. [13] αὐτὸς τοίνυν

1) толичехъ *У.* 2) и *вставл. П.* 3) и *вставл. П.* 4) и *проп. У.*

1) τοσαῦ cod. 2) λήψηται Patm. 173. 3) τῶν cod.; τῶν Vind$_2$. 4) τις P Vind$_2$. 5) προλυθείσας P Vind. 6) γραφῶν вставл. Vind.$_1$ рукой XIII в. 7) это λέγων Vind.$_1$ допис. рукой XIII в. 8) μεταφράζων λέγει P Vind.$_2$. 9) με проп. P Vind$_2$. 10) με вставл. P Vind$_2$. 11) ἵνα, κἂν ποτε λογισμοὶ θορυβήσωσιν, ἰσχυρά τις παρὰ σοῦ δύναμις στηρίξῃ με проп. Vind$_1$. 12) ὥσπερ P Vind$_2$. 13) τυγχάνει Vind$_1$.

сиѫ и таковаѫ съвѣщаваѫ гл҃ѫ· къ оудовьпокарающимъсѧ истинѣ· наоучю [1] беззаконьныѧ поутьмъ [2] твоимъ и надѣюсѧ гс҃и· ѩко сътвориши оудалитисѧ [3] отъ таковыѧ зълобы· пои· и нечьстивии къ тебе обратятьсѧ· боуди же зълообычьно искоущиимъ· [4] прѣстати отъ таковаго [5] соукътоволѣзьныства· имоущимъ же | безоумиѧ ради· бе соумьнѣниѧ· влд҃чьнѣмь дх҃мь оукрѣпитисѧ· ѩко же васъ извѣсто истиноу вѣсте· тьвръдъ [6] имѣите ю и неподвижимоу· о х҃ѣ ис҃ѣ гс҃и нашемь· съ нимьже оц҃ю слава дьржава коупьно [7] съ ст҃ымь и животворящиимь дх҃мь въ вѣкы вѣкомъ аминь·

ταῦτα (л. 223[a]) καὶ τὰ τοιαῦτα συμβουλεύων λέγε πρὸς τοὺς ῥᾳδίως [1] τῇ ἀληθείᾳ πειθομένους· Διδάξω ἀνόμους τὰς ὁδούς σου. καὶ θαῤῥῶ [2] κυρίῳ, ὅτι ποιήσεις [3] ἀποσχέσθαι τῆς τοιαύτης κακίας. ψάλλε· Καὶ ἀσεβεῖς ἐπὶ σὲ ἐπιστρέψουσιν. γένοιτο δὲ τοὺς μὲν κακοήθως ζητοῦντας παύσασθαι τῆς τοιαύτης ματαιοπονίας, τοὺς δὲ δι' εὐήθειαν ἐνδοιάστως [4] л. 215 a. ἔχοντας ἡγεμονικῷ πνεύματι κραταιωθῆναι. [5] ὅσοι δὲ βεβαίως τὴν ἀλήθειαν ἐπίστασθε, [6] ἀῤῥαγῆ ταύτην κατέχετε καὶ ἀσάλευτον, ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ κυρίῳ ἡμῶν, μεθ' οὗ τῷ πατρὶ ἡ [7] δόξα καὶ τὸ [8] κράτος σὺν [9] ἁγίῳ [10] πνεύματι, εἰς τοὺς αἰῶνας. [11] ἀμήν.

1) наѣчи *C.* 2) потемъ *У.* 3) оудалатисѧ *П.* 4) окъщьно ищющимъ *У.* 5) таковыѧ *П.* 6) тѣрдоу *УП.* 7) съпно *вставл. П.*

1) βράδιον Vind$_2$; βραδεῖον P; Vind$_1$ рукой XIII в. переправл. въ βραδέως. 2) θαρρῶν P Vind. 3) πείσεις PVind$_2$. 4) ἐνδυαστῶς Vind$_2$. 5) κρατυνθῆναι Vind$_2$. 6) ἐπίστασθαι cod.. 7) ἡ проп. Vind. 8) τὸ проп. Vind. 9) ἅμα τῷ Vind$_1$ (вм. σὺν). 10) καὶ ζωοποιῷ вставл. Vind.$_1$. 11) τῶν αἰώνων вставл. P Vind.

того же посълания· къ роуфиніа̑ноу·

Гд̑иноу възлюбленоуоумоу· и желаномоу слоужьбьникоу· роуфиноу· аѳанасии[1] о г̑и радоватисѧ· понеже добролюбьно· и по цр̑кви· се во пакъı подобаѥть твоемоу бл̑говоѣзньствоу въпросилъ еси· отъвлѣченъıихъ ноужде ю· не растлѣномъ же въ золовѣрии· и хотѣлъ еси написати ми· мьнимаѧ въ съборѣхъ· и вьсьде о нихъ вѣжде г̑и мои възлюбленъıи· ѧко искони оубо· прѣставъши бъıваюции ноужди· бъıсть съборъ пришьдъшемъ·[2] отъ вънѣшьнихъ части е̑пс̑комъ· бъıсть же и отъ живоуцихъ въ елладѣ слоужьбьникъ· ничьсо[3] же мьнѣи соуцимъ съпании въ галии въгодьно[4] бъıсть· ѧко же и седе и вьсьде· ѧко[5] падъшимъ оубо и застоупаюцимъ вещьствиа отъпоуцати оубо каюцимъсѧ· не дати же имъ еще мѣста клироса· обладаемъıимъ же вещьствьемь[6] и веденомъ ноуждею[7] и[8] вѣдою· | л. 215 b. ключисѧ[9] оубо дати отъпоуцениѥ· имѣти же и мѣсто клироса· паче ѧко отъвѣтъ· покорливъ сътвориша· и изволисѧ се нѣкако· съмотривьно бъıти извѣстиша

(л. 223ª—224ᵇ). * ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ’ΕΠΙΣΤΟΛΗ ΠΡΟΣ ‘ΡΟΥΦΙΝΙΑΝΟΝ.

Κυρίῳ ἀγαπητῷ καὶ ποθεινοτάτῳ συλλειτουργῷ ‘Ρουφινιανῷ, Ἀθανάσιος ἐν κυρίῳ χαίρειν.

Ἐπειδὴ φιλοκάλως καὶ ἐκκλησιαστικῶς (τοῦτο γὰρ πάλιν πρέπει τῇ σῇ εὐλαβείᾳ) ἠρώτησας περὶ τῶν δι’ ἀνάγκην ὑποσυρέντων, μὴ φθαρέντων δὲ ἐν τῇ κακοπιστίᾳ, καὶ ἠθέλησας γράψαι μοι τὰ δόξαντα ἐν ταῖς συνόδοις καὶ πανταχοῦ περὶ αὐτῶν, γίνωσκε, κύριέ μου ποθεινότατε, ὅτι ἐν ἀρχῇ μέν, παυσαμένης τῆς γενομένης βίας, γέγονεν σύνοδος, παρόντων καὶ τῶν ἀπέξω μερῶν ἐπισκόπων· γέγονεν δὲ καὶ παρὰ (л. 223ᵇ) τοῖς τὴν Ἑλλάδα κατοικοῦσιν λειτουργοῖς, οὐδὲν δὲ ἧττον καὶ τοῖς ἐν Σπανίᾳ καὶ Γαλλίᾳ· καὶ ἤρεσεν, ὥσπερ ὧδε καὶ πανταχοῦ, ὥστε τοῖς μὲν καταπεπτωκόσι καὶ προϊσταμένοις τῆς ἀσεβείας συγγινώσκειν μὲν μετανοοῦσιν, μὴ διδόναι δὲ αὐτοῖς ἔτι τόπον κλήρου· τοῖς δὲ αὐθεντοῦσι μὲν τῆς ἀσεβείας, ὑποσυρεῖσι δὲ δι’ ἀνάγκην καὶ βίαν, ἔδοξεν δίδοσθαι μὲν συγγνώμην, ἔχειν δὲ καὶ τὸν τόπον τοῦ κλήρου, μάλιστα ὅτι ἀπολογίαν πιθανὴν ἐπορίσαντο, καὶ ἔδοξεν τοῦτό πως οἰκονομικῶς γεγενῆσθαι· διεβεβαιώσαντο

1) иданасии *cod. C* (въ *cod. надъ начальнымъ* и *поставл. знакъ* +). 2) пришѣшимъ *CII.* 3) ницьсо *У; ничто II.* 4) къдно *C, но другая рука надпис.* го. 5) ѩ *У.* 6) *cod.* ь *гоель* в *переправл. изъ* и; вещестиемъ *У.* 7) ножею *У.* 8) и *проп. C.* 9) клоцисѧ *У.*

* Въ составѣ P посланіе Аѳанасія Александр. къ Руфиніану не входитъ, а въ V отсутствуетъ (вырвано?).

во не прѣложитиса въ бечьствиѥ·[1] да не поставлѥни бъıвъше нѣцѣи[2] вещьстьни·[3] растлѣлть цр҃кви· въсхотѣша паче сътецисѧ ноужде͡ю· и понести тѧготоу и люди погоубити· се же[4] глю͡ще· изволиша и намъ· покорьливьно глати ѯаниѥ извѣстовати имъ· арона мосеова[5] брата[6] въ поустъıни· сътецисѧ съ людьскъıимь прѣстоуплѥниѥмь· Ѡвѣтъ же имѣти· да не людиѥ възвращьшесѧ въ ег҃ѵ̈пътъ трѣвоую͡ть въ коумирослоужениѥ·[7] иво вѣ шавлиѥмоѥ оудобьно·ꙗко прѣвъıвающе въ поустъıни могоуть прѣстати Ѡ вещьстьıа· въшьдъше же въ ег҃ѵ̈пътъ· живлахоу и въздрашлахоусѧ[8] въ нихъ бечьстьıа· того ради оубо Ѡпоуще͡ниѥ клиросоу въıсть· прѣльщьшемъ же сѧ[9] и ноужде͡ю пострадавъшимъ· Ѡпоуще͡ниѥ даю͡ть· се и въ римѣ писано въıсть·[10] и прїа римьскаıа цр҃къı· сии къ твоиѥмоу бл҃говоꙗзньствоу шавлаю· надѣꙗсѧ ꙗко изволивъшасѧ прииметь твоѥ блгочьстиѥ·

γὰρ μὴ μεταβεβλῆσθαι μὲν εἰς ἀσέβειαν. ἵνα δὲ μὴ καταστα θέντες τινὲς ἀσεβέστατοι διαφθείρωσι τὰς ἐκκλησίας, εἵλαντο μᾶλλον συνδραμεῖν τῇ βίᾳ καὶ βαστάσαι τὸ βάρος, ἢ λαοὺς ἀπολέσθαι. τοῦτο δὲ λέγοντες ἔδοξαν καὶ ἡμῖν πιθανῶς λέγειν διὰ τὸ καὶ προφασίζεσθαι αὐτοὺς τὸν Ἀαρών, τὸν Μωυσέως ἀδελφόν, ἐν τῇ ἐρήμῳ συνδραμεῖν μὲν τῇ τοῦ λαοῦ παραβάσει, ἀπολογίαν δὲ ἐσχηκέναι, ἵνα μὴ ὁ λαὸς ὑποστρέψας εἰς Αἴγυπτον ἐπιμείνῃ τῇ εἰδωλολατρείᾳ. καὶ γὰρ ἦν φαινόμενον εὔλογον, ὅτι μένοντες ἐν τῇ ἐρήμῳ δύνανται παύσασθαι τῆς ἀσεβείας, εἰσελθόντες δὲ εἰς Αἴγυπτον ἐπετρίβοντο καὶ ηὔξανον ἐν αὐτοῖς τὴν ἀσέβειαν. τούτου τοίνυν ἕνεκα σύγγνωστον πρὸς τὸν κλῆρον γέγονεν· τοῖς δὲ (л. 224[a]) ἀπατηθεῖσι καὶ βίαν παθοῦσιν συγγνώμην διδόναι. ταὐτὸ καὶ ἐν Ῥώμῃ ἐγράφη καὶ ἀπεδέξατο ἡ Ῥωμαίων ἐκκλησία. ταῦτα καὶ τῇ σῇ εὐλαβείᾳ δηλῶ, θαῤῥῶν ὅτι τὰ δόξαντα ἀποδέξεταί σου ἡ θεοσέβεια.

---

1) бе^{3}честіѥ *C.* 2) нѣчен *У.* 3) вещьстьно *C.* 4) же *проп. C.* 5) моѷсѣкова *C.* 6) *cod. конечное* а *по скобл. (вм.* ѧ?). 7) коумирослюженіе *У.* 8) въздрашахоу *УП;* възвращахѳсѧ *C.* 9) прѣлщашимсѧ *П.* 10) въıсть *СП.*

того[1] же отъ тридесѧти девѧтаго праздьнаго посъланиѧ·

л. 216 а. | Нъ понѥже оубо о еретицѣхъ· въспоминоуѭхомъ· акы мьртвъıихъ о насъ же ѩко имоущıихъ къ спсѣнию вѫжьствьнаѧ писаниѧ· и боюсѧ· ѣда како написа кореньдѣмъ павьлъ· мало ихъ ѿ неицѣльнъıихъ·[2] ѿ простъıня и невѣжьства прѣльстатьсѧ· ѿ проказъı нѣкъıихъ чл҃вкъ· и прочеѥ прѣвъıвати въ инѣхъ· начьноуть гл҃кмъıими таинами прѣльщатисѧ· коупьно подобиѥмь·[3] истиньнъıихъ кънигъ молѧсѧ имѣти· аще о нихъже съвѣдати· о сихъ и азъ поминаѧ напишю· ноужда же ради·[4] и добраго цр҃квьнаго хотѧ[5] же сихъ поминоути· начьноу на съставлѥниѥ своеѧ дьрзости· образъмь[6] ѣванг҃листа лоукъı· гл҃аи самъ· понѥже оубо нѣции начаша начинати повѣсть дѣıати· себѣ гл҃кмаѧ таинаѧ и примѣсити въ бо҃дъхновенои[7] писаниѥ· имьже извѣстихомъсѧ· ѩко же прѣдаша· оц҃емъ испьрва самовидьци· и слоужъı бъıвъше словоу· изволисѧ и мънѣ повелѣноу·[8] ѿ приснъıѧ братиѧ· съвъıше из начала проповѣдати правильнаѧ прѣданиѧ· оувѣрьнамъ[9] же бж҃ьнамъ бъıти кънигамъ·

1) *У проп. это посланіе Аѳанасія Александр.* 2) ѿ неицѣльнъıихъ *проп. С.* 3) и *вставл. С.* 4) ради *проп. С.* 5) хотѧи *П.* 6) *cod.* перправл. ъ *по скобл.* (*изъ какой-то другой буквы съ + наверху*). 7) бг҃одъхновенїе *С.* 8) повелѣномь *С.* 9) оукѣреномь *П.*

(л. 224[a]—225[b]).* ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ’ΕΚ ΤΗΣ ΛΘ′ ’ΕΟΡΤΑΣΤΙΚΗΣ ’ΕΠΙΣΤΟΛΗΣ.

Αλλ’ ἐπειδὴ περὶ μὲν τῶν αἱρετικῶν ἐμνήσθημεν ὡς νεκρῶν, περὶ δὲ ἡμῶν ὡς ἐχόντων πρὸς σωτηρίαν τὰς θείας γραφάς, καὶ φοβοῦμαι μή πως, ὡς ἔγραψεν Κορινθίοις Παῦλος, ὀλίγοι τῶν ἀκεραίων ἀπὸ τῆς ἁπλότητος καὶ τῆς ἀγνότητος πλανηθῶσιν ἀπὸ τῆς πανουργίας τινῶν ἀνθρώπων καὶ λοιπὸν ἐντυγχάνειν ἑτέροις ἄρξωνται τοῖς λεγομένοις ἀποκρύφοις, ἀπατώμενοι τῇ ὁμωνυμίᾳ τῶν ἀληθῶν[1] βιβλίων, παρακαλῶ ἀνέχεσθαι, εἰ περὶ ὧν ἐπίστασθαι,[2] περὶ τούτων κἀγὼ μνημονεύων γράφω, διά τε τὴν ἀνάγκην καὶ τὸ χρήσιμον τῆς ἐκκλησίας. μέλλων δὲ τούτων μνημονεύειν, χρήσομαι πρὸς σύστασιν τῆς ἐμαυτοῦ τόλμης τῷ τύπῳ τοῦ εὐαγγελιστοῦ Λουκᾶ, λέγων καὶ αὐτός· ’Επειδὴ περ τινὲς ἐπεχείρησαν ἀνατάξασθαι ἑαυτοῖς τὰ λεγόμενα ἀπόκρυφα καὶ ἐπιμῖξαι ταύτῃ[3] τῇ θεοπνεύστῳ γραφῇ, περὶ ἧς ἐπληροφορήθημεν, καθὼς παρέδοσαν τοῖς πατράσιν οἱ ἀπ’ ἀρχῆς αὐτόπται καὶ ὑπηρέται γενόμενοι τοῦ λόγου, ἔδοξεν κἀμοὶ προτραπέντι παρὰ γνησίων ἀδελφῶν[4] ἄνωθεν ἐξ ἀρχῆς[5] ἐκθέσθαι τὰ κανονιζόμενα καὶ (л. 224[b]) παραδοθέντα, πιστευθέντα τε θεῖα εἶναι βιβλία,

* Въ V отсутствуетъ (вырвано?) это посланіе Аѳанасія Александр.

1) ἀληθινῶν Patm. 172. 2) ἐπίστασθε P. 3) ταῦτα P. 4) καὶ μαθόντι вставл. P. 5) ἐξῆς P (вм. ἐξ ἀρχῆς).

да къиижьдо аще прѣльстисѧ· да раскаѥтьсѧ прѣльстивъшихъ· чистыи же прѣбывъ радоуѥтьсѧ пакы въспоминаемъ· соуть оубо ветъхаго завѣта къниг҃ъ· числъ|мь· к҃· г҃· толико бо слъишахъ· и въображенїа· и ѩже отъ жидовъ бъти прѣдана бъиша· чинъмь же и именьмь соуть· къиижьдо сице пьрвѣѥ бътиѥ· по семь исходъ· левьгитьскъиа· и по сихъ числа· и прочеѥ въторъиы законъ· и по сихъ і҃с҃ъ· навгинъ· и соудїа· и по семь роуѳъ· и пакы прочеѥ ѿ цр҃ствии· четверъ къниг҃ъ·[1] и сихъ оубо· ѥдино и вътороѥ·[2] въ ѥдино причитаѥтьсѧ· третиѥ[3] же и четвьртоѥ·[4] тако же въ ѥдинъı· по сихъ же останъчьнъıихъ·[5] ѥдино и вътороѥ· тако же въ ѥдинъı[6] къниг҃ъı причетаѥмъı и по семь ездръı· ѥдинъı и дроугъиа тако же въ ѥдинъı къниг҃ъı·[7] по сихъ же къникъı[8] пьсалъмъ· и прочеѥ[9] притъча·[10] по семь цр҃къвьникъ· и пѣсни пѣсниикъ симъ же ѥ иовъ· и прочеѥ прр҃ци· дъва на десѧте въ ѥдинъı къниг҃ъı причитаѥми·[11] по семь исаиа иеремиа· и съ нимь вароухъ· плачеве посълание· и съ ними иѯекиль и данилъ· до сихъ ветъхаго завѣта· соуть·

ἵν' ἕκαστος, εἰ μὲν ἠπατήθη, καταγνῷ τῶν πλανησάντων,[1] ὁ δὲ καθαρὸς διαμείνας χαίρῃ[2] πάλιν ὑπομιμνησκόμενος.

Ἔστι τοίνυν τῆς μὲν Παλαιᾶς Διαθήκης βιβλία τῷ ἀριθμῷ τὰ πάντα κβ΄· τοσαῦτα γάρ, ὡς ἤκουσα, καὶ τὰ στοιχεῖα τὰ παρ' Ἑβραίοις εἶναι παραδέδοται. τῇ δὲ τάξει καὶ τῷ ὀνόματί ἐστιν ἕκαστον οὕτως· πρῶτον[3] Γένεσις· εἶτα Ἔξοδος· εἶτα Λευϊτικόν· καὶ μετὰ τοῦτο Ἀριθμοί· καὶ λοιπὸν τὸ Δευτερονόμιον· ἐξῆς δὲ τούτοις εἰσὶν Ἰησοῦς τε ὁ τοῦ Ναυῆ καὶ Κριταί· καὶ μετὰ τοῦτο ἡ Ῥούθ· καὶ πάλιν ἐξῆς Βασιλειῶν δ΄ βιβλία, καὶ τούτων τὸ μὲν α΄ καὶ β΄ εἰς ἓν[4] ἀριθμεῖται, τὸ δὲ γ΄ καὶ δ΄ ὁμοίως εἰς ἕν· μετὰ δὲ ταῦτα Παραλειπομένων α΄ καὶ β΄, ὁμοίως εἰς ἓν βιβλίον πάλιν ἀριθμούμενα· εἶτα Ἔσδρας α΄[5] καὶ β΄,[6] ὁμοίως εἰς ἕν· μετὰ δὲ ταῦτα βίβλος Ψαλμῶν καὶ ἐξῆς Παροιμίαι· εἶτα Ἐκκλησιαστὴς καὶ Ἆισμα ἀσμάτων· πρὸς τούτοις ἐστὶ καὶ Ἰώβ· καὶ λοιπὸν προφῆται, οἱ μὲν ιβ΄ εἰς ἓν βιβλίον ἀριθμούμενοι· εἶτα Ἡσαΐας, Ἱερεμίας καὶ σὺν αὐτῷ Βαρούχ, Θρῆνοι, ἐπιστολαί,[7] καὶ μετ' αὐτὸν Ἰεζεκιὴλ καὶ Δανιήλ. ἄχρι τούτων τὰ τῆς Παλαιᾶς Διαθήκης ἵστανται.[8]

л. 216 b.

---

1) книг҃ъ *C, по рукой другой надпис.* к. 2) второ *C.* 3) третіѥ *C.* 4) же и четвьртоѥ *проп. C.* 5) встанъчиный *П.* 6) по сихъ же *вставл. C, по зачеркив.* 7) кникъ *C.* 8) въникъ *C.* 9) прочла *П.* 10) причта *C.* 11) причитаемы *C.*

1) τῆς πλάνης αὐτῶν Patm. 172 (вм. τῶν πλανησάντων). 2) χαίρει cod. 3) πρώτη P. 4) βιβλίον вставл. P. 5) πρῶτος P. 6) δεύτερος P. 7) ἐπιστολὴ P. 8) ἵσταται P.

новааго же пакы· не лѣню[сѧ] [1] рещи· соуть бо си ѥвангліа· а· ѥже ѿ матьдѣа· и ѿ марка· и ѿ лоукы· [2] и ѿ иѡана· по семь дѣаніа апл҃ъ· [3] и посѣланіа съборьна· наричаемъіа ѿ апл҃ъ· ѕ· сице ѿ иакова ѥдино· петрово ѥдино· [4] по семь иоанова три· и по сихъ л. 217 a. | иудино ѥдино· [5] къ симъ· павьла апл҃а посѣланіа· ід· чинъмь пишемы [6] сице· а· оубо къ· римлѧномъ· по семь къ кореньдѣомъ· в· и по семь къ галатомъ· прочеѥ къ ѥфесиомъ· по семь къ филипписиомъ· [7] и къ колассаиѣмъ· [8] и по сихъ· къ селоуніаномъ дъвѣ· къ ѥврѣомъ· [9] и абиѥ къ тимодѣю дъвѣ· [10] къ титоу ѥдино· [11] и коньчьнѥе къ филимоноу· ѥдино· и пакы иѡаново ѿкръвеніе· си источьници спсенія· ꙗко жаждющюоумоу насытитисѧ· соущиихъ въ нихъ словесъ· въ сихъ тъкъмо бочьстіа оученіе· [12] бл҃говѣститьсѧ· никъто же къ симъ да не приложитъ· кто ни ѿ сихъ да не иметь чьсо· о сихъ же гл҃ѣ· садоукѣаны толмаше гл҃а· прѣльщаютесѧ не вѣдоуще писанія· иудеа же

1) *исправл. по II.* 2) лоукын *II.* 3) и посланіа апл҃ъ *вставл. II.* 4) петрово ѥдинно *проп. C.* 5) *C вставл. знакъ* + *и къ нему подъ текстомъ допис.* + петровѣ. ѥ. *современной писцу рукой.* 6) пишемын *II.* 7) филипнсимь *II.* 8) колассаімъ *C.* 9) врѣомь *II.* 10) слова къ ѥврѣомъ и абіѥ къ тимодеоу *C, проп. въ текстѣ и допис. подъ нимъ.* 11) ѥдинѣ *C.* 12) *cod. переправл.* ѥ *изъ* ю.

τὰ δὲ τῆς Καινῆς πάλιν οὐκ ὀκνητέον εἰπεῖν· ἔστι γὰρ ταῦτα· Εὐαγγέλια δ′, (л. 225ª) κατὰ Ματθαῖον, κατὰ Μάρκον, κατὰ Λουκᾶν, κατὰ Ἰωάννην· εἶτα μετὰ ταῦτα Πράξεις ἀποστόλων, καὶ ἐπιστολαὶ καθολικαὶ καλούμεναι τῶν ἀποστόλων ἑπτά, οὕτως· Ἰακώβου μὲν μία, Πέτρου δὲ δύο, εἶτα Ἰωάννου τρεῖς, καὶ μετὰ ταύτας [1] Ἰούδα μία· πρὸς τούτοις Παύλου ἀποστόλου [2] ἐπιστολαὶ ιδ′, τῇ τάξει γραφόμεναι οὕτως· πρώτη πρὸς Ῥωμαίους, εἶτα πρὸς Κορινθίους δύο, καὶ μετὰ ταῦτα [3] πρὸς Γαλάτας, [4] ἑξῆς πρὸς Ἐφεσίους, εἶτα πρὸς Φιλιππησίους καὶ πρὸς Κολοσσαεῖς, καὶ μετὰ ταῦτα [5] πρὸς Θεσσαλονικέας δύο, καὶ ἡ πρὸς Ἑβραίους· καὶ εὐθὺς πρὸς μὲν Τιμόθεον δύο, πρὸς δὲ Τίτον μία, καὶ τελευταία ἡ πρὸς Φιλήμονα μία· καὶ πάλιν Ἰωάννου Ἀποκάλυψις.

Ταῦτα πηγαὶ τοῦ σωτηρίου, ὥστε τὸν διψῶντα ἐμφορεῖσθαι τῶν ἐν τούτοις [6] λογίων· ἐν τούτοις μόνοις τὸ τῆς εὐσεβείας διδασκαλεῖον εὐαγγελίζεται· μηδεὶς τούτοις ἐπιβαλλέτω μηδὲ τούτων ἀφαιρείσθω τι. περὶ δὲ τούτων ὁ κύριος Σαδδουκαίους μὲν [7] ἐδυσώπει λέγων· Πλανᾶσθε μὴ εἰδότες τὴν γραφήν. [8] τοῖς δὲ Ἰουδαίοις

1) cod. переправл. изъ ταῦτα. 2) εἰσὶν вставл. P. 3) ταύτας P; cod. переправл. изъ ταύτα. 4) καὶ вставл. P. 5) ταύτας P. 6) τοιούτων Patm. 172 (вм. ἐν τούτοις). 7) μὲν проп. P. 8) τὰς γραφάς P.

вѣвѣщаллше· пѣтаите писанна· ѩко
си соуть сѣвѣдѣтелствоующе[1] о
мънѣ· нъ болшаго ради извѣщенна· прилагаю и се· пиша ноужьдьно·
ѩко соуть и дроугыа[2] кѣникы[3]
вънѣ сихъ· неправильныа оубо·
въображенъ[4] же ѿ о҃ц҃а· чистыихъ
прихождающимъ· нына· и хотащимъ[5] оглаштисѧ· бл҃гочьстна слоу· прѣмоудрость соломона· и
прѣмоудрость сирахова· и естиръ и
юдидъ· и товна· оученне нарицаѥмое аплъ· и пастоухъ· и обаче
възлюблѥнии· онѣмъ | оуправлѥ- л. 217 b.
номъ· и симъ почитаѥмъ· никъде
же оутаѥныихъ памати· нъ еретикъ
соуть къзни· пишющихъ оубо егда[6]
хотатъ ѿ· подающихъ же и прилагающихъ· къ тѣмъ лѣтомъ·[7] да
ѧкы ветъхыа приносаще извѣтъ[8]
имѣють· прѣльщати[9] ѿ сего ни извѣстыа·

παρήνει· Ἐρευνᾶτε τὰς γραφάς, ὅτι αὗταί εἰσιν αἱ μαρτυροῦσαι περὶ ἐμοῦ. ἀλλ᾽ ἑνεκά γε πλείονος ἀκριβείας προστίθημι (л. 225[b]) καὶ τοῦτο γράφων ἀναγκαίως, ὡς ὅτι ἐστὶν[1] καὶ ἕτερα βιβλία τούτων ἔξωθεν, οὐ κανονιζόμενα μέν, τετυπωμένα δὲ παρὰ τῶν πατέρων ἀναγινώσκεσθαι τοῖς ἄρτι προσερχομένοις καὶ βουλομένοις κατηχεῖσθαι τὸν τῆς εὐσεβείας λόγον· Σοφία Σολόμωνος[2] καὶ Σοφία Σιράχ, καὶ Ἐσθήρ, καὶ Ἰουδήθ, καὶ Τωβίας, καὶ Διδαχὴ καλουμένη τῶν ἀποστόλων, καὶ ὁ Ποιμήν. καὶ ὅμως, ἀγαπητοί, κἀκείνων κανονιζομένων καὶ τούτων ἀναγινωσκομένων, οὐδαμοῦ τῶν ἀποκρύφων μνήμη· ἀλλὰ αἱρετικῶν εἰσιν[3] ἐπίνοια, γραφόντων μὲν ὅτε θέλουσιν αὐτά, χαριζομένων δὲ καὶ προστιθέντων αὐτοῖς χρόνοις, ἵνα ὡς παλαιὰ προφέροντες πρόφασιν ἔχωσιν ἀπατᾶν ἐκ τούτου τοὺς ἀκεραίους.

1) сѣвѣдѣтелствѣите *C*; свѣдѣтелствоующемь *II*. 2) дроугыи *II*. 3) *cod.* ставитъ въ слогъ къı *надъ* к *знакъ* +; *CII* книгы. 4) къшкраженыи *II*. 6) *cod.* ѥ *по скобл.* (*вм.* ꙗ?). 7) тѣломъ *C*. 8) имѣтъ *вставл. C*. 9) прѣщати *C*.

1) ἔστιν P. 2) Σολομῶνος P. 3) ἐστιν P.

стаго[1] кѵрила· архіепа·[2] александрьскаго· максимоу· діаконоу· антіохіискоумоу· въспоминаніе·

л· Оувѣдѣхомъ ѿ възлюбленаго мниха павьла· ꙗко ѿрицаѥтьсѧ обьщенига твоѥ бочьстиѥ[3] до дньшьнаго дне къ благово[а]зньвомоу[4] епоу[5] ішаноу· зане нѣкъимъ въ антіохіискѣи цркви· или съмъıслащемъ[6] оубо ѿвьргъшемъ же сѧ[7] равьно· да искоусити[8] оубо твоѧ кротость· пьрвѣе· когда глѣмин събиратисѧ на того и бестоудьно· и съмъıслащемъ[9] несториѥвъ[10] оумъ· и глающимъ инѣмъ· аще несъдравоу имѣша къгда съвѣсть· събираютьсѧ нъıнѣ· раскаıвъшесѧ· на нъıже въсхъıщени[11] бъıвъше· стъıдаще же сѧ равьно· исповѣдати[12] прѣгрѣшениѥ· съключаютъ во сѧ· нѣкаѧ такова· о прѣльщьшиихъсѧ бъıвати· и аще оузьриши сърицающасѧ нъıна· къ правѣи вѣрѣ· не зъ|лапоминаи о миноувъшиихъ·

(л. 225[b]—226[a]). * ΤΟΥ ΑΓΙΟΥ ΚΥΡΙΛΛΟΥ ΑΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ΑΛΕΞΑΝΔΡΕΙΑΣ ΜΑΞΙΜΩι ΔΙΑΚΟΝΩι ΑΝΤΙΟΧΕΙΑΣ ΥΠΟΜΝΗΣΤΙΚΟΝ.[1]

Ἔμαθον παρὰ τοῦ ἀγαπητοῦ μονάζοντος Παύλου, ὅτι παραιτεῖται ἡ σὴ θεοσέβεια μέχρι σήμερον τὴν κοινωνίαν τὴν πρὸς τὸν εὐλαβέστατον ἐπίσκοπον Ἰωάννην διὰ τό τινας ἐν τῇ Ἀντιοχέων ἐκκλησίᾳ ἢ φρονοῦντας ἔτι τὰ Νεστορίου, ἢ πεφρονηκότας μέν, ἀποσχομένους δὲ ἴσως. δοκιμασάτω τοίνυν τὸ σὸν ἐπιεικές, πότερον[2] πότε οἱ λεγόμενοι συνάγεσθαι γυμνῶς καὶ ἀναισχύντως τῷ Νεστορίῳ[3] καὶ φρονοῦσι καὶ λαλοῦσιν ἑτέροις, ἢ κεκαυστηριασμένην ἐσχήκασί ποτε τὴν συνείδησιν. συνάγονται δὲ νῦν μεταμεληθέντες ἐφ' οἷς συνηρπάγησαν, αἰσχυνόμενοι δὲ ἴσως ὁμολογεῖν τὸ πταῖσμα· συμβαίνει γάρ τινα τοιαῦτα περὶ τοὺς ἀπατηθέντας γίνεσθαι. κἂν ἴδῃς συντρέχοντας νῦν τῇ ὀρθῇ πίστει, ἀμνησικάκει περὶ τῶν παρελθόντων.

---

1) *У проп. это посланіе Кирилла Александр.; С in m. m.* 2) архіепископа *П.* 3) благочести *С.* 4) *исправл. по С.* 5) епископъ *С.* 6) смыслящимъ *П.* 7) ѿвръгшимсѧ *П.* 8) искѣсить *П.* 9) *cod.* ы *по скобл.;* смыслящимъ *П.* 10) нестроевъ *С* (*но* в *переправл., кажется, из* н, *а* ъ *из* і). 11) въхыщени *П.* 12) исповѣдаю *П.*

* Въ составъ PV посланіе Кирилла Александр. къ діакону Максиму не входитъ. Варіанты приведены изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 174[a—b] (=Vind.).

1) cod. in m. рукой XIII в. κ'. 2) Vind. переправл. рукой XIII в. въ πρότερον. 3) Vind. переправл. рукой XIII в. въ τοῦ Νεστορίου.

хощемъ бо паче ѿмѣтающемъсѧ[1] имъ зѣрить· или вестоудьнъимь разоумъмь попирающиихъ по несториевѣ[2] зѣловѣ· да не мьнимъ. чьстити· любопьрѣниꙗ цѣлоуимъ и бл҃говоꙁьниꙗ е҃пп҃а иѡана· ѿдающе емоу и съмотрениꙗ ради· не испытовати зѣло· о раскаꙗвъшиихъсѧ· съмотрениꙗ бо многа· ꙗко же рекохъ трѣбоуетъ вещь·

βουλόμεθα γὰρ μᾶλλον ἀρνουμένους αὐτοὺς ὁρᾶν, ἢ ἀναισχύντῳ γνώμῃ συνηγοροῦντας ταῖς Νεστορίου κακίαις· ἵνα δὲ μὴ δοκῶμεν τιμᾶν τὸ φιλόνεικον, ἀσπασώμεθα τὴν πρὸς τὸν εὐλαβέστατον ἐπίσκοπον Ἰωάννην,[1] συγχωροῦντες αὐτῷ καὶ οἰκονομίας ἕνεκα μὴ ἀκριβολογεῖσθαι σφόδρα περὶ τοὺς μεταγινώσκοντας· οἰκονομίας γάρ, ὡς ἔφην, δεῖται τὸ πρᾶγμα πολλῆς.

1) *cod.* ѥ *посль* ц *переправл. изъ* н, *а* м, *слѣдующее за* ѥ, *напис. по скобл., вм. двухъ буквъ* (их?); *II* ѿмѣтающимсѧ; *C* ѿмѣтающѣсѧ.
2) нестрвѣ *C.*

1) εἰρήνην вставл. Vind.

того[1] же къ геладію·[2] презвѹтероу· и архимандритоу·

в· Блгомощьноѥ· на блгочьстиѥ твоѥ бочьстиѥ· не нъıна разоумѣхъ· нъ вѣдѣхъ ѿ дрѣвьнааго и хвалю оубо зѣло съ таковъıимь опасениѥмь· хотѧщеи жити съмотреніѥ вещи· егда приноужда́ютъ[3] малоѥ подобьнааго· вънъ износити нѣкъıѧ да нѣчьто болъшеѥ приобрѧщютъ· ѩко же бо по морю плавающеи· въладанию прилежащю и хотѧщю кораблю истоноути· скърбѧще истъıщатъ нѣкаѧ· ѩко да сп҃соутъ корабла· тако и мъı въ вещьıхъ· егда не приметъ зѣлоѥ извѣстоѥ· сп҃сати прѣзъримъ нѣкого· да не вьсеѧ прииме̑ тъıщетъı· и си пишю· оувѣдѣвъ ѩко твоѥ богочьстивиѥ·[4] ѡскърбѣ на прѣподобьнааго· и бо҃любивааго брата нашего· и съслоужьбьника л. 218 b. епп҃а прокла· ѩко прїимъша[5] на обьщениѥ· елиньскааго[6] ѿ нихъже цр҃квьнии оубо оустави палестїньскии

(л. 226[a—b])*. ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΠΡΟΣ ΓΕΝΝΑΔΙΟΝ ΠΡΕΣΒΥΤΕΡΟΝ ΚΑΙ ἈΡΧΙΜΑΝΔΡΙΤΗΝ.

Τὸ μέν ἔντονον[1] εἰς εὐσέβειαν τῆς σῆς θεοσεβείας οὐ νῦν ἔγνων, ἀλλ᾽ ἤδειν ἔκπαλαι, καὶ ἐπαινῶ γε σφόδρα μετὰ τοιαύτης ἀκριβείας θέλουσαν ζῆν· ἀλλ᾽ οἰκονομία[2] πραγμάτων ἔσθ᾽ ὅτε παραβιάζονται[3] βραχὺ τοῦ δέοντος ἔξω φέρεσθαί τινας, ἵνα τι[4] μεῖζον κερδάνωσιν· ὥσπερ γε οἱ τὴν θάλασσαν ναυτιλλόμενοι, χειμῶνος ἐπικειμένου καὶ κινδυνευούσης τῆς νηός, ἀλυῶντες ἀποφορτίζονταί τινα τοῦ σῶσαι τὰ λοιπά,[5] οὕτω καὶ ἡμεῖς ἐν τοῖς πράγμασιν, ὅταν μὴ ἐξῇ τὸ λίαν ἀκριβὲς ἀποσῴζειν, παρορῶμέν τινα, ἵνα μὴ τοῦ παντὸς πάθωμεν ζημίαν· καὶ ταῦτα γράφω μαθών, ὅτι ἡ σὴ θεοσέβεια λελύπηται εἰς τὸν ὁσιώτατον καὶ θεοφιλέστατον ἀδελφὸν ἡμῶν καὶ συλλειτουργὸν ἐπίσκοπον Πρόκλον, ὡς λαβόντα πρὸς κοινωνίαν τὸν τῆς Αἰλιαίων, ὃν οἱ μὲν τῆς ἐκκλησίας θεσμοὶ τῆς Παλαιστίνης

---

1) *У проп. это посланіе Кирилла Александр.* 2) геладію *П.* 3) приноужается *П.* 4) богочестивое *П.* 5) *cod.* і *по скобл. вм. одной буквы* съ +. 6) еленскаго *С.*

* Въ составъ PV посланіе Кирилла къ пресвитеру Геннадію не входитъ. Варіанты приведены изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 174[b] (= Vind.).

1) εὔτονον Vind. 2) Vind. добавл. in m. περὶ οἰκονομίας. 3) παραβιάζεται Vind. 4) τί cod. 5) πλοῖα Vind.

наставьника не невидѣша·[1] възводить же на неѡбоузданиѥ вещи желание· славолюбиѥ тъще· горько имѣа конець· да не ѿбѣжить оубо твоѥ бочьстиѥ къ обыщению прѣподобьнаго· и бголюбиваго епа прокла· ѥдина бъисть печаль мънѣ же и прѣподобьствоу ѥго· и съмотрениа образъ· ни ѥдиномоу же разоумьнъихъ не невъгодьно бъисть·

ἡγούμενον οὐκ ἴσασιν, ἐγείρει δὲ πρὸς ἀχάλινον τοῦ πράγματος ἐπιθυμίαν φιλοδοξία διάκενος, πικρὸν ἔχουσα τέλος. μὴ ἀποφευγέτω τοίνυν ἡ σὴ θεοσέβεια τὴν πρὸς τὸν ὁσιώτατον καὶ θεοφιλέστατον ἐπίσκοπον Πρόκλον κοινωνίαν· μία γὰρ γέγονεν ἡ φροντὶς ἐμοί τε καὶ τῇ ὁσιότητι αὐτοῦ, καὶ ὁ τῆς οἰκονομίας τρόπος οὐδενὶ τῶν συνετῶν ἀπήρεσεν.

1) видѣша *C.*

того[1] же къ домьноу· антиохиискоу·

Г· Кажьдо иже на насъ вещии егда право[2] носать· правильнаго доброчинениа· ни единого же[3] намъ притажають плиця· измѣнають же и ѿ нѣкыихъ злословие· паче же и ѿ добросъмъслящихъ· похвалы намъ ходатаиствоують· къто бо не прїалъ бы причьта· непрѣклоньна· иже аще боудеть о нѣкыихъ· или како еже соудїти[4] право и законьно и непостижьно боудеть· паче же похвалы[5] испълни· и сиа пишю бочьстыа·[6] въ написание того·[7] посълалыимъ къ мънѣ· и къ прѣподобьноумоу и болюбивомоу братоу нашемоу· епїоу[8] проклоу· и епїа оубо наричющю благовоазниваго и бочьстивалаго петра· томоу же плачющю· и[з]гнанианомоу[9] ис цркве· емоу же неправьдьно· ѿлоученоу быти глющѣ·[10] бѣ же подобьно и чистительства[11]

л. 219 a.

(л. 226[b]—228[a])*. ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΠΡΟΣ ΔΟΜΝΟΝ ΤΟΝ ΑΝΤΙΟΧΕΑ.[1]

Ἑκάστῳ[2] τῶν καθ' ἡμᾶς πραγμάτων, ὅταν εὐθὺ φέρωνται κανονικῆς εὐταξίας, οὐδένα μὲν ἡμῖν ἐντίκτει θόρυβον, ἀπαλλάττει δὲ καὶ τῆς[3] παρά τινων δυσφημίας, μᾶλλον δὲ καὶ τὰς παρὰ τῶν εὖ φρονούντων εὐφημίας ἡμῖν προξενεῖ. τίς γὰρ οὐκ ἂν ἀποδέξαιτο ψῆφον ἀπροσκλινῆ,[4] εἴπερ[5] ἂν γένοιτο περί[6] τινων; ἢ (л. 227) πῶς τὸ κρίνειν ὀρθῶς καὶ ἐννόμως οὐκ ἀνεπίπληκτον[7] ἔσται, μᾶλλον δὲ[8] ἐπαίνου μεστόν; καὶ ταῦτα γράφω νυνί, τῆς[9] θεοσεβείας ἐν τοῖς ἑαυτῆς[10] γράμμασιν, τοῖς σταλεῖσι πρὸς ἐμέ τε καὶ τὸν ὁσιώτατόν τε[11] καὶ θεοφιλέστατον ἀδελφὸν ἡμῶν καὶ συνεπίσκοπον Πρόκλον, ἐπίσκοπον μὲν ὀνομαζούσης τὸν εὐλαβέστατον καὶ θεοσεβέστατον[12] Πέτρον, αὐτοῦ δὲ κλάοντος[13] καὶ τῆς ἐκνεμηθείσης ἐκκλησίας αὐτῷ[14] παραλόγως κεκινῆσθαι λέγοντος. ἦν δ' ἀκόλουθον ἢ[15] τὸ τῆς ἱερωσύνης

1) *У проп. это посланіе Кирилла Александр.* 2) *cod. слоу* вѣ *и слѣдующій далѣе* но *по скобл. (вм. двухъ буквъ съ двумя + +).* 3) же *проп. C.* 4) сѫдити *C.* 5) похвалныи *II.* 6) бгочестїе *II.* 7) и *вставл. C.* 8) епископа *II.* 9) *исправл. по II.* 10) *cod. переправл.* ѕ *изъ* є. 11) чистительства *C.*

* Варіанты приведены и изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 174[b]—175[b] (= Vind.).

1) PV заглавіе иначе: Τοῦ ἐν ἁγίοις (πατρὸς ἡμῶν вставл. P) Κυρίλλου ἀρχιεπισκόπου Ἀλεξανδρείας. послѣ этого заглавія добавлено: Κύριλλος Δόμνῳ. 2) α'. (α' проп. P) Ἕκαστα PV Vind. (но въ Vind. нумерація присоединена рукой XIII в.). 3) τοῖς cod. 4) ἃ πρὸς κλίνειν P (вм. ἀπροσκλινῆ). 5) ἤπερ VVind. 6) παρὰ P. 7) ἀνεπίληπτον Vind. 8) παντὸς вставл. PV Vind. 9) σῆς вставл. PV (Vind. рукой XIII в.). 10) cod. выскобл. верхняя часть отъ ε и осталось σαυτῆς. 11) τε проп. PV. 12) καὶ θεοσεβέστατον проп. V. 13) κλαίοντος V. 14) αὐτῷ ἐκκλησίας P. 15) καὶ вставл. Vind.

има· съ вещию имѣти кмоу рекъше-
аще бѣ достоинъ· не прѣдъстати
прѣдъ[1] бжьствьнъимь олтарьмь ни
тѣмь почьтеноу бъıти зъваниемь
епископьства·[2] нъ равьно изволитьса
оубо твоемоу болюбию· жестоко бъıти
нѣкое· и недоуголюбиво отъ мене[3]
слово· имать же не сице по истинѣ·
помиловати бо некъли къде мьнимъ
старьца· кдино кмоу зъваніе·
оставльше· бѣ же оуне разоумѣти и
дроугое· глѣть бо моци оставити
своимь останъкъмь· не прıати же
врѣмене цвѣта· ни послоушанıа кмоу
прѣдъложити[4] правильнааго· аще бъı
бъıло чьто таково томоу въспомина-
нии[5] съставлению цбличило бъı кго·
или цвата винами· повиньна[6] вавлена
и ничьто же имоуща прочее рещи-
акъı озълоблена· рекъше свободьна
соудити· пакъı дааше· еже зластоу-
пати цр҃квь или подъ роукою бъıсть
кго· ни на кдиноу бо[7] сътвореноую
таковоую вещь· въпиють· неправьдоу
непрѣтърпимоу[8] подаıти рече· и безза-
коньно изгънаноу бъıти· и къ навода-
цıюоумоу· ако и въсхъıщено бъıсть·

ὄνομα μετὰ τοῦ πράγματος ἔχειν αὐτόν,
ἡγοῦν,[1] εἴπερ ἦν ἄξιος τοῦ[2] μὴ προε-
στάναι θείου θυσιαστηρίου, μηδ' αὐτῇ
τιμᾶσθαι τῇ κλήσει τῆς ἐπισκοπῆς.
ἀλλ' ἴσως δόξειεν ἂν τῇ σῇ θεοφιλείᾳ[3]
σκληρὸς εἶναί τις καὶ ἀφιλάλληλος[4]
παρ' ἐμοῦ λόγος· ἔχει δὲ οὐχ οὕτω
κατὰ τὸ ἀληθές· ἐλεῆσαι γὰρ τάχα
που νομίζομεν τὸν πρεσβύτην, μόνην
αὐτῷ τὴν κλῆσιν ἀφέντες. ἦν δὲ[5]
ἄμεινον ἐννοῆσαι καὶ τὸ ἕτερον·[6]
φάσκει γὰρ δύνασθαι μὲν συστῆναι τῇ
οἰκείᾳ ὑπολήψει, οὐ λαβεῖν δὲ καιρὸν
ἀπολογίας, οὔτε μὴν ἀκρόασιν αὐτῷ
προτεθῆναι κανονικήν. εἰ[7] ἐγεγόνει[8]
τι τοιοῦτον, αὐτὴ τῶν ὑπομνημάτων
ἡ σύστασις διήλεγξεν[9] αὐτόν, ἢ ἁλόντα
τοῖς αἰτιάμασιν ἔνοχον ἀποπεφασμέ-
(л. 227[b])νον καὶ οὐδὲν ἔχοντα λοιπὸν
εἰπεῖν ὡς ἠδικημένον, ἥγουν ἐλεύθερον
ἀποφήνασθαι[10] πάλιν ἐδίδου τὸ προε-
στάναι τῆς ἐκκλησίας, ἢ[11] καὶ ὑπὸ
χεῖρα γέγονεν τὴν αὐτοῦ· οὐδενὸς γὰρ[12]
πεπραγμένου τοιούτου, καταβοᾷ τοῦ
πράγματος.[13] ἀδικίαν ἀφόρητον ὑπο-
στῆναί φησιν καὶ ἀθέσμως ἐκβεβλῆ-
σθαι, προσεπάγων ὅτι καὶ ἡρπάσθη

1) прѣ *C.* 2) епископьства *ПС.* 3) *cod.* мене *по скобл. (вм. 4 буквъ* съ +). 4) прѣложити *C.* 5) *cod. надъ слогомъ* ни *ставитъ* +; *П* въспоминанїи. 6) повинная *П.* 7) то *C.* 8) м *вставл. C, но зачеркив.*

1) ὁ γ' οὖν P. 2) τὸ P. 3) θεοσεβείᾳ P Vind.; V обрывается вся рукопись на слогахъ θεο и потому весь дальнѣйшій текстъ посланія отсутствуетъ. 4) ἀφιλάληθος Patm. 173; φιλαλήθης Patm. 172; ὁ вставл. P Vind. 5) μακρῷ δὲ ἦν PVind. (вм. ἦν δὲ). 6) κατώτερον Patm. 172 (вм. καὶ τὸ ἕτερον). 7) δ' вставл. P Vind. 8) ἐγεγόνει P Vind. 9) ἂν вставл. P Vind. 10) ἀποφήνασα P Vind. 11) ἢ P Vind. 12) δὲ P Vind. 13) καὶ вставл. Vind. рукой XIII в.

подобьноє[1] ємоу имѣниє· твоє[2]
л. 219 b. оубо прѣподобиє· | разоумѣюще·
неже къ бжественъимъ канономъ·
и лѣпоє цр҃кви· и повелѣнъимъ
на чистоую слоужьбоу·[3] ище же
къ симъ еже ѡ насъ оумолєноє[4]
писаниє· да оуставитъ того сльзы·
и ище хощетъ пьрѣтисѧ· и съ наводѧщимъ ємѹ[5] винъı· да пьритьсѧ
по обычаю· прѣдъ бочьстиємь твоимь· пришьдъшемъ[6] ѡвѣ· ѡко подъ
тою же роукою· бочьстивъıихъ ѥпп҃ъ·[7]
развѣ ище не ѡрицаѥтьсѧ нѣкъıихъ·
акъı видѣвъшихъ· ни єдиного бочьстивъıихъ ѥпп҃ъ·[8] ненавистьно[9]
съмъıслити братоу вѣроующємъ· да не
боудеть извѣтъ тъ соущии на нємь
соудъ разд[р]оушаѧ·[10] ѡко не мьнѣти
въ соудѣ творити· ничьто же ѥсть
оскрьбляѧи· и[11] изити и съньмища
прѣдъ лицьмь[12] нѣкъıимь· въсѧтоє
же неправьдьно ѡ нѣго имѣниє·[13]
отъдати правьдьно· по дъвѣма образома· пьрьвѣє оубо ѡко скърбѣти
зѣло· ѡко не подоблаше вьсѧко[14]
бъıти таковоу·[15] и въ послѣдьнюю
неправьдоу съводить· по вьсеи зємли
соущаѧ бочьстьнъıѧ ѥпп҃ъı· еже

πάντα τὰ αὐτῷ προσήκοντα χρήματα. ἡ σὴ τοίνυν[1] ὁσιότης ἐννοοῦσα[2] καὶ τοῖς τεταγμένοις εἰς ἱερὰν λειτουργίαν, ἔτι τε[3] πρὸς τούτοις καὶ τὰ παρ' ἡμῶν δυσωπηθεῖσα τούτου[4] τὸ δάκρυον. καὶ εἰ μὲν ἔλοιτο δικάσασθαι πρὸς τοὺς ἐπάγοντας αὐτῷ τὰς αἰτίας, δικαζέσθω κατὰ τὸ εἰωθὸς ἐπὶ τῆς σῆς θεοσεβείας, συμπαρόντων δηλονότι τῶν ὑπὸ τὴν αὐτῆς χεῖρα θεοσεβεστάτων ἐπισκόπων, ἐκτὸς εἰ μὴ παραιτοῖτό τινας ὡς ὑπόπτους· οὐδένα μὲν γὰρ τῶν θεοσεβεστάτων ἐπισκόπων ἐχθρὰ φρονεῖν ἀδελφῷ πιστεύομεν. ἵνα δὲ μὴ πρόφασις αὕτη[5] γένηται, τὴν ἐσομένην ἐπ' αὐτῷ κρίσιν παραλύουσα, πρὸς τὸ μὴ ἐν δίκῃ πεποιῆσθαι δοκεῖν, οὐδέν ἐστιν τὸ λυποῦν ἀπεῖναι τοῦ συνεδρίου τῶν ἐν ὑποψίᾳ τινάς.[6] τὰ δὲ ἀδίκως ληφθέντα παρ' αὐτοῦ χρήματα ἀναδοθῆναι δίκαιον κατὰ δύο τρόπους· πρῶτον μὲν ὅτι οὐδὲ ἐχρῆν ὅλως γενέσθαι τι (л. 228 a) τοιοῦτον, καθότι[7] λυπεῖ σφόδρα καὶ εἰς ἐσχάτην ἀδικίαν[8] καταφέρει τοὺς ἁπανταχόσε γῆς ὄντας θεοσεβεστάτους ἐπισκόπους, τὸ

1) подобно *C.* 2) твоемѣ *C.* 3) слѣжѣ *C.* 4) оумолениѣ *C.* 5) *cod. вторая половина* м *по скобл.* (*не было ли* го?). 6) пришѣшимъ *П.* 7) епископъ *П.* 8) епископъ *П.* 9) невистьно *C.* 10) *исправл. по C;* разрѣшаѧ *П.* 11) *cod. выскобл. передъ* и *одну букву* (н?) *съ* +-; и *проп. П.* 12) лимьмь *cod. C, но cod. надъ* м *посль* и *ставитъ* +. 13) имѣниѣ *C.* 14) всѧкого *П.* 15) таковомѣ *C.*

1) τοιγαροῦν P Vind. 2) καὶ τὸ τοῖς θείοις κανόσι δοκοῦν καὶ τὸ πρέπον τῇ ἐκκλησίᾳ вставл. P Vind. 3) τε проп. Vind. 4) γράμματα στησάτω τοῦ πρεσβύτου P Vind. (вм. τούτου). 5) αὐτη Patm. 172. 6) β' вставл. P. 7) καὶ ὅτι P Vind. 8) ἀκηδίαν PVind.

ѿдати словеса съмотрениа прѣгрѣшающимъ имъ· ноужьдьнаго
иждитиа· или ѿ прибытъка цр҃квьнаго· или ѿ нѣкыихъ плодоноса·
къжьдо бо насъ своихъ врѣменъ
дасть слово· вьсѣмъ[1] соудии· притажания бо имѣниа не|движимаа·
неѿрочьно цр҃квами сп҃сти подобаетъ· довъльномъ же бъıти строащимъ· на вьсако врѣмя бж҃ьствьное чистителъство· подающаго ижитиа[2] съмотрениа· ѿрицаниа же
образъı· не изволению своемоу·
нъ акъı отъ ноужда и страха·
и прѣльщениа нѣкыихъ рече
[въда]ти[3] рече·| и[4] инако же вещь
есть· ни оустави цр҃квьнъıими·
въгодьно же образъı отъреченіа·
приносити нѣкъıимъ отъчистителюмъ·[5] аще бо сѫть достоини[6] слоужениа· да боудоуть[7] въ нѣмь· аще
ли недостоини· не ѿ[8] отъреченіа да
боудоуть· осоужение же паче при
вещьхъ· на нъıже аще къто мъного
сътворитъ· възъпѣние ако вънѣ
текоущихъ· вьсакого подобиа·
прирьци еже ѿ тебе братолюбиета съ нами о гд҃ь наречеть·

ἀπαιτεῖσθαι λόγους τῆς οἰκονομίας τῶν παραπιπτόντων αὐτοῖς ἀναγκαίων[1] ἀναλωμάτων, εἴτε ἐκ προσόδων ἐκκλησιαστικῶν, εἰτοῦν καὶ ἀπό τῆς τινων καρποφορίας· ἕκαστος γὰρ ἡμῶν τῶν ἰδίων καιρῶν δώσει λόγον τῷ πάντων κριτῇ. κειμήλια μὲν γὰρ καὶ л. 220 a.
κτήσεις ἀκινήτους ἀνεκποίητως ταῖς ἐκκλησίαις σώζεσθαι χρή· θαρσεῖσθαι δὲ τοὺς κατὰ καιρὸν τὴν θείαν διέποντας ἱερωσύνην τῶν παραπιπτόντων ἀναλωμάτων τὴν οἰκονομίαν. τοὺς[2] δὲ τῆς παραιτήσεως λιβέλλους οὐ κατὰ προαίρεσιν οἰκείαν, ἀλλ' ὡς ἐξ ἀνάγκης καὶ φόβου καὶ τῆς τινων ἀπειλῆς ἐπιδοῦναί φησιν. καὶ ἑτέρως δὲ πρᾶγμά ἐστιν οὔτε τοῖς τῆς ἐκκλησίας ἀρέσκον θεσμοῖς τὸ λιβέλλους παραιτήσεως[3] προσάγειν τινὰς τῶν ἱερουργῶν· εἰ γάρ εἰσιν ἄξιοι τοῦ λειτουργεῖν, ἔστωσαν ἐν τούτῳ· εἰ δὲ ἀναξιοι, μὴ ἀπὸ παραιτήσεως ἐξίτωσαν, κατεγνωσμένοι δὲ μᾶλλον ἐπὶ πράγμασιν, ὧν ἄν τις πολλὴν ποιήσαιτο τὴν καταβοήν, ὡς ἔξω τρεχόντων πάσης ἀκολουθίας. πρόσειπε τὴν παρὰ σοὶ ἀδελφότητα. σὲ ἡ σὺν ἡμῖν ἐν κυρίῳ προσαγορεύει.

1) *cod.* м *по скобл.* (*вм.* χ?). 2) иждитиа *II.* 3) *исправл. по II.* 4) и *проп. C.* 5) ꙮчистителемъ *C.* 6) досто *C.* 7) боудѫ *IIC.* 8) ѿ *II.*

1) ἀναγκαίων проп. P Vind. 2) P Vind. начин. съ красной строки, какъ новое правило: γ'. Τοὺς... 3) παραιτήσεων P Vind.

того [1] же иже въ лу҃вии· и въ пентаполии· къ епископомъ·

Д· Вьсякого бл҃гаго [2] и поуждьнаго· на въздражениѥ людьмъ· съвьршающю [3] же· на въсприиатиѥ [4] ст҃ыихъ цр҃квъ· печаль творити подобаѥть· писано бо ѥсть· ꙗко бл҃гобоꙗзнивъı творите [5] сн҃ы изл҃ѣвъı· манаскиньскии [6] оу҃бо оц҃и· иже по фиваидискѣи епархии· моужи бл҃гобоꙗзнивии· и не чюдьно имоуще·

л. 220 b. пришьдъше [7] въ алекксандрию· въпросими отъ мене· оустроениѥ тоу соущ҃ихъ манастъırь· оучаахоу ꙗко блажнаютьсѧ [8] мъноꙁи· таковъıѧ ради винъı· млади женивъшесѧ нѣции ѿ нихъ съшьдъшеи· невѣститель съвъсхъщаютъ· нѣкъıѧ бол҃ювивъıѧ епп҃ъı· и ни єдиного же оубо ꙗже [9] на нѧ извѣщающе· стаютъ клирици рекъше попове· дроуꙁии же нѣции ѿ тѣхъ манастъırь· [10] ꙗко [11] непослоушьливии изгоними· пакъı приходѧть на поставлениѥ клирици [12] въıвъшеѥ и въходѧть· [13] въ тъıи же манастъıрѧ· ѿнюдоуже изгънани бъıша· и хотѧть приношенияѧ творити· єлико клирикомъ обычаи съвьршати·

(л. 228ª—229ª).* ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΤΟΙΣ ΚΑΤΑ ΑΙΒΥΗΝ ΚΑΙ ΠΕΝΤΑΠΟΛΙΝ 'ΕΠΙΣΚΟΠΟΙΣ.

Παντὸς τοῦ χρησίμου καὶ ἀναγκαίου πρὸς οἰκο(л. 228ᵇ)δομὴν τῶν λαῶν, τελοῦντος δὲ καὶ εἰς ὑπόληψιν τῶν ἁγίων ἐκκλησιῶν, φροντίδα ποιεῖσθαι χρή· γέγραπται γάρ, ὅτι, Εὐλαβεῖς ποιεῖτε τοὺς υἱοὺς Ἰσραήλ. μοναστηρίων τοίνυν πατέρες τῶν κατὰ τὴν Θηβαΐδα [1] ἐπαρχίαν, ἄνδρες εὐλαβεῖς καὶ οὐκ ἀθαύμαστον ἔχοντες πολιτείαν, ἐλθόντες ἐν Ἀλεξανδρείᾳ, ἐρωτώμενοί τε παρ' ἐμοῦ τὴν κατάστασιν τῶν αὐτόσε μοναστηρίων, ἐδίδασκον, ὅτι σκανδαλίζονται πολλοὶ διὰ τοιαύτην αἰτίαν. νεωστὶ [2] γεγαμηκότες τινὲς καὶ οἱ [3] ἐξ αὐτῶν καταβάντες τῶν νυμφώνων συναρπάζουσί τινας τῶν θεοφιλεστάτων ἐπισκόπων, καὶ οὐδενὸς τάχα που τὰ κατ' αὐτοὺς ἀπαγγέλλοντος, χειροτονοῦνται κληρικοί, ἤγουν πρεσβύτεροι. ἕτεροι [4] δέ τινες ἐξ αὐτῶν τῶν μοναστηρίων ὡς ἄτακτοι ἐκβαλλόμενοι, πάλιν ὑποτρέχουσι τὰς χειροτονίας καὶ γενόμενοι κληρικοὶ εἰσέρχονται καὶ ἐν αὐτοῖς τοῖς μοναστηρίοις, ὅθεν ἐκβέβληνται, καὶ βούλονται προσφέρειν καὶ ὅσα κληρικοῖς ἔθος πληροῦν,

1) *У проп. это посланіе Кирилла Александр.* 2) бл҃го *C.* 3) съвьршающе *C.* 4) *cod. выскобл. двѣ буквы послѣ* въ *и оставилъ пустое мѣсто.* 5) *cod. конечное* ѥ *по скобл. (вм.* ъ?). 6) манастырьскын *П.* 7) *cod.* ш *въ слогѣ* шь *по скобл. (вм. одной буквы съ* +). 8) съблажнаютсѧ *П.* 9) ꙗко же *П.* 10) манастырѧ *C, но* ρ *другой рукой.* 11) ꙗко *проп. C.* 12) *cod. переправл.* ц *изъ* к. 13) и въходѧть *проп. C.*

* Въ V отсутств. (вырв.?) это посланіе Кирилла Александр. Варіанты приведены и изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 175ᵇ—176ª (=Vind.).

1) Θηβαίων PVind. 2) P начин. съ красн. строки, какъ особое правило: α'. Νεωστὶ... 3) οἷον PVind. 4) P начин. съ красной строки какъ новое правило: β'. Ἕτεροι...

и си творити· ꙗко и нѣкыимъ видѣвъшиимъ ѡ· ѿрещиса[1] и съньмищь· и не търпѣти приобщатиса слоужащиимъ имъ· понѣже оубо на
5 ѯеданиѥ· ꙗко же рекохъ людьмъ[2] вьса подобаѥть творити· оу насъ ѿчьстиѥ[3] ваше· и аще къто хощеть поставлѥнъ быти клирикъ· испытати житиѥ ѥго· и каково къгда подроужиѥ имѣ или[4] ни· и къгда приведе
10 или оудалꙗашеса· и аще не ѥсть къто изгънанъıихъ или ѿ ınого ѿчьстивааго єпа· или ѿ манастъıревъ· и тъгда поставлꙗи неизгънанаа́го обрѣтъшаса· съблюдѣмъ же сице чистоу свою съвѣсть· и непорочьноѥ
15 свѣщениѥ· и чистоѥ слоужениѥ· аще | ли ѿлоучениѥ[5] приимъше нѣцин· ѯапрѣщени[6] бъıвъше прѣгрѣшении ради· по семь хотать оумрети· оглашени[7] соуще да крьщени боудоуть·
20 и да не отиидоуть[8] чл҃вѣчьскъıихъ непричастьни бл҃годати и ти·[9] рекъше ни приобщьнї[10] мьнить бо са вънимати и се· цр҃квьнъıимь оуставъмь | рьцѣте оу васъ братии· | въı съ вами
25 о гд҃ь наречеть·

καὶ ταῦτα δρᾶν, ὡς καί τινας τῶν εἰδότων αὐτοὺς παραιτεῖσθαι καὶ τὰς συνάξεις καὶ μὴ ἀνέχεσθαι κοινωνεῖν λειτουργούντων ἐκείνων.

Ἐπειδὴ[1] τοίνυν πρὸς οἰκοδομήν,[2] ὡς ἔφην, τῶν λαῶν πάντα χρὴ πράττεσθαι παρ' ἡμῖν,[3] ἡ θεοσέβεια ὑμῶν, καὶ εἴ μέλλοι τις χειροτονεῖσθαι κληρικός, περιεργαζέσθω τὸν βίον (л. 229ª) αὐτοῦ καὶ πότερον πότε[4] γαμετὴν ἔχει ἢ οὔ, καὶ πῶς ἢ πότε ἠγάγετο, καὶ εἰ ἀπέσχετο, καὶ εἰ μή τίς ἐστιν τῶν ἐκβεβλημένων ἢ παρ' ἑτέρου θεοσεβεστάτου ἐπισκόπου ἢ ἐκ μοναστηρίων, καὶ τότε χειροτόνει[5] τὸν[6] ἀδιάβλητον εὑρεθέντα. τηρήσομεν[7] γὰρ οὕτω καθαρὸν καὶ τὸ ἑαυτῶν[8] συνειδὸς καὶ ἀδιάβλητον τὴν ἱερὰν καὶ σεπτὴν λειτουργίαν. ἐὰν[9] δὲ χωρισμὸν ὑπομείνωσί τινες ἐπιτιμηθέντες πταισμάτων ἕνεκα, εἶτα μέλλωσιν τελευτᾶν, κατηχούμενοι ὄντες, βαπτιζέσθωσαν καὶ μὴ ἀποδημείτωσαν τῶν ἀνθρωπίνων ἀμέτοχοι[10] τῆς χάριτος, ἡγοῦν[11] ἀκοινώνητοι· δοκεῖ γὰρ προέχειν[12] καὶ τοῦτο τοῖς τῆς ἐκκλησίας θεσμοῖς. προσείπατε τὴν παρ' ὑμῖν ἀδελφότητα. ὑμᾶς ἡ σὺν ἡμῖν ἐν κυρίῳ προσαγορεύει. л. 221 а.

---

1) ѿрещїа *II.* 2) люде *C.* 3) ѳчестїе *C.* 4) ли *C.* 5) ѿслоуженїе *II.* 6) запрѣщенїи *II.* 7) wглашенїи *II.* 8) ѿинѣдъ *C.* 9) ти *προπ. II.* 10) прнобщенїи *C.*

1) P начин. съ красной строки какъ новое правило: γ'. Ἐπειδή... 2) οἰκομήν Patm. 173. 3) ἡμῶν P Vind, въ которыхъ затѣмъ вставл. ἐπιτηρείτω ταῦτα. 4) πότερόν ποτε P Vind. 5) χειροτονείτω PVind. 6) τὸν προπ. P Vind. 7) τηρήσωμεν P, но Patm. 172 надъ ω надпис. ο. 8) ἑαυτὸν cod. 9) P начин. съ красной строки какъ новое правило: δ'. Ἐὰν... 10) cod. переправл. изъ ἀμετόχοι. 11) ἤγουν P Vind. 12) προσέχειν Vind.

блаженаго дионисиа архиепа къ василидоу александрьскаго.[1]

а.[2] Дионисии василидоу възлюблѣноумоу моемоу. и братоу съслоужьбьникоу.[3] и болѣпьно о гѣ радоватисѧ. посълалъ ми иси вѣрьнъıихъ изьбранъıи[4] сиѣ мои. пъıтаю въ кънн часъ поститисѧ подобаѣть. въ соуботьнъıи днь пасхъı. нѣкъıимъ бо ѡ братиа глати рече. ꙗко подобаѣть се творити. къ възглашению коура. нѣцѣи же съ вечера[5] подобаѣть рече. братиа бо въ римѣ ꙗко же видѣша. ожидаютъ коура. о сихъ же глѣши. ꙗко скорѣишюю извѣстоу заповѣдь положити ищеши. и часъ зѣло измѣренъ. иже неоудобьно и блазьньно[6] ѥсть. ово бо по въскрьсении га нашего врѣмени подобаѣть праздьникъ и веселие начинати. того дша поученикмь съмѣрающа. ѡ всѣхъ тако же исповѣдано боудеть. оустроилъ же иси ихъже ради написалъ ми иси зѣло съдраво.
л. 221 b. и бжьствьнаго евангліа разоумѣвъ.

(л. 229ª—232ª). ΤΟΥ ΜΑΚΑΡΙΟΥ ΔΙΟΝΥΣΙΟΥ, ’ΑΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ’ΑΛΕΞΑΝΔΡΕΙΑΣ.[1]

Διονύσιος Βασιλείδῃ τῷ ἀγαπητῷ μου[2] καὶ ἀδελφῷ συλλειτουργῷ καὶ θεοπρεπεῖ,[3] ἐν κυρίῳ χαίρειν.

’Επέστειλάς μοι, πιστότατε καὶ λογιώτατε[4] υἱέ μου, πυνθανόμενος καθ’ ἣν ὥραν ἀπονηστίζεσθαι δεῖ τῇ τοῦ πασχα περιλύσει· τινὰς μὲν γὰρ τῶν ἀδελφῶν λέγειν φησίν,[5] ὅτι χρὴ τοῦτο ποιεῖν πρὸς τὴν ἀλεκτοροφωνίαν, τινὰς δὲ[6] ἀφ’ ἑσπέρας χρή· οἱ μὲν γὰρ ἐν Ῥώμῃ ἀδελφοί, ὥς φασι, περιμένουσι τὸν ἀλέκτορα· περὶ δὲ τῶν ἐνταῦθα λέγεις,[7] ὅτι τάχιον. ἀκριβῆ[8] ὅρον ἐπιτιθέναι[9] ζητεῖς καὶ ὥραν πάνυ (л. 229ᵇ) μεμετρημένην, ὅπερ καὶ δύσκολον καὶ σφαλερόν ἐστιν· τὸ μὲν γὰρ ὅτι[10] μετὰ τὸν τῆς ἀναστάσεως τοῦ κυρίου ἡμῶν[11] καιρὸν χρὴ τῆς ἑορτῆς καὶ τῆς εὐφροσύνης ἐνάρχεσθαι, μέχρις ἐκείνου τὰς ψυχὰς ταῖς νηστείαις ταπεινοῦντος,[12] ὑπὸ πάντων ὁμοίως ὁμολογηθήσεται. κατεσκεύασας δὲ δι’ ὧν ἔγραψάς μοι πάνυ ὑγιῶς καὶ τῶν θείων εὐαγγελίων ἠσθημένος,[13]

---

1) *У заглавіе:* блаженаго дионисиа. *C in t.* ді. 2) *У проп. все правило 1.* 3) братослоужебникоу *II* (*вм.* братоу съслоужьбьникоу). 4) изьбранъıихъ *проп. II.* 5) вѣрча *C, по* ч *вычеркив.* 6) блазно *II.*

1) ἐπιστολὴ περὶ τοῦ, ποίαν ὥραν τοῦ ἁγίου σαββάτου ἐπιφωσκούσης τῆς ἁγίας κυριακῆς χρὴ ἡμᾶς ἀπονηστίζεσθαι τῇ νυκτὶ δοβαβλ. V. 2) υἱῷ вставл. PV. 3) καὶ θεοπρεπεῖ проп. V. 4) μου вставл. cod., по выскобл. 5) φὴς PV. 6) ὅτι вставл. PV. 7) ἔλεγες PV. 8) δὲ вставл. PV. 9) ἐπιτεθῆναι Patm. 172. 10) ὅτι μὲν γὰρ V (вм. τὸ μὲν γάρ, ὅτι). 11) ἡμῶν проп. V. 12) ταπεινοῦντας PV. 13) ἠσθημένως Patm. 172, причемъ ω переправл. изъ какой-то другой буквы.

ꙗко ничьто же неизвѣсто въ
нѥмь о часѣ· ꙗвлꙗѥтьсѧ въ нѣже
въскрьсе различьно бо еванг҃листи·[1]
пришьдъшаꙗ на бракъ· написаша
въ врѣмена измѣнѥна· и вси
въставъша· абие рекоша обрѣстисѧ
въ вечеръ соуботьнъ· ꙗко же
матьдѣи рече и рано ѥще тьмѣ
соущи ꙗко же иѡ҃анъ пишеть· и
зѣло рано ꙗко же лоука· и
въшьдъшю сълньцю ꙗко же марко
и къгда бо въскрьсе ꙗвѣ ни одинъ
же не сказа· ꙗко же въ вечеръ[2]
соуботамъ свитающи въ ѥдиноу
соуботъ· до въсхода сл҃нцю ѥдиноѧ
соуботъ· на гробъ пришьдъшенкъ
томоу лежащꙗ ѥго въ нѥмь[3]
не постигоша· се оубо исповѣдано
бысть· да ни възглашати ни
противлꙗтисѧ ев҃анг҃листомъ межю
собою не мьнимъ· нъ ꙗце дългословиѥ нѣкоѥ мьнитьсѧ· о възнѥмѣмь· ꙗце съвѣщающе вьси въ
тоу нощь· вьсего мира свѣтоу· г҃оу
нашемоу въсиꙗти· о часѣ пьрвѣтьнъ мы бл҃горазоумьно реченаꙗ· и
вѣрьно съчетати оусьрдоуѥмъ·[4]
речено оубо ѿ матьдѣꙗ сице ѥсть·
въ вечеръ соуботъ· свитающи· въ
ѥдиноу соуботъ· приниде мариꙗ
магдалꙗни и дроугаꙗ мариꙗ-

ὅτι μηδὲν ἀπηκριβωμένον ἐν αὐτοῖς περὶ τῆς ὥρας, καθ' ἣν ἀνέστη, φαίνεται. διαφόρως μὲν γὰρ οἱ εὐαγγελισταὶ τοὺς ἐπὶ τὸ μνημεῖον ἐλθόντας ἀνέγραψαν κατὰ καιροὺς ἐνηλλαγμένους, καὶ πάντες ἀνεστηκότα ἤδη τὸν κύριον ἔφασαν εὑρηκέναι, καὶ ὀψὲ σαββάτων, ὡς ὁ Ματθαῖος εἶπεν· καὶ πρωΐας ἔτι σκοτίας οὔσης, ὡς ὁ Ἰωάννης γράφει· καὶ ὄρθρου βαθέως, ὡς ὁ Λουκᾶς· καὶ λίαν πρωὶ ἀνατείλαντος τοῦ ἡλίου, ὡς ὁ Μάρκος. καὶ πότε μὲν ἀνέστη, σαφῶς οὐδεὶς ἀπεφήνατο· ὅτι δὲ ὀψὲ σαββάτων τῇ ἐπιφωσκούσῃ εἰς μίαν[1] σαββάτων, μέχρις ἀνατολῆς ἡλίου τῆς μιᾶς σαββάτων, οἱ ἐπὶ τὸ μνημεῖον παραγενόμενοι οὐκέτι κείμενον αὐτὸν ἐν αὐτῷ κατέλαβον, τοῦτο ἀνωμολόγηται.[2] καὶ μηδὲ διαφωνεῖν, μηδὲ ἐναντιοῦσθαι τοὺς εὐαγγελιστὰς πρὸς ἀλλήλους ὑπολάβωμεν·[3] ἀλλ' εἰ καὶ μικρολογία τις εἶναι δόξει περὶ τὸ ζητούμενον, εἰ συμφωνοῦντες πάντες[4] ἐν ἐκείνῃ τῇ νυκτὶ τὸ τοῦ κόσμου φῶς, τὸν κύριον (л. 230ᵃ) ἡμῶν, ἀνατεταλκέναι, περὶ τὴν[5] ὥραν[6] διαφέρονται, ἀλλ' ἡμεῖς εὐγνωμόνως τὰ λεχθέντα καὶ πιστῶς ἁρμόσαι προθυμηθῶμεν. τὸ μὲν οὖν ὑπὸ τοῦ Ματθαίου λεχθὲν οὕτως ἔχει· Ὀψὲ[7] σαββάτων, τῇ ἐπιφωσκούσῃ εἰς μίαν σαββάτων, ἦλθεν Μαρία ἡ Μαγδαληνὴ καὶ ἡ ἄλλη Μαρία

1) ев҃листи *II, но с переправл. изъ* а. 2) вєръ *II.* 3) и *вставл. II.* 4) вєдрьвємь *C.*

1) μι᾽ PV (вм. εἰς μίαν). 2) V переправл. изъ ἂν ὁμολόγηται. 3) ὑπολάβομεν cod. 4) ὡς μὴ συμφωνούντων πάντων V (вм. εἰ συμφωνοῦντες πάντες). 5) αὐτὴν вставл. V. 6) καὶ ἐν τούτῳ вставл. V. 7) δὲ вставл. P.

видѣти гробъ· и се трусъ
бысть великъ· аг҃лъ бо гн҃ь
съшьдъ съ нб҃се· и при-
стоупль w҃вали камень· и сѣде
на нѥмь· бѣ же зракъ е҃го
ꙗко мълнии· и одѣние его
л. 222 a. бѣло ꙗко снѣгъ· и | и[1] w҃
страхъ же его потрѧсошасѧ
стрѣгоущеи· и бъıша ꙗко
мьртви·[2] w҃вѣщь же аг҃лъ и
рече женамъ[3] не боитесѧ вы·[4]
вѣмъ ꙗко і҃с҃а распѧтааго ищете·
нѣсть сьде въста бо ꙗко же
рече· се же реченое въ вечеръ·
аще нѣции помъıслѧтъ· по обь-
щению гл҃а·[5] вечеръ ꙗвлѧти соу-
ботьнъıи· моудрѣи же слоушаю-
щеи не тако· нъ нощь рано
рекоуть бъıти· за моудрѣние и
дълго лѣто[6] гл҃а·[7] ꙗвлѧющааго
вечеръ· наведе· свитающи въ
единоу соуботъ· и придоша ꙗко
же прочии рѣша носящеи вонѧ·
нъ видѣтъ гроба· и обрѣтоша
троусъ бъıвъшь· и сѣдѧщь аг҃гла[8]
на камени· слъıшаща отъ него
нѣсть сьде въста· тако же и҃ѡанъ[9]
въ единоу соуботъ рече· ма-
риа магдалъıни приде зоутра·

θεωρῆσαι τὸν τάφον, καὶ ἰδοὺ σεισμὸς
ἐγένετο μέγας· ἄγγελος γὰρ κυρίου κα-
ταβὰς ἐξ οὐρανοῦ καὶ[1] προσελθὼν ἀπε-
κύλισεν τὸν λίθον καὶ ἐκάθητο ἐπάνω
αὐτοῦ. ἦν δὲ ἡ ἰδέα αὐτοῦ ὡς ἡ[2] ἀστραπὴ
καὶ τὸ ἔνδυμα[3] λευκὸν ὡσεὶ χιών· ἀπὸ
δὲ τοῦ φόβου αὐτοῦ ἐσείσθησαν οἱ τη-
ροῦντες καὶ ἐγένοντο[4] ὡσεὶ νεκροί. ἀπο-
κριθεὶς δὲ ὁ ἄγγελος εἶπεν ταῖς γυναιξίν·
Μὴ φοβεῖσθε[5] ὑμεῖς· οἶδα γάρ, ὅτι
Ἰησοῦν τὸν ἐσταυρωμένον ζητεῖτε· οὐκ
ἔστιν ὧδε· ἠγέρθη γάρ,[6] καθὼς εἶπεν.
τοῦτο δὲ τὸ λεχθὲν ὀψὲ οἱ μέν τινες οἰή-
σονται κατὰ τὴν κοινότητα τοῦ ῥήματος
τὴν ἑσπέραν δηλοῦσθαι τοῦ σαββάτου,
οἱ δὲ σοφώτερον ἐξακούοντες οὐ τοῦτο,
ἀλλὰ νύκτα βαθεῖαν ἐροῦσιν εἶναι,[7] βρα-
δυτῆτα[8] καὶ μακρὸν χρόνον τοῦ ῥήματος
τοῦ ὀψὲ δηλοῦντος· καὶ[9] ὅτι[10] νύκτα
λέγει καὶ οὐχ[11] ἑσπέραν, ἐπήγαγεν τῇ
ἐπιφωσκούσῃ εἰς μίαν σαββάτων. καὶ
ἦκον οὔπω, ὡς οἱ λοιποί φασιν, τὰ[12] ἀρώ-
ματα φέρουσαι, ἀλλὰ θεωρῆσαι τὸν τά-
φον, καὶ εὗρον τὸν σεισμὸν γεγονότα[13]
καὶ καθήμενον τὸν ἄγγελον (л. 230[b])
ἐπὶ τοῦ λίθου, καὶ ἀκηκόασιν παρ' αὐτοῦ,
Οὐκ ἔστιν ὧδε, ἠγέρθη. ὁμοίως Ἰωάν-
νης· Ἐν μιᾷ τῶν σαββάτων, φησίν,
Μαρία ἡ Μαγδαληνὴ ἦλθεν πρωΐ[14]

1) и *проп. П.* 2) мрътвіи *П.* 3) намъ *С.* 4) вы *П.* 5) гл҃а *СП.* 6) тѣло *С.* 7) гл҃а *П.* 8) аг҃лъ *П.* 9) наwнъ *С.*

1) καὶ проп. P. 2) ἡ проп. PV. 3) αὐτοῦ вставл. PV. 4) ἐγενήθησαν P. 5) φοβεῖσθαι cod., но надъ αι надпис. ε. 6) γὰρ проп. P. 7) εἶναι проп. V. 8) βραδύτητα P. 9) καὶ проп. V. 10) δὲ вставл. V. 11) οὐκ cod. 12) τὰ проп. P. 13) γινόμενον V. 14) ἔτι вставл. PV.

ищє [1] тьмѣ соущи на гробъ· и видѣ камень възѧтъ [2] отъ гроба· обаче отъ того ищє соущи [3] тьмѣ· обаче къ оутроу
5 из [4] гроба исхожаашє· лоука же рече соубота оубо оумълче по заповѣди· въ єдиноу же соуботъ зѣло рано пришьдъша на гробъ· несоуща иже оуготоваша вона·
10 wбрѣтоша же камень wвалєнъ w гроба· зѣло оутро рано· къ ивлающисѧ зари· оутрьнюю ивлаєть· єдиноѧ соуботъ· миноувъшаѧ ради абие· съвьршено съ
15 вьсею ноцию· иже по нємь соуботѣ· и дроугоумоу начинающюсѧ дни· придоша вона и мѹ̈ро носаще· ако ивѣ | ако въстаашє· [5] прѣже многа се въслѣ-
20 доують и марко гла· коупиша вона да пришьдъша помажють и [6] зѣло зааутра въ єдиноу [7] соуботъ придоша на гробъ· въшьдъшю слнцю зѣло бо [8] зааутра ісъ рече·
25 иже тоє же рече єсть· зѣло рано· и наведе въшьдъшю слнцю [9] стрьмлєниє оубо и поуть и сихъ· ивѣ ако зѣло рано· и

σκοτίας οὔσης, εἰς τὸ μνημεῖον, καὶ βλέπει τὸν λίθον ἠρμένον ἐκ τοῦ μνημείου· πλὴν παρ' αὐτοῦ τὸ [1] σκοτίας οὔσης ἔτι, πλὴν τὸ [2] πρὸς ἕω τοῦ μνημείου προεληλύθει. [3] ὁ δὲ Λουκᾶς φησιν· Τὸ μὲν σάββατον ἡσύχασεν [4] κατὰ τὴν ἐντολήν, τῇ δὲ μιᾷ τῶν σαββάτων ὄρθρου βαθέως ἐπὶ τὸ μνῆμα ἦλθον, φέρουσαι ἃ ἡτοίμασαν ἀρώματα· εὗρον δὲ τὸν λίθον ἀποκεκυλισμένον ἀπὸ τοῦ μνημείου. ὁ βαθὺς [5] ὄρθρος ἴσως προσυποφαινομένην [6] αὐγὴν ἑωθινὴν ἐμφανίζει τῆς μιᾶς [7] σαββάτων, διὰ τοῦ [8] παρῳχηκότος [9] ἤδη τελείως σὺν τῇ μετ' αὐτὸν [10] νυκτὶ πάσῃ [11] τοῦ σαββάτου, καὶ ἑτέρας ἀρχομένης ἡμέρας [12] ἦλθον τὰ ἀρώματα καὶ τὰ μύρα [13] φέρουσαι· ὅτι [14] δῆλον, ὡς ἀνειστήκει πρὸ л. 222 b.
πολλοῦ. τοῦτο [15] κατακολουθεῖ καὶ ὁ Μάρκος λέγων· Ἠγόρασαν ἀρώματα, ἵνα ἐλθοῦσαι ἀλείψωσιν αὐτόν· καὶ λίαν πρωὶ τῆς μιᾶς [16] σαββάτων ἔρχονται ἐπὶ τὸ μνημεῖον ἀνατείλαντος τοῦ ἡλίου· λίαν μὲν γὰρ πρωὶ καὶ οὗτος [17] εἶπεν· ὅπερ ταυτόν ἐστι τὸ [18] βαθέως ὄρθρου, καὶ ἐπήγαγεν, ἀνατείλαντος τοῦ [19] ἡλίου. ἡ μὲν γὰρ ὁρμὴ καὶ ὁδὸς αὐτῶν δῆλον ὡς ὄρθρου βαθέως καὶ

---

1) ище *II.* 2) вѣзатъ *проп. C.* 3) сѣще *C.* 4) и *C.* 5) вѣсташе *C.* 6) и *вставл. II.* 7) едино *C.* 8) бо *проп. II.* 9) sѣло заѕтра ісъ рѣ. еже тое же рѣ єсть sѣло рано и наведе вошѣшю слнцю *вставл. C.*

1) παρὰ τοῦτο PV (вм. παρ' αὐτοῦ τὸ). 2) τοῦ V. 3) ἐληλύθει V. 4) ἡσύχασαν PV. 5) οὖν вставл. V. 6) προϋποφαινομένην PV. 7) τῶν вставл. V. 8) τοῦτο P. 9) διὰ τὸ παρῳχηκέναι V. 10) αὐτοῦ V. 11) παντὸς V. 12) ὅτε вставл. PV. 13) μῦρα P; τὰ μύρα καὶ τὰ ἀρώματα V. 14) ὅτε PV. 15) τούτῳ V. 16) вм. τῆς μιᾶς: V μιᾷ τῶν, P μιᾷ. 17) cod. переправл. изъ οὕτως. 18) τῷ V. 19) τοῦ проп. V.

ꙁѣло ꙁаоутра начаша· простьре же по ѡшьствію и оу бывъшихъ оу гроба· до въсхода сл҃нца и г҃ла имъ тъгда оуноша въ бѣлахъ ризахъ нѣсть сьде·

ѕ҃· [1] Симъ тако соущемъ· [2] тѣмь извѣстославьше вьлюкмъ въ къи часъ· или въ кое полоучасие· или въ четвьртъи часъ начинати подобаше· въ г҃нѣ из мьртвъихъ въскрьсение радость· оуранающаа же ꙁѣло· и прѣже ноши близъ оубо прѣполовящисѧ· ѿпоущающихъ ꙗко прѣнемагаливъи· и неоудьржаливъи оукарающемъ· [3] ꙁа малъмь раꙁдрѣшающаа [4] течение· г҃лющю [5] моужю прѣмоудроу· мало въ житии иже паче мала· [6] ожидающаа же довъльно на большее· и до четвьртъıа стража ноши· прѣбъıвающаа· въ нюже и плавающаа сп҃съ нашь ходѧ [7] по морю ꙗвисѧ· ꙗко добли и троудолюбивъ [8] приемлюмъ· почивъшимъ межю тѣми· ꙗко же подвигошасѧ или
л. 223 а. въꙁмогоша· да | не сътоужаюмъ ꙁѣло· понеже ни шесть дн҃ии поставьно ни тако же вьси прѣбъıваютъ нъ оубо и [9] всѣхъ ожьдавъшеи·

λίαν πρωὶ (л. 231[a]) κατήρξαντο· παρέτειvεν δὲ [1] κατὰ [2] τὴν πορείαν, καὶ περὶ τὸ μνημεῖον διατρίβουσαι μέχρις ἀνατολῆς ἡλίου· καὶ λέγει καὶ [3] τότε ταύταις ὁ νεανίσκος ὁ λευχείμων· [4] οὐκ ἔστιν ὧδε.

α′. Τούτων οὕτως ἐχόντων, τούτοις [5] ἀκριβολογουμένοις ἀποφαινόμεθα, κατὰ ποίαν ὥραν, ἢ καὶ ποῖον ἡμιώριον, [6] ἢ ὥρας τέταρτον, ἄρχεσθαι προσῆκεν τῆς ἐπὶ [7] τοῦ κυρίου ἡμῶν ἐκ νεκρῶν ἀναστάσει χαρᾶς· τοὺς μὲν λίαν ἐπιταχύνοντας καὶ πρὸ νυκτὸς ἐγγὺς ἤδη μεσούσης ἀνιέντας ὡς ὀλιγώρους καὶ ἀκρατεῖς μεμφόμεθα, [8] παρ' ὀλίγον καταλύοντας [9] τὸν δρόμον, λέγοντος [10] ἀνδρὸς σοφοῦ· Οὐ μικρὸν ἐν βίῳ τὸ παρὰ μικρόν· τοὺς δὲ ἐφυστερίζοντας καὶ διαρκοῦντας ἐπὶ πλεῖστον καὶ μέχρι τετάρτης φυλακῆς ἐγκαρτεροῦντας, καθ' ἣν καὶ τοῖς πλέουσιν ὁ σωτὴρ ἡμῶν περιπατῶν ἐπὶ τῆς θαλάσσης ἐπεφάνη, ὡς γενναίους καὶ φιλοπόνους ἀποδεξόμεθα· [11] τοῖς δὲ μεταξύ, ὡς ἐκινήθησαν ἢ ὡς ἠδυνήθησαν, ἀναπαυσαμένοις μὴ πάνυ διοχλῶμεν, ἐπεὶ μηδὲ τὰς ἐξ τῶν νηστειῶν ἡμέρας ἴσως μηδὲ ὁμοίως πάντες διαμένουσιν· [12] ἀλλ' οἱ μὲν καὶ πάσας ὑπερτιθέασιν

---

1) *У проп. все правило 2.* 2) соущимь *II.* 3) оукаря *II.* 4) раꙁдѣшающаа *C*; раꙁроушающаа *II.* 5) г҃лющю *C*; г҃лющю *II.* 6) мало *II.* 7) ходаи *II.* 8) *слова* ꙗкѡ ꙗко добли и трꙋдолюбивъ *II проп. въ текстѣ и добавл. вверху л. 196[a].* 9) и *проп. II.*

1) παρέτεινάν τε PV. 2) τε вставл. PV. 3) καὶ проп. V. 4) Ἠγέρθη вставл. PV. 5) τοῦτο τοῖς PV (вм. τούτοις). 6) ἡμίωρον cod., но между ρ и ο надпис. ι. 7) τῇ вставл. PV. 8) μεμφώμεθα Patm. 173. 9) προκαταλύοντας PV. 10) τοῦ λόγου вставл. V. 11) ἀποδεχόμεθα V; ἀποδεξώμεθα Patm. 173. 12) διαμένωσιν Patm. 172.

алчени[1] прѣвъıвающе· ови же дъва· ови же три·[2] ови же четъıри·[3] ови же ни єдиного· трогдивъшимъ же сѧ[4] ꙁ҃ло· въ ожидании по семь ославѣвъшимъ· ѿпоущение ранаго въкоушениа· аще ли нѣции не ѩко ожидавъше· нъ никако же постивъшесѧ· прѣжеваривъшаѧ четъıри· по семь пришьдъшимъ·[5] 10 конъчѣнима[6] дъвѣма· и въ та тъкмо ожидающе· къ пѧтъницю и въ соуботоу· до оутра прѣвъıвающе· не мъıю равъıи[7] страсти имъ[8] сътворити· къ прѣвъıвъшимъ· 15 имъ большаѧ дни· сиѧ оубо ѩко же и съмъıшлю· и съвѣщаваю· о сихъ написахъ·

Г҃·[9] О нечистъıихъ женахъ· аще подобааше ли имъ тако соущемъ·[10] 20 въ домъ бжии въходити· и лише въпрашевати[11] мъıю· невѣрънамъ бо имъ мъıю бъıти· и бг҃обоѩзнивамъ съмѣти тако соущамъ· или къ трапезѣ ст҃ѣи пристоупати· или телесе 25 и кръви[12] хр҃истосовъı прикасатисѧ· ни имоущиа· ѣ҃· лѣ҃· течение кръвнъıкъ ицѣлению[13] прикосесѧ[14] емь· нъ

ἄσιτοι διατελοῦντες, οἱ δὲ δύο, οἱ δὲ τρεῖς, οἱ δὲ τέσσαρας, οἱ δὲ οὐδεμίαν· καὶ τοῖς μὲν πάνυ διαπονηθεῖσιν ἐν ταῖς ὑπερθέσεσιν, εἶτα ἀποκαμοῦσιν,[1] καὶ μόνον οὐκ ἐκλείπουσιν συγγνώμη τῆς ταχυτέ(л. 231[b])ρας γεύσεως· εἰ δέ τινες, οὐχ ὅπως οὐχ ὑπερθέμενοι,[2] ἀλλὰ μηδὲ νηστεύσαντες[3] τὰς προαγούσας τέσσαρας, εἶτα ἐλθόντες ἐπὶ τὰς τελευταίας δύο καὶ μόνας αὐτὰς ὑπερτιθέντες, τὴν[4] παρασκευὴν καὶ τὸ σάββατον, μέγα τι καὶ λαμπρὸν ποιεῖν νομίζουσιν, ἂν μέχρι τῆς ἕω διαμένωσιν,[5] οὐκ οἶμαι τὴν ἴσην ἄθλησιν[6] αὐτοὺς[7] πεποιῆσθαι τοῖς τὰς πλείονας ἡμέρας προειστηκόσιν.[8] ταῦτα μὲν οὖν,[9] ὡς φρονῶ καὶ συμβουλεύω,[10] περὶ τούτων ἔγραψα.

β΄. Περὶ δὲ τῶν ἐν ἀφέδρῳ γυναικῶν, εἰ προσῆκεν αὐτὰς οὕτω διακειμένας εἰς τὸν οἶκον εἰσιέναι τοῦ θεοῦ, περιττὸν καὶ τὸ πυνθάνεσθαι νομίζω· οὐδὲ γαρ αὐτὰς οἶμαι πιστὰς οὔσας καὶ εὐλαβεῖς τολμήσειν οὕτω διακειμένας ἢ τῇ τραπέζῃ τῇ ἁγίᾳ προσελθεῖν, ἢ τοῦ σώματος καὶ τοῦ αἵματος τοῦ Χριστοῦ προσάψασθαι· οὐδὲ γὰρ ἡ τὴν δωδεκαετῆ[11] ῥύσιν ἔχουσα πρὸς τὴν ἴασιν[12] ἔθιγεν αὐτοῦ, ἀλλὰ

---

1) алъчнии *II.* 2) ови же три *прот. C.* 3) четыре *II.* 4) сѧ *прот. II.* 5) пришѣшимъ *C.* 6) конецнима *C.* 7) равнын *II.* 8) стiмъ *C.* 9) Г҃ *прот. У.* 10) сѣщимъ *II.* 11) въпрашавати *УП.* 12) кръве *У.* 13) ичелѣнию *У;* исцѣлению *C.* 14) прикоснесѧ *C.*

1) ἀποκάμνουσιν PV. 2) ὑπερτιθέμενοι V. 3) ἀλλὰ καὶ τρυφήσαντες вставл. PV. 4) τε вставл. PV. 5) διαμείνουσιν V и затѣмъ вставл. οὖς. 6) ἄσκησιν V. 7) αὐτοὺς проп. V. 8) προησκηκόσιν PV. 9) οὖν проп. V. 10) συμβουλεύων V. 11) δώδεκα ἔτη PV, но V переправл. въ δωδεκαέτη. 12) σπεύδουσα вставл. V.

тъкъмо подълъка молисѧ оубо ꙗко ѡжидаѥть къто· ꙗко же оубо [1] ѥсть поминати вл҃дкы· и трѣбовати помощи· [2] полоучити [3]
л. 223 b. не|зависътьнъıѩ· въ ст҃аѧ же и ст҃аѧ ст҃ыихъ· не бъıваѥи чистъ· [4] и дш҃ею и тѣлъмь· пристоупати възбранѥнъ боудеть·

д҃· [5] Довълънии же и [6] ожень-
шеисѧ [7] сами севѣ бъıти· соудиꙗ· ꙗко во ѡлоучатисѧ подобаютъ [8] дроугъ ѿ дроуга· ѿ съвѣщанига врѣмѧ· да прѣбъıваѥть въ мц҃ѣ· и пакы въкоупь да боудете· [9] слъıшаша бо апл҃а [10] пишюща· | бъıвъшеи же [11] въ невольнѣи скврънѣ ноцьнѣи· и си своеи съвѣсти да въслѣдоуютъ· и сами сѧ или расмоцрають [12] о томь· или не съмотрать ꙗко и [13] о брашьнѣхъ· расматраѥи бо рече· аще ѥсть осоудитьсѧ· [14] и въ тѣхъ бл҃говѣстьнъ боудеть· и бл҃годьрзьнъ по своемоу въспоминанию· вьсакъ пристоупаѥи къ бо҃ꙋ сиꙗ въпросъı тъı чьта сънд· [15]

μόνου τοῦ κρασπέδου· προσεύχεσθαι μὲν γὰρ ὅπως ἂν ἔχῃ τις, καὶ ὡς ἂν διάκειται [1] μεμνῆσθαι τοῦ δεσπότου, [2] καὶ δεῖσθαι βοηθείας τυχεῖν, ἀνεπίφθονον· εἰς δὲ τὰ ἅγια καὶ τῶν ἁγίων τὰ ἅγια [3] ὁ μὴ πάντῃ καθαρὸς καὶ ψυχῇ καὶ σώματι προσιέναι κωλυθήσεται.

γ΄. Αὐτάρκεις δὲ καὶ οἱ γεγαμηκότες ἑαυτῶν ὀφείλουσιν εἶναι κριταί· ὅτι γὰρ ἀπάγεσθαι [4] προσῆκον ἀλλήλων ἐκ συμφώνου πρὸς καιρόν, ἵνα σχολάσωσιν τῇ προσευχῇ καὶ πάλιν ἐπὶ τὸ αὐτὸ ὦσιν, [5] ἀκηκόασι γὰρ [6] Παύλου γράφοντος.

δ΄. [7] Οἱ δὲ ἐν ἀπροαιρέτῳ νυκτερινῇ ῥύσει γινόμενοι, [8] καὶ οὗτοι τῷ ἰδίῳ συνειδότι κατακολουθείτωσαν [9] καὶ ἑαυτούς, εἴτε διακρίνονται περὶ τούτου, [10] εἴτε μή, σκοπείτωσαν ὡς [11] ἐπὶ τῶν βρωμάτων· ὁ γὰρ [12] διακρινόμενος, φησίν, ἐὰν φάγῃ, κατακέκριται· [13] καὶ ἐν τούτοις εὐσυνείδητος ἔστω καὶ εὐπαῤῥησίαστος κατὰ τὸ ἴδιον ἐνθύμιον πᾶς ὁ προϊὼν [14] τῷ θεῷ.

Ταῦτα σὺ μὲν τιμῶν ἡμᾶς

---

1) во У. 2) помоши У. 3) полоучити У; и *вставл. П.* 4) чистъı У. 5) *У проп. все правило 4.* 6) и *проп. С.* 7) ожьшеисѧ *С.* 8) подобаѥть *С.* 9) ѥте *С, но позднѣйшей рукой переправл. въ* бꙋте. 10) апл҃ѣ *П.* 11) иже *С.* 12) расмотраютъ *С.* 13) и *проп. С.* 14) wсоутсѧ *П.* 15) насъ *П (вм.* съна).

1) διάκηται V Patm. 173. 2) προσεύχεσθαι μὲν γὰρ ὅπως... δεσπότου προπ. V. 3) τὰ ἅγια τῶν ἁγίων PV. 4) ἀπέχεσθαι PV. 5) V было αὐτῶ ὦσιν, но по скобл. переправл. въ αὐτὸ συνῶσιν. 6) γὰρ проп. PV. 7) δ΄ проп. V. 8) γενόμενοι PV. 9) κατακολουθησάτωσαν PV. 10) τοῦτο P. 11) γὰρ вставл. P. 12) γὰρ проп. PV. 13) οὕτω вставл. P. 14) προσιὼν PV.

а не невѣдѣнїи възлюблѥне· намъ принесла̀ еси єдиномъıслıнъı[1] нъı·[2] ꙗко же оубо есмъ· и равнодꙋшьнъı себѣ съвьршаꙗ· азъ же не ꙗко оучитель добръ· нъ ꙗко съ вьсею простънкю· подобьноє намъ самѣмъ себѣ· бесѣдовати на обьщєѥ·[3] съмъıсла своєго заповѣдахъ· да изволивъı и тъı[4] разоумьнъıи· сн̃е мои· ꙗко аще ꙗвитъ ти сѧ лоукє· и тако имѣти искоушаѥши· о нихъ въспишеши· съдравоу ти[5] бъıти възлюблєнъıи[6] мои сн̃е· мирѣмь слоужащю гꙋ̃ молисѧ·

(οὐ γὰρ ἀγνοῶν, ἀγαπητέ) τὰ πύσματα ἡμῖν προσήγαγες, ὁμόφρονας ἡμᾶς, ὥσπερ οὖν ἐσμεν, καὶ ἰσοψύχους ἑαυτῷ παρασκευάζων. ἐγὼ δὲ οὐχ ὡς διδάσκαλος καλός,[1] ἀλλ᾽ ὡς μετὰ πάσης ἁπλότητος προσῆκον ἡμᾶς ἀλλήλοις διαλέγεσθαι, εἰς κοινὸν τὴν διάνοιαν ἐμαυτοῦ[2] ἐξέθηκα, ἵν᾽[3] ἐπικρίνας καὶ σύ,[4] συνετώτατε μὲν[5] υἱέ, ὅ τι ἄν σοι φανῇ[6] βέλτιον, ἢ[7] καὶ οὕτως ἔχειν δοκιμάζεις,[8] περὶ αὐτῶν[9] ἀντιγράψεις.[10] ἐρρῶσθαί[11] σε, ἀγαπητὲ υἱέ μου, ἐν εἰρήνῃ λειτουργοῦντα τῷ κυρίῳ εὔχομαι.

1) єдиномъıслєньнѣ *C.* 2) нъı *prop. C.* 3) ѡбщєнїе *CП.* 4) то *C.* 5) ти *prop. C.* 6) възлюбленъıи *cod.*

1) καλὸς προπ. V. 2) ἐμαυτῷ Patm. 172. 3) ἢν PV. 4) καὶ σὺ προπ. V. 5) μου PV 6) φανείη P. 7) εἰ V. 8) δοκιμάζῃς P. 9) περὶ αὐτῶν προπ. V. 10) ἀντιγράψῃς PV. 11) ἔρρωσθαί V (и cod. первоначально).

стаго[1] петра архиепа· [2] алеѯан-
л. 224 а. дрьскаго· | канони· имоуще[3] о по-
каании словесъ его·

5

а· Понеже оубо чьтвьртаꙗ лѣта
пасха постиже гонение довълно
имать· приведенъимъ оубо и въ
тьмьницю въвьрженомъ· моукы же[4]
10 неицѣльнъꙗ подъимъшимъ· и не-
прѣтьрпимъꙗ раны· и многы и[5]
лютꙗ ноужда· послѣди же прѣда-
номъ[6] ѡ немощи плътьскꙗ· аще
не испьрва приати въꙗ· послѣдо-
15 вавъшаго великаго ради падениа·
обаче зане многаꙗ имъ пострадати·
и на мъноⷭѣ противитисѧ· не волею
бо на то приидоша· нъ прѣдани
бъвъше· ѡ немощи плътьскꙗ·
20 понеже ѩзвы ісвы[7] ѩвать[8] на
тѣлесьхъ своихъ· и оуже нѣции
третиѥ лѣто имоуть· плачю-
щесѧ запрѣтити имъ ѡстоуплe-
ниа· въспоминание дроугыихъ
25 четырьдесѧтъ дни· въ нѩже
оубо постивъсѧ гъ и спсъ нашь
ис[9] хъ· по крьщении искоушенъ
бъвъ ѡ дивола· въ нѩже и ти
по излишению искоушени бъвъше·
30 сильнѣ[10] отрѣзвивъшесѧ· вѣдать

(л. 232[a] — 240[a]). ΤΟΥ ΑΓΙΟΥ ΠΕΤΡΟΥ ΑΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ΑΛΕΞΑΝΔΡΕΙΑΣ[1] ΚΑΝΟΝΕΣ ΦΕΡΟΜΕΝΟΙ ΕΝ ΤΩι ΠΕΡΙ ΜΕΤΑΝΟΙΑΣ ΑΥΤΟΥ ΛΟΓΩι.[2]

α'.[3] Ἐπεὶ τοίνυν τέταρτον ἤδη πάσχα ἐπικατείληφεν τὸν διωγμόν, αὐτάρκως ἔχει[4] τοῖς μὲν προσενεχθεῖσιν καὶ φυλακισθεῖσιν, βασάνους τε ἀνηκέστους ὑπομεμενηκόσιν καὶ ἀφορήτους μάστιγας καὶ πολλὰς ἑτέρας δεινὰς ἀνάγκας, ὕστερον δὲ προδεδομένοις[5] ὑπὸ τῆς ἀσθενείας τῆς σαρκός, εἰ καὶ μὴ ἐξ ἀρχῆς παρεδέχθησαν διὰ τὴν παρακολουθήσασαν μεγίστην πτῶσιν, ὅμως διὰ τὸ πολλὰ αὐτοὺς ἠθληκέναι καὶ ἐπὶ πολὺ ἀντιμάχεσθαι (οὐ γὰρ κατὰ προαίρεσιν εἰς τοῦτο ἐληλύθασιν, ἀλλὰ καταπροδοθέντες ὑπὸ τῆς ἀσθενείας τῆς σαρκός, ἐπειδὴ καὶ στίγματα τοῦ Ἰησοῦ[6] ἐνδείκνυνται ἐν τοῖς σώμασιν ἑαυτῶν[7] καὶ ἤδη τινὲς τρίτον ἔτος ἔχουσιν καταπενθοῦντες) προσεπιτιμηθῆναι αὐτοῖς ἀπὸ τῆς προσελεύσεως καθ' ὑπόμνησιν ἄλλας μ' ἡμέρας, ἃς καίπερ νηστεύσας[8] ὁ κύριος καὶ σωτὴρ ἡμῶν Ἰησοῦς ὁ Χριστὸς μετὰ τὸ βαπτισθῆναι ἐπειράσθη ὑπὸ τοῦ διαβόλου· εἰς ἃς καὶ αὐτοὶ κατὰ περισσὸν διαγυμνασθέντες εὐτονώτερόν τε νήψαντες γρηγοροῦσιν[9]

---

1) *У проп. заглавіе и всѣ правила Петра Александр. изъ слова о покаяніи. С in т.* К. 2) архиепископа *П.* 3) имоущемоу *П.* 4) нже *П.* 5) и *проп. С.* 6) дано *С.* 7) нѣмы *П.* 8) мать *С.* 9) іс *cod.* 10) силнѣи *П.*

1) καὶ μάρτυρος вставл. PV. 2) κβ′ cod. in т. рукой XIII в. 3) α′ проп. cod.; V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν μετὰ πολλὰς βασάνους ἀρνησαμένων τὸν Χριστόν. 4) V выскобл. послѣ ἔχει еще одну букву (ν?). 5) προδεδομένους V. 6) Χριστοῦ V. 7) αὐτῶν V. 8) νηστεῦσαι P. 9) γρηγορήσουσιν PV.

въ мѫтвахъ прочее пооучающиесѧ гл҃емое ѿ г҃а· къ искоушающюоумоу его· да поклонитьсѧ иди за мѧ[1] сотоно писано бо ѥсть г҃оу твоемоу поклонишасѧ[2] и томоу ѥдиномоу[3] послоужиши·

ѕ҃· Прѣтърпѣвъшимъ же по ѿвръжении въ тъмьницю· тъкъмо въ оузьници· акъı въ | стражи скърбь[4] же и смрадъ· послѣди же вез врани и моукъ· бывъшемъ[5] плѣненомъ по мъноз҃ѣ ниц҃е‹тѣ› сильнъı и по нѣкоемоу ослѣплению· съкроушеномъ довълѣѥть лѣто·[6] къ дроугоуоумоу лѣтоу имьже и ти· штиноудь продашасѧ· имене ради оскрьблѣни бъıти· аще и наслади̑шасѧ въ оузьници ѿ братиа многаго поканиа· ѩже многообразьна ѿданию[7] хотѧще· избавитисѧ ѿ горькаго плѣнениа дивола· поминающе паче гл҃ющаго· дх҃ъ г҃ни на мънѣ· егоже изнесе[8] помаза мѧ·[9] бл҃говѣститъ[10] оубогъıимъ посъла мѧ· проповѣдатъ плѣньникомъ ѿпоущение· и слѣпъıимъ[11] прозьрѣние· посълати съкроушенъıа въ ѿрадоу· проповѣдати лѣто г҃не приатьно·

εἰς προσευχὰς τοῦ λοιποῦ, καταμελετῶντες τὸ λελεγμένον[1] ὑπὸ τοῦ κυρίου πρὸς τὸν πειράζοντα αὐτόν, ἵνα προσκυνήσῃ αὐτῷ· Ὕπαγε,[2] σατανᾶ· γέγραπται γάρ· Κύριον τὸν θεόν σου προσκυνήσεις καὶ αὐτῷ μόνῳ λατρεύσεις.

β΄.[3] Τοῖς δὲ μετὰ τὸ φυλακισθῆναι μόνον καὶ ὑπομεμενηκέναι τὰς ἐν τῷ δεσμωτηρίῳ ὡς ἂν ἐν πολιορκίᾳ θλίψεις л. 224 b.
τε καὶ δυσωδίας, ὕστερον δὲ χωρὶς πολέμου καὶ[4] βασάνων γενομένοις αἰχμαλώτοις, κατὰ πολλὴν πτωχείαν δυνάμεως καὶ κατά τινα τυφλότητα τεθραυσμένοις, ἐπαρκέσει ἐνιαυτὸς πρὸς τῷ ἑτέρῳ[5] χρόνῳ· ἐπεὶ ὅλως καὶ αὐτοὶ ἐπιδεδώκασιν ἑαυτοὺς ὑπὲρ τοῦ ὀνόματος θλιβῆναι, εἰ καὶ ἀπήλαυσαν[6] ἐν τῷ δεσμωτηρίῳ τῆς παρὰ τῶν ἀδελφῶν πολλῆς ἀναπαύσεως, ἅπερ πολλαπλασίονα[7] ἀποδιδοῦσι,[8] ποθοῦντες λυτρωθῆναι ἀπὸ τῆς πικροτάτης αἰχμαλωσίας τοῦ διαβόλου, μεμνημένοι μάλιστα τοῦ λέγοντος· Πνεῦμα κυρίου ἐπ' ἐμέ, οὗ εἵνεκεν[9] ἔχρισέν με· εὐαγγελίσασθαι πτωχοῖς ἀπέσταλκέν με,[10] κηρύξαι αἰχμαλώτοις ἄφεσιν καὶ τυφλοῖς ἀνάβλεψιν, ἀποστεῖλαι τεθραυσμένους ἐν ἀφέσει, κηρύξαι ἐνιαυτὸν κυρίου δεκτὸν καὶ ἡμέραν ἀνταποδόσεως.

---

1) поклонишасѧ и томоу *вставл. П, но вычеркив. киноварью.* 2) поклонишасѧ *П.* 3) ѥдинонѣ *С.* 4) скрби *П.* 5) бывшимь *П.* 6) лѣло *С.* 7) ѿданїа *П.* 8) изнесе *проп. С.* 9) помазанїа *С (вм.* помаза мѧ). 10) блговѣститъ *С.* 11) слѣпын *П.*

1) λεγόμενον V. 2) ὀπίσω μου вставл. P. 3) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν μετὰ τὸ φυλακισθῆναι μόνον ἀρνησαμένων. 4) καὶ проп. P. 5) παρελθόντι V. 6) ἀπέλαυσαν V. 7) πολλαπλάσιον V. 8) ἀποδώσουσιν PV. 9) ἕνεκεν PV. 10) ἰάσασθαι τοὺς συντετριμμένους τὴν καρδίαν вставл. V.

Г· Не пострадавъшиимъ же· никако же ничьто же такова·[1] ни показавъшиимъ плода вѣрьнъ особьшьдъшюмоу къ зълобѣ прѣдавъшемъсѧ[2] страха ради· нъıнѣ же въ покаанїе приходѧще· ноужьдьно ксть и подобьно· бесп[л]одьнъıѧ смокве·[3] притъчю[4] прѣдъложити· ꙗко же гь глѣть· смокъвь имѣ[5] нѣкъто[6] насажденоу въ виноградѣ своемь· и прииде ища плода на нѥи и не обрѣте· рече же къ виноградьникоу· се третиѥ лѣто | ѿнелѣ же прихожю ища плода на нѥи· и не обрѣтаю ѿсѣци ю· да не како и зємлю оупражняѥть· ѡнъ же ѿвѣщавъ гла[7] ємоу· ги остави ю на се лѣто· донъдеже окопаю окрьстъ ѥѧ· и гноимь осъıплю·[8] и аще оубо сътворить плодъ· аще ли ни· въ придоущиѥ ѿсѣчеши ю· ꙗже прѣдъ очима приимъше· показавъше же[9] плодъ достоинъıи[10] покаанию· въ дълготѣ толика лѣта· паче · оуспѣшьни[11] боудоуть·

Д· Неначаемъıимъ же въсакопокаавъшїимъсѧ· акъı кожю мурина· непрѣложьноу сътажавъшиимъ· и пьстротоу[12] пардоусаγ'.[1] Τοῖς δὲ μηδόλως μηδέν τι τοιοῦτον πεπονθόσιν μηδὲ ἐνδειξαμένοις καρπὸν πίστεως, ἀλλ' αὐτομολήσασιν πρὸς τὴν κακίαν, προδεδομένοις ὑπὸ δειλίας καὶ φόβου, νῦν δὲ εἰς μετάνοιαν ἐρχομένοις, ἀναγκαῖόν ἐστιν καὶ ἁρμόζον τὴν τῆς ἀκάρπου συκῆς παραβολὴν παραθέσθαι, ὡς ὁ κύριος λέγει· Συκῆν εἶχέν τις πεφυτευμένην ἐν τῷ ἀμπελῶνι ἑαυτοῦ, καὶ ἦλθεν ζητῶν καρπὸν[2] ἐν αὐτῇ καὶ οὐχ εὗρεν. εἶπεν δὲ πρὸς τὸν ἀμπελουργόν· Ἰδοὺ τρία ἔτη ἀφ' οὗ ἔρχομαι ζητῶν καρπὸν ἐν τῇ συκῇ ταύτῃ, καὶ οὐχ εὑρίσκω· ἔκκοψον αὐτήν· ἵνα τί καὶ τὴν γῆν καταργῇ;[4] ὁ δὲ ἀποκριθεὶς λέγει αὐτῷ· Κύριε, ἄφες αὐτὴν καὶ τοῦτο τὸ ἔτος, ἕως ὅτου σκάψω τὰ[5] περὶ αὐτὴν καὶ βάλω κόπρια, κἂν μὲν ποιήσῃ καρπόν· εἰ δὲ μή γε, εἰς τὸ μέλλον ἐκκόψῃς[6] αὐτήν. ἣν πρὸ ὀφθαλμῶν λαβόντες, ἐνδειξάμενοί τε καρπὸν ἄξιον τῆς μετανοίας ἐν τῷ διαστήματι τοῦ τοσούτου[7] χρόνου μᾶλλον ὠφεληθήσονται.[8]

δ'.[9] Τοῖς γὰρ παντάπασιν ἀπεγνωσμένοις[10] ἀμετανοήτοις, δέρματος[11] Αἰθίοπος ἀμετάβλητον κεκτημένοις καὶ ποικίλματα παρδάλεως,

1) таково *П.* 2) предавшимсѧ *П.* 3) смовкѥ *С.* 4) причтѣ *С.* 5) имѣти *С.* 6) кто *С.* 7) гла *cod.* 8) и гноимь осъıплю *прп. С.* 9) же *прп. С.* 10) достонны *С.* 11) оуспѣшьнїи *П.* 12) и *вставл. П.*

1) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν μηδὲ φυλακισθέντων. 2) καρπὸν ζητῶν P. 3) τὶ V. 4) καταργεῖ Patm. 173. 5) τὰ προ. P. 6) ἐκκόψεις V Patm. 173. 7) τοσούτου προ. P. 8) ὀφελεθήσονται cod. 9) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν μὴ μενανοούντων. 10) καὶ вставл. PV, и V переправл. ἀπεγνωσμένοις въ ἀπεγνωσμένως. 11) δέρμα τε PV (вм. δέρματος).

речетьсѧ притъча·[1] дроугъıѩ смокве·[2] оу҃же ѿ тебе· да не боудетъ плода въ вѣкъı· тѣмь и абıе исъıхаѥтъ· испълнıѥтъ бо сѧ[3] въ нıхъ· и ѿ цр҃квѐнааго ѡ҃ка реченоıе разврашеноıе не можетъ сѧ оукрасити· и послѣдъ не можетъ· причьтенъ бъıти· аще бо пьрвѣıе развращеноıе не исправитьсѧ· не възможьно[4] ѥсть ѥмоу оукрашеноу бъıти· и аще пьрвѣıе послѣдъкъ· не напълнитьсѧ· не възможьно ѥсть ѥмоу причьтеноу бъıти· тѣмь и къ коньцю· съключитьсѧ имъ гл҃емоıе ѿ прр҃ка исаıи· и оузрѧтъ рече· телеса чл҃вчьскаıѧ· прѣстоупльшиихъ отъ мене· чьрвь[5] бо ихъ не съконьчаѥтьсѧ· и | огнь ихъ не оугаснетъ· и боудоутъ въ видѣниıе вьсѣкои плъти· понѥже и ѩко же прѣже речено ѥсть ѿ нѥго· неправьдьнии же тако погрѧзноутъ· и почити не могоутъ· нѣсть радоватисѧ нечьстивъıимъ рече г҃ь·

ѕ҃· Лицемѣрьствовавъшемъ[6] же· по постъıжьнѣмь давъıдѣ· да не оумрьетъ· не соуща постижьна· и не наго написавъшимъ· на ѡвьрьженıе· нъ пороугавъшимъсѧ· по мъноѕѣ тѣснотѣ· ѩко дѣти

λεχθήσεται τὸ τῆς ἑτέρας συκῆς· Μηκέτι ἐκ σοῦ καρπὸς γένηται εἰς τὸν αἰῶνα· δι' ὃ[1] καὶ παραχρῆμα ξηραίνεται. ἀποπληροῦται γὰρ[2] ἑαυτοῖς[3] καὶ τὸ ὑπὸ τοῦ Ἐκκλησιαστοῦ εἰρημένον·[4] Οὐ δυνηθήσεται ἐπικοσμηθῆναι καὶ ὑστέρημα οὐ δυνήσεται[5] ἀριθμηθῆναι· εἰ μὴ γὰρ πρότερον[6] διεστραμμένον διορθωθῇ, ἀδύνατόν ἐστιν αὐτὸ ἐπικοσμηθῆναι·[7] καὶ εἰ μὴ πρότερον τὸ ὑστέρημα ἀναπληρωθῇ, ἀδύνατόν ἐστιν αὐτὸ[8] ἀριθμηθῆναι. ὅθεν καὶ ἐπὶ τέλους συμβήσεται αὐτοῖς τὸ λεγόμενον[9] ὑπὸ τοῦ προφήτου Ἡσαΐου· Καὶ ὄψονται γάρ, φησίν, τὰ κῶλα τῶν ἀνθρώπων τῶν παραβεβηκότων ἐν ἐμοί· ὁ γὰρ σκώληξ αὐτῶν οὐ τελευτήσει καὶ τὸ πῦρ αὐτῶν οὐ σβεσθήσεται, καὶ ἔσονται εἰς ὅρασιν л. 225 b. πάσῃ σαρκί. ἐπεὶ καὶ ὡς προλέλεκται ὑπ' αὐτοῦ, οἱ δὲ ἄδικοι οὕτω κλυδωνισθήσονται καὶ ἀναπαύσεσθαι[10] οὐ μὴ δυνήσονται·[11] οὐκ ἔστι χαίρειν τοῖς ἀσεβέσιν, εἶπεν ὁ θεός.[12]

ε'.[13] Τοῖς δὲ καθυποκριναμένοις κατὰ τὸν ἐπιληπτευσάμενον Δαβίδ, ἵνα μὴ ἀποθάνῃ, οὐκ ὄντα ἐπίληπτον, καὶ μὴ γυμνῶς ἀπογραψαμένοις τὰ πρὸς ἄρνησιν, ἀλλὰ διαπαίξασιν κατὰ τοῦ[14] πολλὴν στενοχωρίαν, ὡς ἂν παιδία

1) причта *П.* 2) *cod. переправл.* в *изъ* к. 3) сѧ *проп. П.* 4) можно *С.* 5) чевь *С.* 6) Лицемѣрьствовавшим' *П.*

1) διὸ PV. 2) γοῦν PV. 3) ἐπ' αὐτοῖς PV (вм. ἑαυτοῖς). 4) διεστραμμένον вставл. PV. 5) δυνηθήσεται Patm. 172. 6) τὸ вставл. P. 7) καὶ ὑστέρημα οὐ.... ἐπικοσμηθῆναι проп. V. 8) αὐτῷ V. 9) λελεγμένον P. 10) ἀναπαύσασθαι PV. 11) δυνήσωνται Patm. 172; δυνηθήσωνται V. 12) κύριος V. 13) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν καθυποκριναμένων. 14) τοῦ проп. PV.

съвѣтьнъı и съмъıсльнъı· въ дѣтьхъ несъмъıсльнахъ вражиа помъıшлениа· рекъше ѥко прошьдъше· трѣвице· сирѣчь ѥко роукописание сътворьше· рекъше акъı въ совѣ мѣсто възлагающе· поганъıи или съ нѣкъıими ихъ съкоупишасѧ нѣции· ѿ исповѣдьникъ ѥко же слъıшахъ понѥже паче[1] по мъноз҃ѣ бл҃гобоѧзньствѣ оувѣжаша· самооувиниць бъıти[2] огню· и коурениа нечистъıихъ бѣсъ· ельма же оубо оутаи ихъ· безоумие[3] се сътворьшемъ·[4] обаче шесть мѣсяць имъ положитьсѧ· въ покаании обращениа· та бо[5] паче и сами оуспѣшьни боудоуть пооучающесѧ· прр҃чьское ѥвлениѥ· гл҃а отроча родисѧ намъ сн҃ъ дастьсѧ· емоуже начало на рамѣ его· и наречетьсѧ имѧ его велика съвѣта анг҃лъ· ѥко[6] же вѣсть въ шесть мѣ-
л. 226 а. сѧ|ць ҳачатиа дроугаго отрочате· прѣдъ лицьмь възхода его· покаанию въ оставлениѥ грѣховъ· ҳачатъ бъıсть· ѥже проповѣдати покаание· ибо обою слъıшимъ въ пръвъıихъ проповѣдающю· не тъкъмо о[7] покаании[8] нъ и о цр҃ствии нб҃сьнѣмь· ѥже ѥко же навъıкохомъ· блиꙁъ насъ ѥсть· ѥже блиꙁъ насъ ѥсть гл҃ю·

βουλευτικὰ ἔμφρονα ἐν[1] παιδίοις ἄφροσιν, τὰς τῶν ἐχθρῶν ἐπιβουλάς, ἤτοι ὡς διελθόντες[2] βωμούς,[3] ἤτοι ὡς χειρογραφήσαντας,[4] ἤτοι ὡς ἀνθ' ἑαυτῶν βάλλοντες[5] ἐθνικούς (εἰ καί τισιν αὐτῶν συνεχώρησάν τινες τῶν ὁμολογητῶν, ὡς ἤκουσα, ἐπεὶ μάλιστα κατὰ πολλὴν εὐλάβειαν ἐξέφυγον αὐτόχειρες γενέσθαι τοῦ πυρὸς καὶ τῆς ἀναθυμιάσεως τῶν ἀκαθάρτων δαιμόνων). ἐπεὶ τοίνυν ἔλαθεν αὐτοὺς ἀνοίᾳ τοῦτο πράξαντας, ὅμως ἐξάμηνος αὐτοῖς ἐπιτεθήσεται τῆς ἐν μετανοίᾳ ἐπιστροφῆς· οὕτω γὰρ μᾶλλον καὶ αὐτοὶ ὠφεληθήσονται, καταμελετῶντες τὸ προφητικὸν ῥητὸν καὶ λέγοντες· Παιδίον ἐγεννήθη ἡμῖν υἱὸς καὶ ἐδόθη ἡμῖν, οὗ ἡ ἀρχὴ ἐπὶ τοῦ ὤμου αὐτοῦ, καὶ καλεῖται τὸ ὄνομα αὐτοῦ[6] μεγάλης βουλῆς ἄγγελος· ὅπερ, ὡς ἴστε, ἐν τῷ ϛ΄ μηνὶ τῆς συλλήψεως τοῦ ἑτέρου παιδίου, τοῦ προκηρύξαντος πρὸ προσώπου τῆς εἰσόδου αὐτοῦ μετάνοιαν εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν, συνελήφθη καὶ τὸ[7] κηρύξαι μετάνοιαν. καὶ γὰρ καὶ τῶν ἀμφοτέρων ἀκούομεν ἐν πρώτοις κηρυσσόντων οὐ μόνον περὶ μετανοίας, ἀλλὰ καὶ περὶ βασιλείας οὐρανῶν, ἥτις, καθὼς μεμαθήκαμεν, ἐντὸς ἡμῶν ἐστιν τὸ[8] ἐγγὺς ἡμῶν εἶναι τὸ ῥῆμα,

1) пакы *II.* 2) къı *C;* и *вставл. II.* 3) *cod. переправл.* ѥ *изъ* н, *а* м *изъ какой-то другой буквы по скобл. (изъ* ѧ*?).* 4) сътворшѧ *II.* 5) ко *C.* 6) ѥ *II.* 7) покаание· ибо обою слъıшимъ въ пръвъıихъ проповѣдающю· не тъкъмо о *проп. II.* 8) поканїи *II.*

1) ἐμ Patm. 172. 2) διελθόντας V. 3) βωμοῖς P. 4) χειρογραφήσαντες P. 5) βαλόντες P; βαλόντας V. 6) καὶ καλεῖται τὸ ὄνομα αὐτοῦ cod. in m. 7) αὐτὸ PV. 8) τῷ PV.

кмоуже вѣроуемъ въ оустѣхъ срⷣци своемь· о немьже[1] ти въспоминоувъше навъкноуть· исповѣдати въ оустѣхъ своихъ ꙗко гⷭ исъ· вѣроующе въ срⷣцⷩ своемь· ꙗко бъ въстави и[2] изъ мьртвъıихъ· ꙗко же подобаѥть[3] слоушающимъ· ꙗко срⷣце оубо вѣроуѥть·[4] въ правьдоу· оустъı же исповѣдаѥтьсѧ въ спсение·

ѕ· Рабъı же[5] крьстиꙗнъı·[6] въ себѣ мѣсто въложивъшимъ· аще раби акъı подъ роукою [соуще и въ темницю въврѣжени бывше][7] ѡ влдкъ своихъ· ѕапрѣщени бъıвъше· и страха ради ихъ того на то пришьдъше· и прѣльщьшемъсѧ·[8] образъ нѣкъıи· въ кдино лѣто покааниꙗ· дѣла покажють· въıкноуще прочеѥ· ꙗко раби хⷭви творити волю бжию· и боꙗтисѧ его слъıшаще паче· ꙗко къто аще сътворить блго· то прииметь блго· то сътворить отъ гⷭа или рабъ или свободь·

ѯ· Свободьнии же въ три лѣта испъıтани[9] боу|доуть въ покаании· и ꙗко соудивъше ꙗко приноудивъше

ὁ πιστεύομεν[1] ἐν τῷ στόματι ἑαυτῶν καὶ ἐν τῇ καρδίᾳ ἑαυτῶν· περὶ ἧς καὶ αὐτοὶ ὑπομνησθέντες μαθήσονται ὁμολογεῖν ἐν τῷ στόματι ἑαυτῶν,[2] ὅτι κύριος Ἰησοῦς,[3] πιστεύοντες ἐν τῇ καρδίᾳ ἑαυτῶν, ὅτι ὁ θεὸς αὐτὸν ἤγειρεν ἐκ νεκρῶν· ἅτε δὴ ἀκούοντες, ὅτι καρδίᾳ μὲν πιστεύεται[4] εἰς δικαιοσύνην, στόματι δὲ ὁμολογεῖται[5] εἰς σωτηρίαν.

ς'.[6] Τοὺς[7] δὲ δούλους χριστιανοὺς ἀνθ' ἑαυτῶν ὑποβεβληκόσιν, οἱ μὲν δοῦλοι, ὡς ἂν ὑποχείριοι ὄντες καὶ τρόπον τινὰ καὶ αὐτοὶ φυλακισθέντες ὑπὸ τῶν δεσποτῶν, καταπειληθέντες τε[8] ὑπ' αὐτῶν καὶ διὰ τὸν φόβον αὐτῶν εἰς τοῦτο ἐληλυθότες καὶ ὀλισθήσαντες, ἐν ἐνιαυτῷ τὰ τῆς μετανοίας ἔργα δείξωσιν, μανθάνοντες τοῦ λοιποῦ ὡς δοῦλοι Χριστοῦ ποιεῖν τὸ θέλημα[9] τοῦ θεοῦ καὶ φοβεῖσθαι αὐτόν, ἀκούοντες μάλιστα, ὅτι ἕκαστος, ἐάν τι ποιήσῃ[10] ἀγαθόν, τοῦτο κομίσεται[11] παρὰ κυρίου, εἴτε δοῦλος, εἴτε ἐλεύθερος.

ζ'.[12] Οἱ δὲ ἐλεύθεροι ἐν τρισὶν ἔτεσιν ἐξετασθήσονται ἐν μετανοίᾳ, καὶ ὡς л. 226 b.
ὑποχρινάμενοι καὶ ὡς καταναγκάσαντες

---

1) и *вставл. П.* 2) и *проп. П.* 3) подобающе *С, но* юще *перечеркнуто и допис. етъ.* 4) *сод.* тъ· *по скобл. (вм. трехъ буквъ съ + сверху).* 5) нже *П.* 6) крестїанын *П.* 7) *вставка изъ П.* 8) *сод.* мъ *по скобл.* 9) испытанїи *П.*

1) ὃ πιστεύομεν προπ. V. 2) καὶ ἐν τῇ καρδίᾳ ἑαυτῶν...στόματι ἑαυτῶν προπ. V. 3) Χριστὸς вставл. PV. 4) πιστεύεται Patm. 172, но надъ αι надпис. ε. 5) ὁμολογεῖτε Patm. 172. 6) V съ заглавіемъ: Περὶ δούλων ἀναγκασθέντων ὑπὸ τῶν ἰδίων δεσποτῶν ὑπὲρ αὐτῶν θῦσαι. 7) Τοῖς PV. 8) τε проп. V. 9) τὸ θέλημα ποιεῖν V. 10) ποιῇ. 11) κομιεῖται V; κομήσηται Patm. 172. 12) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν τὰς ἰδίας δούλας ἀνθ' ἑαυτῶν ἀναγκασάντων θῦσαι.

равьнъша себѣ рабъı· ѩко же бо ослоушавъшасѧ апл҃а· таѭ же хотѧщю творити влд҃кмъ· рабомъ оставлѥше прѣгрѣшениѥ [1] вѣдоуще рече· ѩко и вамъ и тѣмъ г҃ь єдинъ єсть на нб҃сѣхъ· и лицемѣрїа [2] оу него нѣсть· ліце ли єдиного г҃а имамъ вьси· нелицемѣрьна· понѥже и всѧ и въ вьсѣхъ єсть хс҃ъ· въ варъварѣхъ же и [3] въ скоудѣхъ· въ рабѣхъ же и въ свободьнъıихъ· съмотрити дължени соуть ѥже съдѣлаша· въсхотѣвъше же дш҃ю свою сп҃сти· иже клѥврѣтъı своѭ привлекъше· на коумирослоужениѥ· могоущемъ· [4] и тѣмъ оубѣжати на правьдьноѥ и равьно имъ подавъше ѩко же апл҃ъ гл҃ѥть·

и҃· Прѣданъıимъ же и съпадъшимъ приведъшимъ же себѣ на подвигъ· исповѣдаютъ бъıти крьстиани· въвьрженомъ же въ тьмьницю· по моукахъ оудобьно єсть· съ радостьнъıимь срд҃цьмь· съвъспримати и съприобщатисѧ вьсѣхъ въ молитвахъ же и въ причащении телесе и кръви г҃ни· и оутѣшениѥмь слова·

τοὺς ὁμοδούλους θῦσαι, ἅτε δὴ παρακούσαντες τοῦ ἀποστόλου, τὰ αὐτὰ θέλοντος ποιεῖν τοὺς δεσπότας τοῖς δούλοις, ἀνιέντας τὴν ἀπειλήν, εἰδότες, [1] φησίν, ὅτι καὶ ὑμῶν καὶ αὐτῶν ὁ κύριός ἐστιν ἐν [2] οὐρανοῖς καὶ προσωποληψία παρ' αὐτῷ οὐκ ἔστιν. εἰ δὲ ἕνα κύριον ἔχομεν οἱ πάντες ἀπροσωπόληπτον, ἐπεὶ καὶ πάντα καὶ ἐν πᾶσιν ὁ Χριστός, ἔν τε βαρβάροις καὶ Σκύθαις, δούλοις καὶ ἐλευθέροις, σκοπεῖν ὀφείλουσιν, ὅ κατειργάσαντο· θελήσαντες δὲ [3] τὴν ψυχὴν ἑαυτῶν [4] σῶσαι, οἱ [5] τοὺς [6] συνδούλους ἡμῶν [7] ἑλκύσαντες ἐπὶ εἰδωλολατρείαν, [8] δυναμένους καὶ αὐτοὺς ἐκφυγεῖν, εἰς [9] τὸ δίκαιον καὶ τὴν ἰσότητα ἦσαν αὐτοὶ [10] παρασχόντες, ὡς πάλιν ὁ ἀπόστολος λέγει.

η'. [11] Τοῖς δὲ παραδεδομένοις καὶ ἐμπεπτωκόσιν [12] τοῖς [13] τε ἑαυτοῖς [14] προσεληλυθόσιν εἰς τὸν ἀγῶνα, [15] ὁμολογοῦσιν εἶναι χριστιανοὶ [16] ἐμβεβλημένοις τε ἐν τῇ φυλακῇ [17] μετὰ βασάνων, εὔλογόν ἐστιν ἐν ἀγαλλιάσει καρδίας συνεπισχύειν καὶ κοινωνεῖν ἐν πᾶσιν, ἔν τε ταῖς προσευχαῖς καὶ τῇ μεταλήψει τοῦ σώματος καὶ τοῦ αἵματος καὶ τῇ παρακλήσει τοῦ λόγου,

1) пращнѥ *П.* 2) лицамѣрїа *С.* 3) и *проп. С.* 4 могоущи *П.*

1) εἰδότες P. 2) τοῖς вставл. V. 3) δὲ проп. V. 4) αὐτῶν V. 5) οἱ проп. V. 6) δὲ вставл. V. 7) ἡμῶν проп. V. 8) V переправл. въ εἰδωλολατρίαις. 9) εἰ PV. 10) αὐτοῖς PV. 11) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν παραδοθέντων καὶ ἐκπεσόντων, εἶθ' οὕτως τε αὐτοῖς προσελθοῦσιν εἰς τὸν ἀγῶνα καὶ ἀγωνισαμένοις. 12) ἐκπεπτωκόσιν PV. 13) εἶθ' οὕτως V (вм. τοῖς). 14) αὐτοῖς P. 15) καὶ вставл. P. 16) χριστιανοῖς P. 17) εἰς τὴν φυλακὴν V.

да крѣпл҃е подвигъшеса· и ти съподобатьса вѣньца вьрховьнаго
зъванига· ибо семь кра|тъı падеть рече правьдьнок· и въстанеть
5 иже аще вьси ѿпадъше сътвориша· конечьнок и вьсесрд҃цьнок[1]
покаание явиша·

ϛ҃· И тѣмь ако на подвигъ себе въдавъшемъ[2] ѿ съна волѣзньнъıи· и хотащаа[3] привлѣщи· себѣ же напасти приимъшемъ[4]
морьскааго борениа· и многа волнениа· паче же братие раждагающе оугли грѣшьнъıихъ· и тѣмь
15 приобщатиса· ако же оубо въ има хр҃ова приходащемъ[5] на то· аще и не вънемлють словесьмъ его· оучащю молитеса молитьса[6] не
вънити въ напасть· и пакъı въ
20 мт҃вѣ гл҃ете ѻц҃е не въведи насъ въ напасть· нъ избави насъ ѿ непри҃язни· равьно же и не вѣдать[7] бъıвающиихъ· мъногашьдъı отъхожении· гн҃а домоу· и оучителя
25 нашего· ѿ хотащиихъ[8] на нь ковъ[9] творити естъ егда ни дьрзновениемь хождааше ихъ ради· и

ἵνα εὐτονώτερον ἀγωνισάμενοι καταξιωθῶσιν καὶ αὐτοὶ τοῦ βραβείου τῆς ἄνω
κλήσεως. καὶ γὰρ ἑπτάκις, φησίν, πε- л. 227 а.
σεῖται ὁ δίκαιος καὶ ἀναστήσεται· ὅπερ
εἰ καὶ πάντες οἱ ἐκπεπτωκότες πεποιήκεσαν,[1] τελειοτάτην καὶ ὁλοκαρδίαν[2]
μετάνοιαν ἐνεδείξαντο.[3]

ϑ΄.[4] Καὶ τούτοις[5] δὲ ὡς ἂν ἐξ ὕπνου
ἑαυτοῖς παραπηδῶσιν εἰς τὸν ἀγῶνα,
ὠδίνοντα καὶ μέλλοντα ἑλκῦσαι, ἑαυτοῖς
δὲ πειρασμὸν ἐπισπασαμένοις[6] θαλαττομαχίας καὶ πολλῆς κυματώσεως,
μᾶλλον δὲ καὶ τοῖς ἀδελφοῖς προσεκκαίοντες[7] ἄνθρακα[8] ἁμαρτωλῶν, καὶ
αὐτοὶ[9] κοινωνητέον, ἅτε δὴ ἐν ὀνόματι Χριστοῦ παρερχομένοις εἰς τοῦτο,
εἰ καὶ μὴ προσέχωσιν[10] αὐτοῦ τοῖς
λόγοις, διδάσκοντος προσεύχεσθαι μὴ
εἰσελθεῖν εἰς πειρασμόν· καὶ πάλιν ἐν
εὐχῇ λέγει[11] τῷ πατρί· Καὶ μὴ εἰσενέγκῃς ἡμᾶς εἰς πειρασμόν, ἀλλὰ ῥῦσαι
ἡμᾶς ἀπὸ τοῦ πονηροῦ· ἴσως δὲ καὶ
ἀγνοοῦσιν τὰς γενομένας[12] πολλάκις[13]
ἀναχωρήσεις τοῦ οἰκοδεσπότου[14] καὶ
διδασκάλου ἡμῶν ἀπὸ τῶν θελόντων
ἐπιβουλεύειν, καὶ ὅτι ἔσθ' ὅτε οὐδὲ
παῤῥησίᾳ περιεπάτει δι' αὐτούς,[15] καὶ

1) всесрчное *ПС.* 2) вдавшїй *П.* 3) хотащи *П.* 4) пріимшїимь *П.* 5) приходащимь *П.* 6) молитьса *проп. П.* 7) видать *С.* 8) ходащїихъ *С, гдѣ еще вставл.:* многажды ѿхожении домѕ гн҃а· и оучителѧ нашего ѿходащїихъ. 9) конь *П.*

1) πεποιήκασι P (и V первонач.). 2) ὁλοκάρδιον PV. 3) ἐνεδείκνυντο V. 4) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν αὐθαιρέτως ἑαυτοῖς εἰσπηδῶσιν εἰς τὸν ἀγῶνα. 5) τοῖς PV. 6) ἐπ' εἰσπασαμένοις V. 7) προσεκκαίουσιν P. 8) ἄνθρακας P. 9) αὐτοῖς P; къ αὐτοὶ въ V допис. схоліастомъ маленькое ς. 10) προσέχουσιν PV. 11) λέγειν PV. 12) γινομένας PV. 13) πολλάκις γινομένας P. 14) οἰκείου δεσπότου V (вм. οἰκοδεσπότου). 15) καὶ ὅτι вставл. PV.

кгда врѣмѧ[1] страсти кго приближисѧ· не самъ сѧ прѣда нъ ожидааше доньдеже приидоша на нь съ ножи и съ трькольемь·[2] гл҃а оубо къ нимъ· ꙗко на разбоиника ли приндосте съ ножи и съ дрькольемь ꙗти мѧ· иже прѣдаша и рече пилатоу[3] по ѡ҃бразоу оубо[4] того· и по съмотрению· кго ходѧщеи пострадаша[5]
л. 227 b. поминающе | бж҃ьствьнъихъ кго словесъ· имѣже оутвьржаѭ нъı гонениѧ гл҃аше· вънемлѣте себѣ прѣдадѧтъ бо въı на съньмища· и на съворищихъ[6] ихъ оубиють въı· прѣдадѧтъ же рече нъ не[7] себе прѣдасте· и къ влд҃ъıкамъ рече и цр҃емъ[8] ведени боудете имене моего ради· нъ не сами сѧ ведете· понѣже и прѣходити намъ повелѣваѥть· ѡ мѣста на мѣсто гонимомъ имене[9] кго ради· ꙗко же пакъı слъıшимъ кго гл҃ющѧ· кгда гонѧть въı ѡ града того бѣжите въ дроугъıи не хочеть бо насъ къ диаволемъ слоугамъ и къ ороужьникомъ· да не болшаѧ съмьрти повиньни имъ[10] боудемъ·[11] акъı ноудѧщиѧ паче стрънпътьливомъ бъıти· и съконьцати[12] съмьртьнаѧ дѣлеса· нъ чаѭти и вънимати себѣ· вѣдѣти

1) *cod.* ѣ *по скобл.* 2) Дѣкольемь *C.* 3) *cod.* оу *по скобл.* (*вм.* ѣ·). 4) бо *П.* 5) постраша *C.* 6) ѣ҃ворѣщиѣ *C.* 7) не *проп. C.* 8) цр҃емъ *СП.* 9) имени *П.* 10) мъ *C.* 11) боудѣ҃ *П.* 12) сконча҃ѧ *П.*

ὅτε ὁ καιρὸς τοῦ πάθους αὐτοῦ[1] προσήγγισεν,[2] οὐχὶ[3] ἑαυτὸν παρέδωκεν, ἀλλ' ἐξεδέξατο, ἕως ἦλθον ἐπ' αὐτὸν μετὰ μαχαιρῶν καὶ ξύλων[4] συλλαβεῖν με, οἱ καὶ παρέδωκαν αὐτόν, φησίν, Πιλάτῳ. καθ' ὁμοιότητα γοῦν αὐτοῦ καὶ οἱ κατὰ σκοπὸν αὐτοῦ βαίνοντες πεπόνθασιν, μεμνημένοι τῶν θείων αὐτοῦ λόγων, δι' ὧν ἐπιστηρίζων ἡμᾶς περὶ τῶν διωγμῶν λέγει· Προσέχετε ἑαυτοῖς· παραδώσουσιν γὰρ ὑμᾶς εἰς συνέδρια[5] καὶ ἐν ταῖς συναγωγαῖς αὐτῶν μαστιγώσουσιν ὑμᾶς. παραδώσουσιν δὲ εἶπεν, ἀλλ' οὐχ[6] ἑαυτοὺς παραδώσετε· καὶ ἐπὶ ἡγεμόνας δέ, φησίν, καὶ βασιλεῖς ἀχθήσεσθε διὰ τὸ ὄνομά μου, ἀλλ' οὐχὶ ἑαυτοὺς ἄξετε· ἐπεὶ καὶ μεταπηδᾶν ἡμᾶς βούλεται ἀπὸ τόπων εἰς τόπους, διωκομένους διὰ τὸ ὄνομα αὐτοῦ, ὡς πάλιν ἀκούομεν αὐτοῦ λέγοντος· Καὶ ὅταν διώκωσιν ὑμᾶς ἐκ τῆς πόλεως ταύτης,[7] φεύγετε εἰς τὴν[8] ἑτέραν· οὐ γὰρ θέλει[9] ἡμᾶς πρὸς τοὺς τοῦ διαβόλου ὑπασπιστὰς καὶ δορυφόρους, ὅπως μὴ καὶ πλειόνων θανάτων αἴτιοι αὐτοῖς γενώμεθα, ὡς ἂν καταναγκάζοντες αὐτοὺς[10] μᾶλλον κατατραχύνεσθαι καὶ τελεσιουργεῖν τὰ θανατηφόρα ἔργα, ἀλλ' ἐκδέχεσθαι καὶ προσέχειν ἑαυτοῖς, γρηγορεῖν

1) τοῦ πάθους αὐτοῦ προπ. V. 2) ἤγγισεν V. 3) οὐκ PV. 4) λέγει οὖν (V γοῦν) πρὸς αὐτούς· Ὡς ἐπὶ λῃστὴν ἐξήλθατε (V ἐξήλθετε) μετὰ μαχαιρῶν καὶ ξύλων βστавл. PV. 5) cod. переправл. изъ σύνεδρα. 6) οὐχὶ PV. 7) ἐν τῇ πόλει ταύτῃ V. 8) τὴν προπ. V. 9) αὐτομολεῖν вставл. PV. 10) ἑαυτοὺς V, но ἑ выскобл.

же и[1] молитисѧ да не вънидемъ въ напасть· сице стефанъ въ слѣдъ кго моученикъ въспринмъ[2] въ иерс҃мѣ[3] въсхъ[ще]нъ бѣ ѿ безаконьнъıихъ· и приведенъ въ съньмице·[4] побиваемъ камениемь въ има ї҃с[5] х҃ѣ·[6] прослависѧ молѧсѧ и гл҃а· г҃и не постави имъ грѣха сего· тако иѡковъ въторок ѡтъ ѿ ирода· мечемь главоу оусѣченъ бъıсть· сице изъбранъıи апл҃ъ петръ· мъногашьдъı ѡтъ бъıвъ и въ тьмьницю въвьрженъ· и бещьствованъ· послѣди въ римѣ распатъ бъıвъ· тако же и славьнъıи павьлъ мъногашьдъı· прѣданъ бъıвъ и до съмьрти приноужденъ· мъного же пострадавъ и хваливъсѧ въ многъıихъ гоненииихъ и скърбьхъ· въ томь же градѣ и тъ мечьмь оусѣченъ бъıсть[7] въ главоу· иже въ нихъ и похвалисѧ гл҃аше· и ѡко въ дамаскѣ въ кошьници по стѣнѣ съвѣшенъ бъıхъ[8] нощь· и оубѣжахъ роукоу ицюцаго кго ѡти· прѣдълежащее же бѣ имъ въ пьрвъıихъ· бл҃говѣстити· и оучити слово бж҃ие· имиже оутвьржающе братию прѣбъıвати въ вѣрѣ· и се гл҃аахоу ѡко многъıими скърбьми[9] подобаетъ вънити въ ц҃рствие бж҃ие не искаахоу бо своего польꙁънаго нъ мъногъıихъ да сп҃соутьсѧ· и бѣ

τε καὶ προσεύχεσθαι, ἵνα μὴ εἰσέλθωμεν εἰς πειρασμόν. οὕτως Στέφανος,[1] κατ' ἴχνος αὐτοῦ μαρτύριον ἀναδεξάμενος, ἐν Ἱεροσολύμοις συναρπασθεὶς ὑπὸ τῶν παρανόμων καὶ ἀχθεὶς ἐν τῷ συνεδρίῳ, λιθοβολούμενος ἐν ὀνόματι Χριστοῦ, ἐδοξάσθη παρακαλῶν καὶ λέγων· Κύριε, μὴ στήσῃς[2] αὐτοῖς ταύτην τὴν ἁμαρτίαν.[3] οὕτως Ἰάκωβος, δεύτερος συλληφθεὶς ὑπὸ Ἡρώδου, μαχαίρᾳ τὴν κεφαλὴν ἀπετμήθη. οὕτως ὁ πρόκριτος τῶν ἀποστόλων Πέτρος, πολλάκις συλληφθεὶς καὶ φυλακισθεὶς καὶ ἀτιμασθείς, ὕστερον ἐν Ῥώμῃ ἐσταυρώθη· ὁμοίως καὶ ὁ περιβόητος Παῦλος, πλεονάκις παραδοθεὶς καὶ ἕως θανάτου κινδυνεύσας, πολλά τε ἀθλησας καὶ καυχησάμενος ἐν πολλοῖς διωγμοῖς καὶ θλίψεσιν, ἐν τῇ αὐτῇ πόλει καὶ αὐτὸς μαχαίρᾳ τὴν κεφαλὴν ἀπετμήθη,[4] ὃς ἐν οἷς ἐκαυχήσατο κατέλεξεν[5] καὶ ὅτι[6] ἐν Δαμασκῷ σπυρίδι ἐχαλάσθη διὰ τοῦ τείχους νυκτὸς καὶ ἐξέφυγεν τὰς χεῖρας τοῦ ζητοῦντος αὐτὸν πιάσαι· τὸ γὰρ προκείμενον ἦν αὐτοῖς ἐν πρώτοις εὐαγγελίζεσθαι καὶ διδάσκειν τὸν λόγον τοῦ θεοῦ, ἐν οἷς ἐπιστηρίζοντες τοὺς ἀδελφοὺς ἐμμένειν ἐν τῇ πίστει, καὶ τοῦτο ἔλεγον, ὅτι διὰ πολλῶν θλίψεων δεῖ εἰσελθεῖν εἰς τὴν βασιλείαν τοῦ θεοῦ· ἐζήτουν γὰρ οὐ τὸ ἑαυτῶν[7] συμφέρον, ἀλλὰ τὸ τῶν πολλῶν, ἵνα σωθῶσιν. καὶ ἦν

л. 228 а.

1) и *прот. С.* 2) *cod.* прин *по скобл.* 3) іерл҃мѣ *П*; ерл҃мѣ *С.* 4) сонмица *С.* 5) іс *cod.* 6) х҃с *П.* 7) бывъ *С.* 8) бывъ *С.* 9) скъръми *С.*

1) πρῶτος вставл. PV. 2) στήσησης V. 3) τὴν ἁμαρτίαν ταύτην PV. 4) ἀπεκείρατο P. 5) ὃς ἐν οἷς ἐκαυχήσατο κατέλεξεν προπ. V. 6) ὅτι καὶ P. 7) ἑαυτὸν cod.

мъного глати имъ· въ сиⷯ на
сътвореніе слова· аще не апⷭъ
глⷱть[1] постигнеть[2] бо нъı повѣ-
сти дѣюща лѣто· ѿ клиричѣхъ·
тѣмь нѣсть подобьно· ни ѿ
клироса самѣмъ ошьдъшемъ·[3]
ѿпадъшемъ[4] же и ѿскочьшемъ·[5]
яще въ слоужении бъıти· ꙗко
же бо оставльше стадо гⷯе· и
покорьшесѧ сами· ѥгоже ни
єдинъ же апⷭъ сътвори· ибо
мъногаꙗ гонениꙗ прѣтьрьпѣвъıи·
мъногы[6] же страсти подвигъ по-
каꙁавъıи· блаженъıи апⷭъ павьлъ·
раꙁоумѣвъ же ꙗко добрѣе єсть
ѻтнити и съ хⷭмь бъıти· при-
носить и глⷱть· а ѥже прѣ-
л. 228 b. бъıвати | плътию· ноужьдьнѣе васъ
ради· смотрю бо не сво-
ѥго польꙁьнааго· нъ многъıхъ
да спсоутьсѧ· ноужьдьнѣе своѥго
покоꙗ· изволивъ ѥже прѣбъıвати
оу братиꙗ· и прїлежати имъ·
иже и[7] оучащюумоу хощеть
бъıти· въ оучении· обраꙁоу бъıти
вѣрьнъıимъ· тѣмь въ тьмьници
осоужении· ѿ слоужениꙗ[8] ѿпадъше·
и скочьше[9] ꙁѣло не чюють· како
бо просѧть[10] ѥже ставишь· мо-
гоуще братии благодарьствовани

πολλὰ λέγειν αὐτοῖς εἰς ταῦτα πρὸς τὸ κατὰ λόγον πράσσειν, εἰ μή, ὡς λέγει ὁ ἀπόστολος, ἐπιλείποι[1] δ' ἂν ἡμᾶς διηγούμενος[2] ὁ χρόνος.[3]

ι'. Περὶ κληρικῶν.[4]

Ὅθεν οὐκ ἔστιν εὔλογον οὐδὲ τοὺς ἀπὸ κλήρου αὐτομολήσαντας, ἐκπεπτωκότας τε καὶ ἀναπαλαίσαντας, ἔτι ἐν τῇ λειτουργίᾳ εἶναι, ἅτε δὴ καταλείψαντας τὸ ποίμνιον[5] κυρίου[6] καὶ μωμησαμένους ἑαυτούς, ὅπερ οὐδεὶς τῶν ἀποστόλων πεποίηκεν. καὶ γὰρ ὁ πολλοὺς διωγμοὺς ἐξαντλήσας, πολλά τε ἆθλα ἀγωνισμάτων ἐνδειξάμενος, ὁ μακάριος ἀπόστολος Παῦλος, ἐγνωκώς τε[7] ὅτι κάλλιόν[8] ἐστιν ἀναλῦσαι καὶ σὺν Χριστῷ εἶναι, ἐπιφέρει καὶ λέγει· Τὸ δὲ ἐπιμεῖναι τῇ σαρκὶ ἀναγκαιότερον δι' ὑμᾶς· σκοπῶ[9] γὰρ οὐ τὸ ἑαυτοῦ συμφέρον, ἀλλὰ τὸ τῶν πολλῶν, ἵνα σωθῶσιν. ἀναγκαιοτέρως[10] τῆς ἑαυτοῦ ἀναπαύσεως ἡγήσατο τὸ παραμένειν τοῖς ἀδελφοῖς καὶ ἐπιμελεῖσθαι αὐτῶν· ὃς[11] καὶ τὸν διδάσκοντα θέλει εἶναι ἐν τῇ διδασκαλίᾳ τύπον γενόμενον[12] τῶν πιστῶν. ὅθεν οἱ ἐν τῇ εἱρκτῇ ἐπιδικαζόμενοι, τῆς λειτουργίας ἐκπεπτωκότες καὶ ἀναπαλαίσαντες, πάνυ ἀναισθητοῦσιν· πῶς γὰρ αἰτοῦσιν ὃ κατέλειψαν, δυνάμενοι τοῖς ἀδελφοῖς εὐχάριστοι[13]

1) бо ны *вставл. С.* 2) повѣстигнеть *С, но* вѣ *вычеркнуто.* 3) Ошьдшїй *П.* 4) Ѿпадшїй *П.* 5) Ѿскочшїй *П.* 6) многын *П.* 7) и *проп. П.* 8) сѫженїа *П.* 9) *cod. переправл.* ш *изъ* ж. 10) прїносать *С.*

1) ἐπιλείψοι V. 2) διηγουμένους V Patm. 173. 3) λόγος V. 4) cod. проп. при этомъ заглавіи нумерацію правила; Περὶ κληρικῶν проп. Patm. 172. 5) τοῦ вставл. P. 6) Χριστοῦ V. 7) τε проп. V. 8) καλλίων cod. 9) σκοπῶν PV. 10) ἀναγκαιότερον PV. 11) ὡς V. 12) γενόμενον PV. 13) εὔχρηστοι PV.

бъıти· въ врѣ[мѧ][1] таково· донъдеже оубо не грѣшьни[2] бѣша· отъпоущенига имѣахоу о неправьдьнѣмь ихъ дѣлании· егда же съгрѣшиша акъı гърдивъшесѧ[3] и себе порекъ·[4] оуже не възмогоуть слоужити тѣмь да пекоутьсѧ паче· въ съмѣренѣ съмъıслѣ· како съвьршать прѣставъше ѿ тъıчесловига· довъльномъ бо имъ· обыщение съ разоумъмь и опасениемь· обоѥ бъıвающеѥ·[5] да не мьнатьсѧ оскърбляти· ноужде͠ю творѧще ѿсоудѣ ѿхожение· да ничьсѧ[6] же ѿпадъше· извѣтоуютъ· акъı вїнъı ради ѕапрѣщенига·[7] изнемогъше· иже паче вьсѣхъ· стоудъı и[8] поношенига сластъ на того положьшааго [ѡсновѣа и не возмогшаа][9] съсъконьцати·[10] начьноуть бо вьси мимоходѧще роугатисѧ емоу глающе· сь члвѣкъ основание положи | и не възможе съконьцати·[11]

ѳ· Пьрвии бо въскочьше въ врѣмѧ гонениа·[12] стоѧще на соудищи· и позороующе стъıихъ мчнкъ· тъıцающихъсѧ къ вѣнъцю въıшьнааго ѕванига· и доброю рьвьностию· оусьрдоующе

ἐν καιρῷ τοιούτῳ; ἕως μὲν οὖν ἄπταιστοι ἦσαν, συγγνώμην εἶχον[1] ἐπὶ τῇ παραλόγῳ[2] αὐτῶν πράξει· ὅτε δὲ ἔπταισαν, ὡς ἂν περπερευσάμενοι καὶ ἑαυτοὺς μωμησάμενοι, οὐκέτι δύνανται[3] λειτουργεῖν· δι' ὃ[4] φροντιζέτωσαν μᾶλλον ἐν ταπεινοφροσύνῃ, πῶς ἐκτελέσωσι παυσάμενοι τῆς κενοδοξίας·[5] ἀρκεῖ γὰρ αὐτοῖς ἡ κοινωνία μετ' ἐπιτάσεως[6] καὶ ἀκριβείας πρὸς ἀμφότερα γινομένη, καὶ ἵνα μὴ δόξωσιν λυπεῖσθαι μετὰ βίας περιδιαρσόμενοι[7] τῆς ἐντεῦθεν ἀναλύσεως,[8] καὶ ἵνα μή τινος[9] ἐκπεσόντες προφασίσωνται,[10] ὡς ἂν διὰ τὴν ἀφορμὴν τῆς ἐπιτιμίας ὑπεκλελυμένοι, οἵτινες πλέον ἁπάντων αἰσχύνην καὶ ὄνειδος ἕξουσιν κατ' ἐκεῖνον τὸν τεθεικότα θεμέλιον καὶ μὴ ἰσχύσαντα ἐκτελέσαι· ἄρξονται γὰρ[11] πάντες οἱ παραπορευόμενοι ἐμπαίζειν αὐτῷ λέγοντες· Οὗτος ὁ ἄνθρωπος θεμέλιον τέθεικεν[12] καὶ οὐκ ἴσχυσεν ἐκτελέσαι. л. 229 a.

ια'.[13] Οἱ γὰρ πρῶτοι[14] παραπηδήσαντες ἐν τῷ βράσματι τοῦ διωγμοῦ, περιεστῶτες εἰς τὸ δικαστήριον καὶ θεωροῦντες τοὺς ἁγίους μάρτυρας σπεύδοντας ἐπὶ τὸ βραβεῖον τῆς ἄνω κλήσεως, ἐν καλῷ τῷ ζήλῳ προθυμούμενοι

1) *исправл. по П.* 2) грѣшьнїи *П.* 3) гордивъшиѧ *П*; гордившаѧ *С.* 4) порекше *П.* 5) съ разѕмо и шпасенїе обоѥ бывающеѥ *проп. С въ тексть и допис. вверху л. 215a.* 6) ничесо *П.* 7) запрѣщеѥ *П.* 8) и *проп. С.* 9) *вставка изъ П.* 10) съскончати *С*; скончати *П.* 11) скончати *П.* 12) гоніа *С.*

1) εἶχοσαν P. 2) παρὰ λόγον P. 3) δύνωνται V. 4) διό PV. 5) καινοδοξίας cod. V. 6) ἐπιστάσεως PV. 7) περιδρασσόμενοι PV. 8) ἀρκεῖ αὐτοῖς τουτέστιν ἡ κοινωνία вставл. V. 9) τινες PV. 10) προφασίσονται cod. 11) φησι вставл. PV. 12) ἔθηκεν PV. 13) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν αὐθαιρέτως εἰς τὸν ἀγῶνα καὶ μετὰ πολλὰς βασάνους ἀρνησαμένων. 14) πρώτως V.

дадѧхоу сѧ сами на то· многою дьрзостию приимъше възирающе паче· на[1] влѣкомъı [и][2] ѿдаюцаѧ· ихъже ради разгорѣвъшесѧ въноутрь· и оглашени[3] повѣдити гърдѧщаагосѧ и противьнаагго тъщаадхоусѧ на тода не мьнитисѧ о себѣ съмъıсльнъ бъıти· имьже по прокаꙁѣ мьнашесѧ повѣжати· аще и ꙁабъıвааше себе повѣжаѥма· ѿ тьрпѧщиихъ стръганиѥ и[4] раньнъıѧ моукъı· остритъı же меча· и опалениѥ огнѧ· въ водахъ погроужениѥ· и съвьрша̀ющиимъ[5] по вѣрѣ· мт҃вами мольбамъ бъıвати· рекъше о соущиихъ въ тьмьници·[6] о[7] моученъıихъ[8] и[9] прѣданомъ ѿ глада и жажда· рекъше вънѣ тьмьница моученъıихъ[10] на соудници стръганиихъ[11] и ранами· послѣдь же повѣженомъ бъıвъшемъ немощию плътьскою· достоино ѥсть[12] поманоути състрадати бо[13] и съболѣꙁньствовати· съ плачющиими и съ въꙁдъıхающиими· и повѣженъıихъ въ[14] подвиꙁѣ ѿ[15] мъногъıѧ ноужда· ꙁълокъꙁньнаагго дѧвола· рекъ|ше ꙁа родителѣ· или ꙁа братию или ꙁа чада· ни ѥдиного же ничьто же не врѣждаѥть· вѣмъ бо инѣхъ ради

ἐπεδίδουν ἑαυτοὺς εἰς τοῦτο, πολλῇ τῇ παῤῥησίᾳ χρώμενοι, ἐμβλέποντες μάλιστα τοὺς ὑποσυρομένους καὶ ἐκπίπτοντας, δι' οὓς ὑπερθερμαινόμενοι[1] ἔσωθεν καὶ ἐνηχούμενοι καταπολεμῆσαι τὸν ὑπεραιρόμενον καὶ ἀντικείμενον ἔσπευδον εἰς τοῦτο, ἵνα μὴ καὶ[2] δοκῇ παρ' ἑαυτῷ φρόνιμος εἶναι, ἐφ' οἷς κατὰ πανουργίαν ἔδοξεν ἡττᾶν, εἰ καὶ ἐλάνθανεν[3] ἑαυτὸν νικώμενον ὑπὸ τῶν ἐγκαρτερούντων τὰς τῶν ξυστήρων καὶ μαστίγων βασάνους, τήν τε ὀξύτητα τῆς μαχαίρας καὶ τὰς καταφλέξεις τοῦ πυρὸς καὶ τὰς τῶν ὑδάτων καταποντώσεις. καὶ τοῖς κατὰ πίστιν ὑπεξιοῦσιν εὐχὰς[4] καὶ δεήσεις γίνεσθαι,[5] ἤτοι ὑπὲρ τῶν ἐν φυλακῇ κατατιμωρηθέντων, καὶ προδεδομένοις[6] ὑπὸ λιμοῦ καὶ δίψης, ἤτοι ὑπὲρ τῶν ἔξωθεν τῆς φυλακῆς ἐπὶ τοῦ δικαστηρίου καταβασανισθέντες[7] διὰ ξυστήρων καὶ μαστίγων, ὕστερον δὲ ἡττηθέντων[8] τῆς ἀσθενείας τῆς σαρκὸς ἄξιόν[9] ἐστιν ἐπινεῦσαι.[10] συμπάσχειν γὰρ καὶ συναλγεῖν τοῖς ὀδυρομένοις καὶ στενάζουσιν ὑπὲρ τῶν ἐν τῷ ἀγῶνι ἡττηθέντων ὑπὸ τῆς πολλῆς βίας τοῦ κακομηχάνου διαβόλου, ἤτοι ὑπὲρ γονέων ἢ ἀδελφῶν ἢ τέκνων, οὐδένα οὐδὲν καταβλάπτει· ἴσμεν γὰρ καὶ δι' ἑτέρων

1) на *проп. П.* 2) *вставка изъ П.* 3) wглашенїи *П.* 4) и *вставл. С.* 5) съвершающи *С.* 6) тѣмница *С.* 7) о *проп. С.* 8) мѣченїй *П.* 9) и *проп. П.* 10) и прѣданомъ ѿ глада и жажда· рекъше вънѣ тьмница моученъıихъ *проп. С.* 11) страганїи *С.* 12) ѥсть *cod. in t.* 13) *cod.* въ *по скобл.* 14) бо *проп. С.* 15) ѿ *проп. С.*

1) ὑποθερμαινόμενοι PV. 2) καὶ προπ. V. 3) ἔλαθεν V. 4) δὲ вставл. V. 5) χρὴ вставл. V. 6) προδεδομένων PV. 7) καταβασανισθέντων PV. 8) ὑπὸ вставл. PV. 9) γὰρ вставл. V. 10) αὐτοῖς вставл. V.

вѣры наслаждьшемъсѧ нѣкъиимъ бжиѧ блгодати· въ ѡпоущение грѣхомъ [1] и съдравие телесе и въскрѣшение мьртвъиимъ· поминающе оубо многаго ихъ троуда· иже прѣже прѣтьрпѣша въ имѧ хво и страсти· не тъкъмо нъ и раскающемъсѧ имъ· и плачющемъсѧ· сътворенаго имъ· по прѣданию немощию и оумьрщвениемь телесе· ище же и послоушьствовавъшиимъ· доброжизньномъ [2] бывъшемъ въ житии своемь· молимъсѧ съ ними· о оцѣщении [3] ихъ· съ инѣми подобьнъиими бывающаго ради за ны оутѣшителѧ· къ оцю оцѣщающаго грѣхы наша· и аще бо къто речеть сьгрѣшить· оутѣшителѧ имамъ къ оцю· ис ха правьдьна· и тъ оцѣщение есть ѡ грѣсѣхъ нашихъ·

ıа· [4] Давъшюмоу же сребро· ако несъторжимомъ имъ вьсѣде бъити· ѡ вьсеѧ зълобы нѣсть прѣгрѣшениѧ [5] приносити· тъщетоу бо и погыбѣль имѣниѧ прѣтьрпѣша· да не дшѧ своеѧ отъщетать или погоубать кгоже по срамоу и ни приобрѣтению не сътвориша· ибо боу· [6]

πίστιν ἀπολαύσαντάς τινας τῆς τοῦ θεοῦ ἀγαθότητος, ἐπί τε ἀφέσει [1] ἁμαρτιῶν καὶ ὑγιείᾳ [2] σώματος καὶ ἀναστάσει νεκρῶν. μεμνημένοι τοίνυν τῶν πολλῶν αὐτῶν καμόντων, [3] ὧν προϋπήνεγκαν ἐν ὀνόματι Χριστοῦ, καὶ των ταλανισμῶν, [4] οὐ μὴν ἀλλὰ καὶ μεταγνόντων αὐτῶν καὶ ἀποδυρομένων τὸ πεπραγμένον αὐτοῖς κατὰ προδοσίαν ἐν ἀτονίᾳ καὶ νεκρότητι τοῦ σώματος, ἔτι τε καὶ μεμαρτυρημένων [5] εὐπολιτεύτων γενομένων ἐν τῷ βίῳ αὐτῶν, συνευχόμεθα [6] καὶ συμπαρακαλοῦμεν [7] ὑπὲρ ἱλασμοῦ αὐτῶν μετὰ τῶν ἄλλων [8] καθηκόντων, διὰ τοῦ γινομένου [9] ὑπὲρ ἡμῶν παρακλήτου πρὸς τὸν πατέρα, ἱλασκομένου ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν· Καὶ ἐάν τις γάρ, φησίν, ἁμάρτῃ, παράκλητον ἔχομεν πρὸς τὸν πατέρα Ἰησοῦν Χριστὸν δίκαιον, καὶ αὐτὸς ἱλασμός ἐστιν ὑπὲρ τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν.

ιβ'. [10] Τοῖς γὰρ ἀργύρια δεδωκόσι πρὸς τὸ ἀνενοχλήτους αὐτοὺς τὸ παντάπασιν γενέσθαι ἀπὸ πάσης κακίας, οὐκ ἔστιν ἔγκλημα προσάγειν· ζημίαν γὰρ καὶ ἀπώλειαν χρημάτων ὑπήνεγκαν, ἵνα μὴ τὴν ψυχὴν ἑαυτῶν [11] ζημιωθῶσιν ἢ ἀπολέσωσιν, ὅπερ ἄλλοι κατὰ αἰσχροκερδίαν [12] οὐ πεποιήκασιν, καίτοι γε τοῦ κυρίου

1) *cod.* м *по скобл.* (*вм* ѣ?). 2) доброжизньно имъ *II.* 3) оцѣщенї *C.* 4) ıа *и начальную букву текста* Д *проп. II.* 5) прѣшенїа *C.* 6) ѓs *C.*

1) ἀφέσεις cod. 2) ὑγίεια cod. 3) καμάτων PV. 4) τανταλισμῶν PV. 5) μεμαρτυρημένον cod. 6) V переправл. въ συνευχώμεθα. 7) V переправл. въ συμπαρακαλῶμεν. 8) πολλῶν V. 9) γενομένου V. 10) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν δεδωκότων ἀργύρια 11) αὐτῶν V. 12) αἰσχροκέρδειαν PV.

глющю· чьто бо оуспѣютъ чл҃вкъ
аще и весь миръ приобрѧщетъ а
дш҃ю свою отъщетитъ [1] или по-
л. 213 а. гоу|бить· и ꙗко бг҃у не можете ра-
ботати ни мамонѣ· ꙗвиша бо сѧ
паче онѣхъ бг҃у работающе· срѣбро
възненавидѣвъше и прѣобидѣвъше
є испълниша бо и о семь писаное·
избавлениє моужю дш҃и своеи бо-
гатьство· понєже и въ дѣанииихъ
апл҃ъ· разоумѣхомъ [2] влѣкъшиихъ
въ павьла мѣсто и силы· въ
селоуни къ градьнымъ старѣи-
шинамъ съ мъножьствъмь отъ-
поустиша ꙗ· по отлъчанию [3] же
ихъ мъного имѣниє ради· възмасти
народъ старѣишинъ града· възъмъ-
ше рече довъльное ѿ насона· и про-
чиихъ отъпоустиша [4] ꙗ· братиа же
абиє ноцию испоустиша павьла же и
силоу въ верѣю·

ꙗв· [5] Тѣмь ни оставъшимъ весь·
спсениа ради дш҃а и ѿшьдъшимъ
есть повѣдати· ꙗко инѣмъ ихъ ради
ꙗтомъ· ибо въ ефесѣ· въ павьла
мѣсто въсхытиша глаа· пакы на
позорище и аристарха [6] въслѣдь-
ника павьлѧ· не хотѧщю вънити
въ народъ· имьже и того
ради покоривъшю· и прѣставивъшю

λέγοντος· Τί γὰρ ὠφελήσει ἄνθρωπος,
ἐὰν τὸν κόσμον ὅλον κερδήσῃ, τὴν δὲ
ψυχὴν αὐτοῦ ζημιωθῇ ἢ ἀπολέσῃ· καὶ
ὅτι· Οὐ δύνασθε [1] θεῷ δουλεύειν καὶ
μαμωνᾷ. ἐφάνησαν γὰρ παρ' ἐκείνους
τῷ θεῷ δουλεύοντες, τὰ ἀργύρια μισή-
σαντες καὶ καταφρονήσαντες αὐτῶν,
ἀπεπλήρωσάν τε καὶ ἐν τούτῳ τὸ γε-
γραμμένον· Λύτρον ἀνδρὸς ψυχῆς [2] ὁ
ἴδιος πλοῦτος. ἐπεὶ καὶ ἐν ταῖς Πράξεσιν
τῶν ἀποστόλων ἀνέγνωμεν τοὺς συρέν-
τας ἀντὶ Παύλου καὶ Σίλα ἐν Θεσσαλο-
νίκῃ ἐπὶ τοὺς πολιτάρχας, μετὰ πλη-
σμονῆς [3] ἀπολυθέντας· μετὰ γὰρ τὸ κα-
ταβαρῆσαι αὐτοὺς πολλὰ διὰ τὸ ὄνομα
καὶ ταράξαι τὸν ὄχλον καὶ τοὺς πολι-
τάρχας, λαβόντες, φησί, τὸ ἱκανὸν παρὰ
τοῦ Ἰάσωνος [4] καὶ τῶν λοιπῶν ἀπέλυ-
σαν αὐτούς. οἱ δὲ ἀδελφοὶ εὐθέως διὰ
νυκτὸς ἐξέπεμψαν τόν τε [5] Παῦλον καὶ
τὸν [6] Σίλαν εἰς Βεροίαν.

ιγ'. [7] Ὅθεν οὐδὲ τοῖς καταλείψασι
πάντα διὰ τὴν τῆς ψυχῆς σωτηρίαν καὶ
ἀναχωρήσασιν ἔστιν [8] ἐγκαλεῖν, ὡς ἂν
ἑτέρων δι' αὐτοὺς κατασχεθέντων· καὶ
γὰρ [9] ἐν τῇ Ἐφέσῳ ἀντὶ Παύλου συνήρ-
πασαν [10] πάλιν [11] Γάϊον εἰς τὸ θέατρον καὶ
Ἀρίσταρχον, συνεκδήμους Παύλου, οὐ
βουλομένου εἰσελθεῖν εἰς τὸν δῆμον, ἐπεὶ
καὶ δι' αὐτὸν πείσαντα καὶ μεταστήσαντα

1) Ѿщететь *C.* 2) и *вставл. C.* 3) wтлгченію *P.* 4) Ѡстѣпиша *C.* 5) ѳ *и начальную букву текста* Т *проп. P.* 6) аристаарха *P.*

1) δύνασθαι cod. 2) ψυχῆς ἀνδρὸς V. 3) πλεισμονῆς cod.; πεισμονῆς P. 4) cod. переправл. изъ ἰάσαντος. 5) τε проп. V. 6) τὸν проп. V. 7) V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν φυγόντων. 8) ἐστιν cod. V, но въ V выскобл. удареніе надъ ε. 9) καὶ вставл. P; καὶ οἱ вставл. V. 10) слоги πασαν V по скобл. 11) πάλιν проп. V.

мъногъ народъ· къ бочсти·[1] въстание въ вѣкъı бъıвъшеѥ· своѥго и оученици рекоша· не[2] тъкъмо нъ и нѣции ѿ кънаꙁь соуще
5 ѥмоу дроуꙁи· поустивъше[3] къ нѣмоу молѧхоу не дати себе на позорище· аще ли прѣбъıвають нѣции· ереси творѧще· да въпомлють глющюоумоу | истиноу· спсаа спси свою
10 дшю·[4] не озърисѧ назадъ· да въспомѧноути изъıранааго· въ апл҃ѣхъ[5] петра· въвьржена абие въ тьмьницю· и прѣдана четъıрьмъ четверичею[6] воиномъ стрѣщи и· ѥмоуже нощь
15 оубѣжавъшю· и изъıвъшю ѿ роукъı оубиица ирода· и въсего чаѧниа людии июдейскъıихъ· по ꙁаповѣди агла гна· бъıвъшю же рече дни· бѣ матежь не малъ въ
20 воинѣхъ· чьто оубо петроу бъıсть· ирод҃ъ же въꙁискавъ ѥго и[7] не обрѣтъ· осоудивъ же стража· повелѣ ѿвести и· ихъже ради ни ѥдина вина прикасаѥтьсѧ· бѣ бо и
25 самъ видѣлъ бъıвъшеѥ· оубѣжати· ꙗко же въсѧ дѣти иже въ видлеомѣ и въ въсѣхъ прѣдѣлѣхъ ѥго· аще вѣдѣли[8] бъıша родители ихъ· хотѧщеѥ бъıти· иже оубиени
30 бъıша отъ скверьнаа[9] оубиица

πολὺν ὄχλον ἐπὶ τὴν θεοσέβειαν ἡ στάσις ἦν γενομένη,[1] οὐκ εἴων[2] αὐτὸν οἱ μαθηταί, φησίν· οὐ μὴν ἀλλὰ καί τινες τῶν ἀρχόντων[3] ὄντες αὐτῷ φίλοι, πέμψαντες πρὸς αὐτόν, παρεκάλουν μὴ δοῦναι ἑαυτὸν εἰς τὸ θέατρον. εἰ δὲ ἐπιμένοιέν τινες αἱρεσχελοῦντες[4] τοῖς εἰλικρινῶς προσέχουσι τῷ λέγοντι, Σῴζων σῶζε τὴν ἑαυτοῦ[5] ψυχήν, μὴ περιβλέψῃ εἰς τὰ ὀπίσω, ὑπομνησθήτωσαν καὶ τοῦ προκρίτου τῶν ἀποστόλων Πέτρου, βεβλημένου τε ἤδη εἰς[6] φυλακὴν καὶ παραδοθέντος τέτρασι[7] τετραδίοις στρατιωτῶν φυλασσόντων[8] αὐτόν, οὗ ἐν νυκτὶ φυγόντος καὶ ῥυσθέντος ἐκ χειρὸς τοῦ φονώδους[9] Ἡρώδου καὶ πάσης τῆς προσδοκίας τοῦ λαοῦ τῶν Ἰουδαίων, κατ' ἐντολὴν[10] ἀγγέλου κυρίου. Γενομένης, φησίν, ἡμέρας ἦν τάραχος οὐκ ὀλίγος ἐν τοῖς στρατιώταις, τί ἄρα ὁ Πέτρος ἐγένετο. Ἡρώδης δὲ ἐπιζητήσας αὐτὸν καὶ μὴ εὑρών, ἀνακρίνας τε[11] τοὺς φύλακας ἐκέλευσεν ἀπαχθῆναι, δι' οὓς οὐδεμία αἰτία τῷ Πέτρῳ προσάπτεται· ἐξῆν γὰρ καὶ αὐτοὺς ἑωρακότας τὸ γενόμενον[12] ἐκφυγεῖν, ὡς καὶ πάντα τὰ παιδία τὰ ἐν Βηθλεὲμ καὶ ἐν πᾶσι τοῖς ὁρίοις αὐτῆς, εἰ ἐγνώκεισαν οἱ γονεῖς αὐτῶν τὸ μέλλον ἔσεσθαι, ἅπερ ἀνῃρέθησαν ὑπὸ τοῦ μιαιφόνου

л. 230 b.

1) ѿчестїю *П.* 2) нъ *С.* 3) постивше *С.* 4) дшю свою *С.* 5) апл҃ѣхъ *С.* 6) четверицею *П.* 7) и *проп. С.* 8) видѣлѣ *С.* 9) *cod.* а *по скобл.*

1) γινομένη V, гдѣ затѣмъ вставл. καὶ. 2) εἶον cod. 3) ἀσιαρχῶν PV. 4) ἐρεσχελοῦντες PV, но V переправл. ε послѣ χ въ η. 5) σεαυτοῦ PV. 6) τὴν вставл. V. 7) τέσσαρσι PV. 8) φυλάσσειν PV. 9) φονοδόλου V. 10) τοῦ вставл. P. 11) τε проп. PV. 12) γενόμενόμενον V, но μενό вычеркнуто.

ирода· ѕанѥ ѿ нѥго възисканѥ погоубити· єдиного отроча· иже и то по[1] повелѣнию аггла гнѣ· оубѣжа авиѥ начинаѥмо· скоро испровьрзи[2] по наречению имене· и напрасно плѣнити· ѩко же писано ѥсть· нарьци има ѥмоу скоро· испровьрзи напрасно плѣни· ѕанѥ прѣжде даже не разоумѣти отрочати· нарещи оц҃а или мт҃рь·[3] прииметь силоу дамасковоу· и користи самарискыѭ· прамо цр҃ю[4] асурискомоу· вълсви же ѩко же авиѥ испровьржени бъıвъше· и плѣнѥни· покорениѥмь и | чьстию· поклонишасѧ отрочати· ѿвьрзъше съкровища своѧ· и принесъше ємоу гѣскыѭ лѣпыѭ даръı· ѕлато и ливанъ и ѕмурноу· ѩко цр҃ви[5] и бо҃у и члв҃коу тѣмь· къ томоу къ асурьскомоу цр҃ви·[6] съподобишасѧ възвратити· поспѣшаѥми ѿ промъıшлѥнии· ѿвѣтъ же рече въ сънѣ приимъше·[7] не възвратитисѧ къ ироду· нъ инѣмь поутьмь отидоша въ страноу свою· тѣмь видѣвъ кръвожадъıи[8] иродъ· ѩко пороуганъ бъıсть ѿ вълхвъ· разгнѣвасѧ ѕѣло· и посълавъ рече оуби всѧ младеньца иже въ видлеомѣ· и вьсѣхъ[9] прѣдѣлѣхъ ѥго· ѿ дъвоу лѣтоу инии[10] же по врѣмени ѩко же испъıта

Ἡρῴδου διὰ τὸ ὑπ᾽ αὐτοῦ ζητούμενον ἀπολέσθαι ἓν παιδίον, ὅπερ καὶ αὐτὸ κατ᾽ ἐντολὴν ἄγγελος[1] κυρίου ἐξέφυγεν, ἤδη ἀρξάμενον[2] ταχέως σκύλευσον[3] κατὰ τὴν ἐπίκλησιν τοῦ ὀνόματος καὶ ὀξέως προνομεύειν,[4] καθὼς γέγραπται· Κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτοῦ, ταχέως σκύλευσον, ὀξέως προνόμευσον· διότι πρὶν[5] γνῶναι τὸ παιδίον καλεῖν πατέρα ἢ μητέρα, λήψεται τὴν[6] δύναμιν Δαμασκοῦ καὶ τὰ σκῦλα Σαμαρείας ἔναντι[7] βασιλέως Ἀσσυρίων. οἱ γοῦν μάγοι, ὡς ἤδη σκυλευθέντες καὶ προνομευθέντες, ὑποτεταγμένως καὶ τιμητικῶς προσκυνοῦσι τῷ παιδίῳ, ἀνοίγοντες τοὺς θησαυροὺς αὐτῶν καὶ προσφέροντες αὐτῷ καιριώτατα καὶ πρεπωδέστατα δῶρα, χρυσὸν καὶ λίβανον καὶ σμύρναν, ὡς βασιλεῖ καὶ θεῷ καὶ ἀνθρώπῳ· ὅθεν οὐκέτι πρὸς τὸν Ἀσσύριον βασιλέα ἠξίωσαν ὑποστρέψαι, συνεργούμενοι ὑπὸ τῆς προνοίας· Χρηματισθέντες γάρ, φησίν, κατ᾽ ὄναρ μὴ ἀνακάμψαι πρὸς Ἡρῴδην, δι᾽ ἄλλης ὁδοῦ ἀνεχώρησαν εἰς τὴν χώραν ἑαυτῶν.[8] ὅθεν ἰδὼν ὁ αἱμοβόρος Ἡρῴδης, ὅτι ἐνεπαίχθη ὑπὸ τῶν μάγων, ἐθυμώθη λίαν καὶ ἀποστείλας, φησίν, ἀνεῖλεν πάντας τοὺς παῖδας τοὺς ἐν Βηθλεὲμ καὶ ἐν πᾶσιν τοῖς ὁρίοις αὐτῆς ἀπὸ διετοῦς καὶ κατωτέρου,[9] κατὰ τὸν χρόνον, ὃν ἠκρίβωσε

л. 231 a.

1) по *пров. П.* 2) исковерзи *С.* 3) *cod.* *конечное* ь *переправл. изъ* е. 4) цр҃ю *ПС.* 5) цр҃ви *П*; цр҃кви *С.* 6) цр҃ви *П*; цр҃кви *С.* 7) приниѥ *П.* 8) кровожадъı *С.* 9) всѣ *С.* 10) инии *П.*

1) ἀγγέλου PV. 2) ἀρξαμένου ἤδη V. 3) σκυλεύειν PV. 4) καὶ ὀξέως προνομεύειν κατὰ τὴν ἐπίκλησιν τοῦ ὀνόματος V. 5) ἢ вставл. V. 6) τὴν проп. PV. 7) ἐναντὶ Patm. 172. 8) αὐτῶν PV. 9) κατωτέρω PV.

ѡ вълхвъ· тѣмь и рожьшааго отрочате· дроугаааго· ища оубити и не обрѣте[1] оц҃а его ѕахарию оубии межю цьркъвию· и жьртвьникъмь· оубѣ-
жавъшю отрочати съ мт҃рию елисавою· на нѣюже ни єдиного же поречениє имоущю· аще ли[2] нѣции ноужду многоу и вѣдоу пострадаша· оуздоу приимъше въ оустѣхъ и
оузы·[3] и прѣбывъше тьрпѣньно оувѣщаниємь вѣры· и роуцѣ свои иждеци·[4] прилагающемъ· волѣю къ нѣчистѣи жьр[т]вѣ·[5] ѩко же оубо написаша ми· ѡ тьмьница трьблажении
мч҃ци[6] о[7] о соущиихъ въ ливи· и дроузии же съслоужьбьници таковии· съпослоушьствоующемъ | имъ[8] паче инои братии· могоуть бъıти въ слажениє въчинєни въ исповѣдьницѣхъ·
ѩко же и[9] оумьрщвени въ многъıихъ моукахъ· и не въѕмогъше глати· или вѣщати или подвигноутисѧ на противлениє· ноудѧщиимъ въсоуе· и съвѣщаша бо сѧ съ мьрѕостию
ихъ· ѩко же оубо· ѡ съслоужьбьникъ· пакъı слъıшахъ· да въчинєнъ же боудеть въ исповѣдьникъı·[10] и вьсякъ оубо иже по тимоѳею

παρὰ τῶν μάγων· μεθ' ὧν καὶ τὸ πρὸ αὐτοῦ γεννηθὲν ἕτερον παιδίον ζητήσας ἀποκτεῖναι καὶ μὴ εὑρών, τὸν πατέρα αὐτοῦ Ζαχαρίαν ἐφόνευσεν μεταξὺ τοῦ ναοῦ καὶ τοῦ θυσιαστηρίου, ἐκφυγόντος τοῦ παιδίου μετὰ τῆς μητρὸς Ἐλισάβετ,[1] ἐφ' ὧν[2] οὐδεμίαν μέμψιν ἔσχοσαν.[3] Εἰ[4] δέ τινες βίαν πολλὴν καὶ ἀνάγκην πεπόνθασιν, χάμον[5] λαβόντες ἐν τῷ στόματι καὶ δεσμοὺς καὶ ἐπιμείναντες καρτερῶς τῇ διαθέσει τῆς πίστεως καὶ τὰς χεῖρας αὐτῶν καῆναι[6] προσαγομένων ἑκοντὶ[7] τῷ ἀνιέρῳ θύματι· ὥσπερ οὖν ἔγραψάν μοι οἱ ἀπὸ τῆς φυλακῆς τρισμακάριοι μάρτυρες περὶ τῶν ἐν[8] Λιβύῃ καὶ ἕτεροι
δὲ συλλειτουργοί,[9] τοιοῦτοι, συμμαρ- л. 231 b.
τυρούντων αὐτοῖς μάλιστα καὶ τῶν ἄλλων ἀδελφῶν, δύνανται εἶναι ἐν τῇ λειτουργίᾳ, ταχθέντες[10] ἐν ταῖς πολλαῖς βασάνοις καὶ μηκέτι ἐξισχύσαντες λαλῆσαι, ἢ φθέγξασθαι, ἢ κινηθῆναι εἰς τὸ ἀντιστῆναι τοῖς εἰς μάτην βιαζομένοις·[11] οὐδὲ γὰρ συγκατέθεντο τῇ βδελυρίᾳ αὐτῶν. ὥσπερ οὖν παρὰ συλλειτουργῶν πάλιν ἤκουσα, ταχθήσεται δὲ ἐν τοῖς ὁμολογηταῖς καὶ πᾶς ὁστισοῦν κατὰ Τιμόθεον

1) шврѣтъ *П.* 2) же *вставл. П.* 3) здъı *С.* 4) ѭщи *П.* 5) *исправл. по С.* 6) мч҃ци *П.* 7) о *проп. П.* 8) имъ *проп. С.* 9) и *проп. С.* 10) исповѣдникъ *С.*

1) Ἐλισαβέτ V. 2) ὧ V, такъ какъ выскобл. ν. 3) ἔσχον V. 4) PV со слова Εἰ начин. новое правило ιδ', причемъ V съ заглавіемъ: Περὶ τῶν βιασθέντων θῦσαι. 5) V подскобл. хвостикъ отъ μ и получается начертаніе ν. 6) χαρτερήσαντες вставл. P. 7) ἀκοντὶ PV. 8) τῇ вставл. PV. 9) οἱ вставл. PV. 10) ἐν τοῖς ὁμολογηταῖς ὡς καὶ οἱ νεκρωθέντες вставл. PV. 11) ἐκβιαζομένοις V.

живеть· покарѧисѧ и самъ гл҃ющюмоу гони правьдоу· бл҃гочьстиѥ· вѣроу· любъвь· тьрпѣниѥ· тихотьрпѣниѥ· подвизаи добрыи подвигъ· вѣры· имиса вѣчьныѩ жизни· въ нюже зъванъ кси· исповѣдалъ кси доброѥ исповѣданиѥ· прѣдъ многы послоухы·

πολιτεύεται, πειθόμενος καὶ αὐτὸς τῷ λέγοντι· Διώκετε [1] δικαιοσύνην, εὐσέβειαν, πίστιν, ἀγάπην, ὑπομονήν, πραϋπάθειαν· [2] ἀγωνίζου τὸν καλὸν ἀγῶνα τῆς πίστεως, ἐπιλαβοῦ τῆς αἰωνίου ζωῆς, εἰς ἣν [3] ἐκλήθης καὶ ὡμολόγησας τὴν καλὴν ὁμολογίαν ἐνώπιον πολλῶν μαρτύρων.

1) δίωκε PV. 2) πραότητα P. 3) καὶ вставл. P.

того же слова [1] иже на пасхоу· [2]

ѓг· Не възглаголѥть на нъı никъто же· блюдоущемъ срѣдъı и пѧтъка· въ нюже [3] и [4] поститиса намъ [5] по прѣданию· оудобьно повелѣно бъıсть· срѣдоу [6] оубо бъıвъшааго съньмиця ради· ѿ июдѣи· на прѣданиѥ [7] гнѣ· пѧтъкъ же· ѕанѥ пострадати ѥмоу ѕа нъı· недѣлю же радостьнъıи днь имать· ѕанѥ въскрьсъшааго· въ нюже не [8] поститиса ни колѣноу прѣкланати прилѧхомъ· аминь·

(л. 240[a—b]). ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ’ΕΚ ΤΟΥ ΛΟΓΟΥ ΤΟΥ ΕΙΣ ΤΟ ΠΑΣΧΑ. [1]

Οὐκ ἐγκαλέσει τις ἡμῖν παρατηρουμένοις τετράδα καὶ παρασκευήν, ἐν αἷς καὶ νηστεύειν ἡμῖν κατὰ παράδοσιν ἡμῖν [2] εὐλόγως προστέτακτο· [3] τὴν μὲν τετράδα διὰ τὸ γενόμενον συμβούλιον ὑπὸ ’Ιουδαίων ἐπὶ τῇ προδοσίᾳ τοῦ κυρίου, [4] τὴν δὲ παρασκευὴν διὰ τὸ πεπονθέναι αὐτὸν ὑπὲρ ἡμῶν. τὴν γὰρ κυριακὴν χαρμοσύνης ἡμέραν ἄγομεν διὰ τὸν ἀναστάντα ἐν αὐτῇ, ἐν ᾗ οὐδὲ γόνατα κλίνειν παρειλήφαμεν.

1) слово У. 2) сѣтѣго петра алѣѯандрѣскаго *добавл.* У. 4) и *проп.* *II*; подобаѥть У. 5) намъ *проп.* У. 6) срѣдъı У. 7) прѣкыиѥ У. 8) ни *II*.

1) περὶ νηστείας τετράδος καὶ παρασκευῆς добавл. V. 2) ἡμῖν проп. PV. 3) προστέταχται V. 4) τὴν вставл. cod. (это послѣднее слово на л. 240 [a] и первое на л. 240[b]).

окрьстьнїе [1] посъланиѥ· генадиꙗ прⷭ̃тго [2] патриарха костантина гра-
л. 232 а. да· и ѥже съ ни|мь сⷭ̃тго събора· къ
вьсѣмъ прѣподобьнъıимъ митропо-
литомъ·

Бл҃голюбивоу҃моу· и прⷭ̃вьномѫ съслоужьбьникоу· [3] оньсици гена-
дии· [4] и пришьдъшю въ х҃ристолюбивъıи цр҃ьскъıи [5] костантинь градъ· но-
ваго рима сⷭ̃тъıи съборъ·

Влⷣка нашь и бⷭ̃ъ· и спⷭ̃ъ ісⷭ̃ъ· начьнъ сⷭ̃тъıимъ оученикомъ своимъ·
евангелиꙗ проповѣданиꙗ и оучениꙗ по вьсеи вьселенѣи члⷦкомъ посълавъ
повелѣ ѥмⷣ· ѥже приѥша ѿ нѥго даръ
тъ же и тѣмъ подаѥти члⷦкомъ
даръ· не притѫжающемъ паче кго ни
мѣди· ни срѣбра· ни злата· или коѥ
бⷣтьство ино· вьсако плътьско или
земльское [6] да [7] бъıти нⷦсьнъıимъ и [8]
дх҃овьнъıимъ даромъ· [9] подобьно
земльскъıимъ [10] и тьлѣющиимъ· [11]
сию заповѣдь не тъкмо въ онѣхъ·
нъ и намъ и онѣмъ повелѣ· ихъже
въ онѣхъ чинъ [12] мѣсто· въвести
съподоби· и дв҃ие ѥко же

1) wкрестьноѥ *ПС.* 2) прⷭ̃тага *У.* 3) слⷭ̃жебникоу *П.* 4) генадию *У.* 5) цр҃ькыи *СП.* 6) *cod.* ь *переправл. изъ* ѣ, *а* о *по скобл.*; зѣмьскоѥ *У.* 7) земьско· еда *П.* 8) и *проп. П.* 9) даровъ *У.* 10) *cod. начальное* з *и предшествующія буквы* ьно *по скобл.*; земьскъмъ *У.* 11) тѣлѣющихъ *У.* 12) цинъ *У.*

(л. 240 [b]—242 [b]).* Ἐγκύκλιος Ἐπιστολὴ Γεννα-
δίου τοῦ ἁγιωτάτου πατριάρχου Κων-
σταντινουπόλεως καὶ τῆς
σὺν αὐτῷ ἁγίας συνόδου,
πρὸς ἅπαντας τοὺς ὁσιωτα-
τοὺς μητροπολίτας. [1]

Τῷ θεοφιλεστάτῳ καὶ ὁσιωτάτῳ
συλλειτουργῷ τῷδε [2] Γεννάδιος καὶ ἡ
ἐνδημοῦσα τῇ φιλοχρίστῳ καὶ [3] βασιλίδι
Κωνσταντινουπόλει νέᾳ Ῥώμῃ ἁγία
σύνοδος.

Ὁ δεσπότης ἡμῶν καὶ θεὸς καὶ σω-
τὴρ Ἰησοῦς, ἐγχειρίσας τοῖς ἁγίοις αὐτοῦ
μαθηταῖς τοῦ εὐαγγελίου τὸ κήρυγμα
καὶ διδασκάλους τούτους [4] ἀνὰ πᾶσαν
τὴν οἰκουμένην ἀνθρώποις ἐξαποστείλας,
παρεκελεύσατο διαῤῥήδην, ἣν εἰλήφασιν
παρ' αὐτοῦ δωρεάν, [5] μὴ κτωμένους
ὑπὲρ αὐτῆς ἢ χαλκόν, ἢ ἄργυρον, ἢ
χρυσόν, ἤ τινα περιουσίαν ἄλλην ὅλως
ὑλικὴν ἢ γεώδη· μὴ γὰρ εἶναι τῶν
ἐπουρανίων καὶ πνευματικῶν χαρισμάτων
ὅμοια [6] τὰ γεηρὰ καὶ ἐπίκηρα. [7] ταύτην
τὴν ἐντολὴν οὐ μόνον ἐκείνοις, ἀλλὰ καὶ
ἡμῖν δι' ἐκείνων ἐντέταλται, [8] οὓς εἰς
τὸν ἐκείνων βαθμόν τε καὶ τόπον ὑπει-
σαγαγεῖν κατηξίωσεν. καὶ δεῖ, καθάπερ

* Въ V отсутствуетъ (вырв.?) посланіе Геннадія. Варіанты приведены и изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 176 [a]—178 [a] (= Vind.).

1) cod. in m. рукой XIII в. κγ'. 2) τῷ δεσπότῃ Vind. (вм. τῷδε). 3) καὶ проп. Vind. 4) τούτους проп. Patm. 172. 5) ταύτην καὶ αὐτοὺς τοῖς ἀνθρώποις μεταδιδόναι δωρεὰν вставл. PVind. 6) ἀμοιβὴν PVind. 7) ἐπίκαιρα Patm. 172. 8) ἐντέταται cod.

онѣмъ тъгда и намъ нъıнѣ· извѣсто
хранити[1] же и блюсти· и не моудрити
мждръıихъ· ни причьта[2] въспринимати на бѣдьнъıи[3] даръ· ни притѫжите[4] мѣди ни срѣбра ни злата на
поıасъı ваша· просто ѥвѣ заповѣди сеѩ слово ѥсть· ничьто же пъстротъı имѣıа· ни неоудобьпостижьноѥ· ни
прѣмоудраго трѣвоуı съказаниıа· Ѡ мене[5] рече приıасте чистителъскоѥ достоıаниѥ· аще за нъı мало ми
или велиѥ чьто полагати и се вамъ
| сътворено боудеть[6] Ѡ мене·[7] продаите[8] въı инѣмъ[9] то· аще ли тоуне
приıасте· даите и въı тѫжиѥ· нѣчьто[10]
Ѡ заповѣди тоıа· чьто же покарающимъсѧ[11] польꙁьнѣѥ· горе соущоумоу и сътѫжавъшюоумоу даръ бжии· или подати и· имѣниѥмь прииемлють· въ злъчь бо горести· и
въ съвоуꙁъ неправьдъı· таковии по
осоужению стаго петра соуть·
ıати своимь срѣбролюбиѥмь тѣхъ
прⷱбнъıимъ· и блаженъıихъ оⷱц
стго и великаго· късеѧ въселенъıа
съвора· въ калхидонѣ[12] съвьравъшагосѧ· влⷱчьнъıмь[13] симь симь[14]
ꙁаконъмь подобьнъıи· о томь

ἐκείνοις[1] τότε, καὶ ἡμᾶς νῦν ἀκριβῶς φυλάττειν τε καὶ παρατηρεῖν καὶ μὴ σοφίζεσθαι τὰ ἀσόφιστα, μηδὲ κύβον ἀναῤῥιπτεῖν ἐπικίνδυνον δωρεάν.[2] Μὴ κτήσησθε χαλκόν,[3] (л. 241[a]) μήτε[4] ἄργυρον, μήτε χρυσὸν[5] εἰς τὰς ζώνας ὑμῶν. ἁπλοῦς καὶ σαφὴς[6] τῆς ἐντολῆς ταύτης ὁ[7] λόγος ἐστίν, οὐδὲν ποικίλον ἔχων οὐδὲ δυσέφικτον, οὐδὲ σοφιστικῆς δεόμενον ἐξηγήσεως. Παρ' ἐμοῦ, φησίν, ἐδέξασθε[8] τὸ τῆς ἱερωσύνης[9] ἀξίωμα· εἰ μὲν ὑπὲρ αὐτοῦ μοι μικρὸν ἢ μέγα τι
κατεβάλεσθε[8] καὶ τοῦτο ὑμῖν πέπραται[10] х. 232 b.
παρ' ἐμοῦ, πωλεῖτε[8] καὶ ὑμεῖς ἑτέροις αὐτό· εἰ δὲ δωρεὰν εἰλήφατε, δότε καὶ ὑμεῖς δωρεάν. τί τῆς ἐντολῆς ταύτης;[11] τί δὲ τοῖς πειθαρχοῦσιν λυσιτελέστερον; Οὐαὶ τῷ ὄντι[12] κτήσασθαι τὴν τοῦ θεοῦ δωρεὰν ἢ διδόναι ταύτην διὰ χρημάτων ὑπειληφόσιν·[13] εἰς γὰρ χολὴν πικρίας καὶ σύνδεσμον ἀδικίας οἱ τοιοῦτοι κατὰ τὴν ἀπόφασιν τοῦ ἁγίου Πέτρου ὑπάρχουσι, συλληφθέντες ὑπὸ τῆς ἑαυτῶν φιλαργυρίας· ὅθεν καὶ τῶν ὁσίων καὶ μακαρίων πατέρων τῶν τῆς ἁγίας καὶ μεγάλης καὶ οἰκουμενικῆς συνόδου τῆς ἐν Καλχηδόνι[14] συναχθείσης, τῷ δεσποτικῷ τούτῳ νόμῳ σύνοδον[15] ὁ περὶ τούτου

---

1) съхранити *У.* 2) прицьта *У.* 3) обѣдьнъıи *У.* 4) притѫжате *П.* 5) мнѣ *У.* 6) боуть *С.* 7) мне *У.* 8) предаите *С*; подаите *У.* 9) имъ *П.* 10) нещьто *У.* 11) покарающисѧ *С.* 12) халкидонѣ *У*; хⷭкидонѣ *С.* 13) влⷱчьнымь *П.* 14) симь *пром. СУ.*

1) ἐκεῖνοι P Vind. 2) ἐλάβετε, φησίν, δωρεὰν δότε вставл. P Vind. 3) χαλκὸν Patm. 172. 4) μηδὲ PV. 5) χρυσὸν Patm. 172. 6) ὁ вставл. P Vind. 7) ὁ проп. P Vind. 8) cod. окончаніе αι (вм. ε). 9) ἀρχιερωσύνης Vind. 10) πέπρακται Patm. 172. 11) σαφέστερον вставл. P Vind. 12) τοῖς вставл. P Vind. 13) υπειληφῶσιν cod. 14) Χαλκηδόνος P Vind. 15) συνάδων P Vind.

канѣнъ[1] намъ ѥвѣ[2] сице рѣчию[3] сею въздлашьнъ ѥсть· аще къто ѥ҃пъ[4] на имѣние поставлѥние сътворитъ· и на проданиѥ съведетъ непродаѥмъ даръ· и поставитъ на имѣние ѥ҃па· или сельнаго ѥ҃па· или попа или[5] діакона· или ино кое[6] въ клиросѣ причитаѥмаго·[7] или приложитъ на имѣнии иконома·[8] или приставьнїка или цр҃квьника· или вьсако коего въ канонѣ·[9] срамьнаго[10] ради приобрѣтенїа· начьнъши того обличенъ бывъ· да обѣдьнѣѥтъ ѿ своѥмь чиноу· и поставивъши ничьто же ѿ коуплѥнїа· да оуспѣѥтъ· поставлѥнїа или произведенїа· нъ да боудетъ тоуждь достоѧнїа· или попеченїа[11] ѥгоже на имѣнии[12] полоучи·[13] аще ли къто попираѧ[14] ѥвитьсѧ· тако срамьнъшими и безаконьнъшими оброкъ и съ аще клирикъ боудетъ·[15] своего да ѿпадетъ чиноу·[16] аще ли простъць или мьнихъ проклѧтъ да боудетъ· добра и зѣло б҃лочьстива· канона[17] сѧтыихъ оц҃ъ соуть запрѣщенїа вьсако нахожениѥ[18] сотонино· и вьсе начинаниѥ дїаволъскоѥ· по дх҃вьноуоумоу носѧщюмоу дароу·

1) канѣнъ *проп. П.* 2) ѥви *С.* 3) сице рѣцью *У.* 4) єпїскꙋпъ *П*; и *вставл. С.* 5) и *У.* 6) коего *П.* 7) причітаѥмаго *У.* 8) или приложитъ на имѣнии иконома *проп. У.* 9) канонъ *П.* 10) срамьнаѧ *П.* 11) ничьто *У.* 11) попеченїе *С.* 12) имѣние *У.* 13) полоуци *У.* 14) попира *У.* 15) и *вставл. П.* 16) циноу *У.* 17) каноуна *У.* 18) нахожние *У.*

κανὼν ἡμῖν σαφῶς οὕτως[1] λέξεσιν αὐταῖς ἐκπεφώνηται·

Εἴ[2] τις ἐπίσκοπος ἐπὶ χρήμασι χειροτονίαν ποιήσαιτο καὶ εἰς πρᾶσιν καταγάγοι τὴν ἄπρατον χάριν, καὶ χειροτονήσοι ἐπὶ χρήμασιν ἐπίσκοπον, ἢ χωρεπίσκοπον, ἢ πρεσβύτερον,[3] ἢ διάκονον, ἢ ἕτερόν τινα τῶν ἐν τῷ κλήρῳ (л. 241[b]) καταριθμούμενον,[4] ἢ προβάλοιτο[5] ἐπὶ χρήμασιν οἰκονόμον, ἢ ἔκδικον, ἢ παραμονάριον, ἢ ὅλως τινὰ τοῦ κανόνος δι' αἰσχροκερδίαν οἰκείαν, ὁ τοῦτο[6] ἐπιχειρήσας ἐλεγχθεὶς κινδυνευέτω περὶ τὸν οἰκεῖον βαθμόν, καὶ ὁ χειροτονούμενος μηδὲν ἐκ τῆς κατ' ἐμπορίαν ὠφελείσθω χειροτονίας ἢ προβολῆς, ἀλλ' ἔστω ἀλλότριος τῆς ἀξίας ἢ τοῦ φροντίσματος, οὗπερ ἐπὶ χρήμασιν ἔτυχεν. εἰ δέ τις καὶ μεσιτεύων φανείη τοῖς οὕτως[7] αἰσχροῖς καὶ ἀθεμίτοις λήμμασιν, καὶ οὗτος, εἰ μεν κληρικὸς εἴη, τοῦ οἰκείου ἐκπιπτέτω βαθμοῦ· εἰ δὲ λαϊκὸς ἢ μονάζων, ἀναθεματιζέσθω.

Κάλλιστα καὶ λίαν εὐσεβῆ τοῦ κανόνος τῶν ἁγίων πατέρων ὑπάρχειν[8] τὰ παραγγέλματα, πᾶσαν ἔφοδον σατανικὴν καὶ πᾶν ἐγχείρημα διαβολικὸν κατὰ τῆς πνευματικῆς φερόμενον δωρεᾶς

1) οὑτωσὶ P Vind. 2) Vind. in m. добавл. κανών. 3) ἢ πρεσβύτερον ἢ χωρεπίσκοπον P. 4) καταριθμουμένων P Vind. 5) προβάλλοιτο P. 6) τούτο cod.; τούτῳ P. 7) οὕτως προп. P Vind. 8) ὑπάρχει P Vind.

Ѿмѣтающе же и Ѿсѣкающе не хощеть бо никъто же имѣнїа ради бывати поставлєнїємь произведенїе прикмлющю· нъ ни прѣже врѣмене[1] поставлєнїа· ни въ тое же врѣмѧ поставлєнїа имѣнїа· дашти подобаєть· Ѿноудъ бо дарополученїе·[2] ємоу на вещи· осоудн обаче· понѣже нѣкїа оубо ѥвѣ симъ· тако въздражнєномъ· оувѣдѣни бѣша нѣцїи· въ галатѣхъ· изнемагающе и прѣстоупающе[3] пріобрѣтенїа ради срамьнаго и срѣбролюбїа· сп҃сьнаѧ си и чл҃колюбьнаѧ ѕапрѣщенїа· добрѣ имѣти и· изволисѧ и намъ· сиѧ самаѧ пакъı овновити· съ прѣшьдъшимъ[4] ст҃ъıимъ съборъмь· въ сии цр҃ьскъıи[5] новъıи римъ· костантина града· ѩко разврѣ вьсѧкого помъıшлєнїа· и вьсѧкоѧ винъı· и всѧкого[6] оумоудренїе·[7] нечьстивъı и мьрзъкъ съı· не вѣмь[8] Ѿкоудоу нашьдъшии объıчан· на ст҃ъıѧ цьркъви· Ѿноудъ[9] Ѿсѣщи· да нельстьноу и чистоу

ἀπωθούμενά τε καὶ ἀνακόπτοντα· οὐ βούλεται γὰρ οὐδαμῶς διὰ χρημάτων γίνεσθαι τὰς[1] χειροτονίας[2] τὴν προβολὴν ὑποδεχομένου. ἀλλ᾽ οὐδὲ πρὸ τοῦ καιροῦ τῆς χειροτονίας[3] οὐδὲ κατὰ τὸν αὐτὸν[4] καιρὸν[5] τῆς χειροτονίας[6] ὑπὲρ τῆς χειροτονίας[7] χρήματα δίδοσθαι[8] χρή·[9] καθόλου γὰρ τὴν ἐπὶ τῷ πράγματι αὐτῷ[10] δωροδοκίαν ἀπέφηνεν.[11] ὅμως ἐπειδὴ νῦν, καίτοι[12] προδήλως τούτων οὕτως κεκωλυμένων, ἐφωράθησάν τινες κατὰ τὴν Γαλατῶν, ὀλιγωροῦντες καὶ παραβαίνοντες δι᾽ αἰσχροκερδίαν (л. 242ª) καὶ φιλαργυρίαν τὰ σωτήρια ταῦτα καὶ φιλάνθρωπα παραγγέλματα, εὖ ἔχειν ἔδοξεν καὶ ἡμῖν αὐτὰ ταῦτα πάλιν ἀνανεώσασθαι μετὰ τῆς ἐνδημούσης ἁγίας συνόδου ἐν ταύτῃ τῇ βασιλευούσῃ νέᾳ Ῥώμῃ Κωνσταντινουπόλει, ὥστε δίχα πάσης ἐπινοίας καὶ πάσης προφάσεως καὶ παντὸς σοφισμοῦ τὴν ἀσεβῆ καὶ βδελυρὰν ταύτην, οὐκ οἶδ᾽ ὅπως, ἐπεισελθοῦσαν συνήθειαν ταῖς ἁγιωτάταις ἐκκλησίαις παντελῶς ἐκτε- л. 233 a.
μεῖν, ἵνα[13] ἀκαπηλεύτου καὶ καθαρᾶς

1) врѣмѣни У. 2) дарополученїа У. 3) пристоупающе *II.* 4) пришедъшимъ У. 5) цр҃ьскыи *СП.* 6) помъıшлєнїа· и вьсѧкоѧ винъı· и всѧкого *проп. П.* 7) ѕмѣдрнїа *СП.* 8) вѣдь У. 9) Ѿноудоу *II.*

1) τῆς P Vind. 2) τὴν προβολὴν ἢ ὑποδέχεσθαι οὔτε παρὰ τοῦ ταύτην ἐνεργοῦντος οὔτε παρὰ τοῦ τῆς χειροτονίας вставл. P Vind. 3) οὐδὲ μετὰ τὸν καιρὸν τῆς χειροτονίας вставл. P Vind. 4) αὐτὸν проп. P. 5) καιρὸν αὐτὸν Vind. 6) Patm. 173 допис. in m. другой рукой IX в.: οὐδὲ κατὰ τὸν καιρὸν αὐτὸν τῆς χειροτονίας. 7) ὑπὲρ τῆς χειροτονίας проп. Vind. 8) δεδόσθαι P. 9) συγχωρεῖ P Vind. 10) τούτῳ P Vind. 11) ἀπέφησεν P Vind. 12) cod. переправл. изъ καὶ τοῖς; Vind. καὶ. 13) ἀληθῶς вставл. P Vind.

ѿ [1] свѧтитель проповѣданию на поставлѧнъıихъ· [2] бъıвающе съвъıше ꙗко нъıнѣ оубо не вѣмъ· ащє имѣнıа ради произведенıє творащемъ· [3] а не рогъı [4] чистъı дѣтельствоующемъ· съходитъ на поставлѧемаго· [5] по гласоу проповѣданıа· [6] и не ѿходитъ ли паче сто дх҃а бл҃годѣть· вѣжѣ оубо вьсѧ бл҃гочьстивє· ıгоже оубо дьржима о таковѣмь нѣкоемь епп҃ѣ· или сельнѣмь епп҃ѣ· или о [7] обиходьницѣ· или о попѣ или [8] о дıаконѣ или о ıномь комь когда ѿ канона· или простьцѧ· [9] обьщıимь повелѣнıемь [10] стıтель осоужати· и обьщıимь соудъмь· ꙗко же ѿ стъıихъ оц҃ъ [11] канонъ· [12] постигъ проповѣдаѥть· подобаѥть [13] бо бъıти бл҃годати· бл҃датıю и никъде же ѿ нıа ходатаıствовати· срѣброу да боудеть оубо [14] и ѥсть· чюжь и вьсего чистıтельства· достоıнıа же и слоужєнıа ѿвьржєнъ· и въ проклатıе анадемъı въложенъ· ıгда притѧжати [15] имѣнıемь помъıшлѧѥ· и подаѧи ıго имѣнıемь [16] обѣщавъ· или клирикъ или простьць боудеть· и обличенъ боудеть

παρὰ τῶν ἀρχιερέων τῆς ἐπὶ τῶν χειροτονουμένων ἀναῤῥήσεως γινομένης, ἄνωθεν ἡ τοῦ ἁγίου πνεύματος χάρις ἐπιφοιτᾷ, ὡς [1] νῦν γε, οὐκ οἶδα, εἰ διὰ χρημάτων τὴν προβολὴν ποιούμενον, [2] καὶ οὐ τῆς χειρὸς καθαρᾶς [3] ἐνεργούσης, ἐπιφοιτᾷ τῷ προχειριζομένῳ κατὰ τὴν φωνὴν τοῦ κηρύγματος, καὶ οὐχὶ συστέλλεται μᾶλλον ἡ τοῦ ἁγίου πνεύματος χάρις. Ἴσθι τοίνυν, τὰ πάντα θεοσεβέστατε, πάντα [4] ὀντιναοῦν ἁλισκόμενον ἐπί τι [5] τοιοῦτο [6] τινὶ ἐπίσκοπον, ἢ χωρεπίσκοπον, ἢ περιοδευτήν, ἢ πρεσβύτερον, ἢ διάκονον, ἢ ἄλλον τινα- δήποτε [7] τοῦ κανόνος, ἢ λαϊκόν, κοινῷ δόγματι τῶν ἀρχιερέων κατακεκρίσθαι καὶ κοινῇ ψήφῳ, καθὼς περὶ τούτου καὶ ὁ τῶν ἁγίων πατέρων κανὼν φθάσας διαλαλεῖ· [8] (л. 242[b]) δεῖ γὰρ εἶναι χάριν τὴν χάριν, καὶ μηδαμοῦ παρ' αὐτῇ μεσιτεύειν ἀργύριον. ἔστω [9] τοίνυν καὶ ἔστιν [10] ἀποκήρυκτος καὶ πάσης ἱερατικῆς ἀξίας τε καὶ λειτουργίας ἀλλότριος καὶ τῇ κατάρᾳ τοῦ ἀναθέματος ὑποκείμενος, ὅ τε κτᾶσθαι ταύτην [11] διὰ χρημάτων οἰόμενος καὶ ὁ ταύτην παρέχειν ἐπὶ χρήμασιν ὑπισχνούμενος, εἴτε κληρικὸς [12] εἴτε λαϊκὸς εἴη, κἂν ἐλέγχοιτο

---

1) о *C.* 2) поставленый *СП.* 3) творящимъ *П.* 4) *cod. конечное* ъı *по скобл.* 5) *cod.* ема *по скобл.* 6) *cod. буквы* п (*передъ* о) *и вѣдана по скобл.*; проповѣданıа *П.* 7) о *проп. П.* 8) и *У.* 9) простьчѧ *У.* 10) повелѣнıемъ *С.* 11) оц҃ъ *cod.* 12) сѣдомъ *С.* 13) подобае *П.* 14) нбо *С.* 15) *cod. слоги* тѧжати *по скобл.* 16) помъıшлѧѥ· и подаѧи ıго имѣнıемь *проп. П.*

1) ὧν P. 2) ποιουμένων P Vind. 3) καθαρῶς P Vind. 4) τὸν вставл. P Vind. 5) τι проп. P Vind. 6) τοιούτῳ P Vind. 7) ὁντιναδήποτε Patm. 173. 8) διαλέγει Patm. 172. 9) ἔστι Patm. 172. 10) ἔστω Patm. 172. 11) ταύτην κτᾶσθαι Vind. 12) εἴτε λαϊκὸς вставл. Vind., но вычеркив.

или не обличенъ се творѧ не помъ-
шлѧютъ бо наоучитисѧ[1] когда не-
наоученъıими· ни съ бмь съвъкоу-
плѧти[2] мамонъı· ли томоу работаю-
ıимъ· работати боу· вл҃чьнѥ[3] и се
есть осоуждениѥ изв҃ѣсто|ѥ· не можете
боу работати и[4] мамонѣ· къ симъ
надѣющесѧ и мъı по силѣ· и симъ
повиноующесѧ·[5] съ рекъшимъ сиѧ·
на беззаконьноующихъ сиѧ· осоу-
жениѥ сътворихомъ· да попечеть
же сѧ и твоѥ прѣподобиѥ сими·
всюдоу стражю творѧ· ıавѣ поста-
вити въсписании·[6] и подъ тобою
болюбивъıимъ ѥ҃пп҃омъ· и обиходьни-
комъ вьсѣмъ· да ѥдинѣмь дх҃мь
и ѥдиною д҃шею· вьси въкоупь хрь-
стиане· оутвьрдивъше на обьщааго
врага· въꙁможемъ съ бъмь· ѿ
того насажденъıи въ насъ· срѣбро-
любиѧ корень· коупьно съ всѣми·
въздрастъшими кго· ѿсѣщи· вьсю
съ тобою о х҃ѣ братию цѣлоуѥмъ·
съдравъ боуди о г҃ѣ о насъ мо-
лѧсѧ болюбивъıи брате·

καὰν μὴ ἐλέγχοιτο τοῦτο ποιεῖν· οὐ γὰρ οἷόν τε συμβιβασθῆναί ποτε τὰ ἀσύμβατα, οὐδὲ θεῷ συμφωνῆσαι τὸν μαμωνᾶν, ἢ τοὺς τούτων[1] δουλεύοντας δουλεῦσαι θεῷ· δεσποτικὴ καὶ αὕτη ἐστὶν[2] ἡ[3] ἀπόφασις ἀναμφίλεκτος· Οὐ δύνασθε[4] θεῷ δουλεύειν καὶ μαμωνᾷ. τούτοις ἐπιθαῤῥοῦντες ἡμεῖς κατὰ δύναμιν ἡμεῖς[5] καὶ τούτοις ὑπείκοντες, μετὰ[6] ταῦτα ὑπερανομούντων[7] τὴν ἀπόφασιν πεποιήμεθα. φροντισάτω δὲ καὶ[8] ἡ σὴ ὁσιότης ταῦτα διὰ πάσης παραφυλακῆς[9] ποιουμένη δῆλα καταστῆσαι δι' ἀντιγράφων καὶ τοῖς ὑπὸ σὲ θεοφιλεστάτοις ἐπισκόποις καὶ περιοδευταῖς καὶ τοῖς ἄλλοις πᾶσιν,[10] ἵνα ἐν ἑνὶ πνεύματι καὶ μιᾷ ψυχῇ πάντες ὁμοῦ χριστιανοὶ συμφραξάμενοι κατὰ τοῦ κοινοῦ δυσμενοῦς ἰσχύσωμεν σὺν θεῷ τὴν ὑπ' ἐκείνου φυτευθεῖσαν ἐν ἡμῖν τῆς φιλαργυρίας ῥίζαν ἅμα πᾶσιν αὐτῆς τῶν κακῶν τοῖς βλαστήμασιν ἐκτεμεῖν. πᾶσαν τὴν σὺν σοὶ ἐν Χριστῷ[11] ἀδελφότητα προσαγορεύομεν.[12]

л. 234 а.

1) наоучитисѧ *У.* 2) съвъклѧти *С.* 3) вл҃чнѥ *П.* 4) ни *СУ.* 5) и мъı по силѣ· и симъ повиноующесѧ *проп. С.* 6) къписании *С.*

1) τούτῳ P Vind.; τοὺς τούτων cod. переправл. изъ τούτων, при чемъ слогъ τού допис. in m. 2) ἔστιν Patm. 172. 3) φων вставл. cod., но обводитъ точками; ἡ проп. P Vind. 4) cod. окончаніе αἰ. 5) ἡμεῖς проп. P Vind. 6) τοῦ ταῦτα φήσαντος κατὰ τῶν вставл. P Vind. 7) παρανομούντων P Vind. 8) καὶ проп. Vind. 9) φυλακῆς P. 10) ἅπασιν P Vind. 11) ἐν Χριστῷ cod. in m. 12) ἐῤῥωμένος ἐν κυρίῳ ὑπερεύχου ἡμῶν θεοφιλέστατε ἀδελφέ и затѣмъ подписи Геннадія и прочихъ участниковъ собора (смотр. «Приложенія» во II томѣ настоящаго изданія) добавл. P Vind.

Въсписанна· гнадии[1] єпп҃ъ[2] костантина[3] града· въсписа иѡ҃анъ[4] єпп҃ъ· митрополна· ираклинскын въсписа· анастасии єпп҃ъ митрополна· анькурьскына въсписа·[5] евномии[6] єпп҃ъ· митрополна· никомидинскына·[7] въсписа· петръ єпп҃ъ· митрополна никеискына въсписа·

1) гнадїи *СП.* 2) єпа *У.* 3) костантина *С.* 4) їѡа *П.* 5) въсписа анькюрьскына *У.* 6) евномн *П;* евновин *У.* 7) никодимьскына *У.*

Посъланиѥ правильноѥ· стаго григорига епа· новъга кесарига чюдотворьца· о нападении[1] поганъгихъ· и о коумирослъгихъ· инѣми нѣкъими съблажнивъшихъся·[2]

Ни брашьна насъ отлъчаютъ· сщенъи папе|жю· аще ѥга плѣнении· сига же прѣдъставиша[3] имъ дьржаще ихъ паче понѥже єдино слово· паче вьсѣхъ погънавъшихъ наша странъı поганъгихъ· идоломъ не пожьрети· апъ же рече· брашьно чрѣвоу и чрѣво[4] брашьноу· бъ же се и[5] сига оупразнитъ· нъ и спсъ вьсѧ брашьна очищаѥ· не въходящеѥ рече осквьрнаѥтъ члвка нъ исходящеѥ·[6] и ѥже женъı плѣненъıга· растълити роугающемъся поганъгимъ· въ тѣлеса[7] ихъ· нъ аще оубо и пьрвѣѥ· приобидѣно бъı[8] коего житиѥ· ходящи[9] задъ[10] очима[11] ѡ блоудящиихъ по писаномоу· ѩвѣ ѩко блоудьнъıи объıчаи· запрѣщенъıи въ врѣмѧ плѣненига· и не дбиѥ подобаѥтъ таковъıимъ приобщатися мтвъ·

(л. 243ª—243ᵇ). ’ΕΠΙΣΤΟΛΗ[1] ΚΑΝΟΝΙΚΗ ΤΟΥ ’ΑΓΙΟΥ ΓΡΗΓΟΡΙΟΥ ’ΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ΝΕΟΚΑΙΣΑΡΕΙΑΣ ΤΟΥ ΘΑΥΜΑΤΟΥΡΓΟΥ[2] ΠΕΡΙ ΤΩΝ ’ΕΝ ΤΗι ΚΑΤΑΔΡΟΜΗι ΤΩΝ ΒΑΡΒΑΡΩΝ ΕΙΔΩΛΟΦΑΓΟΝΤΩΝ[3] ”Η ΚΑΙ ”ΕΤΕΡΑ ΤΙΝΑ ΠΑΗΜΜΕΛΗΣΑΝΤΩΝ.

Οὔτε[4] βρώματα ἡμᾶς βαρεῖ, ἱερὲ πάπα, εἰ ἔφαγον οἱ αἰχμάλωτοι ταῦτα, ἅπερ παρετίθεσαν αὐτοῖς οἱ κρατοῦντες αὐτῶν· μάλιστα ἐπειδὴ εἰς λόγος παρὰ πάντων, τοὺς καταδραμόντας τὰ ἡμέτερα μέρη βαρβάρους εἰδώλοις μὴ τεθυκέναι. ὁ δὲ ἀπόστολος φησίν· Τὰ βρώματα τῇ κοιλίᾳ καὶ ἡ κοιλία τοῖς βρώμασιν, ὁ δὲ θεὸς καὶ ταύτην καὶ ταῦτα καταργήσει. ἀλλὰ καὶ ὁ σωτὴρ ὁ πάντα καθαρίζων τὰ βρώματα, Οὐ τὸ εἰσπορευόμενον, φησίν, κοινοῖ τὸν ἄνθρωπον, ἀλλὰ τὸ ἐκπορευόμενον, καὶ τὸ τὰς γυναῖκας τὰς[5] αἰχμαλώτους διαφθαρῆναι, ἐξυβριζόντων τῶν βαρβάρων εἰς τὰ σώματα αὐτῶν. ἀλλ’ εἰ μὲν καὶ πρότερον κατέγνωστό τινος ὁ βίος, πορευομένης ὀπίσω ὀφθαλμῶν τῶν ἐκπορνευόντων[6] κατὰ τὸ γεγραμμένον, δῆλον ὅτι ἡ πορνικὴ ἕξις ὕποπτος[7] καὶ[8] τῷ[9] καιρῷ τῆς αἰχμαλωσίας, καὶ οὐ προχείρως δεῖ ταῖς τοιαύταις[10] κοινωνεῖν τῶν εὐχῶν. л. 234 b.

1) нападании *У.* 2) *С in m.* ка. 3) прѣставиша *У.* 4) чрѣвѣ *С.* 5) и *проп. С*; и *вставл. У.* 6) рѣ осквьрнаѣ члка но исходящеѥ *С проп. въ текстѣ и допис. вверху л. 220ᵇ.* 7) телесі *У.* 8) бысть *П.* 9) ходящеѥ *П.* 10) за *У.* 11) оцима *У.*

1) cod. in m. рукой XIII в. κδ'; V in m. ιϑ'. 2) τοῦ θαυματουργοῦ ἐπισκόπου Νεοκαισαρείας V. 3) εἰδωλόθυτα φαγόντων PV. 4) Οὐ V; Οὐ τὰ P. 5) τὰς проп. P. 6) cod. ν передъ ε допис. надъ строкой. 7) ἐστὶν вставл. V. 8) ἐν вставл. V. 9) τῷ проп. PV. 10) τὰς τοιαύτας P.

аще оубо нѣкаа въ всемь цѣломоудріи[1] пожившіи·[2] и чстое житіе· и вънѣ всѣкого помысла показавъши пръвѣе· нъінѣ въпаде ноужде͡ю и бѣдою въ роугаиіа· имамъ притъчю· иже въ въторѣмь законѣ· бывъшіи[3] отроковици· иже на поли обрѣтъ[4] члвкъ· и приноуди ю спсению·[5] отроковици рече[6] не сътворитъ си[7] ничьто[8] же· нѣсть отроковици съгрѣшенїа съмьрти· ако аще кько[9] въстанетъ члвкъ· на ближьнаго[10] своего и оумьртви емоу дшю· тако
л. 235 а. вещь си възъпи отроковицѣ· и помагающаго не ѣ ни сиа оубо такова възложї[11] лихоимьство· и нѣсть посъланиемь єдинѣмь· прѣдъложитї[12] бжьствьнаго писанїа· въ немьже· еже не разбивати тъкъмо гонезноути·[13] страшьнаго възвѣщаетьсѧ· нъ ѡноудъ еже лихоимьствова·[14] и цюжего[15] прикасатиса на лихоимьство· и всѣкъ таковъи[16] цюждь црькве бжіа· въ врѣма же нападенїа·[17] въ толицѣ же въздъіхании· и въ толичѣ[18] плачи·[19] дрьзноути нѣкъимъ врѣма· всѣмъ[20] пагоубоу

εἰ μέντοι τις ἐν ἄκρᾳ σωφροσύνῃ ζήσασα καὶ ἔξω πάσης ὑπονοίας ἐπιδεδειγμένη βίον τὸν πρότερον, νῦν περιπέπτωκεν ἐκ βίας καὶ ἀνάγκης ὕβρει, ἔχομεν παράδειγμα τὸ ἐν τῷ[1] Δευτερονομίῳ τὸ ἐπὶ τῇ νεάνιδι, (л. 243[b]) ἣν ἐν τῷ πεδίῳ εὗρεν ἄνθρωπος καὶ βιασάμενος αὐτὴν ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς· Τῇ νεάνιδι οὐ ποιήσεται, φησίν,[2] οὐδέν· οὐκ ἔστιν[3] τῇ νεάνιδι ἁμάρτημα θανάτου, ὅτι, ὡς εἴ τις ἀναστῇ ἄνθρωπος ἐπὶ τὸν πλησίον αὐτοῦ καὶ θανατώσει[4] αὐτοῦ τὴν ψυχήν, οὕτως[5] τὸ πρᾶγμα τοῦτο· ἐβόησεν ἡ νεᾶνις, καὶ ὁ βοηθῶν οὐκ ἦν αὐτῇ.[6] Ταῦτα μέντοι τοιαῦτα.

Δεινὴ δὲ ἡ πλεονεξία[7] καὶ οὐκ ἔστιν δι' ἐπιστολῆς μιᾶς παραθέσθαι τὰ θεῖα γράμματα, ἐν οἷς οὐ τὸ λῃστεύειν μόνον φευκτὸν[8] καὶ φρικῶδες καταγγέλλεται, ἀλλὰ καθόλου τὸ πλεονεκτεῖν καὶ ἀλλοτρίου ἐφάπτεσθαι ἐπὶ αἰσχροκερδίᾳ· καὶ πᾶς ὁ τοιοῦτος ἐκκήρυκτος ἐκκλησίας θεοῦ. τὸ δὲ ἐν καιρῷ τῆς καταδρομῆς ἐν τοσαύτῃ οἰμωγῇ καὶ τοσούτοις θρήνοις τὸ ἄσαι μή[9] τινας τὸν καιρὸν τὸν πᾶσιν ὄλεθρον[10]

---

1) чѣломоудрии *У.* 2) положившіи *С.* 3) бъівъшіи *У.* 4) обрѣтъ *У.* 5) спсению *проп. С.* 6) и приноуди ю спсению· отроковици рече *проп. У.* 7) си *У.* 8) ницьто *У.* 9) како *СУ.* 10) *cod. начальное* к *переправл. изъ* п. 11) зложи *П.* 12) прѣложити *УС.* 13) генезноути *У.* 14) лихоимьствовати *УП.* 15) цюжего *П*; чюжего *У.* 16) и *вставл. П.* 17) нападанїа *П.* 18) толици *С.* 19) плаци *У.* 20) всѣ *С.*

1) τῷ προπ. Р. 2) φησιν οὐ ποιήσητε V. 3) ἔσται PV. 4) θανατώσῃ Р. 5) οὕτος V. 6) αὐτῇ οὐκ ἦν PV. 7) cod. вставл. δ, но перечеркив. 8) φρικτὸν V. 9) τολμᾶσαι PV (вм. τὸ ἄσαι μή). 10) εἶναι вставл. cod., но вычеркив.

носящемъ· мьнѣти себѣ приобрѣтению·[1] времени бъıти· чл҃вкъ есть нечьстивъıихъ· и б҃ненавистьнъıихъ· ни прѣмножьства зъла имоущемъ·[2] тѣмь изволися таковъıя вься ѡ҃вращи· да не къгда на вься люди· приидеть грѣхъ· и на тъı пьрвѣе· застоупающаа не възискаа· бою бо ся ꙗко же писаниѥ гл҃ѥть· да не погыбнеть[3] нечьстивъıи съ неправьдьнъıими· блоужениѥ бо рече и лихоимьство· ихъже ради приходитъ гнѣвъ б҃жии н[4] сънъı непокоривъıя не боудѣте оубо причастьници тѣхъ· вѣсте бо нѣкогда тьма нъıня же свѣтъ о г҃и ꙗко же чада свѣтоу[4] ходите· плодъ бо[5] д҃ховьнъıи· съ всякою бл҃гостънею·[6] и правьдою[7] и истиною· искоушающе чьто есть въгодь|но г҃ви· и не прѣѡ҃бъщаитеся[8] къ дѣломъ неплодьнъıимъ[9] тьмъı·[10] паче же и обличаите· таинаа бо въıваемаа[11] ѡ҃ нихъ· срамъ есть гл҃ати· вся же[12] обличима[13] свѣтъмь ꙗвяться· таковаа оубо а҃плъ· аще пьрваго ради· лихоимьства бъıвающаго въ мирѣ·[14] соудъ отъдающе въ то врѣмя гнѣва· пакъı къ лихоимьст[в]оу прѣврататься нѣции· приобрѣтающе ѡ҃ кръве

φέροντα νομίσαι ἑαυτοῖς[1] κέρδους[2] καιρὸν εἶναι,[3] ἀνθρώπων ἐστὶν ἀσεβῶν καὶ θεοστυγῶν, οὐδὲ[4] ὑπερβολὴν ἀτοπίας ἐχόντων. ὅθεν ἔδοξεν τοὺς τοιούτους πάντας ἐκκηρύξαι, μήποτε ἐφ' ὅλον ἔλθῃ τὸν λαὸν ἡ ὀργὴ καὶ ἐπ' αὐτοὺς πρῶτον τοὺς προεστῶτας τοὺς μὴ ἐπιζητοῦντας· φοβοῦμαι γάρ, ὡς ἡ γραφὴ λέγει, μὴ συναπολέσῃ ἀσεβὴς τὸν δίκαιον· πορνεία γάρ, φησίν, καὶ πλεονεξία, δι' ἃ ἔρχεται ἡ ὀργὴ τοῦ θεοῦ ἐπὶ τοὺς υἱοὺς τῆς ἀπειθείας. μὴ οὖν γίνεσθε συμμέτοχοι[5] αὐτῶν· ἦτε γάρ ποτε σκότος, νῦν δὲ φῶς ἐν κυρίῳ· ὡς (л. 244ᵃ) τέκνα[6] φωτὸς περιπατεῖτε (ὁ γὰρ καρπὸς τοῦ φωτὸς ἐν πάσῃ ἀγαθοσύνῃ[7] καὶ ἀληθείᾳ), δοκιμάζοντες τί ἐστιν εὐάρεστον τῷ κυρίῳ, καὶ μὴ συγκοινωνεῖτε τοῖς ἔργοις τοῖς л. 235 b.
ἀκάρποις τοῦ σκότους, μᾶλλον δὲ καὶ ἐλέγχετε·[8] τὰ γὰρ κρυφῇ γινόμενα ὑπ' αὐτῶν αἰσχρόν ἐστιν καὶ λέγειν· τὰ δὲ πάντα ἐλεγχόμενα ὑπὸ τοῦ φωτὸς φανεροῦνται.[9] τοιαῦτα μὲν ὁ ἀπόστολος. ἐὰν δὲ[10] διὰ τὴν προτέραν πλεονεξίαν τὴν ἐν τῇ εἰρήνῃ γενομένην δίκην τινύντες ἐν αὐτῷ τῷ καιρῷ τῆς ὀργῆς πάλιν πρὸς τὴν πλεονεξίαν ἐκτραπῶσί τινες, κερδαίνοντες ἐξ αἵματος[11]

---

1) пришкрѣстиюю *П.* 2) *cod. переправл.* ц *изъ* ж. 3) погыблеть *С, но л переправл. въ* н. 4) свѣта *У.* 5) бо *проп. У.* 6) *cod.* є *по скобл.* 7) правѣдою. *У.* 8) прѣѡбѣщаитеся *У.* 9) неподобнымъ *С.* 10) тьмъ *У.* 11) бываемаа *П.* 12) же *проп. У.* 13) ѡ҃бличенаа *У.* 14) римѣ *С.*

1) ἑαυτοὺς Patm. 172. 2) τὸν πᾶσιν ὄλεθρον φέροντα νομίσαι ἑαυτοῖς κέρδους προπ. V. 3) καιρὸν εἶναι κέρδους P. 4) καὶ πολλὴν V (вм. οὐδὲ). 5) μέτοχοι V. 6) οὖν вставл. V. 7) καὶ δικαιοσύνῃ вставл. PV. 8) ἐλέγχεται cod. 9) φανεροῦται PV. 10) δὲ проп. V. 11) καὶ вставл. PV.

правьдьныхъ цл҃вкъ·[1] развратьникъ
въсплющихъ· или плѣнитьныхъ оу-
бивцьныхъ· чьто ино чаи подобаютъ·
или на подвигающаасѧ· лихоимь-
ствъмь съвьрати гнѣвъ· и себѣ и
вьсѣмъ[2] людьмъ· не се ли ахаръ·
иже прѣгрѣшениемь прѣгрѣши ѕаринь-
мь· и на вьсь съньмъ изл҃квъ
въисть гнѣвъ· и съ единъ тъкъмо
съгрѣши· не единъ· съгрѣши въ
грѣсѣ[3] своемь· намъ же вьсе[4] наше
приврѣтение се·[5] нъ цюждее[6]
клиросоу· анадема мьнѣтисѧ подоба-
етъ· тъ бо ахаръ ѡ плѣнениа възѧ·
и ти плѣнениа·[7] а онъ оубо рать-
ныхъ· нъиа же ѡ вратии приобрѣ-
тающе· пагоубьное приобрѣтение·[8]
никъто же да не прѣльщаетъ[9] себѣ·
ни ако обрѣтъ· ни обрѣтъшааго
приобрѣтати рече въторыи ѕаконъ·
не прѣзьри видѣвъ[10] тельць брата
своего· ни овьчате брата своего[11]
л. 236 a. блоу|дѧщаасѧго по поути· нъ обра-
щениимь обратиши братоу своемоу·
аще ли не приближаетьсѧ[12] братъ
твои къ тебѣ· ни[13] придеши самъ
събереши самъ·[14] и да боудоуть[15]
съ тобою донъдеже ихъ възи-
щеть братъ твои· и ѡдаси емоу

ὀλέθρου ἀνθρώπων ἀναστατῶν[1] γενο-
μένων ἢ αἱμαλώτων πεφονευμένων,
τί ἕτερον προσδοκᾶν χρή, ἢ ὡς ἐπα-
γωνιζομένους τῇ πλεονεξίᾳ ἐπισωρεῦ-
σαι ὀργὴν καὶ ἑαυτοῖς καὶ παντὶ τῷ
λαῷ. οὐκ ἰδοὺ Ἀχαρ ὁ τοῦ Ζαρᾶ
πλημμελείᾳ ἐπλημμέλησεν ἀπὸ τοῦ
ἀναθέματος καὶ ἐπὶ πᾶσαν συναγωγὴν
Ἰσραὴλ ἐγενήθη ἡ ὀργή; καὶ οὗτος
εἷς μόνος ἥμαρτεν, μὴ μόνος ἀπέθανεν
ἐν τῇ ἁμαρτίᾳ αὐτοῦ;[2] ἡμῖν δὲ[3] πᾶν
τὸ[4] ἡμέτερον, ἀλλὰ ἀλλότριον τῷ
κλήρῳ[5] τούτῳ κέρδος ἀνάθεμα νενο-
μίσθαι προσήκει. κἀκεῖνος μὲν γὰρ ὁ
Ἀχαρ ἐκ τῆς προνομῆς ἔλαβεν, καὶ
αὐτοὶ[6] ἐκ προνομῆς· κἀκεῖνος μὲν τὰ
τῶν πολεμίων, οἱ δὲ νῦν τὰ τῶν ἀδελ-
φῶν, κερδάναντες ὀλέθριον κέρδος. μη-
δεὶς ἐξαπατάτω ἑαυτόν, μήτε ὡς εὑρών·
οὔτε γὰρ εὑρόντα κερδαίνειν ἔξεστιν.
φησὶ τὸ Δευτερονόμιον· (л. 244b) Μὴ
ἰδὼν τὸν μόσχον τοῦ ἀδελφοῦ σου καὶ
τὸ πρόβατον πλανώμενον[7] ἐν τῇ ὁδῷ[8]
περιΐδῃς[9] αὐτά· ἀποστροφῇ ἀποστρέ-
ψῃς[10] αὐτὰ τῷ ἀδελφῷ σου. ἐὰν δὲ μὴ
ἐγγίζῃ ὁ ἀδελφός σου πρὸς σέ, μηδὲ
ἐπιστῇ,[11] αὐτὸς συνάξῃς[12] αὐτὰ καὶ
ἔσται μετὰ σοῦ, ἕως ἂν ἐκζητήσῃ αὐτὰ
ὁ ἀδελφός σου, καὶ ἀποδώσῃς[13] αὐτά·

---

1) чл҃къ *СП*; человѣкъ *У*. 2) вси *П*. 3) *cod.* с *по скобл.* 4) *cod. переправл.* ъ *изъ* ѣ. 5) все *С*. 6) шюжее *У*; чюжее *С*. 7) плѣленіа *С*. 8) приврѣнние *У*. 9) прѣлщаетъ *У*. 10) вѣдѣвъ *С*. 11) ни овьчате брата своего *проп. С*. 12) приближетсѧ *П*. 13) не *У*. 14) самъ *проп. У*. 15) боуть *У*.

1) ἀναστάτων V. 2) καὶ вставл. V. 3) οὖν V. 4) μὴ вставл. PV. 5) κλιρῷ Patm. 173. 6) νῦν вставл. V. 7) πλανώμενα PV. 8) μὴ вставл. V. 9) περιήδεις cod. 10) ἀποστρέψεις V. 11) V переправл. въ ἐπίστῃ. 12) συνάξεις P (но въ Patm. 172 надъ ει надпис. η). 13) ἀποδώσεις V.

и тако сътвориши· и осьлоу его· и тако сътвориши[1] и ризѣ его· и тако[2] сътвориши по вьсѣи погыбѣли брата твоѥго· ѥко аще погыбнеть ѡ него и ѡбрѧщеши ѩ· си оубо вътораꙗ законъ· нъ въ исходѣ же не тъкъмо[3] обрѧщеши[4] брата своѥго· нъ и врага· обрѧщениѥмь рече обратїши ѩ въ домъ· господина того· аще же въ мирѣ оубо лѣнѧщюсѧ и питающесѧ· и своихъ брата твоѥго неврѣгоущю· или врага·[5] приобрѣтати не годоваѥть· кольми паче злочьстивааго· и рати бѣгающаго[6] по нѫждѣ· свое оставлъшааго· нъ ни сами себѣ да не прѣлѫщаютъ· въ своихъ мѣстѣхъ погыбающиихъ· ѩже обрѣтъ чюжаꙗ имоущаꙗ· ѥже поиѥже ворадане·[7] и гъти брань съдѣлаша[8] имъ· инѣмъ вораданемъ и гътомъ· боудоуть·[9] посълаѫхомъ оубо брата и старьца ефросина· сихъ ради къ вамъ да по образоу соущюмоу· тамо

καὶ οὕτως ποιήσεις[1] τὸν[2] ὄνον αὐτοῦ, καὶ οὕτως ποιήσεις[3] τὸ ἱμάτιον αὐτοῦ,[4] καὶ οὕτως ποιήσεις[5] κατὰ πᾶσαν ἀπώλειαν τοῦ ἀδελφοῦ σου, ὡς[6] ἂν ἀπόληται[7] παρ' αὐτοῦ, καὶ εὕρῃς[8] αὐτά. ταῦτα[9] τὸ Δευτερονόμιον. ἐν[10] δὲ τῇ Ἐξόδῳ, οὐ μόνον τὰ τοῦ ἀδελφοῦ ἐάν[11] τις εὕρῃ, ἀλλὰ καὶ[12] ἐχθροῦ, Ἀποστροφῇ, φησίν, ἀποστρέψῃς[13] αὐτὰ εἰς τὸν οἶκον τοῦ κυρίου αὐτοῦ. εἰ δὲ ἐν εἰρήνῃ ἄρα[14] ῥαθυμοῦντος καὶ τρυφῶντος καὶ τῶν ἰδίων ἀμελοῦντος ἀδελφοῦ ἢ ἐχθροῦ κερδάναι οὐκ ἔξεστιν,[15] πόσῳ μᾶλλον δυστυχοῦντος καὶ πολεμίους φεύγοντος καὶ κατὰ ἀνάγκην τὰ ἴδια ἐγκαταλείποντος;[16] ἀλλ' οὐδὲ ἑαυτοὶ ἐξαπατάτωσαν, ἄν τι[17] τῶν ἰδίων τῶν ἀπολλομένων,[18] ἃ εὑρὼν[19] ἀλλότρια κατέχοντες·[20] ἦν[21] ἐπειδὴ αὐτοὺς Βοράδοι[22] καὶ Γότθοι[23] τὰ πολέμου εἰργάσαντο, αὐτοὶ ἄλλοις Βοράδοι[24] καὶ Γότθοι[25] γένωνται.[26] ἀπεστείλαμεν οὖν τὸν ἀδελφὸν καὶ συγγέροντα Εὐφρόσυνον διὰ ταῦτα πρὸς ὑμᾶς, ἵνα κατὰ τὸν ἐνθάδε τύπον,

1) и осьлоу его· и тако сътвориши *проп. C.* 2) та *C.* 3) токъ *У.* 4) обрѧѣщеши *У.* 5) брата *У.* 6) къбающаго *C.* 7) вородане *У.* 8) *cod.* ѣ *по скобл.* 9) боудѣть *У.*

1) ποιήσῃς Patm. 172. 2) τὴν P. 3) ποιήσῃς Patm. 172. 4) καὶ οὕτως ποιήσεις τὸ ἱμάτιον αὐτοῦ проп. V. 5) ποιήσῃς Patm. 172. 6) ὅσα PV. 7) ἀπωλῆται cod. 8) εὑρήσῃς P. 9) δὲ вставл. cod., но вычеркив. 10) cod. переправл. изъ ἐάν. 11) ἐὰν τὰ τοῦ ἀδελφοῦ PV. 12) τοῦ вставл. P. 13) ἀποστρέψεις V Patm. 173. 14) ἄρα проп. V. 15) ἔστιν V. 16) ἐγκαταλίποντος cod.; V переправл. въ ἐγκαταλιπόντος. 17) ἄλλοι δὲ ἑαυτοὺς ἐξαπατῶσιν ἀντὶ PV. 18) V выскобл. одно λ. 19) εὗρον PV. 20) κατέχοντες ἀλλότρια V. 21) ἵν' PV. 22) Βόραδοι V. 23) Γόθοι P. 24) Βορράδοι cod.; Βόραδοι V. 25) Γόθοι P. 26) γίνωνται V.

и сѣде тако же дасть· ихъ оубо гл҃ания приимати·[1] и ѡже ѿлоучити[2] мл҃твъ· повѣдано же бысть·
л. 236 b. нѣчь|то намъ невѣрьно· въ странѣ
5 вашеи бывъшии· вьсѧко къде ѿ невѣрьныихъ и нечьстивыихъ· невѣдоущихъ[3] ни имене[4] гс҃а· еда тако въ толико нѣции нечл҃вчение·[5] и соуровьство въмѣстишасѧ· тако нѣкыа
10 прибѣгъшиа плѣнѥнъı· ноужде ю[6] одьржати· посъласте нѣкыа въ страноу· да не извѣтьни[7] падоуть на творѧщаа таковаа· причьтенъша оубо въ поганъша· и съ ними въ плѣнѥнии
15 изъıвающемъ· тако бѣша[8] тоньтьскии хрьстиане· опоганивъшемъ же сѧ· тако[9] же и[10] оубивати тъчьноплеменьныа· или дрѣвъмь или силомь· показати же или поути или домъı·
20 поганъıимъ· и послоушаниа· въздрани ти подобаѥть· донъдеже обьще о нихъ чьто изволитьсѧ· съшьдъшемъсѧ[11] сѵ҃тымъ· и прѣже тѣхъ сѵ҃тыимь дх҃ъмь· дьрзноувъшиихъ
25 же наити на домъı[12] чюждаа· аще оубо огл҃ани[13] бывъша· обличатьсѧ ни послоушаниа съподобити·

καὶ αὐτοῦ[1] δώῃ ὁμοίως, καὶ ὧν δεῖ[2] τὰς κατηγορίας (л. 245ª) προσίεσθαι[3] καὶ οὓς ἐκκηρύξαι τῶν εὐχῶν. ἀπηγγέλη[4] δέ τι ἡμῖν καὶ ἄπιστον ἐν τῇ χώρᾳ ὑμῶν γενόμενον,[5] πάντως που ὑπὸ ἀπίστων καὶ ἀσεβῶν καὶ μὴ εἰδότων μήτε τὸ[6] ὄνομα κυρίου· ὅτι ἄρα εἰς τοσοῦτόν τινες ἀπανθρωπίας καὶ ὠμότητος προσεχώρησαν,[7] ὥστε τινὰς τοὺς διαφεύγοντας[8] αἰχμαλώτους βίᾳ κατέχειν. ἀπεστείλατέ[9] τινας εἰς τὴν χώραν, μὴ καὶ σκηπτοὶ πέσωσιν ἐπὶ τοὺς τὰ τοιαῦτα πράσσοντας.[10] τοὺς μὲν οὖν ἐγκαταλεχθέντας τοῖς βαρβάροις καὶ μετ' αὐτῶν ἐν αἰχμαλωσίᾳ[11] ἐπιλαθομένους,[12] ὅτι ἦσαν Ποντικοὶ καὶ χριστιανοί, ἐκβαρβαρωθέντας δὲ ὡς καὶ φονεύειν τοὺς ὁμοφύλους ἢ[13] ξύλῳ ἢ ἀγχόνῃ, ὑποδεικνύναι δὲ ἢ ὁδοὺς ἢ οἰκίας ἀγνοοῦσι τοῖς βαρβάροις, καὶ τῆς ἀκροάσεως ἀπεῖρξαι δεῖ,[14] μέχρις ἂν κοινῇ περὶ αὐτῶν τι δόξῃ[15] συνελθοῦσι τοῖς ἁγίοις καὶ πρὸ αὐτῶν τῷ ἁγίῳ πνεύματι. τοὺς δὲ οἴκοις ἀλλοτρίοις ἐπελθεῖν[16] τολμήσαντας, ἐὰν μὲν κατηγορηθέντες ἐλεγχθῶσιν, μηδὲ τῆς ἀκροάσεως[17] ἀξιῶσαι·

---

1) *cod.* т *по скобк.* 2) ѠЛОУЦИ *У.* 3) невѣдоущей *П.* 4) имени *П.* 5) ничѧчение *П.* 6) плѣнѥны· ноужде *прот. С.* 7) извѣстьни *УС.* 8) бѣжа *П.* 9) и *С.* 10) и *У.* 11) съшьдъшимъсѧ *У.* 12) домъ *У.* 13) гл҃ани *П.*

1) αὐτόθι V. 2) δὴ Patm. 172. 3) προΐεσθαι V. 4) ἀπηγγέλει cod. Patm. 172; ἀπηγγέλθη V. 5) γενόμενον V· 6) τὸ προπ. V; μηδὲ P (вм. μήτε τὸ). 7) προεχώρησαν PV. 8) διαφυγόντας PV. 9) ἀπέστειλατε cod.; ἀποστείλατέ PV; οὖν вставл. V. 10) ποιοῦντας Patm. 172, но in m. допис. πράσσοντας. 11) ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας γενομένους V (вм. ἐν αἰχμαλωσίᾳ). 12) τε вставл. V. 13) καὶ Patm. 172. 14) τοὺς τοιούτους вставл. V. 15) δόξει cod.; δόξαι V. 16) ὑπεισελθεῖν V. 17) τούτους вставл. V.

аще ли сами издрекоуть· ни ѿдадать· въ обращающихъсѧ чинѣ·[1] въноутрь въ црькъви съ оглашенъими· обрѣтъшихъ же чьто на поли· и въ своихъ домъхъ[2] оставленаꙗ отъ поганъихъ· аще оубо оглашени бывъше обличатьсѧ· тако же въ[ноу]трь[3] цьрькъве съ оглашенъими исходити· аще ли сами исповѣдать· и мл҃твы съподобити· испълнающихъ же[4] заповѣдь· развѣ срамоприобрѣтениꙗ· въсакого[5] подобаѥть ни вѣсти ни сп҃сениꙗ· ни обрѣтениꙗ· или имьже[6] именьмь зовоуться ѿдающемъ·

ἐὰν δὲ αὐτοὶ[1] ἐξείπωσι καὶ[2] ἀποδώσειν,[3] ἐν τοῖς ἐπιστρέφουσι τάξεως[4] ὑποπίπτειν.[5] τοὺς δὲ ἐν τῷ πεδίῳ εὑρόντας τι ἢ ἐν ταῖς ἑαυτῶν[6] οἰκίαις καταλειφθέντα ἀπὸ[7] τῶν βαρβάρων, ἐὰν μὲν κατηγορηθέντες ἐλεγχθῶσιν, ὁμοίως ἐν τοῖς ὑποπίπτουσιν·[8] ἐὰν δὲ (л. 245[b]) αὐτοὶ[9] ἐξείπωσιν καὶ ἀποδώσειν,[10] καὶ τῆς εὐχῆς[11] ἀξιῶσαι. τοὺς δὲ τὴν ἐντολὴν πληροῦντας, ἐκτὸς αἰσχροκερδίας πάσης[12] δεῖ, μήτε μήνυτρα, ἢ σῶστρα,[13] ἢ εὕρητρα,[14] ἢ ᾧ ὀνόματι[15] καλοῦσιν, ἀπαιτοῦντας. л. 237 a.

1) цинѣ *У.* 2) дѡмехъ *П.* 3) *исправл. по УП.* 4) же *проп. У.* 5) всѧко *С.* 6) имъже *С.*

1) ἑαυτοὶ V, но ε выскобл.; ἑαυτοῖς P. 2) αὐτοὶ вставл. V. 3) ἀποδῶσιν V; ἀπόδωσιν P. 4) ἐν τάξει τῶν ἐπιστρεφόντων V (вм. ἐν τοῖς ἐπιστρέφουσι τάξεως). 5) αὐτούς вставл. V. 6) αὐτῶν V. 7) ὑπὸ PV. 8) ἔστωσαν вставл. V. 9) ἑαυτοὶ V, но ε выскобл. 10) ἀποδώσωσιν V; ἀπόδωσιν P. 11) τούτους вставл. V. 12) πληροῦν вставл. PV. 13) σῶτρα cod. 14) εὕρετρα P. 15) ἑτέρῳ ταῦτα вставл. V.

посѣланиа правильнаѧ· сто̃ григо-
риа е҃пп҃а нусьскаго· къ сто̃ѹмоу
литоню е҃пп҃оу мелетиньскоѹмоу· [1]

5

а҃· Ꙗдино и се· въ сты̃и праꙁдь-
никъ· съвьршаюцииихъ кость· раꙁоу-
мѣти намъ ꙁаконьное же и правиль-
ное на прѣгрѣшениа· [2] съмотрениа· [3]
10 ꙗко да исцѣлѣютъ· вьсѧкъ недоугъ
дш҃евьнъıи· бывающии грѣха ради
нѣкоего· понеже во съборьнъıи [4]
вьсеѧ твари праꙁдьникъ· по по-
велѣномоу· обѣхожению· лѣтьнаго
15 кроуга въ коеждо лѣто· въ
вьсе испъ[л]нѧѧсѧ· мирови въскрь-
сение· [5] падъшаго съвьршаетьсѧ·
падение же есть грѣхъ· [6] въскрь-
сение же· ѿ падениа [7] грѣха
20 въстанниа [8] добрѣ имать въ дн҃ь
тъ· [9] не тъкъмо ѿ пакъıтиа
прѣтварающимъсѧ· банию
благ҃ти· къ бо̃ [10] прѣводити· нъ
и покаанниа ради· и обращениа ѿ
25 мьртвъıихъ дѣлъ· на живоущии
поуть· пакъı въꙁвращающемъсѧ [11]
л. 237 b. и тѣхъ приводити· къ спс̃аюцииѧ
надежи· ꙗже грѣхъмь оустра-
нишасѧ· есть же и мало дѣло·

1) *C in m.* кв. 2) прѣгнѣшиниа *cod.* 3) съмотрѣтіа *C, но* т *передъ* і *переправл. въ* н. 4) съ *вставл. II.* 5) воскрѣсеніа *C;* въскѣсение *V.* 6) грѣха *V.* 7) падѣние *V.* 8) *cod. переправл. конечное* ы *изъ* е. 9) тъ дн҃ь *V.* 10) бѣ *C.* 11) възвращающимсѧ *II.*

(л. 245[b]—253[b]).* ’ΕΠΙΣΤΟΛΗ ΚΑΝΟΝΙΚΗ ΤΟΥ ’ΑΓΙΟΥ ΓΡΗΓΟΡΙΟΥ ’ΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ΝΥΣΣΗΣ ΠΡΟΣ ΤΟΝ ’ΕΝ ’ΑΓΙΟΙΣ ΛΗΤΟΪΟΝ ’ΕΠΙΣΚΟΠΟΝ ΜΕΛΙΤΙΝΗΣ. [1]

〈α΄.〉 Τοῦτο καὶ τῶν εἰς τὴν ἁγίαν ἑορτὴν συντελούντων ἐστὶν τὸ κατανοῆσαι ἡμᾶς τὴν ἔννομόν τε καὶ κανονικὴν ἐπὶ τῶν πεπλημμεληκότων οἰκονομίαν, ὅπως [2] ἂν θεραπευθῇ [3] πᾶν ἀῤῥώστημα ψυχικὸν τὸ διά τινος ἁμαρτίας ἐπιγινόμενον. ἐπειδὴ γὰρ ἡ καθολικὴ καὶ αὕτη τῆς κτίσεως ἑορτή, κατὰ τὴν τεταγμένην περίοδον τοῦ ἐνιαυσιαίου [4] κύκλου καθ’ ἕκαστον ἔτος ἐν παντὶ πληρουμένη τῷ κόσμῳ, ἐπὶ τῇ ἀναστάσει τοῦ πεπτωκότος ἐπιτελεῖται (πτῶσις δέ ἐστιν ἡ ἁμαρτία, ἀνάστασις δὲ ἡ ἐκ τοῦ πτώματος τῆς ἁμαρτίας ἀνόρθωσις), καλῶς ἂν ἔχοι κατὰ τὴν ἡμέραν ταύτην οὐ μόνον τοὺς ἐκ παλιγγενεσίας [5] μετα-
στοιχειουμένους [6] διὰ τῆς τοῦ λουτροῦ χάριτος τῷ θεῷ προσάγειν, ἀλλὰ καὶ τοὺς διὰ [7] μετανοίας τε καὶ ἐπιστροφῆς ἀπὸ τῶν νεκρῶν ἔργων εἰς τὴν ζῶσαν ὁδὸν πάλιν ἐπανιόντας, καὶ τούτους χειραγωγεῖν πρὸς τὴν σῴζουσαν ἐλπίδα, ἧς διὰ τῆς ἁ(л. 246[a])μαρτίας ἀπεξενώθησαν. ἔστι δὲ οὐ μικρὸν ἔργον

* Въ Patm. 173 отъ посланія Григорія Нисск. сохранилось только начало на л. 210[a—b] и конецъ на л. 71[a—b] со словъ правила 7-го: ὡς μὴ ἀναδειχθῆναι ἡλίῳ.

1) κέ cod. in m. рукой XIII в.; ιή Patm. 172 in m. 2) ὅπως вставл. cod. 3) θεραπευθείη V Patm. 172. 4) ἐνιαυσίου Patm. 172. 5) παλιγενεσίας cod. 6) στοιχειουμένους Patm. 172. 7) τῆς вставл. V.

иже [1] о нихъ словеса· съмотрити
къ правѣмь искоусьнѣмь [2] соудѣ
по заповѣданомоу ѿ прр҃ка пове-
лѣнаа· подобаѥть съмотрити сло-
веса соудѣмь· [3] да ѥко же имать
слово· ни подвижавъсѧ въ вѣкъ·
и въ памать вѣчьноую боудеть
правьдьникъ· ѥко же бо и на тѣ-
лесьнѣмь ицѣлѥниѥ· [4] съмотрениѥ
врачеваниѥ ѥдино ѥсть· иже съдра-
воу бъıти стражюцюмоу видъ же
прилежанаа различьнъ· [5] по различию
бо недоугъ· подобьно и цѣльбьноѥ [6]
пришествиѥ· [7] коѥмоужьдо недоужь-
нъıихъ приноситьсѧ· тако мъногѣ
соущи [8] пьстротѣ· и недоугоу въ
дш҃и страстии· ноужьно мъного·
образьноумоу бъıти· цѣльбьномоу [9]
прилежанию· къ словоу страстии·
дѣтельствоующю ицѣлѥниѥ· ѥко же
оубо боудеть· хъıтростьноѥ нѣкоѥ
нашьствиѥ· ѡ прѣдълежащиимь га-
дании· сице [11] слово въсприимемъ·
соуть иже о дш҃и нашеи видимаа· по
пьрвомоу раздѣлѥнию· словесьноѥ же
и похотьноѥ· и гнѣвивоѥ въ сихъ [12]
ѥсть· и по исправлению· по добро-
дѣтели [13] боудоущиихъ· [14] и падан-
наа въ [15] зълобоу ѿпадающиихъ·

τὸ τοὺς περὶ τούτων λόγους οἰκονο-
μῆσαι ἐν τῇ ὀρθῇ [1] καὶ δεδοκιμασμένῃ
κρίσει, κατὰ τὸ παράγγελμα τοῦ προ-
φήτου τὸ κελεῦον δεῖν οἰκονομεῖν τοὺς
λόγους ἐν κρίσει, ἵνα, καθὼς ἔχει [2] τὸ
λόγιον, μήτε σαλευθεὶς [3] εἰς τὸν αἰῶνα
καὶ εἰς μνημόσυνον αἰώνιον γένηται δί-
καιος. ὥσπερ γὰρ καὶ ἐπὶ τῆς σωματι-
κῆς θεραπείας ὁ μὲν σκοπὸς τῆς ἰατρι-
κῆς εἰς ἐστι τὸ ὑγιᾶναι τὸν κάμνοντα,
τὸ δὲ εἶδος τῆς ἐπιμελείας διάφορον
(κατὰ γὰρ τὴν ποικιλίαν τῶν ἀῤῥωστη-
μάτων καταλλήλως καὶ ἡ θεραπευτικὴ
μέθοδος ἑκάστῳ τῶν νοσημάτων προ-
σάγεται), οὕτως πολλῆς οὔσης καὶ τῆς [4]
ἐν τῇ ψυχῇ [5] νόσῳ τῆς τῶν παθῶν ποι-
κιλίας, ἀναγκαίως πολυειδὴς γενήσεται
ἡ θεραπευτικὴ ἐπιμέλεια, πρὸς λόγον
τοῦ πάθους ἐνεργοῦσα τὴν ἴασιν. ὡς δ'
ἂν γένοιτο τεχνική τις [6] μέθοδος περὶ
τοῦ προκειμένου προβλήματος, οὕτω
τὸν λόγον διαληψόμεθα. [7]

Τρία ἐστὶ τὰ περὶ τὴν ψυχὴν
ἡμῶν θεωρούμενα κατὰ τὴν πρώτην
διαίρεσιν, τό τε λογικὸν καὶ τὸ ἐπι-
θυμητικὸν καὶ τὸ θυμοειδές· ἐν τού-
τοις ἐστὶ [8] καὶ τὰ κατορθώματα τῶν
κατ' ἀρετὴν βιούντων καὶ τὰ πτώ-
ματα τῶν εἰς κακίαν ἀπορρεόντων.

---

1) ѥ *У.* 2) и *вставл. П.* 3) сѣдъ *С.* 4) исцѣлениѥ *П.* 5) *cod. переправл. конечное* ъ *изъ какой-то буквы;* разлицьно *У.* 6) ицѣлениѥ *С* (*вм.* и цѣльбьноѥ). 7) пришествиѥ *прот. С.* 8) соущи *прот. С.* 9) чельбьномоу *У.* 10) ичелѣнию *У.* 11) сичѥ *У.* 12) *вм.* въ сихъ: *П* всѣхъ, *С* всихъ. 13) подобно дѣтели *С* (*вм.* по добродѣтели). 14) *cod.* ц *по скобл.* 15) и *С.*

1) τε вставл. V. 2) ἔχη cod. 3) σαλευθῆς cod.; σαλευθῇ V Patm. 172. 4) τῆς проп. V Patm. 172. 5) ψυχικῇ V Patm. 172. 6) τις τεχνικὴ V Patm. 172. 7) διαληψώμεθα V. 8) εἰσὶ Patm. 172.

тѣмь подобаетъ хотящюмоу· по-
л. 238 а. добьноє[1] ицѣлениѥ приноси|ти къ
недоугоующи дша·[2] части пьрвѣѥ
оубо посѣщати· нѣ въ коємь съста-
висѧ страсть· по семь стражющю-
моу· приносити подобьноє ицѣле-
ниѥ· ѩко неимѣниємь[3] ицѣлени[4]
цѣльбьнааго прѣхожениѧ· ина оубо
есть[5] недоугоующаѧ часть·[6] дроу-
гоє же ицѣлениѥ приемлѧ· ѩко
же бо неврѣженіємь видимъ[7] мно-
гашьдъı врачевъ въ[8] неимѣнии· прѣ-
жестражющаѧ части· привъıвающи-
имъ недоугъ· имьже цѣлать· недоу-
гоу бо соущю многашьдъı· по тепло-
омоу одьржанию· понѣже по мъ‹но›-
женіи· стоуденааго[9] ѯълобленъı·[10]
добрѣѥ теплоє же и съгрѣвающеѥ[11]
есть·[12] тѣмь по словеси· съприносе-
ноє· несъмотрьливьно·[13] тоє же въ
вечисльнѣи[14] теплотѣ· жегомъıимъ
наводоца·[15] и неицѣлимоую страсть
сътвориша ѩко же оубо[16] дължьнъı-
имъ врачемъ[17] мьниться разоумъ
съставъ свонства· ѩко же оубо коє-
гожьдо· добрѣ и[ѧ] ѯълѣ соущиѩъ
боудеть· паче естьства положивъша-
аго въстаниѥ· тако[18] и мъı къ томоу

διὸ προσήκει τὸν μέλλοντα τὴν κα-
τάλληλον θεραπείαν προσάγειν τῷ νε-
νοσηκότι τῆς ψυχῆς μέρει πρότερον
μὲν (л. 246ᵇ) ἐπισκέπτεσθαι ἔν τινι[1]
συνέστηκεν[2] τὸ πάθος, εἶθ' οὕτω τῷ
πεπονθότι προσάγειν ἁρμοδίως τὴν θε-
ραπείαν, ὡς ἂν μὴ δι' ἀπειρίαν τῆς
θεραπευτικῆς μεθόδου ἄλλο μὲν ᾗ τὸ
νοσῆσαν μέρος, ἕτερον δὲ τὸ τὴν
θεραπείαν δεχόμενον· ὥσπερ ἀμέλει
βλέπομεν πολλάκις[3] τῶν ἰατρῶν ἐν
ἀπειρίᾳ τοῦ πρωτοπαθοῦντος μέρους
προσεπιτρίβοντας τὴν νόσον, δι' ὧν θε-
ραπεύουσιν· τῆς γὰρ ἀῤῥωστίας οὔσης
πολλάκις κατὰ θερμοῦ ἐπικράτησιν,
ἐπειδὴ τοῖς κατὰ πλεοναςμὸν τοῦ ψυ-
χροῦ κεκακωμένοις[4] χρήσιμον τὸ θερ-
μαῖνόν τε[5] καὶ ἀναθάλπον ἐστὶν τὸ τού-
τοις κατὰ λόγον συνενεγκόν, ἀπερισκέ-
πτως τὸ αὐτὸ τοῖς ἐν ἀμετρίᾳ θερμότη-
τος ἐκκαιομένοις ἐπάγοντες,[6] δυσίατον
τὸ πάθος ἐποίησαν. ὥσπερ τοίνυν
ἀναγκαιοτάτη τοῖς ἰατροῖς ἐνομίσθη
ἡ κατανόησις τῆς τῶν στοιχείων
ἰδιότητος, ὅπως ἂν ἑκάστου τῶν
εὖ ἢ κακῶς διακειμένων γένοιτο τοῦ
παρὰ φύσιν διατεθέντος ἡ ἐπανόρ-
θωσις, οὕτως καὶ ἡμεῖς, ἐπὶ ταύτην

1) подобьно *У.* 2) тѣмь подобаетъ хотящюмоу подобноє ицѣлениѥ приносити къ недоугоующи дша *вставл. С.* 3) нѣимѣтиємь *У.* 4) ицѣлении *П.* 5) ность *У.* 6) часть *УПС.* 7) видивъ *С.* 8) въ *проп. С.* 9) *cod.* ѥ *переправл. изъ* ѧ. 10) ѡзлобленъı *П.* 11) съгрѣшающеѥ *С.* 12) ѥсть *С, но второе* ѥ *переправл. въ* с. 13) несъръливьно *У.* 14) вѣ³численѣи *П.* 15) *cod. надъ* до *ставитъ* + *и надъ* ца *тоже*; наводѫца *У*; навѡдѣцѣ *П.* 16) оу *У.* 17) врачевъ *У.* 18) таковъı *С.*

1) ἐν τίνι V Patm. 172. 2) συνέστη V; σύνεστι Patm. 172. 3) πολλοὺς V Patm. 172. 4) κεκακωμένους cod., но υ поставлено между точками и надъ нимъ ϊ. 5) τε проп. V. 6) ἐπαγαγόντες V Patm. 172.

възвращьшесѧ· раздѣлѥнию· видимъıхъ въ дш҃и· начало и виноу подобьнаго· страсти ищѣлѥниа сътворимъ бытиское видѣние· не трое[1] ли оубо ꙗко же рекохомъ· раздѣлѥноу[2] собьствоу· дш҃а | подвижании·[3] на словесьное же и похотьное и гнѣвьное· исправлѥние оубо· словесьна[4] дш҃а части ѥсть· бг҃очьстивое о[5] бж҃ьствьнѣмь въспрıатии·[6] и добраго же и зълаго· раздѣлѥниа хытрость· и ꙗсноую и несъмоущеноую[7] имоущи о ѥстьствѣ· подълежащиихъ славоу· чьто оубо ѥсть похотьно въ соущиихъ· чьто же[8] мьрзоко и отъвьржено и пакы ѡ противьнаго въсѧко· въ тои части зълоба оувѣдѣна боудеть· ѥгда нечьстивие[9] при божьствьнѣмь· неоутомлѥние же о истиньнѣмь· добро· измѣнѥно же и съблажнѥно· о вещьıхъ ѥстьства въспрıатие ꙗко же полагаѥть свѣтъ тьмоу· и тьмоу свѣтъ·[10] ꙗко же рече писание похотьнъıа же части· аще добродѣтельно ѥсть подвижание·[11] къ истиньноумоу похотьномоу· и въистиноу къ доброумоу възводити желанию· и ꙗко же въ насъ похотьнаа сила же и завѣтъ· то оупражнатиса· въсѧкомоу въ̀ѥгда повиноутиса· ничемоу[12] же похотьноу бъıти·

ἀναδραμόντες τὴν διαίρεσιν τῶν ἐν τῇ ψυχῇ θεωρουμένων, ἀρχὴν καὶ ὑπόθεσιν τῆς καταλλήλου τῶν παθῶν θεραπείας ποιησόμεθα[1] τὴν γενικὴν θεωρίαν. οὐκοῦν τριχῇ, καθὼς ἔφαμεν,[2] διηρη(л. 247ᵃ)μένης τῆς ἰδιότητος τῶν τῆς ψυχῆς κινημάτων εἰς τὸ λογικόν τε καὶ ἐπιθυμητικὸν καὶ θυμοειδές, κατόρθωμα μὲν τοῦ λογιστικοῦ[3] τῆς ψυχῆς μέρους ἐστὶν ἡ εὐσεβὴς περὶ τὸ θεῖον ὑπόληψις καὶ ἡ τοῦ καλοῦ τε καὶ κακοῦ διακριτικὴ ἐπιστήμη καὶ ἡ τρανήν τε καὶ ἀσύγχυτον ἔχουσα περὶ τῆς φύσεως τῶν ὑποκειμένων τὴν δόξαν, τί μέν ἐστιν αἱρετὸν ἐν τοῖς οὖσιν, τί δὲ βδελυκτὸν καὶ ἀπόβλητον. καὶ πάλιν ἐκ τοῦ ἐναντίου πάντως ἡ ἐν τῷ μέρει τούτῳ κακία θεωρηθήσεται, ὅταν ἀσέβεια μὲν ἡ[4] περὶ τὸ θεῖον, ἀκρισία δὲ περὶ τὸ[5] ὄντως καλόν, ἐνηλλαγμένη δὲ καὶ ἐσφαλμένη ἡ περὶ τὴν τῶν πραγμάτων φύσιν ὑπόληψις, ὥστε τιθέναι τὸ φῶς σκότος καὶ τὸ σκότος φῶς, καθὼς φησιν ἡ γραφή. τοῦ δὲ ἐπιθυμητικοῦ μέρους ἡ μὲν ἐνάρετός ἐστι κίνησις τὸ πρὸς τὸ ὄντως ἐπιθυμητὸν καὶ ἀληθῶς καλὸν ἀνάγεσθαι τὸν πόθον, καὶ ἡ[6] ἐν ἡμῖν ἐρωτικὴ δύναμίς τε καὶ διάθεσις, ἐκεῖ κατασχολεῖσθαι πᾶσαν ἐν τῷ πεπεῖσθαι μηδὲν ὀρεκτὸν εἶναι

л. 238 b.

1) твое *У.* 2) раздѣлено *П.* 3) подвижани *П;* подвиженни *У.* 4) ѕко *вставл. С.* 5) о *проп. П.* 6) *cod. переправл.* п (*посль* с) *изъ* т. 7) несъмощеноую *У.* 8) не *вставл. С.* 9) *cod. переправл.* и (*посль* к) *изъ* л. 10) свѣтъ тьмоу *У.* 11) подвиженние *У.* 12) нечмѕ *С,*

1) ποιησώμεθα V Patm. 172. 2) ἔφημεν Patm. 172; καθὼς ἔφαμεν τριχῇ V. 3) λογικοῦ V. 4) ᾗ V Patm. 172. 5) ὂν вставл. Patm. 172. 6) ἥτις V; εἴ τις Patm. 172.

нъ своимъ ѥстьствѣмъ иномоу· развѣ добродѣтели· и ѥстьствоу добродѣтель точащю· прѣвращение[1] же и грѣхъ· таковъіа[2] части ѥсть
5 ѥгда къто прѣводить[3] желание· къ непостоꙗньномоу тъщеславию· или
л. 239 a. къ приимаю|щюмоу тѣлесы цвѣтъ· тѣмь[4] бъівають люблениѥ[5] имѣниа·[6] и славолюбиѥ· и сластолюбиѥ· и вьса
10 таковаа· ѥлико къ[7] таковъіи[8] зълобы висать рода· пакъі[9] же гнѣвьнаго[10] положениа· исправлениѥ оубо· иже къ зълоу вражьда· и брань къ страсти· иже къ моужьствоу[11] оукрѣ-
15 пити[12] дш҃ю· вънѣгда оустрашати мъногъімъ· страшьнаа[13] мънимаа· нъ до кръве[14] грѣхоу противитиса· приобидѣти же· съмьртьноѥ прѣщениѥ· и волѣзньнъіихъ моукъ· и
20 сладъкъіихъ съчетаниа·[15] и вьсѣхъ ѥдиною нѣкоѥго ради обычаа· и прѣжде прияти въ страсти· мъногъімъ одьржимомъ· лоучьши бъіти вѣрѣ· и за добродѣтели борющю· падениа
25 же таковъіа части· соуть всѣмъ ѡвѣ зависть· ненависть гнѣвъ· клеветъі·[16] съплѣтаниа· въ распрахъ же помощьнаа положениа· и ѡже до мъногъ простирають[17]

τῇ ἑαυτοῦ φύσει ἄλλο πλὴν[1] τῆς ἀρετῆς καὶ τῆς τὴν ἀρετὴν πηγαζούσης φύσεως. παρατροπὴ δὲ καὶ ἁμαρτία τοῦ τοιούτου μέρους ἐστίν, ὅταν τις μετάγῃ[2] τὴν ἐπιθυμίαν πρὸς τὴν ἀνυπόστατον κενοδοξίαν, ἢ πρὸς τὸ ἐπικεχρω(л. 247ᵇ)σμένον τοῖς σώμασιν ἄνθος, ὅθεν γίνεται ἡ φιλοχρηματία καὶ ἡ φιλοδοξία[3] καὶ ἡ φιληδονία καὶ πάντα τὰ τοιαῦτα, ὅσα τοῦ τοιούτου ἥρτηνται τῆς κακίας γένους. πάλιν δὲ τῆς θυμώδους διαθέσεως κατόρθωμα μὲν[4] ἡ πρὸς τὸ κακὸν ἀπέχθεια καὶ ὁ πρὸς τὰ πάθη πόλεμος καὶ τὸ[5] πρὸς ἀνδρείαν ἐστομῶσθαι τὴν ψυχὴν ἐν τῷ μὴ καταπτήσσειν τὰ τοῖς πολλοῖς φοβερὰ νομιζόμενα, ἀλλὰ μέχρις αἵματος πρὸς τὴν ἁμαρτίαν ἀντικαθίσταται,[6] καταφρονεῖν δὲ θανατικῆς ἀπειλῆς καὶ ἀλγεινῶν[7] κολαστηρίων καὶ τῆς τῶν ἡδίστων διαζεύξεως καὶ πάντων ἅπαξ τῶν διά τινος συνηθείας καὶ προλήψεως ἐν ἡδονῇ τοὺς πολλοὺς κατεχόντων κρείττονα γενέσθαι, τῆς πίστεως καὶ τῆς ἀρετῆς προμαχόμενον. τὰ δὲ ἀποπτώματα τοῦ τοιούτου μέρους ἐστὶν ἅπασι πρόδηλα, ὁ φθόνος, τὸ μῖσος, ἡ μῆνις, αἱ λοιδορίαι, αἱ συμπλοκαί, αἱ ἐμφιλόνεικοί[8] τε καὶ ἀμυντικαὶ[9] διαθέσεις, αἱ μέχρι πολλοῦ παρατείνουσαι

1) прѣвращенїи *П.* 2) тако бъіваа *У* (*вм.* таковъіа). 3) прѣвоть *У.* 4) тѣмѣ *У.* 5) любленїа *С.* 6) *cod. переправл. конечное* и *изъ* ѥ. 7) къ *проп. У.* 8) и *вставл. С.* 9) пѫ҃ки *cod.* 10) гнѣнаго *У.* 11) моумоужьствоу *cod.* 12) оукрѣпи *С.* 13) страшьна *У.* 14) крови *У.* 15) *cod. переправл.* т *изъ* п. 16) клеты *У.* 17) *cod. начальное* п *переправл. изъ* т; простираа *У.*

1) cod. переправл. изъ пáлиν. 2) μεταγάγῃ V Patm. 172. 3) κενοδοξία Patm. 172, но надъ κενο надпис. φιλο. 4) ἥρτηται V Patm. 172. 5) ἐστιν вставл. V Patm. 172. 5) τῶ cod. 6) ἀντικαθίστασθαι V Patm. 172. 7) ἀλγηνῶν cod., но надъ η надпис. ει. 8) φιλόνεικοι V Patm. 172. 9) ἀμυντικοὶ cod.

ꙁълопоминание· и мъногъı на оубиство· и[1] на кръвь коньчавають·[2] еда обрѣтъ ненаказаное помъıшление· идеже приметь[3] оудобь· оружиемь· на сѧ прѣвращаѥть желѣза остротоу·[4] и бъıваѥть ѿ ѿа даное намъ· томлѥние оружие·[5] сътажавъшюоумоу ꙁълѣ пагоубоусимъ оубо по реченоугоумоу· образоу· расмотреноумоу· елико оубо грѣси словесьнъıѩ части· | прикасаѥтьсѧ дш̃и лютѣишии·[6] ѿ оц̃ь осоужени бъıша· и болъшааго и довълъıааго· и болѣзньааго ѡбращениѧ достоини· ако се аще къто ѿвръжетьсѧ вѣръı иже въ хс̃а· и къ июдѣиствоу· или къ коумиреслоужению или къ маниχѣиномъ· или къ иномоу чемоу къ таковоу[7] безбожиѧ ѡбразоу· особь пришьдъ[8] ѩвисѧ· волею бо на[9] таково[10] оустрьмивъсѧ ꙁъло· посемь раскаявъсѧ самъ· лѣто покаанию[11] да имать· въ вьсь животъ свои·[12] никъгда же бо таинѣ съвьршаемѣ матвѣ· съ людьми помолитисѧ[13] боу съподобитьсѧ· нъ кдинъ да помолитьсѧ· обыцьниѧ же[14] сѣщенъıихъ цюжь да боудеть·[15] въ часъ же исхода своего· тогда

τὴν μνησικακίαν καὶ πολλοὺς εἰς φόνους καὶ αἵματα καταλήγουσαι· μὴ γὰρ εὑρὼν ὁ ἀπαίδευτος λογισμός, ὅπου χρήσηται[1] λυσιτελῶς τῷ ὅπλῳ, ἐφ' ἑαυτὸν τρέπει τὴν τοῦ σιδήρου ἀκμήν, καὶ γίνεται τὸ ἐκ θεοῦ δοθὲν ἡμῖν ἀμυντήριον ὅπλον τῷ κακῶς κεκτημένῳ[2] ὀλέθριον.

[3] Τούτων τοίνυν (л. 248ª) κατὰ τὸν εἰρημένον διευκρινηθέντων τρόπον,[4] ὅσα μὲν ἁμαρτήματα τοῦ λογιστικοῦ τῆς ψυχῆς ἅπτεται μέ- л. 239 b.
ρους, χαλεπώτερα παρὰ τῶν πατέρων ἐκρίθη καὶ μείζονος καὶ διαρκεστέρας καὶ ἐπιπονωτέρας τῆς ἐπιστροφῆς ἄξιαοἷον, εἴ τις ἠρνήσατο τὴν εἰς Χριστὸν πίστιν καὶ[5] πρὸς ἰουδαϊσμὸν ἢ πρὸς εἰδωλολατρείαν ἢ πρὸς μανιχαϊσμὸν ἢ πρὸς ἄλλο τι τοιοῦτον ἀθείας εἶδος αὐτομολήσας ἐφάνη, ὁ μὲν ἑκουσίως ἐπὶ τὸ τοιοῦτον ὁρμήσας κακόν, εἶτα καταγνοὺς ἑαυτοῦ, χρόνον τὸν[6] τῆς μετανοίας ἐχέτω[7] ὅλον τὸν τῆς ζωῆς αὐτοῦ· οὐδέποτε γὰρ μυστικῆς ἐπιτελουμένης εὐχῆς μετὰ τοῦ λαοῦ προσκυνῆσαι τὸν θεὸν καταξιοῦται, ἀλλὰ καταμόνας μὲν εὔξεται, τῆς δὲ κοινωνίας τῶν ἁγιασμάτων καθόλου ἀλλότριος ἔσται· ἐν δὲ τῇ ὥρᾳ τῆς ἐξόδου αὐτοῦ τότε

1) и *прот. У.* 2) кочаваютъ *У.* 3) пр҃имѣ *С.* 4) остотъ *С; но другой рукой надпис.* р. 5) ѿроужіе *П.* 6) лютѣиши *У.* 7) таковомъ *С.* 8) пр҃іемь *О.* 9) на *прот. С.* 10) таковъ *П.* 11) покаѧ *П;* покаѧ *С.* 12) въ вьсемь животѣ своюмь *У.* 13) *cod. ставитъ* + *надъ* л. 14) же *прот. У.* 15) бѫдѣть *С.*

1) V переправл. въ χρήσεται. 2) κεχρημένῳ V Patm. 172. 3) α' вставл. V; κεφάλαιον α' вставл. Patm. 172. 4) τρόπον διευκρινηθέντων V. 5) ἢ V Patm. 172. 6) τὸν проп. Patm. 172. 7) ἔχει V Patm. 172.

освящения части·[1] да съподобиться ли съключится паче надежа ожити ємоу· паки въ томь же осоужении поживеть·[2] непричастьнъ тайнъ освященыихъ· до исхода бываєть· моученіи же моуками лютыими· и ранами въ шьлєно лѣто запрѣщени бъіша· тако стъімъ оцємъ· чл҃вколюбиємь на нихъ·[3] повелѣвъшемъ· мко ни дши бъівъши[4] въ паденіи· нъ тѣлесьнѣи[5] немощи· къ мч҃нію· противоу не възмогъши·[6] тѣмь вѣрою[7] въ блоужении прѣгрѣшивъшимъ· и ноужьдьною[8] и болѣзньною· прѣстоупльніи· въ обращеніе изм҃рися·

л. 240 a.

ѕ҃·[9] Ходящеи же къ пагоубьникомъ· или къ вълхвомъ· или бѣсовъ ради·[10] очищенія нѣкаа· и ѡгнаніе[11] дѣтельствовати· обѣщавъшиихъся·[12] си въпрошени[13] боудоуть изѣщеніемь· и расмоцрени пьрвѣе прѣбъівающе· въ христосовѣ[14] вѣрѣ· ноуждею[15] нѣкою· приведени бъіша къ томоу грѣхоу· озълобленію нѣкоємоу·[16] или непрѣтърпимѣи тъщетѣ· се имъ стрьмленіе сътворьши·[17] или ѡноудъ[18] прѣовидѣвъше·

τῆς τοῦ ἁγιάσματος μερίδος ἀξιωθήσεται. εἰ δὲ συμβῇ[1] παρ' ἐλπίδα ζῆσαι αὐτόν, πάλιν ἐν τῷ αὐτῷ κρίματι διαβιώσεται, ἀμέτοχος τῶν μυστικῶν ἁγιασμάτων μέχρι τῆς ἐξόδου γινόμενος. οἱ δὲ βασάνοις καὶ τιμωρίαις χαλεπαῖς αἰκισθέντες ἐν ῥητῷ χρόνῳ ἐπετιμήθησαν, οὕτω τῶν ἁγίων πατέρων φιλανθρωπίᾳ ἐπ' αὐτῶν χρησαμένων, ὡς οὐχὶ ψυχῆς γεγενημένης ἐν πτώματι, ἀλλὰ τῆς σωματικῆς ἀσθενείας πρὸς τὰς αἰκίας οὐκ ἀντισχούσης· δι' ὃ[2] τῷ μέτρῳ τῶν ἐν πορνείᾳ[3] πλημμελησάντων (л. 248[b]) καὶ ἡ βεβιασμένη τε καὶ ἐπώδυνος παράβασις ἐν τῇ ἐπιστροφῇ συνεμετρήθη.

β'. Οἱ δὲ πρὸς γόητας ἀπιόντες ἢ μάντεις, ἢ τοὺς διὰ δαιμόνων καθάρσιά τινα καὶ ἀποτροπιασμοὺς ἐνεργεῖν ὑπισχνουμένους, οὗτοι ἐρωτῶνται δι' ἀκριβείας καὶ ἀνακρίνονται πρότερον[4] ἐπιμένοντες τῇ εἰς Χριστὸν πίστει ὑπ' ἀνάγκης τινὸς συννηνέχθησαν ἐκείνῃ τῇ ἁμαρτίᾳ, κακώσεώς τινος ἢ ἀφορήτου ζημίας ταύτην αὐτοῖς τὴν ὁρμὴν ἐμποιησάσης, ἢ καθόλου καταφρονήσαντες

---

1) ча *У.* 2) пожеть *С, но* ж *допис. in t. другой рукой.* 3) немъ *С.* 4) бывшїи *П.* 5) телеснѣ *С.* 6) во^{3}могшю *С.* 7) мѣрою *П.* 8) же *вставл. П.* 9) ѕ *и начальную букву правила* Х *проп. П.* 10) ди *вставл. У.* 11) Ѳгонѣнїа *УС.* 12) Ѳвѣщавшїихъся *С.* 13) въпрошїи *У.* 14) хрестосовѣ *П*; христовѣ *С.* 15) нѫжда *С.* 16) нѣкоего *П.* 17) сътворьше *У.* 18) Ѳноудоу *П.*

1) συμβαίῃ V Patm. 172. 2) διὸ V Patm. 172. 3) πορνείαις V. 4) πότερον V Patm. 172.

пороученоую ѡ насъ таиноу· къ поборью бѣсовъ притекоша· аще бо на ѡвьрженіе вѣры· и ако не вѣровати· ѡ христіанѣ поклаиніе-
5 моу сѧ бо҃у быти· оно сътвориша швѣ· осоужениемь прѣстоупльшихъ запрѣщени боудоуть· аще ли каа непоносимаа бѣда· оудьржавъши малодшіе ихъ· на то
10 приведе нѣкыа ради прѣльщениа надежа·[1] ослоушавъшемъсѧ·[2] такожде боудеть и[3] на тѣхъ человколюбіе· по образоу къ моукамъ· въ[4] врѣмѧ исповѣданиа противоу
15 моущи не възмогъшемъ·

г҃· [5] Бываюшихъ же·[6] помышлениа ради и страсти грѣховъ· тако во[7] есть раздѣлениє· ово бо
20 нарицаѥтьсѧ прѣлюбодѣаниє·[8] ово же блоужениє· нѣкыимъ оубо извѣстѣишихъ· въгодьно бысть и иже по блоуже|нию прѣгрѣшениемь· прѣлюбодѣиствоу быти мьнитьсѧ·[9]
25 имьже едино есть законьное съчетание· и женѣ къ моужеви· и моужеви къ женѣ·[10] вьсе оубо незаконьное[11] беззаконьно вьсако· и иже не своего имѣниа·[12] швѣ шюже имать· человкоу бо едино подано есть· подроужие·

τοῦ πεπιστευμένου παρ' ἡμῶν μυστηρίου,[1] τῇ τῶν δαιμόνων συμμαχίᾳ προσέδραμον· εἰ μὲν γὰρ ἐπὶ ἀθετήσει τῆς πίστεως καὶ πρὸς τὸ[2] μὴ πιστεύειν εἶναι θεὸν τὸν παρὰ τῶν χριστιανῶν προσκυνούμενον ἐκεῖνο ἐποίησαν, δηλαδὴ τῷ κατακρίματι[3] τῶν παραβάντων ὑπαχθήσονται·[4] εἰ δέ τις ἀβάστακτος ἀνάγκη κατακρατήσασα τῆς μικροψυχίας αὐτῶν εἰς τοῦτο προήγαγεν, διά τινος ἠπατημένης ἐλπίδος παρακρουσθέντας, ὡσαύτως ἔσται καὶ ἐπ' αὐτῶν[5] ἡ φιλανθρωπία, καθ' ὁμοιότητα τῶν πρὸς τὰς βασάνους ἐν τῷ καιρῷ τῆς ὁμολογίας ἀντισχεῖν μὴ δυνηθέντων.

γ'. Τῶν δὲ δι' ἐπιθυμίαν[6] καὶ ἡδονὴν γινομένων ἁμαρτημάτων τοιαύτη ἐστὶν ἡ διαίρεσις· τὸ μὲν γὰρ καλεῖται μοιχεία, τὸ δὲ πορνεία. τισὶ μὲν οὖν τῶν ἀκριβεστέρων ἤρεσεν καὶ τὸ κατὰ πορνείαν πλημμέλημα μοιχείαν εἶναι (л. 249ª) л. 240 b.
νομίζειν, διότι μία ἐστὶν ἡ νόμιμος συζυγία καὶ γυναικὶ πρὸς ἄνδρα καὶ ἀνδρὶ πρὸς γυναῖκα. πᾶν οὖν τὸ μὴ νόμιμον παράνομον πάντως· καὶ ὃ[7] μὴ τὸ ἴδιον ἔχον[8] δηλαδὴ τὸ ἀλλότριον ἔχει· τῷ γὰρ ἀνθρώπῳ μία δέδοται παρ' αὐτοῦ[9] βοηθὸς

---

1) дѣжа *У.* 2) wслѣшавшимсѧ *П.* 3) и *проп. П.* 4) къ *проп. С.* 5) г҃ *и начальную букву правила* Б *проп. П.* 6) же *проп. У.* 7) тако бо *П.* 8) прѣлюбодѣаніа *П.* 9) и иже по блоужению прѣгрѣшениемь· прѣлюбодѣиствоу быти мьнитьсѧ *проп. П.* 10) и мѫжеви къ женѣ *С проп. въ текстѣ и допис. in m.* 11) незаконное *С.* 12) имѣа *П.*

1) μαρτυρίου V Patm. 172. 2) τῶ cod. 3) κρίματι V Patm. 172. 4) ὑπαχθήσεται cod., но ε зачеркнуто и надпис. ον. 5) αὐτόν V. 6) τε вставл. V Patm. 172. 7) ὁ V Patm. 172. 8) ἔχων V Patm. 172. 9) παρὰ θεῷ V; παρὰ τοῦ θεοῦ Patm. 172.

и[1] женѣ· єдина оброучена бѣсть глава· то не аще ли както· свои си съсоудъ[2] както же наричаєть·[3] вжєственъи апл҃ъ· себе да притажить· даєть[4] ѕаконъ єстьства правьдьноє приманиє· аще ли както вънѣ своєго прѣвратитьсѧ· въ чюжемь же вьсако боудеть· чюжеє же комоужьдо вьсеєже не своє не исповѣдающа·[5] имать обладающаго·[6] то не далече ли[7] прѣгрѣшениа прѣлюводѣянию и блоужениє· извѣстьнѣишиимь испытающиимь помъıслъмь ѡвисѧ· гл҃ющю и вж҃ественоумоу писанию· ѡко нѣ мъногъ блаждьникъ[8] чюжемоу· обаче нъ понѣже· немощьнѣишиимъ бѣсть нѣкоє· ѿ оц҃ь стрьмлениє· осоужено же бъıваєть· прѣгрѣшениє· бъıтиискъıимь раздѣлениємь· ѡко блоужениє· оубо гл҃ати· без҃ неправьдъıиного бъıвающаго нѣкоємоу помъıшлениа испълнениа·[9] прѣлюводѣянию[10] же ковъ и неправьдоу | чюжаго· въ томь же и скоторастьлѣниє· и[11] въ отрокъ полъ блоужениє бъıти непъıщюєтьсѧ· имьже и сиа· єстьства соуть прѣлюводѣяниа· въ цюже и паче єстьства бъıваєть неправьдатого оубо раздѣлениа и въ томь

л. 241 a.

καὶ τῇ γυναικὶ μία ἐφήρμοσται[1] κεφαλή. οὐκοῦν, εἰ μέν τις τὸ ἴδιον αὐτοῦ[2] σκεῦος, καθὼς ὀνομάζει ὁ θεῖος ἀπόστολος, ἑαυτῷ κτήσαιτο, συγχωρεῖ ὁ νόμος τῆς φύσεως τὴν δικαίαν χρῆσιν· εἰ δέ τις ἔξω τοῦ ἰδίου τραπείη, ἐν ἀλλοτρίῳ πάντως γενήσεται· ἀλλότριον δὲ ἑκάστῳ πᾶν τὸ μὴ ἴδιον, κἂν μὴ ὁμολογούμενον ἔχῃ τὸν κυριεύοντα. οὐκοῦν οὐ πόρρω τοῦ κατὰ τὴν μοιχείαν πλημμελήματος καὶ ἡ πορνεία τοῖς ἀκριβεστέρῳ ἐξετάζουσι λογισμῷ[3] ἐδείχθη, λεγούσης καὶ τῆς θείας γραφῆς ὅτι,[4] Μὴ πολὺς ἴσθι πρὸς ἀλλοτρίαν. πλὴν ἀλλ' ἐπειδὴ τοῖς ἀσθενεστέροις ἐγένετό τις παρὰ τῶν πατέρων συμπεριφορά, διεκρίθη τὸ πλημμέλημα τῇ γενικῇ διαιρέσει ταύτῃ, ὡς πορνείαν μὲν λέγεσθαι τὴν χωρὶς ἀδικίας ἑτέρου γινομένου[5] τινὶ τῆς ἐπιθυμίας ἐκπλήρωσιν, μοιχείαν δὲ τὴν ἐπιβουλήν τε καὶ τὴν[6] ἀδικίαν τοῦ ἀλλοτρίου. ἐν ταύτῃ δὲ καὶ τὴν ζωοφθορίαν καὶ τὴν παιδεραστίαν[7] εἶναι λογίζονται, διότι καὶ ταῦτα φύσεώς ἐστι μοιχεία· εἰς γὰρ τὸ ἀλλότριόν τε καὶ παρὰ φύσιν γί(л. 249ᵇ)νεται ἡ ἀδικία. ταύτης τοίνυν[8] τῆς διαιρέσεως καὶ ἐν τούτῳ

1) и *проп. П.* 2) *cod. переправл.* ъ (*послѣ* с) *изъ* о; както· свои си съсоудъ *проп. С.* 3) наричаєть *У.* 4) даєсть *С.* 5) *конечное* а *cod. С переправл. изъ* є; *П* исповѣдающе. 6) шєлающаго *У.* 7) ли *проп. С.* 8) *cod.* ж *по скобл.* (*вм.* ѳ?). 9) неполнениє *У.* 10) прѣлюводѣа *С.* 11) и *проп. У.*

1) ἐφήρμωται Patm. 172, но надъ ω надпис. ος. 2) ἑαυτοῦ V. 3) τοῖς τὸν ἀκριβέστερον ἐξετάζουσι λογισμὸν V Patm. 172. 4) τὸ V. 5) γινομένην V Patm. 172. 6) τὴν проп. V Patm. 172. 7) παιδαραστίαν cod.; ἀῤῥενομανίαν V. 8) οὖν Patm. 172.

образѣ грѣхоу бывъшю·[1] высѣхъ
есть исцѣлениѥ·[2] страстьноѥ раз-
д[р]ѣшениѥ· о таковъихъ
сластьхъ·[3] чистоу ѿ раскаанига[4] быти
чл҃вкоу· на оскверьншаисѧ въ блоу-
женіи каа въ грѣсѣ томь· не съмѣ-
сисѧ того ради· соуг҃вьно заповѣ-
дано бысть обращениа лѣто· въ
прѣлюводѣаніи оскверьншиимъсѧ·
и въ инѣхъ ѿреченъихъ зълъихъ·
скотоблоудьство же и въ отрочьска
полоу блоужениѥ· оудъваающть[5] бо
сѧ· ако же рекъхъ на таковъи
грѣхъ· единъ оубо· неже по за-
конъньѣи·[6] сласти· дроугъи же по
цюжаго неправьдѣ поставлаѥмъи·
различьѥ[7] же[8] нѣкоѥ есть въ сло-
веси покаанига· и на прѣгрѣшивъши-
ихъ въ сласти· таковоѥ различиѥ·
о себѣ оубо на исповѣданиѥ грѣха
оустрьмивъсѧ· ѥже приати своимь
стрьмлениѥмь· быти таинъимъ
оглъникъ· ако оубо ицѣлънию стра-
сти начьнъ· и знамениѥ на оуньшеѥ
прѣложениа показавъ· въ чл҃вколюбь-
нѣишихъ бываѥть за|прѣщении·[9]
обличенъи[10] же на зълоѥ нѣкоего
ради лица· или оглания· неволею
обличенъ въ простьренѣмь бываѥть
обращении· ако очищеноу[11] бывъшю·

τῷ εἴδει τῆς ἁμαρτίας γεγενημένης,
καθολικὴ μέν ἐστιν θεραπεία τὸ τῆς
ἐμπαθοῦς λύσσης τῆς περὶ τὰς τοιαύ-
τας ἡδονὰς καθαρὸν ἐκ μεταμελείας
γενέσθαι τὸν ἄνθρωπον. ἐπὶ δὲ τῶν ἐν
πορνείᾳ[1] μολυνθέντων ἀδικία τις τῇ
ἁμαρτίᾳ ταύτῃ οὐ καταμέμικται· διὰ
τοῦτο διπλασίων[2] ὡρίσθη τῆς ἐπιστρο-
φῆς ὁ χρόνος τοῖς ἐν μοιχείᾳ μιανθεῖσιν
καὶ ἐν τοῖς ἄλλοις τοῖς ἀπηγορευμένοις
κακοῖς, ζωοφθορίᾳ τε καὶ τῇ κατὰ τοῦ
ἄῤῥενος λύσσῃ· διπλασιάζεται γάρ, ὡς
εἶπον, ἐπὶ τῶν τοιούτων ἡ ἁμαρτία, μία
μὲν ἡ κατὰ τὴν ἄθεσμον ἡδονήν, ἑτέρα
δὲ ἡ κατὰ[3] τοῦ ἀλλοτρίου ἀδικία[4]
συνισταμένη. διαφορὰ δέ τίς ἐστιν ἐν τῷ
λόγῳ τῆς μετανοίας καὶ ἐπὶ τῶν καθ'
ἡδονὴν πλημμελούντων τοιαύτη· ὁ μὲν
γὰρ ἀφ' ἑαυτοῦ πρὸς τὴν ἐξαγόρευσιν
τῆς ἁμαρτίας ὁρμήσας αὐτὸ τὸ κατα-
δέξασθαι δι' οἰκείας ὁρμῆς γενέσθαι
τῶν κρυφίων κατήγορος, ὡς ἤδη τῆς
θεραπείας τοῦ πάθους ἀρξάμενος
καὶ σημεῖον τῆς πρὸς τὸ κρεῖττον με-
ταβολῆς ἐπιδειξάμενος, ἐν φιλανθρω-
ποτέροις γίνεται τοῖς ἐπιτιμίοις· ὁ δὲ- л. 241 b.
φωραθεὶς ἐπὶ το κακὸν[5] διά τινος ὑπο-
ψίας ἢ κατηγορίας ἀκουσίως ἀπελε-
γχθείς, ἐν ἐπιτεταμένῃ γίνεται τῇ
ἐπιστροφῇ, ὥστε καθαρισθέν(л. 250*)τα

1) и *вставл.* У. 2) ицѣлениѥ У. 3) *cod. переправл.* л *изъ* т. 4) *cod. переправл.* и (*послѣ* а) *изъ* н. 5) оудъваѥть С. 6) казанѣи С. 7) разлицьѥ У. 8) цюжаго *вставл.* С, *но зачеркив.* 9) запрѣщении П. 10) обличении С. 11) чищеноу У.

1) πορνείαις V. 2) διπλάσιον V. 3) τὴν вставл. Patm. 172. 4) ἀδικίαν Patm. 172. 5) ἐπὶ τῷ κακῷ ᾗ V Patm. 172.

изв҃щенію кмоу· тако къ св҃ищ҃имъ обыщенію· приатоу бъіти· кесть оубо канонъ таковъ· ако въ блоужении осквьрнившаисѧ· три лѣта отиноудь из молитвъı изгънаномъ бъіти· три же въ притворѣ цр҃квьнѣмь съ[1] оглашенъıими исходити· дроугаа же три лѣта· съ обращенъıими· въноутрь цр҃квь·[2] съ оглашенъıими молитисѧ·[3] и тъгда причаститисѧ ѡсв҃ищ҃ънъıихъ· на прикмлющаа тѣщаниѥмь· обращениа и житиѥ показающиихъ· и ѥже на бл҃го възведениѥ·[4] подобаѥть съмотрающемоу на оуньшиѥ· цр҃квьнъıимь съмотрениѥмь прѣсѣкати[5] лѣто· и скоро на обращениѥ привести· и пакъı и то прѣсѣкати лѣто· и скоро ѡдати обыщениѥ· ако да искоушениѥмь своимь изволить· ицѣлениаго оустроениа· ако же бо свинiамъ съıпати бисьръ отъречено кесть· тако лишати чьстьнаго[6] бисьра· аб҃иѥ члв҃комъ чс҃тотою и бестрастиѥмь бъıваша·[7] зълъıихъ кесть· по любодѣиствоу же кесть· рекъше на прочаа· образъı нечистотъı бъıвъшиѥ безакониѥ· ако же прѣже речено кесть[8] по вьсемоу· тѣмь же соудъмь
л. 242 а. ицѣлѣѥть | имьже и блоужениа нечистота· лѣтъмь же кдинѣмь·

δι' ἀκριβείας αὐτὸν οὕτως ἐπὶ τὴν τῶν ἁγιασμάτων κοινωνίαν παραδεχθῆναι. ἔστι τοίνυν ὁ κανὼν τοιοῦτος, ὥστε τοὺς ἐν πορνείᾳ μολυνθέντας ἐν τρισὶ μὲν ἔτεσι καθόλου[1] τῆς εὐχῆς ἀποβλήτους εἶναι, ἐν τρισὶ δὲ τῆς ἀκροάσεως μετέχειν μόνης, ἐν ἄλλοις δὲ τρισὶν ἔτεσιν μετὰ τῶν ἐν τῇ[2] ἐπιστροφῇ ὑποπιπτόντων προσεύχεσθαι, καὶ τότε μετέχειν τῶν ἁγιασμάτων. ἐπὶ δὲ τῶν[3] σπουδαιότερον κεχρημένων τὴν ἐπιστροφὴν[4] καὶ τῷ βίῳ δεικνυόντων[5] τὴν πρὸς τὸ ἀγαθὸν ἐπάνοδον, ἔξεστι τῷ οἰκονομοῦντι πρὸς τὸ συμφέρον τῇ ἐκκλησιαστικῇ οἰκονομίᾳ συντέμνειν[6] τὸν χρόνον τῆς ἀκροάσεως καὶ τάχιον εἰς ἐπιστροφὴν ἀγαγεῖν· καὶ πάλιν καὶ τοῦτον συντέμνειν[7] τὸν χρόνον καὶ τάχιον ἀποδοῦναι τὴν κοινωνίαν, ὅπως ἂν τῇ ἑαυτοῦ δοκιμασίᾳ ἐγκρίνοιτο[8] τὴν τοῦ θεραπευομένου κατάστασιν· ὥσπερ γὰρ τὸ τοῖς χοίροις ῥίπτειν τὸν μαργαρίτην ἀπείρηται, οὕτως τὸ ἀποστερεῖν τοῦ τιμίου μαργαρίτου τὸν ἤδη ἄνθρωπον διὰ τῆς καθαρότητός τε καὶ[9] ἀπαθείας γενόμενον τῶν ἀτόπων ἐστίν. ἡ δὲ κατὰ μοιχείαν ἤτοι κατὰ τὰ λοιπὰ εἴδη τῆς ἀκαθαρσίας γενομένη παρανομία, καθὼς προείρηται, κατὰ πάντα ἐν τῷ αὐτῷ κρίματι θεραπευθήσεται, ἐν ᾧ καὶ τὸ τῆς πορνείας ἄγος· τῷ δὲ χρόνῳ μόνῳ

1) съ *прот. П.* 2) цр҃кве *У.* 3) молити *У.* 4) извѣдениѥ *У.* 5) присѣкати *С.* 6) честнаа *П.* 7) бъıша *У.* 8) кесть *прот. У.*

1) μὲν вставл. V. 2) τῇ проп. V. 3) τὸν cod. 4) τῇ ἐπιστροφῇ V Patm. 172. 5) δεικνύντων V Patm. 172. 6) συντεμεῖν V Patm. 172. 7) συντεμεῖν V Patm. 172. 8) ἐγκρίνοι V Patm. 172. 9) τῆς вставл. V Patm. 172.

соугоубьствоующьсѧ· съблюдеть же сѧ и на нємь· цѣлимаго завѣтъ· ꙗко же и на блоужениѥ скврьною· сънесеномъ· ꙗко или скоро или поздѣ· быти имъ· благаго причастию. [1]

Д. [2] Ѳкоудѣютъ [3] къимь гнѣвъмь образьно· дша приложити въ испытании· [4] когда съблазнивъсѧ· благаго гнѣва приѥмша на грѣхъ отъпадеть· многомъ же соущемъ· иже по ꙗрости въ грѣхъ дѣтельствоующимъ и высѣхъ зълъ· въгодьно бысть нѣкако оцемъ нашимъ· въ дроугыихъ не зъло извѣстословити· ни многа достоина мьнѣти тъщании· [5] иже цѣлити [6] вьсѧ ѿ ꙗрости [7] паданиѧ· [8] ибо писанию не тъкъмо нагоую ѿмѣтающа раноу· нъ и вьсако клеветаниѥ или хоулениѥ· аще чьто ино въ гнѣвѣ· ино [9] съдѣваютьсѧ· тъкъмо же по оубиствоу скврьнъı· стражю сътвориша запрѣщениѧ ради· раздѣли же сѧ таковое зъло· различиемь [10] вольнаго и невольнаго· въ нихъже вольное [11] есть оубиство· пьрвѣе оубо ѿ строкениѧ дьрзноувъ [12] на тое же оуготовивъшю· ꙗко оубо скврьноу сътворитъ· по семь же и она въ невольнъıихъ мьнатьсѧ· διπλασιάζεται. (л. 250ᵇ) παρατηρηθήσεται δὲ καὶ ἐπ' αὐτῷ ἡ τοῦ θεραπευομένου διάθεσις, ὃν τρόπον καὶ ἐπὶ τῶν τῷ μολυσμῷ τῆς πορνείας συνενεχθέντων, ὥστε ἢ ἧττον ἢ βραδύτερον γενέσθαι αὐτοῖς τὴν τοῦ ἀγαθοῦ μετουσίαν.

δ'. Λείπεται πρὸς τούτοις τὸ θυμοειδὲς τῆς ψυχῆς προσθεῖναι [1] εἰς ἐξέτασιν, ὅταν παρασφαλεῖσα τῆς ἀγαθῆς τοῦ θυμοῦ χρήσεως εἰς ἁμαρτίαν ἐκπέσοι. [2] πολλῶν τε [3] ὄντων τῶν κατὰ θυμὸν εἰς ἁμαρτίαν ἐνεργουμένων καὶ πάντων κακῶν, ἤρεσέν πως [4] τοῖς πατράσιν ἡμῶν ἐν τοῖς ἄλλοις μὴ λίαν ἀκριβολογεῖσθαι, μηδὲ πολλῆς ἄξιον ἡγεῖσθαι σπουδῆς τὸ θεραπεύειν πάντα τὰ ἐκ τοῦ θυμοῦ παραπτώματα, καίτοι γε τῆς γραφῆς οὐ μόνον τὴν ψιλὴν ἀπαγορευούσης πληγήν, ἀλλὰ καὶ πᾶσαν λοιδορίαν ἢ βλασφημίαν καὶ εἴ τι ἄλλο τοιούτων [5] θυμὸς ἀπεργάζεται· μόνον δὲ τοῦ κατὰ τὸν [6] φόνον ἄγους τὴν παραφυλακὴν ἐποιήσαντο [7] διὰ τῶν ἐπιτιμίων. διήρηται δὲ τὸ τοιοῦτον κακὸν τῇ διαφορᾷ τοῦ ἑκουσίου τε καὶ τοῦ [8] ἀκουσίου· ἐν οἷς ἑκούσιος μέν ἐστιν φόνος πρῶτον μὲν ὁ ἐκ παρασκευῆς τετολμημένος τοῦ εἰς αὐτὸ τοῦτο εὐτρεπισαμένου, ὅπως ἂν τὸ ἄγος ἐργάσηται· ἔπειτα δὲ κἀκεῖνα [9] ἐν τοῖς ἑκουσίοις ἐνομίσθη,

---

1) причастїа *C.* 2) Д. *прот. П.* 3) кодѣютъ *П.* 4) спытанїи *C.* 5) тщѧ *C.* 6) цѣловати *C.* 7) радости *У.* 8) паденїа *П.* 9) ино *прот. У.* 10) различиемь *У.* 11) къло *ПС.* 12) дьрзновъ *У.*

1) προσθεῖναι Patm. 172. 2) ἐκπέσῃ V Patm. 172. 3) δὲ Patm. 172. 4) ἤρεσεν πῶς cod. Patm. 172. 5) τοιοῦτο V Patm. 172; ὁ вставл. V Patm. 172. 6) τὸν прот. V. 7) cod. переправл. изъ ἐποίησαν το. 8) τοῦ прот. V Patm. 172. 9) κἀκεῖνος V Patm. 172.

кгда къто съплетъıисѧ которою сиѫ же и биемъ· нанесеть нѣ на кокго
л. 242 b. оудареніе· роуцьнъıіа[1] ради ранъı· ѥдиною бо гнѣвъмь и стрьмлѥнїемь ѧрости· Ѡлоучивъ ничьто же
5 въı· чрѣсъ врѣмѧ страсти Ѡсѣкши зълоѥ· могоущихъ· на оумъ прииметь· ѩко и ѥже Ѡ плетенїа·[2] съвьршеніе оубиства· въ дѣло
10 изволенїа·[3] а не на полоучение възводить· невольнии же ѩвленїа имоуть· съказанїа· кгда къто къ иномоу кое потъщаніе имѣıа· Ѡ нелоученїа нѣчьто неицѣльнъıихъ·[4]
15 сътворить на сихъ оубо оубиство·[5] на трьгоубо лѣто простираѥтьсѧ· обращеніимь[6] цѣлащимъ вольнъıіа скьврнъı· три девѧти бо лѣтъ· въ къижьдо чинъ· девѧтааго лѣтъмь
20 заповѣданомъ· ѩко въ Ѡлоучение оубо Ѡноудъ· ѥдино лѣто бъıти· въздранѧемоу Ѡ цр҃кве·[7] дроугаıа же толика лѣта[8] въ притворѣ да стаѥть[9]
25 съ оглашенъıими и да послоушаıа оученїа исходить·[10] и съ людьми въноутрь цр҃кве съподобитьсѧ· и съ оглашенъıими не исходить· въ третиюю же девѧть· съ обращеніемь[11]

ὅταν τις[1] συμπλοκῇ[2] καὶ μάχῃ τύπτων τε καὶ τυπτόμενος ἐνέγκῃ κατά τινος καιρίου τὴν διὰ τῆς χειρὸς πληγήν· ὁ γὰρ (л. 251ª) ἅπαξ τῷ θυμῷ[3] καὶ τῇ ὁρμῇ τῆς ὀργῆς χωριζόμενος[4] οὐδὲν ἂν παρὰ τὸν καιρὸν τοῦ πάθους τοῦ[5] ἀνακόψαι τὸ κακὸν δυναμένων ἐπὶ νοῦν λάβοι· ὥστε καὶ τὸ ἐκ τῆς συμπλοκῆς ἀποτέλεσμα τοῦ φόνου εἰς ἔργον προαιρέσεως καὶ οὐκ εἰς ἀποτυχίαν ἀνάγεται. οἱ δὲ ἀκούσιοι φανερὰ ἔχουσι τὰ γνωρίσματα, ὅταν τις πρὸς ἕτερόν τι τὴν σπουδὴν ἔχων ἐξ ἀποτυχίας τι τῶν ἀνηκέστων δράσῃ.[6] ἐπὶ τούτων τοίνυν ὁ μὲν φόνος εἰς τριπλασίονα χρόνον παρατείνεται τοῖς δι' ἐπιστροφῆς θεραπευομένοις τὸ ἑκούσιον ἄγος· τρὶς ἐννέα γὰρ[7] ἐνιαυτοί, καθ' ἕκαστον βαθμὸν τῆς ἐννάδος[8] τῶν ἐτῶν ὁρισθείσης, ὥστε ἐν μὲν τῷ παντελεῖ ἀφορισμῷ ἐνναετῆ χρόνον διαγενέσθαι ἀπειργόμενον[9] τῆς ἐκκλησίας· ἄλλα δὲ τοσαῦτα ἔτη ἐν τῇ[10] ἀκροάσει παραμεῖναι, μόνης τῆς[11] τῶν διδασκάλων καὶ τῆς τῶν γραφῶν ἀκροάσεως καὶ μετὰ τῆς τοῦ λαοῦ συστάσεως[12] ἀξιούμενον· ἐν δὲ τῇ τρίτῃ ἐννάδι[13] μετὰ τῶν ὑποπιπτόντων ἐν ἐπιστροφῇ

---

1) роуцьнъıіа *У.* 2) *cod. переправл.* ıе (*послѣ* т) *изъ* н. 3) *cod. переправл. конечное* ıа *изъ* ıе. 4) неицѣльнъıихъ *П.* 5) оубоиство *С.* 6) обращенїа имъ *С.* 7) wцѣ рекве *П.* 8) толика лѣта *вставл. С.* 9) стои *У.* 10) исводить *С.* 11) wбращенїемь *П.*

1) ἐν вставл. V Patm. 172. 2) συμπλοκὴ cod. 3) κρατηθεὶς вставл. V Patm. 172. 4) χαριζόμενος V Patm. 172. 5) τῶν V Patm. 172. 6) δράσει cod. 7) εἰσιν вставл. V Patm. 172. 8) ἐνάδος cod.; ἐννεάδος Patm. 172; схоліастъ V переправл. ἐνάδος въ ἐννεάδος. 9) ἀπηγορευμένον V. 10) ἐν τῇ проп. V. 11) τῆς проп. V. 12) καὶ μετὰ τῆς τοῦ λαοῦ συστάσεως проп. V. 13) схоліастъ V переправл. въ ἐννεάδι.

молѧщюсѧ· тако прити къ причастию освѣщенъныхъ·[1] ѡвѣ ѡко и на таковѣмь съблюдение боудетъ·[2] ѿ съмотрѧщаго цр҃квь· и къ словоу ѡвращениѧ раздѣлитьсѧ емоу запрѣщение простьрениѧ· ѡко въ девати лѣтъ | мѣсто· на коемьждо чиноу осмое или семое·[3] или шестое· или пѧтое· единѣмь бъıти· нежели велиі. ст[в]о[4] обращениѧ одолѣетъ врѣмени· и прѣможетъ тъщаниемь· исправлениѧ иже въ дълзѣмь прооуставлѣнии· лѣнивие[5] себе ѿ скверны[6] ѡчищающихъ· невольное же ѿпоу[ще]но[7] оубо·[8] не похвалено осоудисѧ се же рекохъ[9] ѡко ѡвѣ бъıти· ѡко аще и невольнѣ къто боудетъ въ оубиствьнѣ осквьрнении· ѡко оуже скверньшаго ѿ нечистоты бъıвъша· ѿвьрьжена чистителъскъıѧ[10] бл҃гдати· канонъ осоудилъ есть· колико же есть на наго[11] осоужение·[12] очищениѧ лѣто· толико же и на невольно оубивъшихъ искоушено бъıти· ѡвѣ ѡко и[13] въ томь изволению кающагося искоушаемо· ѡко аще и достовѣрьно боудетъ обращение·[14] не въсако съхранити числа лѣтъ· нъ скоростию привести и·

προσευχόμενον, οὕτως ἐλθεῖν ἐπὶ τὴν μετουσίαν τῶν ἁγιασμάτων·[1] δηλαδὴ καὶ ἐπὶ τοῦ τοιούτου ἡ αὐτὴ παρατήρησις ἔσται παρὰ τοῦ οἰκονομοῦντος τὴν ἐκκλησίαν, καὶ πρὸς[2] λόγον τῆς ἐπιστροφῆς συντμηθήσεται αὐτῷ καὶ ἡ τοῦ ἐπιτιμίου παράστασις,[3] ὥστε ἀντὶ ϑ′ ἐτῶν ἐφ' ἑκάστῳ βαθμῷ η′ ἢ ζ′ ἢ ϛ′ ἢ καὶ ε′ μόνα γενέσθαι, εἴπερ τὸ μέγεθος τῆς ἐπιστροφῆς νικοίη[4] τὸν χρόνον καὶ ὑπερ(л. 251ᵇ)βάλλοιτο τῇ σπουδῇ τῆς διορθώσεως τοὺς ἐν τῇ μακρᾷ προθυμίᾳ[5] ῥᾳθυμότερον[6] ἑαυτοὺς ἀπὸ[7] κηλῖδος καθαίροντας. τὸ δὲ ἀκούσιον σύγγνωστον μέν, οὐ μὴν ἐπαινετὸν ἐκρίθη· τοῦτο δὲ εἶπον, ὥστε δῆλον γενέσθαι, ὅτι, κἂν ἀκουσίως τις γένηται ἐν τῷ τοῦ φόνου μιάσματι, ὡς ἤδη βέβηλον αὐτὸν ἀπὸ τοῦ ἄγους γενόμενον ἀπόβλητον ἱερατικῆς χάριτος ὁ κανὼν ἀπεφήνατο. ὅσος δέ ἐστιν ἐπὶ τῇ ψιλῇ πορνείᾳ τοῦ καθαρσίου ὁ χρόνος, τοσοῦτος καὶ ἐπὶ τῶν ἀκουσίως πεφονευκότων ἐδοκιμάσθη καλῶς ἔχειν, δηλαδὴ καὶ ἐν τούτῳ τῆς προαιρέσεως τοῦ μετανοοῦντος δοκιμαζομένης, ὥστε, εἰ[8] ἀξιόπιστον[9] γένοιτο ἡ ἐπιστροφή, μὴ πάντως παραφυλαχθῆναι τὸν ἀριθμὸν τῶν ἐτῶν, ἀλλὰ διὰ συντομίας ἀγαγεῖν αὐτὸν

л. 243 а.

1) ѡсв҃ѣщенъıхъ *УС*; ѡсвѧщенъıихъ *П*. 2) бодѣтъ *У*. 3) седьмое *С*. 4) *исправл. по У*. 5) лѣнивии *У*. 6) скверныи *П*. 7) *исправл. по ПУ*. 8) оубо ѿпоущено *П*. 9) рекохомъ *С*. 10) чистителъскыиѧ *П*. 11) него *У*; наго *П*. 12) блоужение *П*. 13) и *проп. П*. 14) обращение *cod*.

1) τοῦ ἁγιάσματος V Patm. 172. 2) τὸν вставл. V. 3) παράτασις V Patm. 172. 4) νικῴη V Patm. 172. 5) προθεσμίᾳ V Patm. 172. 6) προθυμότερον Patm. 172. 7) τῆς вставл. V Patm. 172. 8) ἡ cod. 9) ἀξιόπιστος V Patm. 172.

въ цр҃квьноє оустроєниє· и въ бл҃гоє причащєниє· аще ли къто не испълнивъ лѣта· ѿлоучєнаго ѿ канонъ· исходитъ ѿ житиа· повелѣваєтъ оц҃ъ чл҃вколюбию· причастивъшасѧ свѧщєнъныхъ таинъ· не тъщємоу[1] подобиє· послѣдьнѧмоу ономоу· и дългомоу ѿшьствию ѿпоущєноу бъıти· аще ли причастивъсѧ стъıнѧ· пакъı на животъ обратитьсѧ·
л. 243 b. | ожидати повелѣнаго л҃ѣ:[2] въ томь чиноу бъıша·[3] въ нємьже бѣ прѣжде ноужє[ю][4] поданоє[5]ємоу обыцєниє· дроугъıи же образъ· коумирослоужєниа· сицє бо именоуєтъ лихоимьство· бж҃ьствьнъıи апл҃ъ· не вѣмь[6] ако да неизбѣжимо· отъ оц҃ъ нашихъ ѧвисѧ· ибо мьнитьсѧ таковоє зъло· третиаго въ джши оустроєниа страсти бъıти· ибо помъıслъ добраго изволєниа погрѣшаа въ вещи доброѡмоу бъıти размъıшлѧєтъ· не къ бесплътьнѣи зьрѧ добротѣ и хотѣниє къ дольнимъ· течетъ истиньнаго похотованиа ѿпадаа·[7] и любопьриво[8] же и гнѣвообразьноє завѣтованиє· многъı ѿ таковаго грѣха извѣтъı прикмлютъ· и вьсе рещи съвѣщаваютъ· таковъıи недоуг·

εἰς τὴν τῆς ἐκκλησίας ἀποκατάστασιν καὶ εἰς τὴν τοῦ ἀγαθοῦ μετουσίαν.[1]

Εἰ[2] δέ τις μὴ πληρώσας τὸν χρόνον τὸν ἐκ τῶν κανόνων ἀφωρισμένον ἐξοδεύοι[3] τοῦ βίου, κελεύει ἡ τῶν πατέρων φιλανθρωπία, μετασχόντα τῶν ἁγιασμάτων, μὴ κενὸν τοῦ ἐφοδίου πρὸς τὴν ἐσχάτην ἐκείνην καὶ μακρὰν ἀποδημίαν ἐκπεμφθῆναι· εἰ δὲ μετασχὼν τοῦ ἁγιάσματος πάλιν εἰς τὴν ζωὴν ἐπανέλθοι, ἀναμένειν τὸν τεταγμένον χρόνον ἐν ἐκείνῳ τῷ βαθμῷ γενόμενον,[4] ἐν ᾧ ἦν πρὸ τῆς κατ' ἀνάγκην αὐτῷ δοθείσης κοινωνίας.

Τὸ[5] δὲ ἕτερον εἶδος τῆς εἰδωλολατρεί(л. 252ª)ας (οὕτω γὰρ ὀνομάζει τὴν πλεονεξίαν ὁ θεῖος ἀπόστολος) οὐκ οἶδα ὅπως ἀθεράπευτον ὑπὸ τῶν πατέρων ἡμῶν περιῴφθη, καίτοι γε δοκεῖ τὸ τοιοῦτον κακὸν τῆς τρίτης ἐν τῇ ψυχῇ καταστάσεως πάθος εἶναι. καὶ γὰρ ὁ λογισμὸς τῆς τοῦ καλοῦ κρίσεως ἁμαρτάνων ἐν τῇ ὕλῃ τὸ καλὸν εἶναι φαντάζεται, οὐ πρὸς τὸ ἄϋλον ἀναβλέπων[6] κάλλος· καὶ ἡ ἐπιθυμία πρὸς τὸ[7] κάτω ῥεῖ, τοῦ ἀληθῶς[8] ὀρεκτοῦ ἀπορρέουσα· καὶ ἡ φιλόνεικός τε[9] καὶ θυμοειδὴς[10] διάθεσις πολλὰς ἐκ τῆς τοιαύτης ἁμαρτίας τὰς ἀφορμὰς λαμβάνει. καὶ τὸ ὅλον εἰπεῖν, συμφωνεῖ ἡ τοιαύτη νόσος

---

1) тщѥ *П.* 2) лѣта *СП.* 3) къıѣша *cod.*; сыша *П*; быти рѣша *У.* 4) ноужєноую *П.* 5) подано *П.* 6) *cod.* в *по скобл. (вм. 1—2 буквъ съ + сверху);* вѣ *С.* 7) ѿдаа *С.* 8) любопрѣвоѥ *С;* любопрѣ^{ИЯ}воѥ *П.*

1) μεσιτουσίαν cod., но εσ перечеркнуто. 2) съ Εἰ V Patm. 172 начинаютъ главу ε'. 3) ἐξοδεύοιτο V. 4) γινόμενον Patm. 172. 5) съ Τὸ V Patm. 172 начинаютъ главу ϛ'. 6) cod. предлогъ ἀνα между строкъ. 7) τὰ V Patm. 172. 8) ἀληθοῦς V Patm. 172. 9) δὲ V. 10) θυμώδης V Patm. 172.

апл҃ъскою лихоимьства заповѣдию· бжіи бо апл҃ъ· не тъкмо коумирослоужение нъ и корень· вьсѣхъ зълъ осоуди к· и обаче таковъіи
5 видъ· паче ѡвися недоуга·[1] непосѣтимъіи[2] непрѣложьнъіи· тѣмь и[3] оумножаютьсѧ·[4] по цр҃квамъ таковаѧ ѧзѧ· и ни єдинъ же на клиросъ приводимъіихъ прѣльщаєтъ·
10 да не єда како· таковъіимь образъмь· коумирослоужениѧ осквьрнишасѧ· нъ о тѣхъ оубо заніе ѿреци оц҃емъ нашимъ· довлѣєти[5] мьнимъ людьскъіи|мь оучениѧ словъмь· ѩко да ацце помъішлмютъ· или цѣлити· ѩко нѣкъіѧ страсти мъногъіѧ· лихоимьнъіѧ недоугъі· словъмь очищающа· єдино же краденіе· и
20 сц҃енокраденіе страсти мьнимъ·[6] заніе тако ѿ оц҃ь въслѣдованиѧ· прѣданию намъ о томь бъіти· ибо ѿ[7] бжьствьнаго писанию· и оумъножение и[8] лихва· ѿреченъіихъ
25 єсть· и єже ѿ силъі нѣкъіѧ· къ своємоу[9] сътяжанию принести· тоужаѧ·[10] и ацце извѣтъмь вещи таковое полоучитьсѧ· бъівающее·[11] понєже оубо єже на насъ въ
30 область канонъ· оубо достовѣрьно·[12]

τῷ ἀποστολικῷ τῆς πλεονεξίας ὄρῳ·[1] ὁ γὰρ θεῖος ἀπόστολος οὐ μόνον αὐτὴν εἰδωλολατρείαν, ἀλλὰ καὶ ῥίζαν πάντων τῶν κακῶν ἀπεφήνατο. καὶ ὅμως τὸ τοιοῦτον εἶδος παρώφθη τῆς νόσου ἀνεπίσκεπτόν τε καὶ ἀτημέλητον. δι' ὃ[2] καὶ πλεονάζει κατὰ τὰς ἐκκλησίας τὸ τοιοῦτον ἀῤῥώστημα, καὶ οὐδεὶς τοὺς ἐπὶ τὸν κλῆρον ἀγομένους περιεργάζεται, μήπως τῷ τοιούτῳ εἴδει τῆς εἰδωλολατρείας κατεμιάνθησαν. ἀλλὰ περὶ μὲν τούτων, διὰ τὸ παρεῖσθαι[3] τοῖς πατράσιν ἡμῶν, ἀρκεῖν ἡγούμεθα τῷ δημοσίῳ τῆς διδασκαλίας λόγῳ, ὅπως ἂν οἷόν τε л. 244 a.
ᾖ θεραπεύειν ὥσπερ τινὰ πάθη πληθωρικά,[4] τὰς πλεονεκτικὰς ἀῤῥωστίας διὰ τοῦ λόγου καθαίροντας.[5] μόνην δὲ τὴν κλοπὴν καὶ τὴν τυμβωρυχίαν καὶ τὴν ἱεροσυλίαν πάθη νομί(л. 252[b])ζομεν, διὰ τὸ οὕτω ἐκ τῆς τῶν πατέρων ἀκολουθίας τὴν παράδοσιν ἡμῖν περὶ τούτου γενέσθαι, καίτοι γε παρὰ τῆς θείας γραφῆς[6] καὶ ὁ πλεονασμὸς καὶ ὁ τόκος τῶν ἀπειρημένων ἐστὶν καὶ τὸ ἐκ δυναστείας τινὸς τῇ ἰδίᾳ κτήσει προσαγαγεῖν τὰ ἀλλότρια, κἂν ἐν προσχήματι[7] πραγματείας τὸ τοιοῦτο τύχῃ γινόμενον.

Ἐπειδὴ τοίνυν τὸ καθ' ἡμᾶς εἰς ἐξουσίαν κανόνων[8] ἀξιόπιστον,[9]

1) апл҃ъскою лихоимьства... недоуга *проп. У* 2) и *вставл. У.* 3) и *проп. С.* 4) ѕмножаютсѧ *С.* 5) и *вставл. П.* 6) мнимъ *С.* 7) ѿ *проп. С.* 8) и *вставл. П.* 9) твоемоу *П.* 10) тоужаѧ *У.* 11) понєже ѕбо *вставл. С.* 12) достовѣрна *С.*

1) ὁρῶ cod. 2) διὸ V Patm. 172. 3) διαπορεῖσθαι V (вм. διὰ τὸ παρεῖσθαι). 4) καὶ вставл. V; τὰ вставл. Patm. 172. 5) καθαίροντος V Patm. 172. 6) τῇ θείᾳ γραφῇ V. 7) προσχήματι V Patm. 172. 8) κανόναν cod., но надъ αν добавл. рукой X в. удареніе и придыханіе, а надъ предшествующимъ ν тою же рукой надпис. ω. 9) ἀναξιόπιστον V Patm. 172.

на исповѣдающихъся· Прекъшихъся правильныи соудъ· абие къ реченъимъ приложимъ· раздѣлаютъ же сѧ окраденіе на разбоиство же[1] и на[2] гробовъзгрѣбаніе·[3] и кдино оубо обоюмоу смотреніе цюждихъ Платіе· мъного же по разоумоу ю къ себѣ есть различіе·[4] разбоиникъ бо и оубиство на пособіе· тъщащагося приемлютъ· на тое же оустраша· и оружіемь· и вельроучіемь и газвами по мѣстомо[5] ако[6] таковаго соудъмь моужеоубица·[7] навести аще не раскаяніемь своимь· къ цркви бжіи възвратитьсѧ· Фиманиа же л. 244 b. ради тащагося· | оуимаа[8] цюжего посемь· исповѣданіемь прѣгрѣшеніе свое· чистителкви гавѣ тъцаніемь о противьнѣмь страсти· ицѣлити недоугъ· глю же поданиа ради имѣниа оубогъимъ· поданіе гаже имать гавѣ боудеть· очищаи лихоимаиа недоугъ аще ли и ничьсо же имать· тъкъмо же лѣто имать· повелѣваютъ апл̃ъ· тѣлесьнъимь

τὴν ἐπὶ τῶν ὁμολογουμένων[1] ἀπηγορευμένων κανονικὴν κρίσιν ἤδη τοῖς εἰρημένοις προσθήσομεν· διήρηται δὲ[2] ἡ κλοπὴ εἵς[3] τε λῃστείαν καὶ τυμβωρυχίαν·[4] καὶ εἰς μὲν ἐπ' ἀμφοτέρους[5] σκοπὸς ἡ τῶν ἀλλοτρίων ἀφαίρεσις, πολλὴ δὲ κατὰ τὴν γνώμην αὐτῶν ἡ πρὸς ἀλλήλους ἐστὶ διαφορά· ὁ μὲν γὰρ λῃστὴς καὶ τὴν μιαιφονίαν εἰς συμμαχίαν τοῦ σπουδαζομένου παραλαμβάνει, πρὸς αὐτὸ τοῦτο παρασκευαζόμενος καὶ ὅπλοις καὶ πολυχειρίᾳ[6] καὶ τοῖς ἐπικαίροις τῶν τόπων, ὥστε τὸν τοιοῦτον τῷ κρίματι τῶν ἀνδροφόνων ὑπάγεσθαι, εἰ μὴ[7] διὰ μεταμελείας ἑαυτὸν πρὸς τὴν ἐκκλησίαν τοῦ θεοῦ ἐπανάγοι.[8] ὁ δὲ δι' ὑφαιρέσεως λανθανούσης σφετεριζόμενος τὸ ἀλλότριον, εἶτα δι' ἐξαγορεύσεως τὸ πλημμέλημα ἑαυτοῦ τῷ ἱερεῖ φανερώσας, τῇ περὶ τὸ ἐναντίον τοῦ πάθους σπουδῇ θεραπεύσει τὴν ἀῤῥωστίαν,[9] λέγω δὲ διὰ τοῦ τὰ προσόντα παρέχειν τοῖς πένησιν, ἵνα τῷ[10] προέσθαι[11] (л. 253ᵃ) ἃ ἔχει φανερὸς γένηται καθαρεύων[12] τῆς κατὰ πλεονεξίαν νόσου· εἰ δὲ καὶ μηδὲν ἔχοι, μόνον δὲ τὸ σῶμα ἔχοι,[13] κελεύει ὁ ἀπόστολος διὰ[14] τοῦ σωματικοῦ

1) сѧ окраданіе *вставл. С, но вычеркив.* 2) и на *проп. С.* 3) възгрѣбаніе *С.* 4) различіе *С.* 5) мѣстомъ *СПУ.* 6) *cod.* и *по скобл.* 7) *cod. переправл.* ц *изъ* к. 8) оуимаю *С.*

1) ὁμολογουμένως V Patm. 172. 2) δὲ проп. Patm. 172. 3) εἴ cod. 4) τοιχωρυχίαν V Patm. 172. 5) ἀμφοτέρων Patm. 172. 6) πολυχερεία cod. 7) μὴ проп. V Patm. 172. 8) ἐπαναγάγοι V Patm. 172. 9) ἁμαρτίαν Patm. 172, но надъ ἁμαρ надпис. αρρωσ. 10) τὸ cod. 11) πρόεσθαι cod. 12) καθα-(л. 249ᵇ)καθαρεύων V. 13) ἔχῃ V. 14) τὸ σῶμα ἔχοι κελεύει ὁ ἀπόστολος διὰ проп. Patm. 172.

троудъмь· таковоую ищѣлити страсть· имать же[1] рѣчи сицетать да не крадеть оуже· паче да троужаютьсѧ дѣлаѧ· блгоѥ да имать подати трѣбоующюоумоу·

ѕ·[2] Гробовъзгрѣваниѥ же· и то раздѣлаютьсѧ на ѿпоущениѥ· и неѿпоущеноѥ[3] аще бо къто соущьство цѣлѧ· и неокрадено оставивъ· съкръвеноѥ тѣло· ѩко не ѥвити[4] слнцю стоуда ѥстьствоу· каменикмь нѣкъимь гробопокръвенъимь· сътворити на дѣло нѣкоего оустроениѧ· ни то оубо похвално[5] ѥсть· нъ ѿпоущено сътворимъ обычаи· ѥгда на чьстьнѣишеѥ нѣчьто· и обыцепользьнѣишеѥ· вещи прѣложениѥ боудеть а ѥже распрѧтати пьрсть· ѿ земнѣѧ[6] плъти· и раздвигати кости оупъваниѥмь оутвари· и нѣкаѧ приобрѣсти съ копаюцими· то тѣмь же соудъмь осоужено ѥсть· имьже и нагоѥ[7] блоужениѥ· ѩко же въ прѣже|варивъшимь раздѣлисѧ словѣ· съмотрѧщю ѥвѣ промъсльникоу· ѿ того житиѧ·[8] врачеваниѥ и цѣловавъшюоумоу·[9] ако съкоупити ѿ канонъ· заповѣдано запрѣщениѧ

κόπου[1] τὸ τοιοῦτον ἐξιάσασθαι πάθος. ἔχει δὲ ἡ λέξις οὕτως· Ὁ κλέπτων μηκέτι κλεπτέτω, μᾶλλον δὲ κοπιάτω ἐργαζόμενος τὸ ἀγαθόν, ἵνα ἔχῃ[2] μεταδιδόναι τῷ χρείαν ἔχοντι.

ε′.[3] Ἡ δὲ τυμβωρυχία καὶ αὐτὴ διαιρεῖται[4] εἰς τὸ σύγγνωστόν τε καὶ ἀσύγγνωστον· εἰ μὲν γάρ τις τῆς ὁσίας φειδόμενος καὶ ἄσυλον ἀφεὶς[5] τὸ κεκρυμμένον σῶμα, ὡς μὴ ἀναδειχθῆναι ἡλίῳ τὴν ἀσχημοσύνην τῆς φύσεως, λίθοις τισὶ τῶν τῷ τάφῳ προβεβλημένων χρήσαιτο[6] εἰς ἔργου τινὸς κατασκευήν, ἐπαινετὸν μὲν οὐδὲ τοῦτό ἐστιν, πλὴν ἀλλὰ σύγγνωστον ἐποίησεν ἡ συνήθεια, ὅταν εἰς προτιμότερόν τι καὶ κοινωφελέστερον ἡ τῆς ὕλης μετάθεσις γένηται.[7] τὸ δὲ διερευνᾶσθαι τὴν κόνιν ἀπὸ τῆς γεωθείσης σαρκὸς καὶ ἀνακινεῖν τὰ ὀστᾶ ἐλπίδι τοῦ κόσμον τινὰ τῶν συγκατορυχθέντων κερδᾶναι, τοῦτο τῷ αὐτῷ κρίματι κατεδικάσθη, ᾧ καὶ ἡ ψιλὴ πορνεία, καθὼς ἐν τῷ προλαβόντι διήρηται λόγῳ, ἐπισκοποῦντος л. 245 a.
δηλαδὴ τοῦ οἰκονόμου ἐξ αὐτοῦ τοῦ βίου τὴν ἰατρείαν[8] τοῦ θεραπευομένου, ὥστε συντεμεῖν τὴν ἐκ τῶν κανόνων ὁρισθεῖσαν τοῦ ἐπιτιμίου

1) же *проп.* У. 2) ѕ *и начальную букву правила* Г *проп.* П. 3) *cod.* о (*передъ* ѥ) *переправл. изъ* н. 4) *см вставл.* П. 5) хвально С. 6) земьнъıа У; землѣа П. 7) инакоѥ У (*вм.* и нагоѥ). 8) житїѥ С. 9) цѣлевавъшюмоу У.

1) μόνον τῷ σωματικῷ κόπῳ V (вм. κελεύει ὁ ἀπόστολος διὰ τοῦ σωματικοῦ κόπου). 2) ἔχει cod., но надъ ει надпис. η. 3) ζ′ V Patm. 172. 4) διήρηται V Patm. 172. 5) ἀφιεὶς Patm. 172. 6) συγχρήσαιτο V Patm. 172, но V переправл. (схоліастомъ?) изъ συγχωρῆσαι το. 7) γίνηται V Patm. 172. 8) τοῦ οἰκονόμου ἐξ αὐτοῦ τοῦ βίου τὴν ἰατρείαν проп. V.

прооуставлєніе· сѷ̑ноокраденіе[1] же· ѿ дрєвьнааго писанїа· ничьсо же въмѣнисѧ·[2] оубиственаго осоужденїа ѿрадьнѣе· тако же бо кгда
5 въ оубиствѣ ѩтъіи·[3] и прѣдъложенаа бо̀ъ̀ възъмъіи·[4] камениємь побиєніе приимаста· въ црькъвьнѣмь же обычаи· не вѣмь како същьствіе[5] нѣкако бъість· и съпо-
10 движеніе· ѩко ѿрадьнѣе мънѣти· таковааго недоуга очищєніе·[6] въ мьньшиимь[7] лѣтѣ· паче любодѣиства· таковъимь запрѣщеніе·[8] повелѣ о҃ц҃ьскоє[9] прѣданіе· вьсьде же
15 въ прѣгрѣшеніи[10] образѣ· се видѣти подобаєть прѣже вьсѣхъ· ѩково же[11] єсть цѣлмщааго положеніе· не лѣто помъішлѧти на исцѣлєніе довъльно коє бо
20 оубо ѿ лѣта исцѣлєніе боудеть· нъ изволеніе·[12] себе обращєніємь[13] цѣлмщааго· сиа ти чл҃вче бж̀іи· по мъногоу тъщанию· ѿ готовъіихъ съложъше ѯанѥ подобаєть· братьнємь повелѣніємь покаратисѧ· по
25 тъщанию посълахомъ· тъі же обычьнъіи ѯа нъі мл҃твъі къ бо̀ъ̀
л. 245 b. приносити не прѣ|стаи· дължьнъ бо єси ѩко бл҃горазоумивъіи сп҃ъ·

προθεσμίαν. ἡ[1] δὲ ἱεροσυλία παρὰ μὲν τῇ ἀρχαίᾳ γραφῇ οὐδὲν ἐνομίσθη (л. 253[b]) τῆς φονικῆς κατακρίσεως ἀνεκτοτέρα· ὁμοίως γὰρ ὅ τε ἐπὶ φόνῳ ἁλοὺς καὶ ὁ τὰ ἀνατεθέντα τῷ θεῷ ὑφελόμενος τὴν διὰ τῶν λίθων τιμωρίαν ὑπέσχον. ἐπὶ δὲ τῆς ἐκκλησιαστικῆς συνηθείας, οὐκ οἶδα ὅπως συγκατάβασίς τις ἐγένετο καὶ συμπεριφορά, ὥστε ἀνεκτότερον νομισθῆναι τὸ τῆς τοιαύτης νόσου καθάρσιον· ἐν ἐλάττονι[2] χρόνῳ παρὰ τὴν μοιχείαν τοῖς τοιούτοις τὸ ἐπιτίμιον διετάξατο ἡ τῶν πατέρων παράδοσις. πανταχοῦ δὲ ἐν πλημμελήματος εἴδει τοῦτο καθορᾶν προσήκει πρὸ πάντων, οἵα ἐστὶν ἡ τοῦ θεραπευομένου διάθεσις,[3] μὴ τὸν χρόνον οἴεσθαι πρὸς θεραπείαν ἀρκεῖν (τίς γὰρ ἂν ἐκ τοῦ χρόνου ἴασις γένοιτο;), ἀλλὰ τὴν προαίρεσιν τοῦ ἑαυτὸν δι' ἐπιστροφῆς ἰατρεύοντος.[4]

Ταῦτά σοι, ὦ ἄνθρωπε τοῦ θεοῦ, κατὰ πολλὴν σπουδὴν ἐκ τῶν προχείρων συνθέντες, διὰ τὸ δεῖν τοῖς τῶν ἀδελφῶν ἐπιτάγμασιν πείθεσθαι, κατὰ σπουδὴν ἀπεστείλαμεν. σὺ δὲ τὰς συνήθεις ὑπὲρ ἡμῶν εὐχὰς τῷ θεῷ προσάγειν[5] μὴ διαλίπῃς·[6] χρεωστεῖς γάρ, ὡς εὐγνώμων υἱός,

1) сѷ̑ноокраденїа *C.* 2) и *вставл. C.* 3) ѩтъі *U.* 4) възѣмъи *U.* 5) осоуществие *U;* съшьствѣ *H.* 6) оцищение *U.* 7) нмьшїимъ *C.* 8) запрѣщенїемь *U.* 9) о҃ц҃ьскоѥ *U.* 10) прѣгрѣшенїа *H.* 11) ѥже *U.* 12) изволенїемь *C.* 13) себѣ обращенїемь *трот. C.*

1) съ ἡ начинается въ V Patm. 172 новое правило η'. 2) γὰρ вставл. V Patm. 172. 3) καὶ вставл. Patm. 172. 4) θεραπεύοντος V Patm. 172. 5) προσάγων V Patm. 172. 6) διαλείπῃς V Patm. 172.

по бѫ̀ рожьшюмоу тѧ· мт̑вѣы
вѣспїсавѣшиихъ· [1] по ѕаповѣди
чьти родителѧ· да бл̑го ти боу-
детъ· швѣ же шко же образъ чи-
стителъскыи [2] приимеши· писаниѥ [3]
ї [4] не вещьствоукши [5] дароу· аще
и малѣѥ [6] твоѥѧ великыѧ хѵтрости
боудоутъ·

τῷ κατὰ θεόν σε γεννήσαντι τὴν διὰ
τῶν προσευχῶν γηροκομίαν, κατὰ τὴν
ἐντολὴν τὴν κελεύουσαν τιμᾶν τοὺς
γονέας, ἵνα εὖ σοι γένηται καὶ ἔσῃ μα-
κροχρόνιος ἐπὶ τῆς γῆς. δῆλον δέ, [1] ὡς
σύμβολον ἱερατικὸν δέξῃ τὸ γράμμα
καὶ οὐκ ἀτιμάσεις τὸ ξένιον, κἂν μικρό-
τερον τῆς σῆς μεγαλοφυίας εἴη. [2]

1) вѣспнсавшїихъ *C.* 2) честителъскыи *C.* 3) писании *V.* 4) ї *пропущ. V.* 5) *cod.* т *по скобл., а* ѥ *переправл. изъ* и. 5) малоѥ *C.*

1) ὅτι вставл. V Patm. 172. 2) ἦ V Patm. 172.

сѣдаго [1] григорїа бѡсловьца· ѡ числьнъıихъ [2] его творении· о сѵ̃ненъıихъ кънигахъ· ветъхаго и новаго ѕавѣта число мѣрьное· [3]

Въображены [4] оубо бъıша кънигы· десатеръı и дъвое· вьса дрѣвьнаа жидовьскъıа моудрости· пьрвое бытие· посемь исходъ левгитьскъıа· посемь числа· та [5] же въторъıи ѕаконъ· по сихъ исоусъ [6] и соудиа· рѹдь осмъıа· девтое же и десатое кънигы· дѣıаниа цр̃ства· и остатъчьнъıа· послѣди ездроу имѣши· стихеръ же пать· ѡ нихъже пьрвѣе иовъ· посемь дв̃дъ· посемь три соломона· цр̃квьникъ· [7] пѣснь и притъча и плачеве тако же· дх̃а прр̃чьска· ѥдини оубо соуть· ѕ̃· писании· осис· [8] и амосъ же· и михеа· три и по сихъ ионилъ· та [9] же иона· и авдиа· наоумъ же и амвакоумъ· [10] и софѡниа· анг̃ѣа· [11] потомь ѕахариа· и малахиа·

(л. 254[a—b]). * ΤΟΥ ΑΓΙΟΥ ΓΡΗΓΟΡΙΟΥ ΤΟΥ ΘΕΟΛΟΓΟΥ ΕΚ ΤΩΝ ΕΜΜΕΤΡΩΝ ΑΥΤΟΥ ΠΟΙΗΜΑΤΩΝ. (in. m. ΠΕΡΙ ΤΩΝ ΒΙΒΛΙΩΝ ΠΑΛΑΙΑΣ ΚΑΙ ΚΑΙΝΗΣ. ΑΡΙΘΜΗΣΙΣ ΕΜΜΕΤΡΟΣ.) [1]

Ὄφρα δὲ μὴ ξείνῃσι νόον κλέπτοιο βίβλοισι, δείχνυσο [2] τοῦτον ἐμοῖο τὸν [3] ἐγκρίτων, [4] ὦ φιλάριθμον. [5]

Ἱστορικαὶ μὲν εἴασι [6] βίβλοι δύο καὶ δέκα πᾶσαι τῆς ἀρχαιοτέρης Ἑβραϊκῆς σοφίης. πρώτη Γένεσις, εἶτ' Ἔξοδος, Λευϊτικόν, ἔπειτ' Ἀριθμοί· εἶτα Δεύτερος νόμος· ἔπειτα [7] Ἰησοῦς καὶ Κριταί· Ῥοὺθ ὀγδόη· ἡ δὲ αὐτὴ [8] δεκάτη τε βίβλοι, πράξεις Βασιλειῶν [9] καὶ Παραλειπόμεναι· ἔσχατον Ἔσδραν ἔχεις. αἱ δὲ στιχέραι [10] ε′, ὧν πρῶτος Ἰώβ, ἔπειτα Δαυίδης, [11] εἶτα τρεῖς Σολομώντειαι, [12] Ἐκκλησιαστὴς Ἆσμα καὶ Παροιμίαι· καὶ πένθος [13] ὁμοίως πνεύματος προφητικοῦ, μίαν μέν εἰσιν εἰς γραφὴν οἱ δώδεκα, Ὡσηὲ Ἀμώς τε καὶ Μιχαίας ὁ τρίτος· ἔπειτ' Ἰωήλ, εἶτ' Ἰωνᾶς καὶ Αὐδίας, Ναούμ τε Ἀμβακούμ τε καὶ Σοφονίας, Ἀγγαίας, [14] εἶτα Ζαχαρίας καὶ Μαλαχίας.

---

1) *У проп. все посланіе Григорія Богослова.* 2) числены *C.* 3) *C in m.* к̃г. 4) Въображеныи *C.* 5) тако *C.* 6) исоу̃ + *C u in m. другой рукой* + навги̃. 7) цркьникъ *cod.* 8) осїи *C.* 9) тако *C.* 10) авакѕмъ *C.* 11) аггѣа *C.*

* Въ V отсутствуетъ (вырв.?) это произведеніе Григорія Богослова.

1) cod. in m. рукой XIII в. кѕ′; поставленное въ скобки отсутствуетъ въ P. 2) δέχνυσο P. 3) ἐμείοτον cod. 4) ἔγκριτον P. 5) φίλ' ἀριθμόν P. 6) ἔασι P. 7) ἔπειτ' P. 8) δ' ἐνάτη P (вм. δὲ αὐτὴ). 9) Βασιλείων P. 10) στιχηραὶ P. 11) Δαυὶδ P. 12) Σολομόντιαι P. 13) πένθ' P. 14) Ἀγγαῖος P.

кдинъı оубо· вътораıа же исаıа· посемь нарече̑нъ иеремıа изъ млада·[1] та[2] же иезе|киль· и данилъ· бл҃годать дрѣвьнаıа оубо положиша· к҃· и дъвое кънигъı· жидовьскъıимь писанıе·[3] противоу положенъı· двое же ницьти· новъıа таиноу· матѳѣи оубо написа жидомъ· чюдеса х҃ва· марко же· италıи· лоука же ахаıи· вьсѣмъ же ıѡанъ проповѣдьникъ· велıи на нб҃са въшьдъ· по семь дѣıанıа прѣмоудръıихъ апл҃ъ· десать же павьлъ и четъıри посъланıа·[4] семь же съборьнъıихъ· ѿ нихъже иаковлı кдина· дъвѣ же петровѣ· г҃· оубо иоановъı пакъı же иоу҃дина[5] семаı· въсѣхъ имаши· ıще же сихъ развѣ не приложиши·[6]

μία μὲν οἵδε,[1] δευτέρα δὲ[2] Ἡσαΐας, ἔπειτα[3] ὁ κληθεὶς Ἱερεμίας ἐκ βρέφους, εἶτα[4] Ἰεζεκιὴλ καὶ Δανιῆλος ὡς[5] χάρις. ἀρχαίας μὲν ἔθηκαν[6] δύω καὶ εἴκοσι βίβλους,[7] τοῖς τῶν Ἑβραίων γράμμασιν ἀντιθέτους. εἰ δ' αὖ ἴδῃς,[8] ἀρίθμει καὶ νέου μυστηρίου. Ματθαῖος μὲν ἔγραψεν Ἑβραίοις θαύματα Χριστοῦ, Μάρκος δὲ[9] Ἰταλίῃ, Λουκᾶς Ἀχαΐαδι,[10] πᾶσι[11] δ' Ἰωάννης κήρυξ μέγας, οὐρανοφοίτης, ἔπειτα Πράξεις τῶν σοφῶν ἀποστόλων. δέκα δὲ Παύλου τέσσαρές[12] τε[13] (л. 254[b]) ἐπιστολαί. ἑπτὰ δὲ καθολικαί, ὧν Ἰακώβου μία, δυὸ[14] δὲ Πέτρου, τρεῖς δὲ[15] Ἰωάννου πάλιν Ἰούδα δ'[16] ἐστὶν ἑβδόμη· πάσας ἔχεις. ἔτι[17] δὲ τούτων ἐκτὸς οὐκ ἐν γυνησίαις.[18]

л. 246 а.

1) мада *C.* 2) тако *C.* 3) писанїемь *П.* 4) *C in m. другой рукой* сна дв҃ѣ. 5) иоудина *П.* 6) *cod. добавл.* ·тако· wфреме грѣшьниче не лѣнисѧ·:·

1) οἱ δὲ cod. 2) δ' P. 3) ἔπειτ' P. 4) εἶτ' P. 5) Δανιήλος ὁς cod.; вмѣсто этого, Δανιήλου P. 6) cod. конечное ν надпис. рукой X в.; ἔθηκα P. 7) cod. in m.: ὅτι τῆς παλαιᾶς ἔθηκαν δύο καὶ εἴκοσι βίβλους. 8) ηδαυΐδης cod.; вмѣсто этого, ἤδη δ' P. 9) δ' P. 10) Ἀχαϊάδι P. 11) πάση cod. 12) τέσσαρις cod. 13) τ' P. 14) δύο P. 15) δ' P. 16) υἱουδᾶδ cod. 17) εἴ τι P (вм. ἔτι). 18) γνησίαις P.

сѣаго[1] амфилохиа епп̃а· иконискаго·[2] ѿ словесъ къ селевькию·

Нъ оно шбаче оувѣдѣти· паче подобно· не вьсѣкъı кънигъı твьрдъıи чисто имѧ написанию· сътажавъша· соуть бо[3] когда лъженмены[4] кънигъı· нѣции оубо срѣдьнии· и соусѣди· шко аще къто речеть истиньıихъ слово· цюжии же оубо и зѣло блазньıи· акъı неврѣгомъı·[5] и цюжа златьникъı· иже цр̃стию[6] бо образъ имоуть· нести же соуть· въ вещи прѣльщающе· того ради ти бодъхновенъıихъ рекоу[7] кънигъ
л. 246 b. кıхъжьдо·[8] шко аще доброизвлиньно· навъıкнеши· ветъхаго завѣта· а· рекоу· пентатеоухъ· въıтие посемь исходъ· левгитьскъıи срѣдьнии кънигъı имать· съ нимиже числа· посемь вътороıи законъ· въ сихъ іса·[9] приложи и соудиа· посемь роуфь· цр̃ьствии[10] четверъı[11] кънигъ·[12] остатъчьнъıихъ оубо кънигъı

(л. 254b—255b).* ΤΟΥ 'ΕΝ ΆΓΙΟΙΣ[1] 'ΑΜΦΙΛΟΧΙΟΥ 'ΕΠΙΣΚΟΠΟΥ 'ΙΚΟΝΙΟΥ 'ΕΚ ΤΩΝ ΠΡΟΣ ΣΕΛΕΥΚΟΝ 'ΙΑΜΒΩΝ. (in m. 'ΕΜΜΕΤΡΑ.)[2]

Πλὴν ἀλλ' ἐκεῖνο προσμαθεῖν μάλιστά σοι προσῆκον. οὐχ[3] ἅπασα βίβλος ἀσφαλὴς ἢ[4] σεμνὸν ὄνομα τῆς γραφῆς κεκτημένη.[5] εἰσὶ γάρ εἰσιν ἔθος τε[6] ψευδώνυμοι βίβλοι, τινὲς μὲν ἐμμέσοι[7] καὶ γείτονες, ὡς ἄν τις εἴποι, τῶν ἀληθείας λόγων, αἱ δ' ἄρα νόθοι τε καὶ λίαν ἐπισφαλεῖς, ὥσπερ παράσημα καὶ νόθα νομίσματα, ἃ βασιλέως μὲν τὴν ἐπιγραφὴν ἔχει, κίβδηλα δέ[8] ἐστιν ταῖς ὕλαις δολωμένα.[9] τούτου χάριν σοι τῶν θεοπνεύστων ἐρῶ βίβλων[10] ἑκάστην. ὡς δ' ἂν εὐκρινεστάτως[11] μάθοις,[12] τὰ[13] τῆς Παλαιᾶς πρῶτα Διαθήκης ἐρῶ. ἡ Πεντάτευχος τὴν Κτίσιν,[14] εἶτ' Ἔξοδον, Λευϊτικόν τε τὴν μέσην βίβλον ἔχει, μεθ' ἣν Ἀριθμούς, εἶτα Δευτερονόμιον, τούτοις Ἰησοῦν προστίθει.[15] καὶ τοὺς Κριτάς. ἔπειτα τὴν Ῥούθ. Βασιλειῶν[16] τέσσαρας βίβλους· Παραλειπομένων δέ γε βίβλους

---

1) *У проп. все посланіе Амфилохія къ Селевку.* 2) *cod. переправл.* к *послѣ* с *изъ* т. 3) бо *проп. C.* 4) лженмены *П.* 5) некрѣгомыи *П.* 6) цр̃твию *ПС.* 7) *cod.* є *по скобл.* 8) книгыхъ̃ѡ *П* (*вм.* кънигъ кıхъжьдо). 9) іс̃ + *C и in т. другой рукой* нач̃н̃. 10) цр̃ьствіи *ПС.* 11) четверыи *П.* 12) *cod. ставитъ точку на мѣсто выскобленной палочки* (*т. е. первонач. было* кънигъı).

* Въ V отсутствуетъ (вырв.?) это произведеніе Амфилохія.

1) πατρὸς ἡμῶν встав. P. 2) cod. in m. рукой XIII в. κζ'; поставленное въ скобки отсутств. въ P. 3) οὐκ cod. 4) ἡ P. 5) κεκτημένη (κεκημένη Patm. 172) τῆς γραφῆς P. 6) ἔσθ' ὅτε P (вм. ἔθος τε). 7) ἔμμεσοι P. 8) δ' P. 9) δολούμενα P. 10) βίβλον P. 11) εὐκρινῶς P. 12) μάθῃς P. 13) τὰς P. 14) κτῆσιν cod. 15) πρόστηθι cod. 16) δὲ встав. P.

дъвою· ѣздръı въ нихъ· а· посемь
въторыи прочеѥ· стихъръ патеръı
кънигъı рекоу· вѣньчавъшаса
страстьми различьнами· иова·
пьсалъмъ же кънигъı· доброчиньнъı· дш҃амъ ицѣлениѥ· три [1]
же соломона прѣмоудраго притъча· цр҃квьника· пѣснь же пѣсньмъ·
сиа прр҃къı· приложивъ·[2] ві· осиѥ
пьрвѣѥ· по нѣмь амосъ· михеа·
ионлъ· авдию образъ ионъı·[3] три-
днѣвьнъıа страсти· наоума съ ними
амвакоума·[4] посемь єдиного софо-
нию· аггеа же и захарию· дъвоимє-
нита же анъгела[5] малахию· съ ними-
же прр҃къı оувѣжь· д· дьрзаго вели-
каго исаию· иеремию же милостива-
го· и таинаго єзекиля· послѣдь же
данила· того же дѣлъı[6] и словесъı[7]
прѣмоудраго· къ тѣмъ прилага-
ютъ[8] шестиръ нѣции новаго завѣта-
вижь ми кънигъı глати· ѣваньгѣлисти
четъıри· | приимлан єдинъı· матѳея по-
семь марка· съ лоукою[9] третиѥю при-
ложивъ· чьти иѡана лѣтолъ четвьрта-
го· нъ въ пьрвѣиша въсотою· повє-
лѣ[ни]и[10] громова бо сна въправьдоу

δύο. Ἔσδρας ἐπ' αὐταῖς πρῶτος, εἶθ' ὁ[1] δεύτερος. ἑξῆς στιχήρας[2] πέντε σοι βίβλους ἐρῶ· στεφθέντος ἄθλοις ποικίλων παθῶν Ἰώβ, Ψαλμῶν τε βίβλον, ἐμμελὲς ψυχῶν ἄκος. τρεῖς[3] δ' αὖ Σολομῶντος τοῦ σοφοῦ· Παροιμίας,[4] Ἐκκλη(л. 255ᵃ)σιαστήν, Ἆσμά τε τῶν ἀσμάτων. ταύτας[5] προφήτας προστίθει[6] τοὺς δώδεκα· Ὡσηὲ πρῶτος,[7] εἶτα[8] Ἀμὼς τὸν δεύτερον, Μιχαίαν, Ἰωήλ, Αὐδίαν καὶ τὸν τύπον Ἰωνᾶν αὐτοῦ τοῦ τριημέρου πάθους, Ναοὺμ μετ' αὐτούς, Ἀμβακούμ, εἶτα[9] ἕνα τὸν[10] Σοφονίαν, Ἀγγαῖόν τε καὶ Ζαχαρίαν, διώνυμόν τε ἄγγελον[11] Μαλαχίαν. μεθ' οὓς προφήτας μάνθανε[12] τοὺς τέσσαρας, παῤῥησιαστὴν τὸν μέγαν Ἡσαΐαν, Ἱερεμίαν τε συμπαθῆ[13] καὶ μυστικὸν Ἰεζεκιήλ, ἔσχατον δὲ Δανιήλ, τὸν αὐτὸν ἔργοις καὶ λόγοις σοφώτατον. τούτοις προσεγκρίνουσι τὴν Ἐσθὴρ τινες. Καινῆς[14] Διαθήκης ὅρα[15] μοι βίβλους λέγειν. εὐαγγελιστὰς τέσσαρας δέχου μόνους, л. 247 а.
Ματθαῖον, εἶτα Μάρκον, σοὶ[16] Λουκᾶν τρίτον προσθεὶς ἀρίθμει τὸν Ἰωάννην χρόνῳ τέταρτον, ἀλλὰ πρῶτον ὕψει δογμάτων·[17] βροντῆς γὰρ υἱὸν εἰκότως

---

1) при *C.* 2) приложи къ *П.* 3) образъı они *cod.* 4) аввакѵма *C.* 5) а҃ггла *C.* 6) и даниилъ *C* (*вм.* дѣлъı). 7) и *вставл. П.* 8) к тѣмъ прилагаютъ *вставл. C.* 9) лѵк + *C и in т. другой рукой* с лѵкою. 10) *исправл. по П.*

1) εἶτ' ο cod. 2) στηχείρας cod.; στιχηρὰς P. 3) τρεισο cod. 4) cod. вставл. ι между α и ς. 5) ταύταις P. 6) πρόστιθι cod. 7) πρῶτον P. 8) εἶτ' P. 9) εἶτ' P. 10) εἶτ' ἔννατον P (вм. εἶτα ἕνα τὸν). 11) ἀγγε ον Patm. 172, такъ какъ выскобл. λ. 12) μενθανε cod., но ε (послѣ μ) зачеркнуто и надпис. ά. 13) συνπαθεῖ cod. 14) κενῆς cod. 15) ὥρα P. 16) ᾧ P. 17) ὑψηδόματων cod., при чемъ δο по скобл. (вм. λο?), а in m. допис. δογ.

того ѯовоу· велиѥ възглашьша бг̃ слово· приими же кънигы· лоукы· вътороѥ[1] съборьныихъ дѣании и[2] ап̃лъ· съсоудъ оу· нѣгоже[3] приложи· изьвранааго ꙗзыкъмь· проповѣдьника ап̃ла павьла· моудро написавъше цр̃квамъ посъланиꙗ·[4] дъва кратъı· ѯ· римлꙗномъ· а· или[5] подобаѥть съчетати· къ кореньдѣомъ· в· къ галатомъ же и[6] къ ѣфесиомъ· съ нимиже· къ филиписномъ· по семь написано къ колоса[illegible]ѥмъ· и къ селоуникомъ· в· къ тимодею· и къ титоу и филимоноу· а· [коеѭо][7] къ еврѣомъ· пьрвоѥ нѣции же[8] рѣша· иже къ оврѣомъ· небрѣгомо и не добрѣ гл̃ющиа· присна бо бл̃гдть· въıваѥть прочеѥ съборьныихъ посълании· нѣции же семь рѣша· ови же· г· тъкмо· подобаѥть же приимати ıꙗковла ѥдино·[9] ѥдино петрово· ıоаново[10] ѥдино· нѣции же· г· и къ тѣмъ дъвѣ петровѣ прикмлють· ıюдино ѥдино· Ѡкръвении же ıѡана пакъı· нѣции же ızвирають мъножаишии[11] же небрѣгомо гл̃ють· сѣ[12] нелъжьныи канонъ· оубо боудеть бг̃дъхновенъıихъ писании·

л. 247 b.

τοῦτον καλῶ, μέγιστον ἠχήσαντα τῷ θεῷ λόγον.[1] δέχου δὲ βίβλον Λουκᾶ καὶ τὴν δευτέραν, τὴν τῶν καθολικῶν Πράξεων ἀποστόλων. τὸ σκεῦος ἐξῆς πρόστηθι[2] τῆς ἐκλογῆς, τὸν τῶν ἐθνῶν κήρυκα, τὸν ἀπόστολον Παῦλον, σοφῶς γράψαντα ταῖς ἐκκλησίαις ἐπιστολὰς δὶς ἑπτά· Ῥωμαίοις α′, ἢ[3] χρὴ συνάπτειν πρὸς Κορινθίους δύο, τὴν πρὸς Γαλάτας τε καὶ πρὸς Ἐφεσίους, μεθ' ἣν τὴν ἐν Φιλίπποις, εἶτα τὴν γεγραμμένην Κολοσσαεῦσι, Θεσσαλονικεῦσι β′, β′ Τιμοθέῳ, Τίτῳ τε[4] καὶ Φιλή(л. 255[b])μονι μία[5] ἑκατέρῳ·[6] γνησία γὰρ ἡ χάρις. εἶεν τι[7] λοιπὸν καθολικῶν ἐπιστολῶν τινες μὲν ἑπτά φασιν, οἱ δὲ τρεῖς μόνας χρῆναι δέχεσθαι, τὴν Ἰακώβου μίαν, μίαν δὲ Πέτρου, τῶν[8] Ἰωάννου μίαν.[9] τινὲς δὲ τὰς τρεῖς καὶ πρὸς αὐταῖς τὰς δύο Πέτρου δέχονται, τὴν Ἰούδα[10] ἑβδόμην. τὴν δὲ[11] Ἀποκάλυψιν τὴν Ἰωάννου πάλιν τινὲς μὲν ἐγκρίνουσι, οἱ πλείους δέ γε νόθον λέγουσι. οὗτος ἀψευδέστατος κανὼν ἂν εἴη τῶν θεοπνεύστων γραφῶν.

---

1) вторноѥ *П.* 2) и *проп. П.* 3) нъ *вставл. cod., но вычеркив.* 4) *cod. переправл.* и *изъ* ıв. 5) ли *С.* 6) къ галатомъ же и *проп. С.* 7) *вставка изъ П.* 8) ижѥ *П.* 9) ѥди *вставл. С.* 10) ıѡанново *ПС.* 11) множаишеи *П.* 12) сѣ *П.*

1) λόγῳ Р. 2) προστίθει Р. 3) ἢ Р. 4) δὲ Р. 5) μίαν Р. 6) καὶ πρὸς Ἑβραίους μίαν. τινὲς δέ φασι τὴν πρὸς Ἑβραίους νόθον, οὐκ εὖ λέγοντες вставл. Р. 7) τί Р. 8) τ' вставл. Р. 9) слова μίαν δὲ Πέτρου τῶν Ἰωάννου μίαν cod. in m. 10) δ' вставл. Р. 11) δ' Р.

прⷭ҃таго анастасиа· патриарха антиохиискаго[1] сказаніе· ꙗко велиⷣ аньгѣльскоⷤ[2] и чистительскаго достоꙗниа· ꙗко не възможьно осоу-
5 жати· иереа ѿ простьцⷯ· нъ ѿ вашьшаго сⷮ҃ителя· ꙗко же и канони рѣша[3] о вжⷣьствьнѣи рацѣ и о моученицѣ·[4]

10

Въ цр҃квьнѣмь сказаніи· филона философа·[5] обрѣтоша нѣчьто[6] таково· ꙗко оубо въ врѣмⷯ
15 гонениа· епⷭ҃ъ нѣкыи· ѿлоучи прозвутера[7] ѿ слоужьбы· шьдъ оубо прозвитеръ[8] въ иноу страноу нѣкоѥ ради потрѣбы по сключаю[9] же ѿтъ бысть· на моученик ѿ елинъ·[10] и много моученъ бывъ· прѣтърпѣ и оусѣченъ бывъ· и бы҃ мч҃къ хв҃ъ· кънⷯзь оубо града того хрьстиꙗнъ сы· възможе[11] имѣниемь себѣ приати тѣло (л. 255[b]—256[b]). * ΤΟΥ ΑΓΙΩΤΑΤΟΥ ΑΝΑΣΤΑΣΙΟΥ ΠΑΤΡΙΑΡΧΟΥ ΑΝΤΙΟΧΕΙΑΣ ΑΠΟΔΕΙΞΙΣ,[1] ΟΤΙ ΜΕΓΑ ΚΑΙ ΑΓΓΕΛΙΚΟΝ ΤΟ ΑΡΧΙΕΡΑΤΙΚΟΝ ΑΞΙΩΜΑ ΚΑΙ ΟΤΙ[2] ΑΔΥΝΑΤΟΝ ΑΝΑΚΡΙΝΕΣΘΑΙ ΙΕΡΕΑ ΥΠΟ ΛΑΪΚΟΥ, ΑΛΛ' ΥΠΟ ΜΕΙΖΟΝΟΣ ΑΡΧΙΕΡΕΩΣ, ΚΑΘΩΣ ΚΑΙ ΟΙ ΚΑΝΟΝΕΣ ΦΑΣΙΝ. (in m. ΠΕΡΙ ΤΗΣ ΘΕΙΑΣ ΛΑΡΝΑΚΟΣ ΚΑΙ ΤΟΥ[3] ΜΑΡΤΥΡΟΣ.)[4]

Ἐν τῇ ἐκκλησιαστικῇ ἱστορίᾳ Φίλωνος τοῦ φιλοσόφου εὑρόν τι τοιοῦτον, ὅτιπερ ἐν τῷ καιρῷ τοῦ διωγμοῦ ἐπίσκοπός τις ἠφόρισεν[5] πρεσβύτερον ἐκ[6] τῆς λειτουργίας. ἀπελθὼν οὖν ὁ πρεσβύτερος εἰς ἑτέραν χώραν διά τινας χρείας, κατὰ συγκυρίαν ἐκρατήθη εἰς μαρτύριον ὑπὸ τῶν Ἑλλήνων, καὶ[7] πολλὰ[8] βασανισθεὶς ὑπέμεινεν καὶ ἀπεκεφαλίσθη[9] καὶ γέγονεν μάρτυς τοῦ Χριστοῦ.[10] ὁ οὖν[11] ἄρχων τῆς πόλεως,[12] χριστιανὸς ὤν, ἠδυνήθη διὰ χρημάτων περιποιήσασθαι[13] τὸ σῶμα τοῦ

---

1) антіискаго *C.* 2) аггльскоѥ *C.* 3) *cod. переправл.* ш *изъ* к. 4) *C in m.* кд. 5) филосова *C.* 6) нѣцьто *У.* 7) прозвитера *П.* 8) прозвоутеръ *П.* 9) сключанию *У.* 10) елины *П.* 11) възможе *C.*

* Въ составъ PV это произведеніе Анастасія не входитъ. Варіанты приведены изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 184[b]—184[a] (=Vind.) и Petropol. 208 л. 183 (=P_2).

1) cod. переправл. изъ ἀποδείξεις. 2) ὅτι καὶ Vind. 3) ἁγίου вставл. P_2. 4) поставленное въ скобки отсутствуетъ въ Vind.; κη' cod. in m. рукой XIII в. 5) ἠφόρησεν cod.; ἀφώρισε P_2 Vind. 6) ἐκ проп. Vind. 7) καὶ проп. P_2. 8) τε вставл. P_2. 9) τὴν κεφαλὴν ἀπετμήθη P_2 (вм. ἀπεκεφαλίσθη). 10) καὶ γέγονεν μάρτυς τοῦ Χριστοῦ проп. Vind.; καὶ τοῦ Χριστοῦ μάρτυς γέγονεν P_2. 11) γοῦν P_2. 12) χώρας P_2. 13) ἑαυτῷ вставл. Vind.

мчⷱка· мимоуѣшю же гонѣнію· съзѣда кѣнѧзь цр҃квь томоу же мчⷱкоу· положиша въноутрь чистительства· тѣло мчⷱка въ рацѣ· събьра же страноу вьсю и[1] єпⷭ҇па· хотѧ сътворити обновлѣніе цр҃кви· и ꙗко нача вечерьню рекъ миръ вьсѣмъ· начатъ рака ходити о себѣ·[2] и изиде ис[3] црькъвє·[4] страхъ оубо и трепетъ прия[5] вьсѧ· и изнесъше оужа и влѣкоша ракоу на мѣсто | своє· и давъшю вътороє миръ єпⷭ҇коу·[6] пакы[7] нача рака исходити[8] ис цр҃кве·[9] нача же кнѧзь и вьсь домъ ѥго плакати· послѣжеѥ

μάρτυρος. παρελθόντος γοῦν[1] τοῦ διωγμοῦ, ἔκτισεν[2] ὁ ἄρχων τὴν[3] ἐκκλησίαν[4] τῷ αὐτῷ ἁγίῳ[5] μάρτυρι, καταθέμενος ἔνδον[6] ἐν τῷ ἱερατείῳ[7] τὸ[8] (л. 256ᵃ) σῶμα τοῦ μάρτυρος[9] ἐν λάρνακι. συνήθροισεν γοῦν[10] τὴν χώραν πᾶσαν καὶ τὸν ἐπίσκοπον, βουλόμενος ποιήσασθαι[11] τὰ ἐγκαίνια τοῦ ναοῦ.[12] καὶ ὡς μόνον ἤρξατο τοῦ λυχνικοῦ[13] εἰπὼν τὸ εἰρήνη πᾶσι,[14] ἤρξατο[15] ἡ λάρναξ περιπατεῖν ἀφ' ἑαυτῆς[16] καὶ ἐξῆλθεν[17] τοῦ ναοῦ.[18] φόβος οὖν[19] καὶ τρόμος ἔλαβεν πάντας.[20] καὶ ἐνέγκαντες σχοινία εἵλκυσαν πάλιν τὴν λάρνακα ἔσω[21] ἐν τῷ τόπῳ αὐτῆς.[22] καὶ δώσαντος[23] ἐκ δευτέρου τὴν εἰρήνην τοῦ ἐπισκόπου, πάλιν ἤρξατο ἡ λάρναξ ὑπεξελθεῖν[24] τοῦ ναοῦ. ἤρξατο οὖν ὁ ἄρχων καὶ ὅλος ὁ οἶκος αὐτοῦ θρηνεῖν καὶ ἐξομολογεῖσθαι[25] τῷ θεῷ,[26] ἐσχάτως

1) и *проп. С.* 2) соѥ *У.* 3) и *У.* 4) *cod. переправл.* ꙗ изъ и; цр҃кви *У.* 5) приша *У.* 6) єпископоу *ПС.* 7) и *вставл. П.* 8) и *вставл. П.* 9) цр҃кви *У.*

1) οὖν Vind.; μέντοι P_2. 2) ἔκτισεν проп. P_2. 3) τὴν проп. P_2. 4) ἐκκλησίαν ὁ ἄρχων P_2. 5) ἱδρύσατο вставл. P_2. 6) ἔνδον проп. Vind. 7) τοῦ ἱερατείου P_2 (вм. ἐν τῷ ἱερατείῳ). 8) τίμιον ἐκείνου вставл. P_2. 9) τοῦ μάρτυρος проп. P_2. 10) γοῦν проп. P_2. 11) βουλόμενος ποιήσασθαι проп. P_2. 12) ἐκτελέσαι βουλόμενος вставл. P_2. 13) τοῦ λυχνικοῦ ἤρξατο P_2. 14) πάση cod.; εἰρήνη πᾶσι φθεγξάμενος P_2 (вм. εἰπὼν τὸ εἰρήνη πᾶσι). 15) ἐπεχείρησεν P_2. 16) ἀφ' ἑαυτῆς ἡ λάρναξ περιπατεῖν P_2. 17) ἐξέρχεσθαι P_2. 18) ὅθεν вставл. P_2. 19) οὖν проп. P_2. 20) πάντας κατέλαβε P_2. 21) ἔσω проп. Vind. 22) σχοινία τε ἤνεγκαν καὶ τὴν λάρνακα ἐν τῷ τόπῳ αὐτῆς εἵλκυον φωνήσαντος P_2 (вм. καὶ ἐνέγκαντες σχοινία... αὐτῆς). 23) δόντος P_2 Vind. 24) ὑπεξέρχεσθαι P_2 Vind.; ὑπεξέρχεσθαι πάλιν ἡ λάρναξ ἤρξατο P_2. 25) εὐθὺς δὲ ὁ ἄρχων ἐθρήνει καὶ ὁ αὐτοῦ ὅλος οἶκος ἐκόπτετο ἐξωμολογοῦντο τε P_2 (вм. ἤρξατο οὖν ὁ ἄρχων... ἐξομολογεῖσθαι). 26) κυρίῳ P_2 Vind.

мьнѧщіе [1] ѩко грѣхъ [2] ради ихъ· не хощетъ жити въ цр҃кве ихъ сѵ҃тыи· постигъши же ноци· приде моученикъ къ еп҃оу гл҃а· сътвори любъвь и потроудисѧ въ сии градъ къ еп҃оу моемоу· и сътвори и раздрѣшити мѧ ѿ запрѣщенїа· ѩко ѿлоучи [3] мѧ [4] слоужьбъı и не могоу съ вами слоужити· и вѣнець [5] оубо моученїа приѩхъ лицѧ [6] же х҃ва не вижю заиѥ бъıти ми подъ ѿлоученїемь· и да не мьнитъ ти сѧ тебѣ раздрѣшити мене· ѩко аще съвѧзавъıи мѧ не раздрѣшитъ мене ни слоужити могоу съ вами· ни лицѧ [7] х҃ва видѣти· ѩко тъ рече чистителюмъ· ѩко аще съвѧжете [8] на земли· боудетъ съвѧзано [9] и [10] на нб҃сѣхъ· поимъ оубо еп҃ъ съ собою кнѧза и клирикъı нѣкъıѧ·

νομίσαντες ὅτι διὰ τὰς [1] ἁμαρτίας αὐτῶν [2] οὐ καταδέχεται οἰκῆσαι [3] ἐν τῷ ναῷ αὐτῶν ὁ ἅγιος. [4] καταλαβούσης δὲ τῆς [5] νυκτός, [6] ἐπέστη [7] ὁ μάρτυς [8] τῷ ἐπισκόπῳ λέγων· [9] Ποίησον ἀγάπην καὶ κοπίασον εἰς τήνδε τὴν πόλιν πρὸς τὸν ἐπίσκοπόν μου, καὶ ποίησον [10] αὐτὸν λῦσαί [11] με ἐκ [12] τοῦ ἐπιτιμίου, [13] ὅτι ἠφώρισέν [14] με τῆς λειτουργίας καὶ οὐ δύναμαι συλλειτουργῆσαι ὑμῖν· καὶ [15] τὸν μὲν [16] στέφανον τοῦ μαρτυρίου ἔλαβον, τὸ δὲ πρόσωπον τοῦ Χριστοῦ οὐκ ἐθεασάμην διὰ τὸ εἶναί με ὑπὸ ἀφορισμόν· καὶ μὴ δόξῃ σοι σὺ [17] λῦσαί με, [18] ὅτι, [19] εἰ μὴ [20] ὁ δήσας [21] με [22] λύσῃ [23] με, οὔτε συλλειτουργῆσαι ὑμῖν δύναμαι, οὔτε τὸ πρόσωπον τοῦ Χριστοῦ θεάσασθαι, [24] ὅτι αὐτὸς εἶπεν (л. 256[b]) τοῖς ἱερεῦσιν ὅτι, [25] [c]Ὅσα ἂν δήσητε [26] ἐπὶ τῆς γῆς, ἔσται δεδεμένα ἐν τοῖς οὐρανοῖς. λαβὼν οὖν ὁ ἐπίσκοπος μεθ' ἑαυτοῦ τὸν ἄρχοντα καὶ κληρικούς τινας,

---

1) мьнѧщіе *ПС.* 2) грѣха *У.* 3) ѿлоучи *У.* 4) ѿ *вставл. П.* 5) вѣць *У.* 6) лича *У.* 7) лича *У.* 8) съвѧжеть *У.* 9) съвѧзанъ *У.* 10) и *проп. У.*

1) τῆς Vind. 2) αὐτῶν ἁμαρτίας P_2. 3) κατοικεῖν P_2. 4) ὁ ἅγιος ἐν τῷ αὐτῶν οὐ καταδέχεται ναῷ κατοικεῖν P_2. 5) καταλαβούσης δὲ τῆς проп. P_2. 6) δὲ вставл. P_2. 7) ἐπιστὰς P_2. 8) ἔφη вставл. P_2. 9) λέγων проп. P_2. 10) πεῖσον P_2. 11) ἀπολῦσαι P_2. 12) ἐκ проп. P_2. 13) τοῦ ἐπιτιμίου ἀπολῦσαί με P_2. 14) ἠφώρησεν cod.; ἀφώρισε P_2 Vind. 15) καὶ проп. P_2 16) γὰρ вставл. P_2. 17) σὺ проп. Vind.; ὅτι P_2. 18) μοι cod. 19) αὐτὸς δύνασαι P_2 (вм. ὅτι). 20) γὰρ вставл. P_2. 21) δεσμήσας P_2. 22) με проп. P_2. 23) ἀπολύσει P_2. 24) θεωρῆσαι Vind. 25) ὅτι проп. P_2. 26) δείσηται cod.

иде къ епоу и повѣда емоу о стѣмь бжіи [1] мчнцѣ· и о видѣніи и [2] въста [3] оубо скоро епъ· [4] и идѣше въслѣдъ ихъ· и шьдъ поклонисѧ стмоу мчнкоу и рече хсъ· съвѧзавъıи тѧ моего ради съмѣренига раздрѣшитъ тѧ кръве ради твоеіа за нь пролитига· въниди и слоужи съ нами· и вънесъшемъ ракоу въ чистителкство· съвершиша бжѣственое слоужение· и потомь | рака не подвижашесѧ [5] съ мѣста своего·

л. 248 b.

ἐπορεύθη πρὸς τὸν ἐπίσκοπον καὶ διηγήσατο αὐτῷ [1] τὰ κατὰ τὸν ἅγιον τοῦ θεοῦ μάρτυρα καὶ τὰ κατὰ [2] τῆς ὀπτασίας. [3] ἀναστὰς οὖν δρομαίως ἠκολούθησεν αὐτοῖς, καὶ ἐλθὼν [4] προσεκύνησεν [5] τῷ ἁγίῳ μάρτυρι [6] καὶ [7] εἶπεν· [8] Ὁ Χριστὸς ὁ δεσμήσας σε διὰ τῆς ἐμῆς ταπεινώσεως λύσῃ [9] σε διὰ τῆς τοῦ αἵματός σου ὑπὲρ αὐτοῦ ἐκχύσεως· εἴσελθε καὶ λειτούργησον σὺν [10] ἡμῖν. καὶ εἰσενεγκάντων [11] τὴν λάρνακα ἐν τῷ ἱερατείῳ, [12] ἐτέλεσαν τὴν [13] λειτουργίαν, καὶ οὐκέτι ἡ λάρναξ ἐκινήθη ἐκ [14] τοῦ τόπου αὐτῆς.

---

1) бжї *C.* 2) и *проп. У.* 3) въставъ *У.* 4) епискъпъ *C.* 5) движашесѧ *C.*

1) αὐτῷ проп. P_2 Vind. 2) κατὰ проп. P_2. 3) τὴν ὀπτασίαν Vind. 4) καὶ вставл. P_2. 5) προσκυνήσας P_2. 6) ἐλθὼν καὶ τῷ ἁγίῳ μάρτυρι προσκυνήσας P_2. 7) καὶ проп. P_2. 8) εἴρηκεν P_2. 9) λύσει P_2 Vind. 10) σὺν проп. Vind. 11) εἰσενέγκαντες Vind. 12) ἐν τῷ ἱερατείῳ τὴν λάρνακα P_2. 13) θείαν вставл. P_2 Vind. 14) ἐκ проп. P_2 Vind.

того[1] же сѧтаго анастасиа повѣсть сіѣенькна о папежи римьстѣмь· григории· дъвословьци·[2] и чюдотворьци·

Повѣда намъ нѣкъи старьць· именьмь петръ пришьдъ ѿ рима· о сѧтѣмь григории дъвословьци· папежю того града· како бъивъ папежь· съзьда манастъирь моужьскъи велии· и дасть заповѣдь·[3] да ни єдинъ же ѿ мьниҳъ своєго не имать· ничьто же никогда же· даже[4] ни до мѣдьницѣ· братъ оубо нѣкъи ѿ манастъира имѣ брата простьца· и проси оу него сѧ срачица[5] сѧ[6] не имамъ· нъ сътвори любъвь коупи ми· сѧ емоу простьць· брате[7] се три златицѣ[8] имамъ· възьмъ коупи єгоже хощеши·[9] възьмъ же братъ три златьникъ· имѣше ѿ оу себе· дроугъи же братъ видѣ и· имоуща три златьникъ· и шьдъ възвѣсти игоуменоу· игоуменъ же възвѣсти сѧтоумоу папежю· блаженъи же

(л. 256[b]—257[b]). * ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΑΓΙΩΤΑΤΟΥ[1] ΑΝΑΣΤΑΣΙΟΥ[2] ΔΙΗΓΗΣΙΣ ΙΕΡΑ[3] ΠΕΡΙ ΤΟΥ ΠΑΠΑ ΡΩΜΗΣ ΓΡΗΓΟΡΙΟΥ ΤΟΥ ΔΙΑΛΟΓΟΥ ΚΑΙ ΘΑΥΜΑΤΟΥΡΓΟΥ.

Διηγήσατο ἡμῖν τις πρεσβύτερος ὀνόματι Πέτρος, ἐλθὼν ἀπὸ Ῥώμης, περὶ τοῦ ἐν ἁγίοις Γρηγορίου τοῦ Διαλόγου, τοῦ πάπα τῆς αὐτῆς πόλεως, ὅτι γενόμενος πάπας ἔκτισεν μοναστήριον ἀνδρῶν μέγα καὶ ἔδωκεν ἐντολάς,[4] ἵνα μηδεὶς τῶν μοναχῶν ἴδιον ἔχῃ[5] τί ποτε μηδὲ[6] ἕως ὀβολοῦ. ἀδελφὸς (л. 257[a]) γοῦν[7] τις ἐκ τοῦ μοναστηρίου εἶχεν ἀδελφὸν κοσμικὸν καὶ ᾔτησεν αὐτὸν[8] λέγων· Καμάσιον[9] οὐκ ἔχω, ἀλλὰ ποίησον ἀγάπην,[10] ἀγόρασόν μοι. λέγει αὐτῷ ὁ κοσμικός· Ἀδελφέ, ἰδοὺ τρία νομίσματα. λαβὼν οὖν[11] αὐτὰ ἀγόρασον οἷον θέλεις. λαβὼν οὖν ὁ ἀδελφὸς τὰ τρία νομίσματα εἶχεν αὐτὰ παρ' ἑαυτῷ. ἄλλος δὲ ἀδελφὸς εἶδεν αὐτὸν ἔχοντα τὰ τρία νομίσματα καὶ ἀπελθὼν[12] ἀπήγγειλεν τῷ ἡγουμένῳ, ὁ δὲ ἡγούμενος ἀπήγγειλεν τῷ ἁγίῳ πάπᾳ·[13] ὁ δὲ[14] μακάριος

1) Сого *C.* 2) дъсловца *П.* 3) заповѣсть *П.* 4) да *У.* 5) срачици *П.* 6) гнѣ *C.* 7) братїе *C.* 8) златницѣ *У.* 9) хощеть *C.*

* Въ составъ PV это произведеніе Анастасія не входитъ. Варіанты приведены изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 185[b] (= Vind.) и Petropol. 208 л. 184[a]—185[a] (= P_2).

1) ἁγίου Vind.; ἁγιωτάτου проп. P_2. 2) Ἀναστασίου проп. P_2. 3) πάπαρ вставл. cod., но выскобл. πάπα, а ρ осталось. 4) ἐντολὴν P_2. 5) ἔχει cod. 6) μήτε P_2 Vind. 7) οὖν P_2 Vind. 8) αὐτῶν cod. 9) καμίσιον P_2. 10) καὶ вставл. Vind. 11) οὖν проп. P_2 Vind. 12) cod. переправл. ε изъ ῆ (т. е. писецъ хотѣлъ написать απῆλθεν). 13) αὐτὸς δ' вставл. P_2. 14) δὲ проп. P_2.

григории оувѣдѣвъ· ѿлоучи и[1] обьщениа· ꙗко раꙁдроушиваша[2] канонъı манастъıрьскъıа· по малѣ же оумьре братъ ѿлоучениъıи· не оувѣдѣвъ[3] ѿ[4] папежю· по дъвою оубо или по трьхъ дн҃ьхъ· шьдъ игоуменъ възвѣсти кмоу· ꙗко братъ почи·[5] о томь л. 249 a. оубо не мало оскърбѣ папе|жь· ꙗко прѣже ѿшьствиа кго[6] не раꙁдрѣши кго ѿ ꙁапрѣщениа· и написавъ мл҃твоу на хартию· дасть архидиꙗконоу· повелѣвъ кмоу отиⷭти· и вьрхоу на гробѣ брата[7] прочисти ю· вѣ҃ же написано сице· раꙁдрѣшисѧ ѿлоучениа оумьръıи брате· шьдъ же архидиꙗконъ ꙗко и повелѣно кмоу бъıсть· надъ[8] гробъмь брата прочьтє[9] хартию· имоущюю мл҃твоу· и въ тоу

Γρηγόριος[1] μαθὼν ἠφώρισεν[2] αὐτὸν[3] ἀπὸ[4] τῆς κοινωνίας,[5] ὡς παραλύσαντα[6] τοὺς κανόνας τοῦ μοναστηρίου. μετὰ γοῦν ὀλίγον χρόνον τελευτᾷ[7] ὁ ἀδελφὸς ὁ ἀφωρισμένος,[8] μὴ μαθόντος[9] τοῦ πάπα.[10] μετὰ γοῦν δύο ἢ τρεῖς ἡμέρας[11] ἀπελθών[12] ὁ ἡγούμενος ἀπήγγειλεν αὐτοῦ,[13] ὅτι ὁ ἀδελφὸς ἀνεπάη.[14] ἐν τούτῳ οὖν[15] οὐ μετρίως ἐλυπήθη, ὅτι πρὸ τοῦ ἐξελθεῖν αὐτὸν τοῦ βίου οὐκ ἔλυσεν αὐτὸν τοῦ ἐπιτιμίου.[16] καὶ γράψας εὐχὴν ἐν τῷ[17] πιττακίῳ[18] δέδωκεν τῷ ἀρχιδιακόνῳ, κελεύσας αὐτὸν[19] ἀπελθεῖν καὶ ἐπάνω τοῦ τάφου[20] τοῦ ἀδελφοῦ ἀναγνῶναι αὐτό. ἦν δὲ γεγραμμένον οὕτως·[21] Λέλυται[22] τοῦ ἀφορισμοῦ ὁ τελευτήσας ἀδελφός. (л. 257ᵇ) ἀπελθὼν οὖν ὁ ἀρχιδιάκων[23] ὃ[24] ἐπετράπη ἐπάνω τοῦ τάφου τοῦ ἀδελφοῦ ἀνέγνω τὸ πιττάκιον[25] τὸ ἔχον τὴν εὐχήν.[26] καὶ τῇ αὐτῇ

1) и *проп.* *C.* 2) раꙁрѣши всѧ *C.* 3) оувѣдѣвъшю *У.* 4) ѿ *проп.* *У.* 5) поꙗ *У.* 6) же *вставл.* *C.* 7) брата *C, но* а *переправл.* въ к. 8) на *П.* 9) прощьте *У.*

1) πάπας вставл. P_2. 2) ἀφώρισεν P_2 Vind. 3) αὐτὸν проп. P_2. 4) ἀπὸ проп. Vind. 5) τὸν ἀδελφὸν вставл. P_2. 6) παραλύσαντα P_2 ставитъ ниже, послѣ μοναστηρίου. 7) ἐτελεύτησεν P_2. 8) ὁ ἀφωρισμένος ἀδελφὸς P_2. 9) ἀγνοοῦντος P_2 (вм. μὴ μαθόντος). 10) τούτου τὴν τελευτήν вставл. P_2. 11) μετὰ γοῦν δευτέραν ἢ τρίτην ἡμέραν Vind.; μετὰ δύο τοίνυν ἡμέρας εἴτε καὶ τρεῖς P_2. 12) ἀπελθὼν проп. P_2. 13) αὐτῷ Vind.; τῷ πάπᾳ P_2. 14) ἀναπέπαυται P_2. 15) γοῦν Vind. 16) ὅπερ τὸν πάπα σφόδρα λελύπηκε μὴ λύσαντα ἐκεῖνον πρὸ τοῦ ἐκ τοῦ βίου ὑπεξελθεῖν· τοιγαροῦν P_2 (вм. ἐν τούτῳ οὖν... ἐπιτιμίου). 17) τῷ проп. P_2 Vind. 18) πιτακίῳ cod. 19) αὐτῷ P_2. 20) τοῦ τάφου вставл. P_2, но обводитъ точками. 21) οὕτος cod. 22) λέλυσαι P_2. 23) ἀρχιδιάκονος P_2 Vind. 24) ὡς P_2. 25) πιτάκιον cod. 26) ἀνέγνω αὐτὸ ἐπάνω τοῦ τάφου τοῦ ἀδελφοῦ Vind. (вм. ὃ ἐπετράπη... τὴν εὐχήν); τὸ τὴν εὐχήν περιέχοντι πιττακίῳ P_2 (вм. τὸ ἔχον... τὴν εὐχήν).

ношь видѣ игоуменъ брата оумьршаго и гла кмоу· не оумьралъ ли кси брате· онъ же гла кмоу· еи· и пакы въпроси и къде кси былъ до сего [1] дне· и гла кмоу братъ въистиноу въ тьмьници· и до вечерашьнаго часа· не ѿпоущенъ быхъ· оувѣдѣно же бысть вьсѣмъ· яко въ ньже часъ архидиаконъ рече мтвоу [2] гроба кго· въ тъ часъ раздрѣшенъ бысть· ѿлоучениа· и свободисѧ [3] осоужениа дша кго· и дасть хвалоу бгу въ вѣкы [4] амінь· [5]

νυκτὶ θεωρεῖ ὁ ἡγούμενος τὸν ἀδελφὸν τὸν τελευτήσαντα [1] καὶ λέγει αὐτῷ· Οὐκ ἐτελεύτησας ἀδελφέ; ὁ δὲ λέγει αὐτῷ· [2] Ναί. καὶ πάλιν ἐπηρώτησεν αὐτόν· [3] Καὶ [4] ποῦ ἦς ἕως τῆς σήμερον; λέγει αὐτῷ [5] ὁ ἀδελφός· Ὄντως εἰς τὴν φυλακήν, καὶ ἕως τῆς χθὲς τῆσδε τῆς ὥρας οὐκ ἀπελύθην. ἐγνώσθη οὖν πᾶσιν, ὅτι ἐν οἵᾳ ὥρᾳ ὁ ἀρχιδιάκων [6] τὴν εὐχὴν εἶπεν ἐπάνω τοῦ τάφου αὐτοῦ, ἐν αὐτῇ τῇ ὥρᾳ ἐλύθη [7] τοῦ ἀφορισμοῦ καὶ ἐλευθερώθη [8] τοῦ κατακρίματος ἡ ψυχὴ αὐτοῦ. καὶ ἔδωκαν αἶνον τῷ θεῷ [9] εἰς τοὺς αἰῶνας. [10] ἀμήν.

1) дего *C, но другая рука надпис.* ѳ *надъ* д *и вставл. с между* д *и* е. 2) верхю *П.* 3) сподобисѧ *C* (*вм.* и свободисѧ). 4) вѣкъ *вставл. П.* 5) досѣда *добавл. cod.* (*in т. рукой XIII в.*) *и C.*

1) τὸν τελευτήσαντα ἀδελφὸν P_2. 2) Οὐκ ἐτελεύτησας, ἀδελφέ; ὁ δὲ λέγει αὐτῷ προπ. P_2. 3) αὐτῷ P_2. 4) καὶ προπ. P_2. 5) αὐτῷ προπ. P_2. 6) ἀρχιδιάκονος P_2 Vind. 7) ἀπελύθη P_2. 8) ἠλευθερώθη P_2 Vind. 9) ᾧ ἡ δόξα вставл. P_2. 10) τῶν αἰώνων вставл. P_2.

блаженаго[1] епифанїа· и е҃п҃а кѵпрьскаго[2] повѣсть вьскорѣ написанъıихъ ересъ вьсѣхъ· рекъше повелѣнїи· ихъже матери и първıи образи· и вънменикъı· д҃· ѳ҃ ихъже вьсѣ прочаа изникоша·[3]

а҃· Варъвари иже о себѣ соѵтъ прѣбъıвъше ѳ҃ дьнии адамовъ· до десати родъ· до ноа варъварьство же нарелист. 249 b. чеса не ѳ҃ тѣхъ чл҃вкъ· | тъгда начальника· нѣкоего имѣти· или ѥдино съглашенїе· нъ ѥко же вьсакъ· кто себѣ съглашааше· и ѕаконъ себѣ по произволе҃нию своего съвѣта бъıваше·

в҃· Скѵ҃дньство· ѳ҃ дн҃ии новъ·[4] и прочее до съѕьданиа стълпа· и вавилона· по врѣмени[5] стълпа· по мъноѕѣхъ лѣтѣхъ· сирѣчь до далека и рагава· иже къ овропиноскоу[6] мѣстоу· прѣклоньшесѧ на скидиноскоую[7] страноу· и своими обычаи· изволиша ѳ҃ ѕвѣринъıи[8] въздрасти· и проче·[9] ѳ҃нюдоу же и драчане бъıша·

* ΤΟΥ ΜΑΚΑΡΙΟΥ ’ΕΠΙΦΑΝΙΟΥ ’ΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ΚΥΠΡΟΥ ΔΙΗΓΗΣΙΣ ΣΥΝΤΟΜΟΣ ΤΩΝ ’ΕΚΤΕΘΕΙΣΩΝ ΑΙΡΕΣΕΩΝ ΠΑΣΩΝ ’ΗΤΟΙ ΔΟΓΜΑΤΩΝ, ῾ΩΝ ΜΗΤΕΡΕΣ ΤΕ ΚΑΙ ΠΡΩΤΟΤΥΠΟΙ ΚΑΙ ’ΟΝΟΜΑΣΤΑΙ ΤΕΣΣΑΡΕΣ, ’ΕΞ ῾ΩΝ ΑΙ ’ΑΛΛΑΙ ΠΑΣΑΙ ’ΕΦΥΗΣΑΝ.

α΄. Βαρβαρισμός, ὅστις[1] καθ’ ἑαυτὸν[2] διήρκεσεν[3] ἀπὸ ἡμερῶν τοῦ Ἀδὰμ ἐπὶ δέκα γενεὰς ἕως τοῦ Νῶε. βαρβαρισμὸς δὲ[4] κέκληται ἀπὸ τοῦ[5] τοὺς μὴ τότε ἀνθρώπους ἀρχηγόν τινα ἔχειν ἢ μίαν συμφωνίαν, ἀλλ’ ὅτι πᾶς τις ἑαυτῷ ἐστοίχει καὶ νόμος ἑαυτῷ κατὰ τὴν προτίμησιν τοῦ ἰδίου βουλήματος ἐγίνετο.

β΄. Σκυθισμὸς ἀπὸ τῶν ἡμερῶν τοῦ Νῶε καὶ μετέπειτα ἄχρι τῆς τοῦ πύργου οἰκοδομῆς καὶ Βαβυλῶνος καὶ μετὰ τὸν τοῦ πύργου χρόνον ἐπ’ ὀλίγοις ἔτεσι, τουτέστιν ἕως Φάλεκ καὶ Ῥαγαῦ, οἵτινες ἐπὶ τὸ τῆς Εὐρώπης κλίμα ἐκνενευκότες[6] τῷ τῆς Σκυθίας μέρει καὶ τοῖς ἑαυτῶν ἔθεσι προσεκλήθησαν[7] ἀπὸ τῆς τοῦ Θήρας[8] ἡλικίας καὶ ἐπέκεινα, ἐξ οὗπερ οἱ Θρᾷκες γεγόνασιν.

---

1) *У проп. все сочиненіе Епифанія Кипрскаго о ересяхъ.* 2) коупренскаго *II.* 3) *C in m.* к҃ѳ. 4) *cod. конечное* ъ *переправл. изъ* о. 5) времени *II;* вѣрѣнн *C.* 6) офропинскѣ *C.* 7) кендинскѣю *C.* 8) звирѣным *C.* 9) прочи *C.*

* Въ составъ PV и Vallicell. F 47 трактатъ Епифанія Кипрскаго о ересяхъ не входитъ. Текстъ взятъ изъ Vindob. hist. gr. 56 л. 186ª—200ᵇ. Варіанты приведены изъ Barocc. 173 л. 133ª—150ª (= B_1) и Barocc. 185 л. 288ª—304ª (= B_2).

1) ἥτις B_1 B_2. 2) ἑαυτήν B_1 B_2. 3) ἐστὶν διαρκέσασα B_1 B_2 (вм. διήρκεσεν). 4) δὲ проп. B_1 B_2. 5) τοῦ проп. B_1 B_2. 6) εἰσνενευκότες B_1 B_2. 7) προσεκρίθησαν B_1 B_3. 8) θῆρας B_1 B_2.

Г· Єлиньство ѿ лѣтъ сероуга·[1] начьнъ коумирослоужениа· ико же творѧахоу къжьдо· тъгда по нѣкоемоу бѣсовьствии[10] на жительнѣѥ паче· и на обычаи[2] оустависъ· идолъı оубо начинающе· прилагати[3] къ чл҃вѣчьскоу[4] роду· имѧже тъгда творѧахоу в[ог]ъı[5] наричающе· и вапъı пишюще· испърва· и въображающе тъгда ѿ нихъ· почитаемъıи моучителиı· или въльшьвьникъı·[6] или нѣкъıи чьто творѧща· въ житии·[7] памѧти мьнимоѥ достоино· обиловати· или тѣлесьномъ[8] съдравиѥ[9] снхъ же по лѣтѣхъ· даръı ѻц҃а авраамаа· капища лѣсть· коумирослоужениа· съказавъше своиа прадѣдъı· въображении почьтъша· и[10] прѣже | ихъ[11] оумьршаа· съдѣлавъше ѿ скоудѣльнъıиа хъитрости пьрвѣѥ·[12] потомь коеижьдо[13] хъитрости· оуподобльшисѧ зиждителиѥ оубо[14] камень строужюще· срѣвродѣлательници же и златарѣве·[15] ѿ своеиа вещи коующе тако и ковачѣве· и прочии[16] єгѵ̈птѧне же въкоупь· и вавилоняне· и фрѵгиане· и диникии таковъıмь слоужениемь· пьрвии[17] съказателиѥ[18] въша капищетворении· и таинами·

γ'. Ἑλληνισμός, ἀπὸ τῶν χρόνων Σερούγ ἐναρξάμενος τῆς εἰδωλολατρείας καὶ ὡς ἐστοίχουν ἕκαστος τὸ τηνικαῦτα κατά τινα δεισιδαιμονίαν. ἐπὶ τὸ μάλιστα πολιτικώτερον καὶ ἐπὶ ἔθη καὶ θεσμοὺς εἰδώλων ἐναρξάμενα[1] τάττεσθαι τὰ τῶν ἀνθρώπων γένη, οἷς τότε ἐστοίχησαν, ἐθεοποίουν· καὶ διὰ μὲν χρώματων διαγράφοντες τὴν ἀρχὴν καὶ ἀπεικάζοντες τοὺς τότε παρ' αὐτοῖς τετιμημένους τυράννους, ἢ γόητας, ἢ τινάς τι δράσαντας ἐν βίῳ μνήμης δοκοῦν ἄξιον διαρκεῖν,[2] ἢ σωμάτων εὐρωστίαν· ἔπειτα δὲ ἀπὸ τῶν χρόνων τοῦ Θάῤῥα πατρὸς Ἀβραὰμ καὶ δι' ἀγαλμάτων τὴν πλάνην τῆς εἰδωλολατρείας εἰσηγησάμενοι, τοὺς ἑαυτῶν προπάτορας δι' ἀπεικονισμάτων τετιμηκότες καὶ τοὺς πρὸ ἑαυτῶν τετε- λ. 250 a.
λευτηκότας τεχνησάμενοι ἐκ κεραμεικῆς ἐπιστήμης τὸ πρῶτον. ἔπειτα ἑκάστης τέχνης μιμησαμένης οἰκοδόμοι μὲν λίθον ξέσαντες, ἀργυροκόποι δὲ καὶ χρυσοχόοι ἀπὸ τῆς ἰδίας ὕλης τεκτηνάμενοι, οὕτω καὶ τέκτονες καὶ οἱ καθεξῆς· Αἰγύπτιοι δὲ ὁμοῦ καὶ Βαβυλώνιοι καὶ Φρύγες καὶ Φοίνικες ταυτησὶ τῆς θρησκείας πρῶτοι εἰσηγηταὶ γεγόνασιν ἀγαλματοποιΐαις καὶ μυστηρίοις,

1) серѹга *C.* 2) и *вставл. II.* 3) прилалагати *C.* 4) чл҃ѣческомѹ *C.* 5) *исправл. по II.* 6) въльшьника *II.* 7) жѣити *II*; или нѣкъıи чьто творяща· въ житии *проп. C.* 8) тѣлесемь *C.* 9) *cod. переправл. а изъ ѧ, а передъ* снхъ *выскобл. 2—3 буквы и +.* 10) и *проп. C.* 11) сѣ *C.* 12) первоѥ *C.* 13) коеижде *C.* 14) ико *C, но* ви *переправл. въ* оу. 15) златареви *II.* 16) прочи *C.* 17) первии *C.* 18) сказатели *C.*

1) μέντοιγε вставл. B_1 B_2. 2) δι' ἀλκὴν B_1 B_2.

ѿ нихъже пьрваꙗ въ елинѣхъ приꙗсенѣхъ бѣша· отъ аттичьскыꙗ
въздрасти и прочее· по семь же
и послѣ же мъного·[1] о кронѣ
и прѣи· дия же· и аполона·[2] и
прочее[3] богы нарекоша· елини же
нарекошасѧ· ѿ елина нѣкоего моужа· въ елладѣ живоущихъ· ꙗко
же дроузии[4] рѣша· ѿ маслица
и[5] иже въ аттикѣхъ прозѧбъши·[6]
ионии же сихъ начальница бѣша· ꙗко же[7] имать извѣщение· ѿ
ионѹ·[8] единого моужа· стълпъ
зьдавъшихъ· егда ꙗзъци раз-
дѣлишасѧ вьсѣхъ· ею же виною·
раздѣльници вьси нарекошасѧ· раздѣленаго ради гласа· послѣдь же
елиньство· въ ересоу постоупи въ
нижьнее лѣто· рекоу же пифагорань· и стоикъ· и платонинъ· и
епикоурии·[9] и прочее бо҃чьстиꙗ
образъ бѧше въкоупь· и по естьл. 250 b. ствоу законъ живѧ· ѿ тѣхъ
ꙗзъикъ себѣ ѡлоучаи· ѿ съложениꙗ
мира и до сьде сан· варъварьство и
скифьство· и елиньство· донъдеже
съкоуписа[10] аврамово бо҃чьстие·

Д· Июдѣиство ѿ лѣтъ авраманъ·
образъ и обрѣзание приимъ·
и о мосѣи· седмомоу ѿ акра-
ама· поданаго ради закона ѿ

ἀφ' ὧν τὰ πρῶτα εἰς Ἕλληνας μετηνέχθη ἀπὸ τῆς Κέκροπος[1] ἡλικίας καὶ καθεξῆς, μετέπειτα δὲ καὶ ὑστέρῳ πολὺ τοὺς[2] περὶ Κρόνον καὶ Ἄρεα, Δῖα τε καθεξῆς καὶ Ἀπόλλωνα θεοὺς ἀναγορεύσαντες. Ἕλληνες δὲ κέκληνται ἀπὸ Ἕλληνός[3] τινος ἀνδρὸς τῶν ἐν τῇ Ἑλλάδι κατῳκηκότων, ὡς δὲ ἕτεροί φασιν, ἀπὸ τῆς ἐλαίας τῆς ἐν Ἀθήναις βλαστησάσης· Ἴωνες δὲ τούτων ἀρ-(л. 186b)χηγοί γεγένηνται, ὡς ἔχει ἡ ἀκρίβεια ἀπὸ[4] τοῦ Ἰωῦα, ἑνὸς ἀνδρὸς τῶν τὸν πύργον οἰκοδομησάντων, ὅτε αἱ γλῶσσαι διεμερίσθησαν τῶν πάντων· δι' ἣν αἰτίαν καὶ Μέροπες πάντες κέκληνται διὰ τὴν μεμερισμένην φωνήν. ὕστερον δὲ ὁ ἑλληνισμὸς εἰς αἱρέσεις κατέστη κατωτέρῳ τῷ χρόνῳ, φημὶ δὴ Πυθαγορείων καὶ Στωϊκῶν καὶ Πλατωνικῶν καὶ Ἐπικουρίων, [καὶ λοιπῶν. θεοσεβείας χαρακτὴρ ὑπῆρχεν ἅμα καὶ ὁ κατὰ φύσιν νόμος πολιτευόμενος ἀπὸ τούτων τῶν ἐθνῶν ἑαυτῶν ἀφορίζων ἀπὸ τῆς τοῦ κόσμου καταβολῆς καὶ δεῦρο τυγχάνων βαρβαρισμοῦ καὶ σκυθισμοῦ καὶ ἑλληνισμοῦ], [5] ἕως οὗ συνήφθη ἡ τοῦ Ἀβραὰμ θεοσέβεια.

Δ'. Ἰουδαϊσμός, ἀπὸ τῶν χρόνων Ἀβραὰμ τὸν χαρακτῆρα διὰ περιτομῆς εἰληφὼς καὶ ἐν Μωσῇ ἑβδόμῳ ἀπὸ Ἀβραὰμ διὰ τοῦ δοθέντος νόμου ὑπὸ

1) мно *П.* 2) аполонѣ *С.* 3) прочаꙗ *С.* 4) дрѫзи *ПС.* 5) и *проп. С.* 6) прозѧбшіи *П.* 7) же *проп. П.* 8) ноѣ *С.* 9) епискѫріи *П.* 10) совокѣпи *С.*

1) Κεκρόπου B_1 B_2. 2) τοῦ B_1 B_2. 3) Ἑλένου B_1 B_2. 4) ἀπὸ вставл. B_1. 5) въ прямыхъ скобкахъ вставка изъ B_1 B_2.

бѣ писана· ѿ іюдѣи же четвьртаго сна иаковла· нареченаго изл҃ма· дв҃дѣмь пьрвоє цр҃ьствовавъша· [1] ѿ того же іюдѣи колѣна· коньчьноє іюдѣиства има нареченоє· швѣ о сихъ четъирьхъ [2] ересьхъ· апл҃ъ проповѣдаа рече· о хѣ іс҃ѣ ни варваръ· ни скѵ҃ѳанинъ· ни елинъ· ни жидовинъ· нъ нова тварь·

ѕ҃· Пифагарѧне· [3] рекъше ходильници· и [4] ѥдиньство и промъıслъ· и иже въздранѧтъ жърети [5] соѵ҃щимъ вм҃ъ· пифагоръı проповѣда дш҃евьнъıихъ же не въкоѵ҃шати· ѿ вина же въздьржатисѧ· раздѣлѧаше [6] же коѵ҃пьно ѩже ѿ лоѵ҃нъı [7] и въıше· бесъмьртьнаа гл҃а дольнаа же съмьртьна· прѣвращенаа же съмьртьна· [8] дш҃ѣ и тѣлесъ· въ тѣлеса· ѿ животьнъıихъ и [9] до дробьнаго животa· мълчанаіе же въкоѵ҃пь· имѣти ѕа пать лѣтъ гл҃аше· коньчьнаіе [10] же себе вм҃ъ прозъва·

з҃· Платонъщи· бѣ и вещь и видъ· и миръ рожденъ и тълѣньнъ соѵ҃щь рекоша· дш҃ю же неро|женоѵ҃ и весъмьртьноѵ҃· и вѫ҃ществьноѵ҃ [11] бъıти же и трьмъ частьмъ· словес҃ьно [12]

τοῦ θεοῦ γραφείς, ἀπὸ δὲ τοῦ Ἰούδα, τετάρτου υἱοῦ τοῦ Ἰακὼβ τοῦ ἐπικληθέντος [1] Ἰσραήλ, διὰ Δαυὶδ τοῦ πρώτου βασιλεύσαντος ἀπὸ τῆς τοῦ αὐτοῦ Ἰούδα φυλῆς τὸ τέλεον [2] τοῦ ἰουδαϊσμοῦ ὀνόματος κεκληρωμένος. σαφῶς περὶ τούτων τῶν αἱρέσεων τῶν τεσσάρων [3] ὁ ἀπόστολος ἐπιστέλλων ἔφη· Ἐν γὰρ Χριστῷ Ἰησοῦ οὐ βάρβαρος, οὐ Σκύθης, οὐχ Ἕλλην, οὐκ Ἰουδαῖος, ἀλλὰ καινὴ κτίσις.

ε′. Πυθαγορικοὶ [4] ἤτοι Περιπατητικοί. τὴν μονάδα καὶ πρόνοιαν καὶ τὸ κωλύειν θύεσθαι τοῖς δῆθεν θεοῖς Πυθαγόρας ἐδογμάτισεν, ἐμψύχων τε μὴ μεταλαμβάνειν, ἀπὸ τοῦ οἴνου δὲ ἐγκρατεύεσθαι· διώριζε δὲ ἅμα τὰ ἀπὸ σελήνης καὶ ἄνω ἀθάνατα λέγων, τὰ δὲ ὑποκάτω θνητά, μεταγγισμοὺς δὲ ψυχῶν ἀπὸ σωμάτων εἰς σώματα ἄχρι ζῴων καὶ κνωδάλων· σιωπὴν δὲ ἅμα ἀσκεῖν ἐπὶ χρόνους [5] πέντε ἐδίδασκε· τελευταῖον δὲ ἑαυτὸν θεὸν ὠνόμαζεν.

ς′. Πλατωνικοί. θεὸν καὶ ὕλην καὶ εἶδος καὶ τὸν κόσμον γεννητὸν καὶ φθαρτὸν ὑπάρχειν, τὴν δὲ ψυχὴν ἀγέ- л. 251 a.
νητον καὶ ἀθάνατον καὶ θείαν· εἶναι δὲ αὐτῆς [6] τρία μέρη, λογιστικὸν

1) ѩрьствовавша *ПС.* 2) *cod. переправл.* ь *изъ* ѥ. 3) Пифагорцне *СП.* 4) и *проп. С.* 5) *cod. переправл.* ь *изъ* ѥ; жретїи *П.* 6) раздѣшаше *П.* 7) ѿлѣчены *С* (*вм.* ѿ лоѵ҃нъı). 8) смртнаа *С.* 9) и *проп. П.* 10) конечное *С.* 11) *cod. переправл.* ь (*послѣ* в) *изъ* о. 12) словесно *ПС.*

1) ἐπιβληθέντος B_1. 2) τέλειον B_1 B_2. 3) τῶν τεσσάρων αἱρέσεων B_1 B_2. 4) Πυθαγόριοι B_1 B_2. 5) χρόνων B_1 B_2. 6) καὶ вставл. B_1 B_2.

ярость[1] яростьно· и похотьно· женамъ же обьщамъ бъıти вьсѣмъ· и ни единомоу же подроужию· единого имѣти[2] своего· нъ хотащимъ съ хотащиими съкоупляатисѧ·[3] обращение тако же дш҃амъ въ тѣлеса· до дробьнаго живота· въкоупь же и богъı мъногъı· ѿ единого проповѣдаша·

ζ· Стоици тѣло вьсако· проповѣдающе· и чювьствьнъıи съ[4] миръ· ѕ҃а мьнаще нѣции же ѿ огньнаго[5] соущьства· естьство емоу имѣти съказаша· и ѕ҃а оубо оумъ ѯаповѣдаютъ и[6] ꙗко дш҃ю·[7] всякоѧ[8] соущаıа широтъı нб҃снъıѧ· тѣло же его вьсе ꙗко же рекохъ· и очи свѣтилѣ·[9] плъти же всѣхъ погъıбноути· и дш҃и вьсѣхъ· обращатисѧ ѿ тѣлесе въ тѣлѣ·

η· Епикоурии·[10] непрѣсѣкома же и нераздѣльна тѣлеса· подобночастьна же и неискоусьно начало бъıти·[11] вьсѣхъ поставиша· и коньцю бъıти· бт҃ьства[12] сласть· повелѣша· да ни бо҃у ни промъıслоу вещии строити·

ϑ· Самарѣйство· и отъ того самарѧне· се есть ѿ июдѣи·[13] прѣже оустављенъıѧ ереси въ

θυμικὸν ἐπιθυμητικόν,[1] τάς τε γυναῖκας κοινὰς τοῖς πᾶσι γίνεσθαι, καὶ μηδένα γαμετὴν μίαν ἔχειν ἰδίαν, ἀλλὰ τοὺς θέλοντας ταῖς βουλομέναις συνεῖναι· μεταγισμὸν δὲ ὡσαύτως ψυχῶν εἰς σώματα ἄχρι κνωδάλων, ὁμοῦ δὲ καὶ θεοὺς πολλοὺς ἐκ τοῦ ἑνὸς ἐδογμάτισεν.

ζ'. Στωϊκοί, σῶμα τὸ πᾶν δογματίζοντες καὶ τὸν αἰσθητὸν τοῦτον κόσμον θεὸν νομίζοντες· τινὲς δὲ ἐκ τῆς τοῦ πυρὸς οὐσίας τὴν φύσιν ἔχειν αὐτὸν ἀπεφήναντο. καὶ τὸν μὲν θεὸν νοῦν ὁρίζουσι καὶ ὡς ψυχὴν[2] παντὸς τοῦ ὄντος κύτους οὐρανοῦ καὶ γῆς· σῶμα δὲ αὐτοῦ τὸ πᾶν, ὡς ἔφην, καὶ ὀφθαλμοὺς τοὺς φωστῆρας· τὴν δὲ σάρκα πάντων ἀπόλλυσθαι καὶ τὴν ψυχὴν πάντων μεταγγίζεσθαι ἀπὸ σωμάτων εἰς σώματα.[3]

(л. 187ᵃ) η'. Ἐπικούριοι ἄτομά τε καὶ ἀμερῆ σώματα, ὁμοιομερῆ τε καὶ ἄπειρα, τὴν ἀρχὴν εἶναι τῶν πάντων ὑπεστήσαντο,[4] καὶ τέλος εἶναι εὐδαιμονίας τὴν ἡδονὴν ἐδογμάτισαν, καὶ μήτε θεὸν μήτε πρόνοιαν τὰ πράγματα διοικεῖν.

ϑ'. Σαμαρειτισμὸς καὶ οἱ ἀπὸ τούτου Σαμαρεῖται. οὗτός ἐστιν[5] ἀπὸ Ἰουδαίων, πρὸ μὲν τοῦ καταστῆναι αἱρέσεις εἰς

1) ярость *пропуск. П.* 2) всѣ *вставл. С, но вычеркнув.* 3) совокѹплатѣ *С.* 4) сии *С.* 5) огнинаго *С.* 6) и *пропуск. С.* 7) дши *П.* 8) всякыи *С.* 9) *cod. переправл.* в *изъ* т; свѣтлѣ *П.* 10) Епикорїи *П;* Епикѹри *С.* 11) бытии *С.* 12) и *вставл. С.* 13) юдѣи *С надпис. надъ вычеркнутымъ* самарѣи.

1) ἐπιθημικὸν B_1. 2) τοῦ вставл. B_1 B_2. 3) σῶμα B_1B_2. 4) ὑπεστήσατο B_1B_2. 5) ἔστιν B_1.

елинъı· и прѣжде съставлєнїа ихъ велѣнии· по ѣлиньскомоу велѣнию· и срѣдѣ жидовьства ѿвѣтъ приимъше· ѿ лѣтъ навъходоно|сора· и жи-
5 довьскаго плѣненїа· прѣходьници же бывъше· ѿ асоурїа въ июдѣю· приимъше пентатехъ[1] мосѣовъ·[2] рекъше кънигъı ветъхаго ѕавѣта·и[3] цр҃ю[4] [послављшю ѿ вавїлѡна жер-
10 цемъ][5] издрою[6] наричаємъıимъ· вьсѧ имоуща ѩко и жидове· обаче гноушатисѧ ѩзъıкъ· и ни прикасатисѧ никъıихъ[7] же· и[8] разѣ[9] ѿрицатисѧ мьртвъıихъ въскрьсе-
15 нию· и инѣхъ пророчьствъ[10] иже по[11] мосѣи·[12]

т҃· Горъдиране· иже въ ина врѣмена· праздьникъı творяще· и ѿ невусѣи·[13]

20 ıа҃· Иевоусѣи· тоѩ же ради винъı· праздьникъ горъдиѧномъ подобаѥсѧ·

ıв҃· Исинїане никъıимъ же противаѥсѧ· съ соущиими же праздьноу-
25 юще[14] тако же·

ıг҃· Бдавьци тѣми же обычаи-ацѣми же и самаране живоуще·[15] обрѣзанїемь же и соуботою· и инѣ-ми[16] приємлюще· и пентатевъхъмь·

Ἕλληνας καὶ πρὸ τοῦ συστῆναι αὐτῶν τὰ[1] δόγματα, μετὰ δὲ τοῦ εἶναι Ἑλλήνων τὴν θρησκείαν καὶ μέσον τοῦ ἰουδαϊσμοῦ· πρόφασιν εἰληφὼς л. 251 b.
ἀπὸ τῶν χρόνων Ναβουχοδονόσορ[2] καὶ τῆς τῶν Ἰουδαίων αἰχμαλωσίας· μέτοικοι δὲ ὄντες ἀπὸ Ἀσσυρίων εἰς τὴν Ἰουδαίαν καὶ λαβόντες Πεντάτευχον Μωϋσέως, τοῦ βασιλέως αὐτοῖς ἀποστείλαντος ἀπὸ Βαβυλῶνος διὰ ἱερέως Ἔσδρα καλουμένου, τὰ πάντα ἔχοντες ὡς Ἰουδαῖοι, πλὴν τοῦ βδελύττεσθαι τὰ ἔθνη καὶ μήτε προσψαύειν τινῶν, καὶ πλὴν τοῦ ἀρνεῖσθαι νεκρῶν ἀνάστασιν καὶ τὰς ἄλλας προφητείας τὰς μετὰ Μωϋσέα.

ι΄. Γορθηνοί, οἱ ἄλλοις καιροῖς τὰς ἑορτὰς ἄγοντες παρὰ τοὺς Ἰεβουσαίους.

ια΄. Ἰεβουσαῖοι, διὰ τὴν αὐτὴν αἰτίαν τῶν ἑορτῶν πρὸς τοὺς Γορθηνοὺς διαφερόμενοι.

ιβ΄. Ἐσσηνοί,[3] μηδ' ὁποτέροις ἐναντιούμενοι, τοῖς δὲ παρατυγχάνουσι συνεορτάζοντες ἀδιαφόρως.

ιγ΄. Δοσίθεοι,[4] τοῖς αὐτοῖς ἤθεσιν, οἷα δὴ Σαμαρεῖται, ἐμπολιτευόμενοι, περιτομῇ τε καὶ σαββάτῳ καὶ τοῖς ἄλλοις χρώμενοι καὶ τῇ Πεντατεύχῳ,

1) пантѣ *C.* 2) монсѣѩ *C.* 3) и *вставл. П.* 4) їдрю *ПС.* 5) *вставка изъ П.* 6) ѣздрою *П.* 7) никого *C, при чемъ* и *переправл. изъ* й. 8) и *проп. C.* 9) развѣ *C.* 10) пророчество *П.* 11) при *П.* 12) монсѣи *C.* 13) ґґѣвоусѣ *П.* 14) празиндиующе *C.* 15) живѫщий *C.* 16) ними *П.*

1) τὰ προπ. B_1. 2) Ναβουχοδονόσωρ B_1 B_2. 3) Εἰσηνοὶ B_1 B_2. 4) in m. δοσσηνοί добавл. B_1 B_2.

лише же инѣхъ[1] хранящіе иже огрѣбатисѧ дш҃евьнѣихъ· тако же и въ дроугѣихъ· и въ поценіихъ же часто жити· имоуть же и дѣвьство
5 нѣціи· ѿ нихъ· въздьржать же сѧ дроугіи· вѣроують же мьртвѣихъ въскрьсению· иже страньно[2] есть грѣха·

і҃д·[3] Кънижьници· иже законьници оубо бѣша· и вътории прѣданіи[4] ѿ нихъ старьци· лишьшиимъ самослоужениемь· обычаи хранящіе·[5] ихъже не законьномъ наоучишасѧ·[6] нъ себѣ въобразиша· слоужениа оправьданиа законоположениа·

і҃е· Фарисеи съказаіеми ѳлоучени·[7] иже зълѣ[8] живоущен· и инѣхъ[9] оубо искоусьнѣише· ѿ нихъже и мьртвѣихъ въскрьсение ꙗко же и[10] ѿ кънижьникъ· и о аг҃глѣхъ· и[11] ст҃ѣмь доусѣ· ꙗко есть съложение· житие[12] различьно· въздьржание до лѣта єдиного· и дѣвьство· поценіе же дъвократъ въ соуботы· чьваньць
25 очищениа·[13] и блюдъ и чашь· ꙗко же и кънижьници· десатинъ даваниа· и начатъци· и частъіа м҃твы· и образи особьслоужень-ніи·[14] и одѣниа·[15] περισσότερον δὲ τῶν ἄλλων φυλάττοντες τὸ ἀπέχεσθαι ἐμψύχων, ὁμοίως καὶ ἐν τοῖς ἄλλοις, καὶ ἐν νηστείαις δὲ συνεχέστατα[1] βιοῦντες·[2] ἔχουσι δὲ καὶ παρθενίαν τινὲς αὐτῶν, ἐγκρατεύονται δὲ ἄλλοι πιστεύουσί τε νεκρῶν ἀνάστασιν, ὅπερ ξένον ἐστὶν ἁμαρτίας.[3]

ιδ΄. Γραμματεῖς, οἵτινες νομικοὶ μὲν ἦσαν καὶ δευτερωταὶ παραδόσεων τῶν παρ' αὐτοῖς πρεσβυτέρων τῇ περισσοτέρᾳ ἐθελοθρησκείᾳ ἔθη φυλάττοντες, ἃ οὐ διὰ τοῦ νόμου μεμαθήκασιν, ἀλλ' ἑαυτοῖς ἐτύπωσαν σεβάσματα δικαιώματος τῆς νομοθεσίας.

ιε΄. Φαρισαῖοι, οἱ ἑρμηνευόμενοι ἀφωρισμένοι, οἱ τὸ ἀκρότατον βιοῦντες καὶ ὅθεν τῶν ἄλλων δοκιμώτεροι· παρ' οἷς καὶ νεκρῶν ἀνάστασις, ὡς καὶ παρὰ τοῖς Γραμματεῦσι, καὶ ἡ περὶ ἀγγέλων καὶ πνεύματος ἁγίου ὅτι ἐστὶ[4] συγκατάθεσις, πολιτεία δὲ διάφορος· ἐγκράτεια ἕως χρόνου καὶ παρθενία, νηστεία δὲ δὶς τοῦ σαββάτου, ξεστῶν καθαρισμὸς[5] καὶ πινάκων καὶ ποτηρίων, ὡς καὶ τοῖς Γραμματεῦσιν·[6] ἀποδεκατώσεις τε καὶ ἀπαρχαὶ καὶ ἐνδελεχεῖς εὐχαί, καὶ σχήματα ἐθελοθρησκευτικὰ τῆς ἐνδυσίας

л. 252 a.

1) инѣ П. 2) страстно С. 3) і҃д проп. П. 4) предани С. 5) хранящіе С; въ cod. подъ послѣдней строкой л. 251b мелкимъ уставомъ запись писца: офреме грѣшьніце что не помнѣши дне того како лѣнишисѧ. 6) наѕчившѣ С. 7) cod. переправл. ѡ изъ и; ѳлоучениа П. 8) зѣлѡ П. 9) инѣ П. 10) и проп. С. 11) о проп. С. 12) же вставл. П. 13) оцщ҃ениа С. 14) особьслѫженьнии С. 15) одѣниьа С.

1) συνεχέτατα B_1. 2) βιοῦν B_2; μιοῦν B_2. 3) Σαμαρείται B_1; Σαμαρείταις B_2. 4) ἔστι B_1 B_2. 5) καθαρισμοὺς B_1 B_2. 6) οἱ γραμματεῖς B_1 B_2.

ризами же рекъше одеждами· и раширение[1] хранение· сирѣчь образъ въгърдница.[2] и подълъкъ и кълинъ· на крило одежда иже си вдахоу·[3] знамения же ѡ нихъ· до врѣмене въздьржания· иже въвождаахоу рожение· и полоучение лѣта·

ιε̅· Садоукеи сказаемми правьдьници·[4] иже ѡ рода оубо бѣша самариска· въкоупь жьрьца садоука[5] именьмь· мьртвыихъ оубо въскрьсения· ѡмещюмесѧ· и не приемлюще англа ни дха· по вьсемоу соуще[6] жидове·

ιϛ̅· Вьсѧ дн̃и хрьстѧщиисѧ· по вьсемоу оубо[7] июден соуть· глаахоу же· ни единомоу же живота вѣчьнаго полоучити· аще не по вьсѧ дн̃и[8] хрьстатьсѧ·

ιζ̅· Осиняне· иже жестоци[9] сказаютьсѧ· бѣша же ти· по законоу во[10] вьсѧ съвьршающе· творяахоу же и писании· инѣми по законоу мъножаишаа[11] же по сихъ· прр̃кы ѡлагаахоу·

ιη̅· Насарѧне[12] сказаемми непокоривии· иже вьсакого плотоядения· ѡмѣтаютьсѧ· доушевьныихъ же[13]

διά τε τῆς ἀμπεχόνης καὶ τῶν δελματικῶν, ἤγουν κολοβίων, καὶ τοῦ πλατυσμοῦ τῶν φυλακτηρίων, τουτέστι σημάτων τῆς πορ(л. 187[b])φύρας[1] καὶ κρασπέδων καὶ ῥοίσκων ἐπὶ τὰ πτερύγια τῆς ἀμπεχόνης, ἅτινα[2] ἐτύγχανε σημεῖα τῆς παρ' αὐτοῖς ἕως καιροῦ ἐγκρατείας. οἱ[3] καὶ παρεισέφερον γένεσιν καὶ εἱμαρμένην.

ις'. Σαδδουκαῖοι,[4] οἱ ἑρμηνευόμενοι δικαιότατοι· οἱ ἐκ γένους μὲν ἦσαν Σαμαρειτῶν, ὁμοῦ[5] καὶ ἱερέως Σαδδοὺκ[6] ὀνόματι, νεκρῶν μὲν ἀνάστασιν ἀρνούμενοι καὶ μὴ παραδεχόμενοι ἄγγελον μήτε πνεῦμα, τὰ δὲ πάντα ὄντες Ἰουδαῖοι.

[ιζ'.] Ἡμεροβαπτισταί, οἱ[7] μὲν κατὰ πάντα Ἰουδαῖοι ἦσαν, ἔφασκον δὲ μηδένα ζωῆς αἰωνίου τυγχάνειν, εἰ μή τι ἂν καθ' ἑκάστην ἡμέραν βαπτίζοιντο.

[ιη'.] Ὀσσηνοί, οἱ δὴ ἰταμώτατοι ἑρ- л. 252 b.
μηνεύονται· ἦσαν δὲ οὗτοι κατὰ νόμον τὰ πάντα τελοῦντες, ἐχρῶντο δὲ καὶ γραφαῖς ἑτέραις κατὰ τὸν νόμον, τοὺς δὲ πλείους τῶν μετέπειτα προφητῶν ἀπέβαλλον.[8]

[ιθ'.] Νασσαραῖοι, ἑρμηνευόμενοι ἀφηνιασταί· οἱ πᾶσαν σαρκοφαγίαν ἀπαγορεύουσιν, ἐμψύχων δὲ

1) разшире҃ѣ *C.* 2) багрѣница *C.* 3) вѣахоу *II.* 4) *cod.* а *по скобл.* 5) *cod. конечное* а *по скобл.*; садока *C.* 6) *cod. переправл.* ѣ *изъ* ь. 7) шко *II.* 8) дн̃и *II.* 9) жестоцѣи *II.* 10) вко *C.* 11) множанша *II.* 12) Назарѧне *C.* 13) же *проп. C.*

1) προφύρας B_1. 2) ταῦτα вставл. B_1 B_2. 3) οἱ B_1. 4) Σαδουκαῖοι B_1 B_2. 5) ὁμοῦ проп. B_1 B_2. 6) Σαδοὺκ B_1 B_2. 7) οἱ B_1 B_2. 8) ἀπεβάλλοντο B_1 B_2.

ѿиноудъ[1] не приемлютъ· до мосѣа[2] же и[3] иса[4] навгина· въ пентатавьси·[5] стꙑихъ именꙑ патриархъ· сътажавъша· и вѣроующе аврамоу[6] исакоу и іаковоу· въше же и томоу мосѣѡви·[7] и ароноу и[8] иссоу[9] писании же пентатѣвъха· не мосѣовамъ бъти проповѣдаютъ· ина же оу себѣ извѣштаютъ имѣти·

к· Иродиане· иудѣи бѣша по вьселоу· и того рода имени· хоу ѡдати чьсть·

ка· Симониане ѡ симона въльхва· при аплѣ[10] петрѣ· вьси гитьскꙑи самарꙗньскꙑ· тъ ѡ самарианъ градѧше· хо нарекъ си[11] има тъкмоучаше же самотворию· съмѣшение скверньі[12] несъблюдение тѣлесъ· ѡлагаютъ же въскрьсение· и мироу не бъти въскрьсению бжию· глѣтъ· образъ же свои іако диселоу· и съ нимь елена блоудьница· адиньскаго образа· своимъ оученикомъ прѣдаше на поклонение· глаше себе самарянъмъ оц҃ь· иудѣомъ же хс҃а·

кв· Менандриане· ѡ того же симона· менандрь|мь нѣкъиимь начьнъше· подобаще же сѧ къ л. 253 a.

οὐδ' ὅλως μεταλαμβάνουσιν· ἄχρι δὲ Μωϋσέως καὶ Ἰησοῦ τοῦ Ναυῆ τοῖς ἐν Πεντατεύχῳ ἁγίοις ὀνόμασι πατριαρχῶν κεχρημένοι[1] καὶ πιστεύοντες, φημὶ δὴ Ἀβραάμ,[2] Ἰσαάκ,[3] Ἰακὼβ καὶ τῶν ἀνωτάτω, καὶ αὐτοῦ Μωϋσέως καὶ Ἀαρὼν καὶ Ἰησοῦ· τὰς δὲ τῆς Πεντατεύχου γραφὰς οὐκ εἶναι Μωϋσέως δογματίζουσιν, ἄλλας δὲ παρ' αὐτοῖς βεβαιοῦνται ἔχειν.

[κ'.] Ἡρωδιανοὶ δὲ[4] Ἰουδαῖοι μὲν ἦσαν κατὰ πάντα, Ἡρώδην δὲ Χριστὸν προσεδόκων[5] καὶ αὐτῷ τὸ τοῦ Χριστοῦ ἀπεδίδουν γέρας καὶ ὄνομα.

[κα'.] Σιμωνιανοί, οἱ ἀπὸ Σίμωνος τοῦ μάγου τοῦ ἐπὶ Πέτρου τοῦ ἀποστόλου κώμης Γιτθὼ τῆς Σαμαρείας. οὗτος ἀπὸ Σαμαρειτῶν ὡρμᾶτο, Χριστοῦ ὑποδὺς ὄνομα μόνον· ἐδίδασκε δὲ αἰσχροποιΐαν, μῖξιν μολυσμοῦ, ἀδιαφορίαν σωμάτων· ἀποβάλλεται δὲ τὴν ἀνάστασιν καὶ τὸν κόσμον μὴ εἶναι θεοῦ φάσκει, εἰκόνα δὲ ἑαυτοῦ[6] ὡς Διὸς καὶ τῆς σὺν αὐτῷ πόρνης ὀνόματι Ἑλένης Ἀθηνᾶς[7] τύπον τοῖς ἑαυτοῦ μαθηταῖς παρεδίδου εἰς προσκύνησιν. ἔλεγε δὲ ἑαυτὸν Σαμαρείταις μὲν τὸν πατέρα, Ἰουδαίοις δὲ τὸν Χριστόν.

[κβ'.] Μενανδριανοί, οἱ ἀπὸ τούτου τοῦ Σίμωνος ἀπὸ[8] Μενάνδρου τινός[9] ἐναρξάμενοι, διαφερόμενοι δὲ πρὸς

---

1) ѿиноудоу *II.* 2) монсѣи *C.* 3) и *пропп. II.* 4) исѣса *C.* 5) пентатѣксн *II.* 6) и *вставл. C.* 7) монсѣеви *C.* 8) и *пропп. II.* 9) исѣсѣ *C.* 10) антлѣ *C.* 11) се *C.* 12) скверныи *II.*

1) χεκτημένοι B_1 B_2. 2) καὶ вставл. B_1 B_1. 3) καὶ вставл. B_1 B_2. 4) δὲ проп. B_1 B_2. 5) προσεδόκουν B_1 B_2. 6) αὐτοῦ B_1 B_1. 7) Ἀθήνας B_1 B_2. 8) διὰ B_1 B_2. 9) τινὸς проп. B_1 B_2.

симонианемъ·[1] по нѣчьсомоу· по нѣчьсомоу ѿ агглъ глаѣаχоу бъıти миpоу·

кг· Сатоурънилиане· иже по сурии· симонинане·[2] дьржаще[3] самотвари· инa[4] же ѿ симонанъ· на оудивлениие лише· проповѣдоующе ѿ сартольнила[5] же начало приимъ же·[6] и ти по менаньдроу· ѿ агглъ миръ бъıти глающе[7] тъкъмо же семь[8] очм[9] ради разоумa·

кд· Василидиане· того же[10] срамодѣиства· съвръшителе ѿ василида· коупьно съ сартонилъмь·[11] и съ симонанъı· и съ менандрианъı·[12] наоучьшемъсм[13] коупьно оубо съмъıсламіемъ·[14] по нѣчемоу же разньствоующемъсм·[15] глѣть бо· т· и· ѯ· и· н· нѣсомъ[16] бъıти· и еже авраcакъсъ имени бъıти· т· ѯ· е· и бъıти томоу стоугоумоу имени рече·

ке· Никольници· ѿ николъı· иже въ слоужьбоу ѿ стъıхъ[17] апл̃ъ въчинивъıаго· иже ревьностию своего подроужиа· срамодѣиство коупьно съ инѣми· съвьршати[18] своа оученикъı оучаше· и екавъла· кавьси· и

τοὺς Σιμωνιανοὺς κατά τι ὑπὸ ἀγγέλων ἔλεγον τὸν κόσμον γεγενῆσθαι.

[κγ΄.] Σατορνιλιανοί, οἱ κατὰ τὴν Συρίαν τὴν τῶν Σιμωνιανῶν κρατοῦντες αἰσχρουργίαν, ἑτέρα δὲ παρὰ τοὺς Σιμωνιανοὺς εἰς ἔκπληξιν περισσοτέραν κηρύττοντες, ἀπὸ δὲ Σατορνίλου τὴν ἀρχὴν ἐσχηκότες, καὶ αὐτοὶ κατὰ τὸν Μένανδρον ὑπὸ ἀγγέλων τὸν κόσμον γεγενῆσθαι φάσκοντες [, μόνων δὲ ἑπτὰ διὰ τὴν τοῦ πατρὸς γνώμην].[1]

(л. 188ª) [κδ΄.] Βασιλειδιανοὶ τῆς αὐτῆς αἰσχρουργίας τελεσταί· ἀπὸ Βασιλείδου[2] τοῦ ἅμα Σατορνίλῳ καὶ τοῖς Σιμωνιανοῖς καὶ Μενανδριανοῖς μαθητευομένου, τὰ ὅμοια μὲν φρονοῦντος, κατά τι δὲ διαφερομένου· λέγει γὰρ τξε΄ οὐρανοὺς εἶναι καὶ τὸ ἀβρασὰξ ὄνομα εἶναι τξε΄, καὶ εἶναι τοῦτο ἅγιον ὄνομα φησίν.

[κε΄.] Νικολαΐται, ἀπὸ Νικολάου τοῦ ἐπὶ ταῖς χρείαις ὑπὸ τῶν[3] ἀποστόλων ταχθέντος· ὃς διὰ ζῆλον τῆς ἰδίας γαμετῆς αἰσχρουργίαν ἅμα τοῖς ἄλλοις ἐπιτελεῖν τοὺς ἑαυτοῦ μαθητὰς ἐδίδασκεν,[4] καὶ περὶ τοῦ καυλακαὺχ καὶ

1) симонанѣ *C*. 2) симонанане *П*; симонане *C*. 3) дръжащеи *П*. 4) инa *П*. 5) саторнила *C*. 6) приѣше *C* (*вм.* приимъ же), *но* ше *переправл. въ* ж. 7) глще *П*. 8) сѣ *C*. 9) очм *cod*. 10) же *прои. П*. 11) саторнилѣ *C*. 12) менандріаны *П*. 13) наоучешимсм *ПС*. 14) смѣламіи *C*. 15) разньствоующимсм *П*. 16) нѣсѣ *C*. 17) стъıй *П*, *но* с *переправл. изъ* ѣ. 18) свершаше *C*; и *вставл. П*.

1) вставка изъ B_1 B_2. 2) Βασιλείδους B_1 B_2. 3) ἁγίων вставл. B_1 B_2. 4) ἐδίδασκων B_1 B_2.

проутоници·[1] и инѣхъ[2] поганьскыихъ именъ въводѧ въ мїръ·

к҃г· Разоумьници· иже тыи же ереси приимъше· паче же сихъ вьсѣхъ· срамотоу неистово дѣлающе· и дивонити· въ вышьнихъ странахъ· сократане· ѿ дроугыихъ же зокъ|хѣане·[3] дроугзии же холдианы себѣ глютъ· ини же скверьникъ себѣ наричаютъ· си варъвельмъ и верьмъ обладаютъ· л. 253 b.

к҃з· Плододьржьци·[4] иже ѿ плододьржьца нѣкоего· соущихъ[5] въ асии·[6] сь оучаше вьсе срамодѣиство творити· и вьсе начинание грѣхъ·[7] и аще къто рече· не проидеть вьсѣхъ· и волю вьсѣхъ[8] бѣсовъ· и англы сътворить· не можеть прѣвъзити въышьнааго нб҃а[9] ни началъ ни властии прѣити· глаше же инсоусоу дш҃ю мысльноу въсприяти· ведоущаа же въ горьнаа ѿсоудѣ въздѣиати· и аще къто сътворить подобьна[10] иссоу· на[11] того быти· законъ же съвъскрьсениемь мьртвыихъ ѿмѣташе·[12] ако ѿ симона и до сьде ересатого бысть въ римѣ маркелина·[13] иконоу[14] сътворивъ въ тан иссвоу· и павьлоу и омироу и пифагора· сиа кадмаше[15] и покланаашесѧ·

προυτονίκα καὶ ἄλλων βαρβαρικῶν ὀνομάτων εἰσάγων τῷ κόσμῳ.

[κς΄.] Γνωστικοί, οἱ τὰς αὐτὰς αἱρέσεις διαδεξάμενοι, πλέον δὲ τούτων πάντων τὴν αἰσχρότητα ἐκμανῶς[1] ἐργαζόμενοι, ἐν Αἰγύπτῳ δὲ Στρατιωτικοὶ καλούμενοι καὶ Φηβιωνῖται, ἐν δὲ τοῖς ἀνωτερικοῖς μέρεσι Σωκρατῖται, παρὰ δὲ ἑτέροις Ζακχαῖοι, ἄλλοι δὲ Χολδιανοὺς αὐτοὺς[2] [λέγουσιν, ἄλλοι δὲ Βορβορίτας αὐτοὺς][3] καλοῦσιν. οὗτοι τῆς[4] Βαρβελὼ καὶ τῆς[5] Βερὼ[6] ἄρχουσι.

[κζ΄.] Καρποκρατιανοί, οἱ ἀπὸ Καρποκράτους[7] τινὸς τῶν ἐν τῇ Ἀσίᾳ. οὗτος ἐδίδασκε πᾶσαν αἰσχρουργίαν ἐκτελεῖν καὶ πᾶν ἐπιτήδευμα ἁμαρτίας· καὶ εἰ μή τις, φησί, διὰ πάντων παρέλθοι καὶ τὸ θέλημα πάντων δαιμόνων καὶ ἀγγέλων ἐκτελέσει, οὐ δυνήσεται ὑπερβῆναι τὸν ἀνώτατον οὐρανόν, οὐδὲ τὰς ἀρχὰς οὐδὲ τὰς ἐξουσίας παρελθεῖν· ἔλεγε δὲ τὸν Ἰησοῦν ψυχὴν νοερὰν εἰληφέναι, εἰδότα δὲ τὰ ἄνω ἐνταῦθα καταγγέλλειν· καὶ εἴ τις πράξειεν[8] ὅμοια τῷ Ἰησοῦ, κατ' αὐτὸν εἶναι· τόν τε νόμον σὺν τῇ τῶν νεκρῶν ἀναστάσει ἀπηγόρευεν, ὡς αἱ ἀπὸ Σίμωνος καὶ δεῦρο αἱρέσεις. τούτου γέγονεν ἐρωμένη[9] Μαρκελλῖνα. εἰκόνα δὲ ποιήσας ἐν κρυφῇ Ἰησοῦ καὶ Παύλου καὶ Ὁμήρου καὶ Πυθαγόρου,[10] ταύτας ἐθυμία καὶ προσεκύνει.

---

1) протонници *П*; прѣтонци *С*. 2) инѣ *П*. 3) зольхѣане *ПС*. 4) Плодержци *С*. 5) тако же *вставл. С*. 6) сіанїи *С*. 7) *cod. надъ* χ *есть* +; грѣха *П*. 8) всѣ *С*. 9) нѣса *С*. 10) подобно *П*. 11) та *С*. 12) ѿмѣшаше *С*. 13) марколина *П*. 14) же *вставл. П*. 15) калмаше *С*.

1) ἐμμανῶς B_1 B_2. 2) αὐτὸς B_1. 3) вставка изъ B_1 B_2. 4) τὴν B_1 B_2. 5) τὴν B_1 B_2. 6) Βέρω B_1 B_2. 7) Καρποκράτου B_1 B_2. 8) πράξοιεν B_1 B_2. 9) ἐν Ῥώμῃ B_1 B_2. 10) Πυθαγόρα B_1 B_2 (B_2 переправл. изъ Πυθαγόρου).

[к҃и·] Кирьнифиане· иже и мирьньфиане· си ѿ кириньфа·[1] и мириньфа· июдѣи нѣцыи образованиѥ[2] хвалящиѥ ѿ аггла̀ бъıти соущь нисоусоу[3] же по прѣспѣванию· х҃а·[4] наричѧти глаше·

[к҃д·] Назорѣи же х҃а исповѣдаютъ сѧ̀ вжиа по вьсемоу[5] же законоу живоущиа·

[л҃·] Евионѣане· блазь соущиѥ[6] прѣжде реченъıимъ· кърьньфиане[7] и назорѣи· съкоупи же сѧ по | нѣчемоу[8] самъсинскъıихъ· и елекесенскъıихъ[9] ереса· иже х҃а рекоша· съзьдано бъıти· на нб҃сѣ ст҃ъıи д҃хъ· въшьдъша же х҃а въ адамъ·[10] и пакъı въ врѣмъ[11] сходѧща·[12] тое же рече· съвьршити емоу и въ плътьскѣемь пришьствии·[13] иоудеи[14] же[15] соущеи· еваггліа прииемлютъ· плотоядиа же гноушаютьсѧ·[16] и водоу въ ба̀ мѣсто имоутъ· х҃са же чл҃ка въ плътьскѣемь его пришьствии обълчена бъıти· ако же рекохъ часто хрьстатьсѧ· въ водахъ· лѣто же и зимоу въ очищение[17] оубо· ако же и самарите творѧтъ·

л҃а· Оувалентиане· плъти оубо ѿмещютъ въскрьсение· ветъхъıи же

[κη΄.] Κηρινθιανοί, οἱ καὶ Μηρινθιανοί. οὗτοι ἀπὸ Κηρίνθου[1] καὶ Μηρίνθου Ἰουδαῖοί τινες, τὴν περιτομὴν αὐχοῦντες, τὸν δὲ κόσμον ὑπὸ ἀγγέλων γεγενῆσθαι, Ἰησοῦν δὲ κατὰ προκοπὴν Χριστὸν κεκλῆσθαι ἔλεγον.[2]

[κθ΄.] Ναζωραῖοι, οἱ[3] Χριστὸν ὁμολογοῦσιν[4] υἱὸν θεοῦ, πάντα δὲ κατὰ νόμον πολιτευόμενοι.

[λ΄.] Ἐβιωναῖοι,[5] παραπλήσιοι τοῖς προειρημένοις Κηρινθιανοῖς καὶ Ναζωραίοις· συνήφθη δὲ κατά τι ἡ τῶν Σαμψαίων л. 254 a.
καὶ Ἐλκεσσαίων αἵρεσις, οἱ Χριστόν φασιν ἐκτίσθαι ἐν τῷ οὐρανῷ καὶ τὸ ἅγιον πνεῦμα, ἐνδημήσαντά τε τὸν Χριστὸν ἐν τῷ Ἀδάμ καὶ πάλιν κατὰ καιρὸν ἐνδυόμενον τὸ αὐτό φασιν[6] ἐπιτετελεκέναι αὐτὸν ἐν τῇ ἐνσάρκῳ αὐτοῦ παρουσίᾳ· Ἰουδαῖοι δὲ ὄντες εὐαγγελίοις κέχρηνται·[7] σαρ(л. 188[b])κοφαγίαν δὲ βδελύσσονται· τὸ ὕδωρ ἀντὶ θεοῦ ἔχουσι· τὸν δὲ Χριστὸν ἄνθρωπον ἐν τῇ ἐνσάρκῳ αὐτοῦ παρουσίᾳ ἐνδεδύσθαι, ὡς ἔφην· συνεχῶς βαπτίζονται ἐν τοῖς ὕδασι θέρους τε καὶ χειμῶνος εἰς ἁγνισμὸν δῆθεν, ὥσπερ οἱ Σαμαρεῖται.

[λα΄.] Οὐαλεντινιανοὶ σαρκὸς μὲν ἀπαγορεύουσιν ἀνάστασιν, Παλαιὰν δὲ

---

1) и мирьньфиане· си ѿ кириньфа *проп. C.* 2) wбрѣзанїе *П*; обрѣзанїа *C.* 3) нсSсѕ *C.* 4) ра҃ *вставл. C, по перечеркив.* 5) *cod. переправл.* о *изъ* к. 6) *cod.* є *по скобл.* 7) кърнньфиане *C.* 8) нѣ по чемѕ *C* (*вм.* по нѣчемоу). 9) елекенскынмъ *C.* 10) въ адамъ *вставл. C.* 11) *cod. надъ* ъ *есть* +; врѣ *П*; врѣма *C.* 12) исходаща *П.* 13) и *вставл. C.* 14) юуди *C.* 15) же *проп. C.* 16) гнSгаютсѧ *C.* 17) wчиренїне *C.*

1) Κηρίνθων B_1 B_2. 2) ἔλεγεν B_1 B_2. 3) οἱ B_1 B_2. 4) Ἰησοῦν вставл. B_1 B_2. 5) γὰρ вставл. B_1 B_2. 6) φησιν B_1 B_2. 7) κέχνηται B_1.

ѿмѣтаютъ законъ· и пророкы чьтоуще· и елико ино въ подобие имоуть· въобразити ересоу ихъ· приемлюще ина нѣкаа баснословиа· 5 въносать· л̄· вѣкъ· наречениа глюще· моужьска полоу и женьска полоу[1] въкоупѣ· ѿ оц̄а высѣхъ· рожьшихъсѧ· ꙗко же и богы мьнать· и вѣкы хсоу же съ нб̄се 10 имѣти плъть рѣша· и ꙗкы[2] сквозѣ троубоу· марию прошьдъша·

лв̄· Секоунъдиане съ ними же съчетаютьсѧ епифании и[3] сидоръ· тѣми же приимъше и ти съпражени 15 подобьнаа· оуалентиане съмъсливъше· дроугаа же ѿ него нѣкаа исповѣдающе· прилагають срамодѣиства· оучаще ѿричють[4] же сѧ и ти плъти·

л. 254 b. 20 | лг̄· Потолемѣане· и ти оученици соуще· оуалентиана·[5] съ нимиже съпослѣдоують флора·[6] сиа же ѿ соупроугъ· и ти глють· ꙗко же и[7] оуалентиане· и секоунъдиане· по нѣ- 25 чесомоу же и ти различие[8] имоуть·

лд̄· Маркосиане· марко нѣкъто бысть· колоръваса оученикъ· дъвѣ началѣ и тъ вожааше· ѿмещють же мьртвыихъ въскрьсение·[9] мьчьтаниа же· нѣкаа пива ради· ѿ 30 въльшьства·[10] чьрныи образъ· и

1) и женьска· полоу *проп. C.* 2) и *вставл. П.* 3) и *проп. П.* 4) ѿричать *П.* 5) оуалентиане *C.* 6) фрола *C.* 7) и *проп. C.* 8) различенїе *C.* 9) въскрсенїа *C.* 10) вълъшьства *C.*

ἀθετοῦσι Διαθήκην, καὶ προφήτας ἀναγινώσκοντες καὶ ὅσα ἄλλα εἰς ὁμοίωσιν δύνανται τροπολογεῖσθαι τῆς αὐτῶν αἱρέσεως δεχόμενοι, ἑτέρας τινὰς μυθολογίας παρεισφέρουσι, τριάκοντα αἰώνων ὀνομασίας λέγοντες, ἀῤῥενοθηλείας τε ὁμοῦ ἐκ τοῦ πατρὸς τῶν ὅλων γεγενημένους, οὓς καὶ θεοὺς ἡγοῦνται καὶ αἰῶνας, τὸν δὲ Χριστὸν ἀπὸ οὐρανοῦ ἐνηνοχέναι τὴν σάρκα καὶ ὡς διὰ σωλῆνος τῆς Μαρίας[1] διαπεπερακέναι.[2]

[λβ′.] Σεκουνδιανοί, οἷς συνάπτεται Ἐπιφάνις[3] καὶ Ἰσίδωρος, ταῖς αὐταῖς κεχρημένοι καὶ αὐτοὶ συζυγίαις, τὰ ὅμοια Οὐαλεντινιανῷ[4] πεφρονηκότες· ἕτερα δὲ παρ' αὐτὸν[5] ποσῶς διηγορευμένοι[6] προστιθέασι, τὰ τῆς αἰσχρουργίας διδάσκοντες. ἀπαγορεύουσι δὲ καὶ αὐτοὶ τὴν σάρκα.

[λγ′.] Πτολεμαῖοι, καὶ αὐτοὶ μαθηταὶ ὄντες Οὐαλεντινιανοῦ, οἷς συνέπεται ἡ Φλώρα· τὰ αὐτὰ δὲ περὶ τῶν συζυγιῶν καὶ οὗτοι λέγουσι, καθάπερ Οὐαλεντῖνοι καὶ Σεκουνδιανοί, κατά τι δὲ καὶ οὗτοι διαφέρονται.

[λδ′.] Μαρκοσαῖοι. Μάρκος τις γεγένηται Κολορβάσου συμφοιτητής, δύο ἀρχὰς καὶ οὗτος παρεισάγων· ἀθετεῖ δὲ νεκρῶν ἀνάστασιν· φαντασίας δέ τινας διὰ σκεπασμάτων[7] ἐξ ἐπαοιδῆς εἰς κυάνεον χρῶμα καὶ

1) τὴν Μαρίαν B_2. 2) τὴν σάρκα καὶ ὡς διὰ σωλῆνος τῆς Μαρίας διαπεπερακέναι προπ. B_1. 3) Ἐπιφάνιος B_1 B_2. 4) Οὐαλεντινιανοῦ B_1 B_2. 5) αὐτῶν B_1 B_2. 6) διηγούμενοι B_1 B_2. 7) κεπομάτων B_1 B_2.

въ чрвлѣнъіи прѣлагаѧ·[1] оучаашє прѣлщаѥмъіѧ женъі· и самъ же д̅· межю десатьма· стухиѧ· хощеть вьса мънѣти· тако же оувалентианоу·

л̅є· Колоръвасѣіане· и тъ колоръвасѣи· тако же таѧ же съказаѧ· по нѣчьсомоу же[2] разньствіѧ·[3] къ инѣмъ ересьмъ· рекоу же къ[4] марковоу· и къ оуалентиноу· прѣдъложению· и осмица инако наоучи·

л̅ѕ· Ираклиониτе· и ти осмъіихъ носать· баснословиѧ· творѧще инако отъ марка· и пътоломѣѧ· и оуалентина· и ѿ инѣхъ· нъ и къ оумьртию· оумирающа ѿ нихъ· тако же маркъмь крьстать-ся маслъмь· ѿ земла и ѿ воды нареченна[5] нѣкаѧ· жидовьскою рѣчью глюще· надъ главою тоу крьстѧщаагося·

л̅з· Зминици· соуть иже[6] змию славѧще и того х̅а мьнѧще· имоуще же родъмь· змию гадъ | въ съсоудѣ нѣкако·[7] л. 255 a.

л̅и· Каинане въкоупь съ ⟨и⟩нѣми тако же законъ ѿмещющами ересами· и главъшааго въ законѣ· таѧ же съмъіслать· плъти оубо въскрьсенна ѿмещюще-ся· каина же славать глюще и· крѣпъшаѧ бъіти силъі· коупьно же[8] порфύρεον μεταβάλλων, ἐμυσταγώγει τὰς ἀπατωμένας γυναῖκας. καὶ αὐτὸς δὲ τῶν κδ΄ στοιχείων βούλεται[1] τὰ πάντα ἡγεῖσθαι[2] ὁμοίως Οὐαλεντίνῳ.[3]

[λε΄.] Κολορβασαῖοι. καὶ οὗτος ὁ Κολορβασαῖος[4] ὡσαύτως τὰ αὐτὰ διηγούμενος, κατά τι δὲ διαφερόμενος πρὸς τὰς ἄλλας αἱρέσεις, φημὶ δὴ πρὸς τὰς περὶ Μάρκον καὶ Οὐαλεντῖνον, τὰς προσβολὰς καὶ ὀγδοάδας ἑτέρως ἐδίδαξεν.

[λς΄.] Ἡρακλεωνῖται. καὶ οὗτοι τῇ τῶν ὀγδοάδων φέρονται μυθολογίᾳ, στοιχοῦντες ἑτέρως παρὰ τὸν Μάρκον καὶ Πτολεμαῖον καὶ Οὐαλεντῖνον καὶ τοὺς ἄλλους, ἀλλὰ καὶ πρὸς τῇ τελευτῇ τοὺς παρ' αὐτοῖς[5] τελευτῶντας ὁμοίως τῷ Μάρκῳ λυτροῦνται δι' ἐλαίου ἀπὸ βαλσάμου καὶ ὕδατος, ἐπικλήσεις τινὰς ἑβραϊκαῖς λέξεσιν ἐπιλέγοντες ἐπὶ τῇ κεφαλῇ τοῦ δῆθεν λυτρουμένου.

(л. 189ᵃ) [λζ΄.] Ὀφῖται. Ὀφῖται εἰσὶν οἱ τὸν ὄφιν δοξάζοντες καὶ τοῦτον Χριστὸν ἡγούμενοι, ἔχοντες δὲ φύσει ὄφιν τὸ ἑρπετὸν ἐν κίστῃ τινί.

[λη΄.] Καϊανοί. Καϊανοὶ ἅμα ταῖς ἄλλαις ὡσαύτως ταῖς τὸν νόμον ἀθετούσαις αἱρέσεσι καὶ τὸν λαλήσαντα ἐν νόμῳ τὰ αὐτὰ. φρονοῦσι, σαρκὸς μὲν ἀνάστασιν ἀρνούμενοι, τὸν δὲ Κάϊν δοξάζουσι, λέγοντες αὐτὸν εἶναι τῆς ἰσχυροτέρας[6] δυνάμεως, ἅμα δὲ

1) прилагаѧ *C.* 2) же *прот. П.* 3) *cod.* тв *вязью.* 4) въ *C.* 5) нареніа *C.* 6) же *C.* 7) никако *C.* 8) и *вставл. C.*

1) βούλεται τῶν κδ' στοιχείων B_1 B_2. 2) ἡγῆσθαι B_1. 3) Οὐαλεντίνῳ ὁμοίως B_1 B_2. 4) Κωλορβάσος B_1 B_2. 5) αὐτοὺς B_1 B_1. 6) τῆς ἰσχυροτέρας εἶναι B_1 B_2.

ноудоу· ѿтворатѣ· вѣкоупь иже о корѣи· и дафанѣ· и авиронѣ· нъ и содомлѧнѣ·

л҃д· Сифиане· си пакъı сифа славать глюцен бъıти ѿ вънıшьнııа мт҃ре раскаꙗвъшисѧ· имиже о каинѣ [1] прѣдъıзложи· посемь по ѿвьржении каина· и по оубитии авели· съшьдъшисѧ [2] съ вънıшьнимь оц҃емь· чисто сѣмѧ сифа сътворити· ѿ нихже оубо прочее· изведенъ бъıсть всѧкъ члв҃ческъ [3] родъ· и ти сами начала и власти· и клико дроузии повелѣваютъ·

м҃· Властельници· си пакъı въ многы властела· вьсе възносатъ· и бъıваюцаа ѿ тѣхъ· бъıти глютъ· постигаемı [4] бо соуть и о нечистотѣ нѣкоеи· плъти [5] же въскрьсение [6] ѿмецютъ· и ветъхъıи завѣтъ облъıгаютъ· прииемлютъ же ветъхъıи и новъıи завѣтъ коуюжьдо рѣчь· къ своемоу приводѧце·

м҃а· Приобрѣтьници· иже ѿ кърьдона· араклискаго· приимъшаго причащение· [7] прѣльсти· прѣложьшю же [8] къ лъсти· иже ѿ сурии въ | римъ пришьдъ· проповѣдание свое· повелѣ въ лѣтѣхъ [9] послѣ же· оугина епп҃а· дъвѣ же началѣ проповѣдаютъ противьнѣ себѣ· не бъıти х҃соу

л. 255 b.

καὶ τὸν Ἰούδαν ἐκθειάζουσιν, ὁμοῦ καὶ τοὺς περὶ Κορὲ καὶ Δαθὰν καὶ Ἀβειρών, ἀλλὰ καὶ τοὺς [1] Σοδομίτας.

[λθ΄.] Σηθιανοί. οὗτοι πάλιν τὸν Σὴθ δοξάζουσι, φάσκοντες αὐτὸν εἶναι ἐκ τῆς ἄνω μητρός, μεταμεληθείσης ἐφ' οἷς τοὺς περὶ Κάϊν προεβάλετο, εἶτα μετὰ τὸ [2] τὸν Κάϊν ἀποβληθῆναι καὶ τὸν Ἄβελ ἀποκτανθῆναι συνελθούσης τῷ ἄνω πατρὶ καθαρὸν σπέρμα τὸν Σὴθ ποιῆσαι, ἐξ οὗπερ λοιπὸν κατήχθη τὸ πᾶν ἀνθρώπων γένος· καὶ αὐτοὶ δὲ ἀρχὰς καὶ ἐξουσίας καὶ ὅσα οἱ ἄλλοι δογματίζουσιν.

[μ΄.] Ἀρχοντικοί. οὗτοι πάλιν εἰς πολλοὺς ἄρχοντας τὸ πᾶν ἀναφέρουσι καὶ τὰ γενόμενα ἐκ τούτων γεγενῆσθαι λέγουσιν, ἁλίσκονται δὲ καὶ ἐπ' αἰσχρότητί τινι· σαρκὸς δὲ ἀνάστασιν ἀθετοῦσιν καὶ Παλαιὰν Διαθήκην διαβάλλουσι, κέχρηνται δὲ Παλαιᾷ καὶ Νέᾳ Διαθήκῃ, ἑκάστην λέξιν πρὸς τὸν ἑαυτῶν [3] νοῦν μεθοδεύοντες.

[μα΄.] Κερδωνιανοί [4] ἀπὸ Κέρδωνος τοῦ Ἡρακλεωνᾶ, [5] διαδεξαμένου [6] τὴν μετοχὴν τῆς πλάνης, προσθέντος δὲ τῇ ἀπάτῃ· ὃς ἀπὸ τῆς Συρίας εἰς τὴν Ῥώμην μεταστὰς τὸ κήρυγμα ἑαυτοῦ ἐξέθετο ἐν χρόνοις ὕστερον Ὑγίνου ἐπισκόπου. δύο δὲ ἀρχὰς κηρύττει οὗτος ἐναντίας ἀλλήλαις, μὴ εἶναι δὲ [7] τὸν Χριστὸν

1) ѡкаинѣ *C* (*вм.* о каинѣ). 2) съшедшеся *П.* 3) члѣкьıн *ПС.* 4) постигаемь *П.* 5) плоть *П.* 6) вскрѣньıа *C.* 7) причащѣа *C.* 8) же *проп. C.* 9) тѣ *П.*

1) αὐτοὺς B_1 B_2. 2) τὸ προπ. B_1. 3) ἑαυτὸν B_1. 4) οἱ вставл. B_1 B_2. 5) Ἡρακλέωνα B_1 B_2. 6) δοξαζομένου B_1 B_2. 7) τε B_1 B_2.

роженоу· тако же и мьртвыихъ въскрьсение· ѿмѣтаютъ и ветъхыи завѣтъ·

мѵ· Маркиане· маркионъ ѿ понта вѣаше еппа оубо сн̃ъ· растьли[въ][1] оубо[2] въдовицю вѣжа· зане изгънанои кмоу быти· ѿ своего оц̃а не цр̃къвѣтъ[3] въшьдъ[4] въ римъ· посемь просивъ покаанииа·[5] въ то врѣмя оу игоуменъ цр̃квныихъ· и не полоучивъ въздвижеся на вѣроу· и проповѣдати[6] ти[7] три начала·[8] блг̃ое и правьдьно[9] и зъло· быти же новоумоу завѣтоу· цюжемоу ветъхаго· и гл̃авъшаго въ нємь· тако же и ѿ того· маркиане въскрьсение плъти· ѿмещють въскрьсение прѣдающе· не тъкмо єдино· нъ и дъвѣ и три· и по съгрѣшении за оумьршаа же оглашенъіа· ини за нѣа кръстаться·[10] бе страха же ѿ нихъ· и женъı повелѣвають· баню абие даютъ·

мг̃· Лукиане·[11] лукианъ нѣкъто·[12] не тако нъıнѣ въ лѣта костантина· бъıвъ· нъ давънии· вьсѣ по маркианоу проповѣда· къ симъ же и дроугаа нѣкаа· ѿ маркиа· абие повелѣваетъ·

мд̃· Аполиане· и съ апелианъ подовьнаа маркианоу и лукианоу·

γεννητόν· ὁμοίως τε νεκρῶν ἀνάστασιν ἀθετεῖ καὶ τὴν Παλαιὰν Διαθήκην.

[μβ΄.] Μαρκιωνισταί. Μαρκίων ἀπὸ Πόντου ὁρμώμενος, ἐπισκόπου μὲν υἱός, φθείρας δὲ παρθένον ἀπέδρα διὰ τὸ ἐξεῶσθαι ὑπὸ τοῦ ἰδίου πατρὸς ἀπὸ τῆς ἐκκλησίας. οὗτος ἀνελθὼν εἰς Ῥώμην, εἶτα αἰτήσας μετάνοιαν τοὺς κατ' ἐκεῖνο καιροῦ[1] ἡγουμένους τῆς ἐκκλησίας καὶ μὴ τυχών, ἐπήρθη κατὰ τῆς πίστεως καὶ ἐδογμάτισε τρεῖς ἀρχάς, ἀγαθὸν καὶ δίκαιον καὶ φαῦλον, εἶναί τε[2] τὴν Καινὴν Διαθήκην[3] ἀλλοτρίαν τῆς Παλαιᾶς καὶ τοῦ ἐν αὐτῇ λαλήσαντος· οὕτως[4] τε καὶ οἱ ἀπ' αὐτοῦ Μαρκιωνισταὶ ἀνάστασιν σαρκὸς ἀθετοῦσι, βάπτισμα διδόασιν[5] οὐ μόνον ἕν, ἀλλὰ καὶ δύο καὶ τρία μετὰ τὸ παραπεσεῖν. ὑπὲρ δὲ τῶν τεθνεώτων[6] κατηχουμένων ἄλλοι παρ' αὐτοῖς βαπτίζονται· ἀδεῶς δὲ παρ' αὐτοῖς[7] καὶ γυναῖκες ἐπιτρέπονται λουτρὸν δῆθεν διδόναι.

(л. 189[b]) [μγ΄.] Λουκιανισταί. Λουκιανός τις (οὐχ ὁ νῦν ἐν χρόνοις Κωνσταντίνου γενόμενος, ἀλλ' ἀρχαιότερος) πάντα κατὰ τὸν Μαρκίωνα ἐδογμάτισε, πρὸς δὲ τούτοις καὶ ἑτερά τινα παρὰ τὸν Μαρκίωνα δῆθεν δογματίζει.

[μδ΄.] Ἀπελλιανοί. καὶ οὗτος ὁ Ἀπελλῆς τὰ ὅμοια Μαρκίωνι καὶ Λουκιανῷ

1) *исправл. по П.* 2) ко *П.* 3) тои *С.* 4) ѿ *С.* 5) покаѣеи *С.* 6) проповѣда *П.* 7) ти *проп. ПС.* 8) и *вставл. С.* 9) правѣное *С.* 10) кр̃тѣ *С.* 11) Лукіанане *П.* 12) нѣкто *С.*

1) κουροῦ B_1. 2) εἶναι τε προπ. B_1 B_2. 3) διαθήκη B_1; εἶναι вставл. B_1 B_2. 4) οὕτος B_1 B_2. 5) διαδιδόασιν B_1 B_2. 6) καὶ вставл. B_1 B_2. 7) αὐτῆς B_1.

повелѣваютъ· оухловлаютъ вьсе сътворение· и сътворьшаго· не
л. 256 а. та|ко же тѣмъ три начала съказаваютъ·[1] нъ единo оубо начало·
единого ѣа соущиа въишьнѧаго· и
невъименна·[2] того же единого·
сътворьша[3] и дроугомоу· и съ
рече лоукавъ обрѣтъсѧ· сътвори
своею хъловою миръ·

мѣ· Севирьюне· севиръ пакы· аполови въслѣдоуѧ· вино ѡлагаѥ·[4] и
лозоу ѡ змиюобразьно сотоноу· и
землю басньно[5] быти· съшьдъ-
шемъсѧ[6] дроугъ къ дроугоу· женъı
же[7] ѡрицаютьсѧ· лѣнивъıѧ силъı
соущю·[8] имена же нѣкъıихъ кънѧзь·
и кънигъı таинъıѧ прѣводить· тако
же и дроугъıими· плъти въскрьсение
ѡмещеть· и ветъхъıи завѣтъ·

мѯ· Татиане· татианъ съ· растаѧше съ иоустинъмь[9] мчнкъмь· и
философъмь· по съконьчании же[10]
стго иоустина·[11] осквьрнисѧ[12] прповѣданиемь· маркиановъмь· и равьнаѧ томоу повелѣ приложивъ и[13]
дроугаѧ ѡ нѣго· глѧаше бо ѡ межюрѣчьıѧ[14] быти кмоу·

мѯ· Въздьржаници иже ѡлоучени[15] соуще татиана· бракъ

1) сказаетъ *C.* 2) невонмена *C.* 3) сътворьшаго *П.* 4) ѡлагаетъ *П.* 5) басно *П.* 6) съшѣшимсѧ *П.* 7) *cod. выскобл. 1—2 буквы.* 8) *cod.* ю *по скобл.* (*вм.* й?). 9) Естиномъ *C.* 10) же *прп. П.* 11) Естина *C.* 12) осквернища *C.* 13) и *прп. П.* 14) межю· рѣче ѧ *П.* 15) ѡлъченiи *C.*

δογματίζει· κακίζει τὴν πᾶσαν ποίησιν καὶ τὸν πεποιηκότα· οὐχ ὁμοίως δὲ τούτοις τρεῖς ἀρχὰς ὑφηγήσατο, ἀλλὰ μίαν μὲν ἀρχὴν καὶ ἕνα θεὸν ὄντα ἀνώτατον καὶ ἀκατονόμαστον, τοῦτον δὲ τὸν ἕνα πεποιηκέναι ἄλλον· καὶ οὗτος,[1] φησί,[2] πονηρὸς εὑρεθεὶς[3] ἐποίησε τῇ αὐτοῦ φαυλότητι τὸν κόσμον.

[με΄.] Σεβηριανοί. Σεβῆρος[4] πάλιν τῷ Ἀπελλῇ ἑπόμενος τὸν οἶνον ἀποβάλλεται καὶ τὴν ἄμπελον ἐκ τοῦ δρακοντοειδοῦς σατανᾶ καὶ γῆς μυθολογῶν[5] πεφυκέναι συνελθόντων ἀλλήλοις, γυναῖκα δὲ παραιτεῖται[6] ἀριστερᾶς δυνάμεως ὑπάρχειν· ὀνομασίας δέ τινων ἀρχόντων καὶ βίβλους ἀποκρύφους παράγει· ὁμοίως δὲ τοῖς ἄλλοις τῆς σαρκὸς ἀνάστασιν ἀθετεῖ καὶ Παλαιὰν Διαθήκην.

[μς΄.] Τατιανοί. Τατιανὸς οὗτος συνήκμαζεν[7] Ἰουστίνῳ τῷ μάρτυρι τῷ ἁγίῳ τῷ[8] καὶ φιλοσόφῳ· μετὰ δὲ τὴν τοῦ ἁγίου Ἰουστίνου τελευτὴν προσεφθάρη τοῖς τοῦ Μαρκίωνος δόγμασι καὶ ἴσα αὐτῷ ἐδογμάτισε, προσθεὶς καὶ ἕτερα παρ' ἐκεῖνον· ἔλεγε δὲ ἀπὸ Μεσοποταμίας ὁρμᾶσθαι.

[μζ΄.] Ἐγκρατῖται,[9] ἀπόσπασμα τυγχάνοντες Τατιανοῦ, τὸν γάμον

1) οὕτως B_1 B_2. 2) ὁ вставл. B_1 B_2. 3) εὑρεθὴς B_1 B_2. 4) Σευηριανοί. Σευῆρος B_1 B_2; τις вставл. B_1 B_2. 5) μυθολὸν B_1 B_2. 6) φάσκων вставл. B_1 B_2. 7) συνήκμασεν B_1 B_2. 8) τῷ проп. B_1 B_2. 9) Ἐγκρατισταὶ B_1 B_2 и вставл. οἱ.

ѿлагаютъ· сотонинъ съ гл҃ющє бъıти· всего ѿрицающесѧ дш҃евьноѡдениє· [1]

м҃и· Иже по фригиѧномъ· [2] и монътаномъ· и коловьртьцемъ· иже ветъхъıи и новъıи завѣтъ приемлютъ· инъı же пр҃ркъı [3] въводѧтъ· монътана [4] нѣкоего хвалѧще· и прискилоу· [5]

| м҃д· Попоузиѧне· [6] иже и коунтилиѧне съ ними· же съвъкоуплаютьсѧ· хлѣбосъıрьници· ереси дъвѣ ѿ нихъ кста· въ [7] фригиѧньхъ· дроугаѧ же ѿ нихъ повелѣваютъ· пепоузоу [8] нѣкъıи градъ поустъ посрѣдѣ галатъ· и каподокиѧ· [9] и фругиѧ· боготвореще· и [10] авиє си перс҃лмъ [11] мьнѧще· есть же и ина попуза· женамъ же ѿдающе· иже начати и свщеньствовати· оскьврнаютъ же нѣкаѧ· провадающе [12] младъ дѣтищь· игълами лютами· ѩко же и фригиѧне· [13] и кръвью его моукоу съмѣшьше· и хлѣбъмь сътворьше приношениє приемлютъ· и авиє коуютилѣ· [14] и прискилѣ· хс҃оу тамо въ попюхѣ [15] ѩвитисѧ· образъмь истинъı баснословѧтъ· приемлютъ же тако же ветъхъı[и] и новъıи завѣтъ· по своемоу оумоу прѣтварающе· [16]

ἀποβάλλονται, τοῦ σατανᾶ τοῦτον φάσκοντες εἶναι, πᾶσαν δὲ ἀπαγορεύοντες ἐμψυχοφαγίαν.

[μη'.] Φρυγασταὶ καὶ Μοντανισταὶ καὶ Ταςκοδροῦγοι, [1] οἵτινες Παλαιὰν καὶ Καινὴν Διαθήκην δέχονται, ἑτέρους [2] προφήτας παρεισάγοντες, Μοντανόν τινα αὐχοῦντες καὶ Πρίσκιλλαν.

[μθ'.] Πεπουζιανοὶ οἱ [3] καὶ Κυντιλιανοί, π. 256 b. οἷς συνάπτονται Ἀρτοτυρῖται· αἱρέσεις δύο ἐξ αὐτῶν μέν εἰσι τῶν Φρυγαστῶν, [4] ἕτερα δὲ παρ' ἐκείνους δογματίζουσι, Πέπουζάν [5] τινα πόλιν ἔρημον ἀνάμεσον [6] Γαλατίας καὶ Καππαδοκίας [7] καὶ Φρυγίας ἐκθειάζοντες καὶ δὴ ταύτην Ἱερουσαλὴμ ἡγούμενοι (ἔστι δὲ καὶ ἄλλη Πέπουζα [8]), γυναιξὶ δὲ ἀποδιδόντες τὸ ἄρχειν τε καὶ ἱερατεύειν· μυοῦνται [9] τινὰ [10] κατακεντοῦντες νέον παῖδα ῥαφίσι χαλεπαῖς, ὥσπερ οἱ Φρυγασταί, [11] καὶ τῷ αἵματι αὐτοῦ ἄλευρον φυράσαντες καὶ ἀρτοποιήσαντες προσφορὰν μεταλαμβάνουσι· καὶ δὴ τῇ Κυϊντίλλῃ ἢ Πρισκίλλῃ Χριστὸν ἐκεῖσε ἐν Πεπούζῃ ἀποκεκαλύφθαι ἐν εἴδει ἀληθείας μυθολογοῦσι· κέχρηνται δὲ ὡσαύτως Παλαιᾷ καὶ Καινῇ Διαθήκῃ κατὰ τὸν αὐτῶν νοῦν [12] μεταποιούμενοι.

---

1) ѧшеѧденїе *C*. 2) порфигїаномъ *C* (*вм.* по фригиѧномъ). 3) и *вставл. П.* 4) монъта *C*. 5) прїнскилѣ *П.* 6) Попꙋзане *C*. 7) съ *П.* 8) непꙁѧѕ *C*. 9) какоподокїа *C*. 10) и *проп. П.* 11) е҃рлмъ *П.* 12) пропадающе *C*. 13) фрїане *C*. 14) кѵтилѣ *C*. 15) пꙁѧѣ *C*. 16) претворяющѣ *П.*

1) Οἱ Καταφρυγανιστῶν καὶ Μοντανιστῶν καὶ Τασκοδρουγιτῶν B_1 B_2. 2) τε вставл. B_1 B_2. 3) οἱ B_1 B_2. 4) Καταφρυγαστῶν B_1 B_2. 5) Πεπουζάν cod. B_1 B_2. 6) ἀναμέσον B_1 B_2. 7) Καπαδοκίας B_1 B_2. 8) Πεπουζὰ cod.; Πεπουζα B_1B_2. 9) μυοῦντον B_1; δὲ вставл. B_1 B_2. 10) τινον B_1. 11) Καταφρυγαστῶν B_1 B_2. 12) νοῦν τὸν ἴδιον B_1 B_2 (вм. αὐτῶν νοῦν).

(л. 190a) [ν'.] Τεσσαρεσκαιδεκατῖται.[1] οὗτοι μίαν ἡμέραν τοῦ ἐνιαυτοῦ τὸ πάσχα ἐκτελοῦντες, ἐν ὁποίᾳ ἂν ἡμέρᾳ ἐμπέσοι ἡ τῆς σελήνης τεσσαρεσκαιδεκάτη,[2] ἤτοι ἐν σαββάτῳ ἤτοι ἐν κυριακῇ, ἐκείνην τε νηστεύοντες καὶ ἅμα ἀγρυπνοῦντες[3] ἑορτάζουσι.

[να'.] Ἄλογοι ἀφ' ἡμῶν κληθέντες, οἱ τὸ εὐαγγέλιον τὸ κατὰ Ἰωάννην ἀθετοῦντες καὶ τὴν Ἀποκάλυψιν αὐτοῦ, διὰ τὸ τὸν ἐλθόντα ἐκ τοῦ πατρὸς θεὸν λόγον ὄντα ἀεὶ μὴ δέχεσθαι.

[νβ'.] Ἀδαμιανοὶ παρά τινος Ἀδὰμ ζῶντος καλουμένου· χλεύης μᾶλλον ἢ ἀληθείας τὸ δόγμα ἔχουσι· γίνεται δέ τι τοιοῦτον· γυμνοὶ συνάγονται ἐκ μητρὸς ἄνδρες καὶ γυναῖκες ἐπὶ τὸ αὐτό, καὶ οὕτως τὰς ἀναγνώσεις καὶ τὰς εὐχὰς καὶ πᾶν ὁτιοῦν ἐκτελοῦσι δῆθεν μονάζοντές τε καὶ ἐγκρατευόμενοι καὶ γάμον μὴ δεχόμενοι· τὴν ἑαυτῶν ἐκκλησίαν παράδεισον ἡγοῦνται.

[νγ'.] Σαμψαῖοι οἱ καὶ Ἐλκεσσαῖοι, ἔτι δεῦρο τὴν Ἀραβίαν κατοικοῦντες, καθύπερθεν τῆς Νεκρᾶς θαλάσσης κειμένην·[4] οἵτινες ἀπὸ τοῦ Ἴλξα τινὸς ψευδοπροφήτου ἠπατημένοι, οὗ[5] ἐκ τῆς συγγενείας ὑπῆρχε Μαρθοῦς καὶ Μαρθῖνα, γυναῖκες προσκυνούμεναι ὑπὸ τῆς αἱρέσεως ὡς θεαί. παραπλησίως τοῖς Ἐβιωναίοις[6] τὰ πάντα ἔχουσι.[7]

---

1) Τεσσαρισκαιδεκατῖται B_1 B_2. 2) τεσσαρισκαιδεκαταία B_1 B_2. 3) ἀγρυπνοῦντα B_1. 4) κειμένη B_1. 5) οὐετε B_1 B_2; δεῦρο вставл. B_1 B_2. 6) τῶν Αἰβιωναίων B_1 B_2. 7) ἔχοντες B_1 B_2.

п· Четвьронадесатьници·[1] сии въ единъ дн҃ь лѣта· пасхоу съвьршающе· въ нѣже къи аще дн҃ь боудеть лоуны четвьртое на десате· рекъше въ соуботоу· ли въ недѣлю въ тоу же постѧщесѧ· и коупьно въдѧще проводать·[2]

па· Бесловесьни·[3] ѿ насъ наречени·[4] еѵ҃аггліе ѿ иѡана ѿмѣтающе· и ѿкрѣвение[5] его· ѕане пришьдъша ѿ оц҃а бж҃ьа слова соуща присно не[6] прикмлюще·

л. 257 a. | пв· Ѧдамане· ѿ нѣкоего[7] адама жива соуща[8] наричѧема· роугаша паче нежели истиноу повелѣние имоуть· бываѥть же нѣчьто таково· нази събираютьсѧ ѿ мт҃ре· моужи же и женъı въкоупь· и тако почиташа и мт҃въı· и все иже аще творать· соущеи мьниси же и въздьржащиисѧ· и брака не прикмлюще· и свою цр҃квь ран мьнать·

пг· Ѳамописане· и иже оликесеи·[9] аще до сѣде въ аравии живоуще въше мьртваго морѧ· соущаго же ѿ илкса нѣкоего лъживаго пророка прѣльщени·[10] иже ѿ сѣде ѿ рода бѧше маръдуса и маръфинъı· женѣ покланѧемѣ ѿ ересъı ꙗко ѿ бъıнѣ·[11] близъ евионѣи всѧ имѹща·

---

1) Четвертонадесатници *П.* 2) проходать *С.* 3) Бесловеснїи *ПС.* 4) нарѣнїи *С.* 5) Ѳкровенїи *С.* 6) не *пропущ. С.* 7) Ядамане· ѿ нѣкоего *пропущ. С.* 8) Ядама живѹща *С* (*вм.* адама жива соуща), *при чем* жи *переправл. изъ* не. 9) оликесїи *С.* 10) прѣлщенїи *ПС.* 11) бынѣ *П.*

нд· Ѳеодотиане· иже ѿ ѳеодота· широкаго иже ѿ вѹзантиа· тъ въ наказании елиньстѣмь зѣло бывъ· коупьно[1] же[2] съ инѣми·[3] въ дьни тъгда гонениа· единъ ѿпадъ· моучивъшемъсѧ инѣмъ[4] ба ради· понѣже оубо вѣжавъ поношенъ бы· разоумѣ проста человѣка глати христоса· за прѣщение ако[5] отъвьржесѧ·

не· Мелхиседѣкиане· си мелхиседѣка славѧще нѣкоую силоу его глюще а не чловека[6] проста· и въ то имѧ· вьсѧ възводити же и глати дьрьзъша·[7]

[нз·] Вардисиане· вардисианъ сь· ѿ межюрѣчиа бываше· пьрвое оубо | ѿ истиньныа[8] вѣры· и въ прѣмоудрости лѣпъ· и ѿклонивъсѧ истины·[9] бльзь оуалентиана· проповѣда развѣ кыихъ· иже подобитьсѧ оуалентиноу·

нѕ· Разоумьници· разоумьникъ сь· ѿ змурны[10] бѧше асиискыа· на колесници[11] привезенъ[12] съ инѣми рече· сн҃ъ оц҃а· хс҃а оучаше· томоу же быти· ѿ насъ оц҃ю и сн҃оу и см҃оу дх҃оу· себе же глаше быти мосѣа[13] и своего брата[14] глаше арона·

[νδ′.] Θεοδοτιανοὶ οἱ ἀπὸ Θεοδότου τοῦ σκυτέως[1] ἀπὸ Βυζαντίου· οὗτος ἐν παιδείᾳ ἑλληνικῇ ἄκρος γενόμενος, ἅμα δὲ ἄλλοις τῶν ἐν ἡμέραις τοῦ τότε διωγμοῦ μόνος ἐκπεσών, μαρτυρησάντων ἐκείνων διὰ θεόν· ἐπειδὴ[2] οὗτος φυγὼν ὠνειδίσθη, ἐπενόησε ψιλὸν ἄνθρωπον λέγειν τὸν Χριστὸν διὰ τὸ ἔγκλημα, ὅτι ἠρνήσατο.

[νε′.] Μελχισεδεκιανοί. οὗτοι τὸν Μελχισεδὲκ γεραίροντες, τινὰ δύναμιν αὐτὸν φάσκοντες καὶ μὴ ἄνθρωπον ψιλόν, καὶ εἰς τὸ τούτου ὄνομα πάντα ἀνάγειν τε καὶ λέγειν τετολμηκότες.

[νς′.] Βαρδισιανισταί. Βαρδισιάνης οὗτος ἐκ τῆς Μεσοποταμίας ὡρμᾶτο, τὰ πρῶτα μὲν τῆς ἀληθινῆς πίστεως ὑπάρχων καὶ ἐν σοφίᾳ διαπρέπων, καὶ ἐκκλίνας τῆς ἀληθείας παραπλησίως Οὐαλεντίνῳ ἐδογμάτισε χωρὶς ἐνίων, ὧν διαφέρεται πρὸς Οὐαλεντῖνον. л. 257 b.

[νζ′.] Νοητιανοί. Νοητὸς οὗτος ἀπὸ Σμύρνης ὑπῆρχεν τῆς Ἀσίας, ἐφ' ἅρματι δὲ ἐνεχθεὶς σὺν ἄλλοις φησίν· υἱοπάτορα τὸν Χριστὸν ἐδίδαξε, τὸν αὐτὸν εἶναι εὐφημῶν[3] πατέρα καὶ υἱὸν καὶ ἅγιον πνεῦμα, ἑαυτὸν δὲ ἔλεγεν εἶναι Μωϋσέα, καὶ τὸν ἑαυτοῦ[4] ἀδελφὸν[5] Ἀαρών.

---

1) пнѕ *C.* 2) и *вставл. C.* 3) нѣми *C.* 4) инымъ *II.* 5) же *вставл. C.* 6) чѣкъ *II.* 7) дерзаша *C.* 8) истинныа *C.* 9) истиныи *II.* 10) змоурныи *II.* 11) колестници *cod.* 12) и *вставл. C.* 13) мосѣа *C.* 14) брабрата *C.*

1) κυτέως B_1 B_2. 2) οὖν вставл. B_1 B_2. 3) εὐφημῶν проп. B_1 B_2. 4) αὐτοῦ B_1. 5) ἔλεγεν вставл. B_1 B_2.

҃ни· Оуалисиане иже ѥако же приѧхомъ соуть· въ акафонѣ живоуще· матерьна[1] вьси аравинскыѧ· братолюбиа иже соуцаа· и витающаа оу нихъ· скалаающе· мъножанише же въ нихъ каженици соуть· ѡсѣчени· нѣкаа же дроугаа оучать· ересъ испълнь[2] погоублающе ѕаконъ· и прр҃кы и[3] дроугаа нѣкаа срамодѣиства въводаще·[4]

҃нд· Чистии· ти въкоупѣ съ наватъмь· съчетавъшесѧ римьскыимь·[5] и дъвоженьца ѡноудъ[6] ѡмѣтающе·[7] и покаании не приемлють·

҃ѕ· Ѧнг҃лѣсти·[8] сии[9] ѡнюдъ[10] ниезоша· хвалаще анг҃лѣскыи имоуще чинъ· или иже съ анг҃лы[11] бытї·

҃зл· Ѧпльсти иже ѡметьници· и си въ писиди тъкъмо· ѡметьникы приемлюще· о себѣ же молѧщесѧ· приближають же сѧ къ въздьржателемъ· ина же отъ нихъ съмыслать·

҃зв· Савилиане· иже подобьнадаго-
л. 258 а. разоумьно слаѣать· ѧко не глати оц҃ю пострадати· произношению·[12] и пакы размоуцаемое слово·

[νη′.] Οὐαλήσιοι. οὗτοι, καθὼς ὑπειλήφαμεν, εἰσὶν οἱ τὴν Βακαθὸν[1] κατοικοῦντες, μητροκωμίαν Ἀραβίας τῆς Φιλαδελφείας, οἱ[2] τοὺς παρατυγχάνοντας καὶ ἐπιξενουμένους παρ' αὐτοῖς εὐνουχίζοντες· οἱ πλείους δὲ καὶ ἐν αὐτοῖς εὐνοῦχοι ὑπάρχουσιν ἀπο(л. 190[b])τετμημένοι· τινὰ δὲ ἕτερα διδάσκουσιν αἱρέσεως ἔμπλεα, τινὰ[3] ἀφανίζοντες τοῦ νόμου καὶ τῶν προφητῶν καὶ ἑτέρας τινὰς αἰσχρουργίας παρεισφέροντες.

[νθ′.][4] Καθαροί. οὗτοι, ἅμα Ναυάτῳ συναφθέντες τῷ Ῥωμαίῳ, καὶ τοὺς διγάμους παντελῶς ἀποβάλλονται καὶ μετάνοιαν οὐ δέχονται.

[ξ′.] Ἀγγελικοί. οὗτοι παντελῶς ἐξέλιπον αὐχοῦντες ἀγγελικὴν ἔχειν[5] τάξιν, ἢ διὰ τὸ ἀγγέλοις προσκεκαθῆσθαι.

[ξα′.[6]] Ἀποστολικοὶ οἱ καὶ Ἀποτακτικοί. καὶ οὗτοι περὶ τὴν Πισιδίαν, μόνον ἀποτακτικοὺς δεχόμενοι, καθ' ἑαυτοὺς δὲ εὐχόμενοι· παραπλησιάζουσι δὲ τοῖς Ἐγκρατίταις, ἄλλα δὲ παρ' αὐτοὺς[7] φρονοῦσιν.

[ξβ′.] Σαβελλιανοὶ οἱ τὰ ὅμοια Νοητῷ[8] δοξάζοντες, παρὰ τὸ μὴ τὸν πατέρα λέγειν πεπονθέναι προφορικὸν καὶ πάλιν ἀναχεόμενον τὸν λόγον.

---

1) м҃трьнаа *П.* 2) исполнитъ *С.* 3) и *проп. С.* 4) въвъводаще *С.* 5) мирьскымь *С.* 6) ѡноудоу *П*; ѡлюдь *С.* 7) ѡмѣтающе *С.* 8) *точка стоитъ въ сод. на мѣстѣ какой-то выскобл. буквы* (ρ?); Я҃нглѣстїи *П.* 9) сі *С.* 10) ѡноудоу *П.* 11) и *вставл. П.* 12) произношенно *П.*

1) βαικαθὸν B_1. 2) οἱ B_1 B_2. 3) τινα *проп.* B_1 B_2. 4) ξα′ B_1 B_2. 5) ἔχοντα B_1 B_2. 6) νθ′ B_1 B_2. 7) αὐτοῖς B_1 B_2. 8) Νοητοῦ B_1 B_2.

ѯг· Оригенитане· иже ѿ нѣкоего оригена·[1] самотворьни же ти соуть· стоудотворьци· и своа тѣлеса тьли прѣдающе·[2]

ѯд· Оригенитане дроузии· оригена и адаманътина съчетателя· иже мьртвыихъ въскрьсение· ѿмѣтающе· хва же съзьдание· и стго дха съказающе· раи же нбса и ина вса инако[3] съказающе· хвоу же прѣстати цр҃ьствоу[4] блгодоуще· и въкоупѣ аггломъ прѣстати· хоу же съ дияволъмь цр҃ьствовавъшю·[5] и бѣсъı распѧтаго хва лъжесловать·

ѯе· Павлитане· ѿ павла самосатоусписка҃го· съ павлъ· несоущьна хса· просто изъвѣщаѣть· слово произнесение· въобразн ѿ марии же и доселѣ бъıти· произвѣщенъно о нѣмь бжственъıихъ писании речена имоущю оубо· не соущю[6] же нъ ѿ марии и до нъıнѣ· ѿ пльтьска҃го пришьствиа имѣти[7] соущьство·

ѯѕ· Маниχеане· иже и слоухъмьници· си мана перьска҃го оученици· хва оубо образъмь глющи· слнце же чтоуще· и лоуноу и звѣздъı и силоу[8] и бѣсомъ молитьсѧ· началѣ двѣ въводяще· зъло же и

[ξγ′.] Ὡριγενιανοὶ οἱ ἀπό τινος Ὡριγένους· αἱσχροποιοὶ δὲ οὗτοί εἰσιν, ἀῤῥητοποιοῦντες καὶ τὰ ἑαυτῶν σώματα φθορᾷ[1] παραδιδόντες.

[ξδ′.] Ὡριγενιανοὶ ἄλλοι, Ὡριγένους τοῦ καὶ Ἀδαμαντίου τοῦ συντάκτου, οἱ τὴν τῶν νεκρῶν ἀνάστασιν ἀποβαλλόμενοι, Χριστὸν δὲ κτίσμα καὶ τὸ ἅγιον πνεῦμα εἰσηγούμενοι, παράδεισόν τε καὶ οὐρανοὺς καὶ τὰ ἄλλα πάντα ἀλληγοροῦντες, Χριστοῦ δὲ πεπαῦσθαι[2] τὴν βασιλείαν ληροῦντες[3] καὶ ὁμοῦ τοὺς ἀγγέλους[4] παυθήσεσθαι, Χριστὸν δὲ σὺν διαβόλῳ βασιλευθησόμενον· καὶ δαίμοσι σταυρωθέντα Χριστὸν τερατεύονται.

[ξε′.] Παυλιανισταὶ ἀπὸ[5] Παύλου τοῦ Σαμοσατέως. οὗτος ὁ Παῦλος ἀνύπαρκτον τὸν Χριστὸν ὀλίγου δεῖν διαβεβαιοῦται,[6] λόγον προφορικὸν αὐτὸν σχηματίσας, ἀπὸ Μαρίας δὲ καὶ δεῦρο εἶναι· προκαταγγελτικῶς μὲν τὰ περὶ αὐτοῦ ἐν ταῖς θείαις γραφαῖς εἰρημένα ἔχοντος μέν, μὴ ὄντος δέ, ἀλλὰ ἀπὸ Μαρίας καὶ δεῦρο ἀπὸ τῆς ἐνσάρκου παρουσίας ἔχειν τὴν ὕπαρξιν.

[ξς′.] Μανιχαῖοι οἱ καὶ Ἀκουανῖται. οὗτοι Μάνεντος τοῦ Πέρσου μαθηταί, Χριστὸν μὲν σχήματι λέγοντες, ἥλιον δὲ σέβοντες καὶ σελήνην, ἄστροις τε καὶ δυνάμεσι καὶ δαίμοσιν εὐχόμενοι, ἀρχὰς δύο εἰσηγούμενοι πονηράν τε καὶ

1) ригена *П.* 2) *cod.* ѣ *по скобл.* 3) *cod.* и *переправл. изъ* к. 4) цр҃ьствоу *ПС.* 5) цр҃ьствовавшю *П;* цр҃товати *С.* 6) соущи *П.* 7) имоути *П.* 8) силоу *cod.;* силы *П.*

1) φθορὰ B_1 B_2. 2) πεπαῦσαι B_1. 3) κληροῦντες B_1. 4) τῆς ἀγγέλης B_1. 5) ἀ B_1. 6) διαβοβαιοῦνται cod. B_1 B_2.

ѥго соуще· присно соущи· хоу же мьнѣниемь бъıти· и пострадати· хавѣтъ хоулѧще·[1] и въ нѥмь глⷭавъшаго бⷭ· миръ
л. 258 а. же всѣ· | нъ часть ѿ бⷭ бывъшю· заповѣдающе·

ѯз· Иераките· иже ѿ иерака лъвова града єюпьтьскаго·[2] повѣстьника нѣкоѥго· плъти оубо въскрьсение ѿмещюще· прииемлють же ветъхъıи[3] новъıи хавѣтъ· ѿрицають же сѧ[4] брака отиноудь·[5] мьнихъı же[6] и дѣ̀ъı· и въздьржащаѧсѧ прииемлюще·[7] и горьша глюще· никъгда же[8] въздрасти бывъша дѣти· не причаститисѧ цр̃ьствиꙗ·[9] хан̃ѣ не пострадати имъ·

ѯи· Мелетию· и иже въ егупьтѣ образъ соуще· не ереса· не молѧщесѧ съ падъшиими въ гонении· нъıнꙗ же съ ариани̃ъ съкоуплъшесѧ·

ѯд· Ариа̃не· иже и ариꙗненестовьници· раздѣльници· иже сна[10] бж̃иꙗ съзьданиѥ глють и дх̃ъ ст̃ъıи· съзьданиꙗ· плъть тъкъмо хр̃соу ѿ марии въсприяти· извѣщающе нежели дш̃ю·

ѳ· Авдиꙗне распьрѣниѥ покорениѥ· не оубо ереса· си прѣбъıваниѥ и житиѥ[11] съоучинѥно сътѧжавъша· соуть же по вьсемоу вѣроу имоуще· ꙗко же и съборьнаꙗ цр̃къı· въ

1) хоулать *C*. 2) егⷭпетьскаго *C*. 3) и *прот. П*. 4) ѿрицающесѧ *П*. 5) ѿноудоу *П*. 6) иже *П*. 7) прⷭиемлюща *C*. 8) же *прот. C*. 9) цр̃твїа *ПС*. 10) сна *C*. 11) жⷭтї *C*.

ἀγαθὴν ἀεὶ οὖσας, Χριστὸν δὲ δοκήσει πεφηνέναι καὶ πεπονθέναι, διαθήκην βλασφημοῦντες καὶ τὸν[1] ἐν αὐτῇ λαλήσαντα θεὸν κόσμον τε οὐ τὸν[2] πάντα, ἀλλὰ μέρος ἐκ θεοῦ γενέσθαι[3] ὁριζόμενοι.

[ξζ΄.][4] Ἱερακῖται οἱ ἀπὸ Ἱέρακος[5] τοῦ Λεοντοπολίτου τῆς Αἰγύπτου ἐξηγητοῦ τινος, σαρκὸς μὲν ἀνάστασιν ἀθετοῦντες, χρώμενοι δὲ Παλαιᾷ καὶ Νέᾳ Διαθήκῃ, ἀπαγορεύοντες γάμον παντελῶς, μονάζοντάς τε καὶ παρθένους καὶ ἐγκρατευομένους δεχόμενοι· (л. 191[а])[6] λέγοντες τὰ μηδέπω ἐν ἡλικίᾳ γεγονότα παιδία μὴ μετέχειν τῆς βασιλείας διὰ τὸ μὴ ἠθληκέναι.

[ξη΄.] Μελιτιανοὶ οἱ ἐν Αἰγύπτῳ, σχίσμα ὄντες οὐχ αἵρεσις, μὴ συνευχόμενοι τοῖς ἐν διωγμοῖς παραπεπτωκόσι, νῦν δὲ Ἀρειανοῖς συναφθέντες.

[ξθ΄.] Ἀρειανοὶ οἱ καὶ Ἀρειομανῖται καὶ Διατομῖται, οἱ τὸν υἱὸν τοῦ θεοῦ κτίσμα λέγοντες καὶ τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον κτίσματος κτίσματος, σάρκα μόνον τὸν Χριστὸν ἀπὸ Μαρίας εἰληφέναι διαβεβαιούμενοι, οὐχὶ δὲ καὶ ψυχήν.

[ο΄.] Αὐδιανοί. σχίσμα καὶ ἀφηνιασμός, οὐ μέντοι αἵρεσις. οὗτοι διαγωγὴν μὲν καὶ βίον τεταγμένον[7] ἔχουσιν,[8] εἰσὶ δὲ κατὰ πάντα τὴν πίστιν ἔχοντες, ὡς ἡ καθολικὴ ἐκκλησία· ἐν

1) τὸν προπ. B_1 B_2. 2) αὐτὸν B_1 B_2 (вм. οὐ τὸν). 3) γεγενῆσθαι B_1 B_2. 4) Οἱ вставл. B_1 B_2. 5) Ἱέρακος B_1. 6) καὶ χείρους вставл. B_1 B_2. 7) ἐντεταγμένον B_1 B_2. 8) κέκτηνται B_1 B_2.

манастъıрьхъ множаише живоуще· и не съ вьсѣми молѧщесѧ· и паче въ таинъıихъ творѧть по съıти· гадѧще ѿ насъ соущаѧ[1] епїпъı богатъıѧ· и дроугъıѧ въ дроугаѧ· паскоу[2] же творѧть особь съ иоудеи· имоуть же невѣжьствьно | нѣчьто· и любопьрьно по образоу соухааго съказающе·

ба· Фотиане·[3] фотинъ сь·[4] ѿ сурмиѧ градѧше· подобьнааго[5] [пав]лоу[6] самосатиискоуоумоу съмъıшлѧше· по нѣчьсомоу же къ немоу пьрѧшесѧ· и тъ же ѿ маріѧ и до[7] сьде ха извѣщаше·

вь· Маркелиане· и иже ѿ маркела· ѿ анкура галатиискааго· сь испьрва любьзно съ савелиемь моудрьствовавъ прослоу· въ ѿвѣтъ же многашьдъı пришьдъ· и без написаниѧ· ѿвѣтавъ ѿ многъıихъ· въ тѣхъ же прѣбъıваюшиихъ оглан̃ъ бъıстьравьно же раскаѧвъсѧ·[8] некъли себе исправи· или оученици·[9] о[10] словесьхъ[11] кго правовѣрьнѣ нѣции· посрѣдѣ ѿвѣтъ сътвориша·

вг· Наполъıнечистии·[12] иже хса оу[б]о[13] съзьданиѥ исповѣдающе· ѧко ни ѥдиного ѿ съзьданий· нъ рекоша и сна гл̃емъ·

μοναστηρίοις οἱ πλείους οἰκοῦντες καὶ οὐ πᾶσι συνευχόμενοι· καὶ μάλιστα τοῖς ἀποκρύφοις κέχρηνται κατακόρως, ψέγοντες τοὺς παρ' ἡμῖν ἐπισκόπους πλουσίους καὶ ἄλλους εἰς ἄλλα· τὸ πάσχα δὲ ποιοῦσιν ἰδιαζόντως μετὰ Ἰουδαίων· ἔχουσι δὲ ἰδίωμά[1] τι[2] φι- л. 259 a.
λόνεικον, τὸ κατ' εἰκόνα ξηρότητα[3] ἑρμηνεύοντες.

[οα'.] Φωτεινιανοί. Φωτεινὸς οὗτος ἀπὸ Σιρμίου ὁρμώμενος τὰ ὅμοια Παύλῳ τῷ Σαμοσατεῖ ἐφρόνησε, κατά τι δὲ πρὸς αὐτὸν διηνέχθη· καὶ οὗτος δὲ ἀπὸ Μαρίας καὶ δεῦρο τὸν Χριστὸν διαβεβαιοῦται.

[οβ'.] Μαρκελλιανοὶ οἱ ἀπὸ Μαρκέλλου τοῦ ἀπὸ Ἀγκύρας τῆς Γαλατίας. οὗτος ἐν ἀρχῇ παραπλησίως Σαβελλίῳ φρονήσας διεφημίσθη, εἰς ἀπολογίαν δὲ πολλάκις[4] ἐλθὼν καὶ ἀγράφως ἀπολογησάμενος, παρὰ πολλῶν τοῖς αὐτοῖς ἐμμένειν κατηγορήθη, ἴσως δὲ μεταγνοὺς τάχα ἑαυτὸν διωρθώσατο, ἢ οἱ αὐτοῦ μαθηταὶ ὑπὲρ τῶν αὐτοῦ λόγων ὀρθόδοξοί τινες μέσοι ὑπερηπελογήσαντο.[5]

[ογ'.] Ἡμιάρειοι οἱ Χριστὸν μὲν κτίσμα ὁμολογοῦντες, εἰρωνείᾳ δὲ κτίσμα αὐτὸν φάσκοντες, οὐχ ὡς ἓν τῶν κτισμάτων, ἀλλά, φασίν,[6] υἱὸν αὐτὸν λέγομεν

1) соуща *II*. 2) пасхоу *IIC*. 3) Фонитіане *II*. 4) фотиносъ *C* (*вм.* фотинъ сь). 5) подобнаа *II*. 6) *исправл. по II*; лѕ *C*. 7) и до *проп. C*. 8) раѧвъсѧ *II*. 9) Ѕчинници *C*. 10) ѿ *C*. 11) словесь *C*. 12) Наполычистїи *C*. 13) *исправл. по II*.

1) ἰδιωτικόν B_1 B_2. 2) καὶ вставл. B_1 B_2. 3) ξηρότα B_1 B_2. 4) πολλάκιν B_1. 5) ὑπερα-πολογήσαντο B_1 B_2. 6) φησιν B_1 B_2.

ꙁаніе не прїкосноути[1] страсти оу҆ю· ꙁаніе рождена бꙑти съꙁьданаго[2] гл҃емъ· тако же и о дс҃ѣ[3] ст҃ѣмь· съꙁьданиє о҆ноудъ[4] запо-
5 вѣдаютъ· измѣтающе·[5] сн҃а единосоущьна· единосоущьноє же хотатъ глати· ини[6] же ѿ нихъ единосоущьноє изврѣтоша·

о҆д· Дх҃оворьци· си о хс҃ѣ доврѣ
10 глютъ нѣ ѿ[7] чьсо· джхъ же ст҃ꙑи хоулятъ· съꙁьданъ и проповѣдающе·[8] и не соущь ѿ б҃жьства· паче
л. 259 b. же по по|трѣбию· дѣтелию сътажати· и стованоую силоу[9] глюще и бꙑти
15 тъкъмо·

о҆е· Ариане· тъ аерии·[10] ѿ понта вѣаше· ѥще[11] же до сьде· искоушениє ѥсть житию· бꙑсть же прозвꙋ́теръ е҃п҃а евстафиа· въ аріанѣхъ облъ-
20 ганаго· и понѥже тъ аерии· не поставлѣнъ бꙑсть е҃п҃ъ· мъного на цр҃квь проповѣда· вѣрою сꙑ[12] аріанъ· съвершенъıи· лише же повелѣваютъ· не подобаетъ рече· приносити за
25 оумьръшаа постити же сѧ въ срѣдоу· и къ соуботѣ и въ четвьртодесѧтънъıи постъı·[13] и паскоу[14] въꙁбранѧютъ· ѿрицаютъ[15] же є[16] ѿмѣтаютъ· плътоꙗдениа же всѧ[17] приимаютъ· и

διὰ τὸ μηδὲ πάθος προσάψαι πατρὶ διὰ τοῦ γεγεννηκέναι κτιστὸν αὐτὸν λέγομεν. ὡσαύτως καὶ περὶ τοῦ πνεύματος τοῦ ἁγίου κτίσμα παντελῶς ὁρίζονται παρεκβάλλοντες τοῦ υἱοῦ τὸ ὁμοούσιον· ὁμοούσιον δὲ θέλουσι λέγειν, ἄλλοι δὲ ἐξ αὐτῶν καὶ τὸ ὁμοούσιον παρεξέβαλον.

[οδ'.] Πνευματομάχοι. οὗτοι περὶ μὲν Χριστοῦ καλῶς λέγουσι παρά τι, τὸ δὲ πνεῦμα τὸ ἅγιον βλασφημοῦσι, κτιστὸν αὐτὸ ὁριζόμενοι καὶ οὐκ ὂν ἐκ τῆς θεότητος, μᾶλλον δὲ καταχρηστικῶς δι' ἐνέργειαν ἐκτίσθαι,[1] ἁγιαστικὴν δύναμιν αὐτὸ φάσκοντες εἶναι μόνον.

[οε'.] Ἀεριανοί. οὗτος ὁ Ἀέριος ἀπὸ Πόντου ὡρμᾶτο, ἔτι δὲ δεῦρο πειρασμός ἐστιν οὗτος (л. 191[b]) τῷ βίῳ· γέγονε δὲ πρεσβύτερος τοῦ ἐπισκόπου Εὐσταθίου τοῦ ἐν Ἀρειανοῖς διαβληθέντος· καὶ ἐπειδὴ αὐτὸς ὁ Ἀέριος οὐ κατεστάθη ἐπίσκοπος, πολλὰ κατὰ τῆς ἐκκλησίας ἐδογμάτισε, τῇ μὲν πίστει ὢν Ἀρειανὸς τελεώτατος, περιττότερον δὲ δογματίζει· μὴ δεῖν φησι προσφέρειν ὑπὲρ τῶν κεκοιμημένων, νηστεύειν δὲ τετράδα καὶ προσάββατον καὶ τεσσαρακοστὴν καὶ πάσχα κωλύει· ἀποταξίαν ἀποκηρύττει· σαρκοφαγίαις παντοίαις κέχρηται καὶ

1) прикостити *C*. 2) съ҃ꙁаніаго *II*. 3) и *вставл. II*. 4) ѿноудоу *II*. 5) *cod.* цѥ *по скобл.* 6) и они *C* (*вм.* ини). 7) о *C*. 8) проповѣда *C*. 9) силю *II*. 10) аерии *C*. 11) *cod.* ц *переправл. изъ* с. 12) сн *C*. 13) постыи *II*. 14) пасхѕ *II*. 15) ѿрицаніѥ *II*. 16) є *проп. II*. 17) всѧ *C*.

1) κεκτίσθαι B_1 B_2.

пица бе страха· аще къто хощеть того поститисѧ· не въ дни повелѣнъша рече· нъ егда хощеть· нѣсть бо подъ законъмь· глѣть же ничимь же быти лоучьшю епу прозвутера·

οϛ· Аетиане· иже ѡ аетиа· киликискаго· диакона бывъша· ѡ георгиа ариѧньскаго· епа александрьскаго· аще и[1] неподобьнѣ наричѧемѣ· ѡ нѣкыихъ же евномиане· евномиемь нѣкъимь оученикъмь· аетиевъмь бывъшемъ·[2] съ ними же бѣ и евдокси· нъ оу зане къ црю[3] костантиноу· ѡлоучи себе· и единого аетиа изгъна· прѣвысть оубо· еудокси[4] ариѧньскиа[5] творѧ· не оубо по аетию творѧ· ти неподобьни·[6] иже аетиане· вьсѣде хсѣ и стыи дхъ ѡмеицють· ва оца съзьдана извѣщающе· и ни подобна[7] нѣкоего· имѣти глѣть· ѡ помышлении· аристотерьскыихъ[8] и землемѣрьныихъ·[9] ва прѣдъставити[10] хотать· и хсъ оубо не моци быти ѡ ва тацѣми· образъı ѡ ниихъже евномиане наричѧемии· въторое крьстать· всѧ къ нимъ приходѧщаѧ· не тъкъмо же нъ и ѡ ариѧнъ· стрьмь главою· горѣ ногама обращающе крыщающисѧ·[11]

τρυφαῖς ἀδεῶς· εἰ δέ τις τῶν αὐτοῦ βούλοιτο νηστεύειν, μὴ ἐν ἡμέραις τεταγμέναις φησίν, ἀλλ' ὅτε βούλεται· οὐ γὰρ εἷ ὑπὸ νόμον. φάσκει δὲ μηδὲν εἶναι διαφορώτερον ἐπίσκοπον πρεσβυτέρου.

[οϛ'.] Ἀετιανοὶ οἱ ἀπὸ Ἀετίου τοῦ Κίλικος διακόνου γενομένου ὑπὸ Γεωργίου τοῦ τῶν Ἀρειανῶν ἐπισκόπου τῆς Ἀλεξανδρείας, οἱ καὶ Ἀνόμοιοι καλούμενοι, παρά τισι δὲ Εὐνομιανοὶ δι' Εὐνόμιόν τινα μαθητὴν τοῦ Ἀετίου γενόμενον· οἷς συνῆν καὶ Εὐδόξιος, ἀλλὰ δῆθεν διὰ[1] τὸν βασιλέα Κωνσταντῖνον ἀφώρισεν ἑαυτὸν καὶ μόνον τὸν Ἀέτιον ἐξώρισεν. ἔμεινε μέντοι Εὐδόξιος ἀρειανίζων, οὐ μέντοι γε κατὰ τὸν Ἀέτιον. οὗτοι οἱ Ἀνόμοιοι[2] καὶ Ἀετιανοὶ παντάπασι[3] Χριστὸν καὶ τὸ ἅγιον πνεῦμα ἀπαλλοτριοῦσι θεοῦ πατρός, κτιστὸν αὐτὸ διαβεβαιούμενοι, καὶ οὐδὲ ὁμοιότητά τινα ἔχειν λέγουσιν· ἐκ συλλογισμῶν ἀριστοτελικῶν καὶ γεωμετρικῶν τὸν θεὸν παριστᾶν βούλονται καὶ Χριστὸν δῆθεν μὴ δύνασθαι εἶναι ἐκ θεοῦ διὰ τοιούτων τρόπων. οἱ δὲ ἀπ' αὐτῶν Εὐνομιανοὶ καλούμενοι ἀναβαπτίζουσι πάντας τοὺς πρὸς αὐτοὺς ἐρχομένους, οὐ μόνον δὲ ἀλλὰ καὶ τοὺς ἀπὸ Ἀρειανῶν, κατὰ κεφαλῆς ἄνω τοὺς πόδας στρέφοντες τῶν βαπτιζομένων, л. 260 a.

1) и *прот. П.* 2) *cod. переправл.* ѥ *изъ* и. 3) црю *ПС.* 4) едоксна *С.* 5) арѧньскаго *П.* 6) непщѡбнїи *ПС.* 7) подѡбна *П.* 8) аристорьскын *С.* 9) землевѣрный *С.* 10) престаити *П.* 11) крещающесѧ *С.*

1) τὸ πρὸς вставл. B_1 B_2. 2) οἱ вставл. B_1 B_2. 3) πάντα B_1; παντά B_2 (πασιν должно было быть перенесено на стр. 294[b]).

ꙗко же и мъного гл҃ютьсѧ слово· а еже съблазнитисѧ въ нѣкоемь блоужении·[1] или въ иномь грѣсѣ· ничемоу же бъıти рѣша· ничьсо же бо ищеть ѣ҃ъ· нъ єже бъıти комоу въ тои тъкъмо тѣхъ мънимѣи вѣрѣ·

ѳ҃з· Дъвочастьници· гл҃ютьсѧ и аполинарѧне· єже несъвьршеноє хв҃о въчл҃вчениє исповѣдающе· иже нѣции· єдиносоущьно тѣло бж҃ьствоу· дьрзоша рещи къгда· нѣции же къгда[2] ꙗко дш҃ю прия и[3] того· ѿмѣтаахоу[4] ѿ съзьданъıа плъти· сирѣчь маринноу плъть ємоу приати· тъкъмо же любопьриливо·[5] гл҃аахоу словоу плъти бъıти· послѣдь же разоумѣюще нѣчьто· не вѣмь рещи· оума ємоу рѣша не възьмъıшю·[6]

ѳ҃и· Соупостатомарииници· иже стоую марию приснодв҃оую· по рожении спса· съ иѡ҃сифъ|мь съчетатисѧ рекоша· л. 260 b.

ѳ҃д· Сковродопечьци·[7] иже въ има тоа же мариа· въ дн҃ь нѣкъıи лѣтаповелѣнъıи· на сковродѣ[8] испеченоє нѣчьто· приносать· имъже положихомъ има сковродопечьци·[9]

п҃· Масалиѧне· иже съказаєми мт҃вьници· съкоупл҃аютьсѧ съ тѣми· и єлинъ начинаємъıихъ ереса· сии гл҃ємии хвальници· и послоушьници·

ὡς πολὺς ἄδεται λόγος. τὸ δὲ σφαλῆναι ἔν τινι πορνείᾳ ἢ ἑτέρᾳ ἁμαρτίᾳ οὐδὲν δεινὸν εἶναί φασιν· οὐδὲν γὰρ ζητεῖ ὁ θεός, ἀλλ' ἢ τὸ εἶναί τινα ἐν ταύτῃ μόνον τῇ αὐτῶν νομιζομένῃ πίστει.

[οζ'.] Διμοιρῖται λέγονται οἱ καὶ Ἀπολινάριοι, οἱ μὴ τελείαν τὴν Χριστοῦ ἐνανθρώπησιν ὁμολογοῦντες (ὡς τινες ὁμοούσιον τὸ σῶμα τῇ θεότητι ἐτόλμησαν εἰπεῖν,[1] τινὲς δέ ποτε ὅτι ψυχὴν εἴληφε καὶ τοῦτο ἠρνοῦντο[2]), ἀπὸ κτιστῆς σαρκὸς τουτέστι Μαρίας σάρκα αὐτὸν εἰληφέναι· μόνον δὲ φιλονείκως ἔλεγον τὸν λόγον σάρκα γεγενῆσθαι, ὕστερον δὲ διανοούμενοι τί οὐκ οἶδα εἰπεῖν, νοῦν αὐτὸν φασι μὴ εἰληφέναι.

[οη'.] Ἀντιδικομαριαμῖται, οἱ τὴν ἁγίαν Μαρίαν τὴν ἀειπάρθενον μετὰ τὸν σωτῆρα γεννῆσαι τῷ Ἰωσὴφ συνῆφθαι φάσκοντες.

[οθ'.] Κολλυριδιανοὶ οἱ[3] εἰς ὄνομα τῆς αὐτῆς Μαρίας ἐν ἡμέρᾳ τινὶ τοῦ ἔτους (л. 192ª) ἀποτεταγμένῃ κολλυρίδα τινὰ προσφέροντες, οἷς ἐπεθέμεθα ὄνομα Κολλυριδιανοί.

[π'.] Μασσαλιανοὶ[4] οἱ ἑρμηνευόμενοι Εὐχῖται· συνάπτονται τούτοις καὶ τῶν ἀπὸ Ἑλλήνων ἐπιτηδευομένων[5] αἱρέσεων οὗτοι οἱ λεγόμενοι Εὐφημῖται καὶ Μαρτυριανοί.[6]

---

1) дрьжениѣ *C.* 2) нѣции же къгда *пропущ. C.* 3) и *пропущ. C.* 4) ѿмѣтахѫ *C.* 5) *cod.* переправл. и (*после* р) *изъ* ь. 6) въ³шю *C.* 7) Сковродопечьци *C.* 8) сковродѣ *C.* 9) сковродопечьци *C.*

1) ποτέ вставл. B_1 B_2. 2) ἠρνοῦτο B_1. 3) οἱ B_1 B_2. 4) Μασαλλιανοί B_1 B_2. 5) ἐπιτετηδευμένων B_1 B_2. 6) καὶ Σατανιανοί добавл. B_1 B_2.

главы повелѣнїа· масалинь-
скыихъ[1] ꙁълочьстиваго въ-
ꙁѧтъ отъ кънигъ ихъ·

Ꙗко живеть въ чл҃вчѣ·[2] соущь-
ствьно сотона· и по вьсемоу облада-
етъ имь·

Ꙗко[3] сотона и вѣси· обѣдьржать[4]
оумъ чл҃вчьскъ· и естьствоу чл҃вчь-
скоу· обьще есть доухъмь лоука-
вънимъ·

Ꙗко живеть сотона и дх҃ъ
ст҃ыи на нб҃си· ꙗко ни апли
чисти бѣша· дѣтельныꙗ дѣтели· и ꙗко ни крьщение съвьр-
шаеть чл҃вка ни бж҃ьствьныихъ
таинъ ѡкръвение· очищаеть дш҃ѣ·
нъ едина ѡ нихъ тъщащисѧ
мл҃ва·

Ꙗко съмѣсилъсѧ есть чл҃вкъ[5] съ
грѣхъмь и по крьщении·

Ꙗко[6] не крьщенїа ради прие-
маеть· нетьлѣние бж҃ьствьное одѣние
вѣрьныихъ· нъ мт҃вою и дѣлъмь·

Ꙗко подобаеть и бестрастие
прїати· и при|частие ст҃аго-
чювьствъмь вьсѣмъ· и извѣщени-
емь всѣмъ·

Ꙗко подобаеть дш҃и таковѣ бъти·
обьщание[7] нб҃сьнаго живота и же-
нихъ· ꙗкого[8] же ѡщютить[9] жена въ
съвъкоуплении моужа·

Κεφάλαια τοῦ τῶν Μασσαλιανῶν[1]
δυσσεβοῦς δόγματος, ἀναληφθέντα
ἐκ τοῦ βιβλίου αὐτῶν.

Ὅτι συνοικεῖ ἐν τῷ ἀνθρώπῳ ἐνυπο-
στάτως ὁ σατανᾶς καὶ κατὰ πᾶν[2] κυ-
ριεύει αὐτοῦ.

Ὅτι ὁ σατανᾶς καὶ οἱ δαίμονες κα-
τέχουσι τὸν νοῦν τῶν ἀνθρώπων καὶ ἡ
φύσις τῶν ἀνθρώπων κοινωνική ἐστι
τῶν πνευμάτων τῆς πονηρίας.

Ὅτι συνοικοῦσιν ὁ σατανᾶς καὶ τὸ
πνεῦμα τὸ ἅγιον ἐν τῷ ἀνθρώπῳ, καὶ
ὅτι οὐδὲ οἱ ἀπόστολοι καθαροὶ ἦσαν τῆς
ἐνεργουμένης ἐνεργείας· καὶ ὅτι[3] οὐδὲ τὸ
βάπτισμα τελειοῖ τὸν ἄνθρωπον, οὔτε ἡ
τῶν θείων[4] μυστηρίων μετάληψις κα-
θαρίζει τὴν ψυχήν, ἀλλ' ἡ[5] μόνη[6]
παρ' αὐτοῖς σπουδαζομένη εὐχή.

Ὅτι συμπέφυρται ὁ ἄνθρωπος τῇ
ἁμαρτίᾳ καὶ μετὰ τὸ βάπτισμα.

Ὅτι οὐ διὰ τοῦ βαπτίσματος λαμ-
βάνει τὸ ἄφθαρτον καὶ θεῖον ἔνδυμα ὁ
πιστός, ἀλλὰ δι' εὐχῆς καὶ ἔργου.[7]

Ὅτι δεῖ καὶ ἀπάθειαν λαβεῖν
καὶ μετουσίαν τοῦ ἁγίου πνεύμα- л. 261 а.
τος ἐν αἰσθήσει πάσῃ καὶ πληροφορίᾳ
αἰσθέσθαι.[8]

Ὅτι δεῖ τὴν ψυχὴν τοιαύτης αἰσθέ-
σθαι[9] τῆς κοινωνίας τοῦ οὐρανίου νυμ-
φίου, οἵας αἰσθάνεται ἡ γυνὴ ἐν τῇ συ-
νουσίᾳ τοῦ ἀνδρός.

---

1) маласиньскый *C.* 2) чл҃цѣ *C.* 3) ко *П.* 4) шбдръжь *П.* 5) чл҃комъ *C.* 6) ко *П.* 7) окщенїе *C.* 8) ꙗко *C.* 9) ѡщютить *C.*

1) Μασαλλιανῶν B_1 B_2. 2) cod. позднѣйшей рукой переправл. въ πάντα. 3) ὅτι проп. B_1 B_2. 4) ὁσίων B_1 B_2. 5) cod. переправл. позднѣйшей рукой въ ἡ. 6) ἡ вставл. cod. позднѣйшей рукой. 7) καὶ ἔργου проп. B_1 B_2. 8) αἴσθεσαι B_1; αἴσθεσθαι B_2. 9) αἴσθεσθαι B_1 B_2.

Ико дх҃овьнии видѧть въноутрьоудоу·[1] и вънѣюдоу грѣхъ· и блг҃дть дѣющю и дѣтельствоующю·

Ико есть ѡкрѫвениѥ· бывающеѥ чювьствьно· въ чювьствѣ и въ соущьствѣ· бжьствьнѣмь· ѩко же повелѣниа·

Ико огнь дѣтельно есть·

Ико[2] дша не имоущиа хс҃а въ чювьствѣ· и въ всеи дѣтели· жилище есть гадомъ· и ѩдовитъимъ зв҃рьмъ· сирѣчь всѧкоа противьнъіа силъı·

Ико естьствѣмь зълаа·

Ико[3] прѣже прѣстоуплениа· бе страсти приобьщисѧ адамъ къ евзѣ·[4]

Ико сѣмѧ и слово паде въ марии·

Ико[5] дъвѣ подобаѥть чл҃вкоу сътѫжати дши рекоша·[6] единo обьщю чл҃вкомъ· а единоу нб҃ьноую·

Ико моцьно прияти рече· чювьствьно[7] соущьство[8] стго дх҃а чл҃вкоу· всѣмь[9] изв҃щениѥ[мь]·[10] и всею дѣтелию·

Ико молѧщимъсѧ можеть сѧ[11] ѩвити· хс҃ъ въ свѣтѣ· и[12] въ нѣкоѥ врѣмѧ· обрѣстисѧ чл҃вкѫ | прѣстоѩщю· стоугоумоу олътарю· принести кмоу три хлѣбъı масломь съмѣшенъı·[13]

л. 261 b.

Ὅτι οἱ πνευματικοὶ ὁρῶσιν ἔσωθεν καὶ ἔξωθεν τὴν ἁμαρτίαν καὶ τὴν χάριν ἐνεργοῦσαν καὶ ἐνεργουμένην.

Ὅτι ἔστιν ἀποκάλυψις γινομένη αἰσθητῶς ἐν αἰσθήσει καὶ ὑποστάσει θεϊκῇ ὡς δόγματα.

Ὅτι τὸ πῦρ δημιουργόν ἐστιν.

Ὅτι ἡ ψυχὴ ἡ μὴ ἔχουσα τὸν Χριστὸν ἐν αἰσθήσει καὶ πάσῃ ἐνεργείᾳ οἰκητήριόν ἐστιν ἑρπετῶν καὶ ἰοβόλων θηρίων, τουτέστι πάσης τῆς ἀντικειμένης δυνάμεως.

Ὅτι φύσει τὰ κακά.

Ὅτι καὶ πρὸ τῆς παραβάσεως ἀπαθῶς ἐκοινώνησεν ὁ Ἀδὰμ τῇ Εὔᾳ.

Ὅτι σπέρμα καὶ λόγος ἔπεσεν εἰς τὴν Μαρίαν.

Ὅτι δύο δεῖν κτήσασθαι τὸν ἄνθρωπον ψυχάς φασι, μίαν τὴν κοινὴν ἀνθρώποις καὶ μίαν τὴν ἐπουράνιον.

(л. 192[b]) Ὅτι δυνατόν φησι δέξασθαι αἰσθητῶς τὴν ὑπόστασιν τοῦ ἁγίου πνεύματος τὸν ἄνθρωπον ἐν πάσῃ πληροφορίᾳ καὶ πάσῃ ἐνεργείᾳ.

Ὅτι τοῖς εὐχομένοις δύναται φανεροῦσθαι ὁ σταυρὸς ἐν φωτὶ καὶ κατά τινα καιρὸν εὑρεθῆναι ἄνθρωπον παρεστῶτα τῷ ἁγίῳ θυσιαστηρίῳ καὶ προσενεχθῆναι αὐτῷ τρεῖς ἄρτους δι' ἐλαίου πεφυρμένους.

---

1) въноутрѣюдоу *П.* 2) ко *П.* 3) ко *П.* 4) евѣи *П.* 5) ко *П.* 6) рѣко *С.* 7) чювьственѣи *П*; чювьствено *С.* 8) соущьство *проп. С.* 9) и *вставл. С.* 10) *исправл. по П.* 11) сѧ *проп. С.* 12) и *проп. С.* 13) съмѣшеныи *П.*

Ѥщѥ же ѡвращаютьсѧ· и дѣла роучьнааго ꙗко не подобающю хрьстианомъ· по части же инa ницaꙗ· вечл҃вчениꙗ·[1] въводѧть гл҃ющѥ не акъı въ людьхъ просѧщиимъ· или оставлѥнъıимъ въдовицѧмъ· ни различьнъıими напастьми приимъшемъ· или врѣдъмь тѣлесьнъıимь· или недоугъı· или горькъıими вельможами· или разбоиникъı·[2] или поганъıихъ нападениимь·[3] или въ нѣкакъı таковъıꙗ въпадъшемъ напасти· довъльно подобьно ѡрицающемъсѧ· или начинающиимъ въсако благодѣати· нъ въсѧ тѣмь дѧати· себе бо гл҃аахоу бъıти· въистиноу ницѣмъ бъıти дх҃омъ· сими[4] приложиша· цр҃къвъ и[5] олтареⷭ прѣзорьство·[6] ꙗко подобьно постьникомъ· въ цр҃кьвьнъıихъ· не прѣбъıвати съньмищиихъ· довъльномъ же бъıти· въ постьнъıихъ своихъ мт҃вахъ· толицѣ бо гл҃аахоу бъıти· силѣ мт҃въı[7] ихъ· ꙗко тѣмь ѡ нихъ· наоучивъшиимъсѧ· чювьствьно дх҃ъ ст҃ъıи ꙗвлати· лъжесловать бо ꙗко же подобаѥть· хотѧщиимъ сѧ[8] спсти на колико молитисѧ· ничьсо же ѥже паче вьсего иного творѧщемъ· дъıѣдеже оубо· грѣхъ ощютать· ꙗко же дъımoу нѣкоемоу·

Ἔτι δὲ ἀποστρέφονται καὶ τὴν ἐκ τῶν χειρῶν ἐργασίαν ὡς οὐ πρέπουσαν χριστιανοῖς· κατὰ μέρος δὲ καὶ τὴν περὶ τοὺς πτωχοὺς ἀπανθρωπίαν εἰσάγουσι φάσκοντες, ὡς οὐχὶ τοῖς δημοσίᾳ προσαιτοῦσιν, ἢ ταῖς κατειλημμέναις[1] χήραις, οὐδὲ τοῖς διαφόροις περιστάσεσι χρησαμένοις, ἢ λώβῃ σωμάτων, ἢ νόσοις, ἢ πικροῖς δυνάσταις[2] ἢ λῃστῶν ἢ βαρβάρων ἐπιδρομαῖς, ἤ τισι τοιαύταις συμφοραῖς περιπεπτωκόσιν ἐπαρκεῖν ἁρμόττον τοὺς ἀποταττομένους ἢ τοὺς ὅλως ἀγαθοεργεῖν ἀρχομένους, ἀλλὰ ἑαυτοῖς[3] ἅπαντα χορηγεῖν· ἑαυτοὺς γὰρ ἔφασκον εἶναι τοὺς ἀληθῶς πτωχεύοντας τῷ πνεύματι· τούτοις προσετίθεσαν[4] τῶν ἐκκλησιῶν καὶ τῶν θυσιαστηρίων ὑπεροψίαν, ὡς δέον τοὺς ἀσκητὰς ἐκκλησιαστικαῖς[5] μὲν μὴ παραμένειν[6] συνάξεσιν, ἀρκεῖσθαι δὲ ταῖς ἐν τοῖς ἀσκητηρίοις αὐτῶν εὐχαῖς· τοσαύτην γὰρ ἔλεγον εἶναι τὴν τῆς προσευχῆς αὐτῶν δύναμιν, ὥστε αὐτοῖς τε καὶ τοῖς παρ' αὐτῶν μαθητευθεῖσιν αἰσθητῶς τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον ἐπιφαίνεσθαι. τερατεύονται γὰρ ὡς χρὴ τοὺς σωθῆναι βουλομένους ἐπὶ τοσοῦτον προσεύχεσθαι, οὐδὲν τὸ πάραπαν ἕτερον διαπραττομένους, ἕως ἂν τῆς μὲν ἁμαρτίας αἴσθωνται, καθάπερ καπνοῦ τινος

1) кѣ҃чѧ҃ченїа *C.* 2) разбоиникыи *II.* 3) нападенїемь *II.* 4) снмъ *II.* 5) и *проп. C.* 6) *C переправл. изъ* прозорьство. 7) мт҃тѣ *II;* мт҃твѕ *C.* 8) сѧ *проп. II.*

1) κατειλημμέναις B_1 B_2. 2) δανεισταῖς B_1 B_2 и cod. (рук. XIV в. переправл. изъ δυνάσταις). 3) αὐτοῖς B_1 B_2. 4) προσετέθησαν B_1 B_2. 5) B_2 переправл. изъ ἐκκλησιαστικῶν. 6) παραμένη B_1.

л. 262 а. или огню· | или зміеви· или коемоу та[ко]воумоу звѣри· мл҃твою изгонимоу· и чювьствьно[1] мл҃твами съподоблающю· дх҃а же с҃тго пакы· въходъ чювьствьно въспримоуть· и швѣ въ дш҃ю[2] имоуть[3] чювьствьно[4] въхода дх҃а· и томоу быти[5] истиньноумоу хрьстьяньскоумоу обьщению· ни крьщении бо цр҃кве· или въ поставлении клирикъ с҃тго дх҃а· всѣмъ причаститиса· хрьстьщиимъса· аще не тѣхъ мл҃твами· троудолюбьнѣе приобьщитиса· и приати оубо нѣкоє· и развѣ крьщениа с҃тго дх҃а· аще прѣбывати съ ними въсхотать· и[6] онѣхъ наоучити повелѣниа· шко и попомъ нѣкыимъ рекъшемъ имъ· шко вѣрою с҃тыи дх҃ъ· исповѣдаємъ имѣти· а не чювьствъмь[7] обѣщати· и тѣмъ мл҃твы ради иже съ ними· подати чювьства дх҃а· толико же ихъ есть боуиства гърдость· шко причащающаса ѿ нихъ· с҃тго дх҃а чювьство· бл҃женомъ быти ѿ нихъ· шко съвьршеномъ· и лоучьшемъ· и строити и чисти· шко неповиньномъ соущемъ· аще вѣдамъ грѣха· нъ прочеє покои и брашьнъ· невъздьржание· и[8] вьсемоу

ἢ πυρὸς ἢ δράκοντος ἤ τινος τοιούτου θηρίου, διὰ τῆς προσευχῆς ἐξελαυνομένης καὶ αἰσθητῶς διὰ τῶν προσευχῶν ἐξιούσης, τοῦ πνεύματος δὲ τοῦ ἁγίου πάλιν τὴν εἴσοδον αἰσθητῶς ὑποδέξωνται καὶ φανερὰν ἐν τῇ ψυχῇ ἔχωσιν[1] αἴσθησιν τῆς εἰσόδου τοῦ πνεύματος· καὶ ταύτην εἶναι τὴν ἀληθινὴν χριστιανῶν κοινωνίαν· οὐδὲ γὰρ ἐν τῷ βαπτίσματι τῆς ἐκκλησίας ἢ ταῖς τῶν κληρικῶν χειροτονίαις ἁγίου πνεύματος πάντως μεταλαμβάνειν τοὺς βαπτιζομένους, εἰ μὴ ταῖς αὐτῶν προσευχαῖς φιλοπονώτερον κοινωνήσαιεν·[2] καὶ λαβεῖν ἄν τινα καὶ δίχα τοῦ βαπτίσματος ἁγίου πνεύματος κοινωνίαν, εἰ παραμένειν αὐτοῖς ἐθελήσειε καὶ τοῖς ἐκείνων μαθητεύεσθαι δόγμασιν, ὡς καὶ πρεσβυτέρων τινῶν εἰπόντων αὐτοῖς, ὅτι ἐν πίστει τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον[3] ὁμολογοῦμεν ἔχειν καὶ οὐκ αἰσθήσει ἐπαγγείλασθαι· καὶ αὐτοῖς διὰ τῆς σὺν αὐτοῖς προσευχῆς μεταδοθήσεσθαι τῆς αἰσθή(л. 193[a])σεως τοῦ πνεύματος· τοσοῦτος δέ ἐστιν αὐτῶν τῆς ἀλαζονείας ὁ τύφος, ὡς τοὺς μετασχόντας παρ' αὐτοῖς δῆθεν τῆς τοῦ πνεύματος αἰσθήσεως μακαρίζεσθαι ὑπ' αὐτῶν ὡς τελείους καὶ πάσης ἁμαρτίας ἐλευθέρους καὶ κρείττονας, καὶ περιέπειν καὶ σέβεσθαι ὡς μὴ ὑποκειμένους ἔτι κινδύνοις ἁμαρτίας, ἀλλὰ λοιπὸν ἄνεσιν καὶ βρωμάτων ἄδειαν καὶ πᾶσαν ὑπάρχειν

1) чюствно *C*. 2) дш҃и *П*. 3) имоуть *пропущ. C*. 4) *сод. перечеркив. конечный слогъ* но; *П* чювьство; *C* чювесть. 5) и *вставл. П*. 6) и *пропущ. C*. 7) чювьство *П*. 8) и *пропущ. П*.

1) ἔχουσιν B_1 B_2. 2) κοινωνήσειεν B_1 B_2. 3) τὸ ἅγιον πνεῦμα B_1 B_2.

имъ бꙑти дароприношению· и чьсти[1] и пищи· ꙗко же мънози по таковѣи[2] ѡ нихъ· съвьршенига кромѣ соуцемъ· ни хрьстиани нарицатисѧ· съподобляютъ· срамодѣиствъмь же различьнъимь· и[3] имѣ|нига окрадениемь[4] и блоужениемь· прѣльстивъшесѧ ꙗвишасѧ· многа же и ина къ реченъимъ лъжесловать·[5] ꙗко же и бракъı законьнъıꙗ· бе съблюденига раздроушати имъ· и ѡ брака ѡстоупающаꙗ· ꙗже постьникъı приимати и оублажати· и оц҃а и мт҃ере· чадоосиренига· не-брѣци[6] повиноуютьсѧ· тѣмь же приносити вьсѧ· повелѣва[ю]ще· рабъı же ѡ господии ѡбѣгающе· готово приимати· и приходящаꙗ· ѡ различьнъихъ грѣхъ· бес плода нѣкоего покаганига· безъ области чиститель· вещина канонъмь цр҃квьнъимь· нарекъшимъсѧ· скоро очищати[7] вьсакого грѣха извѣщаю· тъкъмо аще като· прославлѣноую ихъ мт҃воу ѡ нихъ[8] наоучивъсѧ оученикъ хоудъ[9] тѣхъ проказъı бъıсть· ꙗко инѣхъ[10] таковъıꙗ· прѣже измѣнъı грѣховъ· привести ꙗ въ поставлениѥ клирикъ· лъстиво покарающи епп҃и положити роукъı[11] на нихъ· или[12] ѡ болъшинихъ

αὐτοῖς δορυφορίαν καὶ τιμὴν καὶ τρυφήν, ὡς[1] πολλοὶ καὶ μετὰ τὴν τοιαύτην παρ' αὐτοῖς τῆς τελειότητος ἐκτὸς ὄντας οὔτε χριστιανοὺς προσαγορεύειν ἀξιοῦσιν,[2] αἰσχρουργίαις διαφόροις καὶ χρημάτων κλοπαῖς[3] καὶ πορνείαις περιπεσόντες ὤφθησαν· πολλὰ δὲ καὶ ἕτερα πρὸς τοῖς εἰρημένοις τερατεύονται, ὡς καὶ γάμους ἐνθέσμους ἀδιαφορώτατα διαλύειν αὐτοὺς καὶ τοὺς τῶν γάμων ἀφισταμένους ὡς ἀσκητὰς προσλαμβάνεσθαι καὶ μακαρίζειν· καὶ πατέρας καὶ μητέρας τεκνορφανίας ἀμελεῖν πείθουσι, τούτοις δὲ προσκομίζειν ἅπαντα κατεπάδοντες· δούλους τε δεσποτῶν ἀποδιδράσκοντας ἑτοίμως παραδέχονται· καὶ τοὺς ἀπὸ διαφόρων ἁμαρτημάτων αὐτοῖς προσιόντας ἄνευ καρποῦ τινος μετανοίας, ἄνευ ἱερέων αὐθεντίας, ἄνευ βαθμῶν τῶν τοῖς κανόσι τοῖς ἐκκλησιαστικοῖς διηγορευμένων τάχιστα καθαίρειν παντὸς ἁμαρτήματος ἐπαγγέλλονται· μόνον εἴ τις τὴν πολυθρύλητον αὐτῶν προσευχὴν παρ' αὐτοῖς μελετήσας μύστης σχέδιος τῆς ἐκείνων κυβείας ἐγένετο, ὡς καί τινας τῶν τοιούτων πρὸ τῆς ἀπαλλαγῆς τῶν ἁμαρτημάτων ἄγειν αὐτοὺς εἰς κληρικῶν χειροτονίας, δολερῶς πείθοντες τοὺς ἐπισκόπους ἐπιτιθέναι χεῖρας αὐτοῖς, ἢ[4] παρὰ τῶν νομιζομένων

л. 262 b.

1) чисти *C.* 2) таѣи *II*; таковѣ *C.* 3) и *прот. ПС.* 4) wкраденїѥ *II.* 5) лжеславать *II.* 6) нєwбрѣци *II.* 7) ѡчитати *C.* 8) нихже *II.* 9) ходъ *II.* 10) имѣ *C.* 11) й *вставл. II.* 12) и *II.*

1) cod. переправл. рукой XIV в. въ ѿн. 2) телеіότητα cod. (вм. τῆς τελειότητος), но рука XIV в. исправила въ τελειότητος и надпис. сверху μαρτυρίαν τῆς, а слова ἧς ἐκτὸς ὄντας οὐδὲ χριστιανοὺς προσαγορεύειν ἀξιοῦσιν стоятъ in m. 3) κλοποῖς B_1. 4) cod. переправл. рукой XIV в. въ τῇ.

ѿ нихъ· постьникъ послоуха прѣлщающемъсѧ·[1] се же тъщатьсѧ·[2] не ꙗко клирикъ[3] чинъı чьстьнъıꙗ изволяще·[4] ибо и[5] самѣхъ епп̃ъ прѣобидѧще когда хотѧтъ· нъ силоу нѣкоую и область себѣ приобрѣтающе· нѣции же ѿ нихъ ни приобьщитисѧ таинъ глаютъ· аще не прии[е]ствие
л. 263 а. 10 дх̃а· | чювьствьно же оущютатъ· бъıвъшее[6] въ тъ часъ· повелѣваютъ же нѣции ѿ нихъ· хотѧщимъ ѿсѣщи своꙗ таинъıꙗ оудъı· прѣобидѧтъ же бе страха· и
15 кленоутьсѧ[7] проклинаютъ же льстьно ересоу ихъ·

кще о реченѣи ересѣ· месалиньстии· живоущии[8] въ манастъıрьхъ· и обрѣтающиихъсѧ ѿ съказанига ѳеодорита·

Въ лѣта оуалента· и оуалентинъ· ана въздрастѣ месалиньска нереса· мт̃вьникъı себе наричаютъ· иже въ елладьскъıи гласъ·
25 въ има прилагаютъ· имоутъ же ино наречение ѿ вещи· бъıвающаꙗ· правьдьници наричютьсѧ въ санѣ кокго дѣтель прикмлюще· и дх̃а ст̃го[9] сию

παρ' αὐτοῖς ἀσκητῶν μαρτυρίᾳ[1] δελεαζομένους· τοῦτο δὲ σπουδάζουσιν οὐχ ὡς τοὺς τῶν κληρικῶν βαθμοὺς τιμίους[2] κρίνοντες οἵ γε καὶ αὐτῶν τῶν ἐπισκόπων καταφρονοῦντες ὅταν ἐθέλωσιν, ἀλλὰ δυναστείαν τινὰ καὶ αὐθεντίαν ἑαυτοῖς πραγματευόμενοι· ἔνιοι δὲ αὐτῶν μήτε κανωνῆσαί ποτε τῶν μυστηρίων λέγουσιν, εἰ μὴ τῆς παρουσίας τοῦ πνεύματος αἰσθητῶς αἴσθωνται γενομένης κατ' ἐκείνην τὴν ὥραν· ἐπιτρέπουσι δέ τινες αὐτῶν τοῖς βουλομένοις ἀποτέμνειν τὰ ἑαυτῶν φυσικὰ μόρια· καταφρονοῦσι δὲ[3] ἀδεῶς καὶ ἐπιορκοῦσιν, ἀναθεματίζουσί τε ὑπούλως τὴν αἵρεσιν αὐτῶν.

Ἔτι περὶ τῆς εἰρημένης αἱρέσεως τῶν Μασσαλιανῶν[4] τῶν ἐν μοναστηρίοις οἰκούντων καὶ εὑρισκομένων. ἐκ τῆς ἱστορίας Θεοδωρήτου.

Κατὰ τοὺς χρόνους Οὐαλεντινιανοῦ καὶ Οὐάλεντος ἐβλάστησεν ἡ τῶν Μασσαλιανῶν[5] αἵρεσις· Εὐχήτας αὐτοὺς προσαγορεύουσιν οἱ[6] εἰς τὴν ἑλλάδα φωνὴν τοῦ(л. 193ᵇ)νομα μεταβάλλοντες· ἔχουσι δὲ καὶ ἑτέραν προσηγορίαν ἐκ τοῦ πράγματος γενομένην· ἐνθουσιασταί καλοῦνται, δαίμονός τινος ἐνέργειαν εἰσδεχόμενοι καὶ πνεύματος ἁγίου ταύτην

1) прѣлщающимсѧ *II*; прѣщающемсѧ *C*. 2) ткатьсѧ *C*. 3) *cod.* ли *по скобл.* 4) изволящи *II*. 5) и *прот. C*. 6) бъıше *C*. 7) клоу̃ оутьсѧ *cod.* 8) живѣщи *C*. 9) ст̃го дх̃а *C*.

1) μάρτυρα B_1 B_2. 2) τῆς τῶν κληρικῶν βαθμῶν τιμῆς ἀξίους B_1 B_2 (вм. τοὺς τῶν κληρικῶν βαθμοὺς τιμίους). 3) cod. добавл. in m. рукой XIV в. ῥαδίως καὶ ἀφορισμῷ ὀμνύουσιν. 4) Μεσαλλιανῶν B_1 B_2, но B_2 надпис. надъ ε въ слогѣ Μεσ еще α. 5) Μασαλλιανῶν B_1 B_2. 6) οἳ B_1 B_2.

помъшлаютъ· дроугіи же конецъ-
ніе[1] недоугъ въспринмъше·[2] обра-
цаютьсѧ оубо роучьнъıихъ дѣ-
лесъ[3] ѩко лоукавъıихъ· сѣноу же
сами сѧ дающе· жьрение сѣновъ[4]
мьчьтание[5] призъıваютъ· тоѫ ере-
си бъıша начальници· дадо же и
сава· и ѩдельфи· ерьма· и сьмеонъ·
и ини къ симъ· иже цр҃квьнаго
обыцениѧ остоупиша·[6] никако же
ни оуспѣти ни врѣдити гл҃юще·
Б҃жьствьнѣи пищи· о неиже г҃ъ рече·
ѩдъıи плъть мою· и пиѩи кръвь мою·
живеть въ вѣкъı·[7] кръıти же искоу-
шающе и обличаютъ бестоудьно и
ѡмѣтаютьсѧ· и ѡмѣтаютъ· сиѫ
съмъıсламца|ѩ· ѩже въ д҃шахъ но-
сѧтъ· литоноу мелетискоую[8] во цр҃кви
правѧтъ· рьвьностию[9] Б҃жьствьною
оукрашающесѧ· мъногъı[10] недоуга
того приимъша оузърѣвъ[11] манастъı-
рѧ· паче же вьртьпъı манастърь-
скъıѫ· пожьже ѩ и вълкъı ѡ паствъı
изгънаⷭ· амьфилохии же прѣхвалъ-
нъıи· тако же ликаоньскоую митро-
полию пороученъ· и вьсь[12] правѧ
ѩзъıкъ· пришьдъшю[13] пагоубоу тоу·[14]
оувѣдѣ въста пакъı· и иже подъ
нимь врѣдъмь тѣмь подаемое ста-
до свободи· флавианъ прѣславьнъıи[15]

ὑπολαμβάνοντες· οἱ δὲ τελευταῖον[1] τὴν νόσον εἰσδεδεγμένοι ἀποστρέφονται μὲν τὴν τῶν χειρῶν ἐργασίαν ὡς πονηράν, ὕπνῳ δὲ σφὰς αὐτοὺς ἐκδιδόντες ἐνθουσιασμὸν τὰς τῶν ὀνείρων φαντασίας ἀποκαλοῦσι· ταύτης ἐγένοντο τῆς αἱρέσεως ἀρχηγοὶ Δαδόης τε καὶ Σάβας καὶ Ἀδέλφιος, Ἑρμᾶς καὶ Συμεώνης καὶ ἄλλοι πρὸς τούτοις, οἳ τῆς ἐκκλησιαστικῆς κοινωνίας ἀπέστησαν, οὐδὲν οὔτε ὠφελεῖν[2] οὔτε λωβᾶσθαι φάσκοντες τὴν θείαν τροφήν, περὶ ἧς ὁ κύριός φησιν· Ὁ τρώγων μου τὴν σάρκα καὶ πίνων μου τὸ αἷμα ζήσεται εἰς τὸν αἰῶνα. κρύπτειν δὲ πειρώμενοι, καὶ μετ' ἐλέγχους ἀναιδῶς ἐξαρνοῦνται καὶ ἀποκηρύττουσι τοὺς ταῦτα φρονοῦντας, ἅπερ ἐν ταῖς ψυχαῖς περιφέρουσι. Λητώϊος μέντοι ὁ τὴν Μελιτηνῶν ἐκκλησίαν ἰθύνων, ζήλῳ θείῳ κοσμούμενος, πολλὰ τῆς νόσου ταύτης σπάσαντα θεασάμενος μοναστήρια, μᾶλλον δὲ σπήλαια ληστρικά, ἐνέπρησε ταῦτα καὶ τοὺς λύκους ἐκ τῆς ποίμνης ἀπήλασεν. Ἀμφιλόχιος δὲ ὁ πανεύφημος, ὡσαύτως τὴν Λυκαόνων μητρόπολιν πεπιστευμένος καὶ ἅπαν ἰθύνων τὸ ἔθνος, ἐπισκήψασαν αὐτόθι τὴν λύμην[3] ταύτην μαθών, ἐξανέστη πάλιν καὶ τὰ ὑπ' αὐτοῦ νεμόμενα τῆς λώβης ἐκείνης ἠλευθέρωσε ποίμνια. Φλαβιανὸς δὲ ὁ πολυθρύλλητος

л. 263 b.

1) конечное *П.* 2) пр҃имше *С.* 3) дѣлехъ *С.* 4) сѣновъ *С.* 5) мьчта *С.* 6) ѿстоупиша *П.* 7) вѣкъıи *П.* 8) мелетиньскоую *П;* мелетинскѣю *С.* 9) рьвноюстию *cod.* 10) многыи *П.* 11) ѧзрѣмъ *С.* 12) все *П.* 13) на *вставл. С.* 14) и *вставл. С.* 15) и *вставл. П.*

1) cod. рукой XIV в. переправл. въ тѣлеон. 2) ὠνιάναι B_1 B_2. 3) λύ(л. 142ᵇ)λύμην B_1.

дитиохинскъıи[1] чиститель· въ едѣсѣ сихъ прѣбъıвающихъ оувѣдѣвъ· приближающимсѧ имѣти· свои происпоустивъ ѿдъ· ближьнѧѧ мьни-
5 хъı посълавъ приведе въ антиохию· и недоуга ѿмѣтающемъсѧ·[2] симь образъмь обличи· оглагольникомъ бо рече бъıти· и послоухомъ· адельфию же зѣло соущю старою·
10 кротъко повелѣ близь сѣсти· мъı рече о старьче· большюю положивъше[3] житиѥ· извѣстьнѣишею[4] члвчьскою оувѣдѣхомъ юстьство· и противьнъıихъ бѣсъ· познахомъ къзни·
15 искоушениемь же· и[5] бгдтьноумоу наоучихомъсѧ поданию· си же юни соуще· и сихъ ничьсо же извѣсто не вѣдоуще дховьною[6] оубо слъıшати слово не търпать· чьто бо рьци ми
л. 264 а. 20 како гл҃ѥть· и дхоу противьноу|моу[7] ѿходити и стго дха· бгодати приходити· сими старьць онъ оуслади-
вѣсѧ· изблева· вьсь[8] съкръвенъıи ѿдъ· и рече ни єдино· ѩже оубо ѿ
25 крьщениѧ пользъı[9] съподобляющимсѧ имѣти· єдинѣмь же тъщаниемь· мтвою бѣса живоущаго изгънати· имѣти же комоужьдо раждающихъсѧ глаше· ѿ прадѣда[10]
30 ꙗко же[11] юстьство· тако оубо и бѣсовъ радотъı· симъ же ѿ тъщьнъıиѧ[12]

τῆς Ἀντιοχέων ἀρχιερεύς, ἐν Ἐδέσσῃ τούτους διάγειν μαθὼν τὸν οἰκεῖον τοῖς πελάζουσι ἐγχεῖν προϊεμένους ἰόν, συμμορίαν μοναχῶν ἀποστείλας ἤγαγεν εἰς Ἀντιόχειαν καὶ τὴν νόσον ἐξαρνουμένους τόνδε τὸν τρόπον διήλεγξε· τοὺς μὲν γὰρ κατηγόρους ἔφη τυγχάνειν καὶ τοὺς μάρτυρας, τὸν δὲ Ἀδέλφιον ἄγαν ὄντα πρεσβύτατον ἠπίως κελεύσας πλησίον καθεσθῆναι, Ἡμεῖς, ἔφη, ὦ πρεσβύτα, τὸν πλείω βεβιωκότες βίον, ἀκριβέστερον καὶ τὴν ἀνθρωπείαν ἐμάθομεν φύσιν καὶ τὰ τῶν ἀντιπάλων δαιμόνων ἐγνώκαμεν μηχανήματα, πείρᾳ δὲ καὶ τὴν τῆς χάριτος ἐδιδάχθημεν χορηγίαν· οὗτοι δὲ νέοι ὄντες καὶ τούτων οὐδὲν ἀκριβῶς ἐπιστάμενοι, πνευματικώτερον ἀκοῦσαι λόγον οὐ φέρουσι· τοιγάρτοι εἰπέ μοι, πῶς φατε καὶ τὸ πνεῦμα τὸ ἐναντίον ὑποχωρεῖν καὶ τοῦ παναγίου πνεύματος τὴν χάριν ἐπιφοιτᾶν; τούτοις ὁ πρεσβύτης ἐκεῖνος καταθελχθεὶς ἐξήμεσεν ἅπαντα τὸν κεκρυμμένον ἰόν,[1] καὶ φησι μηδεμίαν μὲν[2] ὠφέλειαν ἐκ τοῦ βαπτίσματος[3] τοῖς ἀξιουμένοις ἐγγίνεσθαι, μόνην δὲ τὴν σπου(л. 194ᵃ)δαίαν εὐχὴν τὸν δαίμονα τὸν ἔνοικον ἐξελαύνειν· ἕλκειν γὰρ ἕκαστον τῶν τικτομένων ἔλεγεν ἐκ τοῦ προπάτορος ὥσπερ τὴν φύσιν οὕτω δὴ καὶ τὴν τῶν δαιμόνων δουλείαν· τούτων δὲ ὑπὸ τῆς σπουδαίας

---

1) дѣтиохинстѣи *C.* 2) ѿмѣтающимсѧ *ПС.* 3) положивъше *C.* 4) извѣстьнѣише *C.* 5) и *вставл. C.* 6) *cod. конечное* ѥ *по скобл.* 7) притивьноумоу *П.* 8) все *П.* 9) полъзьı *П.* 10) прѣдѣда *П.* 11) же *проп. C.* 12) щенїа *C.*

1) υἱόν B_1. 2) μὲν προπ. B_1 B_2. 3) ἐκ τοῦ βαπτίσματος ὠφέλειαν B_1 B_2.

мѧтвы· изгонимомъ приходити прочее· прѣстоумоу дхоу чювьствьно· и[1] невидимо свое пришьствьѣ· назнаменоуа· и[2] тѣлоу[3] же страстии подвижениа своводитисѧ· и дшю на горьшее мание[4] ѿноудъ[5] измѣнаѧ· ако оуже[6] не боатисѧ прочиихъ· ни пощениа отѧгъчающю[7] тѣлоу оученію[8] обоуздающю· и ходити бгоообчинено· наказающю къ ѥвѣ боудоущаа· провидѣти·[9] троицю бжьствьноую очима видѣти·[10] тако бжьствьныи· фламианъ злосмрадьныи[11] ископавъ источьникъ· и обножати[12] оустроивъ воу·[13] къ зълочьстивоумоу рече старьцю· обетъшалѣ дни зълыихъ· обличиша тѧ своа оуста а не азъ· оустьнѣ же твои на тѧ съвѣдѣтельствоуѥте· ѥвленоу же бывъшю· недоугоу томоу ѿ сѵ̈рии изгънани бѣша· въ панъфилию же отидоша· и сию врѣда испъаниша·

| па· Несторианѣ· иже особьноу и различьноу бъıти· бжию словоу проповѣдающе· и особь человѣка[14] его и съмѣрена оубо· сътворенъıихъ оубо ѿ гѧ· въ пришьствии[15] его иже къ намъ· ѥдиномоу чловкоу томоу

εὐχῆς ἐλαυνομένων ἐπιφοιτᾶν λοιπὸν τὸ πανάγιον πνεῦμα, αἰσθητῶς καὶ ὁρατῶς[1] τὴν οἰκείαν παρουσίαν σημαῖνον καὶ τό τε σῶμα τῆς τῶν παθῶν κινήσεως ἐλευθεροῦν καὶ τὴν ψυχὴν τῆς ἐπὶ τὰ χείρω ῥοπῆς παντελῶς ἀπαλλάττον, ὡς μηκέτι δεῖσθαι λοιπὸν μήτε νηστείας πιεζούσης τὸ σῶμα, μήτε διδασκαλίας χαλινούσης καὶ βαίνειν εὔτακτα παιδευούσης· οὐ μόνον δὲ ὁ τούτων τετυχηκὼς τῶν τοῦ σώματος ἀπαλλάττεται σκιρτημάτων, ἀλλὰ καὶ σαφῶς τὰ μέλλοντα προορᾷ καὶ τὴν τριάδα τὴν θείαν τοῖς ὀφθαλμοῖς θεωρεῖ. οὕτως ὁ θεῖος Φλαβιανὸς τὴν δυσώδη διορύξας πηγὴν καὶ γυμνῶσαι παρασκευάσας τὰ νάματα, πρὸς τὸν δυσσεβῆ ἔφη πρεσβύτην· Πεπαλαιωμένε ἡμερῶν κακῶν, ἐλέγξαι[2] σε τὸ σὸν στόμα καὶ οὐκ ἐγώ· τὰ δὲ χείλη σου καταμαρτυρήσαισάν[3] σου. δήλης δὲ ταύτης τῆς νόσου γενομένης, τῆς μὲν Συρίας ἐξηλάθησαν, εἰς δὲ τὴν Παμφυλίαν ἀνεχώρησαν[4] καὶ ταύτην τῆς λώβης ἐνέπλησαν.

<πα΄.> Νεστοριανοί, οἱ ἰδίως καὶ κεχωρισμένως ὑπάρχειν τὸν θεὸν λόγον δογματίζοντες καὶ ἰδίως τὸν ἄνθρωπον αὐτοῦ, καὶ τὰ μὲν ταπεινότερα τῶν πραχθέντων ὑπὸ τοῦ κυρίου ἐν τῇ πρὸς ἡμᾶς ἐπιδημίᾳ αὐτοῦ μόνῳ τῷ ἀνθρώπῳ αὐτοῦ[5] л. 264 b.

1) и *проп. П.* 2) и *проп. П.* 3) лѣтъ *С.* 4) манию *проп. С.* 5) ѿноудоу *П.* 6) же *С.* 7) ѿтѧгъчающю *С.* 8) оученїа *П.* 9) проводитѣи *П*; провѣдѣти *С.* 10) вѣдити *П.* 11) *cod.* м *переправл. изъ какой-то буквы.* 12) обижати *С.* 13) в$^{+}$у *cod.*; доу *П.* 14) чѣка *ПС.* 15) пр҃шествїи *П.*

1) ὁρατῶς cod., гдѣ рукой XIV в. ὁ передѣлано изъ α, а между ο и ρ выскобл. ο. 2) ἤλεγξέ B_1 B_2. 3) καταμαρτυροῦσί B_1 B_2. 4) ἐχώρησαν B_1 B_2. 5) αὐτῷ B_1 B_2.

прикасающе въишьшаꙗ же·[1] и бг҃олѣпьнаꙗ єдиномоу бг҃у слово· а не обою къ єдиномоу· и къ томоу же лицю приносаще·

пв҃· Євьтихиане·[2] иже ѡ̀ евьтихѣꙗ именьмь· ересоу имоущю· не глюще ѡ̀[3] ст҃ѣꙗ дв҃ци маріи· въꙁати плъть гс҃у нашемоу іс҃оу хс҃у· нъ бж҃ьствьнѣѥ[4] нѣкако въплътитиса ємоу ꙗвлающе· не приимъше въ оумѣ· ꙗко грѣхъмь прадѣда ихъ адама· повиньна соуща чл҃ка· того приметеси къ себѣ· бж҃ие слово ѡ̀ дѣвы маріи· ѡ̀ ниегоже начала и власти· съодѣвъса проповѣда дьрꙁновениемь· ꙗко же есть писано· обличивъ на крс҃тѣ· въ нѣ҆же прⷭ҇тоуплениꙗ ради первозьданаго вѣ одѣвъса.

<ιγ'.> Єгѵ҃пьтиане· иже[5] образьници· єдиносѫтьствьници· иже извѣтъмь въ лахидонѣ·[6] съставленъимь съвитъкъмь· ѡ̀вьргъшеса правовѣрьнъıꙗ[7] цр҃кве· егѵ҃птиане же наречени въıша· ꙗнѥ къ егѵ҃пьтианомъ начати· то распьра при маркианѣ· и оѵ҃алентинианѣ[8] цр҃ема·[9] инѣмъ же вьсѣмъ соуще правовѣрьнѣ·[10] си же мⷭ҇тию· къ александрьскоу|моу дноскороу· ѡ̀ калхидоньскаго съвора·[11] ѡ̀вьржена·

προσάπτοντες, τὰ δὲ ὑψηλότερα καὶ θεοπρεπῆ μόνῳ τῷ θεῷ λόγῳ, καὶ μὴ τὰ συναμφότερα ἑνὶ καὶ τῷ αὐτῷ προσώπῳ προσάγοντες.

<πβ'.> Εὐτυχιανισταί, οἱ ἀπὸ Εὐτυχέως τοὔνομα τῆς αἱρέσεως ἐσχηκότες, οἱ μὴ λέγοντες ἐκ τῆς ἁγίας παρθένου Μαρίας εἰληφέναι τὴν σάρκα τὸν κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, ἀλλὰ θειότερόν πως σεσαρκῶσθαι αὐτὸν ἀποφαινόμενοι, μὴ εἰληφότες κατὰ νοῦν, ὅτι τὸν τῇ ἁμαρτίᾳ τοῦ προπάτορος αὐτῶν Ἀδὰμ ὑπεύθυνον τυγχάνοντα ἄνθρωπον τοῦτον[1] ἥνωσεν ἑαυτῷ ὁ θεὸς λόγος ἐκ τῆς παρθένου Μαρίας, ἐξ οὗ καὶ τὰς ἀρχὰς καὶ τὰς ἐξουσίας ἀπεκδυσάμενος ἐδειγμάτισεν ἐν παῤῥησίᾳ ὡς γέγραπται· Θριαμβεύσας ἐπὶ τοῦ σταυροῦ ἃ διὰ τῆς παραβάσεως τοῦ πρωτοπλάστου ἦν ἐνδεδυκώς.

<πγ'.> Αἰγυπτιακοί, οἱ καὶ σχισματικοὶ Μονοφυσῖται, οἱ πραφάσει τοῦ ἐν Χαλκηδόνι[2] συστάντος τόμου ἀποσχίσαντες τῆς ὀρθοδόξου ἐκκλησίας· Αἰγυπτιακοὶ δὲ προσείρηνται διὰ τὸ πρώτους[3] Αἰγυπτίους κατάρξασθαι τούτου τοῦ σχίσματος ἐπὶ Μαρκιανοῦ καὶ (л. 194[b]) Οὐαλεντινιανοῦ τῶν βασιλέων, τὰ δ' ἄλλα πάντα ὑπῆρχον ὀρθόδοξοι.[4] οὗτοι δὲ προσπαθείᾳ τῇ πρὸς τὸν Ἀλεξανδρείας Διόσκορον ὑπὸ τῆς ἐν Χαλκηδόνι[5] σύνοδου καθαιρεθέντα

л. 265 a.

1) томѣ *C*. 2) Євтѵ҃ане *C a in m.* ⁷хи. 3) ѡ *C*. 4) бж҃твное *П*. 5) и *C*. 6) лахедонѣ *C*. 7) правовѣрнои *П*. 8) алентинїанѣ *C*. 9) цр҃ема *ПС*. 10) правовѣрно *П*. 11) *cod. переправл. конечное* а *изъ* ъ.

1) τοῦτο B_1. 2) Καλχηδόνι B_1 B_2. 3) πρὸς τοὺς B_1 B_2 (вм. πρώτους). 4) ὀρθόδοξοι ὑπάρχοντες B_1 B_2. 5) Καλχηδόνι B_1 B_2.

ꙗко евтоуховъ велѣньи· поспѣшьникъı· противишасѧ събороу· и бещисльнъıꙗ оубо на нꙗ[1] съборъı· на нѥго лоуковаша· ѥже прѣжеварившѣ пришьдъшихъ кънигахъ· многъı раздроушихомъ прѣльстившасѧ· и соуѥмъıсльнъı[2] показавъше· ѿ нихъже начальници· деодосии[3] алѥксандрьскъıи· ѿ нѥгоже деодосиане·[4] ꙗковъ соурьскъıи· ѿ нѥгоже[5] ꙗковити·[6] сихъ же съказателѥ и извѣстителе· и борьци проклатии цр҃кве антиохиискъıꙗ·[7] прѣлюбодѣица и гоубитель беззаконьнъ· севиръ· и въсоуѥ[8] троудивъисѧ иѡ҃анъ безбожьнъıи·[9] трифѣитъ· иже сп҃сьнъıꙗ[10] таинъı себе ѳвьргъше· мънога бо оубо въ халкидонѣ бодъхновеналаго· ѯ҃· и· л҃· оц҃ь· оучениꙗ оукориша· многъı же погъıбъшиимъ· къ пагоубьнѣи[11] ихъ ересн·[12] и ловлениꙗ нъıнꙗ глѥ҃маꙗ· и при поути положиша съблазнъ· не тъкъмо нъ и частьнаꙗ соущьства проповѣдающе·[13] вьсю съмотрениꙗ съвьршаютъ[14] таиноу· ихъже прѣити въ скорѣ бещьстиѥ непьщеваҳомъ подобьно· положьше и малоу бесѣдоу на обличениѥ безбожьнъıꙗ[15] ихъ· и прѣосквьрнѥнъıꙗ[16] ересъı·

ὡς τῶν Εὐτυχοῦς δογμάτων συνήγορον,[1] ἀντεπάθησαν τῇ συνόδῳ καὶ μυρίας τό γε ἐπ' αὐτοῖς μέμψεις κατ' αὐτῆς ἀνεπλάσαντο, ἃς προλαβόντες[2] ἐν τῇ παρούσῃ βίβλῳ ἱκανῶς διελύσαμεν, σκαιοὺς αὐτοὺς καὶ ματαιόφρονας ἀποδείξαντες· ὧν ἀρχηγοὶ Θεοδόσιος ὁ Ἀλεξανδρεύς, ἐξ οὗ Θεοδοσιανοί, Ἰάκωβος ὁ Σύρος, ἐξ οὗ Ἰακωβῖται· τούτων δὲ συνίστορες καὶ βεβαιωταὶ καὶ ὑπέρμαχοι ὁ κατάρατος τῆς ἐκκλησίας Ἀντιοχέων μοιχὸς καὶ φθορεὺς ἀθεσμότατος Σεβῆρος[3] καὶ ὁ μάταια πονέσας Ἰωάννης ὁ ἀθεώτατος Τριθεΐτης, οἵτινες τὸ τῆς σωτηρίας ἑαυτῶν ἀρνούμενοι μυστήριον πολλὰ[4] μὲν τῆς ἐν Χαλκηδόνι[5] θεοπνεύστου τῶν χλ' πατέρων διδασκαλίας κατέγραψαν, πολλὰ δὲ τοῖς ἀπολλυμένοις πρὸς τῇ ὀλεθρίῳ αὐτῶν αἱρέσει καὶ θήρατρα τὰ δὴ λεγόμενα τρίβου τεθείκασι σκάνδαλα· οὐ μὴν ἀλλὰ καὶ μερικὰς οὐσίας δογματίζοντες, τὸ πᾶν τῆς οἰκονομίας συγχέουσι μυστήριον· ὧν διαβῆναι[6] ἐν ἐπιτομῇ τὴν ἀσέβειαν ἐλογισάμεθα δεῖν, παρενθέντες καὶ μικρὰ σχόλια πρὸς ἐλεγμὸν τῆς ἀθέου αὐτῶν καὶ παμμιάρου αἱρέσεως·

1) на *П.* 2) соуемъсльнъıи *П.* 3) деѡ^{ло}ѳа *С.* 4) деѡ^{ло}ѳиане *С.* 5) нѥго *П.* 6) ꙗковити *П.* 7) антіохіискъıꙗ *С.* 8) всеѳ *С.* 9) безбожны *П.* 10) *cod. переправл.* ь *изъ* ѣ. 11) пагоубѣѣ *П.* 12) ерѣвси *cod.* 13) провѣдающіѳ *П.* 14) съвръшаѣтъ *П.* 15) безбожїа *П.* 16) прѣосквьрнѣнъıꙗ *П.*

1) συνηγόρου B_1 B_2. 2) προλαβόντως B_1 B_2. 3) Σευῆρος B_1 B_2. 4) cod. выскобл. ς (т. е. было πολλὰς). 5) Καλχηδόνι B_1 B_2. 6) διαλαμβεῖν B_1; διαλαβεῖν B_2.

швити· ѯастоупьника· ноана· въ
нихъже паче гърдатьсѧ· велѣ-
ниѥ паче же блѧдьства [1] прѣдъ-
ложю· [2]

л. 265 b. 5 | о [3] ѥстьствѣ· и съставѣ· шко
же иже ѿ севира славать· и
како частьнаѧ [4] повелѣвають
соуѥьства· ноана кънижьника·
трифѣита· глѣмааго троудо-
10 любивааго· ѿ четвьртааго слова
ѯаконьника·

Обьще бо и ѿноудъ [5] чл҃вчьскааго
ѥстьства [6] слово· аще и сами и себе
ѥдино [7] ѥсть· нъ въ многыихъ
15 подълежащиихъ бываѥ· много бы-
ваѥть· высецѣло· въ коемьжьдо· и
не ѿ части сан· шко же и въ кърмь-
ствии корабль· слово ѥдино сан·
оумъножаѣтьсѧ [8] въ мъногыихъ·
20 подълежащиихъ бываѥть· тако же и
въ оучители видимое· своимь сло-
вомь· ѥгда въ оучимыихъ бываѥть·
съоумножаѥтьсѧ имъ· высе въ ко-
емьжьдо бывающиѥ· къ семоу же и
25 иже на пьрстѣ образъ· ѥдинъ съı [9]
въ многыихъ образѣхъ· высь [10] въ
коемьжьдо бываѥ· много оубо ѥсть
же и [11] глѣѥтьсѧ· шко многомъ кора-
блемъ· и мъноѕи чл҃вци [12] и образи
30 мъноѕи· и въ множаишиихъ [13]

αὐτὰ δηλοποιῆσαι τοῦ προασπιστοῦ αὐτῶν Ἰωάννου ἐν οἷς μάλιστα ἐναβρύνονται τὰ δόγματα, μᾶλλον δὲ ληρήματα, παραθήσομαι.

Περὶ φύσεως καὶ ὑποστάσεως, ὅπως οἱ ἐκ Σεβήρου [1] δοξάζουσι καὶ πῶς τὰς μερικὰς δογματίζουσιν οὐσίας. Ἰωάννου τοῦ γραμματικοῦ Τριθείτου λεγομένου Φιλοπόνου· ἐκ τοῦ δ΄ λόγου τοῦ Διαιτητοῦ.

Ὁ γὰρ κοινὸς καὶ καθόλου τῆς τοῦ ἀνθρώπου φύσεως λόγος, εἰ καὶ αὐτὸς καθ' ἑαυτὸν εἷς ἐστιν, ἀλλ' οὖν ἐν πολλοῖς ὑποκειμένοις γινόμενος πολλὰ γίνεται, ὁλοκλήρως ἐν ἑκάστῳ καὶ οὐκ ἀπὸ μέρους ὑπάρχων· ὥσπερ καὶ ὁ ἐν τῷ ναυπηγῷ τοῦ πλοίου λόγος εἷς ὢν πληθύνεται ἐν πολλοῖς ὑποκειμένοις γινόμενος, οὕτω δὲ καὶ τὸ [2] ἐν τῷ διδασκάλῳ θεωρούμενον τῷ ἰδίῳ λόγῳ, ὅταν ἐν τοῖς διδασκομένοις γίνηται, συμπληθύνεται αὐτοῖς ὅλον ἐν ἑκάστῳ γινόμενον· προσέτι δὲ καὶ ὁ ἐν τῷ δακτυλίῳ [3] τύπος εἷς ὢν ἐν πλείοσιν ἐκμαγείοις, ὅλος ἐν ἑκάστῳ γινόμενος, πολλὰ λοιπὸν ἔστι τε καὶ λέγεται· ὥστε τὰ πολλὰ πλοῖα καὶ οἱ πολλοὶ ἄνθρωποι καὶ τὰ ἐκμαγεῖα τὰ πολλὰ καὶ τὰ ἐν τοῖς πλείοσι

1) вдатьсѧ *C.* 2) прѣложю *П.* 3) *C in m.* йг. 4) честнаа *П.* 5) штиноудъ *П.* 6) соуѥьства *П.* 7) еди *П.* 8) оуможаетсѧ *C.* 9) сыи *П.* 10) вся *П.* 11) и *проп. C.* 12) чл҃чѣ *П.* 13) множанше *П.*

1) Σευήρου B_1 B_2. 2) τὸ προπ. B_1. 3) δακτύλῳ B_1 B_2.

оученицѣхъ разоумѣвъ непридѣлкнъıихъ оубо· мъножаıша соуть по числоу· и томоу раздѣлкна соуть и не съмѣшена· обьщиимь же образъмь· мнози чл҃ци кдино соуть· и мнози корабли кдинъ· и разоуми же тако же и въображенша· тожьствамь[1] образа· кдино имоуть· ıако сиа по иномоу оубо многа соуть и раздѣлкна· по иномоу же съмѣшена[2] и кдино· нъ и аще на частъıа многа|шьдъı принесемъ число· дъвоу принеси лакътоу[3] бъıти дрѣво гл҃ющемъ силою дъвѣма бъıти[4] рекохомъ· ıеже кдино не дѣлию· понѣже оубо кдина ксть дѣтель· а не дъвѣ· а ıеже[5] моци раздѣлкнию прѣтърпѣ ваıа· дъвѣма же бъıти тою рекохомъ ıего· дъвѣма бъıти[6] нѣкъıима·

μαθηταῖς νοήματα τοῖς μὲν ἀτόμοις πλείονα τυγχάνει (л. 195ᵃ) κατὰ τὸν ἀριθμὸν καὶ ταύτῃ διῃρημένα ἐστὶ καὶ οὐχ ἡνωμένα· τῷ κοινῷ δὲ εἴδει οἱ πολλοὶ ἄνθρωποι εἷς[1] τυγχάνουσι, καὶ τὰ πολλὰ πλοῖα ἕν, καὶ τὰ νοήματα δὲ ὡσαύτως, καὶ τὰ ἐκμαγεῖα τῇ ταυτότητι[2] τοῦ ἐκτυπώματος τὸ ἓν ἔχουσιν· ὥστε ταῦτα κατ' ἄλλο μὲν πολλά ἐστι καὶ διῃρημένα, κατ' ἄλλο δὲ ἡνωμένα καὶ ἕν· ἀλλὰ κἂν ἐπὶ τῶν συνεχῶν πολλάκις φέρωμεν τὸν ἀριθμόν, δύο φέρε πήχεων εἶναι τὸ ξύλον λέγοντες, ἀλλὰ δυνάμει δύο φαμὲν εἶναι τὸ ἕν, οὐκ ἐνεργείᾳ, ἐπείτοιγε ἕν ἐστιν ἐνεργείᾳ καὶ οὐ δύο, τῷ[3] δὲ δύνασθαι τομὴν[4] ὑπομένον[5] δύο γενέσθαι, ταύτῃ φαμὲν αὐτὸ δύο τινῶν εἶναι. л. 266 а.

ѿ того же законьника· глава· семаıа·[7]

ἐκ τοῦ αὐτοῦ[6] Διαιτητοῦ κεφάλαιον ζ'.

Семоѥ да боудеть слово· ѿ нихъже противьнаıа чьтоуще· вълагаютъ· свою назнаменавають·[8] истиноу· дъвѣма [бо][9] бъıти хв҃ома ксть ьствома полагаютъ· кдиноу кмоу тъкъмо съподобльıютъ бъıти съставоу· рекъше лице·[10] тако же оустраıающе· въ кдино бъıти хв҃оу ксть ьствоу· по въкдинкнии· дъвѣма того съставома

Ἕβδομος ἔστω λόγος ὁ ἐξ ὧν οἱ τὰ ἐναντία πρεσβεύοντες ὑποτίθενται τὴν ἰδίαν ἐπισφραγίζειν ἀλήθειαν· δύο γὰρ εἶναι τὰς Χριστοῦ φύσεις ὑποτιθέμενοι, μίαν αὐτοῦ καὶ μόνην ἀξιοῦσιν εἶναι τὴν ὑπόστασιν ἡγοῦν πρόσωπον, ὁμοίως ἀποσκευαζόμενοι τοὺς εἰς μίαν εἶναι τὴν τοῦ Χριστοῦ φύσιν μετὰ τὴν ἕνωσιν, δύο τούτου τὰς ὑποστάσεις

1) торжестѣ *П.* 2) съмѣшенıа *С.* 3) латкѕ *С.* 4) дрѣво гл҃ющемъ нъ силою дъкѣма бъıти *проп. С.* 5) аже *С* (*вм.* а еже). 6) вѣтии *П.* 7) *cod. переправл.* а *изъ* ѣ. 8) назнаменаваю *П.* 9) *вставка изъ П.* 10) лица *П.*

1) εἰς B_1. 2) αυτότητι B_1. 3) τὸ B_1 B_2. 4) τὸ μὴν B_1. 5) cod. переправл. изъ ὑπομένειν. 6) αὐτοῦ проп. B_1 B_2.

чѣтоущимъ· нъ прѣже даже не въ обличениа насъ въложити тоа винѣ· оудобьнѣѥ· мьню пьрвѣѥ ѿлоучити· чьто бо ѥстьства· цр҃кьнѣиихъ назначаѥтъ оучение· хощеть има· чьто же лицю и съставоу· ѥ҃стьствоу оубо бъıти помъıшлаѥтъ· обьщемоу бъıти словоу· причащающиимъсѧ того же соущьства· ако чл҃вкоу вьсѧкомоу· животьноѥ [1] словесьно съмьртьно оума и хъıтрости притъıчьно· томоу бо никъто же ѿ чл҃вкъ въдасть· соущьство [2] же и ѥстьство въкоупь прѣводить· [3] съставъ же [4] рекъше лице особь съставлѣноѥ· коѥгожьдо ѥстьства соущьство·

Да сице реку о писании· ѿ невѣжь
л. 266 b. нѣкъıихъ съ|ложение· на нѧже обоихъ того же приобьщивъшесѧ ѥстьства дъвовѣроующе· и скоро рещи ѧже нераздѣльнаа [5] наричати· ѿ ходѧщаго дроугъ· въ нихъже обьщиихъ родовъ и образъ· съконьчаваѥтьсѧ раздѣлениѥ· си цр҃кьнии оучителѥ· съставъı· ѥгда и лица нарекоша· животьномоу бо· словесьноѥ· раздѣлающюсѧ и бесловесьно· и словесьномоу пакъı въ чл҃вѣкъı· и анг҃ла· [6] и въ вѣса· равьнаа прочеѥ раздѣлаютьсѧ· послѣдьниѥ образъ тѣхъ· коѥжьдо ако се чл҃вкъ оубо въ петра· и въ павьла· анг҃лъ же

πρεσβεύοντας· ἀλλὰ πρὶν εἰς τοὺς ἐλέγχους ἡμᾶς ἐμβαλεῖν ταύτης τῆς ὑποθέσεως, εὔλογον οἶμαι πρότερον ἀφορίσασθαι, τί μὲν τὸ τῆς φύσεως ἢ τῶν ἐκκλησιῶν σημαίνειν διδασκαλία βούλεται ὄνομα, τί δὲ τὸ τοῦ προσώπου καὶ τῆς ὑποστάσεως. φύσιν μὲν οὖν εἶναι οἴεται τὸν κοινὸν τοῦ εἶναι λόγον τῶν τῆς αὐτῆς μετεχόντων οὐσίας, ὡς ἀνθρώπου παντὸς τὸ ζῷον λογικὸν θνητόν, νοῦ καὶ ἐπιστήμης δεκτικόν (τούτῳ γὰρ οὐδεὶς ἀνθρώπων διενήνοχεν), οὐσίαν δὲ καὶ φύσιν εἰς ταὐτὸν ἄγει, ὑπόστασιν δὲ ἤγουν πρόσωπον τὴν [1] ἰδιοσύστατον τῆς ἑκάστου φύσεως ὕπαρξιν καὶ ἵν' οὕτως εἴπω περιγραφὴν ἐξ ἰδιοτήτων τινῶν συγκειμένην, καθ' ἃς ἀλλήλων οἱ τῆς αὐτῆς κεκοινωνηκότες φύσεως διαφέρουσι, καὶ συντόμως εἰπεῖν, ἅπερ ἄτομα [2] προσαγορεύειν τοῖς ἐκ τοῦ περιπάτου φίλον· ἐν οἷς ἡ τῶν κοινῶν γενῶν τε καὶ εἰδῶν ἀποτελευτᾷ διαίρεσις. ταῦτα οἱ τῆς ἐκκλησίας διδάσκαλοι ὑποστάσεις ἔσθ' ὅτε καὶ πρόσωπα προσηγόρευσαν· τοῦ γὰρ ζῴου εἰς τὸ λογικὸν διαιρουμένου καὶ τὸ ἄλογον, καὶ τοῦ λογικοῦ πάλιν εἰς ἄνθρωπον καὶ ἄγγελον καὶ δαίμονα, τὰ ἴσα λοιπὸν ὑποτέμνεται ἕσχατον τῶν εἰδῶν τούτων ἕκαστον, οἷον ἄνθρωπος μὲν εἰς Πέτρον καὶ Παῦλον, ἄγγελος δὲ

1) животное *C*. 2) сѫщество *П*. 3) прѣводити *C*. 4) съставьше *C* (*вм.* съставъ же). 5) наразделнаа *C*. 6) гла *C*.

1) τὸ B_1 B_2. 2) ἄτοπα B_1 B_2.

въ[1] михаила и гавриила· принеси и[2] прочиихъ анг҃лъ· коежьдо и неразд҃лимое нареченіе· имьже не помышлаютъ· т҃ѣхъ коегожьдо раздѣлити прочее дроугое естьство ихъ· по раздѣлению съблюдаютьсѧ· раздѣлениѥ бо въ дш҃ю чл҃вчю и тѣло· въсѧкоѩ животьныѣ·[3] тѣлю съдѣваютъ· ѿ сего неразд҃лаѥмаѩ нарицати· онѣмъ любьзно· съставъ же таковаѩ цр҃кве· нарече слово· хаѥ въ ⟨си⟩хъ роди[4] и[5] ѿбрази[6] приѥмлютъ соуцьство· аще бо и[7] свое имать ѩко бъıти словоу животьноу·[8] принеси и чл҃вкъ· ихъже ово[9] оубо естъ родъ ово же образъ· нъ въ неразд҃лѣньıихъ соуцьство имоуть·[10] ѩко се петроу и павьлоу· разв҃ тою не подъложенаѩ· чьто оубо съставъ естъ и чьто естьство· по цр҃кьвьноуоумоу сказанию рьцѣмъ· се оубо обьще к|стьство или чл҃вече· по ниѥмоуже никъıи[11] же чл҃вкъ ни ѥдиного же разньства· въ коѥмьжьдо неразд҃лимъıихъ бъıваюшеѥ· своею бо ономоу ни ѥдиного же· дроугаго обьще бъıваетъ· ѩко же въ четвьртѣи главѣ заповѣдахомъ· иже въ мнѣ животьноѥ· словесьно съмьртьно· ни ѥдиного же иного обьще естъ· ако се пострадавъшю чл҃вкоу нѣкоѥмоу· или волоу или

εἰς Γαβριὴλ καὶ Μιχαήλ. φέρε καὶ τῶν λοιπῶν ἀγγέλων ἕκαστον ἄτομα προσαγορεύουσι, διότι μὴ οἷόν τε τούτων ἕκαστον ὑποτέμνεσθαι λοιπὸν εἰς ἕτερα[1] τὴν φύσιν αὐτῶν μετὰ τὴν τομὴν δια(л. 195b)σῴζοντα· ἡ μὲν γὰρ εἰς ψυχὴν καὶ σῶμα τοῦ ἀνθρώπου διαίρεσις τοῦ παντὸς ζῴου φθορὰν ἐργάζεται· ἔνθεν ἄτομα ταῦτα καλεῖν ἐκείνοις φίλον, ὑποστάσεις δὲ τὰ τοιαῦτα ὁ ἐκκλησιαστικὸς[2] ὠνόμασε λόγος, διότι ἐν τούτοις τὰ γένη καὶ τὰ εἴδη λαμβάνει τὴν ὕπαρξιν· εἰ γὰρ καὶ ἴδιον ἔχει τὸν τοῦ εἶναι λόγον τὸ ζῷον φέρε καὶ ὁ ἄνθρωπος, ὧν τὸ μέν ἐστι γένος, τὸ δὲ εἶδος, ἀλλ' ἐν τοῖς ἀτόμοις τὴν ὕπαρξιν ἔχουσιν, οἷον Πέτρῳ καὶ Παύλῳ, χωρὶς τούτων οὐχ ὑφιστάμενα. τί μὲν οὖν ὑπόστασίς ἐστι καὶ τί φύσις, κατὰ τὴν ἐκκλη- л. 267 a.
σιαστικὴν ὑφήγησιν εἴπομεν. αὕτη δὴ οὖν ἡ κοινὴ φύσις ἡ ἀνθρώπου, καθ' ἣν οὐδεὶς ἄνθρωπος οὐδενὸς διενήνοχεν, ἐν ἑκάστῃ τῶν ἀτόμων[3] γινομένη, ἰδία λοιπὸν ἐκείνου καὶ οὐδενὸς ἑτέρου κοινὴ γίνεται, καθὼς ἐν τῷ τετάρτῳ κεφαλαίῳ ὡρισάμεθα· τὸ γὰρ ἐν ἐμοὶ ζῷον λογικὸν θνητὸν οὐδενὸς ἄλλου κοινόν ἐστιν. ἀμέλει παθόντος ἀνθρώπου τινός, ἢ βοὸς ἢ

1) въ *прот. С.* 2) и *прот. С.* 3) животныи *П;* животно *С.* 4) хроѵѣ *П (вм.* хъ роди). 5) и *прот. П.* 6) wбрази *ПС.* 7) и *прот. С.* 8) животноуи *П.* 9) оѳо *С.* 10) имать *С.* 11) нѣкыи *С.*

1) ἑτέραν B_1 B_2. 2) ἐκκλησιαστὴς B_1 B_2. 3) ἀτόμῳ B_1.

коню· бестрастьна бѣша[1] подобьно-
образьнаа неразд҃ѣлимъиихъ невъз-
можьно· ибо павьлоу оумьрѣшю· ни
кдиномоу же оумрѣти прочиихъ
чл҃вкъ подобаѥть· и бывъшю петроу
и въ бытьѥ приведъшю соущеи по
имь цл҃вци[2] оубо не соущиихъ
соуть то не кожьдо ли ѥстьство·
не кдинако гл҃ѥться· иже ѥсть на
дъвоѥ· по кдиномоу бо образоу
кгда обьщеѥ· кожгожьдо ѥстьства·
своѥго себе видимъ· ꙗко же чл҃вче
ѥстьство или коня· ни въ чемь же
разд҃ѣльнъиихъ бываа· по дроугоу-
моу же кгда оубо обьще ѥстьство·
въ неразд҃ѣльнъиихъ бывающеѥ·
оузьримъ· и частьноѥ[3] въ ко[е]мьжьдо
ихъ приѥмлюще[4] соущьство ни кди-
номоу же дроугоѥ· разв҃ѣ томоу кди-
номоу прочеѥ· подобьноѥ· иже бо
въ мънѣ животьноѥ словесьноѥ·
съмьртьно· ни кдиномоу же инѣхъ
человѣкъ ѥсть ѿбьще· въ иномь нѣ-
коѥмь[5] боудеть оубо· ꙗко же нъıнѣ
ꙗвихомъ· ꙗко же сиа разоумъı·[6] о
ѥстьствѣхъ[7] же имать и о съста-
вѣхъ· цр҃квьноѥ оучение ѕ҃|ви·[8] ѿ
нихъже кдино оубо ѥстьство о҃ц҃а и
с҃на и с҃тго д҃ха исповѣдаѥмъ·[9] три
же съставъı снхъ рекъше лица
проповѣдаѥмъ· на нѣже кожьдо
своиствъмь· нѣкъıимь ѿ прочиихъ

ἵππου, ἀπαθῆ μένειν[1] τὰ ὁμοιοειδῆ
τῶν ἀτόμων οὐκ ἀδύνατον· καὶ γὰρ
Παύλου τεθνεῶτος μηδένα τεθνάναι
τῶν λοιπῶν ἀνθρώπων ἐνδέχεται,
καὶ γεννωμένου[2] Πέτρου καὶ εἰς
τὸ εἶναι παραχθέντος οἱ ἐσόμενοι
μετ' αὐτὸν ἄνθρωποι οὕπω τῶν
ὄντων εἰσίν. οὐκοῦν ἑκάστη φύσις οὐ
μοναχῶς λέγεται τοῦθ' ὅπερ ἐστίν,
ἀλλὰ διχῶς· καθ' ἕνα μὲν τρόπον,
ὅταν τὸ[3] κοινὸν ἑκάστης[4] φύσεως
λόγον αὐτὸν[5] ἐφ' ἑαυτοῦ θεωρῶμεν,[6]
οἷον τὴν ἀνθρώπου φύσιν ἢ τὴν ἵππου
ἐν οὐδενὶ τῶν ἀτόμων γινομένην· καθ'
ἕτερον δέ, ὅταν αὐτὴν δὴ ταύτην τὴν
κοινὴν φύσιν ἐν τοῖς ἀτόμοις γινα-
μένην κατίδωμεν καὶ μερικωτάτην ἐν
ἑκάστῳ αὐτῶν λαμβάνουσαν ὕπαρξιν,
οὐδενὶ ἄλλῳ πλὴν ἐκείνῳ καὶ μόνῳ
λοιπὸν ἐφαρμόζουσαν· τὸ γὰρ ἐν ἐμοὶ
ζῷον λογικὸν θνητὸν οὐδενὶ τῶν ἄλ-
λων ἀνθρώπων ἐστὶ κοινόν, οὐδὲ ἡ
ἐν τῷδε τῷ ἵππῳ τοῦ ζῴου φύσις ἐν
ἄλλῳ τινὶ γένοιτ' ἄν, ὡς ἀρτίως δεδεί-
χαμεν. ὅτι δὲ ταύτας τὰς ἐννοίας περί
τε φύσεων ἔχει καὶ ὑποστάσεων ἡ τῆς
ἐκκλησίας διδασκαλία, δῆλον ἐξ ὧν
μίαν μὲν φύσιν πατρός τε καὶ υἱοῦ
καὶ ἁγίου πνεύματος ὁμολογοῦμεν,
τρεῖς δὲ τὰς ὑποστάσεις τούτων[7]
ἤγουν πρόσωπα δογματίζομεν, καθ'
ἃς ἕκαστον ἰδιότητί τινι ἐκ τῶν λοιπῶν

1) бъıша *П.* 2) чл҃ци *С.* 3) частное *П.* 4) *cod. переправл.* не *изъ* и. 5) нѣкемь *С.* 6) разоумъıи *П.* 7) естьствѣ *С.* 8) авѣ *ПС.* 9) исповѣдаить *С.*

1) μὲν ἦν B_1 B_2. 2) γενομένου B_1 B_2. 3) cod. надъ τὸ дописыв. ν. 4) ἑκάστην B_1. 5) αὐτοῦ B_1 B_2. 6) θεωροῦμεν B_1 B_2. 7) τούτων ὑποστάσεις B_1 B_2.

x. 267 b.

расоужаѥтьсѧ· ѥдино ѥстьство бж҃ьства· или обьщеѥ [1] бж҃ьствьнаѧго ѥстьства [2] словоу то о собѣ само видимоѥ· и помъıшлѥниѥмь коегожьдо съставa· своиства различьно· ꙗко и [3] особьноѥ пакъı ѥстьства вѣмь имѧ· обьщеѥ слово ѥстьства· на коѥжьдо нераздѣлънъıихъ· рекъше съставъ коегожьдо своѥ вѣмъ видѧще· и ни ѥдиномоу же прочеѥ· дроугоумоу подъ обьщимъ образъмь· подобьно бъıти мощьно ꙗвѣ пакъı ѿ нихъже· при хр҃стовоу дъвоу ѥстьствоу въѥдинѥниѥ· бж҃ьствьноѥ реѥоу и чл҃вѣчьскоѥ чьтемъ· не подобаѥть бо обьщюмоу· [4] оу ст҃ъıѧ троица мьнимоѥ бж҃ьства· въплътитисѧ реченоу· тако бо оу҃бо и оц҃а и сн҃а и ст҃го доухa· оглѥмъ въчл҃вѣчѥниѥ· нъ ни обьщаѧго чл҃вѣчьскаѧго ѥстьства слово· въѥдинитисѧ бж҃ью словоу чьтемъ· тако бо пакъı· и прѣже слова пришьствиѧ· въıвъшимъ чл҃вѣкомъ· и по семь соущимъ вьсѣмъ· примѣсилъсѧ бж҃иѥ слово· правьдьно глаше· нъ ꙗвѣ ꙗко ѥстьство бж҃ьства· сьде речемъ· въ съставѣ слова· ѡбьщаѧго бж҃ьства· [5] особьшисѧ ѥстьства· тѣмь и ѥдино ѥстьство бж҃ьства слова· въплъщено исповѣдаѥмъ ѥмоу· ѥже приложити бж҃ию словоу ꙗвѣ

διακρίνεται, [1] μία φύσις θεότητος, ἡ κοινὸς τῆς θείας φύσεως ὁ [2] λόγος, αὐτὸς καθ' ἑαυτὸν θεωρούμενος καὶ τῇ ἐπινοίᾳ τῆς ἑκάστης ὑποστάσεως ἰδιότητος κεχωρισμένος. ὅτι δὲ καὶ ἰδικώτερον πάλιν [3] τὸ τῆς φύσεως γινώσκομεν ὄνομα, τὸν κοινὸν λόγον τῆς φύσεως ἐφ' ἑκάστου τῶν ἀτόμων ἤγουν τῶν ὑποστάσεων ἑκάστης (л. 196ᵃ) ἴδιον γινώσκομεν θεωροῦντες, [4] καὶ οὐδενὶ λοιπὸν ἑτέρῳ τῶν ὑπὸ τὸ κοινὸν εἶδος ἐφαρμόζειν δυνάμενον, [5] δῆλον πάλιν ἐξ ὧν ἐπὶ Χριστοῦ δύο φύσεων ἑνωσιν, τῆς θείας φημὶ καὶ τῆς ἀνθρωπείας, πρεσβεύομεν· οὐ γὰρ δὴ τὴν κοινὴν ἐπὶ τῆς ἁγίας τριάδος νοουμένην τῆς θεότητος σεσαρκῶσθαί φαμεν· οὕτω γὰρ ἂν καὶ τοῦ πατρὸς καὶ τοῦ ἁγίου πνεύματος κατηγοροῖμεν [6] τὴν ἐνανθρώπησιν. ἀλλ' οὐδὲ τὸν κοινὸν τῆς ἀνθρωπίνης φύσεως λόγον ἡνῶσθαι τῷ θεῷ λόγῳ πρεσβεύομεν· οὕτω γὰρ πάλιν καὶ τοῖς πρὸ τῆς τοῦ λόγου ἐπιδημίας γενομένοις ἀνθρώποις καὶ τοῖς μετὰ ταύτην ἐσομένοις ἅπασιν ἡνῶσθαι ἂν ὁ τοῦ θεοῦ λόγος δικαίως ἐλέγετο. ἀλλὰ δῆλον ὅτι φύσιν θεότητος ἐνταῦθά φαμεν τὴν ἐν τῇ ὑποστάσει τοῦ λόγου τῆς κοινῆς θεότητος ἐξιδιασθεῖσαν φύσιν, ὅθεν καὶ μίαν φύσιν τοῦ θεοῦ λόγου σεσαρκωμένην ὁμολογοῦμεν, αὐτῷ τῷ προσθεῖναι τοῦ θεοῦ λόγου σαφῶς

1) бж҃ьствьнаѧго + *вставл. cod.* 2) ѥстьства *П.* 3) и *пропуск. С.* 4) общономѣ *С.* 5) сьде речемъ· въ съставѣ слова· обьщаѧго бж҃ьства *пропуск. С.*

1) τίς γὰρ ἂν εἴη вставл. B_1 B_2. 2) ὁ пропуск. B_1 B_2. 3) πάλιν καὶ ἰδικώτερον B_1 B_2. 4) θεωροῦντες γινώσκομεν B_1 B_2. 5) δυναμένων B_1 B_2. 6) κατηγοροῦμεν B_1 B_2.

л. 268 а. изволикъше ю | оц҃а же и с҃тго дх҃а· ꙗко ѧще и си· обыцек[1] кстьства слово· свок къ томоу бж҃ию словоу разоумѣюще въплътисѧ речѐмъ слова кстьства· и кстьства оубо чл҃вчьства гл҃емъ· примѣситисѧ словоу· чьстьномоу иномоу соущьствоу· иже кдино ѿ всѣхъ слово приатъ· ꙗко просто на то кстьства знамена- ваемое· тое же оубо боудеть кстьство и съставъ· обаче ꙗко съставьное има· съразоумьныѧ имать· и прибывающаго отъ обыцаго кстьства· коемоужьдо неразд҃ѣльныи свойства·[2] на ниже дроугъ ѿ дроуга разлоучисѧ· ѿ сего нашихъ· мъногы[3] и различьныѧ[4] обрѣсти кстьствъ·[5] рекъше съставъ· въединение бъıти· ѧще бо съставъ ꙗко же познахомъ·[6] своего коегожьдо и неразд҃ѣльное назна̀меноуѧ соущьство· ѿ подобьнаго же мъногашьдъı· сиѧ прием̀лють имена·[7] ѧвѣ ꙗко и свок кстьство назна̀меноуеть· намъ тѣхъ ради хотѧщемъ· понеже и такою же весѣдою· и приатиемъ· таковаѧ кстьства славѧщемъ·[8] обычаи вьсѣмъ· и обыцек[9] кстьства слово· чл҃вѣка нарицати· ꙗко когда гл҃ють· образоу бъıти животьнаго чл҃вкоу иже ни неразд҃ѣльныихъ ни

ἀποκρίναντες αὐτὴν τοῦ τε πατρὸς καὶ τοῦ ἁγίου πνεύματος· ὥστε κἀνταῦθα τὸν κοινὸν τῆς φύσεως λόγον ἴδιον λοιπὸν τοῦ θεοῦ λόγου νενοηκότες, σεσαρκῶσθαί φαμεν τοῦ λόγου τὴν φύσιν· καὶ φύσιν πάλιν ἀνθρωπότητος λέγομεν ἡνῶσθαι τῷ λόγῳ τὴν μερικωτάτην ἐκείνην ὕπαρξιν, ἣν μόνην ἐκ πασῶν ὁ λόγος προσείληφεν· ὥστε σχεδὸν κατὰ τοῦτο τῆς φύσεως τὸ σημαινόμενον ταὐτὸν ἂν εἴη φύσις καὶ ὑπόστασις, πλὴν ὅτι τὸ τῆς ὑποστάσεως ὄνομα συνεπινοουμένας ἔχει καὶ τὰς ἐπιγινομένας παρὰ τὴν κοινὴν φύσιν ἑκάστῳ τῶν ἀτόμων ἰδιότητας, καθ' ἃς ἀλλήλων κεχώρισται· ἔνθεν τῶν ἡμετέρων πολλοὺς διαφόρως εὑρεῖν ἐστι λέγοντας φύσεων ἤγουν ὑποστάσεων ἕνωσιν γεγονέναι· εἰ γὰρ ἡ ὑπόστασις, ὡς ἐδείξαμεν, τὴν ἰδικὴν ἑκάστου καὶ ἄτομον σημαίνουσα[1] ὕπαρξιν (ἐκ παραλλήλου δὲ πολλάκις τούτοις κέχρηνται τοῖς ὀνόμασι), δῆλον ὡς καὶ τὴν ἰδικωτάτην φύσιν σημαίνειν ἡμῖν[2] διὰ τούτων ἐθέλουσιν, ἐπεὶ καὶ ἐν τῇ ἀνὰ χεῖρα ὁμιλίᾳ καὶ ἐν τῇ χρήσει τῶν τὰ τοιαῦτα πεφυσιολογηκότων ἔθος ἅπασι καὶ τὸν κοινὸν τῆς φύσεως λόγον ἄνθρωπον προσαγορεύειν, ὡς ὅταν λέγωσιν εἶδος εἶναι τοῦ ζῴου τὸν ἄνθρωπον, εἴπερ μηδὲν τῶν ἀτόμων μήτε

1) обще *C.* 2) ствонства *C.* 3) *cod. переправл.* ъ *изъ* о. 4) различнын *П.* 5) гл҃юща *C.* 6) естество *C.* 7) показахомъ *П.* 8) имнѣ *C.* 9) словащїи *П.* 10) обще *C.*

1) σημαίνουσιν B_1 B_2. 2) ἡμῖν σημαίνειν B_1 B_2.

ѥсть образъ· ѥже подъ родъмь-
ни глѣтьсѧ· нъ и чл҃вка коня
лоучьша глѣмъ·[1] ѩвѣ ѩко все-
моу глюща ѥстьства· и пакъı
петроу чл҃вкоу бъıти речемъ и
павьлъ іоана· и[2] бъıти | чл҃вкоу
и[3] оумрети· по кокмоужьдо· ѩвѣ
ѩко и обьцааго слова· чл҃вчьска-
аго ѥстьства· тако же имоущю·
и се же[4] пакъı подобьно прѣже
разлоучити· ѩко лица и състава
има· многашьдъı оубо[5] того же
ѥсть въ насъ ѕнамение ѩвленьно·
ѩко же и мечь къто тако же
наричетъ[6] и ножь· тако оубо
прѣ[ст҃ѣ]и[7] троици различьно· ли-
ца· г҃· и трои[8] съставъı[9] нари-
чемъ·[10] ѿ подобьнааго образъмь·
къıмьжьдо тоѥ же назначеноующе·
мъногашьдъı бо лице състава·
расмаѳрають[11] лице наричице·
нѣкъıихъ сѵоиство къ подобьнъı-
имъ· не невѣдоущоу[12] ни объıча-
ноумоу приниманию то ѕнаменак-
моѥ лице речемъ моѥ въсприяти
лице оньсици· и въ лице въвести
сѳѩ пьрѫ оньсицю· ипрохоу же
лице имѣти цр҃ѫ[13] глѣмъ· ѿнюдоу же и несториѥвъ велѣ-
нии послоушьници· ни ѥстьства

ἐστὶν εἶδος τὸ ὑπὸ τὸ γένος μήτε λέγεται. ἀλλὰ καὶ ἄνθρωπον ἵππου διαφέρειν[1] λέγομεν, αὐτὰς δηλονότι τὰς καθόλου λέγοντες φύσεις· καὶ πάλιν Πέτρον ἄνθρωπον εἶναί φαμεν καὶ Παῦλον καὶ Ἰωάννην καὶ γεγονέναι ἄνθρωπον καὶ τεθνάναι, τὸν καθ' ἕκαστα δηλονότι. καὶ τοῦ κοινοῦ λόγου τῆς τοῦ ἀνθρώπου φύσεως ὡσαύτως ἔχοντος, καὶ τοῦτο δὲ πάλιν εὔλογον[2] προδιαστείλασθαι, ὡς τὸ τοῦ προσώπου καὶ τὸ τῆς ὑποστάσεως ὄνομα πολλάκις μὲν τῆς αὐτῆς ἐστι παρ' ἡμῖν σημασίας δηλωτικόν, (л. 196[b]) ὡς εἰ καὶ ξίφος τις τὸ αὐτὸ καλοίη καὶ μάχαιραν. οὕτω γοῦν ἐπὶ τῆς ἁγίας τριάδος διαφόρως πρόσωπά τε τρία καὶ τρεῖς ὑποστάσεις προσαγορεύομεν[3] τῷ ἐκ παραλλήλου τρόπῳ δι' ἑκατέρου ταὐτὸν σημαίνοντες· πολλάκις δὲ τὸ πρόσωπον τῆς ὑποστάσεως διακρίνουσι, πρόσωπον καλοῦντες τήν τινων[4] σχέσιν πρὸς ἄλληλα, οὐκ ἀγνοούσης οὐδὲ τῆς συνήθους χρήσεως τοῦτο τοῦ προσώπου τὸ σημαινόμενον· φαμὲν γὰρ τὸ ἐμὸν ἀνειληφέναι πρόσωπον τὸν δεῖνα καὶ εἰς πρόσωπον τοῦδε τὴν δίκην εἰσαγαγεῖν τὸν δεῖνα, καὶ τὸν ὕπαρχον δὲ πρόσωπον ἔχειν τοῦ βασιλέως λέγομεν· ἔνθεν καὶ οἱ τῶν Νεστορίου δογμάτων κατήκοοι, οὔτε φύσιν

л. 268 b.

1) гл҃ѣть *П.* 2) и *прот. С.* 3) и *прот. С.* 4) же *прот. С.* 5) оубо *прот. С.* 6) наречеть *П.* 7) *исправл. по С; cod. вставл.* †; *П* трѣи. 8) три *П.* 9) съставьıи *П.* 10) наречемъ *П.* 11) расматрають *С.* 12) *cod. переправл.* о *изъ* е. 13) цесарѫ *П*; цр҃ѫ *С.*

1) διαφέρομεν B_2. 2) ἔλεγον B_1. 3) προσαγορεύειμεν B_1 B_2. 4) τίνων B_2.

кдиного х҃ва· ни съставъ гл҃ати въспріемлюще· понѣже ни ѥстьствъ· ни съставъ· на тъı чьтоуть въкдинѣніе чл҃вка же въıти ѿ маріа проста полагаютъ· вьсе въ нѣмь въмѣстивъшеѥсѧ бж҃ьствьноѥ сіѧніе· и тѣмь инѣхъ вьсѣхъ б҃оносивъшихъ моужь·[1] лоучьшихъ чьстьнѣишѣѥ въ томь коѥмьждо· бж҃ьствьнааго 10 бъıвающааго сіѧніѧ обаче надѣющюсѧ· кдиномоу бъıти х҃воу лицю· изъѧвлаютъ своиство· бж҃іа слова· къ чл҃вкоу же ѿ маріа кдино соуцьство· лице кдино гл҃юще· понѣже онъ вьсе
л. 269 a. 15 бж҃ьствьноѥ съмо|трѣніе· на лице творѧ же бж҃ьства слово·[2] тѣмь правьдьно· и на чл҃вка роуганіе·[3] и на б҃а приносити имьже и ѿ послоушьливъıхъ· на епарха бъıвающіѧ· чьсть же и[4] роуганіе· на того приноситьсѧ ц҃рѧ·[5] того же оусвоѥніѧ· и х҃во наречѣніе· въ рѣснотоу ѩвлѥно бъıти рѣша· тѣмь и х҃а кдиного· нарицати съподоблаютъ· понѣже и свиство 25 ѩко же речено ѥстъ· кдино аще и больша боудетъ того причащающесѧ· ѩвѣ же мьню б҃лгочьстивъıимъ· о сп҃совѣ въчл҃вѣчении· ѩко кдиномоу бъıти х҃воу лицю мъı[6] гл҃ѣмъ· не 30 ѩко же несторіѥвомъ дроугомъ изволисѧ· на томь простѣмь оусвоѥнии бж҃іѥ къ чл҃вкоу лица носимо имѧ· нъ ѿ подобіѧ съставъ·[7]

μίαν ἐπὶ Χριστοῦ οὔτε ὑπόστασιν λέγειν ἀνεχόμενοι, ἐπεὶ μήτε τῶν φύσεων μήτε τῶν ὑποστάσεων καθ' αὐτὰς πρεσβεύουσιν ἕνωσιν, ἄνθρωπον δὲ εἶναι τὸν ἐκ Μαρίας ψιλὸν ὑποτίθενται, ὅλην ἐν ἑαυτῷ τὴν θείαν χωρήσαντα ἔλλαμψιν καὶ ταύτῃ τῶν ἄλλων ἁπάντων θεοφόρων ἀνθρώπων διαφέροντα, μερικωτέρας ἐν ἐκείνων[1] ἑκάστῳ τῆς θείας γενομένης ἐλλάμψεως, ὅμως θαῤῥούντως[2] ἓν εἶναι τοῦ Χριστοῦ τὸ πρόσωπον διϊσχυρίζονται, τὴν σχέσιν τοῦ θεοῦ λόγου πρὸς τὸν ἐκ Μαρίας ἄνθρωπον μίαν οὖσαν πρόσωπον ἓν λέγοντες, ἐπεὶ πᾶσαν ἐκεῖνος τὴν θείαν οἰκονομίαν εἰς πρόσωπον ἐποιεῖτο τῆς τοῦ λόγου θεότητος· ὅθεν δικαίως καὶ τὴν εἰς τὸν ἄνθρωπον ὕβριν εἰς θεὸν ἀναφέρεσθαι, ἐπεὶ καὶ ἡ ἐκ τῶν ὑπηκόων εἰς τὸν ὕπαρχον γινομένη τιμή τε καὶ ὕβρις εἰς αὐτὸν ἀναφέρεται τὸν βασιλέα. ταύτης γ' οὖν τῆς σχέσεως καὶ τὴν Χριστὸς προσηγορίαν κυρίως δηλωτικὴν εἶναί φασιν· ὅθεν καὶ Χριστὸν ἕνα καλεῖν[3] ἀξιοῦσιν, ἐπεὶ καὶ ἡ σχέσις, ὡς εἴρηται, μία, κἂν[4] πλείονα εἴη τὰ ταύτης μετέχοντα. δῆλον οὖν οἶμαι τοῖς εὐσεβοῦσι περὶ τὴν τοῦ σωτῆρος ἐνανθρώπησιν, ὡς ἓν εἶναι τοῦ Χριστοῦ πρόσωπον ἡμεῖς λέγοντες οὐχ ὡς τοῖς Νεστορίου φίλοις ἔδοξεν ἐπ' αὐτῆς ψιλῆς τῆς σχέσεως τοῦ θεοῦ πρὸς τὸν ἄνθρωπον τὸ τοῦ προσώπου φερόμενον ὄνομα, ἀλλ' ἐκ παραλλήλου

1) мѫжен *П.* 2) слова *П.* 3) роугаиѣ *П.* 4) и *проп. П.* 5) ц҃рѧ *ПС.* 6) мъı *проп. С.* 7) съста *П.*

1) ἐκείνῳ B_1 B_2. 2) θαρροῦντες B_1 B_2. 3) καλεῖν проп. B_1. 4) καὶ B_1 B_2.

наречениꙗ и лица приемлемъ· лице глюще· единомоу бъıти хⷭвоу лицю· ꙗко члⷱкоу единъ съставъ·[1] петроу рекъше и павлоу· да прѣдъидеть оубо намъ съ инѣми и[2] се ꙗко[3] и паче· и ни полоучьшааго лѣтаразвѣ съмѣшениꙗ иже къ словоу· члⷱчьскок прика хⷭво· нъ въкоупь же начало· иже въ бъıтиꙗ прѣхода· и къ словоу въꙁа въединение·[4] нъ не постоꙗньноу бъıти рекохъмъ ѥстьствоу томоу· не же особьсъставьноу имаше· паче простъıихъ члⷱкъ· и особьописано[5] соущьство своиствъı нѣкъıими· паче обьщааго ѥстьства· прочиихъ члⷱкъ вьсѣхъ расмаштрающеи·[6] се бо назначеноватн нъıнѣ· състава показахомъ има· оубо ꙗко не о бжьствѣ хⷭвѣ· и ѥсть|ствоу[7] иго· и съставъ исповѣдаемъ· тако же нѣкъде· и на члⷱчьствѣ иго ꙗко[8] ѥстьство· тако и свои сии съставъ· исповѣдати ноужде· да не непостоꙗньно иже рекохъ ѥстьство оноглати ноудимъсѧ· едино бо ꙗвѣ ꙗко подъ обьщиимь ѥстьствъмь творящиимь· неразделънонхъ спсово вѣаше члⷱчьскоѥ· симъ тако съказаномъ ꙗвѣ· и ѿ вьсѣхъ мьню съглашаемомъ· да глютъ намъ τῇ[1] τῆς ὑποστάσεως καὶ τῇ τοῦ προσώπου προσηγορίᾳ χρώμεθα, οὕτω λέγοντες ἐν εἶναι τοῦ Χριστοῦ πρόσωπον, ὡς ἀνθρώπου μίαν ὑπόστασιν Πέτρου τυχὸν ἢ Παύλου. προηγείσθω δὲ ἡμῖν μετὰ τῶν ἄλλων καὶ τοῦτο. ὡς εἰ καὶ τὰ μάλιστα μηδὲ τὸν τυχόντα χρόνον χωρὶς τῆς πρὸς τὸν λόγον ἑνώσεως τὸ ἀνθρώπινον ὑπέστη τοῦ Χριστοῦ, ἀλλ᾽ ἅμα τε τὴν ἀρχὴν τῆς εἰς τὸ εἶναι παρόδου καὶ τὴν πρὸς τὸν λόγον ἀνείληφεν ἕνωσιν, ἀλλ᾽ οὐκ ἀνυπόστατον εἶναί φαμεν τὴν φύσιν ἐκείνην, εἴπερ ἰδιοσύστατον εἶχε παρὰ τοὺς λοιποὺς ἀνθρώπους καὶ ἰδιοπερίγρα(л. 197a)φον τὴν ὕπαρξιν ἰδιώμασί τισι παρὰ τὴν κοινὴν φύσιν τῶν ἀνθρώπων ἁπάντων διακρινομένην· τοῦτο γὰρ σημαίνειν ἀρτίως τὸ τῆς ὑποστάσεως ἐδείξαμεν ὄνομα. οὐκοῦν ὡς ἐπὶ τῆς θεότητος τοῦ Χριστοῦ καὶ φύσιν л. 269 b.
αὐτῆς καὶ ὑπόστασιν ὁμολογοῦμεν, οὕτω δήπου καὶ ἐπὶ τῆς ἀνθρωπότητος αὐτοῦ ὥσπερ φύσιν οὕτω καὶ τὴν ἰδικὴν ταύτην ὑπόστασιν ὁμολογεῖν ἀνάγκη, ἵνα μὴ ἀνυπόστατον, ὅπερ εἴρηκα, τὴν φύσιν ἐκείνην λέγειν ἀναγκαζώμεθα·[2] ἐν γὰρ δηλονότι τῶν ὑπὸ τὴν κοινὴν φύσιν τελούντων ἀτόμων τὸ τοῦ· σωτῆρος ὑπῆρχεν ἀνθρώπινον.[3] τούτων οὕτω διευκρινημένων[4] σαφῶς καὶ ὑπὸ πάντων οἶμαι συμφωνουμένων, λεγέτωσαν ἡμῖν

---

1) съста *П.* 2) и *проп. С.* 3) ꙗко се *С.* 4) въединениннѥ *cod.* 5) особьописанѣ *С.* 6) расматрающеи *С.* 7) естествѣ *П.* 8) ꙗко *проп. П.*

1) τὸ B_1 B_2. 2) ἀναγκαζόμεθα B_1 B_2. 3) ἄντιον B_1 (=ἀνθρώπειον?). 4) διευκρινουμένων B_1 B_2.

дъвѣма бъıти х҃сѣома ѥстьсѣома· ѥдиномоу же съставоу· полагающе понѣже съмѣшенъıихъ· коѥжьдо ѥ[сть]ство[1] же въкоупѣ· и съставъ
5 ноужьдею имааше· ꙗко же слово показа· коѥмоу равьночьстивьно· ѥстьствъ же и съставъ· исповѣдаютъ бъı[т]и въѥдинѥнии· или паче[2] примѣситисѧ съставъмь мьнаще·
10 понѥже ѥдинъ въкоупь съставъ бъıсть· мьнѥ же ѥстьства· тѣмь и дъвѣ по въѥдинѥнии[3] прѣбъıста·

и по сихъ въ нихъже обоучаѥть· ꙗко паче и мьньшаго соуцьство не прииемлѥть рече пакъı[4] въ тои же главѣ сице·

Ꙗдиномоу бо[5] ѥстьствоу мъножаишихъ съставъ бъıтиискоумоу ꙗвѣ· мьню бъıти вьсѣмъ· тако бо
20 ѥдиноу[м]оу[6] бъıти ѥстьствоу бж҃ьства исповѣдающе· трьмъ бъıти съставомъ ѥго чьтемъ· и ч҃лвкомъ ѥдиного[7] ѥсть[8] ѥстьство· подъ тѣмь съставъ[9] на ѳеицисльноѥ просто·
25 простирающе мъножьствѣмь· и на инѣхъ[10] тако же дъвѣ ѥстьствѣ· съблюдаѧ по числоу дъвоиницю·
л. 270 а. ѥдинъ съ|творити съставъ невъзможьно· и се не тъкмо ѿ вьсѣхъ
30 по части· наведениѧ ѥсть оувѣрити·

οἱ δύο εἶναι τὰς τοῦ Χριστοῦ φύσεις, μίαν δὲ τὴν ὑπόστασιν ὑποτιθέμενοι· ἐπειδὴ τῶν ἑνωθέντων ἑκάτερον φύσιν τε ἅμα καὶ ὑπόστασιν ἐξ ἀνάγκης εἶχεν, ὡς ὁ λόγος ἔδειξεν, πότερον ὁμοτίμως τῶν τε φύσεων καὶ τῶν ὑποστάσεων ὁμολογοῦσι γεγονέναι τὴν ἕνωσιν ἢ μᾶλλον ἡνῶσθαι τὰς ὑποστάσεις οἴονται, [ἐπεὶ καὶ μία ἐξ ἀμφοῖν ὑπόστασις γέγονεν,][1] ἧττον δὲ τὰς φύσεις, ὅθεν καὶ δύο μετὰ τὴν ἕνωσιν μεμενήκασι.

καὶ μεθ' ἕτερα, ἐν οἷς γυμνάζει, ὅτι μᾶλλον καὶ ἧττον ἡ οὐσία οὐκ ἐπιδέχεται. φησὶ πάλιν ἐν τῷ αὐτῷ κεφαλαίῳ οὕτως.

Μίαν μὲν γὰρ φύσιν[2] πλειόνων ὑποστάσεων γεννητικὴν[3] ἐναργὲς οἶμαι τυγχάνειν[4] ἅπασιν. οὕτω γοῦν μίαν εἶναι φύσιν τῆς θεότητος ὁμολογοῦντες, τρεῖς[5] εἶναι τὰς ὑποστάσεις αὐτῆς πρεσβεύομεν· καὶ ἀνθρώπων δὲ μία ἐστὶν ἡ φύσις, τῶν ὑπ' αὐτὴν ὑποστάσεων ἐπ' ἄπειρον σχεδὸν ἐκτεινομένων τῷ πλήθει, καὶ ἐπὶ τῶν ἄλλων ὡσαύτως. δύο δὲ[6] φύσεις σῳζούσας[7] κατ' ἀριθμὸν τὴν δυάδα μίαν ἀποτελέσαι ὑπόστασιν ἀδύνατον. καὶ τοῦτο οὐ μόνον ἐκ τῆς τῶν κατὰ μέρος ἁπάντων ἐπαγωγῆς ἐστι πιστώσασθαι

---

1) *исправл. по С.* 2) *cod., вм.* ч, *только* —. 3) *cod. переправл.* ѥ (*послѣ* н) *изъ* н. 4) пакын *П.* 5) ѥо *проп. С.* 6) *исправл. по П;* ѥдино$^{+}$ оу *cod.;* ѥдинѣ *С.* 7) ѥдино *П.* 8) ѥсть *проп. П.* 9) съставомъ *П.* 10) инын *П.*

1) вставка изъ B_1 B_2. 2) фησὶν B_1 B_2. 3) γεννητικὴν B_1 B_2. 4) τυγχάνει B_1 B_2. 5) τίνι B_1 B_2. 6) δὲ проп. B_1 B_2. 7) σῴζουσα B_1 B_2.

како бо оубо боудетъ камени[1] и дрѣво единъ съставъ· сирѣчь нераздѣльно едино· или вола или коня· нъ и ѿ тоа слава дѣтели· аще бо въ съставѣхъ тако же рещи· въ нераздѣл[и]мыихъ[2] коежьдо естьство· приемлеть соущьство· ноужда[3] вьсѧ дъвѣма естьствома бъıти· дъвѣма мьньшиима· и съставъмь бъıти· въ нихъже соущьство естьства приѧша· невъзможьно бо естьствоу прѣтърпѣти· въ томь и въ[4] раздѣлимѣмь[5] нѣкоемь видимыи· нераздѣлимомоу томоу же бъıти· и съставоу нъıнѧ показахомъ· ѩко елико ихъ оубо· не тъкмо съставъ единъ· нъ не естьствоу въединение ради рѣша бъıти· съгласьни и себѣ истинѣ ѩвлаютьсѧ· елико же ихъ съставъ единъ· оубо естьствома же[6] дъвѣма рекоша бъıти· и себѣ несъгласьни[7] истинѣ ѩвишасѧ· нъ понеже члвчьскоѥ хсво бъıти рѣша· въ словеси ставлении имѧше· и не прѣже приѧ словоу въединениа сего ра[ди]·[8] хсвоу бъıти единомоу съставоу· коѥ же речемъ оубо и мъı· единомоу мьнѣти и назначеновати[9] естьство· и съставоу· ѩко именьмь тъчию бъıти различьно·[10] по единомоу назначеновакемоу· подающа

(πῶς γὰρ ἂν εἴη λίθου καὶ ξύλου μία ὑπόστασις τουτέστιν ἄτομον ἕν, ἢ βοὸς καὶ ἵππου;), ἀλλὰ καὶ ἐξ αὐτῆς τῆς τοῦ λόγου ἐνεργείας· εἰ γὰρ ἐν ταῖς ὑποστάσεσι, ταὐτὸν δὲ εἰπεῖν ἐν τοῖς ἀτόμοις, ἑκάστη φύσις λαμβάνει τὴν ὕπαρξιν, ἀνάγκη πᾶσα δύο τῶν φύσεων οὐσῶν δύο τοὐλάχιστον καὶ τὰς ὑποστάσεις εἶναι, ἐν αἷς τὴν ὕπαρξιν αἱ φύσεις ἔλαβον· ἀδύνατον γὰρ φύσιν ὑποστῆναι καθ' αὑτὴν μὴ ἐν ἀτόμῳ τινὶ θεωρουμένην, ἄτομον δὲ ταὐτὸν εἶναι καὶ ὑπόστασιν ἀρτίως δεδείχαμεν. ὥστε ὅσοι μὲν μὴ μόνον τὴν ὑπόστασιν μίαν, ἀλλὰ καὶ τὴν φύσιν διὰ τὴν ἕνωσιν γεγονέναι φασί,[1] σύμφωνοι[2] καὶ ἑαυτοῖς καὶ τῇ ἀληθείᾳ φαίνονται. ὅσοι δὲ τὴν μὲν ὑπόστασιν μίαν, τὰς δὲ φύσεις δύο φασὶν εἶναι, καὶ ἑαυτοῖς ἀσύμφωνοι καὶ τῇ (л. 197[b]) ἀληθείᾳ πεφήνασιν. ἀλλ' ἐπειδὴ τὸ ἀνθρώπινον[3] τοῦ Χριστοῦ, φασίν, ἐν τῷ λόγῳ τὴν ὑπόστασιν ἔσχεν καὶ οὐ προϋπέστη τῆς τοῦ λόγου ἑνώσεως, διὰ τοῦτο μίαν φαμὲν εἶναι τὴν τοῦ Χριστοῦ ὑπόστασιν. πότερον οὖν, φαίημεν ἂν καὶ ἡμεῖς, ἓν καὶ ταὐτὸν[4] ἡγεῖσθαι[5] σημαίνειν τὴν φύσιν καὶ τὴν ὑπόστασιν, ὡς ὀνόματα μόνον εἶναι διάφορα καθ' ἑνὸς σημαινομένου πίπτοντα,

1) камене *П.* 2) *cod.* н (*посль* л) *не дописано.* 3) нѣжди *С.* 4) въ *проп. С.* 5) раздѣлемѣмь *С.* 6) же *проп. С.* 7) негласни *П.* 8) *исправл. по С.* 9) назначенова *П.* 10) различто *С.*

1) φασί проп. B_1 B_2. 2) σύμφωνα B_1 B_2. 3) ἄ$\overline{\text{ν}}$ιον B_1 (= ἀνθρώπειον?). 4) κατ' αὐτὸν B_1 B_2 (вм. καὶ ταὐτόν). 5) ἡγῆσθαι B_1.

ѩко же ножеви и мечю· или дроугоумоу и дроугоумоу· аще оубо
л. 270 b. тоѥ же ѥдиного съства | соущю· ѥдиномоу бъıти ѥстьствоу· ноужда
ѩко же чьто ѥдино боудеть· и ножю[1] ѥдинон бъıти ноужди аще
и ѥстьствѣ дъвѣ· и съставѣ по ноужди[2] боудлаще ино оубо на-
зьнаменоуѥть ѥстьства[3] имѧ·[4] ино
же съства·[5] прочеѥ же ѥдиномоу бъıти съставоу хр҃оу мьнать· ѥже
не прѣже бъıти чл҃вчю[6] съставоу· рекъше лицю къ въѥдинѥнию
слова· нъ аще прѣже приѧтъ·
съмѣшьшеѥсѧ словоу частьно[7]
ѥстьствьно· ноужда вьсѧ· и того
приѧти съства· сихъ бо не прие-
млѥть· ѿ иного бъıти прочеѥ не
соущю· частьномоу гл҃ю ѥстьствоу
бе своѥго [съ]става· или чьстьнъıи
съставъ· бе своѥго ѥстьства ѥдино
бо ѥсть въкоупь· подълежащюмоу
и въ тоѥ же мъногашьдъı съри-
цающесѧ· ѿ приимъшиихъ ѩко же
малъмъ· пьрвѣѥ показахомъ· аще
оубо ѩко и[8] ставъ тако и[9]
ѥстьство· словъмь съмѣсивъше-
есѧ· не приѧтъ къ нѥмоу съмѣ-
шѥниѧ· имьже еда ѥдинъ хр҃ъ
съподобить ставъ· того ради и
ѥстьство ѥго ѥдино да съподоблѧ-
ѭть бъıти· не подвизающе бо сѧ·

ὡς μάχαιρα καὶ ξίφος, ἢ ἕτερον καὶ ἕτερον. εἰ μὲν οὖν ταὐτόν, μιᾶς τῆς ὑποστάσεως οὔσης μίαν εἶναι καὶ τὴν φύσιν ἀνάγκη, ὡς εἰ τὸ ξίφος ἓν εἴη, καὶ τὴν μάχαιραν μίαν εἶναι ἀνάγκη, ἢ εἰ φύσεις[1] δύο, καὶ ὑποστάσεις ἐξ ἀνάγκης δύο ἔσονται. εἰ δὲ ἄλλο μὲν σημαίνει τὸ τῆς φύσεως ὄνομα, ἄλλο δὲ τὸ τῆς ὑποστάσεως, λοιπὸν δὲ τοῦ μίαν εἶναι τὴν ὑπόστασιν τοῦ Χριστοῦ ἡγοῦνται τὸ μὴ προϋπάρξαι τὴν τοῦ ἀνθρώπου ὑπόστασιν ἤγουν πρόσωπον τῆς πρὸς τὸν λόγον ἑνώσεως, οὐκοῦν καὶ τοῦ[2] δύο τοῦ Χριστοῦ τὰς φύσεις εἶναι αἴτιον ἂν εἴη [τὸ][3] προϋπάρξαι τὴν τοῦ ἀνθρώπου φύσιν τῆς πρὸς τὸν λόγον ἑνώσεως. ἀλλ' εἰ προϋπέστη ἡ ἑνωθεῖσα τῷ λόγῳ μερικὴ φύσις, ἀνάγκη πᾶσα καὶ [τὴν][3] ταύτης προϋποστῆναι ὑπόστασιν· τούτων γὰρ οὐκ ἐνδέχεται θάτερον εἶναι, τοῦ λοιποῦ μὴ ὄντος, τὴν μερικὴν λέγω φύσιν ἄνευ τῆς ἰδίας ὑποστάσεως, ἢ τὴν μερικὴν ὑπόστασιν ἄνευ τῆς ἰδίας φύσεως· ἓν γάρ ἐστιν[4] ἄμφω τῷ ὑποκειμένῳ καὶ εἰς ταὐτὸν πολλάκις συντρέχουσι παρὰ τοῖς χρησαμένοις, ὡς μικρῷ πρόσθεν ἐδείξαμεν. εἰ τοίνυν ὥσπερ ἡ ὑπόστασις οὕτω καὶ ἡ φύσις ἡ τῷ λόγῳ ἑνωθεῖσα οὐ προϋπέστη τῆς πρὸς αὐτὸν ἑνώσεως, δι' ὅπερ ἄρα μίαν τὴν τοῦ Χριστοῦ ἀξιοῦσιν ὑπόστασιν, διὰ τοῦτο καὶ φύσιν αὐτοῦ μίαν ἀξιούτωσαν εἶναι· μὴ διαφέρουσαι γὰρ

1) нѫжю *C.* 2) нѫжда *C.* 3) ѥстьва *C.* 4) нма *C.* 5) съста *П.* 6) чл҃кѫ *C.* 7) частьнѥ *C.* 8) и *проп. C.* 9) и *проп. C.*

1) εἰ ἡ φύσις B_1 B_2 (вм. ἢ εἰ φύσεις). 2) cod. ὑ выскобл. и надъ о поставлено удареніе рукою писца. 3) вставка изъ B_1 B_2. 4) ἐστιν проп. B_1.

дьрѣзноути съмѣситиса· ни на се оубо да подвигаѥтаса·

пд· Нетьлѣньночашиници· иже ѡ ноуліана· аликарнасѣискаго· и гаіана[1] александрьскаго· иже и гаіателя глѣтьса· въ инѣхъ[2] бо вьсѣхъ· иже ѡ севира подобаіеса· вънѣгда мънѣти гла|ти· о различьнѣмь съмѣшении сихъ нетьлѣньно ѡ того съзьданиа· тѣло гне чьстити· и страсти оубо прѣтьрпѣти· гоу исповѣдаютъ· алъканиѥ рекоу и жажю и троудъ· не тѣмь же образъмь· намъ сиа кмоу прѣтьрпѣти рѣша· намъ бо ноуждею ѥстьства· хоу же бу волею прѣтьрпѣти глютъ· и ѥстьствьномоу законоу не поработитиса·

пе· Неразоумьници· иже и правьдьници· иже невѣдати· нечьстивьно възвѣщающе· хсоу дне сждьнаго· и оукрашениѥ кго оукараѭіе· си же ѡвьржени ѡ феодосиана съуть· законьникъ бо иже въисть ихъ ересѣ-начальникъ· ѥдино къ хсоу ѥстьство съложьно чьташе·

пѕ· Варъсаноуфитане иже и моученици· разоумьни[3] оубо·[4] гаіаномъ· и феодосіаномъ· имоуть же и нѣчьто болиѥ·[5] моукоу бо прилагаютъ· ѡ диоскора оубо принесенъимъ· и краиниимь пьрстъмь κατὰ τὸ μᾶλλον[1] ἡνῶσθαι οὐδὲ κατὰ τοῦτο ἂν διαφέροιεν.

[πδ΄]. Ἀφθαρτοδοκῖται οἱ ἀπὸ Ἰουλιανοῦ τοῦ Ἁλικαρνασσέως καὶ Γαϊανοῦ τοῦ Ἀλεξανδρέως, οἱ καὶ Γαϊανῖται λεγόμενοι, ἐν τοῖς ἄλλοις μὲν ἅπασι τοῖς ἐκ Σεβήρου[2] συμφερόμενοι, ἐν τούτῳ δὲ διαφερόμενοι ἐν τῷ τοὺς μὲν διαφορὰν[3] л. 271 a. ἐπὶ τῆς ἑνώσεως δοκεῖν λέγειν, τούτους δὲ ἄφθαρτον ἐξ αὐτῆς διαπλάσεως τὸ σῶμα τοῦ κυρίου πρεσβεύειν. καὶ τὰ μὲν πάθη ὑπομεῖναι τὸν κύριον ὁμολογοῦσι, πεῖναν φημὶ καὶ δῖψαν καὶ κόπον,[4] οὐ τὸν αὐτὸν δὲ τρόπον ἡμῖν ταῦτα αὐτὸν ὑπομεμενηκέναι φασίν· ἡμᾶς γὰρ ἐξ ἀνάγκης φυσικῆς, τὸν δὲ Χριστὸν θεὸν ἑκουσίως ὑπομεῖναι λέγουσι καὶ τοῖς τῆς φύσεως νόμοις μὴ δουλεῦσαι.

[πε΄.] Ἀγνοῖται οἱ καὶ Θεμιστιανοί,[5] οἱ ἀγνοεῖν ἀσεβῶς καταγγέλλοντες τὸν Χριστὸν τὴν ἡμέραν (л. 198ᵃ) τῆς κρίσεως καὶ δειλίαν αὐτοῦ καταγράφοντες· οὗτοι δὲ ἀπόσχισμα τῶν Θεοδοσιανῶν εἰσιν· ὁ γὰρ Θεμίστιος,[6] ὃς ἐγένετο αὐτῶν αἱρεσιάρχης, μίαν ἐπὶ Χριστοῦ φύσιν σύνθετον ἐπρέσβευεν.

[πϛ΄.] Βαρσανουφῖται οἱ καὶ Σεμιδαλῖται, σύμφρονες μὲν τῶν Γαϊανιτῶν καὶ τῶν Θεοδοσιανῶν, ἔχουσι δὲ καί τι πλέον· σεμίδαλιν γὰρ προστιθέασι τοῖς ἀπὸ Διοσκόρου δῆθεν προσκομισθεῖσι, καὶ τῷ ἄκρῳ δακτύλῳ

1) аганна *C.* 2) нн҃ы *П.* 3) сразоумнии *П.* 4) и *вставл. C.* 5) ко *C.*

1) κατατολμᾷ B_1 B_2 (вм. κατὰ τὸ μᾶλλον). 2) Σευήρου B_1 B_2. 3) cod. между φ и ο надпис. ϑ (самимъ писцомъ?). 4) κοπιᾶν B_1 B_2. 5) Θεμεστιανοί B_1 B_2. 6) Θεμέστιος B_1 B_2.

прикасающесѧ· ѿкоушаютъ[1] моукъı· и се въ таинъ мѣсто приемлютъ· приношенига ѿноудъ не творѧще· изгънакъше же ѥако же речено естъ· диоскорово обыцыник· прилагаютъ моукоу[2] и егда истъщитьсѧ ѥдъва· и то имъ[3] въ обыцениа мѣсто въмѣнисѧ·

пз· Мольбьници нѣции· постьници· оубо соуть правовѣрьнии·[4] въ инѣхъ[5] вьсѣхъ соуще· съкоупляюще же сѧ коупьно· съ женами постьницами· въ ма|настырьхъ пѣсни бгу приносѧтъ· съ ликъмь нѣкъıимь и плсанимь· подобѧщесѧ· ѥако ликоу ономоу при моисѣи съставлѣноу· на погыбѣль егӱптѧномъ на чьрмьнѣмь мори въıвъшии·

л. 271 b.

пи· Разоумьници[6] иже разоумоу вьсемоу хрьстианьскоумоу противѧщесѧ· въньгда глати имъ· ѥако лише нѣчто творѧщемъ· иже разоумъı[7] нѣкъıа· възискающе· и въ бжьствьнъıихъ писаниихъ· ничьсо же боище иного бъ· ѡ хрьстиана· нъ тъкъмо дѣıания добра· блго оубо естъ· паче простѣе нѣкомоу ходити· и ничьсо же велѣниа разоумьна· коуплѧ испъıтавати·

пд· Слцепрѣвратьници· иже глемаа слцепрѣвратьнаа въıлиа·

ἀπτόμενοι γεύονται τοῦ ἀλεύρου καὶ τοῦτο ἀντὶ μυστηρίου δέχονται, προσκομιδὴν καθόλου μὴ ποιούμενοι· ἐλάσαντες γὰρ τάς, ὡς εἴρηται,[1] Διοσκόρου κοινωνίας, προστιθέασι σεμίδαλιν καθότε δαπανηθείη παρὰ βραχύ· καὶ τοῦτο αὐτοῖς ἀντὶ κοινωνίας λελόγισται.

[πζ'.] Ἱκεταῖοί τινες ἀσκηταὶ μὲν ὑπάρχουσιν, ὀρθόδοξοι ἐν τοῖς ἄλλοις ἅπασιν ὄντες, συναγόμενοι δὲ ἅμα γυναιξὶν ἀσκητρίαις ἐν μοναστηρίοις ὕμνους τῷ θεῷ προσφέρουσι μετὰ χορείας τινὸς καὶ ὀρχήσεως, μιμούμενοι ὡσανεὶ τὸν χορὸν ἐκεῖνον τὸν ἐπὶ Μωϋσέως συστάντα ἐπὶ τῇ ἀπωλείᾳ τῶν Αἰγυπτίων τῇ ἐν τῇ Ἐρυθρᾷ[2] θαλάσσῃ γεγονυίᾳ.

[πη'.] Γνωσιμάχοι οἱ πάσῃ γνώσει τοῦ χριστιανισμοῦ ἀντιπίπτοντες ἐν τῷ λέγειν αὐτούς, ὅτι περισσόν τι ποιοῦσιν οἱ γνώσεις τινὰς ἐκζητοῦντες ἐν ταῖς θείαις γραφαῖς· οὐδὲν γὰρ ζητεῖ ἄλλο ὁ θεὸς παρὰ χριστιανοῦ, εἰ μὴ πράξεις καλάς. ἀγαθὸν οὖν ἐστι μᾶλλον ἁπλουστέρως τινὰ[3] πορεύεσθαι καὶ μηδὲν δόγμα γνωστικῆς πραγματείας πολυπραγμονεῖν.

[πθ'.] Ἡλιοτροπῖται οἱ τὰς λεγομένας ἡλιοτροπίους βοτάνας

1) ѿкъшаютъ *C.* 2) мѣ *C.* 3) мъ *C.* 4) правовѣрни *P.* 5) ниый *P.* 6) Разъмопереници *P.* 7) разъмьи *P.*

1) ὡς εἴρηται τὰς B_1 B_2. 2) ρυθρᾷ B_1. 3) τινὰς B_1 B_2.

въсходъмь слн҃цьнъимь[1] съобращающесѧ· глюще силоу нѣкоую вжственоую имѣти· сътварающюю· таковъша прѣлести въ нихъ· и ꙗко того ради чисти и хотящемъ не разоумѣвъше· възвѣщенаго подвижениа ихъ· естественое нѣкако соущество·

ч҃· Мьртводшьници· иже члв҃чьскоую дшю мьртвоу въводѧть· подобноу[2] скотоу· и съ тѣлесьмь глюще погыбноути ки·

ча҃· Колѣнонепрѣклоньници· иже въ вьсе врѣмѧ молитвъ своихъ· колѣно не хотѧще прѣклонити нъ стоѧще присно мт҃вы творѧть·

чв҃· Бг҃оугорьници· иже и хоульници· въ нѣкыихъ словесьхъ и вещьхъ· влдкоу нашего и ба҃· нъ соуществи|хъ же емоу ст҃ыихъ лиць и[3] вжственыихъ писании· искоушающе оугарѧти· дьрзии нѣцыи хоульни[4] соуште·

чг҃· Хрьсторазгроушьници· глюще ѥи҃ гу҃ нашемоу ис҃[5] ху҃ по въскрьсении из мьртвыихъ дшевьноу тѣлоу ѥго· долѣ[6] оставленоу бъıти· нагъмь вжствъмь възити на нб҃са·

чд· Поганомъıсльнии· иже обычаю поганъıихъ въслѣдоующе· хрьстиꙗни вьсѣмъ соуще· иже въносать рожьство и полоучение[7] и лѣто

---

1) сн҃чный *ПС.* 2) подобно *П.* 3) и *прот. С.* 4) хоульни *П.* 5) ис *cod. П.* 6) *cod.* о и ѣ *по скобл.* 7) почение *С.*

ταῖς ἀκτῖσι τοῦ ἡλίου συμπεριφερομένας λέγοντες δύναμίν τινα θείαν ἔχειν τὴν τὰς τοιαύτας περιφορὰς ἐργαζομένην ἐν αὐταῖς καὶ ὡς διὰ τοῦτο τιμᾶν αὐτὰς ἐθέλοντας, μὴ συνιέντες τὴν μηνυθεῖσαν κίνησιν αὐτῶν φυσικήν τινα ὑπάρχειν.[1]

[ϟ΄.] Θνητοψυχῖται οἱ τὴν ἀνθρωπίνην[2] ψυχὴν θνητὴν εἰσάγοντες ὁμοίαν τῇ[3] τῶν κτηνῶν, καὶ τῷ σώματι λέγοντες συναπόλλυσθαι αὐτήν.

[ϟα΄.] Ἀγονυκλῖται οἱ ἐν παντὶ καιρῷ τῶν προσευχῶν αὐτῶν γόνυ μὴ θέλοντες κλίνειν, ἀλλ' ἑστῶτες ἀεὶ τὰς προσευχὰς ποιούμενοι.

[ϟβ΄.] Θεοκαταγνῶσται οἱ καὶ Βλάσφημοι, οἱ ἔν τισι λόγοις καὶ πράγμασι τοῦ δεσπότου ἡμῶν θεοῦ τῶν τε ἀνακειμένων αὐτῷ[4] ἁγίων προσώπων καὶ τῶν θείων γραφῶν πειρώμενοι καταγινώσκειν,[5] τολμηροί τινες καὶ βλάσφημοι ὑπάρχοντες. л. 272 a.

[ϟγ΄.] Χριστολῦται οἱ λέγοντες τὸν κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν μετὰ τὴν ἐκ νεκρῶν ἀνάστασιν τὸ ἔμψυ(л. 198ᵇ)χον σῶμα αὐτοῦ κάτω καταλελοιπέναι καὶ γυμνῇ τῇ θεότητι ἀνεληλυθέναι εἰς τοὺς οὐρανούς.

[ϟδ΄.] Ἐθνόφρονες οἱ ταῖς συνηθείαις τῶν ἐθνῶν ἑπακολουθοῦντες, χριστιανοὶ τὰ ἄλλα ὑπάρχοντες, οἵτινες παρεισφέρουσι γένεσιν[6] καὶ τύχην καὶ

---

1) ὕπαρξιν B_1 B_2. 2) ἀνθρωπείαν B_1 B_2. 3) τῆς B_1 B_2. 4) αὐτῶν B_1. 5) καταγινώσκει B_1. 6) γένασιν B_1.

присносоущьно· и звѣздочьтиѥ прииемлюще· и все вълъшьство и простосъмотрениѥ и чародѣиствы· и прѣвращениемь· и заключениемь· и тѣхъ подобьнъıнми· и дроугъıими баснъми нечьстивъıихъ· прочиимь же обычаимь поганъıихъ прииемлюще·[1] и праздьникъı нѣкъıа чьтоуще елиньскъıа· дни же[2] авиѥ и мцѣ и врѣмена· и лѣта блоудяще·

ѵѳ· Донатане· ѡ доната нѣкоего въ африкии начьнъше· прѣдавъшааго[3] имъ кость нѣкакоу въ роуцѣ ихъ дьржащиихъ[4] се пьрвѣѥ цѣловати· и тъгда приношениа осв҃щенъıихъ причащатисѧ· вънегда хощеть приносити·

ѵз· Обычаюпрѣтъıчьници· иже въ[5] обычаи прѣтъıкающе· и нѣкаа оубо велѣниа его хвальна соуща ѡбълыгающе· нѣкаа же порочьна соуща ѩко бга проходяще·[6]

л. 272 b. | ѵѯ· Кривосъказьници· иже бжьствьнъıа главъı· божьствьнъıихъ писании· и ветъхааго же и новааго завѣта кривосъказающе· и къ своемоу съмотрению сиа прѣводяще· пьрею же ѡ многъıихъ извѣстъıихъ· и непостъıдьнъıихъ съказании· прилежаще ѡ невѣжьства нѣкоего·[7] и

εἱμαρμένην· πᾶσαν τε τὴν ἀστρονομίαν καὶ ἀστρολογίαν δεχόμενοι καὶ πᾶσαν μαντείαν καὶ ὀρνιθοσκοπίαν, καὶ οἰωνισμοῖς καὶ ἀποτροπιασμοῖς καὶ κληδονισμοῖς καὶ τοῖς ὁμοίοις αὐτῶν καὶ ἑτέροις μύθοις ἀσεβῶν τῇ τε λοιπῇ συνηθείᾳ τῶν ἐθνῶν προσανέχοντες, καὶ ἑορτάς τινας ἑλληνικὰς τιμῶντες, ἡμέρας τε αὖθις καὶ μῆνας καὶ καιροὺς καὶ ἐνιαυτοὺς παρατηρούμενοι.

[ϟε΄.] Δονατίβοι, ἀπὸ Δονάτου τινὸς ἐν τῇ Ἀφρικῇ ἐναρξάμενοι, τοῦ παραδεδωκότος αὐτοῖς ὀστοῦν τι ἐπὶ τῆς χειρὸς αὐτῶν κρατοῦντας τοῦτο πρότερον ἀσπάζεσθαι καὶ τηνικαῦτα τῆς προσφορᾶς τῶν ἁγιασμάτων μετέχειν, ἡνίκα μέλλει αὕτη[1] προσκομίζεσθαι.

[ϟς΄.] Ἠθικοπροσκόπται οἱ ἐν τῇ ἠθικῇ[2] προσκόπτοντες καὶ ἔνια μὲν δόγματα αὐτῆς ἐπαινετὰ ὑπάρχοντα διαβάλλοντες, τινὰ δὲ ψεκτὰ ὄντα ὡς χρηστὰ μετιόντες.

[ϟζ΄.] Παρερμηνευταὶ οἵ τινα κεφάλαια τῶν θείων γραφῶν τῆς τε Παλαιᾶς καὶ Νέας Διαθήκης παρερμηνεύοντες καὶ πρὸς τὸν οἰκεῖον σκοπὸν ταῦτα μεθοδεύοντες, ἐμφιλονείκως δὲ παρὰ τὰς πολλὰς τῶν ἀκριβῶν καὶ ἀνεπιλήπτων ἑρμηνειῶν διακείμενοι, ἐξ ἰδιωτείας τινὸς καὶ

---

1) прѣимающе *C.* 2) и *вставл. C.* 3) прѣдавдаго *C.* 4) дьржащиихъ *cod.*; дръжащемь *П.* 5) особь *вставл. C.* 6) приходяще *П.* 7) нѣкого *C.*

1) ταύτας B_1 B_2. 2) εἴτ' οὖν πρακτικῇ вставл. B_1 B_2.

неразлоученіа стражюще· извѣщати же авие себѣ· и нѣкыихъ еретическыихъ велѣніи не съвѣдоуще·

чи· Лампетиане· ѡ лампѣтиа нѣкоего сице наричаемі· иже хотѧщаа въкоупѣ жити· и въ обыщіи житіи прѣвъівати повелѣваютъ· комоужьдо ꙗково же аще хощетъ· искоусити къто· иго съвьршати[1] иже изволитъ въ скимоу одѣтисѧ· не подобаетъ во рече ноужьно[2] чьто творити хрьстианоу· ꙗко писано естъ колею пожьроу ти· и пакъı волею моею исповѣмьсѧ емоу· повелѣваютъ[3] же ꙗко же рекоша нѣціи· естьствьнъıимъ страстьмъ мѣсто дати·[4] и не противитисѧ имъ· ꙗко естьствоу ѡдающю· и дроугаа нѣкаа· близъ наричаемъıихъ арианъ· глаютъ съмъıслитъ·

си до ираклиа цр҃ѧ[5] лѣ· ересъı· ѡ ираклиа же доськде· възникоша ини ереси· ꙗко же написано естъ по сихъ·

чд· Єдиноволъници· ѡ александрьскааго кура начала приимъше· ѡ костантиа же града | сергиа и онориа римьскааго извѣщьшесѧ· си оубо· хсвѣ дъвѣ естьствѣ чьтоутъ и єдинъ съставъ·

ἀδιακρισίας τοῦτο πάσχοντες, βεβαιοῦν δὲ ἐντεῦθεν ἑαυτοὺς καὶ ἕνια τῶν αἱρετικῶν δογμάτων μὴ ἐπιστάμενοι.

[ϟη΄.] Λαμπετιανοί, ἀπὸ Λαμπετίου τινὸς οὕτω προσαγορευόμενοι· οἵτινες τοὺς βουλομένους ἐπὶ τὸ αὐτὸ ζῆν καὶ ἐν κοινοβίοις διάγειν ἐπιτρέπουσιν ἑκάστῳ οἷαν ἂν θέλῃ καὶ βούληται πολιτείαν δοκιμάζειν καὶ ταύτην μετιέναι, καὶ ὅπερ αἱρεῖται[1] σχῆμα ἀμφιέννυσθαι· οὐ δεῖ γάρ φησιν ἠναγκασμένως ποιεῖν τι τὸν χριστιανόν, ὅτι γέγραπται· Ἑκουσίως θύσω σοι. καὶ πάλιν· Ἐκ θελήματός μου ἐξομολογήσομαι αὐτῷ. ἐπιτρέπουσι δέ, ὡς φασί τινες, καὶ τοῖς φυσικοῖς πάθεσι χώραν διδόναι καὶ μὴ ἀνθίστασθαι αὐτοῖς, ὡς τῆς φύσεως οὕτως ἀπαιτούσης. καὶ ἑτερά τινα παραπλησίως τοῖς ὀνομαζομένοις Ἀρειανοῖς[2] λέγονται φρονεῖν.

(л. 199ᵃ) αὗται μέχρι τῶν Ἡρακλείου τοῦ βασιλέως χρόνων αἱ αἱρέσεις· ἀπὸ δὲ Ἡρακλείου καὶ δεῦρο ἀνεφύησαν ἄλλαι αἱρέσεις, ὡς ὑποτέτακται[3] μετὰ ταῦτα.[4]

[ϟθ΄.] Μονοθελῆται οἱ ἀπὸ τοῦ[5] Ἀλεξανδρείας Κύρου τὴν ἀρχὴν εἰληφότες, ὑπὸ δὲ τοῦ Κωνσταντινουπόλεως Σεργίου καὶ Ὀνωρίου τοῦ Ῥώμης βεβαιωθέντες· οὗτοι μὲν ἐπὶ Χριστοῦ δύο[6] φύσεις πρεσβεύουσι καὶ μίαν ὑπόστασιν, л. 273 a.

1) *cod.* ти *по скобл.* (*вм.* +тъ). 2) нѣ *C.* 3) повелѣваетъ *C.* 4) дати *H.* 5) цр҃ѧ *HC.*

1) αἱρῆται B_1 B_2. 2) τῶν ὀνομαζομένων Ἀρειανῶν B_1 B_2. 3) ὑπόκειται B_1 B_2. 4) μετὰ ταῦτα προπ. B_1 B_2. 5) τοῦ προπ. B_1 B_2. 6) δύο μὲν ἐπὶ Χριστοῦ B_1 B_2.

невольноу же и недѣтельноу-
мъсльно дш҃евьноую· гл҃ю плъть[1]
проповѣдающе бъıти· сѣщенъıимъ
пати[2] съборъ· дѣıниемъ изборь-
нъıимъ оц҃емъ· противящесѧ·
ск[в]рньıимъ же аполинариѥ
повелѣниемь·[3] подобѧщесѧ и[4]
съмоущенїе· и блѧдоущихъ мьни-
мое·[5] и сп҃сеноумоу съмотрению·
зѣло противоутворяще·

р҃· Самопрѣтъıкателе· вьсегда оу-
бо правовѣрьни соуще бе страха же·
съборьнъıѧ цр҃кве и обьщенїѧ· сами
сѧ извѣта нѣкоего ради хоудаго·
слоучающе· правильнъıихъ же оу-
ставъ възискающе· нъ нѣции тоѧ же
вѣръı соуще· обаче ти прѣтъıка-
ютьсѧ· въ нихъже повѣдають· жи-
воуть бо съ женами швѣ· и съ чю-
жиими прѣбъıвають· коуплѧми же и
лихоимьствъмь· и въ нѣхъ[6] жи-
воуще· въ жизньıнахъ коуплахъ
бесловесьно прѣбъıвають· та дѣлъмь
раздроушающе· ѥже бо словъмь
съставити извѣщаютъ· прѣстоупь-
ници соуще· по апльскоумоу осоу-
жению· словъмь бо чьтоуще· дѣлъмь
бо҃у вечьствоують· мьниси и подъ
клиросъмь въчинѧѥми· въслѣдоу-
ють же имъ· клико ихъ· очюжде-
нии· и свою простъıнею въходѧ-
ще· цр҃квьнии же[7] въслѣдьници·

ἀθέλητον δὲ καὶ ἀνενέργητον τὴν
νοερῶς ἐψυχωμένην[1] τοῦ κυρίου
σάρκα δογματίζουσιν,[2] ταῖς ἱεραῖς
πέντε συνόδοις προσποιητῶς καὶ
τοῖς ἐγκρίτοις πατράσιν ἰσχυριζό-
μενοι, τοῖς δὲ βεβήλοις Ἀπολινα-
ρίου δόγμασι συμφερόμενοι καὶ τῶν
σύγχυσιν καὶ δόκησιν ληρούντων τὴν
σωτηριώδη οἰκονομίαν σφοδρῶς ἀν-
τιποιούμενοι.

[ρ΄.] Αὐτοπροσκόπται, πάντα μὲν
ὀρθόδοξοι τυγχάνοντες, ἀδεῶς δὲ
τῆς καθολικῆς ἐκκλησίας καὶ κοι-
νωνίας σφᾶς αὐτοὺς προφάσεώς τι-
νος εὐτελοῦς ἕνεκα εἰ τύχοι ἀπο-
κόπτοντες, κανονικοὺς δὲ θεσμοὺς
δῆθεν ἐπιζητοῦντες, ἀλλά τινες ἀγε-
λαῖοι ὄντες. ὅμως αὐτοὶ προσκόπτου-
σιν ἐν οἷς ἐγκαλοῦσι·[3] συνοικοῦσι
γὰρ γυναιξὶ προφανῶς καὶ παρεισάκ-
τοις συνδιάγουσι, πραγματείαις τε
καὶ πλεονεξίαις καὶ τοῖς ἄλλοις
ἐντρίβοντες βιωτικοῖς πράγμασιν ἀλό-
γως βιοτεύουσιν, ἐκεῖνα ἔργῳ κατα-
λύοντες, ἅπερ λόγῳ συνιστᾶν ἰσχυρί-
ζονται, παραβάται ὄντες κατὰ τὴν ἀπο-
στολικὴν ἀπόφασιν· λόγῳ γὰρ τιμῶν-
τες, ἔργῳ τὸν θεὸν ἀτιμάζουσι, μο-
ναχοὶ καὶ ὑπὸ κλῆρον ταττόμενοι.
ἔπονται δὲ αὐτοῖς ὅσοι τεθαμβωμένοι
καὶ τῇ ἑαυτῶν ἁπλότητι πορευόμενοι·
οἱ δέ γε τρόφιμοι τῆς ἐκκλησίας

1) плоти *П.* 2) патни *П.* 3) велѣнїемь *П.* 4) и *проп. П.* 5) мномое *С.* 6) нмь *П*; нѣхъ *С.* 7) ѥже *П.*

1) ἐμψυχωμένην B_1 B_2. 2) ἔσεσθαι вставл. B_1 B_2. 3) ἐγκαλῶσι B_1 B_2.

чьстьнъша[1] чьтоутъ канонъı· тѣмь же вънемлющаа є҃пп҃ы· и ѕастоупающемъ ѿдаю|ще· сами паче строıатъ дѣлъмь· къ тѣхъ вл҃гочинїю 5 нїемь паче чьтоутъ·

р҃а· о агарѧньхъ· иже изманлите гл҃ютьсѧ·

Срацинъı же наричютъ ıако ѿ саръı нареченъı· работьнаго ѿвѣгающе имене· прѣвратиша же сѧ на елиньство· поклоньшесѧ дьньници·[2] рекъше оутрьнюю ѕвѣздѣ· и афродитоу· юже оубо и хаваръ своимь прозъваша ıазъıкъмь· иже ѕнаменютьсѧ великаа до ıракліевъ оубо лѣтъ· ıавѣ коумıрослоужаахоу· ѿ ıракліа же и досьде· лъжıи пр҃ркъ[3] имъ въ̀ıзниче· мамедъ наричаемъı· иже бесѣдова въ жидовомъ и хрьстиѧномъ ѿвсюдѣ съвъравъ ѿ жидовъ оубо ѥдиноначалоıе· ѿ арианъ же слово и дх҃ъ съзьданъ· ѿ несторианъ же чл҃вкослоужениѥ·[4] себѣ слоужьбоу оустрои̯аше· и[5] изѣтъмь ѕоразоумиıа· сътворивъ[6] ıазъıкоу·[7] оучаıаше обрѣзатисѧ и ѥдиномоу тъчию покланатисѧ[8] бо҃у· хс҃а же чьсти[9] ıако слово божиѥ· а не ıако сн҃а· нъ ıако ѿ дх҃а ст҃го

τοὺς μὲν ἱεροὺς σέβουσι κανόνας, τὰ δὲ τούτοις συντείνοντα ἐπισκόποις καὶ προεστῶσι παραχωροῦντες, αὐτοὶ μάλα л. 273 b. περιέπουσιν, ἔργῳ τε[1] τούτους δι' εὐταξίας ὑπερτιμῶσιν.

[ρα'.] περὶ τῶν Ἀγαρηνῶν, οἱ καὶ Ἰσμαηλῖται λέγονται.

Σαρακηνοὺς δὲ ἑαυτοὺς[2] καλοῦσιν, ὡς ἐκ τῆς Σάῤῥας μετονομασθέντας, τὸ δουλικὸν ἀποφεύγοντες[3] ὄνομα· ἐτράπησαν δὲ εἰς ἑλληνισμόν, προσκυνήσαντες τῷ ἑωσφόρῳ ἄστρῳ καὶ τῇ Ἀφροδίτῃ, ἣν δὴ καὶ χάβαρ τῇ ἑαυτῶν ἐπωνόμασαν γλώσσῃ, ὅπερ σημαίνει μεγάλη. ἕως μὲν οὖν τῶν Ἡρακλείου χρόνων προφανῶς εἰδωλολάτρουν, ἀπὸ δὲ Ἡρακλείου καὶ δεῦρο ψευδοπροφήτης αὐτοῖς ἀνεφύη Μάμεδ[4] ἐπονομαζόμενος, ὃς περιτυχὼν Ἑβραίοις καὶ χριστιανοῖς, ἁπανταχόθεν ἐρανισάμενος, ἐξ Ἰουδαίων μὲν μοναρχίαν,[5] ἐξ Ἀρειανῶν δὲ λόγον καὶ πνεῦμα κτιστά, ἀπὸ δὲ Νεστοριανῶν ἀνθρωπολατρείαν, ἑαυτῷ θρησκείαν περιποι(л. 199[b])εῖται· καὶ προφάσει δῆθεν θεογνωσίας εἰσποιησάμενος τὸ ἔθνος, ἐδίδαξεν αὐτοὺς περιτέμνεσθαι καὶ ἕνα μόνον προσκυνεῖν τὸν θεόν· τὸν δὲ Χριστὸν τιμᾶν μὲν ὡς λόγον θεοῦ, οὐχὶ[6] υἱὸν δὲ ἀλλ' ὡς ἐκ πνεύματος ἁγίου

1) оубо *вставл. П.* 2) дн҃ьници *П.* 3) пр҃р҃ко *П.* 4) и почт҃ вѣхи завѣ и новыи ещѣ со арьıанıномъ нѣкоимь миноѵ҃ѳ҃ѕ҃ова *С дописыв. подъ текстомъ на л. рукой, современной писцу текста.* 5) и *проп. С.* 6) сътворивъı *П.* 7) *cod.* ъı *по скобл.* 8) *cod.* а *по скобл.*; поклонатисѧ *П.* 9) чести *П.*

1) εἰ B_1 B_2. 2) αὐτοὺς B_1 B_2. 3) ἀποφεύγοντας B_1 B_2. 4) cod. рукой XIV в. вставл. ω между M и ά. 5) μοναχίαν B_1. 6) οὐχ B_1 B_2.

рождена· слово же и ДХъ· прѣдъносьно на въздоухъ· проливаѥма размъышлѧти· не соуцьна родителѥви· сѣтоую же дѣоу мр҃ию· не
5 глати бц҃ю нъ аронѭ и монсиноу[1] сестроу· соу послоушати· ни хрьстити же сѧ ни соуботъı чисти[2] оучлаше ѿ·[3] ни закона ни евангліа же обычаимь[4] въсл҃довати· гноушати же сѧ[5] хс҃а[6] сѣнь хѣоу
л. 274 a. распатиса исповѣдаютъ· прѣда|сть же имъ ѿноудъ·[7] ѿреченъıихъ законоу причащатиса· развѣ мясъ свинъıихъ· вина же ѿноудъ[8] не
15 причащатиса·[9] таково нѣчьто баснословиво· себе же ключара бъıти рече раю· имьже въ дн҃ь соудънъıи· по прѣдъстании мосѣовѣ[10] съ ыздралитенъı· и[11] ѩко прѣстоупьникъ закона· моученіа огню прѣдати· авіе же иссоу прѣдъстати· и ѿврѣцися прѣдъ бл҃ь· ѩко не нарече себе сна бжіа· хрьстьѧнъı же ѩко тако дьрзноувъшаѧ·
25 вѣровавъшемъ хѣоу имени· и ба кго и сна бжіа и слово въплъщено· и распънъшася проповѣдавъшемъ·[12] огньномоу родоу проповѣдати·[13] посемь себе рече[14] ѿ ба
30 призъваноу бъıти· и паче ѩко

γεγεννημένον·[1] λόγον δὲ καὶ πνεῦμα προφορικὸν καὶ εἰς ἀέρα χεόμενον ὑπονοεῖν οὐκ ἐνυπόστατα οὐδὲ τῷ γεννήτορι ὁμοούσια· τὴν δὲ ἁγίαν παρθένον Μαρίαν μὴ λέγειν θεοτόκον, ἀλλὰ τὴν Ἀαρὼν καὶ Μωϋσῆ ἀδελφὴν ταύτην ὑπολαμβάνειν· μήτε δὲ βαπτίζεσθαι μήτε[2] σαββατίζεσθαι[3] αὐτοὺς[4] ἐδίδαξε, μήτε τοῖς νομικοῖς μήτε τοῖς εὐαγγελικοῖς ἔθεσιν ἑξακολουθεῖν, βδελύττεσθαι δὲ τὸν σταυρὸν καὶ τὴν σκιὰν τοῦ Χριστοῦ ἑσταυρῶσθαι[5] ὁμολογεῖν· παρηγγυήσατο δὲ αὐτοῖς καθόλου τῶν τῷ νόμῳ ἀπηγορευμένων[6] μετασχεῖν, πλὴν ὑείων[7] κρεῶν, οἴνου δὲ παντάπασι μὴ μετέχειν, τοιοῦτόν τι μυθευσάμενος· ἑαυτὸν[8] γὰρ κλειδοῦχόν φησι γεγενῆσθαι[9] τοῦ παραδείσου· διόπερ κατὰ τὴν ἡμέραν τῆς κρίσεως μετὰ τὸ παραστῆναι τὸν Μωϋσέα σὺν τοῖς Ἰσραηλίταις καὶ ὡς παραβάτας τοῦ νόμου τῇ κολάσει τοῦ[10] πυρὸς ἐκδοθῆναι, αὖθίς τε Ἰησοῦν παραστῆναι καὶ ἀρνεῖσθαι ἔμπροσθεν τοῦ θεοῦ, ὅτι οὐκ ἐκάλεσεν ἑαυτὸν υἱὸν θεοῦ, τούς τε χριστιανοὺς ὡς τοιοῦτο[11] τολμήσαντας προστρῖψαι τῷ Χριστῷ ὄνομα καὶ θεὸν αὐτὸν καὶ υἱὸν θεοῦ καὶ λόγον σεσαρκωμένον καὶ σταυρωθέντα δογματίσαντας τῇ τοῦ πυρὸς γεέννῃ παραδοθῆναι· εἶτα ἑαυτόν φησιν ὑπὸ τοῦ θεοῦ κεκλῆσθαι καὶ μάλα ὡς

1) монсиниѣ *C.* 2) чести *C.* 3) сѧ *C.* 4) wбы рече *Π Π (вм.* обычаимь). 5) и *вставл. Π.* 6) *cod.* с *между* х *и* а *выскобл.*; и *вставл. Π.* 7) ѿноудоу *Π.* 8) ѿнѣдоу *Π.* 9) развѣ мясъ свинъıихъ· вина же ѿноудъ не причащатиса *проп. C.* 10) монсѣовѣ *C.* 11) и *проп. Π.* 12) проповѣдавшимь *Π.* 13) прѣдати *Π*; проповѣдавшѣ *C.* 14) рече *проп. C.*

1) γεγεννημένον B_1 B_2. 2) δὲ вставл. B_1 B_2. 3) σαββατίζειν B_1 B_2. 4) αὐτοῖς B_1 B_2. 5) ἐσταυρῶσαι B_1. 6) cod. выскобл. 2 буквы (μὴ?) передъ μετασχεῖν. 7) ὑῶν B_1 B_2. 8) ἑαυτὴν B_1 B_2. 9) γεγενῆσθαι φησὶ B_1 B_2. 10) τοῦ проп. B_1 B_2. 11) τοιούτω B_1 B_2.

бо҃чьстиноу и всемоу ꙗзыкоу
его· повинькна бо҃чьстию·[1] соущa
похвалѣноу бъıти и того ради
раю ключарa бъıти· и по ѡ҃вьр-
5 жении ѡ҃ него раꙗ· бъıнити съ
нимь без бранѣнига· бе словесе
и расмацранига·[2] семидесатъ тъı-
соущь рече· могоущимъ на то
оустрѣмитиса· прочимъ[3] же осоу-
10 дитиса гл҃ѣть· и правьдънъıимъ
оубо бе соумьнѣнига пища наслa-
дитиса· обрѣтаѥмъıга же[4] грѣшь-
никъı· написанию на въıи имоу-
щемъ· съважана въ раи тѣмь
15 бъıнити·[5] сиа нарикати свободь-
никъı[6] бжиа и мамедовъı· трьмъ
же рече рѣкамъ бъıти въ ран-
кдиноу медоу· а дроугоую млька
а третиюю вина· на область
20 имѣти комоужьдо· ѡ҃нюдоу же
хощеть насъıтитиса· женамъ же
бъıти съ ними бестрастьнамъ
и оукрашати своа власъı· и
оугажати всако рече· ноудеомъ
25 же и хрьстиганомъ· дрѣвоу огнь-
ноумоу бъıти· прикати самарѧнъı[7]
рече· на изношение· и[8] гнои
ихъ изд раа ѡ҃мѣтати· ꙗко да
не въсмьрдить ран· кокгожьдо ꙗко
30 же сьде[9] поживе· или въ бр҃атьь-
ствѣ или въ оубожьствѣ· тѣмь
же образъмь тамо прѣбъıвати·

θεοσεβῆ καὶ τοῦ παντὸς αὐτοῦ[1] ἔθνους
αἴτιον[2] θεοσεβείας ὑπάρξαντα[3] ἐπαινεῖ-
σθαι καὶ τούτου χάριν τοῦ παραδείσου
κλειδοῦχον χρηματίσαι· καί γε μετὰ τὸ
ὑπ' αὐτοῦ τὸν παράδεισον ἀνεῳχθῆναι
συνεισελθεῖν αὐτῷ ἀναντιῤῥήτως λόγου
χωρὶς καὶ διακρίσεως· ἑβδομήκοντα χι-
λιάδας φησὶ τοὺς δυναμένους πρὸς τοῦτο
ἀφορμῆσαι, τοὺς δὲ λοιποὺς κριθήσεσθαι
φάσκει καὶ τοὺς μὲν δικαίους ἀναμφι-
βόλως τῆς τρυφῆς ἀπολαῦσαι, τοὺς δὲ
εὑρισκομένους ἁμαρτωλοὺς πιττάκια ἐν
τοῖς τραχήλοις ἐπέχοντας δεδεμένα εἰς
τὸν παράδεισον καὶ αὐτοὺς εἰσελθεῖν καὶ
τούτους ἐπονομάζεσθαι ἀπελευθέρους τοῦ
θεοῦ καὶ τοῦ Μάμεδ.[4] τρεῖς δέ φησι
ποταμοὺς εἶναι ἐν τῷ παραδείσῳ, ἕνα
μέλιτος καὶ ἄλλον γάλακτος καὶ ἕτερον
οἴνου, πρὸς τὸ ἐπ' ἐξουσίας ἔχειν ἕκα-
στον ὅθεν βούλοιτο ἐμπίπλασθαι· τὰς л. 274 b.
δὲ γυναῖκας αὐτοῖς συνεῖναι ἀπαθῶς καὶ
φιλοκαλεῖν αὐτῶν τὰς κόμας καὶ παν-
τοίως θεραπεύειν[5] φησί. τοὺς μέντοι
Ἰουδαίους καὶ τοὺς χριστιανοὺς ξύλα
τοῦ πυρὸς γενομένους κατακαῆναι,
ὑπολειφθῆναι (л. 200ᵃ) δὲ[6] τοὺς Σαμα-
ρείτας ἔφη πρὸς τὸ τὰ ἐκφόρια καὶ τὴν
κόπρον αὐτῶν[7] τοῦ παραδείσου ἀπο-
βάλλειν, ὅπως ἂν μὴ ἐποζέσειεν[8] ὁ
παράδεισος· ἕκαστον δέ, ὡς ἂν ἐνταῦθα
βιώσειεν εἴτε ἐν πλούτῳ εἴτε ἐν πενίᾳ,
τὸν αὐτὸν ἐκεῖσε τρόπον διάγειν.

1) бо҃чьстию *П*; кочестию *С*. 2) расматриниа *С*. 3) *cod. переправл.* и *изъ* є. 4) ѡ҃крѣтаѣшн ѩже *П*. 5) и *вставл. С*. 6) свободьникъı *cod.*; м *вставл. С*. 7) самарaнъı *П*. 8) и *вставл. С*. 8) ꙗкожде *С* (*вм.* ꙗко же сьде).

1) αὐτὸν B_1 B_2. 2) αἰτίῳ B_1 B_2. 3) ὑπάρξαντι B_1 B_2. 4) cod. рукой XIV в. надпис. ω между μ и α. 5) θερατεύειν B_1. 6) δὲ проп. B_1 B_2. 7) αὐτὸν B_1 B_2. 8) ἐποζέσῃ B_1 B_2.

сь лѣстьць къ симъ· всего бга и
зъла· повиньна бъıти ба проповѣда·
и все иже аще найдеть· и аще ѡ
искоушенıа лоукавааго· бжию бъıти
лъжесловитъ[1] и разбонникъı и вълъ-
шьбьникъı· и елико ихъ аще въ
ѡреченъıихъ· вещемъ атомъ· оу-
бивающаа оувидать·[2] тако ре[че][3]
написа имъ ба[4] бъıти· тако оумрѣ-
ти въсхотѣ· и ина нѣкаа бладоу-
ще· сь нимь лѣстящеся оканнии[5] и[6]
вѣчьнъıихъ бгъ· тако нечьстиви и
хоульни·[7] отъвьржени·

о хрьстıаноогльницѣхъ рекъше
иконоразбиницахъ·[8] и звѣролю-
тъıихъ·

На крьстıанъı глющеи соуть
глютьса·[9] тако хрьстıаномъ слоужа-
щемъ· единомоу бу живоумоу и
истиньномоу въ троици· пѣваемоу
глаша на ня·[10] тако чьстьнъıимъ ико-
намъ· га нашего ис ха· прѣчистъıа
же владıцѣ нашеа и прстъıа вца·
л. 275 а. стхъ аггла· и стхъ его· | послоу-
жиша тако бмъ тако же и елини·

Иконоразбиници же· тако тѣхъ
стъıа и чь[ст]нъıа иконъı·
все вечьстие[11] и[12] изволение
показавъше· съкроушению и
огню прѣдаша· такоже [же] и
на стѣнахъ· швъı остръгаша·

1) лжисловитъ *П.* 2) оукѣдать *С.* 3) *исправл. по П.* 4) бъ *П.* 5) wканıи *П.* 6) и *проп. П.* 7) хоульнıи *П.* 8) иконоразбонницѣ *С.* 9) глѣтса *П.* 10) мя *С.* 11) кѣчестіе *ПС.* 12) и *проп. П.*

οὗτος ὁ πλάνος πρὸς τούτοις παντὸς ἀγαθοῦ καὶ πονηροῦ αἴτιον ὑπάρχειν τὸν θεὸν ἐδογμάτισε· καὶ πᾶν ὅπερ ἐὰν ἐπέλθῃ, κἂν ἐξ ἐπηρείας τοῦ πονηροῦ, τοῦ θεοῦ εἶναι τερατεύεται, καὶ τοὺς λῃστὰς καὶ φαρμακοὺς καὶ ὅσους ἐν[1] ἀπηγορευμένοις ἁλόντας πράγμασιν ἀναιρουμένους ἴδοιεν· οὕτως φησὶν ἔγραψεν αὐτοὺς[2] ὁ θεὸς γενέσθαι καὶ οὕτως ἀποθανεῖν ἐβουλήθη,[3] καὶ ἄλλα τινὰ παραληροῦντες ὀνειροπολοῦνται οἱ ἄθλιοι καὶ τῶν αἰωνίων ἀγαθῶν ὡς ἀσεβεῖς καὶ βλάσφημοι ἀπηλλοτριωμένοι.[4]

‹ρβ′.› Περὶ τῶν Χριστιανοκατηγόρων ἤγουν Εἰκονοκλαστῶν ἢ Θυμολεόντων.

Χριστιανοκατήγοροι καὶ εἰσὶ καὶ λέγονται, ὅτι τῶν χριστιανῶν λατρευόντων ἑνὶ θεῷ ζῶντι καὶ ἀληθινῷ ἐν τριάδι ἀνυμνουμένῳ[5] κατηγόρησαν, ὅτι ταῖς σεπταῖς εἰκόσι τοῦ κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ τῆς τε ἀχράντου δεσποίνης ἡμῶν τῆς ἁγίας θεοτόκου τῶν ἁγίων ἀγγέλων καὶ τῶν ἁγίων αὐτοῦ ἐλάτρευσαν ὡς θεοῖς, καθάπερ Ἕλληνες·

Εἰκονοκλάσται δέ, ὅτι τὰς αὐτὰς ἁγίας καὶ σεπτὰς εἰκόνας, πᾶσαν ἄτιμον προαίρεσιν ἐνδειξάμενοι, συντριβῇ καὶ πυρὶ παραδεδώκασιν· ὡσαύτως δὲ καὶ τὰς ἐν τοίχοις τὰς μὲν ἀπέξυσαν,

1) ἐὰν B_1 B_2. 2) αὐτοὺς προπ. B_1 B_2. 3) ἠβουλήθη B_1 B_2. 4) ἀπηλλοτριωμένη B_1 B_2. 5) ὑμνουμένῳ cod., потому что выскобл. ἀν.

дроугъıа же извистию и чьрнилъмь раскажıша·[1]

Звѣролютии· ѡко врѣмя области[2] приимъше· ересоу ѡростию въороужьшесѧ·[3] сихъ приимъшаѧ· и цѣловавъша· казньми и моуками бещисльно· оумоучиша ова⟨че⟩ и ѿ ересъıначальника· прıа[4] тъзоименитьство·

о ѿвьргъшıхъсѧ иже и славьıни[5] глютьсѧ·

Иже своıа славъı ıдюще· правьдѣ бжıи не покораться· ни чистителюмъ его· и ересоу о себѣ прѣтъıкающıихъ съвѣдоуще· правильнъıихъ оустав ıдють· не[6] соуще ни еппи· ни за людьми стоıще· нъ иноıа вѣкъı нѣцıи соуще· ѿлоучаютьсѧ съборнъıа цр҃кве· мт҃вьникомъ во месалиноıмъ рьвьновавъше· постьникомъ глють не прѣбъıвати въ цр҃квьнъııхъ съньмицııхъ· довъльномъ же бъıти· въ постьнъııхъ своıхъ мт҃вахъ· съмоущенıемь же и межю собою пьрящесѧ· многочастьно во лъжю· цр҃квьнааго обьщенıа· истоупивъше· извѣстованıе расоужающе дроугъ дроуга· лоучıи[7] ѡвитьсѧ тъща· ови ст҃ое крьщенıе· не прıемлють ни бжıствьнааго обьщенıа

τὰς δὲ ἀσβέστῳ καὶ μέλανι ἠχρείωσαν·

Θυμολέοντες δέ,[1] ὅτι καιρὸν ἐξουσίας λαβόντες, τὴν αἵρεσιν τῷ θυμῷ καθοπλίσαντες, τοὺς ταύτας ἀποδεχομένους καὶ ἀσπαζομένους αἰκισμοῖς[2] καὶ βασάνοις[3] ἀμέτρως[4] ἐτιμωρήσαντο· πλὴν καὶ ἐκ τοῦ αἱρεσιάρχου ἔλαβον τὴν ἐπωνυμίαν.

⟨ργ΄.⟩ Περὶ Ἀποσχιστῶν,[5] οἱ καὶ Δοξάριοι λέγονται.

Οὗτοι[6] τὴν ἰδίαν δόξαν ζητοῦντες τῇ δικαιοσύνῃ τοῦ θεοῦ οὐχ ὑποτάσσονται, οὔτε τοῖς ἱερεῦσιν αὐτοῦ, καὶ τὴν αἵρεσιν τῶν Αὐτοπροσκοπτῶν[7] ἐπιστάμενοι κανονικοὺς θεσμοὺς ἐπιζητοῦσι, μὴ ὄντες μήτε ἐπίσκοποι μήτε λαοῦ προεστῶτες· ἀλλ' ἀγελαῖοί[8] τινες ὄντες χωρίζονται τῆς καθολικῆς ἐκκλησίας. τοὺς δὲ Εὐχήτας Μασσαλιανοὺς[9] ζηλώσαντες, τοὺς ἀσκητὰς λέγουσι μὴ παραμένειν ἐκκλησιαστικαῖς συνάξεσιν, ἀρκεῖσθαι δὲ ταῖς ἐν τοῖς ἀσκητηρίοις αὐτῶν εὐχαῖς. φύρδην δὲ καὶ εἰς ἀλλήλους διαφερόμενοι (πολυσχιδὲς[10] γὰρ τὸ ψεῦδος), τῆς ἐκκλησιαστικῆς κοινωνίας ἀποστάντες, ἀκρίβειαν ὑποκρινόμενοι, ἄλλος ἄλλου κρείττων δείκνυσθαι σπεύδων, οἱ μὲν τὸ ἅγιον βάπτισμα οὐ δέχονται, οὔτε τῆς θείας κοινωνίας

1) раскажıша *проп. П.* 2) ѡбластїи *П.* 3) въıроужıвшесѧ *П.* 4) прїаша *П.* 5) славıницıю *С, но* цıю *зачеркив.* 6) ни *С.* 7) лѣчеıи *С.*

1) δὲ проп. B_1 B_2. 2) αἰκισμοῦς B_1. 3) βασάνους B_1. 4) ἀμετέροις B_1; ἀμέτροις B_2. 5) Ἀποσχιτῶν B_1. 6) Οἵτινες B_1 B_2. 7) Αὐτοπροσκόπτων B_1 B_2. 8) ἀνελαῖοι B_1. 9) τοῖς δὲ Εὐχίταις Μεσαλιανοῖς B_1 B_2. 10) πολυσχεδὲς B_1 B_2.

л. 275 b. прича|щаютьсѧ· дроугіи же ни образа чьстьнаго крⷭта ново съвьршена· или чьстьныѣ иконы не цѣлоуютъ· и прѣожидати· вьсѣхъ чл҃вкъ зълыихъ помышлаѭще послѣдьнюѭ· ѿноудъ[1] чистителѧ не прикмлютъ· нъ въ лицемѣрьи лъжесловесьныихъ· и неистиньныѣ своеѣ съвѣсти имоуще· слово пьратьсѧ ни въ чьто же бл҃го· дрѣво сѣно· стьблие вѣчьнаго огнѧ· раждьженіѧ себѣ събирающе· и да ѿвьржено боудеть равьно иконоразбителю· безоумиѭ· и ѿметьникъ несъмъıсльство· ѿ мькры ѣ зълыѣ и равьночьстьна бечьствиѭмь·[2]

μετέ(л. 200[b])χουσιν· ἕτεροι δὲ οὔτε τύπον τοῦ τιμίου σταυροῦ νεωστὶ κατασκευασθέντα ἢ σεπτὴν εἰκόνα ἀσπάζονται· καὶ ὑπερανέχειν πάντων ἀνθρώπων οἰόμενοι, τὸ ἔσχατον τῶν κακῶν, καθόλου ἱερέα οὐ δέχονται, ἀλλ' ἐν ὑποκρίσει ψευδολόγων[1] κεκαυτηριασμένην[2] τὴν ἰδίαν συνείδησιν ἔχοντες λογομαχοῦσιν εἰς οὐδὲν χρήσιμον, ξύλα, χόρτον, καλάμην, τὰ τοῦ αἰωνίου πυρὸς ὑπεκκαύματα ἑαυτοῖς θησαυρίζοντες· καὶ ἀπέστω ἐξίσου καὶ ἡ τῶν Εἰκονοκλαστῶν παράνοια καὶ ἡ τῶν Ἀποσχιστῶν παραφροσύνη, τὰ ἐκ διαμέτρου κακὰ καὶ ὁμότιμα τὴν ἀσέβειαν.

1) ѿнѣдѣ *П*. 2) бесчествіемь *ПС*.

1) καὶ вставл. B_1 B_2. 2) κεκαυτηριασμένων B_1 B_2.

тимоѳѣа прозвѹ́тера· прⷭ̄тыꙗ и великыꙗ цр̄кве· костантина града· о различіи· приходащихъ къ непорочьнѣи нашеи вѣрѣ· [1]

5

а̄· Три чины обрѣтаемъ· ѿ приходащихъ· къ ст̄ѣи бж̄іи съборьнѣи· и апл̄ьстѣи цр̄кви· и пьрьвыи во чинъ ѥсть· трѣбоующимъ ст̄го крьщенига·

10

в̄· Вътораꙗ же не хрьстимъꙗихъ· нъ тъкъмо мажемъꙗихъ· ст̄мь мѵ̀ромь·

15

г̄· И третіи ни крьщаемъꙗимъ же ни мажемъꙗимъ· нъ тъкмо проклинающихъ [2] своѥ и ксю иноу ересоу·

о приходащихъ ѿ ересы и крьщающихъ·

20

таскодроуги· [3]

Ѳи въ лагатіи живоуще· марка нѣкоего вълхва имоуще оучителя· бж̄ьствьнаꙗ разоумъ ѿмещють· крьщенію роуганютьсꙗ· | того образа [4] ѿкланаютьсꙗ· не подобаѥть гл̄ающе· [5] нб̄сьнаꙗихъ и [6] неꙗвленъꙗихъ· образъ невидимъꙗихъ [7] на ѕемли въображати· ни плътьскъимъ оуподобитисꙗ бесплътьнъꙗимъ· съмотреніа гн̄а насъ ради ѿмещютьсꙗ· и о твари [8]

25

30

1) *Въ составѣ У произведеніе пресвитера Тимоѳея не входитъ. С in m.* кг. 2) проклинаихъ *С.* 3) *cod. ПС ставятъ это заглавіе впереди предыдущаго;* ташькодроугіи *П;* таскодроугіи *С.* 4) ѿраза *С.* 5) гл̄ющи *С.* 6) и *проп. П.* 7) невиднмыимый *С.* 8) вдри *С.*

* ΤΙΜΟΘΕΟΥ ΠΡΕΣΒΥΤΕΡΟΥ ΤΗΣ ΑΓΙΩΤΑΤΗΣ ΜΕΓΑΛΗΣ ΕΚΚΛΗΣΙΑΣ ΚΩΝΣΤΑΝΤΙΝΟΥΠΟΛΕΩΣ ΠΕΡΙ ΔΙΑΦΟΡΑΣ ΤΩΝ ΠΡΟΣΕΡΧΟΜΕΝΩΝ ΤΗι ΑΜΩΜΗΤΩι ΗΜΩΝ ΠΙΣΤΕΙ.

Τρεῖς τάξεις εὑρίσκομεν τῶν προσερχομένων τῇ ἁγίᾳ τοῦ θεοῦ καθολικῇ καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησίᾳ· καὶ πρώτη μὲν τάξις ἐστὶ τῶν δεομένων τοῦ ἁγίου βαπτίσματος· δευτέρα δὲ τῶν μὴ βαπτιζομένων, χριομένων δὲ μόνον [1] τῷ μύρῳ τῷ ἁγίῳ, καὶ τρίτη τῶν μήτε βαπτιζομένων μήτε χριομένων, ἀλλὰ μόνον ἀναθεματιζόντων τὴν ἰδίαν καὶ πᾶσαν ἄλλην αἵρεσιν· καὶ οἱ μὲν βαπτιζόμενοί εἰσιν οἵδε.

Περὶ τῶν ἐρχομένων ἀπὸ αἱρέσεων καὶ βαπτιζομένων. [2]

Τασκοδροῦγοι. [3]

Οὗτοι τὴν Γαλατίαν οἰκοῦσι, Μάρκον τινὰ γόητα ἐσχηκότες διδάσκαλον· τὴν θείαν ἐπίγνωσιν ἀθετοῦσι, τὸ βάπτισμα διασύρουσι, τὰ τούτου σύμβολα ἐκκλί- л. 276 a.
νουσι, μὴ χρῆναι λέγοντες τῶν οὐρανίων καὶ ἀφανῶν τύπους ἀοράτους [4] ἐπὶ τῆς γῆς εἰκονίζεσθαι μηδὲ σωματικοῖς εἰκάζεσθαι τὰ ἀσώματα. τὴν ὑπὲρ ἡμῶν τοῦ κυρίου οἰκονομίαν ἀρνοῦνται καὶ περὶ τὴν κτίσιν

* Въ составѣ PV и Vallicell. F 47 эта статья не входитъ. Текстъ ея берется изъ Vind. hist. gr. 56 л. 200^{b}—207^{b} съ варіантами изъ Barocc. 173 л. 150^{a}—156^{b} (=B_1) и Barocc. 185 л. 304^{a}—309^{b} (=B_2), которые оба не имѣютъ окончанія.

1) μόνον проп. B_1 B_2. 2) это заглавіе и cod. и B_1 B_2 ставятъ in m. 3) Τασκοδρουγοί B_1 B_2. 4) cod. переправл. рукой XIV в. въ ὁρατοὺς B_1 B_2.

соуцинихъ· ѥко же симонъ лъстатьса· таскодроугии[1] глютьса·[2] ѩзыкъмь галатьскыимь имьже таскосъ[3] ѿ нихъ· коль съказаютьса· дроугъгъ[4] же ноздрь[5] ксть же имъ обычаи таковъ·[6] въ глаголемыихъ ѿ нихъ мѧтвахъ· вълагаютъ пьрстъ[7] деснъıа роукы въ ноздрь[8] и тако молатьса· тѣмь оубо образъмь глютьса[9] галатьскъı·[10] таскодроугии·[11] иже съказаютьса колавьртѣние·[12]

маркиане· рекъше съроухлѣбьници·

Маркионъ понтьскъıи бывъ оучитель· къръдоновъ· четъıри нерожена соуцьства· соуцинихъ прѣдъложи·[13] и пакъı четвьртьницю въ дъвонницю съставн· иже оубо бл҃го рещи[14] и невѣдомо[15] ово же съдѣтельно же и правьдьно· и лоукаво нарече· и г҃а мьнѣниемь глати бъıти· а не по истинѣ чл҃вка· и вьще[16] же зълобьноую нарицаютъ и миръ лоукавааго дѣланиа· дш҃ю же часть бж҃ıа[17] соуцьства мьнаше· и пърю вражьбьноую доушею съ тѣлъмь подъложи· и змию рече

τῶν ὄντων ὡς ὁ Σίμων πλανῶνται. τασκοδροῦγοι[1] δὲ[2] λέγονται τῇ γλώσσῃ τῶν Γαλατῶν, ἐπειδὴ τασκὸς παρ' αὐτοῖς ὁ πάσσαλος ἑρμηνεύεται, δροῦγος[3] δὲ ὁ ῥώθων. ἔστι δὲ αὐτοῖς συνήθεια τοιαύτη· ἐν ταῖς λεγομέναις παρ' αὐτοῖς εὐχαῖς ἐπαναπαύουσι τὸν δάκτυλον τῆς δεξιᾶς χειρὸς τῷ ῥώθωνι καὶ οὕτως προσεύχονται. κατὰ τοῦτον οὖν τὸν τρόπον λέγονται γαλατιστὶ Τασκοδροῦγοι,[4] ὅπερ ἑρμηνεύεται passsalorygchi̇tai.

Μαρκιωνισταί, ἤγουν Ἀρτοτυρῖται.

Μαρκίων ὁ Ποντικός, μαθητὴς γεγονὼς Κέρδωνος,[5] τέσσαρας ἀγενήτους[6] οὐσίας τῶν ὄντων ὑπέθετο[7] καὶ πάλιν τὴν τετράδα εἰς δυάδα συνέστειλεν, ὧν τὸ μὲν ἀγαθὸν εἶπεν καὶ ἄγνωστον, τὸ δὲ δημιουργόν τε καὶ δίκαιον καὶ πονηρὸν προσηγόρευσεν· καὶ τὸν κύριον δοκήσει λέγει γεγονέναι καὶ οὐ κατὰ ἀλήθειαν ἄνθρωπον· καὶ τὴν ὕλην δὲ κακίστην καλεῖ· καὶ τὸν κόσμον τοῦ πονηροῦ (л. 201ᵃ) τεκτόνημα· τὴν δὲ ψυχὴν μοῖραν τῆς τοῦ θεοῦ οὐσίας ἐνόμισεν καὶ μάχην ἄσπονδον ψυχῇ καὶ σώματι τέθεικεν· καὶ τὸν ὄφιν εἶπεν

1) ташкодрогїи *П.* 2) глетса *П.* 3) ташкои *П.* 4) дроугон *П.* 5) ноиздрь *С.* 6) таковомъ *С.* 7) перстъ *П;* перстъı *С.* 8) ноздры *С.* 9) глѣтса *П.* 10) галатьскыи *П.* 11) ташкодроугїи *П.* 12) колавертѣиа *П.* 13) прѣложи *П.* 14) рецїи *П.* 15) невѣдимо *П.* 16) вещь *П;* веще *С.* 17) свще часть бжіа *вставл. С.*

1) τὰσκοδρουργοὶ B_1 B_2. 2) δὲ проп. B_1 B_2. 3) δροῦγγος B_1 B_2. 4) τασκοδρουργοὶ B_1 B_2. 5) Κόρδωνος B_1 B_2. 6) ἀγεννήτους B_1 B_2. 7) ὑπερέθετο B_1 B_2.

съдѣтєлѧ блажѣнышю· ѩже завистию оубо вѣкоушенїѧ· дрѣвнѧаго възбранѧющю·[1] обои же[2] нескоудьно того прияти съвѣщавъше· и ѥже и кла|нѧются· лъстѧщеся мѣдмнѣ ѩко же гл҃ють· нескоудьнѣи[3] кланѧющеся· хлѣбосъръницю же ѿ ересъ того маркиана· съводѧтьсѧ· измѣнѧють же зъваниѥ[4] прилагании и помъышлении съ м[а]ѣкъмь же мѣсѧце квасъ· своими таинами похотоують· си законъ и пр҃къı[5] и патриархъı ѿлагаютъ· мьнѣниѥмь паче ѥже ѿ лоукъı евг҃лиѧ· приносѧще ѿ маркионъ водоу въ та[и]нѣ приносѧть[6] ѿ того прочеѥ прияша оученици ѥго· рѣша маркиона· речи[7] сто҃умоу поликарпоу· познаи[8] насъ поликарпе·[9] и поликарпоу реци познаю тѧ· поликарпа сотонина·

врѣтицьници·[10] и ѿрочьници· и[11] въздьрьжьници· рекъше водопрѣдъстателѥ·

Си въ вина мѣсто водоу бо҃у приносѧть· и того ради водопрѣдъстателѥ наричютьсѧ· женитвоу блоудъ нарицаютъ ѿ бѣ прѣданаѧ ѩко лоукавая ненавидѧще·

τοῦ δημιουργοῦ ἀγαθώτερον, οἷα τοῦ μὲν φθόνῳ τὴν γεῦσιν τοῦ ξύλου κωλύσαντος, τοῦ δὲ ἀφθόνως ταύτης μεταλαβεῖν συμβουλεύσαντος· οἷον[1] καὶ σέβουσι πλάττοντες χαλκῷ τὸν ὡς λέγουσιν л. 276 b.
ἄφθονον σεβόμενοι. οἱ οὖν Ἀρτοτυρῖται ἐκ τῆς αἱρέσεως τούτου τοῦ Μαρκίωνος κατάγονται· παραμείβουσι δὲ τὴν κλῆσιν[2] προσθήκαις ἐπινοιῶν· γάλακτι δὲ φυρῶντες ζύμην, τοῖς οἰκείοις μύσταις ὀρέγουσιν· οὗτοι νόμον καὶ προφήτας καὶ πατριάρχας ἀποβάλλονται, δοκήσει μᾶλλον τὸ κατὰ Λουκᾶν εὐαγγέλιον προσιέμενοι· τὴν δὲ ἀνάστασιν τῶν σωμάτων γελῶσιν ὡς ἄτοπον. καὶ οὗτος ὁ Μαρκίων ὕδωρ ἐν τοῖς μυστηρίοις προσφέρει· ἐξ αὐτοῦ λοιπὸν παρέλαβον καὶ οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ· φασὶ δὲ[3] τὸν Μαρκίωνα εἰπεῖν τῷ ἁγίῳ Πολυκάρπῳ· Ἐπιγίνωσκε ἡμᾶς, Πολύκαρπε. καὶ Πολύκαρπον εἰπεῖν· Γινώσκω σε τὸν πολύκαρπον[4] τοῦ σατανᾶ.

Σακκοφόροι καὶ Ἀποτακτῖται καὶ Ἐγκρατῖται, ἤγουν Ὑδροπαραστάται.

Οὗτοι ἀντὶ οἴνου ὕδωρ τῷ θεῷ προσφέρουσι· διὰ τοῦτο καὶ ὑδροπαραστάται καλοῦνται· τὸν γάμον πορνείαν[5] προσαγορεύουσι, τὰ παρὰ θεοῦ παρασχεθέντα ὡς πονηρὰ μυσαττόμενοι.

---

1) възбранѧющи *П.* 2) и *вставл. П.* 3) нескоу҃нѣ *П*; нескѣдніи *С.* 4) званію *П.* 5) пр҃кыи *П.* 6) прѧносѧ҃ть *П.* 7) рече *П.* 8) послан *С.* 9) поликарпоу· познан насъ поликарпе *прот. П.* 10) Третицьници *С.* 11) и *прот. С.*

1) cod. переправл. въ ѳдѣн рукой XIV в. 2) βλῆσιν B_1. 3) δὲ прот. B_1 B_2. 4) πρωτότοκον B_1 B_2. 5) προνείαν B_1.

тии начальнии ересы имѧахоу· кдиного ѿ оученикъ иоустина философа и мч̃ника· рѣша же ꙗко по моученіи сталаго иоустина· истоупивъ исъ цр̃кве изъобрѣте сию ересоу·

валентинъ василида· и ерѣмѣꙗ нарицакми·

Василидъ оубо егуптанинъ· бесплътьна· на земли ꙗвитисѧ х̃а бансьствоваше· страсти ни кдиноѥ же прѣтьрпѣвъша· симоноу же кюринѣискомоу· ꙗко томоу мьнѧщю на кр̃стѣ пригвоздитисѧ х̃оу же зьрѧщю
л. 277 a. издалеча· смиꙗтисѧ | июденскомоу безоумию[1] подобаѣть· гл̃а не въ распѧтаѧго вѣровати· нъ въ распѧтисѧ хотѧщаго· ѿмѣташе же плъти въскрьсенига·[2] ѿмещи законъ и прркъı· причащати же сѧ вѣ[3] страхаидоложьртвьнъıихъ повелѣ· и всѧ дѣяти· без расмощрениꙗ стъıдъкаꙗ·[4] гоубительства и чародѣиства· и вълъшьство съвьршати· валентинъ басни[5] мълчанию· прѣже бъıти вьсѣхъ полагаше бесплътьна же· и тъ х̃са лъжесловитъ·[6] тѣло дш̃евьно ѿ съдѣтелꙗ приимъ·[7] иже невидимо и видимо не съи прѣже· бъıсть послѣдь· ѿ сихъ еремѣи[8] нарицаютьсѧ· ѿ нѣкоего тако призъвана· прилоучьшю си имѧ· вьсе дѣяниѥ

οὗτοι ἀρχηγὸν τῆς αἱρέσεως ἔσχον ἕνα τῶν μαθητῶν Ἰουστίνου τοῦ φιλοσόφου καὶ μάρτυρος. φασὶ δέ, ὅτι μετὰ τὸ μαρτύριον τοῦ ἁγίου Ἰουστίνου ἀποστὰς τῆς ἐκκλησίας ἐφεῦρε ταύτην τὴν αἵρεσιν.

Βαλεντῖνοι,[1] Βασιλεῖδαι[2] οἱ[3] καὶ Ἑρμαῖοι[4] καλούμενοι.

Ὁ μὲν Βασιλείδης[5] Αἰγύπτιος ἀσώματον ἐν γῇ φανῆναι τὸν Χριστὸν ἐμυθεύσατο πάθος οὐδὲν ὑπομείναντα, Σίμωνα δὲ τὸν Κυρηναῖον ὡς αὐτὸν νομισθέντα τῷ σταυρῷ προσπαγῆναι, τὸν δὲ Χριστὸν θεώμενον πόρρωθεν γελᾶν τῶν Ἰουδαίων τὴν ἄνοιαν, χρῆναι φάσκων οὐκ εἰς τὸν σταυρωθέντα πιστεύειν, ἀλλ' εἰς τὸν ἐσταυρῶσθαι δόξαντα· ἠρνεῖτο δὲ τῆς σαρκὸς τὴν ἀνάστασιν, ἀθετῶν τὸν νόμον καὶ τοὺς προφήτας. μετέχειν δὲ ἀδεῶς εἰδωλοθύτων ἐπέτρεψε καὶ πάντα πράττειν ἀδιακρίτως τὰ αἴσχιστα, γοητείας καὶ ἐπῳδὰς καὶ μαγγανείας τελεῖν. ὁ Βαλεντῖνος δὲ μῦθον καὶ σιγὴν προϋπάρχειν[6] πάντων ὑπέθετο· ἀσώματον δὲ καὶ αὐτὸς τὸν Χριστὸν τερατεύεται, σῶμα ψυχικὸν παρὰ τοῦ δημιουργοῦ κομισάμενον, ὅπερ ἀόρατον[7] ὂν πρότερον καὶ ὁρατὸν[8] γέγονεν ὕστερον. ἐκ τούτων Ἑρμαῖοι προσαγορεύονται, ἀπό τινος οὕτω κληθέντος λαχόντες τὸ ὄνομα· πᾶσαν πρᾶξιν

---

1) боꙋзоумию *cod.* 2) *cod. переправл.* и *изъ* ѥ. 3) безъ *C.* 4) стъıнаа *II.* 5) и *вставл. II.* 6) лжеславитъ *II.* 7) приимъ *cod.*; пр̃ато *II.* 8) ѥремїи *C.*

1) Βαλεντῖνος B_1 B_2. 2) Βασιλείδους B_1 B_2. 3) οἱ проп. B_1 B_3. 4) Ἑρμαίου B_1 B_2. 5) ὁ вставл. B_1 B_2. 6) ὑπάρχειν B_1 B_2. 7) καὶ ὁρατὸν μὴ вставл. B_1 B_2. 8) καὶ ὁρατὸν проп. B_1 B_2.

крещеное дѣлаютъ· праздьникы цюжаа наричюще· и идоуще идоложьрена· еще же глютъ тѣлеси гню· съвъше снесеноу бъ-
5 ти и ако сквозѣ троубоу вода· сквозѣ мрию[1] двоу прошьдъша· и еже лъжесловить· иномоу тѣлеси въстати· еже наричати дховьное а не се· и разоумьна
10 же глютъ[2] себе бъıти· и вардана таа же валентиноу· тъ же валентинъ еппъ бъıсть въ еюптѣ·

николаитане·

Николаитанъ ереса· ѿ николы[3]
15 единого ѿ семи съходитъ· николѣ красьноу женоу имоущю· сию хотящюмоу почти повелѣваше· вѣсто же да есть и се·[4] ако ни единъ же инѣхъ·[5] ѿ ересы начальникъ славаю-
20 тьсѧ·[6] сице повинънъ въсякого гноусьнаго· и нечистаго· и беззаконьнаго дѣıница оучитель· всякъ днь не осквьрнаютьсѧ· живота не моущи причаститисѧ вѣчьнаго· ѿ
25 того бо разоумьнии глемъ· и скверьници· въсеа нечистотъı приаша виноу· толика же ихъ мьрзость есть· ако гоу рещи· единоа[7] цркве рекъше еппоу·[8]

ἀπειρημένην ἐργάζονται, ἑορτὰς ἐκτόπους ἐκτελοῦντες[1] (л. 201[b]) καὶ ἐσθίοντες εἰδωλόθυτα· ἔτι δὲ λέγει τὸ σῶμα τοῦ κυρίου ἄνωθεν κατεληλυθέναι[2] καὶ ὡς διὰ σωλῆνος ὕδωρ διὰ τῆς Μαρίας τῆς παρθένου διεληλυθέναι. καὶ τοῦτο δὲ τερατεύεται, ἄλλο σῶμα ἐγείρεσθαι, ὅπερ προσαγορεύουσι πνευματικόν, καὶ οὐχὶ τοῦτο· καὶ τὸν γνωστικὸν δὲ λέγει ἑαυτὸν εἶναι. καὶ ὁ Βαρδάνης τὰ αὐτὰ Βαλεντίνῳ· οὗτος δὲ ὁ Βαλεντῖνος ἐπίσκοπος γέγονεν Αἰγύπτου.

Νικολαΐται.

Ἡ τῶν Νικολαϊτῶν αἵρεσις ἀπὸ Νικολάου ἑνὸς τῶν ἑπτὰ κατάγεται, ὃς ὡραίαν ἔχων γυναῖκα[3] ταύτην τῷ βουλομένῳ γῆμαι ἐπέτρεψεν. ἱστεόν δὲ καὶ τοῦτο, ὅτι οὐδεὶς τῶν ἄλλων αἱρεσιαρχῶν φαίνεται οὕτως αἴτιος πάσης βδελυκτῆς καὶ μυσαρᾶς καὶ παρανόμου[4] πράξεως διδάσκαλος· αὐτὸς γὰρ καὶ προήρξατο τοῦ λέγειν, ὅτι, ἐὰν μή τις καθ' ἑκάστην ἡμέραν λαγνεύῃ, ζωῆς μὴ δύνασθαι μετέχειν τῆς αἰωνίου· ἐξ αὐτοῦ γὰρ οἱ Γνωστικοὶ οἱ λεγόμενοι καὶ Βορβορῖται πάσης[5] ἀκολασίας ἔλαβον τὰς ἀφορμάς. τοσαύτη δὲ αὐτῶν ἡ βδελυρία ἐστίν, ὡς καὶ τὸν κύριον εἰπεῖν[6] μιᾶς ἐκκλησίας[7] ἐπισκόπῳ, л. 277 b.

1) *cod. переправл.* и *изъ* к. 2) глѣтъ *П.* 3) никола *П.* 4) есте всеи *П* (*вм.* юсть и се). 5) инъı *П.* 6) *cod. переправл.* ю *изъ* ш; шклаѣтсѧ *П.* 7) единo *С.* 8) епкпъ *П.*

1) καλοῦντες B_1 B_2. 2) κατενηνοχέναι B_1 B_2. 3) τοῦ Νικολάου ὡραίαν γυναῖκα ἔχοντος B_1 B_2 (*вм.* ὃς ὡραίαν ἔχων γυναῖκα). 4) ἀῤῥήτου B_1 B_2. 5) ἀῤῥήτου вставл. B_1 B_2. 6) cod. вверху строки надписано рук. XIV в. ἀγγέλῳ. 7) ἤγουν вставл. B_1 B_2.

ѥко имаши ли чѣто добро· ѥко ненавидиши ли дѣлъ николаитанъ· ихъже и азъ ненавижю·

монѣтане· и попоузиане·

Монѣтанъ· оутѣшителя себе нарече· дъвѣ блоудьници имѣи женѣ· прискоу· и макѣсимилоу· ѥже пророчицю[1] прозъва· и пепоузоу оудоброиѥ фригиискоѥ· иерс҃ма нарече· и женитвъı повелѣ раздроушати· и брашьнъ оудалениѥ· и паскоу прѣврати· и три съставъı ѥдиносоущьнаго бж҃ьства· въ ѥдино сълагаѥть лице· съмоущаѥмаѧ· иже кръвь съмѣшаю҂ть съ моукою·[2] на причащениѥ· ѥгоже причащенна ѡ҃мѣтаю҂тьсѧ боѧщесѧ·

маниѯеане·

Отъ маненъта перьсьскаго[3] соущеи· си равьноумощьноу· и противьновьрстоу хоулать бж҃ства ово оубо свѣта· ово[4] же тьмъı повинь҃ни слн҃це и лоуноу бг҃ъı творать· и дїавола владѣюща вещию наричю҂ть· и женитвоу ѕаконоположениѥ бѣса· и поданиѥ трѣвоующимъ· наричаю҂ть[5] безакониѥ· г҃оу же не прилъ҃ти никако[6] плъти члв҃ьскъı· и распатиѥ и съмьрьть[7] и въскрьсе- л. 278 а. ниѥ· ѥко мънѣти роугаю҂тьсѧ· | дш҃ь же прѣхожениѧ въ тѣлеса· въ ѕвѣри и въ скотъı и пътица·[8]

---

1) пророци *П.* 2) мокою *С.* 3) перскаго *ПС.* 4) шво҃у *П.* 5) наричю҂ть *П.* 6) ника *С.* 7) см҃рти *П.* 8) пътиц҃а *cod.*

ὅτι· Ἔχεις τι καλόν, ὅτι μισεῖς τὰ ἔργα τῶν Νικολαϊτῶν, ἃ κἀγὼ μισῶ.

Μοντανισταί[1] καὶ Πεπουζιανοί.

Μοντανὸς παράκλητον ἑαυτὸν προσηγόρευσεν, δύο πορνικῶς ἐπαγόμενος γυναῖκας, Πρίσκαν καὶ Μαξιμίλλαν,[2] ἃς καὶ προφήτιδας ὠνόμασεν· καὶ Πεπουζὰν κώμην[3] Φρυγίας Ἱερουσαλὴμ ὠνόμασεν· καὶ γάμους ἐπέτρεπε λύεσθαι καὶ βρωμάτων ἀποχάς· καὶ τὸ πάσχα διέστρεψεν, καὶ τὰς τρεῖς ὑποστάσεις τῆς ὁμοουσίου θεότητος εἰς ἓν συναιρεῖ πρόσωπον συγχέων.[4] οὗτοι[5] αἷμα συμφύρουσιν ἀλφίτοις εἰς μετάληψιν, οὗ τὴν μέθεξιν ἀρνοῦνται αἰδούμενοι.

Μανιχαῖοι.

Ἀπὸ Μάνεντος τοῦ Πέρσου τυγχάνοντες. οὗτοι ἰσοσθενῆ καὶ ἀντίθετον δυάδα βλασφημοῦσι θεότητος, τὴν μὲν φωτός, τὴν δὲ σκότους παραίτιον· καὶ ἥλιον καὶ σελήνην θεοποιοῦσι· καὶ τὸν διάβολον ἄρχοντα τῆς ὕλης προσαγορεύουσι καὶ τὸν γάμον νομοθεσίαν[6] τοῦ δαίμονος· καὶ τὴν εἰς τοὺς δεομένους μετάδοσιν καλοῦσιν ἀνομίαν, τὸν δὲ κύριον οὐδὲν εἰληφέναι σαρκωθέντα ἀνθρώπινον. καὶ τὸν σταυρὸν καὶ τὸν θάνατον καὶ τὴν ἀνάστασιν ὡς δόκησιν διασύρουσι· ψυχῶν δὲ μετενσωμάτωσιν εἰς θῆρας καὶ[7] κτήνη καὶ πτηνὰ

---

1) Μοντανοὶ B_1 B_2. 2) Μαξιμίλλαν B_1 B_2. 3) κωμήδιον B_1 B_2. 4) συγχεόμενα B_1 B_2. 5) οἵτινες B_1 B_2. 6) Θεσίαν B_1. 7) καὶ (л. 152ᵃ) καὶ B_1.

проповѣдаютъ· и все[1] глюще дш҃евьна огнь въздоухъ· землю· водоу и сады· и дрѣвеса и сѣмена· тѣмь ѡ нихъ[2] таинѣишии же изьбрани· не прѣломать плода· не въстьргноутъ зелиа· нъ таковое творѧщаа кльноутъ· гоубительство и вълъшьство прикмлютъ·[3] и грѣховъ не остаютьса· хс҃а же себе антихрьстъ сътвори· и оученикъı прѣжепроповѣдающе посъла· сн҃а о҆ц҃а перьсьскаго[4] недоужьна соуща· ицѣлити[5] обѣщавъса·[6] посемь мьртва сътвори и·[7] миздоула· кожа съдьраниѥ прѣтьрпѣ·[8] и се же глѣть· земли на стихии рекъше на съставѣ·[9] носимѣ бъıти на рамѣ· и кгда изнеможеть· прѣлагаютъ на дроугое рамо·[10] тацѣмь же образъмь бъıти рѣша о дш҃ахъ· ꙗко г҃ь на спсение дш҃а· хоудожьство помъıсли· имоуще дъвѣ на десате кади· ꙗже землею обращаема· почьрпаютъ слоужащихъ дш҃а· и сна великъıи[11] свѣтильникъ[12] примъ· лоучами очищаютъ· и подаютъ сл҃нцю и тако испълнаютьса лоуньıи[13] ножьница· ѡ насъ нарицаемъıихъ·

еоуномиане рекъше неподобьнии· Ꙗвъноми ꙗриевъ[14] бъıсть оученикъ· того[15] еудокси ариањскъıи·

1) вса *П.* 2) тѣхъ *С.* 3) пріемлеть *П.* 4) перскаго *ПС.* 5) нанцити *С.* 6) обѣщавъша *С.* 7) и *проп. С.* 8) претерпѣти *С.* 9) ставѣ *С.* 10) и *вставл. ПС.* 11) велики *С.* 12) свѣтильникъ *cod. С.* 13) лоучныа *П.* 14) ꙗриевъ *cod.* 15) то *С.*

δογματίζουσι καὶ πάντα λέγουσιν[1] ἔμψυχα, τὸ πῦρ, τὸν ἀέρα, γῆν, ὕδωρ καὶ φυτὰ καὶ δένδρα καὶ σπέρματα· διὸ οἱ παρ' αὐτοῖς μυστικώτεροι οἱ καὶ ἐκλεκτοὶ οὐ καρπὸν κλῶσιν, οὐ τέμνουσι λάχανον, ἀλλὰ τοῖς ταῦτα ποιοῦσι καταρῶνται· γοητείαις καὶ μαγγανείαις[2] κέχρηνται καὶ ἀμπλακιῶν οὐκ ἀπέχονται· Χριστὸν δὲ ἑαυτὸν ὁ ἀντίχριστος προσηγόρευσε καὶ μαθητὰς προκηρύττοντας αὐτοῦ προαπέστειλεν. οὗτος υἱὸν τοῦ βασιλέως Περσῶν (л. 202[a]) ἀσθενοῦντα θεραπεύειν ὑπισχνούμενος, εἶτα νεκρὸν ἐργασάμενος, μισθὸν τοῦ δράματος τὴν δορὰν ἀπηνέγκατο. καὶ τοῦτο δὲ λέγουσι, τὴν γῆν ὑπό Σακλᾶ τινος[3] βαστάζεσθαι ἐπὶ τοῦ ὤμου, καὶ ὅταν ἀτονήσῃ[4] μεταφέρειν[5] ταύτην εἰς τὸν ἄλλον ὦμον καὶ τούτῳ τῷ τρόπῳ γίνεσθαί φασι[6] περὶ ψυχῶν, ὅτι ὁ κύριος εἰς σωτηρίαν τῆς ψυχῆς μηχανὴν ἐμηχανήσατο ἔχουσαν δώδεκα κάδους, ἥτις ὑπὸ τῆς σφαίρας στρεφομένη ἀνιμᾶται τῶν θνησκόντων τὰς ψυχάς, καὶ ταύτας ὁ μέγας φωστὴρ προσλαβὼν ταῖς ἀκτῖσι καθαρίζει καὶ μεταδίδωσι τῇ σελήνῃ· καὶ οὕτως πληροῦται τῆς σελήνης ὁ δίσκος.[7]

Εὐνομιανοὶ ἤτοι Ἀνόμοιοι.

Εὐνόμιος Ἀρείου γέγονε μαθητής. τοῦτον Εὐδόξιος ὁ Ἀρειανός,

1) λέγοντες B_1 B_2. 2) μαγείαις B_1 B_2. 3) Σακλατῖνος B_1 B_2. 4) ἀτονήσει B_1. 5) μεταφέρει B_1 B_2. 6) τὸν σεισμόν. καὶ τοῦτο εἰρήκασι вставл. cod. рукой XIV в. 7) ὁ παρ' ἡμῖν προσαγορευόμενος добавл. B_1 B_2.

прѣстолъ въсхытивъ костантина града· костантиново обрѣтъ обѣдованіе·[1] епа поставі коузика града·
л. 278 b. сь[2] же | евномиі· оучителя хоулою прѣволіи са· ѡ небытіа[3] и прѣложена· и раба и по вьсемоу неподобьна· оцю сна[4] приложи· кгоже не прѣтьрпѣвъше гражане· облъгаша костантиноу цр҃ю[5] бѣ бо повелѣвъ костантинъ· подобьна и кдиного наричѧти ба҃ слово· да ни неподобьна ни кдиносоущьна· тѣмь же образъмь евномии изгънанъ бъість· повинноующиіса[6] кмоу въ кдино погроужение· наоучаваюшимъса крьстать· и водоу на главоу възливаюшимъ до пояса· и чрѣва[7] и до долоу· неприкосновено творать водъі[8] обливание· не бъіти законьно глюще· дѣтинотворенъімъ съставомъ· полоучити нетьлѣніа дараси ни цр҃кве· ни храма имоуть ни съборища· нъ въ таинѣхъ мѣстѣхъ нѣкъіихъ земля· събираютьса· тѣмь расѣльникъі· и врасѣльновъходьникъі· мъногъі тѣхъ нарекоша·

павьліане·

Иже ѡ павьла самоусатѣискаго съмѣрено· и низъко о х҃ѣ съмъішльше· ако обьцію ѥстьствомь чл҃вкоу

τὸν θρόνον ἁρπάσας Κωνσταντινουπόλεως, τὴν Κωνσταντίνου εὐρηκὼς χηρείαν[1] ἐπίσκοπον Κυζίκου καθίστησιν. οὗτος οὖν ὁ Εὐνόμιος, τὸν διδάσκαλον ταῖς βλασφημίαις ὑπερβάλλων, τὸ ἐξ οὐκ ὄντων καὶ τρεπτὸν καὶ δοῦλον καὶ κατὰ πάντα ἀνόμοιον τῷ πατρὶ τὸν υἱὸν προσέθηκεν· ὃν[2] μὴ ἐνεγκόντες οἱ Ἑλληνσπόντιοι διαβάλλουσιν αὐτὸν πρὸς Κωνσταντῖνον[3] τὸν βασιλέα· ἦν γὰρ δογματίσας ὁ Κωνσταντῖνος[4] ὅμοιον καὶ μόνον προσαγορεύεσθαι τὸν θεὸν λόγον καὶ μήτε ἀνόμοιον μήτε ὁμοούσιον.[5] τούτῳ οὖν τῷ τρόπῳ ὁ Εὐνόμιος ὑπερόριος γίνεται. οἱ οὖν τούτῳ πειθόμενοι εἰς μίαν κατάδυσιν τοὺς μυουμένους βαπτίζουσι, καὶ ὕδωρ τῇ κεφαλῇ καταχέοντες[6] μέχρις ὀμφαλοῦ τοῖς ἀπὸ γαστρὸς καὶ ἕως κάτω ἀνέπαφον ποιοῦσι τοῦ ὕδατος τὴν περίχυσιν, οὐκ εἶναι θεμιτὸν λέγοντες τὰ παιδοποιὰ ὄργανα τυχεῖν ἀφθαρσίας χαρίσματος. οὗτοι οὐκ ἐκκλησίαν, οὐ σκηνήν, οὐ συναγωγὴν ἔχουσιν, ἀλλ' ἐν κρυπτοῖς τόποις τισὶ τῆς γῆς συνάγονται. ὅθεν τρωγλήτας[8] καὶ τρωγλοδύτας[9] οἱ πολλοὶ τούτους προσαγορεύουσιν.

Παυλιανισταί.

Οἱ ἀπὸ Παύλου τοῦ Σαμοσατέως, ταπεινὰ καὶ χαμαιπετῆ περὶ τοῦ Χριστοῦ φρονήσαντες, ὡς κοινοῦ τὴν φύσιν ἀνθρώπου

1) wкѣтованіе *П.* 2) *cod. переправл.* ь *изъ* ѣ. 3) набытіе *С.* 4) сна *cod.* 5) цр҃ю *ПС.* 6) *cod. переправл.* ю *изъ* и; повинѣующиі҃ *С*; повинноующіи же сѧ *П.* 7) и чрѣва *прот. С.* 8) водовы *С.*

1) cod.* переправл. рукой XIV в. въ εὐχέρειαν. 2) ὁ cod. потому, что выскобл. v. 3) cod. переправл. въ Κωνστάντιον. 4) cod. переправл. въ Κωνστάντιος. 5) ἑτεροούσιον B_1 B_2. 6) κατέχοντες B_1 B_2. 7) τρογλῖτας B_1 B_2. 8) τρογοδύτας B_1.

бывъшю· и начало[1] ѿ[2] маріи[3] приимъше·

фотиніане·

Фотинъ е҃пи҃ъ· серьмѣискыи· въ костантиниискаго[4] цр҃ство· павьла самосатѣискаго·[5] и савелиа ливоискаго· и монтанову ересу обнови·[6] не безначална ни всѣмъ вѣкомъ творьцѧ· ако вьсѧкоѧ твари прѣже сущаѧ бжиа | слова· проповѣдань и ова наричѧ· и начало прїимъша· по плъти ѿ дв҃ца рожьства· егоже фотина·[7] въ срьнѣи[8] бывъшии съборъ· не тъкъмо сана обнажи· нъ и странна· римьскаго житиа осоуди· тѣмь и ѿ тоа[9] ересы· с҃то и с҃пс҃наго крьщениа трѣбоуютъ·

савеліане·

Савелии же е҃пи҃ъ· пентаполиискыи[10] бѣ·

маркіане·

Бь[11] маркелъ е҃пи҃ъ бысть· анкоурьскыи ѿ савелиа· ливиискаго· с҃ноо҃чьствоу[12] оучаща· и кдино соущьство[13] на с҃тѣи тр҃ци бъıти

γενομένου καὶ τὴν ἀρχὴν ἀπὸ Μαρίας ἐσχηκότος.

Φωτεινιανοί.[1]

Φωτεινὸς ἐπίσκοπος τοῦ Σιρμίου[2] κατὰ τὴν Κωνσταντίου βασιλείαν τὴν Παύλου τοῦ Σαμοσατέως καὶ Σαβελλίου τοῦ Λίβυος[3] καὶ Μοντανοῦ αἵρεσιν ἀνενεώσατο· οὐκ ἄναρχον οὐδὲ[4] πάσης κτίσεως προϋπάρχοντα τὸν[5] θεὸν λόγον ἐδογμάτισεν, ἀλλὰ νέον καὶ πρόσ- л. 279 a.
φατον καλῶν καὶ ἀρχὴν λαβόντα ἐκ τῆς κατὰ σάρκα τῆς παρθένου γεννήσεως. ὄντινα Φωτεινὸν ἡ ἐν Σιρμίῳ[6] γενομένη σύνοδος οὐ μόνον τῆς ἀξίας ἐγύμνωσεν, ἀλλὰ καὶ ξένον τῆς Ῥωμαίων πολιτείας ἀπεφήνατο· ὅθεν καὶ οἱ ἐκ ταύτης τῆς αἱρέσεως τοῦ ἁγίου καὶ σωτηριώδους βαπτίσματος χρῄζουσι.

Σαβελλιανοί.

Ὁ[7] Σαβέλλιος ἐπίσκοπος Πενταπόλεως ἦν.

(л. 202[b]) Μαρκελλιανοί.

Οὗτος ὁ Μάρκελλος ἐπίσκοπος γέγονεν Ἀγκύρων. οἱ[8] ἀπὸ Σαβελλίου τοῦ Λίβυος, υἱοπατορίαν διδάσκοντος καὶ μίαν ὑπόστασιν ἐπὶ τῆς ἁγίας τριάδος εἶναι

1) начлѣ҃ *П.* 2) ѿ *прот. П.* 3) маріа *П.* 4) костантиніе *С.* 5) самѣискаго *С.* 6) обновити *С.* 7) софонина *С.* 8) срѣнѣи *С.* 9) же *вставл. П.* 10) пентапольскыи *П.* 11) G *П.* 12) с҃ноо҃чьствоу *cod.* 13) соущьствѣ *П.*

1) Φωτιανισταί B_1 B_2; cod. in m. рук. XIV в. τῆς ἐν λαοδικείᾳ κανὼν ζ′. τῆς ἐν κωνσταντινουπόλει ζ′. τοῦ μεγάλου βασιλείου α′ μζ′. τῆς ἐν τρούλλῳ ϟε′. 2) Σερμαίου B_1 B_2. 3) λίβους B_1. 4) ὡς δὲ B_1 B_2 (вм. οὐδὲ). 5) τὸν προп. B_1 B_2. 6) Σερμίῳ B_1 B_2. 7) δὲ вставл. B_1 B_2. 8) cod. переправл. рукой XIV в. въ ὃς.

глюща близъ того и тъ съмъышлѧаше· словоу бо рещи ѥдиночадьномоу·[1] по потрѣ⟨бѣ⟩ на врѣмѧ пришьдъша и пакъı на ѥже·[2] ѿнюдоу же изиде въздращьсѧ· ни прѣже исхода бъıти· ни по въздращении прѣвъıти·

о симонѣ вълсвѣ· ѿнюдоу же и симонианы нарицаютьсѧ·

Пьрваѧ ереса· ꙗко же рѣша нѣции по хⷭѣ· симонъ губитель вѣ· ѿ гетова же бѧше града· въ самарии· самарѧнинъ съı· льщаше же родъ самарѧньскъ· глⷱ себе нѣкоую силоу бжию велию и съвъıше съшьдъша· оцⷣ [же][3] глаше себе· [самарѧнѿ· нюдѣа же глаше себе][4] бъıти· сⷨа пострадавъша оубо· не пострадавъшю же· нъ искоушениемь тъкъмо· женоу бо нѣкоую себѣ обрѣтъ· ѿ турьскаго града· соупроугоу блоудьницю· дхъ стъıи бъıти дьрьзноу глати· и тоⷨ[5] ради сънити· сию же рече бъıти глаше овьчати ѯаблоуженоумоу· и на л. 279 b. | коемьжьдо нбⷭи прѣображающюсѧ· да оутаюсѧ анⷤльскъıихъ моихъ

λέγοντος, παραπλήσια[1] τούτῳ[2] κἀκεῖνος ἐφρόνησε·[3] λόγον μὲν εἰρῆσθαι τὸν μονογενῆ κατὰ χρείαν ἐπὶ καιροῦ προελθόντα καὶ πάλιν[4] εἰς τὸν ὅθεν ἐξῆλθεν ἐπαναστρέψαντα·[5] οὔτε πρὸ τῆς ἐξόδου εἶναι οὔτε μετὰ τὴν ἐπάνοδον ὑφεστάναι.

περὶ Σίμωνος τοῦ μάγου, ὅθεν καὶ Σιμωνιανοὶ καλοῦνται.

Πρώτη αἵρεσις, ὡς φασί τινες, ἀπὸ Χριστοῦ αὕτη.[6] οὗτος ὁ Σίμων γόης ἦν, ἀπὸ Γετῶν δὲ ὡρμᾶτο τῆς πόλεως ἐν Σαμαρείᾳ, Σαμαρείτης ὤν. ἐφάνταζε δὲ τὸ γένος τῶν Σαμαρειτῶν, λέγων ἑαυτόν τινα μεγάλην δύναμιν τοῦ θεοῦ καὶ ἄνωθεν καταβεβηκέναι. τὸν πατέρα δὲ ἔλεγεν ἑαυτὸν τοῖς Σαμαρείταις, Ἰουδαῖον[7] δὲ ἔλεγεν ἑαυτόν, τὸν υἱόν[8] παθόντα μέν, μὴ πεπονθέναι δέ, ἀλλὰ δοκήσει μόνον· γυναῖκα γάρ τινα ἑαυτῷ εὐράμενος ἀπὸ τῆς Τυρίων πόλεως σύζυγον αὐτοῦ πορνάδα, πνεῦμα ἅγιον εἶναι τετόλμηκε λέγειν καὶ διὰ ταύτην κατεληλυθέναι· ταύτην δὲ[9] πρόβατον ἔλεγεν εἶναι πεπλανημένον·[10] καὶ[11] ἑκάστῳ οὐρανῷ μετεμορφούμην, φησί,[12] ἵνα λάθω τὰς ἀγγελικάς μου

1) ѥдиночадьномоу̃ *cod.* 2) понѣже *II* (*вм.* на ѥже). 3) *вставка изъ II.* 4) *вставка изъ II.* 5) то *C.*

1) παραπλήσι B_1. 2) τούτων B_1. 3) cod. рук. XIV в. дописано между строками: καὶ τοῦτο δὲ εἰπεῖν ἐτόλμησε. 4) δὲ вставл. B_1 B_2. 5) ἐπανελθόντα B_2, но зачеркнуто и in m. допис. ἐπαναστρέψαντα. 6) αὕτη проп. B_1 B_2. 7) cod. переправл. рук. XIV в. въ ἰουδαῖοις. 8) cod. переправл. ἑαυτὸν τὸν υἱὸν рук. XIV в. въ ἑαυτὸν εἶναι τὸν υἱὸν τὸν. 9) φησὶν вставл. B_1 B_2. 10) ἔλεγε πρόβατον πεπλανημένον εἶναι B_1 B_2. 11) ἐν вставл. B_1 B_2. 12) cod. вставл. рук. XIV в. κατὰ τὴν μορφὴν τῶν ἐν ἑκάστῳ οὐρανῷ; B_1 B_2 проп. φησί.

силъ· и сънидоу на оумъ· тварь ѥсть сн· или дх҃ъ ст҃ыи нарицаѥмаѩ· ѥюже а҃нгы съзьдахъ· ѥще гл҃ѥть ѩко а҃нгли миръ съзьдаша·[1] и мироу же гл҃ѥть не бъıти ѿ ѕа и въскрьсение же ѿлагаѥть·

о менандрѣ оученицѣ симони·

Менандръ оученикъ симонь· самарѧнинъ съı· ѿ вьси камарıѩ градъı·[2] не некъмо[3] съ оучителемь ѥдино мъıслаше· нъ и паче оного вещьствоваше·[4] себе гл҃а сп҃са· на чл҃вѣкъı съвъıшь нѣ҃коудоу ѿ невиdимъıихъ вѣкъ посълана сп҃сьнаѩ оуча· не инако моци комоу· и тѣхъ миротворьца· а҃нгла болъшю бъıти· не пьрвѣѥ прѣданаго ради имъ· въплъщьшьствьнаго искоушенıѩ приведенаго· и поданаго крьщенıѩ·[5] симъ съподобляющемъсѧ бесъмьртıѩ· ѩко къ тому не оумирати·

о евıонѣихъ·

Ѳи съмѣренаѩ о х҃ѣ славѧть· проста ѥго и обьща мьнѧть чл҃вѣка· по прѣспѣнию обычаѩ оправьdана ѿ моужьска же приобьщенıѩ· и ѿ марıѩ рожьшасѧ· и

δυνάμεις καὶ κατέλθω ἐπὶ τὴν ἔννοιαν, κτίσις[1] ἐστὶν αὕτη ἡ καὶ πνεῦμα ἅγιον καλουμένη, δι' ἧς τοὺς ἀγγέλους ἔκτισα. ἔτι λέγει· οἱ ἄγγελοι τὸν κόσμον ἔκτισαν καὶ τοὺς ἀνθρώπους. καὶ τὸν κόσμον δὲ φάσκει μὴ εἶναι ἐκ θεοῦ καὶ τὴν ἀνάστασιν[2] ἀποβάλλεται.

περὶ Μενάνδρου[3] μαθητοῦ τοῦ Σίμωνος.

Μένανδρος ὁ μαθητὴς Σίμωνος, Σαμαρείτης τυγχάνων ἀπὸ κώμης Πέτρας[4] ὁρμώμενος, οὐ μόνον τὰ αὐτὰ τῷ διδασκάλῳ ἐφρόνησεν, ἀλλὰ καὶ πλέον ἐκείνου ἠσέβησεν, ἑαυτὸν λέγων σωτῆρα ἐπὶ τῇ τῶν ἀνθρώπων ἄνωθεν πόθεν ἐξ ἀοράτων αἰώνων ἀπεσταλμένον, σωτήρια[5] διδάσκων μὴ ἄλλως δύνασθαί τινα καὶ αὐτῶν τῶν κοσμοποιῶν ἀγγέλων περιγενέσθαι, μὴ πρότερον διὰ τῆς πρὸς αὐτοὺς παραδεδομένης μαγικῆς ἐμπειρίας[6] ἀχθέντα, καὶ διὰ τοῦ δεδομένου παρ' αὐτοῦ[7] βαπτίσματος τούτους καταξιουμένους ἀθανασίας ὡς μηκέτι ἀποθνήσκειν.

περὶ Ἐβιοναίων.

Οὗτοι ταπεινὰ περὶ Χριστοῦ δοξάζουσι· ψιλὸν γὰρ αὐτὸν καὶ κοινὸν ἡγοῦνται ἄνθρωπον κατὰ προκοπὴν ἤθους δεδικαιωμένον, ἐξ ἀνδρός τε κοινωνίας καὶ τῆς Μαρίας γεγενῆσθαι. καὶ

1) съ҃ати *П.* 2) *cod.* ѧ *по скобл.* (*вм.* а҃?) грады *СП.* 3) токмо *П.* 4) вещьствоваша *П.* 5) крещена *П.*

1) cod. переправл. рукой XIV в. въ ѥтıс. 2) δὲ вставл. B_1 B_2. 3) γενομένου вставл. B_1; τοῦ γενομενου вставл. B_2. 4) cod. переправл. рук. XIV в. въ капоуарέтас. 5) σωτηρία B_1. 6) ἐπηρείας B_1 B_2. 7) παρὰ σαυτοῦ B_1.

вьсѧ же ересы се глѣютъ· и тъ коринѳьдь· и плододьржьць· тое же глютъ и съмꙑслѧтъ· тѣмь и ницыи именоуютьсѧ ѿ жидовъ· сице бо нарицаютьсѧ овионѣи· нъ искоушениемь бꙑти· чл҃вчьскꙑимь г҃а изьбрана изьбравъшисѧ· по изьбранию сп҃а бж҃иа наречена· съвъше | на нь пришьдъшю· х҃соу въ образѣ голоубинѣ· ти же ни дш҃евьнааго ꙗдать· прашаемь бо чьсо ради не ꙗсте· понеже рече о съвъкоупленіи и съмѣшении тѣлесе бꙑти имъ· и того ради не приемлемъ ѿ҃хъ·

л. 280 a.

о корьнѳьдѣ[1] отънюдоу же и кирьнѳьфиане·[2] именоуютьсѧ дроузии же глютъ написаніе ꙗко овионѣи есть·

Сь глѣютъ· ꙗко ѿкръвениемь велиꙗкꙑихъ ради а҃нглъ емоу[3] ꙗвленаꙗ· лъжа въводитъ г҃а· по въскрьсении земльноумоу бꙑти ц҃рьствоу[4] х҃соу· и пакъı похотьми и сластьми· въ иерс҃лмѣ по плъти жити· тъı-соущь лѣтъ· въ брацѣ праздьника хотать пр҃ѣлъıпати· глѣютъ бꙑти· рѣша же ꙗко с҃тъıи поликарпъ и мч҃никъ глѣютъ· ꙗко мъıющюсѧ

πᾶσαι δὲ αἱ αἱρέσεις τοῦτο λέγουσι· καὶ οὗτος ὁ[1] Κήρινθος[2] καὶ Καρποκράτης τὸ αὐτὸ λέγουσι καὶ φρονοῦσιν, ὅθεν καὶ πτωχοὶ ὀνομάζονται (καὶ γὰρ παρὰ τοῖς Ἑβραίοις τοῦτο[3] ὀνομάζεται ἐβιοναῖος). ἀλλὰ καὶ δο(л. 203ᵃ)κήσει γενέσθαι ἄνθρωπον τὸν κύριον καὶ ἐπιλεγέντα[4] ἐκλεκτὸν κατ' ἐκλογὴν υἱὸν θεοῦ κληθέντα ἀπὸ τοῦ ἄνωθεν εἰς αὐτὸν ἥκοντος Χριστοῦ ἐν εἴδει περιστερᾶς. οὗτοι δὲ οὐδὲ ἔμψυχον τρώγουσιν· ἐρωτώμενοι δὲ διά τί,[5] Ἐπειδή, φασίν,[6] ἐκ συνουσίας καὶ ἐπιμιξίας σωμάτων εἰσί,[7] καὶ διὰ τοῦτο οὐ μεταλαμβάνομεν αὐτῶν.

περὶ Κηρίνθου, ἀφ' οὗ καὶ Κηρινθιανοὶ ὀνομάζονται· ἄλλοι δὲ Ἐβιοναῖον καλοῦσιν.[8]

Οὗτος λέγει, ὡς δι' ἀποκαλύψεων μεγάλα[9] δι' ἀγγέλων[10] αὐτῷ δεδειγμένα ψευδόμενος· λέγει δὲ[11] μετὰ τὴν ἀνάστασιν ἐπίγειον εἶναι τὸ βασίλειον τοῦ Χριστοῦ· καὶ πάλιν ἐπιθυμίαις καὶ ἡδοναῖς τὴν Ἱερουσαλὴμ τὴν κατὰ σάρκα πολιτευομένην ἀριθμὸν χιλιονταετίας ἐν γάμῳ ἑορτῆς θέλων πλανᾶν λέγει γίνεσθαι· φασὶ δέ, ὅ τι καὶ ὁ ἅγιος Πολύκαρπος καὶ μάρτυς λέγει, ὅτι λουομένου

1) корьфѣ *C.* 2) кирне·фіане *П.* 3) да *вставл. C.* 4) цр҃ьствѣ *ПС.*

1) вм. ὁ, cod. καὶ написано по скобл., рукой XIV в. 2) Κόρινθος B_1 B_2. 3) τοῦτο γὰρ καὶ παρὰ τοῖς Ἑβραίοις B_1 B_2. 4) ἐπιλεχθέντα B_1 B_2. 5) οὐ τρώγετε вставл. B_1 B_2. 6) φυσιν B_1 B_2. 7) εἶναι αὐτὰ B_1 B_2 (вм. εἰσί). 8) λέγουσι συγγραφεῖς, ὅτι Ἐβιωναῖός ἐστιν B_1 B_2 (вм. Ἐβιωναῖον καλοῦσιν). 9) μεγάλων B_1 B_2. 10) δι' ἀγγέλων проп. B_1. 11) ἐπεισάγει λέγων B_1 B_2 (вм. λέγει δὲ).

нѣ[ко]гда[1] въ бани сто иѡана апла· и оувѣдѣвъше ѩко киринѣфъ мыкѣтьсѧ· искочивъ ѿ мѣста бѣжати· и оувѣщавъ иже[2] съ нимь· бѣжимъ гла да не баня падетьсѧ· вьноутрь соущю киринѣфоу истиньноумоу врагоу· и приметь вьсѧ· рѣша же съ мѧтежь съдѣлавъ·[3] когда о иаковѣ написаша въ антиохии посълание ѩко ѿ насъ изидоша съмоущающе вы· тъи же осоужаше и петрови о корьнили· инъгда же и на павьла· повиньнъ мѧтежа въ цркви бъıсть· въ иерслмѣ когда остризаашесѧ· и ха же глѣть распата бъıти оубо никако же въскрьсъша· хотѣти же въскрьсноути· когда и вьсѣхъ боудеть въскрьсение·

о саторьнинѣ·

Саторьнинъ· съ антиохово по | вьсемоу менандра бъıвъшаго оученика· симона въльхва съмъıслıше·

о плододьржьци·

Сь[4] плододьржьць· разоумьнаго нарече оца· и глѣть ѩвѣ въльшьства· ѩко великъıими

ποτὲ[1] ἐν βαλανείῳ[2] τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ ἀποστόλου καὶ μαθόντος ὅτι Κήρινθος λούεται, ἀποπηδήσαντα[3] ἐκφυγεῖν καὶ παραινέσαι τοῖς[4] μετ' αὐτοῦ, Φύγωμεν λέγοντα[5] μὴ καὶ τὸ βαλανεῖον συμπέσῃ ἔνδον ὄντος Κηρίνθου τοῦ τῆς ἀληθείας ἐχθροῦ καὶ λάβῃ τοὺς πάντας. φασὶ δέ, ὅτι[6] οὗτος ἦν ὁ[7] τὴν ταραχὴν ἐργασάμενος, ὅτε οἱ περὶ Ἰάκωβον γεγράφασιν εἰς Ἀντιόχειαν ἐπιστολὴν ὅτι, Ἐξ ἡμῶν ἐξῆλθον ταράσσοντες ὑμᾶς. ὁ αὐτὸς δὲ καὶ τῷ Πέτρῳ διεκρίνετο περὶ[8] Κορνηλίου, ἀλλὰ[9] καὶ κατὰ Παύλου αἴτιος τῆς ταραχῆς τοῦ ἱεροῦ γέγονεν[10] ἐν Ἱεροσολύμοις, ὅτε ἐκείρατο· καὶ τὸν Χριστὸν[11] λέγει σταυρωθῆναι μέν, μήπω δὲ ἐγηγέρθαι, μέλλειν δὲ ἀνίστασθαι, ὅτε καὶ ἡ καθόλου γίνεται ἀνάστασις.

περὶ Σατορνίνου.

Σατορνῖνος οὗτος ὁ Ἀντιόχου[12] κατὰ πάντα ἶσα[13] Μενάνδρῳ τῷ γενομένῳ μαθητῇ[14] τοῦ Σίμωνος τοῦ μάγου ἐφρόνησεν. л. 280 b.

περὶ Καρποκράτους.

Οὗτος ὁ Καρποκράτης τὸν γνωστικὸν ἐπικέκληται πατέρα. καὶ λέγει φανερῶς τὰς μαγείας ὡς ἐπὶ μεγάλοις

---

1) *исправл. по П.* 2) же *П.* 3) съдѣлавъ *О.* 4) є *П.*

1) ποτὲ λουομένου B_1 B_2. 2) βαλανείου B_1. 3) ἀποπηδήσας τοῦ τόπου B_1 B_2 (вм. ἀποπηδήσαντα). 4) τοὺς B_1 B_2. 5) λέγων B_1 B_2. 6) ὅτι проп. B_1 B_2. 7) ἦν ὁ проп. B_1 B_2. 8) τοῦ вставл. B_1 B_2. 9) ἄλλοτε B_1 B_2. 10) γεγονέναι B_1 B_2. 11) δὲ вставл. B_1 B_2. 12) cod. передѣлано рук. XIV в. въ Ἀντιοχεὺς 13) ἶσα проп. B_1 B_2. 14) Μενάνδρου τοῦ γενομένου μαθητοῦ B_1 B_2.

чистѧсѧ· и прѣльсти на любьзнъııхъ бъıвающаѧ· прѣдъ людьми исповѣдати и оучити лъстьно и неѿлоучено всякомоу самодѣıствоу· и беззаконьномоу дѣıнию· съвѣщаѧ[1] съвьршати· глѣıть бо и сереченъıи скверньıи неподобьıи· плододьржьць· ıако аще не съвьршитъ къто· волѧ вьсѣхъ бѣсъ[2] и англъ· не можетъ ѿноудъ[3] прѣвъзити на въıшьııе нбо· ни началъ ни в[л]астии прѣити и тако съ гмь[4] съвъкоуплениемь бъıтї·

о маръцѣ неподобьıѣмь· зълосъмъıсльıѣмь·[5] еретикомъ начальници и съѣдиномъıсльıъııхъ емоу словесьıъııхъ·

Ѳи чьртогъ оустрашаютъ· и таиносвѣщение съвьршаютъ· съ нечистотами нѣкъıими· съвьршающемъ· и дховьныи бракъ глаютъ бъıти· ѿ ниıхъ бъıвающее· и приносяще водоу и крьстяще сице прѣрѣкаютъ· въ има незнаемаго оца вьсѣхъ· въ истиноу мтрь вьсѣхъ· въ шьдъшаго ісса и жидовьскаѧ имена· прирѣкаютъ на оудивление паче съвьршающимъ·

σεμνυνόμενος, καὶ τὰς περιεργίας τὰς ἐπὶ φίλτροις γινομένας δημοσίᾳ ἐξαγγέλλει,[1] καὶ διδάσκει[2] ὑπούλως[3] καὶ ἀνυποστόλως πᾶσαν αἰσχρουργίαν καὶ παράνομον πρᾶξιν συμβουλεύων ἐπιτελεῖν· λέγει δὲ καὶ τοῦτο ὁ εἰρημένος βέβηλος καὶ ἀνόσιος Καρποκράτης, ὅτι ἐὰν μή τις[4] ἐκτελέσῃ τὸ θέλημα πάντων[5] τῶν δαιμόνων καὶ τῶν ἀγγέλων, οὐ δύναται ὅλως ὑπερβῆναι εἰς τὸν ἀνώτατον οὐρανόν, οὐδὲ τὰς ἀρχὰς καὶ τὰς ἐξουσίας παρελθεῖν· καὶ[6] τὸν κύριον ἐκ συνουσιασμοῦ φησι[7] καὶ οὗτος[8] γεγενῆσθαι.

περὶ Μάρκου ἀνοσίου τοῦ[9] κακόφρονος καὶ αἱρεσιάρχου καὶ τῶν ὁμοφρόνων αὐτῷ[10] συσχόλων.[11]

(л. 203[b]) Οὗτοι νυμφῶνα κατασκευάζουσι καὶ μυσταγωγίαν ἐπιτελοῦσι μετ' ἐπιῤῥήσεών τινων ἐπιτελουμένων· καὶ πνευματικὸν γάμον φάσκουσιν εἶναι τὸ ὑπ' αὐτῶν γινόμενον· καὶ ἄγουσιν ὕδωρ καὶ βαπτίζοντες οὕτως ἐπιλέγουσιν· Εἰς τὸ ὄνομα τοῦ ἀγνώστου πατρὸς τῶν ὅλων, εἰς ἀλήθειαν μητέρα τῶν πάντων, εἰς τὸν κατελθόντα[12] Ἰησοῦν. καὶ ἑβραϊκὰ δὲ ὀνόματα ἐπιλέγουσι πρὸς τὸ μᾶλλον καταπλῆξαι τοὺς τελουμένους.

---

1) съвьршаѧ *C.* 2) вѣсъ *прот. C.* 3) ѿнѣдѧ *П.* 4) глѣмь *C.* 5) злъмъıслемь *П.*

1) ἐξαγγέλλειν B_1 B_2. 2) διδάσκειν B_1 B_2. 3) cod. передѣлано рук. XIV в. въ ἀνυπούλως. 4) φησὶ вставл. B_1 B_2. 5) ἁπάντων B_1 B_2. 6) οὗτος δὲ вставл. B_1 B_2. 7) λέγει B_1 B_2. 8) καὶ οὗτος проп. B_1 B_2. 9) τοῦ ἀνοσίου B_1 B_2. 10) αὐτοῦ B_1 B_2. 11) συσχόλων проп. B_1 B_1. 12) εἰς τὸν вставл. B_1 B_2.

о апелии·

Апелии оученикъ велѣнии· маркионовъ бѣ сь· прр҃чьства ѿ противьнаго глѣть дх҃а· повинѹющесѧ вѣцании· дѣвичааго вѣса· киже[1] и|ма любимаѧ· ничьсомоу же ѿноудъ·[2] въистинѹ реченоу быти· и многа нечьстиваѧ· на законъ же мосѣовъ[3] на прр҃кы·

ѡ феодотѣ оусъмари·

Того деодота рекоша· самоусатѣискааго ересѣ начальника и оц҃а быти· прѣже рекъша х҃са проста члв҃ка· иже ѿ виктора еп҃па и мч҃ника· и обыцениѧ ѿлоученъ бысть· павьлъ же самосатѣискыи· оученикъ того бывъ· въсхотѣ обновити ересоу тоу· иже и растворенъ бысть ѿ събора· рѣша же анатолию исповѣдьникоу прѣльститисѧ· ѿ асклипъиндота·[4] и дроугааго деодота нѣкоего трапезьника· и оученикоу соущю деодота оусъмарѧ· прѣпираста же си· исповѣдьника анаталиѧ· еп҃поу быти тоѧ ересы· ако приати емоу ѿ[5] нихъ мѣсачьноѥ· пѣнязь· р҃· и· н҃· бывъшю же емоу съ ними· мъного въ ⟨съ⟩нѣ г҃ѣ оучаше и· паче ако и

περὶ Ἀπελλῆ.

Ἀπελλῆς μαθητὴς τῶν δογμάτων Μαρκίωνος γέγονεν. οὗτος τὰς προφητείας ἐξ ἀντικειμένου λέγει πνεύματος, πειθομένου[1] ἀποφθέγμασι παρθένου[2] δαίμονος,[3] ἣ[4] ὄνομα Φιλουμένη, μηδὲν δὲ ὅλως ἀληθὲς εἰρηκέναι καὶ πολλὰ ἀσεβῆ κατά τε τοῦ νόμου Μωσέως[5] καὶ τῶν προφητῶν. л. 281 a.

περὶ Θεοδότου τοῦ σκυτέως.

Τοῦτον τὸν Θεόδοτον φασὶ τῆς τοῦ Σαμοσατέως αἱρέσεως ἀρχηγὸν καὶ πατέρα γενέσθαι, πρῶτον εἰπόντα τὸν Χριστὸν ψιλὸν ἄνθρωπον, ὃς καὶ ἀπὸ Βίκτορος ἐπίσκοπου[6] καὶ μάρτυρος ἀπὸ κοινωνίας ἐγένετο. Παῦλος δὲ ὁ Σαμοσατεὺς[7] μαθητὴς τούτου γενόμενος ἠθέλησεν ἀνανεῶσαι ταύτην τὴν αἵρεσιν, ὅστις καὶ καθῃρέθη ἀπὸ συνόδου· φασὶ δὲ Ἀνατόλιον τὸν ὁμολογητὴν ἀπατηθῆναι ὑπὸ Ἀσκληπιοδότου καὶ ἑτέρου Θεοδότου τινὸς τραπεζίτου, μαθητῶν ὄντων Θεοδότου τοῦ σκυτέως· ἀνέπειθον δὲ οὗτοι τὸν ὁμολογητὴν Ἀνατόλιον ἐπίσκοπον γενέσθαι ταύτης τῆς αἱρέσεως, ὥστε λαβεῖν[8] αὐτὸν παρ' αὐτῶν μναῖα[9] δηνάρια ρν'. γενομένου οὖν σὺν αὐτοῖς, πολλὰ δι' ὁραμάτων[10] ὁ κύριος ἐνουθέτει αὐτόν, μάλιστα ὅτι καὶ

1) неже *C.* 2) ѿноудѕ *II.* 3) монѣсовъ *C.* 4) асклипъиндота *II.* 5) ѿ *прот. C.*

1) πειθομένων B_1 B_2. 2) καὶ вставл. B_1 B_2. 3) cod. переправл. рукой XIV в. въ πειθόμενος.... δαιμονώσης. 4) ἧς B_1 B_2. 5) Μωυσέως B_1 B_2. 6) cod. вставл. рук. XIV в. ρώμης. 7) Σαμοσατὲς B_1. 8) cod. рук. XIV в. переправл. въ λαβάνειν. 9) μηνιαῖα cod. потому, что рукой XIV в. вставл. ι. 10) ὀνειράτων B_1 B_2.

мѵ̑нкъ вѣ· понѣже оубо непокоривъ вѣ· и ѿ анг̑ла бѣнѣнъ бысть ноцию· ꙗко ꙁаоустра [1] въстати немоу· и обълакъсѧ [2] въ врѣтище· и по-
5 пелъмь посыпавъсѧ· [3] и многы сльꙁы принесъ· и клиросоу и простьцемъ· и показавъ си едва приатъ бысть озофиръмь еп̑омь· [4]

о елесаитѣхъ·

10 Си ѿмещють нѣкаѩ· ѿ вьсѧкого бж̑ьствьнааго писанига· приемлють же ꙗвленаѩ пакы· ѿ ветъхаго же и новаго· апл̑ъ вьсь ѿмѣтають· ѥще же глють· и ѥже ѿврѣ-
15 цисѧ нераꙁличьно быти· раꙁоумѣвъи бо оустъı [5] ноуждею ѿвьржеть|сѧ· ср̑дьцемь же· ни [6] кънигы [7] же нѣкъıѩ произносѧ· съ нб̑се съпадъша· гл̑юща и слъıшавъшааго·
20 оставлениѥ приати грѣховъ· дроугоѥ же оставлениѥ рѣша· ѿ негоже і̑съ х̑съ и б̑ъ нашь остави·

о непотѣ· [8]

Сь вѣ еп̑ъ въ егу̑птѣ·
25 ноудейскаѩ ѿвѣщанаѩ с̑тъıимь бж̑ьствьнъıимь писаниемь· обѣщанига ѿдати оуча· и нѣкоую тъıсѧщю лѣтъ· пища тѣлесънъıѩ на соусѣи [9] се бъıти

μάρτυς ἦν. ἐπεὶ οὖν ἀδιόρθωτος ἦν, ὑπὸ ἀγγέλου [1] ἐμαστιγώθη νυκτός, ὥστε ἑωθεν ἀναστῆναι καὶ ἐνδυσάμενος [2] σάκκον καὶ σποδὸν καταπασσάμενος [3] καὶ πολλὰ δάκρυα προσενεγκάμενος [4] τῷ κλήρῳ καὶ τοῖς λαϊκοῖς καὶ δείξας τοὺς μώλωπας, μόλις ἐδέχθη παρὰ Ζεφυρίου ἐπισκόπου. [5]

περὶ Ἐλεσαϊτῶν.

Οὗτοι ἀθετοῦσι τινὰ ἀπὸ πάσης τῆς θείας [6] γραφῆς· κέχρηνται δὲ ῥητοῖς [7] πάλιν ἀπό τε Παλαιᾶς καὶ Νέας· τὸν Ἀπόστολον τέλεον [8] ἀθετοῦσιν· ἔτι [9] λέγουσι καὶ τὸ ἀρνεῖσθαι ἀδιάφορον εἶναι· καὶ ὁ μὲν νοήσας τῷ στόματι [10] ἀνάγκαις [11] ἀρνήσεται, τῇ δὲ καρδίᾳ οὐχί· βίβλον δέ τινα προφέρουσιν, ἐξ οὐρανοῦ καταπεπτωκέναι λέγοντες καὶ τὸν ἀκηκοότα ἐκείνης καὶ πιστεύοντα ἄφεσιν λήψεσθαι τῶν ἁμαρτημάτων· ἄλλην δὲ ἄφεσιν φασὶν ἐαθῆναι, παρ' ἣν Ἰησοῦς ὁ Χριστὸς καὶ [12] θεὸς ἡμῶν ἀφῆκεν.

περὶ Νέπωτος.

Οὗτος ἦν ἐπίσκοπος τῶν κατ' Αἴγυπτον, ἰουδαϊκώτερον τὰς ἐπηγγελμένας τοῖς ἁγίοις ἐν ταῖς θείαις γραφαῖς ἐπαγγελίας ἀποδοθήσεσθαι διδά-(л. 204ª)σκων καί τινα χιλιάδα ἐτῶν τροφῆς σωματικῆς ἐπὶ τῆς ξηρᾶς ταύτης ἔσεσθαι

1) ꙗзвтра *C.* 2) wклъсѧ *C.* 3) посыпавжа *C.* 4) епископомъ *П.* 5) Сстн *C.* 6) нъ *C.* 7) книгѣ *П;* конкы *C.* 8) *cod. это заглавіе in m.* 9) їсѣи *П.*

1) ἀγγέλων B_1 B_2. 2) ἐνδυσάμενον B_1 B_2. 3) καταπασάμενον B_1 B_2. 4) προσενεγκάμενον B_1 B_2; καὶ вставл. B_1 B_2. 5) ἐδέξατο αὐτὸν Ζέφυρος ὁ ἐπίσκοπος B_1 B_2 (вм. ἐδέχθη παρὰ Ζεφυρίου ἐπισκόπου). 6) τῆς θείας проп. B_2, но отмѣчаетъ пропускъ крестикомъ. 7) ῥητοῖς проп. B_1 B_2. 8) τέλεον проп. B_1; τέλειον B_2. 9) δὲ вставл. B_1 B_2. 10) ἐν вставл. cod. рук. XIV в. 11) ἄναγκες B_1 B_2. 12) ὁ B_1 B_2.

полагаѧ· съставити хотѧ оукоризноу своего ср̃дцѧ· ѿ нѣѭнова ѿкрѣвенига·

о пелагіи и келестинѣ·

Сь кдиномꙑсльника· несторіа соуѥмоудраго бꙑста· понѣже и въ съборѣ ефесьскѣмь· много о[1] нѥю рѣша зѣла· ꙗко хотѧщема несторіа зѣлочьстивааго· пелагиѥво и келестиново обновити велѣніѥ· приносить же сѧ о нѥю· ꙗко о ѳеофилѣ· еп̃ѣ александрьскѣмь· и при инокентіи римьскѣмь· си бꙑста[2] на цр̃квь· и многꙑ[3] подвигꙑ на нѧ въздвигоста· прѣжереченаго наставьника·[4] и написаниѥмь осоужена бꙑста· си оубо дъва еретика· пелагіи и келестинъ рѣша· ни еп̃па ни клирика· ни ѿноудъ[5] чистителъскааго чина соуща· нъ[6] ꙗко[7] миниха соуща обьходѧща· и съвѣщавъшеѧ на истиноу нъ и нечьстивꙑихъ[8] манехиѧнъ моудрьствоующе· си оубо вьси приходѧще къ ст̃ѣи вѫжи[9] съборьнѣи ап̃льстѣи цр̃кви· великааго и ст̃го[10] и спсьнаго крьщенига трѣвоужтъ·

| есть же ина креса· мелхиседекиѧнъ·[11]

Мелхиседекиѧне соуть· нꙑнѣ наречеми неприкосньници·[12] си

ὑποτιθέμενος,[1] συστῆσαι θέλων τὴν χλεύην τῆς ἑαυτοῦ καρδίας ἐκ τῆς Ἰωάννου Ἀποκαλύψεως.

περὶ Πελαγίου καὶ Κελεστίνου.

Οὗτοι ὁμόφρονες Νεστορίου τοῦ ματαιόφρονος γεγόνασιν, ἐπειδὴ καὶ ἐν τῇ συνόδῳ τῇ κατ' Ἔφεσον πολλὰ περὶ αὐτῶν εἶπον κακά, ὡς θέλοντος[2] Νεστορίου τοῦ δυσσεβοῦς τὸ[3] τοῦ Πελαγίου καὶ Κελεστίνου ἀνανεῶσαι δόγμα. φέρεται δὲ περὶ αὐτῶν, ὅτι ἐπὶ[4] Θεοφίλου ἐπισκόπου Ἀλεξανδρείας καὶ Ἰνοκεντίου Ῥώμης οὗτοι[5] ἐπανέστησαν τῇ ἐκκλησίᾳ καὶ πολλοὺς ἀγῶνας κατ' αὐτῶν ἐκίνησαν οἱ προλεχθέντες πρόεδροι, καὶ ἐγγράφως κατεκρίθησαν. οὗτοι οὖν οἱ δύο αἱρετικοὶ Πελάγιος καὶ Κελεστῖνος, ὥς[6] φασιν, οὔτε ἐπίσκοποι οὔτε κληρικοὶ οὔτε ὅλως ἱερατικοῦ τάγματος ὄντες, ἀλλ' ὡσανεὶ μονάζοντες περιῒόντες[7] καὶ συμφωνήσαντες κατὰ τῆς ἀληθείας, ἀλλὰ καὶ τὰ τῶν δυσσεβῶν Μανιχαίων φρονοῦντες.

Οὗτοι οὖν ἅπαντες προσερχόμενοι τῇ ἁγίᾳ τοῦ θεοῦ καθολικῇ καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησίᾳ[8] τοῦ ἁγίου καὶ σωτηριώδους βαπτίσματος χρῄζουσιν.

ἔστι[9] καὶ ἄλλη αἵρεσις τῶν[10] Μελχισεδεκιτῶν. л. 282 a.

Μελχισεδεκῖται εἰσὶν οἱ νῦν προσαγορευόμενοι Ἀθίγγανοι. οὗτοι

---

1) ѿ *C.* 2) съста *C.* 3) многыи *П.* 4) наставникы *П.* 5) ѿнъдѣ *П.* 6) нъ *проп. C.* 7) ꙗко *вставл. C.* 8) честивыи *C.* 9) и *вставл. ПС.* 10) и *проп. C.* 11) мелхисекнанъ *C.* 12) неприкосньсници *C.*

1) ὑποθέμενος B_1 B_2. 2) θελόντων B_1 B_2. 3) τὸ проп. B_1 B_2. 4) καὶ B_1 B_2. 5) καὶ вставл. B_2. 6) ὡς проп. B_1 B_2. 7) περιόντες B_1 B_2. 8) μεγάλη вставл. B_1 B_2. 9) δὲ вставл. B_1 B_2. 10) τῶν проп. B_1 B_2.

мелхиседека хвалать· ѿ негоже и тѣзоименитьство приша соуть жь при фригии· ни жидове же соуть· ни ѩзычьнии·[1] мьнать бо соуботоу хранити плъть же обрѣзати· сии ни[2] единомоу же ѿ чл҃вкъ прикасатиса хотать· нъ аще и къто дасть имъ хлѣбъ· или водоу или къи образъ· не прикмлють ѿ роукъ инѣхъ възати· нъ молатьса въдающемъ имъ· положити долѣ образъ· и тако сами приходяще въземлють и· тако же аще и[3] сами инѣмъ подати хотяще·[4] тѣмь оубо образъмь· неприкосньникъı и наричють·[5] зане не хотѣти имъ прикосноутиса имъ кого· тѣмь и ти приходяще къ с҃тѣи[6] бж҃ии цр҃кви· потрѣбоу имоуть сп҃сьнаго крьщениа·

о приходящихъ ѿ ересъı· къ съборьнѣи цр҃кви· и мажющихъса·[7] и мажющен же са с҃тъıимь мѵ̈ромь·

четвьртонадесатьници·

Сии въ четвьртъıи на десате лоунъı дн҃ь· сп҃са нашего і҃с х҃а·[8] въскрьсение праздноують· въ ньже аще постигнеть· въ понедѣльникъ· или въ въторьникъ· или въ срѣдоу настаи· славать же иѡ҃ана апла·

τὸν Μελχισεδὲκ αὐχοῦσιν,[1] ἐξ οὗ καὶ τὴν ἐπωνυμίαν εἰλήφασιν· εἰσὶ δὲ περὶ τὴν Φρυγίαν, οὔτε δὲ Ἑβραῖοι οὔτε ἐθνικοί εἰσι· δοκοῦσι γὰρ τὸ μὲν σάββατον φυλάττειν, τὴν δὲ σάρκα[2] περιτέμνεσθαι. οὗτοι οὐδενὸς[3] ἀνθρώπων ἅπτεσθαι ἀνέχονται, ἀλλὰ κἂν δῷ αὐτοῖς ἄρτον ἢ ὕδωρ ἢ ἑτερόν τι εἶδός, οὐκ ἀνέχονται ἀπὸ χειρῶν ἑτέρων λαβεῖν, ἀλλὰ παρακαλοῦσι τὸν ἐπιδιδόντα[4] αὐτοῖς θεῖναι χαμαὶ τὰ εἴδη καὶ οὕτως αὐτοὶ προσερχόμενοι αἴρουσιν αὐτά· ὁμοίως κἂν αὐτοὶ ἑτέροις μεταδιδῶσι.[5] τούτῳ οὖν τῷ τρόπῳ ἀθιγγάνους αὐτοὺς καλοῦσι διὰ τὸ μὴ ἀνέχεσθαι αὐτοὺς προσψαύειν τινός· ὅθεν καὶ οὗτοι προσερχόμενοι[6] τῇ ἁγίᾳ τοῦ θεοῦ ἐκκλησίᾳ χρείαν ἔχουσι τοῦ σωτηριώδους βαπτίσματος.

Περὶ τῶν ἀπὸ αἱρέσεων προσερχομένων τῇ καθολικῇ ἐκκλησίᾳ καὶ χριομένων.[7]

οἱ δὲ χριόμενοι τῷ ἁγίῳ μύρῳ·

Τεσσαρεσκαιδεκατῖται.

Οὗτοι τῇ τεσσαρεσκαιδεκάτῃ τῆς σελήνης ἡμέρᾳ τὴν τοῦ σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ[8] Χριστοῦ ἀνάστασιν ἑορτάζουσιν, ἐν οἵᾳ δ' ἂν[9] φθάσῃ δευτέρᾳ ἢ τρίτῃ ἢ τετράδι ἐμπίπτουσα. ἐπιφημίζουσι δὲ Ἰωάννου τοῦ ἀποστόλου

1) ѩзычни *II.* 2) ни *C.* 3) и *пропущ. C.* 4) ходяще *C.* 5) наричетъ *II.* 6) с҃тѣ *C.* 7) мажющинихъса *C.* 8) і҃ха *cod.*

1) καυχῶνται B_1 B_2. 2) μὴ вставл. cod. рук. XIV в. 3) οὐδὲ ἕνα B_1 B_2. 4) τοῦ ἐπιδιδόντος B_1 B_2. 5) μεταδίδωσιν B_1 B_2. 6) προσευχόμενοι B_1 B_2, a in m. προσερχόμενοι. 7) cod. B_1 B_2 это заглавіе in m. 8) Ἰησοῦ проп. B_1 B_2. 9) ἡμέρᾳ вставл. cod. рукой XIV в.

бъıти прѣданію томоу· съмѣшаютъ же съ навътовъı[1] оученикъı· въ тъı[2] бо дн҃и покаанїе оу҃карають· приемлютъ же и цюжам· кънигъı обиходъı нѣкъıа· апл҃ъскъıа носаще· | и дѣанїа инѣ починають[3] паче правилънъıихъ·

л. 282 b.

наватиане рекъше соуботъници·

Наватъ сь· прозвитеръ бѣ римьскъıа цр҃кве·[4] понеже оубо врѣмя гоненїа· съключисѧ нѣкъıимъ вѣрънъıимъ· не търпѧщемъ моукъı[5] прѣгрѣшити посемь гонению миноувъшю и съгрѣшьшемъ· съ сльзами молѧщемъсѧ[6] пастъıремъ цр҃къвьнъıимъ· подати имъ врѣмя покаанїа· и врачеванїа полоучити· разгнѣвавъсѧ наватъ· не прїатъ нъ противоу глаше бе стоуда· не дати прѣгрѣшьшинимъ[7] роукъı глѧ· нъ лежати паче въ паденїи· егоже облічааховоу врѣмя вѣдъı· и самомоу ѿврѣщисѧ чистителъскааго сана· епп҃и же прѣгрѣшьшаа· подобнъıими троудъı и лѣтъı· спсънъıимь покаанїемь сътѧжаша· того же навата· прѣбъıвъша въ твьрдости[8] възвъıшенїа· ѿлоучиша цр҃кве· онъ же въ нѣкоемь мѣстѣ необрѣтомь оуставъсѧ· три епп҃ъı старьцѧ·

Ναυατιανοί[4] ἤτοι Σαββατιανοί.

Ναυᾶτος οὗτος πρεσβύτερος γέγονε τῆς Ῥωμαίων ἐκκλησίας. ἐπεὶ οὖν ἐν καιρῷ τοῦ διωγμοῦ συμβέβηκέ τινας τῶν πιστῶν μὴ φέροντας τὰς βασάνους καταπεσεῖν, εἶτα τοῦ διωγμοῦ ὑπενδόντος καὶ τῶν παραπεπτωκότων τοὺς ποιμένας τῆς ἐκκλησίας μετὰ δακρύων ἱκετευόντων δοθῆναι αὐτοῖς καιρὸν μετανοίας καὶ ἰατρείας τυχεῖν, τυφωθεὶς ὁ Ναυᾶτος οὐ προσεδέξατο, ἀλλ' ἀντέλεγεν ἀναιδῶς μὴ δεῖν[5] τοῖς πεπτωκόσι δοῦναι χεῖρα,[6] ἀλλὰ κεῖσθαι μᾶλλον ἐν τῷ πτώματι· ὃν ἤλεγχον[7] ἐν τῷ καιρῷ τῶν κινδύνων καὶ αὐτὸν ἀρνήσασθαι τὸ τῆς ἱερωσύνης ἀξίωμα. οἱ δὲ ἐπίσκοποι τοὺς παραπεσόντας τοῖς ἁρμοδίοις πόνοις καὶ χρόνοις διὰ τῆς σωτηριώδους μετανοίας ἀνεκτήσαντο, τοῦτον δὲ τὸν Ναυᾶτον ἐπιμείναντα τῷ τύφῳ τῆς ἐπάρσεως ἐξέκοψαν τῆς ἐκκλησίας. ὁ δὲ εἴς τινα τόπον δυσεύρετον λαθὼν τρεῖς τῶν ἐπισκόπων γέροντας ἐφέλκεται,

1) навътова *II*; нанавътовы *C*. 2) тои *C*. 3) почитаютъ *II*; понаютъ *C*. 4) миньскыа *C*. 5) мѣкъ *C*. 6) молѧщимсѧ *II*. 7) прѣгрѣшьшимь *II*. 8) гордости *II*.

1) Ναύτου B_1. 2) τοὺς B_1. 3) κανονισμένας B_1 B_2. 4) Ναυτιανοί B_1. 5) μηδὲν B_1 B_2 (вм. μὴ δεῖν). 6) λέγων встав. B_1 B_2. 7) ἤλεγον B_1.

приведе и сихъ прѣльстивъ· ноужде ю положити роукы на нємь положиша и призъваша[1] и навата єпа·[2] иже призъвани ѿ цр҃кве· ѿ навата положе-
5 нъша имъ ноужа повѣдаахоу· онъ же прѣвъзнесъсѧ ꙗко же възможе подобьнъихъ ємоу· несъмъысльнъ[3] прѣльстити·[4] чистъı нарече· того же єдиномъысльници· и вътороую же-
10 нитвоу възбраниша· ѿ того оубо възниче савватии нѣкъто· тоѫ же весѣдъı прозвѹ́теръ· иже прѣже ѥго
л. 283 а. наставьника· соу|тьнѣишиимь прѣспѣ тъцегласиємь· съ людеи праздь-
15 ноуѧ страсть гн҃ю· и бл҃гдть[5] имѣıа съ гн҃ами[6] оубиицами· ѿноудю[7] же съ ними· оубиистьва съпраздьноуѥть разоумъ·

ариани́е· ѿ ариа·

20 Ѡ арии· александрьскъıа цр҃кве бъıсть прозвитеръ· разлоучениє· сиѧ ѿ оц҃а оучаше· иного ѥстьства оц҃а· и дроугаго ѥстьства сиѧ славать· и лѣтъı раздѣлıа·
25 єдино бж҃ьства и соущьства· нъ и о насъ гн҃е съмотрениє хоулить бездоушьноу гл҃а гн҃ю плъть· и страсть и матежь· бж҃ьствоу въ дш҃а мѣсто прѣтърпѣти· сиѧ же и ѭєтии· и евъдокъсии· и

καὶ τούτους δελεάσας ἀνάγκῃ ἐπιθεῖναι τὰς χεῖρας αὐτῷ, ἐπέθηκαν καὶ ἐκάλεσαν[1] αὐτὸν Ναυᾶτον ἐπίσκοπον. οἵτινες ἐγκληθέντες ὑπὸ τῆς ἐκκλησίας, τὴν παρὰ Ναυάτου ἐπιτεθεῖσαν αὐτοῖς βίαν προσήγγειλαν· ὁ δὲ τυφωθεὶς ἐπὶ πλεῖον τῷ ἀξιώματι, ὡς[2] ἠδυνήθη τινὰς[3] τῶν ὁμοίων αὐτῷ ἀφρόνων δελεάσαι, καθαροὺς ὠνόμασεν· οἱ δὲ τούτου ὁμόφρονες καὶ τὸν δεύτερον γάμον ἐκώλυσαν. ἐκ τούτου οὖν[4] ἀνεφύη Σαββάτιός τις τῆς λέσχης ταύτης πρεσβύτερος, ὃς τὸν πρὸ αὐτοῦ καθηγητὴν ματαιοτέραις ἠκόντισε[5] καινοφωνίαις,[6] Ἰουδαίοις[7] συνεορτάζων τὸ πάθος τοῦ κυρίου καὶ χάριν ἔχων τοῖς κυριοκτόνοις, ἀφ' ὧν αὐτοῖς τὴν τοῦ φόνου συμπανηγυρίζει συνέλευσιν.[8]

Ἀρειανοὶ ἀπὸ Ἀρείου.

Οὗτος ὁ Ἄρειος τῆς Ἀλεξανδρέων ἐκκλησίας[9] γέγονε πρεσβύτερος, ὑπόβασιν τοῦ υἱοῦ ἀπὸ τοῦ[10] πατρὸς διδάσκων, ἑτέρας φύσεως τὸν πατέρα καὶ ἑτέρας τὸν υἱὸν ἐπιφημίζων καὶ χρόνοις διαιρῶν τὴν μίαν τῆς θεότητος οὐσίαν· ἀλλὰ καὶ τὴν ὑπὲρ ἡμῶν τοῦ κυρίου οἰκονομίαν βλασφημεῖ, ἄψυχον λέγων τοῦ κυρίου τὴν σάρκα καὶ τὸ πάθος καὶ τὴν ταραχὴν τὴν θεότητα ἀντὶ τῆς ψυχῆς ὑπομεῖναι· ταῦτα δὲ καὶ Ἀέτιος καὶ Εὐδόξιος καὶ

1) прѹзваша *П.* 2) епископа *П.* 3) несмысло *П.* 4) прѣстити *С.* 5) бл҃годать *С.* 6) о҃гнами *С.* 7) ѿнѣдѧ *П*; ѿнюдѧ *С.*

1) τὸν вставл. cod. рук. XIV в. 2) ὅσους B_1 B_2. 3) τινὰς проп. B_1 B_2. 4) οὖν проп. B_1 B_2. 5) ὑπερηκόντισε B_1 B_2 (и cod. рук. XIV в. добавл. ὑπερ). 6) κενοφωνίαις B_1 B_2. 7) Ἰουδαῖοι B_1. 8) σύνεσιν B_1 B_2. 9) ἐκκλησίας проп. B_1 B_2. 10) τοῦ проп. B_1 B_2.

авъксентии· и въвалии·[1] моудрьствовавъше· иже бѣша е҃пп҃и западьнии·

македониане· рекъше дх҃оборьци·

Си[2] блаженаго павьла исповѣдьника· е҃пп҃а костантина града· издриноувъше ѿ степене цр҃къвьнааго· изгънаша въ армению· и поставиша въ того[3] мѣсто македония дх҃оборьцѧ· единого ѿ поповъ павьловъ· иже съзьданиѥ и раба с҃тыи дх҃а· оучаше[4] покаряющимъсѧ емоу· тѣмь образъмь възненавидѣнъ бывъ· и изгънанъ бывъ тъгда· ѿ съборьнъıѣ цр҃кве· паче прѣложениѧ[5] ради костии· блаженааго костантина вѣрьнааго· тъ македонии·[6] областию наслажениѥ дх҃а глѣють· и мьньша оц҃ѧ· и бж҃ьствьнааго естьства· ѿлоучена·

аполинариане·

Аполинарии сѹ̀ринъ· безоумьна х҃а реци дьрьзнѣ | въ оума бо мѣсто рече· бѣ въ нѥмь б҃ъ слово· и того ради рече подобаѥть· едино естьство о бж҃иѥ слова· и пакы исповѣдати· и пакы оц҃ю отьчьскы[7] бъıтиснѹ же сн҃овьскы[8] оц҃ю· тако же и на дх҃а· на нѥжь оубо единъ б҃ъ троицѧ· не тъкъмо же нъ и

Αὐξέντιος καὶ Οὐάλης ἐφρόνησαν, οἵτινες ἦσαν ἐπίσκοποι τῆς Δύσεως.

Μακεδονιανοὶ ἤτοι Πνευματομάχοι.

(л. 205ᵃ) Οὗτοι τὸν μακάριον Παῦλον τὸν ὁμολογητὴν ἐπίσκοπον Κωνσταντινουπόλεως ἐξωθήσαντες τοῦ βήματος τῆς ἐκκλησίας ἐξορίζουσιν εἰς Ἀρμενίαν καὶ καθιστῶσιν ἀντ' αὐτοῦ Μακεδόνιον τὸν πνευματομάχον, ἕνα τῶν Παύλου πρεσβυτέρων, ὃς κτίσμα καὶ δοῦλον τὸ ἅγιον πνεῦμα τοὺς αὐτῷ πειθομένους ἐδίδασκε. τούτῳ τῷ τρόπῳ μισηθεὶς ἐξορίζεται τότε ἐκ τῆς καθολικῆς[1] ἐκκλησίας, μάλιστα διὰ τὴν τῶν ὀστῶν τοῦ μακαρίου Κωνσταντίνου τοῦ πιστοῦ μετάθεσιν. οὗτος ὁ Μακεδόνιος ὑπεξουσίως[2] τοῦ πνεύματος διακονίαν κατηγορεῖ καὶ ἔλαττον[3] τοῦ πατρὸς καὶ τῆς θείας ἀλλότριον φύσεως.[4]

Ἀπολιναρισταί.

Ἀπολινάριος ὁ Σύρος ἄνουν τὸν Χριστὸν εἰπεῖν ἐτόλμησεν· ἀντὶ γὰρ τοῦ νοῦ, φησίν, ἦν ἐν αὐτῷ ὁ θεὸς λόγος· καὶ διὰ τοῦτό φησι δεῖν[5] μίαν φύσιν τοῦ θεοῦ λόγου καὶ τῆς σαρκὸς ὁμολογεῖν καὶ πάλιν τὸν πατέρα πατρικῶς[6] εἶναι, τὸν δὲ υἱὸν υἱϊκῶς πατέρα. καὶ ὡσαύτως ἐπὶ τοῦ πνεύματος, καθ' οὗ[7] δὴ εἷς θεὸς ἡ τριάς, οὐ μόνον δὲ ἀλλὰ καὶ

л. 283 b.

1) въкавнлїи *C.* 2) Сїи *C.* 3) того *проп. П.* 4) покара *вставл. С.* 5) приложїа *C.* 6) и *вставл. П.* 7) ѿчьскын *П.* 8) и *вставл. П.*

1) καὶ ἀποστολικῆς вставл. B_1 B_2. 2) cod. переправл. рукой XIV в. въ ὑπεξούσιον. 3) ἐλάττονα B_1 B_2. 4) φύσεως ἀλλοτρίωσιν B_1 B_2 (вм. ἀλλότριον φύσεως). 5) δεῖ B_1 B_2. 6) υἱὸν вставл. cod. рукой XIV в. 7) cod. переправл. рукой XIV в. въ καθὸ.

о сущихъ неизреченныихъ бгъ· стымъ на много съмѣрение съвода· сирѣчь на юдейскыа жьртвы· таковыа пакы съвьршати· въ цр҃кви· еще глетъ бжиа слова· цюжю[1] плъть оно· юже имѣ на нб҃сѣхъ· вещь прѣвѣчьноу нѣкакоу· и съсоущьствьноу· и страсть же своимь кго бжьствъмь прияти· и въ трид҃невьное оно оумьрщвение[2] тѣла· и бжьствоу оумрѣти съ тѣлесьмь· и тако ѡ о҃ц҃а пакы ѡ съмьрти въскрьсноути· си[3] стыи еп҃пъ григории· еп҃пъ наньзианьскыи· написа къ некътарию еп҃поу костантина· града·

о приходящихъ ѡ ереси къ съборьнѣи цр҃кви· и тъчию проклинающихъ ересоу свою· ови же ни крьщаеми· ни мажеми· нъ тъкъмо проклинающе соуть си·

Мелетии распьрьникъ· ѡноудоу же [ме]летиане·[4] иже распьрьници си не ѯловѣрьни соуть· нъ проклинають свою распьрю· си несториане· евьтихиане· и тѣхъ обьщьникъ· диоскоръ[5] і[6] таковъ· а не ватронъ правовѣрьныи· нъ инъ еретикъ и прочьнии· безглавьныи[7] распьрь

περὶ τῶν ἀποκειμένων ἀῤῥήτων ἀγαθῶν[1] τοῖς ἁγίοις, εἰς πολλὴν ταπεινότητα ταῦτα[2] κατάγων, τουτέστιν εἰς τὰ ἰουδαϊκά, θυσίας τοιαύτας πάλιν ἐπιτελεῖν ἐν τῷ ναῷ. ἔτι λέγει τὸν θεὸν λόγον ἐπαγόμενον σάρκα ἐκείνην, ἣν ἔχων ἐν οὐρανοῖς ἐτύγχανε προαιώνιόν τινα καὶ συνουσιωμένην· καὶ τὸ πάθος δὲ τῇ ἰδίᾳ αὐτοῦ θεότητι δέξασθαι, καὶ ἐν τῇ τριημέρῳ ἐκείνῃ νεκρώσει τοῦ σώματος καὶ τὴν θεότητα συναπονεκρωθῆναι τῷ σώματι καὶ οὕτω παρὰ τοῦ πατρὸς πάλιν ἀπὸ τοῦ θανάτου διαναστῆναι. ταῦτα ὁ ἅγιος Γρηγόριος ἐπίσκοπος Ναζιανζοῦ γράφει πρὸς Νεκτάριον ἐπίσκοπον Κωνσταντινουπόλεως.

Περὶ τῶν ἐρχομένων ἀπὸ αἱρέσεων[3] καὶ μόνον ἀναθεματιζόντων τὴν αἵρεσιν αὐτῶν.[4]

οἱ δὲ μήτε βαπτιζόμενοι μήτε χριόμενοι, ἀλλὰ μόνον ἀναθεματίζοντές εἰσιν οὗτοι·

Μελέτιος ὁ σχισματικός, ὅθεν καὶ Μελετιανοὶ οἱ καὶ Σχισματικοί. οὗτοι κακόδοξοι μὲν οὐκ εἰσίν, ἀλλὰ ἀναθεματίζουσι τὸ ἴδιον σχίσμα· οὗτοι Νεστοριανοί, Εὐτυχιανισταί καὶ ὁ τούτων κοινωνὸς Διόσκορος καὶ Ἰάκωβος (οὐχὶ[5] Βάτρων[6] ὁ ὀρθόδοξος, ἀλλ' ἕτερος αἱρετικός) καὶ οἱ λοιποὶ Ἀκέφαλοι σχίσματα

1) чюжи *C.* 2) Смѣрщения *C.* 3) сіи *C.* 4) *исправл. по II.* 5) Дооскоръ *C.* 6) і *проп. C.* 7) и *вставл. C.*

1) ἀγαθῶν ἀῤῥήτων B_1 B_2. 2) ταῦτα проп. B_1 B_2. 3) τῇ καθολικῇ ἐκκλησίᾳ вставл. B_1 B_2. 4) это заглавіе въ cod. и B_1 B_2 in m. 5) οὐχὶ переправл. cod. рукой XIV в. въ οὐχ ὁ. 6) Βατρῶν B_1 B_2.

Ѡсѣчениѥ· ѩже имать безглавьнꙑихъ ереса· разлоучающиихъ оубо | виною различиѩ·[1] о х҃ѣ съшьдъшеюса естьствоу его· въ състава· и въ дъвѣ лици· прѣже въкдинѥниѩ· по въкдинѥнии естьство· съложено бꙑти· прѣводѧщемъ· ѩко не бꙑти· и бж҃ьствьноумоу и члв҃ьскоумоу въ немь естьствоу· по нимъ· нъ и кдиносоущьствьноѥ х҃сво· къ о҃цю же и бг҃оу и къ намъ· на ня въсприяти по въкдинѥнии·

καὶ ἀποκοπαί, ἃς ἔχει τῶν Ἀκεφάλων ἡ αἵρεσις, τῶν προφάσει μὲν τῆς διαφορᾶς τῶν ἐν Χριστῷ συνελθουσῶν φύσεων χωριζόντων αὐτὸν εἰς ὑποστάσεις καὶ πρόσωπα δύο πρὸ τῆς ἑνώσεως, μετὰ δὲ τὴν ἕνωσιν μίαν φύσιν σύνθετον γενέσθαι μεθοδευόντων, ὡς μηκέτι καὶ τὴν θείαν καὶ τὴν ἀνθρωπίνην ἐν τῷ αὐτῷ φύσει[1] κατ' αὐτοὺς εἶναι, ἀλλὰ καὶ τὸ ὁμοούσιον τοῦ Χριστοῦ πρός τε τὸν πατέρα θεὸν καὶ πρὸς ἡμᾶς κατ' αὐ-(л. 205ᵇ)τοὺς ἀνῃρῆσθαι μετὰ τὴν ἕνωσιν. л. 284 a.

ѩко вѣдѣти на колико раздѣлиѥнию· бꙑ безглавьнꙑихъ· рекъше б҃остражемъихъ·[2] ереса· скороѥ проповѣданиѥ·

Περὶ τοῦ γινώσκειν, εἰς πόσα τμήματα γέγονεν ἡ τῶν Ἀκεφάλων ἤτοι Θεοπασχιτῶν αἵρεσις, σύντομος ἔκθεσις.[2]

о ѳеодосианьхъ·

περὶ τῶν Θεοδοσιανῶν.

Пьрваꙗ глава· о ѳеодосианьхъ· да речено боудеть· ѩже нача дамианъ еретикъ· о отьлѣньнѣмь[3] и нетьлѣньнѣмь· тъкъмо пьрѧщемъса·[4]

Πρῶτον κεφάλαιον περὶ τῶν Θεοδοσιανῶν εἰρήσθω, ὧν ἦρξε Δαμιανὸς ὁ αἱρετικός, περὶ φθαρτοῦ καὶ ἀφθάρτου μόνον διαφερομένων.[3]

павьлиане·

Παυλιανισταί.

Иже ѿ павьла· приобьщьшагоса[5] къ съборьнѣи цр҃кви· истоуплъшагоже паки· и ѿвращьшагоса къ безглавьнꙑихъ ересѣ· ихоже ѳеодосиане ⟨не⟩ приѩшазаніе вьса къ малоу приобьщитиса цр҃кви·

Παυλιανισταὶ οἱ ἀπὸ Παύλου τοῦ κοινωνήσαντος μὲν τῇ καθολικῇ ἐκκλησίᾳ, ἀποστάντος δὲ πάλιν καὶ ὑποστρέψαντος πρὸς τὴν τῶν Ἀκεφάλων αἵρεσιν· ὅντινα οἱ Θεοδοσιανοὶ οὐκ ἐδέξαντο διὰ τὸ ὅλως πρὸς ὀλίγον κοινωνῆσαι τῇ ἐκκλησίᾳ.

1) ра[з]лѣчіа *C*. 2) бостражемый *II*. 3) ѿмѣньнѣмь *C*. 4) просящемса *C*. 5) приобьщесагоса *C*.

1) cod. переправл. рукой XIV в. въ фύσιν. 2) при каждой изъ слѣдующихъ далѣе ересей (именно до Οἱ κατὰ Σέργιον τὸν Πέτρου... стр. 733$_1$) есть въ cod. нумерація отъ α′ до ις′, прибавленная рукой XIV в. 3) cod. вставл. далѣе рукой XIV в.: [β′. Ἀγν]οῖται. οἱ λέγοντες ἄλλα τέ τινα [τὸν] κύριον ἀγνοῆσαι κατὰ τὸ ἀνθρώπινον [καὶ] τὴν ἡμέραν δὲ τῆς συντελείας.

ниовитиане·

Иже явлениѣе [1] различие· [2] плъти и бжьства· по съединении ѡлоучаютъ· и наричаютсѧ различьници·

о трофитианьхъ· [3]

Трифѣитане· приемлюще книжьника глѣмаго троудолюбиваго· паче соуслюбиваго· и соуцьства и кстьства на стоую· трцю похоульше· и феодосиа [4] неподобьнаго· и севира соуемоудраго· въ таинъихъ помина- л. 284 b. ющe | и глюще· яко тѣло иже нъина имамъ· [5] не въстанетъ нетлѣньно· нъ ино [6] въ инго мѣсто·

дроузии трифѣитане·

Иже на [7] вьсѧ съвѣщаютъ [8] дроугъими трифѣитанъı проповѣданоѥ же на въскрьсение слово· ѡ трoудолюбиваго иѡана· имьже онъ раздроушаетъ· тѣлесъ нашинхъ въскрьсение·

ганиане рекъше· ноуълианиане·

Ганиане рекъше ноуълианиане· иже глюютъ ѡ того въединение· гнѣ [9] тѣлеси по вьсемоу образоу нетлѣньноу бъıти·

ганиане дроузии·

Ганиане [10] рекъше ноулианиане дроузии· иже не по вьсемоу образоу

Νιοβῖται.

Νιοβῖται, οἵτινες φανερώτερον τὴν διαφορὰν τῆς σαρκὸς καὶ τῆς θεότητος μετὰ τὴν ἕνωσιν ἀναιροῦσιν καὶ καλοῦνται διαφορηταί. [1]

περὶ τῶν [2] Τριθεϊτῶν.

Τριθεῖται οἱ δεχόμενοι τὸν γραμματικὸν τὸν λεγόμενον Φιλόπονον, μᾶλλον δὲ [3] ματαιόπονον, καὶ οὐσίας καὶ φύσεις ἐπὶ τῆς ἁγίας τριάδος βλασφημοῦντες, καὶ Θεοδόσιον δὲ τὸν ἀνόσιον καὶ Σεβῆρον [4] τὸν ματαιόφρονα ἐν τοῖς διπτύχοις ἀναφέροντες καὶ λέγοντες, ὅτι τὸ σῶμα, ὃ νῦν ἔχομεν, οὐκ ἐγείρεται ἄφθαρτον, ἀλλ' ἕτερον ἀντ' αὐτοῦ.

ἄλλοι Τριθεῖται. [5]

Οἵτινες τὰ μὲν ἄλλα πάντα συμφωνοῦσι τοῖς ἄλλοις Τριθεΐταις, τὸν δὲ κατὰ τῆς ἀναστάσεως ἐκτεθέντα λόγον ὑπὸ τοῦ Φιλοπόνου Ἰωάννου, δι' οὗ ἐκεῖνος ἀναιρεῖ τὴν τῶν σωμάτων ἡμῶν ἀνάστασιν, ἀποστρέφονται.

Γαϊανῖται ἤτοι Ιουλιανισταί.

Γαϊανῖται εἶτ' οὖν Ἰουλιανισταί, οἵτινες λέγουσιν ἐξ αὐτῆς τῆς ἑνώσεως τὸ τοῦ κυρίου σῶμα κατὰ πάντα τρόπον ἄφθαρτον εἶναι.

Γαϊανῖται ἄλλοι. [6]

Γαϊανῖται ἤτοι Ἰουλιανισταὶ ἄλλοι, οἵτινες οὐ κατὰ πάντα τρόπον

---

1) явлениѣ *C.* 2) различитие *C.* 3) трофимианеѫ *C.* 4) одосиа *C.* 5) ималомъ *C.* 6) инъ *C.* 7) на *проп. C.* 8) съ *вставл. II.* 9) глю *C.* 10) Ганиже *C*

1) cod. переправл. рукой XIV в. въ ἀδιαφορήται. 2) τῶν проп. B_1 B_2. 3) δὲ проп. B_1 B_2. 4) Σευῆρον B_1 B_2. 5) Τριθεῖται ἄλλοι B_1 B_2. 6) всю эту ересь проп. B_1 B_2.

нетьлѣнъноу гл҃ютъ· тѣло г҃а нашего
іс̃ х̃а[1] нъ силою оубо тьлѣнъна· никако же оубо истьлѣти оудьржанiемь слова·

гаїанiте др8ѕї·

Иже нарицаютьсѧ несъѕьданици· гл҃ютъ бо ꙗко не тъкъмо· нетьлѣнъно отъ того въѣдинiенiа· нъ и несъѣданоу бъıти г҃ню тѣлеси· да ни разлоучениа[2] исповѣдаютъ въплъщениа и бж҃ьства·

диоскориане·

Иже по оубiествѣ протериа· тимоѳѣю ременьника приимъшюмоу нѣкъıа протериевъı клирикъı·[3] ꙗже самъ хотѧше съдѣꙗвъшемъ· обаче негодовавъше сами приатъıихъ ради· ѿлоучишасѧ и ни къ[4] ѥдиномоу приобщаютьсѧ· нъ ни крьстятьсѧ ꙗко же и[5] прочии·

безглавьници·

Безглавьници иже ѥдиниенiемь зинона ц҃рѧ[6] не|врѣгъше· ꙗко не изгънавъшемоу с҃тго събора· иже въ калхидонѣ о҃цъ отъвьргъшасѧ·[7] ѿ петра гоугънивъшаго· приимъшаго таково ѥдиньство· посемь же и раздѣлиша на чюжда распьрѧ· ꙗже соуть прочаа отъ сихъ[8] соущаа·

ἄφθαρτον λέγουσι τὸ σῶμα τοῦ κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ἀλλὰ δυνάμει μὲν φθαρτόν, μηδόλως δὲ φθαρῆναι τῇ ἐπικρατείᾳ τοῦ λόγου.

Γαϊανῖται ἄλλοι.

Γαϊανῖται ἤτοι Ἰουλιανισταὶ ἄλλοι, οἵτινες καλοῦνται καὶ Ἀκτιστῖται· λέγουσι γάρ, ὅτι οὐ μόνον ἄφθαρτον ἐξ αὐτῆς τῆς ἑνώσεως, ἀλλὰ καὶ ἄκτιστον γεγονέναι τὸ τοῦ κυρίου σῶμα, καὶ οὐδὲ τὴν διαφορὰν ὁμολογοῦσι τῆς[1] σαρκώσεως[2] καὶ τῆς θεότητος.

Διοσκοριανοί.[3]

Οἵτινες μετὰ τὸν Προτερίου φόνον, Τιμοθέου[4] τοῦ Αἰλούρου δεξαμένου τινὰς τῶν Προτερίου κληρικῶν, ἅπερ αὐτὸς ἠθέλησε πράξαντας, ὅμως ἀγανακτήσαντες αὐτοὶ διὰ τοὺς δεχθέντας ἀπέσχισαν ἑαυτοὺς καὶ οὐδενὶ κοινω(л. 206ᵃ)νοῦσιν, ἀλλ' οὐδὲ βαπτίζονται ὡς οἱ πολλοί.[5]

Ἀκέφαλοι.

Ἀκέφαλοι, οἵτινες τῷ Ἑνωτικῷ Ζήνωνος τοῦ βασιλέως μὴ ἀρεσθέντες, ὡς μὴ л. 285 в.
ἐκβάλλοντι τὴν ἁγίαν τῶν ἐν Χαλκηδόνι πατέρων σύνοδον, ἀπέσχισαν ἑαυτοὺς ἀπὸ Πέτρου τοῦ Μογγοῦ τοῦ δεξαμένου τὸ τοιοῦτον ἑνωτικόν· εἶτα καὶ ἐπιδιῃρέθησαν εἰς ἀλλότρια σχίσματα, ἅπερ εἰσὶν τὰ ἐφεξῆς ἐνταῦθα κείμενα.

---

1) н҃ха *cod.* 2) различениа *П.* 3) кринаны *П.* 4) къ *пропт. С.* 5) же и *пропт. С.* 6) ц҃рѧ *ПС.* 7) Ѿвергъшесѧ *С.* 8) всѣ *П.*

1) τῆς пропт. B_1. 2) cod. переправл. рукой XIV в. въ σαρκὸς. 3) Διοσκοριανοὶ добавл. B_1 B_2 въ началѣ слѣдующей строки. 4) въ B_1 B_2 вырванъ весь дальнѣйшій текстъ произведенія до самаго конца. 5) cod. переправл. знакъ :~ послѣ πολλοί въ фасі рукой XIV в.

чл҃вкообразьници·

Чл҃вкообразьници· иже глю҃ть чл҃вкообразьноу бъıти бжьствоу·

Ἀνθρωπομορφῖται, οἵτινες λέγουσιν ἀνθρωπόμορφον εἶναι τὸ θεῖον.

варъсанофитѧне·

Варъсанофитѧне· ѿ варъсанофиа епа҃ ихъ· съ нимиже прочии безглавьнии· пьрѧтьсѧ[1] ꙗко ѿ нихъ бес правильнааго· варъсаноуфиа· поставлению бъıвъшю·

Βαρσανουφῖται ἀπὸ Βαρσανουφίου τοῦ ἐπισκόπου αὐτῶν, πρὸς οὓς οἱ λοιποὶ Ἀκέφαλοι διαφέρονται, ὡς καὶ παρ' αὐτοῖς ἀκανονίστως τῆς Βαρσανουφίου χειροτονίας γινομένης.

исаиѧните·

Ἡσαϊανισταί.

Исаиѧните· иже поставлениа ради исаиа· ѿ иҳъ безглавьнъıихъ ѿрицающесѧ· ꙗко тѣмь оубо извѣщающемъ· ѿ епифаниа памьфилога·[2] поставльшааго прозвутера севира· и томоу поставлению прочи[i]мъ же не съвѣщающемъ·[3] нъ мьртвопоставлѣна его[4] бъıти· глющемъ· ꙗко мьртвѣ положенѣ бъıти на немь· епифаниевѣ роу҃цѣ·

Οἱ διὰ τὴν χειροτονίαν Ἡσαίου ἀπὸ τῶν ἄλλων Ἀκεφάλων χωριζόμενοι, ὡς αὐτῶν μὲν διαβεβαιουμένων ὑπὸ Ἐπιφανίου τοῦ Παμφίλου τοῦ χειροτονήσαντος πρεσβύτερον Σεβῆρον καὶ αὐτὸν κεχειροτονῆσθαι, τῶν δὲ λοιπῶν μὴ συντιθεμένων, ἀλλὰ νεκροχειροτόνητον αὐτὸν εἶναι λεγόντων, ὡς νεκρᾶς ἐπιτεθείσης αὐτῷ τῆς Ἐπιφανίου χειρός.

петриане·[5]

Πετριανοί.

Петриане· иже извѣстоующе· съставоу бъıти· единѣмь[6] составъмь· и своиствъмь бе соущьства· и[7] изнесъше о томь· къ распьри дамианианъ ꙗко і[8] написанъı[9] троудъı· о томь многъı подвигноути межю собою·

Οἱ διαβεβαιούμενοι τὴν ὑπόστασιν μόνα εἶναι ἰδιώματα χωρὶς οὐσίας, καὶ διενεχθέντες περὶ τούτου πρὸς τὸ τῶν Δαμιανιστῶν ἀπόσχισμα, ὡς καὶ ἐγγράφους ἀγῶνας περὶ τούτου πολλοὺς κεκινῆσθαι μεταξὺ αὐτῶν.

---

1) прѧстьца *C.* 2) памьфилога *C.* 3) свѣщающимъ *II.* 4) го *C.* 5) петриане *prop. C.* 6) ѣдѣмь *C.* 7) и *prop. C.* 8) і *prop. C.* 9) написаныи *IIC.*

иже на сергиа петрова·

Шестоѥ на десѧте· на сихъ бысть раздѣлѥние· иже на сергиа и петра· части оставльшеѥ· и[1] свои съставъ сътворивъ·

тако имоуть иже въ патриархи лежащиа кънигы·

| Кто оубо не ѿвьржетьсѧ· въ толика прѣсѣчениа раздѣливъшихъ· и самѣмъ себе проклинающемъ· аще не ѿноудъ боудеть ѿ оума ѕапоустѣлъ· писаноѥ бо на нихъ испълнисѧ слово ѥвѣ· погроужи г҃и и раздѣли ѩзъкы ихъ·

о маркіанѣхъ·

Маркіане и месаліане· и правьдьници и братьници· и становитьци·[2] тако нарицаѥми· ѕанѣ многоименитѣ бъти ересѣ· нарѣчени бъша маркіане· тако ѿ маркіана трапеѕьника· бъвъша въ лѣта иоустиниана· и оустина новаго· подвиѕаше же сѧ написаниѥмь на мъногоименитоую сию ересоу· кюрилъ александрьскъıи епп̃ъ· флавіанъ и феодотъ· антиохиискаа[3] намѣстьника· литомелетиискъıи епп̃ъ· иже и[4] сътворена съставиша· на таковоую многоглавьноую же и мъногоименитоую· маркіаньскоую[5] ересоу·[6]

Οἱ κατὰ Σέργιον τὸν Πέτρου.

Ἐκκαιδέκατον ἐπὶ τούτοις γέγονε τμῆμα, τὸ τῆς[1] κατὰ Σέργιον καὶ Πέτρου μοίρας ἀποστὰν καὶ ἰδικὸν σύστημα ποιησάμενον.

Οὕτως ἔχει ἡ ἐν τῷ πατριαρχείῳ ἀποκειμένη βίβλος. τίς οὖν οὐκ ἀπογνώσεται τῶν εἰς τοσαῦτα τμήματα διῃρημένων καὶ ἀλλήλους ἀναθεματιζόντων, εἰ μὴ παντελῶς ἐστι φρενῶν ἔρημος; τὸ γραφικὸν γὰρ ἐπ' αὐτοῖς πεπλήρωται λόγιον ἐναργῶς· Καταπόντισον, κύριε, καὶ καταδίελε τὰς γλώσσας αὐτῶν. л. 285 b.

Περὶ Μαρκιανιστῶν.[2]

Μαρκιανισταὶ καὶ Μασσαλιανοὶ καὶ Εὐτυχῖται καὶ Ἐνθουσιασταὶ καὶ Ἀδελφιανοὶ καὶ Εὐσταθιανοί, οὕτω προσαγορευόμενοι διὰ τὸ πολυώνυμον εἶναι τὴν αἵρεσιν. ἐκλήθησαν[3] Μαρκιανισταί, ὡς ἀπὸ Μαρκιανοῦ τοῦ τραπεζίτου τοῦ ἐν χρόνοις γενομένου Ἰουστινιανοῦ καὶ Ἰουστίνου τοῦ νέου· ἠγωνίσατο δὲ ἐγγράφως κατὰ τῆς πολυωνύμου ταύτης αἱρέσεως Κύριλλος ὁ τῆς Ἀλεξανδρέων ἐπίσκοπος, Φλαβιανὸς καὶ Θεόδοτος τῆς Ἀντιοχέων πρόεδροι, Λητώϊος (л. 206[b]) Μελιτινῆς ἐπίσκοπος· οἵτινες καὶ πεπραγμένα συνεστήσαντο κατὰ τῆς τοιαύτης πολυκεφάλου τε καὶ πολυωνύμου τῶν Μαρκιανιστῶν αἱρέσεως·

1) и *пропущ. П.* 2) становницн *С.* 3) є *вставл. cod. С.* 4) и *пропущ. С.* 5) маркіаньскомѣ *П.* 6) и *вставл. П.*

1) cod. переправл. рукой XIV в. въ τῶν. 2) cod. переправл. изъ μαρκιωνιστῶν. 3) cod. рук. XIV в. прибавл. δὲ.

на оувѣдѣніе же и на оутвьрженіе соущиихъ· ноуждьно бъість· и главы[1] повелѣніи ихъ покорити· іже соуть сіа·

5 а· Глють іако коемоужьдо члѣкоу ражающюсѧ· авіе бѣсъ соущьствьно съчетаѥтьсѧ ѿ осоужденіа адамова· томоу наслѣдовавъшю и іако тъ[2] бѣсъ· на зълаа дѣанна подвизаѥть
10 члѣка· соущьствьно съвъкоупивъсѧ съ нимь·

в· Ющіе глють· іако стоѥ крьщеніе никако же сълагаѥтьсѧ· на прогънаніе того бѣса· нѣсть бо довъльно
15 стоу[3] крьщенію· кореніа грѣховьнаго· съчета|наго испьрва члѣкомъ· л. 286 а.
моціи истьр҃ноути·

г· Глють іако ѥдина[4] прилѣжьнаа мл҃тва· можеть таковаго бѣса· храпаніемь и плѣваніемь моліа[ца]госѧ· проганаѥмоу томоу бѣсоу· іако дъімоу видімоу· или іако
20 зміи[5] въньгда исходити· и іако томоу бъівающю· пришьствіе стго дх҃а надъ молащімісѧ бъівающе чювьствьно приходѧщю и видімоу соущю·

д· Глють іако по глѣмѣмь· ѿ онѣхъ[6] бестрастіи таковаго чюѥть
30 дша обьщенна· бъівающаго ки[7] ѿ нбсьнаго жениха· іако же чюѥть дша въ [съ]четаніи[8] моужа·

πρὸς δὲ εὕδησιν καὶ ἀσφάλειαν τῶν ἐντυγχανόντων ἀναγκαῖον γέγονε καὶ τὰ κεφάλαια τῶν δογμάτων αὐτῶν ὑποτάξαι. ἅπερ εἰσὶ ταῦτα·

λέγουσιν, ὅτι ἑκάστῳ ἀνθρώπῳ τικτομένῳ παραυτίκα δαίμων οὐσιωδῶς συνάπτεται, ἐκ τῆς καταδίκης τοῦ Ἀδὰμ τούτου κεκληρωμένου· καὶ ὅτι οὗτος ὁ δαίμων εἰς τὰς ἀτόπους πράξεις κινεῖ τὸν ἄνθρωπον οὐσιωδῶς αὐτῷ συνημμένος.

ἔτι λέγουσιν, ὅτι τὸ ἅγιον βάπτισμα· οὐδὲν συμβάλλεται εἰς τὴν τοῦ δαίμονος τούτου δίωξιν· οὐδὲ γάρ ἐστιν ἱκανὸν τὸ ἅγιον βάπτισμα ῥίζας τῶν ἁμαρτιῶν τὰς συνουσιωμένας ἀρχῆθεν τοῖς ἀνθρώποις δυνατὸν[1] ἐκτεμεῖν.

λέγουσιν, ὅτι μόνη ἐκτενὴς προσευχὴ δύναται τοῦτον τὸν δαίμονα διὰ χρέμψεως καὶ ἀποπτύσεως τοῦ προσευχομένου φυγαδεύειν, τούτου τοῦ φυγαδευομένου δαίμονος ὡς καπνοῦ ὁρωμένου[2] ἢ ὄφεως ἐν τῷ ἐκπορεύεσθαι, καὶ ὡς τούτου γενομένου παρουσία λοιπὸν τοῦ ἁγίου πνεύματος ἐπὶ τὸν προσευχόμενον γίνεται, αἰσθητῶς τοῦ ἁγίου πνεύματος ἐπιφοιτῶντος καὶ ὁρωμένου.

λέγουσιν, ὅτι μετὰ τὴν λεγομένην παρ' ἐκείνων ἀπάθειαν τοιαύτης αἰσθάνεται ἡ ψυχὴ κοινωνίας γινομένης αὐτῇ παρὰ τοῦ οὐρανίου νυμφίου, οἵας αἰσθάνεται ἡ γυνὴ ἐν τῇ συνουσίᾳ τοῦ ἀνδρός.

---

1) главын *П.* 2) тъи *П.* 3) стомоу *П.* 4) єди *С.* 5) змію *С.* 6) нѣхъ *П, idь o впереди выскобл.* 7) ію *С.* 8) *исправл. по П.*

1) δυνατὸν cod. обводить точками. 2) cod. слѣдующія дальше слова ἢ ὄφεως... καὶ ὁρωμένου (т. е. стр. 734 22–27) допис. рукой XIV в.

ѣ· Глютъ ꙗко прⷭтаꙗ и животворⷹщиꙗ и блⷢнаꙗ[1] троицⷯ· ꙗже естъ[2] вьсеи тварь по [соу]ⷣьствоу·[3] невидима· плътьскъıима очима бъıсть видѣтї· ѿ приходⷹщиихъ въ гл҃емоє· ѿ нихъ[4] бестрастиє·[5] и єдинѣмь бъıваютъ видима· таковъıимъ[6] чл҃вкомъ· плътьскъı[7] ѿ нихъ видима·

ѕ· Глютъ ꙗко три соу҃ⷣьства· оц҃а и сн҃а и ст҃го дх҃а въ єдино соу҃ⷣьство съходⷹтьсѧ·[8] и прѣлагаютьсѧ· на нєже аще хотⷹтъ· и хощетъ· да съмѣситьсѧ съ достоинъıими кⷯ дш҃ами·

ѯ· Глютъ· ꙗко сѣмѧ и слово паде въ марии· и ꙗко тѣло· єже прⷯ г҃ь ѿ маріѧ· бѣсовъ бѣ испълнєно и[9] изгонⷹꙗше бѣсъı· и тако облѣчесѧ въ нє·[10]

и· Глютъ ꙗко чл҃вка[11] кгоже[12] прⷯ ѿ маріѧ г҃ь· овъгда и въ дх҃ъ прѣложи· овъгда же въ тѣло· и ꙗко | то самоє тѣло гн҃є· неописано[13] бѣ· ꙗко же и бж҃ьствьноє· естьство·

ѳ· Глютъ ꙗко по въıвающиимъ[14] изгънании·[15] вѣса того· съчетавъшагосѧ съ чл҃вкъмь· храпанию ради и плюванию·[16] къ томоу не трѣвоугютъ

λέγουσιν, ὅτι ἡ παναγία καὶ ζωοποιὸς καὶ μακαρία τριάς, ἥτις ἐστὶ πάσῃ κτίσει κατ' οὐσίαν ἀθέατος, τοῖς τῆς σαρκὸς ὀφθαλμοῖς πέφυκε καθοράσθαι ὑπὸ τῶν εἰς τὴν παρ' αὐτοῖς λεγομένην ἐρχομένων ἀπάθειαν καὶ μόνοις γίνεται θεατὴ τοῖς τοιούτοις ἀνθρώποις, σαρκικῶς ὑπ' αὐτῶν ὁρωμένη.

λέγουσιν, ὅτι αἱ τρεῖς ὑποστάσεις, πατρὸς καὶ υἱοῦ καὶ ἁγίου πνεύματος, εἰς μίαν ὑπόστασιν ἀναλύονται καὶ μεταβάλλονται·[1] εἰς ὅπερ ἂν ἐθέλῃ καὶ βούληται, ἵνα συγκραθῇ ταῖς αὐτῆς ἀξίαις ψυχαῖς.

λέγουσιν, ὅτι σπέρμα καὶ λόγος ἐνέπεσεν εἰς τὴν Μαρίαν, καὶ ὅτι τὸ σῶμα, ὃ ἔλαβεν ὁ κύριος ἐκ τῆς Μαρίας, δαιμόνων ἦν πεπληρωμένον καὶ ἐξέβαλε τὰ δαιμόνια, καὶ οὕτως αὐτὸ ἐνεδύσατο.

λέγουσιν, ὅτι τὸν ἄνθρωπον, ὃν ἔλαβεν ἐκ τῆς Μαρίας ὁ κύριος, ποτὲ μὲν αὐτὸν εἰς πνεῦμα μετέβαλεν, ποτὲ δὲ εἰς σῶμα. καὶ ὅτι αὐτὸ τὸ σῶμα τοῦ κυρίου ἀπερίγραπτον ἦν, καθάπερ ἡ θεία φύσις. л. 286 b.

λέγουσιν, ὅτι μετὰ τὴν τοῦ δαίμονος τούτου τοῦ συνουσιωμένου τοῖς ἀνθρώποις διὰ (л. 207ª)χρέμψεώς τε καὶ ἀποπτύσεως γινομένην δίωξιν οὐκέτι δεῖται

---

1) блнжнаꙗ *C*. 2) ажѣ *C* (*вм.* ꙗже естъ). 3) *исправл. по П.* 4) нїже *C*. 5) страстїе *C*. 6) такомъ *C*. 7) плотъскын *П*. 8) сходитсѧ *C*. 9) и *проп. C*. 10) немь *C*. 11) чл҃ква *C*. 12) в нєже *C*. 13) необѣсано *C*. 14) погыбающимъ *C* (*вм.* по къıвающимъ). 15) нⷭганїи *C*. 16) неплеванїа *C* (*вм.* и плюванию).

1) καὶ ὅτι ἡ θεία φύσις τρέπεται вставл. cod. in m. рукой XIV в.

пощенїа· или иного дш҃евьнааго ли тѣлесьнааго· въздьржание[1] на[2] наказание тѣлесе· нъ ни оученїю дш҃ю оправлающю· ѩко тѣлесьномоу своволеноу страстии оудьржанїа· и дш҃и къ томоу неприятьнѣ соущи·[3] на горьшее призъвание· ѩко дш҃и и тѣлоу въ страсть· и прочее въывающема·

[г·] Глютъ ѩко по въывающюмоу[4] ѡ нихъ бестрасти·[5] прочее и воудоущаа провидѣти члв҃ци могоуть[6] и невидимъыа силы· чювьствьно оузьрать· тѣмь и вънезапоу скачюще вѣсы приходити мьчьчють· и пърсты[7] стрѣлмють вѣсы· прѣлыщаютьсѧ·

[д҃·] Глютъ ѩко дш҃а въ нихъ дх҃овьнааго члв҃ка· по гл҃емѣмь ѡ нихъ бестрастии прѣлагаетьсѧ вжьствьное и нетьлѣньное иестьство·

[е҃·] Глютъ сто҃е тѣло и кровь хс҃ово·[8] истиньнааго[9] ба҃ нашего· сто҃умоу причащенню· никако же оуспѣти ни врѣдити· достоино или недостоино снхъ· причащающихъсѧ· ѩко того ради тъкъмо·[10] цр҃кьнааго обыщенїа· никъгда же подобьно ѡлоучатисѧ· неразличьноу томоу соущю· и не ѩко животьнааго

νητείας ἢ ἄλλης ψυχικῆς ἢ σωματικῆς ἐγκρατείας ὁ ἄνθρωπος πρὸς παιδαγωγίαν τοῦ σώματος, ἀλλ' οὐδὲ διδασκαλίας τὴν ψυχὴν ῥυθμιζούσης, ὡς καὶ τοῦ σώματος ἠλευθερωμένου τῆς τῶν παθῶν ἐπικρατείας καὶ τῆς ψυχῆς μηκέτι δεκτικῆς οὔσης τῆς ἐπὶ τὰ χείρω ῥοπῆς, ὡς καὶ τῆς ψυχῆς καὶ τοῦ σώματος ἐν ἀπαθείᾳ λοιπὸν γινομένων.

λέγουσιν, ὅτι μετὰ τὴν γινομένην[1] παρ' ἐκείνοις ἀπάθειαν λοιπὸν καὶ τὰ μέλλοντα προορᾶν οἱ ἄνθρωποι δύνανται καὶ τὰς ἀοράτους δυνάμεις αἰσθητῶς καθορῶσι· διὸ καὶ ἐξαπίνης πηδῶντες δαίμονας ὑπερβαίνειν φαντάζονται καὶ τοῖς δακτύλοις τοξεύειν τοὺς δαίμονας σχηματίζονται.[2]

λέγουσιν, ὅτι ἡ ψυχὴ τοῦ παρ' αὐτοῖς πνευματικοῦ ἀνθρώπου μετὰ τὴν λεγομένην παρ' ἐκείνων ἀπάθειαν μεταβάλλεται εἰς τὴν θείαν καὶ ἀκήρατον φύσιν.

λέγουσι τὴν τοῦ ἁγίου σώματος καὶ αἵματος Χριστοῦ τοῦ ἀληθινοῦ θεοῦ ἡμῶν ἁγίαν μετάληψιν μηδὲν ὠφελεῖν ἢ βλάπτειν τοὺς ἀξίως ἢ ἀναξίως τούτων μεταλαμβάνοντας. καὶ ὅτι διὰ τοῦτο μόνον τῆς ἐκκλησιαστικῆς κοινωνίας οὐδέποτε δέον χωρίζεσθαι, ἀδιαφόρου τούτου τυγχάνοντος, καὶ οὐχ ὡς ζωοποιῶν

1) въздержаніемъ *C*. 2) и *C*. 3) соущи *II*. 4) подобающомѕ *C* (*вм.* по въывающюмоу). 5) въстрасти *II*. 6) молѧть *C*. 7) перстьи *II*. 8) и *вставл. II*. 9) истиннаа *II*. 10) ѩко того ради тъкъмо *проп. C*.

1) cod. переправл. рукой XIV в. въ легомѣнын. 2) σχηματίζονται cod. рукой XIV в.

съ страхъмь и | вѣрою· сихъ причащаютьсѧ· ꙗко бг҃у въплъщьшюсѧ· соущемъ же и вѣроу ємлющемъ·

л. 287 a.

ı҃г҃· Глютъ[1] дѣлесъ[2] роучьнъıихъ·[3] ꙗко мьрзъкъıихъ ѿвращатисѧ· и дх҃овьнъıхъ[4] ѿ сего себе именоуютъ· не расоудивъшааго сильнааго ни правьдьнааго· прочеѥ дѣла чювьствьнааго таковъıимъ прикасатисѧ· ѿмѣтающе[5] и в сѣмъ ап҃льскоѥ проповѣданиѥ·

ı҃д· Глютъ ꙗко по глѣмѣмь ѿ онѣхъ бестрасти· сънѫ многоу ѿдавъше себе· по дъхновению дѣтельствоующи имъ лоукавоумоу вѣсоу· въıвающаѧ сънъı· ꙗко прр҃чьства проповѣдають· и сиѧ ꙗко [ѿ][6] ст҃го дх҃а· въдъхновенъı оучать вѣровати· възаконѥниѧ сиѧ ст҃ъıѧ наричюще· прѣлъщающе и прѣлъщаѥми·[7]

ı҃е· Глютъ не дати мл҃стъıнѣ просѧщиимъ· ни въдовицѧмъ ни сиръıимъ· ни въ различьнъıихъ скърбьхъ· или въ врѣдѣ[8] тѣлесьнѣмь соущиимъ или въ разбоиницѣхъ· или въ поганъıихъ нападании· или въ нѣкаковъıѧ скърби въпадъшимъ· нъ тѣмь всѧ подаѧти· ѯаниѥ сами соутъ· ниции дх҃ъмь·

ı҃з҃· Глютъ ꙗко пицю и неоудьржание· и ꙗко ѿдати себе комоу· въ

μετὰ φόβου καὶ πίστεως τούτων μεταλαμβάνουσιν, ὡς θεοῦ σεσαρκωμένου ὄντων τε καὶ πιστευομένων.

λέγουσι τὴν τῶν χειρῶν ἐργασίαν ὡς βδελυρὰν ἀποστρέφεσθαι καὶ πνευματικοὺς ἑαυτοὺς ἐντεῦθεν ὀνομάζουσιν, οὐ κρίναντες δυνατὸν οὐδὲ δίκαιον ἔργου λοιπὸν αἰσθητοῦ τοὺς τοιούτους ἐφάπτεσθαι, ἀθετοῦντες καὶ ἐν τούτῳ τὴν τῶν ἀποστόλων παράδοσιν.

λέγουσιν, ὅτι μετὰ τὴν λεγομένην παρ' ἐκείνων ἀπάθειαν, ὕπνῳ πολλῷ ἐκδιδόντες ἑαυτούς, κατ' ἐπίνοιαν τοῦ ἐνεργοῦντος αὐτοῖς πονηροῦ δαίμονος γινομένους ὀνείρους ὡς προφητείας κηρύττουσι καὶ ταύτας ὡς ὑπὸ τοῦ ἁγίου πνεύματος ἐμπνευσθείσας διδάσκουσι πιστεύεσθαι, ἐνθουσιασμοὺς τούτους ἁγίους ὀνομάζοντες, ἀπατῶντες καὶ ἀπατώμενοι.

λέγουσι μὴ διδόναι ἐλεημοσύνην τοῖς προσαιτοῦσι μήτε μὴν χήραις καὶ ὀρφανοῖς μήτε τοῖς ἐν διαφόροις περιστάσεσιν ἢ λώβῃ σωμάτων καθεστῶσιν ἢ λῃστῶν ἢ βαρβάρων ἐπιδρομαῖς ἢ τισι τοιαύταις συμφοραῖς περιπεπτωκόσιν, ἀλλ' αὐτοῖς ἅπαντα παρέχειν, διότι αὐτοί εἰσιν ὡς ἀληθῶς οἱ πτωχοὶ τῷ πνεύματι.

(л. 207[b]) λέγουσιν, ὅτι τὸ ἐκδιδόναι τινὰ ἑαυτὸν μετὰ

1) Глѣть *C.* 2) дѣтель *C.* 3) сърѣчнъıихъ *C.* 4) дх҃овнъıи *ПС.* 5) ѿмѣтающи *П.* 6) *вставка изъ П.* 7) прѣлщаѥмии *П.* 8) врѣмѧдѣ *cod. C.*

гл҃кмѣмь бестрастіи· неповинно кость и небѣдьно·[1] ѩко не подълежащю кмоу страстию кою· нъ волю кмоу имоущю· въ ѿреченъıихъ страстьхъ неоудьржатисѧ·

і҃ѕ· Гл҃ютъ· вѣдѣти въ коемь л. 287 b. оустроєніи· оумьръ|шиихъ дша соуть· и себѣ ср҃дцавѣдьца[2] помъıшлѧютъ· ѩко вѣдѣти извѣсто· хъıтростьми и обычаимь· чл҃вѣческъıѧ нравъı·

і҃и· Ои женъı[3] оучителѧ велѣніи· своєго изволєніѧ прѣдълагаютъ· не тъкмо моужемъ просто· нъ и чистителємъ· симъ начинати повелѣвающе славоу себѣ женъı[4] творяще· и истиньнѣи[5] славѣ х҃а б҃а нашего вещьствоующе·

і҃д· Ои въпрашаємі ѿ своихъ велѣніи· ѿмьстьници бъıваютъ· и бе стоуда и оусьрдьно проклинаютъ вьсѧ· тако моудрьствоующаѧ· или моудрьствовавъшихъ· и ротѧтьсѧ бе страха· ѩко таковаѧ велѣніѧ· ненавидѧщимъ и обращающимъсѧ· ѩко ни[6] клѧтвѣ[7] проклинанию· врѣдити и[8] прочєє могоущю· по бестрастию· ѩко же сами гл҃ютъ· дх҃овьнъıимъ· бъıвающемъ· клѧти же сѧ и проклинати себѣ· власть имоущемъ имъ· ѿ прѣданиѧ оучитель ихъ·

τὴν λεγομένην ἀπάθειαν εἰς τρυφὴν καὶ ἀκολασίαν ἀνεύθυνόν ἐστι καὶ ἀκίνδυνον, ὡς μηκέτι ὑποκειμένου αὐτοῦ πάθει τινί, ἀλλ' ἄδειαν αὐτοῦ ἔχοντος τοῖς ἀπηγορευμένοις πάθεσι ἀκολασταίνειν.

λέγουσιν εἰδέναι, ἐν ποίᾳ καταστάσει αἱ τῶν τελευτησάντων ψυχαὶ καθεστήκασι, καὶ ἑαυτοὺς καρδιογνώστας φαντάζονται, ὥστε εἰδέναι ἀκριβῶς διὰ στοχασμοῦ καὶ ἠθῶν τὰς τῶν ἀνθρώπων διαθέσεις.

οὗτοι γυναῖκας διδασκάλους τῶν δογμάτων τῆς ἰδίας αἱρέσεως προβάλλονται, οὐ μόνον ἀνδρῶν ἁπλῶς, ἀλλὰ καὶ ἱερέων ταύτας διεξάρχειν ἐπιτρέποντες, κεφαλὴν ἑαυτῶν τὰς γυναῖκας ποιούμενοι καὶ τὴν ὄντως κεφαλὴν ἡμῶν Χριστὸν τὸν θεὸν ἀτιμάζουσιν.

οὗτοι ἐρωτώμενοι περὶ τῶν ἰδίων αὐτῶν δογμάτων ἔξαρνοι γίνονται καὶ ἀδεῶς καὶ προθύμως ἀναθεματίζουσι πάντας τοὺς οὕτω φρονοῦντας ἢ καὶ φρονήσαντας, καὶ ὀμνύουσιν ἀφόβως, ὡς τὰ τοιαῦτα δόγματα μισοῦσι καὶ ἀποστρέφονται, ὡς μήτε τῆς ἐπιορκίας μήτε τοῦ ἀναθεματισμοῦ βλάπτειν λοιπὸν δυναμένων τοὺς μετὰ τὴν ἀπάθειαν, ὡς αὐτοί λέγουσι, πνευματικοὺς γινομένους, ἐπιορκεῖν τε καὶ ἀναθεματίζειν ἑαυτοὺς ἐπ' ἀδείας ἐχόντων αὐτῶν ἐκ τῆς τῶν διδασκάλων αὐτῶν παραδόσεως.

---

1) бедно *П.* 2) ср҃цавндца *ПС.* 3) женъ *П.* 4) сены *С.* 5) истинны *П.* 6) ни *вставл. П.* 7) ѩк *вставл. С, но перечеркив.* 8) и *прот. П.*

* отъ [1] кънигъ бжⷭственъıихъ [2] повелѣнии· божⷭственъıа конъчинъı· [3] ноуⷭтиниана· [4] различъıа [5] заповѣди подобно· издрѧдьно бжⷭственъıимъ и сⷭ҃ѣщенъıимъ канономъ· ѿ избъıтъка свою крѣпость имоущемъ· [6] въ нихъже чинъ нѣкъı и число· положихомъ на скороє обрѣтениє· възищемъıа [7] главъı· заниє [8] ꙗко же речено бъıсть· ѿ различъıихъ [9] повелѣнии бъıти· съчетанъıимъ· [10] рекъше съвъкоуплѣнъı имъ· [11] ꙗко же повелѣно бъıсть·

(л. 258ᵃ—301ᵃ). * ’ΕΚ ΤΩΝ ΜΕΤΑ ΤΟΝ ΚΩΔΙΚΑ ΘΕΙΩΝ ΝΕΑΡΩΝ ΔΙΑΤΑΞΕΩΝ ΤΟΥ ΤΗΣ ΘΕΙΑΣ ΛΗΞΕΩΣ ’ΙΟΥΣΤΙΝΙΑΝΟΥ ΔΙΑΦΟΡΟΙ ΔΙΑΤΑΞΕΙΣ, ΣΥΝΑΙΔΟΥΣΑΙ ’ΕΞΑΙΡΕΤΩΣ ΤΟΙΣ ΘΕΙΟΙΣ ΚΑΙ ’ΙΕΡΟΙΣ ΚΑΝΟΣΙΝ ΚΑΙ ’ΕΚ ΠΕΡΙΟΥΣΙΑΣ ΤΗΝ ΟΙΚΕΙΑΝ ’ΙΣΧΥΝ ’ΕΧΟΝΤΩΝ, ΟΙΣ ΤΑΞΙΝ ΤΙΝΑ ΚΑΙ ’ΑΡΙΘΜΟΝ ’ΕΠΕΘΗΚΑΜΕΝ ΠΡΟΣ ΣΥΝΤΟΜΟΝ ΕΥΡΕΣΙΝ ΤΟΥ ’ΕΠΙΖΗΤΟΥΜΕΝΟΥ ΚΕΦΑΛΑΙΟΥ ΔΙΑ ΤΟ, ’ΩΣ ΕΙΡΗΤΑΙ, ’ΕΚ ΔΙΑΦΟΡΩΝ ΔΙΑΤΑΞΕΩΝ ΕΙΝΑΙ ΤΑ ΣΥΝΤΑΧΘΕΝΤΑ ”ΗΤΟΙ ΣΥΝΑΧΘΕΝΤΑ, ’ΩΣ ’ΥΠΟΤΕΤΑΚΤΑΙ. [1]

Α҃.

Α҃· [12] о пьрⷭвъıихъ и [13] великъıихъ бжⷭ҃ıихъ дарѣхъ· [14] и подобъııа чести бжⷭственъıимъ и сⷭ҃ѣщенъıимъ канономъ· [15]

α΄. Περὶ τῶν πρώτων καὶ μεγίστων θεοῦ δωρεῶν καὶ τῆς προσηκούσης τοῖς θείοις καὶ ἱεροῖς κανόσιν τιμῆς.

л. 288 а.

Велии въ чл҃вѣцѣхъ соуть дари [16] бжⷭ҃ıи· съвъıше даııаго

Μέγιστα ἐν ἀνθρώποις ἐστὶ δῶρα θεοῦ παρὰ τῆς ἄνωθεν δεδομένης

---

* *Въ Новгор. Соф. Кормчей Моск. Син. Библ. 132 л. 288ᵇ—308ᵃ, 423ᵇ—434ᵇ (=H) помѣщены главы 1—61, 87, 91—93. Въ Румянц. 230 (=P) подъ заглавіемъ* главъı о епископѣхъ *приведены на л. 79ᵃ—83ᵇ отдѣльныя главы изъ coll. 93 capp., именно: 36, 37, 39—48, 71, 75, 76, 79, 80, 83, 92, 82. Ко всѣмъ этимъ главамъ варіанты изъ P и H приводятся далѣе.*

1) сѣ писати *cod.* (*рук. XIII в.*) *и C in m.* 2) бжⷭственъıи *У.* 3) конъчиныи *П.* 4) ноуⷭтъıана *Н.* 5) различъıа *У.* 6) имоущимъ *Н.* 7) възıщемъıа *У.* 8) за *С.* 9) азличный *П*; различъıихъ *У.* 10) сочтаномъ *Н.* 11) съкѕплиный *П* рекъше съвъкоуплѣнъıимъ *прот. Н.* 12) пр҃а ·а҃· *Н.* 13) о *вставл. Н.* 14) градѣхъ *С.* 15) григорїа акраганьскаго *добавл. cod.* (*вверху л. 288ᵃ*) *и C*; с҃тго григорїа акраганьска҃ *добавл. УН*; *C in m.* кз. 16) дарїи *С.*

* Въ составъ PV collectio 93 capp. не входитъ.

1) cod. in m. рукой XIII в. κϑ΄.

чл҃вколюбиа· сѣщение же и цр҃ьство·[1] ово оу҆бо бж҃ьствьнъимъ слоужа· ово же чл҃вчьскъими облада҆а· и прилежащее· и ѿ единого и[2] того же начала· обое происхода· чл҃вчьское оу҆крашаета[3] житие· ꙗко а҆ще тако боудеть тъщаньно цр҃емъ·[4] ꙗко же сѣщенъихъ чистота· или о нихъ онѣмъ присно б҃а молать· а҆ще оу҆бо непорочьна[5] боудеть· вьсьде· и къ бо҃у имать дрьзновение· а҆ще ли право и подобьно оукрашаетъ· прѣданое[6] емоу житие боудеть съвѣщание нѣкако· все иже добро чл҃вчьскоумоу подаа родоу· семоу же бъıти вѣроуемъ· иже сѣщенъихъ[7] канонъ· съблюдение съхранитьса·[8] емоуже правьдьно поюще[9] и покланающе са·[10] и самовидьци бж҃иа слова прѣдаша а҃пли и[11] с҃тии оц҃и· и[12] съхраниша же и съказаша·

ѕ҃· [13] о поставлении е҃пп҃ъ· и о прочиимь[14] чистителскѣмь[15] чиноу·[16]

Проповѣдаемоу оу҆бо· бж҃ьствьнъимъ вьсьде· въслѣдоующе каномъ· егда къто· прочее вьсе лѣто· на поставление е҃пп҃а приведетьса·

φιλανθρωπίας ἱερωσύνη τε καὶ βασιλεία, ἡ μὲν τοῖς θείοις ὑπηρετουμένη, ἡ δὲ τῶν ἀνθρωπίνων ἐξάρχουσα καὶ ἐπιμελουμένη, καὶ ἐκ μιᾶς τε καὶ τῆς αὐτῆς ἀρχῆς ἑκάτεραι προϊοῦσαι[1] τὸν ἀνθρώπινον κατακοσμοῦσι βίον, ὥστε οὕτως ἂν εἴη περισπούδαστον βασιλεῦσιν, ὡς ἡ τῶν ἱερέων[2] σεμνότης, ἥτε[3] καὶ ὑπὲρ αὐτῶν ἐκείνων ἀεὶ τὸν θεὸν ἱκετεύουσιν. ἡ μὲν ἄμεμπτος εἴη πανταχόθεν καὶ τῆς πρὸς θεὸν μετέχοι παῤῥησίας, ἡ δὲ ὀρθῶς τε καὶ προσηκόντως κατακοσμοίη τὴν παραδοθεῖσαν αὐτῇ πολιτείαν, ἔσται συμφωνία τις ἀγαθή, πᾶν εἴ τι χρηστὸν τῷ τῶν ἀνθρώπων χαριζομένη γένει. τοῦτο δὲ ἔσεσθαι πιστεύομεν, εἴπερ ἡ τῶν ἱερῶν κανόνων παρατήρησις φυλάττοιτο, ἣν οἵ τε δι-(л. 258ᵇ) καίως ὑμνούμενοι καὶ προσκυνούμενοι καὶ αὐτόπται τοῦ θείου λόγου παραδεδώκασιν ἀπόστολοι καὶ ἅγιοι πατέρες ἐφύλαξάν τε καὶ ὑφηγήσαντο.

β′. Περὶ τῆς τῶν ἐπισκόπων χειροτονίας καὶ λοιπῆς ἱερατικῆς τάξεως.

Θεσπίζομεν τοίνυν τοῖς θείοις καὶ διὰ πάντων ἑπόμενοι κανόσιν, ἡνίκα τις τὸν λοιπὸν ἅπαντα χρόνον ἐπὶ χειροτονίᾳ ἐπισκόπου ἄγοιτο,

1) цр҃твш *ПСН.* 2) и *пропр. Н.* 3) оукрашаетъ *УН.* 4) ц҃ремъ *ПС.* 5) непороцьна *У.* 6) прѣдано *С*; поданое *Н.* 7) кр҃щньихъ *Н.* 8) съхранаютьса *УН.* 9) поюще са *С.* 10) покланающиса *С.* 11) и *пропр. Н.* 12) и *пропр. Н.* 13) пр҃а ·ѕ҃· *Н.* 14) прочимь *Н.* 15) чт҃тлствѣмь *Н*; чистителствѣмь *У.* 16) циноу *У.*

1) cod. переправл. изъ перїоусаι. 2) cod. переправл. изъ ієрѡ̃ν. 3) ѓτε cod.

съмотрити же първѣе·[1] оного житие· по бжьствьноумоу апл҃оу· аще чьстьно есть и непорочьно· и вьсьде непостижимо[2] боудеть· и на бл҃гаа послоушьствовано[3] и чистолѣпьно· и ни ѿ воиньскаго приходѧ полоу|чениа· развѣ аще не ѿ младъıа въздрасти· зане оубо въображение вамъ въ манастъıри· причьтенъ бъıвъ· свободитьсѧ полоучениа·[4] четвьртое оубо първѣе· ѿ избъıтъка давъ съвѣтоу· ни ѿ невѣжь призъıваемъıихъ простъıихъ боудеть поставленъ·[5] посемь абие[6] на еп҃пию[7] въсходѧ· или съ подроужиемь жива· или женоу имѣıа ѿ дѣвьства емоу пришьдъшю· нъ ни въдовицю ни съчетавъшисѧ· ни мьньшици· или вьноукъı имѣıа· не зналщемъ[8] закона· ни ѿ иного ненавидимомъ· ни имѣниемь коупити чистителъства· нъ вѣдѣти емоу бл҃гъıа канонъı· и тъгда принити на поставление· аще бо како же моцьно· члвкоу исповѣдаетъ си хранитъ·[9] подобаетъ бо свѣщенъıа канонъı· въ закона мѣсто[10] хранити·

Г.[11] ѿ[12] отъходащихъ[13] епископ҃ъ·

Ни единомоу же ѿ еп҃ъ· лише

σκοπεῖσθαι πρότερον αὐτοῦ τὸν βίον κατὰ τὸν θεῖον ἀπόστολον, εἰ σεμνός τε καὶ ἄμεμπτος καὶ πανταχόθεν ἀνεπίληπτος εἴη καὶ ἐπ' ἀγαθοῖς μεμαρτυρημένος καὶ ἱεροπρεπής, καὶ οὔτε ἐκ ταξεωτικῆς ὁρμώμενος τύ- л. 288 b.
χης, πλὴν εἰ μὴ ἐκ νέας ἡλικίας κατὰ τὸ ἦθη διατυπωθὲν ἐν μοναστηρίῳ καταλεγεὶς ἐλευθερωθείη τῆς τύχης, τὸ τέταρτον μέντοι πρότερον τῆς περιουσίας ἀποδιδοὺς τῇ βουλῇ· οὔτε ἐξ ἰδιώτικῶν καλουμένων λαϊκῶν εἰς καθεστώς, εἶτα εὐθὺς ἐπὶ τὴν ἐπισκοπὴν ἀναβαίνων, ἢ γαμετῇ συνοικῶν, ἢ γυναῖκα μὲν ἔχων, ἐκ παρθενίας δὲ εἰς αὐτὸν ἐλθοῦσαν, ἀλλ' οὐδὲ χήραν οὐδὲ διαζευχθεῖσαν οὔτε παλλακὴν ἢ ἐκγόνους ἔχων οὔτε γνωριζομένους τῷ νόμῳ οὔθ' ὑπ' ἐκείνου μεμισημένους· οὐδὲ χρημάτων ὀνήσασθαι τὴν ἱερατείαν, ἀλλὰ ἀναγινώσκειν αὐτὸν χρὴ τοὺς κανόνας καὶ τηνικαῦτα ἐλθεῖν (л. 259ª) ἐπὶ τὴν χειροτονίαν, εἴ γε ὡς ἐφικτὸν ἀνθρώπῳ ὁμολογεῖ τούτους φυλάττειν· δεῖ γὰρ τοὺς ἱεροὺς κανόνας ἀντὶ νόμου φυλάττειν.

γ'. Περὶ τῶν ἀποδημούντων ἐπισκόπων.

Μηδένα τῶν ἐπισκόπων πλέον

1) первое *УН.* 2) непостъижимо *Н.* 3) послоушьствовани *УН.* 4) Ѿлоученим *УН.* 5) поставлѣнъ боудеть *Н.* 6) абь *Н.* 7) епископию *ПС.* 8) знающимъ *П.* 9) хранити *ПН.* 10) мѣста *У.* 11) пра҃ · г҃ · *Н.* 12) ѿ *П*; ѡ *прот. Н.* 13) оходащій *П*; ходащихъ *Н.*

кдиного лѣта· вънѣ цр҃кве соущиен[1] подъ нимь ѿходити· разѣ аще не боудеть того по ц҃рвоу[2] повелѣнию· и да не изв҃ѣтоуютъ·[3] ꙗко цр҃кви его· 5 въ правьдьное влѣкомѣ· сими бо клирикъı или смотрѧщими· или съльникъı подобаѥть бъıти· да ни[4] бе[5] съборьнаго[6] шьствовати· ни шьдъшоу[7] въ ц҃рьство[8] ꙗвитисѧ ц҃рю·[9] прежде аще не придеть къ пр҃стоумоу патрїархоу· или къ[10] коемоужьдо строєнию· ѿ нєгоже соуть[11] съльници· и[12] тѣмъ повѣдати вinоу· ꙗкоже ради придоша· и 15 тако къ[13] ц҃рьствоу[14] вънити· подо- л. 289 a. |баѥть же єпⷭ҇омъ· приставьникъı великъıѧ цр҃кве или приставьникъı патриаршьскъıимъ· възносити ц҃рьствоу·[15] ꙗко же тѣмъ· или правьдьнаго аще просѧть[16] оулоучать· или неправьдьна[17] да ѿходѧть·

Д·[18] ꙗко не бъıвати клирикоу некънижьноу·[19]

Ни въ кдиномь же[20] чиноу· клирикоу 25 подобаѥть[21] бъıти· некънижьноу·[22]

ἢ ἐνιαυτὸν ἔξω τῆς καθ' ἑαυτὸν ἐκκλησίας ἀπολιμπάνεσθαι, πλὴν εἰ μὴ τοῦτο κατὰ βασιλικὴν κέλευσιν· μηδὲ προφασιζέσθω, ὡς τῆς ἐκκλησίας αὐτοῦ ἐν δικαίῳ ἑλκομένης· ταῦτα γὰρ διὰ τῶν κληρικῶν ἢ τῶν οἰκονομούντων ἢ ἀποκρισιαρίων δεῖ γενέσθαι. καὶ μήτε δίχα συστατικῶν ὁδεύειν, μήτε παραγενόμενον εἰς τὴν βασιλίδα ὀφθῆναι βασιλεῖ, πρὶν ἂν παραγενέσθαι πρὸς τὸν ἁγιώτατον πατριάρχην, ἢ πρὸς τοὺς ἑκάστης διοικήσεως, ἐξ ἧς εἰσιν ἀποκρισιάριοι, καὶ αὐτοῖς κοινοῦσθαι τὰς αἰτίας δι' ἃς ἦλθον, καὶ οὕτως συνεισιέναι πρὸς τὴν βασιλείαν. ἐξέστω δὲ τοῖς ἐπισκόποις διὰ τῶν ῥηφερενδαρίων τῆς μεγάλης ἐκκλησίας ἢ διὰ τῶν ἀποκρισιαρίων τῶν πατριαρχικῶν ἀναφέρειν τῇ βασιλείᾳ, ὥστε αὐτούς, εἰ δίκαια αἰτοῖντο, τυγχάνειν ἢ ἀδιάθετον ἀναλύειν.

δ'. Περὶ τοῦ μὴ γίνεσθαι κληρικὸν ἀγράμματον.

Ἐν οὐδεμιᾷ τάξει κληρικὸν εἶναι ἀγράμματον.

---

1) соущиѧ *H.* 2) цесареву *У*; ц҃рёву *ПС.* 3) извѣстоуѥ *ПН.* 4) ни да *H.* 5) бе[3] *C.* 6) събраго *C, но* го *перечеркнуто и надъ* р *надпис.* о (*вышло:* събр҃а). 7) *cod. переправл.* о *изъ* ѣ. 8) ц҃рьство *ПСУ.* 9) ц҃рю *ПС.* 10) къ *проп. C.* 11) тъ *H.* 12) нї *C.* 13) въ *C.* 14) ц҃рьствѣ *ПС.* 15) ц҃рьствоу *ПСУ.* 16) просѧ *П.* 17) неправеднаго *ПС.* 18) пр҃а ·д· *H.* 19) *H проп. это заглавіе.* 20) же *проп. H.* 21) подобаѥть *проп. H.* 22) нежнжнѣ *П.*

ѕ·[1] ꙗко не поставлати слоужьбьниць мьнѣ[2] пѧтидесѧтъ лѣтъ·

Слоужьбьниць[3] же цр҃ковьныихъ· да не[4] мьнѣ пѧтидесѧтъ лѣтъ[5] боудетъ· 5 аще ли въ манастъири мьнѣ тоѭ въздрасти боудетъ[6] ноужде ю· да боудетъ ꙗко же подобаетъ· моужьскоумоу съмѣшению не соуцю· нъ[7] не самовластьно прѣбываніе· нъ[8] 10 мъножьствоу съшьдъшюсѧ· тои же не имѣти въ чиноу· братиѭ ни[9] оужикъ· или гл҃емыихъ любъвьникъ· сънимающиисѧ· нъ о себѣ[10] или родителемъ кдинѣмь· или истинь- 15 нъимъ сестрамъ· или тетъкамъ· и не подобаетъ кще· приходѧщеи[11] въ слоужение· жити съ лицьмь·[12] всѧкое[13] обличение имоущю· аще ли посемь на бракъ въдасть себѣ· Ѡслоу- 20 чена боудетъ[14] подобьнаго имѣниѧ· и поимъıи[15] ю мечьное моучение приниметъ· и[16] имѣние его подастьсѧ людьмъ·

[ѕ·][17] о мьнишицахъ· и о мьнисѣхъ и о игоуменѣхъ·

Въ[18] поущении мьнишьское житие тако боудетъ чисто· тако

ε′. Περὶ τοῦ μὴ προχειρίζεσθαι διακόνισσαν ἔλαττον ν′ χρόνων.

Τὰς δὲ διακόνισσας τῶν ἐκκλησιῶν μὴ ἔλαττον τῶν ν′ ἐτῶν γίνεσθαι. εἰ δὲ ἐν μοναστηρίῳ (л. 259[b]) ἐλάττω ταύτης τῆς ἡλικίας γένοιτο, δι' ἀνάγκην ἔστω, ἅτε δὴ ἀνδρῶν ἐπιμιξίας οὐκ οὔσης καὶ οὐκ αὐτεξουσίου διαίτης, ἀλλὰ πλήθους συνόντος. ταύτας δὲ μὴ ἔχειν ἐν τάξει δῆθεν ἀδελφῶν ἢ συγγενῶν ἢ τῶν καλουμένων ἀγαπητῶν συνόντας, ἀλλὰ καθ' ἑαυτοὺς ἢ γονεῦσι μόνοις καὶ πᾶσιν ταῖς ἀληθιναῖς ἀδελφαῖς ἢ θείαις, καὶ μὴ ἐξεῖναι ἔτι τῇ εἰς διακονίαν ἐρχομένῃ συνοικεῖν προσώπῳ παντοίαν ὑποψίαν ἔχοντι. εἰ δὲ μετὰ τοῦτο εἰς γάμον ἑαυτὴν ἐπιδῷ, ἀφαιρεθήσεται τῆς προσούσης οὐσίας, καὶ ὁ ταύτην λαβὼν τῇ τοῦ ξίφους τιμωρίᾳ ὑποβληθήσεται καὶ τὴν οὐσίαν αὐτοῦ καθέξει τῷ δημοσίῳ.

ς′. Περὶ μοναστριῶν καὶ μοναχῶν καὶ ἡγουμένων.

Ὁ ἐν ἀσκήσει μοναχικὸς βίος οὕτως ἐστὶ σεμνός, οὕτως

---

1) прⷯ ·ѕ· *H*; ѕ *прот. П.* 2) слⷭбницемь не *П.* 3) Слⷭжбницє *П.* 4) же цр҃ковьныихъ· да не *прот. П.* 5) да *вставл. Н.* 6) вздⷭть *С.* 7) по *Н.* 8) въ *П.* 9) ни *прот. Н.* 10) собѣ *Н.* 11) приходящіе *Н.* 12) личемь *У*; слⷭцемь *П* (*см.* съ лицьмь). 13) скакое *У.* 14) боудоудетъ *Н.* 15) понмъ *Н.* 16) и *прот. Н.* 17) прⷯ ·ѕ· *Н.* 18) И *Н.*

присвоитисѧ вѣтити[1] къ бг̃у· при-
л. 289 b. хо|дѧщюмоу[2] на то члв̃коу· ꙗко всѧкоу[3] оубо члв̃чьскоую скврьноу· отрѣбити и чистоу ꙗвитисѧ· и словесьнъıимь подобающимь естьствъмь· и многъıихъ въ оумѣ дѣтельствоующихъ· и члв̃чьскъıихъ печалии большю бъıти· и[4] ѡ того оубо прѣже инѣхъ· ꙗвѣ· ꙗко на вьсѧко лѣто· и на всеи ꙁемли нашеи· аще къто къгда· чьстьнъıи манастъıрь· хощеть поставити· не пьрвѣе воли ѥмоу подобаѥть бъıти того творити· прѣже даже не призоветь· того мѣста бг̃олюбиваго епп̃а онъ же роуцѣ въздвигъ на нбо· и молитвою мѣсто ост̃ить[5] бг̃у· потъкноувъ на нѥмь нашего сп̃сениꙗ образъ·

ιγ̃·[6] ꙗко не оудобь скимъı дѧти мьниχоу свободьноу· или работьноу· кѥмоу·

Повелѣваѥмъ оубо бж̃ьствьноумоу въслѣдоующе ꙁаконоу·[7] соущимь въ мьнишьстѣмь[8] житии· запрѣщати не оудобь[9] абие ѡ бг̃овонꙁнивъıихъ· игоуменъ· чьстьнъıихъ манастъıревъ· скимъı[10] приимати мьниχоу· нъ три лѣта· или свободьни соуть· или раби· прѣбъıвати· ти тако

οἰκειοῦν οἷδεν θεῷ τὸν εἰς τοῦτο ἐρχόμενον ἄνθρωπον, ὥστε πάντα μὲν ἀνθρώπινον αὐτοῦ σπίλον ἀποξύειν καὶ καθαρὸν ἀποφαίνειν καὶ τῇ λογικῇ πρέποντα φύσει καὶ τὰ πολλὰ κατὰ νοῦν ἐνεργοῦντα καὶ τῶν ἀνθρωπίνων φροντίδων ὑπέρτερον. καὶ ἐξ ἐκείνου τοίνυν πρὸ τῶν ἄλλων ῥητέον, ὥστε κατὰ πάντα τὸν χρόνον καὶ ἐν πάσῃ γῇ τῆς ἡμετέρας εἴ ποτέ τις εὐαγὲς μοναστήριον βούλοιτο ⟨οἰκοδομεῖν⟩, μὴ πρότερον ἄδειαν εἶναι τοῦτο πράττειν, πρὶν ἂν τὸν θεοφιλέστατον τοῦ τόπου ἐπίσκοπον προσκαλέσοιτο, ὁ δὲ χεῖράς τε ἀνατείνας εἰς τὸν οὐρανὸν καὶ διὰ (л. 260ª) τῆς εὐχῆς τὸν τόπον ἀνιερώσῃ θεῷ, πηξάμενος ἐν αὐτῷ τὸ τῆς ἡμετέρας σύμβολον σωτηρίας.

ζ'. Περὶ τοῦ μὴ προχείρως σχῆμα δίδοσθαι μοναχοῦ ἐλευθέρῳ ἢ δούλῳ.

Θεσπίζομεν τοίνυν τοῖς θείοις ἀκολουθοῦντες[1] νόμοις τοῖς εἰς μονήρη βίον παραγγέλλειν μὴ προχείρως εὐθὺς παρὰ τῶν εὐλαβεστάτων ἡγουμένων τῶν εὐαγῶν μοναστηρίων σχῆμα λαμβάνειν μοναχικόν, ἀλλ' ἐπὶ τριετίαν ὅλην, εἴτε ἐλεύθεροι τυχὸν εἴτε δοῦλοι καθεστήκοιεν, προσκαρτερεῖν, οὕτω

1) вѣдити *Д*; вѣтити *прот. Н.* 2) прихождѧщи *Н.* 3) всѧкомѣ *П.* 4) и *прот. Н.* 5) ст̃ить *П.* 6) пра̃ ·ꙁ· *Н.* 7) каноноу *Н.* 8) мнѣшьствѣмь *С.* 9) вдобь *Н.* 10) скимьı *П.*

1) cod. переправл. о (послѣ ѳ) изъ ꙗ.

мьнишьскаго образа съподобитисѧ· подобаѥть·

ѳ̄·[1] Аще ли равьно[2] трии лѣтъ· приидеть къто· и нѣкоего на поучениѥ· 5 запрѣщающихъ приводить·[3] ѩко раба хощеть· глѧть же ѩко въсѫ· нѣкыѩ вещи сего ради вьниде въ манастырь· повелѣвающемъ ѥмоу оудобь сего не творити· нъ първѣѥ показати 10 истиноу ѩко и рабъ ѥсть· и къ окраденію[4] | съключисѧ· житиѧ ради люталаго и грѣха·[5] оубѣжа своѥго ради прѣгрѣшениѧ· въ манастырь же· не истиною поучениѧ желаѧ вьниде· того ѿдати сътѫжавъшюмоу съ нимьже 15 въправьдоу·[6] ѿѧ· аще оубо и сиѧ въ манастырь[7] вънесе· гдиноу же дати вѣроу· ѩко ничьсо[8] же сътворить зъла· аще ли покѣдъваѧи никако же тацѣмъ· обличаѥтьсѧ· ѩвлѧѥть же сѧ чистъ и кротъкъ· и[9] съвѣдѣтельствоуѥтьсѧ· ѩко ѿ стѫжавъшаго оукраденъ бѣ· и аще никако же полоучитьсѧ[10] съвьршеноѥ третиѥ 25 лѣто· нъ оубо и тако да прѣбоудеть въ манастыри· ѿ влѣчащихъ[11] измѣньсѧ гърдостиѥ· третиѥмоу бо миноувъшю[12] лѣтоу· испытанъ бывъ· ѩко мьнишьскыѩ достоинъ бывъ 30 чистотъı·[13] воляѧ ни ѥдиномоу же

τοῦ μοναχικοῦ σχήματος ἠξιωμένους.

η′. Εἰ δὲ εἴσω τῆς τριετίας ἔλθοι τις καί τινα τῶν εἰς ἄσκησιν παραγγελλόντων ἔλκοι ὡς οἰκέτην βουληθεῖεν, λέγοί τε, ὡς ὑφείλετό τινα πράγματα καὶ διὰ τοῦτο εἰσέδραμεν εἰς τὸ μοναστήριον, θεσπίζομεν αὐτῷ μὴ προχείρως τοῦτο πράττειν, ἀλλὰ πρότερον ἐπιδεικνύναι τὴν ἀλήθειαν, ὡς καὶ δοῦλός ἐστιν καὶ ἐπὶ κλοπῇ τυχὸν καὶ ἐπὶ βίῳ л. 290 a.
χαλεπῷ καὶ πταίσματι ἀπέδρα διὰ τὸ οἰκεῖον πταῖσμα, εἰς δὲ τὸ μοναστήριον οὐ ταῖς ἀληθείαις ἀσκήσεως ἐρῶν εἰσελήλυθεν· τοῦτον ἀποδίδοσθαι τῷ κεκτημένῳ, μεθ' ὧν εἰκὸς ὑφείλατο, εἴ γε καὶ ταῦτα κατὰ τὸ μοναστήριον εἰσήνεγκεν, τὸν δὲ δεσπότην διδόναι πίστιν, ὡς οὐδὲν δράσει κακόν. εἰ δὲ ὁ ἐγκαλούμενος οὐδὲν τοιοῦτον ἐλέγχοιτο, φαίνοιτο δὲ σεμνὸς (л. 260^{b}) καὶ ἐπιεκὴς καὶ μαρτυροῖτο, ὡς καὶ παρὰ τῷ κεκτημένῳ κόσμιος ἦν, κἂν εἰ μήπω τύχοι πεπερασμένος ὁ τῆς τριετίας χρόνος, ἀλλ' οὖν καὶ οὕτω μενέτω κατὰ τὸ μοναστήριον ἐκ τῆς τῶν ἐλκόντων ἀπηλλαγμένος θρασύτητος. τριετοῦς δὲ παρελθόντος χρόνου ἐγκριθείς, ὡς τῆς μοναχικῆς ἄξιος καθεστήκοι σεμνότητος, ἄδειαν οὐδενὶ

1) пра̂ ·ѳ̄· *H.* 2) и *вставл. C.* 3) приводить запрѣщающихъ *H.* 4) окрадію *C.* 5) грѣхъ *H.* 6) правдоу *H.* 7) рече *вставл. C.* 8) ничто *H.* 9) и *проп. H.* 10) полоучитьсѧ *У.* 11) влачащихъ *H.* 12) мнѣшю *П.* 13) чистотьı *П.*

даємъ отиноудь· испытавати[1] чьсо[2] на таковаго· довълѣютъ бо[3] на съмѣреноую чистоту съгрѣшьшиихъ третиего лѣта[4] съвѣдѣтельство·[5] ѡкраденъимъ же· въ нихъже[6] аще обрѣщетьса· ѡдаємомъ· аще работы бѣжа искоушенъ боудеть· манастырь оставивъ· ини зъ ѡбразъ житиа гонити· власть даємъ сътѫжавъшюмоу· вльци и[7] показавъшемоу полоучан·[8] и въ равѣхъ кго имѣти·

ϛ̄· Аще ли както себе обрекъ манастъреви· и полоучивъ образъ· хощеть особьноє[9] имѣти житиє· тъ оубо вѣсть како[10] ѡвѣщаютъ· имѣниє оубо елико имать· вънегда въ манастырь въходить· гдѣ манастъра да боудеть·

л. 290 b. | ѕ̄·[11] И оно же извѣщаємъ· ѩко прѣже даже не вънити въ манастырь хотащюоумоу· власть имѣти своємоу имѣнию· ѩко же хощеть въшьдъшю же емоу съвъслѣдоуютъ и[12] имѣниє· и аще[13] не ѩвѣ вънесеть кго· аще ли дѣти имать· или сълоучисѧ оубо вещи нѣкыѩ подати имъ· или прѣжебрачьныѩ дары· или по извѣтоу брачьныихъ даровъ· подавъ и творить си· третиєє ѿ съложеннаго[14] своєго имѣниа· да дълажьнъ боудеть

δίδομεν παντελῶς πολυπραγμονεῖν τι τῶν[1] κατ' αὐτόν·[2] ἀρκεῖ γὰρ πρὸς μετρίαν κάθαρσιν τῶν ἡμαρτημένων ἡ τοῦ τριετοῦς χρόνου μαρτυρία, τῶν μέντοι κλαπέντων, παρ' οἷς ἂν εὑρεθῇ, ἀποδιδομένων. εἰ μέντοι τὴν δουλείαν καταφυγὼν πειραθείη τὸ μοναστήριον καταλιπὼν ἕτερον βίου σχῆμα μεταδιώκειν, ἄδειαν διδόαμεν τῷ κεκτημένῳ ἕλκειν αὐτὸν ἀποδεικνύντι τὴν τύχην καὶ εἰς οἰκέτας αὐτὸν ἔχειν.

ϑ'. Εἰ δέ τις ἑαυτὸν καθιερώσας ἐν μοναστηρίῳ καὶ τυχὼν τοῦ σχήματος βουληθείη ἰδιώτην τυχὸν ἕλκειν βίον, αὐτὸς μὲν οἶδεν, πῶς ἀπολογήσεται· τὰ πράγματα μέντοι, ὁπόσα ἂν ἔχοι, ἡνίκα εἰς τὸ μοναστήριον εἰσίοι,[3] τῆς δεσποτείας ἔσται τοῦ μοναστηρίου.

ι'. Κἀκεῖνο δὲ προσδιορίζομεν, ὥστε, πρὶν εἰς τὸ μοναστήριον εἰσελθεῖν τὸν βουλόμενον, ἄδειαν ἔχειν τοῖς ἑαυτοῦ χρήσασθαι (л. 261ª) ὡς βούλεται· εἰσελθόντι γὰρ συνακολουθήσει καὶ τὰ πράγματα, κἂν εἰ μὴ ῥητῶς εἰσάγῃ αὐτά. εἰ δὲ παῖδας ἔχοι, εἰ μὲν ἐτύχοιεν ἤδη πράγματά τινα δωρησάμενος αὐτοῖς ἢ κατὰ προγαμιαίαν δωρεὰν ἢ κατὰ προικὸς πρόφασιν διδούς, καὶ ποιεῖ ταῦτα τὸ τέταρτον ἐξ ἀδιαθέτου τῆς αὐτοῦ περιουσίας, ὀφειλέσθω

1) испытовати *НУ*. 2) что *Н*. 3) бо *проп. С*. 4) лѣта *У*. 5) свидительствова *С*. 6) къ нихъже *проп. С*. 7) и *проп. НУ*. 8) полоучии *Н*. 9) ѿсобно *Н*. 10) тако *С*; что *Н*. 11) пра̄ ·ѕ̄· *Н*. 12) и *проп. Н*. 13) ащеще *У, но конечное* ще *выскобл.*; аже *С*. 14) ложеннаго *ПС*.

1) cod. переправл. въ τὸν. 2) cod. переправл. изъ αὐτῶν. 3) εἰσεῖη cod.

дѣтьмъ на напъланиие· аще ли по полоучению оубо приимъше·[1] или на иже вьсе имъ[2] дати· аще ли женоу имать· да съхранитьсѧ дарове врачьнии· и съвѣщание иже ѿ съмьрти· аще ли и на воиньство къто прѣда къто[3] по семь· или иного[4] житиа ѿ вразъ·[5] прѣбъıти имѣнию ıго[6] на имьже речетьсѧ мѣстѣ ни единого[7] же на прочиихъ вещьхъ· причастиа имоуть дѣти· аще ли ничьсо[8] же имъ не дасть· или по третиимь лѣтѣ· и по запрѣщении[9] реченаго въ мьниихъ· ничьсо[10] же по третиимь лѣтѣ подобьна дѣтьмъ въдати·

ѳ̄ı·[11] Аще ли и[12] въ инъ манастъıрь прѣидеть· и тако имѣние ıго въ пьрвѣмь манастъıри останеть· аще ли и клиричьскаго[13] поставлениа[14] съподобитьсѧ· не подобаѥть имоу дьрзновениа[15] клирика· къ бракоу приходити· ѥко же на чьтьцихъ и[16] пѣвьцихъ· или мьньшицю имѣти· или[17] клико таковъıихъ· аще ли то прѣобидить· изгънати и отиноудь[18] ис к[л]и|роса· и простьць да боудеть прочеѥ· къ воиньствоу или къ иномоу начинанию[19] принти не надѣıсѧ· аще хощеть ѿ насъ прѣдъıимь

τοῖς παισὶν ἢ εἰς ἀναπλήρωσιν, εἴτε τυχὸν ἤδη λαβόντες, ἢ καὶ ἐφ' ᾧ τὸ πᾶν αὐτοῖς δοθῆναι. εἰ δὲ γυναῖκα ἔχοι, φυλαττέσθω ἡ προῖξ καὶ τὸ ἀπὸ τελευτῆς σύμφωνον. εἰ δὲ καὶ ⟨εἰς⟩ στρατείαν ἑαυτὸν ἐπιδοίη τις μετὰ τοῦτο ἢ ἕτερον βίον σχῆμα, ἀπομένειν τὴν οὐσίαν αὐτοῦ ἐν ᾧ ἀπετάξατο τόπῳ. μηδεμίαν ἐπὶ τοῖς λοιποῖς πράγμασιν ἐχέτωσαν μετουσίαν οἱ παῖδες· εἰ δὲ οὐδὲν αὐτοῖς δωρήσηται ἢ ἔλαττον τοῦ τετάρτου, καὶ μετὰ τὸ παραγγεῖλαι τὸν ἀποτεταγμένον εἰς μοναχοὺς οὐδὲν ἧττον τὸ τέταρτον.

ια'. Εἰ δὲ καὶ ἑτέρῳ μοναστηρίῳ μεταβῇ, καὶ οὕτω τὰ τοῦ αὐτοῦ τῷ πρώτῳ μοναστηρίῳ ἀνήκειν. εἰ δὲ καὶ κληρικοῦ χειροτονίας ἀξιωθείη, μὴ ἐξεῖναι αὐτῷ κατὰ τὴν τοῦ κληρικοῦ παῤῥησίαν πρὸς γάμον ἐλθεῖν, ὡς ἐπὶ τῶν ἀναγνωστῶν ἢ ψαλτῶν, ἢ παλλακὴν ἔχειν ἢ ὅσα τοιαῦτα. εἰ δὲ τοῦτο περιφρονήσοι, ἐκβάλλεσθαι παντοίως τοῦ κλήρου καὶ ἰδιώτης (л. 261[b]) ἔστω, τὸ λοιπὸν πρὸς στρατείαν ἢ ἑτέραν ἐπιτήδευσιν ἐλθεῖν οὐ θαρρῶν, εἰ μὴ βούλοιτο τοῖς ἔμπροσθεν παρ' ἡμῶν л. 291 a.

1) *cod. переправл* ш *изъ* ж. 2) всемъ *H* (*вм.* вьсе имъ). 3) къто *проп. H.* 4) ино *C.* 5) ѿвраз *C.* 6) ıго *проп. C.* 7) єдино *H.* 8) ничто *H.* 9) ѿ *вставл. H.* 10) нїчто *H.* 11) пра̑ ·ѳ̄ı· *H.* 12) и *проп. H.* 13) клирицьскаго *У.* 14) поставлению *У.* 15) дьрзновєнии *У*; дєрзновєньи *H.* 16) на *вставл. H.* 17) или *проп. C.* 18) ѿиѕдѕ *П.* 19) начинанїю *У,*

прѣщениемь·[1] запрѣщению[2] не покоритисѧ·[3] бъıти же въ врѣмѧ потрѣвъı игоуменоу· не бъхъмѧ по чиноу·[4] нъ достоиꙗлаго искоушениемь· изъврашениемь ѿ[5] еп҃па пьрвѣе и прочиихъ·[6] и не се тъчию[7] въ манастъıрьхъ·[8] нъ и въ постънъıихъ дьржащемъ·

[вї·][9] о клириць҃хъ имоущиихъ нѣчто[10] дроугъ[11] къ дроугоу·[12] и приводимомъ ѿ нѣкоегѡ·

Многъı написавъше законъı·[13] о бл҃голюбивъıихъ[14] еп҃пѣхъ· и о прочимь[15] чистителъствѣ[16] вьсемь· ибо и[17] о бл҃гобоѩзнивъıихъ мънисѣхъ· и прѣже мала се сътворьше· въ нихъже въсхотѣхомъ· бл҃гобоѩзнивъıѧ[18] мъниихъ·[19] ѿ единѣхъ еп҃пъ гражанъскъıихъ· въ нихъже соуть манастъıреве·[20] въвождениѧ[21] прѣтърпѣвати· повѣжени бъıхомъ ѿ минъı бл҃голюбивааго еп҃па· блаженаго того града· и всеѧ вьселенъıѧ патриарха· и бл҃гобоѩзнивъıимъ клирикомъ· се подати промъıшлениѥ· ѩко аще кто имать чьто къ нѥмоу· о[22] вещи пьрвѣѥ·[23] ѿ бл҃голюбивъıихъ еп҃пъ· подъ нимиже

1) прощеньемъ *H*; прѣщеніемъ *II*. 2) запрещеньемъ *H*. 3) покорити *У*. 4) циноу *У*. 5) ѿ *проп. У*. 6) процихъ *У*. 7) тоцию *У*. 8) мастырѣ *C*. 9) пра҃ ·ві· *H*. 10) нѣцьто *У*; же *вставл. II*. 11) дръ·гъ *У*. 12) дроугъ къ дроугоу нѣчто *H*. 13) законыи *II*. 14) ѣолюбивѣхъ *H*. 15) прочемь *H*. 16) чт҃ителъствѣмь *H*. 17) и *проп. H*. 18) бл҃гобоѩзнивыиа *II*. 19) миихы *ПУ*; миихи *H*. 20) манастыреви *II*. 21) въвожденіѥ *C*. 22) ѿ *H*. 23) пръвѣи *II*.

ἐπειλημμένους[1] ἐπιτιμίοις ὑποπεσεῖν. γίνεσθαι δὲ ἐν καιρῷ χρείας ἡγούμενον οὐ πάντως κατὰ τάξιν, ἀλλὰ τὸν ἄξιον δοκιμασίᾳ καὶ ἐπιλογῇ τοῦ ἐπισκόπου πρότερον καὶ τῶν λοιπῶν. καὶ ταῦτα μὴ μόνον ἐν τοῖς μοναστηρίοις, ἀλλὰ καὶ ἐν τοῖς ἀσκητηρίοις κρατεῖν βουλόμεθα.

ιβ′. Περὶ κληρικῶν ἐχόντων τι πρὸς ἀλλήλους καὶ ἐναγομένων ὑπό τινος.

Πολλοὺς γεγραφηκότες νόμους τούς τε περὶ τῶν θεοφιλεστάτων ἐπισκόπων τῆς τε ἐφεξῆς ἱερατείας[2] πάσης, καὶ μὴν καὶ περὶ τῶν εὐλαβεστάτων μοναχῶν, καὶ ἔναγχος τοῦτο πεπραχότες, ἐν οἷς ἐβουλήθημεν τοὺς εὐλαβεστάτους μοναχοὺς παρὰ μόνοις τοῖς τῶν πόλεων ἐπισκόποις, ἐφ' οἷς ἐστι τὰ μοναστήρια, τὰς ἐναγωγὰς ὑπομένειν, ᾐτήθημεν παρὰ Μηνᾶ τοῦ θεοφιλεστάτου ἐπισκόπου τῆς εὐδαίμονος ταύτης πόλεως καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου, καὶ τοῖς εὐλαβεστάτοις κληρικοῖς ταύτην δοῦναι τὴν προνομίαν ὥστε, εἴ τις ἔχοι τινὰ πρὸς αὐτὸν χρηματικήν, πρότερον παρὰ τῶν θεοφιλεστάτων ἐπισκόπων, ὑφ' ὧν

1) ἐπιλημμένους cod. 2) cod. переправл. изъ ἰατρείας.

есть и дань дакть· и ненаписано расмощрение въспрнати·[1] и аще боудеть се·[2] ни сътоужати кмоу· ни влѣщи на соудища градьска· нъ ненаписанимь· и бес тъцетъ приимати образъ· равьно и написано·[3] на то странъ въсхощеть измѣнитьсѧ· дроугъ къ дроугоу рьвьности· а|ще ли нѣкъто ради неоудобьнъ не боудеть мощьно· епⷭоу·[4] ѿсѣщи винъ·[5] тогда власти бъіти· ѿ граждѧньскъіихъ[6] кънѧзь· поущати[7] чьстьмъ вьсѣмъ хранимомъ· ꙗко да бг҃обоꙗзнивъіимъ клирикомъ· вжьствьнаꙗ повелѣниꙗ подадѧтьсѧ· и подвизатисѧ и коньць приложити соудоу· аще оубо о[8] прѣгрѣшенниихъ· приводитьсѧ· аще ли градьскоѥ· тоу оубо подобьнии кънѧзи·[9] на епархиахъ же· тѣхъ игоумени· да боудоуть соудиꙗ не прѣстоупающю соудоу мⷱю· дъвоу· по оустановлѣнию· ѿнелѣ же начатие боудеть· ꙗко скоро наложити· на вещь коньць· ономоу во ꙗвѣ соущю· ꙗко оубо повиньноу бъіти прѣводимааго· мьнить епархиискъіи игоуменъ· и кази достоина соудить·[10] пьрвѣе обнажити того ѿ бг҃олюбиваго епⷭа· тако же подъ законьнъіими роуками бъіти·

τελεῖ, καὶ ἐντυγχάνειν καὶ ἀγράφου δια-
(л. 262ᵃ) κρίσεως ἀπολαύειν, καί, εἴπερ
γένοιτο τοῦτο, μήτε ἐνοχλεῖν αὐτὸν
μήτε ἕλκειν εἰς δικαστήρια πολιτικά,
ἀλλ᾽ ἀγράφως καὶ ζημίας χωρὶς λαμ-
βάνειν τύπον, ἴσως καὶ ἔγγραφον, εἰ
τοῦτο τὰ μέρη βουληθείη, καὶ ἀπαλ-
λαχθῇ τῆς πρὸς ἀλλήλους ἔριδος. εἰ л. 291 b.
δὲ διά τινα δυσκολίαν οὐ γένοιτο δυνα-
τὸν τῷ ἐπισκόπῳ τεμεῖν τὴν ὑπόθεσιν,
τότε ἄδειαν εἶναι καὶ παρὰ τοὺς πο-
λιτικοὺς ἄρχοντας ἰέναι, τῶν προνομίων
ἁπάντων φυλαττομένων, ὅπως ἂν τοῖς
εὐλαβεστάτοις κληρικοῖς αἱ θεῖαι δια-
τάξεις διδόασιν καὶ ἀγωνίζεσθαι καὶ
πέρας ἐπιτίθεσθαι τῇ δίκῃ. εἰ μέντοι
περὶ ἐγκλημάτων ἐνάγοιτο, εἰ μέντοι
πολιτικόν, ἐνταῦθα μὲν οἱ πρόσφοροι
ἄρχοντες, ἐπὶ δὲ τῶν ἐπαρχιῶν οἱ
τούτων ἡγούμενοι ἔστωσαν δικασταί,
μὴ ὑπερβαινούσης τῆς δίκης μηνῶν δύο
προθεσμίαν, ἀφ᾽ οὗ προκάταρξις γένη-
ται, ὥστε σύντομον ἐπιτεθεῖσθαι τῷ
πράγματι πέρας, ἐκείνου δήλου ὄντος,
ὡς, εἴγε ὑπεύθυνον εἶναι τὸν ἐναγόμενον
νομίσειεν ὁ τῆς ἐπαρχίας ἡγούμενος καὶ
ποινῆς ἄξιον κρίνοιεν, πρότερον γυμνοῦ-
σθαι τοῦτον παρὰ τοῦ θεοφιλεστάτου
ἐπισκόπου τῆς ἱερατικῆς ἀξίας, οὕτω
τε ὑπὸ τὰς τῶν νόμων χεῖρας γίνεσθαι.

---

1) прнати *H.* 2) се *прот. C.* 3) написанъ *H.* 4) епископⷭ *C.* 5) не бⷭдеть мощно *вставл. C.* 6) градьскъіхъ *H.* 7) пⷭчати *C.* 8) о *прот. HУ.* 9) кнмзю *П.* 10) сⷭть *C.*

аще оубо цр҃квьное боудеть съгрѣшение· трѣбоуѭ цѣломоудриѭ·[1] и запрѣщении[2] цр҃квьнъıихъ·[3] е҃пъ се да соудитъ· не хощемъ бо таковъıихъ винъ видѣти·[4] градьскъıимъ кънѧземъ·[5]

ѓ·[6] ѡ цр҃квьнъıихъ· неподвижимъıихъ вещьхъ· расточение[7] низъложенига· развѣ въ костантини градѣ·

И[8] се о законѣ тъщание· и ина всѧ[9] намъ того ради бъıша· троудьно за пользъное нашимъ послоухомъ· проливаемое[10] оубо и вещисльное прѣставлѧюще· повелѣное же и·ницьтеное въводѧща·[11] заповѣдаемъ оубо· или с҃тъıхъ цр҃квъ· или прочиихъ
л. 292 a. чьсть|нъıихъ домовъ·[12] людьскъıи подобаѥть дани·[13] ѿнюдоу[14] же съ-
творити тѣхъ ѿдание·[15] не имате[16] разоумѣти· вьсѣхъ[17] въкоупѣ· и ѿ клироса же· и в҃олюбивааго е҃пра· того же града къ митрополинскоумоу оубо· и[18] божьствьнъıихъ прѣдълежащинихъ словесъ вещь испъıтати·[19] и аще не ѥвитьсѧ· ни єдинъ же поуть расточенига· развѣ могъıи[20] ει μέντοι ἐκκλησιαστικὸν εἴη τὸ (л. 262b) ἁμάρτημα δεόμενον σωφρονισμοῦ καὶ ἐπιτιμίων ἐκκλησιαστικῶν, ὁ ἐπίσκοπος τοῦτο κρινέτω· οὐ γὰρ βουλόμεθα τοιαύτας ὑποθέσεις γινώσκεσθαι τοῖς πολιτικοῖς ἄρχουσιν.

ιγ΄. Περὶ τῆς τῶν ἐκκλησιαστικῶν ἀκινήτων πραγμάτων ἐκποιήσεως καὶ καταβολῆς δίχα τῶν ἐν Κωνσταντινουπόλει.

Καὶ τὸ περὶ τοὺς νόμους σπούδασμα καὶ τὰ ἄλλα πάντα ἡμῖν διὰ τοῦτο καθ' ἑκάστην ἐκπονεῖται, διὰ τὸ συμφέρον τοῖς ἡμετέροις ὑπηκόοις, τὸ μὲν ἐκκεχυμένον καὶ ἄμετρον παύοντες, τὸ δὲ ὡρισμένον καὶ μεμετρημένον ἀντεισφέροντες. θεσπίζομεν τοίνυν, εἴπερ τῶν ἁγιωτάτων ἐκκλησιῶν ἢ τῶν λοιπῶν σεβασμίων οἴκων δημοσίους ὀφείλει φόρους, καὶ ὅθεν ποιήσοιτο τὴν τούτων ἀπόδοσιν οὐκ ἔχοι, συνιέναι πάντας εἰς ταὐτὸν τούς τε ἐκ τοῦ κλήρου τόν τε θεοφιλέστατον ἐπίσκοπον τῆς αὐτῆς πόλεως καὶ πρόσγε τὸν τῆς μητροπόλεως, καὶ τῶν θείων προκειμένων λογίων τὸ πρᾶγμα ἐξετάζεσθαι. καὶ εἰ μὴ φανείη μηδὲ εἰς πόρος ἐκποιήσεως χωρὶς δυνάμενος

---

1) челомоудриѭ *У.* 2) и *вставл. П.* 3) цр҃квьнимъ *П.* 4) вѣдити *П.* 5) *С и cod.* (*рук. XIII в.*) *in т.* досѣда. 6) пра· ѓ· *Н*; *У проп. всю главу 13*; ѓ *проп. П.* 7) расточении *Н.* 8) Я *Н.* 9) къ *вставл. С.* 10) пролива *Н.* 11) въводѧща *Н.* 12) или прочиихъ чьстьнъıихъ домовъ *проп. С.* 13) и *вставл. Н.* 14) ѿнюдъ *Н.* 15) и *вставл. Н.* 16) имать *Н.* 17) вьсѣ *С.* 18) и *проп. С.* 19) испъıтити *cod.* 20) многии *Н.*

раздроушити людьскыи[1] дългъ· тогда власти имъ[2] бъıти· соудоу таковоумоу происходащю· и ако соуди бъıвъше·[3] ѡ епархиискаго къниз̑а· и притажании неподвижимъıихъ прикасатиса·,и сиа продавати[4] на раздрѣшение дълга· мѣсацьнаго·[5] на людьское низълагающихъ· показания[6] ѿтоудѣ въземлющемъ·[7] и въходящемъ людьскыи дългъ и оу҃тверженик[8] ѿтоудѣ[9] имоущемъ· и не вопщемъса прѣдъположьшаго[10] законъ[11] ѡ насъ· проданик же творащемъ·[12] неповиньномъ соущемъ· людьскыимъ же показанием̑ъ явленыимъ къ памати бъıвающемъ[13] сътворьшимъ ѡ· да и тѣ пр҃стъıимъ цр҃квамъ· изъıваютъ явленаа показания·[14] и людьскыа дани положити· и не могоущемъ[15] нѣкъıимъ· льстите[16] людьскаго дълга· и тако на проданик·[17] неподвижимъıихъ въмѣщатиса· того ради бо[18] и сътворенике сѣдалища повелѣхомъ· да и[19] людьскыи дългъ съвѣдѣтельствоуѥтьса· и[20] ѡ кънихъ съниде лѣ· и ако не ѡ имѣниа·[21] раздроушиса нъ въ

λῦσαι τὸ δημόσιον ὄφλημα, τηνικαῦτα ἄδειαν αὐτοῖς εἶναι ψήφου τοιαύτης προσιούσης καὶ δὴ κριτοῦ (л. 263ᵃ) γενομένου παρὰ τῷ τῆς ἐπαρχίας ἄρχοντι καὶ κτήσεων ἀκινήτων ἅπτεσθαι καὶ ταύτας ἐκποιεῖν εἰς λύσιν τοῦ ὀφλήματος, τῶν μηνῶν ἐπὶ τὸ δημόσιον καταβαλλόντων καὶ τὰς ἀποδείξεις ἐκεῖθεν λαμβανόντων καὶ ὑπεισιόντων τὸ δημόσιον ὄφλημα καὶ τὴν ἀσφάλειαν ἐκεῖθεν ἐχόντων καὶ οὐ δεδιότων τὸν ἔμπροσθεν τεθέντα νόμον παρ' ἡμῶν, τῶν δὲ τὴν πρᾶσιν ποιουμένων ἀνευθύνων καθεστώτων, τῶν δὲ δημοσίων ἀποδείξεων ἐμφανῶν ἐν ὑπομνήμασι γενομένων καὶ κατατιθεμένων τῶν πεποιηκότων αὐτάς, ἵνα καὶ πρὸς τὰς ἁγιωτάτας ἐκκλησίας σῴζοιντο περιφανεῖς ἀποδείξεις τοῦ καὶ τοὺς δημοσίους φόρους καταβεβλῆσθαι, καὶ οὐ δυναμένων τινῶν πλάττειν δημόσιον ὄφλημα καὶ οὕτως ἐπὶ τὰς ἐκποιήσεις τῶν ἀκινήτων χωρεῖν. διὰ τοῦτο γὰρ καὶ τὴν τοῦ δικρέτου ποίησιν ἐπετρέψαμεν, ἵνα καὶ τὸ δημόσιον ὄφλημα μαρτυρῆται, καὶ ἐκ πόσων κάτεισι χρόνων, καὶ ὅπως οὐκ ἐκ χρημάτων ἐλύθη, ἀλλ' εἰς

---

1) людьски *H*. 2) *вм.* власти имъ: власти и *ПН*, волимъ. 3) соудивше *H* (*вм.* соуди бъıвъше). 4) продавати *H*. 5) мц҃наго *H*. 6) показании *H*. 7) вземлющимъ *H*. 8) оу҃держанию *H*. 9) ѿтоутоудѣ *cod*. 10) прѣдъложьшаго *H*; прѣдълошаго *C*. 11) закона *H*. 12) творащимъ *П*. 13) и показающе *вставл*. *H*. 14) показанїе *П*. 15) могѫщимъ *П*. 16) льстеть *H*. 17) преданию *H*. 18) бо ради *H*. 19) ю *C*. 20) и *проп*. *C*. 21) мѣнїа *C*.

ноужда распродания· приде· аще
л. 292 b. оубо не|вѣжа кто·[1] дължънъ боудеть· можеть образъ приимати не-
подвижимъıихъ[2] притажании· и аще
ѿтоудоу бывающю·[3] и мѣрѣ истин-
ною дължъжънъıимъ имъ· на продание неподвижимъıихъ[4] къмѣстити-
сѧ· приносимъ же того[5] закона· прⷭтоую же и великоую цр̃къвь· и
тоѣ окольнѣѣ· и притворънъıѣ цр̃квиихъже та попечение имѣть·

[Δι·][6] ѡ цр̃квьнъıихъ насажениихъ[7] и[8] инѣхъ главъ[9] повелѣния·

Мъногомъ и[10] различьномъ законом· на продания[11] и насажения· и[12] на наимъı цр̃квьнъıимъ[13] вещьмъ пришьдъшемъ·[14] съвѣмъ[15] пришьдъшемъ·[16] приати законъмь· власть оубо даемъ бг̃ънъıимъ имъ[17] домомъ· по вьсѣмъ епархиамъ· наше бо житие соущамъ·[18] не тъкъмо нъ и манастъремъ[19] въ цр̃ьсцѣмь[20] градѣ· и окроужънъıимъ[21] кго· не тъкмо на врѣмѧ насажение творити·

ἀνάγκην ἐκποιήσεως ἦλθεν. εἰ μὲν οὖν ἰδιώτης τις ὀφειλόμενος εἴη, δύναται τὸ σχῆμα λαμβάνειν ἀκινήτους κτήσεις, κἀνταῦθα δὲ γινομένου καὶ πρὸς τὸ μέτρον τῶν ταῖς ἀληθείαις ὀφειλομένων αὐτῶν εἰς (л. 263^{b}) ἐκποίησιν ἀκινήτων χωρεῖν. ἐξαιροῦμεν δὲ τούτου τοῦ νόμου τήν τε ἁγιωτάτην μεγάλην ἐκκλησίαν καὶ τὴν αὐτῆς περιοικίδα καὶ τοὺς εὐκτηρίους οἴκους, ὧν αὕτη τὴν φροντίδα ἀναδέδεικται.

ιδ΄. Περὶ ἐκκλησιαστικῶν ἐμφυτεύσεων καὶ ἄλλων κεφαλαίων διάταξις.

Πολλῶν καὶ διαφόρων νόμων ἐπὶ ταῖς ἐκποιήσεσιν καὶ ἐμφυτεύσεσιν καὶ μισθώσεσιν τῶν ἐκκλησιαστικῶν πραγμάτων φοιτησάντων, συνείδομεν τῷ παρόντι περιλαβεῖν νόμῳ. ἄδειαν τοίνυν διδόαμεν τοῖς εὐαγέσιν οἴκοις τοῖς ἐν ἁπάσαις ταῖς ἐπαρχίαις τῆς ἡμετέρας πολιτείας κειμένοις, οὐ μὴν ἀλλὰ καὶ μοναστηρίοις ἐν τῇ βασιλίδι πόλει καὶ τῇ ταύτης περιοικίδι μὴ μόνον πρὸς καιρὸν[1] ἐμφύτευσιν ποιεῖσθαι

1) кто невѣжа *H.* 2) недвижимыхъ *H.* 3) бывающи *H.* 4) непⷭвижнѣ *П.* 5) того же *C.* 6) прⷭ ·ді· *H*; *У проп. всю главу 14.* 7) насаженъıхъ *H.* 8) и *проп. H.* 9) главѣ *C.* 10) и *проп. H.* 11) преданиа *H.* 12) и *проп. H.* 13) цр̃квьнъıимъ *cod.* 14) пришⷭшимь *П*; пришедъшемъ *проп. H.* 15) вскмъ *H.* 16) пришедъшимъ *H*; пришешимь *П.* 17) имъ *проп. HПС.* 18) соущемъ *H.* 19) мастыремь *C.* 20) цр̃ьсцѣмь *C*; цр̃ьсцѣи *П.* 21) ѿкрⷭженъıимъ *П*; окр̃анiимъ *C.*

1) cod. переправл. изъ πρόσκαιρον.

неподвижимъıихъ подобьнъıихъ вещии· нъ[1] въıноу сиа хотащихъ насаженикмь правьдьнъıимь дати· и[2] аще престъıа[3] цр҃кви бъıва-
5 ютъ· или ини чьстьнии домове·[4] ихъже строеник· того[5] мѣста прѣстъıихъ еп҃ъ· или[6] о себѣ·[7] или бл҃гъıимь ег҃о[8] клиросъмь[9] творити· по разоумоу своемоу и[10] съвѣщанию
10 бъıваютъ[11] такова коупла· клноущемъсѧ и[12] пришьдъшю емоу· съмотрьникомъ ег҃о и строителемъ и хартоуларемъ· того чьстьнаго домоу· ако ѿ тоа винъı· ни ѥдина[13]
15 же тъщета чьстьноумоу домоу наводитьсѧ·[14] аще ли[15] ницииихъ прѣбъıвалица· или ини[16] чь|стьни[17] соуть[18] домове·[19] своа[20] строенига имоуще· аще оубо сѣтъıимъ притворь-
20 нъıимъ[21] домомъ съчитаютьсѧ· по разоумоу большаа части· тоу слоужащиихъ· не[22] тъкъмо нъ и къ оному· аще ли гостиницѧ· или ницииихъ прѣбъıвалица и недоужьнъı-
25 ихъ· или клико таковъıихъ клноущемъсѧ[23] строителемъ· пришьдъшю еп҃оу ѿ ег҃оже[24] прѣдълагаютьсѧ·[25] ничьто же на врѣдъ· или

τῶν ἀκινήτων αὐτοῖς προσηκόντων πραγμάτων, ἀλλὰ καὶ διηνεκῶς ταῦτα τοῖς βουλομένοις ἐμφυτευτικῷ δικαίῳ διδόναι. καί, εἰ μὲν ἁγιώταται ἐκκλησίαι τυγχάνουσιν ἢ ἕτεροι εὐαγεῖς οἶκοι, ὧν τὴν διοίκησιν ὁ κατὰ τόπον ἁγιώτατος ἐπίσκοπος ἢ δι' ἑαυτοῦ ἢ διὰ τοῦ εὐαγοῦς αὐτοῦ κλήρου ποιεῖται, κατὰ γνώμην αὐτοῦ καὶ σύνεσιν γίνεσθαι τὸ τοιοῦτο συνάλλαγμα, ὁμνυόντων παρόντος αὐτοῦ τῶν οἰκονόμων καὶ διοικητῶν καὶ χαρτουλαρίων τοῦ αὐτοῦ (л. 264ª) εὐαγοῦς οἴκου, ὡς ἐκ ταύτης τῆς αἰτίας οὐδεμία ζημία τῷ εὐαγεῖ οἴκῳ ἐπάγεται. εἰ δὲ л. 293 a.
πτωχεῖα ἢ ξενῶνες ἢ νοσοκομεῖα ἢ ἕτεροι εὐαγεῖς ὦσιν οἶκοι ἰδίαν διοίκησιν ἔχοντες, εἰ μὲν ἁγίους εὐκτηρίους οἴκους συμβαίη, κατὰ γνώμην τοῦ πλείονος μέρους τῶν ἐκεῖσε λειτουργούντων, οὐ μὴν ἀλλὰ καὶ τοῦ οἰκονόμου· εἰ δὲ ξενὼν ἢ πτωχεῖον ἢ νοσοκομεῖον ἢ ὅσαι τοιαῦται, ὁμνυόντων τῶν διοικούντων παρουσίᾳ τοῦ ἐπισκόπου, παρ' οὗ προβάλλονται, ὡς οὐδὲν πρὸς βλάβην ἢ

1) не *H* (*вм.* нъ и). 2) и *проп. H.* 3) прч҃ъıа *H.* 4) доме *C.* 5) то *H.* 6) и *C.* 7) ѿсовѣ *H.* 8) ег҃о *проп. H.* 9) клиросомь *H.* 10) по *вставл. H.* 11) бываютъ *II.* 12) и *проп. H.* 13) ѥдиноа *H.* 14) наведетъ *H.* 15) и *вставл. H.* 16) ини *проп. H.* 17) чт҃ни *H.* 18) сѫдъ *II.* 19) домовъ *II.* 20) своа *II.* 21) притворномъ *II.* 22) по *H.* 23) клеющимсѧ *II.* 24) неже *C.* 25) прѣлагаетсѧ *IIH.*

прѣобидѣние бываѥть· на бг҃очьстивыихъ же манастырьхъ· игоуменоу[1] ихъ съ болшею частию мьниихъ коуплю творити· и семоу же[2] съхранению происходмцию·[3] облежению[4] болшемоу бывати· ѿ части привытъка юже имать· въ саженис[5] даѥмъимъ вещьмъ· тѣмь же образъмь· и на проданис неподвижимъıа вещи· дълга ради своего· написанью[6] же въ дъвадесати[7] дн҃ии да прѣдълагаѥть·[8] и симь же образъмь повелѣвати хотащимъ коупити· да болѥ подаѥи[9] прѣжепочьтенъ боудеть· аще ли нѣкоего цр҃квьнаго села· многоцѣньнъихъ наслажение[10] дастьсѧ· ѩко много оубо достоѧ чьсти· мьньшии[11] же приносоу привытъкъ·[12]

и на того[13] привытъкъ ѿтоудѣ· насажение ѩко же рекохомъ бываѥть· вѣдѣти же насажающии[14] подобаѥть· ѩко аще по[15] дъвѣ лѣтѣ прочее[16] не сътворать·[17] насаженаго оуправлениа· ѿноудъ[18] въиѣ насажении[19] бывати·

περιγραφὴν γίνεται· ἐπὶ δὲ τῶν εὐαγῶν μοναστηρίων τοὺς ἡγουμένους αὐτῶν μετὰ πλείονος μέρους τῶν μοναχῶν τὸ συνάλλαγμα ποιεῖσθαι, καὶ ταύτης δὲ τῆς παραφυλακῆς προϊούσης κουφισμὸν μὴ πλείονα γίνεσθαι τοῦ ἕκτου μέρους τῆς προσόδου, ἧς ἔχει τῶν εἰς ἐμφύτευσιν δεδομένων πραγμάτων. τὸν ὅμοιον δὲ τρόπον καὶ ἐπὶ ἐκποιήσει ἀκινήτου πράγματος ἕνεκεν ἰδιωτικοῦ χρέους, ἐγγράφως δὲ ἐπὶ κ΄ ἡμέρας προτιθέτωσαν, καὶ τοῦτῳ τῷ τρόπῳ προτρέπειν τοὺς ἀγοράσαι βουλομένους, ἵνα ὁ πλέον[1] παρέχων προτιμηθῇ. εἰ δέ τινος ἐκκλησιαστικοῦ προαστείου τῶν πολυτιμήτων ἐμφύτευσις δίδοιτο, ὡς πολλῆς μὲν ἀξίας τιμῆς, ἐλαχίστην δὲ φέροντα πρόσοδον, μὴ τῇ προσόδῳ μετρεῖσθαι τὴν ἐμφύτευσιν· ἀλλὰ διατιμᾶσθαι τὸ προάστειον ἀ(л. 264[b])κριβῶς καὶ συλλογίζεσθαι τὴν τοῦ ἀθροιζομένου τιμήματος κατὰ εἴκοσι ἐνιαυτῶν ὀνεῖσθαι πρόσοδον, καὶ ἐπὶ τῇ ἐντεῦθεν προσόδῳ τὴν ἐμφύτευσιν, καθάπερ ἔφθημεν εἰπόντες γίνεσθαι. εἰδέναι δὲ τοὺς ἐμφυτευτὰς προσήκει, ὡς, εἴπερ ἐπὶ διετίαν ἐφεξῆς μὴ καταθεῖεν τὸν ἐμφυτευτικὸν κανόνα, παντοίως ἔξω τοῦ ἐμφυτεύματος γενέσθαι.

1) игоумнъ *H.* 2) же *прот. H.* 3) пр҃исходмцию *C.* 4) wбложенню *H.* 5) насажениѥ *H*; насаженїю *П.* 6) написано *H.* 7) двадесатни *C.* 8) пр҃ѣлагаютъ *П*; продълагаѥтѣ *H.* 9) даан *C.* 10) насажен҃іе *ПН.* 11) меншю *H.* 12) привътка *H.* 13) тъ *НПС.* 14) насажающр҃имъ *ПН.* 15) за *П.* 16) *cod. переправл.* ѥ *изъ* н. 17) творать *H.* 18) ѿнѣдѣ *П.* 19) насажени *ПП*; сажени *H.*

1) πλέων cod.

ѳ҃е· [1] Аще ли и [2] за людьскаꙗ
съвьршенаꙗ· или иноꙗ поуждьнъıꙗ
потрѣвъı· того домоу дългоу по-
винъıни | воудоутъ по пьрвоуоумоу
оубо чиноу· ꙗко [3] свои ѯалогъ даꙗти·
да и ѿ плодъ причитати· въ тъı [4]
людьскъıꙗ· и лихвъı не болѣ четвьр-
тъıꙗ части· сътъıꙗ· подобаѥтъ же
по вьсѣмъ пр҃стъıимъ [5] мѣстомъ
црькъвамъ· насажениꙗ дроугъ къ
дроугоу творити· [6] тою же частию·
вестъщетию [7] съхранѧемоу· прѣхо-
дѧщаꙗ же ѿ цр҃ьскааго [8] домоу·
или прѣшьдъшаꙗ· [9] ни по ѥдиномоу
же образоу· продаꙗти· или измѣ-
ꙗти· или подълагати· [10] или дроугъ
[къ] [11] дроугоу расточити·

ѳ҃з· [12] На сѳ҃ою въскрьсениѥ· [13] власть
имѣти· домъı [14] подобъıꙗ имъ· въ
томь же сѳ҃мь градѣ· продаꙗти ѥже
ѿ домовъıихъ своихъ· за пать-
десѧтъ лѣтъ събираѥтьсѧ·

ѳ҃и· [15] Вьсѣми же образъı въздра-
ѧемъ· ѿ чистителнааго образа· на [16]
невѣждьноѥ [17] прѣвъıваниѥ· прѣтвл-
рати манастъıрѧ·

ιε′. Εἰ δὲ καὶ ὑπὲρ δημοσίων
συντελειῶν ἢ ἄλλης ἀναγκαίας χρείας
τοῦ αὐτοῦ οἴκου χρέη ἔνοχοι γί-
νονται, κατὰ πρώτην μὲν τάξιν εἰς л. 293 b.
ἰδικὸν ἐνέχυρον δίδοσθαι, ἵνα καὶ
ἐκ τῶν καρπῶν [1] καταλογίζηται εἰς
αὐτὰ τὰ δημόσια καὶ τοὺς τόκους,
μὴ πλείονος τοῦ τετάρτου μέρους
τῆς ἑκατοστῆς. ἐξεῖναι δὲ πάσαις
ταῖς ἁγιωτάταις κατὰ τόπον ἐκκλη-
σίαις ἐμφυτεύσεις πρὸς ἀλλήλους
ποιεῖσθαι ἑκατέρῳ μέρει τοῦ ἀζημίου
φυλαττομένου. τὰ δὲ ἀπὸ βασιλικοῦ
οἴκου περιελθόντα ἢ περιελευσόμενα
κατ' οὐδένα τρόπον πιπράσκεσθαι ἢ
ἀνταλλάττεσθαι ἢ ὑποτίθεσθαι ἢ [2] ἀλ-
λήλους ἐκποιεῖσθαι.

ις′. Τὴν ἁγίαν Ἀνάστασιν ἄδειαν ἔχειν
τοὺς οἴκους τοὺς αὐτῇ προσήκοντας ἐν
τῇ αὐτῇ ἁγίᾳ πόλει πιπράσκειν, εἴπερ
ἐκ τῶν ἐνοικίων αὐτῶν ἐπὶ πεντήκοντα
ἐνιαυτοὺς συνάγεται.

(л. 265[a]) ιζ′. Πᾶσι δὲ τρόποις κω-
λύομεν ἀπὸ ἰατρικοῦ σχήματος εἰς ἰδιω-
τικὴν διαγωγὴν μετασχηματίζεσθαι μο-
ναστήρια.

---

1) пр҃а· ѳ҃і· *H*; *У проп. всю главу 15.* 2) и *проп. HC.* 3) же *вставл. H.* 4) в *вставл. H.* 5) пр҃ѣтмъ *H.* 6) творити дроугъ къ дроугоу *H.* 7) *С позднѣйшей рукой* въ вестъщетію *надъ* ще *допис.* ᵛ. 8) цр҃ьскааго *HC.* 9) прешедша *H.* 10) прѣлагати *H.* 11) *вставка изъ HC.* 12) пр҃а· ѳ҃і· *H*; *У проп. всю главу 16.* 13) наскрсенiѥ *C, но позднѣйшая рука переправл.* на въ вс. 14) домъ *H.* 15) пр҃а· ѳ҃и· *H*; *У проп. всю главу 17.* 16) не *H.* 17) навѣжноѥ *H.*

1) cod. переправл. изъ хιπῶν такъ, что подскобл. ι и рукой X в. надпис. αρ. 2) ἢ cod. надъ строкой.

ѳ҃. [1] Не подобаѣтъ [2] поставлѧемыихъ клирикъ· ѿщетити [3] словомь ѥвленыихъ· [4]

і҃. [5] Не подобаѣтъ възбранышихъ себѣ ѿ [6] чистыихъ таинъ· или какою оубо [7] виною· ѿнюдъ [8] ѿходѧщемъ [9] цр҃кве причитатисѧ· [10]

к҃. [11] Не подобаѣтъ паче подобьнаго· поставлѧти клирикы· нъ вѣдому [12] быти числоу или по дрѣвьноуоумоу правилоу· творѧи же [13] чрѣсъ си [14] себѣ вѣдоу· и [15] ижитие [16] ѿ своего избытка· и [17] подавъıи бо [18] икономъ· и то [19] повелѣвъ [20] е҃пп҃ъ на-
л. 294 а. писати· ни па|кы подобаѣтъ раздѣленъı [21] нѣкъıма поставлѧти· или въчинати· аще ли вари къıи [22] коньць вѣръı· прибытъка [23] пр҃стъıа [24] цр҃кве· оустроивъ [25] ѿ всѣкого чистительскаго степене· на образъ прѣвъıвати соущаа донъдеже оубо на дрѣвльнии мѣрѣнъıи [26] чинъ· [27] цр҃квьное поставитьсѧ· да и соущимъ клирикомъ· [28] происходѧщимъ оубогъımъ· довълна боудеть цр҃къı подавати· [29]

ιη΄. Μὴ δεῖν τοὺς χειροτονουμένους κληρικοὺς ζημιοῦσθαι λόγῳ ἐμφανησίμων.

ιθ΄. Μὴ δεῖν τοὺς εἴργοντας ἑαυτοὺς τῶν ἱερῶν μυστηρίων ἢ καθ' οἱανοῦν πρόφασιν παντελῶς ἀναχωροῦντας τῆς ἐκκλησίας διαρίζεσθαι. [1]

κ΄. Μὴ δεῖν παρὰ τοῦ δέοντος χειροτονεῖν κληρικούς, ἀλλ' ἐγνωσμένον εἶναι τὸν ἀριθμὸν ἢ κατὰ τὸν ἀρχαῖον κανόνα. ὁ δὲ παρὰ ταῦτα ποιῶν ἑαυτῷ τὸν κίνδυνον καὶ τὴν δαπάνην ἐξ οἰκείας περιουσίας, [2] ὅ τε ἐπιχορηγήσας οἰκονόμος καὶ ὁ τοῦτο ἐπιτρέψας ἐπίσκοπος ἐπιγράψαι· μήτε πάλιν ἐξεῖναι ἀδιορίστους τινὰς χειροτονεῖν ἢ κατατάσσειν. εἰ δὲ προέφθασέν τις πέρα τοῦ μέτρου τῆς προσόδου τῆς ἁγιωτάτης ἐκκλησίας ἐγκατατάξας, ἐκ παντὸς ἱερατικοῦ βαθμοῦ ἐπὶ σχήματος μένειν τοὺς ὄντας, ἄχρις ἂν εἰς τὸν ἀρχαῖον καὶ σύμμετρον τὸ κατὰ τὴν ἐκκλησίαν τάγμα περισταίη, ἵνα καὶ τοῖς οὖσιν κληρικοῖς καὶ τοῖς προσιοῦσιν πένησιν ἱκανὴ ἔσται ἡ ἐκκλησία ἐπιχορηγεῖν.

---

1) пра҃· ѳ҃· *H; У прол. всю главу 18.* 2) подобаѣ *П.* 3) ѿщетитисѧ *H.* 4) ѥвленъımъ *H.* 5) пра҃· і҃· *H, У прол. всю главу 19.* 6) ѿ *прол. C.* 7) *cod. это* оубо *in m.* 8) ѿноудь *H;* ѿнѣдѕ *П.* 9) ѿходѧщимъ *П.* 10) причаститисѧ *П.* 11) пра҃· к҃· *H; У прол. всю главу 20.* 12) домѕ *C.* 13) же *прол. H.* 14) сѝлоу *H.* 15) и *прол. HП.* 16) ижитїѥ *ПС.* 17) и *прол. H.* 18) бо *прол. H.* 19) по *C.* 20) повелѣ *H.* 21) раздѣленын *П.* 22) скын *П.* 23) прибытокъ *H.* 24) сты҃а *C;* пр҃тъıа *H.* 25) нстроивъ *C.* 26) мѣрѣнын *прол. H.* 27) чины *П.* 28) клрикомъ *C.* 29) пошти *H.*

1) cod. in m. противъ главы ιθ΄ прибавл. ϑ ε ά (срѣзано переплетчикомъ). 2) cod. переправл. изъ περιοικείας.

власть же вьсѣмь подаѥмъ· въ коемьжьдо чиноу соуцимъ· въ образѣ житиа видѧщимъ· чьто сихъ прѣстоупаѥмъıихъ възвѣщати намъ·

5 к҃а·[1] о дѣлателѣхъ възаимъ[2] даюцихъ·

Не подобаѥть дължьнааго соуща дѣлателѥви дьржати[3] того[4] землю· приимати же лихвоу на вьсѧко лѣто· 10 ѿ златьника· д҃і· цатъı· аще ли пшеница ѕлата· осмоую часть ѿ кожьдо[5] споуда·

к҃в·[6] о цр҃квьнъıихъ[7] канонѣхъ· и о користьхъ·

15 Повелѣваѥмъ оубо· чинъ закона имѣти· ст҃ъıа цр҃квьнъıа канонъı· ѿ ст҃ъıихъ четъıрь съборъ проповѣданъıмъ·[8] или извѣщеномъ·[9] сирѣчь въ никеи·[10] т҃·[11] и҃·[12] оц҃ь· иже въ 20 стѧнтинии градѣ· р҃· и·[12] и҃·[13] въ ефесѣ пьрваго събора· въ нѥмьже нестории осоуженъ бъıсть· и[14] иже въ калхидонѣ[15] тако же прѣжереченъıихъ бо четъıрь съборъ[16] велѣниа·[17] ꙗко[18] бжьствьнаа[19] писаниа

ἄδειαν δὲ πᾶσιν διδόαμεν, ὁποιαδήποτε τάξει καθεστήκασιν ἐν σχήματι βίου, θεωμένοις (л. 265b) τι τούτων παραβαινόμενον μηνύειν ἡμῖν.

κα′. Περὶ γεωργῶν δανειζομένων.

Μὴ δεῖν τὸν δανείζοντα γεωργῷ κρατεῖν τὴν ἐκείνου γῆν, λαμβάνειν δὲ τόκον διὰ παντὸς τοῦ ἔτους τοῦ νομίσματος κεράτιον ἕν· εἰ δὲ σῖτος τὸ δανεισθέν, ὀγδόην μοῖραν μοδίου ἐφ' ἑκάστῳ μοδίῳ.

κβ′. Περὶ ἐκκλησιαστικῶν κανόνων καὶ προνομίων.

Θεσπίζομεν τοίνυν τάξιν νόμων ἐπέχειν τοὺς ἁγίους ἐκκλησιαστικοὺς κανόνας τοὺς ὑπὸ τῶν ἁγίων δ′ συνόδων ἐκτεθέντας ἢ βεβαιωθέντας, τουτέστιν τῶν ἐν Νικαίᾳ τιη′ καὶ τῶν ἐν Κωνσταντινουπόλει ρν′, καὶ τῆς ἐν Ἐφέσῳ πρώτης, ἐν ᾗ Νεστόριος κατεκρίθη, καὶ τῆς ἐν Καλχηδόνι ὁμοίως· τῶν γὰρ προειρημένων δ′ συνόδων τὰ δόγματα καθάπερ τὰς θείας γραφὰς

---

1) пр҃а· к҃а· *H*; *У прол. всю главу 21.* 2) взаемъ *H.* 3) и *вставл. C.* 4) того держати *H.* 5) коегожьдо *прол. H.* 6) пр҃а· к҃в· *H*; *У прол. всю главу 22.* 7) цр҃квьнъıихъ *cod.* 8) повѣданъмъ *H.* 9) извѣщенъмъ *H.* 10) никъи *H.* 11) и *вставл. P.* 12) и *прол. H.* 13) и *прол. H.* 14) и *прол. H.* 15) халкидонѣ *CH.* 16) съборъ *прол. H.* 17) велѣнїе *P*; повелѣнныа *H.* 18) же *вставл. H.* 19) бжьствьнаа *P.*

хранити и· того ради повелѣваемъ·[1] по заповѣдьмъ ихъ· прѣстоумоу и
л. 294 b. прѣблаженоумоу архиепископоу[2] костантина града· новаго рима· въторыи чинъ имѣти· по стѣмь[3] апльскѣмь прѣстолѣ· старѣишааго рима· инѣхъ же всѣхъ прѣже[4] чисти прѣблаженааго епа· пьрваго оустиниьаньскааго· нашего отьчьства·[5] имѣти присно ѡ своего правоподаания·[6] епомъ[7] епархиискомъ·

кг·[8] Повелѣваемъ хранити къ симъ·[9] и всѣхъ[10] црквъ и инѣхъ[11] чьстьнъихъ домовъ притажания·[12] не скверньнъ[13] слоужьбъ· или лоукавьнъиа рѣдъ иковъи[14] же прѣтърпѣвати· аще оубо поути постилания· или моста съзъдания·[15] или обновлениа[16] потрѣба боудеть· по подобию притажьникъ· таковое дѣло и стъıѧ црквеи· и чьстьнъиа инъı[17] домъı съврьшати·

кд·[18] Въ лѣтьнихъ[19] же мѣсто написании· въ десате и въ дъвадесате· или въ· л· лѣ: стънимъ црквамъ· или инѣмъ всѣмъ

φυλάττομεν. καὶ διὰ τοῦτο θεσπίζομεν κατὰ τοὺς αὐτῶν ὅρους τὸν ἁγιώτατον καὶ μακαριώτατον ἀρχιεπίσκοπον Κωνσταντινουπόλεως νέας Ῥώμης δευτέραν τάξιν ἔχειν μετὰ τὸν ἅγιον ἀποστολικὸν θρόνον τῆς πρεσβυτέρας Ῥώμης, τῶν δὲ ἄλλων πάντων προτιμᾶσθαι τὸν μακαριώτατον ἐπίσκοπον τῆς πρώτης Ἰουστινιανῆς[1] τῆς ἡμετέρας πατρίδος καὶ ἔχειν ἀεὶ ὑπὸ (л. 266ᵃ) τὴν οἰκείαν δικαιοδοσίαν[2] τοὺς ἐπισκόπους τῶν ἐπαρχιῶν.

κγ΄. Θεσπίζομεν φυλάττεσθαι πρὸς τούτοις καὶ πάντων τῶν ἐκκλησιῶν καὶ τῶν ἄλλων σεβασμίων οἴκων τὰς κτήσεις, μὴ ῥυπαρὰς λειτουργίας ἢ ἐκστραόρδινα οἱαδήποτε ὑπομένειν. εἰ μέντοι ὁδοστρωσία ἢ γεφυρῶν[3] οἰκοδομὴ ἢ ἀνανεώσεως χρεία γένηται, κατὰ μίμησιν τῶν κτητόρων τὸ τοιοῦτον ἔργον καὶ τὰς ἁγίας ἐκκλησίας καὶ τοὺς ἄλλους σεβασμίους οἴκους πληροῦν.

κδ΄. Ἀντὶ δὲ τῶν χρονίων παραγραφῶν τῶν ι΄ καὶ κ΄ καὶ λ΄ ἐνιαυτῶν καὶ ταῖς ἁγίαις ἐκκλησίαις καὶ τοῖς ἄλλοις ἅπασιν

1) повелѣваетъ *H.* 2) иепископу *H.* 2) прⷭтмь *H.* 4) прежѣ всѣхъ *H.* 5) ѿцьства *H.* 6) правоподании *H.* 7) епископоумъ *II*; епо *C.* 8) прⷭ· кг· *H*; *У проп. всю главу 23.* 9) скимъ *H* (*вм.* къ симъ). 10) всѣ *C.* 11) инѣ *II.* 12) притажениа *H.* 13) скверненыи *II.* 14) иковъı *H.* 15) или моста съзъдании *проп. H.* 16) или моста съзъдании или обновлении *проп. II.* 17) иконы *C.* 18) прⷭ· кд· *H*; *У проп. всю главу 24.* 19) лѣтнихъ *C.*

1) cod. переправл. въ Іоустиніанѣ. 2) διοίκησινκαιοδοσίαν cod. 3) γεφύρων cod.

чьстьнѣимъ домомъ· єдино четъıрьдесатъ лѣтъ написанию противоу положити[1] повелѣваємъ· таковоумоу хранимоу·[2] и въ[3] 5 въздании задьниць· и[4] причастинъ въ благочьстивъıа винъı оставлѣємъıимъ·

кѳ·[5] Аще къто оустроєниє чьстьнаго домоу· или притворьнъıа[6] 10 цр҃кве или гостиньница· или нищихъ прѣвъıвалища· или сиротъı[7] кърмлєниа·[8] или недоужьнъıихъ прѣвъıвалища·[9] или иного чьстьнаго домоу· въ оумьрьлѣємь съвѣтѣ въıвати· въобразить· притворьноую оубо цр҃къ҃вь· равьно[10] пати лѣтъ· оучрѣдити повелѣваємъ· промъıшлєниємь боголюбиваго[11] е҃пп҃а 15 и кнѧза· и аще тъ самъ съвѣщавъ и[12] повелѣєть·[13] хотящаа[14] гостиньникъı·[15] или[16] нищекърмильца·[17] или инъı[18] таковъıа· строителя или своимъ наслѣдьникомъ· таковоє изъıраниє подасть· повелѣваємъ[19] обра- 20 зъı въсѣми наслѣдьникомъ ображенна[20] испълнати·[21] по мѣстомъ е҃пп҃омъ съмотрящемъ·[22] аще добрѣ

σεβασμίοις οἴκοις μόνη ἡ τῶν μ΄ ἐνιαυτῶν παραγραφὴ ἀντιθέσθαι προστάττομεν, τοῦ τοιούτου φυλαττομένου καὶ ἐν τῇ ἀπαιτήσει τῶν λεγάτων καὶ τῶν κληρονομιῶν τῶν εἰς εὐσεβεῖς αἰτίας καταλιμπανομένων.

κε΄. Εἴ τις κατασκευὴν σεβασμίου[1] οἴκου ἢ εὐκτηρίου ἢ ξενῶνος ἢ πτωχείου ἢ ὀρφανοτροφείου ἢ νοσοκομείου ἢ ἄλλου σεβασμίου οἴκου ἐν τελευταίᾳ βουλήσει γίνεσθαι διατυπώσει, τὸ εὐκτήριον μὲν εἴσω πέντε ἐνιαυτῶν πληροῦσθαι κελεύομεν προνοίᾳ τοῦ θεοφιλεστάτου л. 295 a. ἐπισκόπου καὶ τοῦ ἄρχοντος. (л. 266[b]) καὶ εἰ μὲν αὐτὸς ὁ διαθέμενος ὁρίζει τοὺς ὀφείλοντας ξενοδόχους ἢ πτωχοτρόφους ἢ ἄλλους τοιούτους διοικητὰς εἴτε τοῖς ἰδίοις κληρονόμοις τὴν τοιαύτην ἐπιλογὴν παράσχοι, κελεύομεν τρόποις ἅπασιν τοῖς κληρονόμοις τὰ διατυπωθέντα πληροῦν τῶν κατὰ τόπον ἐπισκόπων ἐποπτευόντων, εἰ καλῶς

1) положити противоу *H*. 2) храмъ *C*. 3) въ *проп.. CH*. 4) въ *вставл. H*. 5) пра· кѳ· *H*; *У проп. всю главу 25*. 6) творенъıа *H*. 7) сиротъ *ПН*. 8) кормление *H*. 9) прѣкъıвания *H*. 10) раздьно *H*. 11) бл҃голюбиваго *H*. 12) и *проп. H*. 13) повелѣваетъ *ПН*. 14) хотящаго *HC*. 15) нстиньникы хотящаго *H* (*вм.* хотящаа гостиньникъı). 16) нъ и *H* (*вм.* или). 17) нїкекърмьрьца *H*; нищекърмирьца *C*. 18) инъıа *H*. 19) повѣваемъ *C*. 20) въıображенїа *ПН*. 21) исполнити *HC*. 22) смотрящимъ *H*.

1) севасмίανου cod., но αν перечеркив.

строкение происходить· и аще обращють недобромъ быти строителемъ· власть имѣти бес тѣщеты инѣ въ тѣхъ мѣсто подобьнѣ творити· въ высѣхъ бо[1] таковѣихъ бл҃гочьстивѣихъ съвѣтѣ·[2] пр҃пбьнѣихъ мѣстъ·[3] еп҃ѣ хотащемъ[4] промъышлѧти· ꙗко вьсѧ по оумьрѣшлаго съвѣтоу промъышлѧти· аще и паче ѿ съвѣщавъшихъ· ѿречено бысть имъ[5] имѣти· къ симъ нѣкое причастие· симъ же повелѣномъ бывъшемъ·[6] ѥдиною и дъвашьдѣ ѿ еп҃па[7] мѣста· и ѿ иконом҃ъ ег҃о· людьскъими лици· въспоминоувъше же[8] пожидоуть· въображенїа[9] испълнити· повелѣвакмъ симъ вьсе приобрѣтение·[10] ѡставъшеѥ[11] имъ ѿ повелѣвъшлаго· ѿпоустити прѣподобьнѣимъ еп҃ѣмъ мѣстомъ[12] вьсѧ вещи вьсѣмъ· ꙗко же речено ѥсть бл҃гочьстивѣими своими ѿлоучении·[13] съ[14] плодъ и[15] възвращении·[16] срѣдьнѣлаго лѣта· и помѣнѣнлаго[17] приобрѣтенїа строити· ꙗже съвѣщавъши въ образъ испълънѣти·[18] и вьсѣкомоу же держоуоумоу[19] власть да боудеть· таковое възискание

ἡ διοίκησις προβαίνει· καὶ εἰ εὑροῦσιν μὴ χρησίμους εἶναι τοὺς διοικητάς, ἄδειαν ἔχειν ἄνευ ζημίας ἄλλους ἀντ' αὐτῶν ἐπιτηδείους ποιεῖν· ἐν πάσαις γὰρ ταῖς τοιαύταις εὐσεβέσι βουλήσεσι τοὺς ὁσιωτάτους τῶν τόπων ἐπισκόπους βουλόμεθα προνοεῖν, ὥστε πάντα κατὰ τὴν τοῦ τελευτήσαντος βούλησιν προνοεῖν,[1] εἰ καὶ τὰ μάλιστα παρὰ τῶν διαθεμένων ἢ[2] τῶν δωρησαμένων ἀπηγορεύθη αὐτοῖς ἔχειν πρός ταῦτά τινα μετουσίαν. οἱ δὲ ταῦτα κελευσθέντες ἅπαξ καὶ δὶς παρὰ τοῦ ἐπισκόπου τῶν τόπων καὶ τῶν τούτου οἰκονόμων διὰ δημοσίων προσώπων ὑπομνησθέντες ὑπερθῶνται τὰ διατυπωθέντα πληρῶσαι, κελεύομεν τούτους ἅπαν τὸ κέρδος τὸ καταλειφθὲν αὐτοῖς παρὰ τοῦ κελεύσαντος ἀπολλῦναι, τοὺς δὲ ὁσιωτάτους ἐπισκόπους τῶν τόπων πάντα τὰ πράγματα πᾶσιν, ὡς εἴρηται, ταῖς εὐ-(л. 267a) σεβέσιν αἰτίαις ἀφορισθέντα μετὰ καρπῶν καὶ ἐπαυξήσεων τοῦ μέσου χρόνου καὶ τοῦ μνημονευθέντος κέρδους ἐκδικεῖν καί, ἅπερ ὁ διαθέμενος διετύπωσεν, πληροῦν. καὶ παντὶ δὲ ἑτέρῳ ἄδεια ἔστω τὴν τοιαύτην ζήτησιν

л. 295 b.

1) бо *прот. С.* 2) живѣтѣ *Н.* 3) мѣстѣхъ *Н.* 4) хощемъ *Н.* 5) имъ *прот. С.* 6) бывшимъ *Н.* 7) еп҃ъ *Н.* 8) же *прот. НП.* 9) воѡбраженїа *Н.* 10) прибрѣтаемъ *Н.* 11) ѡставившеѥ *Н.* 12) мѣстьнымъ *НП.* 13) ѿлоученїи *Н.* 14) въс *Н.* 15) и *прот. Н.* 16) възвращени *Н*; въ3вращеныи *С.* 17) поменшаго *Н.* 18) исполнити *Н.* 19) дроугоу ѡномоу *Н.*

1) cod. выскобл. 1—2 буквы. 2) ἡ cod.

подвизати· и потъщавати[1] да образъ въсѣми· таковъіа бл҃гочьстивъіа[2] винъı испълнатьсѧ· аще ли наслѣдьникъ бл҃гочьстиіа винъı· оставлѥнъіа не испълнитъ·[3] гл҃а оставлѥнааго кмоу притѧжаниа[4] не довълѣти· сиа повелѣваѥмъ въсакоіа деватъіа[5] части прилежащиа· колико оубо къгда обрѧщетьсѧ въ такомь имѣнии· прѣжевъмѣщати· промъıшлѥнїѥмь прѣподобьнааго· мѣстьнааго е҃па҃ въ винъı въ нѧже оста·

к҃з·[6] Аще ли задьница боудетъ· повелѣваѥми[7] равьно[8] шести[9] мц҃ь· ѿ завѣщиа задѣтоу иждитающемъ·[10] симъ въсѣми образъı· подавати· имъже оставлѥно ѥстъ· аще ли ожидаютъ· того отъıдѣнии·[11] таковоую задьницю·[12] подавати[13] и плодъı и лихвъı· и въсако законьноѥ· възвращениѥ въздадатъ· ѿ врѣмене и[14] оу҃мьртвиа оставльшааго· аще ли задьница·[15] чьстьноумоу нѣкомоу оставитьсѧ[16] никацѣмь же образъмь таковъіа задьница придати·[17] мѣста же или[18] лица ѿ нихъже се подати повелѣно боудетъ· далече да боудоутъ·[19] тъгда подобаѥтъ онѣмъ· имъже се

κινεῖν καὶ σπουδάζειν, ἵνα τρόποις πᾶσιν αἱ τοιαῦται εὐσεβεῖς αἰτίαι πληρωθῶσιν. εἰ δὲ ὁ κληρονόμος τὰς εὐσεβεῖς αἰτίας καταλελειμμένας μὴ πληρώσῃ, λέγων τὴν καταλειφθεῖσαν αὐτῷ περιουσίαν μὴ ἀρκεῖν, ταύτας κελεύομεν παντὸς τοῦ φαλκιδίου μέρους σχολάζοντος, ὁσονδήποτε εὑρεθείη ἐν τῇ τοιαύτῃ οὐσίᾳ, προχωρεῖν προνοίᾳ τοῦ ὁσιωτάτου τῶν τόπων ἐπισκόπου εἰς τὰς αἰτίας, εἰς[1] ἃς καταλέλειπται.

κς΄. Εἰ δὲ λεγάτον εἴη, κελεύομεν ἴσον μηνῶν ς΄ ἀπὸ τῆς ἐμφανίσεως τῆς διαθήκης ἀριθμουμένων τούτοις πᾶσιν τρόποις παρέχεσθαι, οἷς καταλέλειπται. εἰ δὲ ὑπερθῶνται οἱ τούτου βεβαρημένοι τὸ τοιοῦτον λεγάτον παρέχειν, καὶ καρποὺς καὶ τόκους καὶ πᾶσαν νόμιμον ἐπαύξησιν ἀπαιτηθήσονται ἀπὸ τοῦ καιροῦ τῆς τελευτῆς τοῦ καταλιπόντος. εἰ δὲ λεγάτον σεβασμίῳ τινὶ οἴκῳ καταλειφθῇ, μηδενὶ τρόπῳ τὸ τοιοῦτον λεγάτον ἐκποιεῖσθαι. εἰ[2] δὲ οἱ τόποι ἢ τὰ πρόσωπα, ἐξ ὧν τοῦτο δοθῆναι προσετάχθη, πορρώτερω εἴησαν, τινικαῦτα (л. 267[b]) ἐξέστω ἐκείνοις, οἷς τοῦτο

1) подъıщавати *C.* 2) бл҃гочести *C.* 3) исполнити *H.* 4) притѧжениа *H*; протижаніа *C.* 5) дѣтоіа *H.* 6) пра҃· к҃з· *H*; *У проп. всю главу 26.* 7) повелѣваѥмъ *H.* 8) мирно *H.* 9) шестїи *Л.* 10) иждитающїи *Л*; иждитаѥмъ *H.* 11) ѿтъıдѣнїи *Л.* 12) запокѣдницю *H.* 13) приимати *H.* 14) ни *H.* 15) запокѣдница *H.* 16) встанетьсѧ *H.* 17) продати *H.* 18) и *H.* 19) боудетъ *H.*

1) εἰς cod. между строк. 2) οἱ cod.

оставлено есть· или объдьржаемаꙗ
часть· съключаетьсѧ [1] измѣнити
ѯадьницю· и большее приимати паче
того прибъıванїе· [2] доброкоупьно· съ
прилаганиемь не мьıне четвьртъıꙗ
части· оставленаго количьства· [3] а
не многъıими людьскъıими данъми
л. 296 a. отѧгъчени· [4] аще ли про|дати въсхо-
тѧть· ни мьıне къ цѣноу приимати·
елико же ѿ таковъıꙗ ѯадьницѧ· не-
жели на· ѧ· и [5] пать лѣтъ съвирати·
тако оубо ꙗко таковоую цѣноу на
польѯьıнє· прѣжереченаго чьстьна-
аго домоу· останеть въмѣститисѧ· [6]

кѯ· [7] Ꙗко ни единомоу же ѯьдати
притворьıнъıꙗ црⷦкве· чрѣсъ
съвѣсть епⷭа· и ꙗко подо-
баѥть ѯижющюоумоу про-
мъıшлѧтⷮи.

О прѣстъıихъ [8] црⷦквъ· [9] мъно-
гомъ приимъше [10] ѯаконъмь· аще
инѣхъ просимъ· къ възникъшимъ
винамъ· и абие възникающаꙗ· довъ-
лѣющаꙗ· мъноѯи бо имене ради къ
притѧжанию· стъıихъ цьркъвъ [11] гра-
доуть· посемь сиꙗ [12] съѯьдавъше· къ
томоу печали не полагаютъ· иже истъ-
цаниꙗ· имъ ѿлоучити [13] лѣпаꙗ· [14] въ

καταλέλειπται καὶ τὸ ἐνεχόμενον μέρος συμβαίνει, ἀμείβειν τὸ λεγάτον καὶ πλησίον λαμβάνειν ὑπὲρ τούτου πρόσοδον εὔπορον μετὰ προσθήκης οὐκ ἐλάττονος τοῦ τετάρτου μέρους τῆς καταλειφθείσης ποσότητος, καὶ μὴ πολλοῖς δημοσίοις τελέσμασι βεβαρημένοι. εἰ δὲ πωλῆσαι βουληθῶσιν, μὴ ἔλαττον εἰς τὸ τίμημα λαβεῖν τοῦ ὅσον εἴπερ ἐκ τοῦ τοιούτου λεγάτου ἐπὶ λε′ ἐνιαυτοὺς συνάγεται, οὕτω μέντοι, ὥστε τὸ τοιοῦτον τίμημα εἰς τὸ συμφέρον τοῦ προειρημένου σεβασμίου οἴκου καταλειφθῇ [1] προχωρεῖν.

κζ′. Περὶ τοῦ μηδένα κτίζειν εὐκτήριον χωρὶς γνώμης τοῦ ἐπισκόπου, καὶ ὅπως χρὴ τὸν κτίζοντα προνοεῖσθαι.

Τὰ περὶ τῶν ἁγιωτάτων ἐκκλησιῶν πολλοῖς [2] περιλαβόντες νόμοις, ἔτι καὶ ἑτέρου δεόμεθα πρὸς τὰς ἀνακυψάσας τῶν ὑποθέσεων καὶ αὖθις ἀναφυομένας ἀρκοῦντες. πολλοὶ γὰρ ὀνόματος ἕνεκεν πρὸς ποίησιν ἁγιωτάτων ἐκκλησιῶν ὁρμῶσιν, εἶτα ταύτας [3] οἰκοδομησάμενοι οὐκέτι φροντίδα τίθενται τοῦ καὶ δαπάνην αὐτοῖς ἀφορίσαι πρέπουσαν εἴς τε

1) слоучаетьсѧ *H.* 2) прѣбъıванїе *H.* 3) личьства *H.* 4) отѧгъчена *H.* 5) и *проп. H.* 6) сѧ писать *добавл. C киноварью.* 7) сѧ писати *cod. in m. рукой XIII в.;* пра· кѯ· *H.* 8) прⷱтыхъ *H.* 9) цркъвъ *H.* 10) приимъшимъ *H.* 11) цркъвии *H.* 12) сиꙗ *вставл. У.* 13) ѿлоучити *проп. У.* 14) нелѣпаꙗ *У.*

1) καταλειφθη cod. 2) cod. переправл. изъ πολλοὺς. 3) ταῦτας cod.

вечернии же посвѣтъ·[1] и въ прибытъчьнъихъ[2] пищю· и[3] сѷ̄ѣноую слоужьбоу· нъ оставлаютъ ѿ· въ нагънихъ соущихъ· зьданихъ· или раздроушаѥмъихъ· и въсѧкоѩ[4] чистъıѩ слоужьбъı лишаѥмъ· повелѣваѥмъ оубо прѣже въсѣхъ семоу[5] бъıвати· ѩко ни дръзновению· бъıти ни манастъıрю· ни цр̄кви· ни притворьнъıѩ цр̄кве· начинати зьдати· прѣже аще не градьскъıи· б̄олюбивъıи еп̄ъ пришьдъ· маѣтвоу[6] сътворитъ· и кр̄тъ поставитъ· прѣдъ въсѣми тоу· происхожение сътворивъ· и вещь ѿвѣ въсѣмъ поставитъ· а не инако коѥмоу· цр̄кь нъзнова зьдати[7] прѣже аще не повѣдано[8] боудеть еп̄оу и запов҃дати мѣроу·[9] юже ѿлоучитъ на вечернии посвѣ|тъ·[10] и на чистоую слоужьбоу· и различьно ѥдиномоу съблюдение·[11] и прѣбъıвающихъ оу него[12] пищю·[13] аще ли къто не довълѣѥтъ къ семоу· имене равьно[14] желѣѩ·[15] ѩко и самомоу жизителѥмь цр̄кьнъıимь наричатиса·[16] то многъı[17] цр̄кви соуть въ епархиихъ· и въ томь цр̄ьскѣмь[18] градѣ· вѣдьнѣюче[19] же пастиса отъ

λυχνοκαΐάν εἰς τε τῶν προσοδευόντων ἀποτροφὴν καὶ τὴν ἱερὰν λειτουργίαν, ἀλλὰ καταλιμπάνουσιν αὐτὰς ἐν γυμνοῖς οὔσας[1] (л. 268[a]) οἰκοδομήμασιν ἢ καὶ καταλυομένας ἢ πάσης ἱερᾶς λειτουργίας ἐστερημένας. θεσπίζομεν τοίνυν πρὸ πάντων μὲν ἐκεῖνο γίνεσθαι, ὥστε μηδὲ[2] παῤῥησίαν εἶναι μήτε μοναστήριον μήτε ἐκκλησίαν μήτε δὲ εὐκτήριον οἶκον ἄρχεσθαι οἰκοδομεῖν, πρὶν ἂν ὁ τῆς πόλεως θεοφιλέστατος ἐπίσκοπος παραγενόμενος εὐχήν τε ἐν τῷ τόπῳ ποιήσοιτο καὶ σταυρὸν πήξοιτο, δημοσίαν ἐκεῖσε πρόοδον ποιησάμενος, καὶ τὸ πρᾶγμα φανερὸν ἅπασιν καταστήσοι. καὶ μὴ ἄλλως τινὰ ἐκκλησίαν ἐκ νέας οἰκοδομεῖν, πρὶν ἂν διαλεχθῇ τῷ ἐπισκόπῳ καὶ ὁρίσαι τὸ μέτρον, ὅπερ ἀφορίζει πρός λυχνοκαΐάν καὶ τὴν ἱερὰν λειτουργίαν καὶ л. 296 b.
τὴν ἀδιάφορον τοῦ οἴκου τήρησιν καὶ τὴν τῶν προσεδρευόντων ἀποτροφήν. εἰ δέ τις οὐκ ἀρκοίη πρὸς τοῦτο, ὀνόματος δὲ ἴσως ἐπιθυμῶν τοῦ καὶ αὐτὸς κτίστης ἐκκλησίας καλεῖσθαι, πολλαὶ ἐκκλησίαι τυγχάνουσιν ἐν ταῖς ἐπαρχίαις καὶ ἐν ταύτῃ τῇ βασιλίδι πόλει, κινδυνεύουσι δὲ καταπεσεῖν ὑπὸ

1) повѣсть *C.* 2) прибъıточноую *H.* 3) и *проп. C;* въ *вставл. H.* 4) соущиихъ и *вставл. H.* 5) емѹ *C.* 6) на мѣстѣ *вставл. П.* 7) прѣже аще не градьскъıи .... зьдати *проп. H.* 8) испов҃дано *H* (*см.* не повѣдано). 9) мирѹ *П.* 10) посвѣсть *П.* 11) различноую домоу созданые *H* (*см.* различьно ѥдиномоу съблюдение). 12) оуни *УС* (*см.* оу него). 13) пища *H.* 14) равьноую *H.* 15) лѣи *У*; желанье *H.* 16) наричатиса *У.* 17) многъıи *П.* 18) цр̄ьскѣмъ *ПС.* 19) вѣдѧющеса *H*; вѣдноую *П.*

1) οὔσαις cod. 2) μὴ δε cod.

обетъшанїа· аще и[1] малъı соуть и неоукрашенъı·[2] и подобаетъ емоу единоу[3] таковъıихъ црькъвъ· въспринмъшю зьдати· понѣ[4] разоумъмь бо[5] любивааго· правовѣрънъıихъ епа·[5]

παλαιότητος, εἰ καὶ σμικραὶ καθεστῶσιν καὶ ἀκοσμότεραι· καὶ ἔξεστιν αὐτῷ μίαν τῶν τοιούτων ἐκκλησιῶν ἀπολαβόντι, αὐτὴν οἰκοδομησάσθω, κἀνταῦθα γνώμῃ τοῦ θεοφιλεστάτου τῶν ὀρθοδόξων ἐπισκόπου.

[кѝ·][6] о подающихъ причьтъı[7] епа·· како подобаетъ бъıти·

κη'. Περὶ τῶν τὰ ψηφίσματα τῶν ἐπισκόπων ἐπιδιδόντων, ὅπως χρὴ γίνεσθαι.

О строкни и приобрѣтении· и о инѣхъ различьнъıихъ главахъ· и причьтѣхъ въ[8] стъıихъ црькъвахъ· и въ дроугъıихъ частьнъıихъ домъхъ ѡставлѥнъıихъ оуже оубо нѣкъıма[9] въобразихомъ· на нъıнѣшьнѥе же[10] о[11] прадѣнъıихъ епѣхъ· и клирицѣхъ[12] и мънисѣхъ· прѣже въ различьнъıихъ чинъхъ· въображенїа съ прѣподобьнъıимь исправлениемь[13] а еже обати законъмь съвѣмъ· повелѣвающемъ оубо· елишьдъı аще потрѣба боудеть епоу· поставлати клирикъı· и първъıма притажателя[14] града· прѣдъ трьмя лиць· причьтъı[15] творити· прѣдълежащамъ[16] своимъ дшамъ· яко не подание[мь]· или обѣщаниемь и прочаа· нъ[17] вѣдоуще сами са· правоую и[18] съборьноую

παλαιότητος, εἰ καὶ σμικραὶ καθεστῶσιν καὶ ἀκοσμότεραι· καὶ ἔξεστιν αὐτῷ μίαν τῶν τοιούτων ἐκκλησιῶν ἀπολαβόντι, αὐτὴν οἰκοδομησάσθω, κἀνταῦθα γνώμῃ τοῦ θεοφιλεστάτου τῶν ὀρθοδόξων ἐπισκόπου.

Περὶ διοικήσεως καὶ προνομιῶν καὶ ἄλλων (л. 268[b]) διαφόρων κεφαλαίων καὶ ψηφισμάτων εἰς τὰς ἁγιωτάτας ἐκκλησίας καὶ τοὺς ἄλλους εὐαγεῖς οἴκους ἀνηκόντων ἤδη μέν τινα διετυπώσαμεν. ἐπὶ δὲ τοῦ παρόντος τὰ περὶ τῶν ὁσιωτάτων ἐπισκόπων καὶ κληρικῶν καὶ μοναχῶν πρώην ἐν διαφόροις τάξεσιν διατυπωθέντα μετὰ τῆς προσηκούσης ἐπανορθώσεως τῷδε περιλαβεῖν τῷ νόμῳ συνείδομεν. θεσπίζομεν τοίνυν, ὁσάκις ἂν χρεία γένηται ἐπίσκοπον χειροτονηθῆναι, καὶ τοὺς κληρικοὺς καὶ τοὺς πρώτους κτήτορας τῆς πόλεως ἐπὶ τρισὶ προσώποις ψηφίσματα ποιεῖν, προκειμένων τῶν ἰδίων ψυχῶν, ὡς οὐ διὰ δόσιν ἢ ὑπόσχεσιν καὶ τὰ ἐξῆς, ἀλλ' εἰδότες αὐτοὺς τῆς ὀρθῆς καὶ καθολικῆς

1) ли *H.* 2) ȣкрашены *C.* 3) единомѣ *C.* 4) понеже *H.* 5) епоу *H.* 6) *вставка изъ C*; пра· кѝ· *H.* 7) причтыи *II.* 8) въ *прот. H.* 9) нѣкихъ *H.* 10) же *H.* 11) ѿ *C.* 12) клиричѣхъ *У.* 13) исправленьи *II.* 14) притажителя *H.* 15) причьти *C.* 16) прѣлежащїй *II.* 17) не *H.* 18) и *прот. C.*

вѣроу· и чистааго житиа· и кънигы[1] вѣдѣти тѣхъ да | изьвроутъ· и ѣко ни подроужиа[2] ни дѣтии нъ аще и пьрьвѣк· къто ѿ нихъ подроужие имѣ·[3] и то[4] єдино пьрвѣие и не оглѣмое ѕаконъмь нашимь·[5] или чистъıими канонъı·[6] ни съвѣтьника·[7] или воиноу[8] бъıти· сего съвѣдать· и єже подъ съвѣтьнъıимь[9] полоучаємь· подълежан не мьнє· ѳ· лѣ· въ манастъıри·[10] мьнишьскоє житиє въспримъ· и[11] ѣко не[12] мьнє· а· лѣ· въздрасть имѣти· изьвраноє[13] лице· да болъшиихъ[14] поставлєнъ боудеть· вѣдою поставлъшааго· тако оубо своважьшюмоуса съвѣта· въ четвьртоє своє[го][15] облишиа·[16] себѣ имѣти· и[17] прочаа съвѣтъмь людьскъıимъ· даємъ же оубо власть· причьтъı творѧщимъ или нѣкоюго мирьскаго·[18] развѣ сътьника[19] или воиника· достоина бъıти мьнать· такоаго коупьно· съ дроугъıима дъвѣма клирикомаили[20] мьниҳома[21] изьврати и тако клирикомъ не мьнє трии мць съпричьтенаго[22] и сѵ̑тыа канонъı· и цр҃ковноую слоужьбоу наоучьшасѧ поставлєноу бъıти·

πίστεως καὶ σεμνοῦ βίου καὶ γράμματα εἰδέναι, τούτους ἐπελέξαντο, καὶ ὅτι л. 297 a. οὐδὲ γαμετὴν οὐδὲ παῖδας, ἀλλ᾽ εἰ καὶ πρότερόν τις ἐξ αὐτῶν γαμετὴν ἔσχεν, καὶ αὐτὴν μίαν καὶ πρώτην καὶ οὐ κατηγορουμένην νόμοις ἡμῶν ἢ ἱεροῖς κανόσιν, οὐδὲ βουλευτὴν ἢ ταξεώτην εἶναι τοῦτον γινώσκουσι, ἢ εἴπερ βουλευτικῇ ἢ ταξεωτικῇ τύχῃ ὑποκείμενος, οὐχ ἧττον ιε΄ ἐνιαυτῶν ἐν μοναστηρίῳ μοναχικὸν βίον ἐπανήρετο, καὶ ὅτι οὐχ ἧττον λε΄ ἐνιαυτῶν τῆς ἡλικίας ἔχειν τὸ ἐπιλεγὲν πρόσωπον, ἵνα ὁ βελτίων χειροτονηθῇ κινδύνῳ τοῦ χειροτονοῦντος, οὕτω μέντοι τὸν ἐλευ(л. 269a)θερωθέντα τῆς βουλῆς τὸ τέταρτον τῆς ἰδίας περιουσίας ἑαυτῷ παρακατασχεῖν καὶ τὰ ὑπόλοιπα τῇ βουλῇ τῷ δημοσίῳ. διδόαμεν δὲ ἄδειαν τοῖς τὰ ψηφίσματα[1] ποιουμένοις, εἴ τινα κοσμικὸν δίχα βουλευτοῦ ἢ ταξεώτου ἄξιον εἶναι νομίσωσιν, τὸν τοιοῦτον ἅμα ἄλλοις δύο κληρικοῖς ἢ μοναχοῖς ἐπιλέξασθαι, καὶ οὕτω τοῖς κληρικοῖς οὐκ ἔλαττον τριῶν μηνῶν αὐτὸν συναριθμηθέντα καὶ τοὺς ἁγίους κανόνας καὶ τὴν τῆς ἐκκλησίας λειτουργίαν διδαχθέντα χειροτονηθῆναι.

---

1) книгъıи *П.* 2) пожроужіа *П.* 3) имѣи *П.* 4) но *С.* 5) закономь нашимь и не гл҃емое *Н.* 6) каноныи *П.* 7) свѣтиника *П*; сотника *С.* 8) воино *С.* 9) свѣтнѣимъ *П.* 10) мастъıри *У.* 11) и *проп. П.* 12) не *проп. У.* 13) издраное *С.* 14) болъшимь *Н.* 15) *исправл. по ПН.* 16) ѡбличьıа *Н*; обличеніе *С.* 17) и *проп. С.* 18) римьскаго *С.* 19) или нѣкоюго мирьскаго развѣ сътьника *проп. НУ.* 20) и *Н.* 21) миҳомъ *П.* 22) съпричетьнаго *С.*

1) слогъ ψη cod. между строкъ.

кд. [1] Аще ли не обращютьсѧ въправьдоу· три лица на таково [2] изьбранїе· подобаютъ [3] и при [4] дъвѣма и при единомь лици· причьтъ творити всѧ оубо речена имоущю послоушьства·

л. [5] Аще ли хотѧщен· причьтъ творити· мьнѣ мць шести· да сътворѧть тогда вѣдою своѥ дша тъ· ѥмоуже лѣпо ѥсть епа да поставить· [6] поставлѧѥ же чрѣсъ нареченоѥ [7] послѣдованїе· да ѡ|лоученъ боудеть· на едино лѣто имѣнїе ѥго [8] область· [9] цркъвьнаѧ да строить· и поставлѥнъıи да иждененетьсѧ·

лa. [10] Аще ли къто възглаголѥть на [11] изьбранаго· да ожидетьсѧ того поставленїа· [12] и аще повинъна обращеть [13] да [14] възбранитьсѧ· [15] аще ли неповиньнъ [16] ѥвитьсѧ· да поставлѥнъ боудеть· [17] ѡглѣшникъ же или не показа· или оубѣжа приложенаго [18] на нь оглашенїа· ѡ епархїа· въ нѥиже живеть да иженетьсѧ·

лв. [19] Зa [20] обычаѧ же [21] то едино подаѧти· ѡ всѣхъ поставлѧѥмъıихъ епъ даѥмъ· ѧже по сихъ и [22] елико соущюмоу законоу· подобаѥть·

κθ'. Εἰ δὲ μὴ εὑρεθείη ὡς εἰκὸς τρία πρόσωπα πρὸς τὴν τοιαύτην ἐπιλογήν, ἐξέστω ἐπὶ δύο καὶ ἑνὶ προσώπῳ ψήφισμα ποιεῖσθαι, πάσας μέντοι τὰς εἰρημένας ἔχοντι μαρτυρίας.

λ'. Εἰ δὲ οἱ ὀφείλοντες τὰ ψηφίσματα ποιεῖν ἐντὸς μηνῶν ἓξ μὴ ποιείτωσαν, τηνικαῦτα τῷ κινδύνῳ τῆς ἰδίας ψυχῆς ἐκεῖνος, ᾧ ἁρμόζει, τὸν ἐπίσκοπον χειροτονείτω. ὁ δὲ παρὰ τὴν προσαγορευθεῖσαν ἀκολουθίαν χειροτονῶν ἐπί ἕνα ἑνιαυτὸν χωριζέσθω καὶ τὴν ἰδίαν οὐσίαν ἡ δεσποτεία τῆς ἐκκλησίας αὐτοῦ διεκδικείτω, καὶ ὁ χειροτονηθεὶς ἐκβάλλέσθω.

λα'. Εἰ δέ τις κατηγορήσοι τοῦ ἐπιλεγέντος, ὑπερτιθέσθω ἡ τούτου χειροτονία, καὶ εἰ ὑπεύθυνον εὕροι, κωλυέσθω· εἰ δὲ ὑπεύθυνος (л. 269[b]) μὴ φανείεν, χειροτονείσθω. ὁ δὲ κατήγορος, εἴτε μὴ ἀπέδειξεν εἴτε καὶ ἀπέφυγεν τὴν προτεθεῖσαν κατ' αὐτοῦ κατηγορίαν, ἐκ τῆς ἐπαρχίας ἐν ᾗ οἰκεῖ ἐκβαλλέσθω.

λβ'. Ὑπὲρ συνηθειῶν δὲ ἐκεῖνα μόνα παρέχεσθαι ἀπὸ πάντων τῶν χειροτονουμένων ἐπισκόπων συγχωροῦμεν, ἅτινα ἐφεξῆς ὅσα τῷ παρόντι νόμῳ ἐμφέρεται.

---

1) прⷭ· кд· *H.* 2) инаково *H.* 3) побаютъ *У.* 4) предъ *НП.* 5) прⷭ· л· *H.* 6) поставать *H.* 7) нареное *У.* 8) го *C.* 9) власть *H.* 10) прⷭ· лa. *H.* 11) на *проп H.* 12) поставление *H.* 13) обращь *C.* 14) не *вставл. C.* 15) аще повинъна обращеть да възбранитьсѧ *проп. У.* 16) неповенъ *C.* 17) повинъна обращеть да... боудеть *проп. H.* 18) приложенаго *C.* 19) прⷭ· лв· *H.* 20) Бл *C.* 21) обычан ѧже *П.* 22) и *проп. П.*

повелѣваемъ оубо прѣвл҃женъишимъ
еп҃помъ· и патриархомъ сирѣчь
старѣишааго рима· и костантина
града и александрие·[1] и е҃жа
града· и ерс҃алимьскаемъ·[2] аще обы-
чаи имать[3] еп҃помъ и[4] клири-
комъ·[5] въ поставлениихъ·[6] не
мьше дъвоудесатоу литръ злата
дати· си единаа· подати же
обычаи съвѣсть·[7] аще ли паче
того закона подаше· ничьсо же
паче дъвоудесатоу литръ злата
подати· поставлаемъиимъ же ѿ
митрополитъ· или ѿ патриархъ· аще
мьше· л҃· литръ злата· притажа-
ние[8] имать цр҃кы· поставлаемаа-
аго подати· за сі҃ение оубо зла-
та· р҃· ноутаремь[9] же поставлъ-
шаааго· и иѣмъ слоужащимъ
емоу· и ѿ обычаа приемлють· злата
три съта· аще ли цр҃квьноуоумоу
притажанию· мьше тридесатъ литръ
злата· | въ лѣта съвьршаютьса· не
мьше же десати· за сі҃ение
злата· р҃· дати· иѣмъ же
вьсѣмъ· ѿ обычаа приемлющи-
имъ·[10] злата дъвѣ сътѣ·[11] аще
мьше паче десати· не мьше· е҃·
литръ злата· дати за сі҃ение зла-
та· и҃· всѣмъ же ѿ обычаа· злата·
ѳ· аще ли мьше пати· не мьше же· г҃·

κελεύομεν τοίνυν τοὺς μακαριωτάτους ἀρχιεπισκόπους καὶ πατριάρχας, τουτέστι τῆς πρεσβυτέρας Ῥώμης καὶ Κωνσταντινουπόλεως καὶ Ἀλεξανδρείας καὶ Θεουπόλεως καὶ Ἱεροσολύμων, εἰ[1] μὲν ἡ συνήθεια ἔχει ἐπισκόποις ἢ κληρικοῖς ἐν τῇ αὐτῶν χειροτονίᾳ ἔλαττον ἢπερ κ΄ χρυσίου λιτρῶν[2] δίδοσθαι, ταῦτα μόνα παρέχειν, ἅπερ ἡ συνήθεια γινώσκει. εἰ δὲ πλέον τούτου τοῦ νόμου παρεχέτω, μηδὲν ὑπὲρ τὰς εἴκοσι λίτρας τοῦ χρυσίου παρέχεσθαι. τοὺς δὲ χειροτονουμένους ἀπὸ μητροπολιτῶν ἢ πατριαρχῶν, εἰ μὲν ἔλαττον λ΄ χρυσίου λιτρῶν[3] πρόσοδον ἔχει ἡ ἐκκλησία τοῦ χειροτονουμένου, διδόναι ὑπὲρ ἐνθρονιαστικῶν μὲν νομίσματα ρ΄, νοταρίοις δὲ τοῦ χειροτονοῦντος καὶ τοῖς ἄλλοις τοῖς ὑπηρετοῦσιν αὐτῷ καὶ ἐξ ἔθους λαμβάνουσιν τ΄. εἰ[4] δὲ ἡ τῆς ἐκκλησίας πρόσοδος ἔλαττον μὲν ὑπὲρ τριάκοντα χρυσίου λιτρῶν κατ᾽ ἐνιαυτὸν συντελοῦσιν, οὐχ ἧτ(л. 270ᵃ)τον δὲ ἢ δέκα,[5] ὑπὲρ μὲν ἐνθρονιαστικῶν νομίσματα[6] ρ΄ διδόναι, τοῖς δὲ ἄλλοις πᾶσιν τοῖς ἐκ συνηθείας λαμβάνουσιν νομίσματα σ΄. εἰ δὲ ἔλαττον ὑπὲρ δέκα, οὐκ ἔλαττον δὲ τῶν ε΄ τοῦ χρυσίου λιτρῶν, διδόναι ὑπὲρ ἐνθρονιαστικῶν νομίσματα ν΄, πᾶσιν δὲ τοῖς ἐξ ἔθους νομίσματα σ΄. εἰ δὲ ἔλαττον τῶν ε΄, οὐκ ἔλαττον δὲ τῶν τριῶν

л. 298 а.

1) александрии *УН.* 2) ерлм҃лемъ *Н.* 3) мать *У.* 4) или *П.* 5) клирико *П.* 6) поставленыихъ *НС.* 7) аще *П.* 8) притажанiемь *Н;* пританiе *С, но позднѣйшей рукой припис. ж надъ а.* 9) нотаремъ *Н.* 10) приемлющемъ *Н.* 11) с҃ *Н (вм.* дъвѣ сътѣ).

1) ἡ cod. 2) cod. переправл. изъ λίτρας. 3) cod. переправл. изъ λίτρας. 4) cod. переправл. изъ ἡ. 5) εἰ δεκ̄ cod. 6) ν° ν° cod. здѣсь и во всѣхъ случаяхъ ниже.

литръ· цр҃ковьное притѧжание имать· подавати за сі҃ѥние златa· ѳ҃· и ⟨ѿ⟩ обычаѭ соущимъ· к҃· ти· д҃· аще ли мьнѣ три· не мьне же дъвоу литроу[1] златa· количьство притѧжания цр҃ковьнаго обрѧщетьсѧ· давати за сі҃ѥние златa· в҃· всемоу же обычаю златa· г҃· епп҃оу же цр҃ковьное· мьнѣ дъвоу литроу притѧжанию имоущю· ни за сі҃ѥние ни за къи ихъ обычаи· дати[2] чьто повелѣваемъ· си же приемлемъ старѣишин[3] поповъ· и архидиакона поставлѧющаго· соущимъ ѿ[4] обычаѭ да раздѣлѧѥта·

л҃г·[5] Аще ли[6] съключитьсѧ·[7] поставлѧемоумоу епп҃оу[8] подъ властию· оужика своѥго быти· ѿ того поставлѥния самовластьнъ да[9] воудеть· бо҃любивѣишимъ же[10] епп҃омъ·[11] и мьнихомъ· ни ѿ единого же закона· приставьникъ· или тиоунъ·[12] кожежьдо лица бывати не даемъ·[13]

л҃д·[14] Попомъ же и диѧкономъ· и подьѧкономъ[15] правьдьнѣишимъ[16] и[17] единѣмь приближенига на приставьничьство· или[18] тиоуньство призываемомъ· таково приимати слоужение

λιτρῶν ἡ ἐκκλησία πρόσοδον ἔχει, παρέχειν ὑπὲρ ἐνθρονιαστικῶν νομίσματα ιη΄. καὶ τοῖς ἐξ ἔθους νομίσματα κδ΄. εἰ δὲ ἔλαττον τῶν τριῶν, οὐκ ἔλαττον δὲ τῶν δύο τοῦ χρυσίου λιτρῶν ἡ ποσότης τῶν προσόδων τῆς ἐκκλησίας εὑρεθείη, διδόναι ὑπὲρ ἐνθρονιαστικῶν νομίσματα ιβ΄, πάσης δὲ ἄλλης συνηθείας νομίσματα ις΄. ἐπίσκοπον γὰρ ἐκκλησίας, ἔλαττον δὲ δύο χρυσίου λιτρῶν πρόσοδον ἐχούσης οὐδὲ ὑπὲρ ἐνθρονιαστικῶν, οὐδὲ ὑπὲρ ἄλλης οἱασδήποτε συνηθείας δοῦναί τι συγχωροῦμεν. ταῦτα δὲ ὑποδεχόμενα ὁ ἀρχιπρεσβύτερος[1] καὶ ὁ ἀρχιδιάκονος τοῦ χειροτονοῦντος ἐπισκόπου τοῖς ἐξ ἔθους διαιρείτωσαν.

λγ΄. Εἰ δὲ συμβῇ τὸν χειροτονούμενον ἐπίσκοπον ὑπὸ τὴν τοῦ ἰδίου γονέως ἐξουσίαν εἶναι, ἐξ αὐτῆς τῆς χειροτονίας αὐτεξούσιος ἔστω. τοὺς δὲ θεοφιλεστάτους ἐπισκόπους καὶ μοναχοὺς ἐκ μηδενὸς νόμου ἐπιτρόπους ἢ κουράτορας οἱασδήποτε προσώπου γίνεσθαι συγχωροῦμεν.

λδ΄. Τοὺς δὲ πρεσβυτέρους καὶ διακόνους καὶ (л. 270[b]) ὑποδιακόνους τῷ δικαίῳ καὶ μόνῳ τῆς συγγενείας εἰς ἐπιτροπὴν ⟨ἢ⟩ κουρατορίαν καλουμένους τὴν τοιαύτην ὑποδέχεσθαι λειτουργίαν

1) литръ *H.* 2) давати *C.* 3) старѣишин *ПС.* 4) ѿ *проп. C.* 5) пр҃а· л҃г· *H.* 6) ли *проп. H.* 7) ключитъ *H.* 8) епископ *П.* 9) да *проп. H.* 10) же *cod. in m.; проп. H.* 11) епископомъ *П.* 12) тиунъ *C.* 13) досда *добавл. C киноварью и cod. (in m. рукой XIII в.).* 14) пр҃а· л҃д· *H; У проп. всю главу 34.* 15) подьякомъ *H.* 16) правилнѣмь *H.* 17) и *проп. H.* 18) на *вставл. H.*

1) между ἀρ҃ и πρεσβύτερος выскобл. cod. около 11 буквъ.

подаємъ· аще ли оубо· равьно четърь[1] мѫ̀ь причитаємомъ· ѿнюдѣ[2] же при|ꙁъвани[3] бѣша·[4] ѿ подобьнаго соудиⷨ·[5] написаньно ѥвѧть· таковоѥ слоужениѥ· своимь изволѥниѥмь приати· и[6] ничьсо[7] же ѿ иного[8] тиоуньства· ѿсоуждениⷨ прѣтьрпѣвати·

λε̅·[9] Нъ ни приставьника· нъ ни въꙁемлющаго· людьскъихъ съвершении· или[10] наимьника даньмъ· или цюждиихъ сътажании· или състроителⷨ[11] домоу· или ꙁаповѣдающаго[12] пьрю· или пороучьника· о таковъихъ винахъ епп̃оу и[13] строителю· или иномоу клирикоу· коего когда чиноу· или мьниҳоу· или своимь именьмь· или цр̃къвьнꙑимь· или манастꙑрьскꙑимь· въходити не дамь· аще оубо цр̃къвамъ[14] или манастꙑремъ· притажаниⷨ[15] нѣкаⷨ прилежаща обращютьсѧ[16] и хотать строителѥ·[17] тѣхъ благочьстьнꙑихъ домовъ· въ наимание· или въ насажениѥ сиⷨ[18] приимати· тогда вьсѣмъ клирикомъ и мьниҳомъ· или[19] въ съвѣтѣ· о дѣлании въспоминаниⷨ съключьшагосѧ и ѥвлающемъ·[20] о польꙁьнѣмь хотащимь[21] бꙑти· тоѥ

συγχωροῦμεν, εἰ[1] μέντοι γε εἴσω δ' μηνῶν ἀριθμουμένων, ἐξ οὗ ἐκλήθησαν, παρὰ τῷ ἁρμοδίῳ δικαστῇ л. 298 b.
ἐγγράφως φανερώσουσιν τὸ τοιοῦτο λειτούργημα οἰκείᾳ προαιρέσει καταδέξασθαι καὶ μηδὲν ἐκ τούτου περὶ ἄλλην κουρατορίαν πρόκριμα ὑπομένειν.

λε'. Ἀλλ' οὐδὲ ἐκλήπτορα ἢ ἀπαιτητὴν δημοσίων συντελειῶν, ἢ μισθωτὴν τελῶν ἢ ἀλλοτρίων κτήσεων, ἢ κουράτορα οἴκου, ἢ ἐντολέα δίκης, ἢ ἐγγυητὴν ὑπὲρ τῶν τοιούτων αἰτιῶν[2] ἐπίσκοπον ἢ οἰκονόμον ἢ ἄλλον κληρικὸν οἱουδήποτε βαθμοῦ ἢ μοναχὸν ἢ ἰδίῳ ὀνόματι ἢ τῆς ἐκκλησίας ἢ τοῦ μοναστηρίου ὑπεισιέναι συγχωροῦμεν. εἰ μέντοι ἐκκλησίαις ἢ μοναστηρίοις κτήσεις τινὲς παρακείμεναι εὑρεθῶσιν καὶ βουληθεῖεν οἱ διοικηταὶ τῶν αὐτῶν εὐαγῶν οἴκων[3] εἰς μίσθωσιν ἢ ἐμφύτευσιν ταύτας λαβεῖν, τηνικαῦτα πάντων τῶν κληρικῶν[4] καὶ τῶν μοναχῶν ἢ ἐν τῷ συμβολαίῳ ἢ ἐπὶ πράξεως ὑπομνημάτων συναινούντων καὶ φανερούντων ὑπὲρ τοῦ συμφέροντος γίνεσθαι. τὸ αὐτὸ

1) чресъ *H.* 2) ѿнюдоу *H.* 3) приꙁъ *C.* 4) бꙑша *H.* 5) соудбꙑ *H.* 6) и *прот. H.* 7) ничто *H.* 8) оного *H.* 9) *cod. переправл. изъ* ке; пра̀· λε̅· *H; У прот. всю главу 35.* 10) и *H.* 11) строителѧ *H.* 12) извѣщающаго *H.* 13) или *HП.* 14) цркъвамъ *cod.* 15) притажаньемь *H.* 16) ѡбращютѣ прилежаща *H.* 17) строителн *H.* 18) сиⷨ *прот. H.* 19) и *H.* 20) ѥвлающимъ *H.* 21) хотащемь *H.*

1) ἡ cod. 2) αἰτιων cod. 3) οἰκων cod. такъ какъ выскобл. облеч. удар. надъ ω. 4) cod. между κληρ и ικῶν выскобл. двѣ буквы.

же и[1] къ самѣмъ вьсѣмъ·[2] прⷭтънимъ цр҃квамъ власть подакемъ· наимания и насажения[3] сътворити·[4] клирика[5] тако же своихъ цр҃къвъ притажания[6] намъ наимовати· разоумъмь оубо еп҃па и строителя· прѣболышемъ[7] лицемъ· иже дроугънимь законъмь се творити възбраниховъ·

л҃з·[8] Ни единомоу же ѡ҃ къназь подобаѥть· бо҃любивъ|ихъ еп҃ъ· ноудити[9] на соудище приходити· о подании[10] съвѣдѣния·[11] нъ соуди[12] да[13] поущаѥть нѣкыа ѡ҃ слоужащихъ емоу· да прѣдълежащемъ[14] стънимъ[15] еваньгѣлиемъ· по[16] подобьствоу чистителемъ· рекоуть иже[17] съвѣдать· нъ ни имѣния ради или прѣгрѣшения ради вины· еп҃оу къназю гражаньскоуоумоу·[18] или къ воиникоу·[19] неволю единомоу[20] бъıти[21] или прѣстоıти·[22] бес цр҃ь[23] повелѣния подакемъ· нъ[24] къназю се[25] повелѣти·[26] или написаньно или ненаписаньно· дьрзноувъшааго· по отатии[27] поиса-

δὲ καὶ πρὸς ἀλλήλους πάσαις ταῖς ἁγιωτάταις ἐκκλησίαις (л. 279ª) ἄδειαν διδόαμεν[1] μισθώσεις καὶ ἐμφυτεύσεις ποιεῖν, καὶ τοῖς κληρικοῖς ὁμοίως τῶν οἰκείων ἐκκλησιῶν τὰς κτήσεις μισθοῦσθαι, γνώμῃ μὲν τοῦ ἐπισκόπου καὶ τοῦ οἰκονόμου, ἐξηρημένων τῶν προσώπων, ἅτινα δι' ἑτέρου νόμου τοῦτο ποιεῖν ἐκωλύσαμεν.

λς'. Οὐδενὶ δὲ τῶν ἀρχόντων ἐξέσται[2] τοὺς θεοφιλεστάτους ἐπισκόπους ἀναγκάζειν εἰς δικαστήριον παραγίνεσθαι ὑπὲρ τοῦ νεῖμαι μαρτυρίαν· ἀλλ' ὁ δικαστὴς πεμπέτω τινὰς τῶν ἐξυπηρετουμένων αὐτῷ, ἵνα προκειμένων τῶν ἁγίων εὐαγγελίων κατὰ τὸ πρέπον ἱερεῦσιν εἴπωσιν ἅπερ γινώσκουσιν. ἀλλ' οὐδὲ ὑπὲρ χρηματικῆς ἢ ἐγκληματικῆς αἰτίας ἐπίσκοπον πρὸς ἄρχοντα πολιτικὸν ἢ στρατιωτικὸν ἄκοντα ἰδίᾳ γενέσθαι ἢ παρίστασθαι δίχα βασιλικῆς κελεύσεως συγχωροῦμεν, ἀλλὰ τὸν ἄρχοντα τὸν τοῦτο εἴτε ἐγγράφως εἴτε ἀγράφως προστάξαι τολμήσαντα μετὰ τὴν τῆς ζώνης ἀφαίρεσιν

1) и *прот. Н.* 2) къ *Н.* 3) и насажения *прот. С.* 4) створи *Н.* 5) клирикомъ *НП.* 6) притажании *Н.* 7) прѣболшимь *Н.* 8) л҃з *прот. НР; У прот. всю главу 36.* 9) ноудимъ *Н.* 10) о подании *прот. Р.* 11) вѣдѣния *Р.* 12) сѕ *С;* соуди *Н.* 13) да *прот. Р.* 14) прѣлежащїй *ПН.* 15) стънимъ *прот. Н.* 16) по *прот. Р.* 17) иже *Р.* 18) градьскомоу *НР.* 19) иконникоу *П.* 20) единомоу *прот. Н.* 21) бъıти единомоу *Р.* 22) предъстоıти *НПС.* 23) цр҃ь *ПС;* цр҃ва *Р.* 24) къ *Н.* 25) же *Н;* се *прот. Р.* 26) повелѣвати *С.* 27) ѿтати *С.*

1) cod. α переправл. изъ υ и между α и μεν выскобл. 2—3 буквы. 2) ἔξεσται cod.

и въ моукѣ вълагаемоу· и къ изгънанию[1] поущаемоу·[2]

λζ·[3] Отърицаемъ же прⷭдвнѣимъ[4] епⷭомъ· и попомъ и дїакономъ· и чѣтѣцемъ·[5] и вьсѣкомоу иномоу· ѣковоумоу же бгⷭовоѣзнивоумоу чиноу· соущюмоу лѣка[6] играти·[7] или таковаѣ играющимъ· овщѣникомъ· или позоратаемъ[8] вѣывати[9] и[10] въ таковѣмь оубо видѣнии·[11] видѣния[12] ради приходить·[13] аще ли къто[14] ѿ нихъ то[15] съгрѣшить· повелѣваемъ[16] таковааго·[17] гⷭ· лⷭ· вьсѣкого бгⷭовоѣзнивааго слоужения възбранати·[18] и въ манастъирь вълагати·

λη·[19] Ни єдиномоу же епⷭоу· ноудити· каковааго[20] клирика· подъ нимь соущa· ѿ своего клироса ѿпоущати·

λθ·[21] Вьсѣмъ же епⷭомъ· и попомъ ѿрицаемъ· ѣко не ѿлоучати кого ѿ сⷭтаго овщенїа· прѣже даже не[22] ѥвитьсѧ вина· ѥиже ради цⷬковьнии[23] канони·[24] се повелѣваютъ[25] вѣывати· аще ли къто чрѣсъ си[26] ѿ сⷭго

καὶ βασάνοις ὑποβαλλομένου καὶ ἐν ἐξορίᾳ πεμπομένου.

λζ'. Ἀναγορεύομεν δὲ τοῖς ὁσιωτάτοις ἐπισκόποις καὶ πρεσβυτέροις καὶ διακόνοις καὶ ἀναγνώσταις καὶ παντὶ ἄλλῳ οἱῳδήποτε εὐλαβεστάτῳ τάγματος ἢ σχήματος καθεστῶτα ταβλίζειν, ἢ τῶν τοιαῦτα παιζόντων κοινωνοὺς ἢ θεωρητὰς γενέσθαι, ἢ εἰς οἱανδήποτε θέαν τοῦ θεωρῆσαι χά(л. 271ᵇ)ριν[1] παραγενέσθαι. εἰ δέ τις ἐξ αὐτῶν τοῦτο ἁμάρτοι, κελεύομεν τοῦτον ἐπὶ τρεῖς ἐνιαυτοὺς πάσης εὐλαβοῦς ὑπουργίας κωλύεσθαι καὶ ἐν μοναστηρίῳ ἐμβάλλεσθαι.

λη'. Μηδένα δὲ ἐπίσκοπον καταναγκάζεσθαι οἱονδήποτε κληρικὸν ὑπ' αὐτὸν ὄντα τοῦ ἰδίου κλήρου ἀπολύειν.

λθ'. Πᾶσι δὲ τοῖς ἐπισκόποις καὶ πρεσβυτέροις ἀπαγορεύομεν οὐ μὴ[2] χωρίζειν τινὰ τῆς ἁγίας κοινωνίας, πρὶν ἡ αἰτία δειχθῇ, δι' ἣν οἱ ἐκκλησιαστικοὶ κανόνες τοῦτο κελεύουσιν γενέσθαι. εἰ δέ τις παρὰ ταῦτα τῆς ἁγίας

---

1) ⁸гнанїа *C.* 2) поущаемъ *H;* се писат *добавл. C киноварью.* 3) ⷭ *проп. P;* прⷭ· ⷭ· *H;* се пⷭ *cod. in m. рукой XIII в.* 4) же *вставл. H.* 5) чернцⷭ *C.* 6) лѣкъı *H.* 7) играт҃и *H.* 8) позаратаемъ *P.* 9) къти *H.* 10) и *проп. HP.* 11) вѣдѣнїи *H.* 12) вѣдѣнїа *H.* 13) приходѣти *H.* 14) то *P.* 15) кто *P.* 16) повелѣемь *H.* 17) тако въ *C.* 18) възбранити *H.* 19) прⷭ· ни· *H.* 20) таковаго *C.* 21) ⷭ *проп. P;* прⷭ· ⷭ· *H.* 22) не *проп. HV.* 23) цⷬкъвьниковьни *V, но* ковьи *выскобл.* 24) канонїи *H;* каноии *C.* 25) повелѣваютъ *P.* 26) ѧѕ *вставл. C позднейш. рукой.*

---

1) χα(л. 271ᵇ)χάριν cod. 2) οὐ μὴ cod. in m.

л. 299 b. | обѣщенїа ѿлоучитъ·[1] онъ оубо ꙗко неправѣдьнъ ѿ[2] обѣщенїа ѿлоученъ бъıсть· раздроушаемоу[3] разлоученїю ѿ большаго чистителꙗ сѫ̄таго да съподобитьсѧ обѣщенїа· неправѣдьно же[4] ѿлоучивъıи· ѿ чистителꙗ· подъ нимьже оучинѥнъ[5] ѥсть ѿлоученъ[6] боудеть на нѥлико[7] же лѣто[8] ѡ̈нъ съвѣсть·

м̄· [9] Нъ ни своима роукама подобаѥть епп̃оу· кого бити· се бо цюже ѥсть чистителꙗ·[10]

м̄а·[11] Ꙗце же както епп̃ъ·[12] по цр҃кѣньнимъ канономъ· чистительства изгънанъ боудеть· дьрꙁнеть вънити въ градъ· из[13] негоже изгънанъ бъıвъ· или оставити мѣсто на нѥмьже повелѣно[14] бъıсть прѣбъıвати· повелѣвающемъ того· въ[15] манастъıри[16] въ инои епархии соущи[17] прѣдати· да ѥже въ чистительствѣ съгрѣшн·[18] прѣбъıвая въ манастъıри[19] исправить·

м̄в·[20] Клирикомъ же не инако подаѥмъ поставлѥномъ бъıти· ꙗце не кънигъ[21] вѣдѧть· и правоу[22] вѣроу

κοινωνίας τινὰ χωρίσοι, ἐκεῖνος μὲν ὡς ἄδικος ἀπὸ τῆς κοινωνίας ἀπεχωρίσθη, λυομένου τοῦ χωρισμοῦ ὑπὸ μείζονος ἱερέως τῆς ἁγίας ἀξιούσθω κοινωνίας, ὁ δὲ ἀδίκως χωρίσας ὑπὸ τοῦ ἱερέως, ὑφ' ὃν τέτακται, χωρισθήσεται, ἐφ' ὅσον χρόνον ἐκεῖνος συνείδοι.

μ΄. Ἀλλ' οὐδὲ οἰκείαις χερσὶν ἔξεστιν ἐπισκόπῳ τινὰ πλήττειν· τοῦτο γὰρ ἀλλότριόν ἐστιν ἱερέως.

μα΄. Εἴ τις δὲ ἐπίσκοπος κατὰ τοὺς ἐκκλησιαστικοὺς κανόνας τῆς ἱερωσύνης ἐκβληθεὶς τολμήσειεν ἐπιβῆναι τῆς πόλεως, ἀφ' ἧς ἐξεβλήθη, ἢ καταλιπεῖν τὸν τόπον, ἐν ᾧ ἐκελεύσθη διάγειν, κελεύομεν τοῦτον ἐν μοναστηρίῳ ἐν ἄλλῃ ἐπαρχίᾳ καθεστῶτι παραδίδοσθαι, ἵνα, ἅπερ ἐν τῇ ἱερωσύνῃ ἥμαρτεν, διάγων ἐν τῷ μοναστηρίῳ διορθώσηται.

μβ΄. Κληρικοὺς δὲ οὐκ ἄλλως συγχωροῦμεν χειροτονεῖσθαι, (л. 272a) εἰ μὴ γράμματα ἴσασιν καὶ ὀρθὴν πίστιν

---

1) оу҃ѿлоучитъ *cod.* 2) обѣщенїа ѿлоучитъ онъ оубо ꙗко неправѣдьнъ ѿ *прот. Р.* 3) раꙁ҃рѣшаемъ *П.* 4) ѥже *Р.* 5) вчинѥнъ *Н.* 6) да *вставл. Н.* 7) ѥлико *Н.* 8) лѣтъ *Н.* 9) м̄ *прот. Р;* прⷭ҃· м̄· *Н.* 10) чт҃ител *Р.* 11) м̄а *прот. Р;* прⷭ҃· м̄а· *Н.* 12) ѥпп̃оу *Р.* 13) иж *У.* 14) повелѣнъ *Н.* 15) въ *прот. Н.* 16) манастъıрь *НР;* мастъıри *У.* 17) соущии *УН.* 18) да ѥже къ чистительствѣ съгрѣшн *прот. Р.* 19) да *вставл. Р.* 20) м̄в *прот. Р;* прⷭ҃· м̄в· *Н.* 21) книгъı *Р.* 22) правоую *Н.*

и чисто житиѥ имоуть· и ни[1] отъреченъı[2] законъмь· и бжьствьнъıими[3] канонъı[4] приемлють бракъ·

мг·[5] Прозвутероу[6] же мьнѥ· л· лв· не повелѣваемъ поставлѥноу бъıти· нъ ни[7] диакона ни[8] подыакона·[9] мьнѥ· к· и·[10] е· лв· слоужьбьници же[11] въ ст҃ѣи цркви поставлати· аже[12] не мьнѥ боудеть· м· лв· или въторъıи приидє бракъ· аще ли врѣмѧ поставлѥнига·[13] клироса·[14] якого[15] же аще чиноу· ѡгльникъ въ|зникнеть[16] вьсѧ да[17] проидоуть· аже въ епископлиихъ поставлѥниихъ· въıше[18] проповѣдахомъ·[19]

мд·[20] Не инако же поставлати диакона· неженивъшаагосѧ· аще не пръвѣѥ[21] исповѣсть отъ дѣлесъ моци·

ме·[22] И[23] безъ законьнъıа женитъı чисто жити[24] не могоуцю[25] поставлающюмоу· въ врѣмѧ поставлѥниа· повелѣвати дьıакону· или подиакону по[26] поставлѥнии подроужие понимати· аще ли то боудеть повелѣъıи епп҃ъ· отъ епископиа[27] да иждевѣтьсѧ·

καὶ βίον σεμνὸν ἔχουσιν καὶ μήτε ἀπηγορευμένον[1] τῷ νόμῳ καὶ τοῖς θείοις κανόσιν λαμβάνουσι γάμον.

μγ΄. Πρεσβύτερον δὲ ἔλαττον τῶν λ΄ ἐνιαυτῶν γίνεσθαι οὐκ ἐπιτρέπομεν, ἀλλ᾽ οὐδὲ διάκονον ἢ ὑποδιάκονον ἧττον τῶν κε΄, οὐδὲ ἀναγνώστην ἔλαττον τῶν η΄ ἐνιαυτῶν· διακόνισσαν δὲ ἐν ἁγίᾳ ἐκκλησίᾳ μὴ χειροτονεῖσθαι, ἥτις ἔλαττόν ἐστιν ἐτῶν μ΄, ἢ εἰς δευτέρους ἦλθεν γάμους. εἰ δὲ ἐν τῷ καιρῷ τῆς χειροτονίας τοῦ κληρικοῦ οἱουδήποτε τάγματος κατήγορος ἀναφανῇ, πάντα προβαινέτωσαν, ἅτινα ἐν ταῖς τῶν ἐπισκόπων χειροτονίαις ἀνωτέρω ἐθεσπίσαμεν. л. 300 a.

μδ΄. Μὴ ἄλλως δὲ χειροτονεῖσθαι διάκονον ἄγαμον, εἰ μὴ πρότερον ἐπαγγέλλεται δύνασθαι.

με΄. Καὶ χωρὶς νομίμης γαμετῆς σεμνῶς βιοῦν οὐ δυναμένου τοῦ χειροτονήσαντος ἐν τῷ καιρῷ τῆς χειροτονίας ἐπιτρέπειν τῷ διακόνῳ ἢ ὑποδιακόνῳ μετὰ τὴν χειροτονίαν γαμετὴν λαμβάνειν. εἰ δὲ τοῦτο γένηται, ὁ ἐπιτρέψας ἐπίσκοπος τῆς ἐπισκοπῆς ἐκβαλλέσθω.

---

1) нъı *P.* 2) ѿречени *H*; ѿ *П.* 3) законъмь и бжьствьнъıими *прот. П.* 4) канонын *П.* 5) мг *прот. P*; прⷭ· мг· *H.* 6) Презвитероу *H.* 7) и *H.* 8) и *HУ*; ни *прот. C.* 9) падыакона *P*; подыакона *прот. C.* 10) и *прот. H.* 11) иже *вставл. H.* 12) же *P.* 13) поставлѥние *P.* 14) клирса *C.* 15) яко кого *H.* 16) възникъ *C.* 17) да *прот. HУ.* 18) ыше *C.* 19) проповѣдаемъ *H.* 20) мд *прот. P*; прⷭ· мд· *H.* 21) первое *H.* 22) ме *прот. P*; прⷭ· ме· *H.* 23) И *прот. P и слѣдующее слово начинаетъ съ заглавной буквы.* 24) чити *C.* 25) могуще *H.* 26) по *прот. P.* 27) ѥпⷭтва *P*; епⷭкпа *C.*

1) ἀπηγορευμένων было въ cod., но ω подскобл. въ ο.

мѕ·[1] Аще ли по поставлении прозвутеръ[2] или дїаконъ[3] или подъіконъ·[4] женоу приведетъ· да ижденетьсѧ[5] ѿ клироса·[6] и съвѣтъмь врага· въ немьже клирикъ[7] бѣ· своими вещьми да[8] прѣданъ боудетъ·

мѕ·[9] Аще ли чьтьць[10] въторогоую женоу приведетъ· ли пьрвоую оубо въдовицю же[11] бъівъшю· или съчетавъшюсѧ съ моужьмь· или закономь· или сѵ̃тѣнъіими канонъі ѿреченъіими· къ томоу въ инъ цр̃квънъіи чинъ да не въходитъ·[12] аще ли кацѣмь оубо[13] образъмь· на болъшии степень приведенъ боудетъ· да ижденетьсѧ· и на пьрвѣмь да оустроенъ[14] боудетъ·

ли·[15] Нъ ни съвѣтьникъ· ни[16] воиньствънъімъ клирикомъ[17] бъівати· да не кокго[18] ѿ того[19] бл̃гочьстивомоу клиросоу·[20] роуганиѥ боудетъ· аще ли таковаѩ лица въ клиросъ[21] причьтена[22] боудоутъ· ако невъівъшюю поставлѥнию своимь[23] полоучѥниѥмь· да оустроени боудоутъ· обаче аще не
л. 300 b. въправьдоу· мьнишьскоѥ | житиѥ къто[24] ѿ нихъ нѥ мьниѥ· ѳ̃· лѣ·

μς′. Εἰ δὲ μετὰ τὴν χειροτονίαν πρεσβύτερος ἢ διάκονος ἢ ὑποδιάκονος γαμετὴν ἀγάγοιτο, ἐκβαλλέσθω τοῦ κλήρου καὶ τῇ βουλῇ τῆς πόλεως, ὑφ' ἣν κληρικὸς ἦν, μετὰ τῶν ἰδίων πραγμάτων παραδιδόσθω.

(л. 272b) μζ′. Εἰ δὲ ἀναγνώστης δευτέραν γαμετὴν ἀγάγεται, ἢ πρώτην μέν, χήραν δὲ ἢ διαζευχθεῖσαν ἀνδρὸς ἢ τοῖς ἱεροῖς κανόσιν ἀπηγορευμένην, μηκέτι εἰς ἄλλον ἐκκλησιαστικὸν βαθμόν προβαινέτω. εἰ δὲ οἱῳδήποτε τρόπῳ εἰς μείζονα βαθμὸν προαχθεῖεν, ἐκβαλλέσθω καὶ τοῦ προτέρου ἀποκαθιστάσθω.

μη′. Ἀλλὰ μηδὲ βουλευτὰς ἢ ταξεώτας κληρικοὺς γενέσθαι, ἵνα μή τις ἐκ τούτου τῷ εὐαγεῖ κλήρῳ ὕβρις προσγένηται. εἰ δὲ τὰ τοιαῦτα πρόσωπα ἐν κλήρῳ καταταγῇ, ὡς μηδὲ γενομένης τῆς χειροτονίας τῇ ἰδίᾳ τύχῃ ἀποκαθιστάσθωσαν, πλὴν εἰ μὴ ὡς εἰκὸς μοναχικὸν βίον τις αὐτῶν οὐκ ἔλαττον ιε′ ἐνιαυτῶν

---

1) мѕ *прот. P*; пра· мѕ· *H*. 2) презвоутеръ *HP*. 3) дїакомъ *C*. 4) или подъіконъ *прот. H*. 5) женетьсѧ *P*. 6) крилоса *П*. 7) крликъ *П*; клиросъ *P*. 8) да *прот. P*. 9) мѕ *прот. P*; пра· мѕ· *H*. 10) чьтьць *cod. надпис. надъ строкой*. 11) же *прот. H*. 12) внидетъ *H*. 13) оубо *прот. H*. 14) къстроѥнъ *H*. 15) мѳ *прот. P*; пра· мѳ· *H*. 16) нъ *P*. 17) крїликомъ *П*. 18) коѥ *H*. 19) кого *P*. 20) крилосоу *П*; клирикѕ *C*. 21) крилосъ *П*. 22) причтенъ *P*; причтана *C*. 23) понмъ *P*. 24) кто *ПРСНУ*.

съвършитъ· таковъша поставлати повелѣваемъ·[1] законьнѣи части· швѣ ако ѡ съвѣтьникъ[2] съвѣтъмь· и[3] людьскъимъ подаеми·

5 мѳ·[4] Аще кто клирикъ·[5] ѡ кого[6] когда чиноу или строителк· бл҃гочьстиваго коего мѣста· или прѣже поставлениа· или прѣже порoученаго емоу строениа или попечениа· или по 10 снхъ въсхощеть чсо·[7] имѣниа принести къ цр҃кви· или на мѣсто· егоже строение или попечение[8] въспринимаетъ·[9] не тъкмо [не][10] възбраняемъ·[11] томоу бывати· нъ и паче повелѣваемъ имъ· таковаа[12] за сп҃сение своеа[13] дш҃а[14] творити· мъı во онѣхъ единѣхъ подаати възбраняемъ· неправѣдьнъимь нѣкъимь лицьмь подаати· не[15] оубо пр҃стъимъ цр҃квамъ· 20 или [и]нѣмъ[16] бл҃гочьстивъимъ домомъ приносимаа·[17]

п·[18] Аще рабъ вѣдоущю и не прѣкъı гл҃ющю гн҃оу[19] въ клиросѣ[20] причьтенъ боудеть· ѡ того[21] причьтениа свободьнъ[22] и бл҃городьнъ да[23] боудеть· аще ли невѣдоущю[24] гноу 25 дiήνυσεν, τοὺς τοιούτους χειροτονεῖσθαι κελεύομεν, τῆς νομίμης[1] δηλονότι μοίρας ἀπὸ τοῦ βουλευτοῦ τῇ βουλῇ καὶ τῷ δημοσίῳ διδομένης.

μϑ'. Εἴ τις δὲ κληρικὸς οἱουδήποτε βαθμοῦ ἢ διοικητὴς εὐαγοῦς οἱουδήποτε τόπου ἢ πρὸ τῆς χειροτονίας ἢ πρὸ τῆς ἐμπιστευθείσης αὐτῷ διοικήσεως ἢ φροντίδος ἢ μετὰ ταῦτα βουληθείη τι τῶν ἰδίων πραγμάτων προσαγαγεῖν τῇ ἐκκλησίᾳ ἢ τῷ τόπῳ, οὐτινος τὴν διοίκησιν ἢ τὴν φροντίδα ἀναδέχεται, οὐ μόνον οὐ κωλύομεν τοῦτο γίνεσθαι, ἀλλὰ καὶ (л. 273ᵃ) μᾶλλον ἐπιτρέπομεν αὐτοῖς τὰ τοιαῦτα ὑπὲρ τῆς σωτηρίας τῆς ἰδίας ψυχῆς ποιεῖν· ἡμεῖς γὰρ ἐκεῖνα μόνα δίδοσθαι κωλύομεν, ἀδίκοις τισὶν προσώποις παρέχεται, οὐ μέντοι ταῖς ἁγιωτάταις ἐκκλησίαις ἢ τοῖς ἄλλοις εὐαγέσιν οἴκοις προσφερόμενα.

ν'. Ἐὰν δοῦλος εἰδότος καὶ οὐκ ἀντιλέγοντος τοῦ δεσπότου ἐν κλήρῳ καταλεγῇ, ἐξ αὐτοῦ τοῦ καταταγῆναι ἐλεύθερος καὶ εὐγενὴς ἔστω. εἰ γὰρ ἀγνοοῦντος τοῦ δεσπότου

---

1) повелѣемъ *У*. 2) вѣтьникъ *УН*; сотникъ *С*. 3) и *проп. Н*. 4) пр҃а· мѳ· *Н*. 5) кроликъ *П*; кроирикъ *С*. 6) коего *НУ*. 7) что *Н*. 8) или по снхъ въсхощеть... попечение *проп. С*. 9) въспринимаютъ *Н*. 10) *вставка изъ Н*. 11) въспрашаемъ *С*. 12) имъ таковаа *проп. Н*. 13) своеа *проп. Н*. 14) дш҃а *проп. П*. 15) но *П*. 16) *исправл. по НПУ*. 17) принесимаа *У*. 18) пр҃а· п· *Н*. 19) гн҃ю *У*. 20) кр҃росѣ *П*. 21) го *У*. 22) сводьнъ *У*; своборенъ *С*; боудеть *вставл. Н*. 23) да *проп. НУ*. 24) невѣдущю *С*.

1) cod. переправл. изъ νομικῆς.

поставлѣнїе боудетъ·[1] подобаѥтъ же гⷭ҃оу равьно проустав|лѣнїе ѥдиного лѣта· того полоучение[2] показъивати· и въспримати своѥго раба· аще ли рабъ· или вѣдоущю или невѣдоущю гⷭ҃оу·[3] причьтенъ бъивъ [въ][4] коемь оубо[5] чиноу· црⷦ҃ьнюе слоужение[6] да оставитъ· и въ простъıихъ· да прѣидетъ житие своемоу гⷭ҃оу въ работоу да прѣдаѥтьсѧ·

ѱа·[7] Аще ли въ написанъıихъ
л. 301 a. тъкъмо· въ притѧжани|ихъ·[8] ѥмоуже соуть написани[9] клирици· и чрⷦ҃ьсъ разоумъ господни[10] бъивати подаемъ· тако оубо клирикомъ имъ бъıваюцемъ· належащее имъ дѣлательство[11] испълнѧти·

ѱв·[12] Попъı же и диѧконъı и чьтьца и пѣвьца·[13] вьсѧ клирикъı наричемъ·[14] вещи же· ащѣмь же образъмь свою гⷣоу[15] прѣшьдъшѧ· имѣти подъ своею властию повелѣваемъ по образоу саствоюнгог[16] притѧжанїѧ подлѧти законоу· и въ тѣхъ прѣбъивати и[17] подъ родитель властию соуть·

ἡ χειροτονία γένηται, ἐξέστω δὲ τῷ δεσπότῃ εἴσω προθεσμίας ἑνὸς ἐνιαυτοῦ τούτου τὴν τύχην ἀποδεικνύειν καὶ τὸν ἴδιον δοῦλον ἀναλαμβάνειν.[1] εἰ δὲ δοῦλος εἴτε εἰδότος εἴτε ἀγνοοῦντος τοῦ δεσπότου καταλεγεὶς ἐν οἱῳδήποτε βαθμῷ τὴν ἐκκλησιαστικὴν ὑπηρεσίαν καταλείψῃ καὶ εἰς κοσμικὸν μετέλθοι βίον, τῷ ἰδίῳ δεσποτῇ εἰς δουλείαν παραδίδοσθαι.

να΄. Εἰ δὲ ἐναπογράφους ἐν αὐταῖς μόνον ταῖς κτήσεσιν, ᾧ εἰσὶν ἐναπόγραφοι, κληρικοὺς καὶ παρὰ γνώμην τῶν δεσποτῶν γενέσθαι συγχωροῦμεν, οὕτω μέντοι γε, ὥστε κληρικοὺς αὐτοὺς γινομένους τὴν ἐπικειμένην αὐτοῖς γεωργίαν πληροῦν.

νβ΄. Τοὺς δὲ πρεσβυτέρους καὶ διακόνους καὶ ἀναγνώστας καὶ ψάλτας τοὺς πάντας κληρικοὺς καλοῦμεν, καὶ τὰ πράγματα τὰ οἱῳδήποτε τρόπῳ εἰς τὴν αὐτὴν δεσπο(л. 273[b])τείαν περιελθόντα ἔχειν ὑπὸ τὴν ἰδίαν ἐξουσίαν προστάττομεν καθ' ὁμοιότητα CASTRENSIOF κούλιον, καὶ δωρεῖσθαι κατὰ τοὺς νόμους καὶ ἐπ' αὐτοῖς διαγίνεσθαι, καὶ ὑπὸ τὴν τῶν γονέων εἰσὶν ἐξουσίαν,

---

1) аще ли невѣдоущю гⷭ҃оу поставлѣнїе боудетъ *проп. НУ.* 2) полѕчити *С.* 3) гⷭ҃ю *У.* 4) *вставка изъ СН.* 5) оубо *проп. Н.* 6) слоужение *проп. С.* 7) прⷭ҃· ѱа· *Н.* 8) притѧженїихъ *П.* 9) написали *П*; написанъıмъ *Н.* 10) гⷣы *Н.* 11) тѣлательство *С, но позднѣйш. рукой по начальному* т *написано* д. 12) прⷭ҃· ѱв· *Н.* 13) и *вставл. Н.* 14) наречемъ *С.* 15) гⷭ҃ѕ *С.* 16) саствоюнгог *проп. НУ.* 17) и *проп. Н.*

1) cod. ἀνα переправл. здѣсь изъ ἀπο.

тако[1] оубо ꙗко тѣхъ дѣти· или тѣмъ не рекъшемъ родителемъ ихъ· законьноую часть приимати·

нг·[2] Благовѣщенивъшимъ же попомъ и диꙗкономъ·[3] аще обращаютсѧ ѿ[4] имѣньѣи[5] винѣ· лъже послоушьствовавъше довълѣютъ въ моукъ мѣсто· за· г· лѣ·[6] ѿлоучати бжьствьнаго слоужениꙗ· и въ манастъирѣ прѣдѧти· о прѣгрѣшенъıихъ же винахъ· лъже послоушьство рекше· клироса обнажьше·[7] въ законьнъıꙗ въложити моукъı повелѣваемъ· прочаꙗ же въ црькъвьнъıихъ чинъхъ[8] съпоминаемъıꙗ въ лъже послоушьство· въ какои[9] оубо вещи· или въ имѣнии· или въ прѣгрѣшении[10] наречѣнѣ[11] обличени боудоутъ· не тъкъмо клироса· и ѿ црькъвьнаго чиноу издриноути· нъ и въ моукоу въложити·[12]

нд·[13] Аще къто на коего клирика· или мьниха· или на слоужьбьницю· или на чьноризицю имать коу|ю пърю· да наоучитъ[14] първѣе· прпдбьнаго еп҃па· емоуже къıижьдо подълежитъ· онъ же вещь межю ими да соудитъ· и[15] аще каꙗждо часть· соужденъıими[16] оумълчитъ· повелѣваемъ

οὕτω μεντοι γε, ὥστε τοὺς τούτων παῖδας ἢ τούτων μὴ εἰπόντων τοὺς γονεῖς αὐτῶν τὸ νόμιμον μέρος κομίζεσθαι.

νγ΄. Τοῖς δὲ εὐλαβεστάτοις πρεσβυτέροις καὶ διακόνοις, καὶ εἰ εὑρεθεῖεν ὑπὲρ χρηματικῆς αἰτίας ψευδῆ μαρτυρήσαντες, ἀρκήσῃ ἀντὶ βασάνων ἐπὶ τρεῖς ἐνιαυτοὺς χωρίζεσθαι τῆς θείας ὑπηρεσίας καὶ μοναστηρίοις παραδίδοσθαι. ὑπὲρ δὲ ἐγκληματικῶν αἰτιῶν ψευδῆ μαρτυρίαν εἴποιεν, τοῦ κλήρου γυμνουμένους ταῖς νομίμοις ὑποβάλλεσθαι ποιναῖς προστάττομεν. τοὺς δὲ λοιποὺς τοὺς ἐν ταῖς ἐκκλησιαστικαῖς τάξεσιν ἀναφερομένους εἰς πλαστὴν μαρτυρίαν, ἐν οἱῳδήποτε πράγματι ἢ χρηματικῷ εἴτε ἐγκληματικῷ εἰρηκέναι διελεγχθείησαν, μὴ μόνον τοῦ κλήρου καὶ τῆς ἐκκλησιαστικῆς τάξεως ἐκβάλλεσθαι, ἀλλὰ καὶ βασάνοις ὑποβάλλεσθαι.

νδ΄. Εἴ τις κατά τινος κληρικοῦ ἢ μοναχοῦ ἢ διακονίσσης ἢ ἀσκητρίας ἔχει τινὰ ἐναγωγήν, διδασκέτω πρότερον τὸν ὁσιώτατον ἐπίσκοπον, ᾧτινι τούτῳ[1] ἕκαστος ὑπόκειται· ἐκεῖνος δὲ τὸ πρᾶγμα μεταξὺ αὐτῶν δια(л. 274ᵃ)κρινέτω. καὶ εἰ μὲν ἑκάτερον μέρος τοῖς κεκριμένοις ἐφησυχάσει, κελεύομεν διὰ л. 301 b.

1) таково *Н.* 2) прⷭ· нг· *Н.* 3) и *проп. Н.* 4) ѿ *Н.* 5) имѣнииѣи *Н.* 6) лѣта *С.* 7) обнашѣ *С.* 8) црькъвънъıи чинъ *Н.* 9) како *У.* 10) прѣшении *УС.* 11) наречѣнѣ *проп. Н.* 12) досѣда *добавл. С и cod. (in t. ручной XIII в.) киноварью.* 13) прⷭ· нд· *Н; У проп. всю главу 54.* 14) наоученъ *П.* 15) и *проп. Н.* 16) ѿсоужденъıми *Н.*

1) cod. переправл. изъ τοῦτο.

кънѧземъ сиⷯ· въ изведеніе прѣдавати· аще ли къто ѿ пьрвыихъсѧ·[1] мьнѣ десати дьновъ· противоу речеть соудѣи[2] бывъшиихъ· тъгда соущии на мѣстѣ кънѧзь вѣщь[3] да[4] испытаѥть· и аще обращеть соудъ право бывающь· и разѣ причьта[5] своего сиⷯ[6] да изѣстить· и[7] изведенію[8] прѣдасть соуженаа и не подобаѥть 10 въторое въ таковѣи вещи· подвигъшисѧ повѣдати пьрю· аще ли ѿ кнѧзѧ[9] соудъ повиненъ боудеть· соужденъиихъ[10] ѿ бл҃ювиваго епп҃а· тъгда мѣсто имѣти съньмицю на 15 соудъ кънѧжь· и по законоу же[11] тъ чинъ·[12] въспоминати же и обоучати аще оубо ѿ цр҃ьскааго[13] повелѣнииа или ѿ кънѧжа повелѣнииа·[14] епп҃ъ[15] соудить межю какъимь[16] лицьмь· 20 съньмице[17] къ цр҃ьствоу·[18] или къ поустивъшюоумоу виноу да възносить·

нѳ·[19] Аще ли прѣгрѣшеніе[20] боудеть на ньже[21] оубо ѿ въспо- 25 мановенъиихъ бл҃говѣзнивъиихъ[22] лиць· приводимъиихъ· аще ѿ епп҃а

τοῦ ἄρχοντος ταῦτα ἐκβιβασμῷ παραδίδοσθαι. εἰ δέ τις τῶν δικαζομένων ἐντὸς δέκα ἡμερῶν ἀντείποι τοῖς κεκριμένοις, τηνικαῦτα ὁ ἐπὶ τὸν τόπον ἄρχων τὸ πρᾶγμα ἐξεταζέτω, καὶ εἰ εὕροι τὴν κρίσιν ὀρθῶς γινομένην, καὶ δίχα ψήφου ἰδίας ταύτην βεβαιούτω καὶ ἐκβιβασμῷ παραδότω τὰ κριθέντα καὶ μὴ ἐξέστω δεύτερον ἐν τῷ τοιούτῳ πράγματι κινηθέντι ἐγκαλεῖσθαι. εἰ δὲ ἡ παρὰ τοῦ ἄρχοντος ψῆφος ἐναντία εἴη τοῖς παρὰ τοῦ θεοφιλεστάτου ἐπισκόπου κεκριμένοις, τηνικαῦτα χώραν ἔχειν τὴν ἔκκλητον κατὰ τῆς ψήφου τοῦ ἄρχοντος, καὶ ταύτην κατὰ τὴν νόμων τάξιν ἀναφέρεσθαί τε καὶ γυμνάζεσθαι. εἰ μέντοι ἐκ βασιλικῆς κελεύσεως ἢ ἀρχοντικῆς προστάξεως ἐπίσκοπος κρίνει τὰ μεταξὺ οἱουδήποτε προσώπου, ἡ ἔκκλητος ἐπὶ τὴν βασιλείαν ἢ ἐπὶ τὸν παραπέμψαντα τὴν ὑπόθεσιν ἀναφερέσθω.

νε΄. Εἰ δὲ ἔγκλημα εἴη τὸ καθ' οἱονδήποτε τῶν μνημονευθέντων εὐλαβεστάτων προσώπων ἐπιφερομένων, εἰ μὲν παρ' ἐπισκόπῳ

---

1) нынѣ *вставл. Н.* 2) соудьи *Н.* 3) вещи *Н.* 4) да *проп. НП.* 5) соупернника *Н.* 6) си *Н.* 7) и *проп. Н*; ни *вставл. С.* 8) изведнію *С.* 9) кназь *П.* 10) соужденъиихъ *cod.*; соуженъмъ *Н.* 11) же *проп. П.* 12) точно *Н* (*вм.* тъ чинъ). 13) цр҃ьскаагѡ *ПС.* 14) или ѿ кнѧжа повелѣнииа *проп. Н.* 15) епп҃оу *Н.* 16) какомь *Н.* 17) с нимиже *Н.* 18) цр҃ьствѣ *ПС.* 19) пра҃· нѳ. *Н; У проп. всю главу 55.* 20) прегрѣшении *Н.* 21) понеже *Н* (*вм.* на ньже). 22) бл҃говѣзнивоу *П*, но оу *перечеркнуто и дописано* ый.

кѣто[1] оглан҃ъ[2] боудеть· ти тако истиноу обрѣтъ· можеть ѡ чьсти· рекъше ѡ чиноу· того по црькьнѣимъ[3] канономъ·[4] да ѡженеть·[5] и тъгда[6] подобьнъі[7] соуди· тъгда[8] объдьржить·[9] и по законоу соудъ испъітаваа·[10] коньць на нѣмь положить·[11] аще ли пьрвѣѥ· къ гражань|скоумоу[12] кънѧзю придеть[13] оглан҃ьникъ· и прѣгрѣшениѥ законьнъіимъ[14] испъітаниѥмь·[15] възможеть съвѣрѣати·[16] тъгда е҃п҃ъ въспоминаа[17] мѣста[18] да ѥвить· и аще ѡ тѣхъ оувѣдѣна боудоуть прѣжеположена прѣгрѣшениа· прѣгрѣшати ѥмоу· тъгда тъ[19] самъ е҃п҃ъ того по канономъ[20] ѡ чьсти рекъше ѡ чиноу ѥгоже имать· да ѡлоучить соудьми·[21] ѡмъщениѥ ѥмоу да приноситъ закономь подобьнъіимь· аще ли мьнить е҃п҃ъ· сътворена правьдьнѣ· съпростърети·[22] тъгда подобаѥть ѥмоу ожьдати·[23] обнаженна· чьсти главъша лица· тако оубо· таковоѥ лице подъ оутвьрженіемь законьнъімь боудеть ти тако къ намъ вина· ово оубо ѡ е҃п҃а· ово же ѡ

τις κατηγορηθῇ[1] καὶ οὕτως τὴν ἀλήθειαν εὑρεῖν δυνηθείη, ἀπὸ τῆς τιμῆς ἤτοι τοῦ βαθμοῦ τοῦτον κατὰ τοὺς ἐκκλησιαστικοὺς κανόνας ἐκβαλλέτω, καὶ (л. 274[b]) τηνικαῦτα ὁ πρόσφορος δικαστὴς τοῦτον συνεχέτω καὶ κατὰ τοὺς νόμους τὴν δίκην ἐξετάζων πέρας αὐτῇ ἐπιτιθέτω. εἰ δὲ πρότερον τῷ πολιτικῷ ἄρχοντι προσέλθῃ ὁ л. 302 a. κατήγορος καὶ τὸ ἔγκλημα διὰ νομίμου ἐξετάσεως δυνηθῇ ἀποδειχθῆναι,[2] τότε τῷ ἐπισκόπῳ τῶν τόπων τὰ ὑπομνήματα φανερούσθω, καὶ εἰ ἐξ αὐτῶν γνωσθῇ τὰ προτεθέντα ἐγκλήματα πλημμελῆσαι αὐτόν, τότε αὐτὸς ὁ ἐπίσκοπος τοῦτον κατὰ κανόνας ἀπὸ τῆς τιμῆς ἤτοι τοῦ βαθμοῦ, οὗ ἔχει, χωριζέτω, ὁ δικαστὴς ἐκδίκησιν αὐτῷ ἐπιφερέτω νόμοις ἁρμοδίαν. εἰ δὲ νομίσοι ὁ ἐπίσκοπος τὰ πεπραγμένα δικαίως μὴ συντεῖναι, τότε ἐξέστω αὐτῷ ὑπερθέσθαι τοῦ γυμνῶσαι τῆς τιμῆς τὸ κατηγορηθὲν πρόσωπον, οὕτω μέντοι γε, ἵνα τὸ τοιοῦτο πρόσωπον ὑπὸ τὴν νόμιμον ἀσφάλειαν γένηται καὶ οὕτω πρὸς ἡμᾶς ἡ ὑπόθεσις τοῦτο μὲν ὑπὸ τοῦ ἐπισκόπου, τοῦτο δὲ καὶ ὑπὸ

1) кѣто *прот. Н.* 2) ѡглашенъ *Н.* 3) црькьнъіхъ *Н.* 4) канонѣхъ *Н.* 5) ѡженетѣ *Н.* 6) того *Н.* 7) подобнїи *П.* 8) то *П.* 9) ѡбдержать *Н.* 10) испъітовааа *Н.* 11) положити *Н.* 12) градьскомоу *Н.* 13) приведеть *С.* 14) закономь *Н.* 15) испъітаѥмъ *Н.* 16) испъітати *Н.* 17) въспоминаньи *Н*; въспоминанье *П.* 18) мѣсто *Н.* 19) то *Н.* 20) каномъ *Н.* 21) и *Н.* 22) съпростретїи *П*; спростреть *Н.* 23) ожидати *Н.*

1) cod. переправл. изъ κατηγορήθη. 2) ἀποδιαθῆναι cod.

соудиⷨ· да възнесена боудеть· да и мъı вѣдоуще ю повелѣнаⷨ намъ повелимъ·[1] аще ли къто имѣниⷨ[2] винъı на[3] коего въспоманованъıихъ[4] лиць· пьрю имать нѣкоую· и єп̃ъ ожидаеть межю ими сѫдити·[5] власть да имать пьрвиса· къ[6] гражаньскоуоумоу[7] кънаѕю· пристоупити· тако оубо испрошеною[8] лице· ни єдинѣмь же образъмь· ноудитьса· пороучьника дати· нъ[9] паче исповѣданиє· бес клатвъı съ овѣщаниємь своихъ вещии· оутвьрдити· аще ли о прѣгрѣшениⷨ[10] винѣ·[11] оглашаⷨ на[12] нѣкоего въспоманованъıихъ· лиць положитьса· ѿ ѕаконьнаго оутвьржениⷨ· оглашеною лице боудеть·[13]

н̃ѕ·[14] Аще ли грѣховьнаⷨ боудеть вещь· ни єдиного же[15] | овѣщениⷨ да не имоуть· гражаньскии[16] кънаѕи· нъ єп̃ъ[17] по свⷭ̃тънимъ канономъ·

л. 302 b.

н̃з·[18] Аще нѣции прⷭ̃бнии єп̃и· того же събора· дъвовѣриє нѣкоє межю собою имоуть· или цр̃къвьнѣмь[19] правьдьнѣмь· или о инѣхъ къıихъ[20] вещьхъ· пьрвѣє митрополитъ ихъ· съ инѣми отъ своего събора· єп̃ъ· вещь да соудить·

δικαστοῦ ἀνενεχθείη, ἵνα ἡμεῖς ταύτην γινώσκοντες τὰ φαινόμενα ἡμῖν κελεύσωμεν. εἰ δέ τις ὑπὲρ χρηματικῆς αἰτίας κατά τινος τῶν μνημονευθέντων προσώπων ἀγωγὴν ἔχοι τινὰ καὶ ὁ ἐπίσκοπος ὑπερ(л. 275ᵃ)θῆται μεταξὺ αὐτῶν δικάσαι, ἄδειαν ὁ ἐνάγων ἐχέτω πολιτικῷ ἄρχοντι προσιέναι, οὕτω μέντοι γε, ἵνα τὸ αἰτηθὲν πρόσωπον μηδενὶ[1] ἀναγκάζηται ἐγγυητὴν διδόναι, ἀλλὰ μόνον ὁμολογίαν ἄνευ ὅρκου μετὰ ὑποθήκης τῶν ἰδίων πραγμάτων ἐκτίθεσθαι. εἰ δὲ ὑπὲρ ἐγκληματικῆς αἰτίας κατηγορία κατά τινος τῶν μνημονευθέντων προσώπων ἀποτεθῇ, ὑπὸ τὴν νόμιμον ἀσφάλειαν τὸ κατηγορούμενον γίνεσθαι πρόσωπον.

νϛ΄. Εἰ δὲ ἐγκληματικὸν εἴη τὸ πρᾶγμα, μηδεμίαν κοινωνίαν ἐχέτωσαν οἱ πολιτικοὶ ἄρχοντες, ἀλλ' ὁ ἐπίσκοπος κατὰ τοὺς ἱεροὺς κανόνας.

νζ΄. Εἴ τινες δὲ ὁσιώτατοι ἐπίσκοποι τῆς αὐτῆς συνόδου ἀμφισβήτησίν τινα πρὸς ἀλλήλους ἔχοιεν, εἴτε ὑπὲρ ἐκκλησιαστικοῦ δικαίου, εἴτε ὑπὲρ ἄλλων τινῶν πραγμάτων, πρότερον ὁ μητροπολίτης αὐτῶν μετὰ ἑτέρων ἐκ τῆς ἰδίας συνόδου ἐπισκόπων τὸ πρᾶγμα κρινέτω,

1) повелилъ *C.* 2) имѣа *C.* 3) та *C.* 4) въспоманованъıихъ *H.* 5) и *вставл. H.* 6) въ *C.* 7) градьскомоу *H.* 8) испрошенїе *C;* да непрошеною *H* (*вм.* испрошеною). 9) и *вставл. H.* 10) прѣгрѣшеньи *H.* 11) винъı *H.* 12) на *проп. H.* 13) не писати *добавл. C киноварью;* се писа *cod. in m. рукой XIII в.* 14) м̃ѕ *V;* пра· н̃ѕ· *H.* 15) же *проп. H.* 16) градьстии *H.* 17) нпи̃ъ *C.* 18) м̃з *V;* пра· н̃з· *H.* 19) и *вставл. H.* 20) нѣкый *C.*

1) cod. выскобл. около 5—6 буквъ (τρόπῳ?).

и аще не прѣвоудетъ[1] кънижьдо коньць· въ соудимъıихъ· тъгда прѣблаженъıи патриархъ·[2] того строѥниѧ[3] межю ими да оуслъıшатъ·[4] и 5 тако да[5] повелитъ·[6] ѩже[7] црк҃вънъıимъ канономъ и ѕаконоу подобаѥтъ· ни единои[8] же части по соудоу егопротивоу глати могоуци·

н҃и·[9] Аще ли ѿ клирика· или ѿ 10 иного лица пришьствие на е҃п҃па боудетъ· пьрвѣѥ прпдв҃нъıихъ· митрополитъ по с҃ш҃нъıимъ канономъ· и по нашемоу ѕаконоу[10] вещь да соудитъ· и аще соуженъıимъ про- 15 тивоу речетъ· къ прѣблаженоуоумоу е҃п҃поу· и патриархоу вещь да възноситъ·[11] и[12] оно[13] тако же томоу коньць[14] подастъ аще ли на митрополита пристоуплѥние боудетъ· ѿ 20 каковаго[15] · лица·[16] патриархъ[17] того строѥниѧ·[18] по подобьноумоу образоу вещь да соудитъ·

н҃д·[19] О вьсѣхъ[20] же винахъ· или ѿ своѥго митрополита· или ѿ патри- 25 арха· или ѿ ин҃ѣхъ къıихъ соудии·[21] е҃п҃ъ пьрватьсѧ·[22] ни[23] единого пороучениѧ·[24] ни исповѣданиѧ

καὶ εἰ μὴ ἐμμείνῃ ἑκάτερον μέρος τοῖς κεκριμένοις, τηνικαῦτα ὁ μακαριώτατος πατριάρχης ἐκείνης τῆς διοικήσεως μεταξὺ αὐτῶν ἀκροάσθω κἀκεῖνα ὁριζέτω, ἅτινα τοῖς ἐκκλησιαστικοῖς κανόσιν καὶ τοῖς νόμοις συνάδει, οὐδενὸς μέρους κατὰ τῆς (л. 275ᵇ) ψήφου αὐτοῦ ἀντιλέγειν δυναμένου.

νη΄. Εἰ δὲ παρὰ κληρικοῦ ἢ ἄλλου οἱουδήποτε προσέλευσις κατὰ ἐπισκόπου γένηται, πρῶτον ὁ ὁσιώτατος αὐτῶν μητροπολίτης κατὰ τοὺς ἱεροὺς κανόνας καὶ τοὺς ἡμετέρους νόμους τὸ πρᾶγμα διακρινέτω· καὶ εἰ τοῖς κεκριμένοις ἀντείποι, ἐπὶ τὸν μακαριώτατον ἀρχιεπίσκοπον καὶ πατριάρχην τὸ πρᾶγμα ἀναφερέσθω, κἀκεῖνος ὁμοίως τούτῳ παρεχέτω πέρας. εἰ δὲ κατὰ μητροπολίτου ἡ προσέλευσις γένηται παρ' οἱουδήποτε προσώπου, ὁ πατριάρχης τῆς διοικήσεως ἐκείνης κατὰ τὸν ὅμοιον τρόπον τὸ πρᾶγμα κρινέτω.

νθ΄. Ὑπὲρ δὲ πάντων τῶν αἰτιῶν, εἴτε παρὰ τῷ ἰδίῳ μητροπολίτῃ, εἴτε παρὰ τῷ πατριάρχῃ, εἴτε παρὰ ἄλλοις οἱοισδήποτε δικασταῖς ἐπισκόποις ἐνάγονται, μηδεμίαν ἐγγύην[1] ἢ ὁμολογίαν

---

1) прѣѣдѣтъ *C.* 2) патрїархомъ *C.* 3) строѥнии *НП.* 4) оуслъıшитъ *H.* 5) да *прот. У.* 6) и тако да повелитъ *прот. H.* 7) ако же *H.* 8) единогон *C.* 9) пра҃· н҃и· *H.* 10) законоу *прот. C.* 11) да възноситъ вещь *H.* 12) и *прот. H.* 13) ѡнъ *H*; оного *C.* 14) конь *У.* 15) каваго *У*; какого *H.* 16) боудетъ *вставл. H.* 17) патрнарха *H.* 18) строѥние *H.* 19) пра҃· н҃д· *H.* 20) сѣ҃ *C.* 21) соуди *H.* 22) притѣ҃ *H.* 23) ни *прот. C.* 24) пророчиѧ *C.*

1) ἐγγυὴν cod.

ѡ пьри·[1] да не ѿдаютъ· ни
л. 302 a. на водѧщихъ·[2] оубо да и
сами потъщатъ·[3] себѣ вины сво-
ихъ избыти·

5 ѯ·[4] Не подобаетъ же икономоу·[5]
ни[6] ницекърмьцю·[7] ни недоужь-
нымъ строителю· ни[8] вьсѣкомоу
сънабъдѧщемоу·[9] бг҃очьстиваго
домоу· помъıслъı[10] положьшю[11] свое-
10 моу е҃пп҃оу прѣже испъıтанїа вещи· и
ѿданїа дълга· ѿ своихъ е҃пп҃ъ ѿбѣ-
жати· и[12] въ ина сѣдица[13] при-
ходитї·

ѯа·[14] Ѥиже къто ѿ цр҃кв҃ьныихъ
15 нѣкое таково строенїе· пороученое[15]
приимъ·[16] прѣже помъıслъ положе-
нїа·[17] и дължьныихъ[18] съложенїа
оумьретъ· повелѣваемъ приставь-
никомъ[19] его· по подобьноугоумоу
20 образоу и помъıслъмъ и ѿданиюмь
да покорїтъ с҃а̀. 20

ѯв·[21] Ѥиже къто е҃пп҃ъ· или клирикъ
ѿ каковъıа[22] оубо епархиа· въ ко-
стантинѣ градѣ обрѧщетъсѧ· и нѣ-
25 къто хощетъ пьрѣнїе на нь прило-
жити· ѥиже оубо прѣженачатїе· въ
епархии[23] о томъ винѣ боудетъ·

ὑπὲρ τῆς δίκης ἀπαιτείσθωσαν, οὕτω μέντοι, ἵνα καὶ αὐτοὶ σπουδάσωσιν τῶν ἐπαγομένων ἑαυτοῖς αἰτιῶν ἑαυτοὺς διευλυτῶσαι.

ξ΄. Μὴ ἐξεῖναι δὲ οἰκονόμῳ ἢ πτωχοτρόφῳ ἢ νοσοκόμῳ ἢ παντὶ διοικητῇ εὐαγοῦς οἴκου λογισμοὺς ἐκτιθεμένῳ[1] τῷ ἰδίῳ ἐπισκόπῳ πρὸ τῆς τοῦ πράγματος ἐξετάσεως καὶ τῆς ἀποτίσεως τοῦ χρέους τοὺς ἰδίους ἐπισκόπους ἀποφυγεῖν καὶ εἰς ἄλλα δικα(л. 276ᵃ)στήρια παραγενέσθαι.

ξα΄. Εἴ τις ἐκ τῶν ἐκκλησιαστικῶν τινὰ τοιαύτην διοίκησιν ἐμπιστευθεὶς πρὸ τῆς τῶν λογισμῶν παραθέσεως καὶ τῆς τῶν ὀφειλομένων καταβολῆς τελευτήσοι, κελεύομεν τοῖς αὐτοῦ κληρονόμοις κατὰ τὸν ὅμοιον τρόπον καὶ τοῖς λογισμοῖς καὶ ταῖς ἀπαιτήσεσιν ὑποκεῖσθαι.

ξβ΄. Εἴ τις ἐπίσκοπος ἢ κληρικὸς ἐξ οἱασδήποτε ἐπαρχίας ἐν Κωνσταντινουπόλει εὑρεθῇ καί τις βουληθείη ἐναγωγὴν κατ' αὐτοῦ προσθεῖναι, εἰ μὲν προκάταρξις ἐν τῇ ἐπαρχίᾳ ὑπὲρ τῆς αὐτῆς ὑποθέσεως γέγονεν,

---

1) пьрь *C*. 2) видѧщихъ *H*. 3) потъщаетъ *C*. 4) пра̀· ѯ· *H*. 5) иномѣ *C*. 6) ни *проп. H*. 7) ницекормьницю *C*. 8) или *Π*. 9) снадъбѧщемѣ *Π*. 10) помъıслъ *HC*. 11) положешомѣ *Π*. 12) и *проп. C*. 13) сѣца *C*. 14) пра̀· ѯа· *H*. 15) порѣченїе *ΠC*. 16) приимъ пороученое *H*. 17) пороученїа *HУ*. 18) должнъıмъ *H*. 19) причастникѡ *Π*. 20) порнтъсѧ *C*, *но поздн. рукой добавл. сверху* не (*вышло:* порнтъсѧ). 21) *У проп. всю главу 62*. 22) таковъıа *C*. 23) епархии *проп. C*.

1) ἐκτεθεμένῳ cod.

тоу соудъ испълнати·[1] аще ли не оӱ начата боудеть ѿ самѣхъ прѣславънѣишихъ епарѣхъ· въсточьнѣишихъ прѣторъ· или ѿ насъ ѿлоучаемѣишихъ соудии· пьрѣщнимѣсѧ съ нимь ѿвѣщаютъ·

ѯг·[2] Бгословѧзнивии же съльници· каковъіѧ оубо къгда· прѣстъіѧ цр҃кви· въ цр҃ьскѣмь[3] градѣ живоущи· или прѣбл҃женѣишимь патриархъмь или митрополитъмь· ѿ своихъ еп҃ъ съльми· ни о своихъ еп҃ѣхъ· ни о[4] вещи цр҃ковьнѣи· и дълга людьскаго· или о[5] своемь нѣкоую пьрю имѣти на цр҃кве· или[6] на еп҃а на ѧ прѣдъложити·[7] аще ли | и нѣкъими вещьми· или пьрами себе повиньна[8] сътворитъ·[9] въ врѣмѧ въ нѥже ѿвѣтъі творать· и ѧже о тѣхъ пьрѣниѧ имъ въсприяти·

ѯд·[10] Аще еп҃и или клирици· о градѣ или о[11] своеи цр҃кви чьсти ради или[12] поставленниѧ еп҃а· въ цр҃ьскъіи[13] градъ· или на ино каково[14] оубо мѣсто ѿидоуть· повелѣвающмъ оубо тѣмъ· ни единого же[15] наведенниѧ· или сътоужанниѧ отъ кокгожьдо лица остоупати·[16] власти соущи повиньнъі ихъ

ἐκεῖ τὴν δίκην πληροῦσθαι· εἰ δὲ μήπω ἤρχθη, παρὰ μόνοις τοῖς ἐνδοξοτάτοις ἐπάρχοις τῶν τῆς Ἀνατολῆς πραιτωρίων ἢ τοῖς παρ' ἡμῶν ἀφοριζομένοις δικασταῖς τοῖς ἐνάγουσιν αὐτὸν ἀποκρίνασθαι.

ξγ'. Οἱ δὲ εὐλαβέστατοι ἀποκρισιάριοι τῆς οἱασδήποτε ἁγιωτάτης ἐκκλησίας ἐν τῇ βασιλίδι πόλει διατρίβοντες ἢ πρὸς τοὺς μακαριωτάτους πατριάρχας ἢ μητροπολίτας παρὰ τῶν ἰδίων ἐπισκόπων στελλόμενοι, μηδὲ ὑπὲρ τῶν ἰδίων ἐπισκόπων μηδὲ ὑπὲρ πράγματος τῆς ἐκκλησίας ἢ χρέους δημοσίου ἢ ἰδιωτικοῦ τινα ἐναγωγὴν ἔχουσιν κατὰ τῆς ἐκκλησίας ἢ κατὰ τοῦ ἐπισκόπου, κατ' αὐτῶν προ(л. 276ᵇ)τιθέναι. εἰ δὲ л. 303 b.
καὶ ἐπί τισιν πράγμασιν ἢ ἐναγωγαῖς ἑαυτοὺς ἐνόχους ποιήσουσιν ἐν τῷ καιρῷ, ἐν ᾧ τὰς ἀποκρίσεις ποιοῦνται, καὶ τὰς ὑπὲρ τούτων ἐναγωγὰς αὐτοῖς ὑποδέξασθαι.

ξδ'. Εἰ δὲ καὶ ἐπίσκοποι ἢ κληρικοὶ ὑπὲρ τῆς πόλεως ἢ τῆς ἰδίας ἐκκλησίας διὰ πρεσβείαν ἢ χειροτονίαν ἐπισκόπου εἰς τὴν βασιλίδα πόλιν ἢ ἄλλῳ οἱῳδήποτε τόπῳ ἐκδημήσωσιν, κελεύομεν αὐτοὺς μηδεμίαν ἐπάχθειαν ἢ ὄχλησιν ἀφ'[1] οἱουδήποτε προσώπου ὑφίστασθαι, ἀδείας οὔσης τοῖς ὑπευθύνοις αὐτοὺς

1) исполнити *C.* 2) *У проп. всю главу 63.* 3) цр҃ькѣмъ *C*; цр҃ьстѣмь *П.* 4) ѿ *C.* 5) о *проп. C.* 6) инанали *C, но* нана *перечеркнуто.* 7) прѣложити *C.* 8) повинныи *П.* 9) сътворать *П.* 10) *У проп. всю главу 64.* 11) о *проп. C.* 12) и *C.* 13) цр҃ьскыи *ПС.* 14) како *C.* 15) же *проп. C.* 16) остѣпити *C.*

1) ἀπ' cod.

имѣти ѿ мьнѧть съ нимиже въ
епархию възврататьсѧ· пьрѣтисѧ
имъ ни единомоу же мьнѧщихъ
имѣти ѿ повиньнъı·[1] бъıваюцю соу-
жению· о лѣтьнимь неправьдьнѣмь
написании· лѣта ради въ таковѣмь
ѿшьствии· ожьдаша·

ѯе·[2] Аще когда вина възискаѥть[3]
въспомановениѧ·[4] или изведение при-
нести· о винѣ каковаго имѣниѧ· или
о людьстѣмь· или о своемь клирикоу·
или мьнихоу· или чьрноризици· како-
ваго манастъıрѧ· и паче женьскаго
лицемѣриѧ разѣ съ подобьною
чьстию· повелѣваемь въспоминание
и[5] изведению бъıти· не изв[A]ѣчити
чьрноризицѣ· ни постьницѣ и из ма-
настъıрѧ· нъ повелѣвающаго ѿ нихъ
прѣдъıлагати· о таковѣи вещи ѿвѣ-
щаваюцаго·

ѯѕ·[6] Мьнихомъ же подо-
баѥть· или повелѣвающими свои
пьрѧ или манастъıрьскъı· повe-
лѣвати· вѣдоуцю си прѣстоу-
паюцю соудоу· или изводьникъı·
л. 304 a. ако поиса обнажити|сѧ· и казнь
пати литръ злата· сътворити
ѿ вельлѣпаго[7] комита· при-
ватъ· рекъше сановъ· изводьни-
коу ѥвѣ· ако и моукъı принима-
юцю и въ изгънание поущаемоу·

ἔχειν νομίζουσι, μεθ' ὁ εἰς τὴν ἐπαρχίαν ἐπιστρέψουσιν, ἐνάγειν αὐτούς, μηδενὸς τοῖς νομίζουσιν ἔχειν αὐτοὺς ὑπευθύνους γινομένου προκρίματος, περὶ χρονίαν παραγραφὴν διὰ τὸν χρόνον ἐν τῇ τοιαύτῃ ἀποδημίᾳ παρείλκυσαν.

ξε'. Εἴ ποτε δὲ αἰτία ἀναφαίνοιτο ὑπόμνησιν ἢ ἐκβιβασμὸν προσενεχθῆναι ὑπὲρ οἱασδήποτε χρηματικῆς αἰτίας εἴτε δημοσίας εἴτε ἰδιωτικῆς κληρικῷ ἢ μοναχῷ ἢ μοναστρίᾳ οἱουδήποτε μοναστηρίου καὶ μάλιστα γυναικῶν, ὑποκρίσεως χωρὶς μετὰ τῆς προσηκούσης τιμῆς κελεύομεν τὴν ὑπόμνησιν καὶ τὸν ἐκβιβασμὸν γενέσθαι, μὴ μέντοι μονάστριαν ἢ ἀσκήτριαν τοῦ μοναστηρίου ἀφέλκεσθαι, ἀλλ' ἐντολέα[1] ἐξ αὐτῶν προβάλλεσθαι τὸν (л. 277a) ὑπὲρ τοῦ πράγματος ἀποκρινόμενον.

ξς'. Τοῖς δὲ μοναχοῖς ἐξέστω εἴτε δι' ἑαυτῶν εἴτε δι' ἐντολέων[2] τὰς ἰδίας ἢ τὰς τοῦ μοναστηρίου δίκας προτάττειν, εἰδότος τοῦ ταῦτα παραβαίνοντος δικαστοῦ ἢ ἐκβιβαστοῦ,[3] ὡς καὶ τῆς ζώνης γυμνωθήσεται καὶ ποινὴν πέντε τοῦ χρυσίου λιτρῶν εἰσπραχθήσεται παρὰ τοῦ μεγαλοπρεπεστάτου κόμητος τῶν πριβάτων, τοῦ ἐκβιβαστοῦ δηλονότι πρὸς τούτοις καὶ βασάνους ὑπομένοντος καὶ εἰς ἐξορίαν πεμπομένου.

---

1) повиньнъı *П.* 2) *У прот. всю главу 65.* 3) възникаѥть *П.* 4) въспоманованиѧ *С.* 5) и *прот. П.* 6) *У прот. всю главу 66.* 7) велѣпа̑ *П.*

1) εντολαῖα cod. 2) ἐντολαίων cod. 3) ἐκβιαστοῦ cod.

кънаꙁю же ожидающю[1] ѡмыщенїа· епп҃ъ намъ да възноситъ· посъланїе же силы вьсакого лица· въ каковѣмь оубо цр҃кьнѣмь чиноу причитаюмѣмь·[2] и къ симъ слоужьбьницю и мьниха· и постьницю и манастырьницю· въ вьсако цр҃кьнѣи имѣнїа винѣ· клицѣ аще на количьство· или ѡ клироса· или ѡ нѣкоего воиньствьнаго причьта· въспоминанїе приимоуть въ цр҃ьскѣмь[3] градѣ· или въ епархиахъ· въ нихъже пр҃кьываютъ· не болѣ четырь межи[4] десама[5] чатъ[6] повелѣваюмъ дати·

ѯ҃з·[7] Аще ли ѡ нашего повелѣнїа· или ѡ кънаꙁа· или ѡ пр҃блаженаго патриарха· посъланъ съльникъ епархиискыи· на ино въспоминанїе принесеть· нѣкоюмоу ѡ въспоминаньихъ лиць· не болѣ одиного ꙁлатьника приимати·

ѯ҃и·[8] Аще о единои самои винѣ многы ѡ въспомановенъныхъ лиць· въспоманоути· съключаютьса· единого тъкъмо лица· za вьса посълания дати повелѣваюмъ·

ѯ҃д·[9] Епп҃ъ же· о вещьхъ своеи цр҃кве· ни единого же пр҃ложенїа· ни сътоужения пр҃тьрпѣвати· посъланїе же о своихъ

τοῦ δὲ ἄρχοντος ἀναβαλλομένου τὴν ἐκδίκησιν, ὁ ἐπίσκοπος ἡμῖν ἀναφερέτω. σπόρτυλλον δὲ ὀνόματι πᾶν πρόσωπον[1] ἐν οἱαδήποτε ἐκκλησιαστικῇ τάξει καταλεγόμενον καὶ πρὸς τούτοις διακόνισσαν καὶ μοναχὸν καὶ ἀσκήτριαν καὶ μονάστριαν ὑπὲρ πάσης ἐκκλησιαστικῆς καὶ χρηματικῆς αἰτίας, ὅσης ἂν ἐπὶ ποσότητος, εἴτε ἀπὸ κλήρου, εἴτε ἀπό τινος ἐν στρατείᾳ καταλεγομένου ὑπόμνησιν δέξονται, ἐν τῇ βασιλίδι πόλει ἢ ἐν ταῖς ἐπαρχίαις, ἐν αἷς διάγουσιν, οὐ πλέων τεσσάρων κερατίων διδόναι συγχωροῦμεν.

ξ҃ζ΄. Εἰ δὲ ἐξ ἡμετέρας κελεύσεως ἢ ἀπ' ἄρχοντος ἢ ἐκ μακαριωτάτου πατριάρχου σταλεὶς ἐκβιβαστὴς ἐπ' ἄλλας ἐπαρχίας ὑπόμνησιν προσαγάγοι τινὶ τῶν μνημονευθέντων προσώπων, μὴ περαιτέρω (л. 277[b]) ἑνὸς νομίσματος κομιζέσθω.

ξ҃η΄. Εἰ δὲ ὑπὲρ μιᾶς[2] καὶ τῆς αὐτῆς αἰτίας πολλοὺς ἐκ τῶν μνημονευθέντων προσώπων ὑπομνησθῆναι συμβαίη, ἑνὸς καὶ μόνου προσώπου ὑπὲρ πάντων σπόρτυλλα δίδοσθαι θεσπίζομεν.

ξ҃θ΄. Ἐπίσκοπος δὲ ὑπὲρ τῶν πραγμάτων τῆς ἰδίας ἐκκλησίας μηδεμίαν μεθοδείαν ἢ ἐνόχλησιν ὑφιστάσθω· σπόρτυλλα δὲ ὑπὲρ τῶν ἰδίων πραγμάτων

1) и въ ѕгнанїе пѕіраемѕ *вставл. C.* 2) причитаемѣмъ *C.* 3) цр҃ьскѣмь *C.* 4) межѣ *C.* 5) десатьна *C.* 6) цать *II.* 7) *У проп. всю главу 67.* 8) *У проп. всю главу 68.* 9) *У проп. всю главу 69.*

1) προσώπων cod. 2) μίας cod.

да въспоманоувено боудеть· или да[1] ѿдасть образъı· ꙗкѣ на цр҃кви
л. 304 b. пр҃ѣдъложенъıꙗ· икономъ приемлюцемъ· и онѣмъ иже на тои винѣ
прилагаютьсѧ· творѧи же чр҃ѣсъ сиꙗ посъланиꙗ· дьрьзаетъ· въ дъвогоувинѣ иже прии· ѿданомоу лицю ѿдатиı съпорнитьсѧ· и лице вонистьвоуетъ·[2] попсъ да ѿложитъ· лице
ли клирикъ боудеть· ѿ клироса да изгънанъ боудеть·[3]

ѳ·[4] Въсѣмъ же причитаемъıимъ въ клиросъ· и неимоуцемъ женъ по каноному[5] ѿрицаемъ и мъı въ своемь домоу цюже[6] имѣти· разѣ мт҃ере оубо· и тъцѣ[7] и сестръı·[8] и инѣхъ лицъ· иже въсего обличиꙗ[9] ѿвѣгаетъ· лице ли къто чр҃ѣсъ стражю[10] сию· женоу въ своемь домоу имѣти начьнеть· иже можеть имоу на лици принести единою и дъвашьдъı или единого[11] еп҃па· или ѿ своихъ клирикъ въспоманоувенъ· ꙗко съ таковою женою не жити· и изгънати ѥѩ и своего домоу не въсхощетъ· или оглънникоу и ꙗвлаюцюсѧ· ꙗвитьсѧ нечистѣ съ тою женою жива· тъгда еп҃ъ его· по
цр҃кванъıимъ каноному· ѿ клироса ижденеть его съ съвѣтъмь града егоже клирикъ бѣ пр҃ѣдаемо·

ὑπομνησθῇ[1] ἢ ἀπαιτείσθω, τὰς ἀγωγὰς δηλαδὴ τὰς κατὰ τῶν ἐκκλησιῶν προτιθεμένας τῶν οἰκονόμων ὑποδεχομένων ἢ ἐκείνων, οἵτινες ἐπ' αὐτῇ τῇ αἰτίᾳ προσβληθεῖεν. ὁ δὲ παρὰ ταῦτα εἰσπράξαι σπόρτυλλα τολμῶν, ἐν διπλῷ, ὅπερ ἔλαβεν, τῷ ἀπαιτηθέντι προσώπῳ ἀποδοῦναι συνωθείσθω· καὶ εἰ μὲν στρατεύεται, καὶ τὴν ζώνην ἀπόλοιτο. εἰ δὲ κληρικός εἴη, τοῦ κλήρου ἐκβαλλέσθω.

ο'. Πᾶσι δὲ τοῖς ἐν κλήρῳ καταλεγομένοις καὶ μὴ ἔχουσι γαμετὰς κατὰ τοὺς κανόνας ἀπαγορεύομεν καὶ ἡμεῖς ἐν τῷ ἰδίῳ οἴκῳ ἐπείσακτον ἔχειν δίχα μέντοι μητρὸς καὶ πενθερᾶς καὶ ἀδελφῆς καὶ τῶν ἄλλων προσώπων, ἅτινα πᾶσαν ὑποψίαν ἐκφεύγει. εἰ δέ τις παρὰ ταύτην τὴν φυλακὴν γυναῖκα ἐν τῷ ἰδίῳ οἴκῳ σχῇ, ἥτις δύναται αὐτῷ ὑποψίαν ἐπαγαγεῖν, καὶ ἅπαξ καὶ δὶς ἢ ἀπὸ τοῦ ἰδίου ἐπισκόπου ἢ ἀπὸ (л. 278ª) τῶν ἰδίων συγκληρικῶν ὑπομνησθείς, ὥστε μετὰ τοιαύτης γυναικὸς μὴ οἰκεῖν, ἐκβάλλειν αὐτὴν τοῦ ἰδίου οἴκου μὴ θελήσῃ ἢ κατηγόρου φαινομένου ἀποδειχθείη ἀσέμνως μετὰ τῆς αὐτῆς γυναικὸς ἀναστρέφεσθαι, τηνικαῦτα ὁ ἐπίσκοπος αὐτοῦ κατὰ τοὺς ἐκκλησιαστικοὺς κανόνας τοῦ κλήρου αὐτὸν ἐκβαλλέτω, τῇ βουλῇ τῆς πόλεως, ἧς κληρικὸς ἦν, παραδοθησόμενον.

---

1) *cod.* да *подъ строкой.* 2) вонистваетъ *II.* 3) *С добавл. киноварью* се писати. 4) *cod. in t. рукой XIII в.* се писа. 5) каномъ *У.* 6) цюже *У.* 7) тцри *С.* 8) сестрьı *II.* 9) обличенїа *С.* 10) стражїю *С.* 11) своего *II.*

1) ὑπομνησθη· cod.

ѳа· [1] Єпп҃ъ [2] же ни единоѭ же· [3] ѿноудъ [4] женъı имѣти· или съ нею жити дамъ· аще ли [5] извитьсѧ [6] сего никако же съхранивъ· ѿ епп҃иа [7] да изгънанъ бѫдеть·

[ѳк·] Слоужьбьници же· ни единѣмь образъмь съ моужьмь жити· ѿ нѣгоже можеть· нечиста житиа въ|ти· прѣдъ лицьмь не дамъ· аще ли сихъ не съхранить чистителѥ· [8] подъ нимьже вънчинена есть· да въспоминаеть ю вьсѣми образъı· таковаго моужа изгънати и своего домоу· аще ли ожидаѥть· цр҃кьнаго слоужениа· и своихъ обрѣкъ [9] отоужденъ· манастъıрю да прѣдана [10] боудеть· и тоу вьсе своего живота лѣто да съблюдеть· вещи кѳ· и аще дѣти имать· межю ими самѣми· [11] по числоу притажанию раздѣлаѥмъ· да подобьнаа женѣ часть· манастъıрь приимъ питаѥть ю· аще ли не имать дѣтии· вьсе притажание кѳ межю манастъıрьмь· идеже въведена боудеть· и цр҃къве въ нюнже пръвѣѥ оучинена [12] боудеть· [13] [равною часть раздѣлаѣ·] [14]

ѳг· [15] Аще къто бж҃ьствьнъıимъ таинамъ· или инѣмъ сѫ҃тънимъ слоужьбамъ съвьршаемомъ· въ сѫ҃тоую

σα΄. Ἐπίσκοπον δὲ μηδεμίαν παντελῶς γυναῖκα ἔχειν ἢ μετ' αὐτῆς οἰκεῖν συγχωροῦμεν. εἰ δὲ ἀποδειχθείη τοῦτο μηδαμῶς παραφυλάξας, τῆς ἐπισκοπῆς ἐκβαλλέσθω.

σβ΄. Διακόνισσαν δὲ οὐδενὶ τρόπῳ μετὰ ἀνδρός, ἐξ οὗ δύναται ἀσέμνου βίου ἀναφύεσθαι ὑποψία, οἰκεῖν συγχωροῦμεν. εἰ δὲ ταῦτα μὴ παραφυλάξοι, ὁ л. 305 a.
ἱερεύς, ὑφ' ὃν [1] τέτακται, ὑπομιμνησκέτω αὐτὴν ἅπασιν τρόποις τὸν τοιοῦτον ἄνδρα ἐκβάλλειν τοῦ ἰδίου οἴκου. εἰ δὲ ὑπερθῆται, τῆς ἐκκλησιαστικῆς ὑπηρεσίας καὶ τῶν ἰδίων διαρίων ἀλλοτριουμένη τῷ μοναστηρίῳ παραδιδόσθω κἀκεῖ πάντα τὸν τῆς ἰδίας ζωῆς χρόνον διατελείτω, τῶν πραγμάτων αὐτῆς, εἰ μὲν παῖδας ἔχοι, μεταξὺ αὐτῶν κἀκείνων κατὰ τὸν ἀριθμὸν τῶν προσώπων διαιρουμένων, ἵνα τὸ ἁρμόζον τῇ αὐτῇ γυναικὶ μέρος τὸ μοναστήριον λαμβάνον ταύτην ἀποτρέφῃ. εἰ δὲ μὴ ἔχῃ παῖδας, πᾶσα ἡ περιουσία αὐτῆς μεταξὺ τοῦ μοναστη-(л. 278ᵇ)ρίου, ὅπου ἐμβάλλεται, καὶ τῆς ἐκκλησίας, ἐν ᾗ πρότερον ἐτέτακτο, ἐξ ἴσης μοίρας διαιρείσθω.

σγ΄. Εἴ τις τῶν θείων μυστηρίων ἢ τῶν ἄλλων ἁγίων λειτουργιῶν ἐπιτελουμένων ἐν ἁγίᾳ

---

1) ѳа *прот. P.* 2) Єпп҃ъ *II.* 3) единого же *C.* 4) ѿнѣдъ *II;* отиноудъ *P.* 5) ли *прот. C.* 6) извитится *II.* 7) епп҃иа *C.* 8) чиститель *II.* 9) обракъ *C.* 10) на *V.* 11) самѣми *II.* 12) оучена *II.* 13) бысть *II.* 14) *вставка изъ II.* 15) ѳк *cod.*

1) ὧν cod.

вѣшьдъ цр҃квь· или епп҃оу или клирикомъ· или инѣмъ[1] слоугамъ цр҃квьнѣимъ роугания[2] чьто наведеть· повелѣваемъ томоу моукы тьрпѣти·[3] и въ изгънании[4] емоу[5] поущеноу быти· аще ли и ты в҃жьствьнъıа таинъı· и в҃жьствьнъıа слоужьбъı[6] съматеть·[7] или съкьршати възв[р]анати·[8] главою моученъ да боудеть· и сила ѿмьщати повелѣваемъ· не тъчию гражаньскъıимъ· нъ и воєводѣщиимъ[9] кънѧземь·

ѳ҃д· Вьсѣмъ же простъıимъ· ѿрицаемъ мольбъ[10] творити· развѣ прѣдвьнъıихъ мѣстьнъıихъ епп҃ъ· и подъ ними соущихъ бл҃говѣзнивъıихъ клирикъ·[11] къıи бо соуть мольбъı въ нихъже чистителе не обрѣтаютьсѧ·

л. 305 b. | ѳ҃е·[12] Прочее намъ есть и о бл҃гочьстивъıихъ манастъıрьхъ· и о бл҃гочьстивъıихъ[13] клирикъ[14] мьнихъ въобразити·[15] повелѣваемъ оубо мьнихоу· или архимандритоу· въ коемьжьдо манастъıри прѣдъла гати·[16] не вьсѣко по степеньмъ[17] мьниховъ нъ кгоже вьси[18] мьниси

εἰσελθὼν ἐκκλησίᾳ ἢ τῷ ἐπισκόπῳ ἢ τοῖς κληρικοῖς ἢ τοῖς ἄλλοις ὑπηρέταις τῆς ἐκκλησίας ὕβρεώς τι ἐπαγάγοι, κελεύομεν τοῦτον βασάνους ὑπομένειν καὶ εἰς ἐξορίαν πεμφθῆναι. εἰ δὲ καὶ αὐτὰ τὰ θεῖα μυστήρια καὶ τὰς θείας λειτουργίας παράξοι ἢ ἐπιτελεῖσθαι κωλύσοι, κεφαλικῶς τιμωρείσθω. καὶ ταῦτα διεκδικεῖν κελεύομεν οὐ μόνον τοὺς πολιτικούς, ἀλλὰ καὶ τοὺς στρατιωτικοὺς ἄρχοντας.

οδ΄. Πᾶσιν δὲ λαϊκοῖς ἀπαγορεύομεν λιτὰς ποιεῖν δίχα τῶν ὁσιωτάτων τῶν τόπων ἐπισκόπων καὶ τῶν ὑπ' αὐτοὺς εὐλαβεστάτων κληρικῶν· ποία γάρ ἐστι λιτή, ἐν ᾗ ἱερεῖς οὐχ εὑρίσκονται;

οε΄. Ὑπόλοιπον ἡμῖν ἐστιν καὶ περὶ τῶν εὐαγῶν μοναστηρίων καὶ τῶν εὐλαβεστάτων κληρικῶν μοναχῶν διατυπῶσαι. κελεύομεν τοίνυν τὸν ἀββᾶν ἢ τὸν ἀρχιμανδρίτην ἐν ἑκάστῳ μοναστηρίῳ προβάλλεσθαι μὴ πάντως κατὰ τοὺς βαθμοὺς τῶν μοναχῶν, ἀλλ'[1] ὃν πάντες οἱ μοναχοὶ

---

1) нѣкмъ *C*. 2) рѳганіемъ *C*. 3) тръпити *П*. 4) изгнаніе *П*. 5) емоу *проп. П*. 6) слѳжькын *П*. 7) съматъте *У*. 8) *исправл. по ПС, но въ С тоже* въ³канати *и* ρ *припис. позднѣйшей рукой;* възкранить *У*. 9) в оное водамріимъ *С* (*вм.* воєводѣщиимъ). 10) молк *У*. 11) крирнкъ *С*. 12) ѳ҃е *проп. Р*. 13) манастъıрьхъ и о бл҃гочьстивъıихъ *проп. П*; блочестивъıй *С*. 14) клирічехъ *У*. 15) образити *С*. 16) прилагати *У*. 17) степемь *П*. 18) всѣмъ *С*.

1) cod. переправл. изъ ἀλλὰ.

добрѣиша избероуть· не чьсо радинъ[1] ѥко вѣрою· праковѣрьна· и житиемь цѣломоудрьна· и строениа достоина· и могоуща мьнишьскоу 5 хытрость и[2] всь[3] манастъирьскыи оустав добрѣ съхранити·[4] ти тако емоу ѿ епа странъ· произведеноу быти· сиа же повелѣваемъ· и на женьскыихъ бл҃гочьстивыихъ ма- 10 настъирьхъ· и на постьницахъ бывати·

о҃з·[5] Аще же[6] кто въ мьнишьскоие житие вънити[7] хощеть· повелѣваемъ· да аще ѥвленъ есть· ѥко ни единомоу же полоучаю подълежить игоуменъ манастъира· егда съмотрить образъ мьнишьскыи[8] дати емоу· аще ли не съказаѥться· подъ ѩцѣмь оубо полоучениемь· 20 мьне· г҃· лѣ҃· не приати емоу мьнишьскаго[9] образа· да мьне· г҃·[10] аще никто[11] же его възведеть· и достоинъ изколиться· тъгда образа[12] мьнишьскаго да съподобиться·[13]

о҃з·[14] Аще кто изволениемь брака или дѣтосъвореніа·[15] или дара ради· или врачьныихъ даровъ· или дасть или оставить своимъ дѣтьмъ·[16] или

ἢ οἱ καλλίονος ὑπολήψεως[1] ἐπιλέξονται οὐ διά τι, ἀλλ' ὡς τῇ πίστει ὀρθὸν καὶ τῷ βίῳ σώφρονα καὶ τῆς διοικήσεως ἄξιον καὶ δυνάμενον τὴν τῶν μοναχῶν ἐπιστήμην καὶ πᾶσαν τὴν τοῦ μονα- (л. 279ᵃ)στηρίου κατάστασιν χρησίμως φυλάξαι καὶ οὕτως αὐτὸν ὑπὸ τοῦ ἐπισκόπου τῆς παροικίας προβληθῆναι. τὰ αὐτὰ δὲ παρακελεύομεν καὶ ἐπὶ τοῖς τῶν γυναικῶν εὐαγέσι μοναστηρίοις καὶ ἀσκητηρίοις γενέσθαι.

ος'. Εἴ τις δὲ εἰς μοναχικὸν βίον ἐλθεῖν βουληθείη, κελεύομεν, ἵνα, εἰ μὲν δῆλός ἐστιν, ὅτι οὐδεμιᾷ[2] τύχῃ ὑπόκειται, ὁ ἡγούμενος τοῦ μοναστηρίου, ὅτε συνείδοι, τὸ σχῆμα αὐτῷ παράσχοι. εἰ δὲ μὴ γνωρίζεται, οἱαδήποτε ὑπόκειται τύχῃ, ἐντὸς τριῶν ἐνιαυτῶν μὴ λαμβάνειν αὐτὸν τὸ μοναχικὸν σχῆμα, ἵνα ἐντὸς τῆς τριετίας, εἰ μηδεὶς αὐτοῦ ἐναγάγοι καὶ ἄξιος κριθῇ, τηνικαῦτα τοῦ σχήματος ἀξιούσθω.

οζ'. Εἴ τις ἐπὶ αἱρέσει γάμου ἢ παιδοποιίας ἢ χάριν προικὸς ἢ γαμικῆς δωρεᾶς ἢ δωρήσηται, ἢ καταλείψῃ τοῖς ἰδίοις παισὶν ἢ

1) нъ *прп. P.* 2) хытростеи *II* (*вм.* хытрость и). 3) всѣ *II.* 4) хранити *P.* 5) о҃ѕ *прп. P.* 6) нъ *вставл. cod., но вычеркив.* 7) притн *P.* 8) мнирескыи *C.* 9) мнишьска *P.* 10) лѣтъ *вставл. V.* 11) *cod. переправл. начальное* н *изъ* и. 12) образъ *V.* 13) досѣда *добавл. C и cod. (in m. рукой XIII в.).* 14) *V прп. всю главу 77.* 15) тосътворенїа *C.* 16) дѣтелемъ *C, но* теле *перечерк. и надпис.* тѣ.

1) ὑπολήψεως cod. in m. 2) οὐδεμία cod.

иномоу· каковоумоу оубо къгда лицю· причастые и ѕадьницю· или из
начала· чистѣ оставлающимъ имъ
отѧгъчитъ его подъстроениѥ· или
л. 306 a. стро|ениѥмъ подъ единою· въспоминаниихъ изволении· повелѣваемъ· нежели таковъимь изволениѥмь· подълежаще· моужи или женъı· въ манастъıрь вънидоуть· или
клирици· или слоужьбьници· или чьрноризица бъıваютъ· и таковъимь изволениѥмь· некрѣпъкама[1] и противоу не написаномъ бъıти· тоѫ же
помощи[2] клирици· слоужьбьница
цр҃квьнъıѧ· да наслажаютьсѧ· аще до живота своего въ нихъ прѣбъıваютъ· и вещи же подъ таковъимь изволениѥмь дарованъıѧ· или оставленъıѧ на бл҃гочьстьнъıѧ потрѣбъı·
или иждивоуть· или оставѧть·[3] на
лицихъ бо ѥже въ манастъıрь· или
въ постьница въходѧть· и оставѧть
таковое цѣломоудрьно житие манастъırю· или постьницамъ идеже на-
чало· въıшьдъше подъ таково изволение· дарованаѧ или оставленаѧ· съ
имѣмь имѣниемь[4] ихъ· принести повелѣваемъ· аще оубо изволениѥмь
плѣненъıихъ· или нищихъ питани
ѥмь· или подъ реченъıимь изволениѥмь· подъсъвьршениѥ·[5] или оустроенъ боудеть· ни ѿ единого[6] же реченъıихъ· лиць призъвати его дамъ·[7]

ἄλλῳ οἱῳδήποτε προσώπῳ κληρονομίαν ἢ λεγάτον, ἢ ἐξ ἀρχῆς καθαρῶς[1] καταλιμπάνων αὐτοῖς βαρέσει αὐτοῦ ὑποκαταστάσει ἢ ἀποκαταστάσει ὑπὸ μίαν τῶν μνημονευθεισῶν αἱρέσεων, κελεύομεν, εἴπερ ταῖς τοιαύταις αἱρέσεσιν ὑποκείμενοι ἄῤῥενες ἢ θήλειαι εἰς μοναστήριον εἰσέλθωσιν, ἢ κληρικοὶ ἢ διακόνισσαι ἢ ἀσκήτριαι γίνονται, καὶ τὰς τοιαύτας αἱρέσεις ἀνισχύρους καὶ ἀντὶ μὴ γεγραμμένων εἶναι. ταύτης δὲ τῆς βοηθείας οἱ κληρικοὶ (л. 279[b]) καὶ αἱ διακόνισσαι τῶν ἐκκλησιῶν ἀπολαυέτωσαν, εἰ μέχρι τῆς αὐτῶν ζωῆς τοῖς αὐτοῖς ἐπιμείνοιεν, καὶ τὰ πράγματα τὰ ὑπὸ τὴν τοιαύτην αἵρεσιν δεδωρημένα ἢ καταλελειμμένα εἰς εὐσεβεῖς χρείας ἢ δαπανήσωσιν ἢ καταλείψωσιν· ἐπὶ γὰρ τοῖς προσώποις, ἅτινα εἰς μοναστήρια ἢ εἰς ἀσκητήρια εἰσέλθωσιν καὶ καταλείψωσιν τὴν τοιαύτην σώφρονα ἀναστροφήν, τῷ μοναστηρίῳ ἢ τῷ ἀσκητηρίῳ, ὅπου τὴν ἀρχὴν εἰσελθόντα τὰ ὑπὸ τὴν τοιαύτην αἵρεσιν δωρηθέντα ἢ καταλειφθέντα μετὰ τῆς ἄλλης αὐτῶν ὑποστάσεως διαφέρειν κελεύομεν. εἰ μέντοι ἐπὶ ἀναῤῥύσει αἰχμαλώτων ἢ πτωχῶν ἀποτροφῆς ὑπὸ τὰς εἰρημένας αἱρέσεις· ὑποκατάστασις ἢ ἀποκατάστασις γένηται, ἐξ οὐδενὸς τῶν εἰρημένων προσώπων ταύτην ἀποκαλεῖσθαι συγχωροῦμεν.

---

1) некрѣпкамъ *II.* 2) мощи *C.* 3) или оставѧть *прот. C.* 4) имѣніѥ *C.* 5) пѣсвръжениѥ *II.* 6) едино *C.* 7) се писать *добавл. C.*

1) καθαρὸς cod.

ѳи·[1] Аще ли моужь или жена· мьнишьскоѥ житиѥ изъбереть· имѣниѥ ѥго· подобаѥть манастъирю повелѣваѥмъ·

ѳд·[2] Аще таковоѥ лице дѣти имать· и оустава не сътворить· ѥже о себѣ прѣже даже не вънидеть· подоба|ѥть ѥмоу· и[3] по вънитии[4] въ манастъирь· своѥ имѣниѥ на своа раздѣлити[5] дѣти· тако оубо ако ни[6] ѥдиномоу того дѣтии· оумьнити законьныа части· недаѥмаа[7] же часть дѣтьмъ· манастъирю да принесеть· аще ли вьсе своѥ имѣниѥ· междю дѣтьми раздѣлити вьсхощеть ѥ· своѥго си лица· съ дѣтьми съпричитаѥмоу·[8] въ[9] себе часть· всѣми образъı да дьржить· подобьно правьдьноѥ манастъирю принести· аще ли въ манастъири прѣвъıваа оумьреть· прѣже даждь межю дѣтьми раздѣлити[10] своа вещи· законьноую часть дѣти приимоуть прочеѥ же имѣниа[11] манастъирю подобаѥть·

п·[12] Оброученію[13] же междю нѣкъıихъ· по законоу въıвъшю· или оброученикъ· въ манастъирь[14] вънидеть· да въсприметь ѥже ѡ оброученіи· обреченаа именьмь подаа· или

οη'. Εἰ δὲ ἀνὴρ ἢ γυνὴ τὸν μοναχικὸν βίον ἐπιλέξηται, τὰ πράγματα αὐτοῦ διαφέρειν τῷ μοναστηρίῳ κελεύομεν.

οθ'. Εἰ δὲ τὸ τοιοῦτον πρόσωπον παῖδας ἔχοι καὶ μὴ διατυπώσει τὰ κατ' αὐτούς,[1] πρὶν ἢ εἰσέλθῃ, ἐξέστω αὐτῷ καὶ μετὰ τὸ εἰσελθεῖν εἰς μοναστήριον τὴν ἰδίαν οὐσίαν εἰς τοὺς οἰκείους διελεῖν παῖδας, οὕτω μέντοι γε, ὥστε μηδενὶ τῶν αὐτοῦ παίδων ἐλαττῶσαι τὸ νόμιμον μέρος· τὸ δὲ μὴ διδόμενον μέρος τοῖς παισὶν τῷ μοναστηρίῳ (л. 280a) διαφερέτω. εἰ δὲ πᾶσαν τὴν ἰδίαν οὐσίαν μεταξὺ τῶν παίδων διελεῖν βουληθείη, τοῦ οἰκείου αὐτοῦ προσώπου τοῖς παισὶν συναριθμουμένου ἐν ἑαυτῷ τὸ μέρος πᾶσι τρόποις παρακρατείτω, ὀφεῖλον τῷ δικαίῳ τοῦ μοναστηρίου διαφέρειν. εἰ δὲ ἐν τῷ μοναστηρίῳ διάγων τελευτήσοι, πρὶν μεταξὺ τῶν παίδων τὰ ἴδια διανεῖμαι πράγματα, τὸ νόμιμον μέρος οἱ παῖδες λήψονται, τὸ δὲ λοιπὸν τῆς οὐσίας τῷ μοναστηρίῳ διαφερέτω.

л. 306 b.

π'. Μνηστείας δὲ μεταξύ τινων κατὰ τὸν νόμον γενομένης, εἴτε ὁ μνηστὴρ εἰς μοναστήριον εἰσέλθῃ, ἀναλαμβανέτω τὰ ὑπὲρ μνηστείας ἀρραβώνων ὀνόματι δεδομένα, εἴτε ἡ

---

1) *cod. in m. рукой XIII в.* се писа. 2) ѳд *прот. II.* 3) и *прот. P.* 4) вънити *II.* 5) раздѣлить *У*; раздѣлити на своа *P.* 6) ни *прот. C.* 7) *cod. переправл. конечное* а *изъ* ѥ. 8) съпричатаемѕ *C*; съпричитатї ѥмоу *У.* 9) въ *прот. P.* 10) раздѣти *C, но позднѣйш. рука надпис.* ли. 11) имѣниѥ *P.* 12) т *прот. P.* 13) Оброученоую *У.* 14) мастъирь *У.*

1) πριν ἡ вставл. cod. но обводитъ точками.

оброученица мьнишьскоѥ изберетъ житиѥ· тако же да[1] творитъ· ѿданию коѥнжьдо части подаѥмоу· аще ли съставъшюсѧ[2] бракоу· моужь
5 единъ или жена едина· вънидетъ въ манастъирь· да раздроушитьсѧ бракъ·[3] и бес прѣкословиѧ· съ нимьже оубо лицьмь· въходитъ въ манастъирь· мьнишьскъıи об-
10 разъ приметъ· и аще оубо моужь боудетъ· да ѿдастъ и[4] даръı женѣ·[5] и аще чьто ино ѿ нѣѥ приѧ и къ симъ ѿ брачьнъıихъ даровъ[6] толикоу часть· колико же ѿ оумьр-
15 твиѧ[7] моужа· подобааше женѣ
л. 307 a. по съвѣщанию· даръı о|бразъı ими подобьноѥ· аще ли[8] жена боудетъ въ манастъирь въшьдъıши·[9] тѣмь же образъмь да дьржитъ моужь· брачь-
20 нъıѧ ради· и аще ино чьто ино и[10] вещи· и женъı оунего обращетьсѧ· да оустрои повелѣваѥмъ· овѣма же мьнишьскоѥ житиѥ изьбравъшема· повелѣваѥмъ· праздьномь[11] даровь-
25 нъıимь съвѣщаниѥмь· моужеви прѣдьржати· брачьнъıѧ даръı· а женѣ своѧ въспрıати даръı·[12] и аще ино чьто моужеви подати[13] ѥвитьсѧ· аще не въ[14] правьдоу· или оброученъıи[15]

μνήστη τὸν μοναχικὸν βίον ἐπιλέξεται, ὁμοίως ποιείτω, τῆς ποινῆς ἑκατέρῳ μέρει συγχωρουμένης. εἰ δὲ συνεστῶτος τοῦ γάμου ἢ ὁ ἀνὴρ μόνος ἢ ἡ γυνὴ μόνη εἰσέλθῃ εἰς μοναστήριον, διαλυέσθω ὁ γάμος καὶ δίχα ῥεπουδίου, μεθ' ὃν[1] μέντοι τὸ πρόσωπον τὸ εἰσερχόμενον ἐν τῷ μοναστηρίῳ μοναχικὸν σχῆμα λάβῃ. καὶ εἰ μὲν ὁ ἀνὴρ ᾖ, ἀποκαθιστάτω καὶ τὴν προῖκα τῇ γυναικὶ καὶ εἴ τι ἄλλο παρ' αὐτῆς ἔλαβεν, καὶ πρὸς τούτοις ἐκ τῆς γαμικῆς δωρεᾶς τοσοῦτον μέρος, ὅσον ἐκ τῆς τελευτῆς τοῦ ἀνδρὸς ἥρμοζεν τῇ γυναικὶ κατὰ τὸ σύμφωνον τὸ τοῖς προικῴοις συμβολαίοις ἐμ(л. 280b)φερόμενον. εἰ δὲ γυνὴ εἴη ἡ εἰς τὸ μοναστήριον εἰσελθοῦσα, τὸν ὅμοιον τρόπον παρακρατείτω ὁ ἀνὴρ τὴν γαμικὴν δωρεάν, τὸ λοιπὸν τῆς προικὸς καὶ εἴ τι ἄλλο τῶν πραγμάτων τῆς γυναικὸς παρ' αὐτῷ εὑρεθῇ, ἀποκαθιστᾶν παρακελευόμεθα. ἀμφοτέρων δὲ τὸν μοναχικὸν βίον ἐπιλεγομένων, κελεύομεν ἀργούντων τῶν προικιμαίων συμφώνων τὸν ἄνδρα παρακρατεῖν τὴν γαμικὴν δωρεὰν καὶ τὴν γυναῖκα τὴν ἰδίαν ἀναλαμβάνειν προῖκα καὶ εἴ τι ἄλλο τῷ ἀνδρὶ δεδωκέναι δειχθῇ, εἰ μή, ὡς εἰκός, ἡ ὁ μνηστὴρ

1) та *P.* 2) съставъшюсѧ *УРС.* 3) ни *вставл. У.* 4) и *проп. P.* 5) иженѣ *П.* 6) даровавъ *С.* 7) оумьртви *P.* 8) и *вставл. P.* 9) въшьдъıи *P.* 10) иночнои *P* (*вм.* ино чьто ино и). 11) праздьнъıмь *P.* 12) а женѣ своѧ въспрıати даръı *проп. С.* 13) моужеви *вставл. P.* 14) въ *проп. У.* 15) wбрѣченїи *ПС.*

1) μεθὸν cod.

оброученици·[1] или моужь женѣ· или жена моужю даровати чьто· или подати въсхощеть·

па· Ни единоѥ власти· дамъ родителемъ дѣтии·[2] или дѣтьмъ родителѣ· мирьскоѥ прѣбъıваниѥ[3] оставлıающе· ѩко неключимомъ ѿказнатисѧ своѥго наслѣдиа[4] паче винъı прѣжде мънишьскаго житиа въслѣдоующа·

пв· Отърицаемъ же родителемъ своıа дѣти· мънишьскоѥ житиѥ изъıравъшемъ· отъ бл҃гочьстивъıихъ[5] манастъıрь ѿвлѣчити·[6]

пг·[7] Аще[8] мънихъ оставить своѥго[9] манастъıрѧ и въ инъ въıидеть·[10] ѥгоже имѣниѥ въ врѣмѧ· ѥгоже манастъıрѧ оставить· имѣти ѩвитьсѧ манастъıреви· въ ньже из начала въıиде· сиа принести подобаѥть· аще ли[11] въ мирьскоѥ житиѥ прѣидеть· ѿ е҃пп҃а· и ѿ кънѧзѧ[12] въ[13] манастъıрь да въложенъ боудеть· и имѣниѥ елико же по сихъ имѣти ѩвитьсѧ | въ ньже манастъıрь въложенъ томоу подобаѥть·[14] аще ли пакъı оставить манастъıрь· тъгда кънѧзь епархиа· въ нѥмьже аще обрѧщеть[15] и· да дьржить и· и въ подълежащии ѥмоу чинъ да причьтеть[16] и·[17]

τῇ μνηστῇ[1] ἢ ἡ μνηστὴ[1] τῷ μνηστῆρι, ἢ ὁ ἀνὴρ τῇ γυναικί, ἢ ἡ γυνὴ τῷ ἀνδρὶ δωρήσασθαί τι ἢ συγχωρῆσαι βουληθείη.

πα′. Οὐδεμίαν δὲ ἄδειαν δίδομεν τοῖς γονεῦσιν τοὺς παῖδας ἢ τοῖς παισὶ τοὺς γονέας τὴν κοσμικὴν διαγωγὴν καταλιμπάνοντας ὡς ἀχαρίστους ἀποκλείειν τῆς ἰδίας κληρονομίας ὑπὲρ αἰτίας πρὸ τοῦ μοναχικοῦ βίου παρακολουθησάσης.

πβ′. Ἀπαγορεύομεν δὲ τοῖς γονεῦσιν τοὺς ἰδίους παῖδας μοναχικὸν βίον ἐπιλεγομένους τῶν εὐαγῶν μοναστηρίων ἀφέλκειν.

πγ′. Ἐὰν μοναχὸς καταλείψῃ τὸ ἴδιον μοναστήριον καὶ εἰς ἄλλο εἰσέλθῃ, εἴ τινα πράγματα ἐν τῷ καιρῷ, καθ' ὃν τὸ μοναστήριον (л. 281ᵃ) καταλέλοιπεν, ἔχειν φανείη, τῷ πρώτῳ μοναστηρίῳ, ἐν ᾧ ἐξ ἀρχῆς εἰσῆλθεν, ταῦτα διαφέρειν κελεύομεν. εἰ δὲ εἰς κοσμικὸν βίον μετέλθῃ, ὑπὸ τοῦ ἐπισκόπου καὶ τοῦ ἄρχοντος εἰς μοναστήριον βαλλέσθω καὶ τὰ πράγματα, ὅσα μετὰ ταῦτα ἔχειν δειχθείη, τῷ μοναστηρίῳ, ἐν ᾧ ἐμβάλλεται, διαφερέτω. εἰ δὲ πάλιν καταλείψῃ τὸ μοναστήριον, τότε αὐτὸν ὁ ἄρχων τῆς ἐπαρχίας, ἐν ᾗ ἂν εὑρεθῇ, κρατείτω καὶ τῇ ὑποκειμένῃ αὐτῷ[2] τάξει συναριθμείτω. л. 307 b.

1) оброученицю *У.* 2) дѣти *У.* 3) прѣбъıваниѥ *cod.; исправл. по УС.* 4) наслѣдника *С.* 5) бл҃гочестьный *ПР.* 6) отвлачити *УР.* 7) тт *проп. Р.* 8) ли *вставл. Р.* 9) своѥго оставить *Р.* 10) не вѣдеть *С (вм.* въıидеть*).* 11) ли *проп. У.* 12) и имѣниѥ елико же по сихъ имѣти ѩвитьсѧ *С (вм.* ѿ е҃пп҃а и ѿ кънѧзѧ*).* 13) ньже *вставл. С.* 14) подаваѥть *Р.* 15) wбрѧщѥ *П.* 16) причеть *У.* 17) и *проп. П.*

1) μνήστη cod. 2) αὐτῷ cod. in m. (срѣзано переплетчикомъ такъ, что осталось одно ἀ).

пд. Аще кто въсхытитъ или при[1] ноужди блоудъ сътворить· или растлить постьницю· или слоужьбьницю· или манастъирьницю· или иноу какоу любо[2] женоу бгобоязнива[3] житиа· образъ имоущюю того имѣниа и таковыа нечистоты· причащьшихъсѧ емоу· повелѣваемъ бгочьстивоуоумоу мѣстоу· въ немьже таковаа жена живеть· прдбьнъıими мѣстьнъıими[4] еппы·[5] и строители ихъ· не тъкъмо нъ и конажьдо епархиа кънажьми· и чинъми ихъ ѡмьıати·[6] дьрзъшихъ же[7] таковаа и причащьшихъсѧ къ нимъ· бѣдоу главьноую прѣтьрпѣти· женоу же[8] съ имѣникмь ка въ манастъирь въврѣщи· аще ли слоужьбьница· или дѣти имать законьнъı·[9] законьноу[10] часть да подасть дѣтьмъ·[11]

пе. Аще ли равьно кдиного лѣта· по оувѣдѣнии таковааго скврънениа· вещи не ѡмьстатьсѧ[12] ѡ бгочьстивъıихъ домовъ· повелѣваемъ вьсѣми образы комитоу приватъ[13] нашимь законъмь сиа оутвьржати· мѣстьнъıимъ кънажемъ· лѣнивѣишаагосѧ[14] ѡмьстити сиа вещи· поаскоу ѡтоу ѡ него· и проданиѥ

πδ'. Εἴ τις ἁρπάσῃ ἢ ὑπονοθεύσῃ ἢ διαφθείρῃ ἀσκήτριαν ἢ διακόνισσαν ἢ μονάστριαν ἢ ἄλλην οἱανοῦν γυναῖκα εὐλαβῆ βίον ⟨ἢ⟩ σχῆμα ἔχουσαν, τὰ τούτου πράγματα καὶ τῶν τοιούτου μύσους αὐτῷ μετασχόντων κελεύομεν τῷ εὐαγεῖ τόπῳ, ἐν ᾧ ἡ τοιαύτη γυνὴ οἰκεῖ, διὰ τῶν κατὰ τόπον ὁσιωτάτων ἐπισκόπων καὶ τῶν οἰκονόμων αὐτῶν, οὐ μὴν ἀλλὰ καὶ τῶν ἑκάστης ἐπαρχίας ἀρχόντων καὶ τῶν αὐτῶν τάξεων διεκδικεῖσθαι· τοὺς δὲ τὰ τοιαῦτα τολμήσαντας καὶ τοὺς μετασχόντας αὐτῶν τὸν[1] εἰς κεφαλὴν κίνδυνον ὑπομένειν· τὴν δὲ γυναῖκα μετὰ τῶν αὐτῆς πραγμάτων ἐν μοναστηρίῳ ἐκβάλλεσθαι. εἰ μέντοι διακόνισσα ἦ[2] καὶ παῖδας ἔχοι νομίμους, τὸ νόμιμον μέρος διδόσθω τοῖς παισίν.

πε'. Εἰ δὲ εἴσω ἑνὸς ἐνιαυτοῦ μετὰ τὸ γνωσθῆναι (л. 281[b]) τὸ τοιοῦτον μῦσος τὰ πράγματα μὴ ἐκδικηθῇ ὑπὸ τῶν εὐαγῶν οἴκων, κελεύομεν πᾶσι τρόποις τὸν κόμητα τῶν πριβάτων τῷ ἡμετέρῳ φίσκῳ ταῦτα προσκυροῦν, τοῦ τῶν τόπων ἄρχοντος τοῦ ἀμελήσαντος ἐκδικῆσαι τὰ αὐτὰ πράγματα τῆς ζωῆς ἀφαιρουμένου καὶ πρόστιμον

1) при *проп. У.* 2) лово *У.* 3) бгобоизниѕ *П.* 4) мѣстьнъıими *проп. У.* 5) епископъı *У.* 6) ѡмьıатн *С.* 7) же *проп. С.* 8) съ имѣ *вставл. С.* 9) законныи *П.* 10) законнѹю *П.* 11) дѣтелемъ *С, но слогъ ле зачеркнуто.* 12) ѡмьıатьсѧ *С.* 13) провать *У.* 14) лѣнивѣишаагосѧ *П*; лѣнивѣишаагосѧ *проп. С.*

1) τοὺς cod. 2) εἰ cod.

пѧти | литръ ѕлата· ѿ комита приватъ сътваряемо·

л. 308 a.

ѯ҃з· Вьсѣмъ же ѿноудъ·[1] отъриц҃аемъ· приимающимъ образъ[2] мьнишьскыи· или манастꙑрьници· или постьници· какъимь оубо[3] образъмь играти·[4] въ цр҃квьнѣмь оустроении· начинающихъ же сътѣлесьнꙑа подъѧти казни· и изгънанию прѣдати· промꙑшлающихъ не тъкъмо тѣхъ мѣстъ· нъ и граженьскъимъ воиньствьнъимъ[5] кънѧземъ· твоеи оубо славѣ· соуц҃ааго ради ѕакона новоображенааго· въ едина боудоуц҃а лѣта· съхранити повелѣваемъ· и[6] на прочее могоущю· наша повелѣ тихость· по вьсемоу съхранити промꙑсли· и въ вьсѣхъ разоумоу· по цр҃ьскомоу[7] градоу· прѣдъложенъимъ изведеть·

ε′ χρυσίου λιτρῶν ὑπὸ τοῦ κόμητος τῶν πριβάτων εἰσπραχθησομένου.

πς′. Πᾶσιν δὲ καθάπαξ ἀπαγορεύομεν κεχρῆσθαι[1] σχήματι μοναχ⟨ικ⟩ῷ ἢ μοναστρίας ἢ ἀσκητρίας, ἢ οἱῳδήποτε τρόπῳ ἐμπαῖξαι εἰς ἐκκλησιαστικὴν κατάστασιν. τοὺς δὲ τοῦτο ἐπιχειροῦντας σωματικὰς ὑποστῆναι τιμωρίας καὶ ἐξορίᾳ παραδοθῆναι, προνοούντων τούτων οὐ μόνον τῶν κατὰ τόπον, ἀλλὰ καὶ τῶν πολιτικῶν καὶ στρατιωτικῶν ἀρχόντων. ἡ σὴ τοίνυν ἐνδοξότης τὰ διὰ τοῦ παρόντος νόμου νεωστὶ διατυπωθέντα ἐπὶ μόνοις τοῖς μέλλουσι χρόνοις παραφυλάττεσθαι κελεύομεν καὶ εἰς τὸ διηνεκὲς ἰσχύσοντος ἡ ἡμετέρα ἐθέσπισεν γαληνότης, κατὰ πάντα φυλαχθῆναι προενοήσατο καὶ εἰς τὴν ἁπάντων γνῶσιν κατὰ τὴν βασιλίδα πόλιν παρατιθεμένων ἀγάγοι.

ѯ҃ѕ·[8] къіа подобаѥть поставлѧти еп҃ꙑ· и клирикꙑ· ѩко[9] въ коеѭдо лѣто· единою[10] ѿ еп҃ъ· въıвати събороу· въ епархиѧхъ·

πζ′. Ποίους δεῖ χειροτονεῖσθαι ἐπισκόπους καὶ κληρικούς· καὶ ὥστε καθ' ἕκαστον ἔτος μίαν τῶν ἐπισκόπων γίνεσθαι σύνοδον ἐν ταῖς αὐτῶν ἐπαρχίαις.

Въ граженьскѣмь ѕаконѣ· ѥгоже область намъ бъ·[11] по своемоу ч҃лвколюбьствию· пороучи извѣстꙑ вьсѣмъ[12] хранити на оутвьрженик послоущающихъ тъщимъсѧ·[13]

(л. 282ª) Εἰς τοὺς πολιτικοὺς νόμους, ὡς τὴν ἐξουσίαν ἡμῖν ὁ θεὸς κατὰ τὴν ἑαυτοῦ φιλανθρωπίαν ἐπίστευσεν, βεβαίους διὰ πάντων φυλάττεσθαι πρὸς ἀσφάλειαν τῶν ὑπηκόων σπουδάζομεν,

---

1) ѿнѣдѫ *П.* 2) wбразомъ *П.* 3) оубо *проп. У.* 4) играт҃и *П.* 5) граженьскꙑмъ *У.* 6) и *проп. С.* 7) цр҃ьскомѫ *ПС.* 8) *вм.* ѯ҃, *Н особое заглавіе:* Иоустиниана ц҃рѧ ·ѕ· го скорѡ взаконении. 9) и *Н.* 10) ѥдиномоу *Н.* 11) бъ *проп. Н.* 12) всехъ *Н.* 13) тѣмнмсѧ *НУ.*

1) κεχρίσθαι cod.

кольми паче болшеѥ тѣщание· дълъжьни ѥсмъ[1] сътворити·[2] о стражи сѷщенъıхъ[3] канонъ· и бж҃ьствьнъıхъ законъ за дша нашего сп҃сения заповѣданъıхъ· хранащиѥ[4] во[5] сѷщенъıѧ каноны[6] вдкы бж҃а помощи съподобльаютьсѧ·

л. 308 b. и | сиа прѣстоупающе[7] сами себе· въ осоужение вълагаютъ· большюмоу же повиньни осоужению·[8] прѣподобьнии еп҃пи· имъже порочено бы҃ искати каноны и хранити· нежели чьто ѿ сихъ прѣстоупаѥмо неѿмьщьно оставлтъ· божьствьнъıимъ оубо[9] каномъ несъхранѥмомъ·[10] различьна престоупления прилхомъ·[11] на клирикы же[12] и[13] мьнихы· и нѣкъıѧ еп҃ъı· ако не по бж҃ьствьнъıимъ каномъ[14] живоущихъ·[15] и[16] дроузии же обрѣтаютьсѧ· ни того самого[17] с҃тго приношения· или[18] с҃тго крьщения· молитвъı съвѣ[доу]ще·[19] бж҃ии оубо разоумѣвающе[20] соудъ на[21] коежьдо прежизвѣщенъıихъ[22] възискание же и[23] исправление повелѣхомъ· правильно[24] произити· аще во

πόσῳ μᾶλλον πλείονα σπουδὴν ὀφείλομεν θέσθαι περὶ τῆς τῶν ἱερῶν κανόνων καὶ θείκῶν νόμων παραφυλακῆς τῶν ὑπὲρ τῆς τῶν ἡμετέρων ψυχῶν σωτηρίας ὁρισθέντων; οἱ γὰρ τοὺς ἱεροὺς[1] κανόνας φυλάττοντες τῆς τοῦ δεσπότου θεοῦ βοηθείας ἀξιοῦνται, καὶ οἱ τούτους παραβαίνοντες αὐτοὶ ἑαυτοὺς τῇ κατακρίσει ὑποβάλλουσιν. μείζονι δὲ ὑπόκεινται κατακρίσει οἱ ὁσιώτατοι ἐπίσκοποι, οἷς πεπίστευται καὶ ζητεῖν τοὺς κανόνας καὶ φυλάττειν, εἴπερ τι τούτων παραβαινόμενον ἀνεκδίκητον καταλείπωσιν. τῶν οὖν θείων κανόνων μὴ παραφυλαχθέντων, διαφόρους προσελεύσεις ἐδεξάμεθα κατὰ κληρικῶν τε καὶ μοναχῶν καί τινων ἐπισκόπων, ὡς μὴ κατὰ τοὺς θείους κανόνας βιούντων· καὶ ἄλλοι δὲ ηὑρηνται μηδὲ αὐτὴν τὴν τῆς ἁγίας προσκομιδῆς ἢ τοῦ ἁγίου βαπτίσματος προσευχὴν ἐπιστάμενοι.

Τὸ τοῦ θεοῦ ἐννοοῦντες τοίνυν κρῖμα, τὴν ἐφ' ἑκάστῳ τῶν προσαγγελθέντων ζήτησίν τε καὶ διόρθωσιν ἐκελεύσαμεν κανονικῶς προελθεῖν. εἰ γὰρ καὶ τὰ

1) ѥсмъı *H.* 2) творити *H.* 3) с҃ѷщенъıихъ *H.* 4) хранащии *H*; хранащиѥ *P.* 5) и *вставл. P.* 6) и *вставл. H.* 7) прѣстоупации *H.* 8) осоужению повиньни *V.* 9) оубо *проп. H.* 10) нехранѥмомъ *H.* 11) *С переправл. другой рукой* въ прихоаднмъ. 12) иже *P.* 13) и *проп. P.* 14) каномъ *P.* 15) живоущимъ *H.* 16) и *проп. H.* 17) ѿ *вставл. H.* 18) и *H.* 19) *исправл. по HP*; или с҃тго крьщения молитвъı съвѣще *проп. V.* 20) разоумѣвающии *H*; разѣмѣюще *C.* 21) нѣ *H.* 22) и *вставл. H.* 23) и *проп. C.* 24) правилнюѥ *H.*

1) ἱερεῖς cod.

съгрѣшающимъихъ[1] ѿ простыихъ
бл҃городьныи законъ· не даютъ безъ
възискания· и ѿмъщения оставлати·
како въѡбраженаа ѿ ап҃лъ и ѿ
оц҃ь· за спсение вьсѣхъ правилно·[2]
прѣзьрѣти[3] търпимъ· многы[4] же
ѿ того паче· въ грѣхы въпадъша·
обращемъ зане не[5] бывати ѿ
прп҃дьвнъихъ чиститель събороу·
и[6] заповѣданаа[7] ѿ ст҃ыихъ ап҃лъ·
и ѿ ст҃ыихъ отьць аще бо се
съхранено было· кыижьдо[8] бояса·
обличения прѣдъ съборъмь· тъщалъ
бы са б҃жьствьнъиа въикноути
слоужьбы· и цѣломоудрьно жити·[9]
да не чьто въ осоужение б҃жьствь-
нъихъ канонъ въпадеть· и оно[10]
же ничьсо[11] же мьне· нѣкъи|мъ
грѣхомъ вина ꙗко разъвѣ испытания·
и на правоую вѣроу и чисто житие·
съвѣдѣниа[12] поставлаемми бываютъ
епп҃и· и попове и диꙗкони·[13] [и][14]
прочии клирици· аще бо[15] по повe-
лѣни[16] молитиса за люди· не-
достоини б҃жиа слоужениа обращ-
ютьса· како за людьскаа[17] съгрѣ-
шениа оумолити възмогоуть ба-
ꙗко[18] поставлении же[19] чистителиве·

παρὰ τῶν λαϊκῶν ἁμαρτανόμενα οἱ γενικοὶ νόμοι οὐ συγχωροῦσιν δίχα ζητήσεως καὶ ἐκδικήσεως καταλιμπάνεσθαι, (л. 282[b]) πῶς τὰ παρὰ τῶν ἀποστόλων καὶ πατέρων ὑπὲρ τῆς τῶν πάντων ἀνθρώπων σωτηρίας κανονικῶς διατυπωθέντων περιῴδεῖν ἀνασχώμεθα; πολλοὺς δὲ ἐκ τούτου μάλιστα τοῖς ἁμαρτήμασιν εὕρομεν περιπεσόντας, διὰ τὸ μὴ γίνεσθαι τὰς συνόδους τῶν ὁσιωτάτων ἱερέων καὶ τὰ ὁρισθέντα ὑπὸ τῶν ἁγίων ἀποστόλων καὶ τῶν ἁγίων πατέρων· εἰ γὰρ τοῦτο παρεφυλάχθη, ἕκαστος εὐλαβούμενος τὸν ἐπὶ τῆς συνόδου ἔλεγχον ἐσπούδαζεν καὶ τὰς θείας ἐκμανθάνειν λειτουργίας καὶ σωφρόνως βιοῦν, ἵνα μή τι εἰς κρίσιν τῶν θείων κανόνων ὑποβληθῇ. κἀκεῖνο δὲ οὐδὲν ἧττόν τισιν л. 309 b.
ἁμαρτήμασιν πρόφασις, ὅτι χωρὶς ἐξετάσεως καὶ τῆς ἐπὶ τῇ ὀρθῇ πίστει καὶ σεμνότητι βίου μαρτυρίας χειροτονοῦνται ἐπίσκοποι καὶ πρεσβύτεροι καὶ διάκονοι καὶ λοιποὶ κληρικοί· εἰ γὰρ οἱ ἐπιτετραμμένοι εὔχεσθαι ὑπὲρ τοῦ λαοῦ ἀνάξιοι τῆς τοῦ θεοῦ ὑπηρεσίας εὑρεθεῖεν, πῶς ὑπὲρ τῶν τοῦ λαοῦ πλημμελημάτων ἐξιλεοῦσθαι δυνήσονται τὸν θεόν; ὅτι δὲ τὰς χειροτονίας τῶν ἱερέων

1) съгрѣшающимъ *H*. 2) правилноѥ *H*; павильно *C*. 3) творимъ и *вставл. H*. 4) многымъ *H*. 5) не *H позднѣйшей рукой*. 6) и *проп. H*. 7) заповѣдаа *П*. 8) кыиждо *C*. 9) быти *C*. 10) он *H*. 11) ничто *H*. 12) и на правоую вѣроу и чисто житиѥ съвѣдѣниа *проп. H*. 13) дїаконе *П*. 14) *вставка изъ HУ*. 15) ли *C*. 16) повелѣнїи *C*; попове лѣнии *H* (*см.* по повелѣни). 17) людьскыа *H*. 18) ꙗко *проп. У*. 19) не *H*.

съ вьсѣмъ изкѣщениемь подобаѥть бывати· оучитъ нъı [1] сⷮыи бⷣословьць григории· въслѣдоуѧ сⷮыимъ апⷭломъ· и бжⷭтвьнъıимъ канономъ· гл҃ѥть бо въ [2] величѣмь ѿвѣтьнѣ [3] сице· къто же павьла каноном и заповѣдьмъ· себе простираѧ· иже [4] о епⷭпѣхъ и о попѣхъ повелѣ· трѣзвьливомъ и цѣломоудрьномъ бъıти· не пиѧницамъ [не бии]цамъ· [5] оучительномъ· и непостъıжьномъ [6] въ вьсемь [7] неприкосновеномъ [8] нелоукавъıимъ· [9] не много отъвѣгаюцаго [10] обращеть· [11] правлениѧ канонъ· и пакъı тъıи же гл҃ѥть сице· очистити подобаѥть прѣже потомъ· же раставити· бъıти свѣтоу и просвѣтити· [12] и привлижитисѧ бⷣу и привести нъı· [13] остⷮитисѧ и остⷮити· [14] привести роукама· съвѣщати съ разоумъмь· и пакъı тъıи же сⷮъıи григории· о тѣхъ же [15] въ тѣхъ же [16] словѣ· се [17] пише [18] то къто [19] жиждаи· [20] ако въ тъ дн҃ь браньнъ· истиньнаго застоупьника· по анг҃лѣхъ поставлѥнаго· и съ анг҃лъı славаща· и съ хⷬстосъмь съчистительствоваⷷша· [21]

μετὰ πάσης ἀκριβείας προσήκει γίνεσθαι, διδάσκει ἡμᾶς καὶ ὁ ἐν ἁγίοις Γρηγόριος ὁ θεολόγος ἑπόμενος τοῖς ἁγίοις ἀποστόλοις καὶ τοῖς θείοις κανόσι. λέγει γὰρ ἐν τῷ μεγάλῳ Ἀπολογητικῷ οὕτως· Τίς δὲ τοῖς τοῦ Παύλου κανόσιν καὶ ὅροις ἑαυτὸν παρεκτεί(л. 283ª)νων περὶ ἐπισκόπων ἐξέταζε καὶ πρεσβυτέρων, νηφαλίους, σώφρονας εἶναι, μὴ παροίνους, ἢ πλεονέκτας, διδακτικούς, ἀνεπιλήπτους τοῖς πονηροῖς, οὐ πολὺ τὸ διαφεῦγον εὑρήσει τὴν [1] τῶν κανόνων εὐθύτητα. καὶ πάλιν ὁ αὐτὸς λέγει οὕτω· Καθαρθῆναι δεῖ πρῶτον, εἶτα καθάραι, σοφισθῆναι καὶ οὕτω σοφίσαι, γενέσθαι φῶς καὶ φωτίσαι, ἐγγίσαι θεῷ καὶ προσαγαγεῖν ἄλλους, ἁγιασθῆναι καὶ ἁγιάσαι, χειραγωγῆσαι καὶ μετὰ χειρῶν, συμβουλεῦσαι μετὰ συνέσεως. καὶ πάλιν ὁ αὐτὸς ἐν ἁγίοις Γρηγόριος περὶ τῶν αὐτῶν ἐν τῷ αὐτῷ λόγῳ τοῦτο [2] γράφει· Τίς ὁ πλάττων καθάπερ αὐθημερὸν πηλίνους, τὸν [3] τῆς ἀληθείας λειτουργίας προστάτην, [4] τὸν μετὰ ἀγγέλων στησόμενον καὶ μετὰ ἀρχαγγέλων δοξάζοντα καὶ Χριστῷ συνιερεύσαντα;

1) нын *H.* 2) въ *проп. H.* 3) ѿвѣтѣ *H.* 4) ижоже *C.* 5) *исправл. по IIH; cod. выскобл. на мѣстѣ, занятомъ* не бинца, *около 5 буквъ, изъ которыхъ еще различаются только* ца *(не было ли передъ этимъ слогомъ буквъ* пии?); не бинцамъ *проп. C.* 6) непостⷮномъ *II.* 7) и *вставл. H.* 8) неприкосновенъ *H*; непрѣкословьномъ *У.* 9) лоукавыи *IIH.* 10) ѿвѣгающе *H.* 11) обрать *C*; wбращють *H.* 12) и просвѣтити *вставл. C.* 13) нын *II.* 14) сⷮити *H.* 15) і *вставл. H.* 16) же *проп. H.* 17) словесѣ *H*, но ˢ *допис. позднѣйш. рукой.* 18) пишеть *H.* 19) то къто *проп. H.* 20) зижан *H.* 21) съчⷮительствоваша *H.*

1) τῇ cod. 2) τοῦτο cod. между строкъ. 3) τῶν cod. 4) προσταττεῖν cod., переправл. изъ προστάττειν.

и сихъ ради[1] показаютъ бо҃словьцѣ-
къша подобаютъ къ | чистительствоу л. 310 a.
прѣдълагати· ѡ҃ поставлаємъихъ же
недостоино· тъи же сице гл҃ютъ· въ
томь же словѣ· иже ничьсо[2] же къ
чистительствоу принесъше· не добрѣ-
имъ пострадавъше·[3] въкоупѣ[4] же
и[5] оу҃ченици и оу҃чителє·[6] бл҃гочь-
стыа ставлаютьсѧ· и прѣже раставлє-
номъ бъıти· раставлаютъ· въчера[7]
сі҃ѣноокрадьници·[8] и дн҃ь чистителє·[9]
вьчера кромѣ ст҃ъıихъ· и дн҃ь сі҃ѣнъı-
имъ оу҃чителє[10] ветъси[11] ѕълобою и
хоудꙋ[12] бл҃гочьстиємь· имъже дѣло
бл҃годѣти[13] члв҃чьскъша· а не дх҃овь-
нъша· ако же ст҃ии[14] канони въѕбра-
наютъ· клирикомъ бъıвати· вътороꙋю
женоу понимающа·[15] и ст҃ъıи василии[16]
оу҃читъ сице· гл҃а· дъвоженьцемъ ка-
нонъ[17] цр҃квь ѕатварѧютъ· и сиа оубо
ст҃ъıи василии· толико же стии[18] оц҃и
чистительствъмь попекошасѧ·[19] ако[20]
и[21] въ никеи[22] съшьдъшеисѧ[23] ка-
нонъ проповѣдаша сице имоущь·[24]
ѿ҃рече ѿ҃ноудъ[25] великъıи[26] съборъ-
ни еп҃поу· ни попоу ни диаконоу·
ни въ клиросѣ коемоу· подобаютъ

καὶ διὰ τούτων μὲν δείκνυσιν ὁ θεο-
λόγος, ποίους δεῖ πρὸς τὴν ἱερωσύ-
νην προβάλλεσθαι. περὶ δὲ τῶν ἀναξίως
χειροτονουμένων ὁ αὐτὸς τάδε λέγει ἐν
τῷ αὐτῷ λόγῳ· Οἱ[1] μηδὲν τῇ ἱερωσύνῃ
προσεισενεγκόντες μηδὲ τῷ καλῷ τα-
λαιπωρήσαντες ὁμοῦ τε μαθηταὶ καὶ δι-
δάσκαλοι τῆς[2] εὐσεβείας ἀναδείκνυνται,
καὶ πρὶν καθαρθῆναι καθαίρουσιν· χθὲς
ἱερόσυλοι καὶ σήμερον ἱερεῖς, χθὲς τῶν
ἁγίων καὶ μυσταγωγοὶ σήμερον, πα-
λαιοὶ τὴν κακίαν καὶ σχέδιοι τὴν εὐσέ-
βειαν, οἷς ἔργον χάριτος (л. 283[b]) ἀν-
θρωπίνης, οὐ τῆς τοῦ πνεύματος. ὅτι
δὲ οἱ θεῖοι κανόνες κωλύουσι κληρι-
κοὺς εἶναι τοὺς δευτέραν γαμετὴν
λαβόντας, καὶ ὁ ἐν ἁγίοις Βασίλειος
διδάσκων οὕτως λέγει· Τοὺς δευτερο-
γάμους ὁ κανὼν τῆς ἐκκλησίας ἀπέ-
κλεισεν. καὶ ταῦτα μὲν ὁ ἐν ἁγίοις Βα-
σίλειος. τοσοῦτον δὲ οἱ ἅγιοι πατέρες
τῆς ἱερωσύνης ἐφρόντισαν, ὅτι οἱ ἐν
Νικαίᾳ συνελθόντες κανόνα ἐξέθεντο
οὕτως ἔχοντα· Ἀπηγόρευσεν καθόλου
ἡ μεγάλη σύνοδος μήτε ἐπίσκοπον
μήτε πρεσβύτερον μήτε διάκονον μήτε
ὅλως τῶν ἐν τῷ κλήρῳ τινὶ ἐξεῖναι

1) ради *проп. Н.* 2) ни во что *Н* (*вм.* ничьсо). 3) пострадавшю *Н.* 4) оу҃коупѣ *Н.* 5) и *проп. Н.* 6) оу҃читель *УН.* 7) вечера *У.* 8) сі҃ѣньноокрадьници *Н.* 9) чиститель *УН.* 10) оу҃читель *УН.* 11) ветєси *Н.* 12) хоудꙋ *Н.* 13) бл҃годати *НУ.* 14) и *вставл. С.* 15) понимающемоу *Н.* 16) василеи *Н.* 17) каконъ *С.* 18) ст҃и *Н.* 19) и *вставл. С.* 20) же *вставл. У.* 21) и *проп. С.* 22) никин *Н.* 23) съше҃шесѧ *СН.* 24) имѣть *С.* 25) ѿнѣдѣ *П*; ѿтиноудь *Н.* 26) василии ст҃ъıи *вставл. Н.*

1) οἳ cod. 2) τοὺς cod.

ıцюжего имѣти· аще не оубо мт҃ре· или сестрьıа[1] сестръı· или ѥдиного лица тъкъмо· лицемѣрьство бѣгаѥть отъ бж҃ьствьııхъ оубо канонъ· заповѣ-
5 данъıимъ· въслѣдоующе пришьдъшеи[2] творимъ[3] законъ· имьже повелѣваѥмъ· елишьдъı[4] потрѣба боудеть еп҃ъı[5] поставлѧти· разоумѣти каноническъ и пьрвъıимъ града· въ
10 ıѥмьжь хощеть еп҃ъ поставлѥнъ бъıти· и прѣдълежащимъ[6] с҃тъıи|мъ еваг҃гелиѥмъ· прѣдъ трьми лици причьтъ[7] творити· [8] и комоужьдо ıхъ· клатисѧ по бж҃ьствьııимъ словесьмъ· и написати ими[9] ıако ни въданиıа[10] ради· ни обѣщаниıа[11] ради· ни любъве ради· ни благ҃дти[12] ради· или иноıа кокıа мл҃сти· нъ съвѣдоующе ею[13] правою и съборьною[14] вѣрою· и чи-
20 стъıимь житиѥмь· и[15] въ тридесѧтьноѥ лѣто изъбереть· да ни женъı ни дѣти[16] имѣти· вѣдѧть нѣкъııа[17] ѿ ııхъ· или мьньшицю· или дѣти ѥстьствьıъı[18] имѣти ѥмоу· вѣдѧть
25 ı· или[19] имѣвъшю· нъ аще ı[20] пьрвѣıѥ ѿ ниıхъ· подроужиѥ имѣти ı то[21] ѥдино· а ни[22] въдовицю[23] ни ѿ моужа· ѿлоучьшисѧ· ни сı҃ѥнъıими канонъı

συνείσακτον ἔχειν, εἰ μὴ ἄρα μητέρα ἢ θείαν ἢ ἕνα πρόσωπον μόνον ὑποψίαν διαφεύγει. τοῖς ὑπὸ τῶν θείων κανόνων ὁρισθεῖσιν ἀκολουθοῦντες τὸν παρόντα ποιούμεθα νόμον, δι' οὗ θεσπίζομεν, ὁσάκις χρεία γένηται ἐπίσκοπον χειροτονηθῆναι, συνιέναι τοὺς κληρικοὺς καὶ τοὺς πρώτους τῆς πόλεως, ἧς μέλλει ἐπίσκοπος χειροτονηθῆναι, καὶ προκειμένων τῶν ἁγίων εὐαγγελίων ἐπὶ τρισὶ προσώποις ψηφίσματα ποιεῖν καὶ ἕκαστον αὐτῶν ὁμνύναι κατὰ τῶν θείων λογίων καὶ ἐγγράφειν αὐτούς, ὅτι οὐδὲ διὰ δόσιν οὔτε δι' ὑπόσχεσιν ἢ φιλίαν ἢ χάριν ἢ ἄλλην οἱανδήποτε προσπάθειαν, ἀλλ' εἰδότες αὐτοὺς τῆς ὀρθῆς καὶ καθολικῆς πίστεως καὶ σεμνοῦ βίου καὶ ὑπὲρ τὸ τριακοστὸν ἔτος ἐνιαυ(Д. 284ª)τοῦ τοῦ ἔτους ἐπελέξατο, καὶ οὔτε γαμετὴν οὔτε παῖδας ἴσασίν τινας ἐξ αὐτῶν ἔχειν ἢ παλλακὴν ἢ παῖδας φυσικοὺς γινώσκουσιν αὐτὸν ἐσχηκέναι ἢ ἔχειν· ἀλλ' εἰ καὶ πρότερόν τις ἐξ αὐτῶν γαμετὴν εἶχεν καὶ αὐτὴν μίαν καὶ οὐδὲ χήραν οὐδὲ ἀνδρὸς ἀποζευχθεῖσαν οὐδὲ τοῖς ἱεροῖς κανόσιν

---

1) сестрелѧ *C*; мт҃рнѧ *НП*. 2) пришьдъшен *Н*. 3) въслѣдоующе пришьдъшен творимъ *прот. У*. 4) ıелиждъı *Н*. 5) ıеп҃ъ *Н*. 6) прѣдълежащимъ *У*. 7) причетъ *Н*. 8) створити *Н*. 9) имъ *Н*. 10) вдатьıа *Н*. 11) ѡ҃бр҃теньıа *Н*. 12) бл҃годати *УС*. 13) ѥа *П*; ıа *Н*. 14) зборною *Н*. 15) и *прот. П*. 16) дѣтии *Н*. 17) нъıкъıа *cod*. 18) естественъı *П*. 19) или *прот. Н*. 20) и *прот. С*. 21) то *прот. С*. 22) аще *Н* (*вм.* а ни). 23) вдовици *Н*.

Ѿреченоу· нъ и гражаниноу ни[1] воиноу[2] коемоу· W причитаемъıихъ[3] бъıти съвѣдатъ· авче[4] аще не въ манастъıри· не мьнѣ пати на десате[5] лѣтъ· мьнишьскъı[6] живан·[7] или воинъ[8] житие необлъгано съвьрши· швѣ[9] прѣди[10] реченаго намъ съблюданиа·[11] и на сихъ лицихъ· въ[12] бъıвающихъ о нихъ причьтѣхъ хранимоу· да тако[13] причитаемомъ трьмъ лицемъ· больши[14] изберетьса· поставлѣнъ боудетъ· соу[до]мь[15] поставлающаго· истазати[16] же пьрвѣе хотащаго поставити· отъ поставлающаго· харътию[17] написаниемь[18] сконмь· имоущю о правѣи его вѣрѣ· въздѣщати же[19] томоу· и бжьствьное приношение· бъıвающее о стѣмь комъкании· и о | стѣмь крьщении мт̃въı· и прочаа мт̃въı·[20] клатвъı же[21] имѣти· и[22] томоу поставлаемомоу къ бжьствьнъıимъ писаниемъ· шко ни о[23] себе ни о (и)номь лици[24] дасть ли[25] обѣщаса·[26] ни[27] по сихъ дасть· или

ἀπηγορευμένην, ἀλλ' οὐδὲ πολιτευόμενον ἢ ταξεώτην τινὰ τὸν ψηφιζόμενον εἶναι γινώσκουσιν, πλὴν εἰ μὴ ἐν μοναστηρίῳ οὐχ ἧττον ιε' ἐνιαυτῶν μοναχικῶς πολιτευόμενος ἢ ὁ ταξεώτης[1] βίον ἀδιαβλήτως ἐξετέλεσεν, δηλαδὴ τῆς ἔμπροσθεν εἰρημένης ἡμῖν παρατηρήσεως καὶ ἐπὶ τούτων τῶν προσώπων ἐν τοῖς γινομένοις περὶ αὐτῶν ψηφίσμασι φυλαττομένης, ἵνα ἐκ τῶν οὕτως ψηφιζομένων τριῶν προσώπων ὁ βελτίων χειροτονηθῇ τῇ ἐπιλογῇ καὶ τῷ κρίματι τοῦ χειροτονοῦντος. ἀπαιτεῖσθαι δὲ πρότερον τὸν μέλλοντα χειροτονεῖσθαι παρὰ τοῦ χειροτονοῦντος λίβελλον μεθ' ὑπογραφῆς ἰδίας περιέχοντα τὰ περὶ τῆς ὀρθῆς αὐτοῦ πίστεως, ἀπαγγέλλειν δὲ τοῦτον καὶ τὴν θείαν προσκομιδὴν τὴν ἐπὶ τὴν ἁγίαν κοινωνίαν γινομένην καὶ τὴν ἐπὶ τῷ ἁγίῳ л. 310 b.
βαπτίσματι εὐχὴν καὶ τὰς λοιπὰς προσευχάς. ὅρκον δὲ ὑπέχειν καὶ αὐτὸν τὸν χειροτονούμενον πρὸς τῶν θείων γραφῶν, ὡς οὔτε δι' ἑαυτοῦ (л. 284[b]) οὔτε δι' ἑτέρου προσώπου δεδωκώς τι ἢ ὑπέσχετο, οὔτε μετὰ ταῦτα δώσει ἢ

1) ни *проп. Н.* 2) въиноу *НС.* 3) причитаемъıихъ *Н.* 4) швче *НС.* 5) й *Н (вм.* пати на десате). 6) мнишескыи *П.* 7) жива *Н.* 8) воино *Н*; въинъ *С.* 9) шви *Н.* 10) прѣиди *П.* 11) съблюдениа *Н.* 12) въ *проп. Н.* 13) да тако *вставл. С.* 14) колшїи *П.* 15) *исправл. по НП*; снмь *У.* 16) истажати *С.* 17) харотии *Н.* 18) написаемъ *Н.* 19) къ *вставл. П.* 20) мт̃въı *проп. Н.* 21) иже *П.* 22) и *проп. Н.* 23) ино *ПС (вм.* ни о). 24) лице *П.* 25) или *Н.* 26) Ѿкѣщаса *С.* 27) ни *проп. С.*

1) ταξιώτης cod.

томоу или поставлающюмоу кго· или причьты на нѣмь творящимъ· аще ли къто чрѣсъ въспома[новѣ]ноѥ[1] съхранѣниѥ· епп̑ъ поставлѥнъ боудеть· повелѣвающемъ· и того[2] вьсѣми образъı· ѿ епп̑иа[3] изгънати і[4] дьрзноувъшаго чрѣсъ си поставити· аще ли къто оглⷯаниѥ[5] коѥ[6] сътворитъ·[7] на хотящаго поставити· или на епп̑а· или на попа· или на[8] диакона· или на клирика· или на игоумена· о каковѣи[9] оубо винѣ· да ожидетьсѧ таковоѥ поставлѥниѥ· и да боудеть пьрвѣѥ испъıтаниѥ[10] оглⷯаниа пришьдъшю оглⷯаномоу· и исходящю· прѣжевъзвѣщенъıимъ ѿ нѥго· аще ли остаѥтъ· и повѣдаѥть[11] на нь рѣчь[12] оглⷯьникъ· и тако[13] поставлѥниѥ хотѧи сътворити· възысканиѥ извѣсто[14] развѣ[15] трии мц̑ь· и аще повиньна обрѧщеть· оглⷯаниѥ подъимъшаго· или по бж̑ьствьнъıимъ канономъ·[16] или по нашемь законѣ· да[17] възбраниться поставлѥниа· аще ли неповиньнъ[18] ѥвитьсѧ· или ошьдъшю[19] оглагольникоу· или пришьдъшю· да боудеть поставлѥниѥ· аще ли

αὐτῷ ἢ τῷ χειροτονοῦντι αὐτὸν ἢ τοῖς τὰ ψηφίσματα εἰς αὐτὸν ποιησαμένοις. εἴ τις δὲ παρὰ τὴν μνημονευθεῖσαν παραφυλακὴν ἐπίσκοπος χειροτονηθῇ, κελεύομεν καὶ αὐτὸν πᾶσιν τρόποις τῆς ἐπισκοπῆς ἐκβάλλεσθαι καὶ τὸν παρὰ ταῦτα τολμήσαντα χειροτονῆσαι. εἰ δέ τις κατηγορίαν τινὰ ποιήσηται κατὰ τοῦ μέλλοντος χειροτονεῖσθαι ἢ ἐπισκόπου ἢ πρεσβυτέρου ἢ διακόνου ἢ ἄλλου κληρικοῦ ἢ καὶ ἡγουμένου ἐφ' οἱαδήποτε αἰτίᾳ, ἀναβαλλέσθω[1] ἡ τοιαύτη χειροτονία καὶ γινέσθω πρότερον ἐξέτασις τῆς κατηγορίας, παρόντος τοῦ κατηγόρου καὶ ἐπεξιόντος τοῖς παρ' αὐτοῦ προσαγγελθεῖσιν. εἰ δὲ καὶ ἀπολιμπάνοιτο καὶ ἀνακαλοῖτο ὁ κατήγορος, καὶ οὕτως ὁ τὴν χειροτονίαν ποιεῖσθαι μέλλων ζήτησιν ἀκριβεστάτην εἴσω μηνῶν τριῶν. καὶ εἰ μὲν ὑπεύθυνον εὕροι τὸν τὴν κατηγορίαν ὑπομείναντα εἴτε κατὰ τοὺς θείους κανόνας εἴτε κατὰ τοὺς ἡμετέρους νόμους, κωλυέσθω ἡ χειροτονία· εἰ δ' ἀνεύθυνος φανείη εἴτε παρόντος τοῦ κατηγόρου ἢ καὶ ἀπόντος, γινέσθω ἡ χειροτονία. εἰ δὲ

1) *исправл. по У;* въспоманованиѥ *Н.* 2) иного *С* (*вм.* и того). 3) епп̑а *С.* 4) і *проп. Н.* 5) ѿглⷯании *Н.* 6) некоѥ *Н.* 7) и *вставл. С.* 8) на *проп. П.* 9) какои *Н.* 10) *Н проп. слѣдующій дальше текстъ до словъ* влагати сѣдомь (*стр. 805 7*) *включит.* 11) повѣѥть *У.* 12) рѣчь *проп. У.* 13) то *С.* 14) извѣстова *С.* 15) равно *П.* 16) каномъ *У.* 17) да *проп. С.* 18) повинниъ *С.* 19) Ѿшѣшю *П;* Ѿшѣши *С.*

1) cod. переправл. изъ ἀναβάλλεσθαι.

оглѣникъ· или пришьдъ не покажетъ· аще ли и[1] **оубѣжитъ· аще ли клиникъ боудетъ да издринетьсѧ своє-**[2]
|го чинѹ· аще ли простеца вѹдетъ
подобное наказанїе претерпитъ· аще
ли кто прѣже испытанїа· оглънаго
поставитъ· поста[ви]вши же [и]
поставленыи ѿ чистителъства да
изринов[ен]ъ вѹдетъ· понеже во[3]
канономъ рцно [ѡ] съборѣхъ
прⷭ҇бныихъ епⷭ҇ъ· и дължаныихъ
по коемждо епархїи быти·[4] и
доселѣ несъхраненѣ нѹжданѣи есть
исправити· сⷮ҃тїи ѵво [апⷭ҇ли и
сⷮ҃тїи] оⷭ҇ци заповѣдаша второє
лѣто· бывати съборѹ· и прⷭ҇бныихъ чистителъ· и възникающаа[5]
испытавати· и подобнаго сподобляти оправленїа·[6] сирѣ единъ
въ четвертѹю недѣлю сⷮ҃ыа пантикостїа· дрѹгыи же въ мⷱ҇ѣ октамврѣ·
мы же обрѣтъше яже ѿ таковыа
лѣности въ многѣхъ грѣсѣхъ· и
различныихъ възверженї[7] быша·
повелѣваемъ всѣма[8] образы· единою
съборѹ бывати· въ коемждо лѣто·
въ всякои епархїи· или и[ю]ня·
или септембра[9] мⷱ҇ѣ и разѹмѣвати
преблаженыимъ патрїархомъ оны

ὁ κατήγορος, εἴτε παρὼν μὴ ἀποδείξῃ εἴτε ἀποφύγοι, εἰ μὲν κληρικὸς εἴη, ἐξωθείσθω τοῦ οἰκείου βα-(л. 285ᵃ)θμοῦ, εἰ δὲ λαϊκὸς εἴη, τὸν προσήκοντα σωφρονισμὸν ὑπομενέτω. εἰ δέ τις πρὸ ἐξετάσεως τὸν κατηγορηθέντα χειροτονήσῃ, ὅ τε χειροτονήσας καὶ ὁ χειροτονηθεὶς τῆς ἱερωσύνης ἐξωθείσθω.

Ἐπειδὴ δὲ τὸ τοῖς κανόσιν εἰρημένον περὶ τῶν συνόδων τῶν ὁσιωτάτων ἐπισκόπων καὶ τῶν ὀφειλουσῶν καθ' ἑκάστην ἐπαρχίαν γίνεσθαι μέχρι τοῦ νῦν παραφυλαχθέντων ἀναγκαιότατόν ἐστιν ἐπανορθώσασθαι, οἱ μὲν ἅγιοι ἀπόστολοι καὶ οἱ ἅγιοι πατέρες ὥρισαν δεύτερον ἔτους ἑκάστου γίνεσθαι συνόδους τῶν ὁσιωτάτων ἱερέων ἑκάστης ἐπαρχίας καὶ τὰ ἀναφυόμενα ἐξετάζεσθαι καὶ τῆς προσηκούσης ἀξιοῦσθαι διορθώσεως, τουτέστιν μίαν μὲν τῇ τετράδι ἑβδομάδι τῆς ἁγίας ν′, τὴν δὲ ἄλλην[1] κατὰ τὸν ὀκτώβριον μῆνα· ἡμεῖς δὲ εὑρόντες, ὡς ἐκ τῆς τοιαύτης ἀμελείας ὡς πολλοῖς ἁμαρτήμασιν διαφόροις περιεβλήθησαν, κελεύομεν πᾶσι τρόποις μίαν σύνοδον γίνεσθαι καθ' ἕκαστον ἔτος ἐν ἑκάστῃ ἐπαρχίᾳ ἢ τῷ ἰουνίῳ ἢ τῷ σεπτεμβρίῳ μηνί, καὶ συνιέναι παρὰ μὲν τοῖς μακαριωτάτοις πατριάρχαις ἐκείνους

---

1) и *проп. C.* 2) *здѣсь кончается основная рукопись; весь остальной текстъ collectio 93 capp. берется изъ C л. 295ᵇ—310ᵃ, какъ основного.* 3) оубо *У.* 4) бывати *ПУ.* 5) възникающаа *П.* 6) оправьданиа *У.* 7) въвръженїи *ПУ.* 8) всѣми *П.* 9) семвра *У.*

1) τὴν δὲ ἄλλην вставл. cod.

л. 296 a. ѿ нихъ поставлаемыіа· не имѹщема[a] | правѣнаго· инаі епп҃ы поставлати· ѿ преподовныі҃[1] же митрополитъ· коеажде епархїа· поставлаемыимъ ѿ ни҃ на ни҃же подъвижимыіа[2] вины· или ѿ нѣкыі҃ прѣжедвижимыіа вины или ѿ никыі҃[3] прѣжевъзвѣщаемаа· или виною вѣры· или правилныі҃ въздисканїа или строенїа цр҃квныихъ вещи и[4] о епп҃ѣхъ и попѣхъ· или о дїаконѣхъ· или о инѣхъ клирицѣхъ· или о игѹменѣхъ[5] или мнисихъ· или ѿ неначаемыі҃ [жи]тїа· или ѡ инѣхъ кы҃· трѣвѹющи҃[6] исправленїа происѹцати бж҃ественыими канонꙑ· и нашимъ закономъ съключающеса· не токмо же· на коеждо [лѣто] бываюшиі҃ съборѣхъ·[7] сего[8] возискати·[9] нъ елишада аще оглани бѹдѹтъ нѣцїи ѿ чистителꙗ· или ѿ клирикъ или ѿ игѹменъ· или[10] ѿ мниихъ· или ѡ[11] вѣрѣ· или о срамънѣма житїи· илѣ чрѣсъ бж҃ественыа канонꙑ своа творашїимъ· аще епп҃ъ бѹдетъ оглемъ· того мр҃ополитѹ· испытавати[12] глемаа· аще ли митрополитъ бѹдетъ· прѣблаженаго епп҃а[13] по҃[14] нимъже дана[15] даетъ

τοὺς παρ' αὐτῶν μὲν χειροτονουμένους μὴ ἔχοντας δὲ δίκαιον ἄλλους ἐπισκόπους χειροτονεῖν, παρὰ δὲ τοῖς ὁσιωτάτοις μη(л. 285[b])τροπολίταις ἑκάστης ἐπαρχίας τοὺς[1] ὑπ' αὐτῶν χειροτονουμένους, ἐφ' ᾧ τὰς κινουμένας αἰτίας ἢ τὰ παρά τινων προαγγελλόμενα ἢ προφάσει πίστεως ἢ κανονικῶν ζητήσεων ἢ διοικήσεως ἐκκλησιαστικῶν πραγμάτων ἢ περὶ ἐπισκόπων ἢ πρεσβυτέρων ἢ διακόνων ἢ ἄλλων κληρικῶν ἢ ἡγουμένων ἢ μοναχῶν, ἢ περὶ κατεγνωσμένου βίου ἢ καὶ ἄλλων τινῶν δεομένων ἐπανορθώσεως κινεῖσθαί τε καὶ προσηκόντως ἐξετάζεσθαι, καὶ τὴν ἐπ' αὐτοῖς διόρθωσιν προσιέναι τοῖς θείοις κανόσιν καὶ τοῖς ἡμετέροις νόμοις συμβαίνουσιν. μὴ μόνον δὲ ἐν ταῖς καθ' ἕκαστον ἔτος γενησομέναις[2] συνόδοις τοῦτο ζητεῖσθαι, ἀλλὰ καὶ ὁσάκις ἄν τινες κατηγορηθεῖεν τῶν ἱερέων ἢ κληρικῶν ἢ ἡγουμένων ἢ μοναχῶν ἢ περὶ πίστεως ἢ περὶ αἰσχροῦ βίου ἢ ὡς παρὰ τοὺς θείους κανόνας τὰ ἴδια πραττομένοις· εἰ μὲν ἐπίσκοπος εἴη ὁ κατηγορούμενος, τὸν τούτου μητροπολίτην ἐξετάζειν τὰ λεγόμενα, εἰ δὲ μητροπολίτης εἴη, τὸν μακαριώτατον ἀρχιεπίσκοπον ὑφ' ὃν τελεῖ,

---

1) преподовѣ҃ный *coa.* 2) движимыа *ПУ.* 3) прѣжедвижимыа вины или ѿ никый *прот. ПУ.* 4) или *ПУ.* 5) гоуменѣхъ *У.* 6) трѣвѣющій *П.* 7) съборѣ *У.* 8) сево *cod.* 9) *cod. переправл. изъ* возистати. 10) и *П.* 11) ѿ *cod.* 12) испытовати *У.* 13) прѣблаженномоу епп҃коу *ПУ.* 14) нѣ *вставл. У.* 15) данъ *вставл. cod.*

1) τῶν cod. 2) γενησομένοις cod.

аще ли попъ или дїаконъ· или дрꙋгыи клирикъ·[1] или игꙋменъ· или мнѣ прⷭ҇бномꙋ[2] епⷭ҇ꙋ подъ нимъже и[3] ти дана даютъ· испытовати въꙁкѣщенїа· и истѣнѣ авлающиса·[4] коежде съблажненїю·[5] въ правилное ꙁапрѣщенїе | вълагати· сꙋдомъ[6] истꙗжающаго·[7] сїа же вса держати· не токмо на поставлаемыихъ по сихъ епⷭ҇[ѣх]ъ же[8] и клирицѣхъ· и на игꙋменѣхъ· нъ и на иныи[9] сꙋщїихъ· и ѿ нѣкыихъ ꙗко въ правдꙋ· нѣкыими винами ѿреченыими [вѣжествеными][10] каноны· и нашїимъ ꙁакономъ оглемыихъ· симъ же тако съхраненомъ·[11] и простїи· многа ѿ сихъ сподобляютса·[12] о[13] правѣи[14] же вѣрѣ· и чистаго житїа прѣспѣванїа[15] исправленїа· къ симъ повелѣваемъ всѣмъ[16] епⷭ҇омъ же[17] и попомъ·[18] не [по] молчанїю· нъ съ великомъ гласомъ вѣрныимъ людемъ оуслышаныи бжⷭ҇твеное приношеніе·[19] и еже на сⷪ҇тѣмъ крⷭ҇щенїи мⷭ҇твы творити· ꙗко ѿтꙋдꙋ оубо[20] послꙋшающїимъ· дша на болшее оумиленїе· и[21]

εἰ δὲ πρεσβύτερος ἢ διάκονος ἢ ἄλλος κληρικὸς ἢ ἡγούμενος ἢ μοναχός, τὸν ὁσιώτατον ἐπίσκοπον καὶ ὑφ' ὃν οὗτοι τελοῦσιν ἐξετάζειν τὰ προσαγγελλόμενα, καὶ τῆς ἀληθείας ἀποδεικνυμένης ἕκαστον πρὸς τὸ πταῖσμα κανονικοῖς ἐπι(л. 286ª)τιμίοις ὑποβάλλεσθαι τῷ κρίματι τοῦ ἐξετάζοντος. л. 296 b.
ταῦτα δὲ πάντα κρατεῖν μὴ μόνον ἐπὶ τῶν μετὰ ταῦτα χειροτονουμένων ἐπισκόπων τε καὶ κληρικῶν καὶ ἡγουμένων, ἀλλὰ καὶ ἐπὶ τῶν νῦν ὄντων καὶ ὑπό τινων ὡς εἰκὸς ἐπί τισιν αἰτίαις ἀπηγορευμέναις τοῖς θείοις κανόσιν καὶ τοῖς ἡμετέροις νόμοις κατηγορουμένων. τούτων γὰρ οὕτω φυλαττομένων καὶ οἱ λαϊκοὶ πολλῆς ἐντεῦθεν περί τε τὴν ὀρθὴν πίστιν καὶ τὸν σεμνὸν βίον προκοπῆς καὶ ἐπανορθώσεως ἀξιωθήσονται.

Πρὸς τούτοις κελεύομεν πάντας ἐπισκόπους τε καὶ πρεσβυτέρους μὴ κατὰ τὸ σιωπόμενον, ἀλλὰ μετὰ φωνῆς τῷ πιστοτάτῳ λαῷ ἐξακουομένης τὴν θείαν προσκομιδὴν καὶ τὴν ἐπὶ τῷ ἁγίῳ βαπτίσματι προσευχὴν ποιεῖσθαι, πρὸς τὸ κάντεῦθεν τὰς τῶν ἀκουόντων ψυχὰς εἰς πλείονα κατάνυξιν καὶ

---

1) и *вставл. У.* 2) же *вставл. ПУ.* 3) и *проп. П.* 4) истинѣ авлающїисѧ *П.* 5) съблажнию *У.* 6) *отсюда опять есть текстъ въ Н.* 7) истꙗзающаго *НПУ.* 8) же *проп. Н.* 9) ны *ПУ*; нына *Н.* 10) *вставка изъ ПУ.* 11) сохранити *Н.* 12) сподобатсѧ *ПНУ.* 13) о *проп. Н.* 14) и *Н.* 15) и *вставл. Н.* 16) всѣмъ *проп. Н.* 17) же *проп. П.* 18) всемъ *вставл. Н.* 19) прошение *У*; бжⷭ҇твьныхъ приношений *Н.* 20) оубо *проп. Н.* 21) и *проп. Н.*

къ славословленїю [1] вѣчанїю въставлати· тако бжественыи оучитель· и апл̃ъ оучитъ [2] гл̃а· къ перѣемъ посланїи· къ коренфиомъ· понеже
5 аще бл̃гословиши дхомъ· исполнѧи [3] мѣсто невѣжда· како рече аминъ бу̃ [4] о твоемъ бл̃годарен̈ии· нъ понеж[е т]ы [5] глеши не вѣмъ ты бо добрѣ бл̃го-
10 дариши· нъ дрꙋгыи не [6] гра-
жѧетьсѧ· [7] и пакы къ римлѧномъ сице глетъ ср̃це оубо вѣрꙋетсѧ· въ правдꙋ· оустъı же исповѣ-
даетсѧ [8] въ спсен̈ie· сихъ ꙋбо
15 подобаетъ стомꙋ приношенїю· и
л. 297 a. ины мт̃вы съ | глсомъ ѿ пре-
подобныи̯ же епп̃ъ же и попове̯ъ приносити гꙋ̃ и [9] хꙋ̃ бу̃ нашемꙋ· съ оц̃емъ и съ [10] стыимъ дхомъ·
20 вѣдꙋще[мъ] чистителемъ· ꙗко аще чесо [11] ѿ сихъ прѣзрѣмъ· [12] и страшномꙋ сдꙋ̃ велик[аг]о [13] ба· и спа нашего ѿвѣщаютъ· ни мы сихъ [14] вѣдꙋще ꙁмолчимъ· или не-
25 строина [15] оставимъ· повелѣваемъ ꙋбо [16] епарх̈искыимъ кнѧземъ· или

τὴν πρὸς τὸν δεσπότην διανίστασθαι δοξολογίαν· οὕτως γὰρ καὶ ὁ θεῖος διδάσκαλος ἀπόστολος διδάσκει, λέγων ἐν τῇ πρὸς Κορινθίους πρώτῃ ἐπιστολῇ· Ἐπεὶ ἐὰν εὐλογῇς ἐν πνεύματι, ὁ ἀναπληρῶν τὸν τόπον τοῦ ἰδιώτου πῶς ἐρεῖ τὸ ἀμὴν τῷ θεῷ ἐπὶ τῇ σῇ εὐχαριστίᾳ, ἐπειδὴ τί λέγεις οὐκ οἶδεν; σὺ μὲν γὰρ καλῶς εὐχαριστεῖς, ἀλλ' ὁ ἕτερος οὐκ οἰκοδομεῖται. καὶ πάλιν ἐν τῇ πρὸς Ῥωμαίους οὕτως λέγει· Καρδίᾳ μὲν πιστεύεται εἰς δικαιοσύνην, στόματι (л. 286[b]) δὲ ὁμολογεῖται εἰς σωτηρίαν. διὰ ταῦτα τοίνυν προσήκει τῇ ἁγίᾳ προσκομιδῇ καὶ τὰς ἄλλας προσευχὰς μετὰ φωνῆς παρὰ τῶν ὁσιωτάτων ἐπισκόπων τε καὶ πρεσβυτέρων προσφέρεσθαι τῷ κυρίῳ Ἰησοῦ Χριστῷ τῷ θεῷ ἡμῶν σὺν πατρὶ καὶ τῷ ἁγίῳ πνεύματι, γινωσκόντων τῶν ἱερέων, ὡς εἴπερ τι τούτων παρείδοιεν, καὶ τῇ φοβερᾷ κρίσει τοῦ μεγάλου θεοῦ καὶ σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ ἀπολογήσονται καὶ οὐδὲ ἡμεῖς ταῦτα γινώσκοντες ἐφησυχάσομεν ἢ ἀνεκδίκητα κατακαλύπτομεν. κελεύομεν δὲ καὶ τοὺς τῶν ἐπαρχιῶν ἄρχοντας, ἢ

---

1) словословленню *H.* 2) оучитель *P.* 3) *надъ* ѧ *и* ⁿ *надъ* и *рукой XV в. добавл. H, гдѣ* исполнѧи. 4) ѣоу̃ амінь *H.* 5) *исправл. по HУ; ты проп. P.* 6) не *H рукой XV в.* 7) сграженъ *H.* 8) испывѣдается *cod.*; и *У, потому что съ концомъ л. 153[b] обрывается и весь текстъ главы 87 до конца.* 9) ѣоу̃ їсу̃ *H (вм.* гѕ и). 10) съ *проп. H.* 11) что *H.* 12) презрить *H.* 13) *исправл. по H.* 14) и нн сиχ мы *H (вм.* нн мы сиχъ). 15) нестроюна *H.* 16) и *вставл. H.*

облинившеса [1] что ѿ на̂ законоположенїе видать· [2] первое бко наводити митрополитомъ и инѣмъ епп̂омъ реченыа съборы творити· и всѧ исполнати [3] елико же съборомъ пришѣшаго ра̂ повелѣхомъ закона· аще ли ожидающа [4] бѣдать· [5] тогда възвѣстить [6] намъ· на прихожденїе ѿ на̂ подобнаго исправленїа на ожидающїихъ съборы творити· съвѣдущема самѣма же· [7] кнѧземъ и покаряющимъся имъ чиномъ· ꙗко аще сихъ не сохранать· въ послѣдняа ложени вѣдоӱ мученїа· извѣстуема [8] же· пришѣшаго ради закона· всѧ ѿ [9] санъвъ [10] различныихъ повелѣнїи [11] възаконоположенаѧ· [12] о епп̂ѣхъ же и оц̃ѣхъ и [13] прочиⷯ клирицѣхъ и къ симъ гостинницамъ· и [14] нищекормацемъ· и прочїимъ· елико ꙗ бл̃гочестивыа домы прѣстоящемъ намъ· и сего ради бж̃твенаго вѣлѣющи законом̃ твоѧ с̃ава | оусердїемъ на обычьнаѧ мѣста· цр̃ьскаго града прѣдъложенымъ въ разумъ всѣмъ привести· да потъщися [15] вѣ сътворити [16] епархїискыимъ игуменомъ· [17]

παραμελουμένων τινῶν παρ' ἡμῶν νομοθετηθέντων εἴδοιεν, πρῶτον μὲν κατεπείγειν τοὺς μητροπολίτας καὶ τοὺς ἄλλους ἐπισκόπους τὰς εἰρημένας συνόδους ποιεῖσθαι καὶ πάντα πληροῦν, [1] ὅσα διὰ τῶν συνόδων διὰ τοῦ παρόντος παρακελευσάμεθα νόμου· εἰ δὲ ἀναβαλλομένους αὐτοὺς εἴδοιεν, τινικαῦτα μηνύειν ἡμῖν πρὸς τὸ ἐξ ἡμῶν τὴν προσήκουσαν διόρθωσιν προσιέναι κατὰ τῶν ὑπερτιθεμένων τὰς συνόδους ποιεῖν, ἐπισταμένων αὐτῶν τε τῶν ἀρχόντων καὶ τῶν πειθομένων αὐτοῖς τάξεων, ὡς εἴπερ μὴ ταῦτα παραφυλάξουσιν, ἐσχάταις ὑποβληθήσονται τιμωρίαις. βεβαιοῦμεν δὲ καὶ διὰ τοῦ παρόντος νόμου ἅπαντα τὰ παρ' ἡμῶν ἐν διαφόροις διατάξεσιν (л. 287ª) νενομοθετημένα περί τε ἐπισκόπων καὶ πατέρων [2] καὶ λοιπῶν κληρικῶν καὶ πρός τε ξενοδόχων καὶ πτωχοτρόφων καὶ τῶν λοιπῶν, ὅσοι εὐαγῶν οἴκων προΐστανται. ἡμῖν καὶ διὰ τοῦδε τοῦ θείου δηλούμενα νόμου ἡ σὴ ἐνδοξότης διὰ προθημάτων κατὰ τοὺς συνήθεις τόπους τῆς βασιλίδος πόλεως προστεθειμένων εἰς γνῶσιν πάντων ἀγαγεῖν σπουδασάτω καὶ καταφανῆ ποιῆσαι τοῖς τῶν ἐπαρχιῶν ἡγουμένοις.

---

1) ѡбл̃кнившеса *H.* 2) вѣдать *ПН.* 3) исполнѧ *H.* 4) ѡжидающаго ради ѡжидають и *H* (*вм.* ожидающа). 5) вѣдать *H.* 6) възвѣстать *H.* 7) и *вставл. H.* 8) извѣстоуим *H.* 9) ѡ *H.* 10) насъ *H;* въ *вставл. H.* 11) повелѣни *H.* 12) възаконоположенна *H.* 13) ѡ *вставл. П.* 14) к *вставл. H.* 15) потщимся *H.* 16) створиши *H.* 17) *cod. добавл. киноварью:* досюда крано.

1) cod. переправл. изъ плнрѡн. 2) пр̃ѡн cod.

пи· [1] Иако повелѣнѹ быти числѹ и клирическомѹ прⷭтыа цр҃кве· и прочїихъ прⷭтый цр҃ква·

5 епифанїю архїепⷭкопу костантина града:

Окрⷭщїимъ оубо и вѣчанимъ закономъ· къ прѣблаженствѹ [твоемѹ] и къ прочїимъ прⷭстыимъ патрїархомъ· написанныимъ ѡ поставленїа благочестивыи епⷭкпъ· и благовоꙁнивыи клирикъ и жено [2] слѹжебница· ꙗко большемъ быти дрѣвѣа вѣры поставляемыа въобразихомъ еже в[ам]ъ изволися· обильно же и подобно имѣти· и сщенын канонъ достоиныа· пришѣшїи же законъ о семъ къ твоемѹ блаженствѹ пишемъ о числѣ благовоꙁнивыи клирикъ· сде вѣчатеныи поне[же] бо никако же просто сѹщїихъ въ кецисалїи· добрѣ подобно ѹбо вѹдеть· ни поставленїю о благовоꙁникѣхъ [3] клирѣцѣхъ ѕывати· толикѹ· ꙗко тѣхъ питанїемъ· пр҃тѣ[и] цр҃кви въ ꙁаимованїе въпадати потрѣба великыихъ и по малѹ на послѣднее· недомыслїе въвести· тѣмь [4] бо ѡ таковыа винидр҃скаго града· пр҃тѹю и великѹю цр҃квь

〈πη′.〉 Περὶ τοῦ ὡρισμένον εἶναι τὸν ἀριθμὸν τῶν κληρικῶν τῆς ἁγιωτάτης ἐκκλησίας καὶ τῶν λοιπῶν ἁγιωτάτων ἐκκλησιῶν.

Ἐπιφανίῳ ἀρχιεπισκόπῳ Κωνσταντινουπόλεως.

Ἤδη μὲν κοινῷ τε καὶ γενικῷ νόμῳ πρός τε τὴν μακαριότητα τὴν σὴν καὶ τοὺς λοιποὺς ἁγιωτάτους πατριάρχας γεγραμμένῳ τὰ περὶ τῆς χειροτονίας τῶν εὐαγῶν ἐπισκόπων καὶ εὐλαβεστάτων κληρικῶν καὶ γυναικῶν γε μὴν διακόνων, καὶ τοῦ πλείους εἶναι τῶν ἐξ ἀρχῆς μέτρου τοὺς χειροτονουμένους διετυπώσαμεν, ὅπερ ὑμῖν ἐδόκει ἱκανῶς τε καὶ προσηκόντως ἔχειν καὶ τῶν ἱερῶν κανόνων ἄξίους. τὸν δὲ παρόντα νόμον ἰδικῶς πρὸς τὴν σὴν μακαριότητα γράφομεν περὶ τοῦ ἀριθμοῦ τῶν εὐλαβεστάτων κληρικῶν τῶν ἐνταῦθα διαταξάντων· (л. 287[b]) ἐπειδὴ γὰρ οὐδὲν σχεδὸν τῶν ἐν ἀμετρίᾳ καλόν, προσῆκον ἂν εἴη μηδὲ τὰς χειροτονίας περὶ τοὺς εὐλαβεστάτους κληρικοὺς γίνεσθαι τοσαύτας, ὡς ταῖς [1] ἐκείνων ἀποτροφαῖς τὴν ἁγιωτάτην ἐκκλησίαν εἰς δανεισμάτων ἐμπίπτειν χρείαν μεγάλων καὶ κατὰ μικρὸν εἰς τὴν ἐσχάτην ἀπορίαν καταφέρεσθαι. ἴσμεν γὰρ παρὰ τὴν τοιαύτην πρόφασιν τῆς βασιλίδος πόλεως ἁγιωτάτην μεγάλην ἐκκλησίαν,

1) *Въ составъ У глава 88 не входитъ.* 2) жинъ *П.* 3) благовоꙁнивыи *П.* 4) вѣмь *П.*

1) τῶναῖς cod., но ῶν обведено точками.

нашего цр҃ства· ни заимованїемъ стѫжаемѫ великаго҃ ни инако могѫщѫ коежде сътворити подаваніе благословнивыимъ
5 клирикомъ не аще прежде злато бещисленo· заимета творящемъ се бво заклады· се же залогъ даніе [въ] добрыи селѣхъ и въ всѣхъ· сихъ ради бво
10 съвѣмъсѧ· низавести [къ] възисканїю вещи· и бѣдѣти нѣкыи бво образ предѣ имаше как же лѣта долготѫ изврѣте· исльдивше оубо и весьде обрѣтаемъ· ꙗко же и
15 кыиждо пр҃тыа цр҃кве съзьдавшїихъ оу блаженаго того града създанїе попечетсѧ [1] тъкмо· нъ и поданїе [2] доволно дати сѫщїимъ ѿ него бл҃гочестивыи-
20 имъ· подобно есть попо҃ коеи҃жо цр҃кви· колицѣмъ же дїакономъ мѫжемъ же и женамъ колицѣмъ же и поа҃ѩкономъ и
25 авїе пѣвцемъ и четьцемъ и дворникомъ бытi· и къ семѫ дов[ол]ное издание [3] заповѣдати и прѣбытокъ свои дасть довольныи и прѣстоѧщїи емѫ· аще
30 ли кто притворитъ множьство· к томѫ ѿнюдь простирати силѣ· и прѣбыти до многа таковаѧ хранимаѧ и до сего вѣ· прѣбыша

τὴν τῆς ἡμετέρας βασιλείας, μήτε δανείσμασιν ἐνοχλουμένην μεγάλοις, καὶ οὐκ ἄλλως ἰσχύουσαν ἑκάστην ποιεῖσθαι διάδοσιν τοῖς εὐλαβεστάτοις κληρικοῖς, πρὶν ἂν χρυσίον οὐ μέτριον δανείσαιτο, ποιουμένων τοῦτο μὲν ὑποθήκας, τοῦτο δὲ καὶ ἐνεχύρων δόσεις ἐν τοῖς καλλίστοις χωρίοις τε καὶ προαστείοις. διὰ ταῦτα τοίνυν συνείδομεν ἑαυτοὺς καθεῖναι πρὸς τὴν τοῦ πράγματος ζήτησιν καὶ μαθεῖν, τίνα μὲν τρόπον ἔμπροσθεν εἶχεν, τί δὲ τὸ τοῦ χρόνου μῆκος ἐξεῦρεν. ἀνιχνεύοντες τοίνυν αὐτὸ πανταχόθεν εὑρίσκομεν, ὡς ἕκαστος τὰς ἁγιωτάτας ἐκκλησίας οἰκοδομησάντων ἐπὶ τῆς εὐδαίμονος ταύτης πόλεως οὐκ οἰκοδομίας ἐφρόντισεν μόνον, ἀλλὰ καὶ τοῦ χορηγίαν αὐτάρκη δοῦναι τοῖς παρ' αὐτοῦ γενομένοις εὐαγέσι. προσῆκόν ἐστιν πρεσβυτέρους (л. 288ᵃ) καθ' ἑκάστην ἐκκλησίαν, πόσους τε διακόνους, ἀρρενάς τε καὶ θηλείας, πόσους τε ὑποδιακόνους, καὶ αὖθις ψάλτας τε καὶ ἀναγνώστας καὶ πυλωροὺς καθιστάναι καὶ πρὸς τοῦτο καὶ τὴν τοῦ οἴκου δαπάνην ὁρίσαι καὶ πρόσοδον οἰκείαν ἔδωκεν, ἀρκοῦσαν τοῖς παρ' αὐτοῦ καταστᾶσιν. [1] εἰ δέ τις προσεπιθείη πλῆθος, οὐκέτι παντελῶς ἐκτείνεσθαι δυνατήν, καὶ διαμεῖναί τε μέχρι πολλοῦ τὰ τοιαῦτα φυλαττόμενα, καὶ ἕως τοῦτο ἦν, ἔμεινεν καὶ

л. 298 a.

1) попечесѧ *П.* 2) подае *П.* 3) нѣзаніе *П.*

1) καταστάσειν cod.

стѣихъ цр҃ковь своими доволнаѧ· ꙗко же бг҃олюбивїи епп҃и молєнїи нєкыихъ присно вънемлюще изведени[1] быша къ множьствꙋ по-
л. 298 b. ставлѧемыихъ | расташе· количьство оубо иждивїа и безчисленое много· заимодавци же весѣде и лихвы и прочее не и за[н]мадавци·[2] за невѣрїе оуже вещи нъ
распроданїа нꙋжда[3] и безаконное[4] и вещи безлѣпотныи ни своего коинъства·[5] достоины цѣломдрїа· ꙗко таковаго зла· ни веси ни села довлѣти завѣты и за-
логы· ни заимодавцемъ сего ради мощи· нъ въ недомыслїе сънити вс҃ма· да ни самѣмъ слꙋжащїимъ кърмлѣ подавати мощи страстныи пꙋть вещь съвести·
еже сꙋщїихъ заимодавце[мъ] простьрети еже и глати лѣнимсѧ и ꙗко же ꙋбо не вѣдеть промышлѧемъ· аще бо[6] никто же не изнесеть къ издавающомꙋ паче
сꙋщаго емꙋ притажанїа канони о сихъ намъ попещисѧ не подобаеть бо къ издаванїю възыскати и стажанїю· се бо на весытьство вькꙋпь· и на вечьстїе[7]
приводить· нъ сꙋщи[8] измѣрити издаванїа ꙗко подо[в]но и

τὰ τῶν ἁγίων ἐκκλησιῶν τοῖς οἰκείοις ἀρκούμενα. ὡς δὲ οἱ θεοφιλέστατοι ἐπίσκοποι ταῖς δυσωπήσεσίν τινων ἀεὶ προσέχοντες ἐξήχθησαν πρὸς τὸ τῶν χειροτονουμένων πλῆθος, ηὔξητο[1] μὲν ἡ τῆς δαπάνης ποσότης εἰς ἀμετρίαν πολλήν, δανεισταὶ δὲ πανταχόθεν καὶ τόκοι, καὶ τὸ τελευταῖον οὐδὲ δανεισταὶ λοιπὸν διὰ τὴν ἀπιστίαν ἤδη τοῦ πράγματος, ἀλλ' ἐκποιήσεις τε ἠναγκασμέναι καὶ παράνομοι καὶ πράγματα ἀπρεπῆ καὶ οὐδὲ οἰκείας ἰδιωτικῆς ἄξια σωφρονούσης· ὥστε ἡ τοιαύτης ἀτοπίας μηδὲ τὰ χωρία μηδὲ τὰ προαστεῖα ἐξαρκεῖν ταῖς ὑποθήκαις καὶ τοῖς ἐνεχύροις, μηδὲ δανειστῶν διὰ τοῦτο εὐπορεῖν, ἀλλ' εἰς ἀπειρίαν κατελθεῖν παντελῆ, καὶ μηδ' αὐτοῖς λειτουργοῦσι τὴν ἀποτροφὴν διδόναι δύνασθαι, ἀθλιωτάτην ὁδὸν τὸ πρᾶγμα καταφέρεσθαι, τὸ τῶν ὄν(л. 288[b])των ἁπάντων τοῖς δανεισταῖς ἐκτεῖναι. ὅπερ καὶ λέγοντες ὀκνοῦμεν καὶ ὅπως ἂν μὴ γένοιτο προνοοῦμεν· εἰ γὰρ οὐκ ἄν τις ἐνέγκοι πρὸς τὸν ὑπὲρ τὴν οὖσαν αὐτῷ περιουσίαν δαπανῶντα, πῶς οὐχὶ καὶ τὰ περὶ τούτων ἡμῖν φροντιστέον; οὐ γὰρ δεῖ[2] πρὸς τὰς δαπάνας ἐπιζητεῖν καὶ τὰς κτήσεις (τοῦτο γὰρ εἰς ἁπληστίαν τε ὁμοῦ καὶ ἀσέβειαν ἄγει), ἀλλὰ τοῖς οὖσιν συμμετρεῖν καὶ τὰς δαπάνας. ὥστε προσηκόντως καὶ

1) изведенїи *II.* 2) заимодавци *II.* 3) нꙋжна *II.* 4) безаконїа *II.* 5) конств[а] *II.* 6) и *вставл. II.* 7) высчествїе *II.* 8) съсꙋщїи *II.*

1) ηὔξητοὐ cod. 2) δὴ cod.

о сихъ законъ положимъ· и незаповѣданїе измѣтаемъ вещи предающе ищѣленіе· повелѣваемъ бо достоины ны сущая въ тои прѣстѣи цр҃кви и прочїимъ всѣмъ· бл҃гочестивыимъ[1] клирикомъ и женамъ служевницѣ и вратаремъ прѣбывати на немъже сѵ҃тъ образѣ· не сущаго | бо ѵ҃маляемъ промыслъ же бѵ҃дѵщаго· творящїимъ· тое же законополагаемъ прочаго же лѣта· ни единого же да не бѵ҃детъ поста҆вленїа дон҃дѣ оуво на началное число поставленое ѿ прѣтыихъ цр҃квъ съгражающїихъ· или ѿ бл҃говоз҃нивыихъ клирикъ поставляется количьство· но понеже прѣже и клирическая вѣра[2] прѣтыа цр҃кве· цр҃скаго нашего града заповѣдана бы҃ и сѣло съпратана бѣ· ꙗко же единои сущи прѣтѣи цр҃кви· покланяемы домы сѵ҃тыа[3] прѣславныа дв҃ы и вц҃а маріа· иже къ прѣт[и] и велицѣ[и] цр҃кви съсѣдѣхъ[4] сы создана быстъ ѿ бл҃гочестивыа кончины ерины· причистыи же храмъ сѵ҃го мч҃ка ф҃еѡ҃ра въ памать славнѹю споракїа осм҃енъ быстъ· иже и покланяемыи сѵ҃тыа ерены[5] съ сѵ҃тою великою цр҃квью

τὰ περὶ τούτων νομοθετήσομεν καὶ τὴν ἀοριστίαν ἐκβαλοῦμεν, τῇ τὸ πρᾶγμα παραδιδοῦντες θεραπείᾳ. θεσπίζομεν τοίνυν τοὺς μὲν ἄχρι νῦν ὄντας κατὰ τὴν αὐτὴν ἁγιωτάτην ἐκκλησίαν καὶ τοὺς λοιποὺς ἅπαντας εὐαγεῖς οἴκους εὐλαβεστάτους κληρικοὺς καὶ γυναῖκας διακόνους καὶ πυλωροὺς μένειν ἐφ' οὗπερ εἰσὶν σχήματος· οὐ γὰρ τὸ ὂν ἐλαττοῦμεν, πρόνοιαν δὲ τοῦ μέλλοντος ποιούμενοι ταὐτὸν νομοθετοῦμεν. τοῦ δὲ ἑξῆς χρόνου μηδεμία γενέσθω χειροτονία, μέχρις ἂν εἰς τὸν ἐξ ἀρχῆς ἀριθμὸν τὸν στάντα παρὰ τὰς ἁγιωτάτας ἐκκλησίας οἰκοδομησαμένων ἢ τῶν εὐλαβεστάτων κληρικῶν περισταίη ἡ ποσότης. ἀλλ' ἐπειδὴ πρώην καὶ τὸ τῶν κληρικῶν τῆς ἁγιωτάτης ἐκκλη(л. 289ᵃ)σίας τῆς βασιλίδος ἡμῶν πόλεως ὥριστο μέτρον, καὶ σφόδρα συνεσταλμένον ἦν, οἷα μιᾶς οὔσης τῆς ἁγιωτάτης μεγάλης ἐκκλησίας, ὅ τε προσκυνητὸς οἶκος τῆς ἁγίας ἐνδόξου παρθένου καὶ θεοτόκου Μαρίας, ὁ πρὸς τῷ τῆς ἁγιωτάτης μεγάλης ἐκκλησίας γειτονήματι κείμενος ᾠκοδομήθη παρὰ τῆς εὐσεβοῦς τῇ λήξει Βηρένης, ὅ τε σεβάσμιος οἶκος τοῦ ἁγίου μάρτυρος Θεοδώρου Σπαρακίου τοῦ τῆς ἐνδόξου μνήμης ἀνιερώθη, ἣν δὴ καὶ ὁ προσκυνητὸς οἶκος τῆς ἁγίας Εἰρήνης ὁ τῇ ἁγιωτάτῃ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ л. 299 a.

1) бл҃гочестныимь *II*, съ *добавл.* и бл҃говозниивыимъ. 2) мѣра *II*. 3) и *вставл. II*. 4) съѕдѣ *II*. 5) ерины *II*.

сѣкѹплень· того ради поставити число на древнѣмь образѣ немощный̃ есть· не довлѣють бо мало ихъ сѹще· понеже [1] не ссобѣ клирикы· никто же о тѣхъ имать три домовъ· обьщи же сѹть престы̃а цр̃кве· и сїа вси обиходать по нѣкоемѹ обиходѹ и градѹ· слѹжбы въ ни̃ творяще но ꙗко многѹ множьствѹ ѿ прѣжднихъ еретикъ къ сты̃и цр̃кви· преведенѹ [2] бл̃годати ѹко великаго кг̃а и сп̃са нашего ис̃ъ хр̃а· | трѹды же и [3] л. 299 b. повелѣнииими нашими· подобаеть болшїихъ исперва въ бл̃гочестивѣмъ слѹженїи на [4] слѹжбѹ ѿслѹчити· ꙗко же и [5] повелѣва[е]мъ не боле быти попові рд̃ъ въ великїи цр̃кве слѹгъ же мѹжескаго полѹ· въ число ѡписсf· аугатін [6] и женьскый̃ слѹгъ иподїаконъ же· носинїа [7] четаицемь же ѯсс· [7] понеже и [8] пѣвець [9] ҫiҫiніокѡнsн· [7] дондеже быти всемѹ числѹ бл̃говоѧзнивы̃й клирикъ· престы̃а великыа цр̃кве въ· ѵ̃· кѣ· тиіп [7] къ симъ нарицаемыихъ братарь· къ пр̃тѣи ѕко [10] συνημμένος, διὰ τοῦτο περιστῆναι τὸν ἀριθμὸν εἰς τὸ ἀρχαῖον σχῆμα τῶν ἀδυνάτων ἐστίν· οὐ γὰρ ἂν ἀρκέσειεν τοσαύταις ἐκκλησίαις ὀλίγοι καθεστῶτες, ἐπείπερ οὐκ ἰδιάζοντας κληρικοὺς οὐδεὶς τούτων ἔχει τῶν τριῶν οἴκων, κοινοὶ δέ εἰσι τῆς τε ἁγιωτάτης ἐκκλησίας καὶ τούτων ἅπαντες περινοστοῦντες κατά τινα περίοδον καὶ κύκλον τὰς λειτουργίας ἐν αὐταῖς ποιοῦντες· ἄλλως τε πολλοῦ πλήθους ἐκ τῶν πρώην αἱρετικῶν τῇ ἁγιωτάτῃ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ προσαχθέντος χάριτι μὲν τοῦ μεγάλου θεοῦ καὶ σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, πόνοις δὲ καὶ προτροπαῖς ἡμετέραις, δεῖ πλείονας τῶν ἐξ ἀρχῆς εἰς τὴν εὐσεβῆ λειτουργίαν τῆς ὑπηρεσίας ἀφορισθῆναι. ὥστε (л. 289b) θεσπίζομεν, μὴ περαιτέρω μέν σε χάριν τὰ [1] πρεσβυτέρους κατὰ τὴν μεγάλην ἐκκλησίαν εἶναι, διακόνους δὲ ἄῤῥενας ἐν τῷ υm [2] καὶ ҵҵυαγατінта [3] ἢ θηλείας, ὑποδιακόνους δὲ ноҵінта, [4] ἀναγνώστας δὲ ἐν τῷπετнсєп [5] καὶ ψάλτας ҵіҵінтіҵіунҵне [6] ὡς εἶναι τὸν πάντα ἀριθμὸν τῶν εὐλαβεστάτων κληρικῶν τῆς ἁγιωτάτης μεγάλης ἐκκλησίας ἐν τετρακοσίοις κε′ καὶ сентум [7] πρὸς τούτους τῶν καλουμένων πυλωρῶν. κατὰ μὲν τὴν ἁγιωτάτην

1) ненеже *cod.* 2) приведенѕ *П.* 3) иже *П* (*вм.* же и). 4) нѕ *cod.* 5) и *проп. П.* 6) *cod. in т. припис.* тамо та неразѣмна; *въ П оставлено пустое мѣсто для этихъ чиселъ; начертаніе ихъ передается какъ здѣсь такъ и далѣе лишь приблизительно.* 7) *въ П оставлено пустое мѣсто для этихъ чиселъ.* 8) и *проп. П.* 9) вѣвець *cod.* 10) и *вставл. П.*

1) сѐ χάριν τὰ = sexaginta. 2) латинскія буквы какъ здѣсь такъ и далѣе не поддаются типографской передачѣ; ἐν τῷ um = centum. 3) = quadraginta. 4) = nonaginta. 5) ἐν τῷ πετнссєпι = centum et decem. 6) = viginti quinque. 7) = centum.

великѣи црькви блаженаго нашего града и три благочестивыа[1] домы съмѣшашаасѧ съ нею· толикъ множествъ ни единого зъло ѡ тѣхъ ѡмѣтаемый· аще и въ много па̑ число вѫдеть чрⷭ̑ заповѣданаа ѡ на̑· ни единомъ же прочее прилагаемый на кыиждо чинъ и[2] нынѣшныимъ· дондеже зъло на се число поставитсѧ мѣра и ономъ прилагаемъ· ꙗко до нынѣ [не]благолѣпно бываюшее· к тому не бывати· еже многы ѡ благовоа̑зниый клирикъ сподобляемъ въ нижѣ поставлени быша въ пр̑тыи[хъ] црькважъ или тъ или въ странѣ пребывати· аще ли пр̑тѣи[3] великѣи црькви и благовоа̑зникомъ клиросъ ея ѕастѫпленїа ра[ѧ] | нѣкоего пребывати·[4] емъ же прочее ѡнѣдѣ[5] бывати въ ѕбраняемъ· ѡ иного манастыра къ иномъ приходити боле па̑ни благовоа̑зныимъ клирикомъ· сего ѡпѫшаемъ приобрѣтенїа же и кѫпла показанїе имать таковое[6] ихъ тажанїе мнаше· аще ли и тогда нѣкое таково прѣставленїе твое блаженство·[7] или на всако врѣма цр̑ство бывати сѣвѣстъ не инако того дѣлати прѣже не аще въ заповѣданое намъ число поставлаетъ вещь· ꙗко прѣставлѣися въ недостатъчнаго·

μεγάλην ἐκκλησίαν τῆς εὐδαίμονος ἡμῶν πόλεως καὶ τοὺς τρεῖς εὐαγεῖς οἴκους τοὺς ἡνωμένους αὐτῇ τοσοῦτον πλῆθος, οὐδενὸς μέντοι τῶν νῦν ἐκβαλλομένων, κἂν εἰς πολλῷ πλεῖον ἀριθμὸς εἶεν παρὰ τὸν ὑφ' ἡμῶν ὡρισμένον, μηδενὸς δὲ τοῦ λοιποῦ προστιθεμένων καθ' ἕκαστον τάγμα τοῖς νῦν, ἕως ἂν εἰς τοῦτον τὸν ἀριθμὸν περισταίη τὸ μέτρον. κἀκείνου προστιθεμένου, ὥστε τὸ μέχρι τοῦ νῦν οὐκ εὐπρεπῶς γενόμενον μηκέτι πολιτεύεσθαι, τὸ πολλοὺς τῶν εὐλαβεστάτων κληρικῶν ἀπαξιοῦμεν ἐν αἷς ἐχειροτονήθησαν ἁγιωτάταις ἐκκλησίαις ἢ ἐνταῦθα ἢ κατὰ χώραν μένειν, εἰς δὲ τὴν ἁγιωτάτην μεγάλην ἐκκλησίαν καὶ τὸν εὐαγῆ κλῆρον[1] αὐτῆς διὰ προστασίας τινὸς ἐμμένειν. ὅπερ τοῦ λοιποῦ παντελῶς л. 300 a.
γί(л. 290a)νεσθαι κωλύομεν· εἰ γὰρ ἐπὶ τῶν εὐαγῶν μοναστηρίων κωλύομεν[2] ἐξ ἑτέρου μοναστηρίου πρὸς ἕτερον μεταβαίνειν, πολλῷ μᾶλλον οὐδὲ τοῖς εὐλαβεστάτοις κληρικοῖς τοῦτο ἐφήσομεν, κέρδους τε καὶ ἐμπορίας ἀπόδειξιν ἔχειν[3] τὴν τοιαύτην ἐπιθυμίαν ἡγούμενοι. εἰ δὲ καί ποτε τοιαύτην τινὰ μετάστασιν ἡ σὴ μακαριότης ἢ ἡ κατὰ καιρὸν βασιλεία γενέσθαι συνείδοι, μὴ ἄλλως τοῦτο πράττεσθαι, πρὶν ἂν εἰς τὸν ὡρισμένον ἡμῖν ἀριθμὸν περισταίη τὸ πρᾶγμα, ὥστε μεταστὰς εἰς τὴν τοῦ λείποντος

1) благочестныа *П.* 2) и *проп. П.* 3) и *вставл. П.* 4) аще ли пр̑тѣи великѣи црькви и благовоа̑зникомъ *вставл. cod., но перечеркив.* 5) ѡнѣдѣ *П.* 6) такое *П.* 7) блажѣства *cod.*

1) cod. буквы хлѣр по скобл. 2) εἰ γὰρ... εὐαγ... μον... κωλυ... осталось въ cod. in m., гдѣ эти слова срѣзаны переплетчикомъ. 3) ἔχει cod.

чинъ бывати· но не ꙗко число
нѣкое добрѣ вѣходити· того бо
ни ѿ единоа же козни ни ѿ нѣ-
коего образа подаемъ· и сїа бво о
престѣи и велицѣи цр҃кви въ инѣхъ
же великыи҃ цр҃квахъ· ихже пода-
нїе престаа великаа цр҃кве[1] творитъ
повелѣваемъ ꙗко нына сѵщїимъ
прѣбывати въ тѣхъ же тако
же образомъ· прочее же ни еди-
ного же поставлати· прѣже не
аще нарицаемыи҃ сънемъ коа҃до[2]
цр҃кве· е҃ исперва ꙁаповѣдано бысть
ѿ создавшїа попові҃ же· и дїа-
конъ· мѵ҃ же и женъ·[3] и пѡ҃-
конъ и чтецъ· и пѣвецъ и вра-
тарь и[4] число поставлаетсѧ [и
мы же посрѣ҃ѣ ѿнѣдѵ҃ да прило-
л. 300 b. жится] мы бо | сами съхранимъ
таковое нѣчто творити и поста-
вленыа слагати никто же бо ѿ
нашїи҃ кнѧ҃· таковаго сътворитъ[5]
нашего боѧсѧ ꙁакона власть же да[6]
вѣдетъ· прѣблаженомѵ҃ архїепп҃ѵ и
патрїархѵ҃ цр҃скаго сего града къ
поставленїю противѵ҃ глаѳти· и
аще[7] ѿ двора повелѣнїе прїидетъ·
повелѣваи же и повелѣваемыи· по҃
цр҃ковныимъ ꙁапрѣщенїемъ вѣдетъ
аще таковое что сътворитъ· нъ
ни въ цр҃квахъ дрѵгыи҃ елико же
и҃ не имѵ҃тъ пища ни поданїа·

τάξιν γίνεσθαι, ἀλλ' οὐχ ἅπερ τὸν ἀριθμόν τινα καλῶς ἐμβαίνειν· τοῦτο γὰρ ἐξ οὐδεμιᾶς μηχανῆς οὐδὲ ἔκ τινος τρόπου συγχωροῦμεν. καὶ ταῦτα μὲν περὶ τῆς ἁγιωτάτης μεγάλης ἐκκλησίας. ἐν δὲ ταῖς ἄλλαις ἁπάσαις ἐκκλησίαις, ὧν τὴν χορηγίαν ἡ ἁγιωτάτη μεγάλη ἐκκλησία ποιεῖται, θεσπίζομεν, ὥστε τοὺς νῦν ὄντας μένειν κατ' αὐτοὺς ὁμοίως ἐπὶ σχήματος, τοῦ δὲ λοιποῦ μηδένα χειροτονεῖσθαι, πρὶν ἂν εἰς τὸ καλούμενον στατιτον ἑκάστης ἐκκλησίας, ὅπερ ἐξ ἀρχῆς ὥρισται παρὰ τῶν ταύτας οἰκοδομησαμένων, πρεσβυτέρων τε καὶ διακόνων, ἀῤῥένων τε καὶ θηλειῶν, καὶ ὑποδιακόνων καὶ ἀναγνωστῶν, ψαλτῶν καὶ πυλωρῶν ἀριθμὸς περισταίη· καὶ ἡμεῖς δὲ ἐν μέσῳ παντελῶς προστιθέσθω. ἡμεῖς τε γὰρ αὐτοὶ φυλαξό(л. 290ᵇ)μεθα τοιοῦτό τι πράττειν καὶ τοὺς χειροτονηθησομένους στέλλειν, οὐδεὶς δὲ τῶν ἡμετέρων ἀρχόντων τοιοῦτό τι πράξει, τὸν ἡμέτερον εὐλαβούμενος νόμον. ἄδειά τε ἔστω τῷ μακαριωτάτῳ ἀρχιεπισκόπῳ καὶ πατριάρχῃ τῆς βασιλίδος ταύτης πόλεως πρὸς τὴν χειροτονίαν ἀντιλέγειν, καὶ εἴπερ ἀπὸ τῆς αὐλῆς ἡ κέλευσις ἔλθοι· ὅ τε γὰρ ἐπιτάττων ὅ τε ἐπιταττόμενος ὑπὸ ἐκκλησιαστικῶν ἐπιτιμίων ἔσται, εἴ τοιοῦτό τι πράξειεν. ἀλλ' οὐδὲ ἐν ταῖς ἐκκλησίαις ταῖς ἄλλαις, ὅσαι μὴ τὴν τροφὴν καὶ χορηγίαν ἔχουσιν

1) цр҃кы *П.* 2) коеа҃ждо *П.* 3) жены *П.* 4) и *проп. П.* 5) творить *П.* 6) да *проп. П.* 7) и *вставл. П.*

ѿ великыа[1] честьныа цр҃кве подобно есть множество оставлати поставлаемыи̑ въ нихъ· и прѣходити[2] прочее повелѣнꙋю исперва [и] по сѝ[3] мѣрѣ· да не когда и сщ҃енїи начн҃ꙋть на множество ѿпадающихъ безчисленo· и приходащїимъ к нимъ· ѿ благочестивыихъ конца раздѣлающе ѿтꙋдꙋ къ мѣрѣ ихъ·[4] не довлѣюща зрящe· въ великꙋ тѣсноть· въпадꙋть аще ли пр҃а мѣры повелѣныа въ пр҃тѣи великѣи цр҃кви или въ инѣхъ поставить прѣсв҃тыа великыа цр҃кве· на всако врѣмя застꙋпаю пр҃тыи архїеп҃ъ· и бг҃олюбивыи· тоа же и[5] пр҃тыа цр҃кве икономи издаанїе ѿ цр҃ковныи̑ подобаеть[6] ко|нецъ· сами же въ домохъ ѿ своего и҃збытка да подаютъ издаанїе· егда си подати[7] и̑ повелѣ блаженыи патр҃їархъ да вѣдать бо яко нѣчто таково сотворити власть даютъ и сꙋщ҃имъ по семъ таковое сдѣавъше[8] преподобнымъ патр҃їархомъ·[9] и по сихъ съмотрителемъ· и всѣмъ прочїимъ· благоо҃бразнивыимъ клирикомъ таковаа много испытавати· о бывающїимъ възбранати· и възбѣщати къ цр҃ствꙋ яко вѣдати самомꙋ цр҃ство· повелѣвати ѿ сꙋщ҃ства

ἐκ τῆς μεγάλης τιμιωτάτης ἐκκλησίας, προσῆκόν ἐστιν πλῆθος ἐπαφιέναι τῶν χειροτονουμένων αὐταῖς, οὐδὲ ὑπερβαίνειν τοῦ λοιποῦ τὸ τεταγμένον ἐξ ἀρχῆς καὶ ἐπέκεινα μέτρον, μήποτε καὶ οἱ κατὰ ταύτας ἱερώμενοι πρὸς πλῆθος ἐκπίπτοντες ἄμετρον καὶ τοὺς προσιόντας αὐτοῖς παρὰ τῶν εὐσεβούντων πόρους μεριζόμενοι, κἀκεῖθεν πρὸς τὸ μέτρον αὐτῶν οὐκ ἀρκοῦντας ὁρῶντες εἰς μεγάλην στενοχωρίαν ἐμπίπτοιεν. εἰ δὲ ὑπὲρ τὸ μέτρον τὸ ὡρισμένον τῇ ἁγιωτάτῃ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ ἢ ἐν ταῖς ἄλλαις ἐκκλησίαις χειροτονήσειεν ὁ τῆς ἁγιωτάτης μεγάλης ἐκκλησίας προεστὼς κατὰ καιρὸν ἁγιώ(л. 291ª)τατος ἀρχιεπίσκοπος, καὶ οἱ θεοφιλέστατοι τῆς αὐτῆς ἁγιωτάτης ἐκκλησίας οἰκονόμοι δαπά- л. 301 a.
νην ἐκ τῶν ἐκκλησιαστικῶν ἐπιδοῖεν πόρων, αὐτοί τε οἴκοθεν καὶ ἐκ τῆς αὐτῶν περιουσίας διδότωσαν τὴν δαπάνην ὅ τε ταῦτα χορηγεῖν αὐτοῖς ἐπιτρέψας μακαριώτατος πατριάρχης· ἴστωσαν γάρ, ὡσεί τι τοιοῦτο πράξαι ἄδειαν δίδωμι καὶ τοῖς μετ' αὐτὸν τὸ τοιοῦτο πράξαντα ὁσιωτάτοις πατριάρχαις καὶ τοῖς μετὰ ταῦτα οἰκονόμοις καὶ πᾶσι τοῖς λοιποῖς εὐλαβεστάτοις κληρικοῖς τὰ τοιαῦτα πολυπραγμονεῖν καὶ γινόμενα κωλύειν καὶ προσαγγέλλειν τῇ βασιλείᾳ, ὥστε αὐτὴν μανθάνουσαν προστάττειν ἐκ τῆς οὐσίας

1) великыи̑ *II*. 2) прѣходити *II*. 3) сиѝ *cod*. 4) мѣрѣ *II* (*вм.* мѣрѣ ихъ). 5) и *прот. II*. 6) подадать *II*. 7) подаати *II*. 8) съдѣвъшe *cod*. 9) патрїархомъ *cod*.

се сотворшїихъ [1] смотрителѧ· или повелѣвшомъ єпⷭ̃ү· сїа съблюсти прⷮ̃ѣи цр̃кви· ꙗ̃ не быти авїе нѣкоемъ такомъ· вещи съмъщенїю же и мятежю· вещи же на древнѣимъ поставленїи вѣрѣ· ни чиста прѣходити· или бывати нѣкоемъ о семъ· не терпимъ бо ономъ весѧде быти· еже глати власть есть [поставлѧти оубо· не подавати же пища· се бо есть] авїе съмъщенїе дѣлающїихъ· и пⷯ̃ мѣры приложенїе второѥ причты· съставлѧшемъ· но ꙗко многа бо имата вещи [2] написанїа· ꙗко инымъ несытости пⷭ̃ти обрѣтати подаанїа мѣсто пищанаго· и се бо дѣати ѿнⷣъ [3] съѿрикаемъ· и по нарицаемыи [цр̃квнымъ] запрѣщенїемъ великꙋ себе полꙁꙋ быти [мнѧ]ще [4] | еже престꙋю великꙋю цр̃кви видѣти ни въꙁаи [5] емлющꙋ ни тѣсноты имꙋще· нъ инъ недастатъствющꙋ· но всѣми гобꙁꙋющꙋ ꙗко же тѣхъ издаѧи повѣдахомъ· тако подобаетъ [на] всако врѣмѧ

л. 301 b.

1) створшїи *П.* 2) вещи *П.* 3) ѿнⷣъ *П.* 4) мнѧще быти *П*; *cod. подъ строкой еще припис.* быти. 5) *къ буквамъ* ѥмлю *cod. in m. припис.* ѥсмь.

τῶν τοῦτο πραξάντων οἰκονόμων ἢ καὶ τοῦ ἐπιτρέψαντος ἐπισκόπου ταῦτα ἀποσῴζεσθαι τῇ ἁγιωτάτῃ ἐκκλησίᾳ· ὥστε καὶ μὴ αὖθις γενέσθαι τινὰ τοιαύτην τῷ πράγματι σύγχυσίν τε καὶ ταραχήν. τοῦ πράγματος δὲ εἰς τὸ ἐξ ἀρχῆς περιῐσταμένου μέτρον, τηνικαῦτα χειροτονεῖν ἐξέστω κατὰ τοσοῦτον, ὥστε μὴ ὑπερβαίνειν τὸ ῥηθὲν μέτρον μηδὲ τὸν ἀριθμὸν ὑπερβαίνειν ἢ γίνεσθαί τινα περὶ τούτου· οὐ γὰρ ἐκεῖνο ἀνεξόμεθα παντάπασιν γενέσθαι τὸ φάσκειν, (л. 291[b]) ὡς ἄδειαν ἔσται χειροτονεῖν μέν, οὐ μέντοι ἐπιδοῦναι τροφάς· τοῦτο γάρ ἐστιν αὖθις σύγχυσις ἐργαζομένων καὶ τὴν τῶν ὑπὲρ τὸν ἀριθμὸν [1] προσθήκη<ν> δευτέρους καταλόγους συνιστάντων· ἄλλως τε καὶ πολλὰς ἂν ἔχοι τὸ πρᾶγμα περιγραφάς, ὥστε ἑτέρας αὐτοῖς ἁπλῃστίας ὁδοὺς εὑρίσκειν ἀντὶ τῆς περὶ τὴν τροφὴν χορηγίας. καὶ τοῦτο τοίνυν πράττεσθαι παντελῶς συναπαγορεύομεν καὶ ὑπὸ τὸ καλούμενον ἐκκλησιαστικὸν ἐπιτίμιον, μεγάλην ἑαυτῶν ὠφέλειαν εἶναι νομίζοντες τὸ τὴν ἁγιωτάτην μεγάλην ἐκκλησίαν ἰδεῖν μήτε δανειζομένην μήτε στενοχωρουμένην μήτε διηνεκῶς ἐλλείπουσαν, ἀλλὰ διὰ πάντων εὐθηνουμένην.

Ὥσπερ δὲ τὴν περὶ τούτων δαπάνην ὡρίσαμεν, οὕτω προσήκει τὸν κατὰ καιρὸν

1) cod. переправл. изъ τὸν ἀριθμόν.

прѣтомъ патріархъ· и благовоазникыимъ
икономомъ съмотрити· ꙗко и да
издаанїа бываюцаа ѿ црⷦковныи
исходъ· о блочестивыихъ раздаати
дѣанꙗихъ· и бг҃ъ вгоденꙗихъ·[1] и
тѣма сїа подавати бъистинꙋ
трѣбующїихъ·[2] и не имꙋцемъ·
ѿинꙋдꙋ пища вины сами бо
вльцѣ бг҃ꙋ ѹгажаетъ но[3] не за-
стꙋпленїе и тщанїемъ· чл҃аскыи-
имъ· цр҃ковнаа раздаанїа чл҃комъ
имꙋцемъ даати и ѿсюдꙋ недо-
ꙋмѣющїимъ· не полꙋчати[4] нꙋжда-
ныихъ· да вѣдатъ бголюбивїи
икономи· или и[5] нына· или на
всако врѣма бываюцее· ꙗко аще
сїа творатъ· кг҃їю ѿданїю по-
вини сꙋтъ· и ѿ своего имѣ-
нїа вестъцѣное прѣстѣи цр҃кви
ꙋ[с]троатъ· блаженьство бо твое
еже исперва и ѿ младыа про-
сто вꙋразсти въ чиститель-
стѣмъ[6] всѣцѣмъ[7] чинꙋ· и въ
образѣ прѣстꙋю ꙋкраси цр҃квъ· аже
и ѿ[8] чистителꙗскаго сходаıи
народа·[9] сїа хранити | вънꙋ
заповѣдаемъ· вѣдꙋце ꙗко не[10]
мане на хоцетъ еже всѣмъ
цр҃квамъ подобныимъ нежели тѣхъ
дш҃и·

1) въгодныи *II.* 2) трѣбꙋюцїимъ *II.* 3) *cod неразборчиво* (не *или* но?), *такъ какъ переправл.* е *изъ* о (*или наоборотъ*?). 4) полꙋчити *II.* 5) и *проп. II.* 6) чистительствѣмъ *cod.* 7) всѣцѣмь *II.* 8) ѳѳ *cod.* 9) рода *II.* 10) *cod. позднѣйшей рукой надпис.* ѣне.

ἁγιώτατον πατριάρχην καὶ τοὺς εὐλαβεστάτους οἰκονόμους περισκοπεῖν τοῦ καὶ τὰς ἄλλας δαπάνας τὰς γενομένας ἐκ τῶν ἐκκλησιαστικῶν πόρων περὶ εὐσεβεῖς δαπανᾶσθαι πράξεις καὶ θεῷ ἀρεσκούσας, καὶ εἰς ἐκείνους ταῦτα χορηγεῖν τοὺς ταῖς ἀληθείαις δεομένους καὶ οὐκ ἔχοντας ἑτέρωθεν τροφῆς ἀφορμήν (ταῦτα γὰρ τὸν δεσπότην θεραπεύει θεόν), ἀλλὰ μὴ προστασίαις καὶ σπουδαῖς ἀνθρώπων τὰς ἐκκλησιαστικὰς δαπάνας (л. 292[a]) εἰς ἀνθρώπους εὐπορουῦντας ἐπιδοῦναι καὶ ἐντεῦθεν τοὺς ἀπορουμένους μὴ τυγχάνειν τῶν ἀναγκαίων. ἴστωσαν οἱ θεοφιλέστατοι οἰκονόμοι οἵ τε νῦν οἵ τε κατὰ καιρὸν ἐσόμενοι, ὡς εἴπερ ταῦτα πράξαιεν, ταῖς τε ἐκ θεοῦ ποιναῖς ὑποκείσονται καὶ ἐκ τῆς αὐτῶν οὐσίας τὸ ἀζήμιον τῇ ἁγιωτάτῃ ἐκκλησίᾳ περιποιήσουσιν.

Τὴν μακαριότητα τοίνυν τὴν σήν, ἥπερ[1] ἐξ ἀρχῆς καὶ ἐκ νηπίας σχεδὸν ἡλικίας ἐν ἱερατικῷ παντί τε βαθμῷ καὶ σχήματι τὴν ἁγιωτάτην κατεκόσμησεν ἐκκλησίαν, οἷα καὶ ἐξ ἱερατικῆς καταβαίνουσαν γενεᾶς, ταῦτα φυλάττειν διηνεκῶς θεσπίζομεν, γινώσκοντες, ὡς οὐκ ἔλαττον ὑμῖν μέλει τὸ ταῖς ἁπάντων ἐκκλησίαις λυσιτελούντων ὑπερ[2] αὐτῆς τῆς ψυχῆς. л. 302 a.

1) εἴπερ cod. 2) εἴπερ cod.

пѳ· [1] О [2] нечистыи клен8цїихсѧ бж̃іею главою и власъмѣ· или что таковыихъ·

Всѣмѣ чл̃комъ добрѣ съмыслацїимъ авѣ быти мнимъ ꙗко все намъ есть тцанїа [3] и млт̃ва еже порꙋченыа [4] намъ ѿ влкы бг̃а добрѣ жити· и того ѡбрѣсти блг̃ꙋю мт̃ѣ· понѣ бж̃іе чл̃колюбїе не погыбеле нъ обращенїю и спсенїа· и съгрѣшившамъ· и ѡправившамсѧ прі̃ѣлетъ бг̃· тѣмѣ всѣмѣ повелѣваемъ· бж̃іи стра̃ въ ꙋмъ прі̃имати· и мт̃ри его призывати и вѣмѣ ꙗко вси бг̃а възлюбившеи· и того мт̃ри [5] ожидающеи то творѧтъ· понеже нѣцїи и [6] дїаволемъ [7] поспѣшенїемъ одержимии [въ] тѧжкыа нечистоты себе въвергоша· и самомꙋ естьствꙋ противꙋ творѧтъ· и симъ ꙁапрѣщенїемъ прі̃ати въ ꙋмъ [8] бж̃іи страхъ· и вꙋдꙋщїи сꙋдъ· и ꙋдалатисѧ таковыихъ дїаволскыихъ и [9] злыихъ нечистотъ· да не таковыихъ ради нечистыихъ [10] дїанїи [11] ѿ бж̃їаго правѣнаго гнѣва обращꙋтсѧ· и градѣ съ живꙋщїими

Ϟ'. Περὶ τῶν ἀσελγαινόντων ἢ ὀμνυόντων κατὰ θεοῦ κεφαλῆς ἢ τριχὸς ἢ τῶν τοιούτων.

Πᾶσιν ἀνθρώποις τοῖς εὖ φρονοῦσιν πρόδηλον εἶναι νομίζομεν, ὅτι πᾶσα ἡμῖν ἐστι σπουδὴ καὶ εὐχὴ τὸ τοὺς πιστευθέντας ἡμῖν παρὰ τοῦ δεπότου θεοῦ καλῶς βιοῦν καὶ τὴν αὐτοῦ εὑρεῖν εὐμένειαν, ἐπειδὴ καὶ ἡ τοῦ θεοῦ φιλανθρωπία οὐ τὴν ἀπώλειαν ἀλλὰ τὴν ἐπιστροφὴν βούλεται καὶ τὴν σωτηρίαν, καὶ τοὺς πταίοντας καὶ διορθωσαμένους δέχεται ὁ θεός. δι' ὃ πάντας προτρέπομεν τὸν τοῦ θεοῦ φόβον κατὰ νοῦν λαμβάνειν καὶ τὴν αὐτοῦ εὐμένειαν ἐπικαλεῖσθαι, καὶ ἴσμεν ὅτι πάντες οἱ τὸν θεὸν ἀγαπῶντες (л. 292[b]) καὶ τὸν αὐτοῦ ἔλεον περιμένοντες τοῦτο ποιοῦσιν. ἐπειδὴ δέ τινες ὑπὸ τῆς διαβολικῆς ἐνεργείας συνεχόμενοι καὶ ταῖς βαρυτάταις ἀσελγείαις ἑαυτοὺς ἐνέβαλον καὶ αὐτῆς τῆς φύσεως τὰ ἐναντία πράττουσιν, καὶ τούτους παρεγγυῶμεν λαβεῖν κατὰ νοῦν τὸν τοῦ θεοῦ φόβον καὶ τὴν μέλλουσαν κρίσιν καὶ ἀπέχεσθαι τῶν τοιούτων διαβολικῶν καὶ ἀτόπων ἀσελγειῶν, ἵνα μὴ διὰ τῶν τοιούτων ἀσεβῶν πράξεων ὑπὸ τῆς τοῦ θεοῦ δικαίας ὀργῆς εὑρεθῶσιν καὶ αἱ πόλεις μετὰ τῶν ἐνοικούντων

---

1) *Въ У отъ главы 89 сохранилось только окончаніе (ниже стр. 820 з) на л. 154[a], а начало вырвано.* 2) ѿ *cod.* 3) тцанїе *II.* 4) порꙋченыа *II.* 5) мнлести *II.* 6) и *проп. II.* 7) дїаволомъ *II.* 8) оумѣ *II.* 9) и *проп. II.* 10) нечтотъ *II.* 11) дѣанїи *II.*

вѣ нїй погѹблєнїи· [1] оучимѣ бо сѧ сті҃ими писанїи· ꙗко ѿ таковыи вещєственѣ҃ дѣланїи· гради сѣ чл҃кы погыбоша· понеже нєцїи | кѣ реченыимѣ· и хѹлаными[и] гл҃ы· и клатвами о бз҃ѣ ротѧтсѧ· ба҃ прогнѣвающе· и тѣмѣ тако же запрѣщаемѣ·

блсомѣ и главою близ тѣхѣ гл҃ѣ· быбающа бо на чл҃ка хѹлєнїа· нескаѕанна[а] оставити невоѕможна [2] боле па҃ на бж҃ественое· то хѹлибыи· достоинѣ естѣ мѹкѹ подѣти· сего рад҃ оубо всѣмѣ таковыимѣ· повелѣваемѣ ѿ реченыи҃· прєгрѣшенїи ѹдалѧтисѧ· [3] и бж҃ї[и] стра҃ вѣ ѹмѣ прїимати· [4] и вѣслѣдовати добрѣ живѹщїихѣ [5] тѣхѣ бо ра҃ѕ прегрѣшенїи и глади и трѹси· и пагѹбы бываютѣ· сего ради ѹвѣдѣмѣ такови҃ ѹдалѧтисѧ речены҃ѧ [6] ѕлобѣ· ꙗко тѣхѣ не погѹбити дш҃ѣ лцє бо и по таковѣмѣ нашемѣ ѕаконоположенїи обращѹтсѧ нєцїи в тѣхѣ же прегрѣшенїихѣ достоины себе сътворѧтѣ бж҃їа чл҃колюбїа· посемѣ же и ѿ

αὐταῖς ἀπολλύμεναι· διδασκόμεθα γὰρ διὰ τῶν ἁγίων γραφῶν, ὅτι ἐκ τῶν τοιούτων ἀσεβῶν πράξεων αἱ πόλεις τοῖς ἀνθρώποις συναπώλοντο. ἐπειδὴ δέ τινες πρὸς τοῖς εἰρημένοις καὶ βλά- л. 302 b.
σφημα ῥήματα καὶ ὅρκους περὶ θεοῦ ὀμνύουσιν τὸν θεὸν παροργίζοντες, καὶ τούτοις ὁμοίως παρεγγυῶμεν ἀπέχεσθαι τῶν τοιούτων βλασφήμων ῥημάτων καὶ τοῦ ὀμνύναι κατὰ τριχός τε καὶ κεφαλῆς καὶ τῶν τούτοις παραπλησίων ῥημάτων. αἱ γὰρ κατὰ ἄνθρωπον [1] γινόμεναι βλασφημίαι ἀνεκδίκητοι καταλιμπάνεσθαι μὴ δυνάμεναι, πολλῷ μᾶλλον ὁ εἰς αὐτο τὸ θεῖον βλασφημῶν ἄξιός ἐστιν τιμωρίας ὑποστῆναι. διὰ τοῦτο οὖν πάντας τοὺς τοιούτους προτρέπομεν ἐκ τῶν εἰρημένων πλημμελημάτων (л. 293[a]) ἀπέχεσθαι καὶ τὸν τοῦ θεοῦ φόβον κατὰ νοῦν λαμβάνειν καὶ ἀκολουθεῖν τοῖς καλῶς βιοῦσιν· διὰ γὰρ τὰ τοιαῦτα πλημμελήματα καὶ λιμοὶ καὶ σεισμοὶ καὶ λοιμοὶ γίνονται, καὶ διὰ τοῦτο παραινοῦμεν τοὺς τοιούτους ἀπέχεσθαι τῶν εἰρημένων ἀτοπημάτων, ὥστε μὴ τὰς τούτων ἀπόλλεσθαι ψυχάς. εἰ γὰρ καὶ μετὰ τὴν τοιαύτην ἡμῶν νουθεσίαν εὑρεθῶσίν τινες τοῖς αὐτοῖς ἐμμένοντες πλημμελήμασιν, πρῶτον μὲν ἀναξίους ἑαυτοὺς ποιοῦσιν τῆς θεοῦ φιλανθρωπίας, ἔπειτα δὲ καὶ τὰς ἐκ

1) погѹблєнїи *II.* 2) невъзмо҃но *II.* 3) ѹдалитисѧ *II.* 4) въспрїимати *II.* 5) живѹщїимь *II.* 6) реченыихъ *II.*

1) ἄνον cod.

законa пѡимѹтa мѹченїе повелѣхомъ же прѣславномѹ епархѹ цр҃скаго градa пребывающмаа[1] въ реченыихъ[2] зловa҃ и нечистыихъ дѣанїa҃[3] и по семѣ нашемъ законоположенїи обадержати· и въ послѣдняа благати[4] мѹкы да не ѿ прѣзиранїа[5] такѡвыихъ[6] грѣховъ
л. 303 a. обращѹтсѧ и градъ[7] и гражане | таковыихъ ради нечистыѧ дѣанїи обидимъ· аще бо по семѣ нашемъ оутѣшенїи нѣцїи таковыа[8] обрѣтающе сѧ съкрыютъ тако же ѿ вѣкы ба҃ осѹжени[9] вѹдѹтъ· и тъ бо самъ прѣславныи патрїархъ.[10] аще обращетъ нѣкаковое[11] съгрѣшающїихъ· и ѿмщенїа на на не наведетъ по нашемѹ законѹ· первѣе бо повинни[12] вѹдѹтъ[13] сѹдѹ бж҃їю· посемѣ наше негодованїе подъиметъ·

τῶν νόμων ὑποστήσονται τιμωρίας. ἐπετρέψαμεν γὰρ τῷ ἐνδοξοτάτῳ ἐπάρχῳ τῆς βασιλίδος πόλεως τοὺς ἐμμένοντας ταῖς εἰρημέναις ἀτόποις καὶ ἀσεβέσιν πράξεσιν καὶ μετὰ ταύτην ἡμῶν τὴν νουθεσίαν συνέχειν καὶ ταῖς ἐσχάταις ὑποβάλλειν τιμωρίαις, ἵνα μὴ ἐκ τοῦ παραβλέπειν τὰς τοιαύτας ἁμαρτίας εὑρεθῇ καὶ ἡ πόλις καὶ ἡ πολιτεία διὰ τῶν τοιούτων ἀσεβῶν πράξεων ἀδικουμένη. εἰ γὰρ καὶ μετὰ ταύτην ἡμῶν τὴν παραίνεσίν τινες τοιούτους εὑρίσκοντες τούτους συγκρύψωσιν, ὁμοίως παρὰ τοῦ δεσπότου θεοῦ κατακριθήσονται. καὶ αὐτὸς γὰρ ὁ ἐνδοξότατος ἔπαρχος, ἐὰν εὕρῃ τινὰς τὸ τοιοῦτο πλημμελοῦντας καὶ τὴν ἐκδίκησιν εἰς αὐτοὺς μὴ ἐπαγάγοι κατὰ τοὺς ἡμετέρους νόμους, πρότερον μὲν ἔνοχος (л. 293^{b}) ἔσται τῇ τοῦ θεοῦ κρίσει, ἔπειτα δὲ καὶ τὴν ἐξ ἡμῶν ἀγανάκτησιν ὑποστήσεται.

ч·[14] Оказанїе костантинеграждано на еретикы·

Первое бо быти и велїе всѣмъ чл҃комъ вѣрѣмъ· и истинныа [и непорочныиа хрестїанскыа] вѣры право исповѣданїе· всѣмъ

Ϙα΄. Ἴδικτον Κωνσταντινουπολίταις κατὰ αἱρετικῶν.

Πρῶτον μὲν εἶναι καὶ μέγιστον πᾶσιν ἀνθρώποις πιστεύομεν τὴν τῆς ἀληθοῦς καὶ ἀμωμήτου τῶν χριστιανῶν πίστεως ὀρθὴν ὁμολογίαν, εἰς τὸ διὰ πάντων

---

1) *слѣдующее далѣе окончанїе главы 89 есть въ У.* 2) ренъıхъ *У*; реченый *П.* 3) дѣанїа *cod. П*; дѣаннихъ *У.* 4) кълагатїи *П.* 5) прѣзирда *П.* 6) такъıхъ *У*; тако *П.* 7) градъı *У.* 8) таковы *П.* 9) wсѣженїи *П.* 10) ѥпархъ *УП.* 11) нѣковое *УП.* 12) повиныıхъ *УП.* 13) боудетъ *УП.* 14) *Въ У отсутствуетъ глава 90.*

ѹдержати ю· и вса всеа вселеныа чистителѧ· прѣпо҃бныа къ единомыслїе съвъкѹпити и единогла҃но· правѣю христїа҃нскѹю вѣрѹ· испов҃дати же и проповѣдати· и вс҃ѣ ѿзвѣтъ обрѣтаемыи· ѿ еретикъ ѿимати· еже аблаетьсѧ· и ѿ насъ написаныи· различно· словесъ же и[1] съказанїи· нъ понеже еретици никако же бжїа разѹмѣюще страха· ни прѣтимаго таковыимъ чл҃комъ·[2] [мѹченїа] ѿ закона лютости помышлѧюще· дїаволе дѣло исполнѧютъ· и нѣкыа[3] ѿ простѣишїихъ прѣлщаютъ ѿ сѷ҃ыа бжїа апл҃ьскыа цр҃кве· неправѣнаѧ съборища и неправедна[а] крещенїа творѧтъ тай҃бг҃оче|стно непщевавше пришѣшаго рⷭ҇ѡ҃ сказанїа и ѹвѣщанїемъ тако҃выим же и самы оставити[4] ѿ еретическаго гнѣва· илѣ инѣхъ гнѣвъ·[5] или инѣхъ дш҃ъ прѣлестїю погѹбити· нъ па҃ притечи къ сѷ҃ѣи бж҃і[и] цр҃кви· къ неиже[6] правѧ чтѹтьсѧ велѣнїа· и вса ереси с началники[7] своими проклинаютсѧ вѣдѣти же вса хощемъ ꙗко же прочее нѣцїи обрѧщѹтсѧ или неправедныа съборы творѧще· или къ нимъ събирающесѧ иже ѿнѹдъ сихъ не терпимъ· нъ домы идеже что съгрѣшаетьсѧ·

κρατύνεσθαι αὐτὴν καὶ πάντας τοὺς τῆς οἰκουμένης ὁσιωτάτους ἱερέας εἰς ὁμόνοιαν συναφθῆναι καὶ ὁμοφώνως τὴν ὀρθὴν τῶν χριστιανῶν πίστιν ὁμολογίαν τε κηρύττειν καὶ πᾶσαν πρόφασιν παρὰ τῶν αἱρετικῶν ἐφευρισκομένην ἀφαιρεθῆναι· ὅπερ δείκνυται καὶ ἐκ τῶν παρ' ἡμῶν διαφόρως γραφέντων λόγων τε καὶ ἰδίκτων. ἀλλ' ἐπείπερ οἱ αἱρετικοὶ μηδὲν τὸν τοῦ θεοῦ ἐννοοῦντες φόβον μηδὲ τὰς ἠπειλημένας τοῖς τοιούτοις ποινὰς ἐκ τῆς τῶν νόμων αὐστηρίας ἐνθυμούμενοι τὸ διαβόλου ἔργον πληροῦσιν καί τινας τῶν ἁπλουστέρων ἀπατῶντες τῆς ἁγίας τοῦ θεοῦ καθολικῆς καὶ ἀποστολικῆς ἐκκλησίας παρασυνάξεις καὶ παραβαπτίσματα ποιοῦσιν λαθραίως, εὐσεβὲς ἡγησάμεθα διὰ τοῦ παρόντος ἡμῶν ἰδίκτου παραινέσαι τοῖς τοιούτοις, ἐφ' ᾧ καὶ αὐτοὺς ἀποστῆναι τῆς αἱρετικῆς μανίας καὶ μηδὲ τὰς ἑτέρων ψυχὰς δι' ἀπάτης ἀπολλύναι, ἀλλὰ μᾶλλον προσδραμεῖν τῇ ἁγίᾳ τοῦ θεοῦ ἐκκλησίᾳ, ἐν ᾗ τὰ ὀρθὰ (л. 294[a]) πρεσβεύεται δόγματα καὶ πᾶσαι αἱρέσεις μετὰ τῶν ἀρχηγῶν αὐτῶν ἀναθεματίζονται· γινώσκειν γὰρ πάντας βουλόμεθα, ὡς εἴ τοῦ λοιποῦ τινες εὑρεθῶσιν ἢ παρασυνάγοντες ἢ πρὸς αὐτοὺς συναγόμενοι, οὐδενὶ παντελῶς τούτων ἀνεξόμεθα, ἀλλὰ τοὺς μὲν οἴκους, ἔνθα τι ἁμαρτάνεται, л. 303 b.

1) и *прот. П.* 2) чл҃комъ *прот. П.* 3) ныкыа *cod.* 4) ѿставити *П.* 5) илѣ инѣхъ гнѣвъ *прот. П.* 6) иже *П.* 7) началникыкы *cod.*

сѷ҃ѣи предаѣ҃ цр҃кви· творащїимъ же съборы или събирающиисѧ съ ними· ѿ повелѣнїа мѵченїе навести на на всѣми образы повелѣвае҃·

5 ҃а· Тыи же василїи иѡанѵ҃ прѣблаженомѵ еп҃ѵ·

Инокое житїе· и еже въ немъ видѣнїа[1] чистое[2] и[3] възкода[4] ѿсюдѣ дша къ бѵ· и не токмо полѕоу имъ·
10 на[5] се[6] пришѣшїимъ· нъ инѣмъ всѣмъ чистотою своею къ бѵ прошенїемъ подающїимъ подобнѵю полѕѵ·[7] тѣмъ первѣимъ[8] самодержацемъ·[9] се потъщаса· и намъ[10] не
15 хѵдо ѵзаконися· ѡ чистотѣ ихъ [и] оукрашенїи· въслѣдѵемъ[11] бжественыимъ ѕаконѣ[12] и прести҃имъ
л. 304 а. оц҃емъ | о сихъ въѕаконѣившїимъ·[13] понеже ничасо[14] же проходно[15] есть·
20 въ[16] възисканїи цр҃твии[17] обацѵю всѣмъ члкомъ хытрость ѿ ба прїемлющїимъ· се ѵбо написахомъ повелѣнїе хотащее въ множество сѵщїихъ мнихъ·[18] въ[19] обаци[20]

τῇ ἁγίᾳ προσκυρώσομεν ἐκκλησίᾳ, τοῖς δὲ παρασυνάγουσιν ἢ πρὸς αὐτοὺς συναγομένοις τὰς ἐκ τῶν διατάξεων ποινὰς ἐπαχθῆναι πᾶσι τρόποις κελεύσομεν.

҃гв'. Ὁ αὐτὸς βασιλεὺς Ἰωάννῃ τῷ μακαριωτάτῳ ἀρχιεπισκόπῳ.

Ὁ μονήρης βίος καὶ ἡ κατ' αὐτὸν θεωρία ἱερὸν καὶ ἀνάγων αὐτόθεν τὰς ψυχὰς εἰς θεόν, καὶ οὐ μόνον ὠφελοῦν αὐτοὺς τοὺς εἰς τοῦτο παριόντας,[1] ἀλλὰ καὶ τοῖς ἄλλοις ἅπασιν διὰ τῆς αὐτοῦ καθαρότητος καὶ τῆς πρὸς θεὸν ἱκετείας παρεχομένων τὴν πρέπουσαν ὠφέλειαν. ὅθεν τοῖς τε πρώην αὐτοκράτορσι τοῦτο διεσπούδασται καὶ ἡμῖν οὐ μέτρια νενομοθέτηται περὶ τῆς αὐτῶν σεμνότητος καὶ κοσμιότητος· ἀκολουθοῦμεν γὰρ τοῖς θείοις κανόσιν καὶ τοῖς ἁγιωτάτοις πατράσιν, οἵπερ[2] ταῦτα ἐνομοθέτησαν, ἐπειδὴ μηδὲν ἄβατόν ἐστιν εἰς ζήτησιν τῇ βασιλείᾳ κοινὴν πάντων ἀνθρώπων ἐπίστασιν ἐκ θεοῦ παραλαμβάνουσιν. ἤδη μὲν οὖν ἐγράψαμεν διάταξιν βουλομένην τοὺς εἰς πλῆθος ὄντας μοναχοὺς ἐν κοινῷ

1) вѣдѣнїе *У*; видѣнїе *Н*. 2) что *Н*. 3) и *проп. Н*. 4) възводѧи *П*. 5) не *cod*. 6) на *Н* (*вм.* на се). 7) имъ *вставл. Н*. 8) пьрвъимъ *У*; первѣимъ *проп. Н*. 9) соущимъ *вставл. Н*. 10) самодержьцемъ се потъщаса и намъ *проп. У*. 11) послѣдоуемъ *Н*. 12) каноном *НПУ*. 13) взаконившимъ *Н*; възаконивъшемъ *У*; възаконившїимъ *П*. 14) ничто *Н*. 15) прехоно *Н*. 16) въ *проп. Н*. 17) цр҃ствии *У*. 18) мнихов *Н*. 19) въ *проп. НУ*. 20) ѡбѣщихъ *Н*.

1) cod. буквы αριο по скобл. 2) ὑπὲρ cod.

пребывати· по[1] нарицаемѣмъ обѣщїимъ[2] жити[3] образа· да ни своего имѣти· пригажанїа· ни изкыткъ[4] събирати· ни житїа имѣти бес[5] послꙋшьства·[6] нъ обѣщемъ[7] питатися· спати же вꙑкꙋпа[8] и блаꙗобразное[9] прѣходити[10] житїе· и послꙋхомъ быти инѣхъ ꙋкрашенїю· и[11] ꙋнѣишїимъ болꙗтися сѣдинъ· сїа видѧщїихъ и ѿ готоваго кѣнїе въспримати· да не[12] что прѣлести ѿ нѣ кꙋдеть ни безлѣпотнаго видѣти инѣмъ· нъ и[13] кыижадо[14] свое ꙋкрашенїе·[15] аще и спа хранить нѣкыимъ же намъ провозвѣщьшемъ· ѧже достоина[16] и болшаго и тверже шаго закона· трѣбꙋютъ[17] въправдꙋ на сꙋщее придохомъ[18] законоположенїе на[19] съвершенїе его и исполнѣнїе имже повелѣваемъ·[20] ни единомꙋ же ѿнюдъ[21] своего имѣти[22] селенїа· или[23] нарицаемꙋю[24] келїю· разве аще[25] не[26] единъ будеть въ манастыри[27] въ немьже полоꙋчить и[28] два имѣа слꙋжителя | и въ вговидѣнимъ[29] же[30] и[31]

διητᾶσθαι (л. 294[b]) κατά τὸ καλούμενον κοινόβιον σχῆμα, καὶ μήτε ἰδίας ἔχειν κτήσεις μήτε περιουσίαν ἀθροίζειν μήτε βίον, ἔχειν ἀμάρτυρον, ἀλλὰ κοινῇ μὲν αὐτοὺς σιτεῖσθαι, καθεύδειν δὲ αὐτοὺς ἐν κοινῷ, καὶ τὸν εὔσχημον μεταβαίνειν βίον, καὶ μάρτυρας εἶναι τῆς ἀλλήλων κοσμιότητος, καὶ τοὺς νεωτέρους αἰδεῖσθαι τὴν πολιὰν τῶν ταῦτα ἐποπτευόντων, καὶ ἐξεπίτηδες καὶ ἀγρυπνίαν προσλαμβάνειν, ἵνα μή τι πάρεργον μηδὲ ἐξ ὕπνου γένηται μηδὲ ἄσχημον θέα τοῖς ἄλλοις, ἀλλ' ἕκαστος τὴν ἑαυτοῦ κοσμιότητα κἀν τῷ καθεύδειν φυλάττῃ. τινῶν δὲ ἡμῖν προσαγγελθέντων, ἅπερ ἄξια καὶ μείζονος καὶ ἀσφαλεστέρου νόμου προσεδεῖτο, εἰκότως ἐπὶ τὴν παροῦσαν ἀφικόμεθα νομοθεσίαν εἰς ἐκείνης τελείωσίν τε καὶ ἀναπλήρωσιν, δι' ἧς θεσπίζομεν μηδένα παντελῶς ἰδίαν ἔχειν οἴκησιν ἢ τὸ καλούμενον κελλίον, πλὴν εἰ μὴ μόνος εἴη κατὰ τὸ μοναστήριον ἑνὶ τυχὼν ἢ δύο χρώμενος ὑπουργοῖς καὶ τὸν[1] ἐν θεωρίᾳ τε καὶ л. 304 b.

1) по *прп. Н.* 2) обѣщемъ *Н.* 3) жити *НП*; жни *У.* 4) изкытка *Н.* 5) себе *Н.* 6) послꙋшьствова *Н.* 7) ѿбѣщимъ *Н.* 8) въкꙋпѣ *У.* 9) блаобразное *cod.*; ѿбразьное *Н.* 10) приходити *Н.* 11) ни *Н*; ни *У.* 12) ни *Н.* 13) кождо *Н.* 14) и *прп. Н.* 15) оукрашенью *НУ.* 16) достойно *Н.* 17) трѣбꙋютъ *У*; дѣютъ *Н.* 18) придохъ *Н.* 19) на *прп. Н.* 20) повелѣвамъѣмъ *cod.* 21) ѿтиноудь *НУ*; ѾнSдS *П.* 22) имѣти своюего *У.* 23) и *Н.* 24) наричѣмоꙋю *У.* 25) аще развѣ *Н.* 26) ни *П*; не *прп. Н.* 27) мастыри *П.* 28) или *НУ.* 29) вѣговидѣньнѣмь *Н.* 30) же *прп. Н.* 31) в *вставл. Н.*

1) τῶν cod.

молчалиѣмъ живаи[1] житїи нъ елико же множаишихъ мѫжии· единомѫ быти схожєнїю ихъ и молящємьсѧ[2] и[3] єстьствєнаѧ дѣла дѣлающѣ[4] ꙗко да непорочна же и неприлагаема[5] бѫдѫть[6] и обыщєє[7] бо ꙗко же[8] рєчено єсть питатисѧ· обыще же и спати· и аще толико бѫдєть множєство· [єлико же въ] единъ домъ въмѣстити·[9] имже бо ключено[10] дѣѣма или[11] трємь· домомъ быти пріємлющєимъ[12] ихъ·[13] ни единомѫ оу[14] своєго имѣти ѿнѫдъ[15] нъ объще жити в ноши[16] же и въ дѣ̀ да ноща имъ то [же] дѣлми съблюденїє имѫть· не спать бо вси пр҃ѣ· но[17] авѣ ако ови въ спанїи[18] бо сѫть· [ови же бдать и всꙗко соуть нѣции спащихъ вїдаще· аще ли] нѣкаꙗ [селения соуть][19] въ каковѣмъ къгда манастыри· по҃ всеѧ вселенъıа патрїархомъ· того великаго града и[ли] подъ тѣоею сѫщїихъ сѵ҃тостїю· или окр҃ѣтъ ѣа или оу насъ самѣхъ създаныа· или[20] ѿ инѣхъ сиа вса· ѿмѣтаємыими[21] образы всѣми· ѿкерзенїа же имъ инѣ[хъ] вѣдѣнїа[22] и оузр҃ѣ ἡσυχίᾳ διαζῇ βίον, ἀλλ' ὅσων τῶν πλειόνων ἀνδρῶν μίαν εἶναι τὴν αὐτῶν συνέλευσιν καὶ εὐχομένων καὶ τὰ τῆς φύσεως ἔργα πραττόντων, ὅπως ἄμεμπτά τε καὶ ἀδιάβλητα καθέστηκεν, καὶ κοινῇ μὲν ὡς εἴρηται σιτεῖσθαι, κοινῇ δὲ καθεύδειν. καὶ εἰ μὲν τοσοῦτον εἴη τὸ πλῆθος, ὅσον (л. 295ᵃ) εἰς ἕνα οἶκον χωρεῖσθαι, ἐπείτοιγε τυχὸν δύο ἢ τρεῖς οἴκους εἶναι τοὺς δεχομένους αὐτούς. μηδένα μέντοι ἴδιον ἔχειν παντελῶς, ἀλλ' ἐν κοινῷ ζῆν νύκτωρ τε καὶ μεθ' ἡμέραν, ἵνα αἱ νύκτες αὐτοῖς τὴν αὐτὴν ταῖς ἡμέραις παρατήρησιν ἔχοιεν· οὐ γὰρ καθεύδουσιν ἅπαντες ἀεί, ἀλλὰ πρόδηλον ὡς οἱ μὲν ἐν τῷ καθεύδειν εἰσίν, οἱ δὲ ἐγρηγόρασιν, καὶ πάντως ἔσονταί τινες οἱ τοὺς καθεύδοντας ἐποπτεύοντες. εἰ δέ τινα οἰκήματά ἐστιν ἐν οἱῳδήποτε μοναστηρίῳ τῷ ὑπὸ τὸν οἰκουμενικὸν πατριάρχην ταύτης τῆς μεγαλοπόλεως ἢ τῶν ὑπὸ τὴν σὴν ὄντων ἁγιωσύνην, εἴτε ἐπὶ τῆς αὐτῆς περιοικίδος, εἴτε παρ' ἡμῶν αὐτῶν ᾠκοδομημένα εἴτε παρ' ἑτέρων, ταῦτα πάντα καθαιρέσεις τρόποις ἅπασιν, ἀνοίξεις τε αὐτοῖς τὴν ἄλλων θέαν, καὶ ὄψονται

---

1) жѣва *H.* 2) молящимсѧ *H.* 3) и *проп. H.* 4) дѣлающимъ *HП.* 5) неприлагаемѫ *П.* 6) боудеть *H.* 7) ѿщєнїє *H.* 8) же *проп. У*; ꙗже *И* (*вм.* ꙗко же). 9) и *вставл. У.* 10) ключно *H.* 11) ли *H.* 12) пріемлющимъ *УН.* 13) имъ *H.* 14) оу *проп НУ.* 15) ѿтиноудь *H.* 16) ношь *У.* 17) но *проп. H.* 18) спанїи *cod.* 19) *вставка изъ УП.* 20) и *H.* 21) Ѿмѣтаємыимѣ *cod.* 22) видѣнїа *УН.*

вси ѿ инѣхъ сътваряемаꙗ· что бо подобаетъ и ѕбоатсѧ се сътворшее[1] единою себе прѣдъложьшеи бѕ и ѿрекшеисѧ[2] всѧкого сонмища прѣбываниꙗ· и томѵ | ѕбо се ѵтвержати· и на прочее се[3] хощемъ лѣто ни единомѵ же имѣти селенїа своего ако же речено естъ· нъ съвъкѵплающе[м]сѧ[4] всѣмъ· и видѧщемъ дрѵгъ ѿ дрѵга· творимъ сѫдѣваемаꙗ· аѳѣ бо ако таковаꙗ подъщатьсѧ[5] сїа поставити· имѧже бѫхма[6] безъ начинанїа пребывати· аще ли[7] кто ѧвитсѧ сице[8] безстѵдно[9] ѩко дерѕѫѕѵти начинати что· или приствпати[10] что ѿ въѕаконенаго· ѡбителанїи[11] игѵменъ· сїа да испытаетъ хощемъ[12] бо нынѣшанее· болшее[13] бывати съблюденїе и первѣе ѕбо многы[14] имѣти въ ма[на]стырѣхъ боходы·[15] нъ единъ или два ключьно·[16] поставити[17] оу двериꙗ· два мѵжа състарѣвшаѧ и цѣломѵдрена·[18] и послѵшьствована[19] ѿ всѣхъ аже ни бъгоболѕнивыимъ мнихомъ вдаста[20] развѣ повелѣнїа игѵмена[21] исходити из манастыра· нъ

πάντες παρ' ἀλλήλων πραττόμενα. τί γὰρ δεῖ καὶ εὐλαβηθήσονται τοῦτο πράξαντες, ἅπαξ ἑαυτοὺς ἀναθέντες θεῷ καὶ ἀπειπόντες πρὸς ἅπασαν δημώδη δίαιταν; καὶ τούτου μὲν ταύτῃ κρατύνειν τε л. 305 a.
καὶ εἰς τὸν ἑξῆς ἅπαντα βουλόμεθα χρόνον, οὐδενὸς ὡς εἴρηται ἔχοντος οἴκησιν ἰδίαν, ἀλλὰ συναθροιζομένων ἁπάντων καὶ θεωμένων τὰ παρ' ἀλλήλων πραττόμενα· πρόδηλον γὰρ ὅτι τοιαῦτα σπεύσωσιν αὐτὰ (л. 295[b]) καθεστάναι, οἷα παντελῶς ἀνεπιτήδευτα μένειν. εἰ δέ τις ὀφθείη οὕτως ἀναιδής, ὥστε τολμᾶν ἐπιχειρῆσαί τι ἢ παραβαίνειν τι τῶν νενομοθετημένων, ὁ τῆς μονῆς ἡγούμενος ταῦτα ἐξεταζέτω· βουλόμεθα γὰρ τὴν νῦν σφοδροτέραν γίνεσθαι παρατήρησιν, καὶ πρῶτον μὲν μὴ πολλὰς ἔχειν τὰς εἰς τὸ μοναστήριον εἰσόδους, ἀλλὰ μίαν ἢ δύο τυχόν, ἑφεστάναι τε τῇ πύλῃ δύο ἄνδρας γεγηρακότας καὶ σώφρονας καὶ μεμαρτυρημένους ἐξ ἁπάντων, οἵπερ οὐδὲ τοῖς εὐλαβεστάτοις μοναχοῖς συγχωρήσουσιν χωρὶς τῆς τοῦ ἡγουμένου γνώμης ἐκφοιτᾶν ἐκ τοῦ μοναστηρίου, ἀλλ'

---

1) сътворьшеи *У*. 2) ѿрекъшеисѧ *УН*. 3) се *прот Н*. 4) съкоуплающимсѧ *П*; съвъкоуплающимъсѧ *У*. 5) подъщасѧ *Н*. 6) къихъма *У*. 7) ли *прот. Н*. 8) лице *Н*. 9) вестоудень *Н*. 10) прѣстоупати *Н*; прѣстоупати *УП*. 11) ѡбитълыни *Н*; ѡбитѣлный *П*. 12) хощеть *П*. 13) болше *Н*. 14) много *Н*. 15) входъ *Н*. 16) ключьно *У*. 17) и *вставл. Н*. 18) цѣломоудрьно *Н*. 19) послѵшьствованна *cod*. 20) дваста *cod*.; въдасть *У и вставл.* или. 21) игѵмена *П*.

равно того ѳдержатъ· нъ аже къ
ѣѳ ревнѹющемъ и ни ѿтерпающе [1]
себе· ни ѿ начинанїи [2] нѣ [3] инѣмъ
нѣкыимъ [4] бывати въ манастыри· не
дадатъ ни нощь· ни дн҃ь· иже не-
правое [5] благоѹзникый оустроятъ [6]
х. 305 b. вънегда да [7] сѣдится и҃данїе [8] | высо-
кыимъ огражденъ манастыра· ꙗко ни
единомѹ же е [9] исхода инѣдѣ разъвѣ [10]
врата [11] быти посемъ аще [и] цр҃кы
при манастири вѣдетъ· ни тако [12] ви-
ною цр҃кве исходити [13] ѥ [14] страха и
шествиа [15] тамо творити и весѣдо-
вати [16] къ [17] нѣкыимъ имъже не [18] по-
добаетъ· нъ приходити [19] въ врѣмя
сщ҃еныа слѹжбы· кѹпно съ игѹменомъ·
или съ прѣдними ихъ· [20] слѹжбѣ же
съвершивъшися [21] къ обители приход-
ити и тѹ сѣдѣти [22] и великомѹ
молитися ѣѳ· [23] въ бжественыихъ
пребывати писанїихъ многыа бо
сщ҃еныа [24] таковыи [25] книгъ раѕвѣ и
мощно есть коегождо дш҃ю оправ-
лати [26] и напаѧти [27] сщ҃еныими слове-
сы иже [28] аще и часто почитаема [29]
бываютъ· никогда же съблажнатся· [30]
ни въ чл҃ческыа [31] съвѣдѹтся [32]

ἴσον τούτου καθέξουσι τὰ πρὸς τὸν [1] θεὸν
ζηλοῦντας καὶ μὴ διασπῶντας ἑαυτούς,
μήτε τὰς πράξεις μήτε τὰς ἐπιτηδεύ-
σεις, οὔτε ἑτέρους τινὰς γίνεσθαι κατὰ
μοναστηρίου νύκτωρ τε καὶ μεθ' ἡμέραν
ἐάσουσιν, οἵπερ οὐκ ὀρθὴν τὴν τῶν εὐ-
λαβεστάτων μοναχῶν παρασκευάσουσιν
ἐν τῷ διακριθῆ θρεγκίῳ περιπεφραγμέ-
νον τὸ μοναστήριον, ὥστε μηδεμίαν
ἔξοδον ἀλλαχόθεν πλὴν ἢ διὰ τῶν πυ-
λίδων εἶναι. ἔπειτα κἂν εἴ τις ἐκκλησία
κατὰ τὸ μοναστήριον εἴη, μηδ' οὕτως
προφάσει τῆς ἐκκλησίας ἐκφοιτᾶν ἀδεῶς
καὶ περιπάτους ἐκεῖσε ποιεῖσθαι καὶ ἐν-
τυγχάνειν τισίν, οἷς οὐ προσήκει, ἀλλὰ
παραγίνεσθαι ἐν τῷ καιρῷ τῆς ἱερᾶς
λειτουργίας ἅμα τῷ (л. 296ᵃ) ἡγουμένῳ
ἢ τοῖς αὐτῶν πρωτεύουσιν, τῆς δὲ λει-
τουργίας πληρωθείσης ἐπὶ τὸ κοινόβιον
χωρεῖν κἀκεῖσε κάθεσθαι, καὶ τὸν μέγαν
ἱκετεύειν θεὸν ταῖς θείαις ἐντυγχάνειν
γραφαῖς. πολλοὺς γὰρ ἱεροὺς τῶν τοιού-
των βιβλίων χωρίς, καὶ δυνατός ἐστιν
τὴν ἑκάστου ψυχὴν ἐπανορθοῦν καὶ
ἐπάρδειν τοῖς ἱεροῖς λόγοις, ἅπερ εἰ συ-
νεχῶς ἀναγινώσκοιεν, οὐκ ἄν ποτε σφα-
λεῖεν οὐδὲ εἰς ἀνθρωπίνας κατενεχθεῖεν

1) ѿвръзающе *H.* 2) начинананіи *cod.*; начинанни *НП.* 3) ни *ПУН.* 4) кымъ *H.* 5) правою *У.* 6) и *вставл. H.* 7) да *проп. H.* 8) ѯаніемь *ПНУ.* 9) юсть *НУ.* 10) звѣ *У.* 11) вратъ *ПУ*; вратты *H.* 12) такою *H.* 13) исходить *H.* 14) ѣ *НПУ.* 15) шествіе *H.* 16) и *вставл. H.* 17) нъ *cod.* 18) не *проп. H.* 19) проходити *H.* 20) преднихъ *H* (*вм.* прѣдними ихъ). 21) и *вставл. H.* 22) съдѣти *cod.* 23) и *вставл. H.* 24) сщ҃еныа *cod.* 25) таковыхъ сщ҃ныа *H.* 26) ѿправити *H.* 27) напаѧти *cod.*; напаатися *П.* 28) ꙗко *П.* 29) почита *П.* 30) съблажнаютъ *H.* 31) чловѣчьскыа *УПН.* 32) сведоутѣ *H*; въвѣдоутъся *У.*

1) τὸν cod. между строкъ.

части [1] четыре же или пати старцемъ ѿ тоа обители быти пр҃тѣи цр҃кви соущїи [2] въ манастыри· имже акїе всакъ по҃вигъ съвершися по [по]ценїю [3] и ѿ [4] поставленїа спо[по]бишасѧ· иже въ клиросѣ поповъскыи оубо или [5] дїакона [6] имѣщїи [7] образ ти бо и приходящиими полоучатъ· ѿ бжественыихъ рекѹтъ [8] писанїи· и мнѣти [9] всѣмъ быти [10] таковыа оустроатъ и съхранатъ сѹщеныа дома [11] оуностъ же ша|тающѹсѧ и своѥ пр҃дѣлъ внѣ быти хотащѹ держащееся терпѣнїе· не въниметъ же· ни жена ѿнѹдъ [12] въ мѹжъскыи манастырь· ни мѹжь въ женъскыи и[з]вѣтомъ ѹмершаго и тѹ лежащѹ [13] [па]мати или о инои винѣ· и па҃ аще кто братъ [14] или сестрѹ или коего ѿ рода имѣти [15] въ манастыри или рече҃ бл҃городства на ꙁемли мнихомъ нѣстъ· [16] и ревновавшимъ въ небесное житїе что бо ѥ҃ хотѧ тако[въıа] вхоты створитъ аще не хотатъ нѣ]что [с]творити ѿреченый ѿ нѣже и мѹжемъ лѣпа въ мѹжъскыи

μερίδας. τέσσαρας δὲ ἢ πέντε πρεσβύτας ἐκ τῆς αὐτῆς μονῆς εἶναι κατὰ τὴν ἐν τῷ μοναστηρίῳ καθεστῶσαν ἁγιωτάτην ἐκκλησίαν, οἷς ἤδη πᾶς ἀγὼν ἤνυσται κατὰ τὴν ἄσκησιν καὶ ὑπὸ χειροτονίας ἠξίωνται τῆς ἐν τῷ κλήρῳ, πρεσβυτέρων τυχὸν ἢ διακόνων τῶν ἐφεξῆς ἔχοντας σχῆμα· οὗτοι γὰρ καὶ τοῖς ἀφικνουμένοις ἐντεύξονται καὶ τὰ ἐκ τῶν θείων διαλέξονται γραφῶν καὶ νομίζεσθαι πάντας εἶναι τοιούτους παρασκευάσωσιν καὶ φυλάξωσιν τὸν ἱερὸν οἶκον, τὴν νεότητα δὲ θρασυνομένην καὶ τῶν οἰκείων ὅρων ἐξεῖναι βουλομένην οἱ τῆς καρτερίας ἐπέχοντες. Οὐκ εἰσελεύσεται δὲ οὔτε γυνὴ παντελῶς εἰς ἀνδρικὸν μοναστήριον οὐδὲ ἀνὴρ εἰς γυναικεῖον προφάσει τελευτήσαντος κακεῖσε κειμένου μνήμης ἢ κατὰ ἄλλην αἰτίαν, καὶ μάλιστα εἴ τις ἀδελφὸν τυχὸν ἢ ἀδελφὴν ἤ τινα τῶν ἐκ τοῦ γένους (л. 296ᵇ) ἔχειν ἐν τῷ μοναστηρίῳ ἢ φησίν· ἐν συγγενείᾳ γὰρ τοῖς μοναχοῖς ἐπὶ γῆς οὐκ ἔστιν τοῖς τε τὸν ἐν οὐρανίῳ ζηλώσασι βίον. τί γὰρ δὴ καὶ βουλομένοις τὰς τοιαύτας εἰσόδους ποιήσοιντο, εἰ μὴ βούλωνταί τι πράττειν τῶν ἀπηγορευμένων; ἐξ ὧν [1] καὶ τὰ ἀνδράσι πρέποντα ἐν τοῖς ἀνδρικοῖς

л. 306 a.

1) части *вставл. cod.* 2) соущи *H.* 3) по-шеныя *H* (*вм.* по[ценїю). 4) ѿ *проп. H.* 5) и *H.* 6) дыконовьскъıи *H.* 7) имѹщюи *II.* 8) реку *У.* 9) имѣти *У* (*вм.* и мнѣти). 10) бытїи *II*; ти *вставл. У.* 11) домъı *У.* 12) ѿтиноудь *HУ.* 13) лежащи *H.* 14) ѿбращеть *H.* 15) имѣта *cod.* 16) нѣ҃ мнихомъ *H.*

1) ἐξῶν cod.

манастырехъ[1] творити· женѣ не подобаѥ моужѣ же творити· ꙗко[2] и женѣ ѿдаѧнаѧ·[3] въ женьскыи манастырѣ творити женѣ подобаѥ· ни
5 единомꙋ[4] же примѣшающꙋсѧ[5] иногоѧще ли ꙋбо[6] кто братъ быти хѣтѣлъ или сестра· или ꙋжика или инъ ни[7] тою же[8] виною въходити[9] дѣ[10] емоу· ѧще бо сїа начала[11] ѿсѣче·[12] и прѣ-
10 лесть того рѣ видѣнїа вносїмꙋю[13] дѣшамъ и о[т]сꙋдѣ попълзновенїе възбранимъ кꙋдѣтъ многыимъ кротъко[14] же и ꙋдобно· чистыимъ пꙋвижникомъ· лоꙋшаго[15] жїтїа исправленїе[16]
15 вси ꙋбо[17] семꙋ законꙋ да[18] покораѥтсѧ ни мꙋжа да не оставлаютъ[19] въ женьскѣмъ манастыри· ни женъ[20] въ мꙋжескыи манастырехъ[21] творити[22] да не оставлаютъ· ни мꙋжемъ бо женьскаго лѣпо естъ· ни пакы[23] къ мꙋже-
20 л. 306 b. скыи | женѣ причитаѥтсѧ· ни ѿ сихъ оумершїихъ рѣ о имѣнїи безлѣпотнымъ симъ съмѣшенїемъ бывати не хощемъ· да не прѣходъ[24] о[т]сꙋдѣ кꙋдѣтъ естьствомъ къ немꙋ[25] имиже
25 не въправдꙋ[26] веселитисѧ и играти· и бѣжественыѧ осрамлѧти[27] вещи· и

μοναστηρίοις ἄνδρας ποιεῖν, καὶ τὰ γυναιξὶν ἀπονενεμημένα ἐν τοῖς γυναικείοις μοναστηρίοις πράττειν γυναῖκας, οὐδενὸς ἐπιμιγνυμένου θατέρῳ, οὐδ' εἴ τις τυχὸν ἀδελφὸς εἶναι λέγοι ἢ ἀδελφὴ ἢ συγγενὴς ἢ ἄλλος· οὐδὲ γὰρ κατὰ ταύτην τὴν πρόφασιν ἐσιτέον εἶναί τινι συγχωροῦμεν· εἰ γὰρ αὐτὰς τὰς ἀρχὰς ἔκοψεν καὶ τὴν δι' αὐτῆς τῆς ὁράσεως εἰσκρινομένην ταῖς ψυχαῖς ἀπάτην καὶ τὸν ἐντεῦθεν ὄλισθον κωλύσομεν, ἔσται πολλῶν πραΰς τε καὶ εὐκολωτέρα τοῖς ἱεροῖς ἀγωνισταῖς ἡ τοῦ κρείττονος βίου κατόρθωσις. πάντες τοίνυν τῷδε τῷ νόμῳ πειθέσθωσαν, μήτε ἄνδρες ἀποτιθέσθωσαν ἐν γυναικείῳ μοναστηρίῳ μήτε γυναῖκες ἐν ἀνδρικοῖς μοναστηρίοις κατορυττέσθωσαν. οὔτε γὰρ ἀνδράσι γυναικωνίτιδος πρέπουσιν οὔτε αὖθις ἀνδρῶνες τοῖς γυναικῶν καταλόγοις· οὐδὲ ἐντεῦθεν διὰ τοὺς τελευτήσαντας τοὺς περὶ οὐσίας[1] τὰς ἀσχήμονας ταύτας ἐπιμιξίας γίνεσθαι βουλόμεθα, (л. 297b) ἵνα μὴ πάροδος ἐντεῦθεν γένοιτο τῇ φύσει πρὸς αὐτήν, ἃ μὴ θέμις τρυφᾶν τε καὶ παίζειν καὶ τὰ θεῖα καταισχύνειν πράγματα, καὶ

1) манастъреχъ *НПУ*. 2) же *вставл. Н.* 3) ѿданаѧ *Н*; ѿдаѥмаѧ *У*. 4) ѥдиного *Н.* 5) примѣшающюсѧ *cod.* 6) ꙋбо *прон. Н.* 7) и *Н.* 8) же *прон. ПНУ.* 9) въходити *НУ.* 10) даѥмъ *Н.* 11) нача *Н.* 12) ѿсѣчемъ *П.* 13) внѣсїмꙋю *cod.* 14) кротокъ *П.* 15) и *вставл. Н.* 16) истравленїе *cod.* 17) ꙋбо *cod.* 18) да *прон. П.* 19) оставлаю *У.* 20) женъı *Н.* 21) въ моужьскѣмь манастъıри *Н.* 22) творити *прон. ПН.* 23) какы *cod.* 24) прѣдохъ *cod.*; проходъ *Н.* 25) немо *Н.* 26) правьдоу *У.* 27) встрамлати *Н.*

1) περιουσίας cod.

бл҃гочестїа покровенїемъ· и образомъ имѣнїа [сиа] сътворити[1] ихъже ни гл҃ати ни помышлати· постлмїимъсѧ[2] мнишаскыимъ жїтїемъ добро· иномꙋ же сꙋщꙋ авѣ ꙗко нꙋжда есть слꙋжалмїимъ гробꙋ и па҃ одръ носалмїимъ и копающмїимъ входити[3] въ манастыра въ мꙋ҃скыа вбо манастыра вещь ꙋдобна есть въ женаскыа же не тако за реченое запрѣщенїе·

чв҃·[4] Повелѣваемъ вбо· аще когда хощеть таковое бывати· что и погрѣбати[5] женꙋ въ женаскѣмъ[6] манастыри моужа же [не] хощемъ бл҃говол҃нивыимъ [же][7] женамъ· въ своеи прѣбывати обители одинои же дверници или дверница игꙋменїи· равно еи· аще хощеть[8] прїити[9] къ бывающмїимъ·[10] и скоро онѣмъ сѣдѣвшемъ ꙗко прп҃вньѣ мнимаѧ· и гробъ ископавшемъ· и тѣло покрывше҃ авїе ѡ҃хождти· ни вѣдѣвшемъ[11] нѣкыимъ бл҃говол҃нивыи҃ женъ· ни ѡ҃ иного видѣвши҃ его· нъ ни иноа да помышлаютъ вины мꙋжи въ женаскыа[12] манастыра· |[13] прѣходыи[14] жены ѡ҃ мꙋ҃скаго ѡ҃лꙋчены·[15] и изѣтомъ εὐσεβείας δῆθεν προσκαλύμματι καὶ τῷ τῆς οὐσίας σχήματι ταῦτα πράττειν, ἅπερ οὐδὲ λέγειν οὐδὲ ἐννοεῖν τοῖς μονήρη βίον ἀσκοῦσι καλόν. ἐκείνου δὲ ὄντος φανεροῦ, ὡς ἀνάγκη καθέστηκεν τοὺς ταῖς ταφαῖς ὑπηρετουμένους καὶ μάλιστα τοὺς τὴν κλίνην φέροντας τούς τε ὀρύττοντας εἰσφοιτᾶν εἰς μοναστήρια, ἐν μὲν τοῖς ἀνδρικοῖς μοναστηρίοις τὸ πρᾶγμα εὔκολόν ἐστιν, ἐν δὲ τοῖς γυναικείοις οὐχ οὕτως, διὰ τὴν εἰρημένην ἀπαγόρευσιν.

Ιγ΄. Θεσπίζομεν τοίνυν, εἴποτε μέλλοι τοιοῦτό τι γίνεσθαι καὶ θάπτεσθαι γυνὴ ἐν γυναικείῳ μοναστηρίῳ (ἄνδρα γὰρ οὐκ ἐφίεμεν), τὰς μὲν εὐλαβεστάτας γυναῖκας ἐν τῷ οἰκείῳ μένειν καταγωγίῳ, μόνην δὲ τὴν θυρωρὸν ἢ τοὺς θυρωροὺς καὶ τὴν ἡγουμένην ἴσως αὐτὴν εἰ βουληθεῖεν παρεῖναι τοῖς γινομένοις, καὶ θᾶττον ἐκείνους πράξαντας τὰ περὶ τὴν ὁσίαν νενομισμένα καὶ τὸν τάφον ὀρύξαντας καὶ τὸ σῶμα καλύψαντας εὐθὺς[1] ἀποχωρεῖν, μήτε θεασαμένους τινὰς τῶν εὐλαβεστάτων γυναικῶν μηδὲ παρά τινος αὐτῶν θεαθέντας.[2] (л. 297[b]) ἀλλὰ μηδὲ ἄλλην ἐπινοείτωσαν πρόφασιν οἱ ἄνδρες τῶν εἰς γυναικεῖα μοναστήρια παρόδων αἱ γυναῖκες τὸν ἀνδράσιν ἀφωρισμένον καὶ προφάσει л. 307 a.

---

1) творити *ПН.* 2) постлмїхсѧ *Н.* 3) входи *Н.* 4) чв҃ *прот. НР.* 5) потрѣбати *cod.* 6) моужьстѣмъ *Н.* 7) *вставка изъ Н.* 8) хощемъ *Н.* 9) принти хощеть *Р.* 10) бывающемъ *Р.* 11) видѣвшимъ *ПРНУ.* 12) женьскын *П.* 13) въ *вставл. Р.* 14) приходы *Н*; проходы *У.* 15) Шлꙋченын *П.*

1) εὐθεὶς cod. 2) θεαθεντ^{α} cod.

дѣющїихъ ѡ[1] преподобнѣи· аже бо памати нарицаютъ въ третїи [и][2] въ девятыи[3] сходящеся[4] дн҃ь· и егда четыредесѧтыныи дн҃ь· и година аще женьскыи вѹдетъ манастыра· женамъ все творити аще ли мѹжескыи мѹжемъ и жена[5] и[3]вѣтомъ· таковаго съблюденїа· неключенїе[6] [нѣкоѥ] благоволнивыимъ манастыремъ творити подаетъ[7] ничьсо же възаконеныимъ аще не[8] имать стража подобныа·[9] можетъ[10] блюсти подобныа·

чг҃· [11] Повелѣваемъ на всако врѣмя· коегождо манастыра· заступающемѹ часто навѣщїа[12] и строити коегождо жїтїа[13] оустављенїе·[14] и[15] аѥ҃[16] кде родъ чрѣсъ лѣпое· се аѥ҃[17] оправлати же и ѿпоущати болшїими[18] бывати попълженїема·[19] ни погѹбити дша къ спсенїю прилагающѹ[20] началникъ же манастырема или вѹдетъ на мѣстѣ тако же и в томъ блаженѣмъ[21] градѣ· сїа да строитъ и посылаетъ· нарицаемыа ѿвѣтаникы его и манастыра и[22] да пытаема· и насилныи[23] еда како[24] лѹкаво[24] τῶν περὶ τὴν ὁσίαν πραττομένων, ἃς δὴ μνήμας καλουσιν, εἰς τρίτην καὶ ἐνάτην συνιόντες ἡμέραν, καὶ ἡνίκα τεσσαράκοντα ἐξήκοιεν[1] ἢ[2] καὶ ἐνιαυτός· ἐξόν, εἰ μὲν γυναικεῖον εἴη τὸ μοναστήριον, γυναῖκας ἅπαντα πράττειν, εἰ δὲ ἀνδρεῖον, ἄνδρας, καὶ γυνὴ προφάσει τῶν τοιούτων παρατηρήσεων ἀδοξίαν τινὰ τοῖς εὐαγέσι μοναστηρίοις προστρίβεσθαι ἐπιδίδοι· οὐδὲν τῶν[3] νομοθετουμένων εἰ μὴ φυλακὴν ἔχοι τὴν προσήκουσαν δύναται τηρεῖσθαι προσηκόντως.

θεσπίζομεν τὸν κατὰ καιρὸν ἑκάστου μοναστηρίου προεστῶτα συνεχῶς ἐποπτεύειν καὶ περιεργάζεσθαι τὴν ἑκάστου πολιτείαν καὶ κατάστασιν, καὶ εἴ που τι βραχὺ γένος τὸ παρὰ πρέπον, τοῦτο εὐθὺς ἐπανορθοῦν τε καὶ μὴ συγχωρεῖν μεῖζον γίνεσθαι τὸν ὄλισθον μηδὲ ἀπολέσθαι ψυχὴν πρὸς τὴν τῆς ἀσκήσεως σωτηρίαν καταφυγοῦσαν. ὁ δὲ τῶν μοναστηρίων ἔξαρχος (εἴ τε εἴη κατὰ τόπον, ὥσπερ ἐπὶ ταύτης τῆς εὐδαίμονος πόλεως) ταῦτα περιεργαζέσθω καὶ στελλέσθω τοὺς καλουμένους ἀποκρισιαρίους τοὺς αὐτοῦ καὶ τὰ[4] μοναστήρια, (л. 298[a]) καὶ πυνθανέσθω[5] καὶ τῶν ἔτι τόνων, μήπω τι πονηρὸν

1) ѿ *cod.* 2) *вставка изъ Н.* 3) девятыни *Н.* 4) сходяще *П.* 5) жена *cod. НУ.* 6) неключное *Н.* 7) подобаетъ *НР.* 8) не *проп. НР.* 9) подобна стража *Н.* 10) молетъ *cod.* 11) чг҃ *проп. Н.* 12) навѣщение *Н.* 13) житие *Н.* 14) оустављении *Н.* 15) и *проп. П.* 16) аіре *НП.* 17) твое *вставл. Н.* 18) колшимъ *ПН.* 19) поползении *Н.* 20) приѣгающѹ *ПНУ.* 21) бѣтьнѣмь *Н.* 22) и *проп. Н.* 23) югда что *Н* (*вм.* еда како). 24) лѹкава *cod.*

1) εξοίκοινεν cod. 2) η cod. 3) τῶν вставл. cod. 4) cod. подскобл. и переправл. въ κατὰ. 5) cod. переправл. изъ πυνθάνεσθαι.

нѣ на коего[1] ѿ манастыря бли[2] бывает· и сїа вса да накажает· и подобнаго да сподобит промышлєнїа· нъ и коегождо града єпп̃ъ его промышлєнїе да имат или патрїархомъ·[2] или митрополитомъ·[3] или на коегождо | бѫдет· и бл̃говол[3]нивыа сѫдникы· цр̃ковныа посылати·[4] сїа вѫзискающихъ и хранящихъ[5] и[6] не дающихъ[7] ничемѫ[8] же кромѣ подобнаго бывати· [и] аще что бѫдет[9] скоро се да ѹправят·[10] прт̃ыи же патрїархъ· того блаженаго[11] града· о[12] сѫщихъ сде манастырє̃ тако же да испытует[13] и стража вещи бг̃олюбивыа сѫдникы прт̃ыа великаа цр̃кве и ꙗко же[14] аще мнит извѣстны и чисты быти да[15] поставит· да болшїими стражи[16] бывши·[17] еже болшїимъ· съблюденїемъ[18] и на грѣсѣхъ ѿмщенїе бѫдет·[19] подобает же коемѫждо манастырю по͡ игѫменомъ снабдимѫ имѣти[20] ꙗко же рекохомъ глємыа сѫдникы· мѫжа състарѣвшаса· и мнишаскыимъ житїемъ подвизавшаса· и не оудо[6] тѣлесныа искѫшенїа поимше͡· ни[21] къ вещемъ ни къ[22] потрѣбамъ

1) нѣкоего *H* (*вм.* нѣ на коего). 2) патрнархъ *НПУ*. 3) митрополитъ *НПУ*. 4) послати *H*. 5) хранающихъ *H*. 6) и *проп. П*. 7) дающихъ *H*. 8) никомоу *H*. 9) скоро се да ѹправать *вставл. cod*. 10) оуправить *H*. 11) блаженнаго *П*. 12) о *проп. H*. 13) испытаемъ *H*. 14) ꙗже *У* (*вм.* ꙗко же). 15) до *cod*. 16) стража *П*. 17) бывшїи *П*. 18) къблюденнемъ *H*. 19) кѫдѫ *П*. 20) кѣти *H*. 21) не *У*. 22) къ *проп. H*.

ἐπί τινος τῶν μοναστηρίων τῶν ἐγγύθεν γίνεται, καὶ ταῦτα ἅπαντα σωφρονιζέτω καὶ τῆς προσηκούσης ἀξιούτω προνοίας. ἀλλὰ καὶ ὁ πόλεως ἑκάστης ἐπίσκοπος τούτου πρόνοια‹ν›[1] ἐχέτω, εἴτε πατριάρχης εἴτε μητροπολίτης εἴτε καὶ τῶν[2] καθ' ἕκαστον εἴη, καὶ τοὺς[3] εὐλαβεῖς ἐκδίκους л. 370 b.
τῆς ἐκκλησίας στελλέσθω ταῦτα ἀναζητοῦντας καὶ παραφυλάττοντας καὶ μὴ συγχωροῦντας μηδὲ ὁτιοῦν ἐκτὸς γενέσθαι τοῦ προσήκοντος, ἀλλὰ καὶ εἴ τι γένοιτο, θᾶττον τοῦτο ἐπανορθοῦν. ὁ δὲ ἁγιώτατος πατριάρχης ταύτης τῆς εὐδαίμονος πόλεως τὰ περὶ τῶν ἐνταῦθα μοναστηρίων ὁμοίως ἐξεταζέτω, καὶ φύλακας τοῦ πράγματος τοὺς θεοφιλεστάτους ἐκδίκους τῆς ἁγιωτάτης μεγάλης ἐκκλησίας καὶ οὓς ἂν νομίσειεν ἀκριβεῖς καὶ σεμνοτάτους εἶναι καταστησάτω, ἵνα διὰ πλειόνων τῆς φυλακῆς γενομένης ἔτι[4] μείζων ἡ τήρησις καὶ ἐπὶ τοῖς ἁμαρτήμασιν ἐκδίκησις γένηται. δεῖ δὲ ἕκαστον μοναστήριον ὑπὸ ἡγούμενον τελοῦν ἔχειν, καθάπερ εἰπόντες ἔφθημεν, τοὺς λεγομένους ἀποκρισιαρίους, ἄνδρας γεγηρακότας καὶ ἤδη τὸν μοναχικὸν βίον ἀγωνισαμένους καὶ οὐ ῥᾳδίως (л. 298[b]) τὰς σωματικὰς ἐπηρείας ὑφισταμένους, οὐ τοῖς πράγμασιν

1) προνοία cod. 2) τὸν cod. 3) τὰς cod. 4) ήτι cod.

ихъ прележащемъ [1] и не токмо на мѫжьскѣмъ бѫдетъ манастыри· нъ и на женьскѣмь [2] полѫчитися [3] быти· двѣма нѣкыима или трѣма мѫжема· или каженикы аще моцьно· или о[тъ] [съ]старѣвшихъся [4] и о цѣломѫдр[ен]ыихъ послѫшьствованыихъ· паче вещи симъ съдѣютъ· [5] и неи[з]гланое симъ подадатъ овщенїе вънегда [6] емѫ врѣма· аще
л. 308 a. ли | о нѣкоеи потрѣбѣ манасты[ря]· или въ единѫ бл҃гочестивыи [7] въспоминаемыа рещи нѣчто нѫжд҃ыихъ хотѧтъ помолитсѧ игѫменїи едїнои· и дрѫгаа ѿнѫдъ [8] [не] едина ѿ женъ въ манастыри томъ· нъ бл҃гочестьныими [9] двернича[ми] [10] творяще подобаетъ во таковыа нѣкыа и ѕ [11] двереи приставлати· аже [12] тако же ѫходы [и] [13] йѫходъı же [14] въ манастырь видатъ· и исходы въздрьжатъ· и непроходныи [15] мѫже[мъ] же [16] ѫходы разѣ солдникъ [17] поставлѧтъ· они же двернициамъ [18] помолятсѧ и рекѫтъ въ свое пришествїе игѫменїа же ѫвѣдѣвши· [19] и съшедъши [20] съ ними повесѣдова [21] ти [22] же вънесѫтъ

καὶ ταῖς αὐτῶν ἀπησχόληνται [1] χρείαις. καὶ οὐ μόνον ἐπὶ ἀνδρῶν εἴη τὸ μοναστήριον, ἀλλὰ καὶ εἰς γυναικῶν τύχοι, εἶναι δύο τινὰς ἢ τρεῖς ἄνδρας ἢ εὐνούχους, εἰ δυνατόν, ἢ τῶν γεγηρακότων καὶ ἐπὶ σωφροσύνῃ μεμαρτυρημένων, ὑπὲρ τὰ πράγματα ταύταις πράξωσιν καὶ τὴν ἄῤῥητον αὐτοῖς διαδῶσιν [2] κοινωνίαν, ἡνίκα τούτου καιρός. εἰ δὲ περί τινος τοῦ μοναστηρίου χρείας ἢ εἰς μίαν τῶν εὐσεβεστάτων ἀναφερομένης εἰπεῖν τι τῶν ἀναγκαίων βούλοιντο, ἐντεύξονται τῇ ἡγουμένῃ μόνῃ, καὶ ἑτέρα παντελῶς οὐδεμία τῶν γυναικῶν τῶν εἰς τὸ μοναστήριον τοῦτο, ἀλλὰ διὰ τῶν εὐσεβεστάτων θυρωρῶν πράττοντες· δεῖ γὰρ τοιαύτας τινὰς καὶ ἐπὶ ταῖς θύραις τετάχθαι, αἵπερ ὁμοίως τὰς εἰσόδους καὶ ἐξόδους τὰς εἰς τὸ μοναστήριον ἐποπτεύουσιν καὶ τὰς ἐξόδους κωλύσωσιν καὶ ἀβάτους ἀνδράσι τὰς εἰσόδους πλὴν τῶν ἀποκρισιαρίων καταστήσωσιν. οἱ δὲ τοῖς θυρωροῖς ἐντεύξονται καὶ ἐροῦσι τὴν ἑαυτῶν ἄφιξιν, ἡ δὲ ἡγουμένη μανθάνουσά τε καὶ κατιοῦσα τούτοις ἐν(л. 299a)τεύξεται, αὐτοὶ δὲ ἀνοίσωσιν

---

1) прлежащїмъ *НП.* 2) неженьскѣмь *cod.*; бѫдетъ манастыри *вставл. cod., но перечеркив.* 3) пороучитися *Н*; штиноудь *У.* 4) *исправл. по ПУ.* 5) сдѣваютъ *Н.* 6) вънѣгла *У.* 7) бл҃гочестивыи *cod.* 8) ѿнѫдъ *П*; штиноудь *У.* 9) бл҃гочестьнымъ *cod.* 10) двѣрьчами *У.* 11) (*вм.* и 8) въ *Н*, ноу *У.* 12) ако *П.* 13) *вставка изъ Н.* 14) же *проп. У.* 15) неприходны *Н*; непроходаны *У.* 16) же *проп. ПНУ.* 17) солникъ *Н.* 18) двьрьничамъ *У.* 19) оувидѣвъши *Н.* 20) шедъши *Н.* 21) повесѣдовати *П.* 22) тии *Н.*

1) ἀπησχολήνται cod. 2) διαδοσιν cod.

к неи оустроенїе ихъ или о[1] потрѣбѣ на нюже приидоша· и тако чл҃ческы сътворитъ доврѣ· и цѣломоудрїе прибудетъ[2] бесѣде· и ѡ҃ единого же зла искушаемо аще ли кто съгрѣшитъ· ибо многа чл҃ка·[3] и не аще кто можетъ[4] естьства оудержати· тако ако ничьсо[5] же съгрѣшати се во есть единомоу бг҃ъ съмѣренѣ оуко[6] сущи[7] вещи· и поучати[8] и възбранати· и покаанїа имъ даати[9] врѣмя да доврѣишїи чинъ прїимъ·[10] аще възбранитсѧ къ себѣ· а не низложеныа·[11] ибо[12] погубитъ труды аще ли болїи прегрѣшенїа будетъ обра[3] къ грѣхоу и къ прилежанїю[13] оправленїа быти | и аще поученїе[14] болшее и покаанїе крѣплашее истязати·[15] и аще во[3]можетъ тѣми[16] образы сп҃сти поплъзати начинающаго· тое же и на [жена]хъ довольныихъ и на мужехъ· речемъ благодати вѣдѣти[17] великомоу бг҃ъ· еже и на нѣси бывати радости· аг҃лскыимъ рекшоу[18] силамъ егда кто сп҃сетсѧ съгрѣшающїи·· аще[19] лоуче будетъ· и[20] на ицѣленїе вещь[21] быва[е]тъ· тъгда и[3]дринути его из

1) о *прп. Н.* 2) прибудѣтъ *cod.*; пребоудетъ *НП.* 3) чл҃вческаѧ *У.* 4) кто съгрѣтъ *вставл. cod., но перечеркив.* 5) ничто *Н.* 6) смѣрѣнию *Н (вм.* съмѣренѣ оуко*).* 7) соущи *У.* 8) поучатисѧ *Н.* 9) къ *вставл. Н.* 10) цинъ примъ *Н.* 11) нижьженыа *Н.* 12) ѕбо *прп. Н.* 13) прележанию *Н.* 14) полоучение *У.* 15) истязанїе *П.* 16) тѣмѣ *cod.* 17) видѣти *Н.* 18) рекше *Н.* 19) ли *вставл. У.* 20) и *прп. НУ.* 21) вещьмъ *Н.*

ἐπ' ἐκείνην τὰ[1] περὶ τῆς αὐτῶν διοικήσεως ἢ καὶ τῆς χρείας, ἐφ' ᾗ παραγεγόνασιν· καὶ οὕτως καὶ τὰ ἀνθρώπινα πραχθήσεται καλῶς καὶ ἡ σωφροσύνη διαμείνῃ πανταχόθεν ὑπ' οὐδενὸς πειραζομένη κακοῦ. εἰ δέ τις ἁμάρτοι (καὶ γὰρ πολλὰ τὰ ἀνθρώπινα, καὶ οὐκ ἄν τις δύναιτο τὴν φύσιν ἐπισχεῖν οὕτως, ὡς ἁμαρτάνειν μηδέν· τοῦτο γάρ ἐστιν μόνου θεοῦ), μετρίου μὲν ὄντος τοῦ πράγματος καὶ νουθετεῖν καὶ καθείργειν καὶ μετανοίας αὐτῷ διδόναι καιρόν, ἵνα κάλλιον τάξιν λαβοῦσα αὖθις ἐπανέλθῃ πρὸς ἑαυτὴν καὶ μὴ τοὺς ἤδη καταβεβλημένους ἀπολέσειεν κόπους· εἰ δὲ μείζων[2] ὁ τοῦ πταίσματος εἴη τρόπος, πρὸς τὴν ἁμαρτίαν καὶ τὴν ἐπιμέλειαν τῆς л. 308 b.
ἐπανορθώσεως εἶναι καὶ αὖθις νουθεσίαν σφοδροτέραν καὶ μετάνοιαν ἰσχυρὰν ἀπαιτεῖν. καὶ εἰ μὲν ἰσχύσειεν τούτοις τοῖς τρόποις σῶσαι τὸν ὀλισθαίνειν ἀρχόμενον (ταὐτὸ δὲ καὶ ἐπὶ γυναικῶν ἀρκουσῶν καὶ ἀνδρῶν φαμεν) χάριν εἰδέναι τῷ μεγάλῳ θεῷ τῷ καὶ ἐν οὐρανῷ γίνεσθαι χαρὰν ταῖς ἀγγελικαῖς εἰπόντι δυνάμεσιν, ἡνίκα τις σωθῇ τῶν ἁμαρτανόντων· εἰ δὲ κρεῖττον εἴη, κατὰ θεραπείαν τὸ πρᾶ(л. 299[b])γμα γίνεται τηνικαῦτα καὶ ἐξωθεῖν αὐτὸν

1) τὰς cod., но ς перечеркив. 2) cod. выскобл. послѣ μείζον около 4 буквъ.

манастыра· ѣако да[1] бо даѣ[2] себе ѡ добрѣишїихъ[3] горьшїимъ· самъ[4] своея злобы наслаждится единъ· да ни къ своеи злобѣ[5] и[6] инѣ[хъ] примѣсити· ѣако же нѣчто ѡ нечистыи недбгбющїимъ[7] прѣлести цр҃тво бо не прѣзритъ· сима лѣнящемася·[8] и не ѡстбпитъ[9] негодованїа на игбмена ни на мѣстьнаго епп̃а ⟨и⟩ иже по̃ нимъ цр҃ственыи[10] съланикъ· аще сихъ не съблюдбтъ· ѣако нбжданб сбщб[11] и цр҃ствоу[12] вещи прилежанїю· аще бо онѣхъ чистами рбками и ногами· за гра̃ мл҃твы приносятъ[13] бг҃ъ авѣ ѣако и воинъства прїимбтъ добрѣ· и гра̃[14] оўстроятся бг҃ъ же мл҃тивб и[14] бвѣтливб сбщб како[15] не ббдбтъ вся съ всѣма миромъ· и бл҃гыи закон[ом]ъ и земля же намъ сътворити[16] плоды· и море свою подасть милость·[17] тѣхъ мл҃твою бг҃ъ· на все жї-
л. 309 a. тїе[18] | събирающб· нъ и тыи же обыцїи[19] обра̃[20] чл҃комъ· честьнѣи ббдеть тѣхъ стыдяся[21] чистоты·

τοῦ μοναστηρίου, ὅπως ἂν ἐκδοὺς ἑαυτὸν ἐκ τῶν καλλιόνων τοῖς χείροσιν αὐτὸς τῆς ἑαυτοῦ κακίας ἀπολαύσειεν μόνος καὶ μή τι τῶν αὐτοῦ κακῶν καὶ ἑτέρων ἀπομάξεται, ὥσπερ τι τῶν καὶ ἀθεράπευτα νοσούντων βοσκημάτων· οὐ γὰρ ἡ βασιλεία περιόψεται τούτων ἀμελουμένων οὐδὲ ἀφέξεται τῆς ἀγανακτήσεως κατὰ τοῦ ἡγουμένου οὐδὲ τοῦ κατὰ τὸν τόπον ἐπισκόπου καὶ τῶν ὑπ' αὐτὸν[1] ἐκκλησιεκδίκων, εἰ μὴ ταῦτα τηροῖεν, ὡς ἀναγκαίας οὔσης καὶ τῇ βασιλείᾳ τῆς τοῦ πράγματος ἐπιμελείας. εἰ γὰρ ἐκείνων καθαραῖς ταῖς χερσὶν καὶ γυμναῖς ταῖς ὑπὲρ τοῦ πολιτεύματος εὐχὰς προσαγάγοιεν τῷ θεῷ, πρόδηλον ὡς καὶ τὰ στρατεύματα ἕξει καλῶς καὶ αἱ πόλεις εὐσταθήσουσιν (θεοῦ τε ἱλέω καὶ εὐμενοῦς καθεστῶτος πῶς οὐκ ἔσται πάντα μετὰ πάσης εἰρήνης τε καὶ εὐνομίας;) καὶ ἡ γῆ τε ἡμῖν καρποὺς καὶ ἡ θάλασσα οἰκεῖα δώσει, τῆς ἐκείνων εὐχῆς εὐμένειαν τοῦ θεοῦ πρὸς πᾶσαν τὴν πολιτείαν συναγούσης. ἀλλὰ καὶ αὐτό τε τὸ κοινὸν σχῆμα τῶν ἀνθρώπων αἰδεσιμώτερον ἔσται καὶ ζήσῃ κάλλιον τὴν ἐκείνων αἰσχυνόμενον καθαρότητα.

1) да *прот.* У; давъ *Н.* 2) даво *cod.*; давъ *прот. Н.* 3) добрѣишїимъ *cod.* 4) самомъ *cod.* 5) злобы *П.* 6) ни *Н.* 7) недоугоующихъ *Н.* 8) лѣнящимся *Н.* 9) остоупить *УН.* 10) цр҃ственыхъ *У.* 11) ноужноую сюцю *П.* 12) цьсарьствоу *У.* 13) приносити *Н.* 14) и *прот. Н.* 15) оўво *вставл. Н.* 16) сътворити *cod.* 17) мл҃ть дасть *Н.* 18) на все житїе *вставл. cod.* 19) обыцїи *cod.* 20) иже ѡбразъ ѡбщии тыи же *Н* (*вм.* и тыи же обыцїи образ). 21) стыдать *Н.*

1) αὐτῶν cod.

ѩко єдино[1] съдъхновєнїе бъдетъ· всѣмъ въкупѣ на се събирающемъ-
ся[2] и[3] изгонимѣ на неже идетъ[4] аще зловѣ всѣкои добрѣишимъ же
и[5] прѣподобнымъ начинанїемъ· въводимомъ же и подобнымъ же[6]
вещемъ· и егоже мы възыскающе вещь дѣмъ ѩко вѣровахомъ хѵ̃· и се
же оубо всѣ хранити хощемъ обра-
зы ѩко[7] аще кто авитсѧ ѿ бл҃говолзнивыи мнихъ· въ нѣчемъ кърчемь-
ница[8] живаи того авїе прѣдати бр҃-
нымъ строителемъ· или[9] сде сѵ̑щ
твоего величьства·[10] наказати же[11]
обличаема и въ[2]вѣщати же того
игѵменѵ· ѩко и[3]гнатї и[12] изъ ма-
настыра· си прѣгрѣшившаго въ
стѵдѣ[13] житїе[14] аѓѓаѳскаго сего[15]
ѵстроенїа и[2]мѣнѵ̑ша подобаетъ
бо мнихомъ бывати· или къ[16]
вжѳ̑ственымъ прилежати[17] писа-
нїемъ или мнихомъ подобнаѧ·
ако[18] же[19] обыкоша нарицати· рѵ̑чь-
ное[20] дѣло оучити[21] же сѧ и
дѣлати· оумъ бо въсѵ̑ прилежаи[22]
ничто же ѵ̑бо бл҃га притѧжаетъ[23] и
сѵ̑ же сї[24] полагаемъ законъ· и[25] на

ὥστε μία σύμπνοια (л. 300[a]) γενήσεται, πάντων ὁμοῦ πρὸς τοῦτο συντρεχόντων καὶ ἐξοριζομένης καθ' ὅσον οἷόν τε τῆς κακίας ἁπάσης, καλλιόνων τε καὶ ὁσιωτέρων ἐπιτηδευμάτων ἀντεισαγομένων τε καὶ ἐμπρεπόντων τοῖς πράγμασιν· ὅπερ ἡμεῖς ἐπιζητοῦντες πρᾶγμα πράττομεν, ὥστε πεπιστεύκαμεν, Χριστῷ.[1]

Κἀκεῖνό γε μὴν πᾶσιν φυλάττεσθαι βουλόμεθα τρόποις, ὥστε εἰ φανείη τις τῶν εὐλαβεστάτων μοναχῶν εἴς τι τῶν καπηλείων ἀναστρεφόμενος, τοῦτον εὐθὺς παραδίδοσθαι τοῖς τῶν πόλεων[2] ἐκδίκοις ἢ ἐνταῦθα τῷ δικαστηρίῳ τῆς σῆς ὑπεροχῆς, σωφρονίζεσθαί τε διελεγχόμενον καὶ μηνύεσθαι τοῦτο τῷ ἡγουμένῳ, ὥστε αὐτὸν ἐξελαύνειν τοῦ μοναστηρίου τὸν ταῦτα πλημμελήσαντα, τὸν ἐν αἰσχύνῃ βίον τῆς ἀγγελικῆς ταύτης καταστάσεως ἀλλαξάμενον· δεῖ γὰρ τοῖς μοναχοῖς καθιστάναι, ἢ ταῖς θείαις ἐνασχολεῖσθαι γραφαῖς ἢ τὰ μοναχοῖς πρέποντα, ἅπερ εἰώθασιν καλεῖν ἐργόχειρον, μελετᾶν τε καὶ ἐργάζεσθαι· διάνοια γὰρ μάτην σχολάζουσα οὐδὲν ἂν τῶν ἀγαθῶν ἀποτέκοι. ὑπὲρ τούτων[3] δὲ τόνδε τίθεμεν τὸν νόμον ἐπί τε ταύτης

1) єдинъ *H.* 2) срѣщюсѧ *H*; сърѣщюсѧ *У.* 3) и *проп. НП.* 4) идеже *НПУ.* 5) же и *проп. Н.* 6) же *проп. ПН.* 7) ѩка *cod.* 8) корчемници *П.* 9) и *У.* 10) велицьства *У.* 11) же *проп. У.* 12) и *проп. П.* 13) стодѣ *У.* 14) жїтьи *Н.* 15) житиа *вставл. Н.* 16) къ *проп. У.* 17) прележати *Н.* 18) ако *проп. У.* 19) иже *НП* (*вм.* ако же). 20) роуцьноє *У*; же *вставл. Н.* 21) оучити *У.* 22) прележати *Н.* 23) притѧжать *У*; прележаєть *Н.* 24) сии *УП.* 25) и *проп. Н.*

1) хѵ̑ω cod. 2) cod. подскобл. изъ полѣмων. 3) τοῦτον cod.

цр҃ьскѣмъ [1] же [2] держащꙋ. и на
ꙗзыцѣхъ [3] вс[ѣ]де. [4] и подо-
баетъ коемꙋждо прп҃бнꙑихъ [5] па-
трїа҃рхъ послꙋ наше цр҃ковїе. [6]
л. 309 b. 5 сего [7] ꙋтве|рженїемъ. и храненїемъ
подобнꙑимъ аще ли по҃ [по]ве-
лѣнꙑими митрополиты пꙋщени [8]
вꙋдꙋтъ они же инѣмъ всѣмъ
предадатъ епп҃омъ. епїскꙋпи же
10 сїа бг҃оговд҃нивꙑимъ мниχомъ.
и игꙋменомъ вꙋдетъ авѣ по-
даемъ [9] же и [10] съблюденїе
писанїа. [11] не токмо игꙋменꙋ.
обители [12] коемждо ни еди-
15 номꙋ ѿ бг҃олюбивꙑй епп҃ъ [13]
мѣстꙋ ни предподобнꙑимъ же
митрополитомъ ни пр҃ѣдимъ [14]
патрїа҃рхомъ. нъ сде ꙋво и
твоимъ величествомъ. [15] да [16]
20 егоже вещи требꙋетъ. болшаго [17]
оправданїа [18] вѣдꙋще о[тъ] бг҃олю-
бивꙑихъ мꙋжь. да съвершаетъ въ
епархїѣ же тѣхъ кн҃ь [19] первѣе ѿ
бг҃олюбивꙑй епп҃ъ сътвореное [20] оувѣ-
25 дятъ. аще ли всѣми [21] и [22] лицемъ
чистомъ и началомъ неповинна къ
ѣꙋ и къ цр҃ьствию же всѣхъ.

τῆς βασιλευούσης κρατοῦντα ἐπί τε τῶν ἐθνῶν πανταχοῦ· καὶ γὰρ δὴ πρὸς ἕκαστον τῶν ὁσιωτάτων πατριαρχῶν κατε(л. 300[b])πέμψαμεν αὐτὸν ἐπ' ἀσφαλείᾳ τε καὶ φυλακῇ προσηκούσῃ, οἱ δὲ ἐπὶ τοὺς ὑποτεταγμένους μητροπολίτας ἐκπέμψωσιν, ἐκεῖνοι δὲ τοῖς ἄλλοις ἅπασι διαδώσουσιν ἐπισκόποις, διὰ δὲ τῶν ἐπισκόπων ταῦτα τοῖς εὐλαβεστάτοις μοναχοῖς καὶ τοῖς ἡγουμένοις αὐτῶν γενήσεται φανερά. διδοῦμεν δὲ τὴν τοῦ γράμματος παρατήρησιν οὐ μόνον τῷ ἡγουμένῳ μονῆς ἑκάστης οὐδὲ μόνῳ τῷ θεοφιλεστάτῳ τῶν τόπων ἐπισκόπῳ οὐδὲ τοῖς ὁσιωτάτοις μητροπολίταις οὐδὲ τοῖς ἁγιωτάτοις πατριάρχαις, ἀλλ' ἐνταῦθα μὲν καὶ τῇ σῇ ὑπεροχῇ, ἵνα εἴ τινος τὸ πρᾶγμα δεηθῇ σφοδροτέρας ἐπανορθώσεως, μανθάνοντες παρὰ τῶν θεοφιλεστάτων ἀνδρῶν ἐπεξίοι· ἐν δὲ ταῖς ἐπαρχίαις τοῖς ἐκείνων ἄρχουσιν πρότερον παρὰ τῶν θεοφιλεστάτων ἐπισκόπων τὸ πρακτέον μανθάνουσιν. καὶ εἰ διὰ πάντων καὶ τοῖς προσώποις τοῖς ἱερωμένοις καὶ ταῖς ἀρχαῖς ἀνεύθυνα τὰ πρὸς τὸν θεὸν καὶ πρό γε ἁπάντων τῇ βασιλείᾳ,

---

1) цр҃ьствѣмъ *H.* 2) же *пропущ. H.* 3) ꙗзѣхъ *H.* 4) *исправлено по HУ.* 5) прп҃бнѣихъ *cod.* 6) цр҃во *H.* 7) со *H.* 8) поꙋщение *У.* 9) подаемо *H.* 10) и *пропущ. HУ.* 11) писанье *H.* 12) обитель *H.* 13) епп҃о *H.* 14) прѣдимъ *H.* 15) величествомъ *У.* 16) не *вставл. H.* 17) болшаго *П.* 18) справленья *HПУ.* 19) да съверщаетъ въ епархїѣ же тѣхъ кнѧ *пропущ. H.* 20) створенье *H.* 21) всѣмъ *H.* 22) и *пропущ. H.*

ѥже [1] нѣкако же ѩко же [2] дмерїи и [3] хранити праведныа лѣнѧщѹсѧ· но всѣми спѣшащемъ· овщее житїе великаго
5 бг̃а и сп̃са нашего нс̃а· [4] чл̃колюбїа наслаждтьсѧ [5] чистоты ради бг̃оговѣзныихъ мѹжь еже съхранѧтѣ [6] и клирици и [7] мниси· и єпп̃и [8] колшаѧ же и маѣшаѧ
10 сщ̃ѣныихъ [9] поминающемъ [10] каномъ [11] наша ѕаконъ и повелѣнїе и о томъ писаный аже и держати· и рѣснотивъномъ бъıти и нъıнѣшнїимъ повелѣнїемъ [12] ѕакономъ престо|[ѩ]ща [13] оубо намъ·
15 твоа слава и симъ бж̃ественыимъ· аблающїимъ [14] ѕакономъ вѣдѹщїимъ дѣломъ и съвершенїемъ· не едва да по̃щитьсѧ·

ἃς οὐδὲν ὡς τῶν θυγατέρων καὶ τῶν φυλάττεσθαι δικαίων ἀμελουμένου παρ' ἡμῶν, ἀλλὰ διὰ πάντων σπευσάντων τὴν κοινὴν πολιτείαν τῆς τοῦ μεγάλου θεοῦ καὶ σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ φιλανθρωπίας ἀπολαύσει διὰ τῆς τῶν εὐλαβεστάτων (л. 301[a]) ἀνδρῶν καθαρότητος, ἣν φυλάξουσιν καὶ κληρικοί καὶ μοναχοὶ καὶ ἐπίσκοποι μείζους τε καὶ ἐλάττους. τῶν τε ἱερέων μεμνημένοι κανόνων, τῶν τε ἡμετέρων νόμων καὶ διατάξεων τῶν τε περὶ τούτου γεγραμμένων, οὓς καὶ κρατεῖν καὶ κυρίους εἶναι καὶ διὰ τοῦ παρόντος θεσπίζομεν νόμου. л. 310 a.

Τὰ τοίνυν παραστάντα ἡμῖν ἡ σὴ ἐνδοξότης καὶ διὰ τοῦδε τοῦ θείου δηλουμένου νόμου γινώσκουσα ἔργῳ καὶ πέρατι παρ' οὐδένα [1] σπουδασάτω.

---

1) нхъ *H.* 2) ѩко же *прот. H*; же *прот. П.* 3) и *прот. H.* 4) їс̃ха *У.* 5) насадитьсѧ *У.* 6) схранить *H.* 7) и *прот. П.* 8) и *вставл. H.* 9) же *вставл. ПУ.* 10) поминающе *НП*; поминающи *У.* 11) канонъ *УП*; канонъı *H.* 12) повелѣваемъ *НПУ.* 13) престоще *H.* 14) ѩвлающи *НПУ.*

1) παρουδέναι cod.

ОГЛАВЛЕНІЕ.

	стран.
Предисловіе	I—V
Объясненіе сокращеній	VI
Дополненія, поправки и опечатки	VII—VIII
Предисловіе къ синтагмѣ XIV титуловъ	1— 4
XIV титуловъ	5—56
Указатель каноновъ	57—61
Правила Апостольскія	62—82
Правила Никейск. (I вселенск.) собора	83—93
Правила Константинопольск. (II вселенск.) собора	94—101
Правила Ефесск. (III вселенск.) собора	102—111
Правила Халкидонск. (IV вселенск.) собора	112—129
Правила Трулльск. (VI вселенск.) собора	113—204
Правила Никейск. II (VII вселенск.) собора	205—228
Правила Анкирск. собора	229—237
Правила Неокесарійск. собора	238—241
Правила Гангрск. собора	242—250
Правила Антіохійск. собора	251—266
Правила Лаодикійск. собора	267—279
Правила Сардикск. собора	280—298
Правила Карѳагенск. собора	299—459
Правила Василія Великаго изъ посланія къ Амфилохію	460—508
Посланіе его же къ подчиненнымъ епископамъ	509—511
Посланіе его же къ хорепископамъ	512—514
Посланіе его же къ Григорію пресвитеру	515—516
Посланіе его же къ Діодору	517—523
Изъ посланія его же къ Амфилохію	524
Изъ 27-го слова его же о Св. Духѣ	525—529
Изъ 29-й главы того же слова	530—531
«Провозглашеніе» Ѳеофила Александр.	532
«Воспомяновеніе» его же къ Аммону	533—537
Посланіе его же къ Афингію	538
Посланіе его же къ Агаѳу	539
Посланіе его же къ Минѣ	540

	стран.
Отвѣты Тимоѳея Александр.	541—546
Посланіе Аѳанасія Александр. къ Амуну	547—553
Посланіе его же къ Руфиніану	554—555
Изъ 39-го праздн. посланія его же	556—559
Посланіе Кирилла Александр. къ діакону Максиму	560—561
Посланіе его же къ пресвит. и архим. Геннадію	562—563
Посланіе его же къ Домну	564—567
Посланіе его же къ Ливійск. и Пентапольск. епископамъ	568—569
Посланіе Діонисія Александр. къ Василиду	570—577
Правила Петра Александр.	578—596
Изъ слова его же на Пасху	597
Окружное посланіе патр. Кп. Геннадія	598—604
Посланіе Григорія Неокесарійск.	605—611
Посланіе Григорія Нисск. къ Литоію	612—631
Изъ стиховъ Григорія Богослова о канонич. книгахъ	632—633
Изъ ямбовъ Амфилохія Иконійск. къ Селевку	634—636
«Сказаніе» патріарха Антіох. Анастасія	637—640
«Повѣсть» его о папѣ Григоріи Двоесловѣ	641—643
Епифанія Кипрск. о ересяхъ	644—706
Тимоѳея, пресвитера Кп., о способахъ принятія еретиковъ	707—738
Collectio 93 capitulorum	739—837